Table of Contents
शीर्षक
के बारे में
भाग ---- पहला
लेखक की प्रस्तावना
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
अध्याय 15
अध्याय 16
अध्याय 17
अध्याय 18
अध्याय 19
अध्याय 20
अध्याय 21
अध्याय 22
अध्याय 23
अध्याय 24
अध्याय 25
अध्याय 26
अध्याय 27
अध्याय 28
अध्याय 29
अध्याय 30
अध्याय 31
अध्याय 32
अध्याय 33
अध्याय 34
अध्याय 35
अध्याय 36
अध्याय 37
अध्याय 38
अध्याय 39

□□□□□□□ 40
□□□□□□□ 41
□□□□□□□ 42
□□□□□□□ 43
□□□□□□□ 44
□□□□□□□ 45
□□□□□□□ 46
□□□□□□□ 47
□□□□□□□ 48
□□□□□□□ 49
□□□□□□□ 50
□□□□□□□ 51
□□□□□□□ 52
□□□□ 2
□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□
□□□□□□□□ 1
□□□□□□□ □□
□□□□□□□ 3
□□□□□□□ 4
□□□□□□□ 5
□□□□□□□ 6
□□□□□□□ 7
□□□□□□□ 8
□□□□□□□ 9
□□□□□□□ 10
□□□□□□□ 11
□□□□□□□ 12
□□□□□□□ 13
□□□□□□□ 14
□□□□□□□ 15
□□□□□□□ 16
□□□□□□□ 17
□□□□□□□ 18
□□□□□□□ 19
□□□□□□□ 20
□□□□□□□ 21
□□□□□□□ 22
□□□□□□□ 23
□□□□□□□ 24
□□□□□□□ 25
□□□□□□□ 26
□□□□□□□ 27
□□□□□□□ 28
□□□□□□□ 29
□□□□□□□ 30

□□□□□□ 31
□□□□□□ 32
□□□□□□ 33
□□□□□□ 34
□□□□□□ 35
□□□□□□ 36
□□□□□□ 37
□□□□□□ 38
□□□□□□ 39
□□□□□□ 40
□□□□□□ 41
□□□□□□ 42
□□□□□□ 43
□□□□□□ 44
□□□□□□ 45
□□□□□□ 46
□□□□□□ 47
□□□□□□ 48
□□□□□□ 49
□□□□□□ 50
□□□□□□ 51
□□□□□□ 52
□□□□□□ 53
□□□□□□ 54
□□□□□□ 55
□□□□□□ 56
□□□□□□ 57
□□□□□□ 58
□□□□□□ 59
□□□□□□ 60
□□□□□□ 61
□□□□□□ 62
□□□□□□ 63
□□□□□□ 64
□□□□□□ 65
□□□□□□ 66
□□□□□□ 67
□□□□□□ 68
□□□□□□ 69
□□□□□□ 70
□□□□□□ 71
□□□□□□ 72
□□□□□□ 73
□□□□□□ 74

Don Quixote

Miguel Cervantes

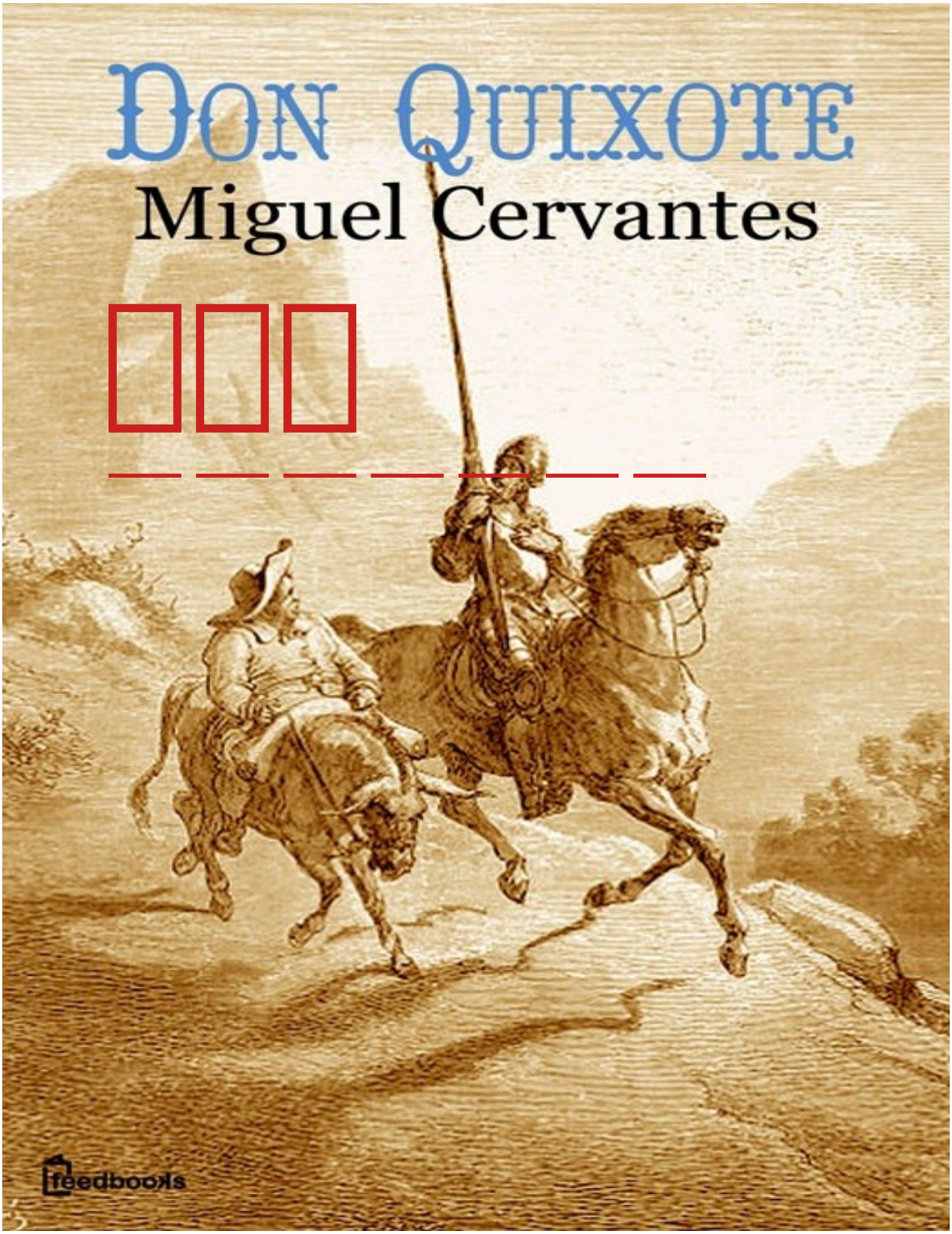

feedbooks

feedbooks

□□□ □□□□□□□□□□

□□□□□□ □□□□□□□□□□
(□□□□□□□□: □□□ □□□□□□□□□)

□□□□□□□□□: 1615
□□□□□□□□□□: □□□□□□□□□, □□□□□□□□□□
□□□□□□: http://en.wikisource.org

सेर्वेंटेस के बारे में:
डॉन मिगुएल डे सेर्वेंट्स वाई सावेद्रा (29 सितंबर, 1547 - 23 अप्रैल, 1616) एक स्पेनिश उपन्यासकार, कवि और नाटककार थे। सेर्वेंट्स साहित्य जगत के सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक थे और सोलहवीं शताब्दी के स्पेन (सिग्लो डे ओरो) के सांस्कृतिक उत्कर्ष से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व थे। उनका उपन्यास, डॉन क्विक्सोट, पश्चिमी साहित्य का एक मूलभूत क्लासिक माना जाता है और अक्सर सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ उपन्यासों में शुमार होता है; इसका साठ से अधिक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है, जबकि इसके संस्करण नियमित रूप से मुद्रित होते रहते हैं, और 18 वीं शताब्दी से ही इस कृति पर आलोचनात्मक चर्चा निरंतर जारी है। उन्हें एल प्रिंसिपे डे लॉस इंगेनियोस (बुद्धि का राजकुमार) की उपाधि से पुकारा जाता है। अल्काला डे हेनारेस में जन्मे सेर्वेंट्स सात बच्चों में से चौथे थे, जिनका परिवार संभवतः कुलीन वर्ग से था। परिवार एक कस्बे से दूसरे कस्बे में जाता रहा, और सेर्वेंटेस के शुरुआती जीवन के बारे में बहुत कम जानकारी है। सेर्वेंटेस ने 1568 में साहित्यिक क्षेत्र में पदार्पण किया। 1570 तक वे एक स्पेनिश पैदल सेना रेजिमेंट में सैनिक के रूप में भर्ती हो गए थे और 1575 तक सैन्य जीवन व्यतीत करते रहे, जब घर लौटते समय उन्हें बारबरी समुद्री डाकुओं ने पकड़ लिया। उनके माता-पिता और ट्रिनिटेरियन समुदाय ने उन्हें छुड़ाया और वे मैड्रिड में अपने परिवार के पास लौट आए। 1585 में, सेर्वेंटेस ने एक देहाती उपन्यास, ला गैलाटिया प्रकाशित किया। आर्थिक समस्याओं के कारण, सेर्वेंटेस ने स्पेनिश आर्मडा के लिए आपूर्तिकर्ता के रूप में और बाद में कर संग्रहकर्ता के रूप में काम किया। 1597 में, तीन साल पहले के उनके खातों में विसंगतियों के कारण उन्हें सेविले की क्राउन जेल में डाल दिया गया। 1605 में वे वलाडोलिड में थे, ठीक उसी समय जब मैड्रिड में प्रकाशित उनके डॉन क्विक्सोट के पहले भाग की तत्काल सफलता ने साहित्यिक जगत में उनकी वापसी का संकेत दिया। 1607 में, वे मैड्रिड में बस गए, जहाँ वे अपनी मृत्यु तक रहे और काम करते रहे। अपने जीवन के अंतिम नौ वर्षों के दौरान, सेर्वेंटेस ने एक लेखक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत किया; उन्होंने 1613 में उत्कृष्ट उपन्यास (Novelas ejemplares), 1614 में परनासस की यात्रा (Viaje del Parnaso), और 1615 में आठ हास्य उपन्यास और आठ अंतःक्रियाएँ तथा डॉन क्विक्सोट का दूसरा भाग प्रकाशित किया। कार्लोस फुएंतेस ने टिप्पणी की कि, "सेर्वेंटेस पुस्तक के पन्ने इस तरह खोलते हैं कि पाठक स्वयं को उसमें लिखा हुआ पाता है।" स्रोत: विकिपीडिया
नोट: यह पुस्तक फीडबुक्स द्वारा प्रायोजित है।
http://www.feedbooks.com
यह फाइल केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है, इसका व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग न करें।

□□□ ---- □□□□

बेजर के ड्यूक, जिब्रालियन के मार्क्विस, बेनालकाज़र और बनारस के काउंट, प्यूब्ला डे अलकोसर के वाइसकाउंट, कैपिला, क्यूरीएल और बरगुइलोस के शहरों के मास्टर
महाराज, सभी प्रकार की पुस्तकों का सम्मान करते हैं, और एक ऐसे राजकुमार के रूप में जो उत्कृष्ट कलाओं, विशेषकर उन कृतियों का जो अपनी श्रेष्ठता के कारण आम लोगों की सेवा और रिश्वत के आगे नहीं झुकतीं। इस विश्वास में, मैंने महाराज के गौरवशाली नाम की शरण में 'द इंजीनियस जेंटलमैन डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा' को प्रकाशित करने का निश्चय किया है। महाराज के प्रति श्रद्धापूर्वक श्रद्धा व्यक्त करते हुए, मैं प्रार्थना करता हूँ कि वे इसे अपने संरक्षण में ग्रहण करें, ताकि ज्ञानियों के घरों में रचित कृतियों को सुशोभित करने वाले अलंकरण और विद्वता के उस अनमोल आभूषण से वंचित रहते हुए भी, यह उन लोगों के निर्णय में दृढ़ विश्वास के साथ खड़ा हो सके जो अपनी अज्ञानता की सीमाओं को पार करते हुए दूसरों की रचनाओं की अधिक कठोरता और कम न्यायसंगतता से निंदा करते हैं। मेरी हार्दिक आशा है कि महाराज मेरे इस नेक उद्देश्य के प्रति अपना स्नेहपूर्ण परामर्श देंगे और इस विनम्र सेवा की तुच्छता को नजरअंदाज नहीं करेंगे।
मिगुएल डे सर्वेंट्स

लेखक की प्रस्तावना
प्रिय पाठक, आप निःसंकोच विश्वास कर सकते हैं कि मेरी यह रचना, जो मेरे मस्तिष्क की उपज है, कल्पना से परे सबसे सुंदर, सबसे जीवंत और सबसे बुद्धिमान होती। परन्तु प्रकृति के नियम का मैं विरोध नहीं कर सका कि हर चीज़ अपने जैसी ही किसी और चीज़ को जन्म देती है; तो फिर मेरी यह बंजर, अपरिष्कृत बुद्धि क्या जन्म दे सकती थी सिवाय एक सूखी, मुरझाई हुई, सनकी संतान की कहानी के, जो हर तरह के विचारों से भरी हो और ऐसे विचार जो किसी और की कल्पना में कभी नहीं आए हों— एक ऐसी जेल में भला क्या जन्म ले सकता है, जहाँ हर दुख समाया हो और हर उदास ध्वनि अपना घर बना ले? शांति, एक सुखमय विश्राम स्थल, सुंदर खेत, उज्ज्वल आकाश, कलकल बहती नदियाँ, मन की शांति, ये वे चीजें हैं जो सबसे बंजर कला को भी उपजाऊ बना देती हैं और दुनिया में ऐसे जन्म लाती हैं जो इसे आश्चर्य और आनंद से भर देते हैं। कभी-कभी जब किसी पिता का बेटा बदसूरत और बदतमीज़ होता है, तो उसके प्रति प्रेम उसे इतना अंधा कर देता है कि वह उसकी कमियों को देख ही नहीं पाता, या यूँ कहें कि उन्हें मन और शरीर का वरदान और आकर्षण समझकर अपने मित्रों से उनकी चतुराई और शालीनता के रूप में चर्चा करता है। परन्तु मैं—यद्यपि मैं पिता कहलाता हूँ, परन्तु "डॉन क्विक्सोट" का सौतेला पिता मात्र हूँ—रीति- रिवाज के साथ चलने की इच्छा नहीं रखता, और न ही प्रिय पाठक, दूसरों की तरह आँखों में आँसू लिए तुमसे विनती करने की, कि तुम मेरे इस बच्चे में जो कमियाँ देखोगे, उन्हें क्षमा कर दो या माफ कर दो। तुम न तो उसके रिश्तेदार हो और न ही मित्र; तुम्हारी आत्मा तुम्हारी अपनी है और तुम्हारी इच्छा किसी भी व्यक्ति की तरह स्वतंत्र है, चाहे वह कोई भी हो; तुम अपने घर में हो और उसके उतने ही स्वामी हो जितना कि अपने करों का राजा; और तुम यह कहावत तो जानते ही हो, "मैं अपने लबादे के नीचे राजा को मारता हूँ।" यह सब तुम्हें हर तरह के विचार और दायित्व से मुक्त करता है, और तुम कहानी के बारे में जो चाहो कह सकते हो, बिना किसी बुराई के लिए निंदा किए जाने या किसी अच्छाई के लिए पुरस्कृत किए जाने के डर के।
मेरी इच्छा यही है कि मैं इसे तुम्हारे सामने सरल और बिना किसी अलंकरण के प्रस्तुत करूँ, बिना किसी प्रस्तावना या असंख्य पारंपरिक सॉनेट, एपिग्राम और स्तुतिगान के, जो आमतौर पर पुस्तकों की शुरुआत में लिखे जाते हैं। क्योंकि मैं तुम्हें बता सकता हूँ, यद्यपि इसे लिखने में मुझे कुछ परिश्रम

लगा, पर मुझे इस प्रस्तावना को लिखने से अधिक परिश्रम किसी और में नहीं लगा, जिसे तुम अब पढ़ रहे हो। मैंने इसे लिखने के लिए कई बार कलम उठाई और कई बार उसे यह न जानते हुए रख दिया कि क्या लिखूँ। एक बार, जब मैं कागज पर कलम लिए, कान में कलम लगाए, कोहनी मेज पर रखे और गाल पर हाथ रखकर सोच रहा था कि मुझे क्या कहना चाहिए, तभी अचानक मेरा एक चंचल और बुद्धिमान मित्र आ गया, जिसने मुझे इतना गहन चिंतन में देखकर कारण पूछा; जिस पर मैंने, बात को छिपाए बिना, जवाब दिया कि मैं "डॉन क्विक्सोट" की कहानी के लिए लिखी जाने वाली प्रस्तावना के बारे में सोच रहा था, जिसने मुझे इतना परेशान कर दिया था कि मेरा मन कर रहा था कि मैं कोई प्रस्तावना ही न लिखूं, और न ही इतने महान योद्धा की उपलब्धियों को प्रकाशित करूं।
"आखिर, आप मुझसे यह उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि मैं उस प्राचीन कानून निर्माता, जिसे जनता कहते हैं, के बारे में चिंतित न होऊं, जब वह मुझे इतने वर्षों के विस्मृति के मौन में सोने के बाद, अपने सारे वर्षों का बोझ ढोते हुए, एक ऐसी किताब के साथ बाहर आते हुए देखेगी जो सूखी घास की तरह है, आविष्कार से रहित है, शैली में नीरस है, विचारों में दरिद्र है, ज्ञान और बुद्धिमत्ता से पूरी तरह से रहित है, हाशिये में उद्धरणों या अंत में टिप्पणियों के बिना, उन अन्य पुस्तकों की तरह जो मैंने देखी हैं, जो हालांकि पूरी तरह से कहानियों और अपवित्रता से भरी हैं, अरस्तू, प्लेटो और दार्शनिकों के पूरे समूह के कथनों से इतनी भरी हुई हैं कि वे पाठकों को आश्चर्यचकित कर देती हैं और उन्हें विश्वास दिला देती हैं कि लेखक विद्वान, ज्ञानी और वाक्पटु हैं। और फिर, जब वे पवित्र ग्रंथों का उद्धरण देते हैं! - कोई भी कहेगा कि वे सेंट थॉमस या चर्च के अन्य विद्वान हैं, क्योंकि वे एक ऐसी चतुराई से शिष्टाचार का पालन करते हैं कि एक वाक्य में वे एक विचलित प्रेमी का वर्णन करते हैं और अगले ही वाक्य में एक भक्तिपूर्ण छोटा उपदेश देते हैं।" उपदेश सुनने और पढ़ने में आनंददायक और सुखद होता है। इन सब बातों का मेरी पुस्तक में कोई उल्लेख नहीं होगा, क्योंकि मेरे पास हाशिये में उद्धृत करने या अंत में टिप्पणी करने के लिए कुछ भी नहीं है, और मुझे यह भी नहीं पता कि मैं किन लेखकों का अनुसरण कर रहा हूँ, ताकि मैं उन्हें शुरुआत में, जैसा कि सभी करते हैं, अरस्तू से शुरू होकर ज़ेनोफ़ोन, ज़ोइलस या ज़ेक्सिस तक, अक्षर A, B, C के अंतर्गत रख सकूँ, हालाँकि एक निंदाकार था और दूसरा चित्रकार। मेरी पुस्तक में शुरुआत में

सॉनेट भी नहीं होंगे, कम से कम वे सॉनेट जिनके लेखक ड्यूक, मार्क्विस, काउंट, बिशप, महिलाएँ या प्रसिद्ध कवि हों। हालाँकि यदि मैं दो-तीन मित्र से पूछूँ, तो मुझे पता है कि वे मुझे वे सॉनेट दे देंगे, और वे भी ऐसे होंगे जिनकी बराबरी हमारे स्पेन में सर्वोच्च प्रतिष्ठा रखने वालों की रचनाएँ भी नहीं कर सकतीं।
संक्षेप में, मेरे मित्र, मैंने आगे कहा, "मैं दृढ़ निश्चयी हूँ कि सेनोर डॉन क्विक्सोट को उनके अपने ला मांचा के अभिलेखागार में तब तक दफन रखा जाए जब तक कि ईश्वर उन्हें उन सभी चीजों से सुसज्जित करने के लिए किसी को न भेज दे जिनकी उन्हें आवश्यकता है; क्योंकि मैं अपनी अज्ञानता और ज्ञान की कमी के कारण उन्हें प्रदान करने में असमर्थ हूँ, और क्योंकि मैं स्वभाव से संकोची और लेखकों की खोज करने में लापरवाह हूँ जो वह कह सकें जो मैं स्वयं उनके बिना कह सकता हूँ। इसीलिए आपने मुझे चिंतन और अंतर्मुखता की अवस्था में पाया, और यही कारण है कि आपने मुझसे ये सब सुना।"
यह सुनकर मेरे मित्र ने माथे पर एक थप्पड़ मारा और ज़ोर से हंसते हुए कहा, "भगवान की कसम, भाई, अब मैं उस भ्रम से मुक्त हो गया हूँ जिसमें मैं इतने लंबे समय से जी रहा था, जब से मैं तुम्हें जानता हूँ, और हमेशा तुम्हें हर काम में चतुर और समझदार समझता रहा हूँ; लेकिन अब मैं देखता हूँ कि तुम उससे उतने ही दूर हो जितना आकाश पृथ्वी से दूर है। क्या यह संभव है कि इतनी छोटी-छोटी बातें, जिन्हें आसानी से सुधारा जा सकता है, तुम्हारे जैसे परिपक्व बुद्धि वाले व्यक्ति को उलझाए रखें, जो कहीं अधिक बड़ी बाधाओं को पार करने में सक्षम है? मेरी कसम, यह किसी योग्यता की कमी के कारण नहीं, बल्कि अत्यधिक आलस्य और जीवन के ज्ञान की कमी के कारण है। क्या तुम जानना चाहते हो कि मैं सच कह रहा हूँ? तो फिर, मेरी बात सुनो, और तुम देखोगे कि कैसे एक आँख खोलने और बंद करने से मैं तुम्हारी सारी मुश्किलें दूर कर देता हूँ, और उन सभी कमियों को पूरा कर देता हूँ जिनके बारे में तुम कहते हो कि वे तुम्हें अपने प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट की कहानी, जो सभी का प्रकाश और दर्पण है, दुनिया के सामने लाने से रोकती हैं और हतोत्साहित करती हैं। शूरवीरता।"
मैंने उसकी बातें सुनते हुए कहा, "बताइए, आप मेरी झिझक को कैसे दूर करेंगे और मेरी इस उलझन भरी स्थिति को कैसे सुलझाएंगे?"

जिस पर उन्होंने उत्तर दिया, "शुरुआत के लिए आपको जिन सॉनेट, एपिग्राम या प्रशंसात्मक छंदों की आवश्यकता है, जो कि महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा लिखे जाने चाहिए, उनके बारे में आपकी पहली समस्या दूर हो सकती है यदि आप स्वयं उन्हें लिखने में थोड़ी मेहनत करें; आप बाद में उन्हें नाम दे सकते हैं और उन्हें अपनी पसंद का कोई भी नाम दे सकते हैं, जैसे कि प्रेस्टर जॉन ऑफ द इंडीज या ट्रेबिज़ोंड के सम्राट, जो मेरी जानकारी के अनुसार प्रसिद्ध कवि थे: और यदि वे प्रसिद्ध कवि नहीं भी थे, और कोई विद्वान या कुंवारा व्यक्ति आप पर हमला करे और इस तथ्य पर सवाल उठाए, तो इसकी बिल्कुल भी परवाह न करें, क्योंकि भले ही वे आपके खिलाफ झूठ साबित कर दें, वे उस हाथ को नहीं काट सकते जिससे आपने इसे लिखा है।"
कहानी में शामिल किए गए सूक्तियों और कथनों के संदर्भ में हाशिये में जिन पुस्तकों और लेखकों से आपने उद्धरण लिए हैं, उनका उल्लेख करना केवल इतना ही है कि आप लैटिन के उन वाक्यों या अंशों को, जो आपको याद हों, या कम से कम जिन्हें ढूंढने में आपको ज्यादा परेशानी न हो, उनमें सहजता से समाहित कर लें; ताकि स्वतंत्रता और कैद की बात करते समय आप उन्हें शामिल कर सकें। स्वतंत्रता को सोने के बदले सब कुछ देकर नहीं बेचा जा सकता;
और फिर हाशिये में होरेस, या जिसने भी यह कहा हो, उसका उल्लेख करें; या, यदि आप मृत्यु की शक्ति का संकेत देते हैं, तो इसके साथ शुरुआत करें—
पीली मौत एकसमान कदमों से गरीबों के सराय और राजाओं के बुर्जों पर प्रहार करती है।
यदि यह मित्रता और वह प्रेम है जो ईश्वर हमें अपने शत्रु के प्रति रखने का आदेश देता है, तो तुरंत पवित्र शास्त्रों की ओर रुख करें, जो आप थोड़े से शोध से कर सकते हैं, और स्वयं ईश्वर के शब्दों को उद्धृत करें: Ego autem dico vobis: diligite inimicos vestros. यदि आप बुरे विचारों की बात करते हैं, तो सुसमाचार की ओर मुड़ें: De corde exeunt cogitationes malae. यदि मित्रों की अस्थिरता की बात करते हैं, तो कैटो हैं, जो आपको अपना दोहा देंगे।
जब तक आप खुश रहेंगे, आपके कई दोस्त होंगे। लेकिन अगर समय अंधकारमय हो, तो आप अकेले रह जाएंगे।

"लैटिन के इन और इसी तरह के कुछ अंशों के साथ, वे आपको हर हाल में एक व्याकरणविद् मान लेंगे, और आजकल यह कोई छोटी बात नहीं है, बल्कि एक सम्मान और लाभ की बात है।"
पुस्तक के अंत में टिप्पणियाँ जोड़ने के संबंध में, आप इसे इस प्रकार सुरक्षित रूप से कर सकते हैं। यदि आप अपनी पुस्तक में किसी विशालकाय व्यक्ति का उल्लेख करते हैं, तो यह सुनिश्चित करें कि वह विशालकाय गोलियत हो, और केवल इसी से, जिसमें आपका लगभग कोई खर्च नहीं आएगा, आपके पास एक शानदार टिप्पणी तैयार हो जाएगी, क्योंकि आप लिख सकते हैं—विशालकाय गोलियाह एक पलिश्ती था जिसे चरवाहे दाऊद ने तेरेबिंथ घाटी में एक शक्तिशाली पत्थर से मारकर मार डाला था, जैसा कि राजाओं की पुस्तक में वर्णित है—जिस अध्याय में यह लिखा है।
"इसके बाद, शिष्ट साहित्य और ब्रह्मांड विज्ञान में अपनी विद्वत्ता साबित करने के लिए, अपनी कहानी में टैगस नदी का उल्लेख अवश्य करवाएं, और बस, आपके पास एक और प्रसिद्ध व्याख्या तैयार हो जाएगी, जो इस प्रकार होगी—टैगस नदी का नाम स्पेन के एक राजा के नाम पर रखा गया था: इसका उद्गम फलां स्थान से होता है और यह समुद्र में गिरती है, लिस्बन के प्रसिद्ध शहर की दीवारों को छूती है, और यह सर्वमान्य है कि इसमें सुनहरी रेत है, इत्यादि। यदि आपका संबंध लुटेरों से हो, तो मैं आपको कैकस की कहानी दूंगा, क्योंकि मुझे वह कंठस्थ है; यदि चरित्रहीन महिलाओं से, तो मोंडोनेडो के बिशप हैं, जो आपको लामिया, लैडा और फ्लोरा की कहानियां उधार देंगे, जिनका उल्लेख करने से आपको बहुत सम्मान मिलेगा; यदि कठोर हृदय वालों से, तो ओविड आपको मेडिया से परिचित कराएंगे; यदि चुड़ैलों या जादूगरनियों से, तो होमर के पास कैलिप्सो है, और वर्जिल के पास सिरसे; यदि वीर सेनापतियों से, तो स्वयं जूलियस सीज़र आपको अपने साथ उधार देंगे।" 'टीकाएँ' और प्लूटार्क आपको हज़ारों अलेक्जेंडर दे देंगे। अगर आपको प्रेम के विषय में लिखना हो, तो टस्कन साहित्य के बारे में थोड़ी सी जानकारी के लिए आप लियोन द हिब्रू की किताब पढ़ सकते हैं, जो आपकी हर ज़रूरत पूरी कर देगी; या अगर आप विदेश नहीं जाना चाहते, तो घर पर ही फोन्सेका की 'ईश्वर के प्रेम पर' किताब है, जिसमें इस विषय पर वह सब कुछ संक्षेप में दिया गया है जो आप या सबसे कल्पनाशील व्यक्ति जानना चाहते हैं। संक्षेप में, आपको बस इन नामों का उल्लेख करना है, या मैंने जिन कहानियों का ज़िक्र किया है, उनका संदर्भ देना है, और

टिप्पणियाँ और उद्धरण जोड़ने का काम मुझ पर छोड़ दीजिए। मैं कसम खाता हूँ कि मैं आपके हाशिये भर दूँगा और किताब के अंत में चार पन्ने इस्तेमाल कर लूँगा।
अब आइए उन लेखकों के संदर्भों पर आते हैं जो अन्य पुस्तकों में हैं और जिन्हें आप अपनी पुस्तक में चाहते हैं। इसका उपाय बहुत सरल है: आपको बस कोई ऐसी पुस्तक ढूंढनी है जो उन सभी लेखकों को, जैसा कि आपने स्वयं कहा है, ए से जेड तक उद्धृत करती हो, और फिर उसी वर्णमाला को अपनी पुस्तक में शामिल कर लें। यद्यपि यह छल स्पष्ट रूप से दिखाई देगा, क्योंकि आपको उनसे उधार लेने की बहुत कम आवश्यकता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; संभवतः कुछ लोग इतने भोले होंगे कि वे मान लेंगे कि आपने अपनी इस सरल, सहज कहानी में उन सभी का उपयोग किया है। किसी भी तरह, यदि यह किसी अन्य उद्देश्य को पूरा नहीं करता है, तो लेखकों की यह लंबी सूची आपकी पुस्तक को आश्चर्यजनक रूप से प्रामाणिकता प्रदान करेगी। इसके अलावा, कोई भी यह सत्यापित करने की जहमत नहीं उठाएगा कि आपने उनका अनुसरण किया है या नहीं, क्योंकि इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है; विशेष रूप से इसलिए कि, यदि मैं गलत नहीं हूँ, तो आपकी इस पुस्तक को उन चीजों में से किसी की भी आवश्यकता नहीं है जिनकी आप कमी बता रहे हैं, क्योंकि यह शुरू से अंत तक वीरता की पुस्तकों पर हमला है, जिनके बारे में अरस्तू ने कभी सोचा भी नहीं था, न ही सेंट बेसिल ने एक शब्द कहा था, और न ही सिसरो ने। किसी भी ज्ञान का इससे कोई लेना-देना नहीं है; न ही सत्य की बारीकियां और न ही ज्योतिष के अवलोकन इसकी कल्पनाशील सनक के दायरे में आते हैं; न ही ज्यामितीय माप या अलंकारिक भाषा में प्रयुक्त तर्कों का खंडन इससे संबंधित है; न ही इसका उद्देश्य किसी को उपदेश देना है, मानवीय और दैवीय चीजों को मिलाकर, एक ऐसा मिश्रण जिसमें कोई ईसाई समझ खुद को नहीं ढाल सकती। इसे केवल अपनी रचना में प्रकृति के प्रति सत्य का उपयोग करना है, और अनुकरण जितना अधिक परिपूर्ण होगा, रचना उतनी ही बेहतर होगी। और चूंकि आपकी यह रचना केवल विश्व और जनता में वीरता की पुस्तकों के अधिकार और प्रभाव को नष्ट करने का लक्ष्य रखती है, इसलिए आपको दार्शनिकों से सूक्तियाँ, पवित्र ग्रंथों से उपदेश, कवियों से कहानियाँ, वक्ताओं से भाषण या संतों से चमत्कार मांगने की आवश्यकता नहीं है; बल्कि केवल इस बात का ध्यान रखें कि आपकी शैली और शब्द चयन संगीतमय, सुखद और स्पष्ट हों, स्पष्ट, उचित और सुव्यवस्थित शब्दों के साथ, अपने उद्देश्य को सर्वोत्तम

रूप से व्यक्त करें और अपने विचारों को सामने रखें। स्पष्ट रूप से, बिना किसी भ्रम या अस्पष्टता के। यह भी प्रयास करें कि आपकी कहानी पढ़कर उदास व्यक्ति हँसने लगे और प्रसन्न व्यक्ति और भी प्रसन्न हो जाए; सरल व्यक्ति ऊब न जाए, विवेकशील व्यक्ति आपकी रचनात्मकता की प्रशंसा करे, गंभीर व्यक्ति इसे तुच्छ न समझे और बुद्धिमान व्यक्ति इसकी सराहना करने से न चूके। अंत में, अपना लक्ष्य वीरता की पुस्तकों की उस निराधार संरचना को नष्ट करने पर केंद्रित रखें, जिसे कुछ लोग घृणा करते हैं और बहुत से लोग प्रशंसा करते हैं; क्योंकि यदि आप इसमें सफल होते हैं तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी।
मैंने गहरी चुप्पी में अपने मित्र की बातें सुनीं, और उनकी टिप्पणियों ने मुझ पर ऐसा प्रभाव डाला कि बिना कोई प्रश्न उठाए, मैंने उनकी सत्यता को स्वीकार कर लिया, और उन्हीं से मैंने यह प्रस्तावना लिखने का निश्चय किया; जिसमें, प्रिय पाठक, आप मेरे मित्र की बुद्धिमत्ता, आवश्यकता के ऐसे समय में ऐसे सलाहकार को पाकर मेरा सौभाग्य, और ला मांचा के प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट की कहानी को बिना किसी जोड़-घटाव के प्राप्त करने से आपको जो लाभ हुआ है, उसे समझ पाएंगे। कैम्पो डी मोंटिएल जिले के सभी निवासी उन्हें उस क्षेत्र में कई वर्षों से देखे गए सबसे पवित्र प्रेमी और सबसे बहादुर योद्धा मानते हैं। मैं तुम्हें इतने प्रसिद्ध और सम्मानित योद्धा से परिचित कराकर जो सेवा कर रहा हूँ, उसका बखान करने की मेरी कोई इच्छा नहीं है, लेकिन मैं तुम्हारे उस परिचय के लिए तुम्हारा धन्यवाद चाहता हूँ जो तुम उनके सहायक, प्रसिद्ध सांचो पांजा से करोगे, जिनके बारे में मेरा मानना है कि मैंने तुम्हें वीरता की व्यर्थ पुस्तकों में बिखरी हुई सारी सहायक-संबंधी रोचक बातें संक्षेप में बता दी हैं। और इसलिए—ईश्वर तुम्हें स्वास्थ्य प्रदान करे, और मुझे मत भूलना। अलविदा।

अध्याय 1

यह पुस्तक प्रसिद्ध सज्जन डॉन क्विक्सोट डे ला मांचा के चरित्र और उनके कार्यों का वर्णन करती है।
ला मांचा नाम के एक गाँव में, जिसका नाम मुझे याद करने की कोई इच्छा नहीं है, कुछ समय पहले एक ऐसे सज्जन रहते थे जो भाला रखने के रैक में भाला, एक पुरानी ढाल, एक दुबला-पतला घोड़ा और शिकार के लिए एक ग्रेहाउंड रखते थे। एक बड़े बर्तन में भेड़ के मांस से ज़्यादा गोमांस, लगभग हर रात सलाद, शनिवार को बचा हुआ खाना, शुक्रवार को दाल और रविवार को एक-दो कबूतर, उनकी तीन-चौथाई आमदनी इसी में खर्च हो जाती थी। बाकी की आमदनी छुट्टियों के लिए बढ़िया कपड़े की जैकेट, मखमली पैंट और मैचिंग जूतों पर खर्च हो जाती थी, जबकि सप्ताह के दिनों में वे अपने सबसे अच्छे बुने हुए कपड़ों में शान से रहते थे। उनके घर में चालीस से ज़्यादा उम्र की एक नौकरानी, बीस साल से कम उम्र की एक भतीजी और खेत-खलिहान और बाज़ार के लिए एक लड़का था, जो घोड़े पर काठी कसने के साथ-साथ कांटा भी संभालता था। हमारे इस सज्जन की उम्र लगभग पचास के करीब थी; वह हट्टे-कट्टे, दुबले-पतले, चेहरे पर गठीलेपन वाले, सुबह जल्दी उठने वाले और एक बड़े खिलाड़ी थे। उनका उपनाम क्विक्साडा या क्वेसाडा बताया जाता है (क्योंकि इस विषय पर लिखने वाले लेखकों में इस पर मतभेद है), हालांकि अनुमानों से स्पष्ट है कि उनका नाम क्वेक्साना था। लेकिन यह बात हमारी कहानी के लिए ज्यादा मायने नहीं रखती; इतना ही काफी होगा कि कहानी सुनाते समय सच्चाई से जरा भी न भटकें।
तो आपको यह अवश्य ही ज्ञात होगा कि उपर्युक्त सज्जन जब भी फुर्सत के पल (जो लगभग पूरे वर्ष भर रहता था) पाते थे, तो वे वीरता की पुस्तकों को इतने उत्साह और लगन से पढ़ते थे कि वे अपने खेल-कूद और यहाँ तक कि अपनी संपत्ति के प्रबंधन को भी लगभग पूरी तरह से उपेक्षित कर देते थे; और उनका यह उत्साह और जुनून इस हद तक बढ़ जाता था कि वे वीरता की पुस्तकें खरीदने के लिए कई एकड़ कृषि भूमि बेच देते थे और जितनी पुस्तकें उन्हें मिल सकती थीं, उतनी घर ले आते थे। परन्तु उन्हें फेलिसियानो डी सिल्वा की रचनाएँ सबसे अधिक पसंद थीं, क्योंकि उनकी शैली की स्पष्टता और जटिल कल्पनाएँ उनकी दृष्टि में मोती के समान थीं, विशेषकर जब वे प्रेम प्रसंगों और षड्यंत्रों के अध्यायों को पढ़ते थे, जहाँ उन्हें अक्सर ऐसे अंश मिलते थे जैसे "जिस

अतार्किकता से मेरी बुद्धि ग्रस्त है, वह मेरी बुद्धि को इतना कमजोर कर देती है कि मैं बुद्धि से तुम्हारी सुंदरता की प्रशंसा करता हूँ;" या फिर, "हे उच्च स्वर्ग, हे तुम्हारी दिव्यता, हे तारों से तुम्हें दिव्य रूप से मजबूत करो, और तुम्हें तुम्हारी महानता के योग्य बनाओ।" इस तरह के विचारों में उलझकर बेचारा सज्जन अपना होश खो बैठा और रात भर जागकर उन्हें समझने और उनका अर्थ निकालने की कोशिश करता रहता; जो अर्थ अरस्तू भी यदि उस विशेष उद्देश्य से पुनर्जीवित हो जाता, तो भी नहीं समझ पाता। डॉन बेलियानिस द्वारा दिए और लिए गए घावों को लेकर वह बिल्कुल भी सहज नहीं था, क्योंकि उसे लगता था कि जिन महान सर्जनों ने उसका इलाज किया था, उनका चेहरा और शरीर घावों और निशानों से भरा हुआ होगा। फिर भी, उसने लेखक के उस अंतहीन रोमांच के वादे के साथ पुस्तक के समापन के तरीके की प्रशंसा की, और कई बार उसका मन हुआ कि वह कलम उठाकर इसे ठीक उसी तरह पूरा करे जैसा कि प्रस्तावित है, जो निस्संदेह वह कर लेता और एक सफल कृति भी बना लेता, यदि अधिक महत्वपूर्ण और गहन विचारों ने उसे रोका न होता।
अपने गाँव के पादरी (एक विद्वान और सिगुएंज़ा के स्नातक) से इस बात पर उनकी कई बार बहस हुई कि इंग्लैंड का पालमेरिन और गॉल का अमाडिस, इनमें से बेहतर योद्धा कौन था। गाँव के नाई, मास्टर निकोलस, अक्सर कहते थे कि उनमें से कोई भी फोएबस के योद्धा के बराबर नहीं था, और अगर कोई उनसे तुलना कर सकता था तो वह गॉल के अमाडिस का भाई डॉन गलाओर था, क्योंकि उसका हौसला हर परिस्थिति के अनुरूप था, वह अपने भाई की तरह नखरेबाज़ या भावुक योद्धा नहीं था, और वीरता के मामले में तो वह उससे ज़रा भी पीछे नहीं था। संक्षेप में, वह अपनी किताबों में इतना मग्न हो गया कि वह रातों को सूर्यास्त से सूर्योदय तक और दिनों को भोर से सूर्यास्त तक उन्हें पढ़ता रहता था; और कम नींद और ज़्यादा पढ़ने के कारण उसका दिमाग इतना सूख गया कि वह अपनी बुद्धि खो बैठा। उसकी कल्पना उन बातों से भर गई थी जो वह अपनी किताबों में पढ़ता था - जादू-टोना, झगड़े, युद्ध, चुनौतियाँ, घाव, प्रेम निवेदन, प्रेम, पीड़ाएँ और हर तरह की असंभव बकवास; और यह उसके दिमाग पर इस कदर हावी हो गया था कि वह जो कुछ भी पढ़ता था, वह सब सच लगता था, उसे लगता था कि दुनिया के किसी भी इतिहास में इससे अधिक वास्तविकता नहीं है। वह कहता था कि सिड रुय डियाज़ एक बहुत अच्छा योद्धा था, लेकिन उसकी तुलना जलती हुई तलवार के योद्धा से नहीं की जा सकती, जिसने एक ही वार में दो भयंकर और दैत्यों को दो हिस्सों में काट दिया

था। वह बर्नार्डो डेल कार्पियो को अधिक महत्व देता था क्योंकि रोंसेसवेल्स में उसने जादू-टोने के बावजूद रोलैंड को मार डाला था, और हरक्यूलिस की उस युक्ति का उपयोग किया था जब उसने टेरा के पुत्र एंटियस का गला घोंट दिया था। वह दैत्य मोर्गेंटे की बहुत प्रशंसा करता था, क्योंकि यद्यपि वह दैत्यों की उस नस्ल का था जो हमेशा अभिमानी और बदमिजाज होती है, वह अकेला ऐसा था जो मिलनसार और सुसंस्कृत था। लेकिन सबसे बढ़कर, वह मोंटालबन के रेनाल्डोस की प्रशंसा करता था, विशेष रूप से जब उसने उसे अपने महल से निकलकर हर किसी को लूटते हुए देखा, और जब उसने समुद्र पार मुहम्मद की वह मूर्ति चुराई, जो उसके इतिहास के अनुसार पूरी तरह सोने की थी। उस गद्दार गैनेलोन को सबक सिखाने के लिए वह अपनी नौकरानी और अपनी भतीजी को भी कुर्बान कर देता।
संक्षेप में, जब उसकी बुद्धि पूरी तरह से नष्ट हो गई, तो उसके मन में एक ऐसा विचित्र विचार आया जो इस दुनिया के किसी भी पागल व्यक्ति के मन में नहीं आ सकता था। उसने सोचा कि अपने सम्मान और देश की सेवा दोनों के लिए यह उचित और आवश्यक है कि वह एक वीर योद्धा बने, पूर्ण कवच और घोड़े पर सवार होकर दुनिया भर में रोमांच की खोज में घूमे, और वीर योद्धाओं के सामान्य तौर-तरीकों के बारे में जो कुछ उसने पढ़ा था, उसे स्वयं करके दिखाए; हर प्रकार के अन्याय का निवारण करे, और स्वयं को ऐसे खतरों और जोखिमों में डाले जिनसे अंततः उसे शाश्वत यश और प्रसिद्धि प्राप्त हो। बेचारा पहले से ही स्वयं को अपनी भुजाओं की शक्ति से कम से कम ट्रेबिज़ोंड का सम्राट बनते हुए देख रहा था; और इसलिए, इन सुखद कल्पनाओं में डूबे हुए आनंद से प्रेरित होकर, उसने तुरंत अपनी योजना को अमल में लाना शुरू कर दिया।
सबसे पहले उसने अपने परदादा के कवच को साफ किया, जो सदियों से एक कोने में जंग खाकर और फफूंदी से ढका पड़ा था। उसने उसे जितना हो सके रगड़कर चमकाया, लेकिन उसे उसमें एक बड़ी खामी नजर आई - उसमें कोई बंद हेलमेट नहीं था, सिर्फ एक साधारण मोरेन था। हालांकि, उसकी सूझबूझ ने इस कमी को दूर कर दिया
- उसने गत्ते का एक आधा हेलमेट बनाया, जिसे मोरेन पर फिट करने से वह पूरे हेलमेट जैसा दिखता था। यह सच है कि यह देखने के लिए कि क्या यह मजबूत है और वार सह सकता है, उसने अपनी तलवार निकाली और उस पर दो वार किए, जिनमें से पहले वार ने पल भर में वह सब कुछ नष्ट कर दिया जिसे बनाने में उसे एक सप्ताह लगा था। जिस आसानी से उसने उसे टुकड़े-टुकड़े कर दिया, उससे वह

थोड़ा विचलित हो गया, और उस खतरे से बचने के लिए उसने फिर से काम शुरू किया, अंदर लोहे की छड़ें तब तक लगाईं जब तक वह उसकी मजबूती से संतुष्ट नहीं हो गया; और फिर, इसके साथ और अधिक प्रयोग करने की परवाह न करते हुए, उन्होंने इसे पास कर दिया और इसे सबसे उत्तम संरचना वाले हेलमेट के रूप में अपना लिया।
इसके बाद उन्होंने अपने घोड़े का निरीक्षण किया, जो असली घोड़े से भी अधिक खुरदरा और गोनेला के घोड़े से भी अधिक दोषपूर्ण था, और उनकी नज़र में सिकंदर के बुसेफालस या सिड के बाबिएका से भी कहीं बेहतर था। चार दिन तक वे इस बात पर विचार करते रहे कि उसका क्या नाम रखा जाए, क्योंकि (जैसा कि उन्होंने मन ही मन कहा) इतने प्रसिद्ध और गुणवान योद्धा के घोड़े का कोई विशिष्ट नाम न होना उचित नहीं था। उन्होंने ऐसा नाम रखने का प्रयास किया जिससे यह स्पष्ट हो सके कि वह पहले एक वीर योद्धा का था और अब क्या है; क्योंकि यह स्वाभाविक ही था कि जब उसका स्वामी एक नया चरित्र ग्रहण कर रहा था, तो उसका भी एक नया नाम हो, और वह नाम विशिष्ट और प्रभावशाली हो, जो उसके नए पद और आधिपत्य के अनुरूप हो। और इसलिए, अपनी स्मृति और कल्पना से अनगिनत नाम गढ़ने, हटाने, अस्वीकार करने, जोड़ने, मिटाने और फिर से गढ़ने के बाद, उन्होंने उसका नाम रोसिनांटे रखने का फैसला किया, एक ऐसा नाम, जो उनके विचार में, उदात्त, मधुर और उनकी उस स्थिति का प्रतीक था जब वे एक साधारण पत्रकार थे, इससे पहले कि वे वह बनें जो वे अब थे - दुनिया के सभी साधारण पत्रकारों में सबसे पहले और सबसे आगे।
अपने घोड़े का मनपसंद नाम पाकर वह अपने लिए भी एक नाम रखने को उत्सुक था। इस विचार में वह आठ दिन और सोचता रहा, अंततः उसने अपना नाम "डॉन क्विक्सोट" रखने का निश्चय किया। जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, इस सत्यपरक इतिहास के लेखकों ने अनुमान लगाया है कि उसका नाम निस्संदेह क्विक्सडा रहा होगा, न कि क्वेसाडा, जैसा कि अन्य लोग मानते हैं। हालांकि, यह याद करते हुए कि वीर अमाडिस केवल अपना नाम अमाडिस तक सीमित नहीं रखना चाहता था, बल्कि अपने राज्य और देश का नाम जोड़कर उसे प्रसिद्ध बनाता था और खुद को गॉल का अमाडिस कहता था, उसने एक अच्छे योद्धा की तरह अपना नाम भी जोड़ लिया और खुद को ला मांचा का डॉन क्विक्सोट कहलाने का निश्चय किया। उसका मानना था कि इस तरह वह अपने मूल और देश का सटीक वर्णन कर रहा था और उससे अपना उपनाम लेकर उसका सम्मान कर रहा था।

अध्याय दो
यह पुस्तक चतुर डॉन क्विक्सोट द्वारा घर से किए गए पहले अभियान का वर्णन करती है।
इन प्रारंभिक तैयारियों के निपटारे के बाद, वह अपने इरादे को और अधिक टालना नहीं चाहता था, क्योंकि उसे इस बात का डर सता रहा था कि उसकी देरी से दुनिया को कितना नुकसान होगा, वह किन गलतियों को सुधारना चाहता था, किन शिकायतों का निवारण करना चाहता था, किन अन्यायों को दूर करना चाहता था, किन दुर्व्यवहारों को खत्म करना चाहता था और किन कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहता था। इसलिए, किसी को भी अपने इरादे की सूचना दिए बिना, और किसी को भी देखे बिना, एक सुबह सूरज उगने से पहले (जो जुलाई महीने की सबसे गर्म सुबहों में से एक थी) उसने अपना कवच पहना, अपने मरम्मत किए हुए हेलमेट के साथ रोसिनांटे पर सवार हुआ, अपनी ढाल कसी, अपना भाला उठाया और आंगन के पिछले दरवाजे से मैदान में निकल पड़ा। वह अत्यंत प्रसन्न और संतुष्ट था कि उसने अपने महान उद्देश्य की शुरुआत कितनी आसानी से कर ली थी। लेकिन जैसे ही वह खुले मैदान में पहुँचा, एक भयानक विचार उसके मन में आया, एक ऐसा विचार जो उसे शुरुआत में ही इस अभियान को छोड़ने के लिए लगभग मजबूर कर देता। उसे याद आया कि उसे शूरवीर की उपाधि नहीं मिली थी, और शूरवीरता के नियमों के अनुसार वह किसी भी शूरवीर के विरुद्ध हथियार नहीं उठा सकता था और न ही उसे ऐसा करना चाहिए था; और यदि उसे उपाधि मिल भी जाती, तब भी एक नौसिखिया शूरवीर होने के नाते उसे सफेद कवच पहनना चाहिए था, और ढाल पर कोई चिह्न नहीं होना चाहिए था, जब तक कि वह अपनी वीरता से इसे अर्जित न कर ले। इन विचारों ने उसके इरादे को डगमगा दिया, लेकिन उसका जुनून किसी भी तर्क से अधिक प्रबल था, इसलिए उसने ठान लिया कि वह पहले शूरवीर से ही उपाधि प्राप्त कर लेगा, जैसा कि उसने उन पुस्तकों में पढ़ा था जिनसे वह इस स्थिति तक पहुँचा था, और ऐसा करने वाले अन्य लोगों का अनुसरण करेगा। जहाँ तक सफेद कवच की बात है, उसने निश्चय किया कि पहले अवसर पर ही वह उसे इतना साफ करेगा कि वह एक अर्मीन से भी अधिक सफेद हो जाए; और इस प्रकार स्वयं को आश्वस्त करते हुए वह अपने रास्ते पर चल पड़ा, अपने घोड़े के साथ, क्योंकि उसका मानना था कि रोमांच का सार इसी में निहित है।

इस प्रकार प्रस्थान करते हुए, हमारा नवोदित साहसी व्यक्ति अपने आप से बातें करते हुए टहल रहा था और कह रहा था, "कौन जानता है कि आने वाले समय में, जब मेरे प्रसिद्ध कारनामों का सच्चा इतिहास ज्ञात होगा, तो इसे लिखने वाला ऋषि, जब उसे सुबह-सुबह मेरी पहली यात्रा का वर्णन करना होगा, तो वह इसे इसी प्रकार करेगा? 'अभी लाल रंग के अपोलो ने विशाल पृथ्वी पर अपने चमकीले बालों के सुनहरे धागे फैलाए ही थे, रंग-बिरंगे पंखों वाले छोटे पक्षियों ने मधुर और सुरीली आवाज़ में गुलाबी भोर का स्वागत किया ही था, जो अपने ईर्ष्यालु पति के कोमल पलंग को छोड़कर, मांचेगन क्षितिज के द्वारों और बालकनियों पर मनुष्यों के सामने प्रकट हो रही थी, तभी ला मांचा के प्रसिद्ध योद्धा डॉन क्विक्सोट ने आलस्य छोड़कर अपने प्रसिद्ध घोड़े रोसिनांटे पर सवार होकर प्राचीन और प्रसिद्ध कैम्पो डी मोंटिएल की यात्रा शुरू की;'" वास्तव में वह उसी मार्ग पर चल रहा था। “शुभ युग, शुभ समय,” उसने आगे कहा, “जिसमें मेरे यशार्जन के कारनामे जाने जाएँगे, जो पीतल में ढाले जाने, संगमरमर में उकेरे जाने, चित्रों में चित्रित किए जाने के योग्य हैं, एक शाश्वत स्मारक के रूप में। और हे ज्ञानी जादूगर, तुम जो भी हो, जिसे इस अद्भुत इतिहास का लेखक बनने का सौभाग्य प्राप्त हो, मैं तुमसे विनती करता हूँ, मेरी प्यारी रोसिनांटे, मेरे मार्गों और यात्राओं की निरंतर साथी को मत भूलना।” तभी वह फिर से भावुक हो उठा, मानो वह प्रेम में डूबा हुआ हो, “हे राजकुमारी डुलसीनिया, इस बंदी हृदय की स्वामिनी, तुमने मुझे तिरस्कारपूर्वक बाहर निकालकर और निर्दय हठपूर्वक अपनी सुंदरता से दूर करके मेरे साथ घोर अन्याय किया है। हे स्वामिनी, कृपा करके इस हृदय को, अपने सेवक को, जो तुम्हारे प्रेम में व्याकुल है, याद रखो।”
तो वह इन और अन्य बेतुकी बातों को एक के बाद एक दोहराता रहा, ठीक उसी शैली में जो उसकी किताबों ने उसे सिखाई थी, उनकी भाषा की यथासंभव नकल करते हुए; और इस दौरान वह इतनी धीमी गति से सवारी कर रहा था और सूरज इतनी तेजी से और इतनी तीव्रता से चढ़ रहा था कि अगर उसका दिमाग होता तो वह पिघल जाता। लगभग पूरा दिन वह बिना किसी उल्लेखनीय घटना के यात्रा करता रहा, जिससे वह निराश था, क्योंकि वह किसी ऐसे व्यक्ति से मिलना चाहता था जिस पर वह अपनी ताकत का प्रदर्शन कर सके।
कुछ लेखक कहते हैं कि उनका पहला रोमांच प्यूर्टो लापिस का था; कुछ अन्य कहते हैं कि यह पवनचक्कियों का था; लेकिन इस बारे में मैंने जो पता लगाया

है, और जो मैंने ला मांचा के इतिहास में लिखा पाया है, वह यह है कि वह पूरे दिन सड़क पर थे, और सूर्यास्त के समय उनका घोड़ा और वह बहुत थक गए थे और भूखे थे, तब उन्होंने चारों ओर यह देखने के लिए देखा कि क्या उन्हें कोई किला या चरवाहे की झोपड़ी मिल सकती है जहाँ वे आराम कर सकें और अपनी तीव्र भूख मिटा सकें, तभी उन्हें अपने रास्ते से कुछ ही दूरी पर एक सराय दिखाई दी, जो उनके लिए किसी तारे की तरह स्वागत योग्य थी जो उन्हें उनके उद्धार के द्वार तक ले जा रही थी, भले ही महल तक नहीं; और अपनी गति बढ़ाते हुए वे रात होने से ठीक पहले वहाँ पहुँच गए। दरवाजे पर दो युवतियाँ खड़ी थीं, जिन्हें उस इलाके की लड़कियाँ कहा जाता था, जो कुछ मालवाहकों के साथ सेविले जा रही थीं, जो संयोगवश उस रात सराय में रुके थे; और जैसा कि हमारे साहसी के साथ होना ही था, जो कुछ भी उसने देखा या कल्पना की, वह उसे वैसा ही प्रतीत हुआ जैसा उसने पढ़ा था। जैसे ही उसने सराय देखी, उसने उसे अपने मन में एक महल के रूप में चित्रित किया, जिसमें चार बुर्ज और चमकते चांदी के शिखर थे, साथ ही पुल, खाई और महल से जुड़ी सभी चीजें भी थीं। वह उस सराय की ओर बढ़ा, जो उसे एक महल जैसी लग रही थी, और उससे थोड़ी दूरी पर उसने रोसिनांटे को रोका, इस उम्मीद में कि कोई बौना बुर्ज पर दिखाई देगा और तुरही बजाकर सूचित करेगा कि कोई योद्धा महल की ओर आ रहा है। लेकिन यह देखकर कि वे धीमी गति से चल रहे थे और रोसिनांटे अस्तबल तक पहुंचने की जल्दी में था, वह सराय के द्वार की ओर बढ़ा और वहां खड़ी दो सुंदर युवतियों को देखा, जो उसे महल के द्वार पर आराम कर रही दो सुंदर युवतियां या आकर्षक महिलाएं प्रतीत हुईं।
ठीक उसी क्षण, एक चरवाहा जो खेतों में सूअरों के झुंड को इकट्ठा कर रहा था (बिना किसी संकोच के, उन्हें यही कहा जाता है), ने उन्हें एक साथ लाने के लिए अपना सींग बजाया, और तुरंत ही डॉन क्विक्सोट को लगा कि वह वही है जिसकी उसे उम्मीद थी, किसी बौने के आने का संकेत; और इसलिए अपार संतुष्टि के साथ वह सराय और वहाँ मौजूद महिलाओं के पास पहुँचा, जो इस तरह के व्यक्ति को पूर्ण कवच और भाले व ढाल के साथ आते देख भयभीत होकर सराय में मुड़ रही थीं। तभी डॉन क्विक्सोट ने उनके भागने से उनके डर का अंदाजा लगाते हुए, अपना गत्ते का मुखौटा उठाया, अपना सूखा, धूल से सना चेहरा दिखाया, और विनम्रतापूर्वक और कोमल स्वर में उनसे कहा, "आपकी देवियों को भागने या किसी भी तरह की बदतमीजी से डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह उस शूरवीरता

के पद के अनुरूप नहीं है जो मैं प्रदान करने का दावा करता हूँ, किसी को भी नहीं, विशेष रूप से उच्च कुल की युवतियों को, जैसा कि आप प्रतीत होती हैं।" लड़कियाँ उसे देख रही थीं और अपनी आँखें गड़ाकर उसके चेहरे के उन हिस्सों को पहचानने की कोशिश कर रही थीं जो भद्दे से ढके हुए विज़र के कारण दिखाई नहीं दे रहे थे, लेकिन जब उन्होंने खुद को कुंवारी कहा जाते सुना, जो उनके लिए बिल्कुल ही अनुचित था, तो वे अपनी हँसी नहीं रोक पाईं, जिससे डॉन क्विक्सोट को गुस्सा आ गया और उसने कहा, "सुंदरता को शालीनता शोभा देती है, और वैसे भी बिना वजह की हँसी बड़ी मूर्खता है; लेकिन मैं यह बात तुम्हें दुख पहुँचाने या गुस्सा दिलाने के लिए नहीं कह रहा हूँ, क्योंकि मेरी इच्छा तो बस तुम्हारी सेवा करने की है।"
हमारे घुड़सवार की समझ से परे भाषा और निराशाजनक हावभाव ने महिलाओं की हंसी को और बढ़ा दिया, जिससे उसकी झुंझलाहट और बढ़ गई। अगर उसी क्षण मकान मालिक बाहर न आ जाता, तो मामला और बिगड़ सकता था। वह मोटा होने के बावजूद काफी शांत स्वभाव का था। उसने कवच पहने उस विचित्र आकृति को देखकर, जो उसके घोड़े की काठी, लगाम, भाला, ढाल या कवच से बिल्कुल मेल नहीं खा रहा था, युवतियों के साथ हंसी में शामिल होने में जरा भी संकोच नहीं किया; बल्कि, वास्तव में, ऐसे जटिल शस्त्रों को देखकर भयभीत होकर, उसने उससे साफ-साफ बात करना ही बेहतर समझा, इसलिए उसने कहा, "महोदय कैबलेरो, यदि आपको रहने के लिए बिस्तर चाहिए (क्योंकि सराय में बिस्तर नहीं है), तो यहां बाकी सब कुछ भरपूर मात्रा में उपलब्ध है।" डॉन क्विक्सोट ने किले के अल्केड के सम्मानजनक व्यवहार को देखकर (क्योंकि उनकी नज़र में सराय और सराय दोनों ही सम्मानजनक प्रतीत होते थे) उत्तर दिया, "श्री कैस्टेलन, मेरे लिए कुछ भी चलेगा, क्योंकि
"मेरा कवच ही मेरा एकमात्र वस्त्र है, लड़ाई ही मेरा एकमात्र विश्राम है।" मेज़बान को लगा कि उसने उसे कैस्टेलन इसलिए कहा क्योंकि वह उसे "कैस्टिले का योग्य" समझता था, हालाँकि वास्तव में वह अंडालूसी था, और सैन लुकार के तट से था, कैकस जितना ही चालाक चोर और किसी छात्र या सेवक जितना ही धूर्त। "तो फिर," उसने कहा,
"'तुम्हारा पलंग पथरीली चट्टान पर है, तुम्हारी नींद हमेशा तुम्हें देखती रहेगी;'"

और अगर ऐसा है, तो आप घोड़े से उतर सकते हैं और इस छत के नीचे बारह महीने तक, एक रात की तो बात ही छोड़िए, कितनी भी नींद हराम करने के लिए निश्चिंत रह सकते हैं।” इतना कहकर वह डॉन क्विक्सोट के लिए रकाब पकड़ने के लिए आगे बढ़ा, जो बड़ी मुश्किल और मशक्कत से नीचे उतरा (क्योंकि उसने पूरे दिन उपवास रखा था), और फिर उसने मेज़बान को अपने घोड़े का विशेष ध्यान रखने का आदेश दिया, क्योंकि वह इस दुनिया में सबसे उत्तम प्राणी था। मकान मालिक ने उसे देखा, लेकिन उसे उतना अच्छा नहीं पाया जितना डॉन क्विक्सोट ने कहा था, बल्कि आधा भी नहीं; और उसे अस्तबल में बांधकर वह यह देखने के लिए वापस लौटा कि उसके मेहमान को क्या चाहिए, जिससे युवतियाँ, जिन्होंने तब तक सुलह कर ली थी, अब उसका कवच उतार रही थीं। उन्होंने उसका सीने का कवच और पीठ का कवच उतार दिया था, लेकिन उन्हें न तो पता था और न ही समझ आ रहा था कि उसका गले का कवच कैसे खोलें या उसका अस्थायी हेलमेट कैसे उतारें, क्योंकि उसने उसे हरे रिबन से बांध रखा था, जिसकी गांठें खुल नहीं रही थीं, इसलिए उन्हें काटना ही पड़ेगा। हालाँकि, वह ऐसा बिल्कुल नहीं होने देगा। इसका अर्थ है सहमति देना, इसलिए वह पूरी शाम अपने हेलमेट को पहने रहा, एक ऐसा विचित्र और हास्यास्पद व्यक्ति जिसकी कल्पना की जा सकती है; और जब वे उसका कवच उतार रहे थे, महल की उच्च श्रेणी की महिलाओं के सामान ले जा रहे थे, तो उसने उनसे बड़े उत्साह से कहा:
"ओह, यकीनन, ऐसा कोई शूरवीर कभी नहीं हुआ होगा जिसकी सेवा किसी महिला ने इतनी अच्छे से की हो, जितनी सेवा डॉन क्विक्सोट नाम के उस व्यक्ति की हुई, जब वह अपने शहर से आया; उसके साथ दासियाँ थीं, और उसकी गाड़ी पर राजकुमारियाँ बैठी थीं—"
या रोसिनेंटे, देवियों, यही मेरे घोड़े का नाम है, और डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा मेरा अपना नाम है; क्योंकि यद्यपि मेरा इरादा आपके सम्मान और सेवा में अपनी उपलब्धियों से प्रसिद्धि पाने तक स्वयं को प्रकट करने का नहीं था, लेकिन लैंसलॉट की उस पुरानी गाथा को वर्तमान अवसर के अनुकूल ढालने की आवश्यकता ने आपको मेरा नाम समय से पहले ही बता दिया है। हालांकि, एक समय आएगा जब आप देवियों आदेश देंगी और मैं आज्ञा का पालन करूंगा, और तब मेरी भुजाओं की शक्ति आपके प्रति मेरी सेवा की इच्छा को प्रदर्शित करेगी।
जिन लड़कियों को इस तरह की बातें सुनने की आदत नहीं थी, उनके पास जवाब में कहने के लिए कुछ नहीं था; उन्होंने बस उससे पूछा कि क्या वह कुछ खाना चाहता

है। डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं थोड़ा सा खाना खुशी-खुशी खा लूँगा, क्योंकि मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही समय पर मिलेगा।" संयोग से वह शुक्रवार का दिन था, और पूरे सराय में केवल कुछ मछली के टुकड़े ही थे जिन्हें कास्टिले में "अबादेजो", अंडालूसिया में "बाकालाओ", कुछ जगहों पर "कुराडिलो" और अन्य जगहों पर "ट्राउटलेट" कहते हैं; इसलिए उन्होंने उससे पूछा कि क्या वह ट्राउटलेट खा सकता है, क्योंकि उसे देने के लिए कोई और मछली नहीं थी। “अगर पर्याप्त ट्राउट हों,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “तो वे ट्राउट के समान ही होंगी; मेरे लिए तो आठ रील्स के छोटे सिक्के हों या आठ का सिक्का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; इसके अलावा, हो सकता है कि ये ट्राउट बछड़े के मांस की तरह हों, जो गोमांस से बेहतर होता है, या बकरी के बच्चे के मांस की तरह हों, जो बकरी से बेहतर होता है। लेकिन जो भी हो, जल्दी आ जाए, क्योंकि हथियारों का बोझ और दबाव बिना सहारे के सहन नहीं किया जा सकता।” उन्होंने हवा के लिए सराय के दरवाजे पर उसके लिए एक मेज लगाई, और सराय का मालिक उसके लिए अधपकी और खराब पकी हुई स्टॉकफिश का एक टुकड़ा और उसके कवच की तरह काला और फफूंदी लगा हुआ ब्रेड का एक टुकड़ा लाया; लेकिन उसे खाते देखना हास्यास्पद था, क्योंकि हेलमेट पहने और सिर पर बीवर टोपी लगाए होने के कारण, वह अपने हाथों से कुछ भी अपने मुंह में नहीं डाल सकता था जब तक कि कोई और उसे वहां न रख दे, और यह सेवा एक महिला ने उसे प्रदान की। लेकिन उसे कुछ भी पीने को देना असंभव था, या ऐसा ही होता अगर मकान मालिक ने एक सरकंडा न छेदा होता और उसका एक सिरा उसके मुंह में डालकर दूसरे सिरे से शराब उसके अंदर न डाली होती; उसने यह सब धैर्यपूर्वक सहन किया बजाय इसके कि वह अपने हेलमेट के रिबन को काट दे।
इसी बीच एक सुअर का बच्चा सराय के पास आया और पास आते ही उसने अपनी बांसुरी चार-पाँच बार बजाई। इससे डॉन क्विक्सोट को पूरा यकीन हो गया कि वह किसी प्रसिद्ध किले में है, जहाँ उसका मनोरंजन संगीत से किया जा रहा है, और वहाँ पर परोसी जाने वाली मछली ट्राउट है, रोटी एकदम सफेद है, नौकरानियाँ महिलाएँ हैं और सराय का मालिक किले का सरदार है। इस प्रकार डॉन क्विक्सोट को लगा कि उसका यह प्रयास सार्थक रहा है। फिर भी उसे इस बात का दुख था कि उसे शूरवीर की उपाधि नहीं मिली थी, क्योंकि उसे स्पष्ट था कि शूरवीर की उपाधि प्राप्त किए बिना वह किसी भी साहसिक कार्य में कानूनी रूप से शामिल नहीं हो सकता था।

अध्याय 3

इसमें डॉन क्विक्सोट द्वारा स्वयं को शूरवीर घोषित करने के विचित्र तरीके का वर्णन है।
इस विचार से व्याकुल होकर उसने जल्दी से अपना थोड़ा सा भोजन समाप्त किया और उसे खाकर जमींदार को बुलाया। वह उसके साथ अस्तबल में बंद हो गया और उसके सामने घुटने टेककर बोला, "हे वीर योद्धा, मैं यहाँ से तब तक नहीं उठूंगा जब तक आप कृपा करके मुझे वह वरदान न दे दें जो आपकी प्रशंसा और मानव जाति के कल्याण के लिए सिद्ध होगा।" जमींदार अपने अतिथि को अपने चरणों में गिरा देखकर और इस तरह का भाषण सुनकर अचंभित होकर उसे देखता रह गया, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे और क्या कहे। वह उससे उठने की विनती करता रहा, लेकिन जब तक वह मांगा गया वरदान देने के लिए सहमत नहीं हो जाता, तब तक सब व्यर्थ था। "हे प्रभु, मैंने आपसे इससे कम की अपेक्षा नहीं की थी," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और मुझे आपको यह बताना है कि मैंने जो वरदान माँगा था और जिसे आपने उदारतापूर्वक प्रदान किया है, वह यह है कि आप मुझे कल सुबह शूरवीर की उपाधि देंगे, और आज रात मैं आपके इस महल के गिरजाघर में अपने शस्त्रों की रक्षा करूँगा; इस प्रकार कल, जैसा कि मैंने कहा है, मेरी वह इच्छा पूरी हो जाएगी, जिससे मुझे दुनिया के चारों कोनों में वैध रूप से विचरण करने और संकट में पड़े लोगों की सहायता के लिए साहसिक कार्य करने में सक्षम बनाया जा सकेगा, जैसा कि शूरवीरता और मेरे जैसे उन वीर योद्धाओं का कर्तव्य है, जिनकी महत्वाकांक्षा ऐसे कार्यों की ओर निर्देशित होती है।"
जैसा कि उल्लेख किया गया है, मकान मालिक थोड़ा मजाकिया स्वभाव का था और उसे अपने मेहमान की बुद्धि की कमी का पहले से ही कुछ संदेह था। इस तरह की बातें सुनकर मकान मालिक को पूरा यकीन हो गया और रात को मनोरंजन के लिए उसने भी उसी के मिजाज में शामिल होने का फैसला किया। इसलिए उसने उससे कहा कि वह जिस उद्देश्य को पूरा करना चाहता है, वह बिल्कुल सही है, और ऐसा मकसद उसके जैसे प्रतिष्ठित और वीर स्वभाव वाले घुड़सवारों के लिए स्वाभाविक और उचित है; और यह कि स्वयं उसने अपने युवा दिनों में उसी सम्मानजनक पेशे का अनुसरण किया था, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रोमांच की तलाश में घूमता रहा, जिनमें मलागा के उपचार केंद्र, रियारन द्वीप समूह, सेविले का इलाका,

शूरवीर यह सुनिश्चित करते थे कि उनके सहायकों को धन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ, जैसे रुई और उपचार के लिए मरहम, उपलब्ध कराई जाएँ; और जब कभी शूरवीरों के पास सहायक न हों (जो कि बहुत कम होता था), तो वे स्वयं ही सब कुछ ऐसे चालाक थैलों में रखते थे जो घोड़े के पिछले हिस्से पर मुश्किल से दिखाई देते थे, मानो वह कोई और अधिक महत्वपूर्ण वस्तु हो, क्योंकि, किसी विशेष कारण के बिना, घुमंतू शूरवीरों के बीच थैले ले जाना अच्छा नहीं माना जाता था। इसलिए उन्होंने उसे सलाह दी (और, चूंकि वह जल्द ही उनका धर्मपुत्र बनने वाला था, इसलिए वह उसे आदेश भी दे सकते थे) कि वह अब से कभी भी धन और आवश्यक वस्तुओं के बिना यात्रा न करे, और उसे उनकी आवश्यकता तब महसूस होगी जब उसे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं होगी।
डॉन क्विक्सोट ने उनकी सलाह का पूरी तरह पालन करने का वादा किया, और तुरंत यह तय किया गया कि वह सराय के एक तरफ बने एक बड़े आंगन में अपने कवच की रखवाली करेगा; इसलिए, डॉन क्विक्सोट ने अपने सभी कवच को इकट्ठा करके कुएं के किनारे बने एक कुंड पर रख दिया, और अपनी ढाल को अपनी बांह पर टिकाकर उसने अपना भाला पकड़ा और शाही अंदाज में कुंड के सामने आगे-पीछे मार्च करने लगा, और जैसे ही उसने मार्च शुरू किया, रात होने लगी।
सराय के मालिक ने वहाँ मौजूद सभी लोगों को अपने मेहमान के जुनून, कवच की रखवाली और उसके द्वारा सोचे जा रहे दीक्षा समारोह के बारे में बताया। इस विचित्र पागलपन को देखकर सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए और दूर से ही उसे देखने के लिए जमा हो गए। उन्होंने गौर किया कि वह कभी कितनी शांति से इधर-उधर चहलकदमी करता था, तो कभी अपने भाले पर झुककर, बिना नज़र हटाए अपने कवच को कितनी देर तक निहारता रहता था। जैसे-जैसे रात ढलती गई और चाँद की रोशनी इतनी तेज़ होती गई कि मानो वह चाँद की रोशनी से भी तेज़ हो, उस नौसिखिए योद्धा की हर हरकत सबको साफ़ दिखाई देने लगी।
इसी बीच सराय में मौजूद एक मालवाहक ने अपने घोड़ों को पानी पिलाने का सोचा, और कुंड पर पड़े डॉन क्विक्सोट के कवच को हटाना आवश्यक हो गया; लेकिन दूसरे को आते देख उसने ऊँची आवाज़ में कहा, "हे जो भी हो, उतावले योद्धा, जो तलवार उठाने वाले सबसे वीर योद्धा के कवच को छूने आए हो, सावधान रहो; इसे मत छुओ, वरना अपनी उतावलेपन की सज़ा के तौर पर अपनी जान दे दोगे।" मालवाहक ने इन शब्दों पर ध्यान नहीं दिया (और अगर वह अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत होता तो उसे इन शब्दों पर ध्यान देना चाहिए था), बल्कि उसने कवच को पट्टियों से

करने के बाद, उसने एक महिला को अपनी तलवार कमर में बाँधने का निर्देश दिया, जिसे उसने बड़े संयम और गंभीरता से किया, और समारोह के हर चरण में हँसी रोकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी; लेकिन नौसिखिया योद्धा के पराक्रम को देखकर उनकी हँसी नियंत्रण में रही। तलवार धारण कराते हुए उस वीरांगना ने उनसे कहा, "ईश्वर आपको एक सौभाग्यशाली योद्धा बनाएँ और युद्ध में सफलता प्रदान करें।" डॉन क्विक्सोट ने उनका नाम पूछा ताकि वह जान सकें कि उन्हें यह कृपा किसके द्वारा दी गई है, क्योंकि वे अपने शौर्य से अर्जित सम्मान का कुछ हिस्सा उन्हें भी अर्पित करना चाहते थे। उन्होंने अत्यंत विनम्रता से उत्तर दिया कि उनका नाम ला टोलोसा है और वे टोलेडो के एक मोची की पुत्री हैं जो सांचोबीनाया के अस्तबल में रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे जहाँ भी हों, डॉन क्विक्सोट की सेवा करेंगी और उन्हें अपना स्वामी मानकर उनका सम्मान करेंगी। डॉन क्विक्सोट ने उत्तर में कहा कि यदि वे अब से "डॉन" की उपाधि धारण करके स्वयं को डोना टोलोसा कहें तो वे उन पर उपकार करेंगी। उन्होंने वचन दिया और फिर डॉन क्विक्सोट ने अपने पैर में स्पर्स बाँधे और उनके साथ भी लगभग वही बातचीत हुई जो उन्होंने तलवारधारी महिला के साथ की थी। उसने उसका नाम पूछा, और उसने बताया कि उसका नाम ला मोलिनेरा है, और वह एंटेक्वेरा के एक सम्मानित मिलर की बेटी है; और डॉन क्विक्सोट ने उससे भी अनुरोध किया कि वह "डॉन" को अपना ले और खुद को डोना मोलिनेरा कहे, और उसे आगे की सेवाओं और एहसानों की पेशकश की।
इस प्रकार, अत्यंत शीघ्रता और तेजी से इन अभूतपूर्व समारोहों को संपन्न करने के बाद, डॉन क्विक्सोट कांटों पर सवार होकर रोमांच की खोज में निकल पड़ा; उसने तुरंत रोसिनांटे को घोड़े पर सवार किया और अपने मेज़बान को गले लगाकर, उसे शूरवीर की उपाधि देने के लिए धन्यवाद देते हुए, ऐसी असाधारण भाषा में बात की कि उसका वर्णन करना या उसे बताना असंभव है। सराय के स्वामी ने उसे सराय से बाहर निकालने के लिए उतने ही प्रभावशाली शब्दों में, हालांकि संक्षिप्त रूप से, जवाब दिया और उससे हिसाब लिए बिना उसे शुभ यात्रा का संदेश दिया।

□□□□□□ 4

□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□?

□□□ □□□□-□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□, □□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□, □□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□, □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□, □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□□□□, □□□□□ □□□ □□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□, □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□ □□□□□ (□□□□□□□□) □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□ □□□□, □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□, □□ □□□□□□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ □□, □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□, □□□□ □□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□, □□ □□□□□□□□□□, □□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□, □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □ □□ □□□ □□□

□□ □□□ □□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□, □□ □□□□, "□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□, □□□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□" □□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□ □ □□□ □□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□, □□ □□□□□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□ □□, □□□□□ □□□□□ □ □□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□, □□□□□□□ □□ □□□□□-□□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□□ □□□□-□□□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□, □□□-□□□ □□□□□□□ □□□, "□□□□ □□□□ □□□ □□ □□ □□□□□ □□□!" □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□, "□□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□, □□□□ □□□□□□; □□□□□ □□ □□□, □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□□, □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□□□□"

□□ □□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□□ □□□, "□□□□□□ □□□□□□, □□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□; □□□□

घोड़े पर सवार हो जाओ और अपना भाला उठा लो" (क्योंकि जिस बलूत के पेड़ से घोड़ी बंधी थी, उसी से एक भाला टिका हुआ था), "और मैं तुम्हें दिखा दूंगा कि तुम कायरता का व्यवहार कर रहे हो।" किसान ने अपने सामने कवच पहने हुए और सिर के ऊपर भाला लहराते हुए इस आकृति को देखकर खुद को मृत मान लिया और विनम्रता से उत्तर दिया, "महाराज, यह युवक जिसे मैं दंडित कर रहा हूँ, मेरा नौकर है, जिसे मैंने अपने पास मौजूद भेड़ों के झुंड की रखवाली के लिए रखा है, और वह इतना लापरवाह है कि मुझसे हर दिन एक भेड़ खो जाती है, और जब मैं उसकी लापरवाही और धूर्तता के लिए उसे दंडित करता हूँ तो वह कहता है कि मैं कंजूसी के कारण ऐसा करता हूँ, ताकि उसे बकाया मजदूरी न देनी पड़े, और भगवान की कसम, और मेरी आत्मा की कसम, वह झूठ बोलता है।"
"मेरे सामने लेटे हो, नीच मसखरे!" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "हम पर चमकने वाले सूर्य की कसम, मेरा मन कर रहा है कि मैं तुम्हें इस भाले से मार डालूँ। बिना कुछ कहे तुरंत उसे पैसे दे दो; नहीं तो, हम पर राज करने वाले ईश्वर की कसम, मैं तुम्हारा अंत कर दूँगा और तुम्हें वहीं नष्ट कर दूँगा; उसे तुरंत छोड़ दो।"
किसान ने अपना सिर झुकाया और बिना कुछ कहे अपने नौकर को खोल दिया, जिससे डॉन क्विक्सोट ने पूछा कि उसके मालिक पर उसका कितना कर्ज है।
उसने उत्तर दिया, नौ महीने, सात रील्स प्रति माह। डॉन क्विक्सोट ने हिसाब लगाया तो पाया कि यह तिरसठ रील्स बनता है, और किसान से कहा कि अगर वह इसके लिए मरना नहीं चाहता तो तुरंत भुगतान कर दे।
कांपते हुए विदूषक ने उत्तर दिया कि जहाँ तक वह जीवित है और उसने जो शपथ ली है (हालाँकि उसने कोई शपथ नहीं ली थी), उसके अनुसार यह इतना अधिक नहीं था; क्योंकि इसमें उसके द्वारा दिए गए तीन जोड़ी जूते और बीमार होने पर दो बार खून निकालने के लिए एक वास्तविक राशि को ध्यान में रखा जाना था और उसमें से कटौती की जानी थी।
"यह सब ठीक है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन जूतों और खून बहाने को उन चोटों के बदले मान लो जो तुमने उसे बिना किसी कारण के दी हैं; क्योंकि अगर उसने तुम्हारे खरीदे जूतों का चमड़ा खराब किया है, तो तुमने उसके शरीर को नुकसान पहुंचाया है, और अगर नाई ने उसके बीमार होने पर उसका खून निकाला है, तो तुमने उसके स्वस्थ होने पर खून निकाला है; इसलिए इस मामले में वह तुम्हारा कुछ भी ऋणी नहीं है।"

"मुश्किल यह है, सर नाइट, कि मेरे पास यहाँ पैसे नहीं हैं; एंड्रेस को मेरे साथ घर चलने दीजिए, और मैं उसे एक-एक करके सारे पैसे चुका दूँगा।"
“मैं उसके साथ चलता हूँ!” युवक ने कहा। “नहीं, भगवान न करे! नहीं, महोदय, दुनिया के लिए भी नहीं; क्योंकि एक बार मेरे साथ अकेले होने पर, वह मुझे संत बार्थोलोम्यू की तरह नोंच डालेगा।”
"वह ऐसा कुछ नहीं करेगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मुझे केवल आदेश देना है, और वह मेरा पालन करेगा; और जैसा कि उसने प्राप्त शूरवीरता की उपाधि के तहत मुझसे शपथ ली है, मैं उसे स्वतंत्र छोड़ देता हूं, और मैं भुगतान की गारंटी देता हूं।"
"महाराज, आप जो कह रहे हैं उस पर विचार कीजिए," युवक ने कहा; "मेरा यह स्वामी कोई शूरवीर नहीं है, न ही उसे शूरवीरता का कोई पद प्राप्त हुआ है; क्योंकि वह क्विंटानार का धनी जुआन हल्दुदो है।"
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; "हाल्डुडोस के शूरवीर हो सकते हैं; वैसे भी, हर कोई अपने कर्मों का फल है।"
"यह सच है," एंड्रेस ने कहा; "लेकिन मेरा यह मालिक—वह किस कर्मकांड का पुत्र है, जो मुझे मेरे पसीने और परिश्रम की मजदूरी देने से इनकार करता है?"
किसान ने कहा, "मैं मना नहीं करता, भाई एंड्रेस, कृपया मेरे साथ आइए, और मैं दुनिया के सभी शूरवीरता के आदेशों की कसम खाता हूँ कि मैं आपको तय किए गए अनुसार, एक-एक करके, और पूरी तरह से भुगतान करूँगा।"
"इत्र के मामले में मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "उसे असली मुद्रा में दे दो, और मैं संतुष्ट हो जाऊँगा; और ध्यान रखना कि तुम अपनी शपथ का पालन करो; यदि नहीं, तो मैं उसी शपथ की कसम खाता हूँ कि मैं वापस आऊँगा और तुम्हें ढूँढ़कर दंडित करूँगा; और मैं तुम्हें ढूँढ़ लूँगा चाहे तुम छिपकली से भी ज़्यादा करीब क्यों न छिपें। और यदि तुम जानना चाहते हो कि यह आदेश तुम्हें किसने दिया है, ताकि तुम इसका पालन करने के लिए और भी दृढ़ हो जाओ, तो जान लो कि मैं ला मांचा का वीर डॉन क्विक्सोट हूँ, जो अन्याय और कुकर्मों का नाश करने वाला है; इसलिए, ईश्वर तुम्हारे साथ हो, और जो तुमने वादा किया है और जिन दंडों की घोषणा तुम्हें पहले ही की जा चुकी है, उन्हें ध्यान में रखो।"

इतना कहकर उसने रोसिनांटे को धक्का दिया और जल्दी ही उसकी पहुँच से ओझल हो गया। किसान ने आँखों से उसका पीछा किया, और जब उसने देखा कि वह जंगल पार कर चुका है और अब नज़र नहीं आ रहा है, तो वह अपने बेटे एंड्रेस की ओर मुड़ा और बोला, "इधर आओ मेरे बेटे, मैं तुम्हें अपना कर्ज़ चुकाना चाहता हूँ, जैसा कि उस अत्याचारी ने मुझे आदेश दिया है।"
"मैं कसम खाता हूँ," एंड्रेस ने कहा, "महामहिम, उस नेक योद्धा के आदेश का पालन करना आपके लिए उचित होगा - ईश्वर उनकी आयु हजार वर्ष करे - क्योंकि वह एक वीर और न्यायप्रिय न्यायाधीश हैं, रोके की कसम, यदि आप मुझे भुगतान नहीं करते हैं, तो वह वापस आकर वही करेंगे जो उन्होंने कहा है।"
किसान ने कहा, "मैं भी इस पर शपथ लेता हूँ; लेकिन चूंकि मुझे तुमसे बहुत स्नेह है, इसलिए मैं भुगतान बढ़ाने के लिए कर्ज में और राशि जोड़ना चाहता हूँ;" और उसने उसे बांह से पकड़कर फिर से बांध दिया और इतनी बुरी तरह पीटा कि वह मरा हुआ समझकर वहीं रह गया।
“अब, स्वामी एंड्रेस,” किसान ने कहा, “अन्याय के निवारणकर्ता को बुलाओ; तुम पाओगे कि वह इसे नहीं सुधारेगा, हालाँकि मुझे यकीन नहीं है कि मैंने तुमसे अपना काम पूरी तरह निपटा लिया है, क्योंकि मेरा मन कर रहा है कि मैं तुम्हें जिंदा जला दूँ।” लेकिन अंत में उसने उसे खोल दिया और उसे अपने न्यायाधीश को ढूंढने जाने की अनुमति दी ताकि सुनाए गए फैसले को अमल में लाया जा सके।
एंड्रेस काफी उदास होकर चला गया, और कसम खाई कि वह ला मांचा के वीर डॉन क्विक्सोट को ढूंढने जाएगा और उसे सब कुछ ठीक-ठीक बताएगा कि क्या हुआ था, और उसे सात गुना बदला चुकाना होगा; लेकिन इन सब के बावजूद, वह रोता हुआ चला गया, जबकि उसका मालिक हंसता हुआ खड़ा था।
इस प्रकार वीर डॉन क्विक्सोट ने उस अन्याय का निवारण किया, और जो कुछ हुआ था उससे पूर्णतः संतुष्ट होकर, क्योंकि उन्होंने अपने शूरवीरता की एक बहुत ही सुखद और महान शुरुआत मानी, वे पूर्ण आत्मसंतुष्टि के साथ अपने गाँव की ओर चल पड़े, और धीमी आवाज़ में बोले, "हे डुलसीनिया डेल टोबोसो, सुंदरियों में सबसे सुंदर, आज तुम स्वयं को पृथ्वी पर सबसे भाग्यशाली कह सकती हो! क्योंकि तुम्हें डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा जैसे प्रसिद्ध शूरवीर को अपने अधीन और अपनी इच्छा के प्रति समर्पित रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जिसने, जैसा कि पूरी दुनिया जानती है, कल शूरवीरता की

उपाधि प्राप्त की, और आज उस सबसे बड़े अन्याय और अन्याय का निवारण किया है जो अन्याय और क्रूरता से उत्पन्न हुआ था: जिसने आज उस निर्दयी अत्याचारी के हाथ से छड़ी छीन ली है जो उस कोमल बच्चे को बेरहमी से कोड़े मार रहा था।" अब वह एक ऐसी सड़क पर पहुँचा जो चार दिशाओं में बँटी हुई थी, और तुरंत उसे उन चौराहों की याद आ गई जहाँ वीर योद्धा यह विचार करने के लिए रुकते थे कि उन्हें कौन सा रास्ता चुनना चाहिए। उनकी नकल करते हुए वह कुछ देर रुका, और गहन विचार-विमर्श के बाद उसने रोसिनांटे को अपना सिर सौंप दिया, और अपने घोड़े की इच्छा के आगे झुक गया, जिसने अपने पहले इरादे का पालन किया, जो सीधे अपने अस्तबल की ओर जाना था। लगभग दो मील आगे जाने के बाद डॉन क्विक्सोट ने लोगों का एक बड़ा समूह देखा, जो बाद में पता चला कि टोलेडो के कुछ व्यापारी थे, जो मर्सिया में रेशम खरीदने जा रहे थे। उनमें से छह लोग अपने छतरियों के नीचे आ रहे थे, उनके साथ चार नौकर घोड़े पर सवार थे और तीन खच्चर चालक पैदल थे। डॉन क्विक्सोट ने उन्हें देखते ही यह कल्पना की कि यह कोई नया साहसिक कार्य होना चाहिए; और अपनी किताबों में पढ़े हुए उन अनुभवों की यथासंभव नकल करने में उसकी मदद करने के लिए, यहाँ एक ऐसा कार्य दिखाई दिया जो जानबूझकर किया गया था, जिसे उसने करने का निश्चय किया। अतः उसने ऊँचे स्वर और दृढ़ निश्चय के साथ अपने रकाबों में मजबूती से खुद को जमाया, अपना भाला तैयार किया, अपनी ढाल को अपनी छाती के सामने लाया और सड़क के बीचोंबीच खड़ा होकर इन वीर योद्धाओं के आने की प्रतीक्षा करने लगा; और जब वे इतने करीब आ गए कि उन्हें देखा और सुना जा सके, तो उसने अभिमानपूर्ण भाव से कहा, "सारी दुनिया रुक जाए, जब तक कि सारी दुनिया यह स्वीकार न कर ले कि पूरी दुनिया में ला मांचा की महारानी, अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो से अधिक सुंदर कोई कन्या नहीं है।"
इस भाषा की आवाज़ और इसे बोलने वाले अजीब से व्यक्ति को देखकर व्यापारी रुक गए, और उन्होंने आकृति और भाषा दोनों से ही इसके मालिक के पागलपन का अंदाज़ा लगा लिया; हालाँकि, वे चुपके से यह जानना चाहते थे कि उनसे जो कबूलनामा मांगा जा रहा है, उसका उद्देश्य क्या है, और उनमें से एक, जो मज़ाक का शौकीन और बहुत बुद्धिमान था, ने उससे कहा, "श्रीमान नाइट, हम नहीं जानते कि यह महिला कौन है जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं; हमें उसे दिखाइए, क्योंकि अगर वह उतनी ही सुंदर है जितना आप बता रहे हैं, तो हम पूरे

दिल से और बिना किसी दबाव के वह सच कबूल कर लेंगे जो आप हमसे जानना चाहते हैं।"
“अगर मैं उसे तुम्हें दिखा दूँ,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “तो इतनी स्पष्ट सच्चाई को स्वीकार करने में तुम्हारा क्या गुण रह जाएगा? असल बात यह है कि उसे देखे बिना ही तुम्हें उस पर विश्वास करना होगा, स्वीकार करना होगा, पुष्टि करनी होगी, शपथ लेनी होगी और उसका बचाव करना होगा; अन्यथा तुम्हें मुझसे युद्ध करना होगा, तुम नीच, अभिमानी भीड़ हो; और आओ, एक-एक करके जैसा कि शूरवीरता का नियम है, या सब एक साथ जैसा कि तुम्हारी जाति का रिवाज और नीच प्रथा है, मैं यहाँ तुम्हारा इंतज़ार कर रहा हूँ, अपने न्यायसंगत उद्देश्य पर भरोसा करते हुए।”
"महाराज नाइट," व्यापारी ने उत्तर दिया, "मैं इस उपस्थित राजकुमारों के समूह की ओर से आपसे निवेदन करता हूँ कि हमें उस बात को स्वीकार करने के अपराध से बचाने के लिए, जिसे हमने कभी देखा या सुना नहीं है, और जो अल्कारिया और एस्ट्रेमादुरा की महारानियों और रानियों के लिए अत्यंत प्रतिकूल है, कृपया हमें इस महिला का कोई चित्र दिखाएँ, भले ही वह गेहूँ के दाने से बड़ा न हो; क्योंकि धागे से ही गेंद तक पहुँचा जा सकता है, और इस तरह हम संतुष्ट और निश्चिंत हो जाएँगे, और आप भी प्रसन्न और प्रसन्न होंगे; बल्कि, मुझे विश्वास है कि हम आपसे इस हद तक सहमत हैं कि भले ही उनके चित्र में उन्हें एक आँख से अंधा और दूसरी से सिंदूर और गंधक निकालते हुए दिखाया जाए, फिर भी हम आपको प्रसन्न करने के लिए उनके पक्ष में वह सब कहेंगे जो आप चाहते हैं।"
"वह ऐसी किसी भी चीज़ का मिश्रण नहीं है, नीच भीड़," डॉन क्विक्सोट क्रोध से जलते हुए बोला, "ऐसा कुछ भी नहीं, मैं कहता हूँ, केवल कपास में एम्बरग्रीस और सिवेट मिला हुआ है; न ही वह एक आँख वाली या कुबड़ी है, बल्कि ग्वाडार्रामा की चरखी से भी सीधी है: लेकिन मेरी महिला जैसी सुंदरता के विरुद्ध तुमने जो निंदा की है, उसका तुम्हें दंड भुगतना होगा।"
और ऐसा कहते हुए, उसने भाला तानकर बोलने वाले पर इतने क्रोध और उग्रता से हमला किया कि अगर किस्मत से रोसिनांटे बीच रास्ते में ठोकर खाकर गिर न जाता, तो उस उतावले व्यापारी का बुरा हाल हो जाता। रोसिनांटे गिर पड़ा और उसका मालिक भी उसके ऊपर से लुढ़कता हुआ कुछ दूर तक ज़मीन पर घिसटता चला गया; और जब उसने उठने की कोशिश की तो वह उठ नहीं पाया, क्योंकि वह भाले, ढाल,

स्पर्स, हेलमेट और अपने पुराने कवच के भारी बोझ से दबा हुआ था; और उठने के लिए संघर्ष करते हुए वह लगातार कहता रहा, "भागो मत, कायरों और कायरों! रुको, क्योंकि मेरी गलती से नहीं, बल्कि मेरे घोड़े की गलती से मैं यहाँ पड़ा हूँ।"
वहाँ मौजूद खच्चर चालकों में से एक, जिसका स्वभाव शायद अच्छा नहीं था, उस बेचारे ज़मीन पर पड़े आदमी को इस तरह बड़बड़ाते हुए सुनकर खुद को रोक नहीं पाया और उसकी पसलियों पर एक घूंसा मारने से खुद को रोक नहीं पाया। वह उसके पास आया और उसका भाला छीनकर, उसे टुकड़ों में तोड़कर, एक टुकड़े से हमारे डॉन क्विक्सोट पर इस कदर वार करने लगा कि उसके कवच के बावजूद, वह उसे गेहूँ की तरह पीस रहा था। उसके मालिकों ने उसे इतना ज़ोर से वार न करने और उसे अकेला छोड़ने के लिए कहा, लेकिन खच्चर चालक का खून खौल रहा था और उसने अपना सारा क्रोध निकालने तक शिकार को छोड़ने की परवाह नहीं की। भाले के बचे हुए टुकड़ों को इकट्ठा करके उसने उस बेचारे शिकार पर एक और वार कर दिया, जो अपने ऊपर बरस रही लाठियों की बौछार के बावजूद लगातार आसमान, ज़मीन और डाकुओं को धमकी देता रहा, क्योंकि वे उसे डाकू ही लगते थे। अंततः खच्चर चालक थक गया, और व्यापारी अपनी यात्रा जारी रखते हुए उस बेचारे के बारे में बातें करने लगे जिसे बुरी तरह पीटा गया था। जब उसने खुद को अकेला पाया तो उसने उठने का एक और प्रयास किया; लेकिन अगर वह स्वस्थ और तंदुरुस्त होने पर भी नहीं उठ पा रहा था, तो बुरी तरह पीटे जाने और लगभग टुकड़े-टुकड़े हो जाने के बाद वह कैसे उठ पाता? फिर भी वह खुद को भाग्यशाली समझता था, क्योंकि उसे लगता था कि यह किसी वीर योद्धा की दुर्घटना थी, और पूरी तरह से उसके घोड़े की गलती थी। हालांकि, शरीर से बुरी तरह घायल होने के कारण, उठना उसके बस की बात नहीं थी।

अध्याय 5

जिसमें हमारे योद्धा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कहानी जारी है।
तब जब उसे पता चला कि वह वास्तव में हिल नहीं सकता, तो उसने अपने सामान्य उपाय का सहारा लेने का सोचा, जो कि अपनी किताबों के किसी अंश के बारे में सोचना था। उसकी बेचैनी ने उसे बाल्डविन और मंटुआ के मार्क्विस की कहानी याद दिला दी, जब कार्लोटो ने उसे पहाड़ की ढलान पर घायल छोड़ दिया था। यह कहानी बच्चों को कंठस्थ है, नौजवानों को भूली नहीं है, और बुजुर्गों द्वारा सराही और यहां तक कि मानी भी जाती है; और फिर भी यह मुहम्मद के चमत्कारों से जरा भी कम सच नहीं है। उसे लगा कि यह कहानी उसकी मौजूदा स्थिति से बिल्कुल मेल खाती है, इसलिए उसने पीड़ा का नाटक करते हुए जमीन पर लोटना शुरू कर दिया और कमजोर सांसों के साथ उन शब्दों को दोहराने लगा जो कहा जाता है कि जंगल के घायल योद्धा ने कहे थे।
हे मेरी प्रियतमा, तुम कहाँ हो कि तुम्हें मेरे दुःख का अहसास नहीं होता? हे मेरी प्रियतमा, तुम इसे जान ही नहीं सकतीं, वरना तुम बेवफा हो।
और इस प्रकार उन्होंने गीत की पंक्तियों तक गाना जारी रखा:
हे महान मंटुआ के मार्क्विस, मेरे चाचा और स्वामी!
संयोगवश, जब वह इस पंक्ति पर पहुँचा, तो उसी समय उसके अपने गाँव का एक किसान, जो उसका पड़ोसी था और गेहूं का बोझ लेकर चक्की पर जा रहा था, वहाँ से गुजर रहा था। उसने उस आदमी को वहाँ लेटा हुआ देखकर उसके पास जाकर पूछा कि वह कौन है और उसे क्या हुआ है कि वह इतनी उदास होकर शिकायत कर रहा है।
डॉन क्विक्सोट को पूरा यकीन था कि यह उनके चाचा, मंटुआ के मार्क्विस हैं, इसलिए उन्होंने केवल यही जवाब दिया कि वे अपना गाथागीत गाते रहें, जिसमें उन्होंने अपनी बदकिस्मती की कहानी और सम्राट के बेटे और उसकी पत्नी के प्रेम प्रसंगों को ठीक उसी तरह सुनाया जैसा कि गाथागीत में लिखा है। किसान ऐसी बेतुकी बातें सुनकर स्तब्ध रह गया। उसने चोटों से छलनी हो चुके अपने मुखौटे को उतारकर धूल से सने अपने चेहरे को पोंछा और जैसे ही उसने ऐसा किया, उसने उसे पहचान लिया और बोला, "सेनोर क्विक्साडा" (जब वह होश में था और एक शांत ग्रामीण सज्जन से वीर योद्धा नहीं बना था, तब उसे इसी नाम से पुकारा जाता था), "किसने आपको इस हालत में पहुँचाया है?" लेकिन दूसरे ने सभी सवालों का जवाब देते हुए अपना गीत गाना जारी रखा।

यह देखकर उस भले आदमी ने यथासंभव उसकी कवच और पीठ की ढाल हटाकर देखने की कोशिश की कि कहीं उसे कोई घाव तो नहीं है, पर उसे न तो खून दिखाई दिया और न ही कोई निशान। फिर उसने किसी तरह उसे ज़मीन से उठाया और बड़ी मुश्किल से अपने गधे पर लाद लिया, जो उसे सबसे आसान सवारी लग रही थी; और भाले के टुकड़ों समेत सारे हथियार इकट्ठा करके उसने रोसिनांटे पर बांध दिए, और उसे लगाम से और गधे को रस्सी से पकड़कर गाँव की ओर चल पड़ा, उसे यह सुनकर बहुत दुख हो रहा था कि डॉन क्विक्सोट कितनी बेतुकी बातें कर रहा है।
डॉन क्विक्सोट भी कुछ कम नहीं था, क्योंकि चोटों और खरोंचों के कारण वह गधे पर सीधा नहीं बैठ पा रहा था, और समय-समय पर वह आकाश की ओर आहें भरता था, जिससे किसान को एक बार फिर उससे पूछना पड़ा कि उसे क्या तकलीफ है। और यह केवल शैतान ही हो सकता था जिसने उसके दिमाग में अपनी ही कहानियों से मेल खाने वाली कहानियां भर दी हों, क्योंकि अब, बाल्डविन को भूलकर, उसने मूर अबिंडारेज़ के बारे में सोचा, जब एंटेक्वेरा के अल्केड, रोड्रिगो डी नार्वेज़ ने उसे बंदी बना लिया और अपने महल में ले गया; इसलिए जब किसान ने उससे फिर पूछा कि वह कैसा है और उसे क्या तकलीफ है, तो उसने उसे वही शब्द और वाक्यांश दिए जो बंदी अबिंडारेज़ ने रोड्रिगो डी नार्वेज़ को दिए थे, ठीक वैसे ही जैसे उसने जॉर्ज डी मोंटेमायोर की "डायना" में यह कहानी पढ़ी थी, और इसे अपने मामले पर इतनी सटीक रूप से लागू किया कि किसान अपने भाग्य को कोसता रहा कि उसे इतनी बकवास सुननी पड़ रही है; लेकिन इससे वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उसका पड़ोसी पागल है, और इसलिए डॉन क्विक्सोट के इस उबाऊ भाषण से बचने के लिए वह गांव पहुंचने की पूरी जल्दी में जुट गया; जिसने अंत में कहा, "सेनोर डॉन रोड्रिगो डी नार्वेज़, आपको यह जानना चाहिए कि जिस सुंदर ज़रीफ़ा का मैंने जिक्र किया है, वह अब प्यारी डुलसीनिया डेल टोबोसो है, जिसके लिए मैंने इस दुनिया में देखे गए, देखे जाने वाले या भविष्य में देखे जाने वाले सबसे प्रसिद्ध वीरतापूर्ण कार्य किए हैं, कर रहा हूं और करूंगा।"
इस पर किसान ने उत्तर दिया, "महोदय—मैं पापी हूँ!—क्या आप नहीं देख सकते कि मैं डॉन रोड्रिगो डी नार्वेज़ या मंटुआ का मार्क्विस नहीं, बल्कि आपका पड़ोसी पेड्रो अलोंसो हूँ, और आप न तो बाल्डविन हैं और न ही अबिंडारेज़, बल्कि आदरणीय सज्जन सेनर क्विक्साडा हैं?"

"मैं जानता हूँ कि मैं कौन हूँ," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और मैं जानता हूँ कि मैं न केवल उन सभी का रूप हो सकता हूँ जिनका मैंने नाम लिया है, बल्कि फ्रांस के सभी बारह कुलीन और यहाँ तक कि सभी नौ प्रतिष्ठित व्यक्तियों का रूप भी हो सकता हूँ, क्योंकि मेरी उपलब्धियाँ उन सभी के द्वारा किए गए कार्यों से कहीं अधिक हैं, और उनमें से प्रत्येक के द्वारा अपने-अपने स्तर पर किए गए कार्यों से भी कहीं अधिक हैं।"
इस तरह की और भी बातों के साथ वे गाँव पहुँचे, ठीक उसी समय जब रात होने लगी थी, लेकिन किसान ने थोड़ा और इंतज़ार किया ताकि थका-हारा सज्जन इतनी दयनीय हालत में घोड़े पर सवार न दिखाई दे। जब उसे लगा कि यह सही समय है, तो वह गाँव में दाखिल हुआ और डॉन क्विक्सोट के घर गया, जहाँ उसे पूरी तरह से अफरा-तफरी का माहौल मिला। वहाँ पादरी और गाँव का नाई मौजूद थे, जो डॉन क्विक्सोट के घनिष्ठ मित्र थे, और उनकी गृहणी उनसे ऊँची आवाज़ में कह रही थी, "महामहिम, मेरे स्वामी, सेनर लाइसेंशिएट पेरो पेरेज़ को क्या हो गया है?" (पादरी को इसी नाम से पुकारा जाता था)। तीन दिन हो गए हैं उसका, उसके घोड़े का, उसकी ढाल, भाले या कवच का कोई अता-पता नहीं। धिक्कार है मुझ पर! मुझे पूरा यकीन है, और यह उतना ही सच है जितना कि मेरा जन्म मरने के लिए हुआ था, कि ये शापित वीरता की किताबें जो उसने पढ़ रखी हैं और जिन्हें वह लगातार पढ़ता रहता है, ने उसकी बुद्धि को बिगाड़ दिया है; क्योंकि अब मुझे याद आता है कि मैंने उसे अक्सर खुद से कहते सुना था कि वह एक वीर योद्धा बनकर दुनिया भर में रोमांच की तलाश में निकलेगा। ऐसी किताबों का सत्यानाश हो, जिन्होंने ला मांचा की सबसे उत्तम बुद्धि को इस तरह बर्बाद कर दिया! भतीजी ने भी यही कहा, और आगे कहा: "आपको पता होना चाहिए, मास्टर निकोलस"— क्योंकि नाई का यही नाम था—"मेरे चाचा की अक्सर ये आदत थी कि वे दो दिन और दो रातें लगातार इन अपवित्र किताबों को पढ़ते रहते थे, फिर किताब फेंक देते और तलवार उठाकर दीवारों पर वार करने लगते; और जब वे थक जाते तो कहते कि उन्होंने चार मीनारों जैसे चार दानवों को मार डाला है; और थकान से जो पसीना बहता था, उसे वे युद्ध में लगे घावों का खून कहते थे; फिर वे एक बड़ा घड़ा ठंडा पानी पीते और शांत हो जाते, कहते कि यह पानी एक बहुत ही कीमती औषधि है जो उनके महान जादूगर और मित्र, ऋषि एस्क्विफ ने उन्हें दी थी। लेकिन मैं सारा दोष अपने ऊपर लेती हूँ कि मैंने अपने चाचा की इन हरकतों के बारे में आप लोगों को कभी नहीं बताया, ताकि आप लोग इसे इस हद तक पहुँचने से

पहले रोक सकें और इन सभी शापित किताबों को जला सकें—क्योंकि उनके पास ऐसी बहुत सी किताबें हैं—जो जलाने के बिल्कुल लायक हैं। विधर्मियों की तरह।" "मैं भी यही कहता हूँ," पादरी ने कहा, "और मेरी आस्था की कसम, कल उनके सार्वजनिक न्याय के बिना नहीं गुजरेगा, और उन्हें आग में झुलसने की सजा दी जाए ताकि वे पढ़ने वालों को वैसा व्यवहार करने के लिए प्रेरित न करें जैसा मेरे अच्छे दोस्त ने किया है।"
यह सब सुनकर किसान को अंततः अपने पड़ोसी की समस्या समझ में आ गई, इसलिए वह जोर से पुकारने लगा, "महामहिम, कृपया द्वार खोलें, श्रीमान बाल्डविन और श्रीमान मार्क्विस ऑफ मंटुआ के लिए, जो बुरी तरह घायल होकर आए हैं, और श्रीमान अबिंडारेज़, मूर के लिए, जिन्हें वीर रोड्रिगो डी नार्वेज़, एंटेक्वेरा के अल्केड, बंदी बनाकर लाए हैं।"
ये शब्द सुनकर वे सब जल्दी से बाहर निकल आए, और जब उन्होंने अपने दोस्त, मालिक और चाचा को पहचाना, जो अभी तक गधे से नहीं उतरे थे क्योंकि वे उतर नहीं सकते थे, तो वे उन्हें गले लगाने के लिए दौड़ पड़े।
"रुको!" उसने कहा, "क्योंकि मेरे घोड़े की गलती से मुझे बहुत चोट लगी है; मुझे बिस्तर पर ले जाओ, और यदि संभव हो तो बुद्धिमान उर्गंडा को बुलाओ ताकि वह मेरे घावों का इलाज कर सके।"
"देखो वहाँ! धिक्कार है इस पर!" नौकरानी चिल्लाई: "क्या मेरे दिल ने सच नहीं बताया था कि मेरे मालिक का कौन सा पैर लंगड़ा हो गया है? महाराज, तुरंत मेरे साथ बिस्तर पर आइए, हम आपको यहीं ठीक करने का उपाय करेंगे, उस हुरगाडा को बुलाए बिना। मैं एक बार फिर, और सौ बार, उन वीरता की किताबों पर लानत देती हूँ जिन्होंने महाराज को इस हालत में पहुँचाया है।"
वे उसे तुरंत बिस्तर पर ले गए, और उसके घावों की तलाशी लेने के बाद भी उन्हें कोई घाव नहीं मिला, लेकिन उसने कहा कि ये सभी चोटें उसके घोड़े रोसिनांटे के साथ दस दैत्यों के साथ युद्ध के दौरान बुरी तरह गिरने से लगी थीं, जो पृथ्वी पर पाए जाने वाले सबसे बड़े और सबसे साहसी दैत्य थे।
"तो, तो!" पादरी ने कहा, "क्या नृत्य में कोई दानव हैं? मैं क्रॉस के चिन्ह की कसम खाकर उन्हें कल दिन ढलने से पहले जला दूंगा।"
उन्होंने डॉन क्विक्सोट से कई सवाल पूछे, लेकिन उसका एक ही जवाब था—उसे कुछ खाने को दे दो और सोने दो, क्योंकि उसे सबसे ज़्यादा ज़रूरत इसी की थी। उन्होंने वैसा ही किया, और पादरी ने किसान से बड़ी देर तक पूछा कि उसने डॉन

क्विक्सोट को कैसे पाया। उसने बताया, और जब उसे पाया गया और घर लौटते समय उसने जो भी बेतुकी बातें कीं, उन सब बातों ने पादरी को अगले दिन वही करने के लिए और भी उत्सुक कर दिया जो उसने किया था, यानी अपने दोस्त नाई, मास्टर निकोलस को बुलाना और उसके साथ डॉन क्विक्सोट के घर जाना।

अध्याय 6

हमारे प्रतिभाशाली सज्जन के पुस्तकालय में पादरी और नाई द्वारा की गई मनोरंजक और महत्वपूर्ण जांच-पड़ताल के बारे में।
वह अभी भी सो रहा था; इसलिए पादरी ने भतीजी से उस कमरे की चाबियाँ माँगीं जहाँ वे किताबें थीं, जो सारी शरारतों की जड़ थीं, और उसने खुशी-खुशी चाबियाँ दे दीं। वे सब अंदर गए, नौकरानी भी उनके साथ, और उन्हें सौ से अधिक बड़ी, अच्छी तरह से बंधी हुई किताबें और कुछ छोटी किताबें मिलीं। नौकरानी ने जैसे ही उन्हें देखा, वह मुड़कर कमरे से बाहर भागी और तुरंत पवित्र जल से भरी एक तश्तरी और एक छिड़काव यंत्र लेकर वापस आई और बोली, "हे महाराज, इस कमरे में जल छिड़किए; इन किताबों में छिपे कई जादूगरों में से किसी को भी हमारे ऊपर जादू करने के लिए मत छोड़िए, ताकि हम उन्हें दुनिया से निकालने के अपने इरादे का बदला न ले सकें।"
नौकरानी की सादगी देखकर शराबी हँस पड़ा और उसने नाई को निर्देश दिया कि वह उसे एक-एक करके किताबें दे ताकि वह देख सके कि उनमें क्या लिखा है, क्योंकि हो सकता है उनमें से कुछ ऐसी हों जो आग में जलाने की सजा के लायक न हों। "नहीं," भतीजी ने कहा, "इनमें से किसी पर भी दया दिखाने का कोई कारण नहीं है; इन सबने कोई न कोई बुराई की है; बेहतर होगा कि इन्हें खिड़की से बाहर आँगन में फेंक दिया जाए और ढेर लगाकर आग लगा दी जाए; या फिर इन्हें आंगन में ले जाया जाए, जहाँ बिना धुएँ से कोई परेशानी हुए अलाव जलाया जा सकता है।" नौकरानी ने भी यही कहा, क्योंकि वे दोनों उन निर्दोषों के वध के लिए बहुत उत्सुक थीं, लेकिन पादरी कम से कम उनके नाम पढ़े बिना इस बात पर सहमत नहीं हुआ।
मास्टर निकोलस के हाथ में सबसे पहले जो किताब आई, वह थी "गॉल के अमाडिस की चार पुस्तकें"। पादरी ने कहा, "यह एक रहस्यमयी बात लगती है, क्योंकि मैंने सुना है कि स्पेन में छपी यह वीरता की पहली पुस्तक थी, और इसी से बाकी सभी पुस्तकों का जन्म और उत्पत्ति हुई है; इसलिए मुझे लगता है कि हमें इसे इतने घृणित संप्रदाय का संस्थापक मानकर निर्दयतापूर्वक जला देना चाहिए।" "नहीं, महोदय," नाई ने कहा, "मैंने भी सुना है कि इस प्रकार की लिखी गई सभी पुस्तकों में यह सर्वश्रेष्ठ है, और इसलिए, अपनी तरह की अनूठी होने के कारण, इसे क्षमा कर दिया जाना चाहिए।"

“जी हां,” पादरी ने कहा; “और इसीलिए फिलहाल इसकी जान बख्श दी जाए। आइए, इसके बगल में मौजूद दूसरे को देखें।”
नाई ने कहा, "यह 'सर्गस डी एस्प्लंडियन' है, जो गॉल के अमाडिस का वैध पुत्र है।"
“तो फिर,” पादरी ने कहा, “पिता की पुण्यता का दोष पुत्र पर नहीं डाला जाना चाहिए। इसे लो, गृहणी; खिड़की खोलो और इसे आंगन में फेंक दो और उस अलाव की नींव रखो जो हम जलाने वाले हैं।”
नौकर ने बड़ी संतुष्टि के साथ आज्ञा का पालन किया, और वह सम्मानित "एस्प्लंडियन" धैर्यपूर्वक उस आग का इंतजार करने के लिए आंगन में दौड़ पड़ा जो उसके लिए तय थी।
"आगे बढ़ो," पादरी ने कहा।
नाई ने कहा, "इसके बाद जो आएगा, वह 'ग्रीस के अमादी' हैं, और वास्तव में, मेरा मानना है कि इस तरफ के सभी लोग एक ही अमादी वंश के हैं।"
"तो फिर उन सबको लेकर आँगन में ले चलो," पादरी ने कहा; "क्योंकि रानी पिंटिक्विनीस्ट्रा, चरवाहे डारिनेल और उसके गीतों, और उसके लेखक के विक्षिप्त और उलझे हुए प्रवचनों को जलाए जाने के बाद, मैं अपने पिता को भी उनके साथ जला दूँगा, चाहे वह किसी वीर योद्धा के वेश में ही क्यों न घूम रहा हो।"
"मैं भी यही सोचता हूँ," नाई ने कहा।
"और मैं भी," भतीजी ने कहा।
"तो फिर," नौकरानी ने कहा, "इन्हें यहाँ, आँगन में ले चलो!"
उन्हें उसके हवाले कर दिया गया, और चूंकि वे बहुत सारे थे, इसलिए उसने सीढ़ियों का इस्तेमाल करने से खुद को बचा लिया और उन्हें खिड़की से नीचे फेंक दिया।
"वो टब जैसा दिखने वाला कौन है?" पादरी ने पूछा।
नाई ने कहा, "यह 'डॉन ओलिवेंटे डे लौरा' है।"
पादरी ने कहा, "उस किताब के लेखक वही थे जिन्होंने 'द गार्डन ऑफ फ्लावर्स' लिखी थी, और सच में यह तय करना मुश्किल है कि दोनों किताबों में से कौन सी ज्यादा सच्ची है, या बेहतर शब्दों में कहें तो कौन सी कम झूठी है; मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि इस किताब को एक घमंडी मूर्ख समझकर आंगन में फेंक दो।"

"इसके बाद जो आएगा वह 'हिरकानिया का फ्लोरिस्मार्ट' है," नाई ने कहा। "सेनोर फ्लोरिस्मार्ट यहाँ हैं?" पादरी ने कहा; "तो मेरी कसम, उन्हें अपने अद्भुत जन्म और काल्पनिक कारनामों के बावजूद, आंगन में ही रहना होगा, क्योंकि उनकी शैली की कठोरता और नीरसता इसके अलावा किसी और चीज के लायक नहीं है; उन्हें और उस दूसरी नौकरानी को आंगन में ही भेज दो।"
"पूरी ईमानदारी से, महोदय," उसने कहा और बड़े हर्ष के साथ आदेश का पालन किया।
नाई ने कहा, "यह है 'नाइट प्लैटिर'।"
"यह एक पुरानी किताब है," पादरी ने कहा, "लेकिन मुझे इसमें दया दिखाने का कोई कारण नहीं दिखता; इसे बिना अपील किए बाकी किताबों के साथ भेज दीजिए;" और ऐसा ही किया गया।
एक और किताब खोली गई, और उन्होंने देखा कि उसका शीर्षक था, "द नाइट ऑफ द क्रॉस"।
"इस पुस्तक के पवित्र नाम के नाम पर, इसकी अज्ञानता को क्षमा किया जा सकता है; लेकिन फिर, वे कहते हैं, 'क्रॉस के पीछे शैतान है; उसे आग में जाने दो।'" एक और किताब उतारते हुए नाई ने कहा, "यह 'शूरवीरता का दर्पण' है।"
"मैं महाराज को जानता हूँ," पादरी ने कहा; "वहीं पर मोंटाल्वैन के सेनर रेनाल्डोस अपने मित्रों और साथियों के साथ नज़र आते हैं, जो कैकस से भी बड़े चोर हैं, और फ्रांस के बारह पीयर सच्चे इतिहासकार टर्पिन के साथ; हालाँकि, मैं उन्हें आजीवन निर्वासन से अधिक की सज़ा देने के पक्ष में नहीं हूँ, क्योंकि कम से कम, प्रसिद्ध माटेओ बोयार्डो के आविष्कार में उनका कुछ योगदान है, जिससे ईसाई कवि लुडोविको अरियोस्टो ने भी अपनी रचनाएँ गढ़ीं, और यदि मैं उसे यहाँ पाता हूँ, और वह अपनी भाषा के अलावा कोई और भाषा बोलता है, तो मैं उसका ज़रा भी सम्मान नहीं करूँगा; लेकिन यदि वह अपनी भाषा बोलता है तो मैं उसे अपने सिर पर उठा लूँगा।"
नाई ने कहा, "ठीक है, मेरे पास उसकी इतालवी भाषा की कॉपी है, लेकिन मुझे उसकी भाषा समझ नहीं आती।"
“यह अच्छा नहीं होगा कि तुम उसे समझ सको,” पादरी ने कहा, “और इस मामले में हम कप्तान को माफ़ कर सकते थे अगर वह उसे स्पेन न लाया होता और उसे कैस्टिलियन न बनाया होता। उसने उसकी स्वाभाविक शक्ति का बहुत कुछ छीन लिया, और ऐसा ही उन सभी के साथ होता है जो पद्य में लिखी पुस्तकों का

अनुवाद करने का प्रयास करते हैं, क्योंकि वे चाहे कितनी भी मेहनत करें और कितनी भी चतुराई दिखाएँ, वे कभी भी मूल कृतियों के स्तर तक नहीं पहुँच सकते। संक्षेप में, मैं कहता हूँ कि इस पुस्तक को, और उन फ्रांसीसी मामलों से संबंधित जो भी पुस्तकें मिलें, उन्हें किसी सूखे कुएँ में फेंक दिया जाना चाहिए या जमा कर दिया जाना चाहिए, जब तक कि और विचार-विमर्श के बाद यह तय न हो जाए कि उनके साथ क्या किया जाना है; सिवाय एक ‘बर्नार्डो डेल कार्पियो’ और एक अन्य ‘रोंसेसवेल्स’ के; क्योंकि यदि ये मेरे हाथ में आती हैं, तो ये तुरंत गृहस्वामी के हाथों में चली जाएँगी, और वहाँ से बिना किसी रोक-टोक के आग में फेंक दी जाएँगी।”
इन सब बातों पर नाई ने अपनी सहमति दे दी और इसे सही और उचित समझा, क्योंकि उसे विश्वास था कि पादरी धर्म के प्रति इतना दृढ़ और सत्य के प्रति इतना वफादार था कि वह किसी भी कीमत पर उनके विरुद्ध कुछ नहीं कहेगा। एक और किताब खोलकर उसने देखा कि वह "पामेरिन डी ओलिविया" थी, और उसके बगल में एक और किताब थी जिसका नाम "पामेरिन ऑफ इंग्लैंड" था। यह देखकर पादरी ने कहा, "इस जैतून की लकड़ी को तुरंत जलाकर राख होने तक जला दिया जाए; और उस 'पामेरिन ऑफ इंग्लैंड' को अलग से रखा जाए, और उसके लिए वैसा ही एक और स्थान बनाया जाए जैसा सिकंदर ने दारियस के लूट के माल में पाया था और कवि होमर की रचनाओं को सुरक्षित रखने के लिए अलग रख दिया था। यह किताब, गपशप, दो कारणों से प्रामाणिक है, पहला इसलिए कि यह बहुत अच्छी है, और दूसरा इसलिए कि कहा जाता है कि इसे पुर्तगाल के एक बुद्धिमान और चतुर राजा ने लिखा था। मिरागुआर्डा के महल में हुए सभी कारनामे उत्कृष्ट और अद्भुत रचना से रचे गए हैं, और भाषा परिष्कृत और स्पष्ट है, वक्ता की शैली का उचित और विवेकपूर्ण ढंग से अध्ययन और अवलोकन किया गया है। तो फिर, यदि आपको उचित लगे, मास्टर निकोलस, तो मैं कहता हूँ कि इस किताब और 'अमादिस ऑफ गॉल' को अग्नि दंड से मुक्त कर दिया जाए, और बाकी सभी किताबों के लिए भी यही बात लागू होती है।" बाकी लोगों को बिना किसी सवाल या पूछताछ के नष्ट होने दो।"
"नहीं, गपशप है," नाई ने कहा, "क्योंकि मेरे पास जो है वह प्रसिद्ध 'डॉन बेलियानिस' है।"
“खैर,” पादरी ने कहा, “उस और दूसरे, तीसरे और चौथे भाग को अपने पित्त की अधिकता को दूर करने के लिए थोड़ी सी रूबर्ब की आवश्यकता है, और उन्हें प्रसिद्धि के महल और अन्य बड़ी बनावटी बातों से मुक्त करना होगा, जिसके

लिए उन्हें विदेश में कुछ समय के लिए रहने की अनुमति दी जाए, और जैसे-जैसे वे सुधरेंगे, वैसे-वैसे उनके साथ दया या न्याय किया जाएगा; और इस बीच, गपशप करने वालों, तुम उन्हें अपने घर में रखो और किसी को भी उन्हें पढ़ने मत दो।”
“सचमुच,” नाई ने कहा; और वीरता की और किताबें पढ़ने में समय बर्बाद न करते हुए, उसने नौकरानी से कहा कि वह सारी बड़ी-बड़ी पट्टियाँ उठाकर आँगन में फेंक दे। यह बात उसने किसी मंदबुद्धि या बहरे व्यक्ति से नहीं कही थी, बल्कि उससे कही थी जिसे सबसे चौड़ा और बेहतरीन जाल बुनने से भी ज़्यादा उन्हें जलाने में आनंद आता था; और एक बार में लगभग आठ पट्टियाँ उठाकर उसने उन्हें खिड़की से बाहर फेंक दिया।
इतनी सारी चीजें एक साथ ले जाते समय, उनमें से एक नाई के पैरों में गिर गई, जिसने यह जानने की उत्सुकता में उसे उठाया कि यह किसकी है, और पाया कि उस पर लिखा था, "प्रसिद्ध योद्धा, तिरांते एल ब्लैंको का इतिहास।"
"ईश्वर मुझे आशीर्वाद दे!" पादरी ने चिल्लाते हुए कहा, "'तिरान्ते एल ब्लैंको' यहाँ है! इसे मुझे दे दो, चुगलखोर, क्योंकि इसमें मुझे आनंद का खजाना और मनोरंजन की खान मिली है। इसमें है मोंटालवन के वीर योद्धा डॉन किरीलेइसन, उनके भाई मोंटालवन के थॉमस, और योद्धा फोन्सेका, साथ ही उस लड़ाई का वर्णन जो साहसी तिरान्ते ने मास्टिफ कुत्ते के साथ लड़ी थी, और युवती प्लेसरडेमीविडा के हास्य-व्यंग्य, और विधवा रेपोसाडा के प्रेम और छल, और महारानी का अपने सहायक हिपोलिटो से प्रेम - सच में, चुगलखोर, अपनी शैली के कारण यह दुनिया की सबसे अच्छी किताब है। इसमें योद्धा खाते-पीते, सोते, अपने पलंगों में मरते, मरने से पहले अपनी वसीयत बनाते हैं, और भी बहुत कुछ है जो बाकी किताबों में नहीं है। फिर भी, मैं कहता हूँ कि जिसने इसे लिखा है, जानबूझकर ऐसी मूर्खतापूर्ण रचना करने के लिए, उसे आजीवन कारावास की सजा मिलनी चाहिए। इसे अपने साथ घर ले जाओ और पढ़ो, और तुम आप देखेंगे कि मैंने जो कहा है वह सच है।"
नाई ने कहा, "जैसी आपकी इच्छा; लेकिन इन बची हुई छोटी किताबों का हम क्या करें?"
"ये तो वीरता की किताबें नहीं, बल्कि कविताएँ होनी चाहिए," पादरी ने कहा; और एक किताब खोलकर देखा तो वह जॉर्ज डी मोंटेमायोर की "डायना" थी, और यह मानते हुए कि बाकी सभी भी इसी तरह की हैं, "इन्हें," उन्होंने कहा, "बाकियों

की तरह जलाए जाने के लायक नहीं हैं, क्योंकि ये वीरता की किताबों की तरह कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकतीं, ये तो मनोरंजन की किताबें हैं जिनसे किसी को कोई हानि नहीं हो सकती।"
"अरे, महाराज!" भतीजी ने कहा, "आप बेहतर होगा कि इन्हें भी बाकी सब की तरह जला देने का आदेश दें; क्योंकि इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा अगर, अपनी शूरवीरता की बीमारी से ठीक होने के बाद, मेरे चाचा इन्हें पढ़कर चरवाहा बनने और जंगलों और खेतों में गाते-बजाते घूमने का शौक पाल लें; या, इससे भी बुरा, कवि बन जाएं, जिसे एक लाइलाज और संक्रामक बीमारी कहा जाता है।"
“वह युवती सही कह रही है,” पादरी ने कहा, “और हमारे मित्र के रास्ते से इस बाधा और प्रलोभन को हटाना ही बेहतर होगा। तो चलिए, मोंटेमायोर की ‘डायना’ से शुरुआत करते हैं। मेरा मानना है कि इसे जलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि इसमें से ऋषि फेलिशिया और जादुई जल से संबंधित सभी बातें और लगभग सभी लंबी कविताएँ हटा देनी चाहिए: इसे अपने गद्य को बनाए रखने दें और इस प्रकार की पहली पुस्तक होने का सम्मान प्राप्त करने दें।”
नाई ने कहा, "इसके बाद जो आएगा, वह 'डायना' है, जिसका शीर्षक 'सलामंकन द्वारा रचित दूसरा भाग' है, और दूसरे का भी यही शीर्षक है, और इसके लेखक गिल पोलो हैं।"
"जहां तक सलामांकन की बात है," पादरी ने उत्तर दिया, "उसे जाने दो ताकि आंगन में निंदा किए गए लोगों की संख्या बढ़ जाए, और गिल पोलो की हत्या को ऐसे संरक्षित रहने दो मानो वह स्वयं अपोलो से आई हो: लेकिन जल्दी करो, गपशप करो, क्योंकि देर हो रही है।"
नाई ने एक और किताब खोलते हुए कहा, "यह किताब सार्डिनिया के कवि एंटोनियो डी लोफ्रासो द्वारा लिखित 'फॉर्च्यून ऑफ लव' की दस पुस्तकों का संग्रह है।"
"मुझे जो आदेश मिले हैं, उनके अनुसार, जब से अपोलो अपोलो हैं, देवियाँ देवियाँ हैं, और कवि कवि हैं, तब से ऐसी विचित्र और बेतुकी किताब कभी नहीं लिखी गई है, और अपने तरीके से यह इस प्रकार की अब तक की सभी किताबों में सर्वश्रेष्ठ और सबसे अनोखी है, और जिसने इसे नहीं पढ़ा है, वह निश्चित रूप से जानता है कि उसने कभी कुछ आनंददायक नहीं पढ़ा है। इसे मुझे दे दो, गपशप करने वाले, क्योंकि इसे पाकर मुझे उतना ही गर्व है जितना कि फ्लोरेंस के कपड़े का बना हुआ चोगा मिलने पर होता।"

उसने उसे अत्यंत संतुष्टि के साथ एक तरफ रख दिया, और नाई ने आगे कहा, "इसके बाद जो चित्र आएंगे वे हैं 'इबेरिया का चरवाहा', 'हेनारेस की अप्सराएँ' और 'ईर्ष्या का ज्ञान'।"
"फिर हमें बस इतना करना है," पादरी ने कहा, "कि उन्हें गृहस्वामी की धर्मनिरपेक्ष शाखा के हवाले कर दें, और मुझसे यह न पूछें कि क्यों, वरना हमारा काम कभी पूरा नहीं होगा।"
"यह अगला 'पास्टर डे फिलिडा' है।"
"वह कोई पादरी नहीं है," सहायक पादरी ने कहा, "बल्कि एक अत्यंत परिष्कृत दरबारी है; इसे एक अनमोल रत्न की तरह संरक्षित रखा जाए।"
नाई ने कहा, "यह बड़ी वाली किताब 'विभिन्न कविताओं का खजाना' कहलाती है।" "अगर ये इतने अधिक न होते, तो इन्हें और अधिक पसंद किया जाता: इस पुस्तक में मौजूद कुछ अश्लीलताओं को दूर करना और शुद्ध करना आवश्यक है, जो इसकी खूबियों के साथ ही मौजूद हैं; इसे संरक्षित रखा जाना चाहिए क्योंकि लेखक मेरा मित्र है, और उसके द्वारा लिखित अन्य अधिक वीर और उच्च कोटि की रचनाओं के प्रति सम्मान के कारण भी।"
"यह," नाई ने जारी रखा, "लोपेज़ डी माल्डोनाडो का 'कैंसियोनेरो' है।"
“उस किताब के लेखक भी,” पादरी ने कहा, “मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, और उनके खुद के मुख से निकली कविताएँ सुनने वालों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं, क्योंकि उनकी आवाज़ में इतना मधुरता है कि जब वे उन्हें गाते हैं तो सब मोहित हो जाते हैं। इसमें कुछ ज़्यादा ही स्तुतियाँ हैं, पर अच्छी चीज़ें कभी प्रचुर मात्रा में नहीं होतीं: इसे अलग रखी गई किताबों के साथ ही रखा जाए। लेकिन इसके बाद कौन सी किताब है?”
नाई ने कहा, "मिगुएल डी सर्वेंट्स की 'गैलाटिया'।"
"सर्वांटेस कई वर्षों से मेरे घनिष्ठ मित्र रहे हैं, और मेरी जानकारी के अनुसार उन्हें कविताओं से कहीं अधिक असफलताओं का अनुभव है। उनकी पुस्तक में कुछ अच्छी कल्पनाशीलता है, यह हमें कुछ प्रस्तुत तो करती है लेकिन किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचती: हमें इसके दूसरे भाग की प्रतीक्षा करनी होगी जिसका इसमें वादा किया गया है: शायद संशोधन के साथ यह वह पूर्ण प्रशंसा प्राप्त करने में सफल हो सके जो इसे अभी नहीं मिल रही है; और तब तक, हे गपशप के स्वामी, इसे अपने कमरे में ही बंद रखें।"

"बहुत बढ़िया," नाई ने कहा; "और ये तीन एक साथ आ रहे हैं, डॉन अलोंसो डी एर्सिला का 'अरौकाना', कॉर्डोवा के न्यायाधीश जुआन रूफो का 'ऑस्ट्रियाडा' और वैलेंसिया के कवि क्रिस्टोबल डी विरुएस का 'मोंटसेरेट'।"
पादरी ने कहा, "ये तीनों पुस्तकें वीरगाथाओं में कैस्टिलियन भाषा में लिखी गई सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें हैं, और इनकी तुलना इटली की सबसे प्रसिद्ध पुस्तकों से की जा सकती है; इन्हें स्पेन के पास मौजूद कविता के सबसे समृद्ध खजाने के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए।"
पादरी थक गया था और अब और किताबें नहीं देखना चाहता था, इसलिए उसने फैसला किया कि "विषयवस्तु अप्रमाणित" होने के कारण बाकी सभी किताबों को जला दिया जाए; लेकिन तभी नाई ने "एंजेलिका के आंसू" नामक एक किताब खोलकर दिखाई।
जब पादरी ने शीर्षक सुना तो उसने कहा, "अगर मैंने उस किताब को जलाने का आदेश दिया होता तो मैं खुद रो पड़ता, क्योंकि उसके लेखक दुनिया के, बल्कि स्पेन के भी, प्रसिद्ध कवियों में से एक थे और ओविड की कुछ कहानियों के अनुवाद में उन्हें बहुत आनंद आया था।"

अध्याय 7

हमारे वीर योद्धा डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा के दूसरे आक्रमण के बारे में इसी क्षण डॉन क्विक्सोट चिल्लाने लगा, "यहाँ आओ, यहाँ आओ, वीर योद्धाओं! यहाँ तुम्हें अपनी बलिष्ठ भुजाओं का बल दिखाना होगा, क्योंकि दरबारी प्रतियोगिता में विजय प्राप्त कर रहे हैं!" इस शोर और चीख-पुकार से विचलित होकर, वे शेष पुस्तकों की जाँच आगे नहीं बढ़ा सके, और इसलिए ऐसा माना जाता है कि डॉन लुइस डी एविला द्वारा लिखित "द कैरोलिया", "द लायन ऑफ स्पेन" और "द डीड्स ऑफ द एम्परर" बिना देखे और बिना सुने ही आग में जल गईं; क्योंकि निस्संदेह वे उन पुस्तकों में से थीं जो बची रह गईं, और शायद यदि पादरी ने उन्हें देख लिया होता तो उन्हें इतनी कठोर सजा न भुगतनी पड़ती।
जब वे डॉन क्विक्सोट के पास पहुँचे तो वह पहले ही बिस्तर से उठ चुका था, और अभी भी चिल्ला रहा था, बड़बड़ा रहा था, और चारों ओर काट-छाँट कर रहा था, मानो वह कभी सोया ही न हो।
उन्होंने उसे घेर लिया और जबरदस्ती उसे वापस बिस्तर पर ले गए, और जब वह थोड़ा शांत हुआ, तो उसने पादरी से कहा, "सचमुच, सेनर आर्कबिशप टर्पिन, हम जैसे स्वयं को बारह पीयर्स कहने वालों के लिए यह बहुत शर्म की बात है कि हमने इतनी लापरवाही से दरबार के शूरवीरों को इस प्रतियोगिता में जीत हासिल करने दी, जबकि हम साहसी लोगों ने पिछले तीन दिनों में सम्मान अपने नाम किया था।"
"चुप रहो, गपशप करने वालों," पादरी ने कहा; "भगवान करे, किस्मत पलट जाए और जो आज खोया है वो कल मिल जाए; फिलहाल महाराज, आप अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, क्योंकि मुझे लगता है कि आप बहुत थके हुए हैं, या शायद बुरी तरह घायल भी हैं।"
“घायल तो नहीं,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “लेकिन चोट ज़रूर लगी है, क्योंकि उस कमीने डॉन रोलैंड ने मुझे एक बलूत के पेड़ के तने से पीटा है, और यह सब ईर्ष्या के कारण किया है, क्योंकि वह देखता है कि उपलब्धियों में केवल मैं ही उसका प्रतिद्वंदी हूँ। लेकिन अगर वह मुझे बिस्तर से उठते ही अपने सारे जादू-टोने के बावजूद इसका बदला न चुकाता, तो मैं खुद को मोंटालवन का रेनाल्डोस नहीं कहता। अभी के लिए, मेरे लिए कुछ खाने को लाओ, क्योंकि मुझे

लगता है कि यही मेरे लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद होगा, और बदला लेने का काम मुझ पर छोड़ दो।”
उन्होंने उसकी इच्छा के अनुसार ही किया; उन्होंने उसे कुछ खाने को दिया, और वह एक बार फिर सो गया, जिससे वे उसकी इस पागलपन भरी हरकत पर आश्चर्यचकित रह गए।
उस रात नौकर ने आंगन और पूरे घर में मौजूद सभी किताबों को जलाकर राख कर दिया; और कुछ ऐसी किताबें भी जरूर जली होंगी जो शाश्वत अभिलेखागार में संरक्षित होने योग्य थीं, लेकिन उनके भाग्य और परीक्षक की सुस्ती ने इसकी अनुमति नहीं दी, और इस प्रकार उनमें यह कहावत सच साबित हुई कि निर्दोष को दोषी के लिए भुगतना पड़ता है।
पादरी और नाई ने अपने मित्र की परेशानी का तुरंत समाधान करने के लिए उस कमरे को दीवार से बंद कर दिया जहाँ किताबें रखी थीं, ताकि जब वह उठे तो उसे किताबें न मिलें (संभवतः कारण दूर होने से प्रभाव भी समाप्त हो जाए), और वे कह सकें कि किसी जादूगर ने सारी किताबें, कमरा समेत, चुरा ली हैं; और यह काम उन्होंने तुरंत कर दिया। दो दिन बाद डॉन क्विक्सोट उठा और सबसे पहले अपनी किताबें ढूंढने गया, लेकिन जब उसे वह कमरा नहीं मिला जहाँ उसने किताबें रखी थीं, तो वह उन्हें इधर-उधर ढूंढने लगा। वह उस जगह पर पहुँचा जहाँ पहले दरवाजा हुआ करता था, और उसने अपने हाथों से उसे छूकर देखा, और बिना कुछ बोले अपनी आँखों को हर दिशा में घुमाया; लेकिन काफी देर बाद उसने अपने नौकर से पूछा कि वह कमरा कहाँ है जहाँ उसकी किताबें रखी हैं।
नौकरानी, जिसे पहले से ही अच्छी तरह से निर्देश दिया गया था कि उसे क्या जवाब देना है, ने कहा, "महाराज, आप किस कमरे या किस खालीपन की तलाश कर रहे हैं? इस घर में अब न तो कोई कमरा है और न ही किताबें, क्योंकि शैतान खुद सब कुछ ले गया है।"
"वह शैतान नहीं था," भतीजी ने कहा, "बल्कि एक जादूगर था जो आपके यहाँ से जाने के बाद एक रात बादल पर सवार होकर आया और जिस साँप पर वह सवार था, उससे उतरकर कमरे में घुस गया। उसने वहाँ क्या किया, यह मुझे नहीं पता, लेकिन थोड़ी देर बाद वह छत से उड़कर भाग गया और घर को धुएँ से भर दिया। जब हम यह देखने गए कि उसने क्या किया है, तो हमें न तो कोई किताब मिली और न ही कमरा। लेकिन मुझे और नौकरानी को अच्छी तरह याद है कि जाते समय उस बूढ़े बदमाश ने ऊँची आवाज़ में कहा कि किताबों और कमरे के मालिक से निजी दुश्मनी के चलते

उसने उस घर में कुछ गड़बड़ की है जिसका खुलासा जल्द ही हो जाएगा। उसने यह भी कहा कि उसका नाम ऋषि मुनाटन है।"
"उसने फ्रिस्टन कहा होगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मुझे नहीं पता कि वह खुद को फ्रिस्टन कहता था या फ्रिटन," नौकरानी ने कहा, "मुझे बस इतना पता है कि उसके नाम के अंत में 'टन' आता था।"
"हाँ, ऐसा ही है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और वह एक बुद्धिमान जादूगर है, मेरा कट्टर शत्रु है, जो मुझसे द्वेष रखता है क्योंकि वह अपने ज्ञान और कलाओं से जानता है कि समय आने पर मेरा उसके मित्र योद्धा से एकल युद्ध होगा और मैं उसे जीत लूँगा, और वह इसे रोक नहीं पाएगा; और इसी कारण वह मुझे हर संभव नुकसान पहुँचाने का प्रयास करता है; लेकिन मैं उसे विश्वास दिलाता हूँ कि स्वर्ग द्वारा निर्धारित इस बात का विरोध करना या उससे बचना उसके लिए कठिन होगा।"
भतीजी ने कहा, "इसमें शक करने की क्या ज़रूरत है? लेकिन चाचा जी, आप इन झगड़ों में क्यों पड़ रहे हैं? क्या बेहतर नहीं होगा कि आप अपने घर में शांति से रहें, बजाय इसके कि दुनिया भर में घूमकर गेहूं से बनी रोटी से भी बेहतर रोटी की तलाश करें, और यह कभी न सोचें कि बहुत से लोग ऊन के लिए जाते हैं और खाली हाथ लौटते हैं?"
"ओह, मेरी भतीजी," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "तुम्हारा हिसाब कितना गलत है: इससे पहले कि वे मेरी दाढ़ी काटें, मैं उन सभी की दाढ़ी नोच कर काट डालूंगा जो मेरे एक बाल के सिरे को भी छूने की हिम्मत करेंगे।"
दोनों ने आगे कोई जवाब देने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्होंने देखा कि उसका गुस्सा भड़क रहा था।
संक्षेप में कहें तो, वह पंद्रह दिनों तक घर पर अत्यंत शांति से रहा, अपने पुराने भ्रमों में लौटने की कोई इच्छा नहीं दिखाई। इस दौरान उसने अपने दो सलाहकारों, पादरी और नाई के साथ इस बात पर जीवंत चर्चा की कि संसार को सबसे अधिक आवश्यकता वीर योद्धाओं की है, और उसी में वीर योद्धा परंपरा का पुनरुद्धार होना है। पादरी कभी-कभी उसका विरोध करता, कभी-कभी उससे सहमत होता, क्योंकि यदि वह सावधानी न बरतता तो उसे समझाना असंभव होता।
इसी बीच डॉन क्विक्सोट ने अपने एक पड़ोसी, एक खेतिहर मजदूर को अपने वश में कर लिया। वह एक ईमानदार आदमी था (अगर सच में किसी गरीब को ईमानदार कहा जा सकता है), लेकिन दिमाग से बिल्कुल खाली था। संक्षेप में कहें तो, डॉन

क्विक्सोट ने उससे इतनी मीठी-मीठी बातें कीं और इतने वादे किए कि बेचारा मजदूर उसके साथ चलने और उसका सहायक बनने के लिए तैयार हो गया। डॉन क्विक्सोट ने उसे और भी कई बातें बताईं, जिनमें से एक यह थी कि वह खुशी- खुशी उसके साथ चलने को तैयार रहे, क्योंकि किसी भी क्षण कोई ऐसा साहसिक कार्य हो सकता है जिससे वह पलक झपकते ही एक द्वीप जीत ले और उसका शासक बन जाए। इन्हीं और इसी तरह के वादों पर सांचो पांजा (मजदूर का यही नाम था) ने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़कर अपने पड़ोसी का सहायक बनने का काम शुरू कर दिया।
डॉन क्विक्सोट ने फिर पैसे जुटाने का काम शुरू किया; एक चीज़ बेचकर और दूसरी गिरवी रखकर, और हर मामले में नुकसानदेह सौदा करके, उसने ठीक-ठाक रकम जमा कर ली। उसने अपने लिए एक ढाल खरीदी, जो उसने एक दोस्त से उधार ली थी, और अपने टूटे-फूटे हेलमेट को जितना हो सके ठीक करके, उसने अपने सहायक सांचो को अपने प्रस्थान का दिन और समय बता दिया, ताकि वह अपनी ज़रूरत की चीज़ें साथ ले जा सके। सबसे बढ़कर, उसने सांचो को अपने साथ सहायक ले जाने का आदेश दिया। सांचो ने कहा कि वह ले जाएगा, और साथ ही वह अपना एक अच्छा गधा भी ले जाना चाहता है, क्योंकि उसे पैदल चलना ज़्यादा पसंद नहीं था। गधे के बारे में डॉन क्विक्सोट थोड़ा हिचकिचाया, यह सोचने की कोशिश कर रहा था कि क्या उसे कोई ऐसा योद्धा याद है जो अपने साथ गधे पर सवार सहायक को ले जाता हो, लेकिन उसे कोई उदाहरण याद नहीं आया। इन सब बातों के बावजूद, उसने उसे अपने साथ ले जाने का निश्चय किया और इरादा किया कि जैसे ही उसे कोई बेहतर घोड़ा मिलेगा, वह उसे दिलाएगा, जिसके लिए वह रास्ते में मिलने वाले पहले असभ्य शूरवीर का घोड़ा छीन लेगा। उसने स्वयं मेज़बान की सलाह के अनुसार कमीज़ें और अन्य आवश्यक वस्तुएँ जुटा लीं; यह सब हो जाने के बाद, सांचो पांज़ा ने अपनी पत्नी और बच्चों से, और डॉन क्विक्सोट ने अपनी नौकरानी और भतीजी से, बिना किसी की नज़र में आए, एक रात गाँव से चुपके से निकल गए और इतनी तेज़ी से आगे बढ़े कि सुबह होने तक वे पकड़े जाने से सुरक्षित रहे, यहाँ तक कि अगर उनकी तलाश भी की जाती तो भी।
सांचो अपने गधे पर एक मुखिया की तरह सवार था, अपने अलफोर्जा और बोटा के साथ, और उस द्वीप का जल्द ही गवर्नर बनने की लालसा रखता था जिसका वादा उसके स्वामी ने उससे किया था। डॉन क्विक्सोट ने वही रास्ता और सड़क चुनने का फैसला किया जो उसने अपनी पहली यात्रा में लिया था, कैम्पो डी मोंटिएल से

होकर जाने वाला रास्ता, जिस पर उसने पिछली बार की तुलना में कम असुविधा के साथ यात्रा की थी, क्योंकि सुबह का समय था और सूर्य की किरणें उन पर तिरछी पड़ रही थीं, इसलिए गर्मी उन्हें परेशान नहीं कर रही थी।
और अब सांचो पांजा ने अपने स्वामी से कहा, "महामहिम, हे वीर योद्धा, उस द्वीप को न भूलें जिसका आपने मुझसे वादा किया है, क्योंकि चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, मैं उस पर शासन करने में सक्षम हूँ।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मित्र सांचो पांजा, तुम्हें यह अवश्य ज्ञात होगा कि पुराने समय के वीर योद्धाओं में यह प्रथा बहुत प्रचलित थी कि वे अपने सहायकों को जीते हुए द्वीपों या राज्यों का राज्यपाल बना देते थे, और मैंने निश्चय किया है कि मैं इस उदार प्रथा का पालन करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा; इसके विपरीत, मैं इसे और भी बेहतर बनाने का इरादा रखता हूं, क्योंकि वे कभी-कभी, और शायद अक्सर, अपने सहायकों के बूढ़े होने तक प्रतीक्षा करते थे, और फिर जब वे सेवा और कठिन दिनों और उससे भी बदतर रातों से थक जाते थे, तो वे उन्हें किसी घाटी या प्रांत का कोई न कोई पदवी, जैसे कि काउंट, या अधिक से अधिक मार्क्विस, प्रदान करते थे; लेकिन यदि तुम और मैं दोनों जीवित रहे, तो हो सकता है कि छह दिन बीतने से पहले ही मैं कोई ऐसा राज्य जीत लूं जिस पर अन्य राज्य निर्भर हों, जो तुम्हारे लिए उनमें से किसी एक का राजा बनने के लिए बिल्कुल उपयुक्त होगा। और इसे आश्चर्यजनक मत समझो, क्योंकि ऐसे योद्धाओं के भाग्य में चीजें और अवसर इतने अनोखे और अप्रत्याशित तरीके से घटित होते हैं कि मैं तुम्हें आसानी से और भी कुछ दे सकता हूं। जितना मैंने तुमसे वादा किया है उससे कहीं अधिक।
"उस स्थिति में," सांचो पांजा ने कहा, "यदि मैं आपके द्वारा वर्णित उन चमत्कारों में से किसी एक से राजा बन जाऊं, तो मेरी पत्नी जुआना गुटिएरेज़ भी रानी बन जाएगी और मेरे बच्चे भी।"
"खैर, इसमें संदेह कौन करता है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मुझे इस पर संदेह है," सांचो पांजा ने उत्तर दिया, "क्योंकि मेरा मानना है कि भले ही ईश्वर धरती पर राज्य बरसा दे, उनमें से एक भी मारी गुटिएरेज़ के लिए उपयुक्त नहीं होगा। महोदय, मैं आपको बता दूं, वह रानी बनने के लायक बिल्कुल नहीं है; काउंटेस बनना उसके लिए बेहतर होगा, और वह भी केवल ईश्वर की कृपा से।"

"इसे ईश्वर पर छोड़ दो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि वह उसे वही देगा जो उसके लिए सबसे उपयुक्त होगा; लेकिन खुद को इतना कम मत समझो कि प्रांत के राज्यपाल बनने से कम किसी भी पद से संतुष्ट हो जाओ।"
"मैं ऐसा नहीं करूँगा, महोदय," सांचो ने उत्तर दिया, "विशेष रूप से इसलिए क्योंकि मेरे पास आपके जैसा एक गुणवान गुरु है, जो मुझे वह सब कुछ देना जानता है जो मेरे लिए उपयुक्त होगा और जिसे मैं सहन कर सकूँगा।"

अध्याय 8

वीर डॉन क्विक्सोट को पवनचक्कियों के भयानक और अकल्पनीय साहसिक कार्य में जो सौभाग्य प्राप्त हुआ, उसका वर्णन अन्य घटनाओं के साथ किया गया है जिन्हें उचित रूप से दर्ज किया जाना चाहिए।
इस बिंदु पर उनकी नज़र मैदान में मौजूद तीस-चालीस पवनचक्कियों पर पड़ी, और जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने उन्हें देखा, उसने अपने सहायक से कहा, "किस्मत हमारे लिए ऐसी व्यवस्था कर रही है जो हम खुद नहीं कर सकते थे, क्योंकि देखो, मेरे मित्र सांचो पांजा, वहाँ तीस या उससे अधिक विशालकाय दानव मौजूद हैं, जिनसे मैं युद्ध करके उन्हें मार डालूँगा, और उनके लूटे हुए माल से हम अपना भाग्य बनाना शुरू करेंगे; क्योंकि यही न्यायपूर्ण युद्ध है, और इस दुष्ट नस्ल को धरती से मिटाना ईश्वर की नेक सेवा है।"
"कौन से दैत्य?" सांचो पांजा ने कहा।
"जिन्हें तुम वहाँ देख रहे हो," उसके स्वामी ने उत्तर दिया, "उनकी भुजाएँ लंबी हैं, और उनमें से कुछ की भुजाएँ लगभग दो मील लंबी हैं।"
"देखिए, महाराज," सांचो ने कहा; "जो हम वहाँ देख रहे हैं वे दानव नहीं बल्कि पवनचक्कियाँ हैं, और जो उनकी भुजाएँ प्रतीत होती हैं वे हवा से घूमने वाले पंखे हैं जो चक्की के पत्थर को घुमाते हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यह आसानी से देखा जा सकता है कि तुम इस तरह के साहसिक कार्यों के आदी नहीं हो; वे तो दानव हैं; और यदि तुम डर रहे हो, तो यहाँ से चले जाओ और प्रार्थना करो जबकि मैं उनसे भयंकर और असमान युद्ध में उलझा रहता हूँ।"
ऐसा कहते हुए उसने अपने घोड़े रोसिनांटे को एड़ी मारी, अपने सहायक सांचो की चीखों की परवाह किए बिना, जो उसे चेतावनी दे रहा था कि वह जिन पर हमला करने जा रहा है वे निश्चित रूप से पवनचक्कियां हैं, राक्षस नहीं। लेकिन वह इतना आश्वस्त था कि वे राक्षस ही हैं कि उसने न तो सांचो की चीखें सुनीं और न ही पास होने के बावजूद उन्हें पहचान पाया, बल्कि उन पर चिल्लाते हुए बोला, "भागो मत, कायरों और नीच प्राणियों, क्योंकि एक अकेला योद्धा तुम पर हमला करने आ रहा है।"

इसी क्षण हल्की हवा चलने लगी और विशाल पाल हिलने लगे, जिसे देखकर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "भले ही तुम्हारे पास विशालकाय ब्रियारियस से भी अधिक हथियार हों, फिर भी तुम्हें मुझसे मुकाबला करना होगा।"
ऐसा कहकर और अपनी प्रेमिका डुलसीनिया से पूरे दिल से विनती करते हुए, इस संकट में उसका साथ देने की गुहार लगाते हुए, भाला तैयार रखते हुए और ढाल से ढके हुए, उसने रोसिनांटे की पूरी रफ्तार पर हमला किया और उसके सामने खड़ी पहली चक्की पर टूट पड़ा; लेकिन जैसे ही उसने भाले की नोक चक्की के पाल में घुसाई, हवा ने उसे इतनी ज़ोर से घुमाया कि भाला चूर-चूर हो गया, और अपने साथ घोड़े और सवार को भी ले गया, जो मैदान पर बुरी हालत में लुढ़कते हुए गिर पड़े। सांचो अपने गधे पर सवार होकर जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था, उसकी सहायता के लिए दौड़ा, और जब वह वहाँ पहुँचा तो उसने पाया कि रोसिनांटे हिल भी नहीं पा रहा था, क्योंकि उसे इतना ज़ोर का झटका लगा था कि वह भी उसके साथ गिर पड़ा था।
"भगवान मेरी मदद करें!" सांचो ने कहा, "क्या मैंने आपको यह नहीं कहा था कि आप अपने काम पर ध्यान दें, क्योंकि वे केवल पवनचक्कियां थीं? और इस बारे में गलती केवल वही कर सकता था जिसके दिमाग में कुछ इसी तरह की बात चल रही हो।"
"चुप रहो, मेरे मित्र सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "युद्ध में भाग्य अन्य किसी भी चीज़ से अधिक उतार-चढ़ाव से गुजरता है; और इसके अलावा मुझे लगता है, और यह सच भी है, कि वही बुद्धिमान फ्रिस्टन, जिसने मेरा अध्ययन कक्ष और पुस्तकें चुराई थीं, ने इन राक्षसों को चक्की में बदल दिया है ताकि मुझे उन पर विजय प्राप्त करने का गौरव न मिले, वह मुझसे इतनी शत्रुता रखता है; लेकिन अंत में उसकी दुष्ट चालें मेरी अच्छी तलवार के आगे कुछ भी काम नहीं आएंगी।"
"ईश्वर की मर्जी," सांचो पांजा ने कहा और उसे उठने में मदद करते हुए रोसिनांटे पर फिर से बिठा दिया, जिसका कंधा आधा बाहर निकला हुआ था; और फिर, पिछली घटना पर चर्चा करते हुए, वे प्यूर्टो लापिस की ओर चल पड़े, क्योंकि डॉन क्विक्सोट ने कहा था कि वहाँ उन्हें भरपूर और विविध प्रकार के रोमांच मिलेंगे, क्योंकि वह एक बड़ा मार्ग था। इन सबके बावजूद, वह अपने भाले के खोने से बहुत दुखी था, और अपने सहायक से ऐसा कहते हुए उसने आगे कहा, "मुझे याद है कि मैंने पढ़ा था कि डिएगो पेरेज़ डी वर्गास नाम के एक स्पेनिश

योद्धा ने युद्ध में अपनी तलवार तोड़ दी थी, और उसने एक बलूत के पेड़ से एक भारी शाखा तोड़ ली थी, और उस दिन उससे उसने इतने सारे मूरों को कुचल दिया था कि उसे माचुका उपनाम मिला, और उस दिन से वह और उसके वंशज वर्गास वाई माचुका कहलाने लगे। मैं इसका उल्लेख इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि जो पहला बलूत का पेड़ मुझे दिखाई देगा, उससे मैं उसी की तरह एक और बड़ी और मजबूत शाखा तोड़ लूँगा, और उससे मैं ऐसे कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ कि तुम स्वयं को बहुत भाग्यशाली समझोगे कि तुम्हें यहाँ आकर उन्हें देखने का अवसर मिला है, और उन चीजों के प्रत्यक्षदर्शी बनोगे जिन पर विश्वास करना मुश्किल होगा।"
"ईश्वर की यही इच्छा हो," सांचो ने कहा, "मैं आपकी कही हर बात पर विश्वास करता हूँ; लेकिन थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि आप एक ही तरफ झुके हुए प्रतीत होते हैं, शायद गिरने के झटके के कारण।"
"यही सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और अगर मैं दर्द की शिकायत नहीं करता, तो इसका कारण यह है कि वीर योद्धाओं को किसी भी घाव की शिकायत करने की अनुमति नहीं होती, भले ही उनकी आंतें उससे बाहर निकल रही हों।"
"अगर ऐसा है," सांचो ने कहा, "तो मुझे कुछ कहना नहीं है; लेकिन ईश्वर जानता है कि मैं चाहूंगा कि जब भी आपको कोई तकलीफ हो, आप शिकायत करें। जहाँ तक मेरी बात है, मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझे शिकायत करनी ही चाहिए, चाहे दर्द कितना भी छोटा क्यों न हो; जब तक कि शिकायत न करने का यह नियम शूरवीरों के सहायकों पर भी लागू न होता हो।"
डॉन क्विक्सोट अपने सहायक की सरलता पर हँसे बिना नहीं रह सका, और उसने उसे आश्वासन दिया कि वह जब चाहे और जैसे चाहे शिकायत कर सकता है, क्योंकि अब तक उसने शूरवीरता के क्रम में इसके विपरीत कुछ भी नहीं पढ़ा था।
सांचो ने उसे याद दिलाया कि खाने का समय हो गया है, जिस पर उसके स्वामी ने उत्तर दिया कि उसे अभी कुछ नहीं चाहिए, लेकिन जब उसका मन करेगा तब खा लेगा। इस अनुमति के साथ सांचो अपने जानवर पर यथासंभव आराम से बैठ गया, और अपने अलफोर्जा (एक प्रकार का पेय) में जो कुछ उसने छिपा रखा था, उसे निकालकर वह अपने स्वामी के पीछे-पीछे धीरे-धीरे चबाते हुए चलने लगा, और बीच-बीच में बड़े चाव से बोता (एक प्रकार का पेय) पीता रहा, मानो मलागा का सबसे प्यासा शराब विक्रेता भी ईर्ष्या करता। इस तरह चलते हुए, एक के बाद एक घूंट पीते हुए, उसने अपने स्वामी द्वारा किए गए किसी भी वादे के बारे में नहीं सोचा,

न ही उसने इसे कठिनाई समझा, बल्कि रोमांच की तलाश में मनोरंजन समझा, चाहे वह कितना भी खतरनाक क्यों न हो। अंत में उन्होंने रात कुछ पेड़ों के नीचे बिताई, जिनमें से एक पेड़ से डॉन क्विक्सोट ने एक सूखी शाखा तोड़कर उसे भाले की तरह इस्तेमाल किया, और उस पर टूटी हुई शाखा का सिरा लगा दिया। पूरी रात डॉन क्विक्सोट अपनी प्रेमिका डुलसीनिया के बारे में सोचते हुए जागते रहे, ताकि वे अपनी किताबों में पढ़ी बातों का पालन कर सकें, जिनमें बताया गया था कि जंगलों और रेगिस्तानों में शूरवीर अपनी प्रेमिकाओं की यादों के सहारे कितनी ही रातें बिना सोए बिताते थे। लेकिन सांचो पांजा ने ऐसा नहीं किया, क्योंकि चिकोरी के पानी से अधिक किसी मजबूत पेय से उनका पेट भरा हुआ था, इसलिए उन्हें सिर्फ एक ही नींद आई, और अगर उनके स्वामी ने उन्हें न बुलाया होता, तो न तो उनके चेहरे पर पड़ती सूरज की किरणें और न ही दिन के आगमन का स्वागत करते पक्षियों के मधुर गीत उन्हें जगा पाते। उठने पर उन्होंने बोता (पानी का बर्तन) चखा और पाया कि वह पिछली रात की तुलना में कुछ कम भरा हुआ था, जिससे उनका दिल दुखी हुआ क्योंकि ऐसा लग रहा था कि वे इस कमी को जल्द ही दूर करने की कोशिश नहीं कर रहे थे। डॉन क्विक्सोट ने अपना उपवास नहीं तोड़ा, क्योंकि जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, वे अपने पोषण के लिए सुखद यादों तक ही सीमित थे।
वे उसी रास्ते पर लौट आए जिससे वे निकले थे, जो प्यूर्टो लापिस की ओर जाता था, और दोपहर तीन बजे उन्हें वह दिखाई दिया। "देखो, भाई सांचो पांजा," डॉन क्विक्सोट ने उसे देखते ही कहा, "हम अपनी कोहनी तक हाथ डालकर उन कामों में लग सकते हैं जिन्हें वे साहसिक कार्य कहते हैं; लेकिन ध्यान रखना, अगर तुम मुझे दुनिया के सबसे बड़े खतरे में भी देखो, तो मेरी रक्षा में अपनी तलवार मत उठाना, जब तक कि तुम्हें यह न लगे कि मुझ पर हमला करने वाले बदमाश या नीच लोग हैं; क्योंकि उस स्थिति में तुम मेरी मदद कर सकते हो; लेकिन अगर वे शूरवीर हैं तो शूरवीरता के नियमों के अनुसार तुम्हें किसी भी हालत में मेरी मदद करने की अनुमति नहीं है जब तक कि तुम्हें शूरवीर की उपाधि न मिल जाए।"
"जी हां, महोदय," सांचो ने उत्तर दिया, "इस मामले में आपकी आज्ञा का पूर्णतः पालन किया जाएगा; क्योंकि मैं स्वयं शांतिप्रिय हूं और झगड़ों में शामिल होने का मेरा कोई हित नहीं है। हालांकि, यह सच है कि अपनी आत्मरक्षा के मामले में मैं उन कानूनों पर ज्यादा ध्यान नहीं दूंगा, क्योंकि मानवीय और

दैवीय कानून प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी हमलावर से अपनी रक्षा करने का अधिकार देते हैं।"
"मैं यह मानता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "लेकिन शूरवीरों के खिलाफ मेरी सहायता करने के इस मामले में तुम्हें अपनी स्वाभाविक उग्रता पर संयम रखना होगा।"
"मैं ऐसा ही करूंगा, मैं आपसे वादा करता हूं," सांचो ने उत्तर दिया, "और इस नियम का पालन रविवार की तरह ही सावधानीपूर्वक करूंगा।"
जब वे इस प्रकार बातें कर रहे थे, तभी सड़क पर सेंट बेनेडिक्ट संप्रदाय के दो भिक्षु दो ऊँटों पर सवार दिखाई दिए, क्योंकि उनके द्वारा सवार दो खच्चर भी कम ऊँचे नहीं थे। उन्होंने यात्रा के चश्मे पहने हुए थे और धूप से बचने के लिए छाते लिए हुए थे; और उनके पीछे एक गाड़ी आ रही थी जिसमें चार-पाँच घुड़सवार और दो खच्चर चालक पैदल चल रहे थे। बाद में पता चला कि उस गाड़ी में बिस्के की एक महिला थी जो सेविले जा रही थी, जहाँ उसके पति को एक उच्च पद पर नियुक्त होने के कारण भारत के लिए रवाना होना था। हालाँकि भिक्षु उसी रास्ते पर जा रहे थे, वे उसके साथ नहीं थे; लेकिन जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने उन्हें देखा, उसने अपने सहायक से कहा, "या तो मैं गलत हूँ, या यह अब तक का सबसे प्रसिद्ध साहसिक कार्य होने वाला है, क्योंकि वे काले शरीर जो हम वहाँ देख रहे हैं, वे अवश्य ही जादूगर हैं, और निस्संदेह हैं, जो उस गाड़ी में किसी चुराई हुई राजकुमारी को ले जा रहे हैं, और मुझे अपनी पूरी शक्ति से इस अन्याय को दूर करना होगा।"
"यह पवनचक्कियों से भी बदतर होगा," सांचो ने कहा। "देखिए, महोदय; वे सेंट बेनेडिक्ट के भिक्षु हैं, और यह गाड़ी स्पष्ट रूप से कुछ यात्रियों की है: मैं आपको बताता हूँ कि आप अपने काम पर ध्यान दें और शैतान के बहकावे में न आएं।"
"मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "कि रोमांच के विषय में तुम्हें बहुत कम जानकारी है। मैं जो कह रहा हूँ वह सत्य है, जैसा कि तुम अभी देखोगे।"
ऐसा कहकर वह आगे बढ़ा और उस सड़क के बीचोंबीच खड़ा हो गया जहाँ से भिक्षु आ रहे थे, और जैसे ही उसने सोचा कि वे उसकी बात सुनने के लिए काफी करीब आ गए हैं, वह जोर से चिल्लाया, "शैतानी और अप्राकृतिक प्राणियों, उन उच्च कुल की राजकुमारियों को तुरंत रिहा करो जिन्हें तुम इस रथ में जबरदस्ती ले जा रहे

हो, अन्यथा अपने बुरे कर्मों के उचित दंड के रूप में शीघ्र मृत्यु का सामना करने के लिए तैयार हो जाओ।"
भिक्षुओं ने लगाम खींची और डॉन क्विक्सोट के रूप और उसके शब्दों को देखकर आश्चर्यचकित रह गए, जिस पर उन्होंने उत्तर दिया, "सेनोर कैबलेरो, हम शैतानी या अप्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि सेंट बेनेडिक्ट के दो भाई हैं जो हमारे मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं, और हमें यह भी नहीं पता कि इस रथ में कोई बंदी राजकुमारी आ रही है या नहीं।"
“मुझसे नरमी से बात मत करो, क्योंकि मैं तुम्हें जानता हूँ, झूठे बदमाशो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा और जवाब का इंतज़ार किए बिना उसने रोसिनांटे को एड़ी मारी और भाला सीधा करके पहले साधु पर इतनी उग्रता और दृढ़ निश्चय से हमला किया कि अगर साधु ने खुद को खच्चर से नीचे न फेंका होता, तो वह उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध ज़मीन पर गिरा देता और बुरी तरह घायल कर देता, शायद तुरंत ही मार डालता। दूसरे साधु ने अपने साथी का यह हाल देखकर अपने खच्चर पर एड़ियाँ गड़ा दीं और हवा से भी तेज़ गति से देश भर में भाग निकला।
सांचो पांजा ने जब साधु को जमीन पर पड़ा देखा, तो वह तेजी से अपने गधे से उतरा और उसकी पोशाक उतारने लगा। उसी क्षण साधु के खच्चर चालक आए और पूछने लगे कि वह ऐसा क्यों कर रहा है। सांचो ने उत्तर दिया कि यह पोशाक उसे उसके स्वामी डॉन क्विक्सोट द्वारा जीती गई लड़ाई में कानूनी रूप से मिली है। खच्चर चालक, जिन्हें मजाक का कोई अंदाजा नहीं था और जो युद्धों और लूट के बारे में कुछ नहीं जानते थे, यह देखकर कि डॉन क्विक्सोट कुछ दूरी पर कोच में बैठे यात्रियों से बात कर रहा था, सांचो पर टूट पड़े, उसे नीचे गिरा दिया और उसकी दाढ़ी का एक बाल भी नहीं छोड़ा, उसे लातों से पीटते हुए जमीन पर बेसुध और सांस फूलने के लिए छोड़ दिया; और बिना किसी देरी के साधु को घोड़े पर चढ़ने में मदद की, जो कांपता हुआ, भयभीत और पीला पड़ा हुआ था, जैसे ही वह घोड़े की पीठ पर बैठा, अपने साथी के पीछे भागा, जो कुछ दूरी पर खड़ा होकर हमले का परिणाम देख रहा था; फिर, अभी शुरू हुए इस मामले के अंत का इंतजार न करते हुए, उन्होंने अपनी यात्रा जारी रखी और इतने कष्ट झेले मानो शैतान उनका पीछा कर रहा हो।
जैसा कि बताया गया है, डॉन क्विक्सोट कोच में बैठी महिला से बात कर रहे थे: "हे मेरी प्रियतमा, आपकी सुंदरता अब आपकी इच्छा के अनुरूप है, क्योंकि आपके अपहरणकर्ताओं का अभिमान मेरी इस शक्तिशाली भुजा से चूर-चूर हो गया

है; और यदि आप अपने मुक्तिदाता का नाम जानने के लिए तड़प रही हों, तो जान लें कि मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, एक वीर योद्धा और साहसी, और अद्वितीय और सुंदर महिला डुलसीनिया डेल टोबोसो का बंदी हूँ: और मेरी सेवा के बदले में मैं आपसे केवल इतना ही चाहता हूँ कि आप एल टोबोसो लौट जाएँ, और मेरी ओर से उस महिला के समक्ष उपस्थित होकर उन्हें बताएँ कि मैंने आपको मुक्त करने के लिए क्या किया है।"
कोच के साथ चल रहे सहायकों में से एक, जो बिस्केयन था, डॉन क्विक्सोट की सारी बातें सुन रहा था। जब उसने देखा कि डॉन क्विक्सोट कोच को आगे नहीं जाने दे रहा है, बल्कि उसे तुरंत एल टोबोसो वापस लौटने को कह रहा है, तो वह उस पर झपटा और उसका भाला छीनकर अपनी ही शैली में टूटी-फूटी कैस्टिलियन और उससे भी बदतर बिस्केयन भाषा में बोला, "चले जा, साहब, और मैं तुझे भगा दूँगा; मेरे ईश्वर की कसम, अगर तू कोच नहीं छोड़ेगा, तो मैं तुझे यहीं मार डालूँगा, क्योंकि तू एक बिस्केयन है।"
डॉन क्विक्सोट उसे अच्छी तरह समझ गया और उसने बड़ी शांति से जवाब दिया, "अगर तू कोई शूरवीर होता, जैसा कि तू नहीं है, तो मैं तेरी मूर्खता और जल्दबाज़ी की सज़ा अब तक दे चुका होता, हे अभागे प्राणी।" इस पर बिस्केयन ने कहा, "मैं कोई सज्जन नहीं हूँ! मैं ईश्वर की कसम खाता हूँ कि तू झूठ बोल रहा है, जैसे मैं ईसाई हूँ: अगर तू भाला छोड़कर तलवार उठाएगा, तो जल्द ही तू देख लेगा कि तू बिल्ली को पानी पिला रहा है: ज़मीन पर बिस्केयन, समुद्र में हिडाल्गो, शैतान के पास हिडाल्गो, और देख, अगर तू इसके अलावा कुछ और कहता है तो तू झूठ बोल रहा है।"
“तुम अभी देखोगे,” अग्रजेस ने कहा, “डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; और अपना भाला जमीन पर फेंककर उसने अपनी तलवार निकाली, अपनी ढाल को अपनी बांह पर बांधा और बिस्केयन पर हमला कर दिया, उसका जीवन लेने के इरादे से। बिस्केयन ने जब उसे आते देखा, तो हालाँकि वह अपने खच्चर से उतरना चाहता था, जिस पर उसे बिल्कुल भी भरोसा नहीं था, क्योंकि वह किराए पर लिए गए खच्चरों में से एक था। उसके पास तलवार निकालने के अलावा कोई चारा नहीं था; सौभाग्य से वह कोच के पास था, जहाँ से उसने एक तकिया छीन लिया और उसे ढाल बना लिया; और वे एक-दूसरे पर ऐसे टूट पड़े मानो दो कट्टर दुश्मन हों। बाकी लोगों ने उनके बीच सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके, क्योंकि बिस्केयन ने अपनी अटपटी भाषा में कहा कि अगर उन्होंने उसे अपनी लड़ाई पूरी

नहीं करने दी, तो वह अपनी प्रेमिका और उसे रोकने की कोशिश करने वाले हर व्यक्ति को मार डालेगा। कोच में बैठी महिला, जो यह सब देखकर चकित और भयभीत थी, ने कोचवान को थोड़ा किनारे हटने का आदेश दिया और इस भयंकर संघर्ष को देखने लगी। इसी संघर्ष के दौरान बिस्केयन ने डॉन क्विक्सोट के कंधे पर उसकी ढाल के ऊपर से एक जोरदार प्रहार किया, जो बिना कवच वाले व्यक्ति को लगता तो उसे कमर तक चीर देता। डॉन क्विक्सोट, इस भीषण प्रहार के भार को महसूस करते हुए, ज़ोर से चिल्लाया, "हे मेरी आत्मा की देवी, डुलसीनिया, सौंदर्य की कली, अपने इस योद्धा की सहायता करो, जो तुम्हारी सुंदरता के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करते हुए इस घोर संकट में पड़ गया है।" यह कहना, अपनी तलवार उठाना, अपनी ढाल के पीछे अच्छी तरह से छिपना और बिस्केयन पर हमला करना, एक ही पल में हो गया, क्योंकि वह एक ही प्रहार में सब कुछ दांव पर लगाने के लिए दृढ़ था। बिस्केयन, उसे इस तरह आते देख, उसके साहस और जोशीले व्यवहार से आश्वस्त हो गया और उसका अनुसरण करने का निश्चय किया, इसलिए वह अपने तकिये के पीछे छिपकर उसका इंतजार करने लगा, क्योंकि वह अपने खच्चर के साथ किसी भी प्रकार की चाल नहीं चल सकता था, जो बुरी तरह थका हुआ था और इस तरह के खेल के लिए उपयुक्त नहीं था, इसलिए वह एक कदम भी नहीं चल सकता था।
फिर, जैसा कि पहले कहा गया है, डॉन क्विक्सोट सतर्क बिस्केयन पर तलवार उठाए और उसे दो टुकड़ों में काटने के दृढ़ इरादे से टूट पड़ा, जबकि बिस्केयन दूसरी तरफ तलवार हाथ में लिए और तकिये की आड़ में उसका इंतजार कर रहा था; और वहाँ मौजूद सभी लोग कांपते हुए, आने वाले वारों के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे थे, और गाड़ी में बैठी महिला और उसके साथी स्पेन के सभी मंदिरों और मूर्तियों को हजारों मन्नतें और भेंट चढ़ा रहे थे, कि ईश्वर उसके साथी और उन सभी को इस भयंकर खतरे से बचाए। लेकिन यह सब बिगाड़ देता है कि इस महत्वपूर्ण मोड़ पर इतिहास के लेखक ने इस युद्ध को अधूरा छोड़ दिया, यह बहाना देते हुए कि डॉन क्विक्सोट की इन उपलब्धियों के बारे में पहले से लिखी गई बातों से अधिक कुछ भी नहीं मिला। यह सच है कि इस कृति के दूसरे लेखक को यह विश्वास करना कठिन लग रहा था कि इतना रोचक इतिहास विस्मृति के घेरे में आ सकता है, या ला मांचा के बुद्धिजीवी इतने अविवेकी हो सकते हैं कि उन्होंने इस प्रसिद्ध योद्धा से संबंधित कुछ दस्तावेजों को अपने अभिलेखागार या अभिलेखों में संरक्षित न किया हो; और इसी विश्वास के कारण

[illegible] [illegible] [illegible] [

अध्याय 9

इसी के साथ वीर बिस्केयन और साहसी मांचेगन के बीच भयंकर युद्ध का अंत हुआ। इस इतिहास के पहले भाग में हमने वीर बिस्केयन और प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट को खींची हुई तलवारें उठाए हुए छोड़ा था, मानो वे दो ऐसे भयंकर प्रहार करने के लिए तैयार हों कि यदि वे प्रहार पूरी तरह से और सटीक रूप से पड़ते तो कम से कम उन्हें सिर से पैर तक चीर कर अनार की तरह खोल देते; और इस महत्वपूर्ण मोड़ पर आकर यह मनमोहक इतिहास अचानक रुक गया और लेखक की ओर से कोई संकेत नहीं मिला कि इसमें क्या कमी रह गई है।
इससे मुझे बहुत दुख हुआ, क्योंकि इतने छोटे से अंश को पढ़कर जो आनंद मिला था, वह इस विचार से झुंझलाहट में बदल गया कि इस रोचक कहानी का जो बड़ा हिस्सा, जो मुझे प्रतीत होता था कि गायब है, उसे पाने की संभावना बहुत कम है। मुझे यह असंभव और सर्वमान्य नियमों के विपरीत लगा कि इतने महान योद्धा के पास अपने अद्भुत कारनामों को लिखने के लिए कोई विद्वान न हो; ऐसा उन सभी वीर योद्धाओं के साथ हमेशा होता था, जो रोमांच के लिए निकलते थे; क्योंकि उनमें से प्रत्येक के पास एक या दो विद्वान होते थे, मानो विशेष रूप से नियुक्त किए गए हों, जो न केवल उनके कारनामों को दर्ज करते थे, बल्कि उनके छोटे से छोटे विचारों और मूर्खताओं का भी वर्णन करते थे, चाहे वे कितने भी गुप्त क्यों न हों; और इतना महान योद्धा इतना दुर्भाग्यशाली नहीं हो सकता था कि उसके पास वह सब न हो जो प्लैटिर और उनके जैसे अन्य योद्धाओं के पास प्रचुर मात्रा में था। इसलिए मैं यह मानने को तैयार नहीं था कि इतनी वीर गाथा को अधूरा छोड़ दिया गया है, और मैंने इसका दोष समय पर डाला, जो सब कुछ निगलने और नष्ट करने वाला है, जिसने या तो इसे छिपा दिया है या नष्ट कर दिया है।
दूसरी ओर, मुझे यह बात सूझी कि चूंकि उनकी पुस्तकों में "ईर्ष्या का ज्ञान" और "हेनारेस की अप्सराएँ और चरवाहे" जैसी आधुनिक रचनाएँ पाई गई थीं, इसलिए उनकी कहानी भी आधुनिक होनी चाहिए, और भले ही वह लिखी न गई हो, लेकिन वह उनके गाँव और आस-पड़ोस के लोगों की स्मृति में मौजूद हो सकती है। इस चिंतन ने मुझे व्याकुल कर दिया और हमारे प्रसिद्ध स्पेनिश योद्धा, ला मांचा के डॉन क्विक्सोट, जो मांचेगन वीरता के प्रकाश और दर्पण थे, और जो हमारे युग में और इन बुरे दिनों में पहले व्यक्ति थे जिन्होंने वीरता के श्रम और अभ्यास

में स्वयं को समर्पित किया, अन्याय को दूर किया, विधवाओं की सहायता की और उन युवतियों की रक्षा की जो अपने घोड़ों पर सवार होकर, हाथ में चाबुक लिए, अपनी पूरी पवित्रता के साथ, पहाड़ों से पहाड़ों और घाटियों से घाटियों तक घूमती थीं—क्योंकि, यदि कोई बदमाश, या गद्दी और कुल्हाड़ी लिए हुए गंवार, या राक्षसी दानव उन्हें विवश न करता, तो पुराने समय में ऐसी युवतियाँ थीं जो अस्सी वर्ष की आयु के अंत में, जिस दौरान उन्होंने कभी एक दिन भी छत के नीचे नहीं सोया था, अपनी जन्मदंडियों की तरह ही कुंवारी अवस्था में अपनी कब्र में गईं। इसलिए मैं कहता हूँ कि इन और अन्य मामलों में हमारे वीर डॉन क्विक्सोट शाश्वत और उल्लेखनीय प्रशंसा के पात्र हैं, और इस मनमोहक कहानी के निष्कर्ष की खोज में किए गए परिश्रम और प्रयासों के लिए मुझे भी इससे वंचित नहीं किया जाना चाहिए; हालाँकि मैं भली-भांति जानता हूँ कि यदि ईश्वर, संयोग और सौभाग्य ने मेरी सहायता न की होती, तो संसार एक ऐसे मनोरंजन और आनंद से वंचित रह जाता जो इसे ध्यानपूर्वक पढ़ने वाले को कुछ घंटों के लिए अच्छी तरह से व्यस्त रख सकता है। इसकी खोज इस प्रकार हुई। एक दिन, जब मैं टोलेडो के अल्काना में था, एक लड़का रेशम व्यापारी को कुछ पर्चे और पुराने कागज़ बेचने आया। मुझे गलियों में पड़े कागज़ के टुकड़ों को भी पढ़ने का शौक है, इसलिए अपनी इसी स्वाभाविक प्रवृत्ति से प्रेरित होकर मैंने लड़के के पास बिकने वाले पर्चों में से एक उठा लिया। मैंने देखा कि उस पर अरबी लिपि लिखी थी, जिसे मैं पहचान गया। हालाँकि मैं उसे पढ़ नहीं पा रहा था, मैंने आसपास देखा कि क्या कोई स्पेनिश भाषी मोरस्को (अरबी भाषा बोलने वाला) है जो उसे मेरे लिए पढ़ सके। ऐसा अनुवादक ढूंढने में मुझे कोई खास कठिनाई नहीं हुई, क्योंकि अगर मैं किसी पुरानी और बेहतर भाषा के लिए भी अनुवादक ढूंढता, तो मुझे मिल ही जाता। संक्षेप में, संयोग से मुझे एक अनुवादक मिल गया। जब मैंने उसे बताया कि मुझे क्या चाहिए और किताब उसके हाथों में थमा दी, तो उसने उसे बीच से खोला और थोड़ा पढ़ने के बाद हंसने लगा। मैंने उससे पूछा कि वह किस बात पर हंस रहा है, तो उसने जवाब दिया कि वह किताब के हाशिये पर लिखे किसी नोट पर हंस रहा है। मैंने उससे वह बात बताने को कहा। और वह अब भी हंसते हुए बोला, "जैसा कि मैंने आपको बताया, हाशिये में यह लिखा है: 'इस इतिहास में बार-बार उल्लेखित डुलसीनिया डेल टोबोसो के बारे में कहा जाता है कि ला मांचा की सभी महिलाओं में सूअरों को नमक लगाने में उसका हाथ सबसे अच्छा था।'"

जब मैंने डुलसीनिया डेल टोबोसो का नाम सुना, तो मैं आश्चर्य और विस्मय से भर गया, क्योंकि मुझे तुरंत समझ आ गया कि इन पुस्तिकाओं में डॉन क्विक्सोट का इतिहास है। इसी विचार के साथ मैंने उसे शुरुआत पढ़ने के लिए कहा, और उसने अरबी को सरसरी तौर पर कैस्टिलियन में अनुवाद करते हुए मुझे बताया कि इसका अर्थ है, "ला मांचा के डॉन क्विक्सोट का इतिहास, जिसे अरब इतिहासकार सिदे हामेट बेनेनगेली ने लिखा है।" पुस्तक का शीर्षक सुनकर मुझे जो खुशी हुई, उसे छिपाना मेरे लिए बड़ी मुश्किल थी, और रेशम व्यापारी से छीनकर मैंने लड़के से सारे कागज़ और पुस्तिकाएँ आधे रियल में खरीद लीं; और अगर वह थोड़ा होश में होता और जानता कि मैं उन्हें पाने के लिए कितना उत्सुक था, तो वह इस सौदे से छह रियल से भी ज़्यादा कमा सकता था। मैं तुरंत मोरिसको के साथ गिरजाघर के मठ में चला गया और उनसे विनती की कि वे डॉन क्विक्सोट से संबंधित इन सभी पर्चों का कैस्टिलियन भाषा में अनुवाद कर दें, बिना कुछ जोड़े या छोड़े, और उन्हें मनचाहा भुगतान देने की पेशकश की। वे दो बोरी किशमिश और दो बुशेल गेहूँ से संतुष्ट हो गए और उन्होंने ईमानदारी से और शीघ्रता से अनुवाद करने का वादा किया; लेकिन मामले को आसान बनाने के लिए, और इस अनमोल खोज को अपने हाथों से जाने न देने के लिए, मैं उन्हें अपने घर ले गया, जहाँ उन्होंने डेढ़ महीने से कुछ अधिक समय में पूरे का अनुवाद ठीक उसी तरह कर दिया जैसा कि यहाँ लिखा है।
पहले पैम्फलेट में डॉन क्विक्सोट और बिस्केयन के बीच युद्ध का सजीव चित्रण किया गया था। उन्हें इतिहास में वर्णित मुद्रा में ही दर्शाया गया था, तलवारें उठाई हुई थीं, और एक अपनी ढाल से, दूसरा अपने तकिये से सुरक्षित था। बिस्केयन का खच्चर इतना सजीव था कि दूर से देखने पर ही वह किराए का लगा हुआ प्रतीत होता था। बिस्केयन के पैरों के नीचे एक शिलालेख था जिस पर लिखा था, "डॉन सांचो डी अज़पेइटिया," जो निस्संदेह उसका नाम रहा होगा; और रोसिनांटे के पैरों के पास एक और शिलालेख था जिस पर लिखा था, "डॉन क्विक्सोट।" रोसिनांटे का अद्भुत चित्रण किया गया था; लंबा और पतला, दुबला-पतला, फिर भी मजबूत रीढ़ वाला और तपेदिक से इतना ग्रस्त कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता था कि रोसिनांटे नाम उसे कितनी सूझबूझ और उपयुक्तता से दिया गया था। उसके पास ही सांचो पांजा अपने गधे की लगाम पकड़े खड़ा था, जिसके पैरों के पास एक और लेबल लगा था जिस पर "सांचो ज़ानकास" लिखा था। चित्र के अनुसार, उसका पेट बड़ा, शरीर छोटा और टांगें लंबी रही होंगी, शायद

इसी कारण उसे पांजा और ज़ानकास नाम दिए गए होंगे, क्योंकि इतिहास में कई बार उसे इन्हीं दो उपनामों से पुकारा गया है। कुछ अन्य छोटी-मोटी बातें भी बताई जा सकती हैं, लेकिन वे सब महत्वहीन हैं और इतिहास के सही विवरण से उनका कोई संबंध नहीं है; और कोई भी इतिहास तब तक गलत नहीं हो सकता जब तक वह सत्य हो।
यदि इस कृति की सत्यता पर कोई आपत्ति उठाई जाए, तो इसका एकमात्र कारण यही हो सकता है कि इसका लेखक एक अरब था, क्योंकि झूठ बोलना उस राष्ट्र के लोगों में एक आम प्रवृत्ति है; हालाँकि, वे हमारे इतने बड़े शत्रु हैं, इसलिए यह संभव है कि इसमें कुछ बातें जोड़ी गई हों, न कि कुछ छोड़ी गई हों। और यह मेरी अपनी राय है; क्योंकि जहाँ वह इतने योग्य योद्धा की प्रशंसा में अपनी कलम को पूरी स्वतंत्रता दे सकता था और देना चाहिए था, वहाँ उसने जानबूझकर इस विषय पर मौन धारण किया है; जो कि अनुचित और बेहद दोषपूर्ण है, क्योंकि इतिहासकारों का कर्तव्य और दायित्व है कि वे सटीक, सत्यनिष्ठ और पूरी तरह से भावनाओं से मुक्त हों, और न तो स्वार्थ, न भय, न प्रेम, उन्हें सत्य के मार्ग से विचलित कर सकते हैं, जिसकी जननी इतिहास है, जो समय का प्रतिद्वंद्वी है, कर्मों का भंडार है, अतीत का साक्षी है, वर्तमान के लिए उदाहरण और सलाह है, और भविष्य के लिए चेतावनी है। मुझे पता है कि इसमें वह सब कुछ मिलेगा जो सबसे सुखद हो सकता है, और यदि इसमें किसी भी अच्छी गुणवत्ता की कमी है, तो मेरा मानना है कि यह इसके लेखक की गलती है, न कि विषय की। संक्षेप में, अनुवाद के अनुसार, इसका दूसरा भाग इस प्रकार शुरू हुआ:
तेज धार वाली तलवारें ऊपर उठाए और शान से ताने हुए, ऐसा लग रहा था मानो दो वीर और क्रोधित योद्धा स्वर्ग, पृथ्वी और नरक को चुनौती दे रहे हों, क्योंकि उनका दृढ़ संकल्प और दृढ़ता अद्भुत थी। उग्र बिस्केयन योद्धा ने पहला प्रहार किया, जो इतनी शक्ति और क्रोध से किया गया था कि यदि तलवार अपनी दिशा न बदल लेती, तो एक ही वार से इस भयंकर संघर्ष और हमारे योद्धा के सभी कारनामों का अंत हो जाता; लेकिन सौभाग्य से, जिसने उसे और भी बड़ी चीजों के लिए बचा कर रखा था, उसके प्रतिद्वंद्वी की तलवार मुड़ गई, जिससे यद्यपि वह उसके बाएं कंधे पर लगी, लेकिन उसे केवल इतना ही नुकसान हुआ कि उस तरफ का कवच उतर गया, उसके हेलमेट का एक बड़ा हिस्सा और आधा कान उड़ गया, जो भयानक रूप से टूटकर जमीन पर गिर गया, जिससे वह दयनीय स्थिति में रह गया।

हे भगवान! भला कौन उस क्रोध का सही वर्णन कर सकता है जो हमारे मांचेगन के हृदय में तब भर गया जब उसने अपने साथ इस प्रकार का व्यवहार होते देखा? बस इतना ही कहा जा सकता है कि क्रोध इतना तीव्र था कि वह फिर से अपने रकाबों में खड़ा हो गया, और दोनों हाथों से अपनी तलवार को और भी मजबूती से पकड़कर, बिस्केयन पर ऐसे क्रोध से टूट पड़ा, उसके तकिये और सिर पर इतने प्रहार किए कि—यहाँ तक कि अच्छी ढाल भी बेकार साबित हुई—जैसे उस पर कोई पहाड़ गिर पड़ा हो, उसके नाक, मुँह और कानों से खून बहने लगा, वह लड़खड़ा रहा था मानो अपने खच्चर से पीछे की ओर गिरने वाला हो, और निस्संदेह वह गिर ही जाता अगर उसने अपनी बाहें उसकी गर्दन पर न डाली होतीं; लेकिन उसी समय, उसने अपने पैर रकाबों से छुड़ा लिए और अपनी बाहें भी हटा लीं, और खच्चर उस भयानक प्रहार से भयभीत होकर मैदान में भाग गया, और कुछ ही छलांगों में अपने मालिक को जमीन पर पटक दिया। डॉन क्विक्सोट बड़ी शांति से यह सब देख रहे थे, और जब उन्होंने उसे गिरते हुए देखा, तो वे अपने घोड़े से कूदकर बड़ी फुर्ती से उसकी ओर दौड़े और अपनी तलवार की नोक उसकी आँखों पर रखकर उसे आत्मसमर्पण करने की धमकी दी, अन्यथा वे उसका सिर काट देंगे। बिस्केयन इतना भयभीत हो गया कि वह एक शब्द भी नहीं बोल सका, और डॉन क्विक्सोट की दृष्टि से वह इतना अंधा था कि अगर रथ में बैठी महिलाएं, जो अब तक इस लड़ाई को बड़े भय से देख रही थीं, उनके पास न आतीं और उनसे अपने सहायक के जीवन को बख्शने की विनती न करतीं, तो डॉन क्विक्सोट का काम तमाम हो जाता; जिस पर डॉन क्विक्सोट ने बड़ी गंभीरता और गरिमा के साथ उत्तर दिया, "सचमुच, सुंदर देवियों, मैं आपकी बात मानने को तैयार हूँ; लेकिन यह एक शर्त पर है, और वह यह है कि यह योद्धा मुझसे वादा करे कि वह एल टोबोसो गाँव जाएगा और मेरी ओर से अद्वितीय महिला डुलसीनिया के समक्ष उपस्थित होगा, ताकि वह उसके साथ वैसा ही व्यवहार करे जैसा उसे सबसे अधिक पसंद हो।"
भयभीत और निराश महिलाओं ने डॉन क्विक्सोट की मांग पर चर्चा किए बिना या यह पूछे बिना कि डुलसीनिया कौन हो सकती है, वादा किया कि उनका सहायक वह सब करेगा जो आदेश दिया गया था।
"तब, उस वादे पर भरोसा करते हुए," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं उसे और कोई नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा, हालांकि वह मुझसे नुकसान उठाने का हकदार है।"

10

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और उसके साथी सांचो पांजा के बीच हुई सुखद बातचीत के बारे में
अब तक सांचो उठ चुका था, हालांकि भिक्षुओं के खच्चर चालकों के दुर्व्यवहार से वह थोड़ा थका हुआ था। वह अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट की लड़ाई देख रहा था और मन ही मन ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि ईश्वर की इच्छा हो कि उसे विजय प्राप्त हो और वह अपने वादे के अनुसार किसी द्वीप का शासक बन सके। यह देखकर कि लड़ाई समाप्त हो चुकी है और उसका स्वामी रोसिनेंटे पर लौट रहा है, वह उसके लिए रकाब पकड़ने के लिए आगे बढ़ा और चढ़ने से पहले ही उसके सामने घुटने टेककर उसका हाथ चूमते हुए बोला, "हे प्रभु डॉन क्विक्सोट, कृपा करके मुझे उस द्वीप का शासन सौंप दें जो इस कठिन लड़ाई में जीता गया है, क्योंकि चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, मैं स्वयं को इतना सक्षम महसूस करता हूँ कि उस पर उतना ही अच्छा शासन कर सकूँ जितना कि दुनिया में किसी भी द्वीप पर शासन करने वाला कर सकता है।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "भाई सांचो, तुम्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि यह और इसके जैसे अन्य साहसिक कार्य द्वीपों के नहीं, बल्कि चौराहों के हैं, जिनमें टूटे हुए सिर या कटे हुए कान के अलावा कुछ नहीं मिलता: धैर्य रखो, क्योंकि ऐसे साहसिक कार्य तुम्हारे सामने आएंगे जिनसे मैं तुम्हें न केवल एक शासक, बल्कि उससे भी कुछ अधिक बना सकूंगा।"
सांचो ने उनका बहुत-बहुत धन्यवाद किया और फिर से उनके हाथ और उनके कवच के किनारे को चूमते हुए, उन्हें रोसिनांटे पर सवार होने में मदद की। स्वयं भी अपने गधे पर सवार होकर, वह अपने स्वामी के पीछे चल पड़ा, जो बिना विदा लिए या गाड़ी में बैठी महिलाओं से कुछ और कहे बिना, तेज़ी से पास के जंगल में मुड़ गया। सांचो अपने गधे की पूरी गति से उसके पीछे गया, लेकिन रोसिनांटे आगे निकल गया, जिससे खुद को पीछे छूटता देख, उसे अपने स्वामी को रुकने के लिए कहना पड़ा। डॉन क्विक्सोट ने ऐसा ही किया और रोसिनांटे को तब तक रोके रखा जब तक कि उसका थका हुआ सहायक नहीं आ गया। उसके पास पहुँचकर सहायक ने कहा, "महाराज, मुझे लगता है कि हमारे लिए किसी चर्च में शरण लेना ही समझदारी होगी, क्योंकि जिससे आपने लड़ाई की थी, उसकी बुरी हालत देखकर, अगर

वे इस मामले की जानकारी पवित्र भाईचारे को दे दें और हमें गिरफ्तार कर लें, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा, और अगर वे ऐसा करते हैं, तो जेल से बाहर आने से पहले ही हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।"
"शांति बनाए रखें," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "तुमने कभी कहाँ देखा या सुना है कि किसी वीर योद्धा को न्याय अदालत के समक्ष पेश किया गया हो, चाहे उसने कितने ही हत्याकांड क्यों न किए हों?"
"मैं ओमेसिल के बारे में कुछ नहीं जानता," सांचो ने उत्तर दिया, "और न ही मैंने अपने जीवन में कभी किसी ओमेसिल से कोई संबंध रखा है; मैं केवल इतना जानता हूं कि पवित्र भाईचारा युद्ध के मैदानों में लड़ने वालों की देखभाल करता है, और उस दूसरे मामले में मैं दखल नहीं देता।"
“तो मेरे मित्र, तुम्हें चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मैं तुम्हें चालडियनों के हाथों से, और उससे भी कहीं अधिक ब्रदरहुड के हाथों से बचा लूँगा। परन्तु मुझे बताओ, क्या तुमने इस पूरी दुनिया में मुझसे अधिक वीर योद्धा देखा है? क्या तुमने इतिहास में किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में पढ़ा है जिसका आक्रमण में मुझसे अधिक साहस हो, उसे बनाए रखने में मुझसे अधिक साहस हो, घायल करने में मुझसे अधिक निपुणता हो या पराजित करने में मुझसे अधिक कौशल हो?”
"सच तो यह है," सांचो ने उत्तर दिया, "कि मैंने कभी इतिहास नहीं पढ़ा, क्योंकि मैं न तो पढ़ सकता हूँ और न ही लिख सकता हूँ, लेकिन मैं शर्त लगा सकता हूँ कि मैंने अपने जीवन में आपसे अधिक साहसी गुरु की सेवा कभी नहीं की, और ईश्वर करे कि मेरी इस हिम्मत की कीमत न चुकानी पड़े; मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप अपने घाव पर पट्टी बाँध दें, क्योंकि उस कान से बहुत खून बह रहा है, और मेरे पास यहाँ कुछ रुई और थोड़ी सी सफेद मरहम है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर मुझे फ़िएराब्रास के बाल्सम की एक शीशी बनाने की याद होती, तो इन सब बातों की ज़रूरत नहीं पड़ती, क्योंकि एक बूंद से समय और दवा दोनों की बचत होती है।"
"यह कौन सी शीशी और कौन सा बाम है?" सांचो पांजा ने कहा।
“यह एक मरहम है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “जिसकी विधि मुझे याद है, जिससे मृत्यु का भय नहीं रहता, न ही किसी घाव से मरने का डर रहता है; इसलिए जब मैं इसे बनाकर तुम्हें दूँ, तो किसी युद्ध में जब तुम देखो कि उन्होंने मुझे बीच से दो टुकड़ों में काट दिया है—जैसा कि अक्सर होता है—तो

तुम्हें कुछ नहीं करना है, बल्कि बड़ी सावधानी से और बड़ी बारीकी से, खून जमने से पहले, शरीर के उस हिस्से को जो जमीन पर गिरा हो, दूसरे आधे हिस्से पर रखना है जो काठी में टिका हो, ध्यान से कि वह बराबर और ठीक से फिट हो जाए। फिर तुम मुझे इस मरहम की केवल दो बूँदें पिलाना, और तुम देखोगे कि मैं सेब से भी ज्यादा स्वस्थ हो जाऊँगा।”
"यदि ऐसा है," पांज़ा ने कहा, "मैं प्रतिज्ञा किए गए द्वीप के शासन का त्याग करता हूँ, और अपनी अनेक और निष्ठापूर्ण सेवाओं के प्रतिफल के रूप में केवल इतना ही चाहता हूँ कि आप मुझे इस उत्तम पेय की रसीद प्रदान करें, क्योंकि मुझे विश्वास है कि यह कहीं भी दो रीयल प्रति औंस से अधिक मूल्य का होगा, और मैं अपना शेष जीवन आराम और सम्मान में बिताना चाहता हूँ; लेकिन यह जानना बाकी है कि इसे बनाने में कितना खर्च आता है।"
"तीन रील्स से भी कम में, छह क्वार्ट बनाया जा सकता है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मैं पापी हूँ!" सांचो ने कहा, "तो फिर आप इसे बनाने और मुझे सिखाने में देरी क्यों कर रहे हैं?"
"शांति, मित्र," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "मैं तुम्हें और भी बड़े रहस्य सिखाने वाला हूँ और तुम पर और भी बड़ी कृपा करने वाला हूँ; और अभी के लिए चलो पट्टी बांध लेते हैं, क्योंकि मेरे कान में असहनीय दर्द हो रहा है।"
सांचो ने अलफोरजास से कुछ रुई और मरहम निकाला; लेकिन जब डॉन क्विक्सोट ने उसका टूटा हुआ हेलमेट देखा, तो वह मानो होश खो बैठा, और अपनी तलवार पर हाथ रखकर और आकाश की ओर आँखें उठाकर बोला, "मैं समस्त सृष्टिकर्ता और चारों सुसमाचारों की पूर्ण शपथ लेता हूँ, कि मैं वही करूँगा जो मंटुआ के महान मार्क्विस ने अपने भतीजे बाल्डविन की मृत्यु का बदला लेने की शपथ लेते समय किया था (और वह यह था कि मैं मेज़पोश से रोटी नहीं खाऊँगा, उसकी पत्नी को गले नहीं लगाऊँगा, और अन्य बातें जो मुझे अभी याद नहीं आ रही हैं, लेकिन मैं यहाँ उन्हें उनके कथनों के अनुसार स्वीकार करता हूँ) जब तक कि मैं उस व्यक्ति से पूर्ण बदला न ले लूँ जिसने मेरे विरुद्ध ऐसा अपराध किया है।" यह सुनकर सांचो ने उससे कहा, "महामहिम, सेनर डॉन क्विक्सोट, आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि यदि शूरवीर ने मेरी लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के समक्ष उपस्थित होने के अपने आदेश का पालन किया है, तो उसने वह सब कुछ कर लिया है

जो उसे करना अनिवार्य था, और जब तक वह कोई नया अपराध नहीं करता, तब तक वह आगे किसी दंड का पात्र नहीं है।"
“तुमने सही कहा और सटीक बात कही,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “इसलिए मैं उस शपथ को याद करता हूँ जो उससे नए सिरे से बदला लेने से संबंधित है, लेकिन मैं इसे फिर से दोहराता हूँ और पुष्टि करता हूँ कि मैं तब तक उसी तरह का जीवन व्यतीत करूँगा जैसा मैंने कहा है, जब तक कि मैं किसी शूरवीर से बलपूर्वक ऐसा ही और उतना ही अच्छा हेलमेट छीन न लूँ; और यह मत सोचो, सांचो, कि मैं ऐसा करके व्यर्थ की बातें कर रहा हूँ, क्योंकि इस मामले में मेरे पास अनुकरण करने के लिए एक उदाहरण है, क्योंकि माम्ब्रिनो के हेलमेट के मामले में ठीक यही घटना घटी थी, जिसकी कीमत सैक्रिपांटे को बहुत भारी पड़ी थी।”
"महामहिम," सांचो ने उत्तर दिया, "महामहिम, ऐसी सभी शपथों को शैतान के पास भेज दीजिए, क्योंकि ये मोक्ष के लिए अत्यंत हानिकारक और अंतरात्मा के लिए हानिकारक हैं; मुझे अभी बताइए, यदि आने वाले कई दिनों तक हमें कोई भी ऐसा व्यक्ति न मिले जिसने हेलमेट पहना हो, तो हम क्या करेंगे? क्या उस शपथ का पालन करना होगा, चाहे कितनी भी असुविधा और परेशानी हो, जैसे कि कपड़ों में सोना, घर में न सोना, और उस बूढ़े मूर्ख मंटुआ के मार्क्विस की शपथ में निहित हजारों अन्य कष्ट, जिसे महामहिम अब पुनर्जीवित करना चाहते हैं? महामहिम ध्यान दें कि इन सड़कों पर कवचधारी कोई भी व्यक्ति यात्रा नहीं कर रहा है, केवल माल ढोने वाले और गाड़ीवान हैं, जो न केवल हेलमेट नहीं पहनते, बल्कि शायद उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी हेलमेट के बारे में सुना भी नहीं है।"
"तुम गलत हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि इन चौराहों पर दो घंटे भी नहीं बीते होंगे कि हमें अलब्राका में सुंदर एंजेलिका को जीतने आए लोगों से भी अधिक कवचधारी पुरुष दिखाई देंगे।"
"बस," सांचो ने कहा; "तो ऐसा ही हो, और ईश्वर हमें सफलता प्रदान करे, और उस द्वीप को जीतने का समय जल्द आए, जिसकी कीमत मुझे इतनी भारी पड़ रही है, और तब मुझे मरने दो।"
“मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “इस बात को लेकर परेशान मत हो; क्योंकि अगर कोई द्वीप न मिले, तो डेनमार्क या सोब्रादिसा का राज्य है, जो तुम्हारे लिए एकदम सही रहेगा, और ज़मीन पर होने

से तुम्हें और भी ज़्यादा आनंद मिलेगा। लेकिन इसे बाद में देखेंगे; देखो कि क्या उन बंदरगाहों में हमारे लिए कुछ खाने को है, क्योंकि हमें अभी किसी किले की तलाश में जाना है जहाँ हम आज रात ठहर सकें और वह मरहम बना सकें जिसके बारे में मैंने तुम्हें बताया था, क्योंकि मैं भगवान की कसम खाता हूँ, मेरे इस कान में बहुत दर्द हो रहा है।”
"मेरे पास यहाँ एक प्याज, थोड़ा सा पनीर और रोटी के कुछ टुकड़े हैं," सांचो ने कहा, "लेकिन ये आपके जैसे वीर योद्धा के लिए उपयुक्त भोजन नहीं हैं।" "तुम्हें इसके बारे में कितना कम पता है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "सांचो, मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि एक महीने तक बिना खाए रहना ही वीर योद्धाओं का गौरव है, और जब वे खाते भी हैं, तो वही खाते हैं जो सबसे पहले हाथ लगता है; और यह बात तुम्हें स्पष्ट हो जाती अगर तुमने मेरी तरह कई इतिहास पढ़े होते, क्योंकि यद्यपि इतिहास बहुत सारे हैं, उनमें से किसी में भी वीर योद्धाओं के खाने का ज़िक्र नहीं मिलता, सिवाय संयोगवश या उनके लिए आयोजित किसी भव्य भोज में, और बाकी समय वे मौज-मस्ती में बिताते थे। और यद्यपि यह स्पष्ट है कि वे बिना खाए और अन्य सभी प्राकृतिक क्रियाएँ किए बिना नहीं रह सकते थे, क्योंकि वास्तव में वे हम जैसे ही मनुष्य थे, यह भी स्पष्ट है कि अपने जीवन का अधिकांश भाग जंगलों और बीहड़ों में बिना किसी रसोइए के भटकते हुए बिताने के कारण, उनका सामान्य भोजन देहाती व्यंजन ही होता था, जैसे कि तुम मुझे अभी दे रहे हो; इसलिए, मित्र सांचो, जो बात मुझे प्रसन्न करती है, उससे दुखी मत हो, और न ही कोई नई दुनिया बनाने की कोशिश करो या वीर योद्धाओं के रीति-रिवाजों को विकृत करो।"
"मुझे क्षमा करें, महाराज," सांचो ने कहा, "क्योंकि जैसा कि मैंने अभी कहा, मैं पढ़-लिख नहीं सकता, इसलिए मुझे शूरवीरता के नियमों का ज्ञान और समझ नहीं है: अब से मैं आपके लिए, क्योंकि आप एक शूरवीर हैं, अलफोरजास में हर तरह के सूखे मेवे भरूंगा; और अपने लिए, क्योंकि मैं शूरवीर नहीं हूं, मैं मुर्गी और अन्य अधिक पौष्टिक चीजें उपलब्ध कराऊंगा।"
"मैं यह नहीं कह रहा हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "कि घुमंतू शूरवीरों के लिए तुम्हारे द्वारा बताए गए फलों के अलावा कुछ और खाना अनिवार्य नहीं है; बल्कि केवल इतना कह रहा हूँ कि उनका सामान्य आहार वही फल और कुछ जड़ी-बूटियाँ होनी चाहिए जो उन्हें खेतों में मिलती थीं, जिन्हें वे जानते थे और मैं भी जानता हूँ।"

"यह अच्छी बात है," सांचो ने उत्तर दिया, "उन जड़ी-बूटियों के बारे में जानना, क्योंकि मेरे विचार से एक दिन उस ज्ञान को व्यवहार में लाना आवश्यक होगा।"
और यहाँ, अपने द्वारा लाए गए सामान को निकालकर, दोनों ने शांतिपूर्वक और मिलजुलकर भोजन किया। लेकिन रात बिताने के लिए जगह की तलाश में, उन्होंने जल्दी से अपना सूखा भोजन समाप्त किया, तुरंत घोड़ों पर सवार हुए और रात होने से पहले किसी बस्ती तक पहुँचने की जल्दी की; लेकिन कुछ चरवाहों की झोपड़ियों के पास ही दिन का उजाला और अपने उद्देश्य में सफल होने की आशा दोनों ही खत्म हो गईं, इसलिए उन्होंने वहीं रात बिताने का फैसला किया। सांचो को घर न मिलने से उतनी ही निराशा हुई, जितनी उसके स्वामी को खुले आसमान के नीचे सोने से हुई, क्योंकि उसे लगता था कि हर बार ऐसा होने पर वह एक ऐसा कर्तव्य निभाता है जो उसकी वीरता को साबित करता है।

11

अध्याय
डॉन क्विक्सोट के साथ कुछ चरवाहों द्वारा जो कुछ घटित हुआ, उसके बारे में। चरवाहों ने उसका हार्दिक स्वागत किया, और सांचो ने रोसिनांटे और गधे को जितना हो सके संभाल कर रखा, और आग पर एक बर्तन में पक रहे नमकीन बकरी के टुकड़ों की खुशबू की ओर बढ़ा; हालाँकि वह तुरंत चखना चाहता था कि क्या वे बर्तन से निकालकर खाने के लिए तैयार हैं, उसने ऐसा नहीं किया क्योंकि चरवाहों ने उन्हें आग से उतार लिया और ज़मीन पर भेड़ की खालें बिछाकर जल्दी से अपनी सादी मेज़ लगाई, और हार्दिक सद्भावना के साथ उन दोनों को अपने भोजन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया। खालों के चारों ओर झुंड के छह आदमी बैठ गए, जिन्होंने पहले रूखेपन से डॉन क्विक्सोट को एक बर्तन पर बैठने के लिए कहा, जिसे उन्होंने उसके लिए उल्टा रखा था। डॉन क्विक्सोट बैठ गया, और सांचो सींग से बने प्याले में परोसने के लिए खड़ा रहा। उसे खड़ा देखकर उसके मालिक ने उससे कहा:
"सांचो, ताकि तुम देख सको कि वीरगाथा में कितनी अच्छाई निहित है, और इसमें किसी भी पद को निभाने वाले लोग शीघ्र ही संसार में सम्मानित और प्रशंसित होने के मार्ग पर अग्रसर होते हैं, मैं चाहता हूँ कि तुम यहाँ मेरे पास और इन योग्य लोगों के साथ बैठो, और मेरे साथ एक हो जाओ जो तुम्हारा स्वामी और स्वाभाविक स्वामी हूँ, और मेरी थाली से खाओ और जो मैं पीता हूँ उसी से पियो; क्योंकि वीरगाथा के बारे में भी वही कहा जा सकता है जो प्रेम के बारे में, कि यह सबको एक समान कर देता है।"
"बहुत-बहुत धन्यवाद," सांचो ने कहा, "लेकिन मैं महाराज से कहना चाहता हूँ कि अगर मुझे पर्याप्त भोजन मिले, तो मैं खड़े होकर और अकेले ही उतना ही अच्छा, या उससे भी बेहतर, खा सकता हूँ जितना कि किसी सम्राट के साथ बैठकर। और सच कहूँ तो, बिना किसी औपचारिकता या झंझट के अपने कोने में बैठकर जो मैं खाता हूँ, चाहे वह रोटी और प्याज ही क्यों न हो, मुझे उन मेजों पर मिलने वाले टर्की से कहीं अधिक स्वादिष्ट लगता है, जहाँ मुझे धीरे-धीरे चबाना पड़ता है, कम पानी पीना पड़ता है, हर मिनट मुँह पोंछना पड़ता है, और मैं अपनी इच्छा से छींक या खाँस भी नहीं सकता, या वे सभी काम नहीं कर सकता जो

स्वतंत्रता और एकांत के विशेषाधिकार हैं। इसलिए, महाराज, जहाँ तक इन सम्मानों की बात है जो महाराज ने मुझे एक सेवक और शूरवीर के अनुयायी के रूप में दिए हैं, कृपया इन्हें उन अन्य चीजों से बदल दें जो मेरे लिए अधिक उपयोगी और लाभदायक हों; क्योंकि इन्हें, यद्यपि मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूँ कि मैंने प्राप्त कर लिया है, मैं इस क्षण से लेकर दुनिया के अंत तक त्याग देता हूँ।"
“इन सब बातों के बावजूद,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “तुम्हें बैठना ही होगा, क्योंकि जो स्वयं को विनम्र करता है, ईश्वर उसे ऊंचा उठाता है;” और उसने उसकी बांह पकड़कर उसे अपने बगल में बैठने के लिए मजबूर कर दिया।
चरवाहों को सरदारों और वीर योद्धाओं के बारे में ये तकनीकी शब्द समझ नहीं आए, और वे चुपचाप खाते रहे और अपने मेहमानों को देखते रहे, जो बड़े ही सलीके और भूख से मुट्ठी भर टुकड़े खा रहे थे। मांस का भोजन समाप्त होने पर, उन्होंने भेड़ की खालों पर भुने हुए बलूत के फलों का एक बड़ा ढेर फैला दिया, और उनके साथ उन्होंने आधा पनीर रख दिया जो मानो ओखली से बना हो। इस दौरान सींग भी निष्क्रिय नहीं था, वह लगातार घूमता रहा, कभी भरा, कभी खाली, जैसे पानी के पहिये की बाल्टी घूमती है, और उसने जल्द ही सामने रखी दो मदिरा मशकों में से एक को खाली कर दिया। जब डॉन क्विक्सोट की भूख पूरी तरह शांत हो गई, तो उसने मुट्ठी भर बलूत के फल उठाए, और उन्हें ध्यान से देखते हुए कुछ इस तरह से त्याग किया:
वह युग कितना सुखद था, वह समय कितना सुखद था, जिसे पूर्वजों ने स्वर्ण युग कहा था, इसलिए नहीं कि उस सौभाग्यशाली युग में, हमारे इस लोहे के युग में जिस सोने की इतनी लालसा की जाती है, वह बिना किसी परिश्रम के प्राप्त हो जाता था, बल्कि इसलिए कि उसमें रहने वाले लोग "मेरा" और "तुम्हारा" इन दो शब्दों को जानते ही नहीं थे! उस धन्य युग में सब कुछ साझा था; दैनिक भोजन प्राप्त करने के लिए किसी को कोई श्रम नहीं करना पड़ता था, सिवाय इसके कि वह अपना हाथ बढ़ाकर उन मजबूत बलूत के पेड़ों से फल इकट्ठा कर ले जो उदारतापूर्वक अपने मीठे पके फलों से उसे आमंत्रित करते थे। स्वच्छ नदियाँ और बहते झरने अपना स्वादिष्ट निर्मल जल प्रचुर मात्रा में प्रदान करते थे। मेहनती और बुद्धिमान मधुमक्खियाँ चट्टानों की दरारों और पेड़ों के खोखले तनों में अपना गणराज्य स्थापित करती थीं, बिना किसी शुल्क के अपने सुगंधित परिश्रम की प्रचुर उपज हर किसी को प्रदान करती थीं। विशाल बलूत के

रक्षा, विधवाओं की सुरक्षा और अनाथों एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए स्थापित की गई थी। हे मेरे साथी चरवाहों, मैं इसी संस्था से संबंध रखता हूँ और आपके आतिथ्य सत्कार और हार्दिक स्वागत के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ; क्योंकि यद्यपि प्राकृतिक नियम के अनुसार सभी जीवित प्राणियों का कर्तव्य है कि वे वीर योद्धाओं के प्रति कृपा दिखाएँ, फिर भी, यह जानते हुए कि आपने इस दायित्व को जाने बिना मेरा स्वागत किया और मुझे भोज दिया, यह उचित है कि मैं अपनी पूरी सद्भावना के साथ आपके इस स्नेह के लिए धन्यवाद दूँ।
हमारे योद्धा ने यह लंबा-चौड़ा भाषण (जिसे आसानी से टाला जा सकता था) इसलिए दिया क्योंकि उन्हें दिए गए बलूत के फल उन्हें स्वर्ण युग की याद दिला रहे थे; और अचानक उन्हें यह सारा अनावश्यक तर्क चरवाहों को सुनाने का मन हुआ, जो आश्चर्य से उनकी बातें सुनते रहे और एक शब्द भी नहीं बोले। सांचो भी चुपचाप बलूत के फल खाता रहा और बार-बार उस दूसरे मदिरा पात्र के पास जाता रहा, जिसे उन्होंने मदिरा को ठंडा रखने के लिए एक कॉर्क के पेड़ पर लटका रखा था।
डॉन क्विक्सोट को खाना खत्म होने में जितना समय लगा, उससे कहीं ज्यादा समय उसे बोलने में लगा। खाना खत्म होने पर एक चरवाहे ने कहा, "महामहिम, वीर योद्धा, आप इस बात को और भी सच्चाई से कह सकें कि हम आपका हार्दिक स्वागत करते हैं। इसलिए हम अपने एक साथी से गाना गवाकर आपका मनोरंजन और आनंद करेंगे: वह जल्द ही यहाँ आ जाएगा, और वह बहुत बुद्धिमान और प्रेम में डूबा हुआ युवक है, और इतना ही नहीं, वह पढ़ना-लिखना और बाज़ बजाना बखूबी जानता है।"
चरवाहे की बात अभी खत्म ही हुई थी कि उनके कानों में रेबेक की धुन सुनाई दी; और थोड़ी देर बाद, वादक आया, जो लगभग 22 वर्ष का एक बहुत ही सुंदर युवक था। उसके साथियों ने उससे पूछा कि क्या उसने खाना खा लिया है, और जब उसने जवाब दिया कि उसने खा लिया है, तो जिसने पहले ही उसे भोजन का प्रस्ताव दिया था, उसने उससे कहा:
"तो फिर, एंटोनियो, तुम हमें थोड़ा गाकर प्रसन्न कर सकते हो, ताकि हमारे अतिथि, सज्जन, देख सकें कि पहाड़ों और जंगलों में भी संगीतकार होते हैं: हमने उन्हें तुम्हारी प्रतिभा के बारे में बताया है, और हम चाहते हैं कि तुम उन्हें दिखाओ और साबित करो कि हम सच कह रहे हैं; इसलिए, अगर तुम जीवित

हो, तो कृपया बैठो और अपने प्रेम के बारे में वह गीत गाओ जो तुम्हारे चाचा, प्रीबेंडरी ने तुम्हें लिखकर दिया था, और जो शहर में बहुत लोकप्रिय था।" "पूरे दिल से," उस युवक ने कहा, और आगे किसी के कहने का इंतजार किए बिना वह एक गिरे हुए ओक के पेड़ के तने पर बैठ गया, और अपने वाद्य यंत्र को धुन देते हुए तुरंत इन शब्दों को गाने लगा।
{श्लोक
एंटोनियो का गाथागीत
ओलाला, तुम मुझसे बहुत प्यार करती हो;
मुझे पता है, भले ही
प्रेम की मूक ज़ुबानें, तुम्हारी आँखें, कभी नहीं उनकी निगाहों से ही मुझे यह पता चल गया था।
क्योंकि मैं जानता हूँ कि मेरा प्रेम तुम भी जानते हो। इसलिए मैं तुम्हारा दावा करने का साहस करता हूँ:
एक बार जब यह रहस्य नहीं रह जाता,
प्रेम को कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ता।
यह सच है, ओलाला, कभी-कभी
तुमने यह बात बहुत स्पष्ट रूप से दिखा दी है
तेरा हृदय कठोर पीतल के समान है।
और तेरा बर्फीला सीना पत्थर।
फिर भी, तुम्हारी शर्म के बावजूद,
और तुम्हारे बीच-बीच में आने वाले चंचल स्वभाव,
उम्मीद अभी बाकी है—कम से कम सीमा पर तो है।
उसके वस्त्र का कुछ हिस्सा देखा जा सकता है।
वे क्षण आस्था की ओर आकर्षित करते हैं, वे झलकियाँ ही तो हैं।
और मैं तुझ पर विश्वास रखता हूँ;
दयालुता इसे मजबूत नहीं बना सकती।
ठंड से ठंड नहीं हो सकती।
यदि प्रेम कोमल हो,
मैं तुम्हारी कोमलता में देखता हूँ
कुछ ऐसा जो आश्वासन प्रदान करता हो तुम्हें जीतने की आशा में।

यदि ऐसा हो कि भक्ति में
इसमें दिलों को पिघलाने की शक्ति छिपी है,
जो मैं तुम्हें प्रतिदिन दिखाता हूँ,
मेरे मुकदमे के लिए यह मददगार साबित होना चाहिए। तुमने कई बार यह जरूर देखा होगा—
यदि तुम ध्यान देने की परवाह करते हो—
मैं सोमवार को कैसे आगे बढ़ता हूँ
मैंने रविवार के सारे कपड़े पहन रखे हैं।
प्रेम की आंखें चमक को देखना पसंद करती हैं;
प्रेम को वह चीज पसंद आती है जो खूबसूरती से सजी हो; रविवार हो या सोमवार, मुझे बस इसी बात की परवाह है। तुम्हें मुझे मेरे सबसे अच्छे रूप में देखना चाहिए। मैं नृत्यों का कोई हिसाब नहीं रखता।
या फिर उन गीतों के जो तुम्हें इतने प्रसन्न करते थे, आधी रात से तुम्हें जगाए रखा
जब तक मुर्गों ने बांग देना शुरू नहीं किया;
या फिर मैंने किस तरह से पूरी कसम खाई थी
तुम्हारे जैसी सुंदर कोई नहीं है;
यह सच है, लेकिन जैसा मैंने कहा,
अब लड़कियां मुझसे नफरत करती हैं।
पहाड़ी की टेरेसा के लिए
मेरी प्रशंसा से तुम बहुत दुखी हुए थे;
उसने कहा, "तुम्हें लगता है कि तुम एक देवदूत से प्यार करते हो;" यह एक बंदर है जिसे आप बहुत पसंद करते हैं;
उसके सभी चमकदार आभूषणों से मोहित होकर,
और उसकी उधार ली हुई बालों की चोटियाँ,
और कई सजी-धजी सुंदरियाँ
इससे प्रेम स्वयं ही फँस जाएगा।"
यह झूठ था, इसलिए मैंने उसे बता दिया।
और उसकी चचेरी बहन ने उस शब्द पर
उसने इसके लिए मुझे अपना विरोध दिखाया;

और इसके बाद जो कुछ हुआ, वह तुमने सुन लिया है।
मेरी यह भावना दिखावटी नहीं है।
Mine no passion par amours—
जैसा कि वे इसे कहते हैं—जो मैं पेश करता हूँ यह सच्चा और पवित्र प्रेम है।
पवित्र चर्च के पास चालाकी भरी डोरियाँ हैं, ये सबसे मुलायम रेशम की डोरियां हैं;
हे प्रिय, अपनी गर्दन जुए के नीचे रख दे;
तुम देखोगे, मेरा भी अनुसरण करेगा।
अन्यथा—और मैं एक बार फिर कसम खाता हूँ—
सर्वोत्कृष्ट संत द्वारा—
अगर मैं कभी पहाड़ों को छोड़ दूं,
वह साधु के वस्त्र पहने होगा।
{श्लोक
यहाँ चरवाहे ने अपना गीत समाप्त किया, और यद्यपि डॉन क्विक्सोट ने उससे और गाने का आग्रह किया, सांचो का मन नहीं था, क्योंकि उसे गाने सुनने की बजाय सोने की अधिक इच्छा थी; इसलिए उसने अपने स्वामी से कहा, "महाराज, कृपया यह तय कर लें कि आप रात कहाँ बिताएंगे, क्योंकि इन भले लोगों की दिनभर की मेहनत उन्हें रात भर गाने में बिताने की अनुमति नहीं देती।"
"मैं तुम्हें समझ गया, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "मैं स्पष्ट रूप से समझता हूँ कि शराब की मशक में जाने से संगीत के बजाय नींद में ही संतुष्टि मिलती है।"
"यह हम सभी के लिए सुखद है, ईश्वर की कृपा हो," सांचो ने कहा।
"मैं इससे इनकार नहीं करता," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "पर तुम जहाँ चाहो वहाँ बस जाओ; मेरे जैसे लोगों के लिए सोने की बजाय जागते रहना अधिक उचित होता है; फिर भी, अगर तुम मेरे इस कान को फिर से ठीक कर दो तो अच्छा होगा, क्योंकि यह मुझे ज़रूरत से ज़्यादा दर्द दे रहा है।"
सांचो ने वैसा ही किया जैसा उसने कहा था, लेकिन एक चरवाहे ने घाव देखकर उससे कहा कि वह परेशान न हो, वह एक ऐसा उपाय करेगा जिससे घाव जल्दी ठीक हो जाएगा; और वहाँ प्रचुर मात्रा में मौजूद गुलाब की पत्तियों को इकट्ठा करके, उसने उन्हें चबाया और थोड़े से नमक के साथ मिलाया, और उन्हें कान पर

लगाकर पट्टी से कसकर बांध दिया, और उसे आश्वासन दिया कि किसी और उपचार की आवश्यकता नहीं होगी, और ऐसा ही हुआ।

12

अध्याय
एक चरवाहे ने डॉन क्विक्सोट से संबंधित लोगों को जो बताया, उसके बारे में। तभी एक और युवक, जो गांव से उनके लिए राशन लाने वालों में से एक था, आया और बोला, "क्या आप जानते हैं कि गांव में क्या हो रहा है, साथियों?"
उनमें से एक ने जवाब दिया, "हमें यह कैसे पता चल सकता है?"
"अच्छा, तो फिर आपको पता ही होगा," युवक ने आगे कहा, "आज सुबह क्रिसॉस्टम नाम के उस प्रसिद्ध छात्र-चरवाहे की मृत्यु हो गई, और ऐसी अफवाह है कि उसकी मृत्यु उस शैतान गांव की लड़की के प्यार में हुई, जो गुइलेर्मो द रिच की बेटी है, और जो यहां चरवाहे की वेश में मैदानों में घूमती रहती है।" "तुम्हारा मतलब मार्सेला से है?" एक ने कहा।
"मेरा मतलब उससे है," चरवाहे ने उत्तर दिया; और सबसे अच्छी बात यह है कि उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा है कि उन्हें मूरों की तरह खेतों में दफनाया जाए, और उस चट्टान के नीचे जहाँ कॉर्क के पेड़ का झरना है, क्योंकि कहानी के अनुसार (और कहते हैं कि उन्होंने खुद ऐसा कहा था), वही जगह थी जहाँ उन्होंने उसे पहली बार देखा था। उन्होंने कुछ और निर्देश भी छोड़े हैं जिनका गाँव के पादरी कहते हैं कि पालन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनमें मूर्तिपूजा की बू आती है। इस पर उनके घनिष्ठ मित्र, छात्र एम्ब्रोसियो, जो उनकी ही तरह चरवाहे के वेश में गए थे, जवाब देते हैं कि क्रिसॉस्टम द्वारा छोड़े गए निर्देशों के अनुसार सब कुछ बिना किसी चूक के किया जाना चाहिए, और इस बात को लेकर गाँव में हलचल मची हुई है; हालाँकि, खबर है कि अंततः एम्ब्रोसियो और उनके सभी चरवाहे मित्रों की इच्छा पूरी होगी, और कल वे उन्हें पूरे रीति-रिवाज के साथ उसी जगह दफनाने आ रहे हैं जहाँ मैंने कहा था। मुझे यकीन है कि यह देखने लायक होगा; कम से कम मैं तो इसे देखने जरूर जाऊँगा, भले ही मुझे पता हो कि मैं कल गाँव वापस नहीं लौट पाऊँगा।
"हम भी ऐसा ही करेंगे," चरवाहों ने उत्तर दिया, "और यह देखने के लिए पर्ची निकालेंगे कि सभी बकरियों की देखभाल के लिए किसे रुकना होगा।"

"तुम ठीक कह रहे हो, पेड्रो," एक ने कहा, "हालांकि उस परेशानी को उठाने की कोई जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मैं सबके लिए यहीं रुकूंगा; और यह मत सोचो कि यह मुझमें सद्गुण या जिज्ञासा की कमी है; बात यह है कि उस दिन मेरे पैर में जो कांटा चुभ गया था, वह मुझे चलने नहीं दे रहा है।"
"इन सब बातों के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं," पेड्रो ने उत्तर दिया। डॉन क्विक्सोट ने पेड्रो से पूछा कि मृत व्यक्ति कौन था और चरवाहा कौन थी, जिस पर पेड्रो ने उत्तर दिया कि वह केवल इतना जानता है कि मृत व्यक्ति उन पहाड़ों के एक गाँव का एक धनी सज्जन था, जिसने कई वर्षों तक सलामांका में अध्ययन किया था, और अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वह एक बहुत ही विद्वान और गहन ज्ञानी व्यक्ति के रूप में ख्याति अर्जित करके अपने गाँव लौटा था। "सबसे बढ़कर, उन्होंने कहा, वह तारों के विज्ञान और आकाश में होने वाली घटनाओं, सूर्य और चंद्रमा के बारे में बहुत ज्ञानी था, क्योंकि उसने हमें सूर्य और चंद्रमा के चक्रों के बारे में सटीक समय बताया था।"
"मित्र, इसे ग्रहण कहते हैं, क्रिस नहीं, उन दो प्रकाशमान पिंडों का अंधकार," डॉन क्विक्सोट ने कहा; लेकिन पेड्रो ने तुच्छ बातों में न पड़ते हुए अपनी कहानी जारी रखी और कहा, "उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की थी कि आने वाला वर्ष समृद्धि या समृद्धि का वर्ष होगा।"
"तुम्हारा मतलब बांझपन से है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"बांझपन हो या उपजाऊपन," पेड्रो ने उत्तर दिया, "अंत में दोनों एक ही बात है। और मैं आपको बता सकता हूँ कि इसी कारण उसके पिता और उसके विश्वास करने वाले मित्र बहुत धनी हो गए क्योंकि उन्होंने उसकी सलाह मानी, और उनसे कहा, 'इस वर्ष जौ बोओ, गेहूँ नहीं; इस वर्ष तुम दालें बो सकते हो, जौ नहीं; अगले वर्ष तिलहन की भरपूर फसल होगी, और उसके बाद के तीन वर्षों में एक बूँद भी नहीं मिलेगी।'"
"उस विज्ञान को ज्योतिष कहते हैं," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
“मुझे नहीं पता इसे क्या कहते हैं,” पेड्रो ने उत्तर दिया, “लेकिन मैं इतना जानता हूँ कि वह यह सब और इससे भी अधिक जानता था। लेकिन, अंत में, सलामांका से लौटने के कुछ ही महीनों बाद, एक दिन वह चरवाहे के वेश में, लाठी और भेड़ की खाल पहने हुए प्रकट हुआ; उसने विद्वता का लंबा चोगा उतार दिया था; और उसी समय उसका घनिष्ठ मित्र, जिसका नाम एम्ब्रोसियो था, जो उसकी पढ़ाई में उसका साथी था, उसने भी उसके साथ चरवाहे का वेश धारण कर लिया। मैं यह बताना

भूल गया कि क्रिसॉस्टम, जो अब जीवित नहीं है, कविताएँ लिखने में माहिर था; इतना कि उसने क्रिसमस की पूर्व संध्या के लिए कैरोल और कॉर्पस क्रिस्टी के लिए नाटक लिखे, जिन्हें हमारे गाँव के युवकों ने प्रस्तुत किया और सभी ने कहा कि वे उत्कृष्ट थे। जब ग्रामीणों ने दो विद्वानों को अचानक चरवाहे के वेश में देखा, तो वे आश्चर्यचकित रह गए और समझ नहीं पाए कि उन्होंने इतना बड़ा बदलाव क्यों किया। इसी समय हमारे क्रिसॉस्टम के पिता का निधन हो गया, और वह अपने पीछे बहुत सारी संपत्ति और चल संपत्ति छोड़ गया। जैसे कि ज़मीन, अच्छी-खासी संख्या में मवेशी और भेड़ें, और एक बड़ी रकम, इन सबका मालिक वह युवक बन गया था, और वास्तव में वह इन सबका हकदार भी था, क्योंकि वह एक बहुत अच्छा साथी, दयालु, नेक लोगों का मित्र और आशीर्वाद देने वाला चेहरा था। कुछ समय बाद यह पता चला कि उसने अपने कपड़े बदले थे, बस इसलिए कि वह उस चरवाहे मार्सेला की तलाश में इन वीरान इलाकों में भटक रहा था, जिसका ज़िक्र हमारे लड़के ने कुछ देर पहले किया था, जिससे दिवंगत क्रिसॉस्टम को प्यार हो गया था। और अब मुझे आपको बताना ही होगा, क्योंकि यह आपके लिए जानना ज़रूरी है, कि यह लड़की कौन है; शायद, और बिना किसी शक के भी, आपने अपने पूरे जीवन में इसके बारे में कभी नहीं सुना होगा, चाहे आप सरना से भी ज़्यादा साल जी लें।
"सारा बोलो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, क्योंकि वह बकरी चराने वाले के शब्दों के भ्रम को सहन नहीं कर पा रहा था।
"सरना काफी लंबे समय तक जीवित रहता है," पेड्रो ने उत्तर दिया; "और यदि, महोदय, आपको हर कदम पर शब्दों में दोष ढूंढना ही है, तो हम इसे इस बारह महीने में समाप्त नहीं कर पाएंगे।"
"मुझे क्षमा करें, मित्र," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन, सरना और सारा में इतना अंतर होने के कारण, मैंने आपको इसके बारे में बताया था; हालांकि, आपने बिल्कुल सही उत्तर दिया है, क्योंकि सरना सारा से अधिक समय तक जीवित रहता है: इसलिए अपनी कहानी जारी रखें, और मुझे अब किसी भी बात पर कोई आपत्ति नहीं होगी।"
“तो फिर, मेरे प्रिय महोदय,” चरवाहे ने कहा, “हमारे गाँव में एक किसान था जो क्रिसॉस्टम के पिता से भी अधिक धनी था, जिसका नाम गुइलेर्मो था, और जिसे ईश्वर ने अपार धन-दौलत के साथ-साथ एक ऐसी पुत्री भी दी थी, जिसकी जन्म के समय ही उसकी माता का निधन हो गया था। वह इस मोहल्ले की सबसे सम्मानित महिला

थी; मुझे लगता है कि मैं उसे अब भी देख सकता हूँ, उसी चेहरे के साथ जिस पर एक तरफ सूर्य और दूसरी तरफ चंद्रमा की चमक थी; और वह इतनी सक्रिय और गरीबों के प्रति दयालु थी कि मुझे विश्वास है कि इस समय उसकी आत्मा परलोक में ईश्वर के साथ आनंद में है। उसके पति गुइलेर्मो का इतनी अच्छी पत्नी की मृत्यु के शोक में निधन हो गया, और उसने अपनी बेटी मार्सेला, जो एक बच्ची और धनी थी, को अपने एक चाचा की देखभाल में छोड़ दिया, जो हमारे गाँव में एक पुजारी और पादरी थे। लड़की इतनी सुंदर हो गई कि वह हमें उसकी माँ की सुंदरता की याद दिलाती थी, जो बहुत ही अद्भुत थी, और फिर भी यह माना जाता था कि बेटी की सुंदरता उससे भी अधिक होगी; और इसलिए जब वह चौदह-पंद्रह वर्ष की हुई तो उसे देखकर हर कोई ईश्वर को धन्यवाद देता था। उसकी सुंदरता ने उसे इतना सुंदर बना दिया था कि अधिकांश लोग उस पर मोहित हो गए थे। उसके चाचा ने उसे बड़े एकांत और एकांत में रखा था, लेकिन इसके बावजूद उसकी अपार सुंदरता की प्रसिद्धि इतनी फैल गई कि उसकी सुंदरता और अपार धन-दौलत दोनों के कारण, उसके चाचा से न केवल हमारे शहर के लोग बल्कि आसपास के कई मील दूर के लोग और उनमें से सबसे प्रतिष्ठित लोग भी उससे विवाह करने का अनुरोध करते, विनती करते और आग्रह करते थे। लेकिन वह एक नेक ईसाई होने के नाते, यद्यपि वह उसे तुरंत विवाह देना चाहता था, क्योंकि वह विवाह के योग्य थी, फिर भी उसकी सहमति के बिना ऐसा करने को तैयार नहीं था, ऐसा नहीं था कि उसका इरादा लड़की की संपत्ति की देखरेख से होने वाले लाभ और मुनाफे का था, जबकि वह विवाह को टाल रहा था; और, सच कहूँ तो, शहर के कई समूहों में अच्छे पादरी की प्रशंसा में यह बात कही जाती थी। क्योंकि मैं आपको बताना चाहता हूँ, श्रीमान, कि इन छोटे गाँवों में हर बात पर चर्चा होती है और हर बात की आलोचना होती है, और निश्चिंत रहें, जैसा कि मैं हूँ, कि वह पादरी निश्चित रूप से बहुत अच्छा होगा जो अपने अनुयायियों को उसकी प्रशंसा करने के लिए मजबूर करता है, खासकर गांवों में।"
"यही सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन कहानी जारी रखो, क्योंकि यह बहुत अच्छी है, और तुम, अच्छे पेड्रो, इसे बहुत ही शालीनता से सुनाते हो।" "ईश्वर की कृपा मुझमें न रहे," पेड्रो ने कहा; "वही सही है। आगे बढ़ने के लिए; आपको यह जानना होगा कि यद्यपि चाचा ने अपनी भतीजी के सामने उन सभी के गुण-गुणों का विशेष रूप से वर्णन किया, जिन्होंने उससे विवाह का प्रस्ताव रखा था, और उससे विनती की कि वह शादी कर ले और अपनी पसंद के अनुसार चुनाव

करे, फिर भी उसने यही कहा कि अभी उसकी शादी करने की कोई इच्छा नहीं है, और इतनी कम उम्र में वह खुद को विवाह का बोझ उठाने के योग्य नहीं समझती। उसके इन तर्कसंगत बहानों को सुनकर, उसके चाचा ने उस पर दबाव डालना बंद कर दिया, और तब तक प्रतीक्षा की जब तक वह थोड़ी बड़ी नहीं हो गई और अपनी पसंद का जीवनसाथी नहीं चुन सकी। क्योंकि, उन्होंने कहा - और उन्होंने बिल्कुल सही कहा - माता-पिता को बच्चों की इच्छा के विरुद्ध उनका जीवन तय नहीं करना चाहिए। लेकिन जब किसी को इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं थी, तभी अचानक! शर्मीली मार्सेला एक चरवाहे के रूप में प्रकट हुई; और अपने चाचा और शहर के उन सभी लोगों के बावजूद, जिन्होंने उसे रोकने की कोशिश की, वह गाँव की अन्य चरवाहिनियों के साथ खेतों में जाने लगी और अपने झुंड की देखभाल करने लगी। और इसलिए, जब से वह सार्वजनिक रूप से प्रकट हुई और उसकी सुंदरता सबके सामने आई, मैं आपको बता नहीं सकता कि कितने धनी युवकों, सज्जनों और किसानों ने क्रिसॉस्टम का वेश धारण किया है और इन खेतों में उसके साथ प्रेम-प्रसंग करते फिरते हैं। जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, इनमें से एक हमारा दिवंगत मित्र था, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह उससे प्रेम नहीं करता था, बल्कि उसकी पूजा करता था। लेकिन आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि मार्सेला ने इतनी स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का जीवन चुना है और एकांत का अभाव है, इसलिए उसने अपनी पवित्रता और शालीनता पर कलंक लगाने का कोई अवसर दिया है; इसके विपरीत, वह अपने सम्मान की इतनी सतर्कता से रक्षा करती है कि उससे प्रेम करने वालों में से किसी ने भी यह दावा नहीं किया है, या सच में दावा नहीं कर सकता है, कि उसने उसे अपनी इच्छा पूरी करने की कोई भी उम्मीद दी है, चाहे वह कितनी ही छोटी क्यों न हो। क्योंकि यद्यपि वह चरवाहों की संगति और बातचीत से दूर नहीं रहती और उनके साथ विनम्रता और दयालुता से पेश आती है, फिर भी यदि उनमें से कोई भी उसके सामने अपनी इच्छा प्रकट करने आए, चाहे वह कितना भी उचित क्यों न हो। और विवाह के पवित्र बंधन की तरह, वह उसे गुलेल की तरह फेंक देती है। और इस तरह के स्वभाव से वह इस देश में प्लेग से भी ज़्यादा नुकसान पहुँचाती है, क्योंकि उसकी मिलनसारिता और सुंदरता उसके साथ रहने वालों के दिलों को उससे प्यार करने और उसे रिझाने के लिए आकर्षित करती है, लेकिन उसका तिरस्कार और स्पष्टवादिता उन्हें निराशा के कगार पर ला खड़ा करती है; और इसलिए वे उसे क्रूर और कठोर हृदय वाली घोषित करने के अलावा कुछ नहीं कह पाते, और इसी तरह के अन्य नाम जो उसके चरित्र का सटीक

वर्णन करते हैं; और यदि आप यहाँ कभी रुकें, महोदय, तो आप इन पहाड़ियों और घाटियों को उसके पीछे पड़े ठुकराए हुए लोगों के विलाप से गूंजते हुए सुनेंगे। यहाँ से कुछ ही दूरी पर एक जगह है जहाँ दो दर्जन ऊँचे बीच के पेड़ हैं, और उनमें से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी चिकनी छाल पर मार्सेला का नाम खुदा और लिखा न हो, और कुछ पेड़ों के ऊपर उसी पेड़ पर एक मुकुट खुदा हुआ है मानो उसका प्रेमी और स्पष्ट रूप से कहना चाहता हो कि मार्सेला ने सभी मानवीय सुंदरता को धारण किया था और वह इसकी हकदार थी। यहाँ एक चरवाहा है कहीं कोई आहें भर रहा है, कहीं विलाप कर रहा है; कहीं प्रेम गीत सुनाई देते हैं, कहीं निराशा भरे शोकगीत। कोई रात के सारे घंटे किसी बलूत के पेड़ या चट्टान के नीचे बैठा बिताएगा, और वहाँ, अपनी रोती आँखों को बंद किए बिना, सुबह सूरज उसे स्तब्ध और बेसुध पाएगा; और दूसरा, अपनी आहों को बिना राहत या आराम दिए, उमस भरी गर्मी की दोपहर में जलती रेत पर लेटा हुआ, दयालु स्वर्ग से प्रार्थना करेगा, और इन सब पर, इन सब पर, सुंदर मार्सेला स्वतंत्र और बेफिक्र होकर विजय प्राप्त करती है। और हम सभी जो उसे जानते हैं, यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि उसके अहंकार का क्या होगा, और वह कौन होगा जो इतने दुर्जेय स्वभाव को वश में करने और इतनी सर्वोच्च सुंदरता को प्राप्त करने में सफल होगा। मैंने आपको जो कुछ भी बताया है, वह इतना स्थापित सत्य है, इसलिए मुझे विश्वास है कि क्रिसॉस्टम की मृत्यु के कारण के बारे में जो कहा जाता है, जैसा कि हमारे युवक ने हमें बताया था, वह भी वही है। और इसलिए मैं आपको सलाह देता हूँ, महोदय। कल उनके अंतिम संस्कार में अवश्य उपस्थित रहें, जो देखने लायक होगा, क्योंकि क्रिसॉस्टम के कई मित्र थे, और जिस स्थान पर उन्होंने अपने दफन होने का निर्देश दिया था, वह इस स्थान से आधा मील से भी कम दूरी पर है।"
"मैं इसे जरूर सुनाऊंगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और इतनी रोचक कहानी सुनाकर आपने मुझे जो आनंद दिया है, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।" "ओह," चरवाहे ने कहा, "मुझे मार्सेला के प्रेमियों के साथ क्या हुआ है, इसका आधा भी नहीं पता, लेकिन शायद कल रास्ते में हमें कोई चरवाहा मिल जाए जो हमें बता सके; और अब आपके लिए बेहतर होगा कि आप जाकर किसी छांव में सो जाएं, क्योंकि रात की हवा आपके घाव को नुकसान पहुंचा सकती है, हालांकि मैंने जो दवा लगाई है उससे किसी अप्रिय परिणाम का कोई डर नहीं है।"

सांचो पांजा, जो चरवाहे की वाक्पटुता को शैतान को अर्पित करना चाहता था, ने अपने स्वामी से पेड्रो की झोपड़ी में सोने जाने की विनती की। पेड्रो ने ऐसा ही किया और मार्सेला के प्रेमियों की तरह पूरी रात अपनी प्रेमिका डुलसीनिया के बारे में सोचता रहा। सांचो पांजा रोसिनांटे और उसके गधे के बीच में लेट गया और ऐसे सोया जैसे कोई प्रेमी त्यागा हुआ न हो, बल्कि बुरी तरह से लात मारी गई हो।

13

अध्याय
इसमें चरवाहा मार्सेला की कहानी और अन्य घटनाओं का अंत होता है।
पूर्व दिशा की बालकनियों से दिन का उजाला अभी शुरू ही हुआ था कि छह चरवाहों में से पाँच डॉन क्विक्सोट को जगाने आए और उनसे कहा कि यदि उनका मन अभी भी क्रिसॉस्टम के प्रसिद्ध समाधि स्थल को देखने जाने का है, तो वे उनके साथ चलेंगे। डॉन क्विक्सोट, जिन्हें इससे बेहतर कुछ नहीं चाहिए था, उठे और सांचो को तुरंत घोड़ों पर काठी कसने और उन्हें सजाने का आदेश दिया, जिसे सांचो ने बड़ी तेज़ी से किया, और वे सब तुरंत चल पड़े। वे अभी एक चौथाई मील भी नहीं चले थे कि दो रास्तों के मिलन बिंदु पर उन्होंने अपनी ओर आते हुए काले भेड़ों की खाल पहने और सिर पर सरू और कड़वे ओलियंडर के फूलों की मालाओं से सजे छह चरवाहों को देखा। उनमें से प्रत्येक के हाथ में एक मजबूत होली की लाठी थी, और उनके साथ दो प्रतिष्ठित पुरुष सुंदर यात्रा पोशाक में घोड़े पर सवार होकर आ रहे थे, उनके साथ तीन नौकर पैदल चल रहे थे। मुलाकात होने पर सभी ने शिष्टाचारपूर्वक अभिवादन किया और एक-दूसरे से पूछा कि कौन किस दिशा में जा रहा है, तो उन्हें पता चला कि सभी अंतिम संस्कार स्थल की ओर जा रहे हैं, इसलिए वे सभी एक साथ आगे बढ़ गए।
घुड़सवारों में से एक ने अपने साथी से कहा, "मुझे लगता है, श्री विवाल्डो, कि इस असाधारण अंत्येष्टि को देखने में जो देरी होगी, उसे हम सार्थक मान सकते हैं, क्योंकि इन चरवाहों ने मृत चरवाहे और हत्या की शिकार चरवाहिनी दोनों के बारे में जो विचित्र बातें बताई हैं, उनसे यह असाधारण ही प्रतीत होता है।"
"मैं भी यही सोचता हूँ," विवाल्डो ने उत्तर दिया, "और मैं इसे देखने के लिए एक दिन नहीं, बल्कि चार दिन का इंतजार करूँगा।"
डॉन क्विक्सोट ने उनसे पूछा कि उन्होंने मार्सेला और क्रिसॉस्टम के बारे में क्या सुना है। यात्री ने उत्तर दिया कि उसी सुबह उनकी मुलाकात इन चरवाहों से हुई थी, और उन्हें इस शोकपूर्ण वेश में देखकर उन्होंने उनसे इस तरह दिखने का कारण पूछा था; जिस पर उनमें से एक ने मार्सेला नाम की एक चरवाहिनी के विचित्र व्यवहार और सुंदरता, और उससे प्रेम करने वाले कई लोगों के बारे में बताया, साथ ही क्रिसॉस्टम की मृत्यु के बारे में भी

बताया, जिसके अंतिम संस्कार में वे जा रहे थे। संक्षेप में, उसने वही सब दोहराया जो पेड्रो ने डॉन क्विक्सोट को बताया था।
यह बातचीत यहीं समाप्त हुई और विवाल्डो नामक व्यक्ति ने डॉन क्विक्सोट से यह पूछकर एक नई बातचीत शुरू की कि इतने शांतिपूर्ण देश में इस तरह हथियारबंद होकर जाने का क्या कारण था। इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मेरे कर्तव्य का पालन करने की बाध्यता मुझे किसी और तरीके से जाने की अनुमति नहीं देती; आराम, सुख और विश्राम तो कोमल दरबारी लोगों के लिए बने थे, लेकिन परिश्रम, अशांति और हथियार केवल उन्हीं लोगों के लिए बने हैं जिन्हें दुनिया वीर योद्धा कहती है, और मैं, यद्यपि अयोग्य हूँ, उनमें सबसे छोटा हूँ।"
जैसे ही उन्होंने यह सब सुना, उन्होंने उसे पागल मान लिया, और इस बात को सुलझाने और यह पता लगाने के लिए कि उसका पागलपन किस प्रकार का था, विवाल्डो ने उससे पूछा कि शूरवीर-भटकने का क्या मतलब होता है।
“क्या महाराज, आपने इंग्लैंड के इतिहास और अभिलेख नहीं पढ़े हैं,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “जिनमें राजा आर्थर के प्रसिद्ध कारनामों का वर्णन है, जिन्हें हम अपनी लोकप्रिय कैस्टिलियन भाषा में हमेशा राजा आर्टस कहते हैं, जिनके बारे में एक प्राचीन परंपरा है, और पूरे ग्रेट ब्रिटेन राज्य में आम तौर पर यह माना जाता है कि इस राजा की मृत्यु नहीं हुई, बल्कि जादू से उन्हें कौवे में बदल दिया गया, और समय आने पर वे शासन करने और अपने राज्य और राजदंड को पुनः प्राप्त करने के लिए लौटेंगे; इसी कारण यह सिद्ध नहीं किया जा सकता कि उस समय से लेकर आज तक किसी भी अंग्रेज ने कभी कौवे को मारा हो? अच्छा, तो फिर, इस महान राजा के समय में ही शूरवीरों के प्रसिद्ध समूह, राउंड टेबल के शूरवीरों की स्थापना हुई थी, और डॉन लैंसलॉट ऑफ द लेक और रानी गुइनवेरे के बीच प्रेम प्रसंग ठीक उसी तरह हुआ था जैसा कि वहाँ वर्णित है, और इसमें मध्यस्थ और विश्वासपात्र अत्यंत सम्मानित महिला क्विंटानोना थीं, जिससे वह गाथागीत निकला जो हमारे स्पेन में इतना प्रसिद्ध और व्यापक रूप से प्रचलित है।”
ओह, निश्चित रूप से वहाँ कोई योद्धा नहीं था
इस प्रकार महिला के हाथों से परोसा गया,
जैसा कि उन्होंने सेवा की थी, सर लैंसलॉट की ऊंचाई
जब वह ब्रिटेन से आया—

प्रेम और युद्ध में उनकी उपलब्धियों के सभी मधुर और आनंददायक क्रम के साथ। उस समय से चली आ रही यह वीरता परंपरा विश्व के अनेक और विविध भागों में फैलती चली आई; और इसमें, अपने कारनामों के लिए प्रसिद्ध और विख्यात, गॉल के शक्तिशाली अमाडिस अपने सभी पुत्रों और पाँचवीं पीढ़ी तक के वंशजों के साथ, हिरकानिया के वीर फेलिक्समार्टे, और कभी भी पर्याप्त प्रशंसा न पाने वाले तिरान्ते एल ब्लैंको, और हमारे अपने दिनों में लगभग हमने ग्रीस के अजेय योद्धा डॉन बेलियानिस को देखा, सुना और उनके बारे में बात की है। तो महोदय, यही है एक वीर योद्धा बनना, और मैंने जिस बारे में बात की है वह उनकी वीरता का क्रम है, जिसके बारे में जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, मैंने, यद्यपि मैं एक पापी हूँ, प्रतिज्ञा की है, और जो प्रतिज्ञा उपर्युक्त योद्धाओं ने की थी, वही प्रतिज्ञा मैं भी करता हूँ, और इसलिए मैं इन एकांतों और जंगलों में रोमांच की तलाश में निकलता हूँ, दृढ़ संकल्प के साथ कि कमजोर और जरूरतमंदों की सहायता के लिए भाग्य द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सबसे खतरनाक खतरों का सामना करने के लिए मैं अपनी भुजा और शरीर का प्रयोग करूँगा।
उसके इन शब्दों से यात्रियों को डॉन क्विक्सोट के मानसिक संतुलन बिगड़ने और उस पर हावी पागलपन के बारे में आश्वस्त होने का अवसर मिला, जिसे देखकर उन्हें वही आश्चर्य हुआ जो सभी को पहली बार इसके बारे में पता चलने पर होता है; और विवाल्डो, जो एक बड़े चतुर और जीवंत स्वभाव का व्यक्ति था, ने पर्वत तक पहुँचने के लिए आवश्यक छोटी यात्रा को समय देने के लिए, जहाँ उसका अंतिम संस्कार हुआ था, उसे अपनी बेतुकी बातों को जारी रखने का मौका देने की कोशिश की। इसलिए उसने उससे कहा, "मुझे लगता है, हे वीर योद्धा, आपने दुनिया के सबसे कठोर व्यवसायों में से एक को चुना है, और मुझे लगता है कि कार्थुसियन भिक्षुओं का व्यवसाय भी इतना कठोर नहीं है।"
“यह कितना भी कठोर क्यों न लगे,” हमारे डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “लेकिन दुनिया के लिए इतना आवश्यक है, इस पर मुझे बहुत संदेह है। क्योंकि, सच कहा जाए तो, जो सैनिक अपने कप्तान के आदेश का पालन करता है, वह आदेश देने वाले कप्तान से कम नहीं होता। मेरा मतलब यह है कि शांति और सुकून में रहने वाले पादरी दुनिया के कल्याण के लिए स्वर्ग से प्रार्थना करते हैं, लेकिन हम सैनिक और योद्धा उनकी प्रार्थनाओं को साकार करते हैं, अपनी भुजाओं की शक्ति और तलवारों की धार से इसकी रक्षा करते हैं, आश्रय में नहीं बल्कि

खुले आसमान के नीचे, गर्मियों में सूरज की असहनीय किरणों और सर्दियों में चुभने वाली ठंड का निशाना बनते हुए। इस प्रकार हम पृथ्वी पर ईश्वर के सेवक हैं और वे हथियार हैं जिनके द्वारा यहाँ उनका न्याय होता है। और चूंकि युद्ध का काम और उससे संबंधित सभी चीजें अत्यधिक पसीना, परिश्रम और मेहनत के बिना नहीं की जा सकतीं, इसलिए यह स्पष्ट है कि जो लोग इसे अपना पेशा बनाते हैं, वे निस्संदेह उन लोगों की तुलना में अधिक मेहनत करते हैं जो शांत और सुकून में कमजोरों की मदद के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। मेरा यह कहने का इरादा नहीं है, और न ही यह इस विषय से संबंधित है। मेरे मन में यह विचार आता है कि वीर योद्धा का जीवन उतना ही उत्तम है जितना कि एक कुटिया में रहने वाले भिक्षु का; मैं अपने स्वयं के अनुभवों से यह निष्कर्ष निकाल सकता हूँ कि यह निःसंदेह अधिक परिश्रमपूर्ण, कष्टदायी, भूखा-प्यासा, दुखी, फटेहाल और जूँ से भरा हुआ है; क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पुराने समय के वीर योद्धाओं ने अपने जीवन में बहुत कष्ट सहे। और यदि उनमें से कुछ अपनी वीरता के बल पर सम्राट बने भी, तो निश्चित रूप से उन्हें इसके लिए बहुत खून-पसीना बहाना पड़ा; और यदि उस पद तक पहुँचने वालों को जादूगरों और ऋषियों का सहयोग न मिला होता, तो उनकी महत्वाकांक्षाएँ पूरी तरह विफल हो जातीं और उनकी आशाएँ अधूरी रह जातीं। “यह मेरी अपनी राय है,” यात्री ने उत्तर दिया; “परन्तु कई बातों के साथ-साथ एक बात मुझे वीर योद्धाओं में बहुत गलत लगती है, और वह यह है कि जब वे किसी ऐसे बड़े और खतरनाक अभियान में शामिल होने वाले होते हैं जिसमें उनके जीवन को खोने का स्पष्ट खतरा होता है, तो वे उस समय स्वयं को ईश्वर को समर्पित करने के बारे में कभी नहीं सोचते, जैसा कि ऐसे खतरे में हर अच्छे ईसाई का कर्तव्य होता है; इसके बजाय वे अपनी प्रेमिकाओं को उतनी ही श्रद्धा से समर्पित करते हैं मानो वे उनके देवता हों, जो मुझे कुछ हद तक मूर्तिपूजा की बू देता है।”
“महोदय,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “इसे किसी भी हालत में छोड़ा नहीं जा सकता, और जो वीर योद्धा ऐसा नहीं करेगा, वह अपमानित होगा। क्योंकि वीर योद्धाओं में यह सामान्य और प्रथागत है कि जब कोई वीर योद्धा किसी वीरतापूर्ण कार्य में संलग्न होता है और उसकी प्रेमिका उसके सामने होती है, तो वह प्रेमपूर्वक उसकी ओर देखता है, मानो उससे प्रार्थना कर रहा हो कि वह उसे उस जोखिम भरे कार्य में अपना आशीर्वाद और सुरक्षा प्रदान करे जिसे

नहीं थी जिससे वह अपनी प्रशंसा कर सके, फिर भी वह कम सम्मानित नहीं थे, और एक बहुत ही बलवान और प्रसिद्ध योद्धा थे।"
इस पर हमारे डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "महोदय, एक अकेली चिड़िया से गर्मी नहीं आ जाती; इसके अलावा, मैं जानता हूँ कि वह शूरवीर गुप्त रूप से किसी से बहुत प्यार करता था; और साथ ही, जो भी उसे पसंद आता था, उससे प्यार कर बैठना उसकी स्वाभाविक प्रवृत्ति थी जिसे वह नियंत्रित नहीं कर सकता था। संक्षेप में, यह स्पष्ट है कि उसकी एक ही प्रेमिका थी जिसे वह अपनी इच्छा का स्वामी मानता था, जिससे वह अक्सर और बहुत गुप्त रूप से प्रेम निवेदन करता था, क्योंकि उसे अपने आप पर गर्व था कि वह एक मितभाषी शूरवीर है।"
“तो यदि प्रत्येक वीर योद्धा का प्रेम में होना आवश्यक है,” यात्री ने कहा, “तो यह उचित ही माना जा सकता है कि आप भी प्रेम में हैं, क्योंकि आप उसी वर्ग से हैं; और यदि आप डॉन गालाओर की तरह कम बोलने वाले होने का गर्व नहीं करते हैं, तो मैं इस समस्त मंडली और अपनी ओर से आपसे अत्यंत विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूँ कि कृपया हमें अपनी प्रेमिका का नाम, देश, पद और सुंदरता बताएँ, क्योंकि यदि समस्त विश्व को यह पता चले कि उसे आप जैसे वीर योद्धा का प्रेम और सेवा प्राप्त है, तो वह स्वयं को सौभाग्यशाली समझेगी।”
इस पर डॉन क्विक्सोट ने एक गहरी आह भरी और कहा, "मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि मेरी प्यारी शत्रु इस बात से प्रसन्न है या नहीं कि दुनिया को पता चले कि मैं उसकी सेवा करता हूँ; मैं केवल उस प्रश्न के उत्तर में कह सकता हूँ जो मुझसे इतनी विनम्रता से पूछा गया है, कि उसका नाम डुलसीनिया है, उसका देश एल टोबोसो है, जो ला मांचा का एक गाँव है, उसका पद कम से कम एक राजकुमारी का होना चाहिए, क्योंकि वह मेरी रानी और स्वामिनी है, और उसकी सुंदरता अलौकिक है, क्योंकि सुंदरता के वे सभी असंभव और काल्पनिक गुण जो कवि अपनी नायिकाओं के लिए इस्तेमाल करते हैं, उसमें सिद्ध होते हैं; क्योंकि उसके बाल सुनहरे हैं, उसका माथा स्वर्ग के मैदानों जैसा है, उसकी भौहें इंद्रधनुष जैसी हैं, उसकी आँखें सूर्य जैसी हैं, उसके गाल गुलाब जैसे हैं, उसके होंठ मूंगे जैसे हैं, उसके दाँत मोती जैसे हैं, उसकी गर्दन अलबस्त्र जैसी है, उसका सीना संगमरमर जैसा है, उसके हाथ हाथीदांत जैसे हैं,

उसका गोरापन बर्फ जैसा है, और जो कुछ लज्जा दृष्टि से छुपाती है, वह ऐसा है, जिसे तर्कसंगत चिंतन केवल प्रशंसा कर सकता है, तुलना नहीं कर सकता।" विवाल्डो ने कहा, "हम उनके वंश, नस्ल और पूर्वजों के बारे में जानना चाहेंगे।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "वह प्राचीन रोमन कुर्ती, काई या स्किपियोस वंश की नहीं है, न ही आधुनिक कोलोनास या ओरसिनी वंश की, न ही कैटालोनिया के मोनकाडास या रेक्वेसेन्स वंश की, न ही वालेंसिया के रेबेलास या विलनोवास वंश की; आरागॉन के पलाफॉक्सेस, नुजास, रोकाबर्टिस, कोरेलास, लूनास, अलागोनस, उरियास, फोसेस या गुर्रियास वंश की; कैस्टिले के सेरदास, मैनरिकेस, मेंडोजास या गुजमैन वंश की; पुर्तगाल के एलेन्कास्ट्रोस, पल्लास या मेनेसेस वंश की; बल्कि वह ला मांचा के एल टोबोसो वंश की है, एक ऐसा वंश जो आधुनिक होते हुए भी, आने वाले युगों के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों के लिए कुलीन रक्त का स्रोत बन सकता है, और इस बात पर कोई मुझसे विवाद न करे, सिवाय उस शर्त के जो ज़र्बिनो ने ऑरलैंडो के शस्त्रों के प्रतीक चिन्ह के चरणों में रखी थी, और कहा था,
"जो कोई भी रोलैंड के साथ अपनी शक्ति साबित करने का साहस नहीं रखता, उसे हिलने-डुलने न दें।"
यात्री ने कहा, "यद्यपि मेरा उपनाम लारेडो के कैचोपिन परिवार से है, फिर भी मैं इसकी तुलना ला मांचा के एल टोबोसो के उपनाम से करने का साहस नहीं करूंगा, हालांकि सच कहूं तो, ऐसा कोई उपनाम आज तक मेरे कानों तक नहीं पहुंचा है।"
"क्या!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या यह बात उन तक कभी नहीं पहुंची?"
बाकी के लोग दोनों की बातचीत बड़े ध्यान से सुनते हुए आगे बढ़ रहे थे, और यहाँ तक कि चरवाहे और बकरी चराने वाले भी समझ गए थे कि हमारा डॉन क्विक्सोट कितना भ्रमित था। केवल सांचो पांजा को ही लगा कि उसके स्वामी की बात सच है, क्योंकि वह उसे जानता था और जन्म से जानता था; और उसे केवल सुंदर डुलसीनिया डेल टोबोसो के बारे में कही गई बात पर विश्वास करने में कठिनाई हो रही थी, क्योंकि एल टोबोसो के इतने करीब रहने के बावजूद न तो उसने कभी ऐसा कोई नाम सुना था और न ही ऐसी कोई राजकुमारी। वे इसी तरह बातें करते हुए आगे बढ़ रहे थे, तभी उन्होंने दो ऊँचे पहाड़ों के बीच एक दर्रे से लगभग बीस चरवाहों को नीचे उतरते देखा, सभी काले ऊन की भेड़ों की खाल पहने हुए थे और उनके सिर पर

मालाएँ थीं, जो बाद में पता चला कि उनमें से कुछ यू की थीं और कुछ सरू की। उनमें से छह लोग फूलों और शाखाओं से ढकी एक अर्थी ले जा रहे थे, जिसे देखकर एक चरवाहे ने कहा, "जो लोग वहाँ आ रहे हैं वे क्रिसॉस्टम के शव को ले जाने वाले हैं, और उस पर्वत की तलहटी वह स्थान है जहाँ उन्होंने उन्हें दफनाने का आदेश दिया था।" इसलिए वे जल्दी से उस स्थान पर पहुँचे, और तब तक वे पहुँच चुके थे जब तक कि आने वाले लोगों ने अर्थी को जमीन पर रख दिया था, और उनमें से चार लोग तेज कुल्हाड़ियों से एक कठोर चट्टान के किनारे कब्र खोद रहे थे। उन्होंने एक-दूसरे का शिष्टाचारपूर्वक अभिवादन किया, और फिर डॉन क्विक्सोट और उनके साथ आए लोगों ने अर्थी का निरीक्षण करने के लिए मुड़ा, और उस पर, फूलों से ढका हुआ, उन्होंने एक चरवाहे के वेश में एक मृत शरीर देखा, जो देखने में तीस वर्ष का लग रहा था, और मृत्यु में भी यह दिखा रहा था कि वह जीवन में सुंदर और वीर स्वभाव का था। अर्थी पर उसके चारों ओर कुछ किताबें और कई खुले और तह किए हुए कागज रखे थे; और जो लोग देख रहे थे, साथ ही कब्र खोलने वाले और वहां मौजूद सभी लोग एक अजीब सी खामोशी में डूबे रहे, जब तक कि शव ले जाने वालों में से एक ने दूसरे से नहीं कहा, "एम्ब्रोसिया, ध्यान से देखो कि क्या यह वही जगह है जिसके बारे में क्रिसॉस्टम ने बात की थी, क्योंकि तुम चिंतित हो कि उनकी वसीयत में दिए गए निर्देशों का इतनी सख्ती से पालन किया जाए।"
"यही वह जगह है," एम्ब्रोसिया ने उत्तर दिया, "क्योंकि यहीं पर मेरे बेचारे दोस्त ने मुझे कई बार अपने दुर्भाग्य की कहानी सुनाई थी। उसने मुझे बताया था कि यहीं पर उसने पहली बार मानव जाति के उस कट्टर शत्रु को देखा था, और यहीं पर उसने पहली बार उससे अपने प्रेम का इज़हार किया था, जो उतना ही सम्माननीय और समर्पित था, और यहीं पर अंत में मार्सेला ने उसे ठुकराकर उसके दुखमय जीवन की त्रासदी का अंत किया; यहीं पर, इतनी बड़ी विपत्तियों की याद में, उसने शाश्वत विस्मृति की गहराई में दफन होने की इच्छा व्यक्त की थी।" फिर डॉन क्विक्सोट और यात्रियों की ओर मुड़कर उन्होंने कहा, "महोदय, जिस शरीर को आप करुणा भरी निगाहों से देख रहे हैं, वह एक ऐसी आत्मा का निवास स्थान था जिस पर स्वर्ग ने अपने धन का एक विशाल हिस्सा बरसाया था। यह क्रिसॉस्टम का शरीर है, जो बुद्धि में अद्वितीय, शिष्टाचार में बेजोड़, सौम्य व्यवहार में अतुलनीय, मित्रता में फीनिक्स की तरह, असीम उदारता से भरपूर, अहंकार रहित गंभीरता से गंभीर, अश्लीलता रहित प्रसन्नता से

परिपूर्ण, और संक्षेप में, अच्छाई के सभी गुणों में प्रथम और दुर्भाग्य के सभी गुणों में किसी से कम नहीं थे। उन्होंने गहरा प्रेम किया, उनसे घृणा की गई; उन्होंने पूजा की, उनका तिरस्कार किया गया; उन्होंने एक जंगली जानवर को रिझाया, उन्होंने संगमरमर से विनती की, उन्होंने हवा का पीछा किया, उन्होंने जंगल में पुकार लगाई, उन्होंने कृतघ्नता की सेवा की, और अंततः जीवन के मध्य में ही मृत्यु का शिकार हो गए, एक चरवाहे ने उनका जीवन समाप्त कर दिया, जिसे वे मनुष्य की स्मृति में अमर करना चाहते थे, जैसा कि ये कागजात, जो आप देख रहे हैं, पूरी तरह से सिद्ध कर सकते हैं, यदि वे जीवित होते। मुझे यह आदेश नहीं दिया गया कि उसके शरीर को धरती में दफनाने के बाद मैं उन्हें आग में झोंक दूं।
विवाल्डो ने कहा, "तुम उनके साथ उनके मालिक से भी अधिक कठोर और क्रूर व्यवहार करोगे, क्योंकि जो व्यक्ति पूरी तरह से तर्कहीन आदेश देता है, उसकी इच्छा का पालन करना न तो उचित है और न ही सही; ऑगस्टस सीज़र के लिए भी यह तर्कसंगत नहीं होता यदि वह दिव्य मंटुआन द्वारा अपनी वसीयत में छोड़े गए निर्देशों को लागू होने देता। इसलिए, सेनर एम्ब्रोसिया, जब आप अपने मित्र के शरीर को धरती में दफना रहे हों, तो आप उनके लेखों को विस्मृति में न भेजें, क्योंकि यदि उन्होंने हृदय की कड़वाहट में यह आदेश दिया था, तो यह उचित नहीं है कि आप तर्कहीन रूप से उसका पालन करें। इसके विपरीत, उन लेखों को जीवन देकर, मार्सेला की क्रूरता को हमेशा के लिए जीवित रहने दें, ताकि आने वाले युगों में सभी मनुष्यों को ऐसी ही आपदाओं से बचने और उनसे दूर रहने की चेतावनी मिले; या मैं और हम सभी जो यहाँ आए हैं, आपके इस प्रेम-पीड़ित और हृदयविक्षुब्ध मित्र की कहानी पहले से ही जानते हैं, और हम आपकी मित्रता, उसकी मृत्यु का कारण और उसके जीवन के अंत में दिए गए निर्देशों को भी जानते हैं; इस दुखद कहानी से मार्सेला की क्रूरता, क्रिसॉस्टम के प्रेम और आपकी मित्रता की वफादारी का अंदाजा लगाया जा सकता है, साथ ही उन लोगों के भयानक अंजाम का भी जो पागलपन भरे जुनून के रास्ते पर जल्दबाजी में चलते हैं। कल रात हमें क्रिसॉस्टम की मृत्यु की खबर मिली और पता चला कि उन्हें यहीं दफनाया जाएगा, और जिज्ञासा और दया के कारण हमने अपना सीधा रास्ता छोड़कर यहाँ आने का फैसला किया ताकि हम उस दृश्य को देख सकें जिसके बारे में सुनकर हमारी करुणा जागृत हुई थी। उस करुणा को ध्यान में रखते हुए और अपनी संवेदना व्यक्त करने की इच्छा से, हे उत्तम एम्ब्रोसिया, हम आपसे

विनती करते हैं, या कम से कम मैं अपनी ओर से आपसे निवेदन करता हूँ, कि उन कागजों को जलाने के बजाय मुझे उनमें से कुछ अपने साथ ले जाने की अनुमति दें।
चरवाहे के जवाब का इंतज़ार किए बिना, उसने अपना हाथ बढ़ाया और अपने पास पड़े कुछ लोगों को उठा लिया; यह देखकर एम्ब्रोसियो ने कहा, "महोदय, शिष्टाचारवश, मैं आपके द्वारा उठाए गए लोगों को ले जाने की आपकी विनती मान लेता हूँ, लेकिन शेष को न जलाने की मुझसे अपेक्षा करना व्यर्थ है।" विवाल्डो, जो यह देखने के लिए उत्सुक था कि उन कागजों में क्या है, उसने तुरंत उनमें से एक को खोला और देखा कि उसका शीर्षक "निराशा की गाथा" था। यह सुनकर एम्ब्रोसियो ने कहा, "यह उस अभागे व्यक्ति का आखिरी लेख है; और आप देख सकें, महोदय, कि उसके दुर्भाग्य का अंत कैसा हुआ, इसे पढ़िए ताकि आपकी बात सुनी जा सके, क्योंकि जब तक कब्र खोदी जा रही है, तब तक आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।"
"मैं ऐसा बड़ी खुशी से करूंगा," विवाल्डो ने कहा; और चूंकि सभी दर्शक भी उतने ही उत्सुक थे, वे उसके चारों ओर जमा हो गए, और उसने ऊँची आवाज़ में पढ़ते हुए पाया कि वह इस प्रकार था।

14

अध्याय
जिसमें मृत चरवाहे की निराशा भरी कविताएँ, साथ ही अन्य अनपेक्षित घटनाएँ भी शामिल हैं।
{श्लोक
क्रिसोस्टोम की गाथा
क्योंकि तू अपनी क्रूरता में यही चाहता है
तेरे अत्याचार की निर्मम कठोरता
एक भाषा से दूसरी भाषा तक, एक देश से दूसरे देश तक इसका प्रचार किया गया, मैं नरक तक उधार देने के लिए विवश हो जाऊंगा।
मेरे इस पीड़ाग्रस्त हृदय में गहरे दुख के स्वर गूंज रहे हैं।
अपनी बात को सही ढंग से कहने की मेरी आवश्यकता को पूरा करने के लिए।
और जैसे ही मैं कहानी को मूर्त रूप देने का प्रयास करता हूँ
मुझे जो भी कष्ट सहना पड़ा है, जो कुछ भी तुमने किया है,
वह भयानक आवाज गूंजेगी और आगे बढ़ती जाएगी।
मेरे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए, जिससे और भी अधिक दर्द हुआ।
तो फिर मधुर संगीत को मत सुनो,
लेकिन घोर निराशा से उपजे एक असंगति के लिए
इस हृदय की गहराइयों में व्याप्त कड़वाहट से,
मेरे दिल को सुकून देने और तुम्हारे दिल में चुभन पैदा करने के लिए।
शेर की दहाड़, भयंकर भेड़िये की कर्कश आवाज,
खुरदरे सांप की भयानक फुफकार,
अज्ञात राक्षसों की भयानक चीखें,
कौवे की अशुभ कर्कश आवाज, खोखली कराह
उग्र हवाओं का अशांत समुद्र से संघर्ष,
पराजित बैल की क्रोधित गर्जना,
विधवा कबूतरी का विलापपूर्ण सिसकना,
ईर्ष्या करने वाले उल्लू की उदास आवाज, शोक का विलाप जो नरक के अंधकारमय गायन से उभरता है,

आने से एक ही ध्वनि में भ्रम पैदा हुआ,
ये सब मेरी आत्मा के कष्ट को दूर करने में सहायक हों।
मेरे जैसे दर्द के लिए गीत के नए रूपों की आवश्यकता होती है। उस कलह की कोई गूंज सुनाई नहीं देगी।
जहां फादर टैगस नदी बहती है, या उसके किनारों पर
जैतून के पेड़ों से घिरे बेतिस का; चट्टानों की ओर
या फिर गहरी गुफाओं में मेरी शिकायत सुनाई जाएगी,
और निर्जीव जीभ द्वारा सजीव शब्दों में;
या फिर अंधेरी घाटियों में या सुनसान तटों पर,
जहां न तो मनुष्य का पैर पड़ता है और न ही सूर्य की किरण;
या विष उगलने वाले झुंडों के बीच
उन राक्षसों के बारे में जो धीमी गति से बहने वाली नील नदी से पोषित होते हैं।
क्योंकि, भले ही यह दूरस्थ एकांतों की ओर हो
मेरे दुःखों की कर्कश, अस्पष्ट गूँज सुनाई देती है
तेरी अतुलनीय क्रूरता, मेरा दुखद भाग्य
उन्हें समस्त विशाल संसार में ले जाएंगे।
तिरस्कार में जान लेने की शक्ति होती है, और धैर्य से मृत्यु हो जाती है। संदेह के कारण मारे गए, चाहे वह झूठा हो या सच्चा;
और ईर्ष्या की शक्ति घातक होती है;
लंबे समय तक अनुपस्थिति जीवन को एक नीरस शून्य बना देती है;
सुख की कोई आशा शांति नहीं दे सकती
उसे जो हमेशा भुला दिए जाने से डरता है;
और अपरिहार्य मृत्यु हॉल में प्रतीक्षा कर रही है।
लेकिन किसी अजीब चमत्कार से मैं जीवित हूँ।
अनुपस्थिति, ईर्ष्या और तिरस्कार का शिकार;
संदेह और निश्चितता दोनों से ग्रस्त;
भुला दिया गया, मेरी लौ को अकेले ही जलाए रखने के लिए छोड़ दिया गया।
और जब तक मैं इस प्रकार कष्ट सहता हूँ, कोई आशा की किरण नहीं आती। आशा की किरण जो अंधकार के बीच मुझे प्रसन्न करती है;
और न ही मैं अपनी निराशा में इसकी तलाश करता हूँ;

लेकिन एक लाइलाज दुख से चिपके रहने के बजाय,
मैं सदा के लिए सभी आशाओं का त्याग करता हूँ।
क्या भय के बीच आशा हो सकती है? यदि ऐसा होता,
जब भय के आधार कहीं अधिक निश्चित हों?
क्या मुझे ईर्ष्या से अपनी आँखें बंद कर लेनी चाहिए? यदि यह हजारों हृदय घावों के माध्यम से प्रकट होता है? अविश्वास को खुली छूट कौन नहीं देगा?
घृणा का पर्दाफाश होते देख, और—कठोर परिवर्तन!—
उसके सारे संदेह निश्चितताओं में बदल गए।
और क्या सच्चा सत्य झूठ में बदल गया?
हे प्रेम के लोकों के क्रूर अत्याचारी,
हे ईर्ष्या! इन हाथों में जंजीरें डाल दे!
और मुझे अपनी सबसे मजबूत रस्सी से बांध दो, हे तिरस्कार।
लेकिन हाय! सब पर विजय प्राप्त करने के बावजूद,
मेरे दुख तुम्हारी यादों को मिटा देते हैं।
और अब मैं मर रहा हूँ, और चूंकि कोई उम्मीद नहीं है
मेरे लिए जीवन या मृत्यु में सुख का क्या महत्व है?
फिर भी मैं अपनी कल्पना से बड़े प्यार से जुड़ा रहूंगा।
मैं कहूंगा कि जो व्यक्ति अच्छे से प्रेम करता है, वही बुद्धिमान है।
और सबसे स्वतंत्र आत्मा वही है जो सबसे अधिक बंधी हुई है।
प्राचीन अत्याचारी प्रेम के दासता में।
मैं कहूंगा कि वह मेरी दुश्मन है
जिस शरीर सुंदर हो, मन भी उतना ही सुंदर हो।
और उसकी शीतलता ही मेरी नियति है।
और वह दर्द जो वह भेजता है, उसी के कारण।
प्रेम अपने कोमल प्रभाव से उसके राज्य पर शासन करता है।
इस प्रकार, आत्म-भ्रमित और भीषण बंधन में जकड़े हुए,
और जीवन के उस दयनीय टुकड़े को भी घिसते हुए।
जिसके कारण मुझे उसकी अवहेलना का सामना करना पड़ रहा है।
मैं अपनी आत्मा और शरीर को हवाओं को सौंप दूंगा।
सभी को सुख का मुकुट मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

हे अन्याय, जिसने इस सब का कारण उत्पन्न किया है!
इसी वजह से मैं उस थकाऊ जिंदगी को छोड़ देना चाहता हूँ जिससे मुझे नफरत है। इस घायल हृदय से ही तुम देख सकते हो
मैं कितनी स्वेच्छा से तेरा शिकार बन जाता हूँ,
मेरी मृत्यु, यदि संयोगवश एक आंसू बहाने लायक भी हो,
हे तुम्हारी उज्ज्वल आँखों में बसे निर्मल आकाश को बादलों से ढक दो;
मैं नहीं चाहता कि तुम किसी भी तरह से प्रायश्चित करो।
मेरे हृदय को तेरा शिकार बनाने का अपराध;
बल्कि अपनी हंसी को खुलकर गूंजने दो।
और मेरी मृत्यु को अपना उत्सव सिद्ध कर।
मैं कितना मूर्ख हूँ जो तुम्हें ऐसा करने के लिए कह रहा हूँ! मुझे अच्छी तरह पता है
मेरी असमय मृत्यु से तेरी महिमा बढ़ती है।
और अब समय आ गया है; नरक की खाई से
हे प्यासे टैंटलस, आओ सिसिफस!
क्रूर पत्थर को उठाते हुए, टिटियस आया
गिद्ध के साथ, और पहिए के साथ इक्सियन आते हैं,
और निरंतर परिश्रम करने वाली बहनें आती हैं;
और सभी अपने दर्द को इस छाती में स्थानांतरित कर देते हैं। और (यदि निराशा को ऐसी श्रद्धांजलि देना उचित हो)
वे अपने सबसे गहरे स्वरों में एक शोकगीत गाते हैं
एक ऐसे शव के ऊपर जो कफ़न के भी योग्य नहीं था।
द्वार के तीन सिर वाले रक्षक को,
और नरक की सभी राक्षसी संतानें,
शोकपूर्ण संगीत कार्यक्रम में शामिल हों: एक प्रेमी की मृत्यु मुझे लगता है कि इससे बेहतर अंत्येष्टि नहीं हो सकती।
निराशा को त्याग दो, तुम्हारे जाने पर शोक मत करना
इस दुःखग्रस्त हृदय से: मेरा दुख
जिस उद्देश्य से तुम्हारा जन्म हुआ, उसे सफलता प्राप्त होती है; फिर कब्र में भी उदासी को दूर भगाओ।
{श्लोक

"क्राइसोस्टोम की स्तुति" श्रोताओं को पसंद आई, हालांकि पाठक ने कहा कि यह मार्सेला के संयम और शालीनता के बारे में सुनी गई बातों से मेल नहीं खाती, क्योंकि इसमें क्राइसोस्टोम ने ईर्ष्या, संदेह और अनुपस्थिति की शिकायत की है, जो मार्सेला के अच्छे नाम और प्रसिद्धि के लिए हानिकारक हैं; इस पर एम्ब्रोसियो ने, जो अपने मित्र के सबसे गुप्त विचारों को भली-भांति जानता था, उत्तर दिया, "महोदय, इस संदेह को दूर करने के लिए मैं आपको बता दूं कि जब उस अभागे व्यक्ति ने यह स्तुति लिखी थी, तब वह मार्सेला से दूर था, जिससे उसने स्वेच्छा से खुद को अलग कर लिया था, यह देखने के लिए कि क्या अनुपस्थिति उस पर अपना सामान्य प्रभाव डालेगी; और जिस प्रकार हर चीज निर्वासित प्रेमी को व्याकुल करती है और हर भय उसे सताता है, उसी प्रकार काल्पनिक ईर्ष्या और संदेह, जो सच मानकर भयभीत होते थे, क्राइसोस्टोम को सताते रहे; और इस प्रकार मार्सेला के सद्गुणों के बारे में जो कुछ भी कहा जाता है, उसकी सत्यता अडिग रहती है, और उसके साथ ईर्ष्या को भी क्रूर, कुछ हद तक अभिमानी और बहुत ही तिरस्कारपूर्ण होने के अलावा कोई दोष नहीं मिल सकता है।"
“यह सच है,” विवाल्डो ने कहा; और जैसे ही वह आग से बचाए गए कागजों में से एक और कागज़ पढ़ने ही वाला था, तभी अचानक उनके सामने एक अद्भुत दृश्य प्रकट हुआ (ऐसा लगा जैसे वह कोई अद्भुत दृश्य ही हो); क्योंकि जिस चट्टान की चोटी पर वे कब्र खोद रहे थे, वहाँ चरवाहा मार्सेला प्रकट हुई, जो इतनी सुंदर थी कि उसकी सुंदरता उसकी प्रसिद्धि से कहीं अधिक थी। जिन्होंने उसे पहले कभी नहीं देखा था, वे आश्चर्य और मौन में उसे निहारने लगे, और जो उसे देखने के आदी थे, वे भी उतने ही चकित थे जितने कि जिन्होंने उसे पहले कभी नहीं देखा था। लेकिन जैसे ही एम्ब्रोसियो ने उसे देखा, उसने स्पष्ट आक्रोश के साथ उससे बात की:
"हे इन पहाड़ों के क्रूर राक्षस, क्या तू संयोगवश यह देखने आया है कि क्या तेरी उपस्थिति में इस अभागे प्राणी के घावों से खून बहेगा, जिसे तेरी क्रूरता ने जीवन से वंचित कर दिया है? या तू अपने क्रूर स्वभाव पर प्रसन्न होने आया है? या किसी अन्य निर्दयी नीरो की तरह उस ऊँचाई से अपने जलते हुए रोम के खंडहर को देखने आया है? या अपने अहंकार में इस दुर्भाग्यपूर्ण शव को रौंदने आया है, जैसे कृतघ्न पुत्री ने अपने पिता टारक्विन के शव को रौंदा था? हमें जल्दी बताओ कि तू किसलिए आया है, या तू क्या चाहता है?

क्योंकि जैसा कि मैं जानता हूँ कि क्रिसॉस्टम के विचार जीवन में कभी भी तेरा अनुसरण करने से नहीं चूके, मैं उन सभी को जो स्वयं को उसके मित्र कहते हैं, तेरा आज्ञापालन करवाऊँगा, भले ही वह मर चुका हो।"
"एम्ब्रोसिया, मैं उन उद्देश्यों के लिए नहीं आई हूँ जिनका तुमने ज़िक्र किया है," मार्सेला ने उत्तर दिया, "बल्कि अपना बचाव करने और यह साबित करने के लिए आई हूँ कि वे सभी लोग कितने अनुचित हैं जो मुझे अपने दुख और क्रिसॉस्टम की मृत्यु के लिए दोषी ठहराते हैं; इसलिए मैं आप सभी से, जो यहाँ उपस्थित हैं, निवेदन करती हूँ कि मेरी ओर ध्यान दें, क्योंकि समझदार लोगों को सच्चाई समझाने में ज़्यादा समय या शब्द नहीं लगेंगे। जैसा कि तुम कहती हो, स्वर्ग ने मुझे सुंदर बनाया है, और इतना सुंदर कि मेरी सुंदरता तुम्हें मुझसे प्रेम करने के लिए प्रेरित करती है; और जिस प्रेम को तुम मुझ पर दिखाती हो, उसके लिए तुम कहती हो, और यहाँ तक कि आग्रह भी करती हो, कि मैं तुमसे प्रेम करने के लिए बाध्य हूँ। ईश्वर द्वारा प्रदत्त उस सहज समझ से मैं जानती हूँ कि हर सुंदर चीज़ प्रेम को आकर्षित करती है, लेकिन मैं यह नहीं समझ पाती कि प्रेम किए जाने के कारण, जो अपनी सुंदरता के कारण प्रेम किया जाता है, वह उसे प्रेम करने के लिए बाध्य कैसे हो सकता है; इसके अलावा, ऐसा भी हो सकता है कि सुंदर चीज़ से प्रेम करने वाला बदसूरत हो, और बदसूरती घृणित होने के कारण, यह कहना बहुत बेतुका है, "मैं तुमसे इसलिए प्रेम करता हूँ क्योंकि तुम सुंदर हो, तुम्हें मुझसे प्रेम करना ही होगा, भले ही मैं बदसूरत हूँ।" बदसूरत हो जाओ।" लेकिन मान लीजिए कि दोनों तरफ सुंदरता बराबर है, तो इसका यह मतलब नहीं है कि भावनाएँ भी एक जैसी होंगी, क्योंकि हर सुंदरता प्रेम को नहीं जगाती, कुछ तो केवल आँखों को भाती हैं लेकिन दिल नहीं जीत पातीं; और अगर हर तरह की सुंदरता प्रेम जगाती और दिल जीत लेती, तो इच्छा इधर-उधर भटकती रहती और किसी को भी चुन नहीं पाती; क्योंकि जैसे अनंत सुंदर वस्तुएँ हैं, वैसे ही अनंत भावनाएँ भी होनी चाहिए, और मैंने सुना है कि सच्चा प्यार अविभाज्य है, और स्वैच्छिक होना चाहिए, मजबूर नहीं। अगर ऐसा है, जैसा कि मैं मानता हूँ, तो आप मुझे अपनी इच्छा को बलपूर्वक झुकाने के लिए क्यों कह रहे हैं, सिर्फ इसलिए कि आप कहते हैं कि आप मुझसे प्यार करते हैं? नहीं—मुझे बताइए—अगर स्वर्ग ने मुझे बदसूरत बनाया होता, जैसे उसने मुझे सुंदर बनाया है, तो क्या मैं न्यायसंगत रूप से आपसे शिकायत कर सकता था कि आप मुझसे प्यार नहीं करते? इसके अलावा, आपको याद रखना चाहिए कि

मुझ पर डाला जाए। जिसने धोखा खाया है, वह शिकायत करे, जिसकी आशाएँ व्यर्थ सिद्ध हुई हैं, वह निराशा में डूब जाए, जिसे मैं लुभाऊँगी, उस पर गर्व करे, जिसे मैं स्वीकार करूँगी; परन्तु जिसे मैं कोई वादा नहीं करती, जिसे मैं कोई छल नहीं करती, जिसे मैं न लुभाती हूँ और न स्वीकार करती हूँ, उसे मुझे क्रूर या हत्यारा न कहे। अब तक यह स्वर्ग की इच्छा नहीं रही है कि मैं भाग्य से प्रेम करूँ, और मुझसे अपनी इच्छा से प्रेम करने की अपेक्षा करना व्यर्थ है। यह सामान्य घोषणा मेरे प्रत्येक प्रेमी के लिए उसके अपने हित में हो, और अब से यह समझ लिया जाए कि यदि कोई मेरे लिए मरता है, तो वह ईर्ष्या या दुख से नहीं मरता, क्योंकि जो किसी से प्रेम नहीं करती, वह किसी को ईर्ष्या का कारण नहीं दे सकती, और निष्ठा को तिरस्कार के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। जो मुझे जंगली जानवर और साँप कहता है, वह मुझे हानिकारक और बुराई समझकर अकेला छोड़ दे; जो मुझे कृतघ्न कहता है, वह अपनी सेवा रोक ले; जो मुझे पथभ्रष्ट कहता है, वह मेरी सेवा न करे। परिचित; जो मुझे क्रूर कहते हैं, वे मेरा पीछा न करें; क्योंकि इस जंगली जानवर, इस बेसिलिस्क, इस कृतघ्न, क्रूर, पथभ्रष्ट प्राणी को उनकी खोज करने, उनकी सेवा करने, उन्हें जानने या उनका अनुसरण करने की कोई इच्छा नहीं है। यदि क्रिसॉस्टम के अधीरता और उग्र आवेश ने उन्हें मार डाला, तो मेरे विनम्र व्यवहार और सावधानी को क्यों दोषी ठहराया जाए? यदि मैं वृक्षों के बीच अपनी पवित्रता बनाए रखता हूँ, तो जो चाहता है कि मैं मनुष्यों के बीच इसे बनाए रखूँ, वह इसे मुझसे क्यों छीनना चाहेगा? जैसा कि आप जानते हैं, मेरे पास अपना धन है, और मैं दूसरों के धन का लालच नहीं करता; मुझे स्वतंत्रता पसंद है, और मुझे बंधन में कोई रुचि नहीं है; मैं न तो किसी से प्रेम करता हूँ और न ही किसी से घृणा करता हूँ; मैं न तो किसी को धोखा देता हूँ, न ही किसी को लुभाता हूँ, न ही किसी के साथ खिलवाड़ करता हूँ और न ही किसी के साथ खेलता हूँ। इन छोटे गाँवों की चरवाहिनियों के साथ विनम्र बातचीत और अपनी बकरियों की देखभाल ही मेरा मनोरंजन है; मेरी इच्छाएँ इन पहाड़ों तक ही सीमित हैं, और यदि वे कभी यहाँ से भटकती हैं तो स्वर्ग की सुंदरता का चिंतन करने के लिए, वे कदम जिनसे आत्मा अपने आदिम निवास तक जाती है।
इन शब्दों के साथ, और उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना, वह मुड़ी और पास के घने जंगल में चली गई, वहाँ मौजूद सभी लोग उसकी सुंदरता के साथ-साथ उसकी बुद्धिमत्ता की भी प्रशंसा में लीन रह गए। कुछ लोग—जो उसकी चमकीली आँखों

से निकले अप्रतिरोध्य तीरों से आहत थे—उसके पीछे जाने का नाटक करने लगे, मानो उन्होंने जो स्पष्ट घोषणा सुनी थी, उसे अनदेखा कर रहे हों; यह देखकर, और संकटग्रस्त युवतियों की सहायता के लिए अपनी वीरता का प्रदर्शन करने का यह एक उपयुक्त अवसर समझते हुए, डॉन क्विक्सोट ने अपनी तलवार की मूठ पर हाथ रखकर ऊँची और स्पष्ट आवाज़ में कहा:
"कोई भी, चाहे उसका पद या स्थिति कुछ भी हो, सुंदर मार्सेला का पीछा करने का साहस न करे, अन्यथा उसे मेरे भयंकर क्रोध का सामना करना पड़ेगा। उसने स्पष्ट और संतोषजनक तर्कों से यह सिद्ध कर दिया है कि क्रिसॉस्टम की मृत्यु के लिए उसका कोई दोष नहीं है, और यह भी कि वह अपने किसी भी प्रेमी की इच्छाओं के आगे झुकने से कितनी दूर है। इसी कारण, उसका पीछा करने और उसे सताने के बजाय, न्यायसंगत रूप से उसे दुनिया के सभी भले लोगों द्वारा सम्मानित और आदर दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह यह दर्शाती है कि वह इस दुनिया में एकमात्र ऐसी महिला है जो इस तरह के नेक संकल्प पर अडिग है।" चाहे डॉन क्विक्सोट की धमकियों के कारण हो, या एम्ब्रोसियो द्वारा अपने अच्छे मित्र के प्रति कर्तव्य निभाने के लिए कहे जाने के कारण, कोई भी चरवाहा तब तक अपनी जगह से हिला या डटा नहीं, जब तक कि कब्र खोदने और क्रिसॉस्टम के कागजात जलाने के बाद, उन्होंने उसके शरीर को उसमें नहीं रख दिया। वहाँ खड़े लोगों की आँखों में आँसू आ गए। उन्होंने कब्र को एक भारी पत्थर से बंद कर दिया, जब तक कि एक शिला तैयार नहीं हो गई, जिसे एम्ब्रोसियो ने कहा था कि वह तैयार करवाना चाहता है, जिस पर निम्नलिखित शिलालेख लिखा जाना था:
{श्लोक
आपकी आँखों के सामने पत्थर के नीचे
प्रेमी का शव पड़ा है;
जीवन में वह एक चरवाहा था।
मृत्यु में तिरस्कार का शिकार।
कृतघ्न, क्रूर, नखरेबाज़ और निष्पक्ष,
क्या वही थी जिसने उसे निराशा की ओर धकेल दिया? और प्रेम ने उसे अपना सहयोगी बना लिया है।
अपनी तानाशाही को व्यापक रूप से फैलाने के लिए।
{श्लोक

फिर उन्होंने कब्र पर ढेर सारे फूल और शाखाएँ बिखेर दीं, और सभी ने उनके मित्र अमृत के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए अपना विवाल्डो (एक प्रकार का पेय) ग्रहण किया, और उनके साथी ने भी ऐसा ही किया; और डॉन क्विक्सोट ने अपने मेज़बानों और यात्रियों को विदाई दी, जिन्होंने उन्हें सेविले चलने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि वह रोमांच खोजने के लिए एक सुविधाजनक स्थान था, जहाँ हर गली और हर कोने में अन्य जगहों की तुलना में रोमांच अधिक देखने को मिलता था। डॉन क्विक्सोट ने उनकी सलाह और उन पर कृपा करने की उनकी तत्परता के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, और कहा कि फिलहाल वह सेविले नहीं जाएँगे, और तब तक नहीं जाना चाहिए जब तक कि वह उन सभी लुटेरों और डाकुओं से छुटकारा न पा लें, जिनके बारे में कहा जाता था कि वे वहाँ भरे पड़े हैं। उनकी अच्छी मंशा देखकर, यात्री उन पर और दबाव डालने के लिए तैयार नहीं हुए, और एक बार फिर उन्हें विदाई देकर वे चले गए और अपनी यात्रा जारी रखी, जिसके दौरान उन्होंने मार्सेला और क्रिसॉस्टोम की कहानी के साथ-साथ डॉन क्विक्सोट के पागलपन पर भी चर्चा की। उसने चरवाहा मार्सेला की खोज में जाने और उसे अपनी हर संभव सेवा देने का संकल्प लिया; लेकिन जैसा उसने सोचा था वैसा नहीं हुआ, जैसा कि इस सच्ची कहानी में बताया गया है, जिसका दूसरा भाग यहीं समाप्त होता है।

15

अध्याय
इसमें डॉन क्विक्सोट की उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का वर्णन है, जब उसका कुछ निर्दयी यांगुएसान लोगों से झगड़ा हो गया था।
विद्वान सिदे हामेट बेनेन्गेली बताते हैं कि डॉन क्विक्सोट ने अपने मेज़बानों और क्रिसॉस्टोम के अंतिम संस्कार में उपस्थित सभी लोगों से विदा लेते ही, वह और उसका साथी उसी जंगल में चले गए जहाँ उन्होंने चरवाहा मार्सेला को जाते देखा था। दो घंटे से अधिक समय तक हर दिशा में उसकी तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिली, तो वे कोमल घास से ढके एक खुले मैदान में रुके, जिसके किनारे एक सुखद ठंडी धारा बह रही थी। यह धारा उन्हें दोपहर की भीषण गर्मी में वहाँ समय बिताने के लिए आमंत्रित और विवश कर रही थी, जो उस समय तक असहनीय होने लगी थी। डॉन क्विक्सोट और सांचो घोड़े से उतरे और रोसिनांटे और गधे को वहाँ प्रचुर मात्रा में मौजूद घास चरने के लिए खुला छोड़ दिया। उन्होंने अलफोरजास (एक प्रकार का चारागाह) को खंगाला और बिना किसी औपचारिकता के, बड़े ही शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्वक, अपने स्वामी और सेवक ने उसमें जो कुछ भी मिला, उसे खाकर भोज किया।
सांचो ने रोसिनांटे को बांधना उचित नहीं समझा, क्योंकि वह उसके संयम और संयम के बारे में जानता था और उसे पूरा विश्वास था कि कॉर्डोवा के चरागाहों की सभी घोड़ियां उसे किसी अनुचित काम में नहीं उलझाएंगी। लेकिन संयोगवश, और शैतान, जो हमेशा सोया नहीं रहता, ने ऐसा ही तय किया कि इस घाटी में गैलिसियाई टट्टुओं का एक झुंड चर रहा था, जो कुछ यांगुएसन वाहकों के थे। ये वाहक दोपहर के समय अपने घोड़ों के साथ उन जगहों पर विश्राम करते थे जहाँ घास और पानी प्रचुर मात्रा में होते थे; और संयोगवश जहाँ डॉन क्विक्सोट मौजूद था, वह यांगुएसन लोगों के उद्देश्य के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। तब ऐसा हुआ कि रोसिनांटे को उन टट्टुओं के साथ खेलने का मन हुआ, और जैसे ही उसने उनकी गंध महसूस की, उसने अपनी सामान्य चाल और व्यवहार को छोड़कर, अपने स्वामी से अनुमति लिए बिना, एक तेज दौड़ लगाई और अपनी इच्छा उन्हें बताने के लिए जल्दी से उनके पास चला गया; लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि वे उसे छोड़कर अपने चरागाह को ज़्यादा पसंद करते थे, और उन्होंने उसे इतनी बुरी तरह से पीटा कि उसकी कमरबंद टूट गई और वह बिना काठी के नंगा

रह गया; लेकिन उसके लिए इससे भी बुरा यह रहा होगा कि माल ढोने वालों ने जब देखा कि वह उनकी घोड़ियों के साथ हिंसा कर रहा है, तो वे डंडे लेकर दौड़ते हुए आए और उसे इतना पीटा कि वह बुरी तरह से घायल होकर ज़मीन पर गिर पड़ा। इस समय तक डॉन क्विक्सोट और सांचो, जिन्होंने रोसिनांटे की पिटाई देखी थी, हांफते हुए आए और डॉन क्विक्सोट ने सांचो से कहा:
"जहां तक मैं देख सकता हूं, मेरे मित्र सांचो, ये शूरवीर नहीं बल्कि नीच कुल के लोग हैं: मैं इसका जिक्र इसलिए कर रहा हूं क्योंकि तुम रोसिनांटे के साथ हमारी आंखों के सामने हुए अपमान का उचित बदला लेने में मेरी कानूनी रूप से सहायता कर सकते हो।"
"हम किस तरह का बदला ले सकते हैं," सांचो ने उत्तर दिया, "अगर वे बीस से अधिक हैं, और हम दो से अधिक नहीं हैं, या वास्तव में, शायद डेढ़ से अधिक नहीं हैं?"
“मैं सौ गिनता हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया और बिना कुछ कहे अपनी तलवार खींचकर यांगुएसानों पर हमला कर दिया। अपने गुरु के उदाहरण से प्रेरित होकर सांचो ने भी ऐसा ही किया। शुरुआत में ही डॉन क्विक्सोट ने उनमें से एक पर ऐसा वार किया जिससे उसकी चमड़े की जैकेट और कंधे का एक बड़ा हिस्सा फट गया। यांगुएसानों ने देखा कि उन पर हमला करने वाले केवल दो ही हैं जबकि वे संख्या में बहुत सारे हैं, तो वे अपने खंभों के पास गए और उन दोनों को बीच में धकेल कर बड़े जोश और ऊर्जा से उन पर वार करने लगे। दरअसल, दूसरे ही वार में उन्होंने सांचो को जमीन पर गिरा दिया और डॉन क्विक्सोट का भी वही हाल हुआ। उसकी सारी कुशलता और साहस व्यर्थ साबित हुआ और भाग्य ने यही तय किया कि वह रोसिनेंटे के चरणों में गिरे, जो अभी तक उठा नहीं था। इससे यह देखा जा सकता है कि क्रोधित और असभ्य हाथों में खंभे कितनी उग्रता से पटके जा सकते हैं।
फिर, उनके द्वारा किए गए शरारत को देखकर, यांगुएसानों ने जितनी जल्दी हो सके अपने दल को लादा और अपनी यात्रा जारी रखी, उन दोनों साहसी लोगों को दयनीय स्थिति में और उससे भी बदतर मनोदशा में छोड़कर।
सांचो सबसे पहले होश में आया और अपने स्वामी के करीब पाकर उसने कमजोर और उदास स्वर में उन्हें पुकारा, "सेनोर डॉन क्विक्सोट, आह, सेनोर डॉन क्विक्सोट!"

"भाई सांचो, तुम क्या चाहते हो?" डॉन क्विक्सोट ने सांचो के समान ही कमजोर और दुखी स्वर में उत्तर दिया।
"यदि संभव हो तो," सांचो पांजा ने उत्तर दिया, "महामहिम, कृपया मुझे उस प्रचंड ब्लास औषधि के दो घूंट दे दीजिए, यदि वह आपके पास उपलब्ध हो; शायद यह घावों के साथ-साथ टूटी हड्डियों के लिए भी कारगर साबित हो।"
"अगर यह मेरे पास होता, तो मुझे और क्या चाहिए होता?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मैं तुमसे, सांचो पांजा, एक वीर योद्धा की कसम खाता हूँ, दो दिन बीतने से पहले, अगर किस्मत कुछ और न चाहे, तो मैं इसे अपने कब्जे में ले लूंगा, वरना मेरे हाथ की कुशलता खत्म हो जाएगी।"
"लेकिन महाराज, आपके अनुसार हम कितनों में अपने पैरों का उपयोग कर पाएंगे?" सांचो पांजा ने उत्तर दिया।
"जहाँ तक मेरी बात है, मैं अनुमान नहीं लगा सकता कि कितने होंगे," घायल योद्धा डॉन क्विक्सोट ने कहा; "परन्तु मैं सारा दोष स्वयं पर लेता हूँ, क्योंकि मुझे उन लोगों के विरुद्ध तलवार उठाने का कोई अधिकार नहीं था जो मेरी तरह शूरवीर नहीं थे, और इसलिए मेरा मानना है कि शूरवीरता के नियमों का उल्लंघन करने के दंड स्वरूप युद्ध के देवता ने मुझे यह दंड दिया है; इसीलिए, भाई सांचो, यह अच्छा है कि तुम उस विषय के बारे में संकेत प्राप्त कर लो जिसका मैं अब तुमसे उल्लेख करने जा रहा हूँ, क्योंकि यह हम दोनों के कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब तुम इस प्रकार के उपद्रवियों को हमारा अपमान करते हुए देखो, तो तुम मेरे द्वारा उन पर तलवार उठाने का इंतजार मत करना, क्योंकि मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करूँगा; बल्कि तुम तलवार उठाओ और उन्हें जी भर कर दंडित करो, और यदि कोई शूरवीर उनकी सहायता और बचाव के लिए आता है, तो मैं तुम्हारा बचाव करूँगा और अपनी पूरी शक्ति से उन पर आक्रमण करूँगा; और तुम हजारों संकेतों और प्रमाणों से देख चुके हो कि मेरी इस शक्तिशाली भुजा की शक्ति क्या है"—बेचारा सज्जन इतना उत्साहित था। बलवान बिस्केयन पर विजय प्राप्त करने के माध्यम से यह संभव हुआ।
लेकिन सांचो अपने स्वामी की चेतावनी से इतना सहमत नहीं था कि वह बिना जवाब दिए उसे अनदेखा कर दे। सांचो ने कहा, "महोदय, मैं शांतिप्रिय, विनम्र और शांत स्वभाव का व्यक्ति हूँ, और मैं किसी भी अपमान को सहन कर सकता हूँ क्योंकि मुझे अपनी पत्नी और बच्चों का पालन-पोषण करना है; इसलिए इसे आपके लिए एक संकेत समझें, आदेश नहीं, कि मैं किसी भी हालत में न तो किसी आम आदमी

के खिलाफ तलवार उठाऊँगा और न ही किसी योद्धा के खिलाफ, और मैं ईश्वर के समक्ष उन सभी अपमानों को क्षमा करता हूँ जो मुझे दिए गए हैं, चाहे वे ऊँचे या नीचे, अमीर या गरीब, कुलीन या आम आदमी द्वारा दिए गए हों, दिए जा रहे हों या दिए जाएँगे, किसी भी पद या स्थिति के व्यक्ति को छोड़कर।"
इन सब बातों के उत्तर में उसके स्वामी ने कहा, "काश, मेरे पास बोलने के लिए पर्याप्त साँस होती, और इस तरफ का दर्द कम हो जाता ताकि मैं तुम्हें, पांज़ा, तुम्हारी गलती समझा सकूँ। अब, पापी, मान लो कि भाग्य की हवा, जो अब तक इतनी प्रतिकूल रही है, हमारे पक्ष में मुड़ जाए, और हमारी इच्छाओं को पूरा करे, जिससे हम सुरक्षित और बिना किसी बाधा के उन द्वीपों में से किसी एक पर पहुँच जाएँ जिनका मैंने तुमसे वादा किया है, तो अगर उसे जीतने के बाद मैं तुम्हें उसका स्वामी बना दूँ तो तुम्हारा क्या हाल होगा? तुम न तो शूरवीर हो, न ही शूरवीर बनने की इच्छा रखते हो, और न ही अपमान का बदला लेने या अपने प्रभुत्व की रक्षा करने का साहस या संकल्प रखते हो, इसलिए तुम इसे लगभग असंभव बना दोगे; क्योंकि तुम्हें यह जानना चाहिए कि नए जीते गए राज्यों और प्रांतों में निवासियों का मन कभी भी इतना शांत या नए स्वामी के प्रति इतना अनुकूल नहीं होता कि उन्हें फिर से स्थिति बदलने और, जैसा कि वे कहते हैं, भाग्य जो करे उसे आजमाने का डर न हो; इसलिए यह आवश्यक है कि नए कब्जेदार के पास शासन करने के लिए अच्छी समझ हो और किसी भी परिस्थिति में हमला करने और अपना बचाव करने के लिए वीरता हो।"
“जो विपत्ति हम पर आई है,” सांचो ने उत्तर दिया, “काश मुझमें भी वह विवेक और वीरता होती जिसकी आप बात कर रहे हैं, लेकिन मैं एक गरीब आदमी की कसम खाकर कहता हूँ कि मैं तर्क-वितर्क करने से ज़्यादा मरहम-पट्टी के लायक हूँ। देखिए, क्या आप उठ सकते हैं, और चलिए हम रोसिनांटे की मदद करते हैं, हालाँकि वह इसके लायक नहीं है, क्योंकि इस सारी मार-पिटाई का मुख्य कारण वही है। मैंने रोसिनांटे के बारे में कभी ऐसा नहीं सोचा था, क्योंकि मैं उसे एक गुणी और अपने जैसा शांत स्वभाव का व्यक्ति समझता था। आख़िरकार, लोग सही कहते हैं कि लोगों को जानने में समय लगता है, और इस जीवन में कुछ भी निश्चित नहीं है। किसने सोचा होगा कि उस अभागे योद्धा पर आपने जो इतने ज़ोरदार वार किए, उसके ठीक पीछे, डाकुओं की ऐसी बौछार होगी जो हमारे कंधों पर आ गिरी है?”

"और फिर भी, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "तुम्हारे तो ऐसे झंझटों के आदी हो जाने चाहिए; लेकिन मेरे तो कोमल वस्त्रों और बढ़िया लिनेन में पले-बढ़े हैं, यह स्पष्ट है कि उन्हें इस विपत्ति का दर्द कहीं अधिक तीव्र रूप से महसूस हो रहा होगा, और यदि ऐसा न होता कि मैं कल्पना करता—मैं कल्पना क्यों कह रहा हूँ?—मुझे निश्चित रूप से पता है कि ये सभी परेशानियाँ शस्त्र-कथन के आह्वान के साथ आने वाली बहुत आवश्यक चीजें हैं, तो मैं यहीं मर जाता, केवल झुंझलाहट से।"
इस पर सरदार ने उत्तर दिया, "महाराज, चूंकि ये विपत्तियाँ वीरता का फल हैं, तो मुझे बताइए कि क्या ये अक्सर होती हैं, या इनके घटित होने का कोई निश्चित समय होता है; क्योंकि मुझे लगता है कि दो फसलें काटने के बाद हम तीसरी फसल काटने के लायक नहीं रहेंगे, जब तक कि ईश्वर अपनी असीम दया से हमारी सहायता न करे।"
"मेरे मित्र सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "जान लो कि वीर योद्धाओं का जीवन हजारों खतरों और विपत्तियों से भरा होता है, और वीर योद्धाओं का राजा या सम्राट बनना न तो इससे अधिक संभव है और न ही इससे कम, जैसा कि कई अलग-अलग वीर योद्धाओं के इतिहास में मेरे अनुभव से सिद्ध हुआ है, जिनसे मैं भलीभांति परिचित हूँ; और अगर दर्द मुझे अनुमति देता, तो मैं तुम्हें अभी कुछ ऐसे योद्धाओं के बारे में बता सकता था जो केवल अपनी वीरता के बल पर उन उच्च पदों तक पहुँचे जिनका मैंने उल्लेख किया है; और उन सभी ने, अपने से पहले और बाद में, अनेक दुर्भाग्य और कष्ट झेले; जैसे कि गॉल के वीर अमाडिस अपने कट्टर शत्रु जादूगर अर्कालस के चंगुल में आ गए, जिसने, ऐसा कहा जाता है, उन्हें बंदी बनाकर एक दरबार के एक खंभे से बाँधकर उनके घोड़े की लगाम से दो सौ से अधिक कोड़े मारे; और इसके अलावा एक विख्यात और प्रतिष्ठित विद्वान लेखक का कहना है कि फोएबस का वीर योद्धा, एक किले में अपने पैरों के नीचे खुले एक गड्ढे में फँस गया, गिरते हुए उसने खुद को एक गहरे भूमिगत गड्ढे में हाथ-पैर बंधे हुए पाया, जहाँ उन्होंने उसे रेत और बर्फ के पानी से बने एक ऐसे पदार्थ से सींक मारी जिसे वे 'क्लिस्टर' कहते हैं, जिससे वह लगभग मर ही गया था; और अगर उस कठिन परिस्थिति में उसके एक प्रिय मित्र, एक ऋषि ने उसकी सहायता न की होती, तो बेचारे योद्धा का बहुत बुरा हाल हो जाता; इसलिए मैं ऐसे योग्य लोगों के साथ रहकर कष्ट सह सकता हूँ, क्योंकि उन्हें हमसे कहीं अधिक अपमान सहना पड़ा था। क्योंकि मैं तुम्हें यह बताना चाहता

हूँ, सांचो, कि किसी भी हथियार से, जो संयोगवश हाथ में हो, लगी चोटें कोई अपमान नहीं करतीं, और यह द्वंद्वयुद्ध के नियम में स्पष्ट शब्दों में लिखा है: उदाहरण के लिए, यदि कोई मोची अपने हाथ में मौजूद किसी भी चीज़ से दूसरे को मारता है, भले ही वह लकड़ी का टुकड़ा ही क्यों न हो, तो इस कारण यह नहीं कहा जा सकता कि जिसे उसने मारा है उसे लाठी से मारा गया है। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ ताकि तुम यह न सोच लो कि इस लड़ाई में हमारी पिटाई होने के कारण हमें कोई नुकसान हुआ है। यह अपमानजनक था; क्योंकि जिन हथियारों से उन्होंने हम पर हमला किया, वे उनके खंभों के अलावा कुछ नहीं थे, और जहाँ तक मुझे याद है, उनमें से किसी के पास भी तलवार, कटार या खंजर नहीं था।" "उन्होंने मुझे इतना देखने का समय ही नहीं दिया," सांचो ने उत्तर दिया, "जैसे ही मैंने अपने टिज़ोना पर हाथ रखा, उन्होंने अपनी लाठियों से मेरे कंधों पर इस तरह से क्रॉस का निशान बना दिया कि मेरी आँखों की रोशनी और मेरे पैरों की ताकत छिन गई, और मुझे वहीं गिरा दिया जहाँ मैं अब लेटा हूँ, और जहाँ यह सोचना कि वे सभी वार अपमानजनक थे या नहीं, मुझे कोई बेचैनी नहीं देता, जबकि उन वारों का दर्द मुझे बेचैन करता है, क्योंकि वे मेरी स्मृति में उतनी ही गहराई से अंकित रहेंगे जितनी गहराई से मेरे कंधों पर।"
"इन सब बातों के बावजूद, मैं तुमसे कहना चाहता हूँ, भाई पांज़ा," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि ऐसी कोई स्मृति नहीं है जिसे समय समाप्त न कर दे, और ऐसा कोई दर्द नहीं है जिसे मृत्यु दूर न कर दे।"
"और इससे बड़ी विपत्ति क्या हो सकती है," पांज़ा ने उत्तर दिया, "कि वह विपत्ति जो समय के आने और मृत्यु के आने का इंतज़ार करती है? अगर हमारी विपत्ति उन विपत्तियों में से होती जो दो-चार पट्टियों से ठीक हो जाती हैं, तो इतनी बुरी नहीं होती; लेकिन मुझे लगने लगा है कि अस्पताल की सारी पट्टियाँ भी हमें ठीक करने के लिए काफ़ी नहीं होंगी।"
"बस बहुत हो गया: कमजोरी से ताकत निकालो, सांचो, जैसा कि मैं करने का इरादा रखता हूं," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "और चलो देखते हैं कि रोसिनांटे कैसा है, क्योंकि मुझे लगता है कि इस दुर्भाग्य का जरा सा भी हिस्सा उस बेचारे जानवर के हिस्से में नहीं आया है।"
"इसमें कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि वह भी एक वीर योद्धा है; मुझे आश्चर्य इस बात का है कि मेरा जानवर बिना किसी नुकसान के बच गया जबकि हम बुरी तरह घायल हो गए।"

“किस्मत हमेशा विपत्ति में राहत देने के लिए एक रास्ता खुला रखती है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यह छोटा जानवर अब रोसिनांटे की कमी पूरी कर सकता है, मुझे यहाँ से किसी किले तक ले जा सकता है जहाँ मेरे घावों का इलाज हो सके। और इसके अलावा, मुझे इस तरह सवारी करने में कोई अपमान नहीं लगता, क्योंकि मुझे याद है कि मैंने पढ़ा था कि हँसी के देवता, अच्छे बूढ़े सिलनस, जब सौ द्वारों के शहर में प्रवेश किया, तो एक सुंदर गधे पर सवार होकर बड़े संतोष से गए थे।”
"यह सच हो सकता है कि वह घोड़े पर सवार होकर गया, जैसा कि महाराज कहते हैं," सांचो ने उत्तर दिया, "लेकिन घोड़े पर सवार होकर जाने और गोबर की बोरी की तरह लटककर जाने में बहुत बड़ा अंतर होता है।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "युद्ध में मिले घाव सम्मान छीनने के बजाय सम्मान प्रदान करते हैं; इसलिए, मेरे मित्र पांजा, और कुछ मत कहो, बल्कि जैसा मैंने तुम्हें पहले बताया था, उठो और मुझे अपने जानवर पर अपनी इच्छानुसार किसी भी तरह से बिठाओ, और चलो यहाँ से निकल चलें इससे पहले कि रात हो जाए और हमें इन जंगलों में अचानक घेर ले।"
"और फिर भी मैंने आपको यह कहते हुए सुना है," पांजा ने कहा, "कि वीर योद्धाओं के लिए वीरान और रेगिस्तानी इलाकों में सोना बहुत उचित होता है, और वे इसे बहुत सौभाग्य मानते हैं।"
“अर्थात्,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जब उनके पास कोई और चारा नहीं होता, या जब वे प्रेम में होते हैं; और यह बात इतनी सच है कि ऐसे शूरवीर भी हुए हैं जो दो साल तक चट्टानों पर, धूप-छाँव और स्वर्ग की तमाम प्रतिकूलताओं के बीच, अपनी प्रेमिकाओं को बिना बताए रहे; और इनमें से एक अमाडिस था, जिसने बेल्टेनेब्रोस के नाम से पेना पोबरे पर अपना निवास स्थान बनाया—मुझे ठीक से याद नहीं कि आठ साल या आठ महीने; क्योंकि मुझे गणना का ठीक से पता नहीं है; खैर, वह वहाँ प्रायश्चित कर रहा था क्योंकि मुझे नहीं पता कि राजकुमारी ओरियाना उससे किस बात पर नाराज़ थी; लेकिन अब और नहीं, सांचो, और जल्दी करो, कहीं गधे के साथ भी रोसिनांटे जैसी दुर्घटना न हो जाए।”
"उस स्थिति में तो शैतान भी शामिल होगा," सांचो ने कहा; और तीस "ओह" की आवाज़ें, साठ आहें और सौ बीस गालियाँ और अभिशाप उस व्यक्ति पर बरसाए जिसने उसे वहाँ लाया था, उसने उठकर खुद को आधा झुका लिया, जैसे कोई तुर्की धनुष सीधा खड़ा नहीं हो पा रहा हो, लेकिन बड़ी मुश्किल से उसने अपने गधे पर काठी

कसी, जो दिन भर की अय्याशी में बहक गया था; फिर उसने रोसिनांटे को उठाया, और अगर उसके पास शिकायत करने के लिए ज़बान होती, तो निश्चित रूप से न तो सांचो और न ही उसका मालिक उसे बचा पाते।
संक्षेप में, सांचो ने डॉन क्विक्सोट को गधे पर बिठाया और रोसिनांटे को लगाम से बांध दिया। गधे की लगाम पकड़कर वह लगभग उसी दिशा में चल पड़ा जहाँ उसे मुख्य सड़क दिखाई दे रही थी। संयोगवश, उसने अभी एक मील भी नहीं चला था कि सड़क दिखाई देने लगी। वहाँ उसे एक सराय दिखाई दी, जो सांचो की झुंझलाहट और डॉन क्विक्सोट की खुशी के लिए एक किला ही थी। सांचो ने जोर देकर कहा कि यह एक सराय है, जबकि उसके स्वामी ने कहा कि यह सराय नहीं बल्कि एक किला है। यह विवाद इतना लंबा चला कि बात सुलझने से पहले ही वे वहाँ पहुँच गए और सांचो बिना किसी और विवाद के अपने पूरे दल के साथ किले में प्रवेश कर गया।

16

अध्याय
उस चतुर सज्जन के साथ क्या हुआ जिसने उस सराय को महल समझ लिया था?
सराय के मालिक ने डॉन क्विक्सोट को गधे पर लादा देखकर सांचो से पूछा कि उसे क्या हुआ है। सांचो ने उत्तर दिया कि कुछ नहीं, बस वह एक चट्टान से गिर गया था और उसकी पसलियों में थोड़ी चोट लग गई थी। सराय के मालिक की पत्नी स्वभाव से अपने पेशे की महिलाओं जैसी नहीं थी, क्योंकि वह स्वभाव से दयालु थी और पड़ोसियों के दुखों के प्रति सहानुभूति रखती थी, इसलिए उसने तुरंत डॉन क्विक्सोट की देखभाल शुरू कर दी और अपनी छोटी, सुंदर बेटी को भी अपने मेहमान की देखभाल में मदद करने के लिए कहा। सराय में नौकरानी के रूप में एक एस्टूरियन लड़की भी थी, जिसका चेहरा चौड़ा, सिर चपटा और नाक छोटी थी, एक आंख से अंधी और दूसरी आंख भी ठीक नहीं थी। उसकी सुडौल आकृति उसकी सभी कमियों को छुपा देती थी; वह सिर से पैर तक सात हथेली से भी कम लंबी थी, और उसके कंधे थोड़े भारी थे, जिसके कारण वह अपनी इच्छा से अधिक जमीन को निहारती थी। तब उस सुंदर युवती ने उस युवती की मदद की, और दोनों ने मिलकर डॉन क्विक्सोट के लिए एक अटारी में एक बहुत ही खराब बिस्तर बनाया, जो स्पष्ट रूप से कई वर्षों तक भूसे के गोदाम के रूप में इस्तेमाल होने के संकेत दे रही थी। उसी अटारी में एक मालवाहक का भी कमरा था, जिसका बिस्तर डॉन क्विक्सोट के बिस्तर से थोड़ा आगे रखा गया था, और यद्यपि वह केवल उसके खच्चरों की काठी और कपड़ों से बना था, फिर भी काफी आरामदायक था, क्योंकि डॉन क्विक्सोट का बिस्तर केवल दो असमान तिपाई पर रखे चार खुरदुरे तख्तों, एक गद्दे, जो पतलेपन के कारण रजाई जैसा लग रहा था, और ऊन से भरे गोलों से बना था, जो अगर दरारों से दिखाई न देते तो छूने पर कंकड़ जैसे सख्त लगते, चमड़े की दो चादरें, और एक कंबल था जिसके धागे कोई भी गिन सकता था और एक भी नहीं छूटता।
इस शापित पलंग पर डॉन क्विक्सोट लेट गया, और मेज़बान और उसकी बेटी ने उसे सिर से पैर तक पट्टियों से ढक दिया, जबकि मैरिटोर्नेस—जो कि एस्टूरियन का नाम था—उनके लिए रोशनी पकड़े रहा, और उसे पट्टियाँ लगाते समय, मेज़बान ने देखा कि डॉन क्विक्सोट के शरीर पर कुछ जगहों पर कितने घाव थे, और उसने टिप्पणी की कि यह गिरने से ज़्यादा चोटों के निशान लग रहे थे।

सांचो ने कहा, ये चोटें नहीं थीं, बल्कि चट्टान में कई नुकीले हिस्से और उभार थे, और उनमें से हर एक ने अपना निशान छोड़ा था। उसने आगे कहा, "कृपा करके थोड़ी सी सूत बचा लें, क्योंकि इसे इस्तेमाल करने के लिए किसी की कमी नहीं होगी, क्योंकि मेरी कमर में भी काफी दर्द है।"
"तो फिर तुम भी गिर गए होगे," मेजबान ने कहा।
"मैं गिरा नहीं," सांचो पांजा ने कहा, "लेकिन अपने गुरु को गिरते हुए देखकर मुझे जो सदमा लगा, उससे मेरे शरीर में इतना दर्द हो रहा है कि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मुझे हज़ारों थप्पड़ पड़े हों।"
"ऐसा हो सकता है," उस युवती ने कहा, "क्योंकि मेरे साथ कई बार ऐसा हुआ है कि मैंने सपना देखा है कि मैं एक मीनार से गिर रही हूँ और कभी जमीन पर नहीं पहुँच पा रही हूँ, और जब मैं सपने से जागती हूँ तो खुद को उतना ही कमजोर और कांपता हुआ पाती हूँ जैसे कि मैं सचमुच गिर गई हो।"
"यही तो बात है, महोदया," सांचो पांजा ने उत्तर दिया, "कि मैं बिना सपने देखे, बल्कि अभी की तुलना में अधिक जागृत अवस्था में, अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट की तुलना में लगभग कम चकत्तों से ग्रसित पाता हूँ।"
"उस सज्जन का क्या नाम है?" एस्टूरियन मैरिटोर्नेस ने पूछा।
"ला मांचा का डॉन क्विक्सोट," सांचो पांजा ने उत्तर दिया, "वह एक साहसी योद्धा है, और दुनिया में बीते लंबे समय में देखे गए सबसे अच्छे और सबसे मजबूत योद्धाओं में से एक है।"
"नाइट-एडवेंचरर क्या होता है?" उस युवती ने पूछा।
"क्या तुम दुनिया में इतनी नई हो कि तुम्हें कुछ पता ही नहीं?" सांचो पांजा ने उत्तर दिया। "तो फिर, बहन, तुम्हें पता होना चाहिए कि एक साहसी योद्धा वह होता है जिसे दो शब्दों में कहा जा सकता है - एक तो बुरी तरह पिटा हुआ और दूसरा सम्राट। यानी आज वह दुनिया का सबसे दयनीय और जरूरतमंद प्राणी है, और कल उसके पास अपने सहायक को देने के लिए दो-तीन राज्यों के ताज होंगे।"
"तो फिर ऐसा कैसे हो सकता है," मेज़बान ने कहा, "कि इतने अच्छे मालिक के होते हुए भी, देखने में तो ऐसा लगता है कि आपके पास एक काउंटी तक नहीं है?" "अभी बहुत जल्दी है," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि हमें रोमांच की तलाश में निकले हुए अभी केवल एक महीना ही हुआ है, और अब तक हमें ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिसे रोमांच कहा जा सके, क्योंकि अक्सर ऐसा होता है कि जब एक चीज़ की तलाश की जाती है तो दूसरी चीज़ मिल जाती है; हालाँकि, अगर मेरे स्वामी डॉन

क्विक्सोट इस घाव से ठीक हो जाते हैं, या गिर जाते हैं, और मुझे कोई नुकसान नहीं होता है, तो मैं स्पेन में सर्वश्रेष्ठ उपाधि पाने की अपनी उम्मीदों को नहीं बदलूंगा।"
डॉन क्विक्सोट यह सारी बातचीत बड़े ध्यान से सुन रहा था, और बिस्तर पर जितना हो सके सीधा बैठा हुआ था। उसने मेज़बान का हाथ पकड़कर उससे कहा, "मानो, प्यारी महिला, तुम खुद को भाग्यशाली समझ सकती हो कि तुम्हारे इस महल में मुझे शरण मिली है। मेरा महल इतना महान है कि अगर मैं खुद इसकी प्रशंसा न करूं, तो इसका कारण यह है कि आम तौर पर कहा जाता है कि आत्म-प्रशंसा से मानहानि होती है; लेकिन मेरा सेवक तुम्हें बताएगा कि मैं कौन हूं। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि तुमने मेरी जो सेवा की है, उसे मैं हमेशा अपनी स्मृति में संजो कर रखूंगा ताकि जीवन भर तुम्हारा आभार व्यक्त कर सकूं; और काश, प्रेम मुझे इतना वश में न रखता और न ही उस कृतघ्न स्त्री की निगाहों का गुलाम, जिसका नाम मैं मुंह ज़बानी ले रहा हूं, बल्कि इस प्यारी युवती की निगाहें ही मेरी स्वतंत्रता की स्वामी होतीं।"
मेज़बान, उसकी बेटी और सम्मानित मैरिटोर्न्स ने शूरवीर के शब्दों को हैरानी से सुना; क्योंकि वे उनके शब्दों को उतना ही समझ पा रहे थे मानो वह यूनानी भाषा बोल रहा हो, हालाँकि वे समझ गए थे कि ये सभी बातें सद्भावना और खुशामद के भाव व्यक्त करने के लिए कही गई थीं; और इस तरह की भाषा से अपरिचित होने के कारण, वे उसे घूरते रहे और मन ही मन आश्चर्यचकित होते रहे, क्योंकि वह उन्हें उन लोगों से अलग तरह का व्यक्ति लग रहा था जिनसे वे परिचित थे, और उसकी शिष्टता के लिए उसे धन्यवाद देते हुए वे उसे छोड़कर चले गए, जबकि एस्टूरियन महिला ने सांचो पर ध्यान दिया, जिसे अपने स्वामी से कम इसकी आवश्यकता नहीं थी।
उस रात उस संदेशवाहक ने उसके साथ मनोरंजन का इंतज़ाम किया था, और उसने उसे वचन दिया था कि जब मेहमान शांत हो जाएँगे और परिवार सो जाएगा, तो वह उसे ढूँढ़ने आएगी और उसकी हर इच्छा पूरी करेगी। और इस नेक लड़की के बारे में कहा जाता है कि वह इस तरह के वादे कभी भी अधूरे नहीं छोड़ती थी, चाहे वह जंगल में ही क्यों न करे और वहाँ कोई गवाह मौजूद न हो, क्योंकि वह खुद को एक सभ्य महिला मानती थी और सराय में नौकरानी का काम करने में उसे कोई शर्म नहीं आती थी, क्योंकि उसका कहना था कि दुर्भाग्य और बदकिस्मती ने उसे इस स्थिति में पहुँचाया था। तारों से जगमगाते इस अस्तबल के बीचोंबीच डॉन

क्विक्सोट का कठोर, संकरा, जर्जर और खस्ताहाल बिस्तर था, और उसके ठीक बगल में सांचो ने अपना बिस्तर बनाया था, जो केवल सरकंडे की चटाई और एक कंबल से बना था, जो ऊन के बजाय फटे-पुराने कैनवास का बना हुआ लगता था। इन दोनों पलंगों के बगल में माल ढोने वाले का पलंग था, जो जैसा कि बताया गया है, उसके पास मौजूद दो सबसे अच्छे खच्चरों की काठी और सभी साजो-सामान से बना था, हालाँकि उसके पास बारह खच्चर थे, जो चिकने, मोटे और उत्तम स्थिति में थे, क्योंकि वह अरेवालो के धनी माल ढोने वालों में से एक था, इस इतिहास के लेखक के अनुसार, जिन्होंने इस माल ढोने वाले का विशेष रूप से उल्लेख किया है क्योंकि वे उसे बहुत अच्छी तरह जानते थे, और यहाँ तक कि वे कहते हैं कि वह किसी हद तक उसका रिश्तेदार भी था; इसके अलावा, सिदे हामेट बेनेनगेली एक गहन शोध और हर चीज में सटीकता के लिए जाने जाने वाले इतिहासकार थे, जैसा कि इस बात से स्पष्ट है कि वे पहले से उल्लिखित बातों को, चाहे वे कितनी भी तुच्छ और महत्वहीन क्यों न हों, अनदेखा नहीं करते थे। यह उन गंभीर इतिहासकारों के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है जो घटनाओं का वर्णन इतने संक्षिप्त और सारगर्भित तरीके से करते हैं कि हमें उनका जरा सा भी अंदाजा नहीं होता, लापरवाही, कुटिलता या अज्ञानता के कारण काम का सार स्याही में ही रह जाता है। "टैबलेंटे डे रिकामोंटे" के लेखक और उस दूसरी पुस्तक के लेखक को हज़ार आशीर्वाद, जिसमें कोंडे टोमिलास के कारनामों का वर्णन किया गया है; उन्होंने हर चीज़ का कितनी बारीकी से वर्णन किया है!
तो चलिए आगे बढ़ते हैं: अपने दल से मिलने और उन्हें दूसरा भोजन देने के बाद, मालवाहक अपने सामान ढोने वाली काठी पर लेट गया और अपने कर्तव्यनिष्ठ मालवाहकों का इंतज़ार करने लगा। इस समय तक सांचो बुरी तरह थक चुका था और लेट गया था, और हालाँकि वह सोने की कोशिश कर रहा था, पसलियों के दर्द ने उसे सोने नहीं दिया, जबकि डॉन क्विक्सोट अपनी पसलियों के दर्द से खरगोश की तरह आँखें फाड़कर देख रहा था।
सराय में सन्नाटा पसरा हुआ था, और प्रवेश द्वार के बीचोंबीच जलती हुई लालटेन के अलावा कहीं कोई रोशनी नहीं थी। इस विचित्र सन्नाटे और हमारे योद्धा के मन में हमेशा मौजूद रहने वाले उन विचारों, जो उसकी बदकिस्मती का कारण बनने वाली किताबों में हर मोड़ पर वर्णित घटनाओं से संबंधित थे, ने उसकी कल्पना में एक ऐसा असाधारण भ्रम पैदा कर दिया, जिसकी कल्पना करना भी मुश्किल था। वह भ्रम यह था कि वह खुद को एक प्रसिद्ध महल में पहुँचा हुआ

समझ रहा था (क्योंकि जैसा कि कहा गया है, जिन सभी सरायों में वह ठहरा था, वे उसकी नज़र में महल ही थे), और यह कि सराय मालिक की बेटी महल के स्वामी की बेटी थी, और वह उसके उच्च वर्गीय व्यवहार से प्रभावित होकर उससे प्रेम करने लगी थी, और उसने अपने माता-पिता को बिना बताए उस रात कुछ देर के लिए उसके साथ सोने का वादा किया था; और अपनी इस सारी कल्पना को ठोस तथ्य मानकर, वह बेचैन होने लगा और अपने सद्गुण के सामने आने वाले खतरनाक जोखिम पर विचार करने लगा, और उसने अपने मन में यह संकल्प कर लिया कि वह अपनी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो के प्रति कोई विश्वासघात नहीं करेगा, भले ही रानी गुइनवेरे और महिला क्विंटानोना उसके सामने उपस्थित हो जाएं।
जब वह इन विचारों में मग्न था, तभी एस्टूरियन के आने का समय और घड़ी आ गई— जो उसके लिए अशुभ थी। वह अपनी कमीज़ पहने, नंगे पैर और बालों को एक खास तरह से बांधे हुए, चुपचाप और सावधानी से कदमों से उस कमरे में दाखिल हुई जहाँ तीनों ठहरे हुए थे, वह सामान ढोने वाले की तलाश में थी। लेकिन जैसे ही वह दरवाजे तक पहुँची, डॉन क्विक्सोट ने उसे देख लिया और अपने प्लास्टर लगे हाथों और पसलियों के दर्द के बावजूद बिस्तर पर बैठ गया और अपनी सुंदर प्रेमिका को गले लगाने के लिए अपनी बाहें फैला दीं। एस्टूरियन, जो अपने प्रेमी के लिए तड़पते हुए चुपचाप और हाथों को आगे करके दुबकी हुई थी, डॉन क्विक्सोट की बाहों में आ गई। डॉन क्विक्सोट ने उसकी कलाई कसकर पकड़ ली और उसे अपनी ओर खींचते हुए, जब वह एक शब्द भी बोलने की हिम्मत नहीं कर रही थी, उसे बिस्तर पर बिठा दिया। फिर उसने उसके लबादे को छुआ, और यद्यपि वह बोरी के कपड़े का बना था, फिर भी उसे वह उत्तम और कोमल रेशम का प्रतीत हुआ: उसकी कलाई पर कुछ कांच के मोती थे, लेकिन उसे वे कीमती पूर्वी मोतियों की तरह चमक रहे थे: उसके बाल, जो कुछ हद तक घोड़े की अयाल से मिलते-जुलते थे, उसे अरब के सबसे चमकीले सोने के धागों के समान लगे, जिनकी चमक सूरज को भी फीकी कर देती थी: उसकी सांस, जिसमें निस्संदेह कल के बासी सलाद की गंध आ रही थी, उसे उसके मुंह से एक मीठी सुगंध बिखेरती हुई प्रतीत हुई; और संक्षेप में, उसने अपनी कल्पना में उसका चित्र उसी रूप-रंग और उसी शैली में बनाया जैसा उसने अपनी पुस्तकों में अन्य राजकुमारियों का देखा था, जो प्रेम में डूबी हुई, यहाँ वर्णित सभी अलंकरणों के साथ, बुरी तरह घायल शूरवीर को देखने आई थीं; और बेचारे सज्जन की अंधापन इतना गहरा था कि न स्पर्श, न गंध, न ही उस सुंदर युवती के बारे में कुछ और जो किसी को भी उल्टी करवा देता, उसे धोखा

देने के लिए पर्याप्त नहीं था। इसके विपरीत, उसे पूरा विश्वास था कि सौंदर्य की देवी उसकी बाहों में है, और उसे मजबूती से अपनी बाहों में थामे हुए उसने धीमी, कोमल आवाज में कहा:
"हे सुंदर और परम पूजनीय महिला, काश मैं उस कृपा का प्रतिफल दे पाता जो आपने अपनी अपार सुंदरता से मुझे प्रदान की है; परन्तु भाग्य, जो कभी अच्छे लोगों का पीछा करने से नहीं थकता, ने मुझे इस बिस्तर पर लाद दिया है, जहाँ मैं इतना घायल और टूटा हुआ हूँ कि यद्यपि मेरी इच्छा आपकी इच्छा का पालन करने की प्रबल है, फिर भी यह असंभव है; इसके अलावा, इस असंभवता में एक और भी बड़ी असंभवता जुड़ जाती है, जो कि मेरी उस प्रतिज्ञा का उत्तरदायित्व है जो मैंने अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो को दी है, जो मेरे सबसे गुप्त विचारों की एकमात्र स्वामिनी हैं; और यदि यह बाधा न होती तो मैं इतना असंवेदनशील योद्धा न होता कि आपकी महान कृपा से प्राप्त इस सुखद अवसर को खो देता।"
डॉन क्विक्सोट द्वारा बुरी तरह जकड़े जाने पर मैरिटोर्न्स बेचैन और पसीने से तरबतर हो रही थी। वह उसकी बातों को न समझ पा रही थी और न ही उन पर ध्यान दे रही थी। बिना कुछ बोले ही वह खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रही थी। वह नेक सेवक, जिसके मन में बुरे विचार आ रहे थे, जैसे ही उसने अपनी प्रेमिका को दरवाजे से अंदर आते देखा, डॉन क्विक्सोट की हर बात ध्यान से सुन रहा था। उसे इस बात से जलन हो रही थी कि एस्टूरियन ने किसी और के लिए उससे किया वादा तोड़ दिया है। वह डॉन क्विक्सोट के बिस्तर के पास आया और यह देखने के लिए वहीं खड़ा हो गया कि इस बेतुकी बातचीत का क्या नतीजा निकलेगा। लेकिन जब उसने देखा कि वह लड़की खुद को छुड़ाने के लिए संघर्ष कर रही है और डॉन क्विक्सोट उसे पकड़े रखने की कोशिश कर रहा है, तो उसे यह मज़ाक अच्छा नहीं लगा। उसने अपना हाथ उठाया और उस कामुक योद्धा के पतले जबड़े पर ऐसा ज़ोरदार घूंसा मारा कि उसका पूरा मुंह खून से लथपथ हो गया। इतने से भी संतुष्ट न होकर वह उसकी पसलियों पर चढ़ गया और अपने पैरों से उन्हें सरपट दौड़ते हुए कुचलने लगा। बिस्तर, जो कुछ हद तक ढीला और अस्थिर था, भारवाहक का अतिरिक्त भार सहन करने में असमर्थ था और ज़मीन पर गिर गया। इस ज़ोरदार आवाज़ से सराय का मालिक जाग गया और उसने तुरंत अनुमान लगाया कि यह मारिटोर्न्स परिवार का कोई झगड़ा होगा, क्योंकि उसे ज़ोर से पुकारने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इसी संदेह के साथ वह उठा और दीपक जलाकर उस तरफ भागा

जहाँ से शोर सुनाई दिया था। नौकरानी ने अपने मालिक को आते देख और उसके भयानक स्वभाव को जानते हुए, भयभीत और घबराई हुई सांचो पांज़ा के बिस्तर की ओर दौड़ी, जो अभी भी सो रहा था, और उस पर दुबक कर बैठ गई।
सराय मालिक चिल्लाते हुए अंदर आया, "तू कहाँ है, वेश्या? यह तो तेरे ही कर्मों का फल है।" यह सुनकर सांचो जाग गया, और अपने ऊपर इस भारी वस्तु को महसूस करते हुए उसे लगा जैसे वह कोई बुरा सपना देख रहा हो और उसने चारों ओर मुक्केबाजी शुरू कर दी, जिसमें से कुछ मारिटोर्न्स पर भी पड़ी। दर्द से चिढ़कर और शर्म को दरकिनार करते हुए, मारिटोर्न्स ने सांचो को इतने मुक्के मारे कि वह अनजाने में जाग गया। फिर, यह जानकर कि उसके साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, और जिसे वह नहीं जानता था, सांचो जैसे-तैसे उठ खड़ा हुआ, मारिटोर्न्स से भिड़ गया, और उन दोनों के बीच दुनिया की सबसे भयंकर और हास्यास्पद लड़ाई शुरू हो गई। हालांकि, सराय मालिक की मोमबत्ती की रोशनी में संदेशवाहक ने अपनी प्रेमिका की हालत देखकर, डॉन क्विक्सोट को छोड़कर, उसकी मदद के लिए दौड़ पड़ा; और सराय मालिक ने भी ऐसा ही किया, लेकिन उसका इरादा अलग था, क्योंकि उसका इरादा उस लड़की को दंडित करना था, क्योंकि वह मानता था कि इस सारी गड़बड़ी की वजह निःसंदेह वही थी। और इसलिए, जैसा कि कहावत है, बिल्ली चूहे को, चूहा रस्सी को, रस्सी डंडे को, ढोने वाले ने सांचो को, सांचो ने लड़की को, लड़की ने उसे और सराय मालिक ने उसे बुरी तरह पीटा, और सभी इतनी तेज़ी से काम करते रहे कि उन्हें एक पल का भी आराम नहीं मिला; और सबसे बुरी बात यह थी कि सराय मालिक का दीपक बुझ गया, और अंधेरे में रह जाने के कारण वे सभी एक दूसरे पर इतनी बेरहमी से गिर पड़े कि रोशनी के लिए हाथ डालने की भी कोई जगह नहीं बची थी।
उस रात सराय में एक दरबारी ठहरा हुआ था, जो टोलेडो के पुराने पवित्र भाईचारे का सदस्य था। उसने भी संघर्ष का असाधारण शोर सुनकर अपनी लाठी और वारंटों से भरा टिन का बक्सा उठाया और अंधेरे में कमरे में घुसते हुए चिल्लाया: "रुको! न्यायक्षेत्र के नाम पर! रुको! पवित्र भाईचारे के नाम पर!"
सबसे पहले उसकी नज़र डॉन क्विक्सोट पर पड़ी, जो बुरी तरह पिटा हुआ था और अपने टूटे-फूटे पलंग पर पीठ के बल बेसुध पड़ा था। उसने अपना हाथ दाढ़ी पर फेरते हुए लगातार पुकारा, "न्यायपालिका की मदद करो!" लेकिन यह देखकर कि जिसे उसने पकड़ा था वह हिल नहीं रहा था, उसने निष्कर्ष निकाला कि वह मर

चुका है और कमरे में मौजूद लोग ही उसके हत्यारे हैं। इस संदेह के साथ उसने अपनी आवाज़ और ऊँची कर दी और चिल्लाया, "सराय का द्वार बंद करो; ध्यान रखो कि कोई बाहर न जाए; यहाँ एक आदमी की हत्या कर दी गई है!" इस चीख से वे सब चौंक गए और जैसे ही आवाज़ उन तक पहुँची, सबने अपना संघर्ष छोड़ दिया। सराय का मालिक अपने कमरे में चला गया, कर्मचारी अपने सामान ढोने वाले घोड़ों की ओर, लड़की अपने पालने की ओर; केवल अभागा डॉन क्विक्सोट और सांचो ही अपनी जगह से हिल नहीं पा रहे थे। इस पर क्वाड्रिलेरो ने डॉन क्विक्सोट की दाढ़ी छोड़ दी और अपराधियों को खोजने और पकड़ने के लिए रोशनी की तलाश में बाहर चला गया। लेकिन जब उसे कोई लालटेन नहीं मिली, क्योंकि सराय के मालिक ने अपने कमरे में लौटते समय जानबूझकर लालटेन बुझा दी थी, तो उसे चूल्हे का सहारा लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, जहां काफी समय और परेशानी के बाद उसने दूसरी लालटेन जलाई।

17

अध्याय
इसमें उन अनगिनत मुसीबतों का वर्णन है जो बहादुर डॉन क्विक्सोट और उसके अच्छे साथी सांचो पांजा ने उस सराय में झेलीं, जिसे उसने दुर्भाग्यवश एक महल समझ लिया था।
इस समय तक डॉन क्विक्सोट बेहोशी से उबर चुके थे; और जिस स्वर में उन्होंने एक दिन पहले अपने साथी को पुकारा था जब वह "खंभों की घाटी" में पड़ा था, उसी स्वर में अब वे उसे पुकारने लगे, "सांचो, मेरे मित्र, क्या तुम सो रहे हो? क्या तुम सो रहे हो, मित्र सांचो?"
"मैं कैसे सो सकता हूँ, धिक्कार है इस पर!" सांचो ने असंतुष्ट और कड़वाहट भरे स्वर में उत्तर दिया, "जब यह स्पष्ट है कि आज रात सारे शैतान मुझ पर टूट पड़े हैं?"
"तुम इस बात पर यकीन कर सकते हो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि या तो मुझे बहुत कम ज्ञान है, या यह महल जादुई है, क्योंकि तुम्हें तो पता ही होगा - लेकिन जो बात मैं अब तुम्हें बताने वाला हूँ, उसे तुम्हें मेरी मृत्यु के बाद तक गुप्त रखने की शपथ लेनी होगी।"
"मैं कसम खाता हूँ," सांचो ने जवाब दिया।
डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, "मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि मुझे किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाना पसंद नहीं है।"
"मैं कहता हूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "मैं शपथ लेता हूँ कि आपके जीवन के अंत तक मैं इस बारे में चुप रहूँगा, और ईश्वर करे कि मैं कल इसे प्रकट कर सकूँ।"
"क्या मैंने तुम्हें इतना दुख पहुंचाया है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि तुम मुझे इतनी जल्दी मरा हुआ देखना चाहते हो?"
"ऐसा इसलिए नहीं है," सांचो ने उत्तर दिया, "बल्कि इसलिए कि मुझे चीजों को लंबे समय तक रखना पसंद नहीं है, और मैं नहीं चाहता कि वे ज्यादा समय तक रखने से मेरे साथ सड़ जाएं।"
“खैर,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मुझे तुम्हारे स्नेह और अच्छे स्वभाव पर पूरा भरोसा है; इसलिए मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ कि आज रात मेरे साथ एक ऐसा विचित्र वाकया हुआ जिसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता। संक्षेप

में बताऊँ तो तुम्हें यह जानना होगा कि कुछ देर पहले इस महल के स्वामी की पुत्री मेरे पास आई, और वह दुनिया की सबसे सुंदर और आकर्षक कन्या है। मैं तुम्हें उसके व्यक्तित्व के आकर्षण, उसकी तीक्ष्ण बुद्धि, और अन्य गुप्त बातों के बारे में क्या बताऊँ, जिन्हें मैं अपनी स्वामिनी डुलसीनिया डेल टोबोसो के प्रति अपनी वफादारी बनाए रखने के लिए चुपचाप और अनसुना ही करूँगा! मैं तुम्हें बस इतना ही बताऊँगा कि या तो भाग्य को मेरे हाथों में मिले इस महान वरदान से ईर्ष्या हुई, या शायद (और यह अधिक संभावित है) जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, यह महल जादुई था, और जिस समय मैं उसके साथ मधुर और प्रेमपूर्ण बातचीत में मग्न था, अचानक, बिना मेरी जानकारी के, कोई आ गया। वह आया, किसी विशालकाय दानव की भुजा से जुड़ा एक हाथ, जिसने मेरे जबड़ों पर ऐसा प्रहार किया कि वे खून से लथपथ हो गए, और फिर मुझे इस तरह पीटा कि मेरी हालत कल से भी बदतर है, जब रोसिनांटे के दुर्व्यवहार के कारण मालवाहकों ने हमें वह चोट पहुंचाई जिसके बारे में तुम जानते हो; जिससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इस युवती की सुंदरता के खजाने की रक्षा कोई जादुई मूर कर रहा है, और यह मेरे लिए नहीं है।
“मेरे लिए भी नहीं,” सांचो ने कहा, “क्योंकि चार सौ से अधिक मूरों ने मुझे इतना पीटा है कि सूली पर चढ़ाने की मार उसके सामने कुछ भी नहीं थी। लेकिन बताइए, महाराज, इस अद्भुत और अनोखे साहसिक कार्य को आप क्या कहेंगे जिसने हमें इस हालत में छोड़ दिया है? हालाँकि आपकी हालत इतनी बुरी नहीं थी, क्योंकि आपकी बाहों में वह अतुलनीय सुंदरता थी जिसका आपने जिक्र किया था; लेकिन मेरे पास क्या था, सिवाय उन सबसे ज़ोरदार मारों के जो मुझे लगता है कि मैंने अपने पूरे जीवन में खाई हैं? बदकिस्मत मैं और मेरी माँ, जिसने मुझे जन्म दिया! क्योंकि मैं कोई वीर योद्धा नहीं हूँ और न ही कभी बनना चाहता हूँ, और सारी विपत्तियों में से अधिकांश मेरे हिस्से में आती हैं।” "तो क्या तुम्हारी भी पिटाई हुई है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"क्या मैंने ऐसा नहीं कहा था? मेरी टीम के लिए बदकिस्मती!" सांचो ने कहा। "दुखी मत हो, मित्र," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं अभी वह अनमोल मरहम बनाऊंगा जिससे हम पलक झपकते ही ठीक हो जाएंगे।"
तब तक क्वाड्रिलेरो दीपक जलाने में सफल हो चुका था और उस आदमी को देखने आया जिसे वह मरा हुआ समझ रहा था; और जैसे ही सांचो ने उसे दरवाजे पर देखा, उसे कमीज में, सिर पर कपड़ा, हाथ में दीपक और बेहद डरावने चेहरे के साथ आते हुए

देखकर, उसने अपने स्वामी से कहा, "महोदय, क्या यह वही जादू किया हुआ मूर है जो स्याही की बोतल में कुछ बचा होने पर हमें और दंड देने वापस आया है?"
"यह मूर नहीं हो सकता," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि जादू के प्रभाव में रहने वाले लोग खुद को किसी को भी देखने नहीं देते।"
"अगर वे खुद को प्रकट नहीं होने देते, तो वे खुद को महसूस होने देते हैं," सांचो ने कहा; "अगर ऐसा नहीं है, तो मेरे कंधे ही सब कुछ बयां कर देंगे।" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मेरा भी बोल सकता है, लेकिन यह मानने का पर्याप्त कारण नहीं है कि हम जिसे देख रहे हैं वह जादुई मूर है।"
अधिकारी वहाँ आया और उन्हें इतनी शांतिपूर्ण बातचीत में मग्न देखकर आश्चर्यचकित रह गया; हालाँकि डॉन क्विक्सोट अभी भी पीठ के बल लेटा हुआ था और चोटों और पट्टियों के कारण हिलने में असमर्थ था। अधिकारी ने उसकी ओर मुड़कर कहा, "अच्छा, कैसा चल रहा है, भले आदमी?"
"अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो और अधिक विनम्रता से बोलता," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "क्या इस देश में शूरवीरों को इस तरह संबोधित करने का रिवाज है, मूर्ख?"
एक दयनीय दिखने वाले व्यक्ति द्वारा अपने साथ किए गए इतने अपमानजनक व्यवहार को देखकर, क्वाड्रिलेरो (सैनिक) क्रोधित हो गया और उसने तेल से भरा दीपक उठाकर डॉन क्विक्सोट के सिर पर इतनी ज़ोर से प्रहार किया कि उसका सिर बुरी तरह से फट गया; फिर, चारों ओर अंधेरा छा जाने पर, वह बाहर चला गया, और सांचो पांजा ने कहा, "यह निश्चित रूप से जादुई मूर है, महोदय, और वह खजाना दूसरों के लिए रखता है, और हमारे लिए केवल हथकड़ी और दीपक के वार।" “यही सच है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “और इन जादू-टोने के मामलों के बारे में परेशान होने या उन पर क्रोधित या नाराज़ होने का कोई लाभ नहीं है, क्योंकि वे अदृश्य और काल्पनिक हैं, इसलिए हमें बदला लेने के लिए कोई नहीं मिलेगा, चाहे हम कुछ भी कर लें; उठो, सांचो, यदि तुम कर सकते हो, और इस किले के अल्केड को बुलाओ, और उससे मुझे थोड़ा तेल, शराब, नमक और रोज़मेरी देने के लिए कहो ताकि मैं स्वास्थ्यवर्धक बाम बना सकूँ, क्योंकि वास्तव में मुझे लगता है कि मुझे इसकी बहुत आवश्यकता है, क्योंकि उस प्रेत द्वारा दिए गए घाव से बहुत खून बह रहा है।”
सांचो हड्डियों में असहनीय दर्द के साथ उठा और अंधेरे में सराय मालिक के पीछे गया। वहाँ उसकी मुलाकात उस अधिकारी से हुई जो अपने शत्रु का हाल

जानने के लिए वहाँ आया था। सांचो ने उससे कहा, "महोदय, आप जो भी हों, कृपया हमें थोड़ी सी गुलाब की मिर्च, तेल, नमक और शराब दे दीजिए, क्योंकि इसकी आवश्यकता पृथ्वी के सर्वश्रेष्ठ वीर योद्धाओं में से एक के इलाज के लिए है, जो उस पलंग पर लेटा है और इस सराय में मौजूद जादूगर मूर के हाथों घायल हो गया है।"
जब अधिकारी ने उसे इस तरह बोलते सुना, तो उसने उसे पागल समझा, और चूंकि अब सुबह होने लगी थी, उसने सराय का द्वार खोला और मालिक को बुलाकर बताया कि इस भले आदमी को क्या चाहिए। मालिक ने उसे वह चीज़ दी जो उसे चाहिए थी, और सांचो उसे डॉन क्विक्सोट के पास ले गया, जो अपने सिर पर हाथ रखे, दीपक की चोट के दर्द पर विलाप कर रहा था, जिससे उसे केवल दो बड़े उभार ही हुए थे, और जिसे वह खून समझ रहा था वह केवल पिछली आंधी के दौरान उसके कष्टों से निकला पसीना था। संक्षेप में, उसने सामग्री ली, और उनसे एक मिश्रण बनाया, उन्हें अच्छी तरह मिलाया और तब तक उबाला जब तक उसे लगा कि वह पूरी तरह से तैयार हो गया है। फिर उसने उसे डालने के लिए एक शीशी मांगी, और चूंकि सराय में कोई शीशी नहीं थी, उसने उसे एक टिन की तेल की बोतल या फ्लास्क में डालने का फैसला किया जो मालिक ने उसे मुफ्त में दी थी; और बोतल के ऊपर उसने अस्सी से अधिक पैटरनोस्टर और उतनी ही संख्या में एवे-मारिया, साल्वे और क्रेडो दोहराए, प्रत्येक शब्द के साथ आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में एक क्रॉस बनाया, और इन सभी के समय सांचो, सराय का मालिक और कुआड्रिलेरो उपस्थित थे; क्योंकि वाहक अब शांतिपूर्वक अपने खच्चरों के आराम का ध्यान रखने में लगा हुआ था।
यह सब हो जाने पर, वह स्वयं इस बहुमूल्य मरहम के गुणों को परखने के लिए उत्सुक हुआ, जैसा कि वह मानता था। इसलिए उसने लगभग एक चौथाई लीटर मरहम पी लिया, जो बोतल में नहीं समा सका और सूअर की खाल में ही रह गया था जिसमें इसे उबाला गया था। लेकिन पीते-पीते ही उसे इतनी उल्टी होने लगी कि उसके पेट में कुछ भी नहीं बचा। उल्टी के दर्द और ऐंठन से उसे बहुत पसीना आने लगा, जिसके कारण उसने उन्हें उसे ढकने और अकेला छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने ऐसा ही किया, और वह तीन घंटे से अधिक समय तक सोता रहा। जब वह जागा तो उसे शरीर में बहुत आराम मिला और चोटों से इतनी राहत मिली कि उसने खुद को पूरी तरह ठीक समझा और उसे पूरा विश्वास हो गया कि उसे फिएराब्रास का मरहम मिल गया है; और

देखते रहे; सराय मालिक की बेटी भी उसे देख रही थी, और वह भी उससे अपनी निगाहें नहीं हटा रहा था, और समय-समय पर आहें भरता हुआ प्रतीत होता था जैसे वह अपने अंतर्मन की गहराई से आहें भर रहा हो; लेकिन सभी ने सोचा कि यह उसकी पसलियों में हो रहे दर्द के कारण होगा; कम से कम जिन्होंने उसे पिछली रात नशे में देखा था, वे तो यही सोचते थे।
जैसे ही वे दोनों घोड़ों पर सवार हुए, सराय के द्वार पर पहुँचकर उन्होंने स्वामी को पुकारा और अत्यंत गंभीर और संयमित स्वर में कहा, "हे महोदय अल्केड, आपके इस महल में मुझे अनेक उपकार प्राप्त हुए हैं, और मैं जीवन भर आपका आभारी रहूँगा; यदि मैं किसी अहंकारी शत्रु से बदला लेकर आपका उपकार कर सकूँ, जिसने आपके साथ अन्याय किया हो, तो जान लीजिए कि मेरा उद्देश्य दुर्बलों की सहायता करना, अन्याय का बदला लेना और विश्वासघात को दंडित करना है। अपने स्मरण में खोजिए, और यदि आपको इस प्रकार की कोई घटना याद आए, तो बस मुझे बता दीजिए, और मैं आपको प्राप्त शूरवीरता की उपाधि की शपथ से वचन देता हूँ कि मैं आपकी इच्छा के अनुसार आपको पूर्ण संतुष्टि और क्षतिपूर्ति दिलाऊँगा।"
सराय मालिक ने उतनी ही शांति से उत्तर दिया, "महाराज नाइट, मैं आपसे किसी भी अन्याय का बदला नहीं लेना चाहता, क्योंकि अगर मेरे साथ कोई अन्याय होता है तो मैं अपनी मर्जी से बदला ले सकता हूँ; मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप मुझे कल रात सराय में हुए नुकसान का पूरा भुगतान कर दें, जिसमें आपके दो जानवरों के लिए भूसा और जौ, साथ ही भोजन और बिस्तर का खर्च भी शामिल है।" "तो क्या यह एक सराय है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"और एक बहुत ही सम्मानित व्यक्ति," सराय मालिक ने कहा।
"मैं इतने समय से गलतफहमी में था," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि वास्तव में मैंने इसे एक किला समझा था, और वह भी अच्छा किला; लेकिन चूंकि यह किला नहीं बल्कि एक सराय है, इसलिए अब केवल यही किया जा सकता है कि आप भुगतान माफ कर दें, क्योंकि मैं घुमंतू शूरवीरों के नियम का उल्लंघन नहीं कर सकता, जिनके बारे में मुझे यह तथ्य पता है (और अब तक मैंने इसके विपरीत कुछ भी नहीं पढ़ा है) कि वे जिस भी सराय में ठहरते हैं, वहां ठहरने या किसी अन्य चीज के लिए कभी भुगतान नहीं करते; क्योंकि उन्हें दी जाने वाली कोई भी मेहमाननवाजी कानून और अधिकार के अनुसार उनका हक है, उस असहनीय परिश्रम के बदले जो वे दिन-रात, गर्मी-गर्मी में, पैदल और घोड़े पर सवार होकर, भूख-

प्यास, ठंड-गर्मी में, आकाश की सभी प्रतिकूलताओं और पृथ्वी की सभी कठिनाइयों का सामना करते हुए रोमांच की तलाश में करते हैं।"
"मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है," सराय मालिक ने उत्तर दिया; "मुझे मेरा बकाया चुका दो, और शिष्टाचार की बातें बंद करो, क्योंकि मुझे सिर्फ अपना पैसा चाहिए।"
"तुम एक मूर्ख, नीच सराय मालिक हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, और रोसिनांटे को एड़ी मारकर और अपने भाले को ढलान पर लाकर, किसी के रोकने से पहले ही वह सराय से बाहर निकल गया, और यह देखे बिना कुछ दूर तक आगे बढ़ गया कि उसका सहायक उसका पीछा कर रहा है या नहीं।
जब सराय मालिक ने उसे बिना भुगतान किए जाते देखा, तो वह सांचो से भुगतान लेने के लिए दौड़ा। सांचो ने कहा कि जब उसका स्वामी भुगतान नहीं करता, तो वह भी नहीं करेगा, क्योंकि वह एक वीर योद्धा का सहायक था, इसलिए सराय और होटलों में भुगतान न करने का वही नियम उस पर भी लागू होता था जो उसके स्वामी पर लागू होता था। यह सुनकर सराय मालिक बहुत क्रोधित हुआ और धमकी दी कि यदि उसने भुगतान नहीं किया, तो वह उसे ऐसे तरीके से मजबूर करेगा जो उसे पसंद नहीं आएगा। इस पर सांचो ने उत्तर दिया कि उसके स्वामी द्वारा प्राप्त वीरता के नियम के अनुसार, वह एक पैसा भी नहीं देगा, चाहे इसके लिए उसे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े; क्योंकि वह वीर योद्धाओं के उत्तम और प्राचीन रीति-रिवाज का उल्लंघन नहीं करने वाला था, और न ही भविष्य में आने वाले वीर योद्धाओं को कभी उसकी शिकायत करनी चाहिए या उसे इस न्यायसंगत विशेषाधिकार को तोड़ने के लिए दोषी ठहराना चाहिए।
दुर्भाग्यशाली सांचो की बदकिस्मती ने ऐसा माहौल बना दिया कि सराय में ठहरे लोगों में सेगोविया के चार ऊन कातने वाले, कॉर्डोवा के कोल्ट से तीन सुई-कारीगर और सेविले मेले से दो किराएदार शामिल थे। ये सभी हंसमुख, कोमल हृदय वाले, मजाक पसंद करने वाले और चंचल स्वभाव के थे। मानो एक ही भावना से प्रेरित होकर, वे सांचो के पास गए और उसे उसके गधे से नीचे उतार दिया। उनमें से एक मेजबान के बिस्तर का कंबल लेने चला गया; लेकिन जैसे ही उन्होंने उसे कंबल में फेंका, उन्होंने ऊपर देखा और पाया कि छत उनके काम के लिए आवश्यक ऊंचाई से कुछ कम थी। इसलिए उन्होंने खुले आंगन में जाने का फैसला किया, जो आकाश से घिरा हुआ था, और वहां सांचो को कंबल के बीच में

रखकर, उसे ऊपर उठाने लगे, मानो वे श्रोवटाइड के दौरान किसी कुत्ते के साथ खेल रहे हों।
कंबल ओढ़े बेचारे की चीखें इतनी तेज़ थीं कि उसके मालिक के कानों तक पहुँच गईं। मालिक ध्यान से सुनने के लिए रुका और उसे लगा कि कोई नया रोमांच आने वाला है, लेकिन तभी उसे स्पष्ट रूप से पता चला कि ये चीखें उसके सहायक की थीं। वह मुड़कर बड़ी मुश्किल से सराय तक पहुँचा और उसे बंद पाकर अंदर जाने का रास्ता खोजने लगा; लेकिन जैसे ही वह आंगन की दीवार के पास पहुँचा, जो बहुत ऊँची नहीं थी, उसने अपने सहायक के साथ खेले जा रहे खेल को देख लिया। उसने उसे इतनी फुर्ती और कुशलता से हवा में उछलते-कूदते देखा कि अगर उसका गुस्सा उसे इजाज़त देता, तो मेरा मानना है कि वह हँस पड़ता। उसने अपने घोड़े से उतरकर दीवार के ऊपर चढ़ने की कोशिश की, लेकिन वह इतना घायल और जख्मी था कि घोड़े से उतर भी नहीं सका। और इसलिए अपने घोड़े की पीठ से ही वह सांचो को कंबल ओढ़ाने वालों के विरुद्ध इतनी गालियाँ और अपशब्द बोलने लगा कि उन्हें ठीक-ठीक लिखना असंभव था: फिर भी, उन्होंने न तो अपनी हँसी रोकी और न ही अपना काम, और न ही भागता हुआ सांचो अपना विलाप बंद कर पाया, जो कभी धमकियों से, कभी विनतियों से भरा हुआ था, लेकिन सब व्यर्थ था, या बिल्कुल भी नहीं, जब तक कि वे पूरी तरह थककर चुप नहीं हो गए। तब वे उसका गधा लाए, और उसे उस पर बिठाकर उसकी जैकेट उसके चारों ओर लपेट दी; और दयालु मारिटोर्नेस ने उसे इतना थका हुआ देखकर, उसे एक घड़ा पानी पिलाकर तरोताज़ा करना उचित समझा, और यह और भी ठंडा हो इसलिए वह पानी कुएँ से लाई। सांचो ने उसे लिया, और जैसे ही वह उसे अपने मुंह तक ले जा रहा था, उसके गुरु की चीख सुनकर वह रुक गया, "सांचो, मेरे बेटे, पानी मत पियो; इसे मत पियो, मेरे बेटे, क्योंकि यह तुझे मार डालेगा; देखो, मेरे पास यह पवित्र मरहम है (और उसने शराब की बोतल ऊपर उठाई), और इसकी दो बूँदें पीने से तू निश्चित रूप से ठीक हो जाएगा।"
ये शब्द सुनकर सांचो ने अपनी आँखें सिकोड़ीं और और भी ऊँची आवाज़ में बोला, "क्या महाराज यह भूल गए हैं कि मैं कोई शूरवीर नहीं हूँ, या आप चाहते हैं कि मैं पिछली रात के बाद जो कुछ भी बचा है, उसे उल्टी करके निकाल दूँ? शैतानों के नाम पर अपनी शराब अपने पास रखिए और मुझे अकेला छोड़ दीजिए!" और उसी क्षण उसने बोलना बंद कर दिया और पीना शुरू कर दिया; लेकिन पहले घूंट में ही जब उसे पता चला कि यह पानी है, तो उसने आगे पीना नहीं चाहा और मैरिटोर्नेस से

उसके लिए शराब लाने की विनती की, जिसे उसने बड़ी खुशी से लाया और अपने पैसों से भुगतान किया; क्योंकि वास्तव में लोग उसके बारे में कहते हैं कि हालाँकि वह ईसाई धर्म को मानती थी, फिर भी उसमें एक ईसाई की कुछ धुंधली सी झलक थी। जब सांचो ने पीना समाप्त कर लिया, तो उसने अपने गधे पर एड़ी जमाई और सराय का द्वार खुलते ही वह बहुत प्रसन्न होकर बाहर निकल गया क्योंकि उसने कुछ भी भुगतान नहीं किया था और अपना काम कर लिया था, हालाँकि इसके लिए उसे अपने कंधों पर हमेशा की तरह ज़मानत देनी पड़ी थी। यह सच है कि सराय मालिक ने बकाया राशि के भुगतान के रूप में उसके अलफोर्जा (एक तरह का सिक्का) रोक लिया था, लेकिन सांचो इतनी जल्दी में निकला कि उसे उनकी कमी महसूस ही नहीं हुई। सराय मालिक ने उसे विदा करते ही गेट बंद करना चाहा, लेकिन कंबल ओढ़े लोग इसके लिए राज़ी नहीं हुए, क्योंकि वे ऐसे लोग थे जिन्हें डॉन क्विक्सोट की ज़रा भी परवाह नहीं होती, भले ही वह सचमुच राउंड टेबल के वीर योद्धाओं में से एक होता।

18

अध्याय
इसमें सांचो पांजा और उसके गुरु डॉन क्विक्सोट के बीच हुई बातचीत और अन्य उल्लेखनीय घटनाओं का वर्णन है।
सांचो अपने स्वामी के पास इतना कमजोर और बेजान होकर पहुंचा कि वह अपने जानवर को आगे बढ़ाने में असमर्थ था। जब डॉन क्विक्सोट ने उसकी हालत देखी तो उसने कहा, "हे अच्छे सांचो, अब मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि यह महल या सराय निस्संदेह जादुई है, क्योंकि जिन्होंने तुम्हारे साथ इतनी क्रूरता से खिलवाड़ किया है, वे प्रेत या किसी दूसरी दुनिया के प्राणी ही तो हो सकते हैं? और मैं इस बात को इस तथ्य से और पुष्ट करता हूँ कि जब मैं आँगन की दीवार के पास तुम्हारी इस दुखद घटना को देख रहा था, तो मेरे लिए उस पर चढ़ना असंभव था, और न ही मैं रोसिनांटे से उतर सका, क्योंकि उन्होंने निस्संदेह मुझ पर जादू कर दिया था; मैं अपनी आत्मा की कसम खाकर कहता हूँ कि यदि मैं चढ़ने या उतरने में सक्षम होता, तो मैं तुम्हारा ऐसा बदला लेता कि वे शेखीबाज़ चोर अपनी इस हरकत को हमेशा के लिए याद रखते, भले ही ऐसा करने में मैं शूरवीरता के नियमों का उल्लंघन कर रहा था, जो, जैसा कि मैंने तुम्हें कई बार बताया है, किसी शूरवीर को किसी गैर-शून्य पर हाथ उठाने की अनुमति नहीं देते, सिवाय किसी अत्यावश्यक और बड़ी आवश्यकता के, अपने आत्मरक्षा के मामले में।" अपना जीवन और अपना व्यक्तित्व।"
"अगर मैं कर पाता तो मैं भी बदला लेता," सांचो ने कहा, "चाहे मुझे शूरवीर की उपाधि मिली होती या नहीं, लेकिन मैं नहीं कर सका; हालाँकि मुझे पूरा यकीन है कि जो लोग मेरे साथ खेल रहे थे, वे प्रेत या जादू से प्रभावित लोग नहीं थे, जैसा कि महाराज कहते हैं, बल्कि हमारे जैसे ही हाड़-मांस के इंसान थे; और उन सबके नाम थे, क्योंकि जब वे मुझे उछाल रहे थे तो मैंने उन्हें नाम लेते सुना था, एक का नाम पेड्रो मार्टिनेज़ था, दूसरे का टेनोरियो हर्नांडेज़, और मैंने सुना है कि सराय के मालिक का नाम जुआन पालोमेक द लेफ्ट-हैंडेड था; इसलिए, महाराज, आपका आँगन की दीवार फांदकर न कूद पाना या घोड़े से न उतर पाना जादू-टोने के अलावा किसी और कारण से था; और इन सब से मुझे जो स्पष्ट समझ में आता है वह यह है कि ये रोमांच जिनकी हम तलाश में निकले हैं, अंत में हमें ऐसी मुसीबतों में डाल देंगे कि हमें पता ही नहीं

चलेगा कि हमारा दायाँ पैर कौन सा है; और मेरी छोटी सी समझ के अनुसार, सबसे अच्छा और समझदारी भरा काम यही होगा कि हम अब घर लौट जाएँ, क्योंकि अब समय आ गया है। फसल कटाई का समय आ गया है, और हमें अपने काम पर ध्यान देना चाहिए, और ज़ेका से मक्का और बाल्टी से बाल्टी भटकना छोड़ देना चाहिए, जैसा कि कहावत है।"
“सांचो, तुम्हें वीरता के बारे में कितना कम ज्ञान है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “शांत रहो और धैर्य रखो; वह दिन आएगा जब तुम अपनी आँखों से देखोगे कि इस कर्तव्य की पूर्ति के लिए भटकना कितना सम्मानजनक है; बल्कि, मुझे बताओ, दुनिया में इससे बड़ा सुख क्या हो सकता है, या युद्ध जीतने और अपने शत्रु पर विजय प्राप्त करने से बढ़कर और क्या आनंद हो सकता है? निस्संदेह, कोई नहीं।”
"बहुत संभव है," सांचो ने उत्तर दिया, "हालांकि मुझे यह पक्का पता नहीं है; मैं बस इतना जानता हूँ कि जब से हम वीर योद्धा बने हैं, या जब से आप (क्योंकि मुझे खुद को इतने सम्मानित लोगों में से एक मानने का कोई अधिकार नहीं है) बने हैं, हमने बिस्केयन के साथ हुए युद्ध के अलावा कोई युद्ध नहीं जीता है, और उस युद्ध से भी आप आधे कान और आधे हेलमेट के साथ ही लौटे थे; और तब से अब तक बस लाठियों की मार, लाठियों की मार, मुझे हर बार कंबल ओढ़ना, और ऐसे जादुई लोगों से भिड़ना, जिनसे मैं बदला नहीं ले सकता, ताकि मुझे पता चले कि शत्रु को जीतने का आनंद, जैसा कि आप इसे कहते हैं, कैसा होता है।" "यही बात मुझे परेशान करती है, और यही बात तुम्हें भी परेशान करनी चाहिए, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "लेकिन अब से मैं ऐसी तलवार रखने का प्रयास करूंगा जो इतनी कुशलता से बनी हो कि उसे धारण करने वाले पर किसी भी प्रकार का जादू असर न कर सके, और यह भी संभव है कि भाग्य मुझे वह तलवार दिला दे जो अमाडिस की थी जब उसे 'जलती हुई तलवार का योद्धा' कहा जाता था, जो दुनिया के किसी भी योद्धा के पास मौजूद सर्वश्रेष्ठ तलवारों में से एक थी, क्योंकि उक्त गुण के अलावा, वह रेजर की तरह काटती थी, और कोई भी कवच, चाहे वह कितना भी मजबूत और जादुई क्यों न हो, उसका सामना नहीं कर सकता था।" "मेरी किस्मत ही ऐसी है," सांचो ने कहा, "कि अगर ऐसा हुआ भी और महाराज को ऐसी कोई तलवार मिल भी गई, तो वह भी मरहम की तरह, केवल उपाधि प्राप्त शूरवीरों के लिए ही उपयोगी और काम की साबित होगी, और जहाँ तक सहायकों की बात है, वे तो दुख ही सहेंगे।"

"इस बात से मत डरो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा: "स्वर्ग तुम्हारे साथ बेहतर व्यवहार करेगा।"
इसी तरह बातें करते हुए डॉन क्विक्सोट और उसका साथी आगे बढ़ रहे थे, तभी रास्ते में डॉन क्विक्सोट ने धूल का एक बड़ा और घना बादल अपनी ओर आते देखा, जिसे देखकर वह सांचो की ओर मुड़ा और बोला:
"सांचो, यही वह दिन है जिस दिन मेरे भाग्य का वरदान मेरे लिए सुरक्षित रखा गया है; मैं कहता हूँ, यही वह दिन है जिस दिन मेरी भुजाओं की शक्ति का प्रदर्शन होगा, और जिस दिन मैं ऐसे कारनामे करूँगा जो युगों-युगों तक यश की पुस्तक में अंकित रहेंगे। क्या तुम वह धूल का बादल देख रहे हो जो दूर उठ रहा है? तो फिर, वह सब उस विशाल सेना द्वारा मथा जा रहा है जो अनेक और असंख्य राष्ट्रों से मिलकर बनी है और वहाँ आ रही है।"
"उसके अनुसार तो दो होने ही चाहिए," सांचो ने कहा, "क्योंकि इस विपरीत दिशा में भी ठीक ऐसा ही एक और धूल का बादल उठता है।"
डॉन क्विक्सोट ने मुड़कर देखा तो पाया कि यह सच था, और अत्यंत प्रसन्न होकर उसने निष्कर्ष निकाला कि उस विशाल मैदान के बीचोंबीच दो सेनाएँ आपस में भिड़ने वाली थीं; क्योंकि हर समय और हर मौसम में उसकी कल्पना वीरता की किताबों में दर्ज लड़ाइयों, जादू-टोनों, रोमांचों, अजूबों, प्रेम और विद्रोहों से भरी रहती थी, और वह जो कुछ भी कहता, सोचता या करता, उसका संदर्भ इन्हीं चीजों से होता था। अब उसने जो धूल का बादल देखा था, वह भेड़ों के दो बड़े झुंडों के कारण उठा था जो एक ही सड़क पर विपरीत दिशाओं से आ रहे थे, और धूल के कारण पास आने तक दिखाई नहीं दिए, लेकिन डॉन क्विक्सोट ने इतने निश्चित रूप से कहा कि वे सेनाएँ थीं कि सांचो को भी विश्वास हो गया और उसने कहा, "अच्छा, तो अब हम क्या करें, महोदय?"
"क्या?" डॉन क्विक्सोट ने कहा: "कमजोरों और जरूरतमंदों की मदद करो; और तुम्हें यह जानना चाहिए, सांचो, कि जो हमारे सामने से आ रहा है, उसका नेतृत्व महान द्वीप ट्रैपोबाना के स्वामी, शक्तिशाली सम्राट अलिफ़ानफ़ारोन कर रहे हैं; और जो मेरे पीछे चल रहा है, वह उनके शत्रु, गरामंतों के राजा, नंगे हाथ वाले पेंटापोलिन का है, क्योंकि वह हमेशा अपना दाहिना हाथ नंगा रखकर युद्ध में जाता है।"
"लेकिन ये दोनों सरदार आपस में इतने बड़े दुश्मन क्यों हैं?"

"वे एक-दूसरे के शत्रु हैं," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि यह अलिफ़ानफ़ारोन एक क्रूर मूर्तिपूजक है और पेंटापोलिन की बेटी से प्यार करता है, जो एक बहुत ही सुंदर और साथ ही दयालु महिला है, और एक ईसाई है, और उसके पिता उसे मूर्तिपूजक राजा को सौंपने के लिए तैयार नहीं हैं जब तक कि वह पहले अपने झूठे पैगंबर मुहम्मद के धर्म को त्यागकर अपना धर्म न अपना ले।"
"मेरी दाढ़ी की कसम," सांचो ने कहा, "लेकिन पेंटापोलिन बिल्कुल सही कर रहा है, और मैं उसकी यथासंभव मदद करूंगा।"
"इसमें तुम अपना कर्तव्य निभाओगे, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि इस तरह की लड़ाइयों में भाग लेने के लिए शूरवीर की उपाधि प्राप्त करना आवश्यक नहीं है।"
"मैं यह बात अच्छी तरह समझ सकता हूँ," सांचो ने उत्तर दिया; "लेकिन हम इस गधे को कहाँ रखें जहाँ युद्ध समाप्त होने के बाद हम उसे निश्चित रूप से पा सकें? क्योंकि मेरा मानना है कि अब तक इस तरह के जानवर पर सवार होकर युद्ध में जाने का रिवाज नहीं रहा है।"
“यह सच है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और तुम्हारे लिए सबसे अच्छा यही होगा कि उसे उसके हाल पर छोड़ दिया जाए, चाहे वह हारे या न हारे, क्योंकि जब हम विजयी होकर लौटेंगे तो हमारे पास इतने घोड़े होंगे कि रोसिनांटे को भी किसी और से बदलने का खतरा होगा। लेकिन मेरी बात ध्यान से सुनो और गौर करो, क्योंकि मैं तुम्हें इन दोनों सेनाओं के साथ आए प्रमुख योद्धाओं के बारे में कुछ जानकारी देना चाहता हूँ; और ताकि तुम बेहतर ढंग से देख और समझ सको, चलो उस पहाड़ी पर चलते हैं जो दूर दिखाई देती है, जहाँ से दोनों सेनाएँ देखी जा सकती हैं।”
उन्होंने ऐसा ही किया और एक ऊँची जगह पर बैठ गए जहाँ से डॉन क्विक्सोट द्वारा बनाई गई सेनाओं के दो झुंड स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकते थे, यदि उनके द्वारा उठाई गई धूल के बादल उन्हें ढक न लेते और दृष्टि को अवरुद्ध न कर देते; फिर भी, अपनी कल्पना में जो उन्होंने नहीं देखा और जो अस्तित्व में नहीं था, उसे देखते हुए, उन्होंने ऊँची आवाज़ में इस प्रकार बोलना शुरू किया:
"पीले कवच में वह योद्धा जिसे तुम दूर देख रहे हो, जिसकी ढाल पर मुकुटधारी शेर एक युवती के चरणों में बैठा है, वह वीर लौरकाल्को है, जो चांदी के पुल

का स्वामी है; सोने के फूलों से सजे कवच में वह योद्धा, जिसकी ढाल पर नीले रंग के मैदान पर चांदी के तीन मुकुट हैं, वह खूंखार मिकोकोलेम्बो है, जो क्विरोसिया का ग्रैंड ड्यूक है; उसके दाहिनी ओर विशालकाय शरीर वाला वह योद्धा, सदा निडर ब्रैंडाबारबरन डी बोलिचे है, जो तीनों अरबों का स्वामी है, जिसका कवच सर्प की खाल का है और ढाल के रूप में एक द्वार है, जो परंपरा के अनुसार, उस मंदिर के द्वारों में से एक है जिसे सैमसन ने अपनी मृत्यु से अपने शत्रुओं से बदला लेते हुए नष्ट कर दिया था। परन्तु अपनी दृष्टि दूसरी ओर घुमाओ, और तुम इस दूसरी सेना के अग्रभाग में सदा विजयी और कभी पराजित न होने वाले कार्काजोना के टिमोनेल को देखोगे, जो न्यू बिस्के का राजकुमार है, जो कवच में आ रहा है..." उसके शस्त्र नीले, हरे, सफेद और पीले रंग में विभाजित हैं, और उसकी ढाल पर भूरे रंग की पृष्ठभूमि पर एक बिल्ली बनी है जिस पर "म्याउ" लिखा है, जो उसकी महिला के नाम का पहला अक्षर है, जो कथित तौर पर अल्गार्वे के ड्यूक अल्फेनिकेन की अद्वितीय पुत्री म्याउलिना है; दूसरा, जो उस शक्तिशाली घोड़े की कमर को थामे हुए है और बर्फ के समान सफेद शस्त्र और बिना किसी चिह्न वाली ढाल धारण किए हुए है, एक नौसिखिया शूरवीर है, जन्म से फ्रांसीसी, नाम पियरेस पापिन, यूट्रिक की जागीरों का स्वामी; तीसरा, जो लोहे के जूतों वाली एड़ियों से उस फुर्तीले बहुरंगी ज़ेबरा के पार्श्वों पर प्रहार करता है, और नीले रंग के शस्त्र धारण किए हुए है, नेर्बिया का शक्तिशाली ड्यूक, एस्पार्टाफिलार्डो डेल बोस्क है, जिसकी ढाल पर शतावरी का पौधा बना है और उस पर कैस्टिलियन भाषा में "रास्त्रेआ मी सुएर्टे" लिखा है। और इस तरह वह अपनी कल्पना से एक या दूसरे दस्ते के कई शूरवीरों के नाम लेता चला गया, और उन सभी को उसने अनायास ही उनके शस्त्र, रंग, प्रतीक और आदर्श वाक्य सौंप दिए, अपने अभूतपूर्व उन्माद के भ्रम में बहकर; और बिना रुके, उन्होंने आगे कहा, "इस आगे वाली टुकड़ी में विभिन्न राष्ट्रों के लोग हैं; यहाँ वे हैं जो प्रसिद्ध ज़ैंथस के मीठे जल का पान करते हैं, वे हैं जो मैसिलियन के वनों में विचरण करते हैं, वे हैं जो अरब फेलिक्स के शुद्ध सोने को छानते हैं, वे हैं जो क्रिस्टल थर्मोडोन के प्रसिद्ध ठंडे किनारों का आनंद लेते हैं, वे हैं जो सुनहरे पैक्टोलस की धाराओं को अनेक और विविध तरीकों से मोड़ते हैं, नुमिडियन, जो अपने वादों के प्रति विश्वासघाती हैं, तीरंदाजी में प्रसिद्ध फारसी, पार्थियन और मेडियन जो भागते हुए लड़ते हैं, अरब जो हमेशा अपने निवास स्थान बदलते रहते हैं,

सिथियन जो जितने क्रूर हैं उतने ही सुंदर भी हैं, छेदे हुए होंठों वाले इथियोपियाई, और अनगिनत अन्य राष्ट्र जिनके चेहरे मैं पहचानता और देखता हूँ, हालाँकि मुझे उनके नाम याद नहीं हैं। इस दूसरी टुकड़ी में वे हैं जो जैतून से लदे बेटिस की क्रिस्टल धाराओं का पान करते हैं, वे हैं जो सदा समृद्ध और सुनहरे टैगस के जल से अपने चेहरे को चिकना करते हैं, वे हैं जो दिव्य जेनिल के उपजाऊ प्रवाह में आनंदित होते हैं, वे हैं जो..." टार्टेस के हरे-भरे मैदानों में विचरण करने वाले, जेरेज़ के स्वर्गिक मैदानों में आनंद लेने वाले, लाल रंग की बालियों से सजे धनी मांचेगन, लोहे के कवच पहनने वाले, गोथिक वंश के प्राचीन अवशेष, अपनी शांत धारा के लिए प्रसिद्ध पिसुएर्गा नदी में स्नान करने वाले, अपने गुप्त मार्ग के लिए प्रसिद्ध घुमावदार गुआडियाना नदी के फैले हुए चरागाहों में अपने झुंडों को चराने वाले, चीड़ के पेड़ों से ढके पाइरेनीज़ की ठंड या ऊंचे एपेंनाइन पर्वतों की चकाचौंध भरी बर्फ से कांपने वाले; संक्षेप में, उतने ही जितने पूरे यूरोप में समाहित हैं।
हे भगवान! उसने कितने सारे देशों और राष्ट्रों के नाम लिए! हर एक को उसकी उचित विशेषताएँ बड़ी सहजता से दीं; मानो वह अपनी झूठी किताबों में पढ़े ज्ञान से लबालब भरा हुआ था! सांचो पांजा बिना कुछ बोले उसकी बातों को ध्यान से सुनता रहा, और समय-समय पर मुड़कर यह देखने की कोशिश करता रहा कि क्या वह उन शूरवीरों और दानवों को देख पा रहा है जिनका वर्णन उसका गुरु कर रहा था, और जब वह उनमें से किसी को भी नहीं पहचान पाया तो उसने उससे कहा: "महोदय, अगर इस पूरी बात में आपके द्वारा बताए गए किसी भी व्यक्ति, चाहे वह शूरवीर हो या दानव, का कोई भी संकेत मिलता है, तो शायद यह सब जादू-टोना हो, जैसे कल रात के प्रेत।"
"तुम ऐसा कैसे कह सकते हो!" डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "क्या तुम्हें घोड़ों की हिनहिनाहट, तुरहियों की गड़गड़ाहट और ढोलों की गड़गड़ाहट सुनाई नहीं देती?"
"मुझे भेड़ों और मेमनों के जोर से मिमियाने की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं दे रहा है," सांचो ने कहा; जो सच था, क्योंकि इस समय तक दोनों झुंड एक-दूसरे के करीब आ चुके थे।
“सांचो, जिस डर में तुम डूबे हो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “वह तुम्हें ठीक से देखने और सुनने से रोक रहा है, क्योंकि डर का एक प्रभाव इंद्रियों को

भ्रमित करना और चीजों को उनके वास्तविक स्वरूप से भिन्न दिखाना है; यदि तुम इतने डर में हो, तो एक तरफ हट जाओ और मुझे अकेला छोड़ दो, क्योंकि मैं अकेले ही उस पक्ष को विजय दिलाने के लिए पर्याप्त हूँ जिसकी मैं सहायता करूँगा;” और ऐसा कहकर उसने रोसिनांटे को एड़ी मारी और भाले को स्थिर रखते हुए बिजली की तरह ढलान से नीचे उतर गया। सांचो उसके पीछे चिल्लाया, “वापस आओ, श्रीमान डॉन क्विक्सोट; मैं ईश्वर की कसम खाता हूँ कि तुम भेड़- बकरियों पर हमला कर रहे हो! वापस आओ! धिक्कार है मेरे पिता पर! यह कैसा पागलपन है! देखो, यहाँ न कोई दानव है, न कोई योद्धा, न कोई बिल्ली, न कोई हथियार, न कोई ढाल (टुकड़ों में बंटी हुई या पूरी), न कोई नीला या शैतानी कवच। तुम क्या कर रहे हो? मैं ईश्वर के सामने पापी हूँ!” लेकिन इन सभी विनतियों के बावजूद डॉन क्विक्सोट पीछे नहीं हटा; इसके विपरीत वह चिल्लाता रहा, "हे योद्धाओं, तुम सब जो वीर सम्राट पेंटापोलिन के ध्वजवाहक हो और उसके साथ लड़ते हो, मेरे पीछे आओ; तुम देखोगे कि मैं कितनी आसानी से उसे उसके शत्रु एलीफैनफारोन से बदला दिलाऊंगा।"
ऐसा कहते हुए, वह भेड़ों के झुंड के बीचोंबीच घुस गया और उन्हें उतनी ही हिम्मत और निडरता से भाले मारने लगा मानो वह सचमुच अपने कट्टर दुश्मनों को मार रहा हो। झुंड के साथ चल रहे चरवाहों और पशुपालकों ने उसे रुकने के लिए कहा; लेकिन जब उन्होंने देखा कि कोई फायदा नहीं हुआ, तो उन्होंने अपनी गुलेलें खोलीं और मुट्ठी के आकार के पत्थरों से उसके कानों पर वार करने लगे। डॉन क्विक्सोट ने पत्थरों की परवाह नहीं की, बल्कि भेड़ों को दाएं- बाएं चलाते हुए कहता रहा:
"अहंकारी अलिफ़ानफ़ारोन, तू कहाँ है? मेरे सामने आ; मैं अकेला योद्धा हूँ जो तेरे शौर्य को आमने-सामने की लड़ाई में परखना चाहता हूँ और तुझे वीर पेंटापोलिन गरामंता के साथ किए गए अन्याय के लिए तेरे प्राणों की आहुति देना चाहता हूँ।" तभी नदी से एक बेर आया और उसके बगल में लगा, जिससे उसकी दो पसलियाँ टूट गईं। इतनी ज़ोर से चोट लगने पर उसने सोचा कि वह मर गया है या बुरी तरह घायल हो गया है। शराब याद करके उसने अपनी बोतल निकाली और उसे मुँह से लगाकर उसमें से शराब पीने लगा। लेकिन इससे पहले कि वह उतना पी पाता जितना उसे लग रहा था कि काफ़ी है, एक और बादाम आया और उसके हाथ और बोतल पर इतनी ज़ोर से लगा कि वह चकनाचूर हो गई। इस दौरान उसके तीन-चार दाँत और दाँते टूट गए और उसके हाथ की दो उंगलियाँ बुरी तरह कुचल गईं। पहले और दूसरे

वार की ताकत इतनी ज़बरदस्त थी कि बेचारा योद्धा अपने आप पर काबू न रख पाने के कारण घोड़े से पीछे की ओर गिर पड़ा। चरवाहे वहाँ पहुँचे और उन्हें पूरा यकीन हो गया कि उन्होंने उसे मार डाला है; इसलिए उन्होंने जल्दी से अपने झुंड को इकट्ठा किया, सात से अधिक मरे हुए जानवरों को उठाया और आगे कुछ भी पता लगाने का इंतज़ार किए बिना वहाँ से चले गए।
इस पूरे समय सांचो पहाड़ी पर खड़ा अपने स्वामी के पागलपन भरे कारनामों को देखता रहा, अपनी दाढ़ी नोचता रहा और उस घड़ी और मौके को कोसता रहा जब भाग्य ने उसे उससे मिलवाया था। फिर जब उसने देखा कि उसका स्वामी ज़मीन पर गिर गया है और चरवाहे वहाँ से चले गए हैं, तो वह उसके पास दौड़ा और उसे बहुत बुरी हालत में पाया, हालाँकि वह बेहोश नहीं था; और उसने कहा:
"क्या मैंने तुम्हें वापस आने के लिए नहीं कहा था, श्रीमान डॉन क्विक्सोट; और यह कि तुम जिन पर हमला करने जा रहे थे वे सेनाएँ नहीं बल्कि भेड़ों के झुंड थे?"
“मेरा शत्रु, वह ऋषि, जो एक चोर है, बातों को इस तरह तोड़-मरोड़ कर पेश करता है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “सांचो, तुम्हें यह जानना चाहिए कि उसके जैसे लोगों के लिए हमें अपनी मनचाही बातों पर विश्वास दिलाना बहुत आसान है; और यह दुष्ट प्राणी जो मुझे सता रहा है, उस विजय से ईर्ष्या करता है जो उसे पता था कि मैं इस युद्ध में जीतूंगा, उसने शत्रु की टुकड़ियों को भेड़ों के झुंड में बदल दिया है। खैर, मैं तुमसे विनती करता हूं, सांचो, तुम स्वयं को धोखे से बाहर निकालो और देखो कि मैं जो कह रहा हूं वह सच है; अपने गधे पर सवार होकर चुपचाप उनका पीछा करो, और तुम देखोगे कि जब वे यहां से थोड़ी दूर चले जाएंगे तो वे अपने मूल रूप में लौट आएंगे और भेड़ें न रहकर, हर तरह से वैसे ही मनुष्य बन जाएंगे जैसा मैंने तुम्हें पहले बताया था। लेकिन अभी मत जाओ, क्योंकि मुझे तुम्हारी मदद और सहायता चाहिए; इधर आओ, और देखो कि मेरे कितने दांत और घुरघुराहट गायब हैं, क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मेरे मुंह में एक भी दांत नहीं बचा है।”
सांचो इतना करीब आ गया कि उसकी आंखें लगभग उसके मुंह में चली गईं; ठीक उसी क्षण बाम ने डॉन क्विक्सोट के पेट पर अपना असर दिखाया, इसलिए जैसे ही सांचो उसका मुंह देखने के लिए आगे बढ़ा, उसने बंदूक से भी अधिक बलपूर्वक अपना सारा पदार्थ उस दयालु सरदार की दाढ़ी में उगल दिया।

"हे भगवान!" सांचो चिल्लाया, "ये मेरे साथ क्या हो रहा है? साफ दिख रहा है कि ये पापी बुरी तरह घायल है, क्योंकि ये मुंह से खून उगल रहा है।" लेकिन ज़रा गौर से देखने पर उसने रंग, स्वाद और गंध से समझ लिया कि ये खून नहीं, बल्कि उस बोतल का मरहम था जिसे उसने पीते हुए देखा था। उसे इतनी घिन आई कि उसका पेट खराब हो गया और उसने अपने मालिक पर ही उल्टी कर दी, जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए। सांचो अपने गधे के पास भागा ताकि अपने मालिक को साफ करने और राहत देने के लिए कुछ ले आए; लेकिन कुछ न मिलने पर वह लगभग बेहोश हो गया और खुद को फिर से कोसने लगा। उसने मन ही मन ठान लिया कि वह अपने मालिक को छोड़कर घर लौट जाएगा, चाहे उसे अपनी मजदूरी और उस वादे के द्वीप की सारी उम्मीदें ही क्यों न खोनी पड़ें।
डॉन क्विक्सोट उठे और अपने बाएँ हाथ से अपने दाँतों को गिरने से बचाते हुए, दूसरे हाथ से रोसिनांटे की लगाम पकड़ ली, जो अपने स्वामी के पास से कभी नहीं हिला था—वह इतना वफादार और अच्छे व्यवहार वाला था—और वहाँ गए जहाँ सरदार अपने गधे पर झुका हुआ, गाल पर हाथ रखे, गहरे अवसाद में डूबे हुए व्यक्ति की तरह खड़ा था। उसे इस मनोदशा में, इतना उदास देखकर, डॉन क्विक्सोट ने उससे कहा:
"सांचो, यह याद रखो कि एक व्यक्ति दूसरे से तब तक बेहतर नहीं होता जब तक वह दूसरे से अधिक कर्म न करे; हम पर आने वाले ये सभी तूफान इस बात के संकेत हैं कि जल्द ही अच्छा समय आने वाला है और सब कुछ हमारे लिए अच्छा होगा, क्योंकि अच्छाई या बुराई का हमेशा के लिए रहना असंभव है; और इसलिए यह स्पष्ट है कि बुराई के लंबे समय तक रहने के बाद, अच्छाई अब निकट ही है; इसलिए तुम्हें मेरे साथ होने वाली विपत्तियों से दुखी नहीं होना चाहिए, क्योंकि उनमें तुम्हारा कोई हाथ नहीं है।"
"मैंने कैसे नहीं?" सांचो ने उत्तर दिया; "क्या कल जिसे उन्होंने कंबल में लपेटा था, वह मेरे पिता के पुत्र के अलावा कोई और था? और आज जो अलफोरजा मेरे सारे खजाने के साथ गायब हैं, क्या वे मेरे अलावा किसी और के थे?"
"क्या! सांचो, अल्फोर्जा गायब हैं?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"हां, वे लापता हैं," सांचो ने उत्तर दिया।
"तो फिर आज हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।

"ऐसा ही होता," सांचो ने उत्तर दिया, "अगर इन मैदानों में वे जड़ी-बूटियाँ न होतीं जिनके बारे में महाराज कहते हैं कि आप जानते हैं, वे जड़ी-बूटियाँ जिनका उपयोग महाराज जैसे दुर्भाग्यशाली योद्धा इस तरह की कमियों को पूरा करने के लिए करते हैं।"
“इन सब बातों के बावजूद,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मैं अभी एक चौथाई रोटी, या एक पाव रोटी और दो सार्डिन मछलियों के सिर खाना ज़्यादा पसंद करूँगा, बजाय डायोस्कोराइड्स द्वारा वर्णित सभी जड़ी-बूटियों के, यहाँ तक कि डॉक्टर लगुना के नोट्स के साथ भी। फिर भी, हे अच्छे सांचो, अपने जानवर पर सवार हो जाओ और मेरे साथ चलो, क्योंकि ईश्वर, जो सब कुछ प्रदान करता है, हमें निराश नहीं करेगा (विशेषकर जब हम उसकी सेवा में इतने सक्रिय हैं), क्योंकि वह हवा के मच्छरों, धरती के कीड़ों और पानी के मेंढक के बच्चों को निराश नहीं करता, और इतना दयालु है कि वह अच्छे और बुरे दोनों पर अपना सूर्य उगाता है, और अधर्मी और धर्मी दोनों पर वर्षा भेजता है।”
"महामहिम, आप एक वीर योद्धा की तुलना में एक बेहतर उपदेशक बन सकते हैं," सांचो ने कहा।
"सांचो, घुमंतू योद्धा सब कुछ जानते थे और उन्हें सब कुछ जानना चाहिए था," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि पुराने समय में भी ऐसे योद्धा होते थे जो किसी शिविर के बीच में भी उपदेश या प्रवचन देने में उतने ही सक्षम होते थे, मानो उन्होंने पेरिस विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की हो; जिससे हम यह देख सकते हैं कि भाले ने कभी कलम को कुंद नहीं किया, न ही कलम ने भाले को।"
"ठीक है, जैसा महाराज ने कहा है," सांचो ने उत्तर दिया; "चलिए अब चलते हैं और रात बिताने के लिए कोई आश्रय स्थल खोजते हैं, और ईश्वर करे कि वह ऐसी जगह हो जहाँ न कंबल हों, न कंबल ओढ़ने वाले हों, न प्रेत हों, न जादू से वश में किए गए मूर हों; क्योंकि यदि वे सब वहाँ हैं, तो शैतान ही सब कुछ अपने साथ ले जाए।"
"मेरे बेटे, यह बात भगवान से पूछो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और तुम जहाँ चाहो वहाँ जाओ, क्योंकि इस बार मैं रहने की जगह का चुनाव तुम्हारे ऊपर छोड़ता हूँ; लेकिन अपना हाथ यहाँ बढ़ाओ, और अपनी उंगली से महसूस करो, और पता लगाओ कि मेरे ऊपरी जबड़े के इस दाहिने हिस्से से कितने दांत और घिसने वाले दांत गायब हैं, क्योंकि मुझे वहीं दर्द हो रहा है।"

सांचो ने अपनी उंगलियां अंदर डालीं और महसूस करते हुए उससे पूछा, "आपके पास इस तरफ कितने ग्राइंडर इस्तेमाल करने के लिए हैं?"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "चार, पीछे वाले दांत के अलावा, सभी साबुत और बिल्कुल ठीक हैं।"
"अपनी बात सोच समझकर कहिए, महोदय।"
"मैं चार कहता हूँ, अगर पाँच नहीं तो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि मेरे जीवन में कभी भी मेरा कोई दांत या चक्की नहीं निकाली गई है, न ही कोई दांत टूटा है या किसी सड़न या जुकाम से नष्ट हुआ है।"
"तो फिर," सांचो ने कहा, "इस निचले हिस्से में महाराज के पास ढाई से ज़्यादा ग्राइंडर नहीं हैं, और ऊपरी हिस्से में न तो आधा है और न ही कोई, क्योंकि यह सब मेरी हथेली की तरह चिकना है।"
अपने सहायक से दुखद समाचार सुनकर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं कितना बदनसीब हूँ! काश वे मेरी एक भुजा ही काट लेते, लेकिन तलवार चलाने वाली भुजा न काट दें; क्योंकि सांचो, मैं तुमसे कहता हूँ, बिना दाँतों वाला मुँह बिना पत्थर वाली चक्की के समान है, और दाँत हीरे से कहीं अधिक कीमती है; लेकिन हम जो कठोर शूरवीरता का पालन करते हैं, इन सब के लिए उत्तरदायी हैं। मित्र, सवार हो जाओ और आगे चलो, मैं तुम्हारे पीछे-पीछे चलूँगा, चाहे तुम जिस भी गति से चलना चाहो।"
सांचो ने डॉन क्विक्सोट के आदेश का पालन किया और उस दिशा में चल पड़ा जहाँ उसे लगा कि वह मुख्य सड़क छोड़े बिना शरण ले सकता है, क्योंकि वह सड़क बहुत व्यस्त थी। धीरे-धीरे चलते हुए—क्योंकि डॉन क्विक्सोट के जबड़े में दर्द के कारण वह बेचैन था और तेज़ चलने का मन नहीं कर रहा था—सांचो ने सोचा कि किसी तरह की बातचीत से उसका मनोरंजन करना उचित होगा, और उसने उससे जो बातें कहीं उनमें से एक वह है जिसका वर्णन अगले अध्याय में किया जाएगा।

19

अध्याय
सांचो और उसके गुरु के बीच हुई चतुर बातचीत, एक मृत शरीर के साथ घटी घटना और अन्य उल्लेखनीय घटनाओं का वर्णन।
"मुझे ऐसा लगता है, महोदय, कि हाल ही में हम पर आई ये सभी विपत्तियाँ निस्संदेह आपके द्वारा शूरवीरता के नियमों का उल्लंघन करने के लिए दी गई सजा हैं, क्योंकि आपने मेज़पोश से रोटी न खाने या रानी को गले न लगाने की शपथ का पालन नहीं किया, और उन सभी बातों का भी पालन करने की शपथ ली थी जिनका पालन आपने मैलैंड्रिनो का हेलमेट लेने तक किया था, या उस मूर का जो भी नाम हो, क्योंकि मुझे ठीक से याद नहीं है।"
"सांचो, तुम बिल्कुल सही कह रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "लेकिन सच कहूँ तो, यह बात मेरे दिमाग से निकल गई थी; और तुम इस बात पर भरोसा कर सकते हो कि कंबल वाली घटना तुम्हारे साथ तुम्हारी गलती की वजह से हुई क्योंकि तुमने मुझे समय पर याद नहीं दिलाया; लेकिन मैं इसकी भरपाई ज़रूर करूँगा, क्योंकि शिष्टता के नियमों में हर गलती को सुधारने के तरीके होते हैं।"
"अरे! क्या मैंने किसी तरह की शपथ ली है?" सांचो ने कहा।
"इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुमने शपथ नहीं ली है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "इतना ही काफी है कि मैं देख रहा हूँ कि तुम संलिप्तता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो; और चाहे तुम दोषी हो या नहीं, इसका उपाय निकालना बुरा नहीं होगा।"
"ऐसे में," सांचो ने कहा, "ध्यान रहे कि महाराज आप शपथ की तरह इसे न भूल जाएं; हो सकता है कि प्रेत एक बार फिर मेरे साथ या यहाँ तक कि आपके साथ भी, अगर वे आपको इतना हठी देखें, तो अपना मनोरंजन करने का मन बना लें।"
इसी और अन्य बातों में मशगूल रहते हुए, रात ने उन्हें रास्ते में ही घेर लिया, इससे पहले कि वे किसी आश्रय स्थल तक पहुँच पाते या उसे खोज पाते; और स्थिति और भी बदतर इसलिए हो गई क्योंकि वे भूख से बेहाल थे, क्योंकि अलफोरजास के खो जाने के साथ ही उनका सारा भंडार और रसद भी नष्ट हो गया था; और दुर्भाग्य को पूरा करने के लिए, उन्हें एक ऐसे रोमांच का सामना करना पड़ा जो सचमुच एक रोमांच जैसा प्रतीत होता था। हुआ यूँ कि रात का घना अंधेरा छाने लगा, लेकिन फिर भी वे आगे बढ़ते रहे, सांचो को पूरा विश्वास था

कि चूंकि यह राजा का राजमार्ग था, इसलिए वे एक-दो मील के भीतर कोई सराय मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। इस तरह आगे बढ़ते हुए, अंधेरी रात में, जागीरदार भूखा था, सरदार बेचैन था, तभी उन्होंने अपने रास्ते पर अपनी ओर आती हुई असंख्य रोशनी देखीं जो गतिमान तारों की तरह लग रही थीं। सांचो उन्हें देखकर अचंभित रह गया, और डॉन क्विक्सोट भी उन्हें देखकर पूरी तरह से खुश नहीं था: एक ने अपने गधे को लगाम से खींचा, दूसरे ने अपने घोड़े को लगाम से, और वे स्थिर खड़े हो गए, उत्सुकता से देख रहे थे कि यह सब क्या होने वाला है, और उन्होंने पाया कि रोशनी उनकी ओर आ रही थी, और जैसे-जैसे वे करीब आती गईं, वे और भी बड़ी होती गईं, इस दृश्य को देखकर सांचो पारे से भरे हुए व्यक्ति की तरह कांपने लगा, और डॉन क्विक्सोट के रोंगटे खड़े हो गए; हालाँकि, उसने थोड़ा हौसला जुटाते हुए कहा:
"यह निःसंदेह, सांचो, एक अत्यंत शक्तिशाली और खतरनाक अभियान होगा, जिसमें मुझे अपना सारा शौर्य और दृढ़ संकल्प दिखाना होगा।"
"मेरा दुर्भाग्य!" सांचो ने उत्तर दिया; "अगर यह साहसिक कार्य प्रेतों का है, जैसा कि मुझे लगने लगा है, तो इसे सहने के लिए मुझे अपनी पसलियां कहां से मिलेंगी?"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "चाहे वे कितने ही प्रेत हों, मैं उन्हें तुम्हारे वस्त्रों का एक धागा भी छूने नहीं दूंगा; क्योंकि अगर उन्होंने पिछली बार तुम्हारे साथ कोई चाल चली थी, तो वह इसलिए थी क्योंकि मैं आंगन की दीवारों को फांदने में असमर्थ था; लेकिन अब हम एक विशाल मैदान में हैं, जहाँ मैं अपनी तलवार को अपनी इच्छानुसार चला सकूंगा।"
"और अगर वे पिछली बार की तरह तुम्हें मोहित करके अपंग कर दें," सांचो ने कहा, "तो खुले मैदान में होने या न होने से क्या फर्क पड़ेगा?"
"इन सब बातों के बावजूद," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मैं तुमसे विनती करता हूँ, सांचो, कि तुम अपना हौसला बनाए रखो, क्योंकि अनुभव तुम्हें बता देगा कि मेरा हौसला कैसा है।"
“ईश्वर की कृपा से मैं ऐसा करूँगा,” सांचो ने उत्तर दिया, और दोनों सड़क के एक किनारे हटकर ध्यान से देखने लगे कि ये चलती हुई रोशनी क्या हो सकती हैं; और थोड़ी ही देर में उन्होंने लगभग बीस घुड़सवारों को देखा, जिनके हाथों में जलती हुई मशालें थीं। उनके खौफनाक रूप ने सांचो का सारा साहस पस्त कर दिया, और वह बुखार से पीड़ित व्यक्ति की तरह दांत किटकिटाने लगा; उसका दिल

बैठ गया और उसके दांत और भी ज्यादा किटकिटाने लगे जब उन्होंने स्पष्ट रूप से देखा कि उनके पीछे काले रंग से ढकी एक पालकी आ रही थी, जिसके पीछे छह और घुड़सवार थे, जो अपने खच्चरों के पैरों तक शोक में डूबे हुए थे—क्योंकि उनकी धीमी चाल से वे साफ समझ गए थे कि वे घोड़े नहीं थे। और जैसे-जैसे घुड़सवार आगे बढ़ते गए, वे धीमी, विलापपूर्ण स्वर में आपस में कुछ बुदबुदाते रहे। इस तरह के समय और इस सुनसान जगह पर यह अजीबोगरीब दृश्य सांचो और उसके स्वामी दोनों के दिलों में दहशत पैदा करने के लिए काफी था; और (डॉन क्विक्सोट के मामले को छोड़कर) ऐसा ही हुआ, क्योंकि सांचो का सारा संकल्प अब टूट चुका था। उसके गुरु के साथ ठीक इसके विपरीत हुआ, जिनकी कल्पना ने तुरंत ही इन सभी घटनाओं को उनके सामने उनकी किताबों के रोमांचक कारनामों की तरह जीवंत रूप से प्रस्तुत कर दिया।
उसने मन ही मन सोच लिया कि वह पालकी किसी बुरी तरह घायल या मारे गए योद्धा को ले जा रही है, जिसका बदला लेना केवल उसी का कर्तव्य है; और बिना किसी और विचार के उसने अपना भाला एक तरफ रख दिया, अपने घोड़े पर मजबूती से बैठ गया, और वीरता और आत्मविश्वास के साथ उस सड़क के बीचोंबीच खड़ा हो गया जहाँ से सैनिकों को अवश्य गुजरना था; और जैसे ही उसने उन्हें पास आते देखा, उसने अपनी आवाज बुलंद की और कहा:
"रुको, शूरवीरों, या जो भी तुम हो, और मुझे बताओ कि तुम कौन हो, कहाँ से आए हो, कहाँ जा रहे हो, और उस अर्थी पर क्या ले जा रहे हो, क्योंकि देखने से ऐसा लगता है कि या तो तुमने कोई गलत काम किया है या तुम्हारे साथ कोई गलत काम किया गया है, और यह जानना मेरे लिए उचित और आवश्यक है, ताकि मैं तुम्हारे द्वारा किए गए बुरे काम के लिए तुम्हें दंडित कर सकूँ, या फिर तुम्हारे साथ हुए अन्याय का बदला ले सकूँ।"
“हमें जल्दी है,” एक सिपाही ने उत्तर दिया, “सराय बहुत दूर है, और हम रुककर आपको वैसा हिसाब नहीं दे सकते जैसा आप मांग रहे हैं;” और अपने खच्चर को एड़ी मारकर वह आगे बढ़ गया।
इस जवाब से डॉन क्विक्सोट बेहद क्रोधित हो गया और खच्चर की लगाम पकड़कर बोला, "रुको, और शिष्टता से पेश आओ, और मैंने तुमसे जो पूछा है उसका हिसाब दो; अन्यथा, तुम सब मेरी चुनौती को युद्ध में स्वीकार करो।"
खच्चर शर्मीली थी और लगाम पकड़े जाने पर इतनी भयभीत हो गई कि उछलकर उसने अपने सवार को अपने पिछले पैरों के बल ज़मीन पर पटक दिया। पैदल चल रहे एक

सेवक ने खच्चर को गिरते देख डॉन क्विक्सोट को अपशब्द कहने शुरू कर दिए। अब डॉन क्विक्सोट क्रोधित हो उठा और बिना देर किए, अपना भाला एक तरफ रखकर शोक मना रहे एक व्यक्ति पर टूट पड़ा और उसे बुरी तरह घायल कर दिया। जैसे ही वह घूमकर दूसरों पर टूटा, उसकी फुर्ती और चपलता देखने लायक थी, क्योंकि ऐसा लग रहा था मानो रोसिनांटे को उसी क्षण पंख लग गए हों, वह इतने हल्के और गर्व से चल रहा था। खच्चर सभी डरपोक और निहत्थे थे, इसलिए वे जल्दी से लड़ाई से भाग निकले और अपनी जलती हुई मशालें लेकर मैदान में दौड़ने लगे, बिल्कुल किसी उत्सव या समारोह की रात में भागते हुए नकाबपोशों की तरह। शोक मनाने वाले भी, अपने लबादे और गाउन में लिपटे हुए, हिलने-डुलने में असमर्थ थे, और इसलिए डॉन क्विक्सोट ने अपनी पूरी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए उन सभी को परेशान किया और उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें भगा दिया, क्योंकि वे सभी सोच रहे थे कि यह कोई और नहीं बल्कि नरक से आया हुआ शैतान है जो पालकी में रखे मृत शरीर को ले जाने आया है।
सांचो ने अपने स्वामी के इस साहस को देखकर आश्चर्यचकित होकर यह सब देखा और मन ही मन कहा, "स्पष्ट रूप से मेरा यह स्वामी उतना ही साहसी और वीर है जितना वह खुद को बताता है।"
खच्चर द्वारा गिराए गए पहले व्यक्ति के पास जमीन पर एक जलती हुई मशाल पड़ी थी, जिसकी रोशनी में डॉन क्विक्सोट ने उसे देखा और उसके पास आकर उसने भाले की नोक उसके चेहरे पर तान दी और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, अन्यथा वह उसे मार डालेगा; इस पर जमीन पर गिरे हुए व्यक्ति ने उत्तर दिया, "मैं पहले से ही काफी कैदी हूँ; मैं हिल नहीं सकता, क्योंकि मेरा एक पैर टूटा हुआ है: मैं आपसे विनती करता हूँ, यदि आप एक ईसाई सज्जन हैं, तो मुझे न मारें, क्योंकि यह घोर अपवित्रता होगी, क्योंकि मैं एक लाइसेंसधारी हूँ और मेरे पास प्रथम श्रेणी के पद हैं।"
"तो फिर तुम यहाँ किस काम के लिए आए हो, जबकि तुम एक पादरी हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"क्या हुआ, महोदय?" दूसरे ने कहा। "मेरी बदकिस्मती।"
"तो फिर इससे भी बुरी स्थिति तुम्हारा इंतजार कर रही है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यदि तुम मेरी सारी जिज्ञासाओं का समाधान नहीं करोगे।"
"तुम्हें जल्द ही तसल्ली हो जाएगी," लाइसेंसधारी ने कहा; "तुम्हें यह जानना चाहिए कि यद्यपि अभी मैंने खुद को लाइसेंसधारी कहा है, मैं केवल

अविवाहित हूँ, और मेरा नाम अलोंजो लोपेज़ है; मैं अल्कोबेंडस का मूल निवासी हूँ, मैं बाएज़ा शहर से ग्यारह अन्य पुजारियों के साथ आया हूँ, वही जो मशालें लेकर भागे थे, और हम उस पालकी में रखे एक शव के साथ सेगोविया शहर जा रहे हैं, जो एक ऐसे सज्जन का है जिनकी मृत्यु बाएज़ा में हुई थी, जहाँ उन्हें दफनाया गया था; और अब, जैसा कि मैंने कहा, हम उनकी अस्थियों को उनके कब्रिस्तान, जो सेगोविया में है, ले जा रहे हैं, जहाँ उनका जन्म हुआ था।" "और उसे किसने मारा?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"ईश्वर ने उसे एक घातक बुखार से मार डाला," अविवाहित व्यक्ति ने उत्तर दिया।
"उस स्थिति में," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर किसी और ने उसकी हत्या की होती तो भगवान ने मुझे उसका बदला लेने के दायित्व से मुक्त कर दिया होता; लेकिन जिसने उसे मारा है, उसके बाद चुप रहने और कंधे उचकाने के अलावा कोई चारा नहीं है; अगर वह मुझे मार डाले तो मैं भी ऐसा ही करूंगा; और मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं ला मांचा का एक योद्धा हूं, मेरा नाम डॉन क्विक्सोट है, और दुनिया भर में घूमकर गलतियों को सुधारना और नुकसान की भरपाई करना मेरा कर्तव्य और दायित्व है।"
"मुझे नहीं पता कि गलतियों को सुधारना कैसे संभव है," उस कुंवारे ने कहा, "क्योंकि तुमने मुझे सीधे से टेढ़ा कर दिया है, मेरी टांग तोड़ दी है जो जीवन भर कभी सीधी नहीं हो पाएगी; और तुमने मेरे मामले में जो क्षतिपूर्ति की है, वह मुझे इस तरह घायल करना है कि मैं हमेशा के लिए घायल रहूँगा; और तुम्हारे जैसे रोमांच की तलाश में घूमने वालों के साथ पड़ना तो सरासर दुर्भाग्य था।"
“हर बात एक ही तरह से नहीं होती,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “यह सब, श्रीमान बैचलर अलोंजो लोपेज़, आपके रात में, उन चोगे पहने, जलती हुई मशालें लिए, प्रार्थना करते हुए, शोक वस्त्रों में लिपटे हुए जाने के कारण हुआ, जिससे स्वाभाविक रूप से आप किसी दुष्ट और परलोक के प्राणी जैसे दिख रहे थे; और इसलिए मैं आप पर हमला करने के अपने कर्तव्य से बच नहीं सका, और मैं आप पर तब भी हमला करता यदि मुझे निश्चित रूप से पता होता कि आप नरक के शैतान हैं, क्योंकि मेरा यही मानना था और मैं आपको ऐसा ही समझता था।”
"जैसा कि मेरे भाग्य ने चाहा है," उस कुंवारे ने कहा, "हे वीर योद्धा, जिनका यह कार्य मेरे लिए इतना बुरा साबित हुआ है, मैं आपसे विनती करता हूँ कि

कृपया मुझे इस खच्चर के नीचे से निकलने में मदद करें जिसने मेरे एक पैर को रकाब और काठी के बीच फंसा रखा है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं कल तक बोलता रहता; तुम मुझे अपनी परेशानी बताने से पहले कब तक इंतजार करने वाले थे?"
उसने तुरंत सांचो को बुलाया, लेकिन सांचो का आने का कोई इरादा नहीं था, क्योंकि वह उस समय एक भारी खच्चर से चारा उतार रहा था, जो उन सज्जनों द्वारा लाया गया था। सांचो ने अपने कोट से एक थैला बनाया और जितना हो सका, उतना चारा उसमें भरकर अपने खच्चर पर लाद दिया। फिर वह अपने स्वामी की पुकार सुनकर तुरंत आया और खच्चर के नीचे से उस कुंवारे को उतारने में उसकी मदद की। फिर उसे खच्चर की पीठ पर बिठाकर उसने उसे मशाल थमा दी और डॉन क्विक्सोट ने उसे अपने साथियों के पीछे जाने और उनसे उस गलती के लिए क्षमा मांगने को कहा जो उसने अनजाने में की थी।
और सांचो ने कहा, "अगर संयोगवश ये सज्जन यह जानना चाहें कि वह नायक कौन था जिसने उनकी इतनी सेवा की, तो आप उन्हें बता सकते हैं कि वह ला मांचा का प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट है, जिसे शोकग्रस्त चेहरे वाला योद्धा भी कहा जाता है।"
इसके बाद कुंवारे लड़के ने वहां से प्रस्थान किया।
मैं यह बताना भूल गया कि ऐसा करने से पहले उसने डॉन क्विक्सोट से कहा, "याद रखो कि पवित्र वस्तु पर हिंसक हाथ उठाने के कारण तुम बहिष्कृत हो गए हो, juxta illud, si quis, suadente diabolo."
"मुझे वह लैटिन समझ नहीं आती," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "परन्तु मैं भली-भांति जानता हूँ कि मैंने हाथ नहीं उठाए, केवल इस भाले से वार किया; इसके अलावा, मुझे नहीं लगता था कि मैं पुजारियों या चर्च की किसी वस्तु पर हमला कर रहा हूँ, जिनका मैं एक कैथोलिक और निष्ठावान ईसाई होने के नाते आदर और श्रद्धा करता हूँ, बल्कि मैं परलोक के प्रेतों और आत्माओं पर हमला कर रहा था; फिर भी, मुझे याद है कि सिड रुय डियाज़ का क्या हाल हुआ था जब उसने पोप के समक्ष उस राजा के राजदूत की कुर्सी तोड़ दी थी, जिसके लिए पोप ने उसे बहिष्कृत कर दिया था; और फिर भी उस दिन विवर के नेक रोडरिक ने एक अत्यंत महान और वीर योद्धा की तरह व्यवहार किया।"

यह सुनकर कुंवारा व्यक्ति बिना कोई उत्तर दिए ही चला गया, जैसा कि कहा गया है; और डॉन क्विक्सोट ने सांचो से पूछा कि किस बात ने उसे पहले की तुलना में अब उसे "दुखी चेहरे वाला योद्धा" कहने के लिए प्रेरित किया।
"मैं तुम्हें बताता हूँ," सांचो ने उत्तर दिया; "ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उस अभागे व्यक्ति द्वारा पकड़ी गई मशाल की रोशनी में कुछ समय से तुम्हें देख रहा हूँ, और सचमुच तुम्हारा चेहरा आजकल सबसे बदसूरत लग रहा है जो मैंने कभी देखा है: यह या तो इस लड़ाई की थकान के कारण है, या फिर दाँतों और घिसने की कमी के कारण।"
“ऐसा नहीं है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “बल्कि इसलिए कि जिस ऋषि को मेरी उपलब्धियों का इतिहास लिखने का दायित्व सौंपा गया है, उन्होंने शायद यह उचित समझा होगा कि मैं भी पुराने समय के सभी शूरवीरों की तरह कोई विशिष्ट नाम रखूँ; जैसे कोई ‘जलती हुई तलवार वाला’, कोई ‘यूनिकॉर्न वाला’, कोई ‘युवतियों वाला’, कोई ‘फीनिक्स वाला’, कोई ‘ग्रिफिन वाला’ और कोई ‘मृत्यु वाला’, और इन्हीं नामों से वे पूरी दुनिया में जाने जाते थे; इसलिए मैं कहता हूँ कि उक्त ऋषि ने शायद अभी-अभी तुम्हारे मुँह और मन में यह बात डाली होगी कि मुझे ‘दुखित चेहरे वाला शूरवीर’ कहो, जैसा कि मैं आज से अपना नाम रखने का इरादा रखता हूँ; और यह नाम मुझ पर अधिक उपयुक्त हो, इसलिए मेरा मतलब है कि जब भी अवसर मिले, मैं अपनी ढाल पर एक बहुत ही दुखी चेहरा चित्रित करवाऊँगा।”
"महोदय, उस चेहरे को बनाने में समय या पैसा बर्बाद करने की कोई आवश्यकता नहीं है," सांचो ने कहा; "बस इतना ही करना है कि आप अपना चेहरा, आमने-सामने, उन लोगों को दिखाएँ जो आपको देख रहे हैं, और बिना किसी अतिरिक्त चीज़ के, न तो छवि और न ही ढाल के, वे आपको 'दुखी चेहरे वाला' कहेंगे और मेरा विश्वास कीजिए, मैं आपको सच बता रहा हूँ, क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, महाराज (और यह बात पूरी ईमानदारी से कही जानी चाहिए), भूख और आपके चक्की के घिसने वाले यंत्रों के खो जाने से आपका चेहरा इतना बदसूरत हो गया है कि, जैसा कि मैं कहता हूँ, दुखी चित्र की आवश्यकता नहीं है।"
डॉन क्विक्सोट सांचो के मजाक पर हँसा; फिर भी उसने खुद को उसी नाम से पुकारने और अपनी ढाल या बकल को उसी तरह चित्रित करवाने का निश्चय किया जैसा उसने सोचा था।

डॉन क्विक्सोट यह देखने की कोशिश करता कि पालकी में पड़ा शरीर हड्डियों का बना है या नहीं, लेकिन सांचो ने ऐसा होने नहीं दिया और कहा:
"महोदय, आपने इस खतरनाक अभियान को उन सभी लोगों की तुलना में अधिक सुरक्षित रूप से समाप्त किया है जिन्हें मैंने देखा है: शायद ये लोग, भले ही पराजित और खदेड़े गए हों, यह सोचें कि उन्हें हराने वाला एक अकेला आदमी है, और इस बात से दुखी और शर्मिंदा होकर शायद हिम्मत जुटाकर हमारी तलाश में आएं और हमें खूब परेशान करें। गधा पूरी तरह से तंदुरुस्त है, पहाड़ नज़दीक हैं, भूख सता रही है, हमारे पास पीछे हटने के अलावा और कोई चारा नहीं है, और जैसा कि कहावत है, मुर्दे कब्र में जाते हैं और जिंदा रोटी के पास।"
अपने गधे को आगे-आगे चलाते हुए उसने अपने स्वामी से पीछे आने की विनती की, जिसने सांचो की बात को सही मानते हुए बिना जवाब दिए उसका अनुसरण किया; और दो पहाड़ियों के बीच थोड़ी दूर चलने के बाद वे एक चौड़ी और एकांत घाटी में पहुँच गए, जहाँ वे उतरे, और सांचो ने अपने जानवर से सामान उतारा, और हरी घास पर लेट गया। चटनी की तीव्र भूख से बेहाल होकर, उन्होंने नाश्ता, दोपहर का भोजन, दोपहर का भोजन और रात का खाना एक साथ खाया, और ठंडे मांस के कई भंडारों से अपनी भूख मिटाई, जो मृत व्यक्ति के पादरी सज्जनों (जो शायद ही कभी अपने भोजन की कमी महसूस करते थे) ने अपने खच्चर पर लाया था। लेकिन उन पर एक और दुर्भाग्य आ पड़ा, जिसे सांचो ने सबसे बुरा माना, और वह यह था कि उनके पास पीने के लिए शराब नहीं थी, यहाँ तक कि होंठ तर करने के लिए पानी भी नहीं था; और प्यास से तड़पते हुए, सांचो ने देखा कि जिस मैदान में वे थे वह हरी और कोमल घास से भरा था, और उसने वह कहा जो अगले अध्याय में बताया जाएगा।

20

अध्याय
ला मांचा के वीर डॉन क्विक्सोट द्वारा किए गए उस अद्वितीय और अनसुने साहसिक कार्य की कहानी, जिसमें उन्होंने दुनिया के किसी भी प्रसिद्ध योद्धा द्वारा किए गए किसी भी कार्य की तुलना में कम जोखिम उठाया था। "ऐसा हो ही नहीं सकता, महोदय, कि यह घास इस बात का प्रमाण है कि आस-पास कोई झरना या छोटी नदी अवश्य होगी जो इसे नमी प्रदान करती होगी, इसलिए थोड़ा और आगे बढ़ना बेहतर होगा, ताकि हमें कोई ऐसी जगह मिल जाए जहाँ हम अपनी इस भयानक प्यास को बुझा सकें, जो निस्संदेह भूख से कहीं अधिक कष्टदायक है।" डॉन क्विक्सोट को यह सलाह अच्छी लगी, और उसने रोसिनेंटे को लगाम से और गधे सांचो को रस्सी से बांधकर, रात के खाने का बचा हुआ खाना लादने के बाद, घास के मैदान में आगे बढ़ना शुरू किया। रात के अंधेरे में कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, इसलिए वे दो सौ कदम भी नहीं चले थे कि चट्टानों से गिरते पानी की तेज़ आवाज़ उनके कानों में पड़ी। इस आवाज़ से उन्हें बहुत खुशी हुई; लेकिन यह पता लगाने के लिए कि आवाज़ कहाँ से आ रही है, वे रुक गए और तभी उन्हें एक और आवाज़ सुनाई दी जिसने पानी की आवाज़ से मिली खुशी को भंग कर दिया, खासकर सांचो को, जो स्वभाव से डरपोक और कायर था। उन्होंने सुना, मैं कहूँ, एक लयबद्ध ताल में पानी के गिरने की आवाज़, और लोहे और जंजीरों की खड़खड़ाहट, जो पानी के भयंकर शोर के साथ मिलकर किसी के भी दिल में दहशत पैदा कर देती, सिवाय डॉन क्विक्सोट के। जैसा कि कहा गया है, रात गहरी थी, और वे कुछ ऊँचे पेड़ों के बीच एक ऐसी जगह पर पहुँच गए थे, जिनके पत्ते हल्की हवा से हिलकर एक धीमी, अशुभ आवाज़ कर रहे थे; इसलिए, उस सन्नाटे, उस जगह, अंधेरे, पानी की आवाज़ और पत्तों की सरसराहट के कारण, हर चीज़ विस्मय और भय उत्पन्न कर रही थी; विशेष रूप से जब उन्होंने देखा कि प्रहार रुक नहीं रहे थे, न ही हवा शांत हो रही थी, न ही सुबह हो रही थी; इन सबके अलावा, उन्हें यह भी नहीं पता था कि वे कहाँ हैं।
लेकिन डॉन क्विक्सोट, अपने साहसी हृदय के बल पर, रोसिनांटे पर कूद पड़ा, और अपनी ढाल को अपनी बांह पर कसकर, अपने भाले को ढलान पर लाते हुए बोला, "मित्र सांचो, जान लो कि मैं स्वर्ग की इच्छा से हमारे इस लौह युग में स्वर्ण युग को पुनर्जीवित करने के लिए जन्मा हूँ; मैं वह हूँ जिसके लिए खतरे, महान

उचित नहीं है, जिससे चमत्कार के सिवा कोई बचाव नहीं है, और स्वर्ग ने आपके लिए पर्याप्त चमत्कार किए हैं, जैसे आपको मेरी तरह कंबल में लिपटे होने से बचाया और आपको उस मृत व्यक्ति के साथ मौजूद सभी शत्रुओं के बीच से विजयी और सुरक्षित बाहर निकाला; और अगर यह सब आपके कठोर हृदय को नहीं पिघलाता, तो इस विचार और चिंतन से उसे पिघला दें, कि आप इस स्थान से मुश्किल से ही निकले होंगे कि मैं डर के मारे अपनी आत्मा किसी को भी सौंप दूंगा जो इसे लेना चाहेगा। मैं घर, पत्नी और बच्चों को छोड़कर आपकी सेवा करने आया हूँ।" मुझे उम्मीद थी कि मैं बेहतर करूँगा, बदतर नहीं; लेकिन लालच ने मेरी सारी उम्मीदें तोड़ दीं, क्योंकि जिस समय मुझे उस बदकिस्मत द्वीप को पाने की सबसे ज़्यादा उम्मीद थी, जिसका वादा आपने मुझे बार-बार किया था, अब मैं देख रहा हूँ कि आप मुझे उसके बदले में, एक ऐसी जगह पर अकेला छोड़ने वाले हैं जो इंसानों की पहुँच से बहुत दूर है: हे भगवान, मेरे स्वामी, मेरे साथ इतना अन्याय मत कीजिए, और अगर आप इस प्रयास को पूरी तरह से नहीं छोड़ेंगे, तो कम से कम इसे सुबह तक के लिए टाल दीजिए, क्योंकि चरवाहे के रूप में मैंने जो ज्ञान सीखा है, उसके अनुसार अब भोर के तीन घंटे बाकी हैं, क्योंकि हिरन का मुँह ऊपर है और बाएँ हाथ की रेखा में आधी रात होती है।
"सांचो, तुम कैसे देख सकते हो कि वह रेखा कहाँ बन रही है, या वह मुँह या वह सिर का पिछला हिस्सा कहाँ है जिसके बारे में तुम बात कर रहे हो, जबकि रात इतनी गहरी है कि पूरे आकाश में एक भी तारा दिखाई नहीं दे रहा है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"यह सच है," सांचो ने कहा, "लेकिन डर की आंखें तेज होती हैं, और वह जमीन के नीचे की चीजों को भी देख सकता है, आसमान में तो और भी ज्यादा; इसके अलावा, यह दिखाने का अच्छा कारण है कि अब उसे दिन की बहुत कम जरूरत है।"
“जो चाहे हो,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मेरे बारे में न तो अब और न ही कभी यह कहा जाएगा कि आँसुओं या विनतियों ने मुझे शूरवीरता के नियमों का पालन करने से विमुख किया; इसलिए मैं तुमसे विनती करता हूँ, सांचो, चुप रहो, क्योंकि ईश्वर, जिसने मेरे हृदय में इस अभूतपूर्व और भयानक साहसिक कार्य को करने की प्रेरणा दी है, मेरी सुरक्षा का ध्यान रखेगा और तुम्हारे दुख को कम करेगा; तुम्हें बस इतना करना है कि रोसिनांटे की कमरबंद अच्छी तरह कस दो और यहीं प्रतीक्षा करो, क्योंकि मैं जल्द ही वापस आऊँगा, चाहे जीवित हो या मृत।”

सांचो ने अपने स्वामी का अंतिम निश्चय भांप लिया और यह भी जान लिया कि उसके आँसू, सलाह और विनतियाँ उस पर कोई असर नहीं डाल रही हैं। उसने अपनी चतुराई का सहारा लेने और उसे उजाला होने तक रोकने का निश्चय किया; और इसलिए, घोड़े की लगाम कसते हुए, उसने चुपके से और बिना किसी को पता चले, अपने गधे की लगाम से रोसिनांटे के दोनों पैर बाँध दिए, ताकि जब डॉन क्विक्सोट चलने की कोशिश करे तो वह चल न सके क्योंकि घोड़ा केवल उछल-कूद करके ही चल सकता था। अपनी इस चाल की सफलता देखकर सांचो पांजा ने कहा:
"देखिए, महोदय! मेरे आँसुओं और प्रार्थनाओं से द्रवित होकर स्वर्ग ने ऐसा आदेश दिया है कि रोसिनांटे हिल भी नहीं सकता; और यदि आप हठपूर्वक उसे धक्का देंगे और मारेंगे, तो आप केवल भाग्य को ही क्रोधित करेंगे, और जैसा कि कहते हैं, कांटों पर लात मारेंगे।"
यह देखकर डॉन क्विक्सोट हताश हो गया, पर जितना अधिक वह घोड़े पर एड़ियों से प्रहार करता, उतना ही वह हिलता-डुलता नहीं। उसे घोड़े के बंधे होने का कोई संदेह नहीं था, इसलिए उसने हार मानकर सुबह होने तक या रोसिनांटे के हिलने- डुलने तक इंतजार करने का फैसला किया। उसे पूरा विश्वास था कि यह सब सांचो की चालाकी के अलावा किसी और कारण से हुआ है। उसने सांचो से कहा, "जैसा कि सांचो, और चूंकि रोसिनांटे हिल नहीं सकता, मैं सुबह होने तक इंतजार करने को तैयार हूं, भले ही इसमें देरी होने से मुझे दुख हो रहा हो।"
"रोने की कोई ज़रूरत नहीं है," सांचो ने उत्तर दिया, "मैं सुबह होने तक आपको कहानियां सुनाकर आपका मनोरंजन करूंगा, जब तक कि आप घुड़सवारी से उतरकर हरी घास पर थोड़ी देर सोना न चाहें, ताकि दिन निकलने पर आप तरोताज़ा रहें और उस असाधारण साहसिक कार्य को करने का समय आ जाए जिसका आप बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।"
"तुम घोड़े से उतरने या सोने की बात क्यों कर रहे हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "क्या तुम सोचते हो कि मैं उन शूरवीरों में से एक हूँ जो खतरे के सामने आराम करते हैं? सो जाओ, जो सोने के लिए पैदा हुए हो, या जो चाहो करो, क्योंकि मैं वही करूँगा जो मुझे अपने स्वभाव के अनुरूप लगता है।"
"मेरे स्वामी, क्रोधित न हों," सांचो ने उत्तर दिया, "मेरा ऐसा कहने का इरादा नहीं था;" और उनके करीब आकर उसने एक हाथ काठी के हैंडल पर और दूसरा काठी की डंडी पर रखा, जिससे वह अपने स्वामी की बाईं जांघ को अपनी बाहों में थामे हुए था, उनसे एक उंगली की दूरी भी कम करने की हिम्मत नहीं कर रहा था;

वह उन प्रहारों से इतना भयभीत था जो अभी भी नियमित लय में गूंज रहे थे। डॉन क्विक्सोट ने उसे अपने प्रस्ताव के अनुसार मनोरंजन के लिए कोई कहानी सुनाने को कहा, जिस पर सांचो ने उत्तर दिया कि यदि उसे जो सुनने को मिलेगा उसका भय उसे ऐसा करने देगा तो वह सुनाएगा; “फिर भी,” उसने कहा, “मैं एक ऐसी कहानी सुनाने का प्रयास करूंगा, जिसे अगर मैं सुनाने में सफल हो जाऊं और कोई दखल न दे, तो वह सर्वश्रेष्ठ कहानी होगी। और कृपया मेरी बात ध्यान से सुनें, क्योंकि मैं यहीं से शुरू कर रहा हूं। जो हुआ सो हुआ; और आने वाला भला सबके लिए हो, और बुराई उसे मिले जो उसे ढूंढने जाता है—आप जानते होंगे कि पुराने लोग अपनी कहानियों की शुरुआत अपनी मर्जी से नहीं करते थे; यह रोमन केटो ज़ोनज़ोरिनो का एक सिद्धांत था, जो कहता है 'बुराई उसे मिले जो उसे ढूंढने जाता है,' और यह आज भी उतना ही सटीक बैठता है जितना उंगली में अंगूठी, यह दिखाने के लिए कि आपको चुप रहना चाहिए और किसी भी तरफ बुराई की तलाश नहीं करनी चाहिए, और हमें किसी दूसरे रास्ते से लौटना चाहिए, क्योंकि कोई हमें इस रास्ते पर चलने के लिए मजबूर नहीं करता जिसमें इतने सारे डर हमें डराते हैं।”
"अपनी कहानी सुनाते रहो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और हमारे रास्ते का चुनाव मुझ पर छोड़ दो।"
"तो मैं कहता हूँ," सांचो ने आगे कहा, "कि एस्ट्रेमादुरा के एक गाँव में एक बकरी चराने वाला था—अर्थात्, जो बकरियाँ चराता था—और मेरी कहानी के अनुसार, उस चरवाहे का नाम लोपे रुइज़ था, और यह लोपे रुइज़ एक चरवाहिनी टोरलवा से प्यार करता था, जो एक धनी चरवाहे की बेटी थी, और यह धनी चरवाहा—" "अगर तुम अपनी कहानी इसी तरह सुनाओगे, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जो कुछ कहना है उसे दो बार दोहराते हुए, तो तुम्हारे ये दो दिन पूरे नहीं होंगे; सीधे-सीधे बताओ, और एक समझदार आदमी की तरह बताओ, वरना कुछ मत कहो।" "मेरे देश में कहानियां हमेशा उसी तरह सुनाई जाती हैं जैसे मैं सुना रहा हूं," सांचो ने उत्तर दिया, "और मैं इसे किसी और तरीके से नहीं सुना सकता, और न ही यह आपके लिए उचित है कि आप मुझसे नए रीति-रिवाज बनाने के लिए कहें।" "जैसा तुम चाहो कहो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "और जैसा कि भाग्य में लिखा है कि मैं तुम्हारी बात सुने बिना नहीं रह सकता, इसलिए बोलते रहो।" "और इसलिए, हे मेरे प्राण के स्वामी," सांचो ने आगे कहा, "जैसा कि मैंने कहा है, यह चरवाहा टोरलवा नाम की चरवाहिन से प्रेम करता था, जो एक जंगली, सुडौल

लड़की थी और देखने में कुछ हद तक पुरुष जैसी लगती थी, क्योंकि उसकी छोटी- छोटी मूंछें थीं; मुझे लगता है कि मैं उसे अभी देख रहा हूँ।"
"तो तुम उसे जानते थे?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
“मैं उसे नहीं जानता था,” सांचो ने कहा, “लेकिन जिसने मुझे यह कहानी सुनाई, उसने कहा कि यह इतनी सच्ची और पक्की है कि जब मैं इसे किसी और को सुनाऊँगा तो मैं विश्वासपूर्वक कह सकता हूँ और कसम खा सकता हूँ कि मैंने यह सब स्वयं देखा है। और इस तरह समय के साथ, शैतान, जो कभी सोता नहीं और हर चीज में गड़बड़ी पैदा करता है, ने ऐसा षड्यंत्र रचा कि चरवाहे का चरवाहिनी के प्रति प्रेम घृणा और दुर्भावना में बदल गया, और बुरी ज़ुबानों के अनुसार, इसका कारण उसकी छोटी सी ईर्ष्या थी जिसने उसे हद पार कर दी और वर्जित क्षेत्र में अतिक्रमण कर लिया; और उस समय से चरवाहा उससे इतनी नफरत करने लगा कि उससे बचने के लिए उसने देश छोड़कर ऐसी जगह जाने का निश्चय किया जहाँ वह उसे फिर कभी न देख सके। जब टोरलवा को लोपे द्वारा ठुकराया हुआ पाया गया, तो वह तुरंत उससे प्यार करने लगी, हालाँकि उसने पहले कभी उससे प्यार नहीं किया था।”
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "महिलाओं का यही स्वभाव है कि वे उनसे प्रेम करने वाले का तिरस्कार करती हैं और उनसे घृणा करने वाले से प्रेम करती हैं: आगे बढ़ो, सांचो।"
सांचो ने कहा, "ऐसा हुआ कि चरवाहे ने अपना इरादा पूरा किया और अपनी बकरियों को आगे-आगे हांकते हुए एस्ट्रेमादुरा के मैदानों को पार करके पुर्तगाल राज्य में प्रवेश कर गया। टोरल्वा, जिसे इसकी जानकारी थी, उसके पीछे गई और नंगे पैर कुछ दूरी पर उसका पीछा किया। उसके हाथ में तीर्थयात्री की लाठी थी और गले में एक थैली लटकी हुई थी, जिसमें कहा जाता है कि वह एक छोटा सा शीशा, एक कंघी का टुकड़ा और चेहरे के लिए थोड़ा सा रंग रखती थी; लेकिन वह क्या रखती थी, यह मैं साबित करने की कोशिश नहीं करूंगा; मैं बस इतना कह रहा हूं कि चरवाहा, जैसा कि लोग कहते हैं, अपने झुंड के साथ गुआडियाना नदी पार करने आया था, जो उस समय उफान पर थी और लगभग अपने किनारों से बह रही थी। जिस स्थान पर वह पहुंचा, वहां न तो कोई नाव थी, न कोई फेरी, और न ही कोई उसे या उसके झुंड को दूसरी तरफ ले जाने वाला था। इससे वह बहुत परेशान हुआ, क्योंकि उसने महसूस किया कि टोरल्वा आ रही है और अपने आंसुओं से उसे बहुत तंग करेगी।" कई बार विनती करने के बाद भी, वह इतनी बारीकी से खोजबीन करता रहा

कि उसे एक मछुआरा मिला जिसके पास एक छोटी सी नाव थी जिसमें केवल एक व्यक्ति और एक बकरी ही आ सकती थी; फिर भी उसने उससे बात की और उससे अपने साथ अपनी तीन सौ बकरियों को नदी पार ले जाने का वादा कर लिया। मछुआरा नाव में चढ़ा और एक बकरी को नदी पार ले गया; वह वापस आया और दूसरी बकरी को नदी पार ले गया; वह फिर वापस आया और एक और बकरी को नदी पार ले गया—महोदय, कृपया मछुआरे द्वारा ले जाई जा रही बकरियों की गिनती रखें, क्योंकि यदि एक भी बकरी छूट गई तो कहानी यहीं समाप्त हो जाएगी और इसके बारे में एक शब्द भी बताना असंभव हो जाएगा। आगे बढ़ने के लिए, मुझे आपको बताना होगा कि दूसरी तरफ उतरने की जगह कीचड़ भरी और फिसलन भरी थी, और मछुआरे को आने-जाने में बहुत समय लग गया; फिर भी वह एक और बकरी, फिर एक और, और एक और बकरी लेने के लिए लौटता रहा।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यह मान लो कि वह उन सभी को पार ले आया है, और इस तरह बार-बार आना-जाना मत करो, वरना तुम बारह महीने में उन सभी को पार लाने का काम पूरा नहीं कर पाओगे।"
"अब तक कितने लोग पार कर चुके हैं?" सांचो ने कहा।
"मुझे भला कैसे पता चलेगा?" डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया।
"ये रहा," सांचो ने कहा, "जो मैंने तुमसे कहा था, कि तुम्हें हिसाब-किताब रखना होगा; तो फिर, भगवान की कसम, कहानी यहीं खत्म होती है, क्योंकि अब आगे जाने का कोई रास्ता नहीं है।"
"ऐसा कैसे हो सकता है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या कहानी के लिए यह जानना इतना ज़रूरी है कि कौन-कौन सी बकरियाँ नदी पार कर चुकी हैं, कि अगर गिनती में एक भी गलती हो जाए, तो कहानी आगे नहीं बढ़ सकती?"
"नहीं, महोदय, बिलकुल नहीं," सांचो ने उत्तर दिया; "क्योंकि जब मैंने आपसे पूछा कि कितनी बकरियाँ पार हुई थीं, और आपने उत्तर दिया कि आपको नहीं पता, तो उसी क्षण मेरे मन से सब कुछ मिट गया, और सच कहूँ तो, इसमें बहुत अच्छाई और मनोरंजन था।"
"तो फिर," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कहानी यहीं समाप्त होती है?"
"मेरी माँ के पास जितना है," सांचो ने कहा।
“सचमुच,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “तुमने दुनिया की सबसे अनोखी कहानियों, किस्सों या इतिहासों में से एक सुनाई है, जिसकी कल्पना दुनिया में कोई भी कर सकता था, और इसे कहने और समाप्त करने का ऐसा तरीका न तो कभी देखा गया है और न ही जीवनकाल में कभी देखा जाएगा; हालाँकि तुम्हारी उत्कृष्ट समझ से

मुझे इससे कम की उम्मीद नहीं थी। लेकिन मुझे आश्चर्य नहीं है, क्योंकि शायद उन निरंतर प्रहारों ने तुम्हारी बुद्धि को भ्रमित कर दिया हो।”
"ऐसा हो सकता है," सांचो ने उत्तर दिया, "लेकिन मैं जानता हूँ कि मेरी कहानी के बारे में बस इतना ही कहा जा सकता है कि यह वहीं समाप्त होती है जहाँ बकरियों के गुजरने की गिनती में गलती शुरू होती है।"
"जो भी अंत हो, अच्छा है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और देखते हैं कि रोसिनांटे चल पाता है या नहीं;" और उसने फिर से उसे एड़ी मारी, और रोसिनांटे ने फिर से छलांग लगाई और वहीं रुका रहा, क्योंकि वह इतनी अच्छी तरह से बंधा हुआ था।
ठीक उसी क्षण, चाहे यह सुबह की बढ़ती ठंड के कारण हो, या रात के खाने में कुछ जुलाब खा लेने के कारण, या फिर यह स्वाभाविक ही क्यों न हो (जैसा कि सबसे अधिक संभावना है), सांचो के मन में वह करने की तीव्र इच्छा जागी जो कोई उसके लिए नहीं कर सकता था; परन्तु उसके हृदय में इतना भय समा गया था कि वह अपने स्वामी से एक नाखून के बराबर भी दूर नहीं हो सका; हालाँकि, अपनी इच्छा को न करना भी असंभव था; इसलिए शांति के लिए उसने अपने दाहिने हाथ को, जो काठी के पिछले हिस्से को पकड़े हुए था, धीरे से और चुपचाप उस डोरी को खोल दिया जिससे उसकी पतलून बंधी हुई थी, और डोरी खुलते ही पतलून उसके पैरों में बेड़ियों की तरह गिर पड़ी; फिर उसने अपनी कमीज को जितना हो सके ऊपर उठाया और अपने नितंबों को नंगा कर दिया, जो दुबले-पतले नहीं थे। लेकिन, यह काम पूरा हो जाने के बाद, जिसे वह इस भयानक संकट और परेशानी से निकलने का एकमात्र उपाय समझ रहा था, एक और भी बड़ी समस्या सामने आ गई, क्योंकि उसे लगा कि बिना आवाज किए शौच करना असंभव है, और उसने अपने दांत पीसे और अपने कंधों को कसकर भींच लिया, जितना हो सके अपनी सांस रोके रखी; लेकिन अपनी तमाम सावधानियों के बावजूद, दुर्भाग्य से उससे थोड़ी सी आवाज निकल ही गई, जो उस आवाज से बिल्कुल अलग थी जिससे उसे इतना डर लग रहा था।
डॉन क्विक्सोट ने यह सुनकर कहा, "यह कैसी आवाज है, सांचो?"
“मुझे नहीं पता, महोदय,” उसने कहा; “यह कुछ नया ही होगा, क्योंकि रोमांच और मुसीबतें कभी मामूली बात से शुरू नहीं होतीं।” उसने एक बार फिर अपनी किस्मत आजमाई, और उसे इतनी सफलता मिली कि बिना किसी शोर या गड़बड़ी के वह उस बोझ से मुक्त हो गया जिसने उसे इतना कष्ट दिया था। लेकिन डॉन क्विक्सोट की सूंघने की शक्ति उसकी सुनने की शक्ति जितनी ही तीव्र थी, और सांचो उससे

इतनी निकटता से जुड़ा हुआ था कि धुआं लगभग एक सीधी रेखा में ऊपर उठ रहा था, इसलिए यह स्वाभाविक था कि कुछ धुआं उसकी नाक तक भी पहुंचे, और जैसे ही धुआं पहुंचा, उसने अपनी उंगलियों के बीच उसे दबाकर राहत पाई, और कुछ घुटते हुए स्वर में कहा, “सांचो, मुझे लगता है कि तुम बहुत डरे हुए हो।”
"मैं हूँ," सांचो ने उत्तर दिया; "लेकिन आपके स्वामी इसे अब पहले से कहीं अधिक कैसे देखते हैं?"
"क्योंकि इस समय तुम्हारी गंध पहले से कहीं अधिक तीव्र है, और यह एम्बरग्रीस की गंध नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।
"बहुत संभव है," सांचो ने कहा, "लेकिन इसमें मेरी कोई गलती नहीं है, बल्कि आपकी गलती है, क्योंकि आपने मुझे अनुचित समय पर और असामान्य गति से घुमाया।"
"तो फिर तीन-चार साल पीछे जाओ, मेरे दोस्त," डॉन क्विक्सोट ने अपनी उंगलियाँ नाक पर रखे हुए कहा; "और भविष्य में अपने आप पर और मेरे प्रति अपने ऋण पर अधिक ध्यान देना; क्योंकि तुम्हारे साथ मेरी अत्यधिक घनिष्ठता ने ही इस तिरस्कार को जन्म दिया है।"
"मुझे पूरा यकीन है," सांचो ने उत्तर दिया, "कि महाराज को लगता होगा कि मैंने अपने साथ कुछ ऐसा किया है जो मुझे नहीं करना चाहिए था।"
"इसे हिलाने से मामला और बिगड़ जाएगा, मेरे दोस्त सांचो," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया।
इसी तरह की बातों में स्वामी और सेवक ने रात गुजारी, जब तक कि सांचो ने देखा कि भोर होने वाली है, तो उसने बड़ी सावधानी से रोसिनांटे को खोलकर उसकी पतलून बांध दी। रोसिनांटे को जैसे ही आजादी मिली, हालांकि स्वभाव से वह बिल्कुल भी फुर्तीला नहीं था, वह जीवंत महसूस करने लगा और पैर पटकने लगा — क्योंकि उछल-कूद का मतलब उसे नहीं पता था। डॉन क्विक्सोट ने रोसिनांटे को हिलते-डुलते देखकर इसे एक अच्छा संकेत समझा और सोचा कि उसे इस खतरनाक साहसिक कार्य को शुरू करना चाहिए। तब तक दिन पूरी तरह से निकल चुका था और सब कुछ स्पष्ट दिखाई दे रहा था, और डॉन क्विक्सोट ने देखा कि वह कुछ ऊंचे पेड़ों, शाहबलूत के पेड़ों के बीच था, जिनकी घनी छाया थी; उसने यह भी महसूस किया कि चाबुक की आवाज़ बंद नहीं हो रही थी, लेकिन वह इसका कारण नहीं जान सका। इसलिए बिना किसी देरी के उसने रोसिनांटे को चाबुक चलाने दिया और सांचो से विदा लेते हुए उससे कहा कि वह ज़्यादा से ज़्यादा तीन दिन वहीं

उसका इंतज़ार करे, जैसा कि उसने पहले कहा था। उसने यह भी कहा कि अगर वह उस समय तक वापस नहीं लौटा, तो वह समझ सकता है कि यह ईश्वर की इच्छा थी कि वह उस खतरनाक यात्रा में अपने दिन समाप्त करे। उसने अपनी पत्नी डुलसीनिया को अपने लिए भेजे जाने वाले संदेश और आदेश को फिर से दोहराया और कहा कि उसे अपनी सेवाओं के भुगतान के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि घर से निकलने से पहले उसने अपनी वसीयत बना ली थी, जिसमें उसे सेवा के समय के अनुपात में पूरा वेतन मिलेगा। लेकिन अगर ईश्वर उसे उस खतरे से सुरक्षित, स्वस्थ और बिना किसी चोट के बचा ले, तो वह उस वादे किए गए द्वीप को लगभग निश्चित मान सकता है। अपने दयालु गुरु के इन भावपूर्ण शब्दों को सुनकर सांचो फिर से रोने लगा और उसने इस काम के अंत तक उनके साथ रहने का निश्चय किया। सांचो पांजा के इन आंसुओं और इस सम्मानजनक संकल्प से इस इतिहास के लेखक यह अनुमान लगाते हैं कि वह अच्छे कुल का और कम से कम एक पुराना ईसाई रहा होगा; और उसके द्वारा प्रदर्शित भावना ने उसे छुआ तो था, लेकिन इतना नहीं कि वह कोई कमजोरी दिखाए; इसके विपरीत, अपनी भावनाओं को यथासंभव छिपाते हुए, वह उस दिशा की ओर बढ़ने लगा जहाँ से पानी और प्रहारों की आवाज आती हुई प्रतीत हो रही थी।
सांचो हमेशा की तरह अपने गधे को लगाम से पकड़कर पैदल ही उसके पीछे-पीछे चल रहा था, जो सुख-दुख में उसका सच्चा साथी था। घने शाहबलूत के पेड़ों के बीच से कुछ दूर चलने के बाद वे कुछ ऊँची चट्टानों के नीचे एक छोटे से मैदान में पहुँचे, जहाँ से पानी का एक तेज़ बहाव बह रहा था। चट्टानों के नीचे कुछ कच्चे-पक्के घर थे जो घरों से ज़्यादा खंडहर जैसे लग रहे थे। उन्हीं घरों के बीच से लगातार मार-पीट की आवाज़ आ रही थी। पानी और मार-पीट की आवाज़ से रोसिनांटे डर गया, लेकिन उसे शांत करते हुए डॉन क्विक्सोट धीरे-धीरे घरों की ओर बढ़ा। वह अपनी पत्नी को पूरे दिल से धन्यवाद दे रहा था, उस भयानक यात्रा और साहसिक कार्य में उसका साथ माँग रहा था और रास्ते में ईश्वर से भी प्रार्थना कर रहा था कि वह उसे न भूले। सांचो, जो हमेशा उसके साथ था, अपनी गर्दन जितनी दूर तक बढ़ा सकता था, रोसिनांटे के पैरों के बीच से झाँककर यह जानने की कोशिश कर रहा था कि आखिर किस बात से उसे इतना डर और आशंका हो रही है। वे शायद सौ कदम और आगे बढ़े होंगे, तभी एक मोड़ पर मुड़ते ही उस भयानक और विस्मयकारी शोर का असली कारण, जो उन्हें पूरी रात डर और असमंजस में रखे हुए था, स्पष्ट रूप से सामने आ गया; और वह (यदि पाठक, आप

निराश या हताश नहीं हैं) छह कपड़े धोने वाले हथौड़ों की बारी-बारी से होने वाली चोटियाँ थीं, जिनसे यह शोर उत्पन्न हो रहा था।
जब डॉन क्विक्सोट को पता चला कि यह क्या है, तो वह सिर से पैर तक अवाक और जकड़ा हुआ रह गया। सांचो ने उसकी ओर देखा और पाया कि वह शर्मिंदगी से अपना सिर सीने पर झुकाए बैठा है; और डॉन क्विक्सोट ने सांचो की ओर देखा और पाया कि उसके गाल फूले हुए हैं और मुंह हंसी से भरा हुआ है, मानो वह अभी फूट पड़ेगा, और अपनी झुंझलाहट के बावजूद वह उसे देखकर हंसे बिना नहीं रह सका; और जब सांचो ने अपने गुरु को हंसते हुए देखा तो वह इतनी जोर से हंसा कि उसे अपनी कमर को दोनों हाथों से पकड़ना पड़ा ताकि वह हंसी के मारे फट न जाए। वह चार बार रुका, और उतनी ही बार उसकी हंसी पहले जैसी ही तीव्रता से फूट पड़ी, जिससे डॉन क्विक्सोट और भी क्रोधित हो गया, खासकर तब जब उसने उसे उपहासपूर्वक कहते सुना, "तुम्हें पता होना चाहिए, मित्र सांचो, कि स्वर्ग की इच्छा से मैं इस लौह युग में स्वर्ण युग को पुनर्जीवित करने के लिए पैदा हुआ हूं; मैं वह हूं जिसके लिए खतरे, महान उपलब्धियां और वीरतापूर्ण कार्य आरक्षित हैं;" और यहाँ वह उन्हीं शब्दों को दोहराता रहा जो डॉन क्विक्सोट ने पहली बार भयानक प्रहारों की आवाज सुनने पर कहे थे।
डॉन क्विक्सोट ने जब देखा कि सांचो उसका मज़ाक उड़ा रहा है, तो वह इतना अपमानित और क्रोधित हुआ कि उसने अपना भाला उठाया और उस पर ऐसे दो प्रहार किए कि अगर वे उसके कंधों पर लगने के बजाय उसके सिर पर लगते, तो उसे कोई मुआवज़ा नहीं देना पड़ता, सिवाय उसके वारिसों के। सांचो ने देखा कि उसके मज़ाक का उसे गंभीर परिणाम भुगतना पड़ रहा है, और उसे डर था कि उसका स्वामी इसे और आगे बढ़ा सकता है, इसलिए उसने बहुत विनम्रता से कहा, "शांत हो जाइए, महोदय, क्योंकि मैं तो बस मज़ाक कर रहा हूँ।"
"अच्छा, तो अगर तुम मज़ाक कर रहे हो तो मैं नहीं कर रहा," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया। "देखो, मेरे प्यारे सज्जन, अगर ये हथौड़े न होकर कोई खतरनाक साहसिक कार्य होते, तो क्या मैंने, तुम्हारे विचार से, उस प्रयास और सफलता के लिए आवश्यक साहस नहीं दिखाया होता? क्या मैं, संयोगवश, एक सज्जन होने के नाते, आवाज़ों को पहचानने और उनमें अंतर करने और यह बताने के लिए बाध्य हूँ कि वे धुरंधरों से आ रही हैं या नहीं; और वह भी तब, जब शायद, जैसा कि मामला है, मैंने अपने जीवन में कभी तुम्हारे जैसे, नीच गंवार, किसी को भी धुरंधरों के बीच पैदा होते और पले-बढ़े नहीं देखा? लेकिन इन छह हथौड़ों को

छह दानवों में बदल दो, और उन्हें एक-एक करके या एक साथ मेरे सामने लाओ, और अगर मैं उन्हें सिर के बल न गिराऊँ, तो मेरा जो मन करे उतना मज़ाक उड़ाओ।" "बस करो, महोदय," सांचो ने जवाब दिया; "मैं मानता हूँ कि मैंने मज़ाक में थोड़ी ज़्यादा ही बात कर दी। लेकिन बताइए, महाराज, अब जब हमारे बीच सुलह हो गई है (और ईश्वर आपको आने वाली सभी मुसीबतों से उसी तरह सुरक्षित और सही सलामत बचाए जैसे उसने आपको इससे बचाया है), क्या वह हँसी की बात नहीं थी, और क्या वह एक अच्छी कहानी नहीं है, वह भयानक डर जिसमें हम थे?—कम से कम मैं तो था; क्योंकि जहाँ तक महाराज की बात है, अब मैं देखता हूँ कि आप न तो जानते हैं और न ही समझते हैं कि डर या घबराहट क्या होती है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि हमारे साथ जो हुआ वह हंसी का पात्र हो सकता है, लेकिन उस पर कहानी बनाना उचित नहीं है, क्योंकि हर कोई इतना चतुर नहीं होता कि किसी बात के सही पहलू को समझ सके।" "खैर," सांचो ने कहा, "महाराज, आपने भाले से सही निशाना लगाया, मेरे सिर पर निशाना साधा और मेरे कंधों पर लगा, ईश्वर की कृपा और मेरी अपनी चतुराई से बच निकलने के लिए धन्यवाद। लेकिन छोड़ो इसे; सफाई के दौरान सब पता चल जाएगा; क्योंकि मैंने सुना है कि 'जो तुम्हें रुलाता है, वही तुमसे सच्चा प्यार करता है;' और यह भी कि बड़े सरदारों का रिवाज है कि वे किसी भी कठोर बात के बाद अपने नौकर को एक जोड़ी पैंट देते हैं; हालांकि मुझे नहीं पता कि वे मार के बाद क्या देते हैं, सिवाय इसके कि वीर योद्धा मार के बाद द्वीप या मुख्य भूमि पर राज्य दे देते हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हो सकता है यह किस्मत का खेल हो कि जो कुछ तुम कहते हो वह सच हो जाए; अतीत को भूल जाओ, क्योंकि तुम इतने चतुर हो कि जानते हो कि हमारी पहली चालें हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं; और भविष्य के लिए एक बात याद रखना, कि मेरी संगति में अपनी वाचालता पर लगाम लगाना; क्योंकि मैंने जितनी भी वीरता की किताबें पढ़ी हैं, और वे अनगिनत हैं, उनमें मुझे कभी कोई ऐसा सरदार नहीं मिला जो अपने स्वामी से उतना बोलता हो जितना तुम बोलते हो; और वास्तव में मुझे लगता है कि यह तुम्हारी और मेरी दोनों की बड़ी गलती है: तुम्हारी, कि तुम मेरा इतना कम सम्मान करते हो; मेरी, कि मैं खुद को और अधिक सम्मानित नहीं बनाता। गॉल के अमाडिस का सरदार गैंडलिन था, जो इंसुला फ़िरमे का काउंट था, और हम उसके बारे में पढ़ते हैं कि वह हमेशा अपने स्वामी से टोपी हाथ में लिए, सिर झुकाए और शरीर को कमर से मोड़े हुए बात

करता था, और फिर क्या हुआ? क्या हम गालाओर के दरबारी गसाबल के बारे में बात करें, जो इतना मौन था कि उसकी अद्भुत चुप्पी की महानता को दर्शाने के लिए, उस पूरे इतिहास में, जहाँ तक वह सत्य है, उसका नाम केवल एक बार ही लिया गया है? मैंने जो कुछ कहा है, उससे तुम समझ जाओगे, सांचो, कि स्वामी और सेवक, स्वामी और नौकर, शूरवीर और दरबारी के बीच अंतर होना चाहिए: इसलिए आज से हमारे व्यवहार में हमें अधिक सम्मान रखना चाहिए और कम मनमानी करनी चाहिए, क्योंकि अगर मैं तुमसे किसी भी तरह से नाराज हुआ तो यह हमारे लिए बुरा होगा। मैंने तुम्हें जो उपकार और लाभ देने का वादा किया है, वे उचित समय पर मिलेंगे, और यदि वे नहीं मिलते हैं तो कम से कम तुम्हारी तनख्वाह तो नहीं जाएगी, जैसा कि मैंने तुम्हें पहले ही बताया है।
"महामहिम, आपने जो कुछ भी कहा वह बहुत अच्छा है," सांचो ने कहा, "लेकिन मैं यह जानना चाहूंगा (यदि कृपा का समय न आए और मजदूरी पर निर्भर रहना पड़े) कि उन दिनों में एक वीर योद्धा के सहायक को कितना वेतन मिलता था, और क्या वे राजमिस्त्रियों की तरह महीने के हिसाब से या दिन के हिसाब से वेतन लेते थे?"
“मुझे विश्वास नहीं होता,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “कि ऐसे सरदारों को कभी वेतन मिलता था, बल्कि वे कृपा पर निर्भर रहते थे; और यदि मैंने घर पर छोड़ी अपनी सीलबंद वसीयत में तुम्हारा ज़िक्र किया है, तो यह भविष्य में होने वाली घटनाओं को ध्यान में रखते हुए किया है; क्योंकि अभी तक मुझे नहीं पता कि हमारे इन विकट समयों में वीरता का क्या अंजाम होगा, और मैं नहीं चाहता कि परलोक में मेरी आत्मा तुच्छ बातों के लिए कष्ट भोगे; क्योंकि मैं चाहता हूँ कि तुम जानो, सांचो, कि इस दुनिया में साहसी लोगों से ज़्यादा जोखिम भरी कोई स्थिति नहीं है।”
"यह सच है," सांचो ने कहा, "क्योंकि एक फुलिंग मिल के हथौड़ों की मात्र आवाज भी आप जैसे साहसी और बेखौफ व्यक्ति के दिल को विचलित और बेचैन कर सकती है; लेकिन आप निश्चिंत रहें कि मैं अब से आपके किसी भी सम्मान को कमतर नहीं आंकूंगा, बल्कि केवल आपको अपने स्वामी और स्वाभाविक स्वामी के रूप में सम्मान दूंगा।"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "ऐसा करने से तुम पृथ्वी पर दीर्घायु होगे; क्योंकि माता-पिता के बाद, स्वामियों का सम्मान माता-पिता के समान ही किया जाना चाहिए।"

21

अध्याय
यह पुस्तक माम्ब्रिनो के हेलमेट के गौरवशाली साहसिक कार्य और बहुमूल्य पुरस्कार के साथ-साथ हमारे अजेय योद्धा के साथ घटी अन्य घटनाओं का वर्णन करती है।
अब हल्की बारिश शुरू हो गई थी, और सांचो कपड़े धोने की मिलों में जाना चाहता था, लेकिन डॉन क्विक्सोट को पिछली घटना के कारण उन मिलों से इतनी घृणा हो गई थी कि वह किसी भी कीमत पर उनमें प्रवेश नहीं करेगा; इसलिए दाईं ओर मुड़कर वे एक दूसरी सड़क पर आ गए, जो उस सड़क से अलग थी जिस पर वे पिछली रात गए थे। थोड़ी देर बाद डॉन क्विक्सोट ने घोड़े पर सवार एक आदमी को देखा जिसके सिर पर सोने की तरह चमकने वाली कोई चीज थी, और जैसे ही उसने उसे देखा, वह सांचो की ओर मुड़ा और बोला:
"मुझे लगता है, सांचो, कोई भी कहावत ऐसी नहीं है जो सच न हो, क्योंकि सभी कहावतें अनुभव से ही निकली हैं, जो समस्त विज्ञानों की जननी है, विशेषकर वह कहावत जो कहती है, 'जहां एक दरवाजा बंद होता है, वहां दूसरा खुल जाता है।' मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि अगर कल रात भाग्य ने हमारे उस रोमांच का दरवाजा हमारे लिए बंद कर दिया जिसकी हम प्रतीक्षा कर रहे थे, और हमें फुलिंग मिलों के नाम पर धोखा दिया, तो अब वह एक और बेहतर और अधिक निश्चित रोमांच के लिए एक और दरवाजा खोल रहा है, और अगर मैं उसमें प्रवेश नहीं कर पाया, तो यह मेरी अपनी गलती होगी, और मैं इसे फुलिंग मिलों के बारे में अपनी अज्ञानता या रात के अंधेरे का बहाना नहीं बना सकता। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि, अगर मैं गलत नहीं हूं, तो हमारी ओर एक ऐसा व्यक्ति आ रहा है जिसने अपने सिर पर माम्ब्रिनो का हेलमेट पहना हुआ है, जिसके बारे में मैंने वह शपथ ली थी जो तुम्हें याद है।"
"अपने शब्दों, अपनी पूजा-अर्चना और उससे भी अधिक अपने कार्यों पर ध्यान दो," सांचो ने कहा, "क्योंकि मैं नहीं चाहता कि और भी ऊन पीसने वाली मिलें हमारे होश उड़ा दें।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "दफा हो जाइए, आदमी; हेलमेट का कपड़ों की धुलाई की चक्की से क्या लेना-देना है?"

"मुझे नहीं पता," सांचो ने उत्तर दिया, "लेकिन, सच कहूँ तो, अगर मैं पहले की तरह बोल पाता, तो शायद मैं ऐसे तर्क दे पाता कि महाराज आपको समझ आ जाता कि आप जो कह रहे हैं उसमें आप गलत हैं।"
"मैं अपनी बात में कैसे गलत हो सकता हूँ, हे अविश्वासी गद्दार?" डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "मुझे बताओ, क्या तुम उस चितकबरे भूरे घोड़े पर सवार होकर हमारी ओर आते हुए उस योद्धा को नहीं देख रहे हो, जिसके सिर पर सोने का हेलमेट है?"
"जो मैं देख और समझ पा रहा हूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "वह केवल एक आदमी है जो मेरे जैसे भूरे रंग के गधे पर बैठा है, जिसके सिर पर कुछ चमक रहा है।" "अच्छा, यह तो माम्ब्रिनो का हेलमेट है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "एक तरफ हट जाओ और मुझे उसके साथ अकेला छोड़ दो; तुम देखोगे कि कैसे, बिना एक शब्द कहे, समय बचाने के लिए, मैं इस साहसिक कार्य को अंजाम तक पहुंचाऊंगा और वह हेलमेट हासिल कर लूंगा जिसकी मुझे इतनी लंबे समय से चाह थी।"
"मैं एक तरफ हटकर खड़ा रहने का ध्यान रखूंगा," सांचो ने कहा; "लेकिन भगवान करे, मैं एक बार फिर प्रार्थना करता हूं, कि यह मार्जोरम हो, न कि फुलिंग मिल्स।"
"मैंने तुम्हें पहले ही कहा है, भाई, किसी भी हालत में मुझसे उन फुलिंग मिलों का जिक्र मत करना," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "वरना मैं कसम खाता हूँ— और मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूँगा—मैं तुम्हारी आत्मा निकाल लूँगा।" सांचो भयभीत होकर चुप रहा, कहीं ऐसा न हो कि उसका स्वामी उस प्रतिज्ञा को पूरा कर दे जिसे उसने कटोरे की तरह उस पर फेंक दिया था।
डॉन क्विक्सोट ने जिस हेलमेट, घोड़े और शूरवीर को देखा था, उसका सार यह था। उस इलाके में दो गाँव थे, जिनमें से एक इतना छोटा था कि उसमें न तो दवाखाना था और न ही नाई, जबकि उसके पास वाले दूसरे गाँव में ये सब थे। इसलिए बड़े गाँव का नाई छोटे गाँव की सेवा करता था। उस गाँव में एक बीमार आदमी था जिसे खून निकलवाना था और एक आदमी दाढ़ी बनवाना चाहता था। नाई इसी काम से जा रहा था, उसके हाथ में पीतल का एक कुंड था। संयोगवश, रास्ते में ही बारिश शुरू हो गई। अपनी टोपी (जो शायद नई ही थी) को खराब होने से बचाने के लिए उसने कुंड को अपने सिर पर रख लिया, और साफ होने के कारण वह आधे मील की दूरी से ही चमक रहा था। सांचो के अनुसार, वह एक भूरे गधे पर सवार था, और इसी वजह से डॉन क्विक्सोट को वह चित्तीदार भूरा घोड़ा, एक शूरवीर और एक सुनहरा हेलमेट

दिखाई दिया; क्योंकि उसने जो कुछ भी देखा, उसे अपने सनकी शूरवीरता और गलत धारणाओं के अनुरूप ढालने की कोशिश की। और जब उसने बेचारे योद्धा को पास आते देखा, तो उससे कोई बातचीत किए बिना, रोसिनांटे ने अपनी पूरी गति से भाले को नीचे की ओर झुकाकर उस पर हमला कर दिया, उसे पूरी तरह से चीर-फाड़ करने का दृढ़ निश्चय करते हुए, और जैसे ही वह उसके पास पहुँचा, अपने हमले के क्रोध को रोके बिना, उसने उसे पुकारा:
"हे दयनीय प्राणी, अपनी रक्षा करो, या स्वेच्छा से मुझे वह लौटा दो जो मेरा उचित हक है।"
नाई, जिसने बिना किसी पूर्वसूचना या आशंका के इस प्रेत को अपनी ओर आते देखा, भाले के वार से खुद को बचाने का उसके पास एकमात्र उपाय था कि वह अपने गधे से नीचे गिर जाए; और जैसे ही वह जमीन पर गिरा, वह हिरण से भी अधिक फुर्ती से उछल पड़ा और हवा से भी तेज गति से मैदान पार कर गया।
उसने बेसिन को जमीन पर छोड़ दिया, जिससे डॉन क्विक्सोट संतुष्ट हो गया और कहा कि उस मूर्तिपूजक ने अपनी समझदारी दिखाई है और बीवर की नकल की है, जो शिकारियों से घिरे होने पर अपने दांतों से उस चीज को काट डालता है जिसके लिए वह अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति से जानता है कि उसका पीछा किया जा रहा है।
उन्होंने सांचो को हेलमेट उठाने को कहा, और सांचो ने उसे अपने हाथों में लेकर कहा:
"भगवान की कसम, यह बेसिन बहुत अच्छा है, और अगर इसकी कीमत एक मरावेडिस है तो यह आठ रील के बराबर है," उसने इसे अपने मालिक को सौंप दिया, जिसने तुरंत इसे अपने सिर पर रख लिया और इसे घुमाते हुए, कभी इधर, कभी उधर, फिटमेंट की तलाश की, लेकिन फिट न होने पर उसने कहा, "स्पष्ट रूप से जिस मूर्तिपूजक के माप के अनुसार यह प्रसिद्ध सिर का आभूषण पहली बार बनाया गया था, उसका सिर बहुत बड़ा रहा होगा; लेकिन सबसे बुरी बात यह है कि इसका आधा हिस्सा गायब है।" जब सांचो ने उसे बेसिन को हेडपीस कहते सुना तो वह अपनी हंसी रोक नहीं पाया, लेकिन अपने स्वामी के क्रोध को याद करके उसने बीच में ही खुद को रोक लिया। "सांचो, तुम किस बात पर हंस रहे हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मुझे हंसी आ रही है, यह सोचकर कि इस हेलमेट के मालिक मूर्तिपूजक का सिर कितना बड़ा रहा होगा, क्योंकि यह बिल्कुल एक आम नाई के कुंड जैसा दिखता है।"

"क्या तुम जानते हो कि मुझे क्या शक है, सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "कि इस जादुई हेलमेट का यह अद्भुत टुकड़ा किसी अजीब दुर्घटना से किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ में आ गया होगा जो इसकी कीमत को पहचान या समझ नहीं पाया, और जिसने अनजाने में, इसे शुद्ध सोने का देखकर, इसके आधे हिस्से को इसकी कीमत के लिए पिघला दिया होगा, और दूसरे से यह बनाया होगा जो तुम्हारे कहने के अनुसार नाई के कुंड जैसा दिखता है; लेकिन जो भी हो, मेरे लिए, जो इसे पहचानता हूँ, इसके रूपांतरण से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि मैं इसे पहले उस गाँव में ठीक करवाऊँगा जहाँ कोई लोहार मिलेगा, और इस तरह से कि युद्ध के देवता के लिए लोहारों के देवता द्वारा बनाया गया हेलमेट भी इससे बेहतर न हो सके; और इस बीच मैं इसे जितना हो सके पहनूँगा, क्योंकि कुछ न होने से कुछ होना बेहतर है; खासकर इसलिए कि यह मुझे पत्थर के किसी भी आकस्मिक प्रहार से बचाने के लिए काफी होगा।"
"अर्थात," सांचो ने कहा, "यदि इसे गुलेल से नहीं चलाया गया, जैसा कि दो सेनाओं के युद्ध में हुआ था, जब उन्होंने आपके सम्माननीय वस्त्रों पर क्रॉस का चिन्ह बनाया और उस पवित्र पेय से भरी बोतल को तोड़ दिया जिससे मुझे उल्टी आ गई थी।"
"इसे खो देने से मुझे ज्यादा दुख नहीं हुआ," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि तुम जानते हो, सांचो, कि मुझे इसकी रसीद याद है।"
"मैंने भी यही सोचा है," सांचो ने उत्तर दिया, "लेकिन अगर मैं कभी इसमें सफल हो जाऊं, या अपने जीवन भर फिर से कोशिश करूं, तो यही मेरा आखिरी पल हो; इसके अलावा, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है कि मैं ऐसा चाहूं, क्योंकि मैं अपनी पूरी ताकत से खुद को घायल होने से और किसी को घायल करने से बचाना चाहता हूं: जहां तक दोबारा कंबल ओढ़ने की बात है, मैं कुछ नहीं कहता, क्योंकि इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकना मुश्किल है, और अगर वे हो जाएं तो हमारे पास अपने कंधों को कसकर पकड़ने, सांस रोक लेने, आंखें बंद करने और भाग्य और कंबल हमें जहां ले जाएं, वहां जाने के अलावा कोई चारा नहीं है।"
यह सुनकर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "सांचो, तुम एक बुरे ईसाई हो, क्योंकि एक बार तुम्हें चोट पहुँच जाए तो तुम उसे कभी नहीं भूलते; लेकिन जान लो कि नेक और उदार हृदय वाले लोग छोटी-मोटी बातों को महत्व नहीं देते। उस मजाक से तुम्हारा कौन सा पैर लंगड़ा हो गया, कौन सी पसली टूट गई, कौन सा सिर फट गया, कि तुम उस मजाक को नहीं भूल सकते? सही मायने में देखा जाए तो वह मजाक और खेल

ही था, और अगर मैंने उसे उस नजरिए से न देखा होता तो मैं लौटकर तुमसे इतना बड़ा बदला लेता जितना यूनानियों ने हेलेन के बलात्कार का बदला लेने के लिए लिया था, जो अगर आज जीवित होती, या अगर मेरी डुलसीनिया उस समय जीवित होती, तो यकीन मानिए वह अपनी सुंदरता के लिए इतनी प्रसिद्ध नहीं होती जितनी वह है;" और यहाँ उसने एक आह भरी और उसे हवा में छोड़ दिया। और सांचो ने कहा, "इसे मज़ाक समझ लो, क्योंकि इसका बदला गंभीरता से नहीं लिया जा सकता, लेकिन मैं जानता हूँ कि यह किस तरह का मज़ाक और गंभीरता थी, और मैं यह भी जानता हूँ कि यह मेरी याददाश्त से कभी नहीं मिटेगी, ठीक वैसे ही जैसे मेरे कंधों से नहीं मिटेगी। लेकिन इसे छोड़ो, महाराज, क्या आप मुझे बताएँगे कि हम इस चितकबरे-भूरे घोड़े का क्या करें जो एक भूरे गधे जैसा दिखता है, जिसे उस मार्टिनो ने, जिसे महाराज ने पराजित किया था, यहाँ लावारिस छोड़ दिया है? क्योंकि जिस तरह से वह भागा, उससे तो यही लगता है कि वह इसे लेने कभी वापस नहीं आएगा; और कसम से, भूरा घोड़ा तो अच्छा ही है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझे कभी भी पराजितों से लूट का सामान लेने की आदत नहीं रही है, और न ही यह शूरवीरता का रिवाज है कि उनके घोड़े छीनकर उन्हें पैदल जाने के लिए छोड़ दिया जाए, सिवाय इसके कि यदि विजेता ने युद्ध में अपना घोड़ा खो दिया हो, तो उस स्थिति में पराजित का घोड़ा लेना वैध है क्योंकि यह वैध युद्ध में जीती गई वस्तु है; इसलिए, सांचो, इस घोड़े, या गधे, या जो भी तुम इसे कहना चाहो, यहीं छोड़ दो; क्योंकि जब इसका मालिक हमें यहाँ से जाते हुए देखेगा तो वह इसे लेने वापस आएगा।"
"भगवान जानता है कि मैं इसे लेना चाहूंगा," सांचो ने जवाब दिया, "या कम से कम इसे अपने लिए बदलना चाहूंगा, जो मुझे उतना अच्छा नहीं लगता: वास्तव में, शूरवीरता के नियम सख्त हैं, क्योंकि उन्हें इस तरह से नहीं बढ़ाया जा सकता कि एक गधे को दूसरे से बदला जा सके; मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या मैं कम से कम साज-सामान बदल सकता हूं।"
"इस बारे में मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और चूंकि मामला संदिग्ध है, इसलिए बेहतर जानकारी मिलने तक, मैं कहता हूं कि यदि आपको उनकी तत्काल आवश्यकता है तो आप उन्हें बदल सकते हैं।"
"यह इतना अत्यावश्यक है," सांचो ने उत्तर दिया, "कि यदि ये मेरे स्वयं के लिए होते तो भी मुझे इनकी इतनी आवश्यकता नहीं होती;" और इस अनुमति से उत्साहित होकर, उसने तुरंत अपने घोड़े को पूरी तरह से सजाकर उसका रूप-रंग

बदल दिया। यह करने के बाद, उन्होंने लूटे हुए खच्चर से लूटे गए युद्ध के अवशेषों से अपना भोजन किया और कपड़े धोने की मिलों से बहने वाली छोटी नदी का पानी पिया, उस दिशा में देखे बिना, क्योंकि उस नदी से उन्हें इतना घृणा थी कि उसने उन्हें कितना भयभीत किया था; और, सारा क्रोध और उदासी दूर हो जाने पर, वे घोड़ों पर सवार हुए और बिना कोई निश्चित मार्ग अपनाए (सच्चे घुमंतू योद्धाओं के लिए किसी भी मार्ग पर न चलना उचित होता है), रोसिनांटे की इच्छा से निर्देशित होकर चल पड़े, जिसमें उसके स्वामी की इच्छा भी शामिल थी, और साथ ही उस गधे की भी, जो हमेशा उसके पीछे-पीछे प्रेमपूर्वक और सौहार्दपूर्वक चलता था। फिर भी वे मुख्य मार्ग पर लौट आए और बिना किसी अन्य उद्देश्य के उस पर निडर होकर आगे बढ़ गए।
चलते-चलते सांचो ने अपने स्वामी से कहा, "महाराज, क्या आप मुझे थोड़ी देर बोलने की अनुमति देंगे? क्योंकि जब से आपने मुझे चुप रहने का कठोर आदेश दिया है, तब से मेरे मन में कई बातें खटक रही हैं, और अब बस एक बात मेरी ज़बान पर है जिसे मैं ज़ाहिर नहीं करना चाहता।"
"सांचो, बोलो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और अपनी बात संक्षेप में कहो, क्योंकि लंबी बात में कोई आनंद नहीं होता।"
“तो फिर, महोदय,” सांचो ने उत्तर दिया, “मैं कहता हूँ कि पिछले कुछ दिनों से मैं इस बात पर विचार कर रहा हूँ कि इन जंगली और संकरे रास्तों में, जहाँ आप जिस प्रकार के साहसिक कार्य करना चाहते हैं, उनसे कितना कम लाभ होता है। यहाँ, भले ही सबसे खतरनाक कार्य में सफलता प्राप्त कर ली जाए, उन्हें देखने या जानने वाला कोई नहीं होता, और इसलिए वे हमेशा के लिए अनकहे रह जाते हैं, जिससे आपके उद्देश्य और उनके योग्य सम्मान का हनन होता है; इसलिए मुझे लगता है कि (आपकी बेहतर समझ को ध्यान में रखते हुए) बेहतर होगा कि हम किसी ऐसे सम्राट या अन्य महान राजकुमार की सेवा में जाएँ, जो किसी युद्ध में व्यस्त हो, जिसकी सेवा में आप अपने व्यक्तित्व, अपनी महान शक्ति और अपनी असाधारण बुद्धि का प्रमाण दे सकें। यह देखकर, जिसकी सेवा में हम होंगे, वह हमें हमारे गुणों के अनुसार पुरस्कृत करने के लिए बाध्य होगा; और वहाँ आपको अपनी उपलब्धियों को लिखकर रखने के लिए कोई न कोई मिल ही जाएगा, ताकि उनकी स्मृति हमेशा के लिए बनी रहे। मैं अपने बारे में कुछ नहीं कहूँगा, क्योंकि वे एक सरदार की सीमा से बाहर नहीं जाएँगी, हालाँकि मैं साहसपूर्वक ऐसा करने का प्रयास करता हूँ। यह कहना है कि, यदि शूरवीरता में सरदारों की

उपलब्धियों को लिखने की प्रथा है, तो मुझे लगता है कि मेरी उपलब्धि को भी नहीं छोड़ा जाना चाहिए।"
“सांचो, तुम गलत नहीं कह रहे हो,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “लेकिन उस मुकाम तक पहुँचने से पहले दुनिया भर में घूमना, मानो परीक्षा पर, रोमांच की तलाश करना आवश्यक है, ताकि कुछ कारनामों को पूरा करके नाम और प्रसिद्धि हासिल की जा सके, और जब वह किसी महान सम्राट के दरबार में जाए तो वह अपने कारनामों से पहले से ही जाना-पहचाना हो, और लड़के जैसे ही उसे शहर के द्वार में प्रवेश करते देखें, उसके पीछे-पीछे दौड़ें और उसे घेर लें, चिल्लाते हुए कहें, 'यह सूर्य का योद्धा है'—या सर्प का योद्धा, या कोई अन्य उपाधि जिसके तहत उसने महान कारनामे किए हों। 'यही वह है जिसने विशाल और शक्तिशाली ब्रोकाब्रूनो को एकल युद्ध में हराया; यही वह है जिसने फारस के महान ममलुक को लगभग नौ सौ वर्षों के लंबे जादू से मुक्त किया।” तो वे एक-दूसरे के पास जाकर उसकी उपलब्धियों का बखान करेंगे; और तभी लड़कों और अन्य लोगों के शोरगुल के बीच उस राज्य का राजा अपने महल की खिड़कियों पर प्रकट होगा, और जैसे ही वह उस योद्धा को देखेगा, उसके शस्त्रों और ढाल पर बने चिन्ह से उसे पहचानते हुए, वह सहजता से कहेगा, 'वाह! मेरे दरबार के सभी योद्धा आगे आओ, उस वीर योद्धा का स्वागत करने के लिए जो यहाँ आ रहा है!' इस आदेश पर सभी लोग बाहर निकल आएंगे, और वह स्वयं सीढ़ियों से आधा नीचे उतरकर उसे गले लगाएगा, उसका अभिवादन करेगा, उसके गाल पर चुंबन करेगा, और फिर उसे रानी के कक्ष में ले जाएगा, जहाँ शूरवीर उसे उसकी बेटी राजकुमारी के साथ पाएगा, जो ज्ञात दुनिया में अत्यंत कठिनाई से पाई जाने वाली सबसे सुंदर और गुणी युवतियों में से एक होगी। तुरंत ही ऐसा होगा कि वह शूरवीर पर अपनी निगाहें गड़ा देगी और वह उस पर, और दोनों एक-दूसरे को मानवीय से अधिक दिव्य प्रतीत होंगे, और बिना जाने कि कैसे और क्यों वे प्रेम के अथाह जाल में उलझ जाएंगे, और अपने दर्द और पीड़ा को शब्दों में व्यक्त करने का कोई रास्ता न देखकर अपने दिलों में बहुत दुखी होंगे। फिर वे उसे, निस्संदेह, महल के किसी भव्य रूप से सजे हुए कक्ष में ले जाएंगे, जहाँ उसका कवच उतारकर, वे उसे लाल रंग का एक कीमती लबादा देंगे जिससे वह खुद को ढक सके, और यदि वह अपने कवच में भव्य दिखता था तो वह उस लबादे में और भी अधिक भव्य दिखेगा। जब रात हो जाएगी जब वह राजा, रानी और राजकुमारी के साथ भोजन करेगा, तो वह लगातार उससे अपनी निगाहें नहीं हटाएगा, चुपके से उसे देखता रहेगा, ताकि वहाँ मौजूद

लोगों को पता न चले। राजकुमारी भी ऐसा ही करेगी, और उतनी ही सावधानी से, क्योंकि जैसा कि मैंने कहा है, वह एक अत्यंत विवेकशील युवती है। मेजें हटाए जाने के बाद, अचानक हॉल के दरवाजे से एक भयानक और छोटा बौना प्रवेश करेगा, जिसके पीछे एक सुंदर स्त्री होगी, जो दो विशालकाय पुरुषों के बीच खड़ी होगी। वह एक विशेष साहसिक कार्य लेकर आया है, जो एक प्राचीन ऋषि की रचना है; और जो इसे पूरा करेगा, उसे दुनिया का सर्वश्रेष्ठ योद्धा माना जाएगा।
तब राजा वहाँ उपस्थित सभी लोगों को इसे पूरा करने का आदेश देगा, और केवल वह अजनबी योद्धा ही इसे पूरा कर पाएगा, जिससे उसकी प्रसिद्धि में बहुत वृद्धि होगी। इससे राजकुमारी अत्यंत प्रसन्न होगी और अपने विचारों को इतना ऊँचा रखने के लिए स्वयं को भाग्यशाली समझेगी। और सबसे अच्छी बात यह है कि यह राजा, या राजकुमार, या जो भी वह है, अपने ही समान शक्तिशाली दूसरे योद्धा के साथ एक भयंकर युद्ध में लगा हुआ है, और वह अजनबी योद्धा, कुछ दिनों तक उसके दरबार में रहने के बाद, उससे उस युद्ध में उसकी सेवा करने की अनुमति मांगता है। राजा तुरंत अनुमति दे देगा, और योद्धा उसके प्रति किए गए उपकार के लिए विनम्रतापूर्वक उसके हाथों को चूमेगा; और उस रात वह राजकुमारी से उसके सोने के कमरे की चौखट पर विदा लेगा, जो एक बगीचे की ओर खुलता है, और जहाँ वह पहले भी कई बार उससे बातचीत कर चुका है। इस मामले में मध्यस्थ और विश्वासपात्र राजकुमारी की एक प्रिय दासी है। वह आह भरेगा, राजकुमारी बेहोश हो जाएगी, और वह दासी पानी लाएगी, क्योंकि सुबह होने के कारण वह बहुत परेशान है। पास आता है, और अपनी स्वामिनी के सम्मान के लिए वह नहीं चाहता कि उनका भेद खुल जाए; अंत में राजकुमारी को होश आता है और वह जाली से अपने सफेद हाथ शूरवीर को देती है, जो उन्हें हजारों बार चूमता है और अपने आंसुओं से भिगो देता है। उनके बीच यह तय होता है कि वे एक-दूसरे को अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में कैसे बताएंगे, और राजकुमारी उससे विनती करती है कि वह अपनी अनुपस्थिति यथासंभव कम रखे, जिसका वह कई कसमों के साथ वादा करता है; एक बार फिर वह उसके हाथों को चूमता है, और इतने गहरे दुःख में विदा लेता है कि मानो वह मरणासन्न हो। वह वहां से अपने कमरे में जाता है, अपने बिस्तर पर लेट जाता है, बिछड़ने के दुःख से सो नहीं पाता, सुबह जल्दी उठता है, राजा, रानी और राजकुमारी से विदा लेने जाता है, और जब वह उनसे विदा ले रहा होता है, तो उसे बताया जाता है कि राजकुमारी अस्वस्थ है और उससे मिलने नहीं

आ सकती; शूरवीर सोचता है कि यह उसके जाने के दुःख के कारण है, उसका हृदय छलनी हो जाता है, और वह मुश्किल से ही अपना दर्द छिपा पाता है। उसका विश्वासपात्र उपस्थित होता है, और सब कुछ देखता है। वह अपनी मालकिन को यह बात बताने जाती है, जो आँसुओं के साथ सुनती है और कहती है कि उसकी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि वह नहीं जानती कि यह शूरवीर कौन है और क्या वह शाही वंश का है या नहीं; युवती उसे आश्वस्त करती है कि उसके शूरवीर में जो शिष्टाचार, कोमलता और वीरता है, वह केवल किसी शाही और प्रतिष्ठित व्यक्ति में ही हो सकती है; इस प्रकार उसकी चिंता दूर हो जाती है, और वह अपने माता-पिता के मन में संदेह पैदा न हो इसलिए खुश रहने का प्रयास करती है, और दो दिनों के बाद वह सार्वजनिक रूप से प्रकट होती है। इस बीच शूरवीर विदा हो चुका होता है; वह युद्ध में लड़ता है, राजा के शत्रु को परास्त करता है, कई शहरों पर विजय प्राप्त करता है, कई लड़ाइयों में जीत हासिल करता है, दरबार लौटता है, अपनी प्रेमिका को उसी स्थान पर देखता है जहाँ वह उसे अक्सर देखता था, और यह तय होता है कि वह अपनी सेवाओं के पुरस्कार के रूप में उसके माता-पिता से उसका विवाह मांगेगा; राजा उसे देने के लिए अनिच्छुक है, क्योंकि वह नहीं जानता कि वह कौन है, लेकिन फिर भी, चाहे अपहरण करके ले जाया गया हो या किसी अन्य तरीके से, राजकुमारी उसकी दुल्हन बन जाती है, और उसके पिता इसे बहुत अच्छा मानते हैं। भाग्यवश; संयोग से यह शूरवीर किसी राज्य के एक वीर राजा का पुत्र सिद्ध होता है, मुझे नहीं पता कौन सा राज्य, क्योंकि मुझे लगता है कि वह मानचित्र पर शायद ही हो। पिता की मृत्यु हो जाती है, राजकुमारी को उत्तराधिकार मिलता है, और देखते ही देखते शूरवीर राजा बन जाता है। और यहीं से उसके सहायक और उन सभी को पुरस्कार मिलने लगते हैं जिन्होंने उसे इतने उच्च पद तक पहुँचने में सहायता की थी। वह अपने सहायक का विवाह राजकुमारी की एक दासी से करा देता है, जो निस्संदेह उनके प्रेम प्रसंग की विश्वासपात्र होगी और एक बहुत बड़े ड्यूक की पुत्री है।
"मैं यही चाहता हूँ, इसमें कोई शक नहीं!" सांचो ने कहा। "मैं इसी का इंतज़ार कर रहा हूँ; क्योंकि यह सब, शब्दशः, आपके लिए 'दुख भरे चेहरे वाले शूरवीर' की उपाधि के तहत तैयार है।"
“सांचो, तुम्हें इस पर संदेह करने की कोई आवश्यकता नहीं है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “क्योंकि ठीक उसी तरह और उन्हीं चरणों से, जैसा

मैंने यहाँ वर्णन किया है, वीर योद्धा राजा और सम्राट बनते हैं और बने हैं; अब हमें बस यह पता लगाना है कि कौन सा राजा, चाहे वह ईसाई हो या गैर-ईसाई, युद्ध में है और उसकी एक सुंदर पुत्री है; लेकिन इसके बारे में सोचने के लिए पर्याप्त समय होगा, क्योंकि जैसा कि मैंने तुम्हें बताया है, दरबार में जाने से पहले अन्य क्षेत्रों में प्रसिद्धि अर्जित करनी होगी। एक और बात भी है जिसकी कमी है; क्योंकि मान लीजिए कि हमें कोई ऐसा राजा मिल जाता है जो युद्ध में है और उसकी एक सुंदर पुत्री है, और मैंने पूरे ब्रह्मांड में अतुल्य प्रसिद्धि प्राप्त कर ली है, तो मुझे नहीं पता कि यह कैसे साबित होगा कि मैं शाही वंश का हूँ, या किसी सम्राट का चचेरा भाई भी हूँ; क्योंकि राजा मुझे अपनी पुत्री का विवाह तब तक नहीं देगा जब तक वह इस बात से पूरी तरह संतुष्ट न हो जाए, चाहे मेरे प्रसिद्ध कार्य इसके कितने भी योग्य क्यों न हों; इसलिए मुझे डर है कि इस कमी के कारण मैं वह सब खो दूँगा जो मैंने ईमानदारी से कमाया है। यह सच है कि मैं एक प्रतिष्ठित परिवार का सज्जन हूँ, मेरे पास संपत्ति और धन है।” और पाँच सौ सुएल्डोस मुल्क्ट (कर) का हकदार हूँ; और हो सकता है कि जो विद्वान मेरा इतिहास लिखेगा, वह मेरे वंश और वंशावली को इस प्रकार स्पष्ट कर दे कि मैं किसी राजा से पाँचवीं या छठी पीढ़ी का होऊँ; क्योंकि मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ, सांचो, कि संसार में दो प्रकार की वंश परंपराएँ होती हैं; कुछ ऐसी होती हैं जो राजाओं और राजकुमारों से अपनी वंशावली का पता लगाती हैं, जिन्हें समय ने धीरे-धीरे कम करते हुए एक उल्टे पिरामिड के समान बिंदु पर समाप्त कर दिया है; और दूसरी वे होती हैं जो आम लोगों से उत्पन्न होती हैं और कदम-दर-कदम ऊपर उठती जाती हैं जब तक कि वे महान स्वामी नहीं बन जातीं; इसलिए अंतर यह है कि एक वह है जो अब नहीं है, और दूसरी वह है जो पहले नहीं थी। और हो सकता है कि मैं उनमें से एक हूँ कि जाँच के बाद मेरी उत्पत्ति महान और प्रसिद्ध सिद्ध हो, जिससे राजा, यानी मेरे होने वाले ससुर, संतुष्ट हो जाएँ; और यदि वे संतुष्ट नहीं भी होते हैं, तो राजकुमारी मुझसे इतना प्रेम करेंगी कि भले ही वह मुझे एक पानी ढोने वाले का पुत्र जानती हों, फिर भी वह मुझे अपना स्वामी और पति बना लेंगी। उसके पिता की अवहेलना के बावजूद; यदि ऐसा नहीं हुआ, तो फिर मुझे उसे पकड़कर जहाँ चाहूँ वहाँ ले जाना पड़ेगा; क्योंकि समय या मृत्यु ही उसके माता-पिता के क्रोध का अंत करेगी।"

सांचो ने कहा, “बात यहाँ तक आ जाती है कि कुछ धूर्त लोग कहते हैं, ‘जो चीज़ बलपूर्वक ली जा सकती है, उसे कभी भी कृपा के रूप में मत माँगो;’ जबकि यह कहना ज़्यादा उचित होगा, ‘भलाई करने वालों की प्रार्थनाओं से बेहतर है कि बच निकला जाए।’ मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यदि मेरे स्वामी, आपके ससुर, आपको राजकुमारी देने की कृपा नहीं करते, तो आपके कहे अनुसार, उसे पकड़कर देश निकाला देने के अलावा कोई चारा नहीं है। लेकिन समस्या यह है कि जब तक शांति स्थापित नहीं हो जाती और आप अपने राज्य का शांतिपूर्ण आनंद नहीं उठा लेते, तब तक बेचारे सरदार को इनाम के मामले में भूखा रहना पड़ेगा, सिवाय इसके कि उसकी विश्वासपात्र युवती, जो उसकी पत्नी बनने वाली है, राजकुमारी के साथ आए और उसके साथ वह अपने दुर्भाग्य को तब तक संभाले रखे जब तक ईश्वर कुछ और न कर दे; क्योंकि मुझे लगता है कि उसके स्वामी उसे तुरंत ही वैध पत्नी के रूप में दे सकते हैं।”
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "इस पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता।"
"तो फिर, चूंकि ऐसा हो सकता है," सांचो ने कहा, "हमारे पास भगवान के भरोसे खुद को सौंपने और भाग्य को अपना रास्ता तय करने देने के अलावा कोई चारा नहीं है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हे ईश्वर, मेरी इच्छाओं और अपनी चाहतों के अनुसार इसका मार्गदर्शन करो, और जो स्वयं को तुच्छ समझता है, वह तुच्छ ही रहे।" "भगवान के नाम पर, ऐसा ही हो," सांचो ने कहा: "मैं एक पुराना ईसाई हूँ, और मुझे गिनती के लिए योग्य बनाना ही काफी है।"
"और तुम्हारे लिए यह काफी से भी अधिक है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और अगर तुम न भी होते, तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि राजा होने के नाते मैं तुम्हें बिना किसी खरीद या सेवा के आसानी से कुलीनता प्रदान कर सकता हूँ, क्योंकि जब मैं तुम्हें काउंट बना देता हूँ, तो तुम तुरंत एक सज्जन बन जाते हो; और वे चाहे जो कहें, लेकिन मेरी कसम, उन्हें तुम्हें 'महामहिम' कहकर पुकारना ही पड़ेगा, चाहे उन्हें पसंद हो या न हो।"
"इसमें कोई शक नहीं है; और मैं खिताब को बरकरार रखने का तरीका जानता हूँ," सांचो ने कहा।
"तुम्हें उपाधि कहनी चाहिए, छोटी-मोटी बात नहीं," उसके गुरु ने कहा।
"तो ऐसा ही हो," सांचो ने उत्तर दिया। "मैं कहता हूँ कि मुझे व्यवहार करना आता है, क्योंकि जीवन में एक बार मैं एक बिरादरी का मुखिया था, और मुखिया

का चोगा मुझ पर इतना अच्छा लगता था कि सब कहते थे कि मैं उसी बिरादरी का प्रबंधक बनने वाला हूँ। तो फिर क्या होगा जब मैं किसी ड्यूक का चोगा पहनूँगा, या किसी काउंट की तरह सोने और मोतियों से सजूँगा? मुझे विश्वास है कि लोग मुझे देखने के लिए सौ मील दूर से भी आ जाएँगे।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तुम अच्छे दिखोगे, लेकिन तुम्हें अपनी दाढ़ी बार-बार मुंडवानी होगी, क्योंकि यह इतनी घनी, खुरदरी और बेतरतीब है कि अगर तुम इसे कम से कम हर दूसरे दिन नहीं मुंडवाओगे, तो बंदूक की गोली की दूरी से ही लोग तुम्हें पहचान लेंगे।"
"इससे बेहतर और क्या होगा," सांचो ने कहा, "एक नाई रखना और उसे घर में तनख्वाह पर रखना? और अगर जरूरत भी पड़ी, तो मैं उसे किसी रईस के दरबारी की तरह अपने पीछे-पीछे चलने के लिए मजबूर कर दूंगा।"
"अरे, तुम्हें कैसे पता कि रईसों के पीछे घुड़सवार होते हैं?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
“मैं तुम्हें बताता हूँ,” सांचो ने उत्तर दिया। “कई साल पहले मैं एक महीने के लिए राजधानी में था और वहाँ मैंने एक छोटे कद के सज्जन को चलते हुए देखा, जिनके बारे में लोग कहते थे कि वे बहुत बड़े आदमी हैं, और एक आदमी घोड़े पर सवार होकर हर मोड़ पर उनके पीछे-पीछे चल रहा था, मानो उनकी पूंछ हो। मैंने पूछा कि यह आदमी हमेशा उनके पीछे चलने के बजाय दूसरे आदमी के साथ क्यों नहीं चलता; उन्होंने मुझे बताया कि वह उनका सहायक था, और रईसों में ऐसे लोगों को अपने पीछे रखने का रिवाज था, और तब से मुझे यह बात याद है, क्योंकि मैं इसे कभी नहीं भूला।”
"तुम सही कह रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और इसी तरह तुम अपने नाई को भी अपने साथ ले जा सकते हो, क्योंकि रीति-रिवाज एक साथ नहीं बने, न ही वे एक ही बार में ईजाद हुए, और तुम पहले ऐसे काउंट हो सकते हो जिसके साथ नाई चलता हो; और वास्तव में, दाढ़ी मुंडवाना घोड़े पर काठी कसने से कहीं अधिक बड़ा दायित्व है।"
"नाई का धंधा ही मेरी आजीविका का साधन होगा," सांचो ने कहा; "और महाराज, यह मेरा कर्तव्य होगा कि मैं राजा बनने का प्रयास करूं और मुझे एक काउंट बना दूं।"
"ऐसा ही होगा," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, और अपनी आँखें ऊपर उठाते हुए उसने वह देखा जो अगले अध्याय में बताया जाएगा।

22

अध्याय
डॉन क्विक्सोट ने उन कई दुर्भाग्यशाली लोगों को स्वतंत्रता प्रदान की, जिन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध ऐसी जगहों पर ले जाया जा रहा था जहाँ वे जाना नहीं चाहते थे।
अरब और मांचेगान लेखक सिदे हामेट बेनेनगेली ने इस अत्यंत गंभीर, आडंबरपूर्ण, विस्तृत, रमणीय और मौलिक इतिहास में वर्णन किया है कि ला मांचा के प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट और उनके सहायक सांचो पांजा के बीच अध्याय इक्कीस के अंत में हुई चर्चा के बाद, डॉन क्विक्सोट ने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और देखा कि जिस रास्ते पर वह चल रहे थे, उस पर लगभग एक दर्जन पैदल सैनिक गर्दन से मोतियों की तरह एक बड़ी लोहे की जंजीर में बंधे हुए आ रहे थे, और सभी के हाथों में हथकड़ियाँ थीं। उनके साथ दो घुड़सवार और दो पैदल सैनिक भी थे; घुड़सवारों के पास पहिएदार बंदूकें थीं, पैदल सैनिकों के पास भाले और तलवारें थीं, और जैसे ही सांचो ने उन्हें देखा, उसने कहा:
"यह गैली दासों की एक श्रृंखला है, जो राजा के आदेशों के बल पर गैली जहाजों की ओर जा रहे हैं।"
"बलपूर्वक कैसे?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा; "क्या यह संभव है कि राजा किसी के खिलाफ बल का प्रयोग करे?"
"मैं ऐसा नहीं कह रहा हूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "बल्कि ये वे लोग हैं जिन्हें उनके अपराधों के लिए राजा के जहाजों में जबरन सेवा करने के लिए दंडित किया गया है।"
"दरअसल," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "हालाँकि जो भी हो, ये लोग जहाँ उन्हें ले जाया जा रहा है, वहाँ बलपूर्वक ले जाया जा रहा है, न कि अपनी इच्छा से।"
"बिल्कुल सही," सांचो ने कहा।
"तो अगर ऐसा है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तो यहाँ मेरे कर्तव्य का प्रयोग करने का मामला बनता है, बल का प्रयोग करना और दुखियों की सहायता और मदद करना।"

"महोदय, याद रखिए," सांचो ने कहा, "न्याय, जो स्वयं राजा है, बल का प्रयोग करना या ऐसे व्यक्तियों के साथ अन्याय करना नहीं है, बल्कि उन्हें उनके अपराधों के लिए दंडित करना है।"
तब तक दासों की वह टोली आ चुकी थी, और डॉन क्विक्सोट ने अत्यंत विनम्रता से उन लोगों से पूछा जो उनकी निगरानी कर रहे थे कि वे कृपया उन्हें यह बताएं कि वे इन लोगों को इस प्रकार क्यों ले जा रहे हैं। घुड़सवार पहरेदारों में से एक ने उत्तर दिया कि वे महाराज के दास हैं, और उन्हें नौकाओं पर ले जाया जा रहा है, और बस इतना ही कहना था और उसे इससे अधिक जानने का कोई अधिकार नहीं था।
“फिर भी,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मैं उनमें से प्रत्येक से अलग-अलग उनके दुर्भाग्य का कारण जानना चाहूंगा;” इस पर उन्होंने और भी कुछ इसी तरह के कथन जोड़े ताकि वे उन्हें वह बात बता दें जो वह चाहते थे, और इतनी विनम्रता से कि दूसरे घुड़सवार रक्षक ने उनसे कहा:
"यद्यपि हमारे पास इन सभी बदमाशों के फैसले का रजिस्टर और प्रमाण पत्र मौजूद है, लेकिन अभी इन्हें बाहर निकालने या पढ़ने का समय नहीं है; आकर खुद उनसे पूछें; वे चाहें तो बता सकते हैं, और वे बताएंगे भी, क्योंकि इन लोगों को बदमाशी करने और उसके बारे में बात करने में आनंद आता है।"
इस अनुमति के साथ, जिसे डॉन क्विक्सोट ने तब भी स्वीकार कर लिया होता जब उन्होंने इसे प्रदान नहीं किया था, वह जंजीर के पास गया और पहले वाले से पूछा कि किन अपराधों के कारण वह अब इस दयनीय स्थिति में है।
उसने जवाब दिया कि यह प्रेमी होने के कारण था।
"सिर्फ इसी बात के लिए?" डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; "अगर प्रेमी होने के कारण लोगों को जलपरी में भेज दिया जाता, तो मैं तो बहुत पहले ही उनमें नाव चला रहा होता।"
“यह वैसा प्यार नहीं है जैसा महाराज सोच रहे हैं,” दास ने कहा; “मेरा प्यार तो एक धोबिन की साफ कपड़ों से भरी टोकरी से इतना गहरा लगाव था कि मैं उसे इतनी मजबूती से थामे रहता था कि अगर कानून ने उसे मुझसे छीन न लिया होता, तो मैं उसे अपनी मर्जी से आज तक कभी न छोड़ता; मुझे रंगे हाथों पकड़ा गया, यातना देने की कोई जरूरत नहीं थी, मामला सुलझ गया, उन्होंने मेरी पीठ पर सौ कोड़े मारे और तीन साल तक मुझे गुरपा (एक तरह का दंड) दिया, और बस यहीं सब खत्म हो गया।”

"गुरपा क्या होते हैं?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"गुरापास तो गैली पोत होते हैं," गैली पोत के गुलाम ने उत्तर दिया, जो लगभग चौबीस वर्ष का एक युवक था, और उसने कहा कि वह पिएड्राहिता का मूल निवासी था।
डॉन क्विक्सोट ने दूसरे से भी वही सवाल पूछा, जिसने उदास और निराश होने के कारण कोई जवाब नहीं दिया; लेकिन पहले ने उसकी ओर से जवाब दिया और कहा, "महोदय, वह एक कैनरी की तरह जाता है, मेरा मतलब है एक संगीतकार और गायक की तरह।"
"क्या!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या संगीतकार और गायक होने के कारण लोगों को भी जहाजों पर भेजा जाता है?"
"जी हाँ, महोदय," दास ने उत्तर दिया, "क्योंकि कष्ट सहते हुए गाने से बुरा कुछ नहीं होता।"
"इसके विपरीत, मैंने सुना है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि जो गाता है वह अपने दुखों को दूर भगा देता है।"
"यहाँ तो इसका उल्टा है," जहाज़ के गुलाम ने कहा; "क्योंकि जो एक बार गाता है, वह जीवन भर रोता रहता है।"
“मुझे समझ नहीं आ रहा,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; लेकिन एक पहरेदार ने उससे कहा, “महोदय, कष्ट सहते हुए गाना, अपवित्र बिरादरी के अनुसार, यातना सहते हुए कबूल करना होता है; उन्होंने इस पापी को यातना दी और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जो कि मवेशी चोर होना था, और उसके कबूलनामे पर उन्होंने उसे छह साल के लिए जेल में डाल दिया, इसके अलावा दो सौ कोड़े भी उसकी पीठ पर पहले ही पड़ चुके थे; और वह हमेशा उदास और निराश रहता है क्योंकि पीछे छूटे हुए और यहाँ तक मार्च करने वाले दूसरे चोर उसके साथ बुरा बर्ताव करते हैं, उसका अपमान करते हैं, उसका मज़ाक उड़ाते हैं और उसे कबूल करने और 'ना' कहने की हिम्मत न होने के लिए नीचा दिखाते हैं; क्योंकि वे कहते हैं, 'ना' में 'हाँ' से ज़्यादा अक्षर नहीं होते, और एक अपराधी तब बेहतर होता है जब उसका जीवन या मृत्यु उसकी अपनी ज़बान पर निर्भर करता है, न कि गवाहों या सबूतों पर; और मेरे विचार से वे बहुत गलत नहीं हैं।”
"और मुझे भी ऐसा ही लगता है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; फिर तीसरे व्यक्ति की ओर बढ़ते हुए उसने उससे वही पूछा जो उसने दूसरों से पूछा था, और

उस व्यक्ति ने बड़ी सहजता और बेफिक्री से उत्तर दिया, "मैं दस ड्यूकैट की कमी के कारण पाँच साल के लिए उनकी देवियों, गुरपाओं के पास जा रहा हूँ।" "मैं तुम्हें उस मुसीबत से निकालने के लिए खुशी-खुशी बीस डॉलर दूंगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
“यह,” दास ने कहा, “उस आदमी की तरह है जिसके पास समुद्र में भूख से मरते समय पैसा हो और वह अपनी मनचाही चीज़ न खरीद सके; मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि अगर सही समय पर मेरे पास वे बीस ड्यूकैट होते जो महाराज मुझे दे रहे हैं, तो मैं उनसे नोटरी की कलम में घी डाल देता और वकील की बुद्धि को तेज़ कर देता, ताकि आज मैं टोलेडो के ज़ोकोडोवर चौक के बीच में होता, न कि इस सड़क पर एक ग्रेहाउंड की तरह घिसटता हुआ। लेकिन भगवान महान हैं; धैर्य — बस, इतना ही काफी है।”
डॉन क्विक्सोट चौथे व्यक्ति के पास गए, जो एक आदरणीय व्यक्तित्व वाले और छाती से नीचे लटकती सफेद दाढ़ी वाले व्यक्ति थे। जब उनसे उनके वहां होने का कारण पूछा गया तो वे बिना कुछ बोले रोने लगे, लेकिन पांचवें व्यक्ति ने उनकी बात मानकर कहा, "यह सम्मानित व्यक्ति औपचारिक परिक्रमा करने और घोड़े पर सवार होने के बाद चार साल के लिए नौसेना में जा रहा है।"
"इसका मतलब है," सांचो पांजा ने कहा, "जैसा कि मैं समझता हूं, सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी का सामना करना।"
"बिल्कुल सही," दास ने उत्तर दिया, "और जिस अपराध के लिए उन्हें यह दंड दिया गया था, वह था कान दलाल, बल्कि शरीर दलाल होना; मेरा मतलब संक्षेप में यह है कि यह सज्जन दलाली करते हैं, और साथ ही उनमें जादूगरी का भी कुछ अंश है।" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर वह छल न किया गया होता, तो वह महज़ दलाली करने के लिए जहाजों में चप्पू चलाने का हकदार नहीं होता, बल्कि उनका कमांडर और एडमिरल होता; क्योंकि दलाल का पद कोई साधारण पद नहीं है, यह विवेकशील व्यक्तियों का पद है, एक सुव्यवस्थित राज्य के लिए अत्यंत आवश्यक है, और केवल अच्छे कुल के व्यक्तियों द्वारा ही किया जाना चाहिए; बल्कि, अन्य पदों की तरह ही उनका भी एक निरीक्षक और पर्यवेक्षक होना चाहिए, और दलालों की तरह ही एक मान्यता प्राप्त संख्या होनी चाहिए; इस तरह इस पद और पेशे के मूर्ख और अज्ञानी लोगों के हाथों में होने से उत्पन्न होने वाली कई बुराइयों से बचा जा सकता है, जैसे कि कमोबेश मूर्ख महिलाएं, और कम प्रतिष्ठा और अनुभव वाले नौकर और मसखरे, जो सबसे ज़रूरी मौकों पर, और जब

चतुराई और सूझबूझ की आवश्यकता होती है, तो टुकड़ों को अपने मुंह तक पहुंचने से पहले ही जमने देते हैं, और यह नहीं जानते कि उनका दायाँ हाथ कौन सा है। मैं और आगे जाना चाहूंगा, और यह दिखाने के लिए कारण देना चाहूंगा कि उन लोगों को चुनना उचित है जो इस पद के लिए उपयुक्त हैं।" राज्य में इतना महत्वपूर्ण पद धारण करना उचित नहीं है, लेकिन यह इसके लिए उपयुक्त स्थान नहीं है; किसी दिन मैं इस मामले को किसी सक्षम व्यक्ति को समझाऊंगा और इसका समाधान करूंगा; अभी मैं बस इतना ही कह रहा हूं कि उसके जादूगर होने की अतिरिक्त जानकारी ने उस दुख को दूर कर दिया है जो मुझे उसके सफेद बालों और इस आदरणीय चेहरे को दलाली के कारण इतनी दयनीय स्थिति में देखकर होता था; हालांकि मैं भली-भांति जानता हूं कि दुनिया में ऐसा कोई जादू नहीं है जो इच्छाशक्ति को प्रभावित या विवश कर सके जैसा कि कुछ भोले-भाले लोग सोचते हैं, क्योंकि हमारी इच्छाशक्ति स्वतंत्र है, न ही कोई जड़ी-बूटी या मंत्र है जो इसे विवश कर सके। कुछ मूर्ख स्त्रियां और नीम-हकीम केवल पुरुषों को औषधियों और जहरों से पागल करते हैं, यह दिखावा करते हुए कि उनमें प्रेम उत्पन्न करने की शक्ति है, क्योंकि जैसा कि मैंने कहा, इच्छाशक्ति को विवश करना असंभव है।
“यह सच है,” उस भले बूढ़े ने कहा, “और वास्तव में, महोदय, जहाँ तक जादू-टोने के आरोप का सवाल है, मैं दोषी नहीं था; दलाल होने के आरोप से मैं इनकार नहीं कर सकता; लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इससे किसी को नुकसान पहुँचा रहा हूँ, क्योंकि मेरा एकमात्र उद्देश्य यही था कि सारी दुनिया सुख-सुविधाओं से भरी रहे और बिना किसी झगड़े या परेशानी के शांति से जीवन व्यतीत करे; लेकिन मेरे नेक इरादे मुझे उस जगह जाने से नहीं बचा सके जहाँ से मुझे कभी वापस आने की उम्मीद नहीं है, उम्र के इस बोझ और मूत्र संबंधी बीमारी के साथ जो मुझे एक पल भी आराम नहीं देती;” और वह फिर से पहले की तरह रोने लगा, और सांचो को उस पर इतनी दया आई कि उसने अपनी छाती से चार सिक्कों का एक सिक्का निकालकर उसे दान में दे दिया।
डॉन क्विक्सोट ने आगे बढ़कर दूसरे से पूछा कि उसका अपराध क्या था, और उस व्यक्ति ने पिछले वाले की तुलना में कम नहीं बल्कि कहीं अधिक उत्साह से जवाब दिया।
मैं यहाँ इसलिए आया हूँ क्योंकि मैंने अपने कुछ चचेरे भाइयों और कुछ अन्य चचेरे भाइयों के साथ मज़ाक को हद से ज़्यादा बढ़ा दिया था; संक्षेप में,

मैंने उन सभी के साथ मज़ाक को इतना आगे बढ़ा दिया कि इसका नतीजा यह हुआ कि रिश्तेदारी इतनी जटिल हो गई कि कोई भी हिसाब-किताब नहीं कर सका: सब कुछ मेरे खिलाफ साबित हो गया, मुझे कोई मदद नहीं मिली, मेरे पास पैसे नहीं थे, मेरी गर्दन फाँसी पर चढ़ने ही वाली थी, मुझे छह साल के लिए जेल की सजा सुनाई गई, मैंने अपनी किस्मत स्वीकार कर ली, यह मेरी गलती की सजा है; मैं एक नौजवान हूँ; बस जीवन चलता रहे, और उसके साथ सब ठीक हो जाएगा। अगर आपके पास, महोदय, गरीबों की मदद करने के लिए कुछ है, तो ईश्वर आपको स्वर्ग में इसका प्रतिफल देगा, और हम धरती पर अपनी प्रार्थनाओं में आपके जीवन और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करेंगे, कि यह उतना ही लंबा और अच्छा हो जितना कि आपका प्यारा रूप योग्य है।
यह व्यक्ति छात्र के वेश में था, और एक गार्ड ने कहा कि वह एक बेहतरीन वक्ता और एक बहुत ही सुरुचिपूर्ण लैटिन विद्वान था।
इन सबके पीछे तीस साल का एक आदमी आया, देखने में तो वह बहुत आकर्षक था, बस फर्क इतना था कि जब वह देखता तो उसकी आंखें थोड़ी मुड़ी हुई सी लगती थीं। उसे बाकियों से अलग तरीके से बांधा गया था, क्योंकि उसके पैर में इतनी लंबी जंजीर थी कि वह उसके पूरे शरीर पर लिपटी हुई थी, और उसकी गर्दन में दो छल्ले थे, एक जंजीर से जुड़ा हुआ था, दूसरा जिसे वे "कीप-फ्रेंड" या "फ्रेंड्स फुट" कहते हैं, उससे दो लोहे की बेड़ियां लटक रही थीं जो उसकी कमर तक पहुंचती थीं और उनमें दो हथकड़ियां लगी हुई थीं, जिनमें उसके हाथ एक बड़े ताले से जकड़े हुए थे, जिससे वह न तो अपने हाथ मुंह तक उठा सकता था और न ही अपना सिर झुका सकता था। डॉन क्विक्सोट ने पूछा कि इस आदमी के पास बाकियों से इतनी ज्यादा जंजीरें क्यों हैं। गार्ड ने जवाब दिया कि ऐसा इसलिए था क्योंकि उसने अकेले ही बाकियों से कहीं ज्यादा अपराध किए थे, और वह इतना साहसी और बदमाश था कि हालांकि वे उसे इस तरह से ले जा रहे थे, फिर भी उन्हें उस पर भरोसा नहीं था, बल्कि उन्हें उसके भाग जाने का डर था।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "उसने कौन से अपराध किए होंगे, अगर उन्हें जहाजों में भेजे जाने से भी कड़ी सजा नहीं मिलनी चाहिए थी?"
"उसे दस साल की सजा सुनाई गई है," गार्ड ने जवाब दिया, "जो नागरिक मृत्यु के समान है, और बस इतना ही कहना काफी है कि यह सज्जन प्रसिद्ध गिन्स डी पासामोंटे हैं, जिन्हें गिन्सिलो डी पारापिला के नाम से भी जाना जाता है।"

"कृपया, माननीय अधिकारी," इस पर दास ने कहा, "नाम या उपनाम तय करने की कोई ज़रूरत नहीं है; मेरा नाम गिनेस है, गिनेसिल्लो नहीं, और मेरा पारिवारिक नाम पासामोंटे है, परापिला नहीं जैसा कि आप कहते हैं; हर कोई अपने काम से काम रखे, और वह इतना ही काफी होगा।"
"अतिशयता से बात मत करो, हे हद से ज्यादा चोरी करने वाले उस्ताद चोर," कमिश्नर ने जवाब दिया, "अगर तुम नहीं चाहते कि मैं तुम्हें तुम्हारे दांतों के बावजूद चुप करा दूं।"
"यह आसानी से देखा जा सकता है," जहाज़ के गुलाम ने जवाब दिया, "कि मनुष्य ईश्वर की इच्छा के अनुसार चलता है, लेकिन एक दिन कोई न कोई यह जान ही लेगा कि मेरा नाम जिनेसिलो डी पारापिला है या नहीं।"
"क्या वे तुम्हें झूठा नहीं कहते?" गार्ड ने कहा।
“हाँ, वे ऐसा करते हैं,” गिन्स ने जवाब दिया, “लेकिन मैं उन्हें मुझे ऐसा कहना बंद करवा दूँगा, वरना मैं अपने बाल मुंडवा लूँगा, और वो भी दूँ, लेकिन दूँ, दूँ, दूँ, लेकिन दूँ, दूँ, लेकिन दूँ, लेकिन दूँ, लेकिन दूँ, लेकिन दूँ, क्योंकि दूसरों के जीवन के बारे में आपकी ये जिज्ञासा आपको परेशान कर रही है; अगर आप मेरे बारे में जानना चाहते हैं, तो मैं आपको बता दूँ, मैं गिन्स डी पासामोंटे हूँ, जिसका जीवन इन उंगलियों ने लिखा है।”
"वह सच कह रहा है," कमिश्नर ने कहा, "क्योंकि उसने खुद अपनी कहानी बड़े ही भव्य तरीके से लिखी है और किताब को जेल में दो सौ रील्स के बदले गिरवी रख दिया है।"
"और मेरा इरादा इसे गिरवी से छुड़ाने का है," गिन्स ने कहा, "भले ही इसके लिए दो सौ ड्यूकैट्स का भुगतान करना पड़ा हो।"
"क्या यह इतना अच्छा है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"यह इतनी अच्छी है," गिनेस ने उत्तर दिया, "कि 'लाज़ारिलो डी टोर्मेस' और उस तरह की सभी रचनाएँ जो लिखी गई हैं या लिखी जाएँगी, इसके सामने फीकी पड़ जाती हैं: मैं इसके बारे में बस इतना ही कहूँगा कि यह तथ्यों पर आधारित है, और तथ्य इतने सटीक और मनोरंजक हैं कि कोई झूठ उनका मुकाबला नहीं कर सकता।" "और इस किताब का शीर्षक क्या है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"'गिनेस डी पासामोंटे का जीवन'," विषय ने उत्तर दिया।
"और क्या यह पूरा हो गया है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।

दूसरे ने कहा, "यह कैसे समाप्त हो सकता है, जब मेरा जीवन अभी समाप्त ही नहीं हुआ है? जो कुछ भी लिखा गया है वह मेरे जन्म से लेकर उस समय तक का है जब मुझे आखिरी बार युद्ध के लिए भेजा गया था।"
"तो तुम पहले भी वहां जा चुके हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मैं इससे पहले चार साल तक ईश्वर और राजा की सेवा में वहाँ रहा हूँ, और अब तक मुझे पता चल चुका है कि बिस्किट और कौरबाश कैसे होते हैं," गिनेस ने उत्तर दिया; "और मुझे उनके पास वापस जाने में कोई बड़ी आपत्ति नहीं है, क्योंकि वहाँ मुझे अपनी पुस्तक पूरी करने का समय मिल जाएगा; मुझे अभी बहुत कुछ कहना बाकी है, और स्पेन के जहाजों में पर्याप्त से अधिक खाली समय है; हालाँकि मुझे लिखने के लिए बहुत कुछ चाहिए, क्योंकि यह मुझे कंठस्थ है।" "तुम तो काफी चतुर लगते हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"और एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना," गिन्स ने उत्तर दिया, "क्योंकि दुर्भाग्य हमेशा अच्छी बुद्धि का पीछा करता है।"
"यह बदमाशों को सताता है," रसद विभाग के कर्मचारी ने कहा।
"मैंने तुम्हें पहले ही कहा था कि आराम से जाओ, मुख्य आयुक्त," पासामोंटे ने कहा; "वहाँ बैठे उनके स्वामी ने तुम्हें यह लाठी हम जैसे अभागों के साथ यहाँ बुरा बर्ताव करने के लिए नहीं दी थी, बल्कि हमें वहाँ ले जाने के लिए दी थी जहाँ महाराज तुम्हें आदेश दें; अगर नहीं, तो भगवान की कसम—छोड़ो—; हो सकता है कि किसी दिन सराय में लगे दाग सफाई के दौरान निकल आएँ; सब लोग चुप रहें, अच्छा व्यवहार करें और बेहतर तरीके से बोलें; और अब चलो चलते हैं, क्योंकि हम इस मनोरंजन से तंग आ चुके हैं।"
कमिश्नर ने पासामोंटे को उसकी धमकियों के बदले में मारने के लिए अपनी लाठी उठाई, लेकिन डॉन क्विक्सोट उनके बीच आ गया और उससे विनती की कि वह उसके साथ दुर्व्यवहार न करे, क्योंकि जिसके हाथ बंधे हों उसे थोड़ी सी जुबान खुली रखने देना कोई बड़ी बात नहीं है; और उन सभी की ओर मुड़कर उसने कहा:
प्रिय भाइयों, आपने जो कुछ भी मुझे बताया है, उससे यह स्पष्ट होता है कि यद्यपि उन्होंने आपको आपके दोषों के लिए दंडित किया है, लेकिन जो दंड आप भोगने वाले हैं, उससे आपको कोई प्रसन्नता नहीं है, और आप अपनी इच्छा और स्वभाव के विरुद्ध ही इन दंडों को स्वीकार कर रहे हैं। संभवतः यातना के दौरान किसी एक का साहसहीन होना, किसी दूसरे की धन की कमी, किसी दूसरे के पास पैरवी न होना, और अंत में न्यायाधीश का विकृत निर्णय ही आपके विनाश और

आपके पक्ष में न्याय न मिलने का कारण रहा हो। ये सभी बातें अब मेरे मन में आ रही हैं, और मुझे प्रेरित कर रही हैं, कि मैं आपके मामले में उस उद्देश्य को सिद्ध करूँ जिसके लिए स्वर्ग ने मुझे संसार में भेजा और मुझे उस शूरवीरता के पद को स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया जिससे मैं संबंधित हूँ, और उस प्रतिज्ञा को भी कि मैं जरूरतमंदों और बलवानों के अत्याचार के शिकार लोगों की सहायता करूँगा। परन्तु जैसा कि मैं जानता हूँ कि जो कार्य उचित साधनों से किया जा सकता है, उसे कुटिल साधनों से न करना ही बुद्धिमानी है, इसलिए मैं इन सज्जनों, पहरेदारों और आयुक्त से निवेदन करता हूँ कि वे... मैं तुम्हें रिहा करके शांति से जाने देने के लिए बहुत दयालु हूँ, क्योंकि राजा की सेवा करने के लिए अनुकूल परिस्थितियों में और भी लोग मिल जाएँगे; क्योंकि मुझे लगता है कि जिन्हें ईश्वर और प्रकृति ने स्वतंत्र बनाया है, उन्हें गुलाम बनाना ठीक नहीं है। इसके अलावा, "रक्षकों, इन बेचारे लोगों ने तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ा है; वहाँ हर कोई अपने पापों का हिसाब चुकाए; स्वर्ग में एक ईश्वर है जो दुष्टों को दंडित करना और भले लोगों को पुरस्कृत करना नहीं भूलता; और यह उचित नहीं है कि ईमानदार लोग दूसरों को दंडित करने का साधन बनें, जबकि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं यह अनुरोध इतनी विनम्रता और शांति से कर रहा हूँ, ताकि यदि तुम इसे मान लो, तो मुझे तुम्हारा धन्यवाद करने का कारण मिले; और यदि तुम स्वेच्छा से नहीं मानोगे, तो यह भाला और तलवार, साथ ही मेरी भुजाओं की शक्ति, तुम्हें बलपूर्वक इसे मानने पर मजबूर कर देगी।"
"वाह, क्या बकवास है!" कमिश्नर ने कहा; "आखिरकार एक बढ़िया मज़ाक ही कर बैठा! चाहता है कि हम राजा के कैदियों को छोड़ दें, मानो हमारे पास उन्हें रिहा करने का कोई अधिकार हो, या उसके पास हमें ऐसा करने का आदेश देने का! जाइए, महोदय, और आपको शुभकामनाएँ; अपने सिर पर रखा हुआ वो बर्तन सीधा रखिए, और बिल्ली के तीन पैर मत ढूँढ़िए।"
“तुम ही हो असली बदमाश, चूहे और धूर्त,” डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया और उसी क्षण उस पर झपटा। उसे बचाव का मौका दिए बिना ही उसने भाले के वार से उसे बुरी तरह घायल कर दिया; और सौभाग्य से उसी के हाथ में बंदूक थी। बाकी पहरेदार इस अप्रत्याशित घटना को देखकर स्तब्ध और अचंभित रह गए, लेकिन संभलकर घुड़सवारों ने अपनी तलवारें और पैदलों ने अपने भाले उठा लिए और डॉन क्विक्सोट पर हमला कर दिया, जो बड़ी शांति से उनका इंतजार कर रहा था।

निस्संदेह, अगर दासों ने खुद को आज़ाद करने का मौका देखकर जंजीर तोड़कर ऐसा न किया होता, तो डॉन क्विक्सोट का बुरा हाल हो जाता। अफरा-तफरी मच गई थी कि पहरेदार, कभी जंजीर तोड़कर भागने वाले दासों पर झपटते, कभी उनका इंतजार कर रहे डॉन क्विक्सोट पर हमला करते, और कुछ भी ऐसा नहीं कर पाए जो कारगर साबित हो। सांचो ने गिन्स डी पासामोंटे को छुड़ाने में मदद की, जो सबसे पहले मैदान में आज़ाद होकर भागा। उसने ज़मीन पर गिरे कमिश्नर पर हमला किया और उससे तलवार और बंदूक छीन ली। उसने एक पर निशाना साधा और दूसरे पर बंदूक तान दी, लेकिन गोली चलाए बिना ही सभी पहरेदारों को मैदान से भगा दिया। पहरेदार पासामोंटे की बंदूक से बचने के साथ-साथ उन पत्थरों की बौछार से भी बचने के लिए भागे जो अब आज़ाद हुए गुलाम उन पर बरसा रहे थे। सांचो इस घटना से बहुत दुखी था, क्योंकि उसे आशंका थी कि भागने वाले लोग इसकी सूचना पवित्र भाईचारे को देंगे, जो खतरे की घंटी बजते ही अपराधियों की तलाश में निकल पड़ेंगे। उसने अपने स्वामी से यही कहा और उनसे तुरंत जगह छोड़कर पास के पहाड़ों में छिप जाने की विनती की।
"यह सब तो ठीक है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "लेकिन मुझे पता है कि अब क्या करना होगा;" और उसने सभी दासों को, जो उस समय उत्पात मचा रहे थे और रसद अधिकारी के सारे कपड़े उतार चुके थे, इकट्ठा किया और उन्हें अपने चारों ओर एकत्र किया ताकि वे उसकी बात सुन सकें। उसने उनसे इस प्रकार कहा: "प्राप्त उपकारों के लिए कृतज्ञ होना अच्छे कुल के लोगों का गुण है, और ईश्वर को सबसे अधिक अप्रिय पापों में से एक कृतघ्नता है; मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि, महोदय, आप पहले ही प्रत्यक्ष प्रमाण से देख चुके हैं कि मैंने आपको मुझसे कितना उपकार प्राप्त किया है; इसके बदले में मैं चाहता हूँ, और यह मेरी प्रसन्नता है कि, उस जंजीर को उतारकर जो मैंने आपके गले से उतारी है, आप तुरंत एल टोबोसो शहर के लिए प्रस्थान करें और वहाँ लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के समक्ष उपस्थित हों और उनसे कहें कि उनका शूरवीर, शोकग्रस्त मुख वाला, उन्हें प्रणाम करने के लिए भेजा है; और आप उन्हें इस उल्लेखनीय साहसिक यात्रा का पूरा विवरण दें, अपनी प्रतीक्षित स्वतंत्रता की प्राप्ति तक; और ऐसा करने के बाद आप जहाँ चाहें जा सकते हैं, और सौभाग्य आपका साथ दे।"
गिनेस डी पासामोंटे ने सबकी ओर से उत्तर देते हुए कहा, "हे प्रभु, हमारे मुक्तिदाता, आप हमसे जो मांग रहे हैं, वह सभी असंभवताओं में सबसे अधिक

असंभव है, क्योंकि हम सड़कों पर एक साथ नहीं चल सकते, बल्कि अकेले और अलग-अलग, और प्रत्येक अपने-अपने रास्ते पर, पवित्र भाईचारे से बचने के लिए धरती के गर्भ में छिपने का प्रयास करेंगे, जो निस्संदेह हमारी खोज में निकलेगा। आप जो कर सकते हैं, और उचित रूप से कर सकते हैं, वह यह है कि लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के संबंध में इस सेवा और भेंट को कुछ निश्चित मात्रा में एवे- मारिया और क्रेडोस के बदले में बदल दें, जो हम आपकी इच्छा के लिए कहेंगे, और यह एक ऐसी शर्त है जिसका पालन रात में भी किया जा सकता है, चाहे दौड़ रहे हों या आराम कर रहे हों, शांति हो या युद्ध; लेकिन यह कल्पना करना कि हम अब मिस्र के भोग-विलास में लौटने जा रहे हैं, मेरा मतलब है कि अपनी जंजीरें उठाकर एल टोबोसो के लिए निकल पड़ें, यह कल्पना करने जैसा है कि अब रात हो गई है, जबकि अभी सुबह के दस भी नहीं बजे हैं, और हमसे यह मांग करना... जैसे एल्म के पेड़ से नाशपाती माँगना।
"तो फिर भगवान की कसम," डॉन क्विक्सोट (अब क्रोध से भड़क उठा) बोला, "डॉन कमीने, डॉन गिनेसिल्लो डी पारोपिल्लो, या तुम्हारा जो भी नाम हो, तुम्हें खुद ही दुम दबाकर, पीठ पर सारी जंजीर लादकर जाना होगा।"
पासामोंटे, जो बिल्कुल भी विनम्र नहीं था (इस समय तक उसे पूरा यकीन हो चुका था कि डॉन क्विक्सोट का दिमाग ठीक नहीं है क्योंकि उसने उन्हें आज़ाद करके ऐसी मूर्खता की थी), खुद को इस तरह अपमानित होते देख अपने साथियों को आँख मारी और पीछे हटकर डॉन क्विक्सोट पर इतनी तेज़ी से पत्थर बरसाने लगे कि वह अपनी ढाल से भी खुद को बचा नहीं पाया, और बेचारा रोसिनांटे भी चाबुक की परवाह नहीं कर रहा था मानो वह पीतल का बना हो। सांचो अपने गधे के पीछे छिप गया और उसके सहारे उन दोनों पर बरस रही ओलों की बौछार से खुद को बचाया। डॉन क्विक्सोट खुद को इतनी अच्छी तरह से नहीं बचा पाया कि अनगिनत कंकड़ उसके शरीर पर इतनी ज़ोर से न लगे कि वह ज़मीन पर गिर पड़ा; और जैसे ही वह गिरा, छात्र उस पर झपटा, उसके सिर से बेसिन छीन लिया और उससे उसके कंधों पर तीन-चार वार किए और उतनी ही बार ज़मीन पर भी वार किए, जिससे बेसिन लगभग चकनाचूर हो गया। फिर उन्होंने सांचो के कवच के ऊपर पहनी हुई जैकेट उतार ली, और अगर उसके घुटनों पर बंधे कवच ने उन्हें रोका न होता तो वे उसकी मोजे भी उतार देते। सांचो से उन्होंने उसका कोट ले लिया, उसे केवल आस्तीन वाली कमीज में छोड़ दिया; और युद्ध में बचे हुए लूट के माल को आपस में बाँटकर, वे सब अपने- अपने रास्ते चले गए, वे उस पवित्र भाईचारे से दूर रहने के बारे में अधिक

चिंतित थे जिससे वे डरते थे, बजाय इसके कि वे जंजीर का बोझ उठाएँ या लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के सामने पेश हों। गधा और रोसिनांटे, सांचो और डॉन क्विक्सोट, ही उस स्थान पर बचे थे; गधा सिर झुकाए, गंभीर, समय-समय पर अपने कान हिला रहा था मानो उसे लगता हो कि उन पर आ रहा पत्थरों का तूफान अभी खत्म नहीं हुआ है; रोसिनांटे अपने स्वामी के बगल में लेटा हुआ था, क्योंकि वह भी एक पत्थर से गिर गया था; सांचो नग्न था, और पवित्र भाईचारे के भय से काँप रहा था; और डॉन क्विक्सोट यह देखकर क्रोधित हो गया कि जिन लोगों के लिए उसने इतना कुछ किया था, उन्हीं लोगों ने उसकी इतनी सेवा की।

23

अध्याय
सिएरा मोरेना में डॉन क्विक्सोट के साथ जो कुछ घटित हुआ, वह इस प्रामाणिक इतिहास में वर्णित सबसे दुर्लभ रोमांचक घटनाओं में से एक है।
इस तरह से अपमानित होते देख डॉन क्विक्सोट ने अपने सहायक से कहा, "सांचो, मैंने हमेशा सुना है कि गंवारों पर मेहरबानी करना समुद्र में पानी फेंकने जैसा है। अगर मैंने तुम्हारी बात मानी होती, तो मैं इस मुसीबत से बच जाता; लेकिन अब जो हो गया सो हो गया, अब बस धैर्य रखना है और भविष्य के लिए सबक लेना है।"
"महामहिम, आप उतनी ही चेतावनी लेंगे जितना कि मैं एक तुर्क हूँ," सांचो ने उत्तर दिया; "लेकिन, जैसा कि आपने कहा कि यदि आपने मेरी बात मान ली होती तो यह विपत्ति टाली जा सकती थी, अब मेरी बात मान लीजिए, और इससे भी बड़ी विपत्ति टल जाएगी; क्योंकि मैं आपको बता दूं कि पवित्र भाईचारे के लिए वीरता का कोई महत्व नहीं है, और वे दुनिया के सभी वीर योद्धाओं की जरा भी परवाह नहीं करते; और मैं आपको बता सकता हूँ कि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे इस क्षण उनके तीर मेरे कानों के पास से सीटी बजाते हुए गुजर रहे हैं।" “सांचो, तुम स्वभाव से कायर हो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “पर कहीं तुम मुझे हठी न समझ लो और यह न कह दो कि मैं तुम्हारी सलाह कभी नहीं मानता, इसलिए इस बार मैं तुम्हारी सलाह मानूंगा और उस क्रोध से दूर हट जाऊंगा जिससे तुम इतना डरते हो; पर एक शर्त है कि जीवन में या मृत्यु में, तुम कभी किसी से यह मत कहना कि मैं डर के मारे इस खतरे से पीछे हटा, बल्कि केवल तुम्हारी विनती मानकर; क्योंकि अगर तुमने इसके विपरीत कहा तो तुम झूठ बोलोगे, और इस समय से उस समय तक, और उस समय से इस समय तक, मैं तुम्हें झूठा साबित करता हूं, और कहता हूं कि तुम झूठ बोलते हो और हर बार जब भी ऐसा सोचते या कहते हो तो झूठ बोलोगे; और मुझे फिर कभी जवाब मत देना; क्योंकि इस विचार मात्र से कि मैं किसी भी खतरे से पीछे हट रहा हूं, विशेषकर इससे, जिसमें थोड़ा सा डर तो जरूर है, मैं यहां डटकर अकेले इंतजार करने को तैयार हूं, न केवल उस पवित्र भाईचारे का जिसकी तुम बात कर रहे हो। और भय से परे, इस्राएल की बारह जनजातियों के भाई, और सात मक्काबी, और कैस्टर और पोलक्स, और संसार के सभी भाई और भाईचारे।"

"सेनोर," सांचो ने उत्तर दिया, "पीछे हटना भागना नहीं है, और जब खतरा उम्मीद से कहीं अधिक हो तो प्रतीक्षा करने में कोई बुद्धिमत्ता नहीं है, और बुद्धिमानों का काम है कि वे आज को कल के लिए सुरक्षित रखें, न कि एक ही दिन में सब कुछ दांव पर लगा दें; और मैं आपको बता दूं, हालांकि मैं एक मसखरा और गंवार हूं, मुझे सुरक्षित मार्ग के बारे में कुछ जानकारी है; इसलिए मेरी सलाह मानने पर पछतावा न करें, बल्कि यदि संभव हो तो रोसिनांटे पर्वत पर चढ़ें, और यदि नहीं तो मैं आपकी सहायता करूंगा; और मेरे पीछे आएं, क्योंकि मेरी सहज बुद्धि कहती है कि इस समय हमें हाथों से अधिक पैरों की आवश्यकता है।"
डॉन क्विक्सोट ने बिना कुछ कहे घोड़े पर सवार हो गए, और सांचो अपने गधे पर सवार होकर आगे-आगे चलते हुए पास ही स्थित सिएरा मोरेना पर्वतमाला की ओर चले गए। सांचो की योजना थी कि वे इसे पूरी तरह पार करके एल विसो या अल्मोडोवर डेल कैम्पो से बाहर निकलें और कुछ दिनों के लिए इसकी चट्टानों के बीच छिप जाएं ताकि अगर ब्रदरहुड के लोग उन्हें ढूंढने आएं तो वे उनसे बच सकें। उन्हें इस बात से हौसला मिला कि गधे द्वारा लाया गया राशन का भंडार गैली के दासों के साथ हुई झड़प से सुरक्षित निकल आया था, जिसे उन्होंने एक चमत्कार माना, क्योंकि उन्होंने लूटपाट और तोड़फोड़ की थी।
उस रात वे सिएरा मोरेना के बिल्कुल मध्य में पहुँच गए, जहाँ सांचो को रात और कुछ दिन बिताना समझदारी भरा लगा, कम से कम उतने दिनों तक जितने दिनों तक उसके पास मौजूद सामान चल सके, और इसलिए उन्होंने दो चट्टानों और कुछ कॉर्क के पेड़ों के बीच डेरा डाला; लेकिन नियति, जो सच्चे विश्वास के प्रकाश से वंचित लोगों की राय के अनुसार, सब कुछ अपने तरीके से निर्देशित, व्यवस्थित और तय करती है, ने ऐसा आदेश दिया कि जिन्स डी पासामोंटे, वह प्रसिद्ध धूर्त और चोर, जिसे डॉन क्विक्सोट के सद्गुण और पागलपन के कारण जंजीरों से मुक्त कर दिया गया था, पवित्र भाईचारे के भय से, जिससे उसे डरने का अच्छा कारण था, पहाड़ों में छिपने का फैसला किया; और उसका भाग्य और भय उसे उसी स्थान पर ले गया जहाँ डॉन क्विक्सोट और सांचो पांजा को उनके भाग्य और भय ने ले जाया था, ठीक समय पर पहुँचकर उसने उन्हें पहचान लिया और उन्हें सोते हुए छोड़ दिया। और जैसा कि दुष्ट लोग हमेशा कृतघ्न होते हैं, और आवश्यकता बुराई की ओर ले जाती है, और तात्कालिक लाभ भविष्य की सभी चिंताओं पर हावी हो जाता है, गिन्स, जो न तो कृतज्ञ था और न ही सुसिद्धिवान, ने सांचो पांजा के गधे को

चुराने का निश्चय किया, रोसिनांटे के बारे में उसने ज़रा भी चिंता नहीं की, क्योंकि वह एक ऐसा इनाम था जिसे गिरवी रखना या बेचना बेकार था। सांचो के सोते समय उसने उसका गधा चुरा लिया, और भोर होने से पहले ही वह बहुत दूर निकल गया।
अरोरा के प्रकट होने से धरती पर खुशी छा गई, लेकिन सांचो पांजा को दुख हुआ, क्योंकि उसने पाया कि उसका डैपल गायब है। उसे अपने से अलग देखकर वह दुनिया का सबसे दुखद और विलाप करने लगा, इतना ज़ोर से कि डॉन क्विक्सोट उसकी चीखों से जाग गया और उसे यह कहते हुए सुना, "हे मेरे हृदय के पुत्र, मेरे ही घर में जन्मे, मेरे बच्चों के खिलौने, मेरी पत्नी की खुशी, मेरे पड़ोसियों की ईर्ष्या, मेरे बोझ का सहारा, और अंत में, मेरे आधे भरण-पोषणकर्ता, क्योंकि तुमने मुझे प्रतिदिन जो छब्बीस मारावेडिस कमा कर दिए, उनसे मैंने अपने आधे खर्चे पूरे किए।"
डॉन क्विक्सोट ने जब विलाप सुना और कारण जाना, तो उसने सांचो को यथासंभव सांत्वना दी, धैर्य रखने का आग्रह किया और वादा किया कि वह उसे एक पत्र देगा जिसमें उसके घर में मौजूद पाँच गधों में से तीन उसे देने का आदेश होगा। सांचो को इससे तसल्ली मिली, उसने अपने आँसू पोंछे, सिसकियाँ दबाईं और डॉन क्विक्सोट की दयालुता के लिए धन्यवाद दिया। पहाड़ों में प्रवेश करते ही वह अत्यंत प्रसन्न हुआ, क्योंकि उसे लगा कि ये स्थान उसके द्वारा खोजे जा रहे रोमांच के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। पहाड़ों ने उसे उन अद्भुत कारनामों की याद दिला दी जो ऐसे ही एकांत और निर्जन स्थानों में वीर योद्धाओं के साथ घटे थे, और वह इन बातों पर विचार करता हुआ आगे बढ़ा, इतना मग्न और मग्न कि उसे किसी और बात का ख्याल ही नहीं आया।
अब जब सांचो को लग रहा था कि वह एक सुरक्षित क्षेत्र में यात्रा कर रहा है, तो उसे केवल पादरी के लूटे हुए माल के बचे-खुचे हिस्से से अपनी भूख मिटाने की ही चिंता थी। इसलिए वह अपने स्वामी के पीछे-पीछे डैपल द्वारा ढोए जाने वाले सामान से लदा हुआ, बोरी खाली करके अपना पेट भरता हुआ चल रहा था, और जब तक वह इस तरह चल सकता था, वह किसी और मुसीबत में पड़ने के लिए एक पैसा भी नहीं देता।
जब वह इसी काम में मशगूल था, तो उसने ऊपर देखा कि उसका स्वामी रुक गया है और अपने भाले की नोक से ज़मीन पर पड़ी किसी भारी वस्तु को उठाने की कोशिश कर रहा है। वह तुरंत उसकी मदद करने के लिए दौड़ा और जैसे ही वह पहुँचा, भाले

की नोक से एक काठी का पैड उठा रहा था, जिसके साथ एक सूटकेस जुड़ा हुआ था, जो आधा या बल्कि पूरी तरह से सड़ा और फटा हुआ था; लेकिन वे इतने भारी थे कि सांचो को उन्हें उठाने में मदद करनी पड़ी, और उसके स्वामी ने उसे सूटकेस में देखने का निर्देश दिया। सांचो ने बड़ी तत्परता से ऐसा किया, और यद्यपि सूटकेस एक जंजीर और ताले से सुरक्षित था, उसकी फटी और सड़ी हुई हालत के कारण वह उसके अंदर की चीज़ें देख सका, जिसमें बढ़िया हॉलैंड की चार कमीज़ें और अन्य साफ-सुथरे लिनेन के कपड़े थे; और एक रूमाल में उसे सोने के कई सिक्के मिले, और जैसे ही उसने उन्हें देखा, वह खुशी से चिल्ला उठा: "हमें एक ऐसा रोमांच भेजने के लिए स्वर्ग का धन्यवाद हो जो किसी न किसी रूप में सार्थक है!"
और खोजते हुए उसे एक छोटी सी, सुंदर ढंग से बंधी हुई मेमोरेंडम बुक मिली; डॉन क्विक्सोट ने उससे यह बुक मांगी और उसे पैसे लेकर अपने पास रखने को कहा। सांचो ने एहसान के लिए उसके हाथ चूमे और सूटकेस से लिनेन निकालकर राशन की बोरी में रख दिया। पूरी बात पर विचार करते हुए डॉन क्विक्सोट ने कहा:
"मुझे ऐसा लगता है, सांचो—और यह असंभव है कि ऐसा न हो—कि कोई भटका हुआ यात्री इस पर्वत श्रृंखला को पार कर रहा होगा और उस पर पैदल यात्रियों ने हमला कर उसे मार डाला होगा, जो उसे दफनाने के लिए इस सुनसान जगह पर लाए होंगे।"
"ऐसा नहीं हो सकता," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि अगर वे लुटेरे होते तो वे यह पैसा नहीं छोड़ते।"
"तुम सही कह रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और मैं इसका मतलब न तो समझ सकता हूँ और न ही समझा सकता हूँ; लेकिन रुको; चलो देखते हैं कि इस मेमोरेंडम बुक में कुछ ऐसा लिखा है जिससे हम वह जानकारी प्राप्त कर सकें जो हम जानना चाहते हैं।"
उसने उसे खोला, और उसमें सबसे पहले उसे एक सॉनेट मिला, जो मोटे तौर पर लिखा हुआ था लेकिन बहुत अच्छी लिखावट में था। उसने उसे जोर से पढ़ा ताकि सांचो उसे सुन सके, और पाया कि वह इस प्रकार था:
गाथा
या फिर प्रेम में बुद्धि का अभाव है।
या क्रूरता की चरम सीमा तक पहुँच जाता है,

अन्यथा मुझे कष्ट भोगना ही पड़ेगा।
मेरे अपराध के कारण निर्धारित सीमा से परे।
लेकिन अगर प्रेम ईश्वर है, तो यह बात सिद्ध हो जाती है।
वह सब कुछ जानता है, और यह निश्चित है।
कोई भी ईश्वर क्रूरता को पसंद नहीं करता; तो फिर कौन आदेश देता है? यह तपस्या जो पीड़ा देते हुए भी मोहित करती है?
क्लोई, तुम्हारा नाम लेना झूठ होगा;
इतनी बुराई के साथ इतनी अच्छाई नहीं रह सकती;
और मैं स्वर्ग के विरुद्ध दोषारोपण करने का साहस नहीं करता।
मुझे बस इतना पता है कि मरना ही मेरा भाग्य है।
जिसे अपनी बीमारी का कारण नहीं पता
केवल चमत्कार ही इलाज दे सकता है।
"उस कविता से कुछ भी सीखने को नहीं मिलता," सांचो ने कहा, "जब तक कि उसमें छिपे सुराग से पूरे मामले का हल न निकल जाए।"
"इसमें क्या सुराग है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मुझे लगा था कि आपने इसमें किसी सुराग का जिक्र किया था," सांचो ने कहा। "मैंने तो सिर्फ क्लोई कहा था," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; "और निःसंदेह, यही उस महिला का नाम है जिसके बारे में सॉनेट के लेखक शिकायत कर रहे हैं; और सच कहूँ तो, वह एक अच्छा कवि होगा, वरना मुझे इस कला की ज्यादा जानकारी नहीं है।"
"तो क्या आपके पूज्य गुरु को तुकबंदी भी समझ आती है?"
"और जितना तुम सोचते हो उससे कहीं बेहतर," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "जब तुम मेरी प्रियतमा डुलसीनिया डेल टोबोसो को शुरू से अंत तक छंदों में लिखा हुआ पत्र ले जाओगे, तब तुम देखोगे, क्योंकि मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ, सांचो, कि पुराने समय के लगभग सभी या अधिकांश वीर योद्धा महान गायक और संगीतकार थे, क्योंकि ये दोनों ही गुण, या अधिक सटीक रूप से कहें तो प्रतिभाएँ, वीर योद्धाओं की विशेषता होती हैं: यह सच है कि पुराने समय के वीर योद्धाओं के छंदों में सुंदरता से कहीं अधिक जीवंतता होती है।" "और पढ़िए, महाराज," सांचो ने कहा, "आपको कुछ ऐसा मिलेगा जो हमें ज्ञान प्रदान करेगा।"

डॉन क्विक्सोट ने पन्ना पलटा और कहा, "यह गद्य है और पत्र जैसा प्रतीत होता है।"
"पत्राचार पत्र, महोदय?"
"शुरू से ही यह एक प्रेम पत्र प्रतीत होता है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।
"तो फिर महाराज इसे जोर से पढ़ें," सांचो ने कहा, "क्योंकि मुझे प्रेम संबंधी मामलों में बहुत रुचि है।"
"पूरे दिल से," डॉन क्विक्सोट ने कहा, और सांचो के अनुरोध पर इसे ज़ोर से पढ़ते हुए, उसने पाया कि यह इस प्रकार था:
तेरा झूठा वादा और मेरा निश्चित दुर्भाग्य मुझे उस स्थान पर ले गए हैं जहाँ से मेरी मृत्यु की खबर मेरी शिकायत सुनने से पहले ही तेरे कानों तक पहुँच जाएगी। कृतघ्न, तूने मुझे छोड़कर किसी अधिक धनी स्त्री को चुना, जो मेरे योग्य नहीं थी; परन्तु यदि सद्गुण को धन माना जाता तो मैं न तो दूसरों के धन से ईर्ष्या करती और न ही अपने दुर्भाग्य पर रोती। तेरी सुंदरता ने जिसे ऊँचा उठाया, तेरे कर्मों ने उसे नीचा कर दिया; सुंदरता के कारण मैंने तुझे देवदूत समझा था, लेकिन तेरे कर्मों से मुझे पता चला कि तू एक स्त्री है। तू पर शांति हो जिसने मुझ पर युद्ध भेजा है, और ईश्वर करे कि तेरे पति का छल तुझसे हमेशा के लिए छिपा रहे, ताकि तू अपने किए पर पश्चाताप न करे, और मुझे वह बदला न भुगतना पड़े जो मैं नहीं चाहती।
पत्र समाप्त करने के बाद डॉन क्विक्सोट ने कहा, "इस पत्र से उतनी जानकारी नहीं मिलती जितनी कि कविताओं से, सिवाय इसके कि इसे लिखने वाला कोई ठुकराया हुआ प्रेमी है।" और पुस्तक के लगभग सभी पन्ने पलटते हुए उसे और भी कविताएँ और पत्र मिले, जिनमें से कुछ वह पढ़ सका, जबकि कुछ नहीं; लेकिन वे सभी शिकायतों, विलापों, शंकाओं, इच्छाओं और घृणाओं, प्रेम और अस्वीकृतियों से भरे थे, कुछ आनंदमय, कुछ शोकपूर्ण। जब डॉन क्विक्सोट पुस्तक की जाँच कर रहा था, सांचो सूटकेस की जाँच कर रहा था, उसके पूरे हिस्से या पैड का कोई कोना नहीं छोड़ा जिसे उसने तलाशा, देखा और परखा न हो, कोई सिलाई नहीं छोड़ी जिसे उसने फाड़ा न हो, कोई ऊन का गुच्छा नहीं छोड़ा जिसे उसने नोंच-नोंच कर अलग न किया हो, कहीं कुछ भी लापरवाही से छूट न जाए; लगभग सौ मुकुटों की खोज से उसके भीतर इतना तीव्र लालच उत्पन्न हो गया था। और यद्यपि उसे और कोई लूट का माल नहीं मिला, फिर भी उसने अपने स्वामी की सेवा में झेली हुई सारी भूख,

प्यास और थकान को तुच्छ समझा; क्योंकि खजाने के रूप में मिले भुगतान से वह अपने सभी नुकसानों की भरपाई से कहीं अधिक संतुष्ट था।
शोकग्रस्त चेहरे वाला शूरवीर अब भी यह जानने के लिए बहुत उत्सुक था कि सूटकेस का मालिक कौन हो सकता है। कविता और पत्र, सोने के सिक्कों और कमीजों की उत्तम गुणवत्ता को देखकर वह अनुमान लगा रहा था कि वह कोई प्रतिष्ठित प्रेमी होगा जिसे उसकी प्रेमिका के तिरस्कार और क्रूरता ने किसी हताशा भरे रास्ते पर चलने के लिए विवश कर दिया होगा। लेकिन उस निर्जन और ऊबड़- खाबड़ स्थान पर कोई भी दिखाई नहीं दे रहा था जिससे वह पूछताछ कर सके, इसलिए उसके पास आगे बढ़ने के अलावा कोई चारा नहीं था। उसने रोसिनांटे द्वारा चुने गए किसी भी रास्ते को अपना लिया—वहीं से वह अपना रास्ता बना सकता था — उतना ही विश्वास था कि इन जंगलों में उसे कोई न कोई रोमांचक अनुभव अवश्य मिलेगा। इन विचारों में डूबे हुए वह आगे बढ़ रहा था, तभी उसने अपनी आँखों के सामने उठती हुई एक ऊँची चोटी पर एक आदमी को देखा जो अद्भुत फुर्ती से एक चट्टान से दूसरी चट्टान और एक घास के मैदान से दूसरे घास के मैदान पर कूदता हुआ जा रहा था। जहां तक वह समझ सका, वह नग्न था, उसकी घनी काली दाढ़ी थी, लंबे उलझे हुए बाल थे, और उसके पैर और तलवे नंगे थे, उसकी जांघें भूरे मखमल की बनी हुई पैंट से ढकी हुई थीं, लेकिन इतनी फटी हुई थीं कि कई जगहों से उसकी त्वचा दिखाई दे रही थी।
वह नंगे बदन था, और वर्णनानुसार जिस तेज़ी से वह गुज़रा, उसके बावजूद उदास चेहरे वाले शूरवीर ने उसकी इन सभी छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दिया और उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह उसका पीछा नहीं कर सका, क्योंकि रोसिनांटे की कमज़ोरी के कारण वह इतनी ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर चल नहीं सकता था, और स्वभाव से वह धीमा और सुस्त भी था। डॉन क्विक्सोट तुरंत इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि यही वह व्यक्ति है जिसके पास काठी और सूटकेस है, और उसने उसकी खोज में जाने का निश्चय किया, भले ही उसे उसे ढूंढने से पहले उन पहाड़ों में एक साल भटकना पड़े। इसलिए उसने सांचो को पहाड़ के एक तरफ से शॉर्टकट लेने का निर्देश दिया, जबकि वह खुद दूसरी तरफ से गया, और शायद इस तरह वे उस व्यक्ति को पा सकें जो इतनी तेज़ी से उनकी नज़रों से ओझल हो गया था।
"मैं ऐसा नहीं कर सकता," सांचो ने कहा, "क्योंकि जब मैं आपसे अलग होता हूँ तो भय मुझे तुरंत जकड़ लेता है और तरह-तरह के डर और कल्पनाओं से मुझे घेर

लेता है; और अब मैं जो कह रहा हूँ, उसे इस बात की सूचना समझो कि अब से मैं आपकी उपस्थिति से एक उंगली की दूरी तक भी नहीं हिलूंगा।"
"ऐसा ही होगा," उदास चेहरे वाले उस व्यक्ति ने कहा, "और मुझे बहुत खुशी है कि तुम मेरे साहस पर भरोसा करने को तैयार हो, जो तुम्हें कभी निराश नहीं करेगा, भले ही तुम्हारी आत्मा तुम्हारा साथ छोड़ दे; इसलिए अब जितना हो सके धीरे-धीरे मेरे पीछे आओ, और अपनी आँखों को रोशनी से चमकाओ; चलो इस पहाड़ी का चक्कर लगाते हैं; शायद हमें वह आदमी मिल जाए जिसे हमने देखा था, जो निस्संदेह उस चीज़ का मालिक है जो हमें मिली है।"
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "उसे न ढूंढना ही बेहतर होगा, क्योंकि अगर हम उसे ढूंढ लेते हैं और वह पैसों का मालिक निकलता है, तो ज़ाहिर है मुझे उसे लौटाना ही पड़ेगा; इसलिए बेहतर होगा कि इस अनावश्यक झंझट में पड़े बिना मैं उसे अपने पास रखूं, जब तक कि किसी और कम दखलंदाज़ी वाले तरीके से असली मालिक का पता न चल जाए; और शायद तब तक मैं पैसे खर्च कर चुका होऊंगा, और तब राजा मुझे दोषमुक्त कर देगा।"
"सांचो, तुम गलत हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि अब जब हमें शक है कि मालिक कौन है, और वह लगभग हमारे सामने ही है, तो हम उसे ढूंढने और हर्जाना देने के लिए बाध्य हैं; और अगर हम उसे नहीं ढूंढ पाते हैं, तो उसके मालिक होने का हमारा प्रबल संदेह हमें उतना ही दोषी बना देता है जितना कि अगर वह मालिक होता; इसलिए, मेरे मित्र सांचो, हमारी खोज से तुम्हें कोई चिंता नहीं होनी चाहिए, क्योंकि अगर हम उसे ढूंढ लेते हैं तो मेरी चिंता दूर हो जाएगी।"
ऐसा कहकर उसने रोसिनांटे को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, और सांचो पैदल ही उसके पीछे-पीछे सामान लादकर चल पड़ा। पहाड़ का कुछ चक्कर लगाने के बाद उन्हें एक खाई में एक खच्चर मिला, जो मृत अवस्था में पड़ा था और कुत्तों द्वारा आधा कुतरा हुआ तथा कौवों द्वारा चोंच मारा हुआ था। उस खच्चर पर काठी और लगाम लगी हुई थी, जिससे उनका यह संदेह और भी पुख्ता हो गया कि भागने वाला व्यक्ति ही खच्चर और काठी का मालिक था।
जब वे उसे देख रहे थे, तभी उन्हें अपने झुंड की रखवाली करते चरवाहे की सीटी जैसी आवाज़ सुनाई दी, और अचानक उनके बाईं ओर बहुत सारी बकरियाँ दिखाई दीं और उनके पीछे पहाड़ की चोटी पर उनका रखवाला, एक उम्रदराज़ आदमी, खड़ा था। डॉन क्विक्सोट ने उसे ज़ोर से पुकारा और नीचे आने की विनती की। उसने भी

चिल्लाकर पूछा कि वे उस जगह पर क्यों आए हैं, जहाँ बकरियों या भेड़ियों और अन्य जंगली जानवरों के पैरों के अलावा शायद ही कभी कोई आता-जाता था। सांचो ने भी उसे नीचे आने को कहा और कहा कि वे उसे सब कुछ समझा देंगे।
चरवाहा नीचे उतरा और जहाँ डॉन क्विक्सोट खड़ा था, वहाँ पहुँचकर उसने कहा, "मैं शर्त लगाता हूँ कि तुम उस खच्चर को देख रहे हो जो वहाँ गड्ढे में मरा पड़ा है, और सच में, वह पिछले छह महीनों से वहीं पड़ा है; मुझे बताओ, क्या तुमने उसके मालिक को यहाँ कहीं देखा है?"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "हमें यहाँ कोई नहीं मिला, सिवाय एक काठी के पैड और एक छोटे से सूटकेस के जो हमें यहाँ से थोड़ी दूर पर मिला।"
"मुझे भी यह मिला," बकरी चराने वाले ने कहा, "लेकिन मैंने इसे उठाया नहीं और न ही इसके पास गया, क्योंकि मुझे किसी दुर्भाग्य या चोरी के आरोप का डर था, क्योंकि शैतान धूर्त है, और चीजें बिना कारण या वजह जाने ही इंसान को गिराने के लिए उसके पैरों के नीचे से उठ खड़ी होती हैं।"
"मैं भी यही कहता हूं," सांचो ने कहा; "मुझे भी वह मिला था, और मैं उसके एक पत्थर के फासले के भी पास नहीं गया; मैंने उसे वहीं छोड़ दिया, और वह वहीं वैसे ही पड़ा है, क्योंकि मुझे घंटी वाला कुत्ता नहीं चाहिए।"
"बताओ, भले आदमी," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या तुम जानते हो कि इस संपत्ति का मालिक कौन है?"
"मैं आपको बस इतना ही बता सकता हूँ," चरवाहे ने कहा, "कि लगभग छह महीने पहले, यहाँ से लगभग तीन मील दूर, एक चरवाहे की झोपड़ी में एक सभ्य और सुसंस्कृत युवक आया था। वह उसी खच्चर पर सवार था जो यहाँ मरा पड़ा है, और उसके पास वही काठी और सूटकेस था जिसे आपने पाया और छुआ नहीं। उसने हमसे पूछा कि इस पर्वत श्रृंखला का सबसे बीहड़ और एकांत हिस्सा कौन सा है; हमने उसे बताया कि वह वही जगह है जहाँ हम अभी हैं; और यह सच भी है, क्योंकि अगर आप आधा मील और आगे बढ़ेंगे, तो शायद आपको रास्ता न मिले; और मुझे आश्चर्य है कि आप यहाँ कैसे पहुँचे, क्योंकि इस जगह तक जाने के लिए कोई सड़क या पगडंडी नहीं है। तो मैं कहता हूँ कि हमारा जवाब सुनकर वह युवक मुड़ा और उस जगह की ओर चल पड़ा जो हमने उसे बताई थी। हम सब उसकी सुंदरता से मुग्ध हो गए, और उसके सवाल और जिस तेज़ी से वह पर्वत श्रृंखला की ओर चला गया, उसे देखकर हैरान रह गए; और उसके बाद हमने उसे फिर कभी नहीं देखा, जब तक कि कुछ कुछ दिनों बाद वह हमारे एक चरवाहे के रास्ते में आ गया, और बिना कुछ कहे उसके पास आकर उसे कई घूंसे और

गए थे कि उसे किसी तरह का पागलपन सवार हो गया है; और थोड़ी ही देर में उसने साबित कर दिया कि जो हम सोच रहे थे वही सच था, क्योंकि वह गुस्से में ज़मीन से उठा जहाँ उसने खुद को गिराया था, और अपने पास मिले पहले व्यक्ति पर इतने क्रोध और उग्रता से हमला किया कि अगर हमने उसे उससे दूर न खींचा होता, तो वह उसे पीट-पीटकर या काटकर मार डालता। वह लगातार चिल्ला रहा था, 'हे विश्वासघाती फर्नांडो, यहाँ, यहाँ तुझे मेरे साथ किए गए अन्याय का दंड भुगतना पड़ेगा; ये हाथ तेरे उस हृदय को चीर देंगे, जो तमाम बुराइयों का, और सबसे बढ़कर छल और कपट का अड्डा है;' और इन सब में उसने आगे कहा दूसरे शब्दों में कहें तो, ये सब फर्नांडो को फटकार लगाने और उस पर विश्वासघात और बेवफाई का आरोप लगाने के समान है।
"हमने बड़ी मुश्किल से उसे अपनी पकड़ छोड़ने पर मजबूर किया, और बिना कुछ कहे वह हमें छोड़कर भाग गया और झाड़ियों और कंटीली झाड़ियों में घुस गया, जिससे हमारे लिए उसका पीछा करना असंभव हो गया; इससे हमें लगता है कि उसे समय-समय पर पागलपन का दौरा पड़ता है, और फर्नांडो नाम के किसी व्यक्ति ने उसके साथ कोई गंभीर अन्याय किया होगा, जैसा कि उसकी हालत से स्पष्ट होता है। तब से कई बार ऐसा हुआ है जब वह हमारे रास्ते में आया है, कभी चरवाहों से उनके पास मौजूद भोजन में से कुछ मांगने के लिए, तो कभी उनसे जबरदस्ती छीनने के लिए; क्योंकि जब उसे पागलपन का दौरा पड़ता है, तो भले ही चरवाहे स्वेच्छा से भोजन दें, वह उसे स्वीकार नहीं करता बल्कि मार-पीट कर उनसे छीन लेता है; लेकिन जब वह होश में होता है तो वह ईश्वर के नाम पर विनम्रतापूर्वक और शालीनता से भोजन मांगता है, और बहुत धन्यवाद और कुछ आंसुओं के साथ उसे स्वीकार करता है। और सच कहूं तो, महोदय," चरवाहे ने आगे कहा, "कल ही हमने, मैंने और चार लड़कों ने (जिनमें से दो हमारे नौकर और दो मेरे दोस्त थे), यह निश्चय किया था कि हम उसकी तलाश में निकलेंगे, जब तक वह मिल न जाए। और जब मिल जाए, तो उसे, चाहे बलपूर्वक या उसकी अपनी सहमति से, यहाँ से आठ मील दूर स्थित अल्मोडोवर कस्बे में ले जाएँगे, और वहाँ उसका इलाज करने का प्रयास करेंगे (यदि वास्तव में उसकी बीमारी ठीक हो सकती है), या जब वह होश में आ जाए तो यह पता लगाएँगे कि वह कौन है, और क्या उसके कोई रिश्तेदार हैं जिन्हें हम उसकी विपत्ति की सूचना दे सकें। महोदय, आपके पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मैं बस इतना ही कह सकता हूँ; और निश्चिंत रहें

कि जो वस्तुएँ आपको मिली हैं, उनका मालिक वही है जिसे आपने इतनी फुर्ती से और नग्न अवस्था में वहाँ से गुजरते देखा था।"
डॉन क्विक्सोट पहले ही बता चुका था कि उसने उस आदमी को पहाड़ की ढलान पर उछलते-कूदते देखा था, और अब वह चरवाहे से सुनी बातों से चकित था, और उस अभागे पागल आदमी को जानने के लिए पहले से कहीं अधिक उत्सुक था; और उसने अपने मन में ठान लिया, जैसा कि उसने पहले भी किया था, कि वह उसे पूरे पहाड़ पर खोजेगा, जब तक कि वह उसे पा न ले, तब तक वह किसी भी कोने या गुफा की तलाशी लेगा। लेकिन संयोग ने उसकी उम्मीद से कहीं बेहतर ढंग से काम किया, क्योंकि ठीक उसी क्षण, पहाड़ की एक घाटी में, जहाँ वे खड़े थे, वह युवक प्रकट हुआ, जो खुद से बातें करता हुआ आ रहा था, ऐसी भाषा में जो पास से भी समझ में नहीं आती, दूर से तो और भी ज्यादा। उसके कपड़े वही थे जिनका वर्णन किया गया था, सिवाय इसके कि जैसे ही वह पास आया, डॉन क्विक्सोट ने देखा कि उसने जो फटा हुआ कोट पहना था, वह अंबर रंग का था, जिससे उसने निष्कर्ष निकाला कि ऐसे कपड़े पहनने वाला व्यक्ति बहुत निचले दर्जे का नहीं हो सकता।
उनके पास पहुँचकर, युवक ने कर्कश और भारी स्वर में, लेकिन अत्यंत विनम्रता से उनका अभिवादन किया। डॉन क्विक्सोट ने भी उतनी ही विनम्रता से अभिवादन किया और रोसिनांटे से उतरकर, सलीके से और शालीनता से आगे बढ़कर उसे गले लगाया। उसने उसे कुछ देर तक अपनी बाहों में थामे रखा, मानो वह उसे बहुत समय से जानता हो। दूसरा व्यक्ति, जिसे हम दुखी चेहरे वाला फटा हुआ वस्त्रधारी कह सकते हैं, क्योंकि डॉन क्विक्सोट का चेहरा उदास था, गले लगने के बाद उसे थोड़ा पीछे धकेल कर, डॉन क्विक्सोट के कंधों पर हाथ रखकर, उसे इस तरह घूरने लगा मानो यह देखना चाहता हो कि क्या वह उसे पहचानता है। शायद वह भी डॉन क्विक्सोट के चेहरे, कद-काठी और कवच को देखकर उतना ही चकित था जितना डॉन क्विक्सोट उसे देखकर। संक्षेप में, गले लगने के बाद सबसे पहले फटे-पुराने वस्त्रधारी ने बात की, और उसने वह कहा जो आगे बताया जाएगा।

24

अध्याय
जिसमें सिएरा मोरेना के रोमांच का सिलसिला जारी है।
इतिहास कहता है कि डॉन क्विक्सोट ने सिएरा के फटेहाल योद्धा की बात बड़े ध्यान से सुनी, जिसने यह कहकर अपनी बात शुरू की:
"महज़, महोदय, आप जो भी हों, क्योंकि मैं आपको नहीं जानता, मैं आपके द्वारा मुझ पर दिखाई गई दया और शिष्टाचार के लिए आपका आभारी हूँ, और काश मैं आपके द्वारा दिए गए हार्दिक स्वागत के बदले में केवल सद्भावना से बढ़कर कुछ और दे पाता; लेकिन मेरा भाग्य मुझे आपके द्वारा की गई दयालुता को लौटाने का कोई और साधन नहीं देता, सिवाय इसके कि मैं दिल से उसे चुकाना चाहता हूँ।" “मेरा उद्देश्य,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “आपकी सेवा करना है, इतना अधिक कि मैंने इन पहाड़ों को तब तक न छोड़ने का निश्चय किया था जब तक मैं आपको ढूंढ न लूं और आपसे यह न जान लूं कि आपके उस दुख का कोई समाधान है या नहीं, जिससे आपका जीवन इतना विचित्र प्रतीत होता है; और यदि आवश्यक हुआ तो मैं आपको पूरी लगन से ढूंढूंगा। और यदि आपका दुर्भाग्य ऐसा हो जो किसी भी प्रकार की सांत्वना से परे हो, तो मेरा उद्देश्य यथासंभव आपके साथ शोक मनाना और मातम करना था; क्योंकि दुर्भाग्य में भी कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जो उसे समझ सके, तो कुछ सांत्वना तो मिलती ही है। और यदि मेरे नेक इरादे किसी प्रकार की शिष्टाचार के योग्य हैं, तो मैं आपसे, महोदय, उस गुण की कसम खाकर जो आपमें प्रचुर मात्रा में है, और साथ ही उस चीज की कसम खाकर जो आपको जीवन में सबसे प्रिय है या रही है, यह बताने का निवेदन करता हूं कि आप कौन हैं और वह कारण क्या है जिसने आपको इन एकांत स्थानों में एक जंगली जानवर की तरह जीने या मरने के लिए मजबूर किया है, जहां आप अपनी स्थिति से बिल्कुल अलग तरीके से रह रहे हैं।” आपके पहनावे और रूप से यह स्पष्ट है। और मैं शपथ लेता हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, “मुझे प्राप्त शूरवीरता की उपाधि और एक वीर योद्धा के रूप में अपने कर्तव्य की शपथ लेकर, यदि आप मुझे इस मामले में सहमत करते हैं, तो मैं अपने कर्तव्य के अनुरूप पूरी लगन से आपकी सेवा करूँगा, चाहे आपकी विपत्ति को दूर करने में, यदि संभव हो, या जैसा मैंने वादा किया है, आपके साथ मिलकर उस पर शोक व्यक्त करने में।”

झाड़ी के शूरवीर ने उदास चेहरे वाले उस व्यक्ति को इस लहजे में बोलते हुए सुनकर, उसे घूरने के अलावा कुछ नहीं किया, बार-बार घूरता रहा, और फिर उसे सिर से पैर तक देखता रहा; और जब उसने उसे अच्छी तरह से देख लिया, तो उसने उससे कहा:
"अगर आपके पास मुझे खाने के लिए कुछ भी हो, तो भगवान के लिए मुझे दे दीजिए, और खाने के बाद मैं आपके द्वारा मेरे प्रति दिखाई गई सद्भावना के आभार में आपकी सभी इच्छाओं का पालन करूंगा।"
सांचो ने अपनी बोरी से और चरवाहे ने अपनी थैली से फटे-पुराने कपड़े वाले को भूख मिटाने के लिए भोजन दिया, और जो कुछ उन्होंने उसे दिया, वह उसे एक मंदबुद्धि प्राणी की तरह इतनी जल्दी-जल्दी खा गया कि निवाले के बीच समय ही नहीं लेता था, निगलने के बजाय ठूंस-ठूंस कर खाता था; और जब तक वह खा रहा था, न तो वह और न ही उसे देखने वाले किसी ने एक शब्द भी कहा। जैसे ही उसने खाना समाप्त किया, उसने उन्हें अपने पीछे आने का इशारा किया, और वे उसके पीछे- पीछे एक हरे-भरे मैदान में चले गए जो एक चट्टान के कोने के पीछे थोड़ी दूर पर था। वहाँ पहुँचकर वह घास पर लेट गया, और बाकी सब भी चुप रहे, जब तक कि फटे-पुराने कपड़े वाले ने अपनी जगह पर आराम से बैठकर कहा:
"यदि आप चाहते हैं, महोदय, कि मैं कुछ शब्दों में अपने दुर्भाग्य की भयावहता का खुलासा करूँ, तो आपको यह वादा करना होगा कि आप मेरी दुख भरी कहानी को किसी भी प्रश्न या अन्य रुकावट से नहीं तोड़ेंगे, क्योंकि जैसे ही आप ऐसा करेंगे, मेरी कहानी समाप्त हो जाएगी।"
फटे-पुराने कपड़े पहने उस व्यक्ति के इन शब्दों ने डॉन क्विक्सोट को अपने सहायक द्वारा सुनाई गई उस कहानी की याद दिला दी, जब वह नदी पार करने वाली बकरियों की गिनती रखने में असफल रहा था और कहानी अधूरी रह गई थी; लेकिन फटे-पुराने कपड़े पहने उस व्यक्ति की बात पर लौटते हुए, उसने आगे कहा:
मैं आपको यह चेतावनी इसलिए दे रहा हूँ क्योंकि मैं अपनी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की कहानी को संक्षेप में बताना चाहता हूँ, क्योंकि उन्हें याद करने से केवल नई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ ही जुड़ती हैं, और आप मुझसे जितना कम प्रश्न पूछेंगे, मैं उतनी ही जल्दी अपनी कहानी समाप्त कर दूँगा, हालाँकि मैं आपकी जिज्ञासा को पूरी तरह से संतुष्ट करने के लिए कोई भी महत्वपूर्ण बात बताना नहीं भूलूँगा।

डॉन क्विक्सोट ने अपने और दूसरों के लिए वादा किया, और इस आश्वासन के साथ उसने इस प्रकार बोलना शुरू किया:
मेरा नाम कार्डेनियो है, मेरा जन्मस्थान अंडालूसिया के सबसे सुंदर शहरों में से एक है, मेरा परिवार कुलीन है, मेरे माता-पिता धनी हैं, मेरा दुर्भाग्य इतना बड़ा है कि मेरे माता-पिता और मेरा परिवार इस पर रोए होंगे और शोक मनाया होगा, लेकिन उनकी दौलत इसे कम नहीं कर सकी; क्योंकि भाग्य के वरदान स्वर्ग से भेजे गए संकटों को कम नहीं कर सकते। उसी देश में एक स्वर्ग था जहाँ प्रेम ने मुझे वह सारी महिमा प्रदान की थी जिसकी मैं कामना कर सकता था; लुसिंडा की सुंदरता ऐसी ही थी, एक युवती जो मेरी ही तरह कुलीन और धनी थी, लेकिन उससे कहीं अधिक भाग्यशाली थी, और मेरे जैसे योग्य प्रेम के लिए जितनी दृढ़ता होनी चाहिए थी, उससे कम दृढ़ थी। इस लुसिंडा से मैंने अपने बचपन से ही प्रेम किया, उसकी पूजा की और उसे प्यार किया, और उसने भी मुझे बचपन की मासूमियत और सच्चाई से प्यार किया। हमारे माता-पिता हमारी भावनाओं से अवगत थे, और उन्हें जानकर उन्हें कोई दुख नहीं हुआ, क्योंकि वे स्पष्ट रूप से जानते थे कि जैसे-जैसे हमारी भावनाएँ परिपक्व होंगी, अंततः हमारा विवाह होगा, एक ऐसी बात जो हमारे परिवारों और धन की समानता के कारण लगभग पूर्वनिर्धारित प्रतीत होती थी। हम बड़े हुए, और हमारे बड़े होने के साथ-साथ हमारा प्रेम भी बढ़ता गया। हम दोनों के बीच ऐसा हुआ कि लुसिंडा के पिता ने शिष्टाचारवश मुझे अपने घर में प्रवेश देने से इनकार कर दिया, शायद कवियों द्वारा प्रशंसित थिस्बे के माता-पिता की नकल करते हुए, और इस इनकार ने प्रेम को और बढ़ा दिया और प्रेम की आग को और भड़का दिया; क्योंकि यद्यपि उन्होंने हमारी ज़ुबानों पर मौन धारण कर लिया था, वे हमारी कलमों पर नहीं, जो दिल के रहस्यों को किसी प्रियजन तक ज़ुबानों से भी अधिक स्वतंत्र रूप से पहुंचा सकती हैं; क्योंकि कई बार प्रेम के पात्र की उपस्थिति दृढ़तम इच्छाशक्ति को भी हिला देती है और साहसी ज़ुबानों को भी चुप करा देती है। हे भगवान! मैंने उसे कितने पत्र लिखे, और कितने कोमल, विनम्र उत्तर मुझे मिले! मैंने कितने गीत और प्रेम-गीत रचे जिनमें मेरे हृदय ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया, अपनी तीव्र इच्छाओं का वर्णन किया, अपनी यादों में खोया और अपनी इच्छाओं के साथ खिलवाड़ किया! अंततः अधीर होकर और उसे देखने की तीव्र इच्छा से तड़पते हुए, मैंने अपने वांछित और योग्य पुरस्कार को प्राप्त करने के सर्वोत्तम तरीके को अमल में लाने का निश्चय किया। मैंने उसके पिता

ईर्ष्या अपना काम करने लगी। मेरे पुराने नौकर मुझसे ईर्ष्या करने लगे और ड्यूक के मेरे प्रति स्नेह को अपने लिए अपमान समझने लगे। लेकिन मेरे आने से सबसे अधिक प्रसन्नता ड्यूक के दूसरे पुत्र, फर्नांडो को हुई, जो एक वीर, उदार और प्रेमप्रिय स्वभाव का युवक था। उसने बहुत जल्द ही मुझसे इतनी गहरी दोस्ती कर ली कि यह बात सबने देखी; क्योंकि यद्यपि बड़ा पुत्र मुझसे प्रेम करता था और मेरे प्रति दयालुता दिखाता था, फिर भी उसने डॉन फर्नांडो की तरह स्नेहपूर्ण व्यवहार नहीं किया। ऐसा हुआ कि दोस्तों के बीच कोई भी राज़ छिपा नहीं रहता और डॉन फर्नांडो के साथ मेरा स्नेह बढ़ता ही गया। मित्रतावश, उसने अपने सारे विचार मुझसे साझा किए, विशेष रूप से एक प्रेम प्रसंग के बारे में जिसने उसके मन को थोड़ा परेशान कर रखा था। वह एक किसान लड़की से प्रेम करता था, जो उसके पिता की जागीरदार थी, धनी माता-पिता की पुत्री थी, और स्वयं इतनी सुंदर, विनम्र, विवेकशील और गुणी थी कि उसे जानने वाला कोई भी यह तय नहीं कर पाता था कि वह इनमें से किस गुण में सबसे अधिक प्रतिभाशाली या श्रेष्ठ थी। उस सुंदर किसान लड़की के आकर्षण ने डॉन फर्नांडो के जुनून को इस हद तक बढ़ा दिया कि अपने उद्देश्य को प्राप्त करने और उसके गुणी संकल्पों को तोड़ने के लिए, उसने उससे पति बनने का वचन देने का निश्चय किया, क्योंकि किसी अन्य तरीके से ऐसा करने का प्रयास असंभव था। मित्रता के बंधन से बंधा होने के कारण, मैंने उसे इस कदम से रोकने और हतोत्साहित करने के लिए हर संभव तर्क और सबसे प्रभावी उदाहरण का प्रयोग किया; लेकिन जब मैंने देखा कि मेरा कोई प्रभाव नहीं पड़ा, तो मैंने उसके पिता ड्यूक रिकार्डो को इस मामले से अवगत कराने का निर्णय लिया; लेकिन डॉन फर्नांडो, जो तेज बुद्धि का था और चतुर होने के कारण, उसने इस बात को भांप लिया और समझ लिया, क्योंकि वह जानता था कि एक अच्छे सेवक के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं अपने स्वामी ड्यूक के सम्मान के इतने विरुद्ध किसी बात को छुपा न सकूँ; इसलिए, मुझे गुमराह करने और धोखा देने के लिए, उसने मुझसे कहा कि अपने मन से उस सुंदरता को मिटाने का, जिसने उसे इतना मोहित कर लिया था, उसे कुछ महीनों के लिए अनुपस्थित रहने से बेहतर कोई तरीका नहीं सूझता, और वह चाहता था कि हम दोनों मेरे पिता के घर जाएँ, और ड्यूक से बहाना बनाएँ कि हम मेरे शहर में मौजूद कुछ बेहतरीन घोड़े देखने और खरीदने जा रहे हैं, जो दुनिया में सबसे अच्छे घोड़े पैदा करता है। जब मैंने उसे ऐसा कहते सुना, तो भले ही उसका इरादा इतना अच्छा न होता, मैं

अपने स्नेह से प्रेरित होकर इसे सबसे सुखद इरादों में से एक मानता, क्योंकि मुझे अपनी लुसिंडा से मिलने का कितना अच्छा मौका मिल रहा था। इसी सोच और इच्छा के साथ मैंने उसके विचार की सराहना की और उसकी योजना को प्रोत्साहित किया, और उसे सलाह दी कि वह इसे जल्द से जल्द अमल में लाए। संभव है, क्योंकि वास्तव में, सबसे गहरी भावनाओं के बावजूद अनुपस्थिति ने अपना प्रभाव डाला। लेकिन, जैसा कि बाद में पता चला, जब उसने मुझसे यह कहा, तब तक वह पति के नाम पर उस किसान लड़की के साथ संबंध बना चुका था, और अपने पिता ड्यूक के अपनी मूर्खता के बारे में पता चलने पर उनके द्वारा किए जाने वाले व्यवहार के भय से, सुरक्षित रूप से इसे प्रकट करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था। तब हुआ यह कि, जैसा कि युवा पुरुषों के साथ होता है, प्रेम अधिकतर एक लालसा से अधिक कुछ नहीं होता, जिसका अंतिम लक्ष्य आनंद होता है, इसलिए उसे प्राप्त करने पर वह समाप्त हो जाता है, और जो प्रेम प्रतीत होता है वह उड़ जाता है, क्योंकि वह प्रकृति द्वारा निर्धारित सीमा को पार नहीं कर सकता, जो सच्चे प्रेम की कोई सीमा निर्धारित नहीं करती - मेरा मतलब यह है कि डॉन फर्नांडो द्वारा उस किसान लड़की के साथ संबंध बनाने के बाद उसका जुनून शांत हो गया और उसकी उत्सुकता ठंडी पड़ गई, और यदि पहले उसने अपने प्रेम को शांत करने के लिए अनुपस्थित रहने की इच्छा का दिखावा किया, तो अब वह वास्तव में अपना वादा निभाने से बचने के लिए जाने को उत्सुक था।
ड्यूक ने उन्हें अनुमति दे दी और मुझे उनके साथ चलने का आदेश दिया; हम मेरे शहर पहुँचे और मेरे पिता ने उनका उनके पद के अनुरूप स्वागत किया; मैंने तुरंत लुसिंडा को देखा और यद्यपि मेरा प्रेम मरा नहीं था, फिर भी उसमें नई जान आ गई। बड़े दुख के साथ मैंने यह कहानी डॉन फर्नांडो को सुनाई, क्योंकि मुझे लगा कि उनकी गहरी मित्रता के कारण मुझे उनसे कुछ भी छिपाना नहीं चाहिए। मैंने उनकी सुंदरता, उनकी प्रसन्नता, उनकी बुद्धिमत्ता की इतनी प्रशंसा की कि मेरी प्रशंसा ने उनके मन में ऐसी ही आकर्षक युवती को देखने की इच्छा जगा दी। दुर्भाग्य से मैं उनकी इच्छा के आगे झुक गया और एक रात मोमबत्ती की रोशनी में, उस खिड़की पर जहाँ हम अक्सर बातें करते थे, उन्हें लुसिंडा से मिलवाया। जब वह अपने ड्रेसिंग गाउन में उनके सामने आईं, तो उन्होंने अब तक देखी सभी सुंदरियों को भुला दिया; उनकी वाणी थम गई, उनका सिर घूम गया, वे मंत्रमुग्ध हो गए और अंत में प्रेम में डूब गए, जैसा कि आप

मेरी इस दुर्भाग्यपूर्ण कहानी में देखेंगे; और उसके उस जुनून को और भी भड़काने के लिए, जिसे उसने मुझसे छिपा रखा था और केवल स्वर्ग को ही प्रकट किया था, एक दिन उसे लुसिंडा का एक पत्र मिला जिसमें वह मुझसे उसके पिता से उसका विवाह करवाने की विनती कर रही थी। वह पत्र इतना कोमल, इतना विनम्र और इतना सौम्य था कि उसे पढ़कर उसने मुझसे कहा कि लुसिंडा में ही सौंदर्य और बुद्धिमत्ता के वे सभी गुण समाहित हैं जो संसार की अन्य सभी स्त्रियों में पाए जाते हैं। यह सच है, और मैं अब इसे स्वीकार करती हूँ, कि यद्यपि मैं जानती थी कि डॉन फर्नांडो के पास लुसिंडा की प्रशंसा करने का कितना अच्छा कारण था, फिर भी उसके मुँह से ये प्रशंसाएँ सुनकर मुझे बेचैनी हुई, और मुझे डर लगने लगा, और उस पर अविश्वास करने का उचित कारण भी था, क्योंकि ऐसा कोई क्षण नहीं था जब वह लुसिंडा के बारे में बात करने के लिए तैयार न हो, और वह खुद ही विषय शुरू कर देता था, भले ही वह इसे अनुचित समय पर ही क्यों न खींचे, इस बात ने मेरे मन में कुछ ईर्ष्या उत्पन्न कर दी; ऐसा नहीं था कि मुझे लुसिंडा की दृढ़ता या विश्वास में किसी परिवर्तन का डर था; फिर भी मेरे भाग्य ने मुझे उस बात का पूर्वाभास करा दिया जिसके विरुद्ध उसने मुझे आश्वस्त किया था। डॉन फर्नांडो हमेशा लुसिंडा के संदेश को पढ़ने का प्रयास करता था। मैंने लुसिंडा को पत्र भेजे और उसने मुझे जवाब दिए, इस बहाने से कि उसे दोनों पत्रों की चतुराई और समझदारी पसंद आई। फिर संयोगवश, लुसिंडा ने मुझसे वीरता की एक किताब पढ़ने का अनुरोध किया, जो उसे बहुत पसंद थी, 'अमादिस ऑफ गॉल'-
डॉन क्विक्सोट ने जैसे ही वीरता की पुस्तक का जिक्र सुना, वैसे ही उसने कहा:
यदि आपने अपनी कहानी की शुरुआत में ही मुझे बता दिया होता कि लेडी लुसिंडा को वीरता की किताबें बहुत पसंद थीं, तो उनकी बुद्धिमत्ता की श्रेष्ठता को समझाने के लिए और किसी प्रशंसा की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि यदि उन्हें ऐसी आनंददायक पुस्तकों का शौक न होता तो उनकी बुद्धिमत्ता उस स्तर की नहीं होती जिसका आपने वर्णन किया है; इसलिए, जहाँ तक मेरा सवाल है, आपको उनकी सुंदरता, योग्यता और बुद्धिमत्ता का वर्णन करने के लिए और अधिक शब्दों की आवश्यकता नहीं है; क्योंकि केवल उनकी रुचि के बारे में सुनकर ही मैं उन्हें दुनिया की सबसे सुंदर और सबसे बुद्धिमान महिला घोषित करता हूँ; और मेरी इच्छा है कि आपने गॉल के अमाडिस के साथ उन्हें ग्रीस के योग्य डॉन

रूगेल को भेजा होता, क्योंकि मैं जानता हूँ कि लेडी लुसिंडा को दाराइडा और गराया, चरवाहे डारिनेल के चतुर कथन और उनके द्वारा बड़े उत्साह, हास्य और सहजता से गाए और सुनाए गए उनके देहाती गीतों का बहुत आनंद आता; लेकिन एक समय ऐसा आ सकता है जब इस कमी को दूर किया जा सके, और इसे ठीक करने के लिए आपके द्वारा किए गए अनुरोध के अलावा और कुछ नहीं चाहिए। कृपया मेरे साथ मेरे गाँव चलें, क्योंकि वहाँ मैं आपको तीन सौ से अधिक पुस्तकें दे सकता हूँ जो मेरी आत्मा का आनंद और मेरे जीवन का मनोरंजन हैं; हालाँकि मुझे याद है कि दुष्ट और ईर्ष्यालु जादूगरों की द्वेषपूर्ण हरकतों के कारण अब मेरे पास उनमें से एक भी नहीं है; लेकिन आपसे बातचीत में बाधा न डालने का जो वादा हमने किया था, उसे तोड़ने के लिए मुझे क्षमा करें; क्योंकि जब मैं वीरता या वीर योद्धाओं का जिक्र सुनता हूँ, तो मैं उनके बारे में बात करने से खुद को रोक नहीं पाता, ठीक वैसे ही जैसे सूर्य की किरणें गर्मी या चंद्रमा की किरणें नमी देने से खुद को रोक नहीं पातीं; इसलिए मुझे क्षमा करें और आगे बढ़ें, क्योंकि अभी यही अधिक उचित है।
जब डॉन क्विक्सोट यह कह रहे थे, कार्डेनियो ने अपना सिर अपनी छाती पर टिका लिया और गहरी सोच में डूबा हुआ प्रतीत हुआ; और यद्यपि डॉन क्विक्सोट ने उसे दो बार अपनी कहानी जारी रखने के लिए कहा, उसने न तो ऊपर देखा और न ही जवाब में एक शब्द कहा; लेकिन कुछ समय बाद उसने अपना सिर उठाया और कहा, "मैं इस विचार से छुटकारा नहीं पा सकता, और न ही दुनिया में कोई इसे दूर कर सकता है, या मुझे इसके विपरीत सोचने पर मजबूर कर सकता है—और वह मूर्ख ही होगा जो उस घिनौने धूर्त मास्टर एलिसबाद द्वारा रानी मदासिमा के साथ किए गए दुराचार के अलावा कुछ और सोचेगा या विश्वास करेगा।"
"यह बिलकुल सच नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने अपनी आदत के अनुसार क्रोधित होकर उस पर झपटते हुए कहा; "और यह बहुत बड़ा झूठा आरोप है, या यूँ कहें कि सरासर दुराचार है। रानी मदासिमा एक बहुत ही प्रतिष्ठित महिला थीं, और यह सोचना भी असंभव है कि इतनी उच्च कोटि की राजकुमारी किसी धोखेबाज़ के साथ ऐसा व्यवहार करतीं; और जो कोई भी इसके विपरीत कहता है, वह सरासर झूठ बोल रहा है, और मैं उसे यह बात पैदल या घोड़े पर सवार होकर, हथियारबंद या निहत्थे, दिन या रात में, या जैसे चाहे, बता दूँगा।"
कार्डेनियो उसे लगातार देख रहा था, और अब उस पर पागलपन का दौरा पड़ चुका था, इसलिए उसका अपनी कहानी जारी रखने का मन नहीं था, और डॉन क्विक्सोट भी

उसे सुनना नहीं चाहता था, क्योंकि मदासिमा के बारे में उसने जो कुछ सुना था, उससे उसे बहुत घृणा हो रही थी। हैरानी की बात है कि वह उसके लिए ऐसे खड़ा हुआ मानो वह सचमुच उसकी जन्म से ही प्रेमिका हो; उसकी अपवित्र किताबों ने उसे इस हद तक पहुँचा दिया था। कार्डेनियो, जैसा कि मैंने कहा, अब पागल हो चुका था, जब उसने खुद को झूठा साबित होते सुना और उसे बदमाश और अन्य अपमानजनक नामों से पुकारा गया, तो उसे यह मज़ाक पसंद नहीं आया, उसने अपने पास पड़ा एक पत्थर उठाया और उससे डॉन क्विक्सोट की छाती पर ऐसा प्रहार किया कि वह पीठ के बल गिर पड़ा। सांचो पांजा ने अपने स्वामी को इस हालत में देखकर, उस पागल पर मुट्ठी से हमला किया; लेकिन फटेहाल व्यक्ति ने उसे इस तरह से रोका कि एक ही प्रहार से उसे अपने पैरों पर गिरा दिया, और फिर उस पर चढ़कर उसकी पसलियों को अपनी संतुष्टि के लिए कुचल दिया; बचाव के लिए आए चरवाहे का भी वही हाल हुआ; उन सबको पीट-पीट कर उसने उन्हें वहीं छोड़ दिया और चुपचाप पहाड़ पर अपने छिपने की जगह पर चला गया। सांचो उठा और खुद को बेवजह इतना पिटा हुआ देखकर गुस्से से भर उठा। वह चरवाहे से बदला लेने के लिए दौड़ा और उस पर आरोप लगाया कि उसने उन्हें यह चेतावनी नहीं दी थी कि वह आदमी कभी-कभी पागल हो जाता है, क्योंकि अगर उन्हें पता होता तो वे अपनी रक्षा के लिए सतर्क रहते। चरवाहे ने जवाब दिया कि उसने ऐसा कहा था और अगर उसने नहीं सुना तो इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। सांचो ने पलटवार किया और चरवाहा भी उसमें शामिल हो गया। कहासुनी इस हद तक बढ़ गई कि दोनों ने एक-दूसरे की दाढ़ी पकड़ ली और इतनी ज़ोर से हाथापाई की कि अगर डॉन क्विक्सोट ने उनके बीच सुलह न कराई होती तो वे एक-दूसरे के टुकड़े-टुकड़े कर देते। "मुझे अकेला छोड़ दो, श्रीमान द नाइट ऑफ द रिफुल काउंटेंस," सांचो ने बकरी चराने वाले से जूझते हुए कहा, "क्योंकि यह आदमी, जो मेरी ही तरह एक मसखरा है और कोई उपाधि प्राप्त शूरवीर नहीं है, उससे मैंने जो अपमान किया है, उसका बदला मैं एक ईमानदार आदमी की तरह उससे आमने-सामने लड़कर ले सकता हूँ।"
"यह सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "लेकिन मुझे पता है कि जो कुछ हुआ है उसके लिए वह दोषी नहीं है।"
इससे वे शांत हो गए और फिर चरवाहे से पूछा कि क्या कार्डेनियो को ढूंढना संभव होगा, क्योंकि वह उसकी कहानी का अंत जानने के लिए बहुत उत्सुक था। चरवाहे ने उसे वही बताया जो उसने पहले भी बताया था कि उसका ठिकाना कहाँ है,

[illegible]

25

अध्याय
यह पुस्तक सिएरा मोरेना में ला मांचा के बलवान योद्धा के साथ घटी विचित्र घटनाओं और बेल्टेनेब्रोस के प्रायश्चित के उनके अनुकरण का वर्णन करती है। डॉन क्विक्सोट ने चरवाहे से विदा ली और एक बार फिर रोसिनांटे पर सवार होकर सांचो को अपने पीछे आने को कहा, लेकिन चूंकि उसके पास गधा नहीं था, इसलिए वह बहुत असंतुष्ट होकर उसके पीछे चला। वे धीरे-धीरे आगे बढ़े और पहाड़ के सबसे ऊबड़-खाबड़ हिस्से में प्रवेश किया। सांचो अपने स्वामी से बात करने के लिए बेताब था और चाहता था कि वह जल्दी से बात शुरू कर दे, ताकि उस पर लगाए गए आदेश का उल्लंघन न हो; लेकिन इतने लंबे समय तक चुप न रह पाने के कारण उसने अपने स्वामी से कहा:
"श्रीमान डॉन क्विक्सोट, मुझे आपका आशीर्वाद और विदा दीजिए, क्योंकि मैं तुरंत अपनी पत्नी और बच्चों के पास घर जाना चाहता हूँ, जिनसे मैं कम से कम जितना चाहूँ उतना बात कर सकता हूँ; क्योंकि मुझे दिन-रात इन एकांत में रहने के लिए कहना और मन करे तब भी आपसे बात न करने देना, मुझे ज़िंदा दफ़नाने जैसा है। अगर किस्मत में जानवर भी गिसोपेट के ज़माने की तरह बोलते, तो इतना बुरा नहीं होता, क्योंकि मैं रोसिनांटे से अपने मन की हर बात कह सकता था और इस तरह अपनी बदकिस्मती को सह सकता था; लेकिन यह बहुत मुश्किल है और इसे धैर्य से सहन नहीं किया जा सकता, कि पूरी ज़िंदगी रोमांच की तलाश में बिताई जाए और बदले में लात-घूंसे, घूंसे और घूंसे के सिवा कुछ न मिले, और इन सबके साथ अपने दिल की बात कहने की हिम्मत न कर पाने के कारण मुँह बंद रखना पड़े, मानो कोई गूंगा हो।"
"मैं तुम्हें समझता हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "तुम मेरे द्वारा तुम्हारी ज़बान पर लगाए गए प्रतिबंध को हटवाने के लिए बेताब हो; इसे हट गया समझो, और जब तक हम इन पहाड़ों में भटकते हैं, तब तक जो चाहो कहो।" "ठीक है," सांचो ने कहा; "मुझे अभी बोलने दीजिए, क्योंकि ईश्वर ही जानता है कि आगे क्या होगा; और इस अवसर का लाभ उठाते हुए, मैं पूछता हूँ, आपने उस रानी माजिमासा, या जो भी उसका नाम हो, के लिए इतना विरोध क्यों किया, या इससे क्या फर्क पड़ता है कि वह मठाधीश उसका मित्र था या नहीं? क्योंकि यदि आपने इसे अनदेखा कर दिया होता—और आप इस मामले में न्यायाधीश नहीं होते—

तो मेरा मानना है कि वह पागल अपनी कहानी सुनाता रहता, और पत्थर की मार, लातों और आधे दर्जन से अधिक हथकंडों से बच जाता।"
"सच कहूँ तो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "अगर तुम मेरी तरह जानते कि रानी मदासिमा कितनी सम्मानित और प्रतिष्ठित महिला थीं, तो मुझे पता है कि तुम कहते कि मैंने बड़ी धैर्य से काम लिया कि मैंने उस व्यक्ति का मुँह नहीं तोड़ दिया जिसने ऐसी ईशनिंदा की, क्योंकि यह सोचना या कल्पना करना बहुत बड़ी ईशनिंदा है कि एक रानी ने किसी सर्जन के साथ अनैतिक संबंध बनाए हों। कहानी की सच्चाई यह है कि जिस मास्टर एलिसबाद का ज़िक्र उस पागल ने किया था, वह बहुत ही समझदार और विवेकशील व्यक्ति थे, और रानी के राज्यपाल और चिकित्सक के रूप में सेवा करते थे, लेकिन यह मानना कि वह उनकी रखैल थीं, सरासर बकवास है और इसके लिए कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए; और इस बात का सबूत कि कार्डेनियो को पता नहीं था कि वह क्या कह रहा है, याद रखो कि जब उसने यह कहा था तो वह होश में नहीं था।"
"मैं भी यही कहता हूँ," सांचो ने कहा; "पागल की बातों पर ध्यान देने की कोई ज़रूरत नहीं थी; क्योंकि अगर सौभाग्य ने महाराज का साथ न दिया होता, और उसने वह पत्थर आपके सीने पर लगने के बजाय आपके सिर पर मारा होता, तो हम उस महिला का बचाव करने में बुरी तरह नाकाम हो जाते, भगवान ही उसका भला करे! और फिर, क्या कार्डेनियो पागल की तरह आज़ाद नहीं हो जाता?"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "चाहे पुरुष हो या पागल, हर वीर योद्धा का कर्तव्य है कि वह स्त्री के सम्मान की रक्षा करे, चाहे वह कैसी भी हो, और विशेष रूप से रानी मदासिमा जैसी उच्च कोटि और गरिमा वाली रानियों के लिए, जिनके प्रति मेरे मन में उनके सौम्य गुणों के कारण विशेष आदर है; क्योंकि वे अत्यंत सुंदर होने के साथ-साथ बहुत बुद्धिमान और अपने अनेक दुर्भाग्य के बावजूद अत्यंत धैर्यवान थीं; और गुरु एलिसाबाद की सलाह और संगति ने उन्हें अपने कष्टों को बुद्धिमत्ता और धैर्य से सहने में बहुत सहायता और सहारा दिया; इसीलिए अज्ञानी और द्वेषपूर्ण आम लोगों ने यह कहने और सोचने का अवसर लिया कि वह उनकी प्रेमिका थीं; और वे झूठ बोलते हैं, मैं यह बात फिर से कहता हूँ, और दो सौ बार और झूठ बोलेंगे, वे सभी जो ऐसा सोचते और कहते हैं।"
"मैं ऐसा न तो कहता हूँ और न ही सोचता हूँ," सांचो ने कहा; "वे खुद देख लें; उन्हें अपनी रोटी से ही खाना चाहिए; उन्होंने चाहे दुराचार किया हो या नहीं, वे ईश्वर के सामने हिसाब दे चुके हैं; मैं अपने अंगूर के बाग से आया

हूँ, मुझे कुछ नहीं पता; मुझे दूसरों के जीवन में तांक-झांक करना पसंद नहीं है; जो खरीद-फरोख्त करके झूठ बोलता है, उसे अपने बटुए में महसूस होता है; इसके अलावा, मैं नंगा पैदा हुआ था, नंगा ही हूँ, न मुझे कुछ खोना पड़ता है और न ही कुछ पाना; लेकिन अगर उन्होंने ऐसा किया भी, तो इससे मुझे क्या फर्क पड़ता है? बहुत से लोग सोचते हैं कि जहाँ कांटे नहीं होते, वहाँ भी कांटे होते हैं; लेकिन खुले मैदान में द्वार कौन लगा सकता है? इसके अलावा उन्होंने ईश्वर के बारे में कहा-"
"हे भगवान," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तुम ये कैसी बेतुकी बातें एक साथ पिरो रहे हो! हम जिस बारे में बात कर रहे हैं, उसका उन कहावतों से क्या लेना-देना है जिन्हें तुम एक के बाद एक दोहरा रहे हो? भगवान के लिए, अपनी ज़बान बंद रखो, सांचो, और अब से अपने गधे को कुरेदने पर ध्यान दो और उन मामलों में दखल मत दो जिनका तुमसे कोई लेना-देना नहीं है; और अपनी सभी पांचों इंद्रियों से समझ लो कि मैंने जो कुछ भी किया है, कर रहा हूँ, या करूँगा, वह तर्क पर आधारित है और शिष्टता के नियमों के अनुरूप है, क्योंकि मैं उन्हें उन सभी लोगों से बेहतर समझता हूँ जो उनका दावा करते हैं।"
"महाराज," सांचो ने उत्तर दिया, "क्या यह शूरवीरता का अच्छा नियम है कि हम इन पहाड़ों में बिना किसी रास्ते या सड़क के भटकते रहें, एक पागल आदमी की तलाश में जो मिलने पर शायद अपना अधूरा काम पूरा करने की इच्छा रखेगा, अपनी कहानी नहीं, बल्कि महाराज का सिर और मेरी पसलियां, और अंत में उन्हें हमारे लिए पूरी तरह से तोड़ देगा?"
"शांति, मैं फिर कहता हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि मैं तुम्हें बता दूँ कि इन क्षेत्रों में आने का मेरा उद्देश्य उस पागल को ढूँढ़ना नहीं है, बल्कि उनमें एक ऐसा कारनामा करना है जिससे मैं समस्त ज्ञात दुनिया में शाश्वत नाम और प्रसिद्धि प्राप्त कर सकूँ; और यह ऐसा कारनामा होगा जिससे मैं एक वीर योद्धा को परिपूर्ण और प्रसिद्ध बनाने वाली हर बात पर मुहर लगा दूँगा।"
"और क्या यह उपलब्धि बहुत खतरनाक है?"
"नहीं," उदास चेहरे वाले व्यक्ति ने उत्तर दिया; "हालांकि पासे में ऐसा हो सकता है कि हमें छक्कों के बजाय इक्का-दुक्का आ जाए; लेकिन सब कुछ तुम्हारी लगन पर निर्भर करेगा।"
"मेरी लगन की कसम!" सांचो ने कहा।

“हाँ,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “क्योंकि यदि तुम उस स्थान से शीघ्र लौट आओगे जहाँ मैं तुम्हें भेजने वाला हूँ, तो मेरा प्रायश्चित शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा और मेरी महिमा शीघ्र ही आरंभ हो जाएगी। परन्तु तुम्हें और अधिक समय तक सस्पेंस में रखना उचित नहीं है, यह देखते हुए कि मेरे शब्दों का क्या परिणाम निकलता है, इसलिए मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ, सांचो, कि गॉल का प्रसिद्ध अमाडिस सबसे उत्तम वीर योद्धाओं में से एक था—यह कहना गलत है कि वह एकमात्र था; वह अकेला था, पहला, इकलौता, अपने समय में संसार का स्वामी। डॉन बेलियानिस और उन सभी को धिक्कार है जो कहते हैं कि वह किसी भी रूप में उसके बराबर था, क्योंकि मैं कसम खाता हूँ, वे स्वयं को धोखा दे रहे हैं! मैं यह भी कहता हूँ कि जब कोई चित्रकार अपनी कला में प्रसिद्ध होना चाहता है तो वह अपने परिचित सबसे उत्कृष्ट चित्रकारों की मूल कृतियों की नकल करने का प्रयास करता है; और यही नियम राज्य को सुशोभित करने वाले सभी महत्वपूर्ण शिल्पों और व्यवसायों पर भी लागू होता है; इस प्रकार जो व्यक्ति विवेकशील और धैर्यवान कहलाना चाहता है उसे अनुकरण करना चाहिए। होमर ने यूलिसिस के व्यक्तित्व और कार्यों में विवेक और धैर्य का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया है; वर्जिल ने भी ऐनेस के व्यक्तित्व में एक धर्मनिष्ठ पुत्र के गुण और एक बहादुर और कुशल सेनापति की बुद्धिमत्ता को दर्शाया है; उनका चित्रण या वर्णन उनके वास्तविक स्वरूप में नहीं, बल्कि उनके आदर्श स्वरूप में किया है, ताकि उनके गुणों का उदाहरण आने वाली पीढ़ियों के लिए बना रहे। इसी प्रकार, अमाडिस वीर और समर्पित योद्धाओं के लिए ध्रुव तारा, प्रभात तारा और सूर्य के समान थे, जिनका अनुकरण हम सभी को प्रेम और वीरता के ध्वज के नीचे लड़ते हुए करना चाहिए। इसलिए, हे मित्र सांचो, मेरा मानना है कि जो योद्धा उनका सबसे सटीक अनुकरण करेगा, वह वीरता की पूर्णता के निकटतम पहुँचेगा। अब, एक उदाहरण जिसमें इस योद्धा ने अपने विवेक, योग्यता, वीरता, सहनशीलता, दृढ़ता और प्रेम को सबसे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया, वह तब था जब लेडी ओरियाना द्वारा अस्वीकृत किए जाने पर, वह पेना पोबरे पर प्रायश्चित करने के लिए चले गए और अपना नाम बदल लिया। बेल्टेनेब्रोस का नाम, जो निश्चित रूप से महत्वपूर्ण और उस जीवन के लिए उपयुक्त था जिसे उसने स्वेच्छा से अपनाया था। इसलिए, चूंकि मेरे लिए राक्षसों को चीरने, सांपों के सिर काटने, ड्रैगन को मारने, सेनाओं को पराजित करने, बेड़ों को नष्ट करने और जादू तोड़ने की तुलना में इस मामले में उसका अनुकरण करना आसान है,

और चूंकि यह स्थान इसी उद्देश्य के लिए बहुत उपयुक्त है, इसलिए मुझे भागने का वह अवसर नहीं छोड़ना चाहिए जो अब मुझे इतनी आसानी से मिल रहा है। सांचो ने कहा, "वास्तव में, इस तरह के एकांत स्थान पर आपकी उपासना का उद्देश्य क्या है?"
“क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “कि मैं यहाँ अमाडिस की नकल करने जा रहा हूँ, जो निराशा का शिकार, पागल, विक्षिप्त है, ताकि साथ ही साथ वीर डॉन रोलैंड की भी नकल कर सकूँ, जब झरने पर उसे पता चला कि सुंदर एंजेलिका ने मेडोरो के साथ खुद को अपमानित किया है और इस दुःख से वह पागल हो गया, और उसने पेड़ उखाड़ दिए, साफ झरनों के पानी को अशांत कर दिया, नष्ट हुए झुंडों को मार डाला, झोपड़ियों को जला दिया, घरों को ध्वस्त कर दिया, घोड़ियों को अपने पीछे घसीटा, और लाखों अन्य अत्याचार किए जो शाश्वत प्रसिद्धि और रिकॉर्ड के योग्य हैं? और यद्यपि मेरा रोलैंड, या ऑरलैंडो, या रोटोलांडो (क्योंकि वह इन सभी नामों से जाना जाता था) की नकल करने का कोई इरादा नहीं है, उसके द्वारा किए गए, कहे गए और सोचे गए सभी पागलपन भरे कामों में कदम दर कदम, मैं अपनी पूरी क्षमता से उन सभी चीजों की एक कच्ची नकल बनाऊँगा जो मुझे सबसे आवश्यक लगती हैं; लेकिन शायद मैं अमाडिस की सरल नकल से ही संतुष्ट हो जाऊँगा, जिसने किसी भी हानिकारक पागलपन के आगे झुके बिना "महज आंसुओं और दुःख के सहारे, उसने सबसे प्रसिद्ध लोगों के बराबर प्रसिद्धि हासिल कर ली।"
"मुझे तो ऐसा लगता है," सांचो ने कहा, "कि जिन शूरवीरों ने ऐसा व्यवहार किया, उनके पास उन मूर्खताओं और प्रायश्चितों के लिए उकसावा और कारण था; लेकिन महाराज, आपके पागल होने का क्या कारण है? किस महिला ने आपको ठुकराया है, या आपको क्या सबूत मिले हैं जिससे यह साबित हो सके कि लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो किसी मूर या ईसाई के साथ संबंध रख रही हैं?"
“यही तो बात है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “और यही मेरे इस काम की खूबसूरती है; किसी वीर योद्धा को पागल होने का कोई कारण नहीं; बात यह है कि बिना किसी उकसावे के पागल हो जाना, और मेरी प्रेमिका को यह बताना कि अगर मैं सूखे में ऐसा करता हूँ, तो गीले में क्या करूँगा; इसके अलावा, मेरी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो से मृत्यु तक जो लंबा अलगाव मैंने सहा है, उसके कारण मेरे पास पर्याप्त कारण हैं; क्योंकि जैसा कि तुमने उस चरवाहे एम्ब्रोसियो को कुछ दिन पहले कहते सुना था, अनुपस्थिति में सभी कष्ट महसूस

होते हैं और उनसे डर लगता है; इसलिए, मित्र सांचो, मुझे इस दुर्लभ, इतने सुखद और इतने अनसुने अनुकरण से बचने की सलाह देने में समय बर्बाद न करो; मैं पागल हूँ, और मुझे तब तक पागल रहना होगा जब तक तुम उस पत्र का उत्तर लेकर नहीं लौट आते जो मैं तुम्हारे माध्यम से मेरी प्रेमिका डुलसीनिया को भेजने वाला हूँ; और यदि वह ऐसा हो जैसा मेरी दृढ़ता के योग्य है, तो मेरा पागलपन और प्रायश्चित समाप्त हो जाएगा; और यदि इसका विपरीत प्रभाव हो, तो मैं सचमुच पागल हो जाऊँगा।” और ऐसा होने पर, मुझे अब और कष्ट नहीं सहना पड़ेगा; इस प्रकार, चाहे वह किसी भी तरह से उत्तर दे, मैं उस संघर्ष और पीड़ा से बच निकलूँगा जिसमें तू मुझे छोड़ेगा, अपनी इंद्रियों में उस वरदान का आनंद लेते हुए जो तू मुझे दे रहा है, या एक पागल की तरह उस बुराई को महसूस किए बिना जो तू मुझ पर ला रहा है। लेकिन मुझे बताओ, सांचो, क्या तुमने माम्ब्रिनो का हेलमेट सुरक्षित रख लिया है? क्योंकि मैंने तुझे उसे ज़मीन से उठाते हुए देखा था जब उस कृतघ्न ने उसे टुकड़े-टुकड़े करने की कोशिश की थी लेकिन तोड़ नहीं सका, जिससे उसकी उत्तम कारीगरी देखी जा सकती है।
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "हे ईश्वर, शोकग्रस्त चेहरे वाले शूरवीर, आपकी कुछ बातें मैं सहन नहीं कर सकता; और उनसे मुझे संदेह होने लगा है कि आप मुझे वीरता, राज्य और साम्राज्य जीतने, द्वीप देने और शूरवीरों की परंपरा के अनुसार अन्य पुरस्कार और सम्मान प्रदान करने के बारे में जो कुछ भी बताते हैं, वह सब मनगढ़ंत बातें, झूठ और कल्पना है; भला कोई क्या सोचेगा जिसने आपकी बात को बिना देखे नाई के बेसिन को मैम्ब्रिनो का हेलमेट कहते सुना हो? यही तो वह सोचेगा कि जो ऐसी बातें कहता और मानता है उसका दिमाग खराब हो गया है। मेरे थैले में बेसिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है, और मैं उसे घर ले जा रहा हूँ ताकि उसकी मरम्मत करवा सकूँ और उसमें अपनी दाढ़ी संवार सकूँ, अगर ईश्वर की कृपा से मुझे कभी अपनी पत्नी और बच्चों से मिलने का मौका मिले।"
“देखो, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जिसकी कसम तुमने अभी खाई, मैं कसम खाता हूँ कि तुम्हारी समझ दुनिया के किसी भी सरदार से कहीं ज़्यादा सीमित है। क्या यह मुमकिन है कि इतने समय से मेरे साथ रहते हुए भी तुम्हें यह कभी पता नहीं चला कि वीर योद्धाओं से जुड़ी हर चीज़ भ्रम, बकवास और बेतुकी लगती है, और हमेशा विरोधाभासों के अनुसार चलती है? और ऐसा इसलिए नहीं कि यह

अप्सराओं और अप्सराओं, जो जंगल की घनी झाड़ियों में निवास करती हो, ताकि वे चंचल और चंचल सैटायर, जिनके द्वारा व्यर्थ ही तुम्हें रिझाया जाता है, कभी भी तुम्हारी मीठी शांति को भंग न करें, मुझे अपने कठोर भाग्य पर विलाप करने में मदद करो या कम से कम मुझे इससे विचलित न होने दो। इसे सुनकर! हे डुलसीनिया डेल टोबोसो, मेरी रातों का दिन, मेरे दर्द की महिमा, मेरे मार्ग की मार्गदर्शक, मेरे भाग्य का सितारा, ईश्वर तुम्हें वह सब कुछ प्रदान करे जो तुम उससे चाहती हो, उस स्थान और स्थिति को याद करो जिसमें तुमसे बिछड़ने ने मुझे पहुँचाया है, और मेरी वफादारी के बदले में वह दयालुता प्रदान करो जो तुम्हें मिलनी चाहिए! हे एकाकी वृक्षों, जो आज से मेरे एकांत में मेरा साथ देंगे, अपनी शाखाओं के कोमल संचलन से मुझे कोई संकेत दो कि मेरी उपस्थिति तुम्हें अप्रिय नहीं है! हे मेरे साथी, मेरे सुख-दुख में मेरे प्रिय साथी, यहाँ मुझे जो कुछ भी करते हुए देखोगे उसे अच्छी तरह से याद रखो, ताकि तुम इसे सब के एकमात्र कारण को बता सको और सूचित कर सको," और ऐसा कहते हुए वह रोसिनांटे से उतरा, और पल भर में उससे काठी और लगाम उतार दी, और उसकी पीठ पर एक थप्पड़ मारते हुए कहा, "वह तुम्हें स्वतंत्रता देता है जो इससे वंचित है।" हे अश्व, कर्मों में तो तुम उतने ही उत्कृष्ट हो, लेकिन भाग्य में उतने ही दुर्भाग्यशाली; जहाँ चाहो वहाँ चले जाओ, क्योंकि तुम्हारे माथे पर यह लिखा है कि न तो एस्ट्रोल्फो का दरियाई घोड़ा और न ही वह प्रसिद्ध फ्रंटिनो, जिसकी कीमत ब्रैडामेंटे को इतनी भारी पड़ी थी, गति में तुम्हारी बराबरी कर सकते हैं।
यह देखकर सांचो ने कहा, "जिसने भी डैपल से काठी उतारने की परेशानी से हमें बचाया है, उसे शुभकामनाएँ! मेरी कसम, उसे पीठ पर एक थप्पड़ और तारीफ के कुछ शब्द कहे बिना जाने नहीं दिया जाता; हालाँकि अगर वह यहाँ होता तो मैं किसी को भी उसे उतारने नहीं देता, क्योंकि इसकी कोई आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि उसमें निराशा के प्रेमी या पीड़ित का कोई अंश नहीं था, ठीक वैसे ही जैसे उसका स्वामी, जो मैं ईश्वर की इच्छा से था, ऐसा बिल्कुल नहीं था; और वास्तव में, शोकग्रस्त चेहरे वाले श्रीमान नाइट, यदि मेरा प्रस्थान और आपकी यह दीवानगी सचमुच सफल होनी है, तो रोसिनांटे को फिर से काठी पहना देना बेहतर होगा ताकि वह डैपल की कमी पूरी कर सके, क्योंकि इससे मेरा आने-जाने का समय बचेगा: क्योंकि अगर मैं पैदल जाता हूँ तो मुझे नहीं पता कि मैं कब

पहुँचूँगा या कब वापस आऊँगा, क्योंकि मैं वास्तव में चलने में बहुत बुरा हूँ।"
"मैं घोषणा करता हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "जैसा तुम चाहोगे वैसा ही होगा, क्योंकि तुम्हारी योजना मुझे बुरी नहीं लगती, और तीन दिन बाद तुम प्रस्थान करोगे, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि तुम इस बीच मेरी बातों और कार्यों को ध्यान से देखो, ताकि तुम उसे बता सको।"
"लेकिन जो मैंने देख लिया है उसके अलावा मुझे और क्या देखना बाकी है?" सांचो ने कहा।
"तुम्हें इसके बारे में बहुत कुछ पता है!" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "अब मुझे अपने वस्त्र फाड़ने होंगे, अपने कवच बिखेरने होंगे, अपना सिर इन चट्टानों पर पटकना होगा, और इसी तरह के और भी काम करने होंगे, जिनका तुम्हें गवाह बनना होगा।"
"भगवान के लिए," सांचो ने कहा, "महाराज, ज़रा ध्यान से, आप अपने सिर पर चोटें कैसे मारते हैं, क्योंकि कहीं आप किसी ऐसी चट्टान से न टकरा जाएँ, और इस तरह से टकराएँ, कि पहली ही चोट से इस तपस्या का सारा प्रयास विफल हो जाए; और मुझे लगता है, अगर वाकई आपको सिर पर चोटें मारना ज़रूरी लगता है, और यह काम इनके बिना नहीं हो सकता, तो आप संतुष्ट हो सकते हैं—क्योंकि यह सब बनावटी, नकली और मज़ाक है—आप संतुष्ट हो सकते हैं, मैं कहता हूँ, पानी में या किसी नरम चीज़, जैसे रुई पर, खुद को चोटें मारकर; और बाकी सब मुझ पर छोड़ दें; क्योंकि मैं अपनी मालकिन को बता दूँगा कि महाराज ने अपना सिर हीरे से भी कठोर चट्टान पर मारा है।"
"तुम्हारे नेक इरादों के लिए धन्यवाद, मित्र सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "लेकिन मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि मैं जो कुछ भी कर रहा हूँ वह मज़ाक में नहीं, बल्कि पूरी गंभीरता से कर रहा हूँ, क्योंकि इसके अलावा कुछ भी करना शिष्टता के नियमों का उल्लंघन होगा, जो हमें किसी भी प्रकार का झूठ बोलने से मना करते हैं, अन्यथा धर्मत्याग के दंड का प्रावधान है; और एक काम के बदले दूसरा काम करना झूठ बोलने के समान है; इसलिए मेरे सिर पर किए गए प्रहार वास्तविक, ठोस और वैध होने चाहिए, उनमें कुछ भी बनावटी या काल्पनिक नहीं होना चाहिए, और मेरे घावों पर पट्टी बांधने के लिए मुझे कुछ रुई देना आवश्यक होगा, क्योंकि दुर्भाग्यवश हमें खोए हुए मरहम के बिना ही काम चलाना पड़ रहा है।"

"गधे को खोना और भी बुरा था," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि उसके साथ रुई और सब कुछ खो गया; लेकिन मैं आपसे विनती करता हूँ कि मुझे उस शापित शराब की याद न दिलाएँ, क्योंकि उसका नाम सुनते ही मेरी आत्मा, और मेरा पेट भी, काँप उठता है; और मैं आपसे यह भी विनती करता हूँ कि आपने मुझे जो तीन दिन दिए थे, उन्हें बीते हुए मान लें, क्योंकि मैं उन्हें पहले ही देख चुका हूँ और उन पर फैसला हो चुका है, और मैं अपनी मालकिन को अद्भुत कहानियाँ सुनाऊँगा; इसलिए पत्र लिखें और मुझे तुरंत विदा करें, क्योंकि मैं वापस आने और आपको इस नरक से बाहर निकालने के लिए तरस रहा हूँ जहाँ मैं आपको छोड़ रहा हूँ।" "क्या तुम इसे यातनास्थल कहते हो, सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "इसे नरक कहना बेहतर होगा, या अगर इससे भी बदतर कुछ हो तो।"
"जो नरक में है," सांचो ने कहा, "उसके लिए कुछ भी नहीं है, जैसा कि मैंने सुना है।"
"मुझे समझ नहीं आता कि रिटेंटियो का क्या मतलब है," डॉन क्विक्सोट ने कहा। "रिटेंटियो," सांचो ने उत्तर दिया, "इसका अर्थ है कि जो कोई भी नरक में है, वह कभी बाहर नहीं आ सकता, लेकिन आपके मामले में इसका ठीक उल्टा होगा, वरना मेरे पैर बेकार पड़े रहेंगे, यानी अगर मेरे पास रोसिनांटे को फुर्तीला करने के लिए एड़ी हो तो: मुझे एक बार एल टोबोसो पहुँचने दीजिए और मेरी पत्नी डुलसीनिया के सामने आने दीजिए, और मैं उन्हें आपके द्वारा किए गए और अभी भी किए जा रहे मूर्खताओं और पागलपन (क्योंकि यह सब एक ही है) के बारे में ऐसी बातें बताऊँगा कि मैं उन्हें दस्ताने से भी नरम बना दूँगा, हालाँकि वह मुझे एक कठोर पेड़ से भी सख्त लगती हैं; और उनके मीठे और मधुर उत्तर के साथ मैं एक चुड़ैल की तरह हवा में वापस आऊँगा, और आपको इस यातना से बाहर निकालूँगा जो नरक प्रतीत होता है लेकिन है नहीं, क्योंकि इससे बाहर निकलने की आशा है; जो, जैसा कि मैंने कहा है, नरक में रहने वालों के पास नहीं है, और मुझे विश्वास है कि आप इसके विपरीत कुछ नहीं कहेंगे।"
"यह सच है," उसने उदास चेहरे वाले व्यक्ति से कहा, "लेकिन हम पत्र कैसे लिखेंगे?"
"और गधे के बच्चे का आदेश भी," सांचो ने आगे कहा।
“सब कुछ लिखा जाएगा,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “और क्योंकि कागज़ नहीं है, तो बेहतर होगा कि इसे पेड़ों की पत्तियों पर लिखा जाए, जैसा कि प्राचीन लोग करते थे, या मोम की पट्टियों पर; हालाँकि आजकल मोम की पट्टियाँ मिलना कागज़

की तरह ही मुश्किल होगा। लेकिन अभी-अभी मुझे एक आसान और बहुत ही सुविधाजनक तरीका सूझा है, और वह है कार्डेनियो की नोटबुक में। तुम ध्यान रखना कि जिस पहले गाँव में तुम्हें कोई शिक्षक मिले, वहाँ से इसे अच्छे अक्षरों में कागज़ पर लिखवा लेना, या अगर कोई शिक्षक न मिले तो कोई भी प्रार्थना कक्ष का कर्मचारी इसे लिख देगा; लेकिन ध्यान रखना कि इसे किसी नोटरी को न देना, क्योंकि उनकी लिखावट इतनी खराब होती है कि शैतान भी उसे नहीं समझ सकता।” "लेकिन हस्ताक्षर का क्या किया जाए?" सांचो ने कहा।
"अमाडिस के पत्रों पर कभी हस्ताक्षर नहीं किए गए थे," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"यह सब तो ठीक है," सांचो ने कहा, "लेकिन आदेश पर हस्ताक्षर होने चाहिए, और अगर इसकी नकल की गई तो वे कहेंगे कि हस्ताक्षर नकली हैं, और मैं बिना गधे के बच्चों के रह जाऊंगा।"
“आदेश पर उसी किताब में हस्ताक्षर कर दिए जाएँगे,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और इसे देखकर मेरी भतीजी को इसका पालन करने में कोई आपत्ति नहीं होगी; जहाँ तक प्रेम पत्र की बात है, तुम उस पर हस्ताक्षर के रूप में लिख सकते हो, 'मृत्यु तक तुम्हारा, शोकग्रस्त चेहरे वाला शूरवीर।' और अगर यह किसी और के हाथ का लिखा हो तो कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि जहाँ तक मुझे याद है, डुलसीनिया न तो पढ़ सकती है और न ही लिख सकती है, और अपने पूरे जीवन में उसने कभी मेरी लिखावट या पत्र नहीं देखा है, क्योंकि मेरा और उसका प्यार हमेशा निस्वार्थ रहा है, एक साधारण नज़र से आगे नहीं बढ़ा, और वह भी इतनी कम बार कि मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि इन बारह वर्षों में, जब से मैं उससे इतना प्यार करता हूँ जितना इन आँखों की रोशनी से भी ज़्यादा, जिसे एक दिन धरती निगल जाएगी, मैंने उसे चार बार भी नहीं देखा है; और शायद उन चार बार में भी उसने एक बार भी यह नहीं देखा कि मैं उसे देख रहा था: उसके पिता लोरेंजो कोरचुएलो और उसकी माँ एल्डोंज़ा नोगलेस ने उसे इसी एकांत और एकांत में पाला है।”
"तो, तो!" सांचो ने कहा; "लोरेंजो कोरचुएलो की बेटी, लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो हैं, जिन्हें एल्डोंज़ा लोरेंजो के नाम से भी जाना जाता है?"
"वही है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और वही है जो पूरे ब्रह्मांड की स्वामिनी बनने के योग्य है।"

"मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ," सांचो ने कहा, "और मैं आपको बता दूँ कि वह पूरे शहर के सबसे हट्टे-कट्टे लड़के की तरह लोहे की छड़ फेंक सकती है। सभी अच्छाइयों की दाता! लेकिन वह एक बहादुर, सच्ची और मजबूत लड़की है, और किसी भी वीर योद्धा की साथी बनने के योग्य है, जो उसे अपनी पत्नी बनाएगा: वह कमीनी, उसमें क्या चुभन है और क्या आवाज है! मैं आपको बता सकता हूँ कि एक दिन वह गाँव के घंटाघर की चोटी पर चढ़ गई ताकि अपने पिता के खेत में काम कर रहे कुछ मजदूरों को बुला सके, और हालाँकि वे आधे मील से भी अधिक दूर थे, उन्होंने उसे ऐसे सुना जैसे वे मीनार के नीचे हों; और उसकी सबसे अच्छी बात यह है कि वह जरा भी संकोची नहीं है, क्योंकि वह बहुत मिलनसार है, हर किसी से मजाक करती है, और हर बात पर मुस्कुराती और मज़ाक करती है। तो, श्रीमान शोकग्रस्त चेहरे वाले शूरवीर, मैं कहता हूँ कि आप न केवल ऐसा कर सकते हैं बल्कि आपको ऐसा करना ही चाहिए।" उसके लिए पागलों की तरह व्यवहार करो, लेकिन तुम्हें निराशा में डूबकर खुद को फांसी लगाने का पूरा अधिकार है; और जो भी इसके बारे में जानेगा, वह यही कहेगा कि तुमने अच्छा किया, चाहे शैतान ही तुम्हें ले जाए; और काश मैं पहले ही अपने रास्ते पर होता, बस उसे देखने के लिए, क्योंकि उसे देखे हुए कई दिन हो गए हैं, और वह अब तक बदल गई होगी, क्योंकि वह हमेशा खेतों में घूमती रहती है, और धूप और हवा महिलाओं की सुंदरता को बहुत बिगाड़ देती है। लेकिन मुझे आपके सामने सच्चाई स्वीकार करनी होगी, सेनर डॉन क्विक्सोट; अब तक मैं एक बड़ी गलती में था, क्योंकि मैंने सचमुच और ईमानदारी से यह माना था कि लेडी डुलसीनिया कोई राजकुमारी होगी जिससे आपके प्यार में आप थे, या कोई ऐसी महान हस्ती होगी जो आपके द्वारा भेजे गए कीमती उपहारों की हकदार हो, जैसे कि बिस्केयन और गैली के गुलाम, और निस्संदेह कई और, क्योंकि आपके द्वारा उस समय में कई जीत हासिल की होंगी जब मैं अभी आपका सहायक नहीं था। लेकिन सब बातों पर विचार करें तो, लेडी एल्डोंज़ा लोरेंजो, मेरा मतलब है लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो, को पराजित को पाने से क्या फायदा हो सकता है? क्या आपके प्रभु उनके पास आने और उनके सामने घुटने टेकने के लिए किसी को भेजते हैं या भेजेंगे? क्योंकि हो सकता है जब वे आएं तो वह खलिहान में सन की जुताई कर रही हों या अनाज कूट रही हों, और वे उन्हें देखकर शर्मिंदा हों, और वह हँसें या उनकी इस स्थिति से नाराज़ हों।

“मैंने तुम्हें पहले भी कई बार बताया है, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “कि तुम बहुत बड़े बकबकखोर हो, और अपनी कुंद बुद्धि से हमेशा तेज बुद्धि पाने की कोशिश करते रहते हो; लेकिन तुम्हें यह दिखाने के लिए कि तुम कितने मूर्ख हो और मैं कितना समझदार हूँ, मैं तुम्हें एक छोटी सी कहानी सुनाना चाहता हूँ। तुम्हें यह जानना चाहिए कि एक विधवा, जो सुंदर, जवान, स्वतंत्र और धनी थी, और सबसे बढ़कर मनमौजी और बेफिक्र थी, एक हट्टे-कट्टे जवान साधु से प्यार कर बैठी; उसके वरिष्ठ को इस बात का पता चला, और एक दिन उसने उस सम्मानित विधवा को भाईचारे के भाव से समझाते हुए कहा, 'मुझे आश्चर्य है, महोदया, और इसका उचित कारण भी है, कि आप जैसी उच्च प्रतिष्ठा वाली, सुंदर और धनी महिला, फलां-फलां जैसे नीच, मूर्ख और घटिया आदमी से प्यार कर बैठीं, जबकि इस घर में इतने सारे गुरु, स्नातक और धर्मशास्त्र के छात्र हैं जिनमें से तुम नाशपाती के ढेर की तरह चुन सकती थीं, और कह सकती थीं कि मैं इसे चुनूँगी, मैं इसे चुनूँगी। मैं नहीं लूंगी;' लेकिन उसने बड़ी चंचलता और स्पष्टता से जवाब दिया, 'मेरे प्रिय महोदय, आप बहुत गलत हैं, और आपके विचार बहुत पुराने हैं, अगर आपको लगता है कि मैंने फलां व्यक्ति को चुनकर गलत फैसला किया है, चाहे वह मूर्ख ही क्यों न लगे; क्योंकि मुझे उससे जो भी चाहिए, वह अरस्तू से भी ज्यादा दर्शनशास्त्र जानता है।' इसी तरह, सांचो, डुलसीनिया डेल टोबोसो से मेरी जितनी भी चाहत हो, वह धरती की सबसे महान राजकुमारी के समान ही सुंदर है। यह मानना उचित नहीं है कि जिन कवियों ने महिलाओं की प्रशंसा में गीत गाए, उन्हें उन्होंने जो काल्पनिक नाम दिए, उन सबकी ऐसी कोई रखैलें थीं। क्या तुम सोचते हो कि अमरिलिस, फिलिस, सिल्विया, डायना, गैलाटिया, फिलिडा और बाकी सभी, जिनका ज़िक्र किताबों, गीतों, नाई की दुकानों और थिएटरों में मिलता है, सचमुच हाड़-मांस की महिलाएं थीं और उनकी प्रशंसा करने वालों की रखैलें थीं? ऐसा बिल्कुल नहीं है; वे उन्हें ज़्यादातर अपनी कविताओं के लिए विषय बनाने के लिए गढ़ते हैं, ताकि वे प्रेमिकाओं या ऐसे वीर पुरुषों के रूप में दिखाई दें जो ऐसा करने के योग्य हों; इसलिए मेरे लिए यह सोचना और मानना ही काफी है कि अच्छी एल्डोंज़ा लोरेंजो सुंदर और गुणी हैं; और जहाँ तक उनके वंश की बात है, वह बहुत ही यह कोई बड़ी बात नहीं है, क्योंकि कोई भी उसे कोई आदेश देने के उद्देश्य से इसकी जाँच नहीं करेगा, और मैं तो उसे दुनिया की सबसे श्रेष्ठ राजकुमारी मानता हूँ। क्योंकि तुम्हें पता होना चाहिए, सांचो, अगर तुम्हें नहीं पता,

कि प्रेम को प्रेरित करने वाली दो ही चीज़ें सबसे बढ़कर होती हैं, और वे हैं अपार सुंदरता और अच्छा नाम, और ये दोनों चीज़ें डुलसीनिया में सर्वोत्कृष्ट रूप से पाई जाती हैं, क्योंकि सुंदरता में कोई उसकी बराबरी नहीं कर सकता और अच्छे नाम में कुछ ही उसके करीब आ सकते हैं; और संक्षेप में कहूँ तो, मैं अपने आप को आश्वस्त करता हूँ कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूँ वह जैसा है वैसा ही है, न कम न ज्यादा, और मैं उसे अपनी कल्पना में सुंदरता और स्थिति दोनों में, जैसा मैं चाहता हूँ वैसा ही चित्रित करता हूँ; हेलेन उसके करीब नहीं आती, न ही ल्यूक्रेटिया, न ही अतीत की कोई अन्य प्रसिद्ध महिला, चाहे वह यूनानी हो, बर्बर हो या लैटिन; और हर कोई जो चाहे कहे, क्योंकि अगर इस पर अज्ञानी लोग मेरी आलोचना करते हैं, तो आलोचक मेरी निंदा नहीं करेंगे।
सांचो ने कहा, "मैं कहता हूँ कि महाराज बिल्कुल सही हैं, और मैं गधा हूँ। लेकिन मुझे नहीं पता कि मेरे मुँह से गधा नाम कैसे निकला, क्योंकि जिसे फाँसी दी गई हो, उसके घर में रस्सी का ज़िक्र नहीं किया जाता; खैर, अब पत्र की बात करते हैं, और फिर, ईश्वर आपके साथ हो, मैं चलता हूँ।"
डॉन क्विक्सोट ने नोटबुक निकाली और एक तरफ हटकर बड़े ध्यान से पत्र लिखने लगा। पत्र पूरा होने पर उसने सांचो को बुलाया और कहा कि वह उसे यह पत्र पढ़कर सुनाना चाहता है, ताकि वह इसे याद रख सके, कहीं रास्ते में खो न जाए; क्योंकि उसके जैसे बदकिस्मत के साथ कुछ भी हो सकता है। इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "इसे नोटबुक में दो-तीन बार लिखो और मुझे दे दो, मैं इसे बहुत सावधानी से रखूंगा, क्योंकि मुझसे इसे याद रखने की उम्मीद करना सरासर बकवास है, क्योंकि मेरी याददाश्त इतनी खराब है कि मैं अक्सर अपना नाम भी भूल जाता हूं; लेकिन फिर भी इसे मुझे दोहरा कर सुनाओ, क्योंकि मुझे इसे सुनना अच्छा लगेगा, क्योंकि यह मुझे छपे हुए की तरह ही याद रहेगा।" “सुनो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “इसमें यह लिखा है:
"डॉन क्विज़ोटे का डुलसीनिया डेल टोबोसो को पत्र
हे परम पूजनीय देवी, अनुपस्थिति के दर्द से व्याकुल, हृदय की गहराई तक घायल, हे प्रिय डुलसीनिया डेल टोबोसो, मैं तुम्हें वह स्वास्थ्य भेजता हूँ जो मुझे स्वयं प्राप्त नहीं है। यदि तुम्हारी सुंदरता मुझे तुच्छ समझती है, यदि तुम्हारा मूल्य मेरे लिए नहीं है, यदि तुम्हारा तिरस्कार मेरा कष्ट है, तो भले ही मैं पर्याप्त सहनशील हूँ, मैं इस चिंता को सहन नहीं कर

पाऊँगा, जो दमनकारी होने के साथ-साथ लंबी भी खिंच रही है। हे प्रिय कृतघ्न, मेरे अच्छे साथी सांचो तुम्हें विस्तार से बताएगा कि तुम्हारे कारण मैं किस स्थिति में पहुँच गया हूँ: यदि तुम्हें मुझे राहत देना पसंद है, तो मैं तुम्हारा हूँ; यदि नहीं, तो जैसा तुम्हें अच्छा लगे वैसा करो; क्योंकि अपने प्राण त्यागकर मैं तुम्हारी क्रूरता और अपनी इच्छा दोनों को संतुष्ट करूँगा।
"मृत्यु तक तुम्हारा,"
"दुखी चेहरे वाला योद्धा।"
जब सांचो ने पत्र सुना, तो उसने कहा, "मेरे पिता की कसम, यह अब तक की सबसे ऊँची बात है जो मैंने सुनी है। हे भगवान! आपने इसमें अपनी मर्जी से सब कुछ लिख दिया है! और आपने हस्ताक्षर में 'दुखी चेहरे वाले योद्धा' को कितनी खूबसूरती से शामिल किया है। मैं कसम खाता हूँ कि आप सचमुच शैतान हैं, और ऐसा कुछ भी नहीं है जो आप न जानते हों।"
"जिस उद्देश्य का मैं पालन कर रहा हूँ, उसके लिए हर चीज़ की आवश्यकता है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"तो फिर," सांचो ने कहा, "महामहिम, तीनों गधे के बच्चों के लिए आदेश दूसरी तरफ लिख दें और उस पर स्पष्ट रूप से हस्ताक्षर कर दें, ताकि वे इसे पहली नज़र में ही पहचान सकें।"
"पूरे दिल से," डॉन क्विक्सोट ने कहा, और जैसा उसने लिखा था, उसका अर्थ कुछ इस प्रकार था:
"श्रीमती भतीजी,—गधे के इस पहले बच्चे के बदले में, मेरे सहायक सांचो पांजा को उन पाँच बच्चों में से तीन बच्चे दे दीजिए जिन्हें मैंने घर पर आपकी देखरेख में छोड़ा था: ये तीन बच्चे उतने ही बच्चों के बदले दिए जाएँगे जितने मुझे यहाँ प्राप्त हुए हैं, और ये भुगतान आज और उसके द्वारा प्राप्त होने पर विधिवत कर दिया जाएगा। सिएरा मोरेना के मध्य में, इस वर्ष के सत्ताईस अगस्त को किया गया।"
"बस इतना ही काफी है," सांचो ने कहा; "अब महाराज इस पर हस्ताक्षर कर दीजिए।" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "इस पर हस्ताक्षर करने की कोई आवश्यकता नहीं है, बस अपनी एक खास छाप छोड़नी है, जो हस्ताक्षर के समान ही है, और तीन गधों या यहाँ तक कि तीन सौ गधों के लिए भी पर्याप्त है।"

"मैं आप पर भरोसा कर सकता हूँ," सांचो ने जवाब दिया; "मुझे जाने दीजिए और रोसिनांटे पर काठी कसने दीजिए, और मुझे अपना आशीर्वाद देने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि मैं आपके द्वारा किए जाने वाले मूर्खतापूर्ण कारनामों को देखे बिना ही तुरंत जाना चाहता हूँ; मैं कहूँगा कि मैंने आपको इतने सारे कारनामे करते देखा है कि वह और कुछ नहीं चाहेगी।"
"खैर, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं चाहूँगा—और इसका एक कारण भी है— मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे पूरी तरह नग्न अवस्था में एक दर्जन-दो पागलपन भरे करतब करते हुए देखो, जो मैं आधे घंटे से भी कम समय में कर सकता हूँ; क्योंकि उन्हें अपनी आँखों से देखने के बाद, तुम बाकी लोगों से विश्वासपूर्वक कह सकते हो कि तुम भी ऐसा ही करोगे; और मैं तुमसे वादा करता हूँ कि तुम उन करतबों के बारे में किसी को नहीं बता पाओगे जो मैं करने वाला हूँ।"
“हे भगवान, मेरे स्वामी,” सांचो ने कहा, “मुझे आपको नग्न अवस्था में न देखने दीजिए, क्योंकि इससे मुझे बहुत दुख होगा, और मैं अपने आँसू नहीं रोक पाऊँगा, और पिछली रात डैपल के लिए बहाए गए आँसू से मेरा सिर इतना दुख रहा है कि मैं फिर से रोने की हालत में नहीं हूँ; लेकिन अगर आपकी इच्छा है कि मैं कुछ पागलपन देखूँ, तो अपने कपड़ों में ही देखिए, छोटे कपड़े, और जो आसानी से मिल सकें; क्योंकि मुझे खुद ऐसा कुछ नहीं चाहिए, और जैसा कि मैंने कहा है, इससे मेरे लौटने में समय की बचत होगी, जो आपके द्वारा चाही गई और योग्य खबर के साथ होगा। अगर नहीं, तो लेडी डुलसीनिया को देखने दीजिए; अगर वह समझदारी से जवाब नहीं देती है, तो मैं पूरी गंभीरता से कसम खाता हूँ कि मैं लातों और घूंसे मारकर उसके पेट से करारा जवाब निकलवा लूँगा; क्योंकि यह कैसे बर्दाश्त किया जा सकता है कि आपके जैसा प्रसिद्ध योद्धा बिना किसी कारण के पागल हो जाए—? महारानी मुझे यह कहने पर मजबूर न करें, क्योंकि भगवान की कसम मैं खुलकर बोलूंगा और हर बात को सस्ते में बता दूंगा, भले ही वह बिके नहीं: मैं इसमें काफी माहिर हूं! वह मुझे बहुत कम जानती है; सच कहूं तो, अगर वह मुझे जानती तो वह मुझसे बहुत प्रभावित होती।
"सच कहूँ तो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "देखने में तो तुम मुझसे ज्यादा बुद्धिमान नहीं लगते।"
"मैं इतना पागल नहीं हूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "लेकिन मैं थोड़ा ज़्यादा गुस्सैल हूँ; लेकिन इन सब बातों के अलावा, मेरे लौटने तक महाराज के पास

खाने के लिए क्या है? क्या आप कार्डिनियो की तरह चरवाहों से ज़बरदस्ती खाना माँगने के लिए सड़क पर निकलेंगे?"
"उस चिंता से परेशान मत हो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि अगर मुझे चिंता होती भी तो मैं इस मैदान और इन पेड़ों से मिलने वाली जड़ी- बूटियों और फलों के अलावा कुछ नहीं खाता; मेरे इस काम की सुंदरता खाने से परहेज करने और अन्य तपस्या करने में निहित है।"
इस पर सांचो ने कहा, "क्या तुम जानते हो कि मुझे किस बात का डर है? कि मैं उस जगह वापस जाने का रास्ता नहीं ढूंढ पाऊंगा जहां मैं तुम्हें छोड़ रहा हूं, यह जगह इतनी सुनसान है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "आसपास के चिन्हों को ध्यान से देखना, क्योंकि मैं इस इलाके से ज्यादा दूर नहीं जाऊंगा, और मैं तुम्हें लौटते हुए देखने के लिए सबसे ऊंची चट्टान पर भी चढ़ूंगा; लेकिन मुझे न खोने और खुद को न भटकाने के लिए, सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि तुम यहाँ बहुतायत में उगने वाली झाड़ियों की कुछ शाखाएँ काट लो, और मैदान में पहुँचने तक उन्हें थोड़ी- थोड़ी दूरी पर रखते जाओ; ये शाखाएँ, थिसियस की भूलभुलैया में सुराग की तरह, तुम्हें लौटते समय मुझे ढूंढने में मदद करेंगी।"
"हाँ, मैं ऐसा ही करूँगा," सांचो पांजा ने कहा, और कुछ टहनियाँ काटकर उसने अपने स्वामी का आशीर्वाद लिया, और दोनों की आँखों में आँसू भर आए, फिर उसने स्वामी से विदा ली और रोसिनांटे पर सवार होकर, जिसकी देखभाल करने के लिए डॉन क्विक्सोट ने उसे अपने आप से भी ज़्यादा सावधानी बरतने का आदेश दिया था, मैदान की ओर चल पड़ा, अपने स्वामी की सलाह के अनुसार बीच-बीच में झाड़ू की टहनियाँ बिखेरता हुआ; और इस तरह वह अपने रास्ते पर चल पड़ा, हालाँकि डॉन क्विक्सोट अब भी उससे विनती कर रहा था कि वह उसे कुछ पागलपन भरे काम करते हुए देखे। हालाँकि, वह सौ कदम भी नहीं चला था कि वह लौट आया और बोला:
"मुझे कहना होगा, महोदय, आपने बिल्कुल सही कहा कि बिना किसी अंतरात्मा के बोझ के यह शपथ लेने के लिए कि मैंने आपको पागलपन भरे काम करते देखा है, यह देखना मेरे लिए बेहतर होगा कि क्या केवल एक ही ऐसा काम हुआ था; हालांकि आपके यहां रहने के दौरान मैंने एक बहुत बड़ा पागलपन देखा है।"
“क्या मैंने तुम्हें ऐसा नहीं कहा था?” डॉन क्विक्सोट ने कहा। “रुको, सांचो, मैं इन्हें एक मंत्र के उच्चारण में करके दिखाता हूँ,” और उसने जल्दबाजी में अपनी पैंट उतार दी और अपने शरीर को पूरी तरह से नंगा कर दिया,

और फिर बिना देर किए, हवा में दो-तीन करतब और दो कलाबाजियां कीं, एड़ी सिर के ऊपर करके, ऐसा प्रदर्शन किया कि सांचो ने इसे दोबारा न देखने के लिए रोसिनांटे को घुमाया और निश्चिंत हो गया, और मन ही मन संतुष्ट हो गया कि वह कसम खा सकता है कि उसने अपने स्वामी को पागल कर दिया है; और इसलिए हम उसे उसके लौटने तक उसके रास्ते पर चलने के लिए छोड़ देते हैं, जो कि बहुत जल्दी हुआ।

26

अध्याय
जिसमें वे बारीकियां जारी हैं जिनके साथ डॉन क्विक्सोट ने सिएरा मोरेना में एक प्रेमी की भूमिका निभाई थी।
जब उदास चेहरे वाले डॉन क्विक्सोट ने खुद को अकेला पाया, तो उसके द्वारा की गई गतिविधियों पर लौटते हुए, इतिहास कहता है कि जब डॉन क्विक्सोट ने कमर से नीचे नग्न और कमर से ऊपर कपड़े पहने हुए कलाबाजियां या करतब पूरे कर लिए, और देखा कि सांचो और कोई पागलपन भरे करतब देखने का इंतजार किए बिना चला गया है, तो वह एक ऊँची चट्टान की चोटी पर चढ़ गया, और वहाँ खुद को उस बात पर विचार करने के लिए बैठ गया जिस पर उसने पहले कई बार विचार किया था लेकिन कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच पाया था, अर्थात् क्या रोलैंड के बेतुके पागलपन की नकल करना बेहतर और उसके उद्देश्य के लिए अधिक उपयुक्त होगा, या अमाडिस के उदास पागलपन की; और खुद से बात करते हुए उसने कहा:
"इसमें आश्चर्य की क्या बात है कि रोलैंड उतना ही अच्छा और वीर योद्धा था जितना सब कहते हैं, जबकि वास्तव में वह जादू के प्रभाव में था, और उसे केवल उसके पैर के तलवे में कॉर्क की सुई चुभोकर ही मारा जा सकता था, और वह हमेशा सात लोहे के तलवों वाले जूते पहनता था? हालांकि चालाकी भरी तरकीबें बर्नार्डो डेल कार्पियो के खिलाफ उसके काम नहीं आईं, जो उन सभी के बारे में जानता था, और जिसने रोंसेसवेल्स में उसे अपनी बाहों में गला घोंटकर मार डाला। लेकिन उसकी वीरता के प्रश्न को एक तरफ रखते हुए, आइए उसके होश खोने की बात पर आते हैं, क्योंकि यह निश्चित है कि उसने झरने पर मिले सबूतों और चरवाहे द्वारा दी गई उस जानकारी के कारण अपना होश खो दिया था कि एंजेलिका ने मेडोरो, एक छोटे घुंघराले बालों वाले मूर, और एग्रामेंटे के सेवक के साथ दो से अधिक दोपहर की नींद ली थी। यदि उसे यकीन हो गया था कि यह सच है, और उसकी प्रेमिका ने उसके साथ अन्याय किया है, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह पागल हो गया; लेकिन मैं, मैं उसके पागलपन में उसकी नकल कैसे कर सकता हूँ, जब तक कि मैं उसके पागलपन के कारण में उसकी नकल न करूँ? क्योंकि मेरा मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि डुलसीनिया ने अपने जीवन में कभी किसी मूर को, इस तरह, उसके उचित वेश में नहीं देखा था, और आज वह अपनी जन्मदाता माँ जैसी है, और अगर मैं कुछ और सोचकर रोलैंड द फ्यूरियस की तरह पागल हो जाऊँ तो मैं

उसके साथ सरासर अन्याय करूँगा। दूसरी ओर, मैं देखता हूँ कि गॉल के अमाडिस ने, बिना होश खोए और बिना कोई पागलपन भरा काम किए, एक प्रेमी के रूप में सबसे प्रसिद्ध लोगों जितनी प्रसिद्धि प्राप्त की; क्योंकि, उसके इतिहास के अनुसार, जब उसकी प्रेमिका ओरियाना ने उसे ठुकरा दिया, जिसने उसे अपनी इच्छा के बिना उसके सामने न आने का आदेश दिया था, तो उसने बस इतना किया कि वह एक साधु के साथ पेना पोबरे में चला गया, और वहाँ उसने जी भर कर रोया जब तक कि ईश्वर ने उसके गहरे दुख और आवश्यकता के बीच उसे राहत नहीं भेजी। और अगर यह सच है, जैसा कि है, तो मुझे अब नग्न होने या उन पेड़ों को नुकसान पहुँचाने की परेशानी क्यों उठानी चाहिए जिन्होंने मुझे कोई नुकसान नहीं पहुँचाया है, या मुझे इन झरनों के स्वच्छ जल को क्यों विचलित करना चाहिए? कौन मुझे जब भी मन करे पीने को देगा? अमाडिस अमर रहे और जहाँ तक संभव हो, डॉन क्विक्सोट ऑफ़ ला मांचा उसका अनुकरण करे, जिसके बारे में भी, जैसा कि दूसरे के बारे में कहा गया था, यही कहा जाएगा कि यदि उसने महान कार्य नहीं किए, तो उन्हें करने के प्रयास में ही उसकी मृत्यु हो गई; और यदि मेरी डुलसीनिया मुझे ठुकराती या अस्वीकार नहीं करती, तो मेरे लिए, जैसा कि मैंने कहा है, उससे दूर रहना ही काफी है। तो अब मुद्दे पर आते हैं; अमाडिस के कर्मों को याद करो और मुझे दिखाओ कि मैं तुम्हारा अनुकरण कैसे शुरू करूँ। मैं पहले से ही जानता हूँ कि वह मुख्य रूप से प्रार्थना करता था और स्वयं को ईश्वर को सौंपता था; लेकिन मैं माला का क्या करूँ, क्योंकि मेरे पास तो है ही नहीं?
फिर उन्हें एक माला बनाने का विचार आया, और उन्होंने अपनी लटकती हुई कमीज़ के निचले हिस्से से एक बड़ी पट्टी फाड़कर उस पर ग्यारह गांठें बनाईं, जिनमें से एक बाकी सभी से बड़ी थी। यह माला उनके लिए वहाँ रहने के दौरान एक माला का काम करती रही, जिसके दौरान उन्होंने अनगिनत प्रार्थनाएँ कीं। लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा दुख इस बात का था कि वहाँ कोई दूसरा साधु नहीं था जिससे वे अपने पापों का प्रायश्चित कर सकें और सांत्वना पा सकें; इसलिए उन्होंने छोटे से घास के मैदान में इधर-उधर टहलकर और पेड़ों की छाल और महीन रेत पर अपनी उदासी से मेल खाती हुई कई कविताएँ लिखकर और उकेरकर खुद को सांत्वना दी, जिनमें से कुछ डुलसीनिया की प्रशंसा में थीं; लेकिन जब बाद में उन्हें वहाँ पाया गया, तो केवल वही कविताएँ पूरी तरह से पढ़ी जा सकीं जो नीचे दी गई हैं:

{श्लोक
ये पहाड़ की ढलान पर उगते हैं,
हे सभी हरी चीजें, पेड़, झाड़ियाँ और पौधे,
क्या तुम दुख से थक गए हो?
क्या यह बेचारा दर्द से भरा सीना कुचल रहा है?
अगर इससे आपको परेशानी होती है, और मैं इसका ऋणी हूं कुछ हद तक मुआवज़ा, यह हो सकता है
मेरे बचाव के लिए, मैं आपको बता दूं
डॉन क्विक्सोट के आंसू बह रहे हैं।
और यह सब दूर स्थित डुलसीनिया के लिए।
टोबोसो से।
सबसे कमज़ोर प्रेमी का पता समय ही लगा सकता है, प्रेमिका के कष्ट सहने के लिए अभिशप्त,
इन एकांतों के बीच वह जाता है,
हर प्रकार की पीड़ा का शिकार।
प्यार को एक द्वेषपूर्ण शत्रु की तरह क्यों होना चाहिए? उसका इस प्रकार उपयोग करो, उसे इसका कोई अंदाजा नहीं है।
लेकिन पूरी तरह भरे हुए पीपे—यह तो वह जानता है—
डॉन क्विक्सोट के आंसू बह रहे हैं।
और यह सब दूर स्थित डुलसीनिया के लिए।
टोबोसो से।
वह रोमांच की तलाश में निकल पड़ता है
ऊबड़-खाबड़ ऊँचाइयों पर, पथरीली घाटियों में,
लेकिन चाहे पहाड़ी हो या घाटी, चाहे ऊँचाई हो या नीचाई, उसके हर प्रयास में विपत्ति मंडराती है।
प्रेम अब भी उसका पीछा करता रहता है।
और वह अपना क्रूर कोड़ा चलाता है—अरे बाप रे! निर्दयी भाग्य, अंतहीन दुख;
डॉन क्विक्सोट के आंसू बह रहे हैं।
और यह सब दूर स्थित डुलसीनिया के लिए।
टोबोसो से।

{श्लोक
डुलसीनिया के नाम में "डेल टोबोसो" जोड़ने से उन लोगों में खूब हंसी आई जिन्होंने उपरोक्त पंक्तियाँ पढ़ीं, क्योंकि उन्हें संदेह था कि डॉन क्विक्सोट ने सोचा होगा कि जब तक वह डुलसीनिया का नाम शुरू करते समय "डेल टोबोसो" नहीं जोड़ेगा, तब तक कविता समझ से बाहर होगी; जो वास्तव में सच था, जैसा कि उसने स्वयं बाद में स्वीकार किया। उसने और भी कई कविताएँ लिखीं, लेकिन जैसा कि कहा गया है, ये तीन पंक्तियाँ ही स्पष्ट और पूर्ण रूप से समझी जा सकीं। इस तरह, आहें भरते हुए और जंगलों के फ़ॉन और सैटायर तथा नदियों की अप्सराओं तथा नम और शोकग्रस्त इको से उत्तर देने, सांत्वना देने और उसकी बात सुनने का आह्वान करते हुए, साथ ही अपने लिए पोषण हेतु जड़ी- बूटियाँ खोजते हुए, उसने सांचो के लौटने तक अपना समय बिताया; और अगर इसमें तीन सप्ताह की देरी होती, जैसा कि तीन दिन की हुई, तो शोकग्रस्त चेहरे वाले शूरवीर का चेहरा इतना बदल गया होता कि उसे जन्म देने वाली माँ भी उसे पहचान नहीं पाती: और यहाँ उसे आहों और छंदों में लिपटा हुआ छोड़ देना ही उचित होगा, ताकि वह बता सके कि सांचो पांजा का अपने मिशन पर क्या हाल हुआ।
जहाँ तक उसकी बात है, मुख्य सड़क पर आकर वह एल टोबोसो की ओर चल पड़ा और अगले दिन उस सराय में पहुँचा जहाँ कंबल वाली घटना घटी थी। जैसे ही उसने उसे पहचाना, उसे ऐसा लगा मानो वह एक बार फिर हवा में जी रहा हो, और वह अंदर जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था, हालाँकि यह वह समय था जब वह आसानी से अंदर जा सकता था, क्योंकि यह भोजन का समय था, और उसे कुछ गर्म खाने की तीव्र इच्छा थी क्योंकि पिछले कई दिनों से उसने केवल ठंडा भोजन ही खाया था। इस तीव्र इच्छा ने उसे सराय के पास जाने के लिए मजबूर कर दिया, वह अभी भी तय नहीं कर पा रहा था कि अंदर जाए या नहीं, और जब वह हिचकिचा रहा था, तभी दो लोग बाहर आए जिन्होंने उसे तुरंत पहचान लिया और एक दूसरे से कहा:
"श्रीमान लाइसेंसधारी, क्या वह घोड़े पर सवार सांचो पांजा नहीं है, जिसके बारे में हमारे साहसी व्यक्ति की गृहणी ने हमें बताया था कि वह उसके स्वामी के साथ एक सहायक के रूप में चला गया था?"
“जी हाँ,” पादरी ने कहा, “और यह हमारे मित्र डॉन क्विक्सोट का घोड़ा है;” और अगर वे उसे इतनी अच्छी तरह जानते थे तो इसलिए कि वे उसके अपने गाँव के पादरी और नाई थे, वही जिन्होंने किताबों में जाँच और फैसला सुनाया था; और जैसे ही उन्होंने सांचो पांजा और रोसिनांटे को पहचाना, डॉन क्विक्सोट के

बारे में जानने के लिए उत्सुक होकर वे पास आए, और पादरी ने उसका नाम लेकर कहा, “मित्र सांचो पांजा, तुम्हारा मालिक कहाँ है?”
सांचो ने उन्हें तुरंत पहचान लिया और अपने स्वामी को जिस स्थान और परिस्थितियों में छोड़कर गया था, उसे गुप्त रखने का निश्चय किया, इसलिए उसने उत्तर दिया कि उसका स्वामी एक विशेष क्षेत्र में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामले में व्यस्त था, जिसका खुलासा वह अपनी आँखों के सामने नहीं कर सकता था।
नाई ने कहा, "नहीं, नहीं, अगर तुम हमें यह नहीं बताओगे कि वह कहाँ है, सांचो पांजा, तो हम वही शक करेंगे जो हमें पहले से है, कि तुमने उसकी हत्या और लूट की है, क्योंकि तुम यहाँ उसके घोड़े पर सवार हो; दरअसल, तुम्हें घोड़े के मालिक को पेश करना होगा, वरना अंजाम भुगतना पड़ेगा।"
“मुझसे धमकी देने की कोई ज़रूरत नहीं है,” सांचो ने कहा, “मैं किसी को लूटने या मारने वाला आदमी नहीं हूँ; चाहे उसका भाग्य उसे मार डाले या ईश्वर उसे मार डाले; मेरे स्वामी इन पहाड़ों के बीच अपनी मर्ज़ी से तपस्या कर रहे हैं;” और फिर, बिना रुके, उसने उन्हें बताया कि वह उन्हें कैसे छोड़कर गया था, उसके साथ क्या-क्या घटनाएँ घटीं, और वह लोरेंजो कोरचुएलो की बेटी, लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो को एक पत्र ले जा रहा था, जिससे वह दिल से प्यार करता था। सांचो पांजा की बातें सुनकर वे दोनों चकित रह गए; क्योंकि हालाँकि वे डॉन क्विक्सोट के पागलपन और उसके स्वरूप से परिचित थे, फिर भी हर बार जब वे इसके बारे में सुनते थे तो उन्हें आश्चर्य होता था। तब उन्होंने सांचो पांजा से लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो को ले जा रहा पत्र दिखाने को कहा। उसने कहा कि यह एक नोटबुक में लिखा गया था, और उसके स्वामी का निर्देश था कि वह जिस पहले गाँव में पहुँचे, वहाँ इसकी एक प्रति कागज़ पर छपवा ले। इस पर पादरी ने कहा कि अगर वह उसे नोटबुक दिखा दे, तो वह स्वयं उसकी एक साफ-सुथरी प्रति बना देगा। सांचो ने नोटबुक की तलाश में अपना हाथ अपनी छाती में डाला, लेकिन वह उसे नहीं मिली। अगर वह अब तक खोजता भी तो उसे वह नहीं मिलती, क्योंकि डॉन क्विक्सोट ने उसे अपने पास रखा था और न ही उसे कभी दी थी, और न ही उसने खुद उसे मांगने के बारे में सोचा था। जब सांचो को पता चला कि उसे नोटबुक नहीं मिल रही है, तो उसका चेहरा एकदम पीला पड़ गया। उसने जल्दबाजी में फिर से अपने पूरे शरीर को टटोला, और जब उसे साफ-साफ पता चला कि नोटबुक नहीं मिल रही है, तो उसने बिना देर किए दोनों हाथों से अपनी

दाढ़ी पकड़ी और उसका आधा हिस्सा नोच लिया। फिर जितनी जल्दी हो सके और बिना रुके, उसने अपने चेहरे और नाक पर आधा दर्जन घूंसे मारे, जब तक कि वे खून से लथपथ नहीं हो गए।
यह देखकर पादरी और नाई ने उससे पूछा कि ऐसा क्या हुआ था कि उसने खुद के साथ इतना बुरा बर्ताव किया।
"मेरा क्या होगा?" सांचो ने उत्तर दिया, "एक पल में, एक हाथ से दूसरे हाथ में, तीन गधे के बच्चे खो देने के अलावा और क्या हो सकता है, जिनमें से प्रत्येक एक किले की तरह मजबूत था?"
"यह कैसा है?" नाई ने कहा।
"मेरी नोटबुक खो गई है," सांचो ने कहा, "जिसमें डुलसीनिया को लिखा पत्र और मेरे मालिक द्वारा हस्ताक्षरित एक आदेश था, जिसमें उन्होंने अपनी भतीजी को घर पर मौजूद चार या पांच गधों में से तीन मुझे देने का निर्देश दिया था;" और फिर उसने उन्हें डैपल के खो जाने के बारे में बताया।
पादरी ने उसे दिलासा देते हुए कहा कि जब उसका गुरु मिल जाएगा तो वह उससे आदेश का नवीनीकरण करवाएगा और कागज पर एक नया मसौदा तैयार करवाएगा, जैसा कि हमेशा से प्रथागत था; क्योंकि नोटबुक में तैयार किए गए मसौदे कभी स्वीकार या सम्मानित नहीं किए जाते थे।
सांचो ने इस बात से खुद को तसल्ली दी और कहा कि अगर ऐसा है तो डुलसीनिया के पत्र के खो जाने से उसे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उसे वह पत्र लगभग मुंह जुबानी याद था और जब चाहे और जहां चाहे उससे वह पत्र लिखवाया जा सकता था।
"तो इसे दोहराओ, सांचो," नाई ने कहा, "और हम इसे बाद में लिख लेंगे।"
सांचो पांजा ने पत्र को याद करने के लिए अपना सिर खुजाया और कभी एक पैर पर, कभी दूसरे पर संतुलन बनाते हुए, कभी ज़मीन पर, कभी आसमान की ओर देखते हुए, अपनी एक उंगली का सिरा आधा चबाने के बाद और उन्हें अपने बोलने की शुरुआत का इंतज़ार कराते हुए, लंबे विराम के बाद कहा, "हे भगवान, माननीय महोदय, मुझे पत्र का एक शब्द भी याद नहीं आ रहा; लेकिन शुरुआत में लिखा था, 'महान और सफाई करने वाली महिला'।"
नाई ने कहा, "इसमें 'स्क्रबिंग' तो नहीं लिखा होगा, बल्कि 'अलौकिक' या 'संप्रभु' लिखा होगा।"

"बस यही है," सांचो ने कहा; "फिर, जहाँ तक मुझे याद है, आगे लिखा था, 'घायल, नींद से वंचित और भेदी हुई, आपकी कृपा के हाथों को चूमती है, कृतघ्न और बिल्कुल अपरिचित सुंदरी; और उसमें स्वास्थ्य और बीमारी के बारे में कुछ लिखा था जो वह उसे भेज रहा था; और फिर यह धीरे-धीरे समाप्त होता गया जब तक कि यह 'मृत्यु तक आपका, शोकग्रस्त चेहरे वाला शूरवीर' पर समाप्त नहीं हो गया।"
सांचो की अच्छी याददाश्त देखकर उन दोनों को खूब मजा आया और उन्होंने उसकी खूब तारीफ की और उससे अनुरोध किया कि वह पत्र को दो-तीन बार और दोहराए ताकि वे भी उसे याद कर सकें और बाद में लिख सकें। सांचो ने उसे तीन बार दोहराया और ऐसा करते हुए उसने तीन हजार और बेतुकी बातें कह दीं; फिर उसने उन्हें अपने स्वामी के बारे में और बताया लेकिन उस सराय में अपने साथ हुए दुबलेपन के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा, जिसमें उसने प्रवेश करने से इनकार कर दिया था। उसने उन्हें यह भी बताया कि यदि उसका स्वामी उसे लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो से अनुकूल उत्तर दिलाता है, तो उसे सम्राट या कम से कम राजा बनने का प्रयास करना होगा; क्योंकि उनके बीच यह बात तय हो चुकी थी, और अपने व्यक्तिगत रुतबे और बलि के बल पर उनका एक होना उनके लिए बहुत आसान था: और एक होने पर उनके स्वामी को उनके लिए विवाह तय करना था (क्योंकि उस समय तक वे स्वाभाविक रूप से विधवा हो चुके होंगे) और उन्हें महारानी की युवतियों में से किसी एक को पत्नी के रूप में देना था, जो मुख्य भूमि पर किसी समृद्ध और भव्य राज्य की उत्तराधिकारी हो, द्वीपों से उनका कोई लेना-देना नहीं था, क्योंकि अब उन्हें द्वीपों की परवाह नहीं थी। यह सब सांचो ने इतनी शांति से कहा—बीच-बीच में अपनी नाक पोंछते हुए—और इतनी कम अक्ल से कि उसके दोनों श्रोता एक बार फिर डॉन क्विक्सोट के पागलपन की ताकत पर आश्चर्यचकित रह गए जो इस बेचारे आदमी की बुद्धि को उड़ा ले जा सकता था। उन्होंने उसे उसकी गलती से बाहर निकालने की जहमत नहीं उठाई, क्योंकि उनका मानना था कि चूंकि इससे उसकी अंतरात्मा को कोई ठेस नहीं पहुंचती, इसलिए उसे उसी स्थिति में छोड़ देना बेहतर होगा, और उनकी सरल बातों को सुनने में उन्हें और भी मज़ा आएगा; और इसलिए उन्होंने उनसे अपने स्वामी के स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने को कहा, क्योंकि समय के साथ उनका सम्राट बनना, जैसा कि उन्होंने कहा था, या कम से कम आर्कबिशप या समान पद के किसी अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति बनना बहुत ही संभावित और संभव बात थी।

जिस पर सांचो ने उत्तर दिया, "यदि भाग्य, महोदय, ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न करे कि मेरे स्वामी सम्राट होने के बजाय आर्कबिशप बनना चाहें, तो मैं यह जानना चाहूँगा कि आर्कबिशप-भ्रमणकारी आमतौर पर अपने सहायकों को क्या देते हैं?"
"वे आम तौर पर उन्हें कोई साधारण पद या पादरी का पद देते हैं, या फिर चर्च सेवक के रूप में कोई जगह देते हैं जिससे उन्हें अच्छी नियमित आय प्राप्त होती है, इसमें वेदी शुल्क शामिल नहीं है, जिसे इससे कहीं अधिक माना जा सकता है।"
"लेकिन इसके लिए," सांचो ने कहा, "साझीदार अविवाहित होना चाहिए, और कम से कम उसे प्रार्थना सभा में भाग लेना आना चाहिए, और अगर ऐसा है, तो मेरा क्या होगा, क्योंकि मैं पहले से ही विवाहित हूँ और मुझे एबीसी का पहला अक्षर भी नहीं पता। मेरा क्या होगा अगर मेरे स्वामी को सम्राट बनने के बजाय आर्कबिशप बनने का शौक हो जाए, जैसा कि घुमंतू शूरवीरों के साथ सामान्य और प्रथागत है?"
"चिंता मत करो, मेरे मित्र सांचो," नाई ने कहा, "हम तुम्हारे स्वामी से विनती करेंगे और उन्हें सलाह देंगे, यहाँ तक कि अंतरात्मा की आवाज़ के रूप में उनसे आग्रह करेंगे कि वे सम्राट बनें, आर्कबिशप नहीं, क्योंकि यह उनके लिए आसान होगा, क्योंकि वे पढ़े-लिखे होने की तुलना में अधिक वीर हैं।" "मैंने भी यही सोचा है," सांचो ने कहा; "हालांकि मैं आपको बता सकता हूं कि वह किसी भी काम के लिए उपयुक्त है: मैं अपनी ओर से यही करने का इरादा रखता हूं कि हमारे प्रभु से प्रार्थना करूं कि वह उसे उस स्थान पर रखें जहां उसके लिए सबसे अच्छा हो, और जहां वह मुझ पर सबसे अधिक कृपा बरसा सके।"
"आप एक समझदार व्यक्ति की तरह बात कर रहे हैं," पादरी ने कहा, "और आप एक अच्छे ईसाई की तरह व्यवहार करेंगे; लेकिन अब जो करना ज़रूरी है वह यह है कि अपने स्वामी को उस व्यर्थ तपस्या से बाहर निकालने के लिए कदम उठाए जाएं जिसके बारे में आप कह रहे हैं कि वह कर रहे हैं; और बेहतर होगा कि हम इस सराय में चलें और विचार करें कि क्या योजना अपनाई जाए, और साथ ही भोजन भी कर लें, क्योंकि अब समय आ गया है।"
सांचो ने कहा कि वे अंदर जा सकते हैं, लेकिन वह बाहर ही इंतज़ार करेगा और बाद में उन्हें बताएगा कि वह अंदर जाने के लिए तैयार क्यों नहीं है और उसे अंदर जाना क्यों ठीक नहीं लग रहा है; लेकिन उसने उनसे विनती की कि उसके लिए

कुछ खाने को बाहर लाएँ, और वह भी गरमा गरम हो, और रोसिनांटे के लिए जौ भी लाएँ। वे उसे वहीं छोड़कर अंदर चले गए, और थोड़ी देर बाद नाई उसके लिए कुछ खाने को बाहर ले आया। कुछ देर बाद, जब उन्होंने आपस में मिलकर इस बात पर अच्छी तरह विचार कर लिया कि वे अपने उद्देश्य को कैसे पूरा करेंगे, तो पादरी को एक ऐसा विचार सूझा जो डॉन क्विक्सोट को खुश करने और उनके उद्देश्य को पूरा करने के लिए बहुत उपयुक्त था; और उसका विचार, जो उसने नाई को समझाया, यह था कि वह स्वयं एक भटकती हुई युवती का वेश धारण करेगा, जबकि दूसरा यथासंभव एक सहायक का वेश धारण करने का प्रयास करेगा, और इस प्रकार वे डॉन क्विक्सोट के पास जाएँगे, और वह एक दुखी और व्यथित युवती होने का नाटक करते हुए उससे एक कृपा माँगेगा, जिसे एक वीर योद्धा होने के नाते वह अस्वीकार नहीं कर सकता था; और वह उससे यह कृपा माँगना चाहता था कि वह उसके साथ वहाँ जाए जहाँ वह उसे ले जाए, ताकि उस दुष्ट योद्धा द्वारा किए गए अन्याय का निवारण किया जा सके, और साथ ही वह उससे विनती करेगी कि जब तक वह दुष्ट योद्धा के साथ उसका मामला सुलझा न ले, तब तक वह उसका मुखौटा न हटाए और न ही उससे उसकी परिस्थितियों के बारे में कोई प्रश्न पूछे। और उसे कोई संदेह नहीं था कि डॉन क्विक्सोट इन शर्तों पर किए गए किसी भी अनुरोध का पालन करेगा, और इस तरह वे उसे वहाँ से निकालकर उसके गाँव ले जा सकेंगे, जहाँ वे यह पता लगाने का प्रयास करेंगे कि क्या उसके असाधारण पागलपन का कोई इलाज संभव है।

27

अध्याय
पादरी और नाई ने अपनी योजना को किस प्रकार आगे बढ़ाया; साथ ही इस महान इतिहास में दर्ज करने योग्य अन्य मामलों का भी वर्णन है।
पादरी की योजना नाई को बुरी नहीं लगी, बल्कि इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने तुरंत उसे अमल में लाना शुरू कर दिया। उन्होंने मकान मालकिन से एक पेटीकोट और हुड मांगा और बदले में पादरी का एक नया चोगा गिरवी रख दिया; नाई ने भूरे या लाल रंग के बैल की पूंछ से दाढ़ी बनाई जिसमें मकान मालकिन अपनी कंघी फंसाकर रखती थी। मकान मालकिन ने उनसे पूछा कि उन्हें ये सब चीजें क्यों चाहिए, तो पादरी ने उन्हें संक्षेप में डॉन क्विक्सोट के पागलपन के बारे में बताया और यह भी बताया कि यह भेष उसे उस पहाड़ से दूर ले जाने के लिए बनाया गया था जहाँ वह उस समय था। मकान मालकिन तुरंत इस निष्कर्ष पर पहुंचीं कि वह पागल उनका मेहमान था, वही मरहम लगाने वाला और कंबल ओढ़े जागीरदार का मालिक, और उन्होंने पादरी को अपने और उसके बीच हुई सारी बातें बता दीं, यहाँ तक कि सांचो जिस बात पर चुप था, उसे भी उन्होंने छिपाया नहीं। अंत में मकान मालकिन ने पादरी को ऐसे कपड़े पहनाए जो बेहद आकर्षक थे; उसने उसे काले मखमल की चौड़ी, कटी हुई पट्टियों वाला एक कपड़ा पेटीकोट पहनाया, और हरे मखमल की एक चोली पहनाई जिस पर सफेद साटन की किनारी लगी थी। पेटीकोट और चोली दोनों ही राजा वाम्बा के समय में बनी होंगी। पादरी ने उसे सिर पर टोपी नहीं पहनाई, बल्कि उसके सिर पर एक छोटी सी रजाईदार लिनेन की टोपी पहना दी जिसे वह रात की टोपी की तरह इस्तेमाल करता था, और उसके माथे को काले रेशम की पट्टी से बांध दिया, जबकि दूसरी पट्टी से उसने एक मुखौटा बनाया जिससे उसने अपनी दाढ़ी और चेहरा अच्छी तरह से छिपा लिया। फिर उसने अपनी टोपी पहनी, जो इतनी चौड़ी थी कि छाते का काम कर सके, और अपने लबादे में लिपटकर वह औरत की तरह अपने खच्चर पर बैठ गया, जबकि नाई ने अपनी कमर तक लंबी लाल और सफेद रंग की दाढ़ी वाले खच्चर पर सवार हो गया, क्योंकि जैसा कि कहा गया है, वह मिट्टी के लाल रंग के बैल की पूंछ थी।
उन्होंने सभी से विदा ली, और नेक मैरिटोर्न्स से भी, जो पापी होते हुए भी, प्रार्थनाओं की माला जपने का वादा किया ताकि ईश्वर उन्हें इस कठिन और ईसाई कार्य में सफलता प्रदान करे। लेकिन सराय से निकलते ही पादरी को यह बात समझ

में आ गई कि वह इस तरह कपड़े पहनकर गलत कर रहा है, क्योंकि एक पुजारी के लिए इस तरह कपड़े पहनना अशोभनीय था, भले ही इस पर बहुत कुछ निर्भर करता हो; और ऐसा कहते हुए उसने नाई से कपड़े बदलने का अनुरोध किया, क्योंकि उसके लिए दुखी युवती का रूप धारण करना अधिक उचित था, जबकि वह स्वयं जमींदार की भूमिका निभाएगा, जो उसकी गरिमा के लिए कम अपमानजनक होगा; अन्यथा उसने इस मामले से कोई वास्ता न रखने का निश्चय कर लिया था, और डॉन क्विक्सोट को भाड़ में जाने देने का भी। ठीक उसी क्षण सांचो वहाँ आया, और उन दोनों को इस तरह के वेश में देखकर वह अपनी हंसी नहीं रोक पाया; लेकिन नाई पादरी की इच्छा के अनुसार चलने को तैयार हो गया। योजना में बदलाव करते हुए पादरी ने उसे निर्देश दिए कि उसे अपनी भूमिका कैसे निभानी है और डॉन क्विक्सोट से क्या कहना है ताकि वह उनके साथ चलने के लिए राजी हो जाए और उस जगह को छोड़ दे जहाँ उसने अपना आलस्यपूर्ण प्रायश्चित करने का मन बना लिया था। नाई ने कहा कि वह बिना किसी निर्देश के भी यह काम ठीक से कर सकता है। चूंकि डॉन क्विक्सोट के पास पहुँचने तक उसे कपड़े पहनने की कोई परवाह नहीं थी, इसलिए उसने अपने कपड़े समेट लिए। पादरी ने अपनी दाढ़ी ठीक की और वे सांचो पांजा के मार्गदर्शन में चल पड़े। सांचो पांजा उनके साथ-साथ चलते हुए उन्हें सिएरा में मिले उस पागल आदमी के बारे में बताता रहा, लेकिन उसने सूटकेस और उसके अंदर की चीजों के बारे में कुछ नहीं बताया; क्योंकि अपनी सादगी के बावजूद वह लड़का थोड़ा लालची था।
अगले दिन वे उस स्थान पर पहुँचे जहाँ सांचो ने अपने स्वामी को छोड़ने के स्थान का संकेत देने के लिए झाड़ू की शाखाएँ रखी थीं, और उसे पहचानते हुए सांचो ने उनसे कहा कि यही प्रवेश द्वार है, और यदि उनके स्वामी को छुड़ाने के लिए आवश्यक हो तो उन्हें अपने आप को तैयार कर लेना चाहिए; क्योंकि उन्होंने उसे पहले ही बता दिया था कि इस वेश में जाना और इस तरह कपड़े पहनना उनके स्वामी को उनके द्वारा अपनाए गए हानिकारक जीवन से बचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; और उन्होंने उसे सख्ती से निर्देश दिया कि वह अपने स्वामी को यह न बताए कि वे कौन हैं, या वह उन्हें जानता है, और यदि वह पूछे, जैसा कि वह पूछेगा, कि क्या उसने डुलसीनिया को पत्र दिया था, तो उसे कहना चाहिए कि उसने दिया था, और क्योंकि वह पढ़ना नहीं जानती थी, उसने मौखिक रूप से उत्तर दिया था, यह कहते हुए कि उसने उसे अपने क्रोध के डर से तुरंत आकर उससे मिलने का आदेश दिया था। और यह उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण मामला था,

क्योंकि इस तरह और जो वे उनसे कहना चाहते थे, उससे उन्हें पूरा विश्वास था कि वे उन्हें बेहतर जीवन शैली में वापस ला सकेंगे और उन्हें सम्राट या राजा बनने के लिए तुरंत कदम उठाने के लिए प्रेरित कर सकेंगे, क्योंकि उनके आर्कबिशप बनने का कोई डर नहीं था। सांचो ने यह सब सुना और इसे अच्छी तरह से याद कर लिया, और अपने स्वामी को आर्कबिशप के बजाय सम्राट बनाने की सिफारिश करने के लिए उनका हार्दिक धन्यवाद किया, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास था कि अपने सहायकों को पुरस्कार देने के मामले में सम्राट, भटकते हुए आर्कबिशपों से कहीं अधिक कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लिए उनसे पहले जाकर उन्हें ढूंढना और उनकी पत्नी का जवाब देना बेहतर होगा; क्योंकि शायद इससे उन्हें बिना इतनी परेशानी उठाए उस स्थान से वापस लाना पर्याप्त हो। उन्होंने सांचो के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और उनके स्वामी के मिलने की खबर आने तक उनका इंतजार करने का निश्चय किया।
सांचो सिएरा की घाटियों में आगे बढ़ गया, उन्हें एक ऐसी घाटी में छोड़कर जहाँ एक छोटी सी शांत नदी बह रही थी और जहाँ चट्टानों और पेड़ों की ठंडी और सुखद छाया थी। अगस्त का दिन था और उस दिन की ही गर्मी थी, और उन इलाकों में गर्मी बहुत तेज़ होती है। दोपहर के तीन बज रहे थे, जिससे वह जगह और भी आकर्षक लग रही थी और उन्हें सांचो के लौटने का इंतज़ार करने का मन कर रहा था, और उन्होंने ऐसा ही किया। वे छाया में आराम कर रहे थे, तभी एक आवाज़ उनके कानों तक पहुँची, जिसमें किसी वाद्य यंत्र का कोई स्वर नहीं था, लेकिन मधुर और सुरीली थी। यह सुनकर वे बहुत आश्चर्यचकित हुए, क्योंकि उन्हें यह जगह किसी अच्छे गायक के लिए उपयुक्त नहीं लग रही थी; हालाँकि यह अक्सर कहा जाता है कि जंगलों और खेतों में सुरीली आवाज़ वाले चरवाहे पाए जाते हैं, लेकिन यह कवि की कल्पना मात्र है, सच्चाई नहीं। और वे तब और भी हैरान हुए जब उन्होंने पाया कि जो वे सुन रहे थे, वे देहाती चरवाहों के नहीं, बल्कि शहर के पढ़े-लिखे लोगों के थे। और ऐसा ही सिद्ध हुआ, क्योंकि उन्होंने जो छंद सुने वे ये थे:
मेरी खुशी की तलाश व्यर्थ क्यों लगती है?
तिरस्कार।
मुझे आराम की उम्मीद छोड़ने के लिए कौन सी बात प्रेरित करती है?
ईर्ष्या।
किस बात ने मेरे दिल को अनिश्चितता की पीड़ा में जकड़ रखा है?

अनुपस्थिति।
यदि ऐसा है, तो मेरे दुख के लिए
मुझे राहत पाने के लिए कहाँ जाना चाहिए?
जब हर तरफ उम्मीदें खत्म हो चुकी हों अनुपस्थिति, ईर्ष्या, तिरस्कार के कारण?
मेरे सभी दुखों का मूल कारण क्या सिद्ध होता है? प्यार।
मेरी शान को भला कौन तिरछी नजर से देखता है? मौका।
मुझे कष्ट देने की अनुमति कहाँ से मिली?
स्वर्ग।
अगर ऐसा है तो मैं बस प्रतीक्षा करता हूँ
एक अप्रतिरोध्य भाग्य का प्रहार,
चूंकि, मेरी परेशानी के लिए काम कर रहे ये तीनों,
मुझे लगता है कि प्रेम, संयोग और स्वर्ग एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मुझे इसका समाधान खोजने के लिए क्या करना चाहिए?
मरना।
शर्मीले और अजनबी स्वभाव वाले प्रेम में ऐसी क्या बात आकर्षण पैदा करती है?
परिवर्तन।
अगर सब कुछ विफल हो जाए, तो दुख से भरे दिल को ठीक करने का सबसे अच्छा तरीका क्या होगा?
पागलपन।
यदि ऐसा है तो यह सरासर मूर्खता है।
उदासी का इलाज ढूंढना:
पूछो कि यह कहाँ स्थित है; उत्तर कहता है
परिवर्तन में, पागलपन में, या मृत्यु में।
समय, ग्रीष्म ऋतु, एकांत स्थान, गायक की आवाज़ और कौशल, इन सभी ने दोनों श्रोताओं के आश्चर्य और आनंद में योगदान दिया, जो कुछ और सुनने की प्रतीक्षा में स्थिर रहे; हालांकि, जब उन्होंने देखा कि सन्नाटा कुछ देर तक बना रहा, तो उन्होंने उस संगीतकार की खोज में जाने का निश्चय किया जिसने

इतनी मधुर आवाज़ में गाया था; लेकिन जैसे ही वे ऐसा करने वाले थे, उसी आवाज़ ने उन्हें रोक दिया, जो एक बार फिर उनके कानों में पड़ी और यह गीत गा रही थी:
गाथा
जब तुम स्वर्ग की ओर गए, हे पवित्र मित्रता।
आकाश से परे अपने घर की तलाश में उड़ान भरते हुए,
और स्वर्ग में संतों के बीच अपना स्थान ग्रहण करो।
यह तुम्हारी इच्छा थी कि तुम इसे धरती पर छोड़ जाओ।
तेरा स्वरूप, और उस पर प्रदान करना
तेरा पर्दा, जिसके साथ कभी-कभी पाखंड भी छिपा रहता है, अपने स्वरूप में इतराते हुए, तुम आँखों को धोखा देते हो।
और यह अपनी नीचता को सद्गुण के रूप में प्रदर्शित करता है। दोस्ती, हमारे पास वापस लौट आओ, या धोखे को मजबूर करो
जो इसे अब धारण करता है, तेरा वस्त्र बहाल करने के लिए,
जिसके द्वारा ईमानदारी का वध किया जाता है।
यदि तुम अपने नकलीपन का पर्दाफाश नहीं करोगे,
यह धरती एक बार फिर संघर्ष का शिकार होगी।
जैसे कि आदिम काल में कलह का बोलबाला था।
गीत एक गहरी आह के साथ समाप्त हुआ, और श्रोता फिर से गायक के गायन शुरू करने की प्रतीक्षा में तल्लीन हो गए; लेकिन यह देखकर कि संगीत अब सिसकियों और हृदयविदारक विलापों में बदल गया है, उन्होंने यह पता लगाने का निश्चय किया कि वह अभागा कौन हो सकता है जिसकी आवाज़ उसके आहों की तरह ही विरह भरी थी। वे अभी ज़्यादा दूर नहीं गए थे कि एक चट्टान के मोड़ पर मुड़ते ही उन्हें एक ऐसा व्यक्ति दिखाई दिया जिसका रूप-रंग बिल्कुल वैसा ही था जैसा सांचो ने उन्हें कार्डेनियो की कहानी सुनाते समय बताया था। उन्हें देखकर वह ज़रा भी आश्चर्यचकित नहीं हुआ, गहरी सोच में डूबे हुए व्यक्ति की तरह अपना सिर सीने पर झुकाए खड़ा रहा, और जब वे अचानक उस पर पड़े तो पहली नज़र के बाद उसने अपनी आँखें ऊपर नहीं उठाईं। पादरी, जो उसकी बदकिस्मती से वाकिफ था और वर्णन से उसे पहचान गया था, एक सभ्य व्यक्ति होने के नाते, उसके पास गया और कुछ समझदारी भरे शब्दों में उससे विनती की और आग्रह किया कि वह इस दुखमय जीवन को छोड़ दे, अन्यथा उसका अंत यहीं हो जाएगा, जो कि सबसे

बड़ी बदकिस्मती होगी। कार्डेनियो उस समय पूरी तरह होश में था, उस पागलपन के किसी भी दौरे से मुक्त था जो अक्सर उसे अपने वश में कर लेता था, और उन जंगली इलाकों में आने-जाने वालों के बीच उन्हें इतने असामान्य ढंग से कपड़े पहने देखकर, वह कुछ आश्चर्य दिखाने से खुद को रोक नहीं सका, खासकर जब उसने उन्हें अपने मामले के बारे में इस तरह बात करते सुना जैसे कि यह एक सर्वविदित मामला हो (क्योंकि पादरी के शब्दों से उसे यही समझ आया था), इसलिए उसने उन्हें इस प्रकार उत्तर दिया:
"मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ, महोदय, आप जो भी हों, कि स्वर्ग, जिसकी चिंता भले लोगों की, और यहाँ तक कि दुष्टों की भी, सहायता करना है, यहाँ, इस एकांत स्थान पर, मानव संपर्क से कटा हुआ, मुझे भेजता है, यद्यपि मैं इसके योग्य नहीं हूँ, उन लोगों को जो मुझे इससे दूर किसी बेहतर स्थान पर ले जाना चाहते हैं, मुझे अनेक और बलपूर्वक तर्कों से यह दिखाते हुए कि मैं जिस तरह का जीवन जी रहा हूँ वह कितना अनुचित है; लेकिन जैसा कि वे जानते हैं, कि यदि मैं इस बुराई से बच निकला तो मैं एक और भी बड़ी बुराई में गिर जाऊँगा, शायद वे मुझे कमजोर दिमाग वाला व्यक्ति मान लें, या इससे भी बुरा, तर्कहीन; और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी, क्योंकि मैं स्वयं देख सकता हूँ कि मेरे दुर्भाग्य की याद का प्रभाव इतना गहरा है और मेरे विनाश के लिए इतना शक्तिशाली रूप से कार्य करता है कि मैं कभी-कभी अनजाने में पत्थर की तरह हो जाता हूँ, बिना किसी भावना या चेतना के; और मुझे इसकी सच्चाई का एहसास तब होता है जब वे मुझे उन चीजों के प्रमाण बताते और दिखाते हैं जो मैंने तब की थीं जब भयानक दौरा मुझ पर हावी हो जाता है; और मैं बस अपने भाग्य पर विलाप कर सकता हूँ।" मैं व्यर्थ ही अपने भाग्य को कोसता रहता हूँ, और अपनी इस पागलपन की वजह बताकर इसका बचाव करता हूँ, उन सभी को जो इसे सुनना चाहते हैं; क्योंकि कारण जानने पर कोई भी समझदार व्यक्ति इसके परिणामों पर आश्चर्य नहीं करेगा; और यदि वे मेरी मदद नहीं कर सकते, तो कम से कम वे मुझे दोष तो नहीं देंगे, और मेरे उग्र व्यवहार के प्रति उनकी घृणा मेरे दुखों के प्रति दया में बदल जाएगी। यदि, महोदय, आप भी उसी उद्देश्य से यहाँ आए हैं जिस उद्देश्य से अन्य लोग आए हैं, तो अपने तर्क देने से पहले, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मेरी अनगिनत विपत्तियों की कहानी सुनें, क्योंकि शायद इसे सुनने के बाद आप उस कष्ट से बच जाएँगे जो उस दुख को सांत्वना देने में लगेगा जो असहनीय है।

क्योंकि वे दोनों ही उसके कष्ट का कारण उसके मुख से सुनना चाहते थे, इसलिए उन्होंने उससे बताने का आग्रह किया और वादा किया कि वे उसकी इच्छा के विरुद्ध उसकी राहत या आराम के लिए कुछ भी नहीं करेंगे; और तब उस अभागे सज्जन ने लगभग उन्हीं शब्दों और शैली में अपनी दुखभरी कहानी शुरू की, जैसे उसने कुछ दिन पहले डॉन क्विक्सोट और बकरी चराने वाले को सुनाई थी, जब मास्टर एलिसाबाद और डॉन क्विक्सोट द्वारा शूरवीरता के नियमों का सावधानीपूर्वक पालन करने के कारण कहानी अधूरी रह गई थी, जैसा कि इस इतिहास में पहले ही दर्ज है; लेकिन अब सौभाग्य से पागलपन का दौरा टल गया, जिससे वह कहानी पूरी सुना सका; और इसलिए, "अमाडिस ऑफ गॉल" के खंड में डॉन फर्नांडो को मिले नोट की घटना पर आते हुए, कार्डेनियो ने कहा कि उसे वह पूरी तरह से याद है और वह इन शब्दों में थी:
"लुसिंडा से कार्डेनियो तक।"
"हर दिन मुझे आपमें ऐसे गुण दिखाई देते हैं जो मुझे आपको और अधिक सम्मान देने के लिए बाध्य और विवश करते हैं; इसलिए यदि आप मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाए बिना मुझे इस दायित्व से मुक्त करना चाहें, तो आप ऐसा आसानी से कर सकते हैं। मेरे पिता आपको जानते हैं और मुझसे बहुत प्यार करते हैं, जो मेरी इच्छा पर कोई दबाव डाले बिना आपको वह सब कुछ प्रदान करेंगे जो आपके लिए उचित होगा, बशर्ते आप मुझे उतना ही महत्व देते हों जितना आप कहते हैं और जितना मुझे विश्वास है कि आप देते हैं।"
जैसा कि मैंने आपको बताया, इसी पत्र के कारण मैंने लुसिंडा को अपनी पत्नी के रूप में माँगने का फैसला किया, और इसी पत्र के माध्यम से डॉन फर्नांडो लुसिंडा को उस समय की सबसे समझदार और विवेकशील महिलाओं में से एक मानने लगे। इसी पत्र से उन्हें मेरी योजना पूरी होने से पहले ही मुझे बर्बाद करने का विचार आया। मैंने डॉन फर्नांडो से कहा कि लुसिंडा के पिता बस यही चाहते हैं कि मेरे पिता उनसे लुसिंडा का प्रस्ताव रखें, लेकिन मैंने उन्हें यह कहने की हिम्मत नहीं की, क्योंकि मुझे डर था कि वे इसके लिए राज़ी नहीं होंगे; ऐसा इसलिए नहीं था कि वे लुसिंडा के पद, अच्छाई, सद्गुण और सुंदरता से अच्छी तरह वाकिफ नहीं थे, और यह भी कि उनमें ऐसे गुण थे जो स्पेन के किसी भी परिवार का गौरव बढ़ा सकते थे, बल्कि इसलिए कि मुझे पता था कि वे नहीं चाहते थे कि मैं ड्यूक रिकार्डो से बात किए बिना इतनी जल्दी शादी कर लूँ। संक्षेप में, मैंने उनसे कहा कि मैंने अपने पिता से इस बारे

में बात करने की हिम्मत इसलिए नहीं की, क्योंकि मुझे यह कठिनाई थी, साथ ही कई अन्य कारण भी थे जिनसे मेरा हौसला टूट रहा था, हालाँकि मुझे ठीक से पता नहीं था कि वे क्या थे, बस मुझे ऐसा लग रहा था कि जो मैं चाहता हूँ वह संभव नहीं है। ऐसा कभी नहीं होना था। इस पर डॉन फर्नांडो ने उत्तर दिया कि वह स्वयं मेरे पिता से बात करेंगे और उन्हें लुसिंडा के पिता से बात करने के लिए मनाएंगे। हे महत्वाकांक्षी मारियस! हे क्रूर कैटिलिन! हे दुष्ट सिला! हे विश्वासघाती गैनेलोन! हे धोखेबाज वेलिडो! हे प्रतिशोधी जूलियन! हे लालची जूडास! गद्दार, क्रूर, प्रतिशोधी और विश्वासघाती, इस बेचारे ने अपनी वफादारी में कहाँ चूक की, जिसने इतनी स्पष्टता से तुम्हें अपने दिल के रहस्य और खुशियाँ बताईं? मैंने क्या अपराध किया? मैंने कौन से शब्द कहे या कौन सी सलाह दी जिसका उद्देश्य तुम्हारे सम्मान और कल्याण को बढ़ावा देना नहीं था? लेकिन, हाय, मैं क्यों शिकायत कर रहा हूँ? क्योंकि निश्चित रूप से जब दुर्भाग्य सितारों से उत्पन्न होते हैं, ऊपर से उतरते हैं तो वे हम पर इतनी उग्रता और हिंसा के साथ गिरते हैं कि पृथ्वी पर कोई भी शक्ति उनके मार्ग को रोक नहीं सकती और न ही कोई मानवीय उपाय उनके आने को रोक सकता है। क्या कोई सोच सकता था कि डॉन फर्नांडो जैसा उच्च कुल का सज्जन, बुद्धिमान, मेरी सेवाओं के लिए कृतज्ञता से बंधा हुआ, जो अपने प्रेम को कहीं भी जीत सकता था, इतना निर्दयी हो सकता है, जैसा कि कहा जाता है, कि वह मेरी इकलौती भेड़ के बच्चे को भी मुझसे छीन ले, जो अभी तक मेरे पास आया भी नहीं था? लेकिन इन व्यर्थ और निरर्थक विचारों को एक तरफ रखकर, आइए मेरी दुखद कहानी के टूटे हुए धागे को पकड़ें।
तो चलिए आगे बढ़ते हैं: डॉन फर्नांडो ने मेरी उपस्थिति को अपने कपटपूर्ण और दुष्ट मंसूबों को अंजाम देने में बाधा मानते हुए, मुझे अपने बड़े भाई के पास यह बहाना बनाकर भेजने का फैसला किया कि वह उससे छह घोड़ों के लिए पैसे मांगेगा। ये घोड़े उसने जानबूझकर और मुझे दूर भेजने के एकमात्र उद्देश्य से उसी दिन खरीदे थे जिस दिन उसने मेरे पिता से बात करने का प्रस्ताव रखा था, और अब वह चाहता था कि मैं उन घोड़ों की कीमत लेकर आऊं। क्या मैं इस धोखे का अनुमान लगा सकती थी? क्या मुझे जरा भी शक हो सकता था? नहीं; बिलकुल नहीं, मैं तो इस अच्छे सौदे से संतुष्ट होकर तुरंत जाने के लिए अत्यंत प्रसन्न थी। उस रात मैंने लुसिंडा से बात की और उसे डॉन फर्नांडो के साथ हुए समझौते के बारे में बताया और यह भी बताया कि मुझे हमारी उचित और न्यायसंगत

इच्छाओं के पूरा होने की पूरी उम्मीद है। वह भी डॉन फर्नांडो के धोखे के प्रति उतनी ही अविचलित थी जितनी मैं थी, उसने मुझे शीघ्र लौटने के लिए कहा, क्योंकि उसे विश्वास था कि हमारी इच्छाओं की पूर्ति में केवल तभी तक देरी होगी जब तक मेरे पिता मुझे टालते रहेंगे। मैं उससे बात कर रहा था। मुझे नहीं पता क्यों, ऐसा हुआ कि यह कहते ही उसकी आँखों में आँसू भर आए, और उसके गले में एक गाँठ सी आ गई जिससे वह एक शब्द भी नहीं बोल पाई, जबकि मुझे लग रहा था कि वह मुझसे बहुत कुछ कहना चाहती थी। मैं उसके इस असामान्य व्यवहार पर चकित था, जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। क्योंकि जब भी सौभाग्य और मेरी चतुराई से हमें मौका मिलता, हम हमेशा बड़ी खुशी और उत्साह से बातें करते थे, आँसू, आहें, ईर्ष्या, संदेह या भय को अपने शब्दों में मिलाते थे; मेरी ओर से यह सब मेरे सौभाग्य की प्रशंसा थी कि स्वर्ग ने उसे मेरी प्रेमिका के रूप में मुझे दिया था; मैं उसकी सुंदरता का गुणगान करता था, मैं उसके गुणों और उसकी समझ की प्रशंसा करता था; और वह बदले में मुझमें उन चीजों की प्रशंसा करती थी जिन्हें वह मेरे प्रति अपने प्रेम में प्रशंसा के योग्य समझती थी; और इसके अलावा हमारे पड़ोसियों और परिचितों की लाखों छोटी-छोटी बातें और किस्से थे जिन पर हमें चर्चा करनी थी, और मेरी हिम्मत की हद तो यह थी कि मैंने लगभग जबरदस्ती उसका एक गोरा हाथ पकड़ लिया और उसे थाम लिया। मेरे होठों तक, और साथ ही हमारे बीच मौजूद धीमी, खड़खड़ाती खिड़की की निकटता ने मुझे ऐसा करने की अनुमति दी। लेकिन मेरे जाने के उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन से पहले वाली रात, वह रोई, विलाप किया, आहें भरी और चली गई, मुझे उलझन और आश्चर्य से भर कर, लुसिंडा में दुख और शोक के ऐसे अजीब और मार्मिक संकेतों को देखकर मैं अभिभूत हो गया; लेकिन अपनी आशाओं को टूटने न देते हुए, मैंने इसे उसके मेरे प्रति गहरे प्रेम और कोमल प्रेम करने वालों को होने वाले वियोग के दर्द से जोड़ दिया। अंततः मैं उदास और निराश होकर चला गया, मेरा हृदय कल्पनाओं और शंकाओं से भरा था, लेकिन मुझे ठीक से पता नहीं था कि मैं किस बात पर संदेह कर रहा था या कल्पना कर रहा था; स्पष्ट संकेत उस दुखद घटना और दुर्भाग्य की ओर इशारा कर रहे थे जो मेरा इंतजार कर रहा था।
"मैं उस स्थान पर पहुंचा जहां मुझे भेजा गया था, मैंने डॉन फर्नांडो के भाई को पत्र दिया, और मेरा सहृदय स्वागत किया गया लेकिन मुझे तुरंत विदा नहीं किया गया, क्योंकि उसने मुझे मेरी इच्छा के विरुद्ध, आठ दिनों तक किसी ऐसी

जगह पर इंतजार करने के लिए कहा जहां उसके पिता ड्यूक के मुझे देखने की संभावना न हो, क्योंकि उसके भाई ने लिखा था कि पैसा उसकी जानकारी के बिना भेजा जाना था; यह सब कपटी डॉन फर्नांडो की एक साजिश थी, क्योंकि उसके भाई के पास मुझे तुरंत भेजने के लिए पैसे की कोई कमी नहीं थी।"
"यह आदेश मुझे अवज्ञा करने के प्रलोभन में डाल रहा था, क्योंकि मुझे लुसिंडा से इतने दिनों तक अलग रहना असंभव लग रहा था, खासकर उसे उस दुख भरी स्थिति में छोड़ने के बाद जिसका मैंने आपको वर्णन किया है; फिर भी एक आज्ञाकारी सेवक के रूप में मैंने आज्ञा का पालन किया, हालाँकि मुझे लगा कि यह मेरे स्वास्थ्य की कीमत पर होगा। लेकिन चार दिन बाद एक आदमी मुझसे मिलने आया और उसने मुझे एक पत्र दिया, जिसे मैंने पते से लुसिंडा का समझा, क्योंकि लिखावट उसी की थी। मैंने डर और घबराहट के साथ उसे खोला, मुझे यकीन था कि इसमें कुछ गंभीर बात होगी जिसने उसे दूर रहते हुए मुझे पत्र लिखने के लिए प्रेरित किया होगा, क्योंकि वह मेरे पास होने पर शायद ही कभी ऐसा करती थी। इसे पढ़ने से पहले मैंने उस आदमी से पूछा कि उसे यह पत्र किसने दिया था और वह कब से रास्ते में था; उसने मुझे बताया कि जब वह दोपहर के समय शहर की एक गली से गुजर रहा था, तो एक बहुत ही सुंदर महिला ने खिड़की से उसे पुकारा और आँखों में आँसू लिए जल्दी से उससे कहा, 'भाई, यदि आप, जैसा कि आप प्रतीत होते हैं, एक ईसाई हैं, तो ईश्वर के प्रेम के लिए मैं आपसे विनती करता हूँ कि इस पत्र को बिना किसी विलंब के पते में उल्लिखित स्थान और व्यक्ति को भेज दें, जो कि सर्वविदित है, और ऐसा करके आप हमारे प्रभु की महान सेवा करेंगे; और ऐसा करने में आपको कोई असुविधा न हो, इसलिए इस रूमाल में जो कुछ भी है, उसे ले लें;' और उसने कहा, 'इसके साथ ही उसने खिड़की से मुझे एक रूमाल फेंक दिया जिसमें सौ रील्स और यह सोने की अंगूठी बंधी हुई थी, जिसे मैं आपके दिए पत्र के साथ यहाँ लाया हूँ। और फिर बिना किसी उत्तर की प्रतीक्षा किए वह खिड़की से चली गई, हालाँकि जाने से पहले उसने मुझे पत्र और रूमाल लेते हुए देख लिया था, और मैंने इशारों से उसे बता दिया था कि मैं उसकी बात मानूँगा; और इसलिए, आपके पास पत्र लाने में मुझे जो परेशानी हुई, उसके बदले में मुझे इतना अच्छा प्रतिफल मिला, और पते से यह जानकर कि यह आपके लिए भेजा गया था (क्योंकि, महोदय, मैं आपको अच्छी तरह जानता हूँ), और उस सुंदर महिला के आँसुओं को रोकने में असमर्थ होकर, मैंने किसी और पर भरोसा न करने का निश्चय किया, बल्कि स्वयं आकर आपको पत्र देने का, और पत्र मिलने के सोलह

घंटे के भीतर मैंने यह यात्रा पूरी कर ली है, जो कि, जैसा कि आप जानते हैं, अठारह लीग है।'
"जब तक वह नेक दिल संदेशवाहक मुझे ये सब बता रहा था, मैं उसकी बातों पर टकटकी लगाए बैठा रहा, मेरे पैर इतने कांप रहे थे कि मैं मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। फिर भी, मैंने पत्र खोला और ये शब्द पढ़े:
"डॉन फर्नांडो ने आपसे वादा किया था कि आप अपने पिता को मेरे पिता से बात करने के लिए मनाएंगे, लेकिन उन्होंने यह वादा आपके हित से कहीं अधिक अपनी संतुष्टि के लिए पूरा किया है। मुझे आपको बताना है, महोदय, कि उन्होंने मुझसे शादी का प्रस्ताव रखा है, और मेरे पिता, डॉन फर्नांडो की आप पर श्रेष्ठता को देखते हुए, उनके प्रस्ताव का इतनी गर्मजोशी से समर्थन कर रहे हैं कि दो दिन बाद सगाई इतनी गुप्त और निजी तौर पर होने वाली है कि केवल ऊपर स्वर्ग और घर के कुछ ही लोग गवाह होंगे। मेरी स्थिति की कल्पना कीजिए; सोचिए कि क्या आपका आना जरूरी है; इस मामले का परिणाम आपको दिखाएगा कि मैं आपसे प्यार करती हूं या नहीं। ईश्वर करे कि यह आपके हाथों में आ जाए, इससे पहले कि मुझे मजबूर होकर उसके साथ शादी करनी पड़े, जिसने अपने वादे का इतना उल्लंघन किया है।"
संक्षेप में, पत्र के यही शब्द थे, जिन्होंने मुझे जवाब या पैसे का इंतज़ार किए बिना तुरंत निकल पड़ने पर मजबूर कर दिया; क्योंकि अब मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ गया था कि डॉन फर्नांडो ने मुझे अपने भाई के पास घोड़ों की खरीद के लिए नहीं, बल्कि अपनी निजी इच्छा के लिए भेजा था। डॉन फर्नांडो के प्रति मेरे मन में जो आक्रोश था, और वर्षों के प्रेम और समर्पण से जीती हुई उस अनमोल चीज़ को खोने के डर ने मुझे पंख दे दिए; और लगभग उड़ते हुए मैं उसी दिन घर पहुँच गई, ठीक उसी समय जब लुसिंडा से बात करने का समय था। मैं किसी की नज़र में आए बिना पहुँची, और जिस खच्चर पर मैं आई थी उसे उस भले आदमी के घर पर छोड़ दिया जिसने मुझे पत्र दिया था, और सौभाग्य ने एक बार मुझ पर इतनी कृपा की कि मुझे लुसिंडा उस अंगीठी पर मिली जो हमारे प्रेम की गवाह थी। उसने मुझे तुरंत पहचान लिया, और मैंने उसे, लेकिन उस तरह नहीं जैसे उसे मुझे या मुझे उसे पहचानना चाहिए था। लेकिन दुनिया में कौन है जो किसी स्त्री के चंचल मन और अस्थिर स्वभाव को समझ सकता है? सच तो यह है कि कोई नहीं। आगे बढ़ते हुए, जैसे ही लुसिंडा ने मुझे देखा, उसने कहा, 'कार्डेनियो, मैं अपने विवाह वस्त्र में हूँ, और धूर्त डॉन फर्नांडो और मेरे लालची पिता

अन्य गवाहों के साथ हॉल में मेरा इंतज़ार कर रहे हैं, जो मेरी सगाई से पहले ही मेरी मृत्यु के साक्षी बनेंगे। मेरे मित्र, परेशान मत हो, बल्कि इस बलिदान में उपस्थित होने का प्रबंध करो, और यदि मेरे शब्दों से यह संभव नहीं हुआ, तो मेरे पास एक छिपा हुआ खंजर है जो और अधिक जानबूझकर की गई हिंसा को रोकेगा, मेरे जीवन का अंत करेगा और तुम्हें मेरे प्रेम का पहला प्रमाण देगा।' मैंने घबराकर और जल्दबाजी में, इस डर से कि कहीं मुझे जवाब देने का समय न मिले, उसे उत्तर दिया, 'हे देवी, आपके शब्द आपके कर्मों से सिद्ध हों; और यदि आपके पास अपने सम्मान की रक्षा के लिए खंजर है, तो मेरे पास आपकी रक्षा के लिए तलवार है या यदि भाग्य हमारे विरुद्ध हुआ तो मैं स्वयं को मार डालूँगा।'
मुझे लगता है कि उसने ये सारी बातें नहीं सुनी होंगी, क्योंकि मैंने महसूस किया कि उसे जल्दी से बुलाया गया था, क्योंकि दूल्हा इंतज़ार कर रहा था। अब मेरे दुख की रात शुरू हो गई, मेरी खुशी का सूरज डूब गया, मुझे लगा जैसे मेरी आँखें रोशनी से वंचित हो गई हों, मेरा दिमाग सुन्न हो गया हो। मैं घर में प्रवेश नहीं कर सका, न ही मैं हिल-डुल सका; लेकिन यह सोचते हुए कि उस अवसर पर जो कुछ भी होने वाला था, उसमें मेरी उपस्थिति कितनी महत्वपूर्ण थी, मैंने जितना हो सके हिम्मत जुटाई और अंदर चला गया, क्योंकि मैं सभी प्रवेश द्वारों और निकास द्वारों को अच्छी तरह जानता था; और इसके अलावा, घर में जो गुप्त रूप से अफरा-तफरी मची हुई थी, उसमें किसी ने मेरी ओर ध्यान नहीं दिया, इसलिए, बिना देखे, मुझे हॉल की एक खिड़की से बने एक कोने में छिपने का मौका मिल गया, जो दो पर्दों के किनारों और कोनों से छिपा हुआ था, जिनके बीच से मैं बिना देखे कमरे में होने वाली हर चीज देख सकता था। कौन उस बेचैनी का वर्णन कर सकता है जो मेरे दिल में तब हुई जब मैं वहाँ खड़ा था—जो विचार मेरे मन में आए—जो विचार मेरे दिमाग में घूम रहे थे? वे ऐसे थे जो असंभव थे, और यह उचित भी नहीं था कि वे जैसा बताया जाना चाहिए, बताया गया। इतना कहना ही काफी है कि दूल्हा अपने सामान्य वस्त्रों में, बिना किसी आभूषण के, हॉल में दाखिल हुआ; उसके साथ लुसिंडा का एक चचेरा भाई दूल्हे के साथी के रूप में था और घर के नौकरों के अलावा कमरे में कोई और नहीं था। कुछ देर बाद लुसिंडा अपनी माँ और दो दासियों के साथ एक प्रतीक्षालय से बाहर आई, जो उसके पद और सुंदरता के अनुरूप सजी-धजी और उत्सव और समारोह के पूरे परिधान में थीं। मेरी चिंता और विचलितता ने मुझे उसके पहनावे को विशेष रूप से देखने

या ध्यान देने की अनुमति नहीं दी; मैं केवल गहरे लाल और सफेद रंगों को, और उसके सिर के आभूषण और कपड़ों पर जड़े रत्नों और आभूषणों की चमक को ही देख सका, जो उसके सुंदर भूरे बालों की दुर्लभ सुंदरता से कहीं अधिक थी, जो हॉल में रखी चार मशालों के कीमती पत्थरों और प्रकाश से प्रतिस्पर्धा करते हुए सभी से कहीं अधिक चमक रहे थे। हे स्मृति, मेरी शांति की कट्टर शत्रु! अब मेरे सामने मेरे उस पूजनीय शत्रु की अतुलनीय सुंदरता को क्यों ला रही हो? क्या यह बेहतर नहीं है, हे क्रूर स्मृति, कि मुझे याद दिलाओ और उस समय उसने जो किया था उसे याद दिलाओ, ताकि इतने स्पष्ट अन्याय से प्रेरित होकर मैं, यदि अभी बदला नहीं तो कम से कम इस जीवन से मुक्ति पा सकूँ? महोदय, इन बातों को सुनने से मत थकिए; मेरा दुख उन दुखों में से नहीं है जिन्हें संक्षेप में या संक्षिप्त रूप से बताया जा सके, क्योंकि मेरे लिए प्रत्येक घटना कई शब्दों की मांग करती प्रतीत होती है।
इस पर पादरी ने जवाब दिया कि वे न केवल उन्हें सुनने से नहीं ऊबे थे, बल्कि उनके द्वारा बताए गए विवरणों में उनकी बहुत रुचि थी, क्योंकि वे ऐसे विवरण थे जिन्हें किसी भी तरह से छोड़ा नहीं जा सकता था और मुख्य कहानी के समान ही ध्यान देने योग्य थे।
"तो आगे बढ़ते हैं," कार्डेनियो ने आगे कहा: "जब सभी हॉल में एकत्रित हो गए, तो पल्ली के पुजारी अंदर आए और जैसे ही उन्होंने आवश्यक समारोह संपन्न करने के लिए जोड़े का हाथ पकड़ा, उन्होंने कहा, 'क्या आप, सेनोरा लुसिंडा, यहां उपस्थित सेनोर डॉन फर्नांडो को, पवित्र मदर चर्च के आदेशानुसार, अपना वैध पति स्वीकार करेंगी?'" मैंने पर्दों के बीच से अपना सिर और गर्दन बाहर निकाली, और उत्सुक कानों और धड़कते दिल से लुसिंडा के जवाब को सुनने के लिए तैयार हो गया, उसके जवाब में मृत्युदंड या जीवनदान की प्रतीक्षा कर रहा था। काश, उस क्षण मुझमें इतनी हिम्मत होती कि मैं आगे बढ़कर ज़ोर से चिल्ला सकूँ, 'लुसिंडा, लुसिंडा! जो कर रही हो, सावधान रहो; याद रखो कि तुम मेरी ऋणी हो; सोचो कि तुम मेरी हो और किसी और की नहीं हो सकती; यह समझ लो कि तुम्हारा 'हाँ' कहना और मेरे जीवन का अंत एक ही क्षण में हो जाएगा। हे विश्वासघाती डॉन फर्नांडो! मेरी शान के लुटेरे, मेरे जीवन के मृत्युदाता! तुम क्या चाहते हो? याद रखो कि एक ईसाई होने के नाते तुम अपनी इच्छाएँ पूरी नहीं कर सकते, क्योंकि लुसिंडा मेरी दुल्हन है और मैं उसका पति हूँ!' मैं कितना मूर्ख था! अब जब मैं बहुत दूर हूँ और खतरे से बाहर हूँ, तो मैं कहता हूँ कि

मुझे वही करना चाहिए था जो मैंने नहीं किया: अब जब मैंने अपने अनमोल खजाने को लूटे जाने दिया, तो मैं उस लुटेरे को कोसता हूँ, जिससे मैं बदला ले सकता था अगर मुझमें उतना ही साहस होता जितना कि अपने भाग्य पर विलाप करने में; संक्षेप में, क्योंकि मैं तब कायर और मूर्ख था, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मैं अब शर्म से व्याकुल, पश्चाताप से भरा और पागल होकर मर रहा हूँ।
पुजारी लुसिंडा के उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिसने लंबे समय तक उत्तर नहीं दिया; और जब मुझे लगा कि वह अपनी इज्जत बचाने के लिए खंजर निकाल रही है, या मेरी ओर से सच्चाई का ऐलान करने के लिए शब्दों की तलाश कर रही है, तभी मैंने उसे धीमी और कमजोर आवाज में कहते सुना, 'मैं करूंगी।' डॉन फर्नांडो ने भी यही कहा, और उसे अंगूठी पहनाकर वे एक ऐसे बंधन में बंध गए जिसे कभी तोड़ा नहीं जा सकता था। फिर दूल्हा अपनी दुल्हन को गले लगाने के लिए आगे बढ़ा; और वह अपने दिल पर हाथ रखकर अपनी माँ की बाहों में बेहोश होकर गिर पड़ी। अब बस मुझे आपको उस स्थिति के बारे में बताना बाकी है जब मैंने उस सहमति को सुनकर अपनी सारी उम्मीदों को टूटते हुए देखा, लुसिंडा के शब्द और वादे झूठे साबित हुए, और जिस इनाम को मैंने उसी क्षण खो दिया था, उसे वापस पाना हमेशा के लिए असंभव हो गया। मैं स्तब्ध खड़ा था, मानो स्वर्ग ने मुझे पूरी तरह से त्याग दिया हो, मुझे उस धरती का शत्रु घोषित कर दिया हो जिसने मुझे जन्म दिया, हवा ने मेरी आहों के लिए साँस देने से इनकार कर दिया, पानी ने मेरे आँसुओं के लिए नमी देने से इनकार कर दिया; केवल आग ही थी जिसने इतनी ताकत जुटाई कि मेरा पूरा शरीर उनका चेहरा क्रोध और ईर्ष्या से लाल हो रहा था। लुसिंडा के बेहोश होने से सभी लोग घबरा गए थे, और जब उसकी माँ उसे हवा देने के लिए उसके कपड़े खोल रही थी, तभी उसकी छाती में एक सीलबंद कागज़ मिला जिसे डॉन फर्नांडो ने तुरंत उठा लिया और मशालों की रोशनी में पढ़ने लगा। पढ़ते ही वह एक कुर्सी पर बैठ गया, अपना गाल हाथ पर टिकाकर गहरी सोच में डूबा हुआ, अपनी दुल्हन को बेहोशी से होश में लाने के प्रयासों में ज़रा भी हिस्सा नहीं लिया।
घर में सभी को अफरा-तफरी में देखकर, मैंने बाहर आने का साहस किया, चाहे मुझे कोई देखे या न देखे। मैंने ठान लिया था कि अगर मुझे कोई देख भी ले, तो मैं कुछ ऐसा करतूत करूँगा जिससे दुनिया को पता चल जाए कि मेरे दिल में कितना गहरा गुस्सा भरा है, और मैं धोखेबाज डॉन फर्नांडो और उस चंचल, कायर

औरत को भी सज़ा दूँगा। लेकिन मेरी किस्मत ने, निस्संदेह मुझे इससे भी बड़े दुखों के लिए बचा कर रखा था, अगर ऐसे दुख होते हैं, तो ऐसा ही तय किया कि उस समय मेरे पास वह बुद्धि काफी थी जो बाद में मुझमें नहीं रही; और इसलिए, अपने सबसे बड़े दुश्मनों से बदला लेने की कोशिश किए बिना (जो आसानी से लिया जा सकता था, क्योंकि मेरे बारे में तो उनके दिमाग में दूर-दूर तक कोई ख्याल ही नहीं था), मैंने खुद पर बदला लेने का फैसला किया, और खुद को वह दर्द देने का फैसला किया जिसके वे हकदार थे, शायद उससे भी ज्यादा सख्ती से जो मैं उन्हें मार डालता; क्योंकि अचानक होने वाला दर्द जल्दी खत्म हो जाता है, लेकिन यातनाओं से लंबा खिंचने वाला दर्द बिना जीवन समाप्त किए हमेशा मारता रहता है। संक्षेप में, मैंने घर छोड़ दिया और पहुँच गया। उस आदमी का, जिसके पास मैंने अपना खच्चर छोड़ा था; मैंने उससे खच्चर पर काठी कसवाई, बिना उसे अलविदा कहे उस पर सवार हो गई और शहर से निकल गई, बिल्कुल लोट की तरह, पीछे मुड़कर देखने की हिम्मत भी नहीं की; और जब मैंने खुद को खुले मैदान में अकेला पाया, रात के अंधेरे में घिरी हुई, और सन्नाटे ने मुझे बिना किसी डर या आशंका के अपने दुख को व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया, तब मैंने चुप्पी तोड़ी और लुसिंडा और डॉन फर्नांडो पर शाप बरसाए, मानो मैं इस तरह उनके द्वारा किए गए अन्याय का बदला ले सकूँ। मैंने उसे क्रूर, कृतघ्न, झूठी, एहसानफरामोश, लेकिन सबसे बढ़कर लालची कहा, क्योंकि मेरे दुश्मन के धन ने उसके स्नेह की आँखों को अंधा कर दिया था, और उसे मुझसे दूर करके उस व्यक्ति को दे दिया था जिस पर भाग्य अधिक उदार और दयालु था। और फिर भी, इस शाप और निंदा के बीच, मैंने उसके लिए बहाने ढूंढे, यह कहते हुए कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अपने माता-पिता के घर के एकांत में पली-बढ़ी एक युवती, उन्हें हमेशा आज्ञा मानने के लिए प्रशिक्षित और शिक्षित होने के कारण, जब उन्होंने उसे एक ऐसे प्रतिष्ठित, धनी और कुलीन व्यक्ति से विवाह का प्रस्ताव दिया, तो उसे उनकी इच्छाओं के आगे झुक जाना चाहिए था। अगर वह उसे अस्वीकार कर देती, तो उसे पागल समझा जाता, या यह माना जाता कि उसका स्नेह कहीं और है, जो उसके नाम और प्रतिष्ठा के लिए हानिकारक संदेह होता। लेकिन फिर मैंने कहा, अगर उसने मुझे अपना पति घोषित कर दिया होता, तो वे समझ जाते कि मुझे चुनकर उसने कोई बड़ी गलती नहीं की है, और वे उसे क्षमा कर सकते थे, क्योंकि डॉन फर्नांडो के प्रस्ताव से पहले, अगर उनकी इच्छाएँ तर्क से संचालित होतीं, तो वे अपनी बेटी के लिए मुझसे अधिक योग्य

बकरी चराने वाले, दया से भरकर, मुझे भोजन देते हैं, उसे रास्ते के किनारे या चट्टानों पर छोड़ देते हैं, जहाँ उन्हें लगता है कि शायद मैं वहाँ से गुजरूँ और उसे पा लूँ; और इसलिए, भले ही मैं उस समय होश में न होऊँ, प्रकृति की आवश्यकताएँ मुझे सिखाती हैं कि मुझे जीवित रहने के लिए क्या आवश्यक है, और मुझे इसकी तीव्र इच्छा होती है और इसे पाने की तीव्र लालसा होती है। कभी-कभी, जैसा कि वे मुझे तब बताते हैं जब मैं होश में होता हूँ, मैं सड़क पर निकल पड़ता हूँ, और यद्यपि वे मुझे खुशी-खुशी भोजन दे देते हैं, मैं गाँव से अपनी झोपड़ियों में भोजन ला रहे चरवाहों से जबरदस्ती भोजन छीन लेता हूँ। इस प्रकार मेरा शेष दुखमय जीवन व्यतीत होता है, जब तक कि ईश्वर की इच्छा इसे समाप्त न कर दे, या मेरी स्मृति को इस प्रकार व्यवस्थित न कर दे कि मैं लुसिंडा की सुंदरता और विश्वासघात, या डॉन फर्नांडो द्वारा मेरे साथ किए गए अन्याय को याद न करूँ; क्योंकि यदि ईश्वर मुझे जीवन से वंचित किए बिना ऐसा कर सकता है, तो मैं अपने विचारों को किसी बेहतर दिशा में मोड़ लूँगा; यदि नहीं, तो मैं केवल ईश्वर से मेरी आत्मा पर पूर्ण दया करने की प्रार्थना कर सकता हूँ, क्योंकि मुझमें अपने शरीर को उस संकट से मुक्त करने की कोई शक्ति या सामर्थ्य नहीं है जिसमें मैंने स्वेच्छा से इसे डाला है।
"महोदय, यही मेरी दुर्भाग्य की दुखद कहानी है: कहिए, क्या इसे मुझसे कम भावुकता के साथ बताया जा सकता है? और कृपया मुझे वह समझाने या दबाव डालने की कोशिश न करें जो तर्क के अनुसार मेरे लिए राहत का साधन हो सकता है, क्योंकि इसका मुझ पर उतना ही प्रभाव पड़ेगा जितना किसी बुद्धिमान चिकित्सक द्वारा दी गई दवा का उस बीमार व्यक्ति पर जो उसे लेना नहीं चाहता। मुझे लुसिंडा के बिना स्वस्थ रहने की कोई इच्छा नहीं है; और चूंकि उसे किसी और के साथ रहना पसंद है, तो जब वह मेरी है या होनी चाहिए, तो मुझे दुख का शिकार होना पड़े जबकि मैं सुख का आनंद ले सकता था। उसने अपनी चंचलता से मेरा विनाश असंभव बनाने का प्रयास किया; मैं विनाश की तलाश करके उसकी इच्छाओं को पूरा करने का प्रयास करूंगा; और यह आने वाली पीढ़ियों को दिखाएगा कि केवल मुझे ही उस चीज से वंचित किया गया है जो दुर्भाग्य में फंसे अन्य सभी लोगों के पास प्रचुर मात्रा में है, क्योंकि उनके लिए सांत्वना न मिल पाना ही अपने आप में एक सांत्वना है, जबकि मेरे लिए यह और

भी अधिक दुखों और पीड़ाओं का कारण है, क्योंकि मुझे लगता है कि मृत्यु में भी इनका अंत नहीं होगा।"
यहां कार्डेनियो ने अपने लंबे भाषण और कहानी का समापन किया, जो प्रेम के साथ-साथ दुर्भाग्य से भी भरी हुई थी; लेकिन जैसे ही पादरी उन्हें सांत्वना के कुछ शब्द कहने ही वाले थे, तभी उनके कानों में एक आवाज आई, जिसने उदास स्वर में वह बात कही जो इस वृत्तांत के चौथे भाग में बताई जाएगी; क्योंकि इसी बिंदु पर बुद्धिमान और दूरदर्शी इतिहासकार, सिदे हामेट बेनेनगेली ने तीसरे भाग का समापन किया।

28

अध्याय
यह पुस्तक एक ही पहाड़ी इलाके में पादरी और नाई के साथ घटी विचित्र और रोमांचक घटना का वर्णन करती है।
वह समय कितना सुखद और सौभाग्यशाली था जब ला मांचा के उस सबसे साहसी योद्धा डॉन क्विक्सोट को संसार में भेजा गया; क्योंकि उन्होंने शूरवीरता की लंबे समय से लुप्त और लगभग विलुप्त हो चुकी परंपरा को पुनर्जीवित और पुनर्स्थापित करने जैसा इतना सम्माननीय संकल्प लिया था, जिसके कारण आज के इस युग में, जहाँ हल्के मनोरंजन की कमी है, हम न केवल उनके सत्यपूर्ण इतिहास के आकर्षण का आनंद लेते हैं, बल्कि उसमें निहित कहानियों और प्रसंगों का भी आनंद लेते हैं, जो कुछ हद तक इतिहास से कम मनमोहक, चतुर और सत्य नहीं हैं; और इतिहास, अपने मूल सूत्र को दोहराते हुए, बताता है कि जैसे ही पादरी कार्डेनियो को सांत्वना देने जा रहा था, तभी उसके कानों में एक आवाज पड़ी जो विलापपूर्ण स्वर में कह रही थी:
हे भगवान! क्या ऐसा संभव है कि मुझे कोई ऐसी जगह मिल गई है जो मेरे इस थके- हारे शरीर के लिए एक गुप्त कब्र का काम कर सके, जिसे मैं इतनी अनिच्छा से ढो रहा हूँ? अगर इन पहाड़ों का एकांत मुझे धोखा नहीं दे रहा है, तो ऐसा ही है; आह! हाय! मेरे लिए ये चट्टानें और झाड़ियाँ कितनी सुखद होंगी जो मुझे स्वर्ग से अपनी बदकिस्मती की शिकायत करने की अनुमति देती हैं, किसी भी इंसान की संगति से कहीं अधिक, क्योंकि धरती पर कोई ऐसा नहीं है जिससे संदेह में सलाह, दुख में सांत्वना या संकट में राहत मिल सके!
यह सब पादरी और उनके साथियों ने स्पष्ट रूप से सुना, और चूंकि उन्हें लगा कि यह पास ही से कहा जा रहा है, जैसा कि वास्तव में था, वे बोलने वाले को खोजने के लिए उठे, और बीस कदम चलने से पहले ही उन्होंने एक चट्टान के पीछे, एक राख के पेड़ के नीचे, एक किसान के वेश में एक युवक को बैठे हुए देखा, जिसका चेहरा वे उस समय नहीं देख पाए क्योंकि वह आगे की ओर झुका हुआ था और बहते हुए नाले में अपने पैर धो रहा था। वे इतनी खामोशी से उसके पास पहुँचे कि उसने उन्हें देखा तक नहीं, क्योंकि वह अपने पैरों को धोने में पूरी तरह मग्न था, जो इतने सुंदर थे कि वे नाले के अन्य पत्थरों के बीच से निकले दो चमकते क्रिस्टल के टुकड़ों की तरह लग रहे थे। इन पैरों की सफेदी और

सुंदरता ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया, क्योंकि ऐसा नहीं लग रहा था कि वे मिट्टी के ढेलों को कुचलने या हल और बैलों के पीछे चलने के लिए बने थे, जैसा कि उनके मालिक के कपड़ों से प्रतीत होता था; और इसलिए, यह देखकर कि उन्हें किसी ने नहीं देखा है, पादरी, जो आगे था, ने अन्य दो को वहाँ पड़े कुछ चट्टान के टुकड़ों के पीछे छिपने का इशारा किया; उन्होंने ऐसा ही किया और युवक की गतिविधियों पर बारीकी से नज़र रखी। उसने गहरे भूरे रंग की ढीली, दोहरी स्कर्ट वाली जैकेट पहनी हुई थी, जिसे सफेद कपड़े से शरीर से कसकर बांधा गया था; इसके अलावा उसने भूरे रंग की पैंट और गैटर पहनी हुई थी, और सिर पर भूरे रंग की मोंटेरा टोपी थी; और उसने गैटर को टांग के मध्य तक मोड़ा हुआ था, जो वास्तव में शुद्ध अलबास्टर की प्रतीत होती थी।
अपने सुंदर पैरों को धोते ही उसने उन्हें मॉन्टेरा के नीचे से निकाले गए तौलिए से पोंछा, और तौलिए को उतारते ही उसने अपना चेहरा ऊपर उठाया, और जो लोग उसे देख रहे थे उन्हें एक ऐसी अद्भुत सुंदरता देखने का अवसर मिला कि कार्डिनियो ने पादरी से फुसफुसाते हुए कहा:
"चूंकि यह लुसिंडा नहीं है, इसलिए यह कोई मानवीय प्राणी नहीं बल्कि एक दिव्य प्राणी है।"
फिर उस युवक ने अपनी टोपी उतार दी और सिर हिलाते हुए अपने बालों का एक ऐसा गुच्छा फैलाया जिसे देखकर सूरज की किरणें भी ईर्ष्या करतीं। इससे उन्हें पता चला कि जो एक किसान जैसी लग रही थी, वह एक सुंदर स्त्री थी, बल्कि उन दोनों की आँखों ने अब तक जितनी भी सुंदरता देखी थी, उनमें सबसे सुंदर थी, यहाँ तक कि कार्डेनियो की भी, अगर उन्होंने लुसिंडा को न देखा होता, क्योंकि कार्डेनियो ने बाद में कहा था कि केवल लुसिंडा की सुंदरता ही इसकी तुलना में थी। उसके लंबे भूरे बाल न केवल उसके कंधों को ढके हुए थे, बल्कि इतने लंबे और घने थे कि उन्होंने उसे चारों ओर से अपने नीचे छिपा लिया था, जिससे पैरों को छोड़कर उसके शरीर का कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। अब वह अपने हाथों को कंघी की तरह इस्तेमाल कर रही थी, और अगर उसके पैर पानी में क्रिस्टल के टुकड़ों की तरह लग रहे थे, तो उसके हाथ उसके बालों के बीच जमे हुए बर्फ के टुकड़ों की तरह दिख रहे थे; इन सबने न केवल तीनों देखने वालों की प्रशंसा को बढ़ाया, बल्कि यह जानने की उत्सुकता को भी बढ़ा दिया कि वह कौन थी। इसी उद्देश्य से उन्होंने स्वयं को प्रकट करने का निश्चय किया, और उनके खड़े होने से हुई हलचल को देखकर सुंदर युवती ने अपना सिर उठाया, और

दोनों हाथों से अपने बालों को आँखों के सामने से हटाते हुए, यह देखने के लिए देखा कि शोर किसने किया था, और जैसे ही उसने उन्हें देखा, वह तुरंत खड़ी हो गई, और अपने जूते पहनने या अपने बालों को समेटने का इंतजार किए बिना, उसने जल्दी से अपने पास रखे कपड़ों के एक बंडल को उठाया, और डर और घबराहट में भागने का प्रयास किया; लेकिन छह कदम चलने से पहले ही वह जमीन पर गिर पड़ी, उसके कोमल पैर पत्थरों की खुरदराहट सहन नहीं कर सके; यह देखकर, तीनों उसकी ओर दौड़े, और पादरी ने सबसे पहले उससे कहा:
"हे महोदया, आप जो भी हों, यहीं ठहरिए, क्योंकि यहाँ जो भी लोग आपको देख रही हैं, वे केवल आपकी सेवा करना चाहते हैं; आपको इस तरह लापरवाही से भागने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि न तो आपके पैर इसे सहन कर सकते हैं और न ही हम इसकी अनुमति देते हैं।"
आश्चर्यचकित और स्तब्ध होकर उसने इन शब्दों का कोई उत्तर नहीं दिया। हालाँकि, वे शब्द उसकी ओर आते रहे, और पादरी ने उसका हाथ पकड़कर आगे कहा: "हे महोदया, आपके वस्त्रों ने जो छिपा रखा है, वह आपके बालों से स्पष्ट हो जाता है; यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि आपकी सुंदरता को ऐसे अनुपयुक्त वस्त्रों में छिपाने और आपको ऐसी एकांत जगहों पर भेजने का कारण कोई मामूली बात नहीं हो सकती, जहाँ हमें आपको पाकर सौभाग्य प्राप्त हुआ है, ताकि हम आपकी पीड़ा को कम न कर सकें, तो कम से कम आपको सांत्वना दे सकें; क्योंकि जीवन भर कोई भी पीड़ा इतनी कष्टदायक या इतनी चरम सीमा तक नहीं पहुँच सकती कि पीड़ित व्यक्ति सद्भावना से दी गई सांत्वना को सुनने से इनकार कर दे। इसलिए, महोदया, या महोदय, या आप जो भी कहलाना चाहें, हमारे आने से उत्पन्न भय को दूर करें और हमें अपने अच्छे या बुरे भाग्य से अवगत कराएँ, क्योंकि हम सभी मिलकर, या हममें से प्रत्येक, आपको आपकी परेशानी में सहानुभूति प्रदान करेंगे।"
जब पादरी बोल रहे थे, तब वेश बदले हुए युवती मानो मंत्रमुग्ध होकर खड़ी थी, बिना होंठ खोले या एक शब्द बोले उन्हें देखती रही, ठीक वैसे ही जैसे किसी गाँव के देहाती को अचानक कोई ऐसी अजीब चीज़ दिखाई गई हो जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा हो; लेकिन जब पादरी ने उसी आशय के कुछ और शब्द उससे कहे, तो उसने गहरी आह भरते हुए चुप्पी तोड़ी और बोली:
"चूंकि इन पहाड़ों का एकांत मुझे छुपा नहीं पाया है, और मेरे बिखरे बालों के कारण मेरी ज़बान झूठ नहीं बोल पा रही है, इसलिए अब और कोई बहाना बनाना

व्यर्थ होगा, क्योंकि अगर आप मुझ पर विश्वास करते भी हैं, तो शिष्टाचारवश ही करेंगे, किसी और कारण से नहीं। इसलिए, मैं आप दोनों को धन्यवाद देती हूँ, महोदय, आपके इस प्रस्ताव के लिए, जिसने मुझे आपकी विनती मानने के लिए बाध्य किया है; हालांकि मुझे डर है कि मैं आपको अपनी विपत्तियों का जो विवरण दूंगी, उससे आपमें सहानुभूति के साथ-साथ चिंता भी जागेगी, क्योंकि आप न तो उनका कोई उपाय बता पाएंगे और न ही कोई सांत्वना दे पाएंगे। लेकिन, अब जब आपने जान लिया है कि मैं एक महिला हूँ, और आप देख रहे हैं कि मैं युवा हूँ, अकेली हूँ, और इस पोशाक में हूँ, तो मेरी प्रतिष्ठा पर कोई संदेह न रहे। ये दोनों बातें, चाहे अलग-अलग हों या साथ में, किसी भी अच्छे नाम को धूमिल करने के लिए काफी हैं। इसलिए, मैं वह बात बताने के लिए बाध्य महसूस करती हूँ जिसे मैं खुशी-खुशी गुप्त रखना चाहती थी।"
अब एक सुंदर स्त्री के रूप में दिखाई देने वाली उस महिला ने ये सब बातें बिना किसी झिझक के, इतनी सहजता और मधुर स्वर में कही कि वे उसकी बुद्धिमत्ता से कम मोहित नहीं हुए, न केवल उसकी सुंदरता से, बल्कि उससे भी अधिक। जब उन्होंने उससे अपना वादा पूरा करने के लिए फिर से अपने प्रस्ताव और विनती दोहराई, तो उसने बिना और दबाव डाले, पहले विनम्रतापूर्वक अपने पैरों को ढँककर और अपने बालों को समेटकर, अपने चारों ओर बैठे तीनों लोगों के साथ एक पत्थर पर बैठ गई, और अपनी आँखों में आए कुछ आँसुओं को रोकने के प्रयास के बाद, स्पष्ट और स्थिर स्वर में अपनी कहानी इस प्रकार शुरू की: "अंडालूसिया में एक ऐसा शहर है जहाँ से एक ड्यूक को उपाधि मिलती है जिससे वह स्पेन के महान लोगों में शुमार हो जाता है। इस रईस के दो बेटे हैं, बड़ा बेटा उसकी प्रतिष्ठा और अच्छे गुणों का वारिस है; छोटा बेटा न जाने किसका वारिस है, सिवाय वेलिडो के विश्वासघात और गैनेलोन के झूठ के। मेरे माता- पिता इस स्वामी के जागीरदार हैं, कुल मिलाकर निम्न वर्ग के हैं, लेकिन इतने धनी हैं कि अगर जन्म से ही उन्हें भाग्य जितना धन मिलता, तो उनकी कोई इच्छा नहीं रहती और मुझे भी ऐसी मुसीबत का डर नहीं होता जिसमें मैं आज फंसा हुआ हूँ; क्योंकि हो सकता है कि मेरा दुर्भाग्य उनके कुलीन परिवार में जन्म न लेने के कारण आया हो। यह सच है कि वे इतने निम्न वर्ग के नहीं हैं कि उन्हें अपनी स्थिति पर शर्म आए, लेकिन वे इतने ऊँचे वर्ग के भी नहीं हैं कि मेरे मन से यह धारणा दूर हो जाए कि मेरी विपत्ति उनके साधारण जन्म के कारण है। संक्षेप में, वे किसान हैं, सीधे-सादे लोग हैं, जिनमें किसी भी प्रकार

कोई मुझे नहीं देख सकता (क्योंकि जब मैं प्रार्थना के लिए जाता था तो यह सुबह बहुत जल्दी होता था, और मेरी माँ और घर की महिलाएं मेरी इतनी करीब से देखभाल करती थीं, और मैं इतना घूंघट ओढ़े और इतना शर्मीला होता था कि मेरी आँखें मुश्किल से उस ज़मीन से आगे देख पाती थीं जिस पर मैं चल रहा था), इन सबके बावजूद, प्रेम की निगाहें, या कहें तो आलस्य की निगाहें, जो मुझे डॉन फर्नांडो की लगन की मदद से पता चला कि लिंक्स उनका मुकाबला नहीं कर सकते; क्योंकि यही उस ड्यूक के छोटे बेटे का नाम है जिसके बारे में मैंने बताया था।
जैसे ही वक्ता ने डॉन फर्नांडो का नाम लिया, कार्डेनियो का चेहरा बदल गया और वह पसीने से तर हो गया। उसके भाव इतने तीव्र थे कि उसे देख रहे पादरी और नाई को लगा कि कहीं उसे पागलपन का दौरा न पड़ जाए, जिसके बारे में उन्होंने सुना था कि वह कभी-कभी उस पर पड़ता है; लेकिन कार्डेनियो ने और कोई बेचैनी नहीं दिखाई और शांत रहा, उस किसान लड़की को टकटकी लगाकर देखता रहा, क्योंकि उसे शक होने लगा था कि वह कौन है। हालाँकि, लड़की ने कार्डेनियो की उत्तेजना पर ध्यान दिए बिना, अपनी कहानी जारी रखते हुए कहा:
"और उन्होंने मुझे मुश्किल से ही खोजा था कि, जैसा कि उन्होंने बाद में स्वीकार किया, वे मुझसे बेतहाशा प्यार करने लगे, जैसा कि उनके व्यवहार से साफ ज़ाहिर था। लेकिन अपनी पीड़ाओं के लंबे वर्णन को संक्षिप्त करने के लिए, मैं डॉन फर्नांडो द्वारा मेरे प्रति अपने प्रेम को प्रकट करने के लिए अपनाए गए सभी हथकंडों का उल्लेख नहीं करूँगी। उन्होंने घर के सभी लोगों को रिश्वत दी, मेरे माता-पिता को उपहार और भेंट दिए; हमारी गली में हर दिन किसी त्योहार या उत्सव जैसा होता था; रात में संगीत के कारण कोई सो नहीं पाता था; मेरे हाथ में आने वाले प्रेम पत्र, पता नहीं कैसे, अनगिनत थे, कोमल विनतियों और प्रतिज्ञाओं से भरे हुए, जिनमें अक्षरों से कहीं अधिक वादे और शपथें होती थीं; इन सबने न केवल मुझे नरम नहीं किया, बल्कि मेरे दिल को उनके प्रति और कठोर कर दिया, मानो वे मेरे जानी दुश्मन हों, और मानो मुझे वश में करने के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, वह विपरीत इरादे से किया हो। ऐसा नहीं था कि डॉन फर्नांडो का उच्च-वर्गीय व्यवहार मुझे अप्रिय था, या उनकी ज़िद मुझे थकाऊ लगती थी; क्योंकि इसने मुझे एक एक प्रतिष्ठित सज्जन द्वारा खुद को इतना चाहा और सराहा जाना एक विशेष प्रकार की संतुष्टि थी, और मुझे उनके पत्रों में अपनी प्रशंसा देखकर कोई आपत्ति नहीं थी (क्योंकि हम

महिलाएं चाहे कितनी भी बदसूरत क्यों न हों, मुझे लगता है कि खुद को सुंदर कहलाना हमेशा सुखद होता है), लेकिन मेरी अपनी नैतिक भावना इन सब के विरुद्ध थी, साथ ही मेरे माता-पिता की बार-बार दी गई सलाह भी, जो अब डॉन फर्नांडो के इरादे को स्पष्ट रूप से समझ चुके थे, क्योंकि उन्हें इस बात की जरा भी परवाह नहीं थी कि पूरी दुनिया को यह पता चल जाए। उन्होंने मुझसे कहा कि वे अपना सम्मान और प्रतिष्ठा केवल मेरे सद्गुण और ईमानदारी पर ही सौंपते हैं, और मुझे डॉन फर्नांडो और मेरे बीच के अंतर पर विचार करने के लिए कहा, जिससे मैं यह निष्कर्ष निकाल सकती थी कि उनके इरादे, चाहे वे इसके विपरीत कुछ भी कहें, मेरे लाभ से अधिक उनकी अपनी खुशी के लिए थे; और यदि मैं उनके इस अनुचित प्रस्ताव का विरोध करने की इच्छुक थी, तो उन्होंने कहा कि वे मुझे तुरंत किसी भी ऐसे व्यक्ति से शादी कराने के लिए तैयार हैं जिसे मैं पसंद करूं, चाहे वह हमारे शहर के प्रमुख लोगों में से हो या आस-पड़ोस के किसी भी व्यक्ति से; क्योंकि उनके धन और मेरी प्रतिष्ठा के साथ, किसी भी तरफ रिश्ता मिल सकता था। इस प्रस्ताव और उनकी अच्छी सलाह ने मेरे इरादे को और मजबूत किया, और मैंने डॉन फर्नांडो को कभी भी ऐसा कोई जवाब नहीं दिया जिससे उन्हें सफलता की कोई भी उम्मीद हो, चाहे वह कितनी भी कम क्यों न हो। "मेरी ये सारी सावधानी, जिसे उसने शायद मेरी शर्मिंदगी समझा होगा, जाहिर तौर पर उसकी बेलगाम हवस को और बढ़ा रही थी—क्योंकि यही मैं उसके मेरे प्रति जुनून को नाम देती हूँ; अगर यह वही होता जो उसने बताया था, तो आपको अब तक पता नहीं चलता, क्योंकि आपको बताने की कोई ज़रूरत ही नहीं होती। आखिरकार उसे पता चला कि मेरे माता-पिता मेरी शादी करने की सोच रहे हैं ताकि मुझ पर अधिकार पाने की उसकी उम्मीदें खत्म हो जाएँ, या कम से कम मेरी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त संरक्षक नियुक्त हो जाएँ, और इस जानकारी या संदेह ने उसे ऐसा करने पर मजबूर कर दिया जैसा आप आगे सुनेंगे। एक रात, जब मैं अपने कमरे में थी, मेरे साथ सिर्फ एक नौकरानी थी, और दरवाजे सावधानी से बंद थे ताकि किसी भी लापरवाही से मेरी इज्जत को ठेस न पहुँचे, मुझे नहीं पता और मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि यह कैसे हुआ, लेकिन इस सारी एकांतता और सावधानियों के बावजूद, और मेरे एकांत और सन्नाटे में, मैंने उसे अपने सामने खड़ा पाया, एक ऐसा दृश्य जिसने मुझे इतना स्तब्ध कर दिया कि मेरी आँखें और जीभ सुन्न हो गईं। मैं चीख भी नहीं सकती थी।" और मुझे लगता है कि उसने मुझे एक शब्द भी बोलने का समय नहीं दिया, क्योंकि वह तुरंत मेरे पास

आया और मुझे अपनी बाहों में भर लिया (क्योंकि मैं इतनी अभिभूत थी कि मैं खुद की मदद करने में असमर्थ थी), और उसने मुझसे ऐसे वादे करने शुरू कर दिए कि मुझे नहीं पता कि झूठ ने उन्हें सच्चाई का रूप कैसे दे दिया; और उस गद्दार ने अपने आँसुओं से अपने शब्दों की और अपनी आहों से अपनी सच्चाई की गवाही दिलवाई।
मैं, एक अकेला और गरीब नौजवान, अपने समुदाय में ऐसे मामलों से अनभिज्ञ, न जाने कैसे, इन सभी झूठे दावों को सच मानने लगा, हालाँकि उसकी आहों और आँसुओं से मुझ पर केवल दया का भाव ही आया; और जैसे ही घबराहट का पहला भाव दूर हुआ और मैं कुछ हद तक संभलने लगा, मैंने उससे कहीं अधिक साहस से कहा, 'यदि, जैसा कि मैं अब आपकी बाहों में हूँ, महोदय, मैं एक भयंकर शेर के पंजों में होता, और मेरी मुक्ति मेरे सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले किसी भी काम या बात से संभव होती, तो ऐसा करना या कहना मेरे बस में नहीं होता, ठीक वैसे ही जैसे जो हुआ है उसे न होना संभव नहीं होता; तो फिर, यदि आप मेरे शरीर को अपनी बाहों में थामे हुए हैं, तो मैं अपनी आत्मा को नेक इरादों से सुरक्षित रखे हुए हूँ, जो आपके इरादों से बहुत अलग हैं, जैसा कि आप देखेंगे यदि आप उन्हें बलपूर्वक पूरा करने का प्रयास करेंगे। मैं आपका सेवक हूँ, लेकिन आपका गुलाम नहीं; आपके कुलीन वर्ग के पास न तो कोई है और न ही होना चाहिए। मेरे दीन जन्म को अपमानित या नीचा दिखाने का आपको कोई अधिकार नहीं है; और भले ही मैं एक नीच कुल की किसान हूँ, मेरा आत्मसम्मान उतना ही है जितना आपका, एक स्वामी और सज्जन का: आपके साथ आपकी हिंसा व्यर्थ होगी, आपका धन मुझ पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा, आपके शब्द मुझे धोखा नहीं दे पाएंगे, न ही आपकी आहें या आँसू मुझे नरम कर पाएंगे: यदि मुझे अपने माता-पिता द्वारा दिए गए पति में वे बातें दिखाई दें जिनका मैं उल्लेख कर रही हूँ, तो उसकी इच्छा मेरी इच्छा होगी, और मेरी इच्छा उसकी इच्छा से बंधी होगी; और मेरा सम्मान सुरक्षित रहेगा, भले ही मेरी इच्छाएँ न हों, मैं खुशी-खुशी उसे वह सब कुछ दे दूंगी जो आप, महोदय, अब बलपूर्वक प्राप्त करना चाहते हैं; और मैं यह इसलिए कह रही हूँ ताकि आप यह न सोचें कि मेरे वैध पति के अलावा कोई और मुझसे कुछ भी प्राप्त कर सकता है। “यदि यही एकमात्र संशय है जो तुम्हें महसूस होता है, हे प्रिय डोरोथिया (क्योंकि यही इस अभागी का नाम है), तो देखो, मैं तुम्हें अपना हाथ सौंपता हूँ, और स्वर्ग, जिससे कुछ भी छिपा नहीं

है, और यह हमारी लेडी की छवि जो तुम्हारे पास यहाँ है, इस प्रतिज्ञा के साक्षी हों।”
जब कार्डेनियो ने उसे यह कहते सुना कि उसका नाम डोरोथिया है, तो वह फिर से बेचैन हो गया और अपने पहले के संदेह की सच्चाई के बारे में आश्वस्त हो गया, लेकिन वह कहानी को बीच में रोकना नहीं चाहता था और जो वह पहले से ही लगभग जानता था उसका अंत सुनना चाहता था, इसलिए उसने केवल इतना कहा:
"क्या! आपका नाम डोरोथिया है, महोदया? मैंने इसी नाम की एक और महिला के बारे में सुना है, जिसकी विपत्तियाँ शायद आपकी जैसी ही हों। लेकिन चलिए, मैं आपको कुछ ऐसा बताऊँगी जो आपको आश्चर्यचकित करने के साथ-साथ आपके मन में सहानुभूति भी जगाएगा।"
कार्डेनियो के शब्दों के साथ-साथ उसके अजीब और दयनीय पहनावे को देखकर डोरोथिया स्तब्ध रह गई और उससे विनती की कि यदि वह उसके बारे में कुछ भी जानता हो तो उसे तुरंत बता दे, क्योंकि यदि भाग्य ने उसे कोई आशीर्वाद दिया था तो वह किसी भी विपत्ति को सहने का साहस था, क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि कोई भी उस तक नहीं पहुंच सकता जो उसके द्वारा पहले से सहन की जा रही पीड़ा को किसी भी हद तक बढ़ा सके।
"महारानी, मैं इस अवसर को हाथ से जाने नहीं देता," कार्डेनियो ने उत्तर दिया, "आपको अपने विचार बताने का, यदि मेरा संदेह सच होता, लेकिन अभी तक ऐसा कोई अवसर नहीं मिला है, और न ही आपके लिए इसे जानना कोई मायने रखता है।" "जो भी हो," डोरोथिया ने उत्तर दिया, "मेरी कहानी में जो हुआ वह यह था कि डॉन फर्नांडो ने कमरे में रखी एक मूर्ति को हमारी सगाई के गवाह के रूप में स्थापित किया, और अत्यंत दृढ़ शब्दों और भव्य शपथों के साथ मुझे अपना पति बनने का वादा किया; हालाँकि, उनके वचन पूरा करने से पहले ही मैंने उनसे कहा कि वे अपने इस कार्य पर अच्छी तरह विचार करें और सोचें कि उनके पिता को कितना गुस्सा आएगा जब वे उन्हें एक किसान लड़की और अपने एक जागीरदार से शादी करते देखेंगे; मैंने उनसे कहा कि मेरी सुंदरता, चाहे जैसी भी हो, उन्हें अंधा न होने दें, क्योंकि यह उनके अपराध के लिए पर्याप्त बहाना नहीं है; और यदि वे अपने प्रेम में मुझ पर कोई दया करना चाहते हैं, तो वह यही होगा कि वे मेरी स्थिति के अनुसार मेरे भाग्य को उसके अनुरूप चलने दें; क्योंकि इस प्रकार के असमान विवाह कभी सुख नहीं लाते, और न ही वे लंबे समय तक वह आनंद प्रदान करते हैं जो शुरुआत में होता है।"

"मैंने ये सब बातें उससे कही थीं, और भी बहुत कुछ जो मुझे याद नहीं है; लेकिन उसका अपने इरादे से पीछे हटने पर कोई असर नहीं हुआ; जो भुगतान करने का इरादा नहीं रखता, वह सौदा करते समय मुश्किलों की परवाह नहीं करता। उसी समय मैंने मन ही मन इस मामले पर संक्षेप में विचार किया, और खुद से कहा, 'मैं पहली नहीं हूँ जो विवाह के माध्यम से निम्न पद से उच्च पद पर पहुँची है, और न ही डॉन फर्नांडो पहला होगा जिसे सुंदरता या, जैसा कि अधिक संभावना है, एक अंध प्रेम ने अपने से निचले पद की स्त्री से विवाह करने के लिए प्रेरित किया है। तो, चूंकि मैं कोई नई प्रथा या रीति-रिवाज शुरू नहीं कर रही हूँ, इसलिए मुझे इस सम्मान का लाभ उठाना चाहिए जो मुझे संयोग से मिल रहा है, क्योंकि भले ही मेरे प्रति उसका आकर्षण उसकी इच्छाओं की पूर्ति के बाद भी बना न रहे, आखिरकार, मैं ईश्वर के सामने उसकी पत्नी तो रहूँगी। और अगर मैं उसे तिरस्कार से दूर करने की कोशिश करती हूँ, तो मैं देख सकती हूँ कि उचित उपाय विफल होने पर, वह बल प्रयोग करने के मूड में होगा, और मैं अपमानित हो जाऊँगी और उन लोगों के सामने अपनी निर्दोषता साबित करने का कोई साधन नहीं होगा जो यह नहीं जानते कि मैं कितनी निर्दोष हूँ।" मैं इस स्थिति में आ गया हूँ; भला कौन से तर्क मेरे माता-पिता को यह विश्वास दिलाएँगे कि यह सज्जन मेरी अनुमति के बिना मेरे कमरे में दाखिल हुए?
ये सभी प्रश्न और उत्तर एक पल में मेरे मन में कौंध गए; लेकिन डॉन फर्नांडो की शपथें, जिन गवाहों का उन्होंने हवाला दिया, उनके द्वारा बहाए गए आँसू, और अंत में उनके व्यक्तित्व का आकर्षण और उनकी उच्च कोटि की शालीनता, जो सच्चे प्रेम के ऐसे संकेतों के साथ मिलकर, मेरे जैसे सरल और संकोची हृदय को भी जीत सकती थी—ये वे चीजें थीं जिन्होंने मुझे सबसे अधिक प्रभावित करना शुरू कर दिया और मुझे अनजाने में मेरे विनाश की ओर ले गईं। मैंने अपनी दासी को अपने पास बुलाया, ताकि स्वर्ग में उपस्थित लोगों के अलावा पृथ्वी पर भी कोई गवाह हो, और डॉन फर्नांडो ने फिर से अपनी शपथें दोहराईं, पहले के संतों के अलावा नए संतों को गवाह के रूप में बुलाया, अपने ऊपर हज़ारों श्रापों की कामना की कि यदि वह अपना वादा पूरा करने में विफल रहे, तो और अधिक आँसू बहाए, अपनी आहें दोगुनी कर दीं और मुझे अपनी बाहों में और कसकर जकड़ लिया, जिनसे वह मुझे कभी निकलने नहीं देते थे; और इस प्रकार मेरी दासी ने मुझे छोड़ दिया, और मैं उसकी दासी नहीं रही, और वह एक गद्दार और झूठा बन गया।

"मेरी बदकिस्मती भरी रात के बाद अगला दिन उतनी जल्दी नहीं आया, जितना डॉन फर्नांडो चाहते थे, क्योंकि जब इच्छा पूरी हो जाती है, तो सबसे बड़ा सुख सुख के स्थान से भाग जाना होता है। मैं ऐसा इसलिए कह रही हूँ क्योंकि डॉन फर्नांडो मुझे छोड़कर जाने के लिए बहुत जल्दी में थे, और मेरी नौकरानी की चतुराई से, जिसने वास्तव में उन्हें अंदर आने दिया था, वे भोर होने से पहले ही गली में पहुँच गए; लेकिन मुझसे विदा लेते समय उन्होंने मुझसे कहा, हालाँकि उतनी गंभीरता और उत्साह से नहीं जितना आते समय कहा था, कि मैं उनके विश्वास और उनकी कसमों की पवित्रता और सच्चाई के प्रति आश्वस्त रहूँ; और अपने शब्दों की पुष्टि करने के लिए उन्होंने अपनी उंगली से एक कीमती अंगूठी उतारकर मेरी उंगली में पहना दी। फिर वे चले गए और मैं, न जाने दुखी थी या खुश; बस इतना कह सकती हूँ कि मैं मन से व्याकुल और परेशान थी और जो कुछ हुआ था उससे लगभग स्तब्ध थी, और मुझमें हिम्मत नहीं थी, या शायद मुझे यह ख्याल ही नहीं आया, कि मैं अपनी नौकरानी को उस विश्वासघात के लिए डांटूँ जो उसने डॉन को छिपाकर किया था। फर्नांडो मेरे कमरे में थे; क्योंकि मैं अभी तक यह तय नहीं कर पा रही थी कि मेरे साथ जो हुआ वह अच्छा था या बुरा। विदाई के समय मैंने डॉन फर्नांडो से कहा कि अब मैं उनकी हूँ, इसलिए वे मुझे अगली रातों में भी इसी तरह देख सकते हैं, जब तक कि वे इस बात को सार्वजनिक न करना चाहें; लेकिन अगली रात को छोड़कर, वे फिर कभी नहीं आए, और एक महीने से अधिक समय तक मैं उन्हें गली या चर्च में भी नहीं देख पाई, जबकि मैं उन्हें ढूंढने के लिए लगातार इंतज़ार करती रही; हालाँकि मुझे पता था कि वे शहर में थे, और लगभग हर दिन शिकार पर जाते थे, जो उनका बहुत शौक था। मुझे अच्छी तरह याद है कि वे दिन और घंटे मेरे लिए कितने उदास और नीरस थे; मुझे अच्छी तरह याद है कि कैसे समय बीतने के साथ-साथ मुझे संदेह होने लगा, और डॉन फर्नांडो के विश्वास पर से मेरा भरोसा भी कम होने लगा; और मुझे यह भी याद है कि कैसे मेरी नौकरानी ने अपनी धृष्टता के लिए वे शब्द सुने जो उसने पहले कभी नहीं सुने थे, और कैसे मुझे अपने आँसुओं और चेहरे के भावों को रोकना पड़ा, ताकि मेरे माता-पिता मुझसे कुछ न पूछें। मैं इतना उदास क्यों था, और इसी वजह से मुझे जवाब में झूठ गढ़ने पड़े। लेकिन यह सब अचानक समाप्त हो गया, क्योंकि वह समय आ गया जब इन सभी बातों को दरकिनार कर दिया गया, और सम्मान का कोई सवाल ही नहीं रह गया, जब मेरा धैर्य टूट गया और मेरे दिल का राज सबके सामने आ गया। कारण यह था कि कुछ दिनों बाद शहर में यह खबर फैली कि डॉन फर्नांडो

कहकर उनकी दुल्हन बनने की सहमति दी, उसे अचानक बेहोशी का दौरा पड़ गया और दूल्हा पास आते ही... जब उसने लुसिंडा के कपड़े के सीने को खोलकर उसे हवा देने की कोशिश की, तो उसे उसकी अपनी लिखावट में एक कागज़ मिला, जिसमें उसने कहा था कि वह डॉन फर्नांडो की दुल्हन नहीं बन सकती, क्योंकि वह पहले से ही कार्डेनियो की थी, जो उस व्यक्ति के अनुसार, उसी शहर का एक प्रतिष्ठित सज्जन था; और अगर उसने डॉन फर्नांडो को स्वीकार किया था, तो वह केवल अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए था। संक्षेप में, उसने कहा, कागज़ के शब्दों से यह स्पष्ट हो गया कि सगाई पूरी होने पर वह आत्महत्या करने का इरादा रखती थी, और उसने आत्महत्या के कारण भी बताए थे, जिसकी पुष्टि, कहा जाता है, उसके कपड़ों में कहीं मिले एक खंजर से हुई। यह देखकर, डॉन फर्नांडो, इस बात से आश्वस्त होकर कि लुसिंडा ने उसे धोखा दिया है, उसका अपमान किया है और उसके साथ खिलवाड़ किया है, बेहोशी से उबरने से पहले ही उस पर हमला कर दिया और मिले हुए खंजर से उसे मारने की कोशिश की, और अगर उसके माता-पिता और वहाँ मौजूद लोगों ने उसे रोका न होता तो वह सफल हो जाता। इसके अलावा, यह भी कहा गया कि डॉन फर्नांडो तुरंत चला गया, और लुसिंडा अगले दिन तक अपने सदमे से उबर नहीं पाई, जब उसने अपने माता-पिता को बताया कि वह वास्तव में उसी कार्डिनियो की दुल्हन है जिसका मैंने जिक्र किया है। मुझे यह भी पता चला कि कार्डिनियो, खबरों के अनुसार, सगाई में मौजूद था; और अपनी उम्मीदों के विपरीत उसे मंगेतर देखकर, वह निराशा में शहर छोड़कर चला गया, और अपने पीछे एक पत्र छोड़ गया जिसमें उसने लुसिंडा द्वारा किए गए अन्याय का जिक्र किया था, और यह भी लिखा था कि वह ऐसी जगह जाएगा जहाँ उसे फिर कभी कोई न देख सके। यह सब शहर में चर्चा का विषय बन गया, और हर कोई इसके बारे में बात कर रहा था; खासकर तब जब यह पता चला कि लुसिंडा अपने पिता के घर और शहर से गायब है, क्योंकि वह कहीं नहीं मिल रही थी, जिससे उसके माता-पिता बहुत परेशान थे, जिन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उसे ढूंढने के लिए क्या करें। जो मैंने जाना उससे मेरी उम्मीदें फिर से जाग उठीं, और मुझे डॉन फर्नांडो को न पाकर उसकी शादी होने से ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि मुझे लगा कि मेरे मामले में राहत का दरवाजा अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ है, और मैंने सोचा कि शायद ईश्वर ने ही मुझे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया है। दूसरे विवाह में बाधा बनकर, मैं उसे पहले विवाह के तहत अपने दायित्वों को पहचानने और यह विचार करने के लिए प्रेरित करना चाहती थी कि एक ईसाई होने के

नाते उसे अपनी आत्मा को सभी मानवीय वस्तुओं से ऊपर रखना चाहिए। ये सब बातें मेरे मन में चल रही थीं, और मैंने बिना किसी सांत्वना के खुद को दिलासा देने की कोशिश की, उस जीवन को संजोने की धुंधली और दूर की उम्मीदों में डूबी रही जिससे अब मुझे घृणा होती है।
लेकिन जब मैं शहर में थी, और समझ नहीं पा रही थी कि क्या करूँ, क्योंकि मुझे डॉन फर्नांडो नहीं मिल रहे थे, तभी मैंने एक उद्घोषक की घोषणा सुनी जिसमें मुझे ढूंढने वाले को बड़ा इनाम देने की बात कही गई थी, और मेरी उम्र और मेरे कपड़ों का भी ब्यौरा दिया गया था; और मैंने यह भी सुना कि मेरे साथ आए लड़के ने मुझे मेरे पिता के घर से भगाया था; इस बात ने मुझे बहुत दुख पहुँचाया, क्योंकि इससे पता चलता था कि मेरी प्रतिष्ठा कितनी गिर गई थी, क्योंकि इतना ही काफी नहीं था कि मैं भागने से अपनी प्रतिष्ठा खो बैठी, और उन्होंने यह भी बताया कि मैं किसके साथ भागी थी, और वह भी मुझसे कितना नीच और मेरे सम्मान के लायक नहीं। जैसे ही मैंने यह सूचना सुनी, मैं अपने नौकर के साथ शहर छोड़कर निकल गई, जिसकी वफादारी अब डगमगाने लगी थी, और उसी रात, पकड़े जाने के डर से, हम इन पहाड़ों के सबसे घने जंगलों में चले गए। लेकिन, जैसा कि आमतौर पर कहा जाता है, एक बुराई दूसरी बुराई को जन्म देती है और एक दुर्भाग्य का अंत अक्सर उससे भी बड़ी मुसीबत की शुरुआत होता है, और मेरे मामले में भी ऐसा ही हुआ; क्योंकि मेरा नेक नौकर, जो तब तक इतना वफादार था और जब ट्रस्टी ने मुझे इस सुनसान जगह पर पाया, तो मेरी सुंदरता से अधिक अपनी दुष्टता से प्रेरित होकर, उसने इस एकांत के अवसर का लाभ उठाने की कोशिश की, और थोड़ी सी शर्म, ईश्वर का भय और मेरे प्रति सम्मान की कमी के साथ, मुझसे यौन संबंध बनाने का प्रयास शुरू कर दिया; और जब उसने देखा कि मैंने उसके दुस्साहस भरे प्रस्तावों का उचित रूप से कठोर शब्दों में जवाब दिया, तो उसने पहले की गई विनती को त्याग दिया और हिंसा का सहारा लेना शुरू कर दिया।
लेकिन ईश्वर, जो नेक इरादों की रक्षा करने और उनकी सहायता करने में कभी असफल नहीं होता, उसने मेरी भी सहायता की। मैंने अपनी थोड़ी सी ताकत और थोड़े से प्रयास से उसे एक खाई में धकेल दिया, जहाँ मैंने उसे छोड़ दिया। वह मरा है या जीवित, यह मुझे नहीं पता। फिर, अपने डर और थकान में असंभव लगने वाली गति से, मैं पहाड़ों की ओर चल पड़ा। मेरे मन में बस यही विचार और उद्देश्य था कि मैं उनमें छिप जाऊँ और अपने पिता और उनके आदेश पर मुझे

29

अध्याय
यह कहानी उस विचित्र युक्ति और विधि का वर्णन करती है जिसे प्रेम में डूबे हमारे योद्धा को उसके द्वारा स्वयं पर लगाए गए कठोर प्रायश्चित से मुक्त कराने के लिए अपनाया गया था।
"महोदय, यही मेरे दुखद अनुभवों की सच्ची कहानी है; अब आप स्वयं ही निर्णय लीजिए कि जो आहें और विलाप आपने सुने, और जो आँसू मेरी आँखों से बहे, क्या वे पर्याप्त कारण नहीं थे, भले ही मैंने उन्हें और अधिक खुलकर बहाया होता; और यदि आप मेरी विपत्ति की प्रकृति पर विचार करें, तो आप देखेंगे कि सांत्वना व्यर्थ है, क्योंकि इसका कोई उपाय संभव नहीं है। मैं आपसे केवल यही निवेदन करता हूँ, जो आप आसानी से और उचित रूप से कर सकते हैं, कि मुझे वह स्थान बताएँ जहाँ मैं अपना जीवन उन लोगों द्वारा खोजे जाने के भय और डर से मुक्त होकर बिता सकूँ जो मेरी तलाश में हैं; क्योंकि यद्यपि मेरे माता- पिता का अपार प्रेम मुझे उनके द्वारा सहृदयतापूर्वक स्वीकार किए जाने का विश्वास दिलाता है, फिर भी इस विचार मात्र से ही मुझे इतनी शर्म आती है कि मैं उनके सामने स्वयं को उस रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकता जैसा वे अपेक्षा करते हैं, कि मैं उनके सामने उस पवित्रता से रहित चेहरे को देखने की अपेक्षा स्वयं को उनकी दृष्टि से हमेशा के लिए विमुख कर देना बेहतर समझता हूँ जिसकी वे मुझसे अपेक्षा करने के हकदार थे।"
इन शब्दों के साथ ही वह चुप हो गई, और उसके चेहरे पर छाई लालिमा उसके भीतर के दर्द और शर्म को स्पष्ट रूप से दर्शा रही थी। सुनने वालों को उसकी विपत्ति पर आश्चर्य के साथ-साथ दया भी आ रही थी; लेकिन जैसे ही पादरी उसे कुछ सांत्वना और सलाह देने ही वाला था, कार्डेनियो ने उससे पहले ही कहा, "तो फिर, महोदया, आप ही हैं सुंदर डोरोथिया, धनी क्लेनार्डो की इकलौती पुत्री?" डोरोथिया अपने पिता का नाम सुनकर और उसका नाम लेने वाले की दयनीय हालत देखकर चकित रह गई, क्योंकि कार्डेनियो के फटेहाल कपड़ों का पहले ही उल्लेख हो चुका था; इसलिए उसने उससे कहा:
"और आप कौन हैं, भाई, जो मेरे पिता का नाम इतनी अच्छी तरह से जानते हैं? क्योंकि जहाँ तक मुझे याद है, मैंने अपनी सारी विपत्तियों की कहानी में उनका नाम तक नहीं लिया है।"

"मैं वही अभागा व्यक्ति हूँ, महोदया," कार्डेनियो ने उत्तर दिया, "जिसे, जैसा कि आपने कहा, लुसिंडा ने अपना पति बताया था; मैं वही दुर्भाग्यशाली कार्डेनियो हूँ, जिसे आपके इस वर्तमान हाल में लाने वाले व्यक्ति के कुकर्म ने इस हालत में पहुँचा दिया है, नंगे बदन, फटे-पुराने कपड़ों में, सभी मानवीय सुख-सुविधाओं से वंचित, और इससे भी बुरा, विवेकहीन, क्योंकि यह मुझे तभी प्राप्त होता है जब स्वर्ग कुछ क्षण के लिए मुझे इसे लौटाने की कृपा करता है। मैं, डोरोथिया, वही हूँ जिसने डॉन फर्नांडो द्वारा किए गए अन्याय को देखा और लुसिंडा के 'हाँ' कहने का इंतज़ार किया, जिससे वह स्वयं को उसकी मंगेतर स्वीकार करे: मैं वही हूँ जिसमें यह देखने का साहस नहीं था कि उसका बेहोशी का दौरा कैसे समाप्त हुआ, या उसके सीने में मिले कागज़ का क्या हुआ, क्योंकि मेरे हृदय में एक साथ इतने दुर्भाग्य के आघात सहने की शक्ति नहीं थी; और इसलिए धैर्य खोकर मैं घर से निकल गया, और अपने मेज़बान के पास एक पत्र छोड़कर, जिसे मैंने उससे लुसिंडा के हाथों में देने का अनुरोध किया, मैं चला गया। मैंने इन एकांतों में आकर, इस जीवन को यहीं समाप्त करने का निश्चय किया, जिससे मुझे इतनी घृणा थी मानो वह मेरा सबसे बड़ा शत्रु हो। परन्तु भाग्य ने मुझे इससे मुक्ति नहीं दी, बल्कि मेरी बुद्धि छीनकर ही संतुष्ट हो गया, शायद इसलिए कि मुझे आपसे मिलने के सौभाग्य के लिए बचाए रखा जा सके; क्योंकि यदि जो आपने अभी हमें बताया है, जैसा कि मेरा मानना है, वह सत्य है, तो हो सकता है कि स्वर्ग ने हम दोनों के दुर्भाग्य का हमारे अनुमान से कहीं अधिक सुखद अंत रखा हो; क्योंकि चूंकि लुसिंडा डॉन फर्नांडो से विवाह नहीं कर सकती, क्योंकि वह मेरी है, जैसा कि उसने स्वयं खुलेआम कहा है, और डॉन फर्नांडो उससे विवाह नहीं कर सकता क्योंकि वह आपका है, तो हम उचित रूप से आशा कर सकते हैं कि स्वर्ग हमें हमारा हक लौटाएगा, क्योंकि वह अभी भी अस्तित्व में है और अभी तक हमसे अलग नहीं हुआ है या नष्ट नहीं हुआ है। और चूंकि हमें यह सांत्वना किसी काल्पनिक आशा या बेतुकी कल्पना से नहीं मिली है, इसलिए मैं आपसे विनती करता हूँ, महोदया, कि आप अपने विवेक में नए संकल्प लें, जैसा कि मैं अपने मन में लेने का इरादा रखता हूँ, और अपने आप को सुखद भविष्य की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार करें; क्योंकि मैं एक सज्जन और एक ईसाई होने के नाते आपसे शपथ लेता हूँ कि मैं जब तक मैं तुम्हें डॉन फर्नांडो के साथ नहीं देख लेता, तब तक मैं तुम्हें नहीं छोडूंगा, और यदि मैं शब्दों से उसे तुम्हारे प्रति

अपने दायित्व को स्वीकार करने के लिए राजी नहीं कर सका, तो मैं एक सज्जन के रूप में अपने पद से प्राप्त अधिकार का उपयोग करूंगा, और तुम्हारे प्रति उसके द्वारा किए गए नुकसान के लिए उचित कारण के साथ उसे चुनौती दूंगा, अपने स्वयं के अन्याय की परवाह किए बिना, जिसका बदला मैं स्वर्ग पर छोड़ दूंगा, जबकि मैं पृथ्वी पर स्वयं को तुम्हारे लिए समर्पित करूंगा।"
कार्डेनियो के शब्दों ने डोरोथिया के आश्चर्य को और बढ़ा दिया, और ऐसे प्रस्ताव के लिए धन्यवाद कैसे दें, यह न जानते हुए उसने उनके पैर चूमने का प्रयास किया; लेकिन कार्डेनियो ने इसकी अनुमति नहीं दी, और पादरी ने दोनों की ओर से उत्तर दिया, कार्डेनियो के तर्क की प्रशंसा की, और अंत में, उनसे अपने गाँव चलने का आग्रह किया, जहाँ वे अपनी ज़रूरत की चीज़ें प्राप्त कर सकते थे, और डॉन फर्नांडो का पता लगाने या डोरोथिया को उसके माता-पिता के पास वापस लाने या जो भी उन्हें सबसे उचित लगे, वह करने के उपाय कर सकते थे। कार्डेनियो और डोरोथिया ने उन्हें धन्यवाद दिया और उनके उदार प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया; और नाई, जो चुपचाप और ध्यान से सब कुछ सुन रहा था, उसने भी कुछ दयालु शब्द कहे, और पादरी की तरह ही सद्भावना से उनकी किसी भी तरह से मदद करने की पेशकश की। उसने उन्हें संक्षेप में यह भी बताया कि वे वहाँ किस उद्देश्य से आए थे, डॉन क्विक्सोट के पागलपन की विचित्र प्रकृति क्या थी, और वे उसके सहायक का इंतज़ार कर रहे थे, जो उसकी खोज में गया था। सपने की याद की तरह, डॉन क्विक्सोट के साथ हुआ झगड़ा कार्डेनियो को याद आ गया, और उसने दूसरों को इसके बारे में बताया; लेकिन वह यह नहीं बता सका कि विवाद किस बारे में था।
इसी क्षण उन्हें एक चीख सुनाई दी और उन्होंने पहचान लिया कि यह सांचो पांजा की आवाज है, जो उन्हें उस जगह न पाकर जहाँ उसने उन्हें छोड़ा था, उन्हें जोर से पुकार रहा था। वे उससे मिलने गए और डॉन क्विक्सोट के बारे में उनके सवालों के जवाब में, उसने उन्हें बताया कि उसने उसे केवल कमीज पहने हुए, दुबला-पतला, पीला पड़ा हुआ, भूख से अधमरा और अपनी प्रेमिका डुलसीनिया के लिए सिसकते हुए पाया था; और यद्यपि उसने उसे बताया था कि डुलसीनिया ने उसे उस स्थान को छोड़कर एल टोबोसो आने का आदेश दिया था, जहाँ वह उसका इंतजार कर रही थी, उसने उत्तर दिया कि वह तब तक उसकी सुंदरता के सामने प्रकट नहीं होगा जब तक कि वह उसके अनुग्रह के योग्य बनने के लिए अच्छे कर्म न कर ले; और अगर ऐसा ही चलता रहा, तो सांचो ने कहा, उसे कर्तव्य

के अनुसार सम्राट बनने का, या यहाँ तक कि आर्कबिशप बनने का भी जोखिम उठाना पड़ेगा, जो कि वह सबसे कम पद था; इसलिए उन्हें यह विचार करना चाहिए कि उसे वहाँ से कैसे निकाला जाए। इसके उत्तर में पादरी ने उससे कहा कि वह चिंता न करे, क्योंकि वे उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध भी ले आएंगे। फिर उसने कार्डेनियो और डोरोथिया को बताया कि उन्होंने डॉन क्विक्सोट को ठीक करने या कम से कम उसे घर ले जाने के लिए क्या योजना बनाई है; इस पर डोरोथिया ने कहा कि वह नाई से बेहतर दुखी युवती का अभिनय कर सकती है; खासकर इसलिए कि उसके पास वह पोशाक है जिसमें वह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा सकती है, और वे उस पर भरोसा कर सकते हैं कि वह उनकी योजना को पूरा करने के लिए हर आवश्यक चीज को बखूबी निभाएगी, क्योंकि उसने वीरता की कई किताबें पढ़ी थीं, और वह अच्छी तरह जानती थी कि पीड़ित युवतियां किस तरह वीर योद्धाओं से वरदान मांगती हैं।
"ऐसे में," पादरी ने कहा, "तुरंत इस पर काम शुरू करने के अलावा और कुछ भी आवश्यक नहीं है, क्योंकि निःसंदेह भाग्य हमारे पक्ष में प्रकट हो रहा है, क्योंकि इसने अप्रत्याशित रूप से आपकी राहत के लिए एक द्वार खोलना शुरू कर दिया है, और हमारे लिए अपने लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है।"
फिर डोरोथिया ने अपने तकिये के कवर से किसी कीमती कपड़े का पूरा पेटीकोट, किसी और बढ़िया कपड़े का हरा लबादा, और एक छोटी सी डिब्बी से हार और अन्य गहने निकाले, और पलक झपकते ही इनसे खुद को इस तरह सजाया कि वह किसी बड़ी और अमीर महिला जैसी दिखने लगी। उसने कहा कि ये सब और भी बहुत कुछ उसने घर से ज़रूरत पड़ने पर इस्तेमाल करने के लिए लाया था, लेकिन अब तक उसे इनका इस्तेमाल करने की ज़रूरत नहीं पड़ी थी। सभी उसकी शालीनता, अंदाज़ और सुंदरता से बहुत प्रसन्न हुए और डॉन फर्नांडो को इतनी खूबसूरती को ठुकराने के लिए बहुत ही कम रुचि वाला व्यक्ति बताया। लेकिन सबसे ज़्यादा प्रभावित सांचो पांज़ा था, क्योंकि उसे लगा (जो वास्तव में सच था) कि उसने अपने पूरे जीवन में कभी इतनी सुंदर स्त्री नहीं देखी थी; और उसने बड़ी उत्सुकता से पादरी से पूछा कि यह सुंदर स्त्री कौन है और इस सुनसान इलाके में उसे क्या चाहिए।
“भाई सांचो, यह सुंदर महिला माइकोमिकॉन के महान राज्य की सीधी पुरुष वंश की उत्तराधिकारी हैं, जो आपके स्वामी से एक वरदान मांगने आई हैं। यह वरदान

यह है कि एक दुष्ट दानव ने उनके साथ जो अन्याय या चोट पहुंचाई है, उसका वह निवारण करें; और आपके स्वामी ने एक अच्छे योद्धा के रूप में जो ख्याति दूर-दूर तक अर्जित की है, उसी के कारण यह राजकुमारी गिनी से उनसे मिलने आई हैं।”
"एक भाग्यशाली खोज और एक भाग्यशाली प्राप्ति!" यह सुनकर सांचो पांजा ने कहा; विशेष रूप से यदि मेरे स्वामी को उस चोट का निवारण करने, उस अन्याय को सुधारने और उस राक्षस को मार डालने का सौभाग्य प्राप्त हो, जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं; क्योंकि यदि वह उससे मिलेगा तो उसे मार ही डालेगा, जब तक कि वह कोई प्रेत न हो; क्योंकि मेरे स्वामी के पास प्रेतों के विरुद्ध कोई शक्ति नहीं है। लेकिन अन्य बातों के अलावा, मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूँ, हे वरिष्ठ अधिकारी, कि मेरे स्वामी को आर्कबिशप बनने का सपना देखने से रोकने के लिए, क्योंकि मुझे इसी बात का डर है, आप उन्हें इस राजकुमारी से तुरंत विवाह करने की सलाह दें; क्योंकि इस तरह वह आर्कबिशप का पद ग्रहण करने में असमर्थ हो जाएँगे और आसानी से अपने साम्राज्य पर आसीन हो जाएँगे, और मेरी इच्छाएँ भी पूरी हो जाएँगी; मैंने इस मामले पर गंभीरता से विचार किया है, और जितना मैं समझ पाया हूँ, मुझे लगता है कि मेरे स्वामी का आर्कबिशप बनना मेरे लिए उचित नहीं है, क्योंकि मैं विवाहित हूँ, इसलिए मैं चर्च के लिए उपयुक्त नहीं हूँ; और अब, चूंकि मेरे पास पत्नी और बच्चे हैं, तो मुझे पद धारण करने के लिए आवश्यक अनुमतियाँ प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। चर्च के अधीन लाभ कमाना अंतहीन काम होगा; इसलिए, महोदय, यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि मेरे स्वामी इस महिला से तुरंत शादी कर लें — क्योंकि अभी तक मैं उनकी सुंदरता को नहीं जानता, और इसलिए मैं उन्हें उनके नाम से नहीं पुकार सकता।"
"उसे राजकुमारी मिकोमिकोना कहा जाता है," पादरी ने कहा; "क्योंकि उसके राज्य का नाम मिकोमिकॉन है, इसलिए यह स्पष्ट है कि यही उसका नाम होना चाहिए।"
"इसमें कोई शक नहीं," सांचो ने जवाब दिया, "क्योंकि मैंने कई लोगों को अपने जन्मस्थान से अपना नाम और उपाधि लेते हुए और खुद को अल्काला का पेड्रो, उबेदा का जुआन और वलाडोलिड का डिएगो कहते हुए देखा है; और हो सकता है कि गिनी में भी रानियां अपने राज्यों के नाम इसी तरह से लेती हों।"

"ऐसा हो सकता है," पादरी ने कहा; "और जहाँ तक आपके स्वामी के विवाह का सवाल है, मैं इसके लिए अपनी पूरी कोशिश करूँगा।" यह सुनकर सांचो उतना ही प्रसन्न हुआ जितना पादरी उसकी सरलता पर और यह देखकर चकित था कि उसके स्वामी की बेतुकी बातों ने उसके मन पर कितना गहरा प्रभाव डाला था, क्योंकि उसने स्पष्ट रूप से खुद को यह विश्वास दिला दिया था कि वह एक सम्राट बनने वाला है।
इस समय तक डोरोथिया पादरी के खच्चर पर बैठ चुकी थी और नाई ने उसकी दाढ़ी को उसके चेहरे पर ठीक से संवार दिया था। अब उन्होंने सांचो को डॉन क्विक्सोट के पास ले जाने को कहा और उसे चेतावनी दी कि वह न तो पादरी को और न ही नाई को पहचाने, क्योंकि उसके स्वामी का सम्राट बनना पूरी तरह से इस बात पर निर्भर था कि वह उन्हें न पहचान पाए। हालाँकि, पादरी और कार्डिनियो दोनों में से किसी ने भी उनके साथ जाना उचित नहीं समझा; कार्डिनियो इसलिए नहीं गया कि कहीं वह डॉन क्विक्सोट को अपने झगड़े की याद न दिला दे, और पादरी इसलिए नहीं गया क्योंकि अभी उसकी उपस्थिति की कोई आवश्यकता नहीं थी। इसलिए उन्होंने बाकी लोगों को आगे जाने दिया और खुद धीरे-धीरे पैदल उनके पीछे- पीछे चले। पादरी ने डोरोथिया को व्यवहार के बारे में निर्देश देना नहीं भूला, लेकिन उसने कहा कि वे निश्चिंत हो सकते हैं, क्योंकि सब कुछ ठीक उसी तरह किया जाएगा जैसा कि वीरता की किताबों में लिखा और वर्णित है।
वे लगभग तीन-चौथाई मील की दूरी तय कर चुके थे जब उन्होंने चट्टानों के एक सुनसान इलाके में डॉन क्विक्सोट को पाया, जो उस समय तक वस्त्र पहने हुए था, लेकिन बिना कवच के; और जैसे ही डोरोथिया ने उसे देखा और सांचो ने उसे बताया कि वह डॉन क्विक्सोट है, उसने अपने घोड़े को चाबुक मारा, अच्छी दाढ़ी वाला नाई उसके पीछे-पीछे आया, और उसके पास पहुँचते ही उसका सहायक अपने खच्चर से कूदकर उसे अपनी बाहों में लेने के लिए आगे बढ़ा, और वह बड़ी सहजता से घोड़े से उतरकर डॉन क्विक्सोट के चरणों में घुटने टेकने के लिए आगे बढ़ी; और यद्यपि उसने उसे उठाने का प्रयास किया, वह बिना उठे ही उससे इस प्रकार बोली:
"हे वीर और साहसी योद्धा, मैं इस स्थान से तब तक नहीं उठूंगा जब तक आपकी कृपा और विनम्रता मुझे एक वरदान न दे दें, जिससे आपके व्यक्तित्व का सम्मान और यश बढ़ेगा और सूर्य के प्रकाश में अब तक देखी गई सबसे दुखी और पीड़ित युवती की सेवा होगी; और यदि आपकी शक्तिशाली भुजाओं की शक्ति आपकी

अमर प्रसिद्धि के अनुरूप है, तो आप उस असहाय प्राणी की सहायता करने के लिए बाध्य हैं, जो आपके प्रसिद्ध नाम की सुगंध से प्रेरित होकर दूर-दूर के देशों से अपनी विपत्तियों में आपकी सहायता मांगने आई है।"
"हे सुंदर स्त्री, मैं एक शब्द भी उत्तर नहीं दूंगा," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और जब तक तुम धरती से नहीं उठ जातीं, मैं तुम्हारे बारे में कुछ भी नहीं सुनूंगा।"
"मैं नहीं उठूंगी, महोदय," पीड़ित युवती ने उत्तर दिया, "जब तक आपकी कृपा से मेरी मांगी हुई वरदान मुझे प्रदान नहीं की जाती।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं इसे स्वीकार करता हूं और प्रदान करता हूं, बशर्ते कि मेरे राजा, मेरे देश या मेरे दिल और स्वतंत्रता की कुंजी रखने वाली महिला को कोई नुकसान या पूर्वाग्रह न हो, और इसका पालन किया जाए।" "हे मेरे आदरणीय स्वामी, इससे उनमें से किसी को भी कोई हानि या नुकसान नहीं होगा," पीड़ित युवती ने कहा; और तभी सांचो पांजा अपने स्वामी के कान के पास आकर बहुत धीमी आवाज़ में बोला, "महाराज, आप निःसंकोच उसकी विनती पूरी कर सकते हैं; यह कुछ भी नहीं है; बस एक विशालकाय राक्षस को मारना है; और यह विनती करने वाली परम पूज्य राजकुमारी मिकोमिकोना हैं, जो इथियोपिया के महान राज्य मिकोमिकॉन की रानी हैं।"
“वह जैसी भी हो, रहने दो,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मैं अपना कर्तव्य और अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार, अपने वचन के अनुरूप ही कार्य करूंगा;” और युवती की ओर मुड़कर उसने कहा, “तुम्हारी सुंदरता निखर उठे, क्योंकि मैं तुम्हारी विनती पूरी करता हूँ।”
"तो मैं आपसे यही विनती करती हूँ," उस युवती ने कहा, "कि आप उदारतापूर्वक मेरे साथ तुरंत चलें जहाँ मैं आपको ले जाऊँगी, और आप वादा करें कि जब तक आप उस गद्दार से मेरा बदला नहीं ले लेते जिसने सभी मानवीय और दैवीय कानूनों के विरुद्ध जाकर मेरे राज्य पर कब्ज़ा कर लिया है, तब तक आप किसी अन्य साहसिक कार्य या खोज में शामिल नहीं होंगे।"
“मैं दोहराता हूँ कि मैं इसे स्वीकार करता हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “इसलिए, हे देवी, आज से आप अपने दुख को त्याग दें और अपनी कमजोर होती आशाओं को नया जीवन और शक्ति प्रदान करें, क्योंकि ईश्वर और मेरी सहायता से आप शीघ्र ही अपने राज्य में पुनः स्थापित होंगी और अपने प्राचीन और शक्तिशाली साम्राज्य के सिंहासन पर विराजमान होंगी, उन सभी अपराधियों के

बावजूद जो इसका विरोध करते हैं; और अब काम पर लग जाओ, क्योंकि देरी में खतरा निहित है।”
दुखी युवती ने बड़ी दृढ़ता से उसके हाथों को चूमने का प्रयास किया; लेकिन डॉन क्विक्सोट, जो हर तरह से एक सुसंस्कृत और विनम्र योद्धा था, ने उसे ऐसा करने की अनुमति नहीं दी, बल्कि उसे उठने के लिए कहा और बड़े ही आदर और विनम्रता से उसे गले लगाया, और सांचो को रोसिनांटे के कवच को देखने और उसे बिना किसी देरी के हथियारबंद करने का आदेश दिया। सांचो ने कवच को नीचे उतारा, जो एक ट्रॉफी की तरह पेड़ पर लटका हुआ था, और कवच को देखकर उसने तुरंत अपने स्वामी को हथियारबंद कर दिया, जिसने कवच पहनते ही खुशी से कहा: "आइए हम ईश्वर के नाम पर इस महान महिला की सहायता के लिए चलें।"
नाई तब तक घुटनों के बल बैठा अपनी हंसी छिपाने और दाढ़ी न गिरने देने की बड़ी कोशिश कर रहा था, क्योंकि अगर दाढ़ी गिर जाती तो शायद उनकी सारी योजना धरी की धरी रह जाती; लेकिन अब वरदान मिलते देख और डॉन क्विक्सोट को तुरंत उसके अनुसार चलने की तैयारी करते देख, वह उठा और अपनी प्रेमिका का हाथ पकड़कर उसे खच्चर पर बिठा दिया। फिर डॉन क्विक्सोट रोसिनांटे पर सवार हो गया और नाई अपने घोड़े पर बैठ गया, सांचो को पैदल ही जाना पड़ा, जिससे उसे अपने डैपल के जाने का दुख फिर से सताने लगा। लेकिन उसने सब कुछ प्रसन्नता से सहा, क्योंकि उसे विश्वास था कि उसका स्वामी अब सही रास्ते पर चल पड़ा है और सम्राट बनने ही वाला है; उसे इस बात में कोई संदेह नहीं था कि वह इस राजकुमारी से विवाह करेगा और कम से कम मिकोमिकॉन का राजा बनेगा। उसे बस यही चिंता सता रही थी कि यह राज्य अश्वेतों की भूमि में है, और जिन लोगों को वे उसे जागीरदार के रूप में देंगे वे सभी अश्वेत होंगे; लेकिन इसके लिए उसे जल्द ही अपने मन में एक उपाय मिल गया और उसने खुद से कहा, "क्या फर्क पड़ता है अगर मेरे जागीरदार काले हों? मुझे क्या करना है सिवाय इसके कि मैं उन्हें माल बनाकर स्पेन ले जाऊं, जहां मैं उन्हें बेचकर तुरंत पैसा कमा सकूं और उससे कोई उपाधि या पद खरीद लूं जिससे मैं जीवन भर आराम से रह सकूं? ऐसा तभी संभव है जब तुम सो जाओ और तुम्हारे पास चीजों को भुनाने की बुद्धि या कौशल न हो और तुम बात करते-करते तीन, छह या दस हजार जागीरदारों को बेच सको! भगवान की कसम, मैं उन्हें, बड़े और छोटे, जितना हो सके, जगाऊंगा और चाहे वे कितने भी काले हों, मैं उन्हें सफेद या पीला बना दूंगा। अरे,

अरे, मैं कितना मूर्ख हूं!" और इस तरह वह अपने विचारों में इतना मग्न और मन में इतना शांत होकर चलता रहा कि पैदल यात्रा की सारी कठिनाई को भूल गया। कार्डेनियो और पादरी झाड़ियों के बीच छिपकर यह सब देख रहे थे, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वे दूसरों के साथ कैसे मिलें; लेकिन पादरी, जो सूझबूझ में माहिर था, ने जल्द ही अपने उद्देश्य को पूरा करने का एक तरीका खोज लिया। उसने अपने डिब्बे में रखी कैंची से कार्डेनियो की दाढ़ी काट दी और अपनी भूरी जैकेट पहनाकर उसे काला लबादा ओढ़ा दिया, जबकि खुद अपनी पैंट और जैकेट में रहा। कार्डेनियो का रूप इतना बदल गया था कि अगर वह खुद को आईने में देखता तो खुद को पहचान नहीं पाता। ऐसा करने के बाद, हालांकि बाकी लोग उनके वेश बदलने के दौरान आगे निकल गए थे, वे आसानी से उनसे पहले मुख्य सड़क पर आ गए, क्योंकि झाड़ियों और दुर्गम रास्तों के कारण घुड़सवार पैदल चलने वालों की तरह तेज़ी से नहीं चल पा रहे थे। फिर वे सिएरा के मुहाने पर समतल भूमि पर तैनात हो गए, और जैसे ही डॉन क्विक्सोट और उनके साथी वहाँ से निकले, पादरी ने उन्हें बड़ी सावधानी से परखना शुरू कर दिया, मानो वह उन्हें पहचानने की कोशिश कर रहा हो। कुछ देर तक उन्हें घूरने के बाद, वह बाहें फैलाकर उनकी ओर बढ़ा और बोला, "वीरता के प्रतीक, मेरे योग्य साथी डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा से आपका सुखद मिलन हुआ, उच्च कुल का फूल और मलाई, संकट में पड़े लोगों का रक्षक और राहत, वीर योद्धाओं का सार!" और ऐसा कहते हुए उसने डॉन क्विक्सोट के बाएँ पैर के घुटने को अपनी बाहों में थाम लिया। अजनबी के शब्दों और व्यवहार से चकित होकर, डॉन क्विक्सोट ने उन्हें ध्यान से देखा और अंततः उन्हें पहचान लिया। उन्हें वहाँ देखकर वह बहुत आश्चर्यचकित हुए और घोड़े से उतरने के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किए। लेकिन पादरी ने इसकी अनुमति नहीं दी, जिस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझे अनुमति दीजिए, माननीय पादरी, क्योंकि यह उचित नहीं है कि मैं घोड़े पर सवार होकर आपके जैसे पैदल चलने वाले व्यक्ति का सम्मान करूं।"
“मैं किसी भी कीमत पर इसकी अनुमति नहीं दूंगा,” पादरी ने कहा; “आपकी महानता घोड़े पर ही रहनी चाहिए, क्योंकि घोड़े पर सवार होकर ही आपने हमारे युग के सबसे महान कारनामे और साहसिक कार्य पूरे किए हैं; जहाँ तक मेरी बात है, एक अयोग्य पादरी की, तो मेरे लिए यह काफी होगा कि मैं आपके साथ आए इन सज्जनों के खच्चरों में से किसी एक पर सवार हो जाऊं, यदि उन्हें कोई आपत्ति न हो, और मैं कल्पना करूंगा कि मैं पेगासस नामक घोड़े पर, या उस ज़ेबरा या घोड़े पर

सवार हूं जिस पर प्रसिद्ध मूर, मुज़ाराक सवार था, जो आज भी महान कॉम्प्लूटम से थोड़ी दूरी पर स्थित ज़ुलेमा की महान पहाड़ी में रहस्यमय अवस्था में विराजमान है।”
"मैं तो इसके लिए भी सहमत नहीं हूँ, माननीय महोदय," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और मैं जानता हूँ कि मेरी राजकुमारी, मेरे प्रति प्रेम के कारण, अपने सहायक को आदेश देंगी कि वह अपने खच्चर की काठी आपको सौंप दे, और यदि जानवर सहनीय हो तो आप उसके पीछे बैठ सकते हैं।"
"मुझे पूरा यकीन है, ऐसा ही होगा," राजकुमारी ने कहा, "और मुझे यह भी पूरा यकीन है कि मुझे अपने सहायक को आदेश देने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह इतना विनम्र और विचारशील है कि वह किसी पादरी को पैदल जाने की अनुमति नहीं देगा, जबकि वह घोड़े पर सवार होकर जा सकता है।"
“हाँ, वही है,” नाई ने कहा और तुरंत नीचे उतरकर उसने अपना काठी पादरी को दे दिया, जिसने बिना ज्यादा विनती किए उसे स्वीकार कर लिया; लेकिन दुर्भाग्य से जैसे ही नाई पीछे से चढ़ रहा था, खच्चर, जो कि किराए का था, यानी बदमिजाज, ने अपने पिछले खुर उठाकर हवा में दो-चार लातें मारीं, जिससे मास्टर निकोलस को डॉन क्विक्सोट की खोज में निकले अपने अभियान को कोसने का मन करता अगर वे उसे सीने या सिर पर मार देते। हुआ यूँ कि उन्होंने उसे इस कदर चौंका दिया कि वह जमीन पर गिर पड़ा, अपनी दाढ़ी की परवाह किए बिना, जो कि झड़ गई, और जब उसने खुद को बिना दाढ़ी के पाया तो वह बस अपने दोनों हाथों से अपना चेहरा ढककर कराहने लगा कि उसके दांत टूट गए हैं। डॉन क्विक्सोट ने जब गिरे हुए सरदार के चेहरे से बिना जबड़े या खून के दाढ़ी का वह पूरा गुच्छा अलग होते देखा, तो वह चिल्ला उठा:
"जीवित ईश्वर की कसम, यह तो एक बड़ा चमत्कार है! इसने उसके चेहरे से दाढ़ी को ऐसे उखाड़ दिया है मानो उसे जानबूझकर मुंडवाया गया हो।"
पादरी ने अपनी योजना के पकड़े जाने का खतरा भांपते हुए तुरंत दाढ़ी पर झपट्टा मारा और उसे लेकर उस जगह की ओर भागा जहाँ मास्टर निकोलस कराहते हुए लेटे थे और अपना सिर अपनी छाती से लगाए हुए थे। उसने पलक झपकते ही दाढ़ी को उन पर बाँध लिया और कुछ शब्द बुदबुदाए, जो उसके अनुसार दाढ़ी चिपकाने का एक विशेष मंत्र था। जैसे ही उसने दाढ़ी बाँधी, वह वहाँ से चला गया और सरदार पहले की तरह पूरी तरह से दाढ़ीदार और स्वस्थ दिखाई दिया। यह देखकर डॉन क्विक्सोट अत्यंत आश्चर्यचकित हुआ और उसने पादरी से विनती की कि जब भी उसे

मौका मिले, वह उसे वह मंत्र सिखाए, क्योंकि उसे विश्वास था कि इसका गुण केवल दाढ़ी चिपकाने तक ही सीमित नहीं होगा। यह स्पष्ट था कि जहाँ से दाढ़ी हटाई गई थी, वहाँ का मांस फटा और ज़ख्मी रहा होगा, और जब यह उन सबको ठीक कर सकता है, तो यह दाढ़ी के अलावा भी कई कामों में कारगर होगा।
“हाँ, ऐसा ही है,” पादरी ने कहा और वादा किया कि वह उसे जल्द से जल्द यह सिखा देगा। फिर वे इस बात पर सहमत हुए कि फिलहाल पादरी घोड़े पर सवार हो जाए और तीनों बारी-बारी से सराय तक पहुँचें, जो उनके वर्तमान स्थान से लगभग छह मील दूर हो सकती थी।
फिर तीन लोग सवार होकर आए, अर्थात् डॉन क्विक्सोट, राजकुमारी और पादरी, और तीन लोग पैदल थे, कार्डिनियो, नाई और सांचो पांजा। डॉन क्विक्सोट ने युवती से कहा:
"महामहिम, आप जहाँ भी आपको सबसे अधिक प्रसन्नता हो, वहाँ आगे बढ़ें;" लेकिन इससे पहले कि वह उत्तर दे पातीं, उस परित्यक्त व्यक्ति ने कहा:
"महामहिम, आप हमें किस राज्य की ओर निर्देशित करेंगी? क्या यह संभवतः माइकोमिकॉन का राज्य है? ऐसा ही होना चाहिए, अन्यथा मुझे राज्यों के बारे में बहुत कम जानकारी है।"
वह हर तरह से तैयार थी और समझ गई थी कि उसे "हाँ" में जवाब देना है, इसलिए उसने कहा, "हाँ, महोदय, मेरा मार्ग उसी राज्य की ओर जाता है।"
“तो फिर,” पादरी ने कहा, “हमें सीधे मेरे गाँव से होकर गुजरना होगा, और वहाँ से महाराज कार्तगेना जाने वाली सड़क लेंगे, जहाँ आप भाग्य के अनुकूल होने पर जहाज पर सवार हो सकेंगे; और यदि हवा अनुकूल हो और समुद्र शांत और स्थिर हो, तो लगभग नौ वर्षों में आप विशाल झील मेओना, मेरा मतलब मेओटाइड्स, को देख सकेंगे, जो महाराज के राज्य से सौ दिनों की यात्रा की दूरी पर है।” "महामहिम, आप गलत हैं," उसने कहा; "क्योंकि मुझे यहाँ से निकले हुए दो साल भी नहीं हुए हैं, और यद्यपि मौसम कभी अनुकूल नहीं रहा, फिर भी मैं यहाँ अपनी उस इच्छा को पूरा करने आई हूँ, जिसके लिए मैं तरस रही थी, और वह हैं मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा, जिनकी प्रसिद्धि मुझे स्पेन में कदम रखते ही पता चली और जिसने मुझे उनकी खोज में जाने, उनकी कृपा का निवेदन करने और अपने न्यायपूर्ण हित को उनकी अजेय भुजाओं के हवाले करने के लिए प्रेरित किया।"

इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "बस करो; और प्रशंसा नहीं, क्योंकि मुझे चापलूसी बिल्कुल पसंद नहीं है; और भले ही यह चापलूसी न हो, फिर भी इस तरह की भाषा मेरे पवित्र कानों को बुरी लगती है। मैं बस इतना ही कहूंगा, महोदया, कि चाहे इसमें शक्ति हो या न हो, जो कुछ भी इसमें हो या न हो, वह मृत्यु तक आपकी सेवा में समर्पित रहेगा; और अब, इस विषय को उचित समय पर छोड़ते हुए, मैं उस पादरी से पूछना चाहता हूं कि आखिर ऐसी क्या बात है जो उन्हें अकेले, बिना किसी साथी के, और इतने कम कपड़ों में यहां ले आई है कि मैं आश्चर्यचकित हूं।"
“मैं इसका संक्षिप्त उत्तर दूंगा,” पादरी ने जवाब दिया; "तो आपको पता ही होगा, सेनोर डॉन क्विक्सोट, कि हमारे मित्र और नाई, मास्टर निकोलस और मैं सेविले जा रहे थे, ताकि मुझे कुछ पैसे मिल सकें जो मेरे एक रिश्तेदार ने भेजे थे, जो कई साल पहले इंडीज़ गए थे। यह कोई छोटी रकम नहीं थी, बल्कि साठ हज़ार से ज़्यादा आठ के सिक्के थे, पूरे वज़न के हिसाब से, जो कि बहुत बड़ी रकम है; और कल इस जगह से गुज़रते हुए हम पर चार लुटेरों ने हमला कर दिया, जिन्होंने हमारी दाढ़ी तक उतार दी, और फिर उसे भी उतार दिया, जिससे नाई को नकली दाढ़ी लगानी पड़ी, और यहाँ तक कि इस नौजवान को भी"—कार्डिनियो की ओर इशारा करते हुए—"वे पूरी तरह से बदल गए। लेकिन सबसे मज़ेदार बात यह है कि आस-पड़ोस में यह कहानी फैली हुई है कि हम पर हमला करने वाले लोग कुछ जहाज़ के गुलामों में से थे, जिन्हें, कहते हैं, लगभग उसी जगह पर एक ऐसे बहादुर आदमी ने आज़ाद कर दिया था कि उसने कमिश्नर और गार्डों के बावजूद उन सभी को रिहा कर दिया; और इसमें कोई शक नहीं कि वह या तो होश में नहीं था, या वह भी उतना ही बड़ा बदमाश था जितना वे लोग, या कोई और।" जिस मनुष्य में हृदय और विवेक नहीं है, वह भेड़ों के बीच भेड़िये को, मुर्गियों के बीच लोमड़ी को और शहद के बीच मक्खी को खुला छोड़ देता है। उसने न्याय का उल्लंघन किया है और अपने राजा और वैध स्वामी का विरोध किया है, क्योंकि उसने उसके न्यायसंगत आदेशों का उल्लंघन किया है; मैं कहता हूँ, उसने गैलियों के पैरों को लूट लिया है, कई वर्षों से शांत पड़े पवित्र भाईचारे को भड़का दिया है, और अंत में, उसने ऐसा कर्म किया है जिससे उसकी आत्मा बिना उसके शरीर को कोई लाभ पहुँचाए नष्ट हो सकती है। सांचो ने पादरी और नाई को गैली के दासों के उस साहसिक कार्य के बारे में बताया था, जिसे उसके स्वामी ने अपने गौरव के लिए पूरा किया था, और इसलिए पादरी ने इसका जिक्र करते हुए डॉन

क्विक्सोट की प्रतिक्रिया देखने का पूरा फायदा उठाया; जो हर शब्द पर रंग बदल रहा था, यह कहने की हिम्मत नहीं कर रहा था कि वही उन योग्य लोगों का मुक्तिदाता था। "तो फिर," पादरी ने कहा, "ये वे लोग थे जिन्होंने हमें लूटा था; और ईश्वर अपनी दया से उसे क्षमा करे जिसने उन्हें उनके उचित दंड से वंचित रखा।"

30

अध्याय
जिसमें सुंदर डोरोथिया द्वारा प्रदर्शित शिष्टाचार और अन्य सुखद एवं मनोरंजक बातों का वर्णन है।
पादरी ने अभी बोलना बंद ही किया था कि सांचो ने कहा, "सच कहूँ तो, हे माननीय पादरी, जिसने यह काम किया वह मेरा मालिक था; और ऐसा इसलिए नहीं हुआ क्योंकि मैंने उसे पहले ही चेतावनी नहीं दी थी और उसे सावधान नहीं किया था कि वह क्या कर रहा है, और उन्हें आज़ाद करना पाप था, क्योंकि वे सभी वहाँ इसलिए जा रहे थे क्योंकि वे खास बदमाश थे।"
"मूर्ख!" डॉन क्विक्सोट ने इस पर कहा, "वीरों का यह कोई काम या चिंता नहीं है कि वे यह पता लगाएं कि राजमार्गों पर मिलने वाले कोई भी पीड़ित, जंजीरों में जकड़े या उत्पीड़ित व्यक्ति अपनी गलतियों या दुर्भाग्य के कारण उस रास्ते पर जाते हैं और कष्ट सहते हैं। उनका काम केवल जरूरतमंदों की सहायता करना है, उनकी पीड़ाओं को ध्यान में रखते हुए, न कि उनकी दुष्टता को। मुझे दुखी और दुर्भाग्यशाली लोगों का एक समूह मिला, और मैंने उनके लिए वही किया जो मेरा कर्तव्य था, और बाकी सब जैसा भी हो; और जो कोई भी इस पर आपत्ति करता है, वरिष्ठ लाइसेंसधारी की पवित्र गरिमा और उनके सम्मानित व्यक्ति को छोड़कर, मैं कहता हूं कि वह वीरता के बारे में कुछ नहीं जानता और एक धूर्त बदमाश की तरह झूठ बोलता है, और मैं उसे अपनी तलवार से इसका पूरा सबक सिखाऊंगा;" और ऐसा कहकर वह अपने रकाबों में बैठ गया और अपनी तलवार को नीचे दबा दिया; नाई के बेसिन के लिए, जिसे वह मैम्ब्रिनो का हेलमेट मानता था, वह तब तक उसे काठी के आगे वाले हिस्से पर लटकाकर रखता था जब तक कि वह जहाज के गुलामों द्वारा किए गए नुकसान की मरम्मत नहीं कर लेता।
डोरोथिया, जो चतुर और फुर्तीली थी और उस समय तक डॉन क्विक्सोट के पागलपन को अच्छी तरह समझ चुकी थी, और यह भी कि सांचो पांजा को छोड़कर बाकी सभी उसका मज़ाक उड़ा रहे थे, दूसरों से पीछे न रहने के लिए, उसकी झुंझलाहट को देखकर उससे बोली, "महाराज नाइट, आपने मुझसे जो वादा किया है उसे याद रखिए, और उसके अनुसार आपको किसी और साहसिक कार्य में शामिल नहीं होना चाहिए, चाहे वह कितना भी ज़रूरी क्यों न हो; शांत हो जाइए, क्योंकि अगर उस लाइसेंसधारी को पता चल जाता कि उस अजेय सेना ने गैली के गुलामों को आज़ाद कर दिया है तो वह

अपना मुंह तीन बार बंद कर लेता, या अपनी जीभ तीन बार काट लेता, इससे पहले कि वह आपके प्रति अनादर का एक भी शब्द कहता।"
"मैं तहे दिल से कसम खाता हूँ," पादरी ने कहा, "और मैं तो अपनी मूंछें भी नोच लेता।"
"मैं शांत रहूंगा, महोदया," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और मैं अपने मन में उठे स्वाभाविक क्रोध को नियंत्रित करूंगा, और जब तक मैं अपना वादा पूरा नहीं कर लेता, तब तक शांति और स्थिरता से आगे बढ़ूंगा; लेकिन इसके बदले में, यदि आपको कोई आपत्ति न हो, तो कृपया मुझे बताएं कि आपकी समस्या का स्वरूप क्या है, और कितने लोग हैं, कौन हैं, और वे कौन से व्यक्ति हैं जिनसे मुझे उचित बदला लेना है, और किन पर मुझे आपकी ओर से प्रतिशोध लेना है?"
"मैं यह पूरे मन से करूंगी," डोरोथिया ने उत्तर दिया, "यदि आपको दुखों और विपत्तियों के बारे में सुनना थकाऊ न लगे।"
“यह थकाऊ नहीं होगा, महोदया,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; जिस पर डोरोथिया ने उत्तर दिया, “ठीक है, अगर ऐसा है तो मेरी बात सुनिए।” जैसे ही उसने यह कहा, कार्डेनियो और नाई उसके पास आ गए, यह जानने के लिए उत्सुक थे कि चतुर डोरोथिया अपने लिए किस तरह की कहानी गढ़ेगी; और सांचो ने भी ऐसा ही किया, क्योंकि वह भी अपने स्वामी की तरह उससे प्रभावित था; और काठी पर आराम से बैठने के बाद, खांसने और अन्य प्रारंभिक क्रियाओं के सहारे सोचने के लिए समय लेने के बाद, उसने बड़े उत्साह से इस तरह बोलना शुरू किया।
"सबसे पहले, मैं आपको बताना चाहूँगी, महोदय, कि मेरा नाम है-" और यहाँ वह एक पल के लिए रुक गई, क्योंकि वह पादरी द्वारा दिया गया नाम भूल गई थी; लेकिन पादरी ने उसकी परेशानी को समझते हुए उसकी मदद की और कहा, "यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है, महोदया, कि आप अपनी विपत्तियों की कहानी सुनाने में उलझन और शर्मिंदगी महसूस कर रही हैं; क्योंकि ऐसी विपत्तियाँ अक्सर पीड़ित की स्मृति को छीन लेती हैं, जिससे वे अपना नाम तक भूल जाते हैं, जैसा कि अब आपके साथ है, जो भूल गई हैं कि उन्हें राजकुमारी मिकोमिकोना कहा जाता है, जो मिकोमिकॉन के महान राज्य की वैध उत्तराधिकारी हैं; और इस संकेत के साथ, आप अपनी दुखभरी स्मृति को याद कर सकती हैं जो आप हमें बताना चाहती हैं।" "यही सच है," युवती ने कहा; लेकिन मुझे लगता है कि अब मुझे किसी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होगी, और मैं अपनी सच्ची कहानी सुरक्षित रूप से सुना दूँगा। कहानी यह है। मेरे पिता राजा, जिन्हें टिनैक्रियो द सैपिएंट कहा जाता था,

जादू-टोने में बहुत पारंगत थे, और अपने ज्ञान के बल पर उन्हें पता चला कि मेरी माता, जिन्हें रानी जारमिला कहा जाता था, उनसे पहले मर जाएँगी, और उनके तुरंत बाद वे भी इस दुनिया से चले जाएँगे, और मैं बिना माता-पिता के अनाथ रह जाऊँगा। लेकिन उन्होंने कहा कि इन सब बातों से उन्हें उतना दुख या पीड़ा नहीं हुई, जितना इस बात से कि हमारे राज्य के पास स्थित एक बड़े द्वीप के स्वामी, पांडाफिलांडो ऑफ द स्कोल नामक एक विशालकाय दानव— क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि, यद्यपि उसकी आँखें सही जगह पर और सीधी हैं, फिर भी वह हमेशा तिरछी नज़र से देखता है जैसे कि वह आँखें सिकोड़ रहा हो, और वह ऐसा दुर्भावना से करता है, ताकि जिसे वह देखे उसमें भय और आतंक पैदा कर सके—वह जानता था, मैं कहता हूँ, कि मेरे अनाथ होने का पता चलने पर यह दानव एक विशाल सेना के साथ मेरे राज्य पर आक्रमण करेगा और मुझे सब कुछ छीन लेगा, मुझे कुछ भी नहीं छोड़ेगा। मुझे आश्रय देने के लिए एक छोटा सा गाँव भी नहीं दिया गया; लेकिन अगर मैं उससे शादी करने को तैयार होती तो मैं इस सारी बर्बादी और दुर्भाग्य से बच सकती थी; हालाँकि, जहाँ तक वह देख सकता था, उसे कभी उम्मीद नहीं थी कि मैं इतनी असमान शादी के लिए राजी हो जाऊँगी; और उसने इस बात में बिल्कुल सच कहा, क्योंकि उस विशालकाय से, या किसी और से, चाहे वह कितना भी बड़ा या विशालकाय क्यों न हो, शादी करने का ख्याल मेरे मन में कभी नहीं आया। मेरे पिता ने यह भी कहा कि जब उनकी मृत्यु हो जाए, और मैं पांडाफिलांडो को अपने राज्य पर आक्रमण करने की तैयारी करते देखूँ, तो मुझे रुककर अपना बचाव करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह मेरे लिए विनाशकारी होगा, बल्कि मुझे राज्य को पूरी तरह से उसके हवाले कर देना चाहिए यदि मैं अपने अच्छे और वफादार जागीरदारों की मृत्यु और पूर्ण विनाश से बचना चाहती हूँ, क्योंकि उस विशालकाय की शैतानी शक्ति के विरुद्ध अपना बचाव करने की कोई संभावना नहीं होगी; और मुझे तुरंत अपने कुछ अनुयायियों के साथ स्पेन के लिए निकल जाना चाहिए, जहाँ मुझे एक ऐसे वीर योद्धा से मिलकर मेरी परेशानी में राहत मिलेगी जिसकी प्रसिद्धि उस समय तक पूरे राज्य में फैल चुकी होगी, और जिसे, अगर मुझे सही याद है, तो डॉन अज़ोटे या डॉन गिगोटे कहा जाएगा।
"'डॉन क्विक्सोट,' उसने कहा होगा, महोदया," इस पर सांचो ने टिप्पणी की, "जिसे 'दुखी चेहरे वाला शूरवीर' भी कहा जाता है।"

"बस यही बात है," डोरोथिया ने कहा; "उन्होंने यह भी कहा कि उनका कद लंबा और चेहरा दुबला-पतला होगा; और उनके दाहिने तरफ बाएं कंधे के नीचे, या उसके आसपास, एक भूरे रंग का तिल होगा जिस पर बाल घने और कांटेदार होंगे।"
यह सुनकर डॉन क्विक्सोट ने अपने सहायक से कहा, "मेरे बेटे सांचो, मेरी मदद करो और मेरे कपड़े उतारने में मेरी सहायता करो, क्योंकि मैं देखना चाहता हूँ कि क्या मैं वही योद्धा हूँ जिसके बारे में उस बुद्धिमान राजा ने भविष्यवाणी की थी।"
"आप किसलिए कपड़े उतारना चाहते हैं?" डोरोथिया ने कहा।
"यह देखने के लिए कि क्या मेरे शरीर पर वह तिल है जिसके बारे में तुम्हारे पिता ने बात की थी," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।
"कपड़े उतारने की कोई जरूरत नहीं है," सांचो ने कहा; "क्योंकि मैं जानता हूं कि आपकी रीढ़ की हड्डी के बीचोंबीच ठीक वैसा ही तिल है, जो एक बलवान पुरुष की निशानी है।"
"बस इतना ही काफी है," डोरोथिया ने कहा, "क्योंकि दोस्तों के साथ हमें छोटी- छोटी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए; और चाहे वो कंधे पर हो या रीढ़ की हड्डी पर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; अगर तिल है भी तो काफी है, चाहे वो कहीं भी हो, क्योंकि सब एक ही मांस है; इसमें कोई शक नहीं कि मेरे पिता जी ने हर बात में सच्चाई बताई थी, और डॉन क्विक्सोट को अपने बारे में बताकर मैंने बहुत अच्छा काम किया है; क्योंकि मेरे पिता जी ने उन्हीं के बारे में बात की थी, क्योंकि उनके चेहरे के हाव-भाव उस शूरवीर से मिलते हैं, जिसने न केवल स्पेन में बल्कि पूरे ला मांचा में अपनी व्यापक प्रसिद्धि हासिल की है; क्योंकि ओसुना में उतरते ही मैंने उनकी उपलब्धियों के बारे में सुना, और मेरे दिल ने तुरंत कहा कि वही वो हैं जिनकी तलाश में मैं आई थी।"
"लेकिन आप ओसुना में कैसे उतरीं, महोदया?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा, "जबकि यह कोई बंदरगाह नहीं है?"
लेकिन इससे पहले कि डोरोथिया जवाब दे पातीं, पादरी ने उनसे पहले ही कह दिया, "राजकुमारी का मतलब यह कहना था कि मलागा में उतरने के बाद, जिस पहली जगह पर उन्होंने आपके बारे में सुना, वह ओसुना थी।"
"मेरा यही मतलब था," डोरोथिया ने कहा।

“और यह तो स्वाभाविक ही है,” पादरी ने कहा। “महाराज, क्या आप कृपया आगे बढ़ेंगे?”
डोरोथिया ने कहा, "अब और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है, सिवाय इसके कि डॉन क्विक्सोट को पाकर मैं इतनी भाग्यशाली रही हूँ कि मैं स्वयं को अपने पूरे राज्य की रानी और स्वामिनी मानती हूँ, क्योंकि उनकी कृपा और उदारता के कारण उन्होंने मुझे अपने साथ चलने का वरदान दिया है, जहाँ कहीं भी मैं उन्हें ले जाऊँ, जहाँ तक कि मैं उन्हें पांडाफिलांडो के सामने न ले जाऊँ, ताकि वह उसे मार डालें और मुझे वह सब कुछ लौटा दें जो उसने अन्यायपूर्वक छीन लिया है: क्योंकि यह सब संतोषजनक रूप से होना ही है, क्योंकि मेरे पिता टिनैक्रियो द सैपिएंट ने इसकी भविष्यवाणी की थी, और उन्होंने इसे चाल्डी या ग्रीक अक्षरों में लिखित रूप में भी बताया था (क्योंकि मैं उन्हें पढ़ नहीं सकती), कि यदि यह भविष्यवाणी किया गया योद्धा, राक्षस का गला काटने के बाद, मुझसे विवाह करने के लिए तैयार हो जाए, तो मैं बिना किसी आपत्ति के तुरंत स्वयं को उनकी वैध पत्नी के रूप में प्रस्तुत कर दूँगी, और उन्हें अपने राज्य के साथ-साथ अपना अधिकार भी सौंप दूँगी।"
"अब तुम क्या सोचते हो, मेरे मित्र सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने यह सुनकर कहा। "क्या तुमने यह सुना? क्या मैंने तुम्हें पहले ही नहीं बताया था? देखो, हमें शासन करने के लिए एक राज्य और विवाह करने के लिए एक रानी मिल चुकी है!" "मैं कसम खाकर कहता हूँ, ऐसा ही है," सांचो ने कहा; "और उस व्यक्ति का बुरा हाल होगा जो सेनर पांडाहिलाडो की श्वास नली काटने के बाद शादी नहीं करेगा! और फिर, रानी कितनी बदसूरत है! काश मेरे बिस्तर में मौजूद पिस्सू भी ऐसे ही होते!"
और ऐसा कहते हुए उसने अत्यंत संतुष्टि के भाव से हवा में दो-तीन करतब दिखाए, फिर दौड़कर डोरोथिया के खच्चर की लगाम पकड़ी और उसे रोककर उसके सामने घुटनों के बल गिर पड़ा, उससे विनती की कि वह उसे अपना हाथ चूमने दे, ताकि वह उसे अपनी रानी और स्वामिनी के रूप में स्वीकार कर ले। वहाँ खड़े लोगों में से कौन मालिक के पागलपन और नौकर की सरलता को देखकर हँसे बिना रह सकता था? इसलिए डोरोथिया ने अपना हाथ दे दिया और वादा किया कि जब ईश्वर उसे स्वस्थ कर देगा और उसके राज्य का आनंद लेने की कृपा करेगा, तो वह उसे अपने राज्य में एक महान स्वामी बनाएगी। इस पर सांचो ने ऐसे शब्दों में धन्यवाद दिया कि सब फिर से हँसने लगे।

"महोदय," डोरोथिया ने आगे कहा, "यह मेरी कहानी है; बस इतना ही बताना बाकी है कि अपने राज्य से मैं जितने भी सेवकों को अपने साथ लाई थी, उनमें से इस घनी दाढ़ी वाले सरदार के अलावा कोई नहीं बचा, क्योंकि बंदरगाह के पास पहुँचते ही हम सब एक भयंकर तूफान में डूब गए थे; और हम दोनों किसी चमत्कार की तरह दो तख्तों पर आकर किनारे पर पहुँचे; और जैसा कि आपने देखा होगा, मेरे जीवन का पूरा घटनाक्रम ही एक चमत्कार और रहस्य है; और अगर मैंने किसी बात का बहुत विस्तार से वर्णन किया हो या जितनी सटीकता से बताना चाहिए था, उतनी न बताई हो, तो इसका कारण वही बात है जो मेरे कहानी की शुरुआत में पादरी ने कही थी, कि लगातार और अत्यधिक कष्ट सहने वालों की याददाश्त छीन लेते हैं।"
"हे महान और योग्य राजकुमारी, वे मुझे मेरा हक नहीं छीन सकते, चाहे आपकी सेवा में मुझे कितने ही महान और अद्वितीय कष्ट क्यों न सहने पड़ें; और मैं आपसे किए गए अपने वादे को दोहराता हूँ, और मैं शपथ लेता हूँ कि मैं आपके साथ दुनिया के अंत तक चलूँगा जब तक कि मैं आपके भयंकर शत्रु के सामने न पहुँच जाऊँ, जिसका अभिमानी सिर मैं अपनी भुजा की सहायता से इस तलवार की धार से काट डालूँगा—मैं इसे अच्छी तलवार नहीं कहूँगा, जिन्स डी पासामोंटे का शुक्रिया जिसने मेरी तलवार छीन ली"—(यह उसने दाँतों के बीच से कहा, और फिर आगे बोला), "और जब वह सिर कट जाएगा और आपको अपने राज्य का शांतिपूर्ण अधिकार मिल जाएगा, तो यह आपके स्वयं के निर्णय पर निर्भर करेगा कि आप अपने जीवन का निपटारा कैसे करें; क्योंकि जब तक मेरी स्मृति, मेरी इच्छा और मेरा विवेक उसके वश में हैं—मैं और कुछ नहीं कहूँगा—मेरे लिए एक पल के लिए भी विवाह के बारे में सोचना असंभव है, चाहे वह किसी फीनिक्स से ही क्यों न हो।"
अपने स्वामी के विवाह न करने की इच्छा से संबंधित अंतिम शब्द सांचो को इतने अप्रिय लगे कि उसने ऊँची आवाज में अत्यंत क्रोध से कहा:
"मेरी कसम, सेनोर डॉन क्विक्सोट, आप होश में नहीं हैं; भला इतनी उच्च कोटि की राजकुमारी से विवाह करने पर आपको आपत्ति कैसे हो सकती है? क्या आपको लगता है कि भाग्य हर पत्थर के पीछे ऐसा सौभाग्य देगा जैसा अभी दे रहा है? क्या मेरी लेडी डुलसीनिया इससे अधिक सुंदर हैं? बिल्कुल नहीं; आधी भी नहीं; और मैं तो यहाँ तक कहूँगा कि वह इसके सामने कुछ भी नहीं हैं। अगर आप समुद्र की गहराई में स्वादिष्ट चीज़ें ढूँढ़ते फिरेंगे तो मुझे वह काउंटी मिलने की कोई उम्मीद नहीं है जिसका मैं इंतज़ार कर रहा हूँ। शैतान के नाम

पर, विवाह कीजिए, विवाह कीजिए, और इस राज्य को बिना किसी परेशानी के हासिल कर लीजिए, और जब आप राजा बन जाएँ तो मुझे किसी प्रांत का मार्क्विस या गवर्नर बना दीजिए, और बाकी सब कुछ शैतान के हाथ में जाए।"
जब डॉन क्विक्सोट ने अपनी प्रेमिका डुलसीनिया के विरुद्ध इस प्रकार की निंदा सुनी, तो वह इसे सहन नहीं कर सका और सांचो से कुछ भी कहे बिना या एक शब्द भी बोले बिना, उसने अपना भाला उठाया और उसे दो ऐसे प्रहार किए कि वह जमीन पर गिर पड़ा; और यदि डोरोथिया ने उसे बख्शने की गुहार न लगाई होती, तो वह निःसंदेह उसे वहीं पर मार डालता।
कुछ देर रुककर उसने उससे कहा, “क्या तुम्हें लगता है कि तुम हमेशा मेरे मामलों में दखल देते रहोगे, हमेशा मुझे ठेस पहुँचाते रहोगे और मैं हमेशा तुम्हें माफ़ करता रहूँगा? ऐसा मत सोचो, हे दुष्ट, क्योंकि तुम निश्चित रूप से दुष्ट हो, क्योंकि तुमने अपनी ज़बान बेमिसाल डुलसीनिया के खिलाफ़ चलाई है। क्या तुम्हें नहीं पता, हे गंवार, आवारा, भिखारी, कि अगर वह मेरे हाथ में जो शक्ति भरती है, वह न होती तो मुझमें एक मक्खी को मारने की भी ताकत न होती? कहो, ज़हरीली ज़बान वाले उपहासकर्ता, तुम्हें क्या लगता है कि इस राज्य को किसने जीता है, इस राक्षस का सिर किसने काटा है और तुम्हें मार्क्विस किसने बनाया है (क्योंकि यह सब मैं पहले से ही पूरा और तय मानता हूँ), सिवाय डुलसीनिया की शक्ति के, जिसने मेरे हाथ को अपनी उपलब्धियों का साधन बनाया? वह मुझमें लड़ती है और मुझमें जीत हासिल करती है, और मैं उसी में जीता और साँस लेता हूँ, और मैं अपना जीवन और अस्तित्व उसी का ऋणी हूँ। हे नीच, हे बदमाश, तुम कितने कृतघ्न हो! आप स्वयं को धरती की धूल से उठकर एक प्रतिष्ठित स्वामी बनते हुए देखते हैं, और इतने बड़े उपकार के बदले में आप उसे प्रदान करने वाली की बुराई करते हैं!
सांचो इतना भी स्तब्ध नहीं था कि उसने अपने स्वामी की सारी बातें न सुनी हों, और कुछ फुर्ती से उठकर वह डोरोथिया के घोड़े के पीछे जाकर छिप गया, और वहाँ से उसने अपने स्वामी से कहा:
"मुझे बताइए, महोदय; यदि आपने इस महान राजकुमारी से विवाह न करने का निश्चय कर लिया है, तो स्पष्ट है कि राज्य आपका नहीं होगा; और यदि ऐसा नहीं है, तो आप मुझ पर कृपा कैसे कर सकते हैं? यही मेरी शिकायत है। कम से कम आप इस रानी से विवाह कर लीजिए, अब जब वह मानो स्वर्ग से बरसाई गई हैं, और उसके बाद आप मेरी पत्नी डुलसीनिया के पास लौट जाइए; क्योंकि संसार में ऐसे राजा भी रहे

होंगे जो रखैल रखते थे। जहाँ तक सुंदरता की बात है, उससे मेरा कोई लेना- देना नहीं है; और सच कहूँ तो, मुझे वे दोनों ही पसंद हैं; हालाँकि मैंने कभी भी पत्नी डुलसीनिया को नहीं देखा है।"
"अरे! मैंने उसे कभी नहीं देखा, हे ईश्वर-निंदा करने वाले गद्दार!" डॉन क्विक्सोट चिल्लाया; "क्या तुम अभी-अभी उससे मेरे लिए कोई संदेश नहीं लाए हो?"
"मेरा मतलब है," सांचो ने कहा, "कि मैंने उसे अपने खाली समय में इतना नहीं देखा कि मैं उसकी सुंदरता या उसके आकर्षण को अलग-अलग रूप से देख सकूं; लेकिन कुल मिलाकर वह मुझे पसंद है।"
"अब मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और तुम भी मुझे उस चोट के लिए क्षमा कर दो जो मैंने तुम्हें पहुँचाई है; क्योंकि हमारी पहली आवेगशीलता हमारे नियंत्रण में नहीं होती।"
"मैं यह समझता हूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "और मेरे साथ बोलने की इच्छा हमेशा पहली प्रेरणा होती है, और मैं अपने मन में जो कुछ भी होता है, उसे कम से कम एक बार तो कह ही देता हूँ।"
"इन सब बातों के बावजूद, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जो कुछ तुम कहते हो उस पर ध्यान दो, क्योंकि घड़ा अक्सर कुएँ पर जाता है—मुझे तुमसे और कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है।"
"अच्छा, अच्छा," सांचो ने कहा, "भगवान स्वर्ग में हैं, और सभी चालें देखते हैं, और न्याय करेंगे कि सबसे अधिक हानि कौन करता है, मैं जो सही नहीं बोलता, या आप जो ऐसा नहीं करते।"
"बस करो, सांचो, और अपने स्वामी के हाथ चूमकर उनसे क्षमा मांगो, और अब से प्रशंसा और निंदा करते समय सावधान रहना; और उस महिला टोबोसो के बारे में कुछ भी अपमानजनक मत कहना, जिसके बारे में मैं केवल इतना जानती हूँ कि मैं उसकी सेविका हूँ; और ईश्वर पर भरोसा रखो, क्योंकि तुम्हें अवश्य ही कोई ऐसा सम्मान प्राप्त होगा जिससे तुम राजकुमार की तरह जीवन व्यतीत कर सकोगे।" सांचो सिर झुकाकर आगे बढ़ा और अपने स्वामी से हाथ मिलाने की विनती की। डॉन क्विक्सोट ने गरिमा के साथ उसका हाथ थाम लिया और चूमते ही उसे आशीर्वाद दिया। फिर उन्होंने सांचो को थोड़ा आगे चलने को कहा, क्योंकि उन्हें उससे कुछ प्रश्न पूछने थे और कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करनी थी। सांचो ने आज्ञा का पालन किया और जब दोनों कुछ दूर आगे चले गए, तो डॉन क्विक्सोट ने

उससे कहा, "तुम्हारे लौटने के बाद से मुझे तुम्हारे मिशन और उसके उत्तर के बारे में तुमसे कई बातें पूछने का अवसर या समय नहीं मिला। अब जब संयोग से हमें समय और अवसर मिला है, तो मुझे इस अच्छी खबर से मिलने वाली खुशी से वंचित मत करो।"
"महाराज, आप जो चाहें पूछें," सांचो ने उत्तर दिया, "मैं हर समस्या से निकलने का रास्ता खोज लूंगा, जैसे मैंने उसमें प्रवेश किया था; लेकिन मैं आपसे विनती करता हूं, महोदय, कि भविष्य में आप इतने प्रतिशोधी न हों।" "तुम ऐसा क्यों कह रहे हो, सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मैं यह इसलिए कह रहा हूँ," उसने जवाब दिया, "क्योंकि अभी जो वार हुए, वे उस झगड़े के कारण थे जो शैतान ने पिछली रात हम दोनों के बीच भड़काया था, न कि मेरी लेडी डुलसीनिया के खिलाफ मैंने जो कहा था, उसके कारण। मैं उनसे प्रेम करता हूँ और उनका आदर करता हूँ जैसे किसी पवित्र अवशेष का—हालाँकि उनमें ऐसा कुछ भी नहीं है—वे केवल आपके सम्मान की वस्तु हैं।"
"अपनी जान की खातिर उस विषय पर और कुछ मत कहना, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि यह मुझे अप्रिय है; मैंने तुम्हें पहले ही इसके लिए क्षमा कर दिया है, और तुम यह कहावत तो जानते ही हो, 'नए पाप के लिए नया प्रायश्चित'।" जब ये सब चल रहा था, तभी उन्होंने देखा कि जिस रास्ते पर वे चल रहे थे, उस पर एक आदमी गधे पर सवार होकर आ रहा है। पास आने पर वह एक जिप्सी जैसा लग रहा था। लेकिन सांचो पांजा, जिसकी निगाहें और दिल हर गधे पर टिके रहते थे, ने उस आदमी को देखते ही पहचान लिया कि वह गिन्स डी पासामोंटे है। जिप्सी होने के संकेत से ही वह उसके गधे तक पहुँच गया, क्योंकि दरअसल डैपल ही पासामोंटे को ले जा रहा था। पहचान से बचने और गधे को बेचने के लिए पासामोंटे ने जिप्सी का वेश बना लिया था, क्योंकि वह जिप्सी भाषा और कई अन्य भाषाएँ इतनी अच्छी तरह बोल सकता था जैसे कि वे उसकी अपनी भाषा हो। सांचो ने उसे देखा और पहचान लिया, और पहचानते ही वह चिल्लाया, "गिनेसिल्लो, चोर, मेरा खजाना लौटा दो, मेरी जान बख्श दो, मेरी शांति भंग मत करो, मेरे गधे को छोड़ दो, मेरी खुशी को त्याग दो, चले जाओ, चोर, निकल जाओ और जो तुम्हारा नहीं है उसे लौटा दो।"
इतने शब्दों या निंदा की कोई आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि पहले ही प्रयास में गिन्स कूदकर नीचे उतर गया और उतनी ही तेज़ी से भाग निकला और उन सभी से आगे निकल गया। सांचो जल्दी से अपने डैपल के पास पहुँचा और उसे गले लगाकर

बोला, "कैसा रहा, मेरे प्रिय डैपल, मेरी आँखों का तारा, मेरे साथी?" और साथ ही वह उसे चूमता और सहलाता रहा मानो वह कोई इंसान हो। गधा चुप रहा और सांचो के चुंबन और सहलाने को सहलाता रहा, बिना एक शब्द भी बोले। सभी लोग आए और डैपल को ढूंढने पर उसे बधाई दी, विशेष रूप से डॉन क्विक्सोट ने, जिसने उससे कहा कि इसके बावजूद वह तीन गधे के बच्चों का ऑर्डर रद्द नहीं करेगा, जिसके लिए सांचो ने उसे धन्यवाद दिया।
जब दोनों इस तरह बातचीत कर रहे थे, तब पादरी ने डोरोथिया से कहा कि उसने कहानी और उसकी संक्षिप्तता, तथा वीरता की पुस्तकों से उसकी समानता के मामले में बड़ी चतुराई दिखाई है। डोरोथिया ने कहा कि उसने कई बार उन्हें पढ़कर अपना मनोरंजन किया था; लेकिन उसे प्रांतों या बंदरगाहों की स्थिति का ज्ञान नहीं था, इसलिए उसने अनायास ही कह दिया कि वह ओसुना में उतरी थी। "मैंने यही देखा," पादरी ने कहा, "और इसी कारण मैंने जल्दी से वह बात कही जिससे सब कुछ ठीक हो गया। लेकिन क्या यह अजीब बात नहीं है कि यह बेचारा सज्जन इन सभी मनगढ़ंत बातों और झूठों पर कितनी आसानी से विश्वास कर लेता है, सिर्फ इसलिए कि ये उसकी किताबों की बेतुकी बातों की शैली और तरीके से मेल खाती हैं?"
"हाँ, ऐसा ही है," कार्डेनियो ने कहा; "और यह इतना असामान्य और बेमिसाल है कि अगर कोई इसे काल्पनिक रूप से गढ़ने की कोशिश करे, तो मुझे संदेह है कि कोई इतना बुद्धिमान होगा जो इसकी कल्पना कर सके।"
"लेकिन इसके बारे में एक और अजीब बात यह है," पादरी ने कहा, "कि इस सज्जन द्वारा अपने सनक के संबंध में कही जाने वाली मूर्खतापूर्ण बातों को छोड़कर, जब अन्य विषयों पर चर्चा होती है, तो वे उन पर पूरी तरह से तर्कसंगत तरीके से चर्चा कर सकते हैं, जिससे पता चलता है कि उनका दिमाग बिल्कुल स्पष्ट और शांत है; इसलिए, यदि उनकी शिष्टता का जिक्र न किया जाए, तो कोई भी उन्हें पूरी तरह से समझदार व्यक्ति के अलावा कुछ और नहीं समझेगा।"
जब वे यह बातचीत कर रहे थे, डॉन क्विक्सोट ने सांचो से अपनी बातचीत जारी रखते हुए कहा:
"मित्र पांज़ा, चलो हम अपने झगड़ों को भुलाकर क्षमा कर दें, और अब क्रोध और झुंझलाहट को त्यागकर मुझे बताओ कि तुमने डुलसीनिया को कहाँ, कैसे और कब पाया? वह क्या कर रही थी? तुमने उससे क्या कहा? उसने क्या उत्तर दिया? मेरा

पत्र पढ़ते समय उसके चेहरे के भाव कैसे थे? तुम्हारे लिए पत्र की प्रतिलिपि किसने बनाई? और इस विषय में वह सब कुछ बताओ जो तुम्हें जानने, पूछने और सीखने योग्य लगता है; न तो मुझे प्रसन्न करने के लिए कुछ जोड़ो और न ही कुछ गलत बताओ, और न ही कुछ कम करो ताकि तुम मुझे इससे वंचित न कर दो।" "सेनोर," सांचो ने उत्तर दिया, "सच कहूं तो, मेरे लिए किसी ने भी पत्र की नकल नहीं की, क्योंकि मेरे पास कोई पत्र था ही नहीं।"
"जैसा तुमने कहा है, वैसा ही है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जिस नोटबुक में मैंने इसे लिखा था, वह तुम्हारे जाने के दो दिन बाद मुझे अपने पास मिली, जिससे मुझे बहुत परेशानी हुई, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि बिना किसी पत्र के तुम क्या करोगे; और मैंने यह सुनिश्चित किया कि तुम उसी जगह से लौट आओगे जहाँ तुमने इसे पहली बार खोया था।"
"तो मुझे भी ऐसा ही करना चाहिए था," सांचो ने कहा, "अगर मुझे वह बात तब याद न होती जब आपने उसे मुझे पढ़कर सुनाया था, इसलिए मैंने उसे एक चर्च सेवक को दोहराया, जिसने उसे सुनकर मेरे लिए हूबहू लिख दिया, इतनी सटीकता से कि उसने कहा कि अपने पूरे जीवन में, हालांकि उसने बहिष्कार के कई पत्र पढ़े थे, उसने कभी इतना सुंदर पत्र न देखा था और न पढ़ा था।"
"और क्या तुम्हें यह बात अभी भी याद है, सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "नहीं, महोदय," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि जैसे ही मैंने इसे दोहराया, यह देखकर कि इसका अब कोई उपयोग नहीं है, मैंने इसे भूलने का प्रयास किया; और यदि मुझे इसका कुछ अंश याद है, तो वह 'स्क्रबिंग' के बारे में है, मेरा तात्पर्य 'सम्राट महिला' से है, और अंत में 'मृत्यु तक आपका, उदास मुखमंडल वाला शूरवीर;' और इन दोनों के बीच मैंने तीन सौ से अधिक 'मेरी आत्माएं', 'मेरा जीवन' और 'मेरी आंखें' जोड़ दी हैं।"

31
अध्याय
डॉन क्विक्सोट और उसके सहायक सांचो पांजा के बीच हुई मनोरंजक चर्चा और अन्य घटनाओं का वर्णन।
"यह सब मुझे असंतोषजनक नहीं लगता," डॉन क्विक्सोट ने कहा। "आगे बढ़ो; तुम उस तक पहुँच गए; और वह सौंदर्य की रानी क्या कर रही थी? अवश्य ही तुमने उसे मोतियों की माला पिरोते हुए या अपने इस दास योद्धा के लिए सोने के धागे से कोई डिज़ाइन बनाते हुए पाया होगा।"
"मैंने नहीं देखा," सांचो ने कहा, "लेकिन मैंने उसे अपने घर के आंगन में दो बुशेल गेहूं फटकते हुए पाया।"
"तो यकीन मानो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "उसके हाथों से छूने पर गेहूँ के दाने मोती जैसे चमक रहे थे; और क्या तुमने देखा था, मित्र? क्या वह सफेद गेहूँ था या भूरा?"
"यह न तो लाल था, न ही लाल," सांचो ने कहा।
"तो मैं तुमसे वादा करता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि उसके हाथों से फटकने के बाद, निःसंदेह वह रोटी एकदम सफेद थी; लेकिन बताओ; जब तुमने उसे मेरा पत्र दिया, तो क्या उसने उसे चूमा? क्या उसने उसे अपने सिर पर रखा? क्या उसने इसके लिए कोई उचित रस्म निभाई, या उसने क्या किया?"
"जब मैं उसे पत्र देने गया," सांचो ने उत्तर दिया, "वह छलनी में रखे ढेर सारे गेहूं को इधर-उधर हिलाते हुए उसे छानने में व्यस्त थी, और उसने मुझसे कहा, 'मित्र, पत्र को उस बोरी के ऊपर रख दो, क्योंकि जब तक मैं इसे छानना पूरा नहीं कर लेती, तब तक मैं इसे पढ़ नहीं सकती।'"
"समझदार महिला!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "वह इसे अपने खाली समय में पढ़ने और आनंद लेने के लिए लिख रही थी; बताओ, सांचो; जब वह अपने काम में व्यस्त थी, तब उसने तुमसे क्या बातचीत की? उसने मेरे बारे में क्या पूछा और तुमने क्या जवाब दिया? जल्दी करो; मुझे सब कुछ बताओ, और स्याही की बोतल में एक बूंद भी न छूटने दो।"
"उसने मुझसे कुछ नहीं पूछा," सांचो ने कहा; "लेकिन मैंने उसे बताया कि कैसे महाराज उसकी सेवा में तपस्या करते हुए, कमर से ऊपर नग्न अवस्था में, इन पहाड़ों के बीच एक जंगली की तरह, जमीन पर सोते हुए, न तो मेज़पोश पर रोटी

खाते हुए और न ही अपनी दाढ़ी संवारते हुए, रोते और अपने भाग्य को कोसते हुए रह गए थे।"
"जब तुमने कहा कि मैं अपने भाग्य को कोसता हूँ, तो तुमने गलत कहा," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि मैं तो इसे आशीर्वाद देता हूँ और अपने जीवन भर इसे आशीर्वाद देता रहूँगा, क्योंकि इसने मुझे डुलसीनिया डेल टोबोसो जैसी महान महिला से प्रेम करने की आकांक्षा रखने योग्य बनाया है।"
"और वह इतनी ऊंची है," सांचो ने कहा, "कि वह मुझसे एक हाथ की चौड़ाई से भी अधिक लंबी है।"
"क्या! सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या तुमने उससे नाप-जोख की?" "मैंने इस तरह से नापा," सांचो ने कहा; "गेहूं की बोरी गधे की पीठ पर रखने में उसकी मदद करने के लिए जाते समय, हम इतने करीब आ गए कि मैं देख सकता था कि वह मेरे ऊपर एक हथेली से भी ज्यादा लंबी खड़ी थी।"
“वाह!” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “क्या वह सचमुच इस महानता को अपने करोड़ों मनमोहक आकर्षणों से सुशोभित नहीं करती! लेकिन एक बात तो तुम इनकार नहीं करोगे, सांचो; जब तुम उसके करीब आए, तो क्या तुमने एक सबाई जैसी गंध, एक सुगंधित खुशबू, एक ऐसी, पता नहीं क्या, मनमोहक खुशबू, जिसका मैं नाम नहीं बता सकता, महसूस नहीं की; मेरा मतलब है एक ऐसी महक, एक ऐसी सुगंध, मानो तुम किसी सुंदर दस्ताने बनाने वाले की दुकान में हो?”
"मैं बस इतना ही कह सकता हूँ," सांचो ने कहा, "कि मुझे थोड़ी सी गंध महसूस हुई, कुछ बकरी जैसी; ऐसा इसलिए हुआ होगा क्योंकि वह कड़ी मेहनत से पसीने से तरबतर थी।"
"ऐसा नहीं हो सकता," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तुम्हें सिर में सर्दी लग गई होगी, या तुमने खुद को सूंघा होगा; क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि कांटों के बीच उस गुलाब, खेत की उस लिली, उस पिघले हुए अंबर की गंध कैसी होगी।"
"शायद ऐसा ही हो," सांचो ने उत्तर दिया; "अक्सर मुझसे भी वही गंध आती है जो मुझे उस समय महारानी डुलसीनिया से आती हुई प्रतीत हुई थी; लेकिन इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि एक शैतान दूसरे शैतान जैसा ही होता है।" "तो फिर," डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, "अब उसने अनाज छानकर चक्की में भेज दिया है; जब उसने पत्र पढ़ा तो उसने क्या किया?"

"जहाँ तक पत्र की बात है," सांचो ने कहा, "उसने उसे पढ़ा ही नहीं, क्योंकि उसने कहा कि वह न तो पढ़ सकती है और न ही लिख सकती है; इसके बजाय उसने उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में फाड़ दिया, यह कहते हुए कि वह किसी को भी इसे पढ़ने नहीं देना चाहती, कहीं ऐसा न हो कि उसके रहस्य गाँव में उजागर हो जाएँ, और जो मैंने उसे मौखिक रूप से बताया था कि आप उससे कितना प्रेम करते हैं, और आप उसके लिए जो असाधारण तपस्या कर रहे हैं, वह काफी है; और अंत में, उसने मुझसे कहा कि मैं आपको बता दूँ कि उसने आपके हाथों को चूमा है, और वह आपको पत्र लिखने से कहीं अधिक आपसे मिलने की इच्छा रखती है; और इसलिए उसने आपसे विनती की और आदेश दिया कि इस उपहार को देखते ही आप इन झाड़ियों से बाहर आ जाएँ, और ये सब फिजूलखर्ची बंद करके तुरंत एल टोबोसो के लिए निकल पड़ें, जब तक कि कोई और अधिक महत्वपूर्ण बात न हो जाए, क्योंकि वह आपसे मिलने के लिए बहुत उत्सुक है। जब मैंने उसे बताया कि आपको 'दुखी चेहरे वाला योद्धा' कहा जाता है, तो वह बहुत हँसी; मैंने उससे पूछा कि क्या वह बिस्केयन उस दिन वहाँ था; और उसने मुझे बताया कि..." उसने मुझे बताया था कि वह एक ईमानदार आदमी था; मैंने उससे जहाज़ के गुलामों के बारे में भी पूछा, लेकिन उसने कहा कि उसने अभी तक किसी को नहीं देखा है।
“अभी तक तो सब ठीक है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “परन्तु मुझे बताओ कि उसने तुम्हें मेरे बारे में खबर देने के बदले में विदा लेते समय कौन सा रत्न दिया था? क्योंकि यह शूरवीरों और वीरांगनाओं की एक पुरानी और प्रचलित प्रथा है कि जो सेवक, युवतियाँ या बौने उनकी प्रेमिकाओं की खबर शूरवीरों तक या उनके शूरवीरों की खबर प्रेमिकाओं तक लाते हैं, उन्हें शुभ समाचार के इनाम के रूप में और संदेश की स्वीकृति के तौर पर कोई कीमती रत्न देते हैं।” "ऐसा होना बहुत संभव है," सांचो ने कहा, "और मेरी राय में यह एक अच्छी प्रथा थी; लेकिन यह बीते दिनों की बात होगी, क्योंकि अब तो रोटी और पनीर का एक टुकड़ा देने का ही रिवाज है; क्योंकि जब मैंने अपनी पत्नी डुलसीनिया से विदा ली थी, तो उन्होंने आंगन की दीवार के ऊपर से मुझे यही दिया था; और उससे भी बड़ी बात यह थी कि वह भेड़ के दूध का पनीर था।"
“वह बहुत उदार है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और अगर उसने तुम्हें सोने का गहना नहीं दिया, तो निस्संदेह इसलिए दिया होगा क्योंकि उसके पास तुम्हें देने के लिए वहाँ कोई गहना नहीं था; लेकिन ईस्टर के बाद आस्तीनें अच्छी रहती हैं; मैं उससे मिलूंगा और सब ठीक हो जाएगा। लेकिन क्या तुम जानते हो

कि मुझे क्या आश्चर्यचकित करता है, सांचो? मुझे लगता है कि तुम हवा में उड़कर आए होगे, क्योंकि एल टोबोसो जाने और वापस आने में तुम्हें तीन दिन से थोड़ा ही अधिक समय लगा, जबकि यहाँ से वहाँ की दूरी तीस मील से अधिक है। इससे मुझे लगता है कि मेरा वह ज्ञानी जादूगर मित्र, जो मेरे हितों की रक्षा करता है (क्योंकि एक होना आवश्यक है, अन्यथा मैं एक सच्चा योद्धा नहीं होता), उसने ही तुम्हारी जानकारी के बिना यात्रा में तुम्हारी मदद की होगी; क्योंकि इनमें से कुछ ज्ञानी योद्धा सोते हुए योद्धा को पकड़ लेते हैं, और उसे पता भी नहीं चलता कि कैसे या किस तरह से यह हुआ, और वह अगले दिन एक हजार मील से अधिक दूर जागता है। वह स्थान जहाँ वह सोने गया था। और यदि ऐसा न होता, तो वीर योद्धा संकट के समय एक-दूसरे की सहायता नहीं कर पाते, जैसा कि वे हर मोड़ पर करते हैं। मान लीजिए, कोई योद्धा आर्मेनिया के पहाड़ों में किसी अजगर, या भयंकर सर्प, या किसी अन्य योद्धा से लड़ रहा है, और युद्ध में बुरी तरह हार जाता है, और मृत्यु के कगार पर है; लेकिन जब उसे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं होती, तो उसके सामने बादल पर, या अग्नि रथ पर, एक दूसरा योद्धा, उसका मित्र, जो कुछ ही समय पहले इंग्लैंड में था, प्रकट होता है, और उसका पक्ष लेता है, और उसे मृत्यु से बचाता है; और रात में वह अपने ही कक्ष में भरपूर भोजन कर रहा होता है; और फिर भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक की दूरी दो या तीन हजार मील होती है। और यह सब उन बुद्धिमान जादूगरों की चतुराई और कौशल से संभव होता है जो उन वीर योद्धाओं की देखभाल करते हैं; इसलिए, मित्र सांचो, मुझे यह मानने में कोई कठिनाई नहीं है कि तुम इस स्थान से एल टोबोसो गए और इतने कम समय में वापस आ गए, क्योंकि जैसा कि मैंने देखा है उन्होंने कहा, "किसी मित्रवत ऋषि ने तुम्हें बिना तुम्हारी अनुभूति के हवा में उड़ाकर ले गया होगा।"
"यही तो बात होगी," सांचो ने कहा, "क्योंकि रोसिनेंटे सचमुच किसी बंजारे की तरह फुदक रहा था, मानो उसके कानों में पारा भरा हो।"
"पारा!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हाँ, और तो और, शैतानों की एक सेना है, ऐसे लोग जो बिना थके यात्रा कर सकते हैं और दूसरों को भी यात्रा करवा सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे उनका मन करता है। लेकिन इसे छोड़ो, मेरी स्वामिनी के आदेश के बारे में मुझे क्या करना चाहिए? क्योंकि यद्यपि मैं उनके आदेश का पालन करने के लिए बाध्य महसूस करता हूँ, मैं यह भी महसूस करता हूँ कि मैंने हमारे साथ आई राजकुमारी को जो वरदान दिया है, उससे मैं विवश हूँ, और वीरता

का नियम मुझे अपनी इच्छा से पहले अपने वचन का पालन करने के लिए विवश करता है; एक ओर मेरी स्वामिनी को देखने की इच्छा मेरा पीछा करती है और मुझे परेशान करती है, दूसरी ओर मेरा गंभीर वादा और इस अभियान में मुझे मिलने वाला गौरव मुझे प्रेरित करता है और बुलाता है; लेकिन मैं जो करने की सोच रहा हूँ वह यह है कि मैं पूरी गति से यात्रा करूँ और जल्दी से उस स्थान पर पहुँचूँ जहाँ यह राक्षस है, और वहाँ पहुँचते ही मैं उसका सिर काट दूँगा, और राजकुमारी को उसके राज्य में शांतिपूर्वक स्थापित करूँगा, और तुरंत उस प्रकाश को देखने के लिए लौटूँगा जो मेरी इंद्रियों को रोशन करता है, जिसके सामने मैं ऐसे बहाने बनाऊँगा कि वह वह मेरी देरी को स्वीकार कर लेगी, क्योंकि वह देखेगी कि इससे उसकी शान और प्रसिद्धि में ही वृद्धि होगी; क्योंकि इस जीवन में मैंने जो कुछ भी जीता है, जीत रहा हूँ या जीतूँगा, वह सब मुझे उसके द्वारा मुझ पर बरसाई गई कृपा से और इसलिए मिला है क्योंकि मैं उसका हूँ।"
"अरे! महाराज, आपकी बुद्धि तो बिल्कुल ही खराब हालत में है!" सांचो ने कहा। "महोदय, मुझे बताइए, क्या आप इतनी दूर का सफर व्यर्थ ही तय करके, इतने समृद्ध और शानदार विवाह के अवसर को हाथ से जाने देना चाहते हैं, जहाँ इनाम के तौर पर एक ऐसा राज्य दिया जा रहा है जो मैंने सचमुच सुना है कि बीस हजार मील से भी अधिक विशाल है, और मानव जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजों से भरपूर है, और पुर्तगाल और कैस्टिले को मिलाकर भी उससे बड़ा है? भगवान के लिए, चुप रहिए! आपने जो कहा है उसके लिए शर्म महसूस कीजिए, मेरी सलाह मानिए, मुझे क्षमा कीजिए, और जिस पहले गाँव में कोई पादरी मिले, वहीं शादी कर लीजिए; अगर नहीं, तो यहाँ हमारा लाइसेंसधारी पादरी है जो यह काम बखूबी कर देगा; याद रखिए, मैं सलाह देने लायक उम्र का हूँ, और मेरी यह सलाह बिल्कुल सटीक है; क्योंकि हाथ में चिड़िया उड़ते गिद्ध से बेहतर होती है, और जिसके हाथ में अच्छी चीज हो और वह बुरी चीज को चुने, तो उसे वह अच्छी चीज कभी नहीं मिलेगी जिसकी वह शिकायत करता है।"
"सुनो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा। "अगर तुम मुझे शादी करने की सलाह दे रहे हो, ताकि राक्षस को मारते ही मैं राजा बन जाऊं, और तुम पर कृपा कर सकूं, और तुम्हें वो दे सकूं जिसका मैंने वादा किया है, तो मैं तुम्हें बता दूं कि मैं बिना शादी किए भी तुम्हारी इच्छा आसानी से पूरी कर सकता हूं; क्योंकि युद्ध में जाने से पहले मैं यह शर्त रखूंगा कि अगर मैं युद्ध में

विजयी होकर लौटता हूं, तो भी मैं शादी न करूं, मुझे राज्य का एक हिस्सा दिया जाएगा, जिसे मैं जिसे चाहूं उसे दे सकता हूं, और जब वे मुझे वह हिस्सा देंगे तो तुम किसे देना चाहते हो, सिवाय तुम्हें?"
"यह तो सीधी बात है," सांचो ने कहा; "लेकिन महाराज, कृपया इसे समुद्र तट पर ही चुनें, ताकि अगर मुझे यहाँ का जीवन पसंद न आए, तो मैं अपने काले सामंतों को जहाज़ से भेज सकूँ और उनके साथ वैसा ही व्यवहार कर सकूँ जैसा मैंने कहा है; अभी मेरी पत्नी डुलसीनिया से मिलने जाने की चिंता न करें, लेकिन जाइए और इस राक्षस को मार डालिए और हम इस काम को खत्म कर दें; क्योंकि भगवान की कसम, मुझे लगता है कि यह बहुत सम्मान और बहुत लाभ का काम होगा।"
"सांचो, मुझे लगता है कि तुम सही हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और मैं डुलसीनिया से मिलने जाने से पहले राजकुमारी के साथ जाने के बारे में तुम्हारी सलाह मानूंगा; लेकिन मैं तुम्हें सलाह देता हूं कि तुमने जो भी विचार-विमर्श किया है, उसके बारे में किसी से या हमारे साथ मौजूद लोगों से कुछ भी मत कहना, क्योंकि डुलसीनिया इतनी शालीन है कि वह अपने विचार प्रकट नहीं करना चाहती, इसलिए यह उचित नहीं है कि मैं या कोई और मेरी ओर से उन्हें प्रकट करे।"
“तो फिर, अगर ऐसा है,” सांचो ने कहा, “आपकी कृपा से आप जिन लोगों को जीतते हैं, उन सभी को मेरी देवी डुलसीनिया के सामने हाज़िर होने के लिए क्यों कहते हैं? यह तो इस बात का सबूत है कि आप उनसे प्रेम करते हैं और उनके प्रेमी हैं। और जो लोग जाते हैं, उन्हें उनके सामने घुटने टेककर यह कहना ही पड़ता है कि वे आपकी ओर से उनके सामने आत्मसमर्पण करने आए हैं। ऐसे में आप दोनों के विचार कैसे छिपे रह सकते हैं?”
"ओह, तुम कितने नासमझ और भोले हो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या तुम्हें नहीं दिखता, सांचो, कि इससे उसका सम्मान और बढ़ेगा? क्योंकि तुम्हें पता होना चाहिए कि हमारी शिष्टता की मान्यता के अनुसार, किसी महिला के लिए यह बहुत सम्मान की बात है कि उसकी सेवा में कई वीर योद्धा हों, जिनका उद्देश्य केवल उसकी सेवा करना हो, और जो अपनी सच्ची और महान भक्ति के बदले में केवल यही चाहते हों कि वह उन्हें अपने योद्धा के रूप में स्वीकार करे।"
सांचो ने कहा, "मैंने उपदेशकों को इस प्रकार के प्रेम के साथ यह कहते सुना है कि हमें अपने प्रभु से केवल उनके लिए प्रेम करना चाहिए, महिमा की आशा या

दंड के भय से प्रेरित हुए बिना; हालाँकि मैं स्वयं उनसे इसलिए प्रेम और सेवा करना पसंद करूँगा क्योंकि वे क्या कर सकते हैं।"
"तुम्हें तो मसखरा समझो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और तुम कभी-कभी कितनी चतुर बातें कहते हो! ऐसा लगता है जैसे तुमने पढ़ाई की हो।"
"इसलिए, आस्था के कारण, मैं पढ़ भी नहीं सकता।"
मास्टर निकोलस ने उन्हें थोड़ी देर रुकने के लिए कहा, क्योंकि वे वहाँ मौजूद एक छोटे से झरने पर रुककर पानी पीना चाहते थे। डॉन क्विक्सोट रुक गया, जिससे सांचो को काफी संतुष्टि मिली, क्योंकि वह अब तक इतने झूठ बोलते- बोलते थक चुका था और उसे डर था कि कहीं उसका गुरु उसे रंगे हाथों न पकड़ ले। हालाँकि वह जानता था कि डुलसीनिया एल टोबोसो की एक किसान लड़की थी, उसने उसे अपने पूरे जीवन में कभी नहीं देखा था। कार्डेनियो ने अब वे कपड़े पहन लिए थे जो डोरोथिया ने उसे मिलने पर पहने थे, और हालाँकि वे बहुत अच्छे नहीं थे, फिर भी उन कपड़ों से कहीं बेहतर थे जो उसने उतारे थे। वे सब झरने के किनारे एक साथ उतरे और सराय में पादरी द्वारा लाए गए भोजन से उन्होंने अपनी भूख को शांत किया, हालाँकि पूरी तरह से नहीं।
जब वे लोग इस काम में लगे हुए थे, तभी एक युवक वहाँ से गुज़र रहा था। वह झरने के पास रुका और दल को ध्यान से देखने लगा। फिर वह दौड़कर डॉन क्विक्सोट के पास पहुँचा और उनके पैरों को पकड़कर फूट-फूटकर रोने लगा, "हे महाराज, क्या आप मुझे नहीं पहचानते? मुझे ध्यान से देखिए; मैं वही लड़का एंड्रेस हूँ जिसे आपने उस बलूत के पेड़ से मुक्त कराया था जहाँ मैं बंधा हुआ था।"
डॉन क्विक्सोट ने उसे पहचान लिया और उसका हाथ पकड़कर वहाँ मौजूद लोगों की ओर मुड़कर कहा: "यह दिखाने के लिए कि इस संसार में अत्याचारी और दुष्ट पुरुषों द्वारा किए गए अन्याय और चोटों का निवारण करने के लिए वीर योद्धाओं का होना कितना महत्वपूर्ण है, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि कुछ दिन पहले एक जंगल से गुजरते हुए, मैंने किसी पीड़ित व्यक्ति की चीखें और दयनीय शिकायतें सुनीं; अपने कर्तव्य से प्रेरित होकर, मैं तुरंत उस जगह की ओर भागा जहाँ से मुझे वे दर्द भरी आवाजें आती सुनाई दीं, और मैंने उस लड़के को एक बलूत के पेड़ से बंधा हुआ पाया जो अब आपके सामने खड़ा है, जिससे मेरे दिल में खुशी की लहर दौड़ गई, क्योंकि उसकी गवाही मुझे किसी भी बात में सच्चाई से विमुख होने की अनुमति नहीं देती। मैं कहता हूँ, वह कमर से ऊपर

नंगा बलूत के पेड़ से बंधा हुआ था, और एक मसखरा, जिसे मैंने बाद में उसका मालिक पाया, उसे अपनी घोड़ी की लगाम से कोड़ों से पीट रहा था। जैसे ही मैंने उसे देखा, मैंने इतनी क्रूरता से कोड़े मारने का कारण पूछा। उस गंवार ने उत्तर दिया कि वह उसे इसलिए पीट रहा है क्योंकि वह उसका सेवक है।" और लापरवाही के कारण, जो मूर्खता से नहीं बल्कि बेईमानी से उपजी थी; इस पर उस लड़के ने कहा, 'महोदय, वह मुझे केवल इसलिए पीटता है क्योंकि मैं अपनी मजदूरी मांगता हूँ।' स्वामी ने न जाने क्या-क्या बातें और स्पष्टीकरण दिए, जिन्हें मैंने सुना तो सही, लेकिन स्वीकार नहीं किया। संक्षेप में, मैंने विदूषक को उसे खोलने के लिए मजबूर किया, और उससे शपथ दिलवाई कि वह उसे अपने साथ ले जाएगा, और उसे असली-असली और इत्र भी देगा। क्या यह सब सच नहीं है, मेरे बेटे एंड्रेस? क्या तुमने ध्यान नहीं दिया कि मैंने उसे कितने अधिकार से आदेश दिया, और उसने कितनी विनम्रता से वह सब करने का वादा किया जो मैंने उसे करने के लिए कहा, बताया और उससे माँगा? बिना संकोच किए उत्तर दो; इन सज्जनों को बताओ कि क्या हुआ, ताकि वे देख सकें कि जैसा मैं कहता हूँ, पराक्रमी योद्धाओं का होना उतना ही बड़ा लाभ है।
"महामहिम ने जो कुछ भी कहा है, वह बिल्कुल सच है," लड़के ने उत्तर दिया; "लेकिन मामले का अंत आपके अनुमान के बिल्कुल विपरीत निकला।"
"यह कैसे! बिल्कुल उल्टा?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या उस मसखरे ने तुम्हें तब पैसे नहीं दिए थे?"
“उसने न सिर्फ मुझे पैसे नहीं दिए,” लड़के ने जवाब दिया, “बल्कि जैसे ही महाराज जंगल से बाहर निकले और हम अकेले रह गए, उसने मुझे फिर से उसी बलूत के पेड़ से बाँध दिया और मेरी इतनी पिटाई की कि मैं जैसे किसी छिले हुए संत बार्थोलोम्यू की तरह हो गया; और हर कोड़े के बाद वह महाराज को मूर्ख बनाने के बारे में कोई न कोई मज़ाक या ताना मारता रहा, और अगर मुझे इतना दर्द न होता तो मैं उसकी बातों पर हँस देता। संक्षेप में, उसने मुझे ऐसी हालत में छोड़ दिया कि मैं अब तक अस्पताल में उस बदमाश मसखरे द्वारा पहुँचाई गई चोटों का इलाज करवा रहा हूँ; इन सबके लिए महाराज ही दोषी हैं; क्योंकि अगर आप अपने रास्ते चले जाते और वहाँ नहीं आते जहाँ आपकी कोई ज़रूरत नहीं थी, और दूसरों के मामलों में दखल नहीं देते, तो मेरे मालिक मुझे एक-दो दर्जन कोड़े मारकर संतुष्ट हो जाते और फिर मुझे छोड़ देते और मुझे मेरा बकाया दे देते; लेकिन जब महाराज ने उसे इतनी हद से ज़्यादा गाली दी और इतने कठोर

शब्द कहे, तो उसका गुस्सा भड़क उठा।” भड़क उठा; और चूंकि वह तुमसे बदला नहीं ले सका, इसलिए जैसे ही उसने देखा कि तुम उसे छोड़कर चली गई हो, मुझ पर ऐसा तूफान आ पड़ा कि मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं फिर कभी मर्द नहीं बन पाऊंगा।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "गड़बड़ तो मेरे जाने में थी; क्योंकि मुझे तब तक नहीं जाना चाहिए था जब तक मैं तुम्हें भुगतान न कर दूं; क्योंकि मुझे अपने लंबे अनुभव से यह अच्छी तरह पता होना चाहिए था कि कोई भी मसखरा अपना वचन नहीं निभाता अगर उसे लगता है कि उसे निभाना उसके हित में नहीं है; लेकिन एंड्रेस, तुम्हें याद है ना कि मैंने कसम खाई थी कि अगर उसने तुम्हें भुगतान नहीं किया तो मैं जाकर उसे ढूंढ निकालूंगा, चाहे वह व्हेल के पेट में ही क्यों न छिप जाए।"
"यह सच है," एंड्रेस ने कहा; "लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ।"
“अब तुम देखोगे कि यह उपयोगी है या नहीं,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; और ऐसा कहकर वह जल्दी से उठा और सांचो को रोसिनांटे को लगाम लगाने का आदेश दिया, जो उनके भोजन करते समय चर रहा था। डोरोथिया ने उससे पूछा कि वह क्या करने जा रहा है। उसने उत्तर दिया कि वह इस मसखरे की खोज में जाएगा और उसके इस अन्यायपूर्ण आचरण के लिए उसे दंडित करेगा, और दुनिया के सभी मसखरों के विरुद्ध एंड्रेस को अंतिम सजा दिलवाएगा। इस पर उसने कहा कि उसे याद रखना चाहिए कि अपने वादे के अनुसार वह उसका वादा पूरा किए बिना कोई और काम नहीं कर सकता; और चूंकि वह यह बात सबसे बेहतर जानता है, इसलिए उसे उसके राज्य से लौटने तक अपने उत्साह पर नियंत्रण रखना चाहिए।
"यह सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और जैसा कि आपने कहा है, महोदया, एंड्रेस को मेरे लौटने तक धैर्य रखना होगा; लेकिन मैं एक बार फिर शपथ लेता हूँ और वादा करता हूँ कि जब तक मैं उसका बदला नहीं ले लेता और उसे सजा नहीं मिल जाती, तब तक मैं नहीं रुकूंगा।"
"मुझे उन शपथों पर कोई भरोसा नहीं है," एंड्रेस ने कहा; "मैं दुनिया भर के सभी प्रतिशोधों से बेहतर अभी कुछ ऐसा चाहता हूँ जिससे मुझे सेविले पहुँचने में मदद मिले; अगर आपके पास यहाँ कुछ खाने को है जो मैं अपने साथ ले जा सकूँ, तो मुझे दे दीजिए, और ईश्वर आपके और सभी वीर योद्धाओं के साथ हो; और उनकी यात्राएँ उनके लिए भी उतनी ही सफल हों जितनी मेरी हुई हैं।"

सांचो ने अपने भंडार से रोटी का एक टुकड़ा और पनीर का एक टुकड़ा निकाला और उन्हें लड़के को देते हुए कहा, "लो, इसे ले लो, भाई एंड्रेस, क्योंकि हम सभी तुम्हारे दुर्भाग्य में भागीदार हैं।"
"तुम्हारा हिस्सा कितना है?"
"रोटी और पनीर का यह हिस्सा मैं तुम्हें दे रहा हूँ," सांचो ने उत्तर दिया; "और ईश्वर ही जानता है कि मुझे स्वयं इसकी कमी महसूस होगी या नहीं; क्योंकि मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ, मित्र, कि हम वीर योद्धाओं के सहायकों को बहुत भूख और कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, और यहाँ तक कि ऐसी अन्य चीजें भी झेलनी पड़ती हैं जिन्हें शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।" एंड्रेस ने अपनी रोटी और पनीर उठाया और जब देखा कि कोई उसे कुछ और नहीं दे रहा है, तो उसने अपना सिर झुकाया और सड़क पकड़ ली, जैसा कि कहावत है। हालाँकि, जाने से पहले उसने कहा, "हे ईश्वर के नाम पर, हे वीर योद्धा, यदि आप मुझसे कभी फिर मिलें, तो भले ही आप मुझे टुकड़े-टुकड़े करते हुए देखें, मुझे कोई सहायता या मदद न दें, बल्कि मुझे मेरे दुर्भाग्य पर छोड़ दें, जो इतना बड़ा नहीं होगा कि आपकी सहायता से मुझ पर इससे भी बड़ा विपत्ति आ पड़े, जिस पर और अब तक पैदा हुए सभी वीर योद्धाओं पर ईश्वर अपना अभिशाप भेजे।"
डॉन क्विक्सोट उसे डांटने के लिए उठने ही वाला था कि वह इतनी तेज़ी से भागा कि किसी ने भी उसका पीछा करने की कोशिश नहीं की; और एंड्रेस की कहानी सुनकर डॉन क्विक्सोट बहुत निराश हो गया, और दूसरों को अपनी हंसी को बड़ी सावधानी से रोकना पड़ा ताकि वह पूरी तरह से अपमानित न हो जाए।

32

अध्याय
यह पुस्तक डॉन क्विक्सोट के दल के साथ सराय में घटी घटनाओं का वर्णन करती है।
उनका स्वादिष्ट भोजन समाप्त हो जाने पर, वे तुरंत घोड़ों पर सवार हुए और बिना किसी उल्लेखनीय घटना के अगले दिन उस सराय में पहुँच गए, जो सांचो पांजा के भय और डर का कारण थी; यद्यपि वह उसमें प्रवेश नहीं करना चाहता था, पर कोई चारा नहीं था। सराय की मालकिन, मालिक, उनकी बेटी और मैरिटोर्नेस ने डॉन क्विक्सोट और सांचो को आते देख उनका हार्दिक स्वागत किया, जिसे डॉन क्विक्सोट ने गरिमा और गंभीरता के साथ स्वीकार किया और उनसे पिछली बार से बेहतर बिस्तर लगाने को कहा। इस पर सराय की मालकिन ने कहा कि यदि वह पिछली बार से अधिक भुगतान करेगा, तो वह उसे राजकुमार के योग्य बिस्तर देगी। डॉन क्विक्सोट ने हाँ कहा, इसलिए उन्होंने उसी अटारी में उसके लिए एक ठीक-ठाक बिस्तर लगा दिया; और वह तुरंत लेट गया, क्योंकि वह बुरी तरह काँप रहा था और उसे नींद की बहुत ज़रूरत थी।
जैसे ही दरवाजा उसके ऊपर बंद हुआ, मकान मालकिन नाई की ओर दौड़ी और उसकी दाढ़ी पकड़कर बोली:
"मेरी कसम, अब तुम मेरी पूंछ से दाढ़ी नहीं बनाओगे; तुम्हें मेरी पूंछ वापस देनी होगी, क्योंकि मेरे पति की वह चीज जिस तरह फर्श पर इधर-उधर उछलती रहती है, वह शर्मनाक है; मेरा मतलब उस कंघी से है जिसे मैं अपनी अच्छी पूंछ में लगाया करती थी।"
लेकिन डोरोथिया के लाख कोशिशों के बावजूद नाई ने उसे तब तक नहीं छोड़ा जब तक कि शराबखाने के मालिक ने उसे डोरोथिया को देने के लिए नहीं कहा, क्योंकि अब इस चाल की कोई ज़रूरत नहीं थी। वह खुद को प्रकट कर सकता था और अपने असली रूप में डॉन क्विक्सोट को बता सकता था कि जब उन चोरों, यानी जहाज़ के गुलामों ने उसे लूटा था, तब वह इस सराय में भागकर आया था। और अगर वह राजकुमारी के सहायक के बारे में पूछे, तो वे उसे बता सकते थे कि राजकुमारी ने उसे अपने राज्य के लोगों को यह सूचना देने के लिए पहले ही भेज दिया था कि वह आ रही है और अपने साथ उन सभी का उद्धारक ला रही है। इस पर नाई ने खुशी- खुशी डोरोथिया की पूंछ वापस कर दी और साथ ही डॉन क्विक्सोट को छुड़ाने के

लिए उधार ली गई सभी चीज़ें भी लौटा दीं। सराय के सभी लोग डोरोथिया की सुंदरता और यहाँ तक कि चरवाहे कार्डेनियो के आकर्षक रूप को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। पादरी ने उन्हें सराय में जो भी भोजन उपलब्ध था, उसे तैयार करने को कहा, और सराय के मालिक ने बेहतर भुगतान की उम्मीद में उन्हें एक ठीक-ठाक भोजन परोसा। इस पूरे समय डॉन क्विक्सोट सो रहा था, और उन्होंने उसे जगाना उचित नहीं समझा, क्योंकि अब सोने से उसे खाने से अधिक लाभ होगा। रात के खाने के दौरान, मकान मालिक, उसकी पत्नी, उनकी बेटी, मैरिटोर्नेस और सभी यात्रियों ने डॉन क्विक्सोट के अजीबोगरीब जुनून और जिस तरह से वह मिला था, उस पर चर्चा की; मकान मालकिन ने उन्हें बताया कि उसके और संदेशवाहक के बीच क्या हुआ था; और फिर, यह देखने के लिए चारों ओर देखा कि सांचो वहाँ है या नहीं, जब उसने देखा कि वह नहीं है, तो उसने उन्हें उसके कंबल ओढ़ने की पूरी कहानी सुनाई, जिसे सुनकर उन्हें काफी हंसी आई। लेकिन जब पादरी ने कहा कि डॉन क्विक्सोट ने जो वीरता की किताबें पढ़ी थीं, उन्हीं से उसका दिमाग खराब हुआ था, तो मकान मालिक ने कहा:
मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा कैसे हो सकता है, क्योंकि सच कहूँ तो मेरे विचार से दुनिया में इससे बेहतर पढ़ने की कोई चीज़ नहीं है, और मेरे पास यहाँ ऐसी दो-तीन किताबें हैं, साथ ही अन्य रचनाएँ भी हैं जो न केवल मेरे लिए बल्कि कई अन्य लोगों के लिए भी जीवन का स्रोत हैं; क्योंकि जब फसल कटाई का समय होता है, तो कटाई करने वाले छुट्टियाँ मनाने यहाँ आते हैं, और उनमें से हमेशा कोई न कोई ऐसा होता है जो पढ़ सकता है और इनमें से कोई एक किताब उठा लेता है, और हम तीस या उससे अधिक लोग उसके चारों ओर इकट्ठा हो जाते हैं और उसे बड़े आनंद से सुनते हैं जिससे हमारे सफ़ेद बाल फिर से जवान हो जाते हैं। कम से कम मैं अपने बारे में तो कह सकता हूँ कि जब मैं सुनता हूँ कि शूरवीर कितने भयंकर और भयानक प्रहार करते हैं, तो मेरा भी वैसा ही करने का मन करता है, और मैं दिन-रात उनके बारे में सुनना चाहता हूँ।
"और मुझे भी," मकान मालकिन ने कहा, "क्योंकि मेरे घर में कभी शांति का क्षण नहीं होता, सिवाय तब जब आप किसी को पढ़ते हुए सुन रहे होते हैं; क्योंकि तब आप इतने मग्न हो जाते हैं कि कुछ समय के लिए डांटना भूल जाते हैं।"
"यह सच है," मैरिटोर्नेस ने कहा; "और, सच कहूँ तो, मुझे भी ये बातें सुनना बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि ये बहुत सुंदर होती हैं; खासकर जब इनमें किसी महिला का वर्णन होता है जो संतरे के पेड़ों के नीचे अपने प्रेमी की बाहों

में होती है, और वह महिला जो ईर्ष्या और भय से अधमरी होकर उनकी रक्षा कर रही होती है; मैं कहता हूँ, यह सब शहद के समान स्वादिष्ट है।"
"और तुम, तुम्हारा क्या विचार है, युवती?" पादरी ने मकान मालिक की बेटी की ओर मुड़ते हुए कहा।
"सच में, मुझे नहीं पता, महोदय," उसने कहा; "मैं भी सुनती हूँ, और सच कहूँ तो, हालाँकि मैं इसे समझ नहीं पाती, मुझे इसे सुनना अच्छा लगता है; लेकिन मुझे वो मार-पीट पसंद नहीं है जो मेरे पिता को पसंद है, बल्कि वो विलाप पसंद है जो शूरवीर अपनी प्रेमिकाओं से बिछड़ने पर करते हैं; और सच में, कभी-कभी मुझे उन पर दया आती है और मेरी आँखों में आँसू आ जाते हैं।"
"तो अगर वे तुम्हारे लिए रो रहे होते, तो तुम उन्हें सांत्वना देतीं, युवती?" डोरोथिया ने कहा।
"मुझे नहीं पता कि मुझे क्या करना चाहिए," लड़की ने कहा; "मैं बस इतना जानती हूँ कि कुछ औरतें इतनी निर्दयी होती हैं कि वे अपने प्रेमियों को बाघ, शेर और हज़ारो गंदे नामों से पुकारती हैं: हे भगवान! मुझे नहीं पता कि वे किस तरह की औरतें हो सकती हैं, इतनी बेदर्द और निर्दयी कि एक नेक आदमी पर नज़र डालने के बजाय उसे मरने या पागल होने के लिए छोड़ देती हैं। मुझे नहीं पता कि ऐसी रूढ़िवादिता का क्या फायदा; अगर यह सम्मान के लिए है, तो उनसे शादी क्यों न कर लें? बस यही तो वे चाहती हैं।"
"चुप रहो, बच्ची," मकान मालकिन ने कहा; "मुझे लगता है कि तुम्हें इन चीजों के बारे में बहुत कुछ पता है, और लड़कियों के लिए इतना जानना या बात करना उचित नहीं है।"
"जैसा कि उस सज्जन ने मुझसे पूछा, मैं उन्हें जवाब देने से खुद को रोक नहीं सकी," लड़की ने कहा।
"तो फिर," पादरी ने कहा, "महोदय जमींदार, ये किताबें मेरे पास लाओ, क्योंकि मैं इन्हें देखना चाहूंगा।"
“पूरे दिल से,” उसने कहा और अपने कमरे में जाकर एक पुराना सूटकेस निकाला जो एक छोटी सी जंजीर से बंधा हुआ था। जब उसने उसे खोला तो उसमें तीन बड़ी किताबें और कुछ पांडुलिपियाँ मिलीं जो बहुत अच्छी लिखावट में थीं। पहली किताब जो उसने खोली वह “थ्रेस के डॉन सिरोंगिलियो” थी, दूसरी “हिरकानिया के डॉन फेलिक्समार्टे” और तीसरी “महान कप्तान गोंज़ालो हर्नांडेज़ डी कॉर्डोवा का इतिहास, डिएगो गार्सिया डी पारेडेस के जीवन के साथ” थी।

जब पादरी ने पहले दो पदनाम पढ़े तो उसने नाई की ओर देखा और कहा, "हम चाहते हैं कि मेरे दोस्त की नौकरानी और भतीजी अभी यहाँ आएं।"
नाई ने कहा, "नहीं, मैं उन्हें आंगन या चूल्हे तक ले जाने में भी उतना ही अच्छा काम कर सकता हूँ, और वहाँ बहुत अच्छी आग जल रही है।"
"क्या! महाराज, आप मेरी किताबें जला देंगे!" मकान मालिक ने कहा।
"केवल ये दो ही," पादरी ने कहा, "डॉन सिरोंगिलियो और फेलिक्समार्टे।"
"तो क्या मेरी किताबें विधर्मी या सुस्त विचार हैं कि आप उन्हें जलाना चाहते हैं?" मकान मालिक ने कहा।
"तुम्हारा मतलब विभाजनकारी लोगों से है, दोस्त," नाई ने कहा, "शांत स्वभाव वाले लोगों से नहीं।"
"बस इतना ही," मकान मालिक ने कहा; "लेकिन अगर आप कुछ जलाना चाहते हैं, तो महान कप्तान और डिएगो गार्सिया से संबंधित दस्तावेज जलाएं; क्योंकि मैं अपने किसी बच्चे को जलते देखना पसंद करूंगा, बजाय उन दोनों के।"
“भाई,” पादरी ने कहा, “वे दोनों पुस्तकें झूठ से भरी हैं, और मूर्खता और बकवास से लबालब हैं; परन्तु महान सेनापति की यह पुस्तक एक सच्चा इतिहास है, और इसमें कॉर्डोवा के गोंज़ालो हर्नांडेज़ के कारनामों का वर्णन है, जिन्होंने अपने अनेक और महान कार्यों से विश्व भर में महान सेनापति की उपाधि अर्जित की, जो एक प्रसिद्ध और गौरवशाली नाम था, और केवल उन्हीं के योग्य था; और यह डिएगो गार्सिया डी पारेडेस एस्ट्रेमादुरा के ट्रूजिलो शहर का एक प्रतिष्ठित योद्धा था, एक अत्यंत वीर सैनिक, और शारीरिक रूप से इतना बलवान था कि उसने एक उंगली से चलती चक्की को रोक दिया था; और एक पुल के नीचे दोधारी तलवार के साथ तैनात होकर उसने एक विशाल सेना को पुल पार करने से रोक दिया था, और ऐसे अन्य कारनामे किए थे कि यदि उन्हें स्वयं एक योद्धा और अपना इतिहास लिखने वाले की विनम्रता के साथ बताने के बजाय, किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष लेखक ने दर्ज किया होता, तो वे हेक्टर, अकिलीज़ और रोलैंड के सभी कारनामों को फीका कर देते।”
"यह बात मेरे पिता को बताओ," मकान मालिक ने कहा। "यह तो वाकई आश्चर्य की बात है! चक्की का पहिया रोक देना! भगवान की कसम, महाराज, आप वह सब पढ़ें जो मैंने हिरकानिया के फेलिक्समार्टे के बारे में पढ़ा है, कि कैसे उसने एक ही झटके में पाँच दैत्यों को बीच से ऐसे चीर दिया जैसे वे फली के बने हों, जैसे बच्चे छोटे भिक्षुओं की मूर्तियाँ बनाते हैं; और एक बार उसने एक बहुत

बड़ी और शक्तिशाली सेना पर हमला किया, जिसमें दस लाख छह लाख से अधिक सैनिक थे, जो सिर से पैर तक हथियारों से लैस थे, और उसने उन सभी को ऐसे हरा दिया जैसे वे भेड़ों के झुंड हों।"
और फिर, थ्रेस के उस बहादुर और साहसी योद्धा सिरोंगिलियो के बारे में आप क्या कहेंगे? जैसा कि पुस्तक में वर्णित है, जब वह एक नदी में नौकायन कर रहा था, तो अचानक पानी के बीच से एक उग्र सर्प उसके सामने आ खड़ा हुआ। जैसे ही उसने उसे देखा, वह उस पर झपटा और उसके खुरदुरे कंधों पर सवार हो गया, और दोनों हाथों से उसका गला इतनी ज़ोर से दबाया कि सर्प को जब पता चला कि वह उसका गला घोंट रहा है, तो उसके पास नदी की तलहटी में डूबने के अलावा कोई चारा नहीं बचा, और वह अपने साथ उस योद्धा को भी ले गया जिसने अपना हाथ नहीं छोड़ा। जब वे नीचे पहुँचे, तो उसने खुद को इतने सुंदर महलों और उद्यानों के बीच पाया कि उन्हें देखकर आश्चर्य हुआ। फिर सर्प एक बूढ़े व्यक्ति में परिवर्तित हो गया, जिसने उसे ऐसी बातें बताईं जो पहले कभी नहीं सुनी गई थीं। शांत रहिए, महोदय; क्योंकि यदि आप यह सुनेंगे तो आप खुशी से पागल हो जाएँगे। आपके महान कप्तान और आपके डिएगो गार्सिया के लिए दो अंजीर!
यह सुनकर डोरोथिया ने फुसफुसाते हुए कार्डेनियो से कहा, "हमारा मकान मालिक डॉन क्विक्सोट की दूसरी भूमिका निभाने के लिए लगभग उपयुक्त है।" "मुझे ऐसा ही लगता है," कार्डेनियो ने कहा, "क्योंकि जैसा कि वह दिखाता है, वह इसे एक निश्चित तथ्य के रूप में स्वीकार करता है कि उन पुस्तकों में जो कुछ भी लिखा है वह ठीक उसी तरह हुआ था जैसा कि लिखा गया है; और नंगे पैर वाले भिक्षु स्वयं उसे इसके विपरीत समझाने में सक्षम नहीं होंगे।" "लेकिन भाई, ज़रा सोचो," पादरी ने एक बार फिर कहा, "दुनिया में कभी भी हिरकानिया का फेलिक्समार्टे नाम का कोई योद्धा नहीं था, न ही थ्रेस का सिरोंगिलियो, और न ही उस तरह के कोई और योद्धा, जिनका ज़िक्र वीरता की किताबों में मिलता है; यह सब कुछ निकम्मे लोगों की मनगढ़ंत कहानी है, जिसे उन्होंने तुम्हारे बताए मकसद से, यानी समय बिताने के लिए गढ़ा है, जैसे तुम्हारे किसान पढ़ते समय करते हैं; क्योंकि मैं पूरी गंभीरता से कसम खाकर कहता हूँ कि दुनिया में कभी भी ऐसे कोई योद्धा नहीं थे, और न ही ऐसी कोई घटना या बेतुकी बात कहीं घटी है।"
"उस हड्डी को किसी दूसरे कुत्ते को खिलाकर देखो," मकान मालिक ने कहा; "जैसे कि मुझे पता ही न हो कि पाँच कितने होते हैं, और मेरा जूता मुझे कहाँ चुभता

है; मुझे दलिया खिलाने की मत सोचो, क्योंकि मैं मूर्ख नहीं हूँ। महाराज, यह एक मज़ाक है कि आप मुझे यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि इन पवित्र ग्रंथों में जो कुछ भी लिखा है वह बकवास और झूठ है, और ये शाही परिषद के लॉर्ड्स की अनुमति से छपे हैं, जैसे कि वे ऐसे लोग हों जो इतने सारे झूठ, इतनी लड़ाइयाँ और जादू-टोने छापने की अनुमति दे दें कि वे किसी के होश उड़ा दें।"
“मैंने तुम्हें बताया है, मित्र,” पादरी ने कहा, “कि यह सब हमारे व्यर्थ विचारों को भटकाने के लिए किया जाता है; और जैसे सुव्यवस्थित राज्यों में शतरंज, जुआ और बिलियर्ड्स जैसे खेल उन लोगों के मनोरंजन के लिए अनुमत होते हैं जो काम की परवाह नहीं करते, या काम करने के लिए बाध्य नहीं हैं, या काम करने में असमर्थ हैं, उसी प्रकार इस प्रकार की पुस्तकें छापने की अनुमति इस धारणा पर दी जाती है कि, चाहे सच्चाई कुछ भी हो, कोई भी इतना अज्ञानी नहीं हो सकता कि इनमें से किसी को भी सच्ची कहानी मान ले; और यदि मुझे अभी अनुमति दी जाए, और उपस्थित लोग चाहें, तो मैं वीरता की पुस्तकों में अच्छे गुणों के बारे में कुछ कह सकता हूँ, जो कुछ लोगों के लिए लाभप्रद और रुचिकर भी होगा; लेकिन मुझे आशा है कि वह समय आएगा जब मैं अपने विचार किसी ऐसे व्यक्ति तक पहुँचा सकूँगा जो इस मामले को सुधार सके; और इस बीच, महोदय जमींदार, मेरी कही बातों पर विश्वास करें, अपनी पुस्तकें लें, और उनकी सत्यता या असत्यता के बारे में अपना निर्णय लें, और वे आपके लिए बहुत उपयोगी हों; और ईश्वर करे कि आप उसी पैर से लंगड़े न पड़ें जिस पैर से आपका अतिथि डॉन क्विक्सोट लंगड़ाता है पर।"
"इस बात की कोई चिंता नहीं है," मकान मालिक ने जवाब दिया; "मैं इतना पागल नहीं होऊंगा कि खुद को एक वीर योद्धा बना लूं; क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूं कि अब हालात वैसे नहीं रहे जैसे उन दिनों में हुआ करते थे, जब लोग कहते थे कि वे प्रसिद्ध योद्धा दुनिया भर में घूमते थे।"
सांचो इस बातचीत के बीच में आ गया था, और वह यह सुनकर बहुत परेशान और निराश था कि वीर योद्धाओं का चलन अब समाप्त हो गया है, और वीरता की सभी पुस्तकें मूर्खता और झूठ हैं; और उसने मन ही मन ठान लिया कि वह अपने स्वामी की इस यात्रा के परिणाम देखने के लिए प्रतीक्षा करेगा, और यदि यह उसके स्वामी की अपेक्षा के अनुरूप सुखद नहीं रही, तो उसने उसे छोड़कर अपनी पत्नी और बच्चों और अपने सामान्य काम पर लौटने का निश्चय कर लिया।

मकान मालिक सूटकेस और किताबें ले जा रहा था, लेकिन पादरी ने उससे कहा, "रुको; मैं देखना चाहता हूँ कि ये कागज़ क्या हैं जो इतनी अच्छी लिखावट में लिखे हैं।" मकान मालिक ने उन्हें निकालकर पादरी को पढ़ने के लिए दे दिया, और उसने देखा कि वे लगभग आठ पन्नों की एक पांडुलिपि थी, जिसके शुरू में बड़े अक्षरों में "अनैतिक जिज्ञासा का उपन्यास" शीर्षक लिखा था। पादरी ने तीन-चार पंक्तियाँ पढ़ीं और कहा, "मुझे कहना होगा कि इस उपन्यास का शीर्षक मुझे बुरा नहीं लगता, और मेरा मन इसे पूरा पढ़ने का कर रहा है।" इस पर मकान मालिक ने जवाब दिया, "तो महोदय, इसे पढ़ना आपके लिए अच्छा रहेगा, क्योंकि मैं आपको बता सकता हूँ कि यहाँ इसे पढ़ने वाले कुछ मेहमान इससे बहुत प्रसन्न हुए हैं और उन्होंने मुझसे इसे देने की बहुत विनती की है; लेकिन मैंने इसे नहीं दिया, क्योंकि मैं इसे उस व्यक्ति को लौटाना चाहता हूँ जिसने यहाँ सूटकेस, किताबें और कागज़ात छोड़े हैं, क्योंकि शायद वह कभी न कभी यहाँ वापस आएगा; और यद्यपि मुझे पता है कि मुझे किताबों की कमी खलेगी, फिर भी मैं उन्हें लौटाने का पूरा इरादा रखता हूँ; क्योंकि भले ही मैं एक सराय मालिक हूँ, फिर भी मैं एक ईसाई हूँ।"
"आप बिल्कुल सही कह रहे हैं, मित्र," पादरी ने कहा; "लेकिन फिर भी, अगर उपन्यास मुझे पसंद आता है तो आपको मुझे उसकी नकल करने की अनुमति देनी होगी।"
मेजबान ने जवाब दिया, "पूरे दिल से।"
जब वे बातें कर रहे थे, कार्डेनियो ने उपन्यास उठा लिया और उसे पढ़ना शुरू कर दिया, और पादरी के समान ही उसके बारे में राय बनाते हुए, उसने पादरी से इसे पढ़ने की विनती की ताकि वे सभी इसे सुन सकें।
पादरी ने कहा, "मैं इसे पढ़ता, अगर सोने में समय बिताना बेहतर न होता।" डोरोथिया ने कहा, "मेरे लिए इतना आराम काफी होगा कि मैं कुछ कहानी सुनकर समय बिता सकूँ, क्योंकि मेरा मन अभी इतना शांत नहीं है कि मैं उस समय सो सकूँ जब सोने का सही समय हो।"
"तो फिर, अगर ऐसा है तो," पादरी ने कहा, "मैं इसे पढ़ लूंगा, भले ही यह केवल जिज्ञासावश ही क्यों न हो; शायद इसमें कुछ सुखद हो।"
मास्टर निकोलस और सांचो ने भी इसी तरह की विनती की; यह देखकर और यह सोचकर कि वह सभी को प्रसन्न करेगा और स्वयं भी प्रसन्न होगा, पादरी ने कहा, "तो

फिर, सब लोग मेरी बात ध्यान से सुनें, क्योंकि उपन्यास की शुरुआत इस प्रकार होती है।"

33

अध्याय
जिसमें "द इल-एडवाइज्ड क्यूरियोसिटी" नामक उपन्यास का वर्णन है।
इटली के टस्कनी प्रांत में स्थित समृद्ध और प्रसिद्ध शहर फ्लोरेंस में, दो धनी और प्रतिष्ठित सज्जन, एंसेल्मो और लोथारियो रहते थे। वे इतने घनिष्ठ मित्र थे कि उन्हें जानने वाले सभी लोग उन्हें "दो मित्र" कहकर पुकारते थे। वे अविवाहित, युवा, एक ही उम्र के और एक ही रुचि के थे, जो उनकी आपसी मित्रता का पर्याप्त कारण था। यह सच है कि एंसेल्मो प्रेम में आनंद की तलाश करने में लोथारियो से कुछ अधिक इच्छुक थे, जबकि लोथारियो को प्रेम-प्रसंग में अधिक रुचि थी; लेकिन कभी-कभी एंसेल्मो अपनी रुचियों को त्यागकर लोथारियो की रुचियों का पालन करते थे, और लोथारियो भी अपनी रुचियों को त्यागकर एंसेल्मो की रुचियों के अनुरूप हो जाते थे। इस प्रकार उनकी रुचियां एक-दूसरे के साथ इतनी परिपूर्णता से तालमेल बिठाती थीं कि सबसे सटीक घड़ी भी इसे मात नहीं दे सकती थी।
एन्सेल्मो उसी शहर की एक उच्च कुल की और सुंदर युवती से प्रेम करता था, जो इतने प्रतिष्ठित माता-पिता की पुत्री थी और स्वयं भी इतनी प्रतिष्ठित थी कि उसने अपने मित्र लोथारियो की सहमति से, जिसके बिना वह कुछ भी नहीं करता था, उससे विवाह का प्रस्ताव रखने का निश्चय किया और ऐसा ही किया। लोथारियो ही प्रस्ताव लेकर गया और उसने अपने मित्र को संतुष्ट करने के लिए बातचीत को इतनी कुशलता से संचालित किया कि थोड़े ही समय में एन्सेल्मो को उसकी मनचाही युवती प्राप्त हो गई और कैमिला एन्सेल्मो को अपने पति के रूप में पाकर इतनी प्रसन्न हुई कि उसने निरंतर ईश्वर और लोथारियो का धन्यवाद किया, जिनके कारण उसे यह सौभाग्य प्राप्त हुआ था। विवाह के पहले कुछ दिन, जो आमतौर पर मौज-मस्ती के दिन होते हैं, लोथारियो हमेशा की तरह अपने मित्र एन्सेल्मो के घर आता-जाता रहा, उसे और इस अवसर को सम्मान देने का प्रयास करता रहा और हर संभव तरीके से उसे प्रसन्न करता रहा; लेकिन जब शादी के दिन बीत गए और मुलाकातों और बधाइयों का सिलसिला धीमा पड़ गया, तो उसने जानबूझकर एंसेल्मो के घर जाना बंद कर दिया, क्योंकि उसे लगा, जैसा कि स्वाभाविक रूप से सभी समझदार लोगों को लगता है, कि शादी के बाद दोस्तों के

भी प्रकार की लापरवाही को उसके ध्यान में लाए, क्योंकि कभी-कभी पति अपने पत्नी के प्रति गहरे स्नेह के कारण या तो उसे आगाह नहीं करता, या उसे नाराज़ न करने के लिए उसे कुछ काम करने या न करने के लिए कहने से बचता है, क्योंकि उन कामों को करना या न करना उसके लिए सम्मान या अपमान का विषय हो सकता है; और इस प्रकार की गलतियों को मित्र द्वारा आगाह किए जाने पर वह आसानी से सुधार सकता है। लेकिन लोथारियो जैसा मित्र कहाँ मिलेगा, जो इतना विवेकशील, इतना वफादार और इतना सच्चा हो?
सच कहूँ तो मुझे नहीं पता; केवल लोथारियो ही ऐसा था, क्योंकि वह अपने मित्र के सम्मान की अत्यंत सावधानी और सतर्कता से रक्षा करता था, और उनके समझौते के अनुसार उसके घर जाने के दिनों की संख्या कम करने का प्रयास करता था, कहीं ऐसा न हो कि धनी, उच्च कुल के और अपने आकर्षण से वाकिफ एक युवक का कैमिला जैसी सुंदर स्त्री के घर जाना जिज्ञासु और द्वेषपूर्ण जनता की नज़रों में संदेह का विषय बन जाए। यद्यपि उसकी ईमानदारी और प्रतिष्ठा निंदा करने वालों को रोक सकती थी, फिर भी वह न तो अपनी और न ही अपने मित्र की प्रतिष्ठा को खतरे में डालना चाहता था; और इसी कारण वह तय किए गए अधिकांश दिनों को किसी अन्य काम में लगा देता था, जिसे वह अपरिहार्य बताता था; इस प्रकार दिन का अधिकांश भाग एक तरफ शिकायतों और दूसरी तरफ बहाने बनाने में व्यतीत होता था। हालाँकि, एक बार जब दोनों शहर के बाहर टहल रहे थे, तब एंसेल्मो ने लोथारियो से निम्नलिखित शब्द कहे।
"हे मेरे मित्र, लोटारियो, तुम समझ सकते हो कि ईश्वर ने मुझे जो उपकार दिए हैं, उनके लिए मैं उनका पर्याप्त धन्यवाद नहीं कर सकता। उन्होंने मुझे ऐसे माता-पिता दिए हैं जो मेरे माता-पिता थे, और उन्होंने मुझे प्रकृति और भाग्य दोनों के वरदान बिना किसी कंजूसी के प्रदान किए हैं। और सबसे बढ़कर, उन्होंने मुझे तुम जैसा मित्र और कैमिला जैसी पत्नी दी हैं—ये दो अनमोल रत्न हैं, जिनका मैं उतना महत्व नहीं देता जितना देना चाहिए, कम से कम उतना तो देता ही हूँ जितना दे सकता हूँ। फिर भी, इन सभी सुख-सुविधाओं के बावजूद, जो आमतौर पर मनुष्य को सुखी जीवन जीने के लिए आवश्यक होती हैं, मैं संसार का सबसे असंतुष्ट और निराश व्यक्ति हूँ; क्योंकि न जाने कितने समय से, मैं एक ऐसी विचित्र और असामान्य इच्छा से ग्रस्त हूँ कि अकेले में मैं स्वयं पर आश्चर्य करता हूँ, खुद को दोष देता हूँ और कोसता हूँ, और इसे दबाने और अपने विचारों से छिपाने का प्रयास करता हूँ, और इसमें मुझे उतनी ही सफलता

मिलती है जितनी कि जानबूझकर इसे पूरी दुनिया के सामने प्रकट करने के प्रयास में। और संक्षेप में, ऐसा होना ही चाहिए।" बाहर आओ, मैं इसे तुम्हारे भरोसे छोड़ दूँगा, मुझे पूरा विश्वास है कि इस तरह और एक सच्चे मित्र के रूप में तुम्हारी मदद करने की तत्परता से, मैं जल्द ही इस पीड़ा से मुक्त हो जाऊँगा, और तुम्हारी देखभाल मुझे उतनी ही खुशी देगी जितनी मेरी अपनी मूर्खता ने मुझे दुख दिया है।"
एन्सेल्मो के शब्दों ने लोथारियो को आश्चर्यचकित कर दिया, क्योंकि वह इतनी लंबी भूमिका का अर्थ समझ नहीं पा रहा था; और यद्यपि उसने यह कल्पना करने का प्रयास किया कि उसके मित्र को किस इच्छा ने इतना परेशान किया होगा, उसकी सारी अटकलें सत्य से बहुत दूर थीं, और इस उलझन से उत्पन्न चिंता को दूर करने के लिए, उसने उससे कहा कि वह अपने सबसे गुप्त विचारों को उससे साझा करने के लिए घुमावदार तरीके अपनाकर अपनी महान मित्रता के साथ घोर अन्याय कर रहा है, क्योंकि वह अच्छी तरह जानता था कि वह उन विचारों को मोड़ने में उसकी सलाह या उन्हें साकार करने में उसकी सहायता पर भरोसा कर सकता है।
“यही सत्य है,” एंसेल्मो ने उत्तर दिया, “और इसी पर भरोसा करते हुए मैं तुम्हें, मेरे मित्र लोथारियो, यह बताना चाहता हूँ कि मेरी पत्नी कैमिला उतनी ही अच्छी और परिपूर्ण है जितनी मैं उसे समझता हूँ; और इस बात की सच्चाई से मैं तभी संतुष्ट हो सकता हूँ जब मैं उसकी परीक्षा लूँ, ठीक वैसे ही जैसे अग्नि सोने की शुद्धता को सिद्ध करती है; क्योंकि मैं आश्वस्त हूँ, मेरे मित्र, कि एक स्त्री तभी गुणी होती है जब वह प्रलोभन में पड़ती है या नहीं पड़ती; और वही स्त्री बलवान है जो सच्चे प्रेमियों के वादों, उपहारों, आँसुओं और आग्रहों के आगे नहीं झुकती; क्योंकि एक स्त्री को अच्छा होने के लिए क्या धन्यवाद दिया जाए यदि कोई उसे बुरा बनने के लिए उकसाता ही नहीं, और इसमें क्या आश्चर्य है कि वह संयमित और सतर्क रहती है जिसे गलत रास्ते पर जाने का कोई अवसर नहीं दिया जाता और जो जानती है कि उसका पति उसे किसी भी अनुचित कार्य में पकड़ते ही उसकी जान ले लेगा? इसलिए मैं उस स्त्री को समान नहीं मानता जो भय या अवसर की कमी के कारण गुणी है मेरी नज़र में वो स्त्री है जो परीक्षा और प्रलोभन से विजय का मुकुट लेकर निकलती है; और इसलिए, इन कारणों और अन्य कई कारणों से जो मैं तुम्हें अपने मत को सही ठहराने और उसका समर्थन करने के लिए दे सकता हूँ, मैं चाहता हूँ कि मेरी

पत्नी कैमिला इस संकट से पार पाए और प्रेम निवेदन की अग्नि में परखी जाए, और एक योग्य व्यक्ति द्वारा प्रेम किए जाने के अनुभव से परिपक्व और सिद्ध हो; और यदि वह, जैसा कि मुझे विश्वास है, इस संघर्ष में विजयी होकर निकलती है, तो मैं अपने सौभाग्य को अतुलनीय मानूंगा, मैं कह सकूंगा कि मेरी इच्छा का प्याला भर गया है, और वह गुणी स्त्री जिसके बारे में ऋषि कहते हैं, 'उसे कौन पाएगा?' यह मेरे नसीब में आया है। और अगर नतीजा मेरी उम्मीदों के विपरीत हुआ, तो इस संतुष्टि के साथ कि मेरा मत सही था, मैं बिना किसी शिकायत के उस दर्द को सह लूँगा जो इस बहुमूल्य अनुभव से स्वाभाविक रूप से मुझे होगा। और, चूंकि मेरी इच्छा के विरुद्ध तुम जो भी कहोगे, वह मुझे इसे पूरा करने से नहीं रोक पाएगा, इसलिए, मेरे मित्र लोथारियो, मेरी यही इच्छा है कि तुम इस उद्देश्य को पूरा करने का ज़रिया बनो, क्योंकि मैं तुम्हें इसके लिए अवसर प्रदान करूँगा, और एक गुणी, सम्मानित, विनम्र और उच्च विचारों वाली स्त्री को पाने के लिए जो भी आवश्यक होगा, उसमें कोई कमी नहीं होगी। और अन्य कारणों के अलावा, मैं इस कठिन कार्य को तुम्हें सौंपने के लिए इसलिए भी प्रेरित हूँ क्योंकि अगर तुम कैमिला को जीत लेते हो, तो यह विजय अतिवादी नहीं होगी, बल्कि केवल उतना ही पूरा किया जाएगा जितना सम्मान के कारण अधूरा रह जाएगा; इस प्रकार, मेरे साथ इरादे के अलावा और कुछ भी अन्याय नहीं होगा, और मेरा अन्याय तुम्हारी ईमानदारी में छिपा रहेगा। मौन, जिसके बारे में मैं भली-भांति जानता हूँ कि मेरे मामले में यह मृत्यु के समान ही स्थायी होगा। अतः, यदि तुम चाहते हो कि मैं उस चीज़ का आनंद उठाऊँ जिसे जीवन कहा जा सकता है, तो तुम इस प्रेम संघर्ष में तुरंत संलग्न हो जाओ, न तो उदासीनता से और न ही आलस्य से, बल्कि उस ऊर्जा और उत्साह के साथ जिसकी मेरी इच्छा है, और उस निष्ठा के साथ जिसका हमारी मित्रता मुझे आश्वासन देती है।
एन्सेल्मो ने लोथारियो से यही शब्द कहे, जिसे लोथारियो ने इतनी एकाग्रता से सुना कि पहले कही गई बातों को दोहराने के अलावा उसने तब तक अपने होंठ नहीं खोले जब तक कि दूसरे ने अपनी बात पूरी नहीं कर ली। फिर यह महसूस करते हुए कि उसके पास कहने के लिए और कुछ नहीं बचा है, उसने कुछ देर तक उसे ऐसे देखा जैसे कोई किसी ऐसी चीज़ को देखता है जिसे पहले कभी न देखा गया हो और जो आश्चर्य और विस्मय से भर देती हो, और फिर उससे कहा, "मेरे मित्र एंसेल्मो, मैं खुद को यह यकीन नहीं दिला पा रहा हूँ कि तुमने जो मुझसे कहा

है वह मज़ाक नहीं है; अगर मुझे लगता कि तुम गंभीरता से बोल रहे हो तो मैं तुम्हें इतनी दूर तक जाने नहीं देता; तुम्हारी लंबी-चौड़ी बातों को अनसुना करके रोकने के लिए मुझे सच में शक है कि या तो तुम मुझे नहीं जानते, या मैं तुम्हें नहीं जानता; लेकिन नहीं, मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि तुम एंसेल्मो हो, और तुम जानते हो कि मैं लोटारियो हूँ; दुर्भाग्य से, मुझे लगता है, तुम वह एंसेल्मो नहीं हो जो तुम पहले थे, और तुमने सोचा होगा कि मैं वह लोटारियो नहीं हूँ जो मुझे होना चाहिए; क्योंकि जो बातें तुमने मुझसे कही हैं वे उस एंसेल्मो की नहीं हैं जो मेरा मित्र था, और न ही जो तुम मुझसे माँग रहे हो वह उचित है।" तुम उस लंपट को जानते हो। सच्चे मित्र अपनी मित्रता की परीक्षा लेते हैं और उनका उपयोग करते हैं, जैसा कि एक कवि ने कहा है, usque ad aras; जिसका अर्थ है कि वे अपनी मित्रता का उपयोग ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध किसी भी कार्य में नहीं करेंगे। यदि यह किसी गैर-ईसाई की मित्रता के प्रति भावना है, तो एक ईसाई की कितनी अधिक होनी चाहिए, जो जानता है कि किसी भी मानवीय मित्रता के लिए ईश्वरीय सत्य का त्याग नहीं किया जाना चाहिए? और यदि कोई मित्र अपने मित्र के प्रति अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए स्वर्ग के प्रति अपने कर्तव्य को भी त्याग दे, तो यह तुच्छ या महत्वहीन मामलों में नहीं, बल्कि ऐसे मामलों में होना चाहिए जो मित्र के जीवन और सम्मान को प्रभावित करते हों। अब मुझे बताओ, एंसेल्मो, इन दोनों में से किसमें तुम खतरे में हो कि मैं तुम्हें खुश करने के लिए खुद को जोखिम में डालूँ और वह घृणित कार्य करूँ जो तुम मुझसे चाहते हो? बिलकुल नहीं; इसके विपरीत, जहाँ तक मैं समझता हूँ, तुम मुझसे तुम्हें लूटने के लिए प्रयास और परिश्रम करने को कह रहे हो। मैं तुम्हारा सम्मान और जीवन छीन लूँगा, और साथ ही साथ स्वयं को भी इनसे वंचित कर दूँगा; क्योंकि यदि मैं तुम्हारा सम्मान छीन लूँ तो स्पष्ट है कि मैं तुम्हारा जीवन छीन लूँगा, क्योंकि सम्मानहीन व्यक्ति मरे हुए से भी बदतर होता है; और जैसा कि तुम चाहते हो, तुम्हारे साथ हुए इतने अन्याय का साधन बनकर, क्या मैं भी सम्मानहीन और फलस्वरूप जीवनहीन नहीं हो जाऊँगा? सुनो, मेरे मित्र एंसेल्मो, और जब तक मैं तुम्हारी इच्छा के विषय में अपने विचार व्यक्त न कर दूँ, तब तक उत्तर देने में अधीर मत होना, क्योंकि तुम्हारे उत्तर देने और मेरे सुनने के लिए पर्याप्त समय होगा।
"ऐसा ही हो," एंसेल्मो ने कहा, "तुम जो चाहो कहो।"

लोथारियो ने आगे कहा, "मुझे लगता है, एन्सेल्मो, कि तुम्हारा मन अभी ठीक वैसा ही है जैसा मूरों का होता है, जिन्हें पवित्र ग्रंथों के उद्धरणों से या बुद्धि की परीक्षा पर आधारित तर्कों से या आस्था के सिद्धांतों पर आधारित तर्कों से कभी भी अपने धर्म की त्रुटि का एहसास नहीं कराया जा सकता, बल्कि उन्हें ऐसे उदाहरण चाहिए जो स्पष्ट, सरल, बोधगम्य, सिद्ध करने योग्य हों, संदेह से परे हों, और गणितीय प्रमाण हों जिन्हें नकारा न जा सके, जैसे, 'यदि बराबर में से बराबर घटाया जाए, तो शेषफल बराबर ही रहता है:' और यदि वे इसे शब्दों में नहीं समझते, और वास्तव में वे नहीं समझते, तो उन्हें हाथों से दिखाकर और उनकी आँखों के सामने रखकर समझाना पड़ता है, और इन सब के बावजूद भी कोई उन्हें हमारे पवित्र धर्म की सच्चाई के बारे में आश्वस्त नहीं कर पाता। मुझे तुम्हारे साथ भी यही तरीका अपनाना होगा, क्योंकि तुम्हारे भीतर जो इच्छा उत्पन्न हुई है वह इतनी बेतुकी और तर्क से परे है कि मुझे लगता है कि इस पर विचार करना समय की बर्बादी होगी।" अपनी सरलता के साथ तर्क करने में इसका उपयोग करो, क्योंकि अभी मैं इसे किसी और नाम से नहीं पुकारूँगा; और मैं तो तुम्हें तुम्हारी मूर्खता में ही छोड़कर तुम्हारी इस हानिकारक इच्छा के लिए दंड देने को भी ललचा रहा हूँ; लेकिन तुम्हारे प्रति मेरी मित्रता, जो मुझे विनाश के ऐसे स्पष्ट खतरे में तुम्हें छोड़ने नहीं देती, मुझे तुम्हारे साथ इतना कठोर व्यवहार करने से रोकती है। और ताकि तुम इसे स्पष्ट रूप से समझ सको, कहो, एंसेल्मो, क्या तुमने मुझे यह नहीं बताया था कि मुझे एक विनम्र स्त्री पर अपना प्रस्ताव थोपना चाहिए, एक गुणी स्त्री को बहलाना चाहिए, एक शुद्ध मन वाली स्त्री से प्रेम निवेदन करना चाहिए, एक समझदार स्त्री को रिझाना चाहिए? हाँ, तुमने मुझे यही बताया था। तो, यदि तुम जानते हो कि तुम्हारी पत्नी विनम्र, गुणी, शुद्ध मन वाली और समझदार है, तो तुम क्या चाहते हो? और यदि तुम मानते हो कि वह मेरे सभी हमलों से विजयी होकर निकलेगी—जैसा कि निस्संदेह वह निकलेगी — तो उसके पास जो उपाधियाँ हैं उनसे बढ़कर और कौन सी उपाधियाँ हो सकती हैं? क्या तुम्हें लगता है कि तुम उस पर अपना अधिकार जमा सकते हो, या फिर वह अभी से किस मामले में बेहतर होगी? या तो तुम उसे वैसा नहीं मानते जैसा तुम कहते हो, या फिर तुम यह नहीं जानते कि तुम क्या चाहते हो। अगर तुम उसे वैसा नहीं मानते जैसा तुम कहते हो, तो उसे दोषी मानकर उसके साथ वैसा व्यवहार करने के बजाय, जो तुम्हें सबसे अच्छा लगे, उसे साबित करने की कोशिश क्यों कर रहे

हो? लेकिन अगर वह उतनी ही गुणी है जितना तुम मानते हो, तो सत्य की परीक्षा लेना अनावश्यक है, क्योंकि परीक्षा के बाद भी सत्य की वही प्रतिष्ठा बनी रहेगी जो पहले थी। इसलिए, यह निष्कर्ष निकलता है कि ऐसे काम करने का प्रयास करना जिनसे लाभ के बजाय हानि हो, तर्कहीन और लापरवाह मानसिकता का काम है, विशेषकर तब जब वे ऐसे काम हों जिन्हें करने के लिए हम बाध्य या विवश नहीं हैं, और जो दूर से ही स्पष्ट रूप से पागलपन दिखाते हैं।
"कठिनाइयाँ या तो ईश्वर के लिए या संसार के लिए, या दोनों के लिए उठाई जाती हैं; ईश्वर के लिए उठाई जाने वाली कठिनाइयाँ वे हैं जो संत उठाते हैं जब वे मानव शरीर में स्वर्गदूतों का जीवन जीने का प्रयास करते हैं; संसार के लिए उठाई जाने वाली कठिनाइयाँ वे हैं जो मनुष्य भाग्य के आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए जल के इतने विशाल विस्तार, इतनी विविधतापूर्ण जलवायु, इतने सारे परदेसों की यात्रा करते हैं; और ईश्वर और संसार दोनों के लिए उठाई जाने वाली कठिनाइयाँ वे बहादुर सैनिकों की हैं, जो शत्रु की दीवार में तोप के गोले जितनी चौड़ी दरार देखते ही, सारा भय त्यागकर, बिना हिचकिचाए या अपने ऊपर मंडरा रहे स्पष्ट खतरे की परवाह किए बिना, अपने धर्म, अपने देश और अपने राजा की रक्षा करने की इच्छा से प्रेरित होकर, निडर होकर अपने आप को हजारों मौतों के बीच झोंक देते हैं जो उनका इंतजार कर रही होती हैं।" मनुष्य ऐसे ही कार्यों को करने का प्रयास करते हैं, और चाहे वे कितने भी कठिन और खतरनाक क्यों न हों, उन्हें करने में सम्मान, गौरव और लाभ होता है। लेकिन जो तुम करने की इच्छा रखते हो, उससे तुम्हें न तो ईश्वर की महिमा मिलेगी, न भाग्य का आशीर्वाद, न ही मनुष्यों में प्रसिद्धि; क्योंकि यदि परिणाम तुम्हारी इच्छा के अनुरूप भी हो, तो भी तुम इस समय की तुलना में अधिक सुखी, धनी या सम्मानित नहीं होगे; और यदि ऐसा नहीं हुआ, तो तुम कल्पना से परे दुख में डूब जाओगे, क्योंकि तब यह सोचना व्यर्थ होगा कि किसी को भी तुम्हारे साथ हुए दुर्भाग्य का पता नहीं है; यह बात ही तुम्हें पीड़ा और पीड़ा पहुँचाएगी कि तुम स्वयं इसे जानते हो। और अपनी बात की सत्यता की पुष्टि में, मैं तुम्हें प्रसिद्ध कवि लुइगी टैनसिल्लो द्वारा अपनी कविता 'संत पीटर के आँसू' के पहले भाग के अंत में रचित एक छंद दोहराता हूँ, जो इस प्रकार है:
जैसे-जैसे सुबह होती गई, पीटर के हृदय में पीड़ा और शर्म बढ़ती गई; वह भली- भांति जानता था कि उसे देखने वाला कोई नहीं था, फिर भी वह स्वयं अपने लिए

शर्म का पात्र था; चाहे वह सबकी निगाहों के सामने हो या छिपा हुआ, एक नेक हृदय को वही पीड़ा महसूस होगी; पापी आत्मा शर्म की शिकार होगी, भले ही स्वर्ग और पृथ्वी के सिवा कोई उसकी शर्म को न देख सके।
अत: इसे गुप्त रखने से तुम अपने दुःख से बच नहीं पाओगे, बल्कि लगातार आँसू बहाते रहोगे, आँखों के आँसू नहीं तो हृदय के रक्त के आँसू, ठीक वैसे ही जैसे उस सरल चिकित्सक ने बहाए थे जिसका वर्णन हमारे कवि ने किया है, जिसने उस प्याले की परीक्षा ली थी, जिसे बुद्धिमान रिनाल्डो ने, बेहतर सलाह मिलने पर, करने से इनकार कर दिया था; क्योंकि यद्यपि यह एक काव्यात्मक कल्पना है, इसमें एक नैतिक शिक्षा निहित है जो ध्यान देने, अध्ययन करने और अनुकरण करने योग्य है। इसके अलावा, जो मैं तुमसे कहने जा रहा हूँ, उससे तुम्हें वह बड़ी गलती समझ में आ जाएगी जो तुम करने जा रहे हो।
एन्सेल्मो, मुझे बताओ, अगर स्वर्ग या सौभाग्य ने तुम्हें एक बेहतरीन हीरे का स्वामी और वैध मालिक बना दिया होता, जिसकी उत्कृष्टता और शुद्धता को देखकर सभी रत्नशास्त्री एकमत से यह कहते कि शुद्धता, गुणवत्ता और बारीकी में यह उस प्रकार के पत्थर की सभी खूबियों से परिपूर्ण है, और तुम स्वयं भी यही मानते, क्योंकि तुम्हें इसके विपरीत कुछ भी ज्ञात नहीं है, तो क्या तुम्हारे लिए उस हीरे को निहाई और हथौड़े के बीच रखकर, केवल प्रहारों और भुजाओं की शक्ति से यह परखना उचित होता कि क्या वह उतना ही कठोर और उत्तम है जितना उन्होंने कहा था? और यदि तुम ऐसा करते, और यदि वह हीरा इस मूर्खतापूर्ण परीक्षण में खरा उतरता, तो इससे उसके मूल्य या प्रतिष्ठा में कोई वृद्धि नहीं होती; और यदि वह टूट जाता, जैसा कि संभव है, तो क्या सब कुछ व्यर्थ नहीं हो जाता? निःसंदेह ऐसा ही होता, और उसका स्वामी सबकी नज़र में मूर्ख बन जाता। तो एन्सेल्मो, मेरे मित्र, विचार करो कि कैमिला भी एक बेहतरीन हीरा है, तुम भी दूसरों की नज़र में उसके समान ही उसके प्रति सम्मान रखते हो, और यह तर्क के विपरीत है कि उसे टूटने के जोखिम में डाला जाए; क्योंकि यदि वह अक्षुण्ण बनी रहती है तो वह अपने वर्तमान मूल्य से अधिक मूल्यवान नहीं हो सकती; और यदि वह हार मान लेती है और प्रतिरोध करने में असमर्थ हो जाती है, तो सोचो कि तुम उससे कैसे वंचित हो जाओगे, और कितने उचित कारण से तुम स्वयं को कोसोगे कि तुम उसके और अपने विनाश का कारण बने। याद रखो कि संसार में कोई भी रत्न पवित्र और गुणी स्त्री से अधिक मूल्यवान नहीं है, और स्त्रियों का सारा सम्मान उनकी प्रतिष्ठा में निहित है; और

चूंकि तुम्हारी पत्नी की प्रतिष्ठा उस उच्च कोटि की है जिसे तुम जानते हो, तो तुम उस सत्य पर प्रश्न क्यों उठाना चाहते हो? याद रखो, मेरे मित्र, कि स्त्री एक अपूर्ण प्राणी है, और उसके मार्ग में बाधाएँ उसे ठोकर खिलाकर गिराने के लिए नहीं डाली जानी चाहिए, बल्कि उन्हें हटा दिया जाना चाहिए, और उसका मार्ग सभी बाधाओं से मुक्त कर दिया जाना चाहिए, ताकि बिना किसी रुकावट के वह वांछित पूर्णता प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र रूप से अपना मार्ग तय कर सके, जो कि एक पवित्र स्त्री होने में निहित है। गुणी। प्रकृतिवादी हमें बताते हैं कि अर्मीन एक छोटा जानवर है जिसका फर एकदम सफेद होता है, और जब शिकारी इसे पकड़ना चाहते हैं, तो वे इस तरकीब का इस्तेमाल करते हैं। अर्मीन के आने-जाने के स्थानों का पता लगाकर, वे उन स्थानों तक जाने का रास्ता कीचड़ से रोक देते हैं, और फिर उसे उकसाकर उस स्थान की ओर भगाते हैं। जैसे ही अर्मीन कीचड़ के पास आता है, वह रुक जाता है और कीचड़ में से गुजरने और अपनी सफेदी को खराब और मैला होने से बचाने के बजाय खुद को बंदी बना लेने देता है, क्योंकि सफेदी उसके लिए जीवन और स्वतंत्रता से भी अधिक मूल्यवान है। गुणी और पवित्र स्त्री अर्मीन के समान है, और नम्रता का गुण बर्फ से भी अधिक सफेद और शुद्ध है; और जो चाहता है कि वह इसे न खोए, बल्कि इसे बनाए रखे, उसे अर्मीन के साथ अपनाए गए तरीके से अलग तरीका अपनाना चाहिए; उसे उसके सामने लगातार प्रेम करने वाले प्रेमियों के उपहारों और ध्यान का कीचड़ नहीं रखना चाहिए, क्योंकि शायद— और बिना किसी संदेह के भी—उसमें इन कीचड़ों से गुजरने और उन्हें रौंदने के लिए पर्याप्त गुण और प्राकृतिक शक्ति न हो। बाधाओं को दूर करना होगा, और सद्गुण की चमक और एक सुंदर ख्याति की सुंदरता को उसके सामने रखना होगा। एक गुणी स्त्री भी एक दर्पण के समान होती है, जो साफ, चमकते क्रिस्टल की तरह होती है, और हर सांस के स्पर्श से धूमिल और धुंधली हो सकती है। उसके साथ अवशेषों जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए; उसकी पूजा की जानी चाहिए, उसे छुआ नहीं जाना चाहिए। उसकी रक्षा और सम्मान उसी प्रकार किया जाना चाहिए जैसे कोई गुलाब और फूलों से भरे एक सुंदर बगीचे की रक्षा और सम्मान करता है, जिसका स्वामी किसी को भी उसमें प्रवेश करने या फूल तोड़ने की अनुमति नहीं देता; दूसरों के लिए इतना ही काफी है कि वे दूर से और लोहे की जाली के माध्यम से उसकी सुगंध और सुंदरता का आनंद ले सकें। अंत में, मैं तुम्हें कुछ छंद दोहराना चाहता हूँ जो मेरे मन में आते हैं; मैंने उन्हें एक आधुनिक

कॉमेडी में सुना था, और मुझे लगता है कि वे उस विषय से संबंधित हैं जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं। एक समझदार बूढ़ा व्यक्ति एक युवा लड़की के पिता को सलाह दे रहा था कि वह उसे बंद करके रखे, उस पर नजर रखे और उसे एकांत में रखे, और अन्य तर्कों के साथ उसने ये भी कहा:
{श्लोक
स्त्री कांच की वस्तु के समान है;
लेकिन उसकी नाजुकता ही सबसे अच्छी है
इसे जांचने में ज्यादा उत्सुकता नहीं है:
कौन जाने आगे क्या हो जाए?
तोड़ना तो आसान बात है,
और इसे उजागर करना मूर्खता है।
जिसे आप मार से ठीक नहीं कर सकते;
जिसे आप पूरा नहीं कर सकते, उसे चकनाचूर कर दें।
तो, यह सब सत्य हो सकता है।
और इसका कारण स्पष्ट है;
क्योंकि यदि दानाएस वहाँ हो,
यहां गोल्डन शावर भी होते हैं।
{श्लोक
"मैंने अब तक तुमसे जो कुछ भी कहा है, एन्सेल्मो, वह सब तुम्हारे बारे में ही था; अब यह उचित है कि मैं अपने बारे में भी कुछ कहूँ; और अगर मैं बहुत लंबा बोलूँ, तो मुझे क्षमा कर देना, क्योंकि जिस भूलभुलैया में तुम फँस गए हो और जिससे तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें बाहर निकालूँ, उसके कारण ऐसा करना आवश्यक हो गया है।"
"तुम मुझे अपना मित्र मानते हो, और तुम मेरी प्रतिष्ठा छीनना चाहते हो, जो मित्रता के बिल्कुल विपरीत है; और तुम्हारा इरादा केवल यही नहीं है, बल्कि तुम मुझसे भी अपनी प्रतिष्ठा छीनवाना चाहते हो। यह स्पष्ट है कि तुम मेरी प्रतिष्ठा छीनना चाहते हो, क्योंकि जब कैमिला देखेगी कि मैं तुम्हारी इच्छा के अनुसार उससे प्रेम निवेदन कर रहा हूँ, तो वह निश्चित रूप से मुझे एक बेईमान और निर्दयी व्यक्ति समझेगी, क्योंकि मैं ऐसा काम करने का प्रयास कर रहा हूँ जो मेरी स्थिति और तुम्हारी मित्रता के बिल्कुल विपरीत है। यह निर्विवाद है कि तुम मुझसे अपनी प्रतिष्ठा छीनना चाहते हो, क्योंकि

कैमिला, मुझे उससे प्रेम निवेदन करते देख, यह मान लेगी कि मैंने उसमें कुछ ऐसा देखा है जिसने मुझे अपनी नीच इच्छा उसके सामने प्रकट करने के लिए प्रेरित किया है; और यदि वह स्वयं को अपमानित मानती है, तो उसका अपमान तुम्हें भी प्रभावित करेगा; और इसी कारण वह सामान्य स्थिति उत्पन्न होती है, कि व्यभिचारी स्त्री का पति, भले ही उसे अपनी पत्नी के इस कृत्य के बारे में जानकारी न हो या उसने इसका कोई कारण न दिया हो, अपने कर्तव्य में विफलता, या (लापरवाही या असावधानी के कारण) अपने अपमान को रोकने की शक्ति होने के बावजूद, पति को एक नीच और निंदनीय नाम से कलंकित किया जाता है, और उसकी पत्नी के अपराध के बारे में जानने वाले सभी लोग उसे दया की बजाय तिरस्कार की दृष्टि से देखते हैं, भले ही वे यह जानते हों कि वह अपनी गलती से नहीं, बल्कि एक दुष्ट साथी की वासना के कारण दुर्भाग्यशाली है। लेकिन मैं तुम्हें बताता हूँ कि व्यभिचारी पत्नी के पति पर अपमान क्यों लगता है, भले ही वह यह न जानता हो कि वह ऐसी है, न ही उसका कोई दोष हो, न ही उसने ऐसा कुछ किया हो या उसे ऐसा करने के लिए कोई उकसाया हो; और मेरी बात ध्यान से सुनो, क्योंकि यह तुम्हारे हित में होगा।
"जब ईश्वर ने पृथ्वी पर स्वर्ग में हमारे पहले माता-पिता की रचना की, तो पवित्र शास्त्र कहता है कि उसने आदम में नींद भर दी और जब वह सो रहा था, तो उसने उसकी बाईं ओर से एक पसली निकाली जिससे उसने हमारी माता हव्वा की रचना की, और जब आदम जागा और उसे देखा तो उसने कहा, 'यह मेरे शरीर का मांस और मेरी हड्डी की हड्डी है।'" और ईश्वर ने कहा, 'इसीलिए मनुष्य अपने पिता और माता को छोड़कर एक शरीर में दो हो जाएगा;' और तब विवाह का दिव्य संस्कार स्थापित हुआ, जिसके बंधन इतने मजबूत हैं कि केवल मृत्यु ही उन्हें तोड़ सकती है। और इस चमत्कारी संस्कार की शक्ति और गुण ऐसा है कि यह दो भिन्न व्यक्तियों को एक ही शरीर बना देता है; और इससे भी बढ़कर जब गुणी लोग विवाह करते हैं; क्योंकि यद्यपि उनके पास दो आत्माएँ हैं, उनकी इच्छा एक ही है। और इसलिए यह स्पष्ट है कि जैसे पत्नी का शरीर उसके पति के शरीर के साथ एक ही है, उस पर लगने वाले दाग या चोटें पति के शरीर पर ही पड़ती हैं, भले ही उसने, जैसा कि कहा गया है, उनका कोई कारण न दिया हो; क्योंकि जैसे पैर या शरीर के किसी भी अंग का दर्द पूरे शरीर द्वारा महसूस किया जाता है, क्योंकि सब कुछ एक ही शरीर है, जैसे सिर टखने की चोट को बिना कारण बने महसूस करता है, वैसे ही पति, पत्नी के साथ एक होने के कारण, पत्नी के अपमान में भागीदार होता है; और

किया है, यह तुम्हारा अधिकार नहीं है कि तुम मुझे अपनी कमजोरी किसी और के सामने प्रकट करने दो, और इस प्रकार उस सम्मान को खतरे में डाल दो जिसे तुम मुझे खोने से बचाने का प्रयास कर रहे हो; और यदि कैमिला के समक्ष तुम्हारी प्रतिष्ठा उतनी अच्छी नहीं है जितनी होनी चाहिए, जब तुम उससे प्रेम निवेदन कर रहे हो, तो यह कोई मायने नहीं रखता, क्योंकि शीघ्र ही, उसमें वह दृढ़ता पाकर जिसकी हम अपेक्षा करते हैं, तुम उसे हमारी रणनीति के बारे में स्पष्ट सत्य बता सकते हो, और इस प्रकार उसकी नज़र में अपना स्थान पुनः प्राप्त कर सकते हो; और चूंकि तुम इतना कम जोखिम उठा रहे हो, और इस जोखिम से मुझे इतनी संतुष्टि मिल सकती है, इसलिए इसे करने से इनकार मत करो, भले ही तुम्हें और कठिनाइयाँ क्यों न आएँ; क्योंकि, जैसा कि मैं मैंने कहा है, "यदि तुम केवल शुरुआत करोगे तो मैं इस मुद्दे को हल मान लूंगा।"
एंसेल्मो का दृढ़ निश्चय देखकर लोथारियो को समझ नहीं आ रहा था कि उसे रोकने के लिए और क्या उदाहरण या तर्क दे। उसे यह भी आभास हो गया कि एंसेल्मो अपनी इस बुरी योजना का खुलासा किसी और को कर देगा। एक बड़े खतरे से बचने के लिए लोथारियो ने एंसेल्मो को खुश करने और उसकी बात मानने का निश्चय किया। उसका इरादा था कि वह एंसेल्मो को संतुष्ट करते हुए कैमिला को प्रभावित किए बिना काम को निपटाएगा। जवाब में लोथारियो ने एंसेल्मो से कहा कि वह अपना इरादा किसी और को न बताए, क्योंकि वह खुद यह काम करेगा और जब चाहेगा शुरू कर देगा। एंसेल्मो ने उसे गर्मजोशी और स्नेह से गले लगाया और उसके प्रस्ताव के लिए धन्यवाद दिया, मानो लोथारियो ने उस पर कोई बड़ा उपकार किया हो। अगले दिन काम शुरू करने का निर्णय हुआ। एंसेल्मो ने लोथारियो को कैमिला से अकेले में बात करने का अवसर और समय दिया और उसे कैमिला को भेंट करने के लिए पैसे और गहने भी दिए। उसने यह भी सुझाव दिया कि वह कैमिला को संगीत सुनाए और उसकी प्रशंसा में कविताएँ लिखे, और यदि वह स्वयं कविताएँ लिखने की परेशानी न उठाना चाहे, तो वह स्वयं लिखने की पेशकश करता है। लोटारियो ने एंसेल्मो के अनुमान से बिल्कुल विपरीत इरादे से सारी बात मान ली, और इसी समझ के साथ वे एंसेल्मो के घर लौट आए, जहाँ उन्होंने कैमिला को अपने पति का बेसब्री से इंतज़ार करते हुए पाया, क्योंकि वह उस दिन सामान्य से देर से लौटा था। लोटारियो अपने घर चला गया, और एंसेल्मो अपने घर में ही रहा, लोटारियो जितना परेशान था, एंसेल्मो उतना ही संतुष्ट था; क्योंकि उसे इस नासमझी भरे काम से निकलने का कोई संतोषजनक

केवल कैमिला के आकर्षण की प्रशंसा की थी, उसे बताया था कि पूरे शहर में उसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता के अलावा किसी और की चर्चा नहीं होती है, क्योंकि उसे लगा कि यह कैमिला का सद्भाव प्राप्त करने और अगली बार उसे खुशी से सुनने के लिए तैयार करने का एक उत्कृष्ट तरीका है, इस प्रकार उसने उस युक्ति का उपयोग किया जो शैतान तब अपनाता है जब वह किसी सतर्क व्यक्ति को धोखा देना चाहता है; क्योंकि अंधकार का दूत स्वयं को प्रकाश के दूत में बदल लेता है, और सुंदर रूप धारण करके अंततः अपना असली रूप प्रकट कर देता है, और यदि शुरुआत में ही उसकी चालें उजागर न हों तो वह अपना उद्देश्य पूरा कर लेता है। इन सब बातों से एंसेल्मो को बहुत संतुष्टि मिली, और उसने कहा कि वह प्रतिदिन यही अवसर देगा, लेकिन घर से बाहर निकले बिना, क्योंकि वह घर पर ही कुछ न कुछ काम ढूंढ लेगा ताकि कैमिला को इस षड्यंत्र का पता न चले। इस प्रकार, कई दिन बीत गए, और लोथारियो ने कैमिला से एक शब्द भी कहे बिना, एंसेल्मो को बताया कि उसने उससे बात की थी और वह उससे किसी भी अपमानजनक कार्य के लिए सहमति का जरा सा भी संकेत या आशा की कोई झलक भी प्राप्त नहीं कर सका; इसके विपरीत, उसने कहा कि वह अपने पति को इसके बारे में बता देगी। “अभी तक तो सब ठीक है,” एंसेल्मो ने कहा; “कैमिला ने अब तक बातों का विरोध किया है; अब देखना होगा कि वह कर्मों का विरोध कैसे करती है। मैं तुम्हें कल दो हज़ार सोने के मुकुट दूंगा, जिन्हें तुम भेंट कर सकते हो या भेंट के रूप में दे सकते हो, और इतने ही और मुकुट गहने खरीदने के लिए दूंगा ताकि उसे लुभा सको, क्योंकि स्त्रियों को सजे-धजे रहना और अच्छे कपड़े पहनना पसंद होता है, और अगर वे सुंदर हों तो और भी ज्यादा, चाहे वे कितनी भी पवित्र क्यों न हों; और अगर वह इस प्रलोभन का विरोध करती है, तो मैं संतुष्ट हो जाऊंगा और तुम्हें आगे कोई परेशानी नहीं दूंगा।”
लोथारियो ने उत्तर दिया कि अब जब उसने शुरुआत कर दी है, तो वह इस कार्य को अंत तक जारी रखेगा, भले ही उसे पता हो कि वह इससे थककर और पराजित होकर ही लौटेगा। अगले दिन उसे चार हज़ार क्राउन मिले, और उनके साथ चार हज़ार उलझनें भी, क्योंकि उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह नया झूठ क्या बोले; लेकिन अंत में उसने उसे यह बताने का निश्चय किया कि कैमिला उपहारों और वादों के प्रति उतनी ही दृढ़ है जितनी कि शब्दों के प्रति, और आगे कोई परेशानी उठाने का कोई फायदा नहीं है, क्योंकि सारा समय व्यर्थ ही व्यतीत हो चुका है।

लेकिन संयोगवश, हालात कुछ और ही थे, और एंसेल्मो ने लोथारियो और कैमिला को हमेशा की तरह अकेला छोड़कर एक कमरे में खुद को बंद कर लिया और छुपकर उनकी बातचीत सुनने लगा। उसने देखा कि आधे घंटे से भी ज़्यादा समय तक लोथारियो ने कैमिला से एक शब्द भी नहीं कहा, और चाहे वह कितनी भी देर तक वहाँ रहता, वह एक शब्द भी नहीं कहता। उसे लगा कि उसके दोस्त ने कैमिला के जवाबों के बारे में जो कुछ भी बताया था, वह सब मनगढ़ंत और झूठ था। यह जानने के लिए कि क्या सच में ऐसा था, वह बाहर आया और लोथारियो को एक तरफ बुलाकर पूछा कि उसे क्या खबर मिली है और कैमिला किस मूड में है। लोथारियो ने जवाब दिया कि वह आगे बात करने के मूड में नहीं है, क्योंकि कैमिला ने उसे इतने गुस्से और कठोर शब्दों में जवाब दिया था कि अब उसका उससे कुछ भी कहने का मन नहीं कर रहा था।
"आह, लोटारियो, लोटारियो," एंसेल्मो ने कहा, "तुम मेरे प्रति अपने दायित्वों का कितना कम पालन करते हो, और मैंने तुम पर जो अटूट विश्वास किया है, उसका कितना कम! मैं अभी इस ताले के छेद से देख रहा था, और मैंने देखा कि तुमने कैमिला से एक शब्द भी नहीं कहा है, जिससे मुझे लगता है कि पहले भी तुमने उससे बात नहीं की थी, और अगर ऐसा है, जैसा कि निस्संदेह है, तो तुम मुझे धोखा क्यों दे रहे हो, या छल से मुझे मेरी इच्छा पूरी करने के साधनों से वंचित क्यों करना चाहते हो?"
एन्सेल्मो ने इससे अधिक कुछ नहीं कहा, लेकिन उसने इतना कह दिया था कि लोथारियो शर्म और उलझन से भर गया। लोथारियो को लगा मानो झूठ पकड़े जाने से उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची हो, इसलिए उसने एन्सेल्मो से शपथ ली कि वह उस क्षण से बिना किसी छल के उसे संतुष्ट करने में अपना पूरा ध्यान लगाएगा, जैसा कि वह देखेगा यदि लोथारियो उत्सुकता से देखना चाहे; हालांकि उसे इतनी मेहनत करने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि उसे संतुष्ट करने के लिए वह जो प्रयास करेगा, उससे उसके मन से सभी संदेह दूर हो जाएंगे। एन्सेल्मो ने उस पर विश्वास किया, और उसे अधिक स्वतंत्र और कम आश्चर्य की संभावना वाला अवसर देने के लिए, उसने आठ दिनों के लिए अपने घर से अनुपस्थित रहने का निर्णय लिया, और शहर से कुछ ही दूरी पर स्थित एक गाँव में रहने वाले अपने एक मित्र के घर चला गया; और कैमिला को अपने प्रस्थान का बेहतर कारण बताने के लिए, उसने ऐसी व्यवस्था की कि मित्र उसे एक बहुत ही आग्रहपूर्ण निमंत्रण भेजे।

दुखी, अदूरदर्शी एंसेल्मो, तू क्या कर रहा है, क्या षड्यंत्र रच रहा है, क्या योजना बना रहा है? सोच ले कि तू अपने ही विरुद्ध कार्य कर रहा है, अपनी ही बदनामी की साजिश रच रहा है, अपने ही विनाश की योजना बना रहा है। तेरी पत्नी कैमिला गुणी है, तू शांति और सुकून से उसका साथी है, कोई तेरी खुशी में खलल नहीं डालता, उसके विचार तेरे घर की दीवारों से बाहर नहीं भटकते, तू उसके लिए धरती पर स्वर्ग है, उसकी इच्छाओं का लक्ष्य है, उसकी ख्वाहिशों की पूर्ति है, वह पैमाना है जिससे वह अपनी इच्छा को मापती है, उसे हर बात में तेरे और स्वर्ग के अनुरूप बनाती है। तो फिर, यदि उसके सम्मान, सौंदर्य, सद्गुण और विनम्रता की खान तुझे बिना परिश्रम के वह सारा धन दे सकती है जिसकी तू कामना कर सकता है, तो तू नई खानों, नए अज्ञात खजाने की खोज में धरती क्यों खोद रहा है, सब कुछ ढहने का जोखिम क्यों उठा रहा है, जबकि यह सब उसकी कमजोर प्रकृति के कमजोर सहारे पर टिका है? ध्यान रखो कि जो असंभव की तलाश करता है, उससे संभव को न्यायसंगत रूप से रोका जा सकता है, जैसा कि एक कवि ने बेहतर ढंग से व्यक्त किया है:
{श्लोक
मृत्यु में जीवन की तलाश करना मेरा कर्तव्य है।
मैं रोग में स्वास्थ्य की तलाश करता हूँ।
मैं कारावास में स्वतंत्रता की सांस तलाशता हूँ,
देशद्रोहियों की वफादारी में।
तो भाग्य जो कभी भी वरदान देने से इनकार करता है
या मुझ पर कृपा या वरदान प्रदान करो,
क्योंकि जो कभी नहीं हो सकता, मैं वही चाहता हूँ,
यह मुझे उस चीज से वंचित करता है जो हो सकती थी।
{श्लोक
अगले दिन एंसेल्मो गांव के लिए रवाना हो गया और कैमिला को निर्देश दे गया कि उसकी अनुपस्थिति में लोटारियो उसके घर की देखभाल करेगा और उसके साथ भोजन करेगा, और वह उसके साथ वैसा ही व्यवहार करे जैसा वह खुद अपने साथ करती। अपने पति के इस आदेश से कैमिला, एक समझदार और विवेकशील महिला की तरह, दुखी हुई और उसने उसे याद दिलाया कि उसकी अनुपस्थिति में किसी का भी उसकी जगह भोजन करना उचित नहीं है, और यदि वह घर संभालने की उसकी क्षमता पर विश्वास न होने के कारण ऐसा कर रहा है, तो उसे इस बार उसे आज़मा कर देखना

चाहिए, और अनुभव से पता चल जाएगा कि वह बड़ी जिम्मेदारियों को भी संभाल सकती है। एंसेल्मो ने उत्तर दिया कि उसे ऐसा ही अच्छा लगता है, और उसे केवल आज्ञा का पालन करना है। कैमिला ने कहा कि वह ऐसा करेगी, भले ही यह उसकी इच्छा के विरुद्ध हो।
एन्सेल्मो चला गया, और अगले दिन लोथारियो उसके घर आया, जहाँ कैमिला ने उसका दोस्ताना और विनम्र स्वागत किया; लेकिन उसने लोथारियो को कभी अकेले नहीं रहने दिया, क्योंकि वह हमेशा अपने नौकरों, विशेष रूप से अपनी एक दासी लियोनेला के साथ रहती थी, जिससे वह बहुत स्नेह करती थी (क्योंकि वे बचपन से उसके पिता के घर में साथ पली-बढ़ी थीं), और जिसे उसने एन्सेल्मो से शादी के बाद भी अपने पास रखा था। पहले तीन दिन लोथारियो ने उससे बात नहीं की, हालाँकि जब वे कपड़ा हटाकर नौकर जल्दी से भोजन करने चले गए तो वह बात कर सकता था; क्योंकि कैमिला का यही आदेश था; इतना ही नहीं, लियोनेला को निर्देश था कि वह कैमिला से पहले भोजन करे और कभी भी उसका साथ न छोड़े। हालाँकि, उसका ध्यान अन्य चीजों पर लगा हुआ था जो उसे अधिक पसंद थीं, और अपने सुखों के लिए समय और अवसर की कमी के कारण, वह हमेशा अपनी मालकिन के आदेशों का पालन नहीं करती थी, बल्कि इसके विपरीत उन्हें अकेला छोड़ देती थी, मानो उन्होंने ही उसे ऐसा करने का आदेश दिया हो; लेकिन कैमिला का विनम्र स्वभाव, उसके चेहरे की शांति और उसके चेहरे का संयम लोटारियो की ज़ुबान पर लगाम लगाने के लिए काफी था। लेकिन कैमिला के अनेक गुणों का लोटारियो की ज़ुबान पर जो ज़बरदस्ती चुप कराने का प्रभाव पड़ा, वह उन दोनों के लिए हानिकारक साबित हुआ, क्योंकि अगर उसकी ज़ुबान चुप रहती तो उसके विचार व्यस्त हो जाते और वह कैमिला की अच्छाई और सुंदरता की पूर्णता पर आराम से विचार कर सकता था, जो किसी संगमरमर की मूर्ति को भी प्रेम से भर देने के लिए काफी थी, न कि किसी इंसान के दिल को। लोटारियो उसे निहारता रहा जबकि वह उससे बात कर सकता था, और सोचता रहा कि वह कितनी प्रेम के योग्य है; और इस तरह धीरे-धीरे उसके मन में एंसेल्मो के प्रति निष्ठा डगमगाने लगी, और उसने हज़ार बार शहर छोड़कर ऐसी जगह जाने के बारे में सोचा जहाँ एंसेल्मो उसे न देख सके और न ही वह कैमिला को। लेकिन उसे कैमिला को निहारने में जो आनंद मिलता था, वह उसे जकड़ लेता था। उसने खुद पर नियंत्रण रखा और कैमिला को निहारने में मिलने वाले आनंद को रोकने और दबाने के लिए संघर्ष किया; अकेले में वह अपनी कमजोरी के लिए खुद को दोषी ठहराता, खुद को एक बुरा

दोस्त, बल्कि एक बुरा ईसाई कहता; फिर वह इस मामले पर बहस करता और अपनी तुलना एंसेल्मो से करता; हमेशा इस निष्कर्ष पर पहुँचता कि एंसेल्मो की मूर्खता और जल्दबाजी उसकी विश्वासघात से कहीं अधिक बुरी थी, और यदि वह ईश्वर के सामने भी उतनी ही आसानी से अपने इरादों का बचाव कर सकता है जितना मनुष्य के सामने, तो उसे अपने अपराध के लिए किसी भी दंड से डरने का कोई कारण नहीं है।
संक्षेप में, कैमिला की सुंदरता और अच्छाई, साथ ही अंधे पति द्वारा दिए गए अवसर ने लोटारियो की वफादारी को तोड़ दिया; और अपनी इच्छाओं के अलावा किसी और चीज पर ध्यान न देते हुए, एंसेल्मो के तीन दिन अनुपस्थित रहने के बाद, जिसके दौरान वह अपने जुनून से लगातार जूझ रहा था, उसने कैमिला के साथ इतने जोश और गर्मजोशी से प्रेम करना शुरू कर दिया कि वह आश्चर्यचकित रह गई और बिना कुछ कहे अपनी जगह से उठकर अपने कमरे में चली गई। लेकिन प्रेम से उत्पन्न होने वाली आशा इस अप्रिय व्यवहार से लोटारियो के मन से नहीं टूटी; इसके विपरीत, कैमिला के लिए उसका जुनून और बढ़ गया, और कैमिला ने उसमें वह पाया जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी, और वह समझ नहीं पा रही थी कि क्या करे; और उसे फिर से बात करने का मौका देना न तो सुरक्षित और न ही उचित समझते हुए, उसने उसी रात अपने एक नौकर को एंसेल्मो के पास एक पत्र के साथ भेजने का फैसला किया, जिसमें उसने उसे निम्नलिखित शब्द लिखे।

34

अध्याय
जिसमें "द इल-एडवाइज्ड क्यूरियोसिटी" उपन्यास की कहानी आगे बढ़ती है। "आम तौर पर कहा जाता है कि सेना अपने सेनापति के बिना और किला अपने रक्षक के बिना कमजोर दिखता है, और मैं कहती हूँ कि एक नवविवाहित महिला अपने पति के बिना और भी बुरी हालत में होती है, जब तक कि इसके पीछे कोई बहुत ठोस कारण न हो। मैं तुम्हारे बिना इतनी बेचैन हूँ और इस जुदाई को सहन करने में इतनी असमर्थ हूँ कि अगर तुम जल्दी वापस नहीं लौटीं तो मुझे अपने माता-पिता के घर जाना पड़ेगा, भले ही मैं तुम्हारे घर को बिना किसी रक्षक के छोड़ दूँ; क्योंकि जिसे तुमने मेरे लिए छोड़ा है, अगर वह वास्तव में इस उपाधि के योग्य है, तो मुझे लगता है कि वह तुम्हारे मामलों से ज़्यादा अपनी सुख-सुविधाओं को महत्व देता है: क्योंकि तुम समझदार हो, मुझे तुमसे और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है, और वास्तव में यह उचित भी नहीं है कि मैं और कुछ कहूँ।" एन्सेल्मो को यह पत्र मिला और इससे उसे पता चला कि लोथारियो ने अपना काम शुरू कर दिया है और कैमिला ने उसे उसकी इच्छा के अनुसार ही उत्तर दिया होगा; ऐसी खबर पाकर वह अत्यंत प्रसन्न हुआ और उसने कैमिला को संदेश भेजा कि वह किसी भी हालत में उसका घर न छोड़े, क्योंकि वह बहुत जल्द लौट आएगा। एन्सेल्मो के उत्तर से कैमिला चकित रह गई, जिससे वह पहले से भी अधिक दुविधा में पड़ गई, क्योंकि वह न तो अपने घर में रहने की हिम्मत कर पा रही थी और न ही अपने माता-पिता के घर जाने की; क्योंकि घर में रहने से उसकी पवित्रता खतरे में पड़ जाती और जाने से वह अपने पति के आदेशों का उल्लंघन करती। अंततः उसने अपने लिए सबसे बुरा रास्ता चुना, घर में रहने का, और लोथारियो की उपस्थिति से भागने का निश्चय नहीं किया, ताकि वह अपने नौकरों को गपशप का मौका न दे; और अब उसे अपने पति को लिखे पत्र पर पछतावा होने लगा, क्योंकि उसे डर था कि कहीं वह यह न सोच ले कि लोथारियो ने उसमें कोई ऐसी चंचलता देख ली है जिसने उसे उसके प्रति अपने सम्मान को त्यागने के लिए प्रेरित किया है; लेकिन अपनी सत्यनिष्ठा पर पूरा भरोसा रखते हुए उसने ईश्वर और अपने नेक इरादों पर भरोसा रखा, और आशा की कि वह लोथारियो के सभी प्रलोभनों का चुपचाप विरोध कर लेगी, अपने पति से कुछ भी नहीं कहेगी ताकि उसे किसी झगड़े या परेशानी में न डाले; और वह यह भी सोचने लगी कि जब एंसेल्मो उससे पूछेगा कि

“मेरे मित्र एंसेल्मो, मैं तुम्हें यह खुशखबरी देना चाहता हूँ कि तुम्हें एक ऐसी पत्नी मिली है जो सभी अच्छी पत्नियों के लिए आदर्श और आदर्श है। मैंने उससे जो कहा, वह हवा में उड़ गया, मेरे वादे ठुकरा दिए गए, मेरे उपहार अस्वीकार कर दिए गए, मेरे झूठे आँसू खुलेआम उपहास का पात्र बन गए। संक्षेप में, जैसे कैमिला सौंदर्य का सार है, वैसे ही वह पवित्रता का भंडार है, और कोमलता और विनम्रता उन सभी गुणों के साथ विद्यमान हैं जो एक स्त्री को प्रशंसा, सम्मान और सुख दिला सकते हैं। अपने पैसे वापस ले लो, मेरे मित्र; ये रहे, और मुझे इन्हें छूने की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि कैमिला की पवित्रता उपहारों या वादों जैसी तुच्छ चीजों के आगे नहीं झुकती। संतुष्ट रहो, एंसेल्मो, और आगे कोई प्रमाण देने से बचो; और जैसे तुम स्त्रियों के प्रति मन में उठने वाले संदेहों और शंकाओं के सागर से सूखे पैरों से पार हो चुके हो, वैसे ही फिर से उसमें डूबने की कोशिश मत करो। नई विपत्तियों के गहरे सागर में उतर जाओ, या किसी अन्य मार्गदर्शक के साथ उस नौका की अच्छाई और शक्ति का परीक्षण करो जो स्वर्ग ने तुम्हें इस संसार के सागर को पार करने के लिए प्रदान की है; परन्तु अब स्वयं को सुरक्षित बंदरगाह में समझो, विवेकपूर्ण चिंतन के लंगर से स्वयं को बांध लो, और तब तक शांति से विश्राम करो जब तक कि तुम्हें उस ऋण को चुकाने के लिए नहीं कहा जाता जिसे पृथ्वी पर कोई भी कुलीन व्यक्ति चुकाने से बच नहीं सकता।
एन्सेल्मो लोथारियो की बातों से पूरी तरह संतुष्ट था और उसने उन पर उतना ही विश्वास किया मानो वे किसी दैवीय संदेश से आई हों; फिर भी उसने लोथारियो से विनती की कि यदि यह केवल जिज्ञासा और मनोरंजन के लिए ही क्यों न हो, तो भी वह इस कार्य को न छोड़े; यद्यपि इसके बाद उसे पहले की तरह गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता नहीं होगी; वह बस इतना चाहता था कि लोथारियो उसके लिए कुछ कविताएँ लिखे, जिसमें वह क्लोरिस नाम से उसकी प्रशंसा करे, क्योंकि वह स्वयं उसे यह समझाना चाहता था कि वह एक ऐसी महिला से प्रेम करता है जिसे उसने यह नाम इसलिए दिया है ताकि वह उसकी शालीनता का सम्मान करते हुए उसकी प्रशंसा कर सके; और यदि लोथारियो कविताएँ लिखने का कष्ट न करे, तो वह स्वयं उन्हें रच देगा।
“इसकी कोई ज़रूरत नहीं होगी,” लोथारियो ने कहा, “क्योंकि कला की देवियाँ मेरी इतनी बड़ी शत्रु नहीं हैं कि वे साल भर में कभी-कभार मुझसे मिलने न आएँ। तुम कैमिला को मेरे काल्पनिक प्रेम प्रसंग के बारे में जो प्रस्ताव

और जब दिन का प्रकाश लौटकर रंग बिखेरता है
गुलाबी रंग से रंगे पूर्व दिशा के द्वार,
मेरा दुःख अब भी अटूट शक्ति से बह रहा है।
टूटी-फूटी आवाज़ों में और जलती हुई आहों में।
और जब सूर्य अपने तारों से घिरे सिंहासन पर आरोहण करता है,
और वह धरती पर अपनी दोपहर की किरणें बरसाता है,
दोपहर होते ही मेरा विलाप और आंसू फिर से ताजा हो जाते हैं;
और रात होते ही मेरी आह फिर से तेज हो जाती है।
फिर भी ऐसा लगता है कि मैं हमेशा अपनी पीड़ा में डूबा रहता हूँ।
मुझे तो लगता है कि न तो स्वर्ग सुनता है और न ही क्लोरिस।
यह कविता कैमिला को बहुत पसंद आई, और उससे भी ज़्यादा एंसेल्मो को, क्योंकि उसने इसकी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह महिला बहुत निर्दयी है जो इतनी स्पष्ट ईमानदारी का कोई प्रतिफल नहीं देती। इस पर कैमिला ने कहा, "तो क्या प्रेम में डूबे कवियों की सारी बातें सच हैं?"
"कवि के रूप में वे सच नहीं बोलते," लोथारियो ने उत्तर दिया; "लेकिन प्रेमी के रूप में वे अभिव्यक्ति में उतने ही अपूर्ण हैं जितने कि वे सत्यवादी हैं।"
"इसमें कोई संदेह नहीं है," एंसेल्मो ने कहा, जो कैमिला के सामने लोटारियो के विचारों का समर्थन करने के लिए उत्सुक था। कैमिला लोटारियो के इरादों की परवाह नहीं करती थी, लेकिन उससे बेहद प्यार करती थी; इसलिए, लोटारियो की हर बात में आनंद लेते हुए, और यह जानते हुए कि उसके विचार और लेखन का उद्देश्य कैमिला ही है, और वही असली क्लोरिस है, उसने लोटारियो से कुछ अन्य सॉनेट या छंद दोहराने के लिए कहा, यदि उसे कोई याद हो।
"हाँ," लोथारियो ने उत्तर दिया, "लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह पहले वाले जितना अच्छा है, या अधिक सही कहें तो, कम बुरा है; लेकिन आप आसानी से अंदाजा लगा सकते हैं, क्योंकि यह वही है।"
गाथा
मुझे पता है कि मेरा अंत निश्चित है; मृत्यु मेरे लिए तय है।
यह उतना ही निश्चित है जितना कि हे कृतघ्न सुंदरी,
मुझे तेरे चरणों में मृत पड़ा हुआ देखना पड़े, इससे पहले...
मेरे हृदय को तुम्हारे प्रति अपने प्रेम पर पश्चाताप हुआ।

यदि मुझे विस्मृति में दफना दिया जाए,
जीवन, प्रसिद्धि, कृपा, यहाँ तक कि वहाँ भी
यह पाया जाएगा कि मैं तुम्हारी छवि धारण करता हूँ।
मेरे सीने में गहराई से खुदा हुआ, जिसे सभी देख सकें।
मैं इसे किसी पवित्र अवशेष की तरह संजो कर रखता हूँ।
मुझे उस नियति से बचाने के लिए जो मेरे सच का परिणाम होगा,
यह सत्य तुम्हारे कठोर हृदय को उसकी शक्ति प्रदान करता है।
उस पर धिक्कार है, जब आसमान में बादल छाए रहते हैं।
अथाह सागर पर खतरे में डूबी नौकाएं,
जहां न तो कोई अनुकूल बंदरगाह दिखाई देता है और न ही ध्रुव तारा। एन्सेल्मो ने इस दूसरे सॉनेट की भी उसी तरह प्रशंसा की, जैसे उसने पहले की की थी; और इस तरह वह उस जंजीर में एक के बाद एक कड़ी जोड़ता गया जिससे वह खुद को बांध रहा था और अपनी बदनामी को पक्का कर रहा था; क्योंकि जब लोटारियो उसे सबसे ज्यादा अपमानित कर रहा था, तब उसने उससे कहा कि वह सबसे ज्यादा सम्मानित है; और इस प्रकार कैमिला जैसे-जैसे अपनी नीचता की गहराई की ओर बढ़ती गई, वैसे-वैसे वह, एन्सेल्मो की राय में, सद्गुण और प्रसिद्धि के शिखर की ओर बढ़ती गई।
एक बार जब कैमिला अपनी नौकरानी के साथ अकेली थी, तो उसने उससे कहा, "मुझे यह सोचकर शर्म आती है, मेरी प्यारी लियोनेला, कि मैंने खुद को कितना कम आंका कि मैंने लोटारियो को मजबूर नहीं किया कि वह कम से कम कुछ समय खर्च करके मुझ पर वह पूर्ण अधिकार हासिल करे जो मैंने अपनी मर्जी से इतनी जल्दी उसे सौंप दिया था। मुझे डर है कि वह मेरी नरमी या लापरवाही को गलत समझेगा, यह न समझते हुए कि उसने मुझ पर कितना गहरा प्रभाव डाला था।"
"इस बात से परेशान न हों, मेरी महिला," लियोनेला ने कहा, "क्योंकि अगर कोई वस्तु वास्तव में मूल्यवान और सम्मान के योग्य है, तो उसे जल्दी देने से उसका मूल्य कम नहीं हो जाता या वह कम कीमती नहीं हो जाती; बल्कि, लोग कहते हैं कि जो जल्दी देता है, वह दो बार देता है।"
कैमिला ने कहा, "वे यह भी कहते हैं कि जो चीज सस्ती होती है, उसकी कीमत भी कम होती है।"
"यह कहावत तुम्हारे मामले में लागू नहीं होती," लियोनेला ने उत्तर दिया, "क्योंकि प्रेम, जैसा कि मैंने सुना है, कभी उड़ता है तो कभी चलता है; कभी

दौड़ता है, कभी धीरे-धीरे चलता है; कभी शांत करता है, कभी जलाता है; कभी घायल करता है, कभी मार डालता है; अपनी इच्छाओं का मार्ग शुरू करता है और उसी क्षण उसे पूरा करके समाप्त भी कर देता है; सुबह किले पर घेराबंदी करता है और रात तक उस पर कब्जा कर लेता है, क्योंकि ऐसी कोई शक्ति नहीं है जो उसका विरोध कर सके; तो तुम किस बात से डरते हो, किस बात से भयभीत हो, जबकि लोथारियो के साथ भी ऐसा ही हुआ होगा, प्रेम ने तुम्हें वश में करने के लिए मेरे स्वामी की अनुपस्थिति को हथियार बनाया? और प्रेम ने जो ठान लिया था, उसे पूरा करना बिल्कुल आवश्यक था, एंसेल्मो को वापस आने और अपनी उपस्थिति से काम अधूरा छोड़ने का समय दिए बिना; क्योंकि प्रेम के पास अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए अवसर से बेहतर कोई साधन नहीं है; और वह अपने सभी कार्यों में, विशेष रूप से शुरुआत में, अवसर का लाभ उठाता है। यह सब मैं स्वयं अच्छी तरह जानती हूँ, सुनी-सुनाई बातों से अधिक अनुभव से, और कुछ हे महोदया, मैं आपको इस विषय पर जानकारी दूंगा, क्योंकि मैं भी आपके ही रक्त का हूँ। इसके अलावा, हे महिला कैमिला, आपने इतनी जल्दी आत्मसमर्पण नहीं किया, बल्कि पहले आपने लोटारियो की पूरी आत्मा को उसकी आँखों में, उसकी आहों में, उसके शब्दों में, उसके वादों में और उसके उपहारों में देखा, और उसके अच्छे गुणों से ही यह जाना कि वह आपके प्रेम के योग्य है। इसलिए, इन संशयपूर्ण और रूढ़िवादी विचारों को अपनी कल्पना को परेशान न करने दें, बल्कि आश्वस्त रहें कि लोटारियो आपको उतना ही महत्व देता है जितना आप उसे देती हैं, और इस बात से संतुष्ट और प्रसन्न रहें कि प्रेम के फंदे में फँसी होने के बावजूद, यह एक ऐसा व्यक्ति है जो गुणवान और सराहनीय है, और जिसमें न केवल वे चार 'एस' हैं जो सच्चे प्रेमियों में होने चाहिए, बल्कि एक संपूर्ण वर्णमाला है; बस मेरी बात सुनें और आप देखेंगे कि मैं इसे कितनी आसानी से दोहरा सकता हूँ। मेरी दृष्टि और सोच में वह है: मिलनसार, बहादुर, विनम्र, विशिष्ट, सुरुचिपूर्ण, स्नेही, प्रसन्न, माननीय, प्रख्यात, वफादार। मर्दाना, नेक, खुले दिल का, विनम्र, बुद्धिमान, धनी, और कहावत के अनुसार S अक्षर वाले अक्षर, फिर कोमल, सच्चा: X अक्षर उसे शोभा नहीं देता, क्योंकि यह एक कठोर अक्षर है; Y पहले ही दिया जा चुका है; और Z आपके सम्मान के लिए उत्साही है।
कैमिला अपनी दासी की वर्णमाला पर हँसी, और उसे लगा कि वह प्रेम प्रसंगों में अपनी कही बातों से कहीं अधिक अनुभवी है, जिसे उसने स्वीकार भी किया और

कैमिला के सामने कबूल किया कि उसके उसी शहर के एक अच्छे खानदान के युवक के साथ प्रेम संबंध थे। कैमिला यह सुनकर बेचैन हो गई, उसे डर था कि कहीं यह उसकी प्रतिष्ठा को खतरे में न डाल दे, और उसने पूछा कि क्या उसका षड्यंत्र केवल बातों तक ही सीमित नहीं रहा, तो उसने थोड़ी शर्म और बहुत ही धृष्टता से कहा कि हाँ; क्योंकि यह निश्चित है कि महिलाओं की नासमझी नौकरानियों को निर्लज्ज बना देती है, जो अपनी मालकिनों को गलत कदम उठाते देख खुद भी गलत रास्ते पर जाने या इसके बारे में पता चलने से नहीं हिचकिचातीं। कैमिला केवल लियोनेला से विनती कर सकती थी कि वह अपने इस काम के बारे में अपने प्रेमी से कुछ न कहे, और अपने मामलों को गुप्त रखे ताकि वे एंसेल्मो या लोटारियो के संज्ञान में न आ जाएँ। लियोनेला ने कहा कि वह ऐसा करेगी, लेकिन उसने अपने वचन का पालन इस तरह किया कि कैमिला की इस आशंका की पुष्टि हो गई कि उसके इस काम से उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान होगा; इस निर्भीक और साहसी लियोनेला ने जैसे ही देखा कि उसकी मालकिन का व्यवहार पहले जैसा नहीं है, उसने अपने प्रेमी को घर में लाने का दुस्साहस किया, इस विश्वास के साथ कि अगर उसकी मालकिन उसे देख भी ले तो वह उसे बेनकाब करने की हिम्मत नहीं करेगी; क्योंकि मालकिनों के पापों में अन्य बुराइयों के साथ-साथ यह बुराई भी शामिल होती है; वे खुद को अपने ही नौकरों की गुलाम बना लेती हैं, और अपनी ढिलाई और दुराचार को छिपाने के लिए बाध्य होती हैं; जैसा कि कैमिला के मामले में हुआ, जिसने एक बार नहीं बल्कि कई बार देखा कि लियोनेला अपने प्रेमी के साथ घर के किसी कमरे में है, फिर भी उसने न केवल उसे डांटने की हिम्मत नहीं की, बल्कि उसे छिपाने के अवसर भी दिए और हर संभव प्रयास किया ताकि उसके पति उसे देख न लें। हालाँकि, वह एक बार उसे भोर में बाहर निकलते हुए देखने से नहीं रोक सकी, जब लोटारियो ने, जो उसे नहीं जानता था, पहले तो उसे भूत समझ बैठा; लेकिन जैसे ही उसने उसे जल्दी से जाते हुए देखा, अपने चेहरे को लबादे से ढकते हुए और खुद को सावधानीपूर्वक छिपाते हुए, उसने इस मूर्खतापूर्ण विचार को त्याग दिया और एक दूसरा विचार अपना लिया, जो कैमिला द्वारा उपाय न खोजे जाने पर सब कुछ बर्बाद कर देता। लोटारियो के मन में यह विचार नहीं आया कि जिस व्यक्ति को उसने एंसेल्मो के घर से इतनी सुबह निकलते देखा था, वह लियोनेला के कारण घर में प्रवेश कर सकता था, और न ही उसे लियोनेला नाम की कोई व्यक्ति याद थी; वह बस यही सोच रहा था कि जिस प्रकार कैमिला उसके साथ सहज और नरम थी, उसी प्रकार वह किसी और के साथ भी थी;

उसे ऐसा करने का पूरा मौका दिया था; और इस प्रकार वह उस घबराहट की स्थिति में छिप गया, जिसकी कल्पना उस व्यक्ति की की जा सकती है जिसे अपने सम्मान के तार-तार होते देखने की आशंका हो, और जो अपनी प्रिय कैमिला में निहित उस परम आशीर्वाद को खोने के कगार पर हो, जिसे वह अपना मानता था। एन्सेल्मो के छिपने की जगह पर होने का पक्का यकीन करने के बाद, कैमिला और लियोनेला कोठरी में दाखिल हुईं, और जैसे ही कैमिला ने अंदर कदम रखा, उसने गहरी आह भरते हुए कहा, "आह! प्यारी लियोनेला, इससे पहले कि मैं वह करूँ जो मैं नहीं चाहती कि तुम जानो, कहीं तुम उसे रोकने की कोशिश न करो, क्या यह बेहतर नहीं होगा कि तुम एन्सेल्मो का वह खंजर ले लो जो मैंने तुमसे माँगा है और उससे मेरे इस नीच दिल को छलनी कर दो? लेकिन नहीं; मुझे किसी और की गलती की सज़ा भुगतने की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं पहले यह जानूँगी कि लोटारियो की उन लंपट आँखों ने मुझमें ऐसा क्या देखा है जिसने उसे अपने दोस्त और मेरी इज़्ज़त की परवाह किए बिना, मुझसे इतनी नीच योजना का खुलासा करने के लिए उकसाया है। खिड़की पर जाओ, लियोनेला, और उसे बुलाओ, क्योंकि निस्संदेह वह सड़क पर अपनी घिनौनी योजना को अंजाम देने के लिए इंतज़ार कर रहा होगा; लेकिन मेरी योजना, चाहे कितनी भी क्रूर हो, पर सम्मानजनक है, पहले पूरी होगी।"
"आह, महोदया," चालाक लियोनेला ने कहा, जो अपनी भूमिका बखूबी जानती थी, "आप इस खंजर से क्या करना चाहती हैं? क्या आप अपनी जान लेना चाहती हैं, या लोटारियो की? क्योंकि आप जो भी करना चाहें, इससे आपकी प्रतिष्ठा और नाम को नुकसान होगा। बेहतर है कि आप अपने गुनाह को छुपा लें और इस दुष्ट व्यक्ति को घर में घुसने और हमें अकेले पाने का मौका न दें; सोचिए, महोदया, हम कमजोर औरतें हैं और वह एक पुरुष है, और दृढ़ निश्चयी है, और चूंकि वह इतने नीच इरादे से, अंधाधुंध और वासना से प्रेरित होकर आया है, हो सकता है कि इससे पहले कि आप अपना इरादा पूरा कर सकें, वह आपके लिए कुछ ऐसा कर दे जो आपकी जान लेने से भी बदतर हो। मेरे स्वामी, एंसेल्मो, का बुरा हो, जिन्होंने इस निर्लज्ज व्यक्ति को अपने घर में इतना अधिकार दे दिया! और मान लीजिए कि आप उसे मार देती हैं, महोदया, जैसा कि मुझे लगता है कि आप करना चाहती हैं, तो उसके मरने के बाद हम उसका क्या करेंगे?"
"क्या, मेरे दोस्त?" कैमिला ने उत्तर दिया, "हम उसे एंसेल्मो के लिए दफनाने के लिए छोड़ देंगे; क्योंकि तर्कसंगत रूप से उसके लिए अपनी बदनामी को ज़मीन के नीचे छिपाना कोई बड़ी बात नहीं होगी। उसे बुलाओ, जल्दी करो,

क्योंकि मेरे साथ हुए अन्याय का बदला लेने में जितनी देर मैं लगाऊंगी, वह मुझे अपने पति के प्रति अपनी वफादारी के विरुद्ध अपराध प्रतीत होगा।" एन्सेल्मो यह सब सुन रहा था, और कैमिला के हर शब्द से उसका मन बदल रहा था; लेकिन जब उसने सुना कि लोथारियो को मारने का फैसला हो गया है, तो उसकी पहली इच्छा हुई कि वह बाहर आकर खुद को दिखाए और इस विपत्ति को टाल दे; लेकिन इतने साहसी और नेक फैसले के परिणाम को देखने की चिंता में उसने खुद को रोक लिया, और समय रहते आकर इस कृत्य को रोकने का इरादा किया। उसी क्षण कैमिला पास ही पड़े एक पलंग पर गिर पड़ी और बेहोश हो गई, और लियोनेला फूट-फूटकर रोने लगी, और कहने लगी, "हाय! मैं कितनी भाग्यशाली हूँ कि मेरी बाहों में मरती हुई वह स्त्री, सच्ची पत्नियों का मुकुट, पवित्रता की आदर्श!" और इसी तरह के और भी शब्द कहे, जिससे उसे सुनने वाला कोई भी उसे दुनिया की सबसे कोमल हृदय वाली और वफादार दासी समझ लेता, और उसकी मालकिन को एक और सताई हुई पेनेलोप।
कैमिला बेहोशी से जल्दी ही उबर गई और होश में आने पर बोली, "लियोनेला, तुम क्यों नहीं जातीं उस दोस्त को यहाँ बुलाने के लिए, जो अपने दोस्त के साथ सबसे बड़ा विश्वासघाती है, चाहे सूरज की रोशनी पड़े या रात का अंधेरा? भागो, जल्दी करो, जल्दी करो! कहीं ऐसा न हो कि मेरे क्रोध की आग देरी से बुझ जाए और जिस न्यायपूर्ण प्रतिशोध की मैं आशा करती हूँ, वह धमकियों और श्रापों में ही सिमट जाए।"
"मैं बस उन्हें फोन करने जा रही हूँ, महोदया," लियोनेला ने कहा; "लेकिन पहले आपको मुझे वह खंजर देना होगा, कहीं ऐसा न हो कि मेरे जाने के बाद आप उसके माध्यम से उन सभी को जीवन भर रोने का कारण दे दें जो आपसे प्यार करते हैं।" "शांति से जाओ, प्रिय लियोनेला, मैं ऐसा नहीं करूंगी," कैमिला ने कहा, "भले ही मैं तुम्हारी नज़र में जल्दबाज़ और मूर्ख हूँ, लेकिन अपनी इज़्ज़त बचाने के चक्कर में मैं उस ल्यूक्रेटिया जैसी मूर्खता नहीं करूंगी, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने बिना कुछ किए और बिना उस व्यक्ति को मारे, जिस पर उसकी बदकिस्मती का दोष था, आत्महत्या कर ली थी। अगर मुझे मरना है, तो मैं मरूंगी; लेकिन उससे पहले मैं उस व्यक्ति से पूरा बदला लूंगी जिसने मुझे यहाँ उस दुस्साहस पर रोने के लिए मजबूर किया है, जिसके लिए मेरी कोई गलती नहीं थी।"

लोथारियो को बुलाने जाने से पहले लियोनेला को बहुत ज़ोर देना पड़ा, लेकिन आखिरकार वह चली गई, और उसके लौटने का इंतज़ार करते हुए कैमिला मानो खुद से कह रही थी, "हे भगवान! क्या लोथारियो को पहले ही ठुकरा देना ज़्यादा समझदारी भरा नहीं होता, जैसा कि मैंने पहले भी कई बार किया है, बजाय इसके कि मैं उसे, जैसा कि मैं अब कर रही हूँ, मुझे अपवित्र और नीच समझने दूँ, भले ही मुझे उसे सच साबित करने के लिए थोड़े समय के लिए ही इंतज़ार करना पड़े? निस्संदेह यह बेहतर होता; लेकिन अगर उसे अपने दुराचार से पैदा हुई मुसीबत से इतनी आसानी से निकलने का रास्ता मिल जाता, तो न तो मेरा बदला लिया जा सकता था और न ही मेरे पति की इज़्ज़त बचाई जा सकती थी। गद्दार को अपनी उतावली इच्छाओं की कीमत अपनी जान से चुकानी पड़े, और दुनिया को पता चले (अगर कभी पता चले) कि कैमिला ने न केवल अपने पति के प्रति अपनी वफ़ादारी बनाए रखी, बल्कि उस आदमी से बदला भी लिया जिसने उसके साथ अन्याय करने की हिम्मत की। फिर भी, मुझे लगता है कि यह बात एंसेल्मो को बता देना बेहतर होगा। लेकिन फिर मेरे पास... मैंने उसे गाँव में लिखे पत्र में इस ओर उसका ध्यान दिलाया था, और अगर उसने उस बुराई को रोकने के लिए कुछ नहीं किया जिसकी ओर मैंने उसे वहाँ इशारा किया था, तो मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए था क्योंकि अपने सच्चे दिल और भरोसे के कारण वह यह विश्वास नहीं कर सकता था कि उसके इतने पक्के दोस्त के मन में उसकी इज़्ज़त के खिलाफ कोई विचार हो सकता है; और सच कहूँ तो मैंने भी कई दिनों तक इस पर विश्वास नहीं किया, और अगर उसकी धृष्टता खुलेआम उपहार देने, बड़े-बड़े वादे करने और लगातार आँसू बहाने से ज़ाहिर न हो जाती, तो मैं कभी इस पर विश्वास नहीं करता। लेकिन मैं इस तरह तर्क क्यों दे रहा हूँ? क्या एक दृढ़ निश्चय को तर्कों की ज़रूरत होती है? बिलकुल नहीं। तो फिर गद्दारों, दूर हो जाओ! बदला मेरी मदद करे! झूठा आए, पास आए, आगे बढ़े, मर जाए, अपनी जान दे दे, और फिर जो भी हो। मैं पवित्र होकर उसके पास आया जिसे स्वर्ग ने मुझे दिया है, पवित्र होकर ही उसे छोड़ूँगा; और सबसे बुरे हालात में, मैं अपने पवित्र रक्त में और दुनिया में दोस्ती के सबसे झूठे दोस्त के गंदे रक्त में लथपथ हो जाऊँगा; और जैसे ही उसने ये शब्द कहे, वह बिना म्यान वाली कटार को पकड़े हुए कमरे में इधर-उधर घूमने लगी, उसके कदम इतने अनियमित और अव्यवस्थित थे, और उसके हाव-भाव ऐसे थे कि कोई भी यह मान लेता कि उसने अपना होश खो दिया है, और उसे एक नाजुक महिला के बजाय किसी हिंसक बदमाश के रूप में देखता।

एन्सेल्मो, जो कुछ पर्दों के पीछे छिपा हुआ था, सब कुछ देखकर चकित रह गया और उसे लगा कि उसने जो देखा और सुना है, वह उसके बड़े संदेहों का पर्याप्त जवाब है; और अगर लोथारियो के आने से मिले सबूत की ज़रूरत न पड़े तो उसे बहुत खुशी होगी, क्योंकि उसे किसी अचानक दुर्घटना का डर था; लेकिन जैसे ही वह खुद को प्रकट करने और अपनी पत्नी को गले लगाने और उसके भ्रम को दूर करने के लिए बाहर आने वाला था, तभी उसने लियोनेला को लोथारियो को साथ लेकर लौटते हुए देखा और रुक गया। कैमिला ने जब उसे देखा, तो उसने खंजर से फर्श पर अपने सामने एक लंबी रेखा खींची और उससे कहा, "लोथारियो, मेरी बात ध्यान से सुनो: अगर तुमने गलती से भी इस रेखा को पार करने या इसके पास आने की हिम्मत की, तो जैसे ही मैंने तुम्हें ऐसा करते देखा, उसी क्षण मैं अपने हाथ में पकड़े इस खंजर से अपनी छाती में वार कर दूंगी; और इससे पहले कि तुम मुझे कुछ कहो, मैं चाहती हूं कि तुम मेरी कुछ बातें सुन लो, और उसके बाद तुम अपनी इच्छा अनुसार उत्तर देना। पहली बात, लोथारियो, मैं तुमसे यह जानना चाहती हूं कि क्या तुम मेरे पति एंसेल्मो को जानते हो और तुम उन्हें किस नजरिए से देखते हो; और दूसरी बात, मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या तुम मुझे भी जानते हो। बिना झिझक के या ज्यादा सोचे-समझे मुझे इसका उत्तर दो, क्योंकि ये कोई पहेलियां नहीं हैं जो मैं तुमसे पूछ रही हूं।"
लोथारियो इतना भी मंदबुद्धि नहीं था कि जिस क्षण कैमिला ने उसे एंसेल्मो को छिपाने का निर्देश दिया, उसी क्षण से वह समझ गया कि वह क्या करना चाहती है, और इसलिए वह इतनी आसानी और तत्परता से उसके विचार में शामिल हो गया कि उन दोनों ने मिलकर उस छल को सच्चाई से भी अधिक वास्तविक बना दिया; इसलिए उसने उसे इस प्रकार उत्तर दिया: "सुंदर कैमिला, मुझे नहीं लगा था कि तुम मुझे ऐसे प्रश्न पूछने के लिए बुला रही हो जो मेरे उद्देश्य से इतने दूर हैं; लेकिन यदि तुम वादा किए गए इनाम को टालने के लिए ऐसा कर रही हो, तो तुम इसे और भी लंबे समय तक टाल सकती थी, क्योंकि खुशी की लालसा उसे पाने की आशा के करीब आने पर और भी अधिक पीड़ा देती है; लेकिन कहीं तुम यह न कह दो कि मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर नहीं दे रहा हूँ, इसलिए मैं कहता हूँ कि मैं तुम्हारे पति एंसेल्मो को जानता हूँ, और हम बचपन से एक-दूसरे को जानते हैं; मैं उस बात का जिक्र नहीं करूँगा जो तुम भी जानती हो, हमारी दोस्ती के बारे में, ताकि मुझे उस अन्याय के खिलाफ गवाही देने के लिए मजबूर न होना पड़े जो प्रेम, बड़ी गलतियों का एक शक्तिशाली बहाना, मुझे उस पर करने के लिए मजबूर

करता है। मैं तुम्हें जानता हूँ और उसी सम्मान से देखता हूँ जैसा वह देखता है, क्योंकि यदि ऐसा न होता तो मैं एक छोटे से इनाम के लिए अपने पद और सच्ची दोस्ती के पवित्र नियमों के विरुद्ध कार्य न करता, जिन्हें मैंने उस शक्तिशाली शत्रु, प्रेम के कारण तोड़ दिया है और उनका उल्लंघन किया है।" "यदि तू यह स्वीकार करता है कि तू उन सभी चीज़ों का कट्टर शत्रु है जो वास्तव में प्रेम के योग्य हैं, तो तू किस चेहरे से उसके सामने आने की हिम्मत करता है जिसे तू जानता है कि वह दर्पण है जिसमें तू स्वयं को प्रतिबिंबित होते हुए देखता है और यह देखता है कि तू उसके प्रति कितना अयोग्य है? लेकिन, हाय, अब मैं समझ गई हूँ कि तूने स्वयं के प्रति अपने कर्तव्य की इतनी कम परवाह क्यों की; यह मेरी ही कोई स्वतंत्रता रही होगी, क्योंकि मैं इसे अभद्रता नहीं कहूँगी, क्योंकि यह किसी जानबूझकर किए गए इरादे से नहीं, बल्कि कुछ ऐसी लापरवाही से हुई है जो स्त्रियाँ अनजाने में कर बैठती हैं जब उन्हें लगता है कि उन्हें संकोच करने की कोई आवश्यकता नहीं है। लेकिन मुझे बता, गद्दार, मैंने कब शब्दों या संकेतों से तेरी प्रार्थनाओं का ऐसा उत्तर दिया जिससे तुझमें अपनी नीच इच्छाओं को पूरा करने की आशा की एक किरण भी जागृत हुई हो? तेरे प्रेम के वादों को कब कठोरता और तिरस्कारपूर्वक अस्वीकार और फटकारा नहीं गया? तेरे बार-बार किए गए वादों और उससे भी अधिक बार दिए गए उपहारों पर कब विश्वास किया गया या उन्हें स्वीकार किया गया? क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि बिना किसी आशा के प्रेम पाने का प्रयास कोई भी लंबे समय तक नहीं कर सकता, इसलिए मैं तुम्हारे आश्वासन का दोष स्वयं पर लेने को तैयार हूँ, क्योंकि निस्संदेह मेरी किसी नासमझी ने ही तुम्हारी आशाओं को पोषित किया है; और इसलिए मैं स्वयं को दंडित करूँगी और तुम्हारे अपराध का दंड स्वयं को दूँगी। और ताकि तुम देख सको कि जब मैं स्वयं के प्रति इतनी निर्दयी हूँ तो तुम्हारे प्रति निर्दयी होना मेरे लिए स्वाभाविक है, इसलिए मैंने तुम्हें अपने आदरणीय पति के आहत सम्मान के लिए किए जाने वाले बलिदान का साक्षी बनने के लिए बुलाया है, जिसे तुमने अपनी पूरी क्षमता से ठेस पहुँचाई है, और मैंने भी सावधानी न बरतते हुए, यदि मैंने कभी तुम्हारे नीच इरादों को बढ़ावा दिया हो या उन्हें स्वीकृति दी हो, तो हर अवसर से बचने के कारण। मैं एक बार फिर कहती हूँ कि मेरे मन में यह संदेह है कि मेरी किसी नासमझी ने तुम्हारे मन में ये अनैतिक विचार उत्पन्न किए हैं, यही बात मुझे सबसे अधिक पीड़ा देती

है और यही वह बात है जिसे मैं अपने हाथों से दंडित करना चाहती हूँ, क्योंकि यदि दंड का कोई अन्य साधन प्रयोग किया जाता तो शायद मेरी गलती और अधिक व्यापक रूप से ज्ञात हो जाती; लेकिन इससे पहले कि मैं ऐसा करूं, अपनी मृत्यु में मैं मृत्यु को अंजाम दूंगा, और अपने साथ एक ऐसे व्यक्ति को ले जाऊंगा जो मेरे उस प्रतिशोध की लालसा को पूरी तरह से संतुष्ट करेगा जिसकी मुझे आशा है और जो मुझे प्राप्त हो चुका है; क्योंकि मैं जहां कहीं भी जाऊं, उस व्यक्ति को कठोर, अटल न्याय द्वारा दी गई सजा जरूर देखूंगा जिसने मुझे इतनी निराशाजनक स्थिति में डाल दिया है।"
जैसे ही उसने ये शब्द कहे, अविश्वसनीय ऊर्जा और फुर्ती के साथ वह नंगे खंजर से लोथारियो पर झपटी, उसका इरादा उसे उसकी छाती में गाड़ने का था, जिससे लोथारियो लगभग अनिश्चित हो गया कि ये प्रदर्शन असली हैं या बनावटी, क्योंकि उसे खुद को रोकने के लिए अपनी सारी कुशलता और ताकत लगानी पड़ी; और उसने इस अजीबोगरीब नाटक और रहस्य को इतनी वास्तविकता से अंजाम दिया कि इसे सच्चाई का रंग देने के लिए उसने इसे अपने खून से रंगने का निश्चय किया; क्योंकि यह जानते हुए, या दिखावा करते हुए, कि वह लोथारियो को घायल नहीं कर सकती, उसने कहा, "लगता है, भाग्य मेरी उचित इच्छा को पूरी तरह संतुष्ट नहीं करेगा, लेकिन कम से कम आंशिक रूप से तो मुझे संतुष्ट करने से नहीं रोक पाएगा;" और लोथारियो के हाथ में पकड़े हुए खंजर को छुड़ाने का प्रयास करते हुए, उसने उसे छोड़ दिया, और खंजर की नोक को ऐसी जगह पर रखकर जहाँ वह गहरा घाव न कर सके, उसने उसे अपने बाएं कंधे के पास ऊपर की ओर घुसा दिया, और फिर बेहोश होने का नाटक करते हुए जमीन पर गिर पड़ी।
लियोनेला और लोथारियो इस भयानक दृश्य को देखकर स्तब्ध और अचंभित रह गए। कैमिला को जमीन पर खून से लथपथ पड़ा देखकर वे अभी भी इस घटना के असली स्वरूप को लेकर अनिश्चित थे। भयभीत और हांफता हुआ लोथारियो जल्दी से खंजर निकालने के लिए दौड़ा; लेकिन जब उसने देखा कि घाव कितना मामूली है, तो उसका डर दूर हो गया और उसने एक बार फिर सुंदर कैमिला की चतुराई, धैर्य और हाजिरजवाबी की प्रशंसा की। अपने किरदार को और भी प्रभावी ढंग से निभाने के लिए, वह उसके शरीर पर विलाप करने लगा मानो वह मर चुकी हो, और न केवल खुद पर बल्कि उस व्यक्ति पर भी श्राप देने लगा जिसने उसे इस स्थिति में पहुँचाया था। यह जानते हुए कि उसका मित्र एंसेल्मो उसे सुन रहा है, वह इस तरह से बोला कि सुनने वाले को कैमिला की तुलना में उस पर अधिक दया आए, भले ही वह

नहीं रह सकता; जिस पर लियोनेला ने जवाब दिया कि उसे मजाक में भी झूठ बोलना नहीं आता।
"तो फिर मुझे कैसे पता चलेगा, मेरे प्रिय?" कैमिला ने कहा, "क्योंकि अगर मेरी जान भी दांव पर लगी हो तो भी मैं झूठ गढ़ने या झूठ को बनाए रखने की हिम्मत नहीं करूंगी। अगर इस मुश्किल से निकलने का कोई रास्ता नहीं है, तो बेहतर यही होगा कि हम उसे सच बता दें, बजाय इसके कि वह हमें झूठी कहानी में फंसा हुआ पाए।"
"चिंता मत कीजिए, महोदया," लियोनेला ने कहा; "आज और कल के बीच मैं सोच लूंगी कि हमें उनसे क्या कहना चाहिए, और शायद घाव जहां है वहां से वह उनकी नजरों से छिपा रहे, और ईश्वर इस नेक और सम्मानजनक उद्देश्य में हमारी सहायता करेगा। आप शांत हो जाइए, महोदया, और अपनी उत्तेजना को कम करने का प्रयास कीजिए, कहीं ऐसा न हो कि मेरे स्वामी आपको परेशान देख लें; और बाकी सब मुझ पर और ईश्वर पर छोड़ दीजिए, जो हमेशा अच्छे इरादों का समर्थन करता है।" एन्सेल्मो ने अत्यंत ध्यान से अपने सम्मान की मृत्यु की त्रासदी को सुना और देखा, जिसे कलाकारों ने इतनी अद्भुत और प्रभावी सच्चाई के साथ प्रस्तुत किया कि ऐसा लगा मानो वे अपने द्वारा निभाए गए पात्रों का साकार रूप बन गए हों। वह रात और घर से भागने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था ताकि अपने अच्छे मित्र लोथारियो से मिल सके और उसके साथ अपनी पत्नी की पवित्रता स्थापित करने से प्राप्त अनमोल मोती पर अपनी खुशी का इज़हार कर सके। मालकिन और नौकरानी दोनों ने उसे भागने का समय और अवसर दिया, और इसका लाभ उठाते हुए वह भाग निकला और तुरंत लोथारियो की खोज में चल पड़ा। यह वर्णन करना असंभव है कि जब उसने उसे पाया तो उसने उसे कैसे गले लगाया, अपने दिल की खुशी में उसने उससे क्या कहा, और कैमिला की उसने कितनी प्रशंसा की; यह सब लोथारियो ने बिना कोई प्रसन्नता दिखाए सुना, क्योंकि वह यह नहीं भूल सकता था कि उसके मित्र को कितना धोखा दिया गया था और उसने उसके साथ कितना अपमानजनक अन्याय किया था। यद्यपि एंसेल्मो देख सकता था कि लोथारियो खुश नहीं था, फिर भी उसने सोचा कि इसका कारण केवल यही था कि उसने कैमिला को घायल छोड़ दिया था और स्वयं ही इसका कारण था; इसलिए उसने अन्य बातों के साथ-साथ उससे कहा कि वह कैमिला की दुर्घटना के बारे में परेशान न हो, क्योंकि उन्होंने इसे उससे छिपाने का समझौता किया था, इसलिए घाव स्पष्ट रूप से मामूली था; और ऐसा होने पर, उसे डरने का कोई कारण नहीं था, बल्कि उसे

अब से खुश रहना चाहिए और उसके साथ आनंद मनाना चाहिए, यह देखते हुए कि उसके प्रयासों और चतुराई से वह उस परम सुख तक पहुँच गया था जिसकी वह कल्पना भी नहीं कर सकता था, और कैमिला की प्रशंसा में कविताएँ रचने से बेहतर कोई और समय नहीं चाहता था जो आने वाले समय के लिए उसके नाम को अमर कर दें। लोथारियो ने उसके उद्देश्य की सराहना की और अपनी ओर से एक शानदार स्मारक बनाने में उसकी सहायता करने का वादा किया।
और इस तरह एंसेल्मो दुनिया का सबसे आकर्षक रूप से धोखा खाया हुआ व्यक्ति बन गया। वह खुद को आश्वस्त मानते हुए, अपने गौरव के साधन का संचालन कर रहा था, और जिसने उसकी प्रतिष्ठा को पूरी तरह से नष्ट कर दिया था, उसे हाथ पकड़कर घर ले आया; जिसे कैमिला ने चेहरे से मुंह फेरकर स्वीकार किया, हालांकि उसके दिल में मुस्कान थी। यह धोखा कुछ समय तक चलता रहा, जब तक कि कुछ महीनों के अंत में भाग्य ने अपना खेल खेला और अब तक इतनी कुशलता से छिपा हुआ अपराध सबके सामने आ गया, और एंसेल्मो ने अपनी नासमझी भरी जिज्ञासा का दंड अपने जीवन से चुकाया।

35

अध्याय
यह कहानी डॉन क्विक्सोट द्वारा लाल शराब की बोतलों के साथ लड़ी गई वीरतापूर्ण और अद्भुत लड़ाई का वर्णन करती है, और इसी के साथ "द इल-एडवाइज्ड क्यूरियोसिटी" उपन्यास का समापन होता है।
उपन्यास का लगभग अंत ही बचा था कि सांचो पांजा डॉन क्विक्सोट के कमरे से, जहाँ वह लेटा हुआ था, बेतहाशा उत्तेजित होकर चिल्लाते हुए निकला, "भागो, सज्जनों! जल्दी करो; और मेरे स्वामी की सहायता करो, जो अब तक के सबसे कठिन और भयंकर युद्ध में फँसे हुए हैं। ईश्वर की कृपा से उन्होंने मेरी प्रेमिका राजकुमारी मिकोमिकोना के शत्रु, उस दानव को ऐसा प्रहार दिया है कि उसका सिर ऐसे धड़ से अलग हो गया है जैसे कोई शलजम हो।"
"भाई, तुम क्या कह रहे हो?" पादरी ने उपन्यास का शेष भाग पढ़ने से पहले रुकते हुए कहा। "क्या तुम होश में हो, सांचो? भला ऐसा कैसे हो सकता है जैसा तुम कह रहे हो, जबकि दानव दो हज़ार मील दूर है?"
तभी उन्हें कमरे में एक ज़ोरदार आवाज़ सुनाई दी, और डॉन क्विक्सोट चिल्लाते हुए बोला, "रुको, चोर, डाकू, बदमाश; अब मैंने तुम्हें पकड़ लिया है, और तुम्हारी तलवार तुम्हारे काम नहीं आएगी!" और फिर ऐसा लगा जैसे वह दीवार पर ज़ोरदार वार कर रहा हो।
"सुनने के लिए मत रुको," सांचो ने कहा, "बल्कि अंदर जाओ और उन्हें अलग करो या मेरे स्वामी की मदद करो: हालाँकि अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि निस्संदेह वह दानव अब तक मर चुका होगा और अपने पिछले दुष्ट जीवन का हिसाब भगवान को दे रहा होगा; क्योंकि मैंने जमीन पर खून बहते देखा, और उसका सिर कटा हुआ एक तरफ गिरा हुआ था, और वह एक बड़ी मशक जितना बड़ा था।"
"अगर डॉन क्विक्सोट या डॉन डेविल ने उसके बिस्तर के सिरहाने रखी लाल शराब की बोतलों को काटकर खून न बहाया हो, और गिरी हुई शराब को ही यह भला आदमी खून समझ रहा हो, तो मैं मर जाऊँगा," और ऐसा कहकर वह कमरे में चला गया और बाकी लोग भी उसके पीछे गए, और वहाँ उन्होंने डॉन क्विक्सोट को दुनिया के सबसे अजीबोगरीब वेश में पाया। उसने एक कमीज़ पहनी हुई थी, जो सामने से उसकी जांघों को पूरी तरह से ढकने के लिए पर्याप्त लंबी नहीं थी और पीछे से छह उंगल छोटी थी; उसकी टांगें बहुत लंबी और पतली थीं, बालों से ढकी हुई थीं, और

बिल्कुल भी साफ नहीं थीं; उसके सिर पर मेज़बान की एक छोटी, चिकनी लाल टोपी थी, उसके बाएँ हाथ पर बिस्तर का कंबल लिपटा हुआ था, जिससे सांचो को, पता नहीं क्यों, कोई शिकायत थी, और उसके दाहिने हाथ में उसकी म्यान से निकली तलवार थी, जिससे वह चारों ओर वार कर रहा था और ऐसे चिल्ला रहा था मानो सचमुच किसी दानव से लड़ रहा हो: और सबसे अजीब बात यह थी कि उसकी आँखें खुली नहीं थीं, क्योंकि वह गहरी नींद में था और सपने में देख रहा था कि वह दानव से लड़ रहा है। उसकी कल्पना उस रोमांच में इतनी डूबी हुई थी कि उसे सपने में लग रहा था कि वह माइकोमिकॉन के राज्य में पहुँच गया है और अपने दुश्मन से लड़ रहा है; और यह मानते हुए कि वह दानव पर लेटा हुआ है, उसने उसकी खाल पर तलवार से इतने वार किए कि पूरा कमरा शराब से भर गया। यह देखकर जमींदार इतना क्रोधित हुआ कि वह डॉन क्विक्सोट पर टूट पड़ा और मुट्ठी बांधकर उसे इस कदर पीटने लगा कि अगर कार्डिनियो और पादरी उसे खींचकर अलग न करते तो वह उस दानव का युद्ध समाप्त कर देता। लेकिन इन सबके बावजूद बेचारा डॉन क्विक्सोट तब तक नहीं जागा जब तक नाई कुएं से ठंडे पानी का एक बड़ा घड़ा लाकर उसके पूरे शरीर पर नहीं डाल दिया। इससे डॉन क्विक्सोट थोड़ा तो जागा, लेकिन पूरी तरह से नहीं कि उसे समझ आ सके कि मामला क्या है। डोरोथिया ने डॉन क्विक्सोट के छोटे और पतले कपड़ों को देखकर अपने रक्षक और प्रतिद्वंद्वी के बीच की लड़ाई देखने के लिए अंदर जाने की हिम्मत नहीं की। सांचो ने उस विशालकाय व्यक्ति का सिर ढूंढने के लिए पूरे फर्श पर छानबीन की, लेकिन जब वह उसे नहीं मिला तो उसने कहा, "अब मुझे समझ आ रहा है कि इस घर में सब जादू-टोना है; पिछली बार, ठीक इसी जगह पर जहाँ मैं अभी हूँ, मुझे अनगिनत थप्पड़ पड़े थे, बिना यह जाने कि किसने मारे या मैं किसी को देख भी नहीं पाया; और अब यह सिर कहीं भी दिखाई नहीं दे रहा है, हालाँकि मैंने इसे अपनी आँखों से कटा हुआ देखा था और शरीर से खून ऐसे बह रहा था मानो फव्वारे से बह रहा हो।"
"तुम किस खून और फव्वारों की बात कर रहे हो, हे ईश्वर और उसके संतों के शत्रु?" मकान मालिक ने कहा। "क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता, हे चोर, कि यह खून और फव्वारा तो बस ये छुरा घोंपे हुए चमड़े हैं और कमरे में फैला हुआ लाल शराब है? और काश मैं उस व्यक्ति की आत्मा को नरक में तैरते हुए देख पाता जिसने इन्हें छुरा घोंपा है।"
"मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता," सांचो ने कहा; "मैं बस इतना जानता हूँ कि यह मेरा दुर्भाग्य होगा कि इस सिर को न ढूंढ पाने के कारण मेरा पूरा

इलाका पानी में नमक की तरह पिघल जाएगा;"—क्योंकि जागते हुए सांचो की हालत सोते हुए अपने स्वामी से भी बदतर थी, क्योंकि उसके स्वामी के वादों ने उसकी बुद्धि को इतना भ्रमित कर दिया था।
जमींदार जागीरदार की बेरुखी और मालिक की शरारतों से बेहद गुस्से में था और उसने कसम खाई कि पिछली बार की तरह इस बार ऐसा नहीं होगा जब वे बिना भुगतान किए चले गए थे; और इस बार उनके शूरवीरता के विशेषाधिकार काम नहीं आएंगे और वे उनमें से किसी को भी बिना भुगतान किए नहीं छोड़ेंगे, यहाँ तक कि शराब की मशकों को बंद करने के लिए लगने वाले प्लग का खर्च भी नहीं। पादरी डॉन क्विक्सोट का हाथ पकड़े हुए था, जिसे यह लग रहा था कि अब उसका रोमांच समाप्त हो गया है और वह राजकुमारी मिकोमिकोना के सामने है। वह पादरी के सामने घुटने टेककर बोला, "महान और सुंदर महिला, आज से आप इस नीच प्राणी द्वारा पहुँचाए जाने वाले किसी भी नुकसान से बेफिक्र रहें; और मैं भी आज से उस वादे से मुक्त हो गया हूँ जो मैंने आपको दिया था, क्योंकि सर्वशक्तिमान ईश्वर की कृपा और मेरी प्राण-श्रद्धांजलि से मैंने उसे सफलतापूर्वक पूरा किया है।"
यह सुनकर सांचो ने कहा, "क्या मैंने ऐसा नहीं कहा था? देखो, मैं नशे में नहीं था; देखो, मेरे मालिक ने उस विशालकाय को पहले ही नमक लगा दिया है; सांडों के बारे में कोई संदेह नहीं है; मेरा इलाका बिल्कुल ठीक है!"
मालिक और नौकर की इस बेतुकी जोड़ी पर हँसे बिना कौन रह सकता था? और सब हँसे, मकान मालिक को छोड़कर, जिसने खुद को कोसना शुरू कर दिया; लेकिन आखिरकार नाई, कार्डेनियो और पादरी ने बड़ी मुश्किल से डॉन क्विक्सोट को बिस्तर पर लिटाया, और वह अत्यधिक थकावट के भाव से सो गया। उन्होंने उसे सोने के लिए छोड़ दिया और दानव का सिर न मिलने पर सांचो पांजा को सांत्वना देने के लिए सराय के द्वार पर आए; लेकिन उन्हें मकान मालिक को शांत करने में और भी अधिक मेहनत करनी पड़ी, जो अपने शराब के थैलों के अचानक गायब हो जाने से बहुत क्रोधित था। और मकान मालकिन ने आधे डांटते हुए, आधे रोते हुए कहा, "बुरे समय और अशुभ घड़ी में वह मेरे घर आया, यह वीर योद्धा—काश मैंने उसे कभी देखा ही न होता, क्योंकि उसने मुझे बहुत नुकसान पहुंचाया है; पिछली बार वह अपने और अपने साथी, एक घोड़े और एक गधे के लिए रात के खाने, बिस्तर, भूसे और जौ का हिसाब लेकर चला गया, यह कहते हुए कि वह एक वीर योद्धा है—भगवान उसे और दुनिया के सभी योद्धाओं को दुर्भाग्यपूर्ण यात्राएं भेजें—और इसलिए

लिए लोटारियो ने घर न आने की गुहार लगाई, क्योंकि कैमिला की उसकी उपस्थिति के प्रति नाराज़गी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। लेकिन मूर्ख बने एंसेल्मो ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगा, और इस प्रकार वह हजारों तरीकों से अपनी बदनामी का कारण बन गया, जबकि वह यह मान रहा था कि वह अपनी खुशी सुनिश्चित कर रहा है। इस बीच, लियोनेला को अपने प्रेम को जारी रखने की शक्ति मिलने से इतना संतोष हुआ कि उसने बाकी सब कुछ भूलकर, अपनी इच्छाओं का बेरोकटोक पालन किया, इस विश्वास के साथ कि उसकी मालकिन उसकी रक्षा करेगी और उसे यह भी सिखाएगी कि इसे सुरक्षित रूप से कैसे निभाया जाए। आखिरकार एक रात एंसेल्मो ने लियोनेला के कमरे में कदमों की आहट सुनी और यह देखने के लिए अंदर जाने की कोशिश की कि कौन है, तो उसने पाया कि दरवाजा उसके लिए बंद कर दिया गया है, जिससे वह उसे खोलने के लिए और भी दृढ़ हो गया; और अपनी पूरी ताकत लगाकर उसने दरवाजा खोला और कमरे में प्रवेश किया, तभी उसने देखा कि एक आदमी खिड़की से कूदकर सड़क पर जा रहा है। वह उसे पकड़ने या यह पता लगाने के लिए तेजी से दौड़ा कि वह कौन है, लेकिन वह दोनों में से कोई भी उद्देश्य पूरा नहीं कर सका, क्योंकि लियोनेला ने उसे गले लगा लिया और रोते हुए कहा, "शांत हो जाइए, महोदय; आवेश में आकर उसका पीछा मत कीजिए जो इससे बच निकला है; वह मेरा है, और वास्तव में वह मेरा पति है।" एन्सेल्मो को इस बात पर यकीन नहीं हुआ, लेकिन गुस्से से अंधा होकर उसने एक खंजर निकाला और लियोनेला को सच बताने की धमकी देते हुए कहा कि वह उसे जान से मार देगा। डर के मारे, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कह रही है, उसने कहा, "मुझे मत मारो, महाराज, क्योंकि मैं आपको ऐसी बातें बता सकती हूँ जो आप सोच भी नहीं सकते।"
"तो मुझे तुरंत बताओ वरना तुम मर जाओगे," एंसेल्मो ने कहा।
"अभी मेरे लिए यह असंभव होगा," लियोनेला ने कहा, "मैं बहुत परेशान हूँ: मुझे कल तक छोड़ दीजिए, तब आप मुझसे वह सुनेंगे जो आपको आश्चर्यचकित कर देगा; लेकिन निश्चिंत रहिए कि खिड़की से कूदने वाला इसी शहर का एक युवक है, जिसने मुझे पति बनने का वादा किया है।"
इससे एंसेल्मो संतुष्ट हो गया और लियोनेला द्वारा मांगे गए समय तक प्रतीक्षा करने के लिए तैयार हो गया, क्योंकि उसे कैमिला के खिलाफ कुछ भी सुनने की उम्मीद नहीं थी, वह उसके सद्गुणों से इतना आश्वस्त था। इसलिए वह कमरे से बाहर चला गया और लियोनेला को अंदर बंद कर दिया, और उससे कहा कि जब

उसे ढूंढने में असफल रहा और नौकरों ने बताया कि वह रात भर घर से बाहर रहा और अपने साथ सारा पैसा ले गया, तो उसे लगा जैसे वह अपना मानसिक संतुलन खो रहा हो; और जब वह अपने घर लौटा तो उसने उसे वीरान और खाली पाया, उसके सभी नौकरों में से कोई भी, चाहे पुरुष हो या महिला, घर में नहीं था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या सोचे, क्या कहे या क्या करे, और ऐसा लग रहा था जैसे उसकी बुद्धि धीरे-धीरे उसका साथ छोड़ रही हो। उसने अपनी स्थिति का जायजा लिया और खुद को एक पल में पत्नी, दोस्त या नौकरों के बिना पाया, उसे लगा जैसे ऊपर वाले ने उसे त्याग दिया हो, और सबसे बढ़कर, अपने सम्मान से वंचित हो गया हो, क्योंकि कैमिला के गायब होने में उसे अपना ही विनाश दिखाई दिया। बहुत सोचने के बाद उसने आखिरकार अपने दोस्त के गाँव जाने का फैसला किया, जहाँ वह उस समय रुका हुआ था जब उसने इस विपत्ति को जन्म देने का मौका दिया था। उसने अपने घर के दरवाजे बंद किए, घोड़े पर सवार हुआ और टूटे हुए मन से अपनी यात्रा पर निकल पड़ा; लेकिन वह अभी आधा रास्ता ही तय कर पाया था कि अपने विचारों से व्याकुल होकर उसे घोड़े से उतरना पड़ा और उसे एक पेड़ से बांधना पड़ा, जिसके चरणों में वह लेट गया और दयनीय, हृदयविदारक आहें भरने लगा; और वह लगभग रात होने तक वहीं पड़ा रहा, जब उसने शहर से घोड़े पर सवार एक व्यक्ति को आते देखा, जिससे उसने अभिवादन करने के बाद पूछा कि फ्लोरेंस में क्या खबर है।
नागरिक ने उत्तर दिया, "पिछले कई दिनों में सुनी गई सबसे विचित्र घटना यही है; चारों ओर यह अफवाह फैली है कि धनी एंसेल्मो, जो सैन जियोवानी में रहता था, का घनिष्ठ मित्र लोथारियो कल रात उसकी पत्नी कैमिला का अपहरण करके ले गया, जो अब लापता है। यह सब कैमिला की एक नौकरानी ने बताया है, जिसे राज्यपाल ने कल रात एंसेल्मो के घर की खिड़कियों से चादर के सहारे नीचे उतरते हुए पाया था। मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि यह सब कैसे हुआ; मैं बस इतना जानता हूँ कि पूरा शहर इस घटना से अचंभित है, क्योंकि उनके बीच मौजूद गहरी और घनिष्ठ मित्रता को देखते हुए किसी ने भी ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की थी, वह मित्रता इतनी गहरी थी कि लोग कहते थे कि उन्हें 'दो मित्र' कहा जाता था।" एन्सेल्मो ने पूछा, "क्या यह बिल्कुल भी ज्ञात है कि लोथारियो और कैमिला ने कौन सा रास्ता अपनाया था?"
"बिल्कुल नहीं," नागरिक ने कहा, "हालांकि राज्यपाल उनकी तलाश में काफी सक्रिय रहे हैं।"

"ईश्वर आपका भला करे, महोदय," एंसेल्मो ने कहा।
"ईश्वर आपका भला करे," नागरिक ने कहा और अपने रास्ते चला गया।
इस भयानक खबर ने एंसेल्मो को न केवल होश में आने से रोका, बल्कि उसकी जान भी ले ली। वह जैसे-तैसे उठा और अपने दोस्त के घर पहुँचा, जिसे अभी तक उसकी बदकिस्मती के बारे में कुछ पता नहीं था, लेकिन उसे पीला, थका हुआ और कमजोर देखकर समझ गया कि वह किसी गंभीर पीड़ा से गुजर रहा है। एंसेल्मो ने तुरंत आराम करने की अनुमति और लिखने का सामान देने की गुहार लगाई। उसकी इच्छा पूरी की गई और उसे लेटने और अकेले रहने दिया गया, क्योंकि वह यही चाहता था, और यहाँ तक कि दरवाजा भी बंद कर दिया गया था। खुद को अकेला पाकर वह अपनी बदकिस्मती के विचार से इतना भयभीत हो गया कि अपने भीतर मृत्यु के लक्षणों को महसूस करके वह भली-भांति जान गया कि उसका जीवन समाप्त होने वाला है, और इसलिए उसने अपने रहस्यमय अंत का कारण बताने का निश्चय किया। उसने लिखना शुरू किया, लेकिन अपनी बात पूरी करने से पहले ही उसकी साँस रुक गई और उसने अपनी जान दे दी, उस पीड़ा का शिकार जो उसकी नासमझी भरी जिज्ञासा ने उस पर लाद दी थी। घर के मालिक ने देखा कि काफी रात हो चुकी है और एंसेल्मो ने कोई आवाज़ नहीं दी, तो उन्होंने अंदर जाकर यह पता लगाने का फैसला किया कि कहीं उनकी तबीयत तो नहीं बिगड़ रही है। उन्होंने देखा कि एंसेल्मो औंधे मुंह लेटे हुए थे, उनका शरीर आधा बिस्तर पर और आधा लिखने की मेज पर था, जिस पर कागज खुला हुआ था और कलम अभी भी उनके हाथ में थी। पहले तो उन्होंने एंसेल्मो को आवाज़ दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। फिर मालिक उनके पास गए और उनका हाथ पकड़कर देखा तो पाया कि उनका हाथ ठंडा था और वे मर चुके थे। बहुत हैरान और दुखी होकर उन्होंने घर के बाकी लोगों को एंसेल्मो की इस दुखद घटना को देखने के लिए बुलाया; और फिर उन्होंने कागज पढ़ा, जिसकी लिखावट उन्होंने एंसेल्मो की ही पहचान ली, और जिसमें ये शब्द लिखे थे:
"एक मूर्खतापूर्ण और नासमझी भरी इच्छा ने मेरी जान ले ली। अगर मेरी मृत्यु की खबर कैमिला तक पहुँच जाए, तो उसे पता होना चाहिए कि मैं उसे माफ कर देता हूँ, क्योंकि वह चमत्कार करने के लिए बाध्य नहीं थी, और न ही मुझे उससे ऐसा करने की अपेक्षा करनी चाहिए थी; और चूंकि मैं स्वयं अपने अपमान का कारण हूँ, इसलिए कोई कारण नहीं है कि-"
एन्सेल्मो ने अब तक जो लिखा था, उससे यह स्पष्ट था कि अपनी बात पूरी करने से पहले ही उनका जीवन समाप्त हो गया। अगले दिन उनके मित्र ने उनके

रिश्तेदारों को उनकी मृत्यु की सूचना भेजी, जिन्हें उनकी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का पहले ही पता चल चुका था। साथ ही उस मठ को भी, जहाँ कैमिला अपने पति के साथ उस अपरिहार्य यात्रा पर जाने ही वाली थीं, उनकी मृत्यु की खबर के कारण नहीं, बल्कि अपने प्रेमी के बिछड़ने की खबर के कारण। यद्यपि वह स्वयं को विधवा मानती थीं, कहा जाता है कि उन्होंने न तो मठ छोड़ा और न ही संन्यास लिया, जब तक कि कुछ समय बाद उन्हें यह सूचना नहीं मिली कि लोथारियो ने नेपल्स राज्य में हुए एक युद्ध में अपनी जान गंवा दी है, जिसमें एम. डी लॉट्रेक ने हाल ही में महान सेनापति गोंज़ालो फर्नांडीज डी कॉर्डोवा से युद्ध किया था। उनका प्रेमी भी वहीं गया था, जिसने बाद में पश्चाताप किया था। यह जानकर कैमिला ने संन्यास ले लिया और कुछ ही समय बाद शोक और उदासी से व्याकुल होकर उनकी मृत्यु हो गई। यह तीनों का अंत था, एक ऐसा अंत जिसकी शुरुआत बिना सोचे-समझे हुई थी।
“मुझे यह उपन्यास पसंद है,” पादरी ने कहा; “पर मैं इसकी सच्चाई पर यकीन नहीं कर पा रहा हूँ; और अगर यह काल्पनिक है, तो लेखक की कल्पना गलत है, क्योंकि यह सोचना असंभव है कि कोई पति इतना मूर्ख होगा कि एंसेल्मो जैसा महंगा प्रयोग करने की कोशिश करे। अगर इसे किसी प्रेमी और उसकी प्रेमिका के बीच घटित होने के रूप में दर्शाया जाता तो शायद बात बन जाती; लेकिन पति- पत्नी के बीच यह बात कुछ हद तक असंभव लगती है। जहाँ तक कहानी कहने के तरीके की बात है, मुझे उसमें कोई कमी नहीं दिखती।”

36

अध्याय
जिसमें सराय में घटी कुछ और रोचक घटनाओं का वर्णन है।
ठीक उसी क्षण, सराय के द्वार पर खड़े मकान मालिक ने कहा, "मेहमानों का एक शानदार दल आ रहा है; अगर वे यहीं रुकते हैं तो हम कह सकते हैं कि वे बहुत ही शानदार हैं।"
"ये क्या हैं?" कार्डेनियो ने कहा।
"चार आदमी," मकान मालिक ने कहा, "एक ला जिनेटा (घोड़ागाड़ी) पर सवार हैं, उनके पास भाले और ढालें हैं, और सभी ने काले घूंघट ओढ़ रखे हैं, और उनके साथ एक सफेद पोशाक वाली महिला है जो एक तरफ काठी पर बैठी है, जिसका चेहरा भी घूंघट से ढका हुआ है, और दो सेवक पैदल चल रहे हैं।"
"क्या वे बहुत पास हैं?" पादरी ने पूछा।
मकान मालिक ने उत्तर दिया, "इतने करीब हैं कि वे आ ही रहे हैं।"
यह सुनकर डोरोथिया ने अपना चेहरा ढक लिया, और कार्डिनियो डॉन क्विक्सोट के कमरे में छिप गया। उनके ऐसा करने से पहले ही, मेजबान द्वारा वर्णित पूरा दल सराय में प्रवेश कर गया। घोड़े पर सवार चार लोग, जो उच्च कोटि के दिखने और व्यवहार में सजे-धजे थे, घोड़ों से उतरे और उस महिला को उतारने के लिए आगे आए जो घोड़े पर एक तरफ बैठी थी। उनमें से एक ने उसे अपनी बाहों में उठाकर उस कुर्सी पर बिठा दिया जो उस कमरे के प्रवेश द्वार पर रखी थी जहाँ कार्डिनियो छिपा हुआ था। इस पूरे समय न तो उसने और न ही उन्होंने अपना घूंघट हटाया और न ही एक शब्द बोला। कुर्सी पर बैठते ही महिला ने गहरी आह भरी और अपने हाथ ऐसे लटका लिए जैसे कोई बीमार और कमजोर हो। फिर पैदल सेवक घोड़ों को अस्तबल की ओर ले गए। यह देखकर पादरी, यह जानने के लिए उत्सुक था कि ऐसे वस्त्र पहने और इतने मौन रहने वाले ये लोग कौन हैं, वह नौकरों के पास गया और उनमें से एक से यह प्रश्न पूछा, जिसने उसे उत्तर दिया।
"सच कहूँ तो, महोदय, मैं आपको यह नहीं बता सकता कि वे कौन हैं, मैं केवल इतना जानता हूँ कि वे प्रतिष्ठित लोग प्रतीत होते हैं, विशेष रूप से वह व्यक्ति जिसने उस महिला को अपनी बाहों में लेने के लिए आगे कदम बढ़ाया जिसे आपने देखा था; और मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि बाकी सभी लोग उसका सम्मान करते हैं, और उसके निर्देश और आदेश के अलावा कुछ भी नहीं किया जाता है।"

"और वह महिला कौन है?" पादरी ने पूछा।
“मैं आपको यह भी नहीं बता सकता,” नौकर ने कहा, “क्योंकि मैंने रास्ते भर उसका चेहरा नहीं देखा है; मैंने उसे कई बार आहें भरते और ऐसी कराहें भरते सुना है जैसे वह हर बार दम तोड़ रही हो; लेकिन अगर हम आपको जो बताया है उससे अधिक नहीं जानते हैं तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि मैं और मेरा साथी केवल दो दिन ही उनके साथ रहे हैं। रास्ते में मिलने पर उन्होंने हमसे विनती की और हमें अंडालूसिया चलने के लिए राजी किया, और हमें अच्छा भुगतान करने का वादा किया।”
"और क्या आपने उनमें से किसी को उसके नाम से पुकारते सुना है?" पादरी ने पूछा।
“जी नहीं, बिलकुल नहीं,” नौकर ने उत्तर दिया; “सड़क पर सब एकदम सन्नाटा पसरा हुआ है, उनके बीच से उस बेचारी औरत की आहों और सिसकियों के अलावा कोई आवाज़ नहीं सुनाई दे रही है, जिन्हें सुनकर हमें उस पर तरस आता है; और हमें पूरा यकीन है कि वह जहाँ भी जा रही है, अपनी मर्ज़ी के खिलाफ जा रही है, और उसके पहनावे से जितना अंदाज़ा लगाया जा सकता है, वह एक नन है या, ज़्यादा संभावना यही है कि वह नन बनने वाली है; और शायद इसीलिए वह इतनी दुखी है जितनी वह दिखती है।”
“ऐसा हो सकता है,” पादरी ने कहा और उन्हें छोड़कर डोरोथिया के पास लौट आया। घूंघट वाली महिला की आह सुनकर डोरोथिया को स्वाभाविक दया आ गई और वह उसके पास जाकर बोली, “आप किस तकलीफ से पीड़ित हैं, महोदया? यदि यह ऐसी कोई तकलीफ है जिसका इलाज महिलाएं जानती हैं, तो मैं पूरे दिल से आपकी सेवा करने के लिए तैयार हूँ।”
इस पर उस दुखी महिला ने कोई जवाब नहीं दिया; और यद्यपि डोरोथिया ने और अधिक गंभीरता से अपने प्रस्ताव दोहराए, फिर भी वह चुप रही, जब तक कि घूंघट वाला सज्जन, जिसके बारे में नौकर ने कहा था कि बाकी लोग उसकी बात मानते हैं, पास आकर डोरोथिया से नहीं बोला, "श्रीमती, उस महिला को कोई प्रस्ताव देने की कोशिश करके खुद को परेशान न करें, क्योंकि उसका स्वभाव है कि वह आपके द्वारा किए गए किसी भी काम के लिए धन्यवाद नहीं देती; और उससे जवाब पाने की कोशिश न करें, जब तक कि आप उसके मुंह से कोई झूठ न सुनना चाहें।"
अब तक चुप रही उस स्त्री ने तुरंत जवाब दिया, "मैंने कभी झूठ नहीं बोला; बल्कि इसके विपरीत, मैं इतनी सच्ची और झूठ बोलने की कलाओं से इतनी अनभिज्ञ

हूँ कि इसी वजह से मैं इस दयनीय स्थिति में हूँ; और मैं तुम्हें स्वयं इसका साक्षी बनने के लिए कहती हूँ, क्योंकि मेरी बेदाग सच्चाई ने ही तुम्हें झूठा और निंदक साबित किया है।"
कार्डिनियो ने ये शब्द स्पष्ट रूप से सुने, क्योंकि वह वक्ता के काफी करीब था, और उनके बीच केवल डॉन क्विक्सोट के कमरे का दरवाजा ही था। जैसे ही वह करीब पहुंचा, उसने जोर से चिल्लाते हुए कहा, "हे भगवान! यह मैं क्या सुन रहा हूँ? यह कैसी आवाज है जो मेरे कानों तक पहुँची है?" आवाज से चौंककर महिला ने अपना सिर घुमाया; और वक्ता को न देखकर वह खड़ी हो गई और कमरे में प्रवेश करने की कोशिश की; यह देखकर सज्जन ने उसे रोक लिया और एक कदम भी आगे बढ़ने से मना कर दिया। उसकी घबराहट और अचानक हरकत में, जिस रेशम से उसने अपना चेहरा ढका था, वह गिर गया और उसका चेहरा सामने आ गया, जो अतुलनीय और अद्भुत सुंदरता का था, लेकिन पीला और भयभीत था; क्योंकि वह अपनी आँखें हर जगह घुमा रही थी, जहाँ भी उसकी नज़र जा सकती थी, इतनी बेचैनी से कि ऐसा लग रहा था जैसे उसने अपना होश खो दिया हो, और यह इतना स्पष्ट था कि डोरोथिया और उसे देखने वाले सभी लोगों को उस पर दया आ गई, हालांकि वे नहीं जानते थे कि इसका कारण क्या था। उस सज्जन ने उसे कंधों से कसकर पकड़ लिया, और उसे रोके रखने में इतना मशगूल था कि वह अपने घूंघट को छू भी नहीं पाया जो गिरता जा रहा था। अंत में घूंघट पूरी तरह गिर गया। डोरोथिया, जिसने महिला को अपनी बाहों में थाम रखा था, ने आँखें उठाकर देखा कि उसे भी पकड़े हुए उसका पति डॉन फर्नांडो था। जैसे ही उसने उसे पहचाना, अपने दिल की गहराइयों से निकली एक लंबी कराह के साथ वह बेहोश होकर पीछे गिर पड़ी। अगर नाई पास ही खड़ा उसे अपनी बाहों में न पकड़ता, तो वह पूरी तरह ज़मीन पर गिर जाती। पादरी ने तुरंत उसका चेहरा ढकने के लिए हाथ बढ़ाया और उस पर पानी डाला। ऐसा करते ही डॉन फर्नांडो, जिसने उसे अपनी बाहों में थाम रखा था, ने उसे पहचान लिया और इस दृश्य को देखकर मानो स्तब्ध रह गया; हालाँकि, उसने लुसिंडा पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की, क्योंकि वह खुद को उसकी पकड़ से छुड़ाने के लिए संघर्ष कर रही थी, उसने कार्डेनियो को उसकी आवाज़ से पहचान लिया था, जैसे कार्डेनियो ने उसे पहचाना था। कार्डेनियो ने डोरोथिया की चीख सुनी जब वह बेहोश होकर गिर पड़ी, और यह सोचकर कि यह उसकी लुसिंडा की चीख है, वह डर के मारे कमरे से बाहर भागा और सबसे पहले उसने डॉन फर्नांडो को लुसिंडा को बाहों में लिए देखा। डॉन फर्नांडो ने भी कार्डेनियो को तुरंत पहचान लिया; और लुसिंडा,

कार्डेनियो और डोरोथिया तीनों चुपचाप अचंभित खड़े रहे, मानो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हुआ है।
वे बिना कुछ बोले एक-दूसरे को निहारते रहे, डोरोथिया डॉन फर्नांडो को, डॉन फर्नांडो कार्डेनियो को, कार्डेनियो लुसिंडा को और लुसिंडा कार्डेनियो को। सबसे पहले मौन भंग करने वाली लुसिंडा थी, जिसने डॉन फर्नांडो को संबोधित करते हुए कहा: "हे डॉन फर्नांडो, अपने प्रति आपके कर्तव्य के खातिर मुझे छोड़ दीजिए; यदि कोई और कारण आपको ऐसा करने के लिए प्रेरित न करे, तो मुझे उस दीवार से चिपके रहने दीजिए जिसकी मैं एक लता हूँ, उस सहारे से जिससे न तो आपकी विनती, न आपकी धमकियाँ, न आपके वादे, न आपके उपहार मुझे अलग कर पाए हैं। देखिए, कैसे स्वर्ग ने अजीब और हमारी दृष्टि से छिपे रास्तों से मुझे मेरे सच्चे पति के सामने ला खड़ा किया है; और आप अपने कठिन अनुभव से भली-भांति जानते हैं कि केवल मृत्यु ही उन्हें मेरी स्मृति से मिटा सकती है। इसलिए, मेरी इस स्पष्ट घोषणा से, जैसा कि आप और कुछ नहीं कर सकते, आपका प्रेम क्रोध में, आपका स्नेह आक्रोश में बदल जाए, और इस प्रकार आप मेरी जान ले लें; क्योंकि यदि मैं अपने प्रिय पति की उपस्थिति में अपनी जान दे दूँ, तो मैं इसे सार्थक मानूँगी; शायद मेरी मृत्यु से ही उन्हें यह विश्वास हो जाए कि मैंने जीवन के अंतिम क्षण तक उनके प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी।"
इसी बीच डोरोथिया को होश आ गया था और उसने लुसिंडा के शब्द सुन लिए थे, जिनसे उसे अपनी पहचान का पता चला; लेकिन यह देखकर कि डॉन फर्नांडो ने अभी तक उसे रिहा नहीं किया था और न ही उसे कोई जवाब दिया था, उसने अपनी पूरी हिम्मत जुटाकर उसके चरणों में घुटने टेक दिए और चमकीले और मार्मिक आँसुओं की बाढ़ के साथ उससे इस प्रकार कहा:
"हे मेरे स्वामी, यदि आपके हाथों में ग्रहण लगे उस सूर्य की किरणें आपकी आँखों को चकाचौंध न करतीं और आपकी दृष्टि न छीनतीं, तो आप अब तक देख चुके होते कि जो आपके चरणों में घुटने टेक रही है, वह, जैसा कि आप चाहते हैं, अभागी और दुर्भाग्यशाली डोरोथिया है। मैं वही साधारण किसान लड़की हूँ जिसे आपने अपनी दया या अपनी खुशी के लिए इतना ऊंचा उठाया कि वह खुद को आपकी कह सके; मैं वही हूँ जिसने मासूमियत के एकांत में संतुष्ट जीवन व्यतीत किया, जब तक कि आपकी ज़िद और आपके सच्चे और कोमल प्रेम के कारण, जैसा कि प्रतीत होता है, उसने अपनी लज्जा के द्वार खोल दिए और आपको अपनी

श्रेष्ठ हूँ। अंत में, हे महोदय, ये मेरे अंतिम शब्द हैं: चाहे तुम चाहो या न चाहो, मैं तुम्हारी पत्नी हूँ; तुम्हारे वचन साक्षी हैं, जो झूठे नहीं होने चाहिए, यदि तुम उस बात पर गर्व करते हो जिसके अभाव में तुम मेरा तिरस्कार करते हो; वह प्रतिज्ञा जो तुमने मुझे दी थी, साक्षी है, और स्वर्ग साक्षी है, जिसे तुमने स्वयं अपने द्वारा मुझसे किए गए वादे का साक्षी बनाया था; और यदि यह सब भी विफल हो जाए, तो तुम्हारी अंतरात्मा तुम्हारी सारी प्रसन्नता के बीच भी मौन स्वर में अपनी आवाज उठाएगी और मेरे कहे की सत्यता को प्रमाणित करेगी और तुम्हारे परम सुख और आनंद को भंग कर देगी। यह सब और इससे भी अधिक बातें घायल डोरोथिया ने इतनी गंभीरता और आँसुओं के साथ बताईं कि वहाँ मौजूद सभी लोग, यहाँ तक कि डॉन फर्नांडो के साथ आए लोग भी, उसके साथ रोने के लिए विवश हो गए। डॉन फर्नांडो बिना कुछ बोले उसकी बातें सुनते रहे, जब तक कि बोलते-बोलते वह इतनी सिसकियाँ और आहें भरने लगी कि यह कहना मुश्किल है कि इतने गहरे दुख को देखकर किसी कठोर हृदय का भी दिल नहीं पिघलता। लुसिंडा उसकी पीड़ा के प्रति उतनी ही सहानुभूति और उसकी बुद्धिमत्ता और सुंदरता के प्रति उतनी ही प्रशंसा के साथ उसे देखती रही, और उसे सांत्वना के कुछ शब्द कहने के लिए उसके पास जाना चाहती थी, लेकिन डॉन फर्नांडो की पकड़ ने उसे रोक दिया। कुछ क्षणों तक डोरोथिया को टकटकी लगाकर देखने के बाद, वह भ्रम और आश्चर्य से अभिभूत होकर, अपनी बाहें खोलीं और लुसिंडा को छोड़ते हुए कहा:
"हे सुंदर डोरोथिया, तुमने विजय प्राप्त कर ली है, तुमने विजय प्राप्त कर ली है, क्योंकि इतने सारे सत्यों की संयुक्त शक्ति को नकारने का साहस रखना असंभव है।"
अपनी दुर्बलता के कारण लुसिंडा जमीन पर गिरने ही वाली थी कि डॉन फर्नांडो ने उसे छोड़ दिया, लेकिन पास ही खड़ा कार्डेनियो, पहचान से बचने के लिए डॉन फर्नांडो के पीछे छिप गया था, डर को एक तरफ रखकर और जो भी हो, उसकी परवाह किए बिना, उसे सहारा देने के लिए आगे दौड़ा और उसे अपनी बाहों में भरते हुए कहा, "यदि स्वर्ग अपनी दया से तुम्हें अंततः विश्राम देने को तैयार है, हे मेरे हृदय की स्वामिनी, सच्ची, स्थिर और सुंदर, तो इन बाहों से अधिक सुरक्षित तुम कहीं नहीं रह सकतीं जो अब तुम्हें थामे हुए हैं, और पहले भी तुम्हें थामे हुए थीं जब भाग्य ने मुझे तुम्हें अपना कहने का सौभाग्य दिया था।"

ये शब्द सुनकर लुसिंडा ने कार्डिनियो की ओर देखा, पहले तो उसकी आवाज़ से उसे पहचानने की कोशिश की और फिर अपनी आँखों से यह सुनिश्चित किया कि वह वही है। उसे पता भी नहीं चला कि वह क्या कर रही है और शिष्टाचार की परवाह किए बिना, उसने अपनी बाहें उसकी गर्दन में डाल दीं और अपना चेहरा उसके करीब लाकर बोली, "जी, मेरे प्रिय स्वामी, आप ही इस दासी के सच्चे स्वामी हैं, भले ही दुर्भाग्य फिर से आड़े आ जाए और नए खतरे इस जीवन को, जो आप पर टिका है, धमका रहे हों।"
डॉन फर्नांडो और उनके आसपास खड़े लोगों के लिए यह एक अजीब दृश्य था, जो इस अप्रत्याशित घटना से आश्चर्यचकित थे। डोरोथिया को लगा कि डॉन फर्नांडो का रंग बदल गया है और ऐसा लग रहा था मानो वह कार्डेनियो से बदला लेने जा रहे हों, क्योंकि उसने उन्हें अपनी तलवार पर हाथ रखते हुए देखा था; और जैसे ही यह विचार उसके मन में आया, उसने बड़ी तेज़ी से उसके घुटनों को पकड़ लिया, उन्हें चूमते हुए और उसे हिलने से रोकते हुए, लगातार बहते आँसुओं के बीच बोली, "हे मेरे एकमात्र सहारा, इस अप्रत्याशित घटना में तुम क्या करोगे? तुम्हारी पत्नी तुम्हारे चरणों में है, और जिसे तुम अपनी पत्नी बनाना चाहते हो, वह अपने पति की बाहों में है: सोचो कि क्या यह तुम्हारे लिए उचित होगा, क्या तुम्हारे लिए स्वर्ग के किए को बदलना संभव होगा, या क्या तुम्हारे लिए उसे अपना जीवनसाथी बनाने का प्रयास करना उचित होगा, जो हर बाधा के बावजूद, अपनी सच्चाई और दृढ़ता में दृढ़ है, तुम्हारी आँखों के सामने है, अपने वैध पति के चेहरे और सीने को प्रेम के आँसुओं से भिगो रही है। ईश्वर के नाम पर, मैं तुमसे विनती करती हूँ, तुम्हारे अपने लिए, इस खुले प्रदर्शन से तुम्हारा क्रोध न भड़के; बल्कि इसे इतना शांत करो कि इन दोनों प्रेमियों को बिना किसी हस्तक्षेप के शांति और सुकून से रहने दो।" जब तक स्वर्ग अनुमति दे, तब तक तुम ऐसा करते रहोगे; और ऐसा करके तुम अपनी उदात्त और महान आत्मा की उदारता को सिद्ध करोगे, और संसार देखेगा कि तुम्हारे साथ तर्क का प्रभाव भावनाओं से कहीं अधिक है।"
जब तक डोरोथिया बोल रही थी, कार्डेनियो, हालांकि उसने लुसिंडा को अपनी बाहों में थामे रखा था, डॉन फर्नांडो से अपनी निगाहें नहीं हटा रहा था। उसने ठान लिया था कि अगर उसने डॉन फर्नांडो को कोई भी आक्रामक हरकत करते देखा, तो वह अपनी रक्षा करने और अपने ऊपर हमला करने वाले हर व्यक्ति का डटकर मुकाबला करने की पूरी कोशिश करेगा, चाहे इसके लिए उसे अपनी जान ही

समाप्त की, तो डॉन फर्नांडो ने बताया कि शहर में उसके साथ क्या हुआ था जब उसे लुसिंडा की गोद में वह कागज मिला जिसमें उसने घोषणा की थी कि वह कार्डेनियो की पत्नी है और कभी उसकी नहीं हो सकती। उसने कहा कि वह उसे मारना चाहता था और अगर उसके माता-पिता ने उसे रोका न होता तो वह ऐसा कर भी देता। वह क्रोध और शर्म से भरा हुआ घर छोड़कर चला गया और उसने ठान लिया कि जैसे ही कोई बेहतर मौका मिलेगा वह बदला लेगा। अगले दिन उसे पता चला कि लुसिंडा अपने पिता के घर से गायब हो गई है और कोई नहीं बता सकता कि वह कहाँ गई है। अंततः, कुछ महीनों के बाद उन्हें पता चला कि वह एक मठ में है और यदि वह कार्डिनियो के साथ अपना जीवन साझा नहीं करना चाहती, तो वह अपना शेष जीवन वहीं बिताने का इरादा रखती है; और जैसे ही उन्हें यह पता चला, इन तीनों सज्जनों को अपने साथी बनाकर वे उस स्थान पर पहुँचे जहाँ वह थी, लेकिन उन्होंने उससे बात करने से परहेज किया, इस डर से कि यदि यह पता चल गया कि वह वहाँ है तो मठ में और भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी; और द्वारपाल के कमरे के खुले होने का इंतजार करते हुए उन्होंने दो लोगों को द्वार पर पहरा देने के लिए छोड़ दिया, और वह और तीसरा व्यक्ति लुसिंडा की तलाश में मठ में प्रवेश कर गए। उन्हें लुसिंडा मठ के गलियारे में एक नन के साथ बातचीत करते हुए मिली, और उसे बिना विरोध करने का समय दिए उसे उठाकर वे एक ऐसे स्थान पर पहुँचे जहाँ उन्होंने उसे ले जाने के लिए आवश्यक सामग्री एकत्र की; यह सब वे पूरी सुरक्षा के साथ करने में सक्षम थे, क्योंकि मठ शहर से काफी दूर ग्रामीण क्षेत्र में था। उन्होंने आगे बताया कि जब लुसिंडा ने खुद को उनके वश में पाया तो वह बेहोश हो गई, और होश में आने के बाद वह बिना एक शब्द बोले केवल रोती और आहें भरती रही; और इस प्रकार मौन और आंसुओं के साथ वे उस सराय तक पहुंचे, जो उनके लिए स्वर्ग पहुंचने के समान थी, जहां पृथ्वी के सभी दुर्भाग्य समाप्त हो जाते हैं।

37

अध्याय
इसमें प्रसिद्ध राजकुमारी मिकोमिकोना की कहानी, अन्य मनोरंजक कारनामों के साथ जारी है।
यह सब सुनकर सांचो को बहुत दुख हुआ कि कैसे उसकी प्रतिष्ठा की आशाएँ धूमिल होकर धुएँ में विलीन हो रही थीं, और कैसे सुंदर राजकुमारी मिकॉमिकोना डोरोथिया में और वह विशालकाय डॉन फर्नांडो में बदल गया था, जबकि उसका स्वामी शांति से सो रहा था, उसे इस बात का बिल्कुल भी आहत नहीं था कि क्या हुआ था। डोरोथिया खुद को यह विश्वास नहीं दिला पा रही थी कि उसकी वर्तमान खुशी एक सपना नहीं थी; कार्डेनियो भी इसी तरह की मानसिक स्थिति में था, और लुसिंडा के विचार भी इसी दिशा में जा रहे थे। डॉन फर्नांडो ने ईश्वर का धन्यवाद किया कि उसने उस पर कृपा की और उसे उस जटिल भूलभुलैया से बचाया जिसमें वह अपने अच्छे नाम और आत्मा के विनाश के कगार पर पहुँच गया था; संक्षेप में, सराय में हर कोई इतने जटिल और निराशाजनक मामले के सुखद अंत से संतुष्ट और प्रसन्न था। एक समझदार व्यक्ति के रूप में पादरी ने पूरे मामले पर विचार किया और सभी को उनके सौभाग्य पर बधाई दी; लेकिन सबसे खुश और उत्साहित मकान मालकिन थी, क्योंकि कार्डेनियो और पादरी ने उसे डॉन क्विक्सोट के कारण हुए सभी नुकसानों की भरपाई करने का वादा किया था। जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, सांचो ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति था जो दुखी, उदास और निराश था; और इसलिए उदास चेहरे के साथ वह अपने मालिक के पास गया, जो अभी- अभी जागा था, और उससे कहा:
"श्रीमान शोकग्रस्त मुखमंडल, आप चाहें तो जितना चाहें सो सकते हैं, किसी भी दानव को मारने या राजकुमारी को उसका राज्य वापस दिलाने के बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है; क्योंकि यह सब अब समाप्त हो चुका है और तय हो गया है।"
"मुझे तो यही लगता है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि मैंने अपने जीवन में अब तक की सबसे भयंकर और अद्भुत लड़ाई उस दैत्य के साथ लड़ी थी; और एक ही झटके में मैंने उसका सिर ज़मीन पर पटक दिया, और उससे इतना खून निकला कि वह पानी की तरह धरती पर धाराओं के रूप में बहने लगा।"

"महोदय, बेहतर होगा कि आप लाल शराब की तरह कहें," सांचो ने उत्तर दिया; "क्योंकि मैं आपको बताना चाहता हूँ, यदि आप नहीं जानते हैं, कि मृत दानव एक कटा हुआ शराब का थैला है, और उसका खून उसके पेट में भरी हुई चौबीस गैलन लाल शराब है, और कटा हुआ सिर वह कुतिया है जिसने मुझे जन्म दिया; और शैतान इन सबको ले जाए।"
"मूर्ख, तुम क्या बकवास कर रहे हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या तुम होश में हो?"
"महाराज उठिए," सांचो ने कहा, "और आप देखेंगे कि आपने इसका कितना बुरा हाल कर दिया है, और हमें कितना भुगतान करना पड़ेगा; और आप देखेंगे कि रानी को डोरोथिया नाम की एक साधारण महिला में बदल दिया गया है, और अन्य चीजें जो आपको आश्चर्यचकित कर देंगी, यदि आप उन्हें समझ सकें।"
"मुझे इस तरह की किसी भी बात पर आश्चर्य नहीं होगा," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; "क्योंकि अगर तुम्हें याद हो कि पिछली बार जब हम यहाँ आए थे तो मैंने तुमसे कहा था कि यहाँ जो कुछ भी होता है वह जादू का मामला है, और अगर अब भी ऐसा ही हो तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।"
"मैं इन सब बातों पर यकीन कर सकता था," सांचो ने जवाब दिया, "अगर मेरा कंबल ओढ़ना भी वैसा ही होता; लेकिन ऐसा नहीं था, बल्कि यह असली और वास्तविक था; क्योंकि मैंने मकान मालिक को देखा, जो आज यहाँ है, कंबल का एक सिरा पकड़े हुए और मुझे बड़ी सफाई और चतुराई से, और उतनी ही हंसी के साथ जितनी ताकत से, आसमान की ओर खींच रहा था; और जब लोगों को जानने की बात आती है, तो मैं, एक सीधा-सादा और पापी होने के बावजूद, मानता हूँ कि इसमें कोई जादू नहीं है, बल्कि बहुत चोट और बदकिस्मती है।"
"अच्छा, अच्छा, भगवान कोई उपाय जरूर देंगे," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मुझे मेरे कपड़े दे दो और मुझे बाहर जाने दो, क्योंकि मैं उन परिवर्तनों और चीजों को देखना चाहता हूँ जिनके बारे में तुम बात कर रहे हो।"
सांचो उसके कपड़े ले आया; और जब वह कपड़े पहन रहा था, तब पादरी ने डॉन फर्नांडो और वहाँ मौजूद अन्य लोगों को डॉन क्विक्सोट के पागलपन और उस तरकीब के बारे में बताया जिसका इस्तेमाल उन्होंने उसे उस पेना पोबरे से निकालने के लिए किया था जहाँ वह अपनी प्रेमिका के तिरस्कार के कारण फंसा हुआ समझ रहा था। उसने उन्हें सांचो द्वारा बताई गई लगभग सभी घटनाओं का भी वर्णन किया, जिसे सुनकर वे आश्चर्यचकित हुए और खूब हंसे, क्योंकि सभी को

लगा कि यह एक पागल दिमाग की सबसे विचित्र पागलपन की निशानी है। लेकिन अब, पादरी ने कहा, चूंकि लेडी डोरोथिया की अच्छी किस्मत ने उन्हें अपने इरादे को पूरा करने से रोक दिया है, इसलिए उसे घर वापस लाने का कोई और तरीका ढूंढना या सोचना जरूरी होगा।
कार्डेनियो ने उस योजना को आगे बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जिसे उन्होंने शुरू किया था, और सुझाव दिया कि लुसिंडा डोरोथिया की भूमिका को पर्याप्त रूप से अच्छी तरह से निभाएगी और उसका समर्थन करेगी।
"नहीं," डॉन फर्नांडो ने कहा, "ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मैं चाहता हूं कि डोरोथिया अपने इस विचार को आगे बढ़ाए; और अगर उस सज्जन का गांव बहुत दूर नहीं है, तो मुझे खुशी होगी अगर मैं उनकी मदद के लिए कुछ कर सकूं।"
"यहां से यहां तक पहुंचने में दो दिन से ज्यादा का समय नहीं लगता," पादरी ने कहा।
डॉन फर्नांडो ने कहा, "अगर यह इससे भी अधिक होता, तो भी मैं इतने अच्छे काम को करने के लिए इतनी दूर की यात्रा खुशी-खुशी कर लेता।"
"इसी क्षण डॉन क्विक्सोट अपने पूरे साजो-सामान के साथ बाहर आया, उसके सिर पर मैम्ब्रिनो का टूटा-फूटा हेलमेट था, उसकी ढाल उसकी बांह पर थी, और वह अपने डंडे या भाले पर टिका हुआ था। उसकी विचित्र आकृति को देखकर डॉन फर्नांडो और बाकी लोग आश्चर्यचकित रह गए, क्योंकि उन्होंने उसका दुबला- पतला पीला चेहरा देखा जो आधा मील लंबा था, उसका तरह-तरह का कवच और उसके व्यवहार की गंभीरता। वे चुपचाप खड़े होकर यह देखने का इंतजार कर रहे थे कि वह क्या कहेगा, और उसने अपनी निगाहें हवा में खड़ी डोरोथिया पर टिकाकर, बड़ी गंभीरता और संयम से उसे संबोधित किया।"
"हे सुंदर स्त्री, मेरे सहायक ने मुझे बताया है कि आपकी महानता का नाश हो गया है और आपका पद समाप्त हो गया है, क्योंकि आप एक रानी और उच्च कोटि की महिला होने के बजाय एक साधारण कन्या बन गई हैं। यदि यह आपके पिता, जादूगर राजा के आदेश पर किया गया है, इस डर से कि मैं आपको वह सहायता प्रदान नहीं कर पाऊँगा जिसकी आपको आवश्यकता है और जिसके आप हकदार हैं, तो मैं आपको बता दूँ कि उन्हें आधी बात भी नहीं पता थी और न ही पता है, और उन्हें वीरता के इतिहास का बहुत कम ज्ञान था; क्योंकि यदि उन्होंने इसे मेरी तरह ध्यानपूर्वक और सोच-समझकर पढ़ा होता, तो उन्हें हर मोड़ पर पता चलता कि मुझसे कम प्रसिद्ध शूरवीरों ने भी इससे कहीं अधिक कठिन कार्य किए हैं: एक

विशालकाय के बच्चे को मारना कोई बड़ी बात नहीं है, चाहे वह कितना भी अभिमानी क्यों न हो; क्योंकि अभी कुछ ही घंटे पहले मैं स्वयं एक ऐसे ही राक्षस से भिड़ा था, और—मैं इसके बारे में बात नहीं करूँगा, ताकि कोई यह न कहे कि मैं झूठ बोल रहा हूँ; लेकिन समय, जो सब कुछ प्रकट करता है, तब सच्चाई बता देगा जब हम इसकी सबसे कम अपेक्षा करेंगे।"
इस पर जमींदार ने कहा, "तुम दो मदिरा मशकों से सगाई कर रहे थे, किसी दानव से नहीं।" लेकिन डॉन फर्नांडो ने उसे चुप रहने और किसी भी हालत में डॉन क्विक्सोट को टोकने से मना किया। डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, "अंत में, हे उच्च और उत्तराधिकारहीन महिला, मैं यही कहना चाहता हूँ कि यदि तुम्हारे पिता ने तुम्हारे व्यक्तित्व में यह परिवर्तन उसी कारण से किया है जिसका मैंने उल्लेख किया है, तो तुम्हें इसे कोई महत्व नहीं देना चाहिए; क्योंकि पृथ्वी पर ऐसा कोई खतरा नहीं है जिससे मेरी तलवार रास्ता न बना सके, और कुछ ही दिनों में मैं इससे तुम्हारे शत्रु का सिर काट दूंगा और तुम्हारे सिर पर तुम्हारे राज्य का मुकुट रख दूंगा।"
डॉन क्विक्सोट ने और कुछ नहीं कहा और राजकुमारी के उत्तर की प्रतीक्षा करने लगे। राजकुमारी डॉन फर्नांडो के इस दृढ़ निश्चय से अवगत थीं कि वे डॉन क्विक्सोट के घर पहुँचने तक इस धोखे को जारी रखेंगे। राजकुमारी ने बड़ी सहजता और गंभीरता से उत्तर दिया, "हे शोकग्रस्त चेहरे वाले वीर योद्धा, जिसने भी आपको बताया कि मुझमें कोई परिवर्तन या रूपांतरण हुआ है, उसने आपको सच नहीं बताया, क्योंकि मैं कल जैसी ही हूँ। यह सच है कि सौभाग्य के कुछ ऐसे क्षणों ने, जिन्होंने मुझे मेरी आशा से कहीं अधिक दिया है, मुझमें कुछ परिवर्तन किया है; लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि मैं पहले जैसी ही हूँ, या आपके वीर और अजेय शस्त्रों की शक्ति का लाभ उठाने की मेरी इच्छा हमेशा से रही है, वह समाप्त हो गई है। इसलिए, हे महोदय, कृपया मेरे जन्मदाता पिता को अपनी कृपा में पुनः स्थान दें, और आश्वस्त रहें कि वे एक बुद्धिमान और विवेकशील व्यक्ति थे, क्योंकि उन्होंने अपनी चतुराई से मेरी विपत्ति का इतना निश्चित और आसान उपाय खोज निकाला; क्योंकि मेरा मानना है, हे महोदय, कि यदि ऐसा न होता तो आपके बिना मुझे वह सौभाग्य कभी नहीं मिलता जो मुझे आज प्राप्त है; और यह बात बिल्कुल सच है; जैसा कि यहाँ उपस्थित अधिकांश सज्जन इसकी गवाही दे सकते हैं। अब बस इतना ही बचा है कि हम कल अपनी

यात्रा शुरू करें, क्योंकि आज हम ज्यादा दूर नहीं जा सकते; और बाकी के सुखद परिणाम के लिए मैं ईश्वर और आपके साहस पर भरोसा करता हूँ।
ऐसा फुर्तीली डोरोथिया ने कहा, और उसकी बात सुनकर डॉन क्विक्सोट सांचो की ओर मुड़ा और गुस्से से बोला, "मैं अब कसम खाता हूँ, छोटे सांचो, तू स्पेन का सबसे बड़ा बदमाश है। सुन, चोर और आवारा, क्या तूने अभी-अभी मुझे यह नहीं बताया कि यह राजकुमारी डोरोथिया नाम की एक युवती में बदल गई थी, और जिस सिर को मैंने एक दैत्य से काटा था, वह उस कुतिया का था जिसने तुझे जन्म दिया था, और ऐसी ही कई बकवास बातें जिन्होंने मुझे मेरे जीवन में सबसे बड़ी उलझन में डाल दिया है? मैं कसम खाता हूँ" (और यहाँ उसने आकाश की ओर देखा और अपने दाँत पीसे) "मैं तेरे साथ ऐसा बदला लेने की सोच रहा हूँ जिससे दुनिया के सभी झूठे शूरवीरों को भविष्य के लिए अक्ल आ जाए।"
"महाराज, शांत रहिए," सांचो ने उत्तर दिया, "हो सकता है कि मैं राजकुमारी मिकोमिकोना के परिवर्तन के बारे में गलत समझ रहा हूँ; लेकिन जहाँ तक राक्षस के सिर का सवाल है, या कम से कम मदिरा की मशकों के छेदों का, और खून के लाल मदिरा होने का, मुझे कोई संदेह नहीं है, ईश्वर के अस्तित्व के समान निश्चित; क्योंकि घायल मशकें आपके पलंग के सिरहाने पर पड़ी हैं, और मदिरा ने कमरे को एक झील बना दिया है; अगर नहीं तो आप अंडे तलने के समय देख लेंगे; मेरा मतलब है जब मकान मालिक सभी नुकसानों की भरपाई मांगेगा: बाकी के लिए, मैं दिल से खुश हूँ कि महारानी पहले जैसी ही हैं, क्योंकि यह मेरे लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी और के लिए।"
"मैं तुमसे फिर कहता हूँ, सांचो, तुम मूर्ख हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मुझे क्षमा कर दो, बस इतना ही काफी है।"
“बस इतना ही काफी है,” डॉन फर्नांडो ने कहा; “अब इसके बारे में और कुछ न कहें; और चूंकि राजकुमारी महोदया कल प्रस्थान करना चाहती हैं क्योंकि आज बहुत देर हो चुकी है, तो ठीक है, और हम रात सुखद बातचीत में बिताएंगे, और कल हम सभी सेनर डॉन क्विक्सोट के साथ चलेंगे; क्योंकि हम उस महान अभियान में उनके द्वारा किए जाने वाले वीरतापूर्ण और अद्वितीय कारनामों को देखना चाहते हैं।”
"मैं ही आपकी सेवा करूंगा और आपके साथ चलूंगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मुझे आप पर दिखाई गई कृपा और मेरे प्रति आपके अच्छे विचार से बहुत प्रसन्नता हुई है, जिसे मैं उचित ठहराने का हर संभव प्रयास करूंगा, अन्यथा

मुझे अपनी जान या उससे भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी, यदि इससे अधिक कीमत चुकाना संभव हो।"
डॉन क्विक्सोट और डॉन फर्नांडो के बीच अनेकों प्रशंसा और शिष्टाचारपूर्ण बातें हुईं; लेकिन तभी एक यात्री ने सराय में प्रवेश किया और उनके पहनावे से ऐसा प्रतीत हुआ कि वह मूरों के देश से आया एक ईसाई है, क्योंकि उसने नीले कपड़े का आधी आस्तीन वाला छोटा कोट पहना हुआ था, जिसमें कॉलर नहीं था; उसकी पैंट और टोपी भी नीले कपड़े की थी, और उसने पीले रंग के बूट पहने हुए थे और अपनी छाती पर एक कमरबंद से मूरिश कटार लटका रखी थी। उसके पीछे, एक गधे पर सवार, मूरिश शैली में सजी एक महिला आई, जिसका चेहरा घूंघट से ढका हुआ था और सिर पर दुपट्टा था, और उसने एक छोटी सी जरीदार टोपी और एक लबादा पहना हुआ था जो उसके कंधों से लेकर पैरों तक ढका हुआ था। वह व्यक्ति हृष्ट-पुष्ट और सुगठित शरीर का था, उम्र चालीस से कुछ अधिक, सांवला रंग, लंबी मूंछें और घनी दाढ़ी थी, और संक्षेप में, उसका रूप-रंग ऐसा था कि यदि उसने अच्छे कपड़े पहने होते तो उसे उच्च वर्ग और उच्च कुल का व्यक्ति समझा जाता। अंदर प्रवेश करते ही उसने एक कमरा मांगा, और जब उसे बताया गया कि सराय में कोई कमरा नहीं है तो वह व्याकुल प्रतीत हुआ, और उस स्त्री के पास जाकर, जो अपने पहनावे से मूर प्रतीत होती थी, उसे घोड़े की पीठ से नीचे उतारकर अपनी बाहों में उठा लिया। लुसिंडा, डोरोथिया, सराय की मालकिन, उसकी बेटी और मैरिटोर्न्स, उस विचित्र और उनके लिए बिल्कुल नए पहनावे से आकर्षित होकर, उसके चारों ओर जमा हो गए; और डोरोथिया, जो हमेशा दयालु, विनम्र और हाजिरजवाब थी, ने देखा कि कमरा न मिलने से वह और उसे लाने वाला आदमी दोनों ही परेशान थे, तो उसने उससे कहा, "श्रीमती, यहाँ की असुविधा और सुविधाओं की कमी से परेशान मत होइए, क्योंकि सड़क किनारे की सराय में ये सब नहीं होता; फिर भी, अगर आप हमारे साथ (लुसिंडा की ओर इशारा करते हुए) ठहरना चाहें, तो शायद आपको अपनी यात्रा में इससे भी बुरी जगहें मिली हों।"
इस पर घूंघट ओढ़े महिला ने कोई उत्तर नहीं दिया; उसने केवल अपनी सीट से उठकर, हाथों को अपनी छाती पर रखकर, सिर झुकाकर और शरीर को मोड़कर धन्यवाद का संकेत दिया। उसकी चुप्पी से उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि वह एक मूर होगी और ईसाई भाषा बोलने में असमर्थ होगी।
इसी समय, अब तक किसी और काम में व्यस्त रहे बंदी वहां आए और यह देखकर कि वे सभी उनकी साथी के चारों ओर खड़े हैं और वह उनकी बातों का कोई जवाब नहीं दे

रही है, उन्होंने कहा, "देवियों, यह युवती मेरी भाषा मुश्किल से समझ पाती है और अपने देश की भाषा के अलावा कोई और भाषा नहीं बोल सकती, इसी कारण वह पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे पा रही है।"
"उससे कुछ नहीं माँगा गया है," लुसिंडा ने जवाब दिया; "उसे केवल आज शाम के लिए हमारी संगति और हमारे कमरे में रहने की पेशकश की गई है, जहाँ उसे यथासंभव आराम दिया जाएगा, और हम सभी अजनबियों के प्रति सद्भावना दिखाएंगे, जिन्हें इसकी आवश्यकता है, विशेषकर यदि वह एक महिला हो जिसकी सेवा की जा रही है।"
"हे महोदया, मैं और आपकी ओर से, मैं आपके हाथों को चूमता हूँ, और मैं आपके द्वारा दी गई कृपा का बहुत सम्मान करता हूँ, जैसा कि मुझे करना चाहिए, जो इस अवसर पर और आपके जैसे व्यक्तित्व से प्राप्त होने पर, स्पष्ट रूप से एक बहुत बड़ी कृपा है।"
"मुझे बताइए, महोदय," डोरोथिया ने कहा, "क्या यह महिला ईसाई है या मूर? क्योंकि उसके पहनावे और उसकी चुप्पी से हमें यह कल्पना करने पर मजबूर होना पड़ता है कि वह वह है जो हम नहीं होना चाहते।"
उन्होंने कहा, "पहनावे और बाहरी रूप से वह एक मूर है, लेकिन दिल से वह एक सच्ची ईसाई है, क्योंकि उसके मन में ईसाई बनने की प्रबल इच्छा है।"
"तो क्या उसका बपतिस्मा नहीं हुआ है?" लुसिंडा ने पलटकर पूछा। "अल्जीयर्स, अपने जन्मस्थान और घर को छोड़ने के बाद से ऐसा कोई अवसर नहीं मिला है; और अब तक वह मृत्यु के ऐसे किसी आसन्न खतरे में नहीं आई है कि उसे हमारी पवित्र माता चर्च द्वारा निर्धारित सभी अनुष्ठानों का प्रशिक्षण दिए बिना बपतिस्मा देना आवश्यक हो जाए; लेकिन, ईश्वर की कृपा से, जल्द ही उसे उस गरिमापूर्ण तरीके से बपतिस्मा दिया जाएगा जो उसके या मेरे पहनावे से कहीं अधिक श्रेष्ठ है।"
इन शब्दों से उसने सुनने वालों के मन में यह जानने की उत्सुकता जगा दी कि वह मूर महिला और बंदी कौन हैं, लेकिन उस समय किसी ने भी पूछना उचित नहीं समझा, क्योंकि उनके जीवन के बारे में पूछताछ करने के बजाय उन्हें आराम देने का यह बेहतर समय था। डोरोथिया ने मूर महिला का हाथ पकड़ा और उसे अपने पास बिठाते हुए उससे अपना घूंघट हटाने का अनुरोध किया। उसने बंदी की ओर ऐसे देखा मानो उससे पूछ रही हो कि उनका क्या मतलब है और उसे क्या करना चाहिए। उसने अरबी में उससे कहा कि उन्होंने उसे अपना घूंघट हटाने के लिए

कहा है, और इस पर उसने अपना घूंघट हटा दिया और एक ऐसा सुंदर चेहरा प्रकट किया कि डोरोथिया को वह लुसिंडा से अधिक सुंदर लगी और लुसिंडा को डोरोथिया से अधिक सुंदर। वहाँ मौजूद सभी लोगों को लगा कि अगर किसी की सुंदरता उनसे तुलना कर सकती है तो वह मूर महिला की है, और कुछ तो उसे कुछ अधिक ही सुंदर मानने को तैयार थे। और जैसा कि सुंदरता का आकर्षण और शक्ति होती है, जो दिल जीत लेती है और सद्भावना प्राप्त कर लेती है, सभी लोग तुरंत उस सुंदर मूर महिला के प्रति दया और ध्यान दिखाने के लिए उत्सुक हो गए।
डॉन फर्नांडो ने बंदी से उसका नाम पूछा, और उसने बताया कि उसका नाम लीला ज़ोराइडा है; लेकिन जैसे ही उसने यह सुना, वह समझ गई कि ईसाई क्या पूछ रहा है, और कुछ नाराज़गी और जोश के साथ जल्दी से बोली, "नहीं, ज़ोराइडा नहीं; मारिया, मारिया!" जिससे उन्हें समझ आ गया कि उसका नाम "मारिया" है, "ज़ोराइडा" नहीं। ये शब्द, और जिस मार्मिक गंभीरता से उसने इन्हें कहा, उससे कुछ श्रोताओं, विशेषकर महिलाओं, जो स्वभाव से कोमल हृदय और दयालु होती हैं, की आँखों में आँसू आ गए। लुसिंडा ने उसे स्नेह से गले लगाया और कहा, "हाँ, हाँ, मारिया, मारिया," जिस पर मूर ने जवाब दिया, "हाँ, हाँ, मारिया; ज़ोराइडा मकांगे," जिसका अर्थ है "ज़ोराइडा नहीं।"
रात होने वाली थी, और डॉन फर्नांडो के साथ आए लोगों के आदेश पर, सराय के मालिक ने उनके लिए सर्वोत्तम भोजन तैयार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। समय होते ही वे सभी एक लंबी मेज पर बैठ गए, जो किसी भोजन कक्ष की मेज जैसी थी, क्योंकि सराय में कोई गोल या चौकोर मेज नहीं थी। मेज के शीर्ष पर सम्मान की कुर्सी, हालांकि वह इसे स्वीकार नहीं करना चाहता था, डॉन क्विक्सोट को दी गई, जिसने लेडी मिकोमिकोना से अपने पास बैठने का अनुरोध किया, क्योंकि वह उसका रक्षक था। लुसिंडा और ज़ोराइडा उसके बगल में बैठ गईं, उनके सामने डॉन फर्नांडो और कार्डेनियो, फिर कैदी और अन्य सज्जन, और महिलाओं के बगल में पादरी और नाई बैठ गए। इस प्रकार उन्होंने बड़े आनंद से भोजन किया, और उनका आनंद तब और बढ़ गया जब उन्होंने देखा कि डॉन क्विक्सोट ने खाना छोड़ दिया, और उसी आवेग से प्रेरित होकर, जिसने उसे चरवाहों के साथ भोजन करते समय इतनी देर तक बोलने के लिए प्रेरित किया था, उनसे बात करने लगा।
"सचमुच, सज्जनों, अगर हम इस पर विचार करें, तो शूरवीरता का दावा करने वाले लोग कितनी अद्भुत और आश्चर्यजनक चीजें देखते हैं। कहिए, इस दुनिया में ऐसा

कौन सा प्राणी है, जो इस समय इस किले के द्वार से प्रवेश करे और हमें इस रूप में देखे, तो हमारे बारे में यह सोचे या कल्पना करे कि हम वास्तव में क्या हैं? कौन कहेगा कि मेरे बगल में बैठी यह महिला वही महान रानी है जिसे हम सब जानते हैं, या मैं वही शोकग्रस्त चेहरे वाला शूरवीर हूँ, जिसकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली हुई है? अब, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह कला और पेशा मानव जाति द्वारा आविष्कृत सभी कलाओं और पेशों से श्रेष्ठ है, और जितना अधिक यह खतरे में पड़ता है, उतना ही अधिक सम्मान के योग्य है। उन लोगों को दूर भगाओ जो यह दावा करते हैं कि विद्या हथियारों से श्रेष्ठ है; मैं उनसे, चाहे वे कोई भी हों, कहूँगा कि वे जो कह रहे हैं, वह ना जानते। क्योंकि ऐसे लोग आमतौर पर जो कारण बताते हैं, और जिस पर वे मुख्य रूप से आधारित होते हैं, वह यह है कि मस्तिष्क का श्रम शरीर के श्रम से कहीं अधिक होता है। शरीर, और यह कि शस्त्र केवल शरीर को ही रोजगार देते हैं; मानो यह किसी कुली का काम हो, जिसके लिए केवल मजबूत शक्ति की आवश्यकता होती है; या मानो, जिसे हम, जो शस्त्रों का दावा करते हैं, उसमें ऐसे बल प्रयोग शामिल न हों जिनके निष्पादन के लिए उच्च बुद्धि आवश्यक है; या मानो किसी योद्धा की आत्मा, जब उसके पास सेना हो या किसी शहर की रक्षा का दायित्व हो, तो शरीर के साथ-साथ मन से भी उतना ही प्रयास न करती हो। बल्कि; देखें कि क्या शारीरिक शक्ति से शत्रु के इरादों, उसकी योजनाओं, रणनीतियों या बाधाओं को जानना या समझना, या आसन्न हानि को रोकना संभव है; क्योंकि ये सभी कार्य मन के हैं, और इनमें शरीर का कोई योगदान नहीं है। अतः, चूंकि शस्त्रों को भी मन की उतनी ही आवश्यकता होती है जितनी कि विद्या को, तो आइए अब देखें कि इन दोनों में से किसका मन, विद्वान का या योद्धा का, सबसे अधिक महत्वपूर्ण है; और यह प्रत्येक के लक्ष्य और उद्देश्य से स्पष्ट होगा; क्योंकि वह उद्देश्य अधिक प्रशंसनीय है जिसका लक्ष्य अधिक महान उद्देश्य। पत्रों का उद्देश्य — मैं अब दिव्य पत्रों की बात नहीं कर रहा हूँ, जिनका लक्ष्य आत्मा को स्वर्ग की ओर उठाना और निर्देशित करना है; क्योंकि इतने अनंत उद्देश्य के लिए किसी और की तुलना नहीं की जा सकती—मैं मानवीय पत्रों की बात कर रहा हूँ, जिनका उद्देश्य न्याय स्थापित करना, प्रत्येक व्यक्ति को उसका हक देना और यह सुनिश्चित करना है कि अच्छे कानूनों का पालन हो: एक ऐसा उद्देश्य जो निस्संदेह महान, उदात्त और उच्च प्रशंसा के योग्य है, लेकिन ऐसा नहीं जो हथियारों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्य के समान हो,

जिनका उद्देश्य शांति है, जो इस जीवन में मनुष्य की सबसे बड़ी इच्छा है। दुनिया और मानवजाति को मिली पहली खुशखबरी वह थी जो स्वर्गदूतों ने उस रात सुनाई जो हमारे युग की शुरुआत थी, जब उन्होंने आकाश में गाया, 'सर्वोच्च ईश्वर की महिमा हो, और पृथ्वी पर सद्भावना वाले मनुष्यों को शांति मिले;' और स्वर्ग और पृथ्वी के महान गुरु ने अपने शिष्यों और चुने हुए अनुयायियों को किसी भी घर में प्रवेश करते समय जो अभिवादन सिखाया, वह था, 'इस घर पर शांति हो;' और अनेक बार उन्होंने उनसे कहा, 'मैं तुम्हें अपनी शांति देता हूँ, मैं तुम्हें अपनी शांति सौंपता हूँ, शांति तुम्हारे साथ रहे;' एक अनमोल और अमूल्य उपहार जो ऐसे हाथों द्वारा दिया और छोड़ा गया: एक ऐसा रत्न जिसके बिना न तो पृथ्वी पर और न ही स्वर्ग में सुख संभव है। यही शांति युद्ध का वास्तविक उद्देश्य है; और युद्ध तो हथियारों का ही दूसरा नाम है। यह स्वीकार करते हुए कि युद्ध का उद्देश्य शांति है, और इस हद तक कि यह साहित्य के उद्देश्य से लाभप्रद है, आइए हम साहित्यकार और सामंती व्यक्ति के शारीरिक परिश्रम की तुलना करें और देखें कि कौन सा परिश्रम अधिक महत्वपूर्ण है।
डॉन क्विक्सोट ने अपना भाषण इस प्रकार और इतनी सटीक भाषा में दिया कि उस क्षण के लिए उनके किसी भी श्रोता के लिए उन्हें पागल समझना असंभव हो गया; इसके विपरीत, चूंकि वे अधिकतर सज्जन थे, जिनके लिए शस्त्र जन्मजात ही एक अभिन्न अंग हैं, इसलिए उन्होंने बड़े आनंद से उनकी बात सुनी जब वे आगे बोले: "तो, मैं यह कहता हूँ कि विद्यार्थी को क्या-क्या सहना पड़ता है; सबसे पहले तो गरीबी: ऐसा नहीं है कि सभी गरीब हैं, बल्कि इस बात को यथासंभव स्पष्ट करने के लिए: और जब मैंने कह दिया कि वह गरीबी सहता है, तो मुझे लगता है कि उसके कठिन भाग्य के बारे में और कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि जो गरीब है उसे जीवन की सुख-सुविधाओं का कोई हिस्सा नहीं मिलता। वह इस गरीबी से कई रूपों में पीड़ित होता है, भूख, ठंड, नग्नता, या ये सब एक साथ; लेकिन फिर भी यह इतनी चरम स्थिति नहीं होती कि उसे कुछ खाने को न मिले, भले ही वह कुछ असमय समय पर और अमीरों के बचे हुए भोजन से मिले; क्योंकि विद्यार्थी की सबसे बड़ी विपत्ति वह है जिसे वे स्वयं 'सूप के लिए बाहर जाना' कहते हैं, और उनके लिए हमेशा किसी पड़ोसी का अंगीठी या चूल्हा होता है, जो अगर उन्हें गर्म नहीं करता, तो कम से कम ठंड से राहत देता है, और अंत में, वे रात को छत के नीचे आराम से सोते हैं। मैं अन्य विवरणों में नहीं

जाऊँगा।" उदाहरण के लिए, कमी: कमी, जूतों की अपर्याप्तता, पतले और फटे- पुराने वस्त्र, और सौभाग्य से किसी प्रकार की दावत मिलने पर अत्यधिक भोजन करना। इस उबड़-खाबड़ और कठिन मार्ग पर, जहाँ ठोकरें लगती हैं, जहाँ गिरते हैं, फिर उठते हैं और फिर गिरते हैं, वे अपने इच्छित पद तक पहुँचते हैं, और एक बार उस पद को प्राप्त करने के बाद, हमने कई लोगों को इन मुश्किलों को पार करते देखा है, मानो वे भाग्य के पंखों पर उड़ रहे हों; मैंने कहा, हमने उन्हें कुर्सी पर बैठकर दुनिया पर शासन करते देखा है, उनकी भूख तृप्ति में बदल गई है, उनकी ठंड आराम में, उनका नग्न शरीर उत्तम वस्त्रों में, चटाई पर सोना हॉलैंड और दमिश्क के वस्त्रों में विश्राम में, उनके सद्गुणों का उचित पुरस्कार; लेकिन, योद्धा के कष्टों की तुलना में, उनके द्वारा सहे गए सभी कष्ट उससे बहुत कम हैं, जैसा कि मैं अब दिखाने वाला हूँ।

38

अध्याय
यह पुस्तक डॉन क्विक्सोट द्वारा हथियारों और अक्षरों पर दिए गए विचित्र भाषण का वर्णन करती है।
अपने प्रवचन को जारी रखते हुए डॉन क्विक्सोट ने कहा: "जैसा कि हमने छात्र के मामले में गरीबी और उससे जुड़ी समस्याओं से शुरुआत की थी, आइए अब देखें कि क्या सैनिक अधिक समृद्ध है, और हम पाएंगे कि गरीबी में कोई भी उससे गरीब नहीं है; क्योंकि वह अपने दयनीय वेतन पर निर्भर है, जो कभी-कभार ही मिलता है, या फिर जो कुछ वह लूट सकता है, उस पर निर्भर है, जिससे उसका जीवन और विवेक गंभीर रूप से खतरे में पड़ जाता है; और कभी-कभी उसका नग्न शरीर इतना बड़ा होता है कि फटी हुई जैकेट ही उसके लिए वर्दी और कमीज का काम करती है, और कड़ाके की ठंड में उसे खुले मैदान में मौसम की मार से खुद को बचाने के लिए अपने मुंह की सांस के अलावा और कुछ नहीं चाहिए होता है, जो कि कहने की जरूरत नहीं है, क्योंकि खाली जगह से निकलने वाली सांस प्रकृति के नियमों के विपरीत ठंडी ही निकलती है। निश्चित रूप से वह रात के आने का इंतजार करता है ताकि बिस्तर पर इन सभी असुविधाओं की भरपाई कर सके, जो, उसकी किसी गलती को छोड़कर, कभी भी बहुत तंग नहीं होता है, क्योंकि वह आसानी से जमीन पर अपनी इच्छानुसार नाप ले सकता है, और उसमें जी भर कर लोटपोट हो सकता है।" वह निडर है, इस डर के बिना कि चादरें उससे फिसल जाएँगी। फिर, इन सब के बाद, मान लीजिए कि उसकी दीक्षा लेने का दिन और घड़ी आ गई है; मान लीजिए कि युद्ध का दिन आ गया है, जब उसे रुई से बनी डॉक्टर की टोपी पहनाई जाती है, शायद किसी गोली के घाव को भरने के लिए जो उसकी कनपटी से होकर गुजरा हो, या जिससे उसका हाथ या पैर अपाहिज हो गया हो। या यदि ऐसा नहीं होता है, और दयालु ईश्वर उसकी रक्षा करता है और उसे सुरक्षित रखता है, तो हो सकता है कि वह उसी गरीबी में रहे जिसमें वह पहले था, और उसे और भी लड़ाइयों और संघर्षों से गुजरना होगा, और खुद को बेहतर बनाने से पहले उन सभी में विजयी होना होगा; लेकिन इस तरह के चमत्कार बहुत कम देखने को मिलते हैं। क्योंकि मुझे बताइए, महोदय, यदि आपने कभी इस पर विचार किया है, तो युद्ध में लाभ पाने वालों की संख्या उसमें मरने वालों की संख्या से कितनी कम है? निस्संदेह आप उत्तर देंगे कि कोई तुलना नहीं हो सकती, कि मृतकों की गिनती नहीं की जा सकती,

जबकि जीवित जिन्हें पुरस्कृत किया गया है, उनकी संख्या तीन अंकों में गिनी जा सकती है। जो कि बिल्कुल विपरीत है। साहित्यकारों के मामले में, स्कर्ट और आस्तीन जैसी छोटी-छोटी पोशाकों से ही उनका गुजारा चलता है; इसलिए सैनिक को भले ही अधिक कष्ट सहना पड़ता है, पर उसका प्रतिफल बहुत कम होता है। लेकिन इन सबके विपरीत यह तर्क दिया जा सकता है कि दो हजार सैनिकों को पुरस्कृत करना आसान है, क्योंकि पहले वालों को पद देकर पारिश्रमिक दिया जा सकता है, जो अनिवार्य रूप से उनके पेशे के योग्य व्यक्तियों को ही दिए जाने चाहिए, जबकि बाद वालों को केवल उनके स्वामी की संपत्ति से ही प्रतिफल दिया जा सकता है; लेकिन यह असंभवता मेरे तर्क को और मजबूत करती है।
"इस बात को एक तरफ रखते हुए, क्योंकि यह एक पेचीदा सवाल है जिसका हल निकालना मुश्किल है, आइए हम हथियारों की साहित्य पर श्रेष्ठता के मुद्दे पर लौटें, जो अभी भी अनसुलझा है, क्योंकि दोनों पक्षों की ओर से अनेक तर्क दिए गए हैं; क्योंकि मैंने जिन तर्कों का उल्लेख किया है, उनके अलावा साहित्य कहता है कि हथियारों के बिना हथियार कायम नहीं रह सकते, क्योंकि युद्ध के भी अपने नियम होते हैं और उन्हीं के द्वारा शासित होता है, और नियम साहित्य और विद्वानों के क्षेत्र में आते हैं। इसके जवाब में हथियार कहते हैं कि उनके बिना कानून कायम नहीं रह सकते, क्योंकि हथियारों से ही राज्यों की रक्षा होती है, राज्यों का संरक्षण होता है, शहरों की सुरक्षा होती है, सड़कों को सुरक्षित बनाया जाता है, समुद्रों को समुद्री लुटेरों से मुक्त किया जाता है; और संक्षेप में, यदि हथियार न होते, तो राज्य, साम्राज्य, राजतंत्र, शहर, समुद्री और भूमि मार्ग उस हिंसा और अराजकता के शिकार होते जो युद्ध अपने साथ लाता है, जब तक कि युद्ध चलता रहता है और अपने विशेषाधिकारों और शक्तियों का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र रहता है। और फिर यह स्पष्ट है कि जिसकी कीमत सबसे अधिक होती है, वही सबसे अधिक मूल्यवान होती है और सबसे अधिक मूल्यवान होने के योग्य होती है। साहित्य में प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समय, निगरानी, भूख, नग्नता, सिरदर्द जैसी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।" अपच और इसी तरह की अन्य समस्याएं, जिनमें से कुछ का मैंने पहले ही उल्लेख किया है। लेकिन एक व्यक्ति के लिए सामान्य रूप से एक अच्छा सैनिक बनना उतना ही कठिन होता है जितना एक छात्र को सहना पड़ता है, और कहीं अधिक, क्योंकि हर कदम पर उसे अपनी जान गंवाने का खतरा रहता है। छात्र को जिस भी अभाव या गरीबी का भय

सताता है, उसकी तुलना उस सैनिक से नहीं की जा सकती जो किसी गढ़ में घिरा हुआ है, किसी रैवलिन या कैवेलियर में पहरा दे रहा है, जानता है कि दुश्मन उसकी चौकी की ओर एक बारूदी सुरंग बिछा रहा है, और किसी भी परिस्थिति में वह उस आसन्न खतरे से पीछे नहीं हट सकता या भाग नहीं सकता जो उसे धमका रहा है? वह केवल इतना ही कर सकता है कि अपने कप्तान को स्थिति की सूचना दे ताकि वह जवाबी बारूदी सुरंग बिछाकर इसका उपाय कर सके, और फिर उस क्षण के भय और प्रत्याशा में अपनी जगह पर डटा रहता है जब वह बिना पंखों के बादलों में उड़ जाएगा और अपनी इच्छा के विरुद्ध गहरे समुद्र में उतर जाएगा। और यदि यह एक मामूली जोखिम लगता है, तो आइए देखें कि क्या यह दो गैलियों के आमने-सामने होने की टक्कर के बराबर या उससे भी अधिक है। खुले समुद्र में, एक दूसरे से जकड़े और उलझे हुए, जब सैनिक के पास जहाज के तख्ते पर खड़े होने के लिए दो फीट से अधिक जगह नहीं होती; फिर भी, यद्यपि वह अपने सामने मृत्यु के उतने ही दूतों को देखता है जितने शत्रु की तोपें उस पर ताने खड़ी हैं, जो उसके शरीर से भाले की लंबाई से भी कम दूरी पर हैं, और यह भी देखता है कि पहले लापरवाह कदम के साथ ही वह नेपच्यून की गहराइयों में उतर जाएगा, फिर भी निडर हृदय से, सम्मान से प्रेरित होकर, वह स्वयं को उन सभी तोपों का निशाना बनाता है, और शत्रु के जहाज तक उस संकरे रास्ते को पार करने के लिए संघर्ष करता है। और इससे भी अधिक आश्चर्यजनक बात यह है कि जैसे ही कोई उस गहराई में उतरता है जहाँ से वह दुनिया के अंत तक कभी नहीं उठेगा, दूसरा उसकी जगह ले लेता है; और यदि वह भी उस समुद्र में गिर जाता है जो शत्रु की तरह उसका इंतजार कर रहा है, तो एक के बाद एक बिना किसी क्षण के अंतराल के उसका स्थान ले लेते हैं: युद्ध के सभी अवसरों में दिखाई देने वाला सबसे बड़ा साहस और दिलेरी। धन्य हैं वे युग जिन्होंने इसे नहीं जाना। उन शैतानी तोपखानों का भयानक प्रकोप, जिनके आविष्कारक को, मेरा मानना है, नरक में अपने उस शैतानी आविष्कार का फल मिल रहा होगा, जिसके द्वारा एक नीच और कायर सेना के लिए एक वीर सज्जन का जीवन लेना आसान हो गया; और यह कि, जब वह नहीं जानता कि कैसे और कहाँ से, वीर हृदयों को प्रज्वलित करने वाले जोश और उत्साह की चरम सीमा पर, कोई यादृच्छिक गोली आ जाए, शायद किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा चलाई गई हो जो अपनी शापित मशीन को चलाते समय चमक से भयभीत होकर भाग गया हो, जो पल भर में उस योजना को समाप्त कर दे और उस व्यक्ति का जीवन छीन ले जो युगों तक जीने का पात्र था। और इस प्रकार जब मैं इस पर विचार करता हूँ, तो मेरा मन करता है

कि मैं अपने हृदय में इस घृणित युग में वीर योद्धा का यह पेशा अपनाने पर पश्चाताप करूँ; क्योंकि यद्यपि कोई भी खतरा मुझे भयभीत नहीं कर सकता, फिर भी यह सोचकर मुझे कुछ बेचैनी होती है कि बारूद और सीसा मुझे अपनी भुजाओं की शक्ति और अपनी तलवार की धार से पूरी पृथ्वी पर प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित होने के अवसर से वंचित कर सकते हैं। तलवार। लेकिन ईश्वर की इच्छा पूरी हो; यदि मैं अपने प्रयास में सफल होता हूँ तो मुझे और भी अधिक सम्मान प्राप्त होगा, क्योंकि मैंने उन खतरों का सामना किया है जो पुराने समय के वीर योद्धाओं ने भी नहीं झेले थे।
डॉन क्विक्सोट ने यह लंबा भाषण तब दिया जब बाकी लोग भोजन कर रहे थे, और उसने अपने होठों तक एक निवाला भी नहीं उठाया, जबकि सांचो ने उसे कई बार कहा कि वह अपना भोजन कर ले, क्योंकि उसके बाद उसके पास अपनी सारी बातें कहने के लिए पर्याप्त समय होगा। उसे सुनने वालों के मन में एक बार फिर दया का भाव जागा, यह देखकर कि एक समझदार और हर विषय पर तर्कसंगत विचार रखने वाला व्यक्ति, अपनी दुर्भाग्यपूर्ण वीरता की बात आने पर इतना निराश हो जाता है। पादरी ने उससे कहा कि हथियारों के पक्ष में उसने जो कुछ भी कहा है, वह बिल्कुल सही है, और वह स्वयं, हालांकि एक विद्वान और स्नातक है, इस बात से सहमत है।
उन्होंने अपना भोजन समाप्त किया, कपड़ा हटाया गया, और जब मेज़बान, उसकी बेटी और मैरिटोर्न्स डॉन क्विक्सोट ऑफ़ ला मांचा के कमरे को तैयार कर रहे थे, जिसमें महिलाओं के रात भर अकेले रहने की व्यवस्था थी, तब डॉन फर्नांडो ने कैदी से अपने जीवन की कहानी सुनाने की विनती की, क्योंकि ज़ोराइडा के साथ आने पर उसने जो संकेत दिए थे, उनसे यह निश्चित रूप से विचित्र और रोचक होगी। इस पर कैदी ने उत्तर दिया कि वह उनकी विनती सहर्ष स्वीकार करेगा, केवल उसे डर था कि उसकी कहानी उन्हें उतना आनंद नहीं देगी जितना वह चाहता था; फिर भी, आज्ञाकारी होने के नाते, वह कहानी सुनाएगा। पादरी और अन्य लोगों ने उसे धन्यवाद दिया और अपनी विनती दोहराई, और जब उसने खुद को इतना दबाव में पाया तो उसने कहा कि जब आदेश इतना महत्वपूर्ण हो तो पूछने की कोई आवश्यकता नहीं है, और आगे कहा, "यदि आप मेरी बात ध्यान से सुनेंगे तो आप एक सच्ची कहानी सुनेंगे, जो शायद चतुराई और सोची-समझी कला से गढ़ी गई काल्पनिक कहानियों के सामने फीकी पड़ जाए।" इन शब्दों ने उन्हें अपनी- अपनी जगहों पर स्थिर कर दिया और गहरी चुप्पी साध ली, और उन्हें मौन

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

39

अध्याय
जिसमें बंदी अपने जीवन और रोमांचों का वर्णन करता है।
मेरे परिवार का जन्म लियोन की पहाड़ियों के एक गाँव में हुआ था, और प्रकृति ने भाग्य से कहीं अधिक मेहरबानी की थी; हालाँकि उन समुदायों की सामान्य गरीबी में मेरे पिता एक धनी व्यक्ति के समान माने जाते थे; और वास्तव में वे धनी होते यदि वे अपनी संपत्ति को खर्च करने में जितने चतुर थे, उतने ही चतुराई से उसे बचा भी लेते। उदारता और फिजूलखर्ची की यह प्रवृत्ति उन्होंने युवावस्था में सैनिक जीवन से प्राप्त की थी, क्योंकि सैनिक जीवन एक ऐसा विद्यालय है जहाँ कंजूस व्यक्ति उदार बन जाता है और उदार व्यक्ति खर्चीला; और यदि कोई सैनिक कंजूस हो भी जाए, तो वे दुर्लभ होते हैं। मेरे पिता उदारता की सीमा को पार करते हुए फिजूलखर्ची की हद तक पहुँच गए थे, जो एक विवाहित व्यक्ति के लिए बिल्कुल भी लाभकारी नहीं है जिसके बच्चे उसके नाम और पद के उत्तराधिकारी बनने वाले हों। मेरे पिता के तीन बेटे थे, और सभी इतने बड़े हो चुके थे कि वे अपना पेशा चुन सकें। तब जब उसने पाया कि वह अपनी इस प्रवृत्ति पर काबू पाने में असमर्थ है, तो उसने अपनी फिजूलखर्ची और खर्चीलेपन के साधन और कारण से खुद को अलग करने का संकल्प लिया, यानी धन से खुद को मुक्त करने का, जिसके बिना सिकंदर स्वयं कंजूस प्रतीत होता; और इसलिए एक दिन हम तीनों को एक कमरे में बुलाकर उसने कुछ इस तरह से हमसे बात की:
मेरे पुत्रों, यह विश्वास दिलाने के लिए कि मैं तुमसे प्रेम करता हूँ, यह कहना ही पर्याप्त है कि तुम मेरे पुत्र हो; और यह संदेह पैदा करने के लिए कि मैं तुमसे प्रेम नहीं करता, यह जानना ही पर्याप्त है कि तुम्हारी पैतृक संपत्ति की रक्षा के मामले में मुझमें आत्मसंयम नहीं है; इसलिए, ताकि तुम भविष्य में आश्वस्त रहो कि मैं तुमसे पिता की तरह प्रेम करता हूँ, और सौतेले पिता की तरह तुम्हें बर्बाद करने की मेरी कोई इच्छा नहीं है, मैं तुम्हारे साथ वह करने का प्रस्ताव करता हूँ जो मैंने कुछ समय पहले सोचा था और गहन विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया था। अब तुम उस उम्र के हो गए हो कि अपने जीवन का मार्ग चुन सको या कम से कम ऐसा पेशा चुन सको जो तुम्हें बुढ़ापे में सम्मान और लाभ दिलाए; और मैंने जो निर्णय लिया है वह है अपनी

संपत्ति को चार भागों में बाँटना; तीन भाग मैं तुम्हें दूँगा, प्रत्येक को उसका हिस्सा बिना किसी भेदभाव के, और तीसरा भाग मैं अपने जीवन यापन और अपने शेष जीवन के लिए रखूँगा, चाहे ईश्वर मुझे जीवन भर यही प्रदान करे। लेकिन मैं चाहता हूँ कि तुममें से प्रत्येक अपने हिस्से का अधिकार प्राप्त करने के बाद मेरे द्वारा बताए गए मार्गों में से किसी एक का अनुसरण करे। हमारे इस स्पेन में है एक कहावत, जो मेरी राय में बहुत सत्य है—जैसा कि सभी कहावतें होती हैं, क्योंकि वे लंबे व्यावहारिक अनुभव से निकली छोटी-छोटी कहावतें होती हैं—और जिस कहावत का मैं जिक्र कर रहा हूँ, वह कहती है, 'या तो गिरजाघर, या समुद्र, या राजा का महल;' सरल शब्दों में कहें तो, जो कोई भी समृद्ध और धनी बनना चाहता है, उसे या तो गिरजाघर जाना चाहिए, या व्यापार को अपना पेशा बनाकर समुद्र में जाना चाहिए, या राजा के महल में उसकी सेवा करनी चाहिए, क्योंकि कहते हैं, 'स्वामी की कृपा से राजा का टुकड़ा बेहतर है।' मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मेरी इच्छा और प्रसन्नता है कि आप में से एक विद्या का अध्ययन करे, दूसरा व्यापार करे, और तीसरा युद्धों में राजा की सेवा करे, क्योंकि उसके महल में उसकी सेवा प्राप्त करना एक कठिन बात है, और यदि युद्ध बहुत धन नहीं लाता है तो वह महान प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि प्रदान करता है। आठ दिन बाद मैं आपको आपका पूरा हिस्सा दूंगा, बिना एक पैसा भी धोखा दिए, जैसा कि आप अंत में देखेंगे। अब मुझे बताइए कि क्या आप मेरे विचार और सलाह का पालन करने के लिए तैयार हैं जैसा कि मैंने आपके सामने रखा है।
सबसे बड़े होने के नाते मुझे उत्तर देने के लिए बुलाए जाने पर, मैंने उनसे आग्रह किया कि वे अपनी सारी संपत्ति न त्यागें बल्कि उसे अपनी इच्छानुसार खर्च करें, क्योंकि हम युवा थे और अपनी आजीविका कमाने में सक्षम थे। मैंने उनकी इच्छा का पालन करने के लिए सहमति दी और कहा कि मैं सेना में भर्ती होकर ईश्वर और अपने राजा की सेवा करना चाहता हूँ। मेरे दूसरे भाई ने भी यही प्रस्ताव रखा और व्यापार से प्राप्त अपने हिस्से को लेकर भारत जाने का निर्णय लिया। सबसे छोटे, और मेरी राय में सबसे बुद्धिमान, ने कहा कि वह या तो धर्म का अनुसरण करना पसंद करेंगे या सलामांका में अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे। जैसे ही हम सब आपस में सहमत हो गए और अपने-अपने पेशे चुन लिए, मेरे पिता ने हम सबको गले लगाया और थोड़े ही समय में अपने सभी वादे पूरे कर दिए; और जब उन्होंने हममें से प्रत्येक को उसका हिस्सा दे दिया, जो मुझे याद है

कि नकद में तीन हजार ड्यूकैट प्रति व्यक्ति था (क्योंकि हमारे एक चाचा ने संपत्ति खरीद ली थी और उसे परिवार से बाहर न जाने देने के लिए उसका पूरा भुगतान कर दिया था), तो हम तीनों ने एक ही दिन अपने पिता से विदा ली; और उसी समय, मुझे लगा कि बुढ़ापे में अपने पिता को इतनी कम संपत्ति के साथ छोड़ना अमानवीय होगा, इसलिए मैंने उन्हें अपने तीन हज़ार ड्यूकैट में से दो हज़ार ड्यूकैट लेने के लिए मना लिया, क्योंकि शेष राशि एक सैनिक के लिए आवश्यक सभी चीज़ों के लिए पर्याप्त होगी। मेरे दोनों भाई, मेरे उदाहरण से प्रेरित होकर, उन्हें एक-एक हज़ार ड्यूकैट दे दिए, जिससे मेरे पिता के पास नकद में चार हज़ार ड्यूकैट बच गए, इसके अलावा तीन हज़ार ड्यूकैट उस हिस्से के थे जो उन्हें मिला था और जिसे उन्होंने बेचने के बजाय ज़मीन के रूप में रखना पसंद किया। अंत में, जैसा कि मैंने कहा, हमने उनसे और अपने चाचा से, जिनका मैंने उल्लेख किया है, विदा ली, दोनों ओर से दुख और आँसू थे, उन्होंने हमें यह कहते हुए विदा ली कि जब भी मौका मिले, उन्हें हमारे हालचाल ज़रूर बताएँ। हमने ऐसा करने का वादा किया, और जब उन्होंने हमें गले लगाया और अपना आशीर्वाद दिया, तो एक सलामांका के लिए, दूसरा सेविले के लिए और मैं एलिकांटे के लिए रवाना हो गया, जहाँ मैंने सुना था कि जेनोआ के लिए ऊन का माल ले जा रहा एक जेनोआई जहाज़ था।
अपने पिता का घर छोड़े हुए अब लगभग बाईस वर्ष हो चुके हैं, और इस पूरे समय में, हालांकि मैंने कई पत्र लिखे हैं, मुझे उनसे या अपने भाइयों से कोई खबर नहीं मिली है; इस दौरान के अपने अनुभवों का मैं अब संक्षेप में वर्णन करूंगा। मैं एलिकांटे से जहाज पर सवार हुआ, एक सफल यात्रा के बाद जेनोआ पहुंचा, और वहां से मिलान के लिए रवाना हुआ, जहां मैंने अपने लिए हथियार और कुछ सैनिक साजो-सामान जुटाए; वहां से मेरा इरादा पीडमोंट जाकर सेवा करने का था, लेकिन जब मैं एलेसांड्रिया डेला पाग्लिया के रास्ते पर था, तो मुझे पता चला कि महान ड्यूक ऑफ अल्वा फ्लैंडर्स जा रहे हैं। मैंने अपनी योजना बदल दी, उनके साथ शामिल हो गया, उनके अभियानों में उनके अधीन सेवा की, काउंट्स एगमोंट और हॉर्न की मृत्यु के समय उपस्थित था, और ग्वाडालाजारा के एक प्रसिद्ध कप्तान, डिएगो डी उर्बिना के अधीन एक पताकाधारी के पद पर पदोन्नत हुआ। फ़्लैंडर्स पहुँचने के कुछ समय बाद ही मुझे पोप पायस पंचम (जिनकी स्मृति सुखद है) द्वारा वेनिस और स्पेन के साथ तुर्कों के विरुद्ध किए गए गठबंधन की खबर मिली। तुर्कों ने अपने बेड़े के साथ वेनिसवासियों के

कैद में रह गया। मैं इतने सारे लोगों के बीच अकेला दुखी था, जो खुशी से झूम रहे थे, और इतने सारे स्वतंत्र लोगों के बीच अकेला कैदी था; क्योंकि उस दिन तुर्की के बेड़े में पंद्रह हजार ईसाई थे, जो सभी अपनी-अपनी बहुप्रतीक्षित स्वतंत्रता को पुनः प्राप्त कर चुके थे।
वे मुझे कांस्टेंटिनोपल ले गए, जहाँ ग्रैंड तुर्क, सेलिम ने युद्ध में अपने कर्तव्य का निर्वाह करने के लिए मुझे समुद्री सेनापति बना दिया और मेरी वीरता के प्रमाण स्वरूप माल्टा पदक प्रदान किया। अगले वर्ष, यानी बहत्तरवें वर्ष में, मैं नवरिनो में तीन लालटेन वाली सबसे आगे वाली नाव में चप्पू चला रहा था। वहाँ मैंने देखा और समझा कि बंदरगाह में पूरे तुर्की बेड़े पर कब्जा करने का अवसर कैसे खो गया; क्योंकि उसके सभी नौसैनिकों और जानिज़ारियों ने यह सुनिश्चित कर लिया था कि उन पर बंदरगाह के अंदर ही हमला होने वाला है, और उन्होंने अपने किट और पसमाक (जूते) तैयार रखे थे ताकि हमले का इंतजार किए बिना तुरंत किनारे पर भाग सकें, वे हमारे बेड़े से इतने भयभीत थे। लेकिन ईश्वर की इच्छा कुछ और ही थी, हमारे पक्ष के सेनापति की किसी गलती या लापरवाही के कारण नहीं, बल्कि ईसाई धर्म के पापों के कारण, और क्योंकि यह ईश्वर की इच्छा और प्रसन्नता थी कि हमें दंडित करने के लिए हमेशा दंड के साधन मौजूद रहें। एल उचाली ने नवारिनो के पास स्थित मोडोन द्वीप पर शरण ली और तटबंध के मुहाने को मजबूत करके डॉन जॉन के पीछे हटने तक चुपचाप इंतजार किया। इसी अभियान में प्राइज़ नामक गैली पर कब्जा किया गया, जिसका कप्तान प्रसिद्ध समुद्री डाकू बारबारोसा का पुत्र था। इस पर शी-वुल्फ नामक प्रमुख नेपोलिटन गैली द्वारा कब्जा किया गया था, जिसका नेतृत्व युद्ध के उस वज्र, अपने सैनिकों के पिता, उस सफल और अजेय कप्तान डॉन अल्वारो डी बाज़ान, मार्क्विस ऑफ सांता क्रूज़ ने किया था; और मैं आपको प्राइज़ पर कब्जे के दौरान घटी घटनाओं के बारे में बताए बिना नहीं रह सकता।
बारबारोसा का पुत्र इतना क्रूर था और अपने दासों के साथ इतना बुरा बर्ताव करता था कि जब चप्पू चला रहे दासों ने देखा कि भेड़िया नाम की नाव उनकी ओर तेज़ी से बढ़ रही है और उनके करीब आ रही है, तो वे सब एक साथ चप्पू छोड़कर अपने कप्तान को पकड़ लिया, जो गलियारे के अंत में बने चप्पू पर खड़ा होकर उन्हें ज़ोर-ज़ोर से चप्पू चलाने के लिए चिल्ला रहा था; और उसे एक चप्पू से दूसरे चप्पू तक, नाव के पिछले हिस्से से अगले हिस्से तक, इतना पीटा कि

और उसे तुर्की बेड़े के कमांडर के पास ले गए, जिसने उन पर हमारी कैस्टिलियन कहावत की सत्यता सिद्ध कर दी कि "यद्यपि राजद्रोह प्रसन्न कर सकता है, लेकिन राजद्रोही से घृणा की जाती है।" क्योंकि कहा जाता है कि उसने उपहार लाने वालों को उन्हें जीवित न लाने के कारण फांसी पर लटकाने का आदेश दिया था।
किले में बंदी बनाए गए ईसाइयों में से एक डॉन पेड्रो डी अगुइलर नाम का व्यक्ति था, जो अंडालूसिया के किसी स्थान का निवासी था (मुझे नहीं पता कि वह कौन सा स्थान था)। वह किले में एक उच्च अधिकारी था, एक प्रख्यात और असाधारण बुद्धिमान सैनिक था, जिसे विशेष रूप से कविता की प्रतिभा प्राप्त थी। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि उसका भाग्य उसे मेरे जहाज और मेरी चौकी तक ले आया और उसे एक ही स्वामी का गुलाम बना दिया; और बंदरगाह छोड़ने से पहले इस सज्जन ने समाधि-लेख के रूप में दो सॉनेट रचे, एक गोलेट्टा पर और दूसरा किले पर; वास्तव में, मैं उन्हें दोहरा सकता हूँ, क्योंकि वे मुझे कंठस्थ हैं, और मुझे लगता है कि उन्हें नापसंद करने की तुलना में पसंद किया जाएगा।
जैसे ही बंदी ने डॉन पेड्रो डी अगुइलर का नाम लिया, डॉन फर्नांडो ने अपने साथियों की ओर देखा और वे तीनों मुस्कुरा उठे; और जब उन्होंने सॉनेट के बारे में बात करना शुरू किया तो उनमें से एक ने कहा, "इससे पहले कि महाराज आगे बढ़ें, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मुझे बताएँ कि आपने जिस डॉन पेड्रो डी अगुइलर की बात की है, उसका क्या हुआ।"
"मुझे बस इतना पता है," कैदी ने उत्तर दिया, "कि कॉन्स्टेंटिनोपल में दो साल रहने के बाद, वह एक यूनानी जासूस के साथ अर्नाउट के वेश में भाग निकला; लेकिन क्या उसे आजादी मिली या नहीं, यह मैं नहीं कह सकता, हालांकि मुझे लगता है कि उसे आजादी मिल गई होगी, क्योंकि एक साल बाद मैंने उस यूनानी को कॉन्स्टेंटिनोपल में देखा था, हालांकि मैं उससे यह नहीं पूछ पाया कि यात्रा का परिणाम क्या था।"
"तो फिर, आप सही हैं," उस सज्जन ने जवाब दिया, "क्योंकि वह डॉन पेड्रो मेरा भाई है, और वह अब हमारे गांव में स्वस्थ, धनी, विवाहित और तीन बच्चों के साथ रह रहा है।"

"ईश्वर का शुक्र है कि उसने मुझ पर इतनी दया दिखाई," कैदी ने कहा; "क्योंकि मेरे विचार में खोई हुई स्वतंत्रता को पुनः प्राप्त करने से बढ़कर पृथ्वी पर कोई सुख नहीं है।"
"और तो और," उस सज्जन ने कहा, "मैं अपने भाई द्वारा रचित सॉनेट जानता हूँ।" "तो आप ही इन्हें दोहराइए," कैदी ने कहा, "क्योंकि आप इन्हें मुझसे बेहतर सुना सकते हैं।"
"मैं पूरे दिल से चाहता हूँ," उस सज्जन ने कहा, "कि गोलेट्टा नदी इसी तरह बहती रहे।"

40

अध्याय
जिसमें बंदी की कहानी जारी रहती है।
{श्लोक
गाथा
"धन्य आत्माएं, जो इस नश्वर शरीर से मुक्त हो गईं,"
वीरतापूर्ण कार्यों के पुरस्कार में, संत घोषित किया गया,
हमारे इस तुच्छ ग्रह के ऊपर निवास करें
स्वर्ग और अमरता के उत्तराधिकारी बनाए गए,
महान क्रोध और उत्साह से ओतप्रोत होकर तुम
जब तक आपके पास शक्ति थी, आपने युद्ध में अपनी शक्ति का प्रयोग किया। और तुम्हारे अपने खून और दुश्मन के रंगे हुए खून से
रेतीली मिट्टी और चारों ओर फैला समुद्र।
सबसे पहले जीवन की घटती हुई धारा ही विफल हुई।
थकी हुई भुजाएँ; लेकिन साहसी हृदय कभी विचलित नहीं हुए।
पराजित होते हुए भी, तुमने विजय का मुकुट प्राप्त किया:
हालांकि शोक मनाया गया, फिर भी तुम्हारा पतन एक विजय के समान था।
क्योंकि तुमने तलवार और दीवार के बीच जीत हासिल की।
स्वर्ग में महिमा और पृथ्वी पर प्रसिद्धि।
{श्लोक
"मेरी स्मृति के अनुसार, यह बिलकुल वैसा ही है," बंदी ने कहा।

"तो फिर, किले के बारे में," उस सज्जन ने कहा, "अगर मेरी स्मृति सही है, तो यह इस प्रकार है:
{श्लोक
गाथा
इस बंजर भूमि से, इस चकनाचूर ढांचे से,
जिसकी दीवारें और मीनारें यहाँ खंडहर के रूप में पड़ी हैं,
तीन हजार सैनिकों की आत्माएं आसमान की ओर उड़ान भरने लगीं। सौभाग्यशाली लोगों के उज्ज्वल महलों में निवास करने के लिए। शत्रु के आक्रमण को विफल करना
उन्होंने शस्त्र बल से व्यर्थ ही प्रयास किया।
और जब अंततः उनके पास मरने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा, थके-हारे और कम संख्या में बचे अंतिम रक्षक गिर पड़े।
और यही बंजर मिट्टी हमेशा से रही है
असंख्य दुखद यादों का अड्डा,
आज के समय में भी और पुराने समय में भी।
लेकिन मुझे लगता है कि इसे अभी तक स्वर्ग में नहीं भेजा गया है।
इसकी कठोर गोद से इन सबसे भी अधिक पवित्र आत्माएं निकलीं।
या फिर इसकी सतह पर अधिक साहसी शरीर मौजूद थे।"
{श्लोक
उन कविताओं को नापसंद नहीं किया गया, और कैदी अपने साथी के बारे में मिली खुशखबरी से प्रसन्न हुआ, और अपनी कहानी जारी रखते हुए उसने आगे कहा: गोलेट्टा और किला तुर्कों के कब्जे में आ जाने पर, उन्होंने गोलेट्टा को ध्वस्त करने का आदेश दिया—क्योंकि किला इतनी बुरी हालत में था कि उसे गिराने के लिए कुछ बचा ही नहीं था—और काम को जल्दी और आसानी से करने के लिए उन्होंने तीन जगहों पर सुरंगें बिछा दीं; लेकिन वे कहीं भी उस हिस्से को उड़ाने में सफल नहीं हुए जो सबसे कमज़ोर प्रतीत होता था, अर्थात् पुरानी दीवारें, जबकि फ्रैटिन द्वारा बनाई गई नई किलेबंदी का जो भी हिस्सा बचा था, वह बड़ी आसानी से धराशायी हो गया। अंततः बेड़ा विजयी होकर कॉन्स्टेंटिनोपल लौट आया, और कुछ महीनों बाद मेरे स्वामी, एल उचाली, उर्फ उचाली फार्टैक्स, जिसका तुर्की में अर्थ है "खुजलीदार भगोड़ा", का निधन हो गया; क्योंकि वह वास्तव में ऐसा ही था; तुर्कों में लोगों का नाम उनके किसी

इस तरह मैं तुर्कों द्वारा बानो कहे जाने वाले एक भवन या जेल में कैद होकर रहता था, जिसमें वे ईसाई कैदियों को रखते थे, चाहे वे राजा के कैदी हों या निजी व्यक्तियों के, और साथ ही जिन्हें वे अल्मासेन के कैदी कहते थे, यानी नगर पालिका के गुलाम, जो शहर के सार्वजनिक कार्यों और अन्य कामों में सेवा करते थे; लेकिन इस तरह के कैदियों को अपनी आजादी बड़ी मुश्किल से मिलती थी, क्योंकि वे सार्वजनिक संपत्ति होते थे और उनका कोई मालिक नहीं होता था, इसलिए उनके पास फिरौती के लिए बातचीत करने वाला कोई नहीं होता था, भले ही उनके पास साधन हों। जैसा कि मैंने बताया, शहर के कुछ निजी व्यक्ति अपने कैदियों को इन बानो में लाते थे, खासकर जब उन्हें फिरौती के लिए छुड़ाना होता था; क्योंकि वहाँ वे उन्हें फिरौती आने तक सुरक्षित और आराम से रख सकते थे। राजा के वे कैदी भी, जिन्हें फिरौती के लिए रखा गया था, बाकी दल के साथ काम पर नहीं जाते थे, सिवाय तब जब उनकी फिरौती में देरी हो रही हो; फिर, उन्हें इसके लिए और अधिक दबाव डालकर लिखने के लिए मजबूर करने के लिए, वे उन्हें काम करने और लकड़ी लाने के लिए विवश करते हैं, जो कोई आसान काम नहीं है।
मैं भी उन लोगों में से एक था जिन्हें फिरौती के लिए रखा गया था, क्योंकि जब पता चला कि मैं एक कप्तान हूँ, तो भले ही मैंने अपनी तंगी और गरीबी का बखान किया, फिर भी वे मुझे उन सज्जनों और फिरौती के लिए प्रतीक्षारत लोगों में शामिल करने से नहीं रोक सके। उन्होंने मुझे जंजीर से बांध दिया, सुरक्षा के लिए नहीं बल्कि मेरी इस बात का प्रतीक बनकर, और इस तरह मैंने अपना जीवन उस झोपड़ी में कई अन्य सज्जनों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ बिताया जिन्हें फिरौती के लिए रखा गया था; लेकिन यद्यपि कभी-कभी, या यूँ कहें कि लगभग हमेशा, हम भूख और कम कपड़ों से पीड़ित रहते थे, फिर भी हमें सबसे ज्यादा दुख इस बात से होता था कि मेरे मालिक हर मोड़ पर ईसाइयों पर अभूतपूर्व और अनसुनी क्रूरता करता था। वह हर दिन एक आदमी को फांसी देता, एक को सूली पर चढ़ाता, दूसरे के कान काट देता; और यह सब इतनी मामूली उकसाहट पर, या बिल्कुल बिना किसी उकसाहट के करता था, कि तुर्कों ने स्वीकार किया कि वह यह सब केवल इसलिए करता था क्योंकि वह स्वभाव से ही पूरी मानव जाति के प्रति हत्यारा था। उसके साथ केवल एक ही व्यक्ति का व्यवहार ठीक रहा, वह था एक स्पेनिश सैनिक, जिसका नाम डी सावेद्रा था। उसने कभी स्वयं उसे नहीं मारा, न ही मारने का आदेश दिया, और न ही कभी उसे कोई कठोर शब्द कहा, हालांकि

उसने ऐसे काम किए थे जो वहां के लोगों की स्मृति में कई वर्षों तक बसे रहेंगे, और यह सब उसने अपनी स्वतंत्रता को पुनः प्राप्त करने के लिए किया था; और उसके अनेक कार्यों में से एक छोटे से काम के लिए भी हम सभी को डर था कि उसे सूली पर चढ़ा दिया जाएगा, और वह स्वयं भी एक से अधिक बार इस भय से ग्रस्त रहा; और समय की कमी के कारण, मैं आपको उस सैनिक के कारनामों के बारे में कुछ ऐसा बता सकता था जो मेरी कहानी के वर्णन से कहीं अधिक आपको रुचिकर और आश्चर्यचकित कर देगा।
अपनी कहानी को आगे बढ़ाते हुए, हमारी जेल के आंगन के ऊपर एक धनी और प्रतिष्ठित मूर के घर की खिड़कियाँ थीं; और ये खिड़कियाँ, जैसा कि मूर घरों में आम होता है, खिड़कियों से ज़्यादा छोटी-छोटी छेद थीं, और ऊपर से मोटी और घनी जाली से ढकी हुई थीं। एक दिन, मैं अपने तीन साथियों के साथ जेल की छत पर था, समय बिताने के लिए यह देखने की कोशिश कर रहा था कि हम अपनी जंजीरों के साथ कितनी दूर तक कूद सकते हैं, क्योंकि हम अकेले थे, क्योंकि बाकी सभी ईसाई काम पर चले गए थे। तभी मेरी नज़र ऊपर उठी, और मैंने इन छोटी बंद खिड़कियों में से एक से एक सरकंडा निकलते देखा, जिसके एक सिरे पर कपड़ा बंधा हुआ था, और वह इधर-उधर हिल रहा था, मानो हमें इशारा कर रहा हो कि हम आकर उसे ले लें। हम सब देख रहे थे, और मेरे साथ वालों में से एक जाकर सरकंडे के नीचे खड़ा हो गया यह देखने के लिए कि वे उसे गिराएंगे या नहीं, लेकिन जैसे ही वह खड़ा हुआ, सरकंडा ऊपर उठा और इधर-उधर हिलने लगा, मानो वे सिर हिलाकर "ना" कहना चाहते हों। ईसाई वापस आया, और सरकंडा फिर से नीचे गिर गया, पहले जैसी ही हरकतें करते हुए। मेरा एक और साथी गया, और उसके साथ भी वही हुआ जो पहले वाले के साथ हुआ था, फिर तीसरा गया, लेकिन उसका भी वही हाल हुआ जो पहले और दूसरे के साथ हुआ था। यह देखकर मुझे भी अपनी किस्मत आजमाने का मन हुआ, और जैसे ही मैं सरकंडे के नीचे आया, वह गिर गया और मेरे पैरों के पास बानो के अंदर जा गिरा। मैंने जल्दी से कपड़ा खोला, जिसमें मुझे एक गांठ दिखाई दी, और उसमें दस सियानी थे, जो नकली सोने के सिक्के थे, मूरों में प्रचलित थे, और प्रत्येक हमारे पैसे के दस रील्स के बराबर थे।
यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि मैं इस वरदान से बहुत प्रसन्न हुआ, और मेरी खुशी आश्चर्य से कम नहीं थी क्योंकि मैं यह कल्पना करने का प्रयास कर रहा था कि यह सौभाग्य हमें, और विशेष रूप से मुझे, कैसे प्राप्त हुआ होगा; क्योंकि मेरे अलावा किसी और के लिए सरकंडा न गिराने की स्पष्ट अनिच्छा से

उसने उसका थोड़ा-थोड़ा करके अनुवाद करना शुरू कर दिया, और जब उसने पूरा कर लिया तो उसने कहा:
"स्पेनिश में यहाँ जो कुछ भी लिखा है, वह वही है जो मूरिश अखबार में है, और आपको यह ध्यान रखना होगा कि जब इसमें 'लेला मारियन' लिखा है तो इसका अर्थ 'हमारी लेडी वर्जिन मैरी' है।"
हमने वह लेख पढ़ा और उसमें लिखा था:
जब मैं बच्ची थी, मेरे पिता के पास एक दासी थी जिसने मुझे मेरी अपनी भाषा में ईसाई प्रार्थना करना सिखाया और लीला मारियन के बारे में बहुत कुछ बताया। वह ईसाई दासी मर गई, और मैं जानती हूँ कि वह नरक में नहीं, बल्कि अल्लाह के पास गई, क्योंकि उसके बाद मैंने उसे दो बार देखा है, और उसने मुझे ईसाइयों की भूमि पर लीला मारियन से मिलने जाने के लिए कहा, जो मुझसे बहुत प्यार करती थी। मुझे नहीं पता कि कैसे जाऊँ। मैंने बहुत से ईसाइयों को देखा है, लेकिन तुम्हारे सिवा कोई भी मुझे सज्जन नहीं लगा। मैं जवान और सुंदर हूँ, और मेरे पास बहुत पैसा है। देखो, क्या तुम कोई रास्ता निकाल सकते हो जिससे हम जा सकें, और अगर तुम चाहो तो तुम वहाँ मेरे पति बन जाओगे, और अगर तुम नहीं चाहो तो मुझे कोई दुख नहीं होगा, क्योंकि लीला मारियन मेरे लिए कोई न कोई ढूंढ लेगी। यह मैंने खुद लिखा है: ध्यान रखना कि तुम इसे किसे पढ़ने के लिए देते हो: किसी भी मुस्लिम पर भरोसा मत करना, क्योंकि वे सब धोखेबाज होते हैं। मैं इस बात से बहुत परेशान हूँ, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि तुम किसी पर भी भरोसा मत करना, क्योंकि अगर मेरे पिता को पता चल गया तो वो मुझे तुरंत कुएँ में फेंक देंगे और पत्थरों से ढक देंगे। मैं सरकंडे में धागा डाल दूँगी; जवाब उसमें बाँध देना, और अगर तुम्हारे लिए अरबी में लिखने वाला कोई न हो तो मुझे इशारों से बता देना, क्योंकि लीला मारियन मुझे समझा देंगी। वो, अल्लाह और ये क्रॉस, जिसे मैं कैदी के कहने पर अक्सर चूमती हूँ, तुम्हारी रक्षा करें।
न्यायाधीश महोदय, क्या इस पत्र में लिखी बातों पर हमें आश्चर्य और प्रसन्नता दोनों का कारण था? और यह आश्चर्य और प्रसन्नता इतनी प्रबल थी कि उस धर्मत्यागी ने समझ लिया कि यह पत्र संयोगवश नहीं मिला, बल्कि वास्तव में हममें से किसी एक को संबोधित था। उसने हमसे विनती की कि यदि उसका संदेह सत्य है, तो हम उस पर विश्वास करें और उसे सब कुछ बता दें, क्योंकि वह हमारी स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन जोखिम में डालने को तैयार था। ऐसा कहते हुए

उसने अपनी छाती से एक धातु का क्रूस निकाला और बहुत आँसू बहाते हुए उस ईश्वर की शपथ ली, जिसकी छवि उस क्रूस में थी, और जिसमें वह पापी और दुष्ट होते हुए भी, सच्चे मन से विश्वास करता था, कि वह हमारे प्रति वफादार रहेगा और जो कुछ भी हम उसे प्रकट करेंगे, उसे गुप्त रखेगा। क्योंकि उसने सोचा और लगभग पूर्वाभास कर लिया था कि उस पत्र को लिखने वाली के माध्यम से वह और हम सभी अपनी स्वतंत्रता प्राप्त कर लेंगे, और वह स्वयं अपनी सबसे बड़ी इच्छा, पवित्र माता चर्च की गोद में अपनी वापसी प्राप्त कर लेगा, जिससे वह अपने पाप और अज्ञानता के कारण अब एक सड़े हुए अंग की तरह अलग हो गया था। उस धर्मत्यागी ने इतने आँसू बहाते हुए और पश्चाताप के इतने संकेत देते हुए यह बात कही कि हम सबने सर्वसम्मति से उसे सारी सच्चाई बताने का निश्चय किया, और हमने उससे कुछ भी नहीं छिपाया, उसे सब कुछ विस्तार से बता दिया। हमने उसे वह खिड़की दिखाई जहाँ से सरकंडा दिखाई दिया था, और इस तरह उसने उस घर पर ध्यान दिया, और विशेष सावधानी से यह पता लगाने का संकल्प लिया कि उसमें कौन रहता है। हमने यह भी तय किया कि मूरिश महिला के पत्र का उत्तर देना उचित होगा, और धर्मत्यागी ने बिना एक पल भी विलंब किए मेरे द्वारा बताए गए शब्दों को लिख लिया, जो बिल्कुल वही थे जो मैं आपको बताने जा रहा हूँ, क्योंकि इस मामले में घटी कोई भी महत्वपूर्ण बात मेरी स्मृति से नहीं भूली है, और न ही जीवन भर भूलेगी। तो, यह मूरिश महिला को दिया गया उत्तर था: "सच्चा अल्लाह तुम्हारी रक्षा करे, हे महिला, और उस धन्य मरियम की भी, जो ईश्वर की सच्ची माता है, और जिसने तुम्हारे हृदय में ईसाइयों की भूमि पर जाने की प्रेरणा दी है, क्योंकि वह तुमसे प्रेम करती है। उससे विनती करो कि वह तुम्हें बताए कि तुम उसके आदेश का पालन कैसे कर सकती हो, क्योंकि वह ऐसा अवश्य करेगी, उसकी दयालुता ऐसी ही है। मैं अपनी ओर से और मेरे साथ मौजूद सभी ईसाइयों की ओर से, तुम्हारे लिए अपनी जान तक देने का वादा करता हूँ। मुझे पत्र लिखना और अपने इरादे के बारे में बताना न भूलें, मैं हमेशा तुम्हें उत्तर दूँगा; क्योंकि महान अल्लाह ने हमें एक ईसाई बंदी दिया है जो तुम्हारी भाषा अच्छी तरह बोल और लिख सकता है, जैसा कि तुम इस पत्र से देख सकती हो; इसलिए, बिना किसी भय के, तुम हमें अपनी सारी बातें बता सकती हो। जहाँ तक तुम्हारे इस कथन का सवाल है कि यदि तुम ईसाइयों की भूमि पर पहुँच जाती हो तो मेरी पत्नी बनोगी, मैं एक अच्छे ईसाई के रूप में इस पर तुम्हें अपना वचन देता हूँ; और जान लो कि ईसाई वे मूरों से भी बेहतर अपने

वादे निभाते हैं। अल्लाह और उसकी माता मरियन तुम्हारी रक्षा करें, मेरी देवी।
कागज़ लिखकर मोड़ने के बाद मैंने दो दिन इंतज़ार किया जब तक कि स्नानघर पहले की तरह खाली नहीं हो गया, और तुरंत ही छत पर अपनी रोज़ाना की सैर के लिए निकल पड़ा यह देखने के लिए कि क्या सरकंडे का कोई निशान है, जो थोड़ी ही देर में दिखाई दिया। जैसे ही मैंने उसे देखा, हालाँकि मैं यह नहीं बता सका कि उसे किसने रखा था, मैंने धागा बाँधने के लिए कागज़ को इशारा किया, लेकिन वह पहले से ही सरकंडे से बंधा हुआ था, और मैंने कागज़ को उससे बाँध दिया; और कुछ ही देर बाद हमारा सितारा एक बार फिर शांति के सफेद झंडे, उस छोटे से बंडल के साथ दिखाई दिया। वह गिर गया था, और मैंने उसे उठाया, और कपड़े में, हर तरह के सोने और चाँदी के सिक्कों में, पचास से अधिक क्राउन पाए, जिसने हमारी खुशी को पचास गुना बढ़ा दिया और हमारी स्वतंत्रता प्राप्त करने की हमारी आशा को दुगुना कर दिया। उसी रात हमारा भगोड़ा लौटा और उसने बताया कि उसे पता चला है कि जिस मूर के बारे में हमें बताया गया था, वह उसी घर में रहता है, उसका नाम हाजी मोरातो है, वह बहुत धनी है, उसकी इकलौती बेटी है जो उसकी सारी संपत्ति की वारिस है, और पूरे शहर में यह माना जाता है कि वह बारबरी की सबसे खूबसूरत महिला है, और वहाँ आने वाले कई वायसराय उससे शादी करना चाहते थे, लेकिन वह हमेशा शादी करने से इनकार करती रही; और उसे यह भी पता चला था कि उसका एक ईसाई दास था जो अब मर चुका है; ये सभी बातें अखबार में लिखी बातों से मेल खाती थीं। हमने तुरंत भगोड़े से सलाह ली कि मूर महिला को वहाँ से ले जाने और हम सभी को ईसाई क्षेत्र में लाने के लिए क्या उपाय अपनाए जाने चाहिए; और अंत में यह तय हुआ कि फिलहाल हम ज़ोराइडा (उसका नाम मारिया था) से दूसरे संदेश का इंतजार करेंगे, क्योंकि हमें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था कि इन सभी कठिनाइयों से निकलने का रास्ता केवल वही निकाल सकती है। जब हमने यह निर्णय लिया, तो धर्मत्यागी ने हमसे कहा कि चिंता न करें, क्योंकि वह या तो अपनी जान गंवा देगा या हमें स्वतंत्रता लौटा देगा। चार दिनों तक स्नानघर लोगों से भरा रहा, इसी कारण सरकंडा भी चार दिनों तक प्रकट नहीं हुआ, लेकिन उस समय के अंत में, जब स्नानघर हमेशा की तरह खाली था, तो वह एक इतने मोटे कपड़े के साथ प्रकट हुआ कि मानो वह सुखद जन्म का संकेत दे रहा हो। सरकंडा और कपड़ा मेरे पास आए, और मुझे एक और कागज और सौ सोने के सिक्के मिले, बिना किसी अन्य

सिक्के के। धर्मत्यागी उपस्थित था, और हमने अपनी कोठरी में उसे वह कागज पढ़ने के लिए दिया, जिसमें यह लिखा था:
"महाराज, स्पेन जाने की कोई योजना मेरे दिमाग में नहीं आ रही है, और लीला मारियन ने भी मुझे कोई योजना नहीं बताई है, हालांकि मैंने उससे पूछा है। बस इतना ही किया जा सकता है कि मैं आपको इस खिड़की से सोने के बहुत सारे सिक्के दे दूं। इससे आप खुद को और अपने दोस्तों को छुड़ा लें, और आप में से कोई एक ईसाइयों के देश में जाकर वहाँ एक जहाज़ खरीद ले और बाकी लोगों को वापस ले आए; वह मुझे मेरे पिता के बगीचे में पाएगा, जो समुद्र तट के पास बाबाज़ोन द्वार पर है, जहाँ मैं इस पूरी गर्मी अपने पिता और नौकरों के साथ रहूंगी। आप मुझे रात में बिना किसी खतरे के वहाँ से ले जा सकते हैं और जहाज़ तक ला सकते हैं। और याद रखना कि तुम्हें मेरा पति बनना है, नहीं तो मैं मारियन से प्रार्थना करूंगी कि वह तुम्हें दंडित करे। अगर तुम जहाज़ लाने के लिए किसी पर भरोसा नहीं कर सकते, तो खुद को छुड़ाकर तुम जाओ, क्योंकि मुझे पता है कि तुम किसी और से ज़्यादा सुरक्षित लौटोगे, क्योंकि तुम एक सज्जन और ईसाई हो। बगीचे से अच्छी तरह परिचित हो जाओ; और जब मैं तुम्हें वहाँ चलते हुए देखूँगी..." तुम्हें पता चलेगा कि बानो खाली है और मैं तुम्हें भरपूर धन दूंगा। अल्लाह तुम्हारी रक्षा करे, महोदय।
ये दूसरे पत्र के शब्द और विषयवस्तु थे, और इन्हें सुनकर प्रत्येक ने स्वयं को छुड़ाए जाने के लिए तैयार बताया और पूरी निष्ठा से जाने और लौटने का वादा किया; मैंने भी यही प्रस्ताव रखा; लेकिन इस पर उस धर्मत्यागी ने आपत्ति जताई और कहा कि वह किसी भी हालत में सभी के एक साथ जाने से पहले किसी एक को रिहा करने के लिए सहमत नहीं होगा, क्योंकि अनुभव ने उसे सिखाया था कि रिहा होने के बाद भी लोग अपने किए वादे कितनी बुरी तरह निभाते हैं; क्योंकि प्रतिष्ठित कैदी अक्सर इस योजना का सहारा लेते थे, वे किसी ऐसे व्यक्ति की फिरौती देते थे जिसे वालेंसिया या मेजरका भेजा जाना था ताकि वह एक नाव को तैयार कर सके और अपने छुड़ाए हुए अन्य लोगों को वापस ला सके, लेकिन वह व्यक्ति कभी वापस नहीं आता था; क्योंकि पुनः प्राप्त स्वतंत्रता और उसे फिर से खोने का भय दुनिया के सभी दायित्वों को भुला देता है। और अपनी बात की सच्चाई साबित करने के लिए, उसने हमें संक्षेप में बताया कि लगभग उसी समय एक ईसाई सज्जन के साथ क्या हुआ था, जो उस जगह पर भी अब तक का सबसे विचित्र मामला था, जहाँ हर पल आश्चर्यजनक और अद्भुत घटनाएँ घटित हो

रही हैं। संक्षेप में, उन्होंने यह कहकर अपनी बात समाप्त की कि जो किया जा सकता था और किया जाना चाहिए था, वह यह था कि हम ईसाइयों में से किसी एक की फिरौती के लिए रखी गई धनराशि उसे दे दी जाए, ताकि वह उससे अल्जीयर्स में एक जहाज खरीद सके और टेटुआन और तटवर्ती इलाकों में व्यापारी बनने का बहाना बना सके; और जहाज का स्वामी बनने के बाद, उसके लिए हम सभी को झोपड़ी से निकालकर जहाज पर चढ़ाने का कोई न कोई तरीका निकालना आसान हो जाएगा; खासकर अगर मूर महिला, जैसा कि उसने कहा था, हम सभी की फिरौती के लिए पर्याप्त धनराशि दे दे, क्योंकि एक बार मुक्त हो जाने के बाद, हमारे लिए दिन दहाड़े भी जहाज पर चढ़ना दुनिया का सबसे आसान काम होगा; लेकिन सबसे बड़ी कठिनाई यह थी कि मूर किसी भी धर्मत्यागी को कोई भी जहाज खरीदने या रखने की अनुमति नहीं देते, सिवाय एक बड़े जहाज के जो समुद्री यात्राओं पर जाने के लिए हो, क्योंकि उन्हें डर है कि जो कोई भी छोटा जहाज खरीदता है, खासकर अगर वह स्पेनिश हो, तो वह केवल ईसाई क्षेत्र में भागने के उद्देश्य से ही उसे चाहता है। हालाँकि, वह एक टैगरिन मूर से जहाज़ की खरीद और माल के मुनाफ़े में हिस्सेदारी लेकर इस समस्या से निपट सकता था; और इसकी आड़ में वह जहाज़ का मालिक बन सकता था, और इस स्थिति में वह बाकी सब कुछ पूरा हुआ समझता। लेकिन हालाँकि मुझे और मेरे साथियों को मूर महिला के सुझाव के अनुसार मेजरका से जहाज़ मंगाना बेहतर योजना लग रही थी, फिर भी हमने उसका विरोध करने की हिम्मत नहीं की, क्योंकि हमें डर था कि अगर हमने उसकी बात नहीं मानी तो वह हमारी शिकायत कर देगा और ज़ोराइडा के साथ हमारे लेन-देन का खुलासा करने पर हम सब अपनी जान गंवा बैठेंगे। इसलिए हमने खुद को ईश्वर और उस गद्दार के हाथों में सौंपने का फैसला किया; और उसी समय ज़ोराइडा को जवाब दिया गया, जिसमें उसे बताया गया कि हम उसकी सभी सलाहों का पालन करेंगे, क्योंकि उसने उतनी ही अच्छी सलाह दी थी जितनी कि लीला मारियन ने दी होती, और यह पूरी तरह से उस पर निर्भर था कि हम काम को टाल दें या तुरंत पूरा करें। मैंने उसका पति बनने का अपना वादा दोहराया; और इस प्रकार अगले दिन जब संयोगवश स्नानघर खाली था, तो उसने हमें अलग-अलग समय पर सरकंडे और कपड़े के माध्यम से दो हजार सोने के सिक्के और एक कागज दिया, जिसमें उसने लिखा था कि अगले जुमा (यानी शुक्रवार) को वह अपने पिता के बगीचे में जा रही है, लेकिन जाने से पहले वह हमें और पैसे देगी; और यदि यह पर्याप्त न हो तो हम उसे बता दें, क्योंकि वह हमें उतना ही देगी जितना हम मांगेंगे, क्योंकि उसके पिता

41

अध्याय
जिसमें बंदी अपने कारनामों को जारी रखता है।
पंद्रह दिन बीतने से पहले ही हमारे धर्मत्यागी ने तीस से अधिक लोगों के लिए पर्याप्त जगह वाला एक उत्कृष्ट जहाज खरीद लिया था; और इस सौदे को सुरक्षित और गुप्त रखने के लिए, उसने अल्जीयर्स से बीस मील दूर ओरान नदी के किनारे स्थित शेर्शेल नामक स्थान की यात्रा करना उचित समझा, जहाँ सूखे अंजीर का व्यापक व्यापार होता है। उसने पहले उल्लेखित टैगरिन के साथ दो- तीन बार यह यात्रा की। आरागॉन के मूरों को बारबरी में टैगरिन और ग्रेनाडा के मूरों को मुदेजर कहा जाता है; लेकिन फेज़ राज्य में वे मुदेजरों को एल्चेस कहते हैं, और राजा युद्ध में मुख्य रूप से इन्हीं लोगों को नियुक्त करता है। आगे की कहानी: हर बार जब वह अपने जहाज से वहाँ से गुजरता, तो वह उस खाड़ी में लंगर डालता जो उस बगीचे से दो धनुष की मार की दूरी से भी कम थी जहाँ ज़ोराइडा प्रतीक्षा कर रही थी; और वहाँ धर्मत्यागी, अपने दो नाविकों के साथ, जानबूझकर बैठ जाता, या तो अपनी प्रार्थनाएँ करता, या फिर उस कार्य का अभ्यास करता जिसे वह गंभीरता से करने वाला था। और इस प्रकार वह ज़ोराइडा के बगीचे में जाकर फल मांगता, जो उसके पिता उसे दे देते, क्योंकि वे उसे पहचानते नहीं थे; परन्तु जैसा कि उसने बाद में मुझे बताया, उसने ज़ोराइडा से बात करने और उसे अपना परिचय देने का प्रयास किया, और यह भी कि मेरे आदेशानुसार उसे ईसाइयों की भूमि पर ले जाना था, ताकि वह संतुष्ट और निश्चिंत हो सके, परन्तु वह ऐसा कभी नहीं कर सका; क्योंकि मूर महिलाएं अपने पति या पिता के आदेश के बिना किसी भी मूर या तुर्क को खुद को देखने नहीं देतीं: ईसाई बंदियों के साथ वे बातचीत और मेलजोल की स्वतंत्रता देती हैं, यहाँ तक कि उचित समझे जाने से भी अधिक। परन्तु मुझे खेद होता यदि वह उससे बात कर लेता, क्योंकि शायद धर्मत्यागी द्वारा उसके मामलों की चर्चा सुनकर वह भयभीत हो जाती। परन्तु ईश्वर, जिसने अन्यथा ही आज्ञा दी, ने हमारे धर्मत्यागी के इस नेक इरादे को पूरा होने का अवसर नहीं दिया; और उसने देखा कि वह कितनी सुरक्षित रूप से शेर्शेल जा सकता है और लौट सकता है, और जब चाहे, जैसे चाहे और जहाँ चाहे लंगर डाल सकता है, और यह भी कि उसका साथी टैगरिन केवल उसी की इच्छा रखता है, और अब जब मेरा उद्धार हो चुका है, तो

हमें बस कुछ ईसाई नाविकों की आवश्यकता है, तो उसने मुझसे कहा कि मैं उन लोगों के अलावा, जिन्हें उद्धार हो चुका है, कुछ ऐसे लोगों को ढूंढूं जिन्हें मैं अपने साथ ले जाने को तैयार हूँ, और उन्हें अगले शुक्रवार के लिए नियुक्त कर लूँ, जिस दिन उसने हमारे प्रस्थान का दिन तय किया था। इस पर मैंने बारह स्पेनिश लोगों से बात की, सभी मजबूत नाविक थे, और ऐसे लोग थे जो आसानी से शहर छोड़ सकते थे; लेकिन उस समय इतने लोगों को ढूंढना आसान नहीं था, क्योंकि बीस जहाज गश्त पर निकले हुए थे और वे सभी नाविकों को अपने साथ ले गए थे; और ये नाविक तब तक नहीं मिलते जब तक कि उनका मालिक उस गर्मी में घर पर ही न रुका रहता, समुद्र में न गया होता, ताकि वह अपने एक जहाज को पूरा कर सके जिसे उसने मरम्मत के लिए रखा हुआ था। मैंने उन लोगों से बस इतना ही कहा कि अगले शुक्रवार की शाम को वे चुपके से एक-एक करके बाहर आएं और हाजी मोरातो के बगीचे में मेरा इंतजार करें जब तक मैं न आ जाऊं। मैंने ये निर्देश प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग दिए, और उन्हें आदेश दिया कि यदि वे वहां किसी अन्य ईसाई को देखें तो वे उनसे कुछ भी न कहें, सिवाय इसके कि मैंने उन्हें उस स्थान पर प्रतीक्षा करने का निर्देश दिया है।
यह प्रारंभिक कार्य पूरा हो जाने के बाद, एक और भी आवश्यक कदम उठाना पड़ा, जो था ज़ोराइडा को स्थिति की जानकारी देना ताकि वह तैयार और सतर्क रहे, और अगर हम अचानक उसे पकड़ लें, इससे पहले कि वह सोचे कि ईसाइयों का जहाज़ लौट आया होगा, तो वह आश्चर्यचकित न हो जाए। इसलिए मैंने बगीचे में जाकर उससे बात करने का निश्चय किया; और अपने प्रस्थान से एक दिन पहले मैं जड़ी- बूटियाँ इकट्ठा करने के बहाने वहाँ गया। सबसे पहले मेरी मुलाकात उसके पिता से हुई, जिन्होंने मुझसे उस भाषा में बात की जो पूरे बारबरी और यहाँ तक कि कॉन्स्टेंटिनोपल में भी कैदियों और मूरों के बीच बोली जाती है, और न तो मोरिसको है, न ही कैस्टिलियन, और न ही किसी अन्य राष्ट्र की, बल्कि सभी भाषाओं का मिश्रण है, जिसके माध्यम से हम सभी एक-दूसरे को समझ सकते हैं। इसी तरह की भाषा में, मैं कह रहा हूँ, उन्होंने मुझसे पूछा कि मुझे उनके बगीचे में क्या चाहिए और मैं किसका हूँ। मैंने उत्तर दिया कि मैं अर्नाउट मामी का दास हूँ (क्योंकि मुझे पक्का पता था कि वह उनका बहुत बड़ा मित्र था), और मुझे सलाद बनाने के लिए कुछ जड़ी-बूटियाँ चाहिए। तब उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं फिरौती पर हूँ या नहीं, और मेरे मालिक ने मेरे बदले क्या माँग की है। जब ये सवाल-जवाब चल रहे थे, तभी सुंदर ज़ोराइदा, जिसने मुझे

कुछ समय पहले ही देख लिया था, बगीचे में बने घर से बाहर आई, और क्योंकि मूरिश महिलाएं ईसाइयों के सामने आने में ज़रा भी संकोच नहीं करतीं, या जैसा कि मैंने पहले कहा है, बिल्कुल भी शर्मीली नहीं होतीं, इसलिए वह बिना किसी झिझक के वहाँ आ गई जहाँ उसके पिता मेरे साथ खड़े थे; इतना ही नहीं, उसके पिता ने उसे धीरे-धीरे आते देख उसे अपने पास बुलाया। मेरी प्रिय ज़ोराइदा जब मेरे सामने आई, तो उसकी अपार सुंदरता, उसके शिष्ट स्वभाव और उसके शानदार वस्त्रों का वर्णन करना अब मेरे बस की बात नहीं है। मैं बस इतना ही कहूँगा कि उसके सुंदर गले, कानों और बालों में उसके सिर के बालों से कहीं अधिक मोती लटके हुए थे। उसके टखने, जो प्रथा के अनुसार नंगे थे, उन पर उसने शुद्धतम सोने के कार्केज (मोरिस्को में इन्हें कार्कैजेस कहा जाता है) पहन रखे थे, जिनमें इतने हीरे जड़े थे कि उसने बाद में मुझे बताया कि उसके पिता ने उनकी कीमत दस हजार डबलोन बताई थी, और उसकी कलाई पर जो थे उनकी कीमत भी उससे कहीं अधिक थी। मोती बहुतायत में और बेहद उत्तम थे, क्योंकि मूरिश महिलाओं का सबसे बड़ा आडंबर कीमती मोतियों और बीज मोतियों से खुद को सजाना होता है; और इसीलिए मूरों में ये अन्य किसी भी जाति की तुलना में अधिक हैं। ज़ोराइडा के पिता की यह प्रतिष्ठा थी कि उनके पास अल्जीयर्स में सबसे अधिक संख्या में और सबसे शुद्ध मोती थे, और दो लाख से अधिक स्पैनिश क्राउन भी थे; और वह, जो अब केवल मेरी प्रेमिका है, इन सब की मालकिन थी। इस प्रकार सजी-धजी वह सुंदर होती या नहीं, और अपनी समृद्धि में वह कैसी रही होगी, इसका अंदाजा इतनी कठिनाइयों के बाद भी उसमें बची सुंदरता से लगाया जा सकता है; क्योंकि, जैसा कि सर्वविदित है, कुछ स्त्रियों की सुंदरता का अपना समय और मौसम होता है, और यह आकस्मिक कारणों से घटती-बढ़ती रहती है; और स्वाभाविक रूप से मन की भावनाएँ इसे बढ़ा या घटा सकती हैं, हालाँकि वास्तव में अक्सर वे इसे पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। संक्षेप में, उस दिन वह मेरे सामने अत्यंत भव्यता से सजी-धजी और अत्यंत सुंदर रूप में प्रकट हुई; कम से कम, वह मुझे अब तक देखी गई सबसे सुंदर वस्तु प्रतीत हुई; और जब मैंने उसके प्रति अपने ऋण के बारे में सोचा, तो मुझे ऐसा लगा मानो कोई दिव्य प्राणी पृथ्वी पर आकर मुझे राहत और सुख प्रदान कर रहा हो।
जैसे ही वह पास आई, उसके पिता ने उसे अपनी भाषा में बताया कि मैं उनके मित्र अर्नाउट मामी की बंदी हूँ और मैं सलाद खाने आई हूँ।

उसने बातचीत को आगे बढ़ाया, और जिन मिश्रित भाषाओं का मैंने जिक्र किया है, उनमें उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं एक सज्जन व्यक्ति हूं, और मुझे छुड़ाने के लिए किसी को क्यों नहीं कहा गया।
मैंने उत्तर दिया कि मुझे पहले ही छुड़ा लिया गया था, और इस कीमत से पता चलता है कि मेरे स्वामी ने मुझे कितना महत्व दिया था, क्योंकि मैंने अपने लिए पंद्रह सौ ज़ोल्तानी दिए थे; इस पर उसने कहा, "अगर तुम मेरे पिता के होते, तो मैं तुम्हें बता सकती हूँ, मैं उन्हें दुगनी कीमत पर भी तुम्हें छोड़ने नहीं देती, क्योंकि तुम ईसाई लोग हमेशा अपने बारे में झूठ बोलते हो और मूरों को धोखा देने के लिए खुद को गरीब बताते हो।"
"ऐसा हो सकता है, महोदया," मैंने कहा; "लेकिन वास्तव में मैंने अपने स्वामी के साथ सच्चाई से व्यवहार किया, जैसा कि मैं दुनिया में हर किसी के साथ करता हूं और करने का इरादा रखता हूं।"
"और तुम कब जा रहे हो?" ज़ोराइदा ने पूछा।
मैंने कहा, "मुझे लगता है कल, क्योंकि फ्रांस से एक जहाज कल रवाना होने वाला है, और मुझे लगता है मैं उसी में जाऊंगा।"
ज़ोराइडा ने कहा, "क्या यह बेहतर नहीं होगा कि स्पेन से आने वाले जहाजों का इंतजार किया जाए और उनके साथ जाया जाए, न कि फ्रांसीसियों के साथ, जो तुम्हारे मित्र नहीं हैं?"
"नहीं," मैंने कहा; "हालांकि अगर मुझे यह सूचना मिलती कि स्पेन से कोई जहाज आ रहा है तो शायद मैं उसका इंतजार कर सकता था; लेकिन कल ही रवाना होने की संभावना अधिक है, क्योंकि अपने देश और अपने प्रियजनों के पास लौटने की मेरी तीव्र इच्छा इतनी प्रबल है कि अगर इसमें देरी भी हो तो मैं किसी और अवसर का इंतजार नहीं कर सकता, चाहे वह कितना भी सुविधाजनक क्यों न हो।" ज़ोराइदा ने कहा, "निस्संदेह तुम्हारा विवाह तुम्हारे अपने देश में हो चुका है, और इसी कारण तुम अपनी पत्नी से मिलने के लिए उत्सुक हो।"
मैंने जवाब दिया, "मैं शादीशुदा नहीं हूँ, लेकिन मैंने वहाँ पहुँचने पर शादी करने का वादा किया है।"
"और क्या वह महिला सुंदर है जिसे तुमने यह दिया है?" ज़ोराइदा ने कहा। मैंने कहा, "वह इतनी सुंदर है कि अगर मैं उसका सही वर्णन करूँ और तुम्हें सच बताऊँ तो वह बिलकुल तुम्हारे जैसी है।"

इस पर उसके पिता जोर से हँसे और बोले, "अल्लाह की कसम, ईसाई, अगर वह मेरी बेटी जैसी है, जो इस पूरे राज्य की सबसे खूबसूरत महिला है, तो वह बहुत सुंदर होगी: बस उसे ध्यान से देखो और तुम्हें पता चल जाएगा कि मैं सच कह रहा हूँ।"
जोराइडा के पिता एक बेहतर भाषाविद होने के नाते इन अधिकांश शब्दों और वाक्यांशों की व्याख्या करने में मदद करते थे, क्योंकि यद्यपि वह मिश्रित भाषा बोलती थी, जो कि जैसा कि मैंने कहा है, वहां प्रयोग की जाती है, वह शब्दों की तुलना में संकेतों के माध्यम से अपने अर्थ को अधिक व्यक्त करती थी।
जब हम अभी भी इस बातचीत में मशगूल थे, तभी एक मूर दौड़ता हुआ आया और चिल्लाते हुए बोला कि चार तुर्क बगीचे की बाड़ या दीवार फांदकर अंदर आ गए हैं और कच्चे फल तोड़ रहे हैं। बूढ़ा आदमी घबरा गया और ज़ोराइदा भी, क्योंकि मूरों में आम तौर पर, और एक तरह से स्वाभाविक रूप से, तुर्कों का, विशेषकर सैनिकों का भय होता है, जो अपने अधीन मूरों के प्रति इतने अभिमानी और दबंग होते हैं कि उनके साथ गुलामों से भी बदतर व्यवहार करते हैं। उसके पिता ने ज़ोराइदा से कहा, "बेटी, घर के अंदर जाओ और खुद को बंद कर लो, मैं जाकर इन कुत्तों से बात करता हूँ; और तुम, ईसाई, अपनी जड़ी-बूटियाँ तोड़ लो, और शांति से जाओ, अल्लाह तुम्हें तुम्हारे देश सुरक्षित पहुँचाए।"
मैंने प्रणाम किया, और वह तुर्कों को ढूंढने चला गया, मुझे ज़ोराइडा के साथ अकेला छोड़कर। ज़ोराइडा ने ऐसा दिखाया जैसे वह अपने पिता के कहने पर सोने जा रही हो; लेकिन जैसे ही वह बगीचे के पेड़ों में छिप गया, आँसुओं से भरी आँखों से मेरी ओर मुड़कर उसने कहा, "तमेजी, क्रिस्टियानो, तमेजी?" यानी, "क्या तुम जा रहे हो, क्रिश्चियन, क्या तुम जा रहे हो?"
मैंने उत्तर दिया, "जी हां, महोदया, लेकिन चाहे कुछ भी हो जाए, आपके बिना नहीं: अगले जुमा के दिन मेरा इंतज़ार करना, और जब तुम हमें देखो तो घबरा मत जाना; क्योंकि हम निश्चित रूप से ईसाइयों की भूमि पर जा रहे हैं।"
मैंने यह बात इस तरह कही कि वह हमारे बीच हुई सारी बातें पूरी तरह समझ गई, और उसने अपना हाथ मेरे गले में डालकर लड़खड़ाते कदमों से घर की ओर बढ़ना शुरू किया; लेकिन भाग्य का खेल देखिए (और अगर ईश्वर ने कुछ और न चाहा होता तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हो सकता था), ठीक उसी तरह जैसे हम उसी तरह आगे बढ़ रहे थे जैसा मैंने बताया है, उसका हाथ मेरे गले में था, तभी उसके पिता,

जो तुर्कों को विदा करके लौटे थे, ने हमें चलते हुए देखा और हमें भी लगा कि उन्होंने हमें देख लिया है; लेकिन ज़ोराइडा, जो बहुत समझदार और होशियार थी, ने अपना हाथ मेरे गले से नहीं हटाया, बल्कि इसके विपरीत मेरे और करीब आकर अपना सिर मेरी छाती पर रख दिया, अपने घुटने थोड़े मोड़ लिए और बेहोशी के सारे लक्षण दिखाने लगी, जबकि मैं उसी समय ऐसा दिखावा कर रहा था जैसे मैं उसे अपनी इच्छा के विरुद्ध सहारा दे रहा हूँ। उसके पिता दौड़ते हुए हमारे पास आए, और अपनी बेटी को इस हालत में देखकर पूछा कि उसे क्या हुआ है; लेकिन जब उसने कोई जवाब नहीं दिया, तो उसने कहा, "निस्संदेह उन कुत्तों को देखकर वह डर के मारे बेहोश हो गई होगी," और उसे मेरी गोद से लेकर उसने उसे अपने सीने से लगा लिया। वह आहें भरते हुए, आँखों में आँसू लिए फिर बोली, "अमेजी, क्रिस्टियानो, अमेजी"—"जाओ, क्रिश्चियन, जाओ।" इस पर उसके पिता ने कहा, "बेटी, क्रिश्चियन के जाने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि उसने तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचाया है, और तुर्क अब जा चुके हैं; घबराओ मत, तुम्हें कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि जैसा मैंने कहा, तुर्क मेरे कहने पर उसी रास्ते से वापस चले गए हैं जिससे वे आए थे।"
मैंने उसके पिता से कहा, "जैसा कि आपने कहा है, महोदय, उन्हीं लोगों ने उसे डराया था; लेकिन चूंकि वह मुझे जाने के लिए कह रही है, इसलिए मैं उसे नाराज़ नहीं करना चाहता: आपको शांति मिले, और आपकी अनुमति से, यदि आवश्यकता पड़ी तो मैं जड़ी-बूटियों के लिए इस बगीचे में वापस आऊंगा, क्योंकि मेरे मालिक का कहना है कि सलाद के लिए इससे बेहतर जड़ी-बूटियाँ कहीं नहीं मिलतीं।"
"तुम्हें जिस भी चीज़ की ज़रूरत हो, वापस आ जाना," हाजी मोरातो ने उत्तर दिया; "मेरी बेटी इस तरह इसलिए नहीं बोल रही है क्योंकि वह तुमसे या किसी ईसाई से नाराज़ है; उसका मतलब केवल यह था कि तुर्कों को जाना चाहिए, तुम्हें नहीं; या यह कि तुम्हारे लिए अपनी जड़ी-बूटियाँ ढूंढने का समय आ गया है।"
इतना कहकर मैंने तुरंत उन दोनों से विदा ली; और वह, मानो दिल टूट रही हो, अपने पिता के साथ चली गई। जड़ी-बूटियाँ ढूंढने का बहाना करते हुए मैंने आराम से बगीचे का चक्कर लगाया और सभी आने-जाने के रास्तों, घर की सभी दीवारों और हर उस चीज़ का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया जिसका उपयोग हम अपना काम आसान बनाने के लिए कर सकते थे।

ऐसा करने के बाद, मैं गया और मैंने उस धर्मत्यागी और अपने साथियों को सारी घटना का ब्योरा दिया, और उस घड़ी का बेसब्री से इंतज़ार करने लगा जब सारा डर मिट जाएगा और मैं उस इनाम को पा लूँगा जो भाग्य ने मुझे सुंदर और प्यारी ज़ोराइडा के रूप में दिया था। समय बीतता गया और वह नियत दिन आ गया जिसका हम बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे; और, सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श और कई लंबी चर्चाओं के बाद हमने जो योजना बनाई थी, उसका पालन करते हुए, हम पूरी तरह सफल हुए; क्योंकि जिस दिन मैंने बगीचे में ज़ोराइडा से बात की थी, उसके अगले शुक्रवार को, शाम ढलते ही धर्मत्यागी ने अपना जहाज़ लगभग उसी जगह के सामने लंगर डाल दिया जहाँ वह थी। जो ईसाई नाव चलाने वाले थे, वे तैयार थे और आसपास के विभिन्न स्थानों में छिपे हुए थे, सभी मेरा इंतज़ार कर रहे थे, चिंतित और उत्साहित थे, और अपनी आँखों के सामने मौजूद जहाज़ पर हमला करने के लिए उत्सुक थे; क्योंकि वे धर्मत्यागी की योजना नहीं जानते थे, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि वे हथियारों के बल पर और जहाज़ पर सवार मूरों को मारकर अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे। जैसे ही मैं और मेरे साथी प्रकट हुए, छिपे हुए सभी लोग हमें देखकर बाहर आए और हमारे साथ शामिल हो गए। अब शहर के द्वार बंद होने का समय था, और बाहर दूर-दूर तक कोई दिखाई नहीं दे रहा था। जब हम सब इकट्ठा हुए, तो हमने इस बात पर चर्चा की कि पहले ज़ोराइडा के लिए जाना बेहतर होगा या नाव में चप्पू चला रहे मूरिश नाविकों को बंदी बना लेना। लेकिन जब हम अभी भी असमंजस में थे, तभी हमारा साथी आकर हमसे पूछने लगा कि हमें क्या रोके हुए हैं, क्योंकि अब समय आ चुका था, और सभी मूर अपनी सुरक्षा से बेखबर थे और उनमें से अधिकांश सो रहे थे। हमने उसे अपनी हिचकिचाहट का कारण बताया, लेकिन उसने कहा कि पहले नाव को सुरक्षित करना अधिक महत्वपूर्ण है, जो बड़ी आसानी से और बिना किसी खतरे के किया जा सकता है, और फिर हम ज़ोराइडा के लिए जा सकते हैं। हम सभी ने उसकी बात मान ली, और इसलिए बिना किसी देरी के, उसके मार्गदर्शन में हम नाव की ओर चल पड़े, और वह सबसे पहले नाव पर कूद गया, अपनी तलवार निकाली और मोरस्को भाषा में कहा, "जो भी अपनी जान गंवाना नहीं चाहता, वह यहाँ से हिले नहीं।" तब तक लगभग सभी ईसाई जहाज पर सवार हो चुके थे, और मूर, जो अपने कप्तान की इस तरह की बातें सुनकर डरपोक हो गए थे, और उनमें से किसी ने भी हथियार नहीं उठाए (और वास्तव में उनके पास हथियार बहुत कम या न के बराबर ही थे), उन्होंने चुपचाप ईसाइयों के हाथों बंधने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया। ईसाइयों ने उन्हें

तुरंत बांध लिया और धमकी दी कि अगर उन्होंने किसी भी तरह का विरोध किया तो उन्हें तलवार से मार डाला जाएगा। ऐसा होने पर, और हमारे दल के आधे लोगों को उनकी रखवाली के लिए छोड़कर, हम बाकी लोग, फिर से उस धर्मत्यागी को अपना मार्गदर्शक बनाकर, हाजी मोरातो के बगीचे की ओर तेजी से बढ़े। सौभाग्य से, द्वार खोलने की कोशिश करने पर वह इतनी आसानी से खुल गया मानो वह बंद ही न हो; और इस तरह, बिल्कुल चुपचाप और खामोशी से, हम किसी की नजर में आए बिना घर पहुँच गए। प्यारी ज़ोराइदा एक खिड़की पर हमारा इंतजार कर रही थी, और जैसे ही उसने देखा कि वहाँ लोग हैं, उसने धीमी आवाज में पूछा कि क्या हम "निज़रानी" हैं, मानो वह पूछ रही हो कि क्या हम ईसाई हैं। मैंने उत्तर दिया कि हम वहीं हैं, और उनसे नीचे आने की विनती की। जैसे ही उन्होंने मुझे पहचाना, उन्होंने एक पल भी देर नहीं की, बल्कि बिना कुछ कहे तुरंत नीचे आ गईं, दरवाजा खोला और हम सबके सामने आ गईं। वे इतनी सुंदर और इतने भव्य वस्त्रों में सजी थीं कि उनका वर्णन करना मेरे लिए असंभव है। उन्हें देखते ही मैंने उनका हाथ पकड़कर चूमा, और मेरे साथी और उस भगोड़े ने भी ऐसा ही किया; और बाकी लोग, जिन्हें हालात की कोई जानकारी नहीं थी, उन्होंने भी वही किया जो हमने किया, क्योंकि ऐसा लग रहा था मानो हम उन्हें धन्यवाद दे रहे हों और उन्हें अपनी स्वतंत्रता की दाता मान रहे हों। भगोड़े ने उनसे मोरस्को भाषा में पूछा कि क्या उनके पिता घर में हैं। उन्होंने उत्तर दिया कि वे घर में हैं और सो रहे हैं।
"तब उसे जगाना और अपने साथ ले जाना आवश्यक होगा," उस भगोड़े ने कहा, "और इस खूबसूरत हवेली में मौजूद हर मूल्यवान वस्तु को भी साथ ले जाना होगा।" “नहीं,” उसने कहा, “मेरे पिता को किसी भी हालत में हाथ नहीं लगाना चाहिए, और घर में मेरे द्वारा ली जाने वाली चीज़ों के अलावा कुछ भी नहीं है, और वह आप सभी को समृद्ध और संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त होगा; थोड़ा इंतज़ार कीजिए और आप खुद देख लेंगे,” और ऐसा कहकर वह अंदर चली गई, और हमें बताया कि वह तुरंत वापस आ जाएगी और हमें चुप रहने और कोई शोर न करने का आदेश दिया। मैंने उस धर्मत्यागी से पूछा कि उनके बीच क्या बातचीत हुई थी, और जब उसने मुझे बताया, तो मैंने स्पष्ट कर दिया कि जोराइडा की इच्छा के अनुसार ही काम किया जाना चाहिए। जोराइडा अब सोने के मुकुटों से भरा एक छोटा सा संदूक लेकर वापस आई थी, जिसे वह मुश्किल से उठा पा रही थी। दुर्भाग्य से, जब यह सब हो रहा था, उसके पिता जाग गए और बगीचे में शोर सुनकर खिड़की पर आए।

उन्होंने तुरंत देखा कि वहाँ मौजूद सभी लोग ईसाई थे, और वे ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहे थे। उन्होंने अरबी में पुकारना शुरू किया, "ईसाई, ईसाई! चोर, चोर!" उनकी चीखों से हम सब बहुत भयभीत और घबरा गए। लेकिन धर्मत्यागी ने हमारी स्थिति को खतरे में देखा और यह भी कि हमारे सुने जाने से पहले उसे अपना उद्देश्य पूरा करना कितना ज़रूरी था, वह अत्यंत तेज़ी से हाजी मोरातो के पास गया और हमारे कुछ साथियों को भी अपने साथ ले गया। हालाँकि, मैं जोराइडा को छोड़ने की हिम्मत नहीं कर सका, जो लगभग बेहोश होकर मेरी बाहों में गिर पड़ी थी। संक्षेप में कहें तो, जो लोग ऊपर गए थे, उन्होंने इतनी फुर्ती दिखाई कि पलक झपकते ही वे नीचे आ गए, हाजी मोरातो को हाथ बंधे और मुँह पर रुमाल बंधा हुआ लाए, जिससे वह एक शब्द भी नहीं बोल पा रहा था। साथ ही उसे चेतावनी भी दी गई कि बोलने की कोशिश करने पर उसकी जान ले ली जाएगी। जब उसकी बेटी ने उसे देखा तो उसने अपनी आँखें ढँक लीं ताकि उसे देख न सके, और उसके पिता भयभीत हो गए, यह न जानते हुए कि उसने कितनी स्वेच्छा से खुद को हमारे हवाले कर दिया था। लेकिन अब हमारे लिए आगे बढ़ना अत्यंत आवश्यक था, और सावधानी से और तेज़ी से हम जहाज़ पर पहुँच गए, जहाँ जहाज़ पर रह गए लोग किसी दुर्घटना की आशंका से हमारा इंतज़ार कर रहे थे। रात होने के मुश्किल से दो घंटे बाद ही हम सब जहाज़ पर सवार हो गए, जहाँ ज़ोराइदा के पिता के हाथों से रस्सियाँ और मुँह से रुमाल हटा दिया गया; लेकिन उस बागी ने एक बार फिर उनसे कहा कि एक शब्द भी न बोलें, वरना वे उनकी जान ले लेंगे। जब उसने अपनी बेटी को वहाँ देखा, तो वह दयनीय रूप से आहें भरने लगा, और तब उसकी आहें और भी बढ़ गईं जब उसने देखा कि मैंने उसे कसकर गले लगाया हुआ है और वह बिना किसी प्रतिरोध, शिकायत या अनिच्छा के चुपचाप लेटी हुई है; फिर भी वह चुप रहा, कहीं ऐसा न हो कि वे उस भगोड़े द्वारा उसे दी गई बार-बार की धमकियों को अमल में ला दें।
अब जब ज़ोराइडा जहाज़ पर सवार हो चुकी थी और हम चप्पू चलाकर आगे बढ़ने ही वाले थे, तो उसने अपने पिता और अन्य बंधे हुए मूरों को देखकर उस धर्मत्यागी से कहा कि वह मुझसे मूरों को रिहा करने और अपने पिता को मुक्त करने का अनुरोध करे, क्योंकि वह अपने पिता को, जिसने उसे इतना प्यार किया था, अपनी आँखों के सामने बंदी बनते देखने की बजाय समुद्र में डूबना पसंद करेगी। धर्मत्यागी ने मुझसे यही बात दोहराई, और मैंने कहा कि मैं ऐसा करने के लिए पूरी तरह तैयार हूँ; लेकिन उसने कहा कि यह उचित नहीं है, क्योंकि अगर

उन्हें वहीं छोड़ दिया गया तो वे तुरंत देश में विद्रोह और शहर में अशांति फैला देंगे, जिससे तेज़ गति से चलने वाले जहाज़ पीछा करने लगेंगे और हम समुद्र या ज़मीन से पकड़े जाएँगे, बिना किसी बचने के रास्ते के; और यही एकमात्र उपाय था कि हम जिस पहले ईसाई क्षेत्र तक पहुँचें, वहाँ उन्हें मुक्त कर दें। इस बात पर हम सभी सहमत हो गए; और ज़ोराइडा, जिसे यह बात समझाई गई, साथ ही उन कारणों को भी बताया गया जो हमें उसकी इच्छा के अनुसार तुरंत ऐसा करने से रोक रहे थे, वह भी संतुष्ट हो गई; फिर मौन शांति और उत्साह के साथ हमारे सभी बलवान नाविकों ने अपना-अपना चप्पू उठाया और पूरे मन से ईश्वर को सौंपकर निकटतम ईसाई देश, मेजरका द्वीप की ओर चल पड़े। हालांकि, ट्रैमोंटाना नदी का जलस्तर थोड़ा बढ़ जाने और समुद्र के उफान पर होने के कारण मेजरका की ओर सीधा मार्ग बनाए रखना असंभव हो गया और हमें ओरान की दिशा में तट के किनारे-किनारे चलना पड़ा। हमें इस बात की बहुत चिंता थी कि कहीं अल्जीयर्स से साठ मील से भी कम दूरी पर स्थित शेर्शेल शहर से हमें देख न लिया जाए। इसके अलावा, हमें इस बात का भी डर था कि कहीं रास्ते में हमें टेटुआन से माल लेकर आने वाले किसी बड़े जहाज से न मिल जाए; हालांकि हममें से प्रत्येक को और हम सभी को यह विश्वास था कि यदि हमें कोई व्यापारी जहाज मिल भी जाए (भव्य जहाज न हो), तो न केवल हम खो न जाएं, बल्कि हमें एक ऐसा जहाज मिल जाएगा जिसमें हम अपनी यात्रा अधिक सुरक्षित रूप से पूरी कर सकेंगे। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते गए, ज़ोराइडा ने अपने पिता को न देखने के लिए अपना सिर मेरे हाथों के बीच रखा, और मुझे लगा कि वह लीला मारियन से हमारी मदद करने के लिए प्रार्थना कर रही थी।
लगभग तीस मील का सफर तय करने के बाद, भोर होते ही हम तट से कुछ तीन बंदूक की दूरी पर पहुँच गए, जो हमें निर्जन और निहारने योग्य प्रतीत हुआ। फिर भी, कड़ी मेहनत से चप्पू चलाते हुए हम समुद्र में थोड़ा आगे बढ़ गए, क्योंकि अब समुद्र कुछ शांत था। लगभग दो मील की दूरी तय करने के बाद, हमें बारी-बारी से चप्पू चलाने का आदेश दिया गया, जबकि हम कुछ खा रहे थे, क्योंकि जहाज में पर्याप्त भोजन उपलब्ध था। लेकिन चप्पू चलाने वालों ने कहा कि यह आराम करने का समय नहीं है; जो लोग चप्पू नहीं चला रहे हैं, उन्हें भोजन परोसा जाए, लेकिन वे किसी भी कीमत पर अपने चप्पू नहीं छोड़ेंगे। ऐसा ही किया गया, लेकिन तभी तेज हवा चलने लगी, जिसके कारण हमें चप्पू चलाना बंद करके तुरंत पाल खोलकर ओरान की ओर बढ़ना पड़ा, क्योंकि कोई और रास्ता संभव नहीं था। यह

नहीं लाया था, तो वह और भी आश्चर्यचकित हो गया और उससे पूछा कि वह संदूक हमारे हाथ कैसे लगा और उसमें क्या है। इस पर धर्मत्यागी ने ज़ोराइडा के उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना ही उत्तर दिया, "हे महोदय, अपनी बेटी ज़ोराइडा से इतने प्रश्न पूछकर स्वयं को परेशान न करें, क्योंकि मैं आपको जो एक उत्तर दूंगा वह सबके लिए पर्याप्त होगा; मैं आपको बताना चाहता हूँ कि वह एक ईसाई है, और वही हमारी बेड़ियों को तोड़ने वाली और हमें गुलामी से मुक्त करने वाली है। वह अपनी मर्ज़ी से यहाँ है, और मुझे लगता है कि वह इस स्थिति में खुद को पाकर उतनी ही प्रसन्न है जितनी कोई अंधकार से प्रकाश में, मृत्यु से जीवन में और दुख से महिमा में आने वाला।"
"बेटी, क्या यह सच है, जो वह कह रहा है?" मूर चिल्लाया।
"हाँ," ज़ोराइदा ने उत्तर दिया।
"क्या तुम सचमुच एक ईसाई हो," बूढ़े व्यक्ति ने कहा, "और क्या तुमने अपने पिता को उनके शत्रुओं के हवाले कर दिया है?"
जिस पर ज़ोराइडा ने उत्तर दिया, "मैं एक ईसाई हूँ, लेकिन मैंने तुम्हें इस स्थिति में नहीं डाला है, क्योंकि मेरा तुम्हें छोड़ने या तुम्हें नुकसान पहुँचाने का कभी कोई इरादा नहीं था, बल्कि केवल अपना भला करने का था।"
"और तुमने अपने लिए क्या अच्छा किया है, बेटी?" उसने कहा।
"तुम यह बात लीला मारियन से पूछो," उसने कहा, "क्योंकि वह तुम्हें मुझसे बेहतर बता सकती है।"
मूर ने ये शब्द मुश्किल से सुने ही थे कि उसने अचूक फुर्ती से अपना सिर आगे करके समुद्र में छलांग लगा दी, जहाँ निस्संदेह वह डूब जाता यदि उसके लंबे और भरे हुए वस्त्र ने उसे पानी की सतह पर थोड़ी देर के लिए थामे न रखा होता। ज़ोराइडा ने उसे बचाने के लिए ज़ोर से पुकारा, और हम सब उसकी मदद के लिए दौड़े, और उसके वस्त्र को पकड़कर उसे आधा डूबा हुआ और बेहोश हालत में खींच लिया, जिससे ज़ोराइडा इतनी दुखी हुई कि वह उस पर इतनी दयनीय और कड़वी तरह से रोई जैसे कि वह मर चुका हो। हमने उसे सीधा किया और उसने बहुत सारा पानी उल्टी कर दिया, और दो घंटे बाद उसे होश आया। इस बीच, हवा का रुख बदल जाने के कारण हमें किनारे की ओर जाना पड़ा, और किनारे पर जाने से बचने के लिए चप्पू चलाने पड़े; लेकिन हमारा सौभाग्य था कि हम एक छोटी सी चट्टान या केप के एक तरफ स्थित एक खाड़ी तक पहुँच गए, जिसे मूर लोग "कावा रुमिया" कहते थे, जिसका हमारी भाषा में अर्थ है "दुष्ट ईसाई स्त्री।" क्योंकि

उनमें यह परंपरा है कि ला कावा, जिसके कारण स्पेन का पतन हुआ, उसी स्थान पर दफन है; उनकी भाषा में "कावा" का अर्थ "दुष्ट स्त्री" और "रुमिया" का अर्थ "ईसाई" है; इसके अलावा, वे आवश्यकता पड़ने पर भी वहाँ लंगर डालना अशुभ मानते हैं और अन्यथा कभी ऐसा नहीं करते। हालाँकि, हमारे लिए वह दुष्ट स्त्री का विश्राम स्थल नहीं था, बल्कि हमारे लिए एक सुरक्षित आश्रय था, क्योंकि समुद्र में अब बहुत उथल-पुथल मची हुई थी। हमने किनारे पर पहरा बिठाया और चप्पू कभी नहीं छोड़े, और उस भंडार से भोजन किया जो उस धर्मत्यागी ने जमा किया था, और पूरे हृदय से ईश्वर और हमारी माता से हमारी सहायता और रक्षा करने की प्रार्थना की, ताकि हम एक समृद्ध शुरुआत को सुखद अंत दे सकें। ज़ोराइडा की विनती पर उसके पिता और अन्य मूरों को, जो अभी भी बंधे हुए थे, किनारे पर उतारने का आदेश दिया गया, क्योंकि वह अपने पिता को बंधनों में और अपने देशवासियों को अपनी आँखों के सामने कैदी के रूप में देखना सहन नहीं कर सकती थी, और न ही उसका कोमल हृदय इसे सहन कर सकता था। हमने प्रस्थान के समय ऐसा करने का उससे वादा किया था, क्योंकि वह स्थान निर्जन था, इसलिए उन्हें उस स्थान पर छोड़ने में हमें कोई जोखिम नहीं था। हमारी प्रार्थनाएँ व्यर्थ नहीं गईं, बल्कि स्वर्ग ने उन्हें अनसुना कर दिया। कुछ देर बाद हवा हमारे पक्ष में हो गई और समुद्र शांत हो गया, जिससे हमें एक बार फिर उत्साह के साथ अपनी यात्रा शुरू करने का निमंत्रण मिला। यह देखकर हमने मूरों को खोल दिया और एक-एक करके उन्हें किनारे पर उतार दिया, जिससे वे आश्चर्यचकित रह गए; लेकिन जब हम ज़मीन पर पहुँचे तो ज़ोराइडा के पिता, जो अब पूरी तरह से होश में आ चुके थे, ने कहा:
“हे ईसाइयों, तुम क्यों सोचते हो कि यह दुष्ट स्त्री मुझे आज़ादी देने पर प्रसन्न है? क्या तुम सोचते हो कि यह मेरे प्रति उसके स्नेह के कारण है? नहीं, वास्तव में, यह केवल इसलिए है क्योंकि मेरी उपस्थिति उसके नीच इरादों को पूरा करने में बाधा डालती है। और यह मत सोचो कि तुम्हारा धर्म हमारे धर्म से श्रेष्ठ है, इसी विश्वास ने उसे अपना धर्म बदलने के लिए प्रेरित किया है; यह केवल इसलिए है क्योंकि वह जानती है कि तुम्हारे देश में हमारे देश की तुलना में अधिक खुलेआम व्यभिचार किया जाता है।” फिर ज़ोराइदा की ओर मुड़ते हुए, जबकि मैं और एक अन्य ईसाई उसे दोनों बाहों से कसकर पकड़े हुए थे, ताकि वह कोई पागलपन भरा काम न कर दे, उसने उससे कहा, “बदनाम लड़की, गुमराह युवती, अपनी अंधता और पागलपन में तू हमारे इन

कुत्तों, हमारे जन्मजात शत्रुओं के हाथों कहाँ जा रही है? धिक्कार हो उस घड़ी पर जब मैंने तुझे जन्म दिया! धिक्कार हो उस विलासिता और भोग-विलास पर जिसमें मैंने तुझे पाला-पोसा!”
लेकिन यह देखकर कि वह जल्द ही चुप नहीं होने वाला, मैंने उसे किनारे पर उतारने की जल्दी की, और वहाँ से भी वह ज़ोर-ज़ोर से गालियाँ और विलाप करता रहा; मोहम्मद से अल्लाह से प्रार्थना करने को कहता रहा कि वह हमें नष्ट कर दे, हमें बर्बाद कर दे, हमारा अंत कर दे; और जब पाल चलने के कारण हम उसकी बातें सुन नहीं पा रहे थे, तो हम देख सकते थे कि वह क्या कर रहा था; कैसे उसने अपनी दाढ़ी नोंच ली, अपने बाल नोच लिए और ज़मीन पर तड़पने लगा। लेकिन एक बार उसने अपनी आवाज़ इतनी ऊँची कर दी कि हम उसकी बातें सुन पाए। "वापस आ जाओ, प्यारी बेटी, किनारे पर वापस आ जाओ; मैं तुम्हें सब कुछ माफ करता हूँ; उन आदमियों को पैसा दे दो, क्योंकि अब वह उनका है, और अपने दुखी पिता को सांत्वना देने के लिए वापस आ जाओ, जो इस बंजर किनारे पर अपनी जान दे देगा अगर तुम उसे छोड़ दोगी।"
ज़ोराइदा ने ये सब सुना, और बड़े दुख और आँसुओं के साथ सुना, और जवाब में वह बस इतना ही कह सकी, "अल्लाह करे कि लीला मारियन, जिसने मुझे ईसाई बनाया, आपको आपके इस दुख में सांत्वना दे, मेरे पिता। अल्लाह जानता है कि मैं इसके अलावा कुछ और नहीं कर सकती थी, और इन ईसाइयों पर मेरी कोई एहसानमंदी नहीं है; क्योंकि अगर मैं उनके साथ न जाना चाहती, बल्कि घर पर ही रहना चाहती, तो भी मेरे लिए यह नामुमकिन होता, क्योंकि मेरी आत्मा ने मुझे इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इतनी ज़ोर से प्रेरित किया, जिसे मैं उतना ही नेक समझती हूँ जितना कि आपको, प्यारे पिता, यह कुकर्म लगता है।"
लेकिन जब उसने यह कहा तो न तो उसके पिता उसकी बात सुन सके और न ही हम उन्हें देख सके; इसलिए, जब मैं ज़ोराइडा को सांत्वना दे रहा था, हमने अपना ध्यान अपनी यात्रा पर केंद्रित किया, जिसमें सही दिशा से आने वाली हवा ने हमारा इतना साथ दिया कि हमें पूरा भरोसा था कि हम कल सुबह तक स्पेन के तट पर पहुँच जाएँगे। लेकिन, जैसा कि अच्छाई शायद ही कभी शुद्ध और बिना मिलावट के आती है, बिना किसी अप्रिय घटना के जो उसे आघात पहुँचाती है, हमारा भाग्य, या शायद मूर द्वारा अपनी बेटी पर फेंके गए शाप (चाहे पिता कोई भी हो, ऐसे शाप हमेशा डरावने होते हैं), ने ऐसा कर दिया कि जब हम समुद्र के बीच में थे, और रात के लगभग तीन घंटे बीत चुके थे, और अनुकूल हवा के कारण हमें चप्पू

चलाने की आवश्यकता नहीं थी, तब हमने चमकते हुए चाँद के प्रकाश में देखा कि एक वर्गाकार पाल वाला जहाज पूरी तरह से पाल फैलाए हमारे करीब था, और हमारे मार्ग के आर-पार खड़ा था, इतना करीब कि हमें उससे टकराने से बचने के लिए पाल नीचे करना पड़ा, जबकि उन्होंने भी हमें रास्ता देने के लिए पतवार पूरी तरह से ऊपर कर दी। वे जहाज के किनारे आकर हमसे पूछने लगे कि हम कौन हैं, कहाँ जा रहे हैं और कहाँ से आए हैं, लेकिन चूंकि उन्होंने ये सवाल फ्रांसीसी में पूछे, इसलिए हमारे भगोड़े ने कहा, "कोई जवाब न दे, क्योंकि इसमें कोई शक नहीं कि ये फ्रांसीसी समुद्री लुटेरे हैं जो सभी को लूटते हैं।"
इस चेतावनी पर किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा, लेकिन जब हम थोड़ा आगे बढ़ गए और जहाज हवा के विपरीत दिशा में झुक गया, तो अचानक उन्होंने दो तोपें चलाईं, और जाहिर तौर पर दोनों में चेन-शॉट भरे हुए थे, क्योंकि एक तोप से हमारा मस्तूल दो हिस्सों में कट गया और वह और पाल दोनों समुद्र में गिर गए, और दूसरी, जो उसी समय चलाई गई, एक गोला हमारे जहाज के मध्य भाग में जा लगा, जिससे जहाज पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन कोई और नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, हमने खुद को डूबता हुआ पाया और मदद के लिए चिल्लाने लगे और जहाज में मौजूद लोगों से हमें बचाने के लिए गुहार लगाने लगे क्योंकि हम पानी से भर रहे थे। तब वे रुक गए, और एक छोटी नाव या बोट नीचे उतारकर, लगभग एक दर्जन फ्रांसीसी, माचिस की तीलियों से लैस और जलती हुई माचिसों के साथ, उसमें सवार होकर हमारे पास आ गए; और यह देखकर कि हम कितने कम थे और हमारा जहाज डूब रहा था, उन्होंने हमें अंदर ले लिया और कहा कि यह हमारे असभ्य व्यवहार के कारण हुआ क्योंकि हमने उन्हें जवाब नहीं दिया था। हमारे भगोड़े ने ज़ोराइडा के धन से भरा संदूक लिया और किसी को पता चले बिना उसे समुद्र में फेंक दिया। संक्षेप में, हम उन फ्रांसीसियों के साथ जहाज पर सवार हो गए, जिन्होंने हमारे बारे में सब कुछ जानने के बाद, मानो वे हमारे सबसे बड़े दुश्मन हों, हमारा सारा सामान लूट लिया। ज़ोराइडा से उन्होंने उसके पैरों में पहनी हुई पायल तक ले ली; लेकिन उन्होंने उसे जो कष्ट दिया, उससे मुझे उतना कष्ट नहीं हुआ जितना इस बात के डर से हुआ कि उसके कीमती गहने लूटने के बाद वे उसका सबसे अनमोल गहना भी छीन लेंगे, जिसे वह सबसे अधिक महत्व देती थी। हालांकि, उन लोगों की लालसा केवल पैसे तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उनकी लोभता कभी खत्म नहीं होती थी, और इस बार तो यह इस हद तक

बढ़ गई थी कि अगर हमारे बंदी के कपड़े भी उनके लिए कीमती होते, तो वे उन्हें भी ले लेते। उनमें से कुछ ने हमें पाल में लपेटकर समुद्र में फेंकने की सलाह दी; क्योंकि उनका उद्देश्य स्पेन के कुछ बंदरगाहों पर व्यापार करना था, खुद को ब्रेटन बताकर, और अगर वे हमें जिंदा पकड़ लेते, तो लूट का पता चलते ही उन्हें सजा मिल जाती। लेकिन कप्तान (जिसने मेरी प्रिय ज़ोराइडा को लूटा था) ने कहा कि वह अपने लूटे हुए माल से संतुष्ट है और किसी भी स्पेनिश बंदरगाह पर नहीं रुकेगा, बल्कि जिब्राल्टर जलडमरूमध्य को रात में, या यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से पार करके ला रोशेल की ओर बढ़ेगा, जहाँ से उसने यात्रा शुरू की थी। इसलिए उन्होंने आपसी सहमति से हमें अपने जहाज की छोटी नाव और शेष छोटी यात्रा के लिए आवश्यक सभी सामान देने का निर्णय लिया, और उन्होंने अगले दिन स्पेनिश तट दिखाई देने पर ऐसा ही किया। इस तट और हमारी खुशी के कारण हमारे सभी कष्ट और दुख ऐसे भुला दिए गए मानो हमने कभी उन्हें सहा ही न हो। खोई हुई स्वतंत्रता को पुनः प्राप्त करने का आनंद ऐसा ही होता है।
दोपहर के करीब का समय रहा होगा जब उन्होंने हमें नाव में बिठाया, पानी के दो पीपे और कुछ बिस्कुट दिए; और कप्तान, पता नहीं किस दया भाव से, क्योंकि सुंदर ज़ोराइडा नाव में चढ़ने ही वाली थी, ने उसे लगभग चालीस सोने के सिक्के दिए, और अपने आदमियों को उसके वे कपड़े उतारने की अनुमति नहीं दी जो उसने अभी पहने हुए हैं। हम नाव में चढ़ गए, उनकी दयालुता के लिए धन्यवाद दिया, और नाराज़गी के बजाय कृतज्ञता दिखाई। वे जलडमरूमध्य की ओर बढ़ते हुए समुद्र में निकल पड़े; हमने अपने सामने दिख रही ज़मीन के अलावा किसी और दिशा-निर्देशक की ओर देखे बिना, इतनी ऊर्जा से चप्पू चलाना शुरू कर दिया कि सूर्यास्त तक हम इतने करीब पहुँच गए थे कि हमें लगा कि रात होने से पहले ही हम आसानी से किनारे पर पहुँच जाएँगे। लेकिन उस रात चाँद नहीं निकला, आसमान बादलों से घिरा था, और हमें यह भी नहीं पता था कि हम कहाँ हैं, इसलिए किनारे की ओर जाना हमें समझदारी भरा कदम नहीं लगा, जैसा कि हममें से कई लोगों ने सलाह दी थी। उनका कहना था कि हमें किसी तरह किनारे पर उतर जाना चाहिए, चाहे वह चट्टानों पर ही क्यों न हो और किसी भी आबादी से दूर ही क्यों न हो, क्योंकि इस तरह हम टेटुआन समुद्री लुटेरों के जहाजों के खतरे से बच जाएँगे, जो सूर्यास्त के समय बारबरी से निकलते हैं और सूर्योदय तक स्पेन के तट पर पहुँच जाते हैं, जहाँ वे आमतौर पर कुछ लूट का माल लेकर अपने घरों

में सोने चले जाते हैं। लेकिन इन परस्पर विरोधी सलाहों में से जो सलाह अपनाई गई, वह यह थी कि हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना चाहिए और जहाँ संभव हो, वहाँ उतरना चाहिए, बशर्ते समुद्र शांत हो। ऐसा ही किया गया, और आधी रात से कुछ पहले हम एक विशाल और ऊँचे पहाड़ की तलहटी के पास पहुँच गए, जो समुद्र के इतना करीब नहीं था कि वहाँ उतरने के लिए एक संकीर्ण जगह न बची हो। हमने अपनी नाव को रेत पर चढ़ाया, और हम सब कूदकर बाहर आए और ज़मीन चूमी, और आनंद और संतुष्टि के आँसुओं के साथ, अपनी यात्रा के दौरान हम पर अपनी अतुलनीय कृपा के लिए प्रभु परमेश्वर का धन्यवाद किया। हमने नाव में रखा सारा सामान निकाला, उसे किनारे पर खींचा, और फिर पहाड़ पर काफी ऊपर चढ़ गए, क्योंकि वहाँ भी हमें मन में शांति नहीं मिल रही थी, और हम खुद को यह विश्वास नहीं दिला पा रहे थे कि अब हमारे पैरों के नीचे की ज़मीन ईसाई धरती है।
भोर हुई, शायद हमारी इच्छा से कहीं अधिक धीरे; हमने शिखर तक चढ़ाई पूरी की ताकि देख सकें कि क्या वहाँ से कोई बस्ती या चरवाहों की झोपड़ी दिखाई देती है, लेकिन लाख कोशिश करने पर भी हमें न तो कोई घर, न कोई इंसान, न कोई रास्ता, न कोई सड़क दिखाई दी। फिर भी, हमने आगे बढ़ने का निश्चय किया, क्योंकि यह तय था कि जल्द ही हमें कोई न कोई मिल ही जाएगा जो हमें बता सके कि हम कहाँ हैं। लेकिन सबसे ज्यादा दुख मुझे ज़ोराइडा को उस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलते देखकर हुआ; क्योंकि हालाँकि मैंने एक बार उसे अपने कंधों पर उठाया था, लेकिन वह मेरे आराम से ज्यादा मेरी थकान से परेशान हो गई थी; इसलिए उसने मुझे फिर कभी इतनी मेहनत नहीं करने दी और वह बहुत धैर्य और प्रसन्नता से चलती रही, जबकि मैं उसका हाथ पकड़कर उसे आगे ले जा रहा था। हम अभी एक चौथाई मील से भी कम ही चले थे कि एक छोटी घंटी की आवाज़ हमारे कानों में पड़ी, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण थी कि आस-पास ही भेड़ों के झुंड थे। हमने ध्यान से चारों ओर देखा कि क्या कोई दिखाई दे रहा है, तभी हमने एक युवा चरवाहे को एक कॉर्क के पेड़ के नीचे शांति से और बिना किसी संदेह के अपनी छुरी से एक टहनी काटते हुए देखा। हमने उसे पुकारा, और उसने सिर उठाकर फुर्ती से अपने पैरों पर खड़ा हो गया, क्योंकि जैसा कि हमें बाद में पता चला, सबसे पहले जो उसकी नज़र में आए वे थे धर्मत्यागी और ज़ोराइदा, और उन्हें मूरिश पोशाक में देखकर उसने सोचा कि बारबरी के सभी मूर उस पर हमला करने आ गए हैं; और आश्चर्यजनक तेज़ी से अपने सामने की झाड़ियों में घुसकर, वह ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगा, "मूर - मूर आ गए हैं! हथियार उठाओ,

हथियार उठाओ!" हम सभी इन चीखों से घबरा गए, समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें; लेकिन यह सोचकर कि चरवाहे की चीखें पूरे देश में गूंज उठेंगी और घुड़सवार तटरक्षक दल तुरंत आकर पता लगाएगा कि मामला क्या है, हमने तय किया कि उस भगोड़े को अपने तुर्की वस्त्र उतारकर एक कैदी की जैकेट या कोट पहन लेना चाहिए, जो हमारे दल के एक सदस्य ने उसे तुरंत दे दी, भले ही वह खुद सिर्फ कमीज में रह गया था; और इस तरह ईश्वर के भरोसे हमने उसी रास्ते पर चलना शुरू किया जिस पर चरवाहा चल रहा था, हर पल यह आशंका करते हुए कि तटरक्षक दल हम पर टूट पड़ेगा। और हमारी आशंका गलत साबित नहीं हुई, क्योंकि दो घंटे भी नहीं बीते थे कि झाड़ियों से निकलकर खुले मैदान में आते ही हमने लगभग पचास घुड़सवारों को सरपट दौड़ते हुए हमारी ओर आते देखा। उन्हें देखते ही हम वहीं रुक गए और उनका इंतजार करने लगे; लेकिन जैसे ही वे करीब आए और जिन मूरों की वे तलाश कर रहे थे, उनकी जगह उन्होंने कुछ गरीब ईसाइयों को देखा, वे चौंक गए, और उनमें से एक ने पूछा कि क्या हम ही वह कारण हैं जिसकी वजह से चरवाहे ने हथियार उठाने का आह्वान किया था। मैंने "हाँ" कहा, और जैसे ही मैं उसे यह बताने वाला था कि क्या हुआ था, हम कहाँ से आए थे और हम कौन थे, हमारे दल के ईसाइयों में से एक ने उस घुड़सवार को पहचान लिया जिसने हमसे सवाल पूछा था, और इससे पहले कि मैं कुछ और कह पाता, वह चिल्ला उठा:
"ईश्वर का धन्यवाद, महोदय, कि उन्होंने हमें इतने अच्छे स्थान पर पहुँचाया; क्योंकि, यदि मैं स्वयं को धोखा नहीं दे रहा हूँ, तो जिस भूमि पर हम खड़े हैं वह वेलेज़ मालागा की है, या वास्तव में, मेरी कैद के वर्षों ने मुझे यह याद रखने में असमर्थ बना दिया है कि आप, महोदय, जो हमसे पूछ रहे हैं कि हम कौन हैं, पेड्रो डी बुस्टामेंटे हैं, मेरे चाचा।"
ईसाई कैदी ने अभी ये शब्द कहे ही थे कि घुड़सवार अपने घोड़े से कूद गया और रोते हुए उस युवक को गले लगाने के लिए दौड़ पड़ा:
"मेरे प्राण और आत्मा के भतीजे! अब मैं तुम्हें पहचान गई हूँ; और मैं, मेरी बहन, तुम्हारी माँ और तुम्हारे सभी जीवित रिश्तेदार, जिन्हें ईश्वर ने तुम्हें देखने का सौभाग्य प्रदान करने के लिए सुरक्षित रखा है, तुम्हें मृत मानकर लंबे समय से शोक मना रहे थे। हम बहुत पहले से जानते थे कि तुम अल्जीयर्स में थे, और तुम्हारे और इस समूह के सभी लोगों के वस्त्रों को देखकर मैं यह निष्कर्ष निकालती हूँ कि तुम्हें चमत्कारिक रूप से स्वतंत्रता प्राप्त हुई है।"

“यह सच है,” युवक ने उत्तर दिया, “और हम आपको थोड़ी देर में सब कुछ बता देंगे।”
जैसे ही घुड़सवारों को पता चला कि हम ईसाई कैदी हैं, वे अपने घोड़ों से उतर गए और हमें वेलेज़ मालागा शहर तक ले जाने के लिए अपना-अपना घोड़ा देने को तैयार हो गए, जो डेढ़ मील दूर था। उनमें से कुछ नाव लाने के लिए शहर गए, क्योंकि हमने उन्हें बता दिया था कि हमने उसे कहाँ छोड़ा था; बाकी हमें अपने पीछे ले गए और ज़ोराइडा को युवक के चाचा के घोड़े पर बिठा दिया गया। पूरा शहर हमारा स्वागत करने के लिए बाहर आ गया, क्योंकि तब तक उन्हें हमारे आने की खबर एक ऐसे व्यक्ति से मिल चुकी थी जो पहले ही आगे जा चुका था। वे मुक्त कैदियों या कैदी मूरों को देखकर आश्चर्यचकित नहीं हुए, क्योंकि उस तट के लोग दोनों को देखने के आदी थे; लेकिन वे ज़ोराइडा की सुंदरता पर चकित थे, जो उस समय यात्रा की थकान और ईसाई धरती पर पहुँचकर खो जाने के डर से मुक्त होकर और भी निखर गई थी। इससे उसके चेहरे पर ऐसी आभा आ गई थी कि अगर मेरा स्नेह मुझे धोखा न दे रहा हो, तो मैं यह कहने का साहस कर सकता हूँ कि दुनिया में उससे अधिक सुंदर प्राणी कोई नहीं है—कम से कम, जितना मैंने कभी देखा है। हम ईश्वर की कृपा के लिए धन्यवाद देने सीधे चर्च गए, और जब ज़ोराइडा अंदर गई तो उसने कहा कि वहाँ लीला मारियन जैसे चेहरे हैं। हमने उसे बताया कि वे उसकी छवियाँ हैं; और उस धर्मत्यागी ने अपनी पूरी क्षमता से उसे उनका अर्थ समझाया, ताकि वह उनकी पूजा करे मानो उनमें से प्रत्येक वही लीला मारियन हो जिसने उससे बात की थी; और वह, अपनी तीव्र बुद्धि और तेज और स्पष्ट अंतर्ज्ञान के कारण, उसके द्वारा कही गई सभी बातों को तुरंत समझ गई। फिर वे हमें वहाँ से ले गए और शहर के अलग-अलग घरों में बाँट दिया; लेकिन धर्मत्यागी, ज़ोराइडा और मुझे, हमारे साथ आए ईसाई ने अपने माता-पिता के घर पहुँचाया, जो धन-दौलत से संपन्न थे, और उन्होंने हमारे साथ उतना ही स्नेह से व्यवहार किया जितना वे अपने बेटे के साथ करते थे।
हम वेलेज़ में छह दिन रहे, जिसके अंत में उस धर्मत्यागी ने अपने लिए आवश्यक सभी जानकारी प्राप्त कर ली और पवित्र धर्मसभा के माध्यम से चर्च की शरण में पुनः प्रवेश करने के लिए ग्रेनाडा शहर के लिए प्रस्थान किया। अन्य रिहा किए गए कैदी अपने-अपने रास्ते चले गए, हर कोई उस रास्ते पर जो उसे सबसे अच्छा लगा, और ज़ोराइडा और मैं अकेले रह गए, हमारे पास फ्रांसीसी व्यक्ति की कृपा से ज़ोराइडा को दिए गए मुकुटों के अलावा कुछ नहीं था,

जिनसे मैंने वह घोड़ा खरीदा जिस पर वह सवारी करती है; और, मैं फिलहाल उसके पिता और सहायक के रूप में उसके साथ हूँ, न कि उसके पति के रूप में, अब हम यह पता लगाने जा रहे हैं कि मेरे पिता जीवित हैं या मेरे किसी भाई का भाग्य मुझसे बेहतर रहा है; हालाँकि, ईश्वर ने मुझे ज़ोराइडा का साथी बनाया है, मुझे लगता है कि इससे बेहतर भाग्य मुझे किसी और से नहीं मिल सकता, चाहे वह कितना भी सुखद क्यों न हो। जिस धैर्य से वह गरीबी की कठिनाइयों को सहती है, और ईसाई बनने की जो उत्सुकता वह दिखाती है, वह मुझे प्रशंसा से भर देती है और मुझे जीवन भर उसकी सेवा करने के लिए बाध्य करती है; हालांकि, खुद को उसका और उसे अपना समझने की खुशी इस बात से कम हो जाती है कि क्या मुझे अपने देश में उसे आश्रय देने के लिए कोई जगह मिलेगी, या समय और मृत्यु ने मेरे पिता और भाइयों के भाग्य और जीवन में ऐसे बदलाव तो नहीं ला दिए हैं कि अगर वे जीवित नहीं हैं तो मुझे पहचानने वाला शायद ही कोई बचेगा।
महोदय, अब मुझे अपनी कहानी का और कोई हिस्सा आपको नहीं सुनाना है; यह दिलचस्प है या विचित्र, इसका निर्णय आप अपने विवेक से करें; मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि मैं इसे आपको संक्षेप में सुनाना चाहता था; हालाँकि आपको उबाऊ लगने के डर से मैंने एक से अधिक घटनाएँ छोड़ दी हैं।

42

अध्याय
इसमें सराय में आगे जो कुछ हुआ और कई अन्य जानने योग्य बातों का वर्णन है। इन शब्दों के साथ ही बंदी चुप हो गया, और डॉन फर्नांडो ने उससे कहा, "सचमुच, कप्तान, जिस तरह से आपने इस असाधारण घटना का वर्णन किया है, वह इस मामले की नवीनता और विचित्रता के अनुरूप है। पूरी कहानी अनोखी और असाधारण है, और इसमें ऐसी घटनाएं हैं जो सुनने वालों को आश्चर्य और विस्मय से भर देती हैं; और इसे सुनने में हमें इतना आनंद आया है कि अगर यह फिर से शुरू हो जाए तो हमें खुशी होगी, भले ही कल हम उसी कहानी में व्यस्त हों।" और जब वह यह कह रहा था, कार्डेनियो और बाकी लोगों ने उसकी हर संभव मदद करने की पेशकश की, और इतने विनम्र और सच्चे शब्दों में कि कप्तान उनकी सद्भावना से बहुत प्रसन्न हुआ। विशेष रूप से डॉन फर्नांडो ने पेशकश की, यदि वह उसके साथ वापस जाए, तो वह अपने भाई मार्क्विस को ज़ोराइडा के बपतिस्मा में धर्मपिता बनने के लिए राजी करेगा, और अपनी ओर से उसे अपने देश में सम्मान और सुख-सुविधा के साथ प्रवेश करने के लिए सभी साधन उपलब्ध कराएगा, जिसका वह हकदार है। इन सबके लिए कैदी ने अत्यंत विनम्रतापूर्वक धन्यवाद दिया, हालांकि उसने उनके किसी भी उदार प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।
इस समय तक रात हो चुकी थी, और जैसे ही रात हुई, कुछ घुड़सवारों से भरी एक गाड़ी सराय के पास आई और उन्होंने रहने की जगह मांगी; जिस पर सराय की मालकिन ने जवाब दिया कि पूरी सराय में एक हाथ की चौड़ाई जितनी जगह भी खाली नहीं थी।
"फिर भी, इन सब बातों के बावजूद," घुड़सवारी करते हुए प्रवेश करने वालों में से एक ने कहा, "यहाँ माननीय न्यायाधीश के लिए जगह अवश्य मिलनी चाहिए।" यह नाम सुनकर मकान मालकिन चौंक गई और बोली, "महोदय, असल बात तो यह है कि मेरे पास बिस्तर नहीं हैं; लेकिन अगर माननीय न्यायाधीश अपने साथ बिस्तर लेकर आए हैं, जैसा कि निश्चित रूप से वे लाए होंगे, तो कृपया अंदर आएं और हमारा स्वागत है; क्योंकि मेरे पति और मैं उनके लिए अपना कमरा खाली कर देंगे।"
“बहुत अच्छा, ऐसा ही हो,” जमींदार ने कहा; लेकिन इसी बीच एक आदमी गाड़ी से उतरा, जिसके पहनावे से ही उसके पद और ओहदे का पता चल गया। झालरदार आस्तीनों

वाला लंबा चोगा यह दर्शाता था कि जैसा उसके नौकर ने बताया, वह अपील का न्यायाधीश था। वह यात्रा के कपड़ों में सजी एक युवती का हाथ पकड़े हुए था, जिसकी उम्र लगभग सोलह वर्ष थी। वह इतनी संभ्रांत, सुंदर और आकर्षक थी कि जब वह सामने आई तो सभी उसकी प्रशंसा करने लगे। यदि उन्होंने सराय में मौजूद डोरोथिया, लुसिंडा और ज़ोराइडा को न देखा होता, तो वे सोचते कि ऐसी सुंदरता मिलना दुर्लभ है। डॉन क्विक्सोट उस युवती के साथ न्यायाधीश के प्रवेश द्वार पर उपस्थित थे, और जैसे ही उन्होंने न्यायाधीश को देखा, उन्होंने कहा, "महाराज, निश्चिंत होकर इस महल में प्रवेश करें और विश्राम करें; क्योंकि भले ही यहाँ रहने की जगह कम और सामर्थ्यपूर्ण हो, कोई भी कमरा इतना तंग या असुविधाजनक नहीं होता कि उसमें शस्त्र और विद्या के लिए जगह न हो; सबसे बढ़कर, यदि शस्त्र और विद्या का मार्गदर्शक और नेतृत्व सौंदर्य करता है, जैसा कि इस सुंदर कन्या में विद्या का है, जिसके लिए न केवल महल अपने द्वार खोलकर स्वयं को प्रकट कर दें, बल्कि चट्टानें भी टूटकर अलग हो जाएं और पहाड़ भी झुककर उसका स्वागत करें। महाराज, मैं कहता हूँ, इस स्वर्ग में प्रवेश करें, क्योंकि यहाँ आपको वे तारे और सूर्य मिलेंगे जो आपके द्वारा लाए गए स्वर्ग का साथ देंगे, यहाँ आपको शस्त्र अपने चरम पर और सौंदर्य अपने उच्चतम रूप में मिलेगा।"
न्यायाधीश डॉन क्विक्सोट की भाषा सुनकर अचंभित रह गए। उन्होंने डॉन क्विक्सोट का बहुत ध्यान से अवलोकन किया, उनकी वाणी के साथ-साथ उनके कद-काठी से भी वे चकित थे। इससे पहले कि वे कुछ कह पाते, उन्हें एक और आश्चर्य हुआ जब उन्होंने अपने सामने लुसिंडा, डोरोथिया और ज़ोराइडा को देखा, जो नए अतिथियों और युवती की सुंदरता के बारे में सुनकर उससे मिलने और उसका स्वागत करने आई थीं। हालांकि, डॉन फर्नांडो, कार्डेनियो और पादरी ने उनका अभिवादन अधिक सुबोध और सभ्य भाषा में किया। संक्षेप में, न्यायाधीश ने जो देखा और सुना, दोनों से ही व्याकुल होकर प्रवेश किया, और सराय की सुंदर महिलाओं ने युवती का हार्दिक स्वागत किया। कुल मिलाकर, वे समझ गए थे कि वहाँ उपस्थित सभी लोग उच्च वर्ग के थे; लेकिन डॉन क्विक्सोट के कद-काठी, चेहरे और हाव-भाव को देखकर वे पूरी तरह से व्याकुल हो गए। सभी शिष्टाचारों का आदान-प्रदान हो जाने और सराय की सुविधाओं के बारे में पूछताछ करने के बाद, पहले की तरह ही यह तय किया गया कि सभी महिलाएं पहले से उल्लिखित अटारी में चली जाएंगी और पुरुष उनकी सुरक्षा के लिए बाहर ही रहेंगे; इसलिए

न्यायाधीश ने अपनी बेटी को, जो उनकी बेटी ही थी, महिलाओं के साथ जाने की अनुमति देने में कोई संकोच नहीं किया, और वह सहर्ष चली गई; और मेजबान के संकरे बिस्तर के एक हिस्से और न्यायाधीश द्वारा लाए गए आधे सामान के साथ, उन्होंने रात के लिए अपेक्षा से अधिक आरामदायक व्यवस्था की।
कैदी का दिल न्यायाधीश को देखते ही उछल पड़ा था, उसे किसी तरह यकीन हो गया था कि यह उसका भाई है। उसने अपने साथ आए एक नौकर से उसका नाम और देश के किस हिस्से से आया है, यह पूछा। नौकर ने बताया कि उसका नाम लाइसेंसधारी जुआन पेरेज़ डी विएडमा है और उसने सुना है कि वह लियोन के पहाड़ों के एक गाँव से आया है। इस कथन और अपने स्वयं के दृश्य से उसे पूरा विश्वास हो गया कि यह उसका भाई है जिसने अपने पिता की सलाह पर पढ़ाई-लिखाई अपना ली है। उत्साहित और प्रसन्न होकर उसने डॉन फर्नांडो, कार्डेनियो और पादरी को एक तरफ बुलाया और उन्हें सारी बात बताई, और उन्हें यकीन दिलाया कि न्यायाधीश उसका भाई है। नौकर ने उसे यह भी बताया कि वह अब मैक्सिको के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होकर इंडीज़ जा रहा है; और उसे यह भी पता चला है कि वह युवती उसकी बेटी है, जिसकी माँ की प्रसव के दौरान मृत्यु हो गई थी, और बेटी के साथ मिले दहेज के कारण वह बहुत धनी है। उसने उनसे सलाह मांगी कि उसे खुद को लोगों के सामने लाने के लिए क्या तरीका अपनाना चाहिए, या पहले से यह पता लगाना चाहिए कि जब वह खुद को लोगों के सामने ला देगा, तो उसका भाई उसे इतना गरीब देखकर उससे शर्मिंदा होगा या गर्मजोशी से उसका स्वागत करेगा।
"यह पता लगाने का काम मुझ पर छोड़ दीजिए," पादरी ने कहा; "हालांकि, माननीय कप्तान, यह मानने का कोई कारण नहीं है कि आपका स्वागत नहीं किया जाएगा, क्योंकि आपके भाई के आचरण से जो योग्यता और बुद्धिमत्ता झलकती है, उससे यह संभावना नहीं है कि वह अभिमानी या असंवेदनशील साबित होंगे, या यह कि वह भाग्य के उतार-चढ़ाव का सही आकलन करना नहीं जानते होंगे।"
कप्तान ने कहा, "फिर भी, मैं अचानक से अपनी पहचान प्रकट नहीं करूंगा, बल्कि किसी अप्रत्यक्ष तरीके से करूंगा।"
"मैंने आपको पहले ही बता दिया है," पादरी ने कहा, "कि मैं इसे इस तरह से प्रबंधित करूंगा जिससे हम सभी संतुष्ट हों।"

तब तक रात का खाना तैयार हो चुका था, और कैदी और महिलाओं को छोड़कर, जो अपने कमरे में अकेले भोजन कर रही थीं, बाकी सभी मेज पर बैठ गए। भोजन के बीच में पादरी ने कहा:
"कॉन्स्टेंटिनोपल में, जहाँ मैं कई वर्षों तक बंदी रहा, मेरा एक साथी था जिसका नाम आपके नाम पर ही था, सेनोर जज, और वह साथी पूरी स्पेनिश पैदल सेना में सबसे बहादुर सैनिकों और कप्तानों में से एक था; लेकिन उसे वीरता और साहस के साथ-साथ दुर्भाग्य का भी उतना ही बड़ा हिस्सा मिला था।"
"और कप्तान का क्या नाम था, महोदय?" न्यायाधीश ने पूछा।
“उनका नाम रूय पेरेज़ डी विएडमा था,” पादरी ने उत्तर दिया, “उनका जन्म लियोन के पहाड़ों में बसे एक गाँव में हुआ था; उन्होंने अपने पिता और भाइयों से जुड़ी एक ऐसी घटना का जिक्र किया, जिसे अगर उनके जैसे सच्चे व्यक्ति ने मुझे न बताया होता, तो मैं उसे सर्दियों में आग के पास बैठकर सुनाने वाली बूढ़ी औरतों की कहानियों में से एक मान लेता; क्योंकि उन्होंने कहा कि उनके पिता ने अपनी संपत्ति अपने तीन बेटों में बाँट दी थी और उन्हें कैटो की सलाह से भी कहीं बेहतर सलाह दी थी। लेकिन मैं इतना कह सकता हूँ कि युद्ध में जाने का उनका निर्णय इतना सफल रहा कि अपने वीर आचरण और साहस के बल पर, और केवल अपनी योग्यता के बल पर, वे कुछ ही वर्षों में पैदल सेना के कप्तान बन गए, और जल्द ही उन्हें एक कोर की कमान सौंपे जाने की स्थिति में पहुँच गए; लेकिन भाग्य उनके विरुद्ध था, क्योंकि जहाँ उन्हें भाग्य की कृपा की उम्मीद थी, वहाँ उन्होंने उसे खो दिया, और उसके साथ ही अपनी स्वतंत्रता भी, उस गौरवशाली दिन जब कई लोगों ने लेपैंटो के युद्ध में अपनी स्वतंत्रता वापस पाई। मैंने अपनी स्वतंत्रता खो दी थी... गोलेटा में कई रोमांचक घटनाओं के बाद, हम कॉन्स्टेंटिनोपल में साथी बन गए। फिर वह अल्जीयर्स गया, जहाँ उसके साथ दुनिया के सबसे असाधारण अनुभवों में से एक घटित हुआ।
यहां पादरी ने अपने भाई और ज़ोराइडा के साहसिक कारनामे का संक्षेप में वर्णन किया; न्यायाधीश ने इसे इतनी ध्यान से सुना कि उन्होंने पहले कभी इतना ध्यान नहीं दिया था। हालांकि, पादरी ने केवल इतना ही बताया कि कैसे फ्रांसीसियों ने नाव में सवार लोगों को लूटा, और उनके साथी और सुंदर मूर महिला को किस गरीबी और संकट में छोड़ दिया गया था, जिनके बारे में उन्होंने

संतुष्टि के साथ नहीं जिसके साथ मैंने इसे शुरू किया था, बल्कि गहरी उदासी और दुख के साथ। हे प्यारे भाई! काश मुझे पता होता कि तुम अब कहां हो। और मैं तुम्हें ढूंढने और तुम्हारे कष्टों से मुक्ति दिलाने के लिए तुरंत आऊंगा, चाहे इसके लिए मुझे स्वयं कष्ट सहना पड़े! काश, मैं अपने बूढ़े पिता को यह खबर दे पाता कि तुम जीवित हो, चाहे तुम बारबरी की सबसे गहरी कालकोठरी में ही क्यों न हो; क्योंकि उनकी, मेरे भाई की और मेरी सारी दौलत तुम्हें वहाँ से छुड़ा लेगी! हे सुंदर और उदार ज़ोराइडा, काश मैं एक भाई के प्रति तुम्हारी इस भलाई का बदला चुका पाता! काश मैं तुम्हारी आत्मा के पुनर्जन्म और तुम्हारे विवाह के समय उपस्थित हो पाता, जो हम सभी को इतनी खुशी देगा!
अपने भाई के निधन की खबर सुनकर न्यायाधीश ने ये सब बातें और भी बहुत कुछ इतनी गहरी भावना से कही कि उन्हें सुनने वाले सभी लोग उनके दुख में शामिल हो गए और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की। पादरी ने देखा कि वह अपने उद्देश्य और कप्तान की इच्छाओं को पूरा करने में कितना सफल रहा है, इसलिए वह उन्हें और दुखी नहीं रखना चाहता था। वह मेज से उठा और ज़ोराइडा के कमरे में जाकर उसका हाथ पकड़ लिया। उसके पीछे-पीछे लुसिंडा, डोरोथिया और न्यायाधीश की बेटी भी चली गईं। कप्तान यह देखने के लिए प्रतीक्षा कर रहा था कि पादरी क्या करेगा, तभी पादरी ने दूसरे हाथ से उसका हाथ थामकर उन दोनों को न्यायाधीश और अन्य सज्जनों के पास ले जाकर कहा, "माननीय न्यायाधीश महोदय, अपने आँसू रोक लीजिए और अपने हृदय की इच्छा पूरी तरह से संतुष्ट कीजिए, क्योंकि आपके सामने आपके योग्य भाई और आपकी नेक भाभी हैं। जिन्हें आप यहाँ देख रहे हैं, वे कप्तान विएडमा हैं, और यह वही सुंदर मूर हैं जिन्होंने उन पर इतनी कृपा की है। जिन फ्रांसीसियों के बारे में मैंने आपको बताया था, उन्होंने उन्हें इस निर्धनता की स्थिति में पहुँचा दिया है ताकि आप अपने दयालु हृदय की उदारता दिखा सकें।"
कप्तान अपने भाई को गले लगाने के लिए दौड़ा, जिसने उसे अच्छी तरह से देखने के लिए अपने दोनों हाथ अपनी छाती पर रखे, उसे थोड़ी दूरी पर रोके रखा, लेकिन जैसे ही उसने उसे पूरी तरह से पहचान लिया, उसने उसे इतनी कसकर बाहों में भर लिया कि हार्दिक खुशी के आँसू बहने लगे, और वहाँ मौजूद अधिकांश लोग भी उनके साथ बहने से खुद को रोक नहीं पाए। भाइयों के बीच हुई बातचीत और उनके द्वारा दिखाए गए भावों की कल्पना करना मुश्किल है, और उन्हें शब्दों

में बयां करना तो और भी मुश्किल है। उन्होंने कुछ ही शब्दों में एक-दूसरे को अपने जीवन की घटनाओं के बारे में बताया; उन्होंने भाइयों के सच्चे स्नेह को उसकी पूरी शक्ति में दिखाया; फिर न्यायाधीश ने ज़ोराइडा को गले लगाया, और अपना सब कुछ उसके लिए समर्पित कर दिया; फिर उसने अपनी बेटी को भी उसे गले लगाने के लिए कहा, और सुंदर ईसाई और प्यारे मूर ने सभी की आँखों से नए आँसू बहा दिए। और वहाँ डॉन क्विक्सोट बिना एक शब्द बोले इन सभी विचित्र घटनाओं को ध्यान से देख रहा था, और इन सब को शूरवीरता की कल्पना मान रहा था। तब वे इस बात पर सहमत हुए कि कप्तान और ज़ोराइडा अपने भाई के साथ सेविले लौट जाएँ और उसके पिता को उसके छुड़ाए जाने और मिल जाने की खबर भेज दें, ताकि वे ज़ोराइडा के विवाह और बपतिस्मा में शामिल हो सकें। न्यायाधीश के लिए अपनी यात्रा टालना असंभव था, क्योंकि उन्हें बताया गया था कि एक महीने बाद बेड़ा सेविले से न्यू स्पेन के लिए रवाना होने वाला था और अगर वे यात्रा चूक जाते तो उन्हें बहुत असुविधा होती। संक्षेप में, सभी लोग बंदी के सौभाग्य से बहुत प्रसन्न और खुश थे; और चूंकि अब लगभग दो-तिहाई रात बीत चुकी थी, इसलिए उन्होंने शेष समय आराम करने का निर्णय लिया। डॉन क्विक्सोट ने किले की रखवाली करने की पेशकश की ताकि उन पर किसी राक्षस या अन्य दुष्ट व्यक्ति द्वारा हमला न हो जाए, जो किले में मौजूद सौंदर्य के विशाल खजाने पर लालच करता हो। जो लोग उसे समझते थे, उन्होंने इस सेवा के लिए उसे धन्यवाद दिया और न्यायाधीश को उसके असाधारण हास्य के बारे में बताया, जिससे न्यायाधीश बहुत खुश हुए। केवल सांचो पांजा ही देर से सोने जाने पर क्रोधित हो रहा था; और वही सबसे अधिक आरामदायक स्थिति में था, क्योंकि वह अपने गधे के साज-सामान पर लेट गया था, जिसके बारे में आगे बताया जाएगा कि वह उसे इतना महंगा पड़ा था।
महिलाओं के अपने कमरों में चले जाने और बाकी लोगों के यथासंभव कम से कम असुविधा के साथ आराम करने के बाद, डॉन क्विक्सोट अपने वादे के मुताबिक महल के पहरेदार के रूप में काम करने के लिए सराय से बाहर निकल पड़ा। तभी भोर होने से कुछ ही देर पहले, महिलाओं के कानों में एक इतनी मधुर और सुरीली आवाज़ पड़ी कि वे सब ध्यान से सुनने को मजबूर हो गईं, खासकर डोरोथिया, जो जाग रही थी और जिसके बगल में न्यायाधीश की बेटी डोना क्लारा डी विएडमा सो रही थी। कोई भी यह कल्पना नहीं कर सकता था कि इतनी मधुर आवाज़ में कौन गा रहा था, और आवाज़ में किसी वाद्य यंत्र का साथ नहीं था। एक पल उन्हें लगा

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible]

43

अध्याय
इसमें खच्चर चालक की मनोरंजक कहानी के साथ-साथ सराय में घटी अन्य विचित्र घटनाओं का भी वर्णन है।
{श्लोक
आह, मैं प्रेम का नाविक हूँ
प्रेम के गहरे सागर में नौकायन पर;
मुझे नहीं पता कि आश्रय स्थल कहाँ है।
मुझे इसे हासिल करने की कोई उम्मीद नहीं है।
एक अकेला दूर का तारा
क्या यही एकमात्र चीज है जो मुझे मार्गदर्शन प्रदान करती है? पुराने गोलों की तुलना में अधिक चमकीला गोला
वह पैलिनुरस जल उठा।
और मैं अस्पष्ट रूप से बहता हुआ आगे बढ़ रहा हूँ,
मुझे नहीं पता कि यह मुझे कहाँ ले जाएगा;
मैं अपनी निगाहें सिर्फ उसी पर टिकाए रखता हूँ।
इसके अलावा बाकी सब बातों से बेखबर।
लेकिन अत्यधिक सावधानी और संकोच,
और शर्मिंदगी ठंडी और क्रूर होती है,
जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब ये, बादलों की तरह, इसकी प्रतीक्षित रोशनी मुझे नहीं मिली।
उज्ज्वल तारा, मेरी तरसती आँखों का लक्ष्य
जैसे तुम मेरे ऊपर प्रकाश बिखेरते हो,
जब तू मेरी दृष्टि से छिप जाएगा
मुझे पता चल जाएगा कि मृत्यु मेरे निकट है।
{श्लोक
गायिका ने इतना गा लिया था कि डोरोथिया को अचानक याद आया कि क्लारा को इतनी मधुर आवाज सुनने से वंचित रखना उचित नहीं होगा, इसलिए उसने उसे करवट से हिलाकर जगाया और कहा:

"मुझे क्षमा करें, बच्चे, तुम्हें जगाने के लिए, लेकिन मैं ऐसा इसलिए कर रहा हूँ ताकि तुम्हें अपने जीवन में शायद सबसे बेहतरीन आवाज सुनने का सौभाग्य प्राप्त हो सके।"
क्लारा नींद से जाग उठी, और उस समय डोरोथिया की बात न समझ पाने के कारण उसने उससे पूछा; डोरोथिया ने अपनी बात दोहराई, और क्लारा तुरंत चौकस हो गई; लेकिन गायिका के गाते रहने के दौरान उसने मुश्किल से दो पंक्तियाँ ही सुनी थीं कि उसे एक अजीब सी कंपकंपी आ गई, मानो उसे बुखार का गंभीर दौरा पड़ गया हो, और डोरोथिया को बाहों में भरते हुए उसने कहा:
"आह, मेरी आत्मा और जीवन की प्रिय देवी! तुमने मुझे क्यों जगाया? अब भाग्य मेरे लिए सबसे बड़ी कृपा यही कर सकता है कि मैं अपनी आँखें और कान बंद कर लूँ ताकि उस अभागे संगीतकार को न देखूँ और न सुनूँ।"
"तुम क्या कह रही हो, बच्ची?" डोरोथिया ने कहा। "अरे, लोग कहते हैं कि यह गायक खच्चर चालक है!"
"नहीं, वह अनेक स्थानों का स्वामी है," क्लारा ने उत्तर दिया, "और मेरे हृदय में जो स्थान उसने इतनी दृढ़ता से धारण किया है, वह उससे कभी नहीं छीना जाएगा, जब तक कि वह स्वयं उसे त्यागने के लिए तैयार न हो जाए।"
डोरोथिया उस लड़की की जोशीली भाषा से चकित थी, क्योंकि ऐसा लग रहा था कि यह उसके कम उम्र के जीवन के अनुभव से कहीं आगे थी, इसलिए उसने उससे कहा:
"आप जिस तरह से बोल रही हैं, मुझे समझ नहीं आ रहा, महोदया क्लारा; कृपया स्पष्ट रूप से समझाएं और बताएं कि आप दिलों, जगहों और उस संगीतकार के बारे में क्या कह रही हैं, जिसकी आवाज़ ने आपको इतना प्रभावित किया है? लेकिन अभी कुछ मत बताइए; मैं गायक को सुनने से मिलने वाले आनंद को आपके भावों में बहलाकर खोना नहीं चाहती, क्योंकि मुझे लगता है कि वह एक नया स्वर और नई धुन गाने लगे हैं।"
"भगवान के नाम पर, उसे गाने दो," क्लारा ने जवाब दिया; और उसकी बात न सुनने के लिए उसने अपने दोनों कान हाथों से बंद कर लिए, जिससे डोरोथिया फिर से हैरान हो गई; लेकिन गीत पर ध्यान देते हुए उसने पाया कि वह इस प्रकार था: {श्लोक
स्वीट होप, मेरा प्रवास,
अपने इच्छित लक्ष्य की ओर आगे बढ़ो
अपना रास्ता बनाओ,

किसी भी बाधा या रुकावट की परवाह किए बिना,
डरो मत
यदि तुम्हें हर कदम पर मृत्यु निकट दिखाई दे।
कोई जीत नहीं,
कमजोर हृदय को विजय का आनंद नहीं मिलता;
वह अभागा है
फॉर्च्यून पत्रिका के सामने एक साहसी चेहरा दिखाने की हिम्मत नहीं करता, लेकिन आत्मा और भावना
गुलामी में रहने से आलस्य की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।
अगर प्यार उसके सामान को पसंद करता है
भले ही वह महंगे दामों पर बिके, उसके अधिकार पर विवाद होना चाहिए;
सोने की तुलना किससे की जा सकती है?
जिस पर उसने अपनी मुहर लगाई है?
और सभी पुरुष जानते हैं
जो चीज सस्ती होती है, हम उसे कम महत्व देते हैं।
दृढ़ प्रेम
वह "असंभव" शब्द को नहीं जानता;
और हालाँकि मेरा सूट
मुझे अनगिनत बाधाओं से घिरा हुआ दिख रहा है।
फिर भी निराशा नहीं
जब तक स्वर्ग रहेगा, यह मुझे पृथ्वी से बांधे रखेगा।
{श्लोक
यहाँ आवाज रुक गई और क्लारा फिर से सिसकने लगी, जिससे डोरोथिया की जिज्ञासा और बढ़ गई कि इतनी मधुर गायन और इतने कर्कश रोने का कारण क्या हो सकता है, इसलिए उसने फिर से उससे पूछा कि वह पहले क्या कहना चाहती थी। इस पर क्लारा, इस डर से कि लुसिंडा उसकी बात सुन न ले, डोरोथिया को अपनी बाहों में कसकर जकड़ लिया और अपना मुँह उसके कान के इतने करीब ले गई कि वह किसी और के सुनने के डर के बिना बोल सके, और बोली:
"प्रिय महोदया, यह गायक आरागॉन के एक सज्जन का पुत्र है, जो दो गांवों का स्वामी है और मैड्रिड में मेरे पिता के घर के सामने रहता है; और यद्यपि मेरे पिता सर्दियों में अपने घर की खिड़कियों पर पर्दे और गर्मियों में

बढ़कर, जब भी मैं उसे देखती हूँ या उसे गाते हुए सुनती हूँ, मेरा शरीर काँप उठता है, और मुझे डर लगता है कि कहीं मेरे पिता उसे पहचान न लें और हमारे प्रेम के बारे में जान न लें। मैंने अपने जीवन में उससे कभी एक शब्द भी नहीं कहा; और फिर भी मैं उससे इतना प्यार करती हूँ कि उसके बिना जी नहीं सकती। प्रिय महोदया, संगीतकार के बारे में मुझे बस इतना ही बताना है, जिसकी आवाज़ ने आपको इतना आनंदित किया है; और इससे आप आसानी से समझ जाएँगी कि वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं है, बल्कि दिलों और शहरों का स्वामी है, जैसा कि मैंने आपको पहले ही बताया है।
"और कुछ मत कहो, डोना क्लारा," डोरोथिया ने यह कहते हुए, साथ ही उसे हज़ार बार चूमा, "और कुछ मत कहो, मैं तुमसे कहती हूँ, बस उस दिन का इंतज़ार करो; जब मुझे ईश्वर पर भरोसा है कि वह तुम्हारे इस मामले को इस तरह सुलझाएगा कि इसका सुखद अंत हो, जैसा कि इस मासूम शुरुआत के लिए उचित है।"
"आह, महोदया," डोना क्लारा ने कहा, "जब उसके पिता इतने ऊंचे ओहदे के और इतने धनी हैं कि वे मुझे अपने बेटे की नौकरानी बनने के भी लायक नहीं समझते, पत्नी बनना तो दूर की बात है, तो भला इसका क्या अंजाम हो सकता है? और अपने पिता की जानकारी के बिना शादी करने की बात तो मैं दुनिया के किसी भी कीमत पर नहीं करूंगी। मैं बस यही चाहती हूं कि यह युवक वापस चला जाए और मुझे छोड़ दे; शायद उसे न देखने और लंबी दूरी तय करने से मेरा दर्द कुछ कम हो जाए; हालांकि मुझे यकीन है कि मेरे सुझाए उपाय से मुझे कोई खास फायदा नहीं होगा। मुझे नहीं पता कि ये सब कैसे हो गया या मेरे मन में उसके लिए ये प्यार कैसे पैदा हो गया; मैं इतनी छोटी लड़की हूं और वह इतना छोटा लड़का; क्योंकि मुझे पूरा यकीन है कि हम दोनों बालिग हैं, और मैं अभी सोलह साल की भी नहीं हुई हूं; मेरे पिता कहते हैं कि मैं अगले माइकलमास के दिन सोलह साल की हो जाऊंगी।"
डोना क्लारा जिस तरह बच्चों की तरह बोल रही थी, उसे सुनकर डोरोथिया अपनी हंसी नहीं रोक पाई। उसने कहा, "अब सो जाइए, महोदया, क्योंकि रात का जो थोड़ा सा हिस्सा बचा है, उतना ही बचा है: भगवान जल्द ही हमें उजाला भेजेंगे, और हम सब कुछ ठीक कर लेंगे, वरना मेरे लिए बहुत मुश्किल हो जाएगा।"
इसके साथ ही वे सो गए, और पूरे सराय में गहरी शांति छा गई। केवल सराय की मालकिन की बेटी और उसकी नौकरानी मैरिटोर्न्स ही नहीं सो रही थीं। वे डॉन क्विक्सोट के मिजाज की कमजोरी को जानती थीं, और यह भी कि वह सराय के बाहर

कवच पहने घोड़े पर सवार होकर पहरा दे रहा था, इसलिए उन्होंने उस पर कोई शरारत करने का फैसला किया, या कम से कम कुछ देर के लिए उसकी बकवास सुनकर अपना मनोरंजन करने का सोचा। संयोग से, पूरी सराय में बाहर की ओर खुलने वाली कोई खिड़की नहीं थी, सिवाय एक भूसे के गोदाम की दीवार में बने छेद के, जिससे वे भूसा बाहर फेंकते थे। दोनों युवतियां इसी छेद पर बैठ गईं और डॉन क्विक्सोट को अपने घोड़े पर, अपने भाले पर झुके हुए, समय-समय पर इतनी गहरी और दुख भरी आहें भरते हुए देखा, मानो वह हर आह के साथ अपनी आत्मा को जड़ से उखाड़ रहा हो; और वे उसे कोमल, स्नेहपूर्ण और प्रेम भरे स्वर में कहते हुए सुन सकते थे, "हे मेरी देवी डुलसीनिया डेल टोबोसो, समस्त सौंदर्य की परिपूर्णता, विवेक की शिखर और मुकुट, अनुग्रह का भंडार, सद्गुणों की संरक्षिका, और अंततः, इस संसार में जो कुछ भी अच्छा, सम्माननीय और आनंददायक है, उसकी आदर्श! हे कृपा, अब तुम क्या कर रही हो? क्या तुम अपने उस दास योद्धा को याद कर रही हो जिसने अपनी इच्छा से इतने बड़े खतरों का सामना किया है, और वह भी तुम्हारी सेवा के लिए? मुझे उसके बारे में समाचार दो, हे तीन मुखों वाले प्रकाशमान! शायद इस समय, उससे ईर्ष्या करते हुए, तुम उसे देख रही हो, या तो जब वह अपने भव्य महलों की किसी गैलरी में टहल रही हो, या किसी बालकनी पर झुकी हुई, यह सोच रही हो कि कैसे, अपनी पवित्रता और महानता को बनाए रखते हुए, वह मेरे इस दुखी हृदय को उसके लिए सहन हो रही पीड़ाओं को कम कर सकती है, मेरे कष्टों का प्रतिफल क्या महिमा हो, मेरे परिश्रम को क्या विश्राम मिले, और अंत में मेरी मृत्यु कैसी हो।" जीवन, और मेरी सेवाओं का क्या प्रतिफल? और हे सूर्य, जो अब निस्संदेह अपने घोड़ों को जल्दी तैयार कर रहे हो ताकि सुबह जल्दी उठकर मेरी प्रेमिका से मिलने आ सको; जब तुम उसे देखो, तो मैं तुमसे विनती करती हूँ कि मेरी ओर से उसे प्रणाम करना: परन्तु जब तुम उसे देखो और प्रणाम करो, तो ध्यान रखना कि उसके चेहरे को मत चूमना; क्योंकि मैं तुमसे उस फुर्तीले कृतघ्न से भी अधिक ईर्ष्या करूँगी जिसने तुम्हें थेसली के मैदानों में या पेनेयस नदी के किनारे (क्योंकि मुझे ठीक से याद नहीं है कि उस अवसर पर तुम कहाँ दौड़े थे) ईर्ष्या और प्रेम में पसीना बहाने और दौड़ने पर मजबूर कर दिया था।
डॉन क्विक्सोट ने अपना दयनीय भाषण अभी काफी हद तक दिया ही था कि मकान मालकिन की बेटी ने उसे इशारा करते हुए कहा, "महाराज, कृपया इधर आइए।"

इन संकेतों और आवाज़ को सुनकर डॉन क्विक्सोट ने अपना सिर घुमाया और उस समय पूरी चमक से जगमगाते चाँद के प्रकाश में देखा कि दीवार में बने छेद से कोई उसे पुकार रहा है। उसे वह छेद खिड़की जैसा लग रहा था, और उससे भी बढ़कर, उस पर सोने की जाली लगी थी, जैसी कि आलीशान महलों में होती है, जैसा कि वह उस सराय को मानता था; और तुरंत उसके मन में यह विचार आया कि, पहले की तरह, महल की मालकिन की सुंदर पुत्री, उससे प्रेम करने के कारण, एक बार फिर उसका दिल जीतने की कोशिश कर रही है; और इस विचार के साथ, खुद को असभ्य या कृतघ्न न दिखाने के लिए, उसने रोसिनांटे का सिर घुमाया और छेद के पास गया, और जब उसने दोनों युवतियों को देखा तो उसने कहा:
"हे सुंदर स्त्री, मुझे आप पर दया आती है कि आपने अपने प्रेम के विचार उस ओर मोड़ दिए हैं जहाँ से आपके गुणों और कुलीन वंश के अनुरूप आपको प्रतिफल मिलना असंभव है। इसके लिए आपको इस अभागे योद्धा को दोष नहीं देना चाहिए, जिसे प्रेम ने उसके सिवा किसी और के प्रति समर्पण करने में असमर्थ बना दिया है, जिसे देखते ही उसने अपने प्राणों की पूर्ण स्वामिनी बना ली। हे महान स्त्री, मुझे क्षमा कीजिए और अपने कमरे में लौट जाइए। अपने प्रेम का और अधिक प्रदर्शन करके मुझे और अधिक कृतघ्न होने के लिए विवश न कीजिए। और यदि आपके प्रेम के कारण आपको लगे कि मेरे बस में कुछ और है जिससे मैं आपको प्रसन्न कर सकता हूँ, बशर्ते वह प्रेम न हो, तो मुझसे वह माँग लीजिए। मैं अपने उस प्रिय शत्रु की कसम खाता हूँ कि मैं इसे अभी प्रदान करूँगा, चाहे इसके लिए आपको मेडुसा के बालों का एक गुच्छा ही क्यों न माँगना पड़े, जो साँपों से भरा था, या फिर किसी शीशी में बंद सूर्य की किरणें ही क्यों न।" इस पर मैरिटोर्नेस ने कहा, "मेरी प्रेमिका को इस तरह की कोई चीज नहीं चाहिए, महाराज।"
"तो फिर, हे समझदार महिला, तुम्हारी मालकिन क्या चाहती है?" डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।
मैरिटोर्नेस ने कहा, "तुम्हारे सुंदर हाथों में से केवल एक हाथ ही काफी है, ताकि वह उस तीव्र जुनून को व्यक्त कर सके जिसके कारण वह अपनी प्रतिष्ठा को इतने बड़े खतरे में डालकर इस जोखिम भरे रास्ते पर आई है; क्योंकि यदि उसके पिता ने उसकी बात सुन ली होती, तो वह उसका सबसे छोटा हिस्सा, जो काट देता, वह उसका कान होता।"

"मैं यह देखना चाहूंगा कि ऐसा करके देखा जाए," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन उसे इससे सावधान रहना चाहिए, अगर वह दुनिया के सबसे भयानक अंत का सामना नहीं करना चाहता है, जो किसी प्रेम में डूबी बेटी के कोमल अंगों को छूने के कारण किसी पिता को भुगतना पड़ा हो।"
मैरिटोर्नेस को पूरा यकीन था कि डॉन क्विक्सोट उसका मांगा हुआ हाथ उसे दे देगा। उसने मन बना लिया कि क्या करना है, और वह गड्ढे से नीचे उतरी और अस्तबल में गई, जहाँ उसने सांचो पांजा के गधे की लगाम ली, और जल्दी से गड्ढे में लौट आई। ठीक उसी समय डॉन क्विक्सोट रोसिनांटे की काठी पर खड़ा हो गया ताकि उस जालीदार खिड़की तक पहुँच सके जहाँ उसे लगा कि प्रेम में डूबी युवती है। उसने उसे अपना हाथ देते हुए कहा, "हे देवी, यह हाथ लो, या यूँ कहें कि पृथ्वी के दुष्टों के इस कोड़े को लो; मैं कहता हूँ, यह हाथ लो जिसे किसी और स्त्री के हाथ ने कभी नहीं छुआ, यहाँ तक कि उसके हाथ ने भी नहीं, जिसका मेरे पूरे शरीर पर पूर्ण अधिकार है। मैं इसे तुम्हें इसलिए दे रहा हूँ, ताकि तुम इसे चूम न सको, बल्कि इसलिए कि तुम इसकी नसों की बनावट, मांसपेशियों के घने जाल, शिराओं की चौड़ाई और क्षमता को देख सको, जिससे तुम अनुमान लगा सको कि ऐसे हाथ को धारण करने वाली भुजा में कितनी शक्ति होगी।" "यह हम अभी देखेंगे," मैरिटोर्नेस ने कहा, और लगाम पर एक गांठ बांधकर, उसे उसकी कलाई पर से गुजारा और छेद से नीचे आकर दूसरे सिरे को भूसे के गोदाम के दरवाजे के बोल्ट से बहुत मजबूती से बांध दिया।
डॉन क्विक्सोट ने अपनी कलाई पर रस्सी की खुरदरीपन महसूस करते हुए कहा, "आपकी कृपा मेरे हाथ को सहलाने के बजाय उसे कुचल रही है; इस पर इतना कठोर व्यवहार न करें, क्योंकि मेरे दृढ़ संकल्प से हुए अपराध के लिए यह ज़िम्मेदार नहीं है, और न ही इतने छोटे से हिस्से पर अपना सारा प्रतिशोध लेना उचित है; याद रखें कि जो इतना प्रेम करता है उसे इतनी क्रूरता से बदला नहीं लेना चाहिए।"
लेकिन अब डॉन क्विक्सोट के इन शब्दों को सुनने वाला कोई नहीं था, क्योंकि जैसे ही मैरिटोर्नेस ने उसे बांधा, वह और दूसरी महिला हंसते-हंसते मर जाने को तैयार होकर भाग गईं, उसे इस तरह बांधकर छोड़ गईं कि उसके लिए खुद को छुड़ाना असंभव था।
जैसा कि बताया गया है, वह रोसिनांटे पर खड़ा था, उसकी बांह छेद से निकली हुई थी और कलाई दरवाजे की कुंडी से बंधी हुई थी। उसे इस बात का बहुत डर था

हो जाता, या जब तक कोई अन्य बुद्धिमान जादूगर उसे जादू से मुक्त नहीं कर देता।
लेकिन उनका यह निष्कर्ष पूरी तरह गलत साबित हुआ, क्योंकि सुबह होते-होते चार घुड़सवार, पूरी तरह से सुसज्जित और हथियारों से लैस, बंदूकों से लैस होकर सराय के पास पहुँचे। उन्होंने सराय के बंद द्वार पर जोर-जोर से दस्तक दी। यह देखकर डॉन क्विक्सोट, जहाँ वे थे वहीं खड़े-खड़े, एक पहरेदार की तरह व्यवहार करने लगे और ऊँची और दबंग आवाज़ में बोले, "हे शूरवीरों, या सरदारों, या जो भी तुम हो, तुम्हें इस किले के द्वार पर दस्तक देने का कोई अधिकार नहीं है; क्योंकि यह स्पष्ट है कि जो अंदर हैं वे या तो सो रहे हैं, या फिर सूरज की किरणें पूरी पृथ्वी पर फैलने तक किले के द्वार खोलने की उनकी आदत नहीं है। थोड़ी दूर हट जाओ और सुबह होने तक प्रतीक्षा करो, फिर हम देखेंगे कि तुम्हारे लिए द्वार खोलना उचित होगा या नहीं।"
एक ने कहा, "यह कैसा किला या गढ़ है जो हमें इतनी रस्मों में खड़ा कर रहा है? अगर आप सराय के मालिक हैं तो कृपया हमारे लिए दरवाजा खोलें; हम मुसाफिर हैं जो सिर्फ अपने घोड़ों को चारा खिलाकर आगे बढ़ना चाहते हैं, क्योंकि हमें जल्दी है।"
"क्या आपको लगता है, सज्जनों, कि मैं किसी सराय मालिक जैसा दिखता हूँ?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मुझे नहीं पता कि तुम कैसे दिखते हो," दूसरे ने जवाब दिया; "लेकिन मैं जानता हूँ कि जब तुम इस सराय को महल कहते हो तो तुम बकवास कर रहे हो।"
"यह एक किला है," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "नहीं, बल्कि इससे भी बढ़कर, इस पूरे प्रांत के सबसे अच्छे किलों में से एक है, और इसमें ऐसे लोग रहते हैं जिन्होंने राजदंड को हाथ में और मुकुट को सिर पर धारण किया है।" यात्री ने कहा, "अगर स्थिति इसके विपरीत होती तो बेहतर होता, सिर पर राजदंड और हाथ में मुकुट; लेकिन अगर ऐसा है, तो शायद यहाँ कुछ ऐसे कलाकार हों जिनके लिए ये मुकुट और राजदंड रखना आम बात हो; क्योंकि इस जैसी छोटी सी सराय में, और जहाँ इतनी खामोशी छाई रहती है, मुझे नहीं लगता कि मुकुट और राजदंड धारण करने के योग्य कोई भी व्यक्ति यहाँ ठहर सकता है।"
"तुम दुनिया के बारे में बहुत कम जानते हो," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "क्योंकि तुम इस बात से अनजान हो कि शूरवीरता में आम तौर पर क्या होता है।"

लेकिन प्रवक्ता के साथी, डॉन क्विक्सोट के साथ बातचीत से ऊबकर, बड़े जोश से फिर से दरवाज़ा खटखटाने लगे, इतना कि सराय का मालिक, और न केवल वह बल्कि सराय में मौजूद हर कोई जाग गया, और वह यह पूछने के लिए उठा कि किसने खटखटाया। संयोग से, प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहे चार घोड़ों में से एक रोसिनांटे को सूंघने गया, जो उदास, निराश और झुके हुए कानों के साथ अपने बुरी तरह थके हुए मालिक को सहारा देते हुए स्थिर खड़ा था; और चूंकि वह अंततः मांस का बना था, हालांकि वह लकड़ी का बना हुआ प्रतीत होता था, वह खुद को रोक नहीं पाया और बदले में उसे सूंघने लगा जो उसे सांत्वना देने आया था। लेकिन वह मुश्किल से हिला ही था कि डॉन क्विक्सोट का संतुलन बिगड़ गया; और काठी से फिसलकर वह ज़मीन पर गिर जाता, लेकिन बांह से लटके होने के कारण उसे इतना दर्द हुआ कि उसे लगा कि या तो उसकी कलाई कट जाएगी या उसकी बांह टूट जाएगी; और वह ज़मीन के इतने करीब लटका हुआ था कि बस अपने पैरों से उसे छू सकता था, जो उसके लिए और भी बुरा था; क्योंकि, यह देखकर कि अपने पैरों को मजबूती से जमाने के लिए उसे बस थोड़ी सी ही ताकत चाहिए, उसने संघर्ष किया और जितना हो सके खुद को फैलाया ताकि उसे ज़मीन पर पैर जमाने का मौका मिल सके; ठीक वैसे ही जैसे स्ट्रैपाडो की यातना झेल रहे लोग, जब उन्हें "छूने और न छूने" की स्थिति में रखा जाता है, तो वे खुद को फैलाने के हिंसक प्रयासों से अपनी पीड़ा को और बढ़ा लेते हैं, इस उम्मीद में कि बस थोड़ी सी और ताकत से वे ज़मीन तक पहुँच जाएँगे।

44

अध्याय
जिसमें सराय के अनसुने कारनामों का सिलसिला जारी है।
दरअसल, डॉन क्विक्सोट की चीखें इतनी तेज़ थीं कि सराय का द्वार खोलकर मकान मालिक घबराकर बाहर आया और यह देखने के लिए दौड़ा कि कौन इतनी ज़ोर से चिल्ला रहा है, और बाहर खड़े लोग भी उसके साथ दौड़ पड़े। मैरिटोर्न्स, जो उस समय तक उसी चीख से जाग चुकी थी, कुछ समझकर अटारी में भागी और किसी को देखे बिना, उस रस्सी को खोल दिया जिससे डॉन क्विक्सोट लटका हुआ था, और वह मकान मालिक और यात्रियों के सामने ज़मीन पर गिर पड़ा, जो पास आकर उससे पूछने लगे कि वह इतना क्यों चिल्ला रहा है। उसने एक शब्द भी उत्तर दिए बिना अपनी कलाई से रस्सी उतारी और उठकर रोसिनांटे पर कूद पड़ा, अपनी ढाल उसकी बांह पर बाँधी, अपना भाला रखा और मैदान का एक लंबा चक्कर लगाकर आधे सरपट दौड़ते हुए वापस आया और चिल्लाया:
"जो कोई भी यह कहेगा कि मुझ पर उचित कारण से जादू किया गया है, बशर्ते मेरी रानी राजकुमारी मिकॉमिकोना मुझे ऐसा करने की अनुमति दे, मैं उसे झूठ साबित करता हूँ, उसे चुनौती देता हूँ और उसे एकल युद्ध के लिए चुनौती देता हूँ।" नए आए यात्री डॉन क्विक्सोट की बातों से चकित थे; लेकिन सराय के मालिक ने उन्हें बताया कि वह कौन है और उसे परेशान न करने को कहा क्योंकि वह होश में नहीं था, जिससे उनका आश्चर्य दूर हो गया। फिर उन्होंने सराय के मालिक से पूछा कि क्या संयोग से लगभग पंद्रह वर्ष का कोई युवक उस सराय में आया था, जो खच्चर चालक की तरह कपड़े पहने हुए था और जिसका हुलिया डोना क्लारा के प्रेमी जैसा था। सराय के मालिक ने उत्तर दिया कि सराय में इतने लोग थे कि उसने उस व्यक्ति पर ध्यान नहीं दिया जिसके बारे में वे पूछ रहे थे; लेकिन उनमें से एक ने उस गाड़ी को देखकर जिसमें न्यायाधीश आए थे, कहा, "वह निश्चित रूप से यहीं है, क्योंकि वह इसी गाड़ी का पीछा कर रहा है: हममें से एक द्वार पर रुक जाए और बाकी लोग उसे ढूंढने अंदर जाएं; या फिर बेहतर होगा कि हममें से एक सराय का चक्कर लगाए, कहीं वह आंगन की दीवार फांदकर भाग न जाए।" "ठीक है," दूसरे ने कहा; और जब उनमें से दो अंदर गए, तो एक द्वार पर रुका रहा और दूसरा सराय का चक्कर लगाने लगा; इन सब बातों को देखते हुए, मकान मालिक यह अनुमान नहीं लगा सका कि वे ये सारी सावधानियां किस कारण से

बरत रहे थे, हालांकि वह समझ गया था कि वे उस युवक की तलाश कर रहे थे जिसका विवरण उन्होंने उसे दिया था।
तब तक उजाला हो चुका था; और इसी कारण, साथ ही डॉन क्विक्सोट के शोर के कारण, सभी जाग चुके थे, विशेषकर डोना क्लारा और डोरोथिया; क्योंकि उस रात उन्हें ठीक से नींद नहीं आई थी, एक अपने प्रेमी को अपने इतने करीब देखकर बेचैन थी, और दूसरी उसे देखने की उत्सुकता से। डॉन क्विक्सोट ने जब देखा कि चारों यात्रियों में से किसी ने भी उसकी ओर ध्यान नहीं दिया या उसकी चुनौती का जवाब नहीं दिया, तो वह क्रोधित हो उठा और क्रोध से मरने को तैयार था; और यदि उसे शूरवीरता के नियमों में यह पता होता कि एक वीर योद्धा के लिए किसी अन्य अभियान में शामिल होना वैध है, जबकि उसने वचन दिया था कि वह अपने पहले अभियान को पूरा करने तक किसी अन्य अभियान में शामिल नहीं होगा, तो वह उन सभी पर हमला कर देता और उन्हें जवाब देने के लिए मजबूर कर देता। लेकिन यह सोचते हुए कि माइकोमिकोना को उसके राज्य में स्थापित किए बिना कोई नया उद्यम शुरू करना उसके लिए न तो उचित होगा और न ही सही, वह चुप रहने और चुपचाप यह देखने के लिए विवश था कि उन्हीं यात्रियों की गतिविधियों का क्या परिणाम होगा; उनमें से एक ने उस युवक को, जिसकी वे तलाश कर रहे थे, एक खच्चर चालक के बगल में सोते हुए पाया, बिना इस बात की परवाह किए कि कोई उसकी तलाश में आएगा, और उसे ढूंढने की तो बात ही दूर।
उस व्यक्ति ने उसकी बांह पकड़ ली और कहा, "आप पर यह पोशाक बहुत जंच रही है, श्रीमान डॉन लुइस, और जिस बिस्तर पर मैं आपको पा रहा हूं वह उस विलासिता के अनुरूप है जिसमें आपकी मां ने आपका पालन-पोषण किया है।"
युवक ने अपनी नींद से भरी आँखों को मलते हुए उसे पकड़े हुए व्यक्ति को कुछ देर तक घूरा, लेकिन जल्द ही उसने उसे अपने पिता के नौकरों में से एक के रूप में पहचान लिया। यह देखकर वह इतना स्तब्ध रह गया कि कुछ देर तक वह कुछ बोल नहीं सका; वहीं नौकर ने आगे कहा, "अब कोई चारा नहीं है, श्रीमान डॉन लुइस, सिवाय इसके कि आप चुपचाप समर्पण करके घर लौट जाएँ, जब तक कि आपकी यही इच्छा न हो कि आपके स्वामी, आपके पिता, परलोक चले जाएँ, क्योंकि आपकी अनुपस्थिति में वे जिस दुःख में हैं, उसका और कोई परिणाम नहीं हो सकता।"
"लेकिन मेरे पिता को कैसे पता चला कि मैं इस रास्ते से और इस पोशाक में गया था?" डॉन लुइस ने कहा।

“आपने अपने इरादे एक विद्यार्थी को बताए थे,” सेवक ने उत्तर दिया, “जिसने उन्हें प्रकट किया, वह आपके पिता को आपके बिछड़ने से दुखी देखकर दया से द्रवित हो गया; इसलिए उसने अपने चार सेवकों को आपकी खोज में भेजा, और हम सब आपकी सेवा में यहाँ हैं, हमें आपकी कल्पना से भी अधिक प्रसन्नता है कि हम इतनी जल्दी लौट आए हैं और आपको उन आँखों के सामने ला सके हैं जो आपके लिए तरस रही हैं।”
"यह मेरी इच्छा के अनुसार होगा, या जैसा ईश्वर का आदेश होगा," डॉन लुइस ने उत्तर दिया।
दूसरे ने कहा, "आप क्या कर सकते हैं, सिवाय इसके कि आप वापस जाने के लिए सहमत हो जाएं? इसके अलावा कुछ भी असंभव है।"
डॉन लुइस के बगल में लेटे खच्चर वाले ने उन दोनों के बीच की सारी बातचीत सुन ली। उठकर वह डॉन फर्नांडो, कार्डेनियो और अन्य लोगों को बताने गया, जो तब तक कपड़े पहन चुके थे। उसने बताया कि उस आदमी ने युवक को "डॉन" कहकर संबोधित किया, उनके बीच क्या बातें हुईं और वह चाहता था कि युवक अपने पिता के पास लौट जाए, लेकिन युवक ऐसा करने को तैयार नहीं था। इस बात और उस युवक को मिली असाधारण आवाज़ के बारे में पहले से ही जानकारी होने के कारण, वे सभी यह जानने के लिए बहुत उत्सुक थे कि वह कौन है और अगर उसके खिलाफ बल प्रयोग करने का प्रयास किया जाए तो उसकी मदद करने के लिए भी तैयार थे। इसलिए वे जल्दी से उस जगह पहुंचे जहां वह अभी भी अपने नौकर से बात कर रहा था और बहस कर रहा था। उसी क्षण डोरोथिया अपने कमरे से बाहर आई, उसके पीछे डोना क्लारा भी कांपती हुई आई। कार्डेनियो को एक तरफ बुलाकर उसने उसे संगीतकार और डोना क्लारा की कहानी संक्षेप में बताई और कार्डेनियो ने भी उसे बताया कि क्या हुआ था, कैसे उसके पिता के नौकर उसे ढूंढने आए थे। लेकिन जब उसने ऐसा कहा, तो उसकी आवाज़ इतनी धीमी नहीं थी कि डोना क्लारा ने उसकी बात न सुन ली। वह इतनी घबरा गई कि अगर डोरोथिया ने उसे सहारा न दिया होता तो वह ज़मीन पर गिर पड़ती। तब कार्डेनियो ने डोरोथिया को अपने कमरे में लौटने के लिए कहा, क्योंकि वह मामले को सुलझाने की कोशिश करेगा, और उन्होंने उसकी इच्छा के अनुसार काम किया। डॉन लुइस की तलाश में आए चारों लोग अब सराय में आ गए थे और उसे घेर लिया था, उससे आग्रह कर रहे थे कि वह तुरंत वापस जाकर अपने पिता को सांत्वना दे। उसने जवाब दिया कि वह किसी भी हालत में ऐसा नहीं कर सकता जब तक कि वह एक ऐसा काम पूरा न कर ले जिसमें उसका

जीवन, सम्मान और दिल दांव पर लगा हो। नौकरों ने उस पर दबाव डाला और कहा कि वे उसके बिना बिल्कुल नहीं लौटेंगे, और चाहे वह चाहे या न चाहे, वे उसे ले जाएंगे।
"तुम ऐसा नहीं करोगे," डॉन लुइस ने उत्तर दिया, "जब तक तुम मुझे मृत अवस्था में न ले जाओ; हालांकि तुम मुझे जिस भी तरह से ले जाओ, वह निर्जीव ही होगा।" तब तक सराय में मौजूद अधिकांश लोग विवाद की ओर आकर्षित हो चुके थे, लेकिन विशेष रूप से कार्डेनियो, डॉन फर्नांडो, उनके साथी, न्यायाधीश, पादरी, नाई और डॉन क्विक्सोट; क्योंकि अब उन्हें लगा कि किले की सुरक्षा के लिए पहरा देने की कोई आवश्यकता नहीं है। कार्डेनियो, जो पहले से ही उस युवक की कहानी से परिचित था, ने उसे ले जाने वाले लोगों से पूछा कि वे इस युवक को उसकी इच्छा के विरुद्ध क्यों ले जाना चाहते हैं।
उन चारों में से एक ने कहा, "हमारा उद्देश्य उनके पिता की जान बचाना है, जिनकी जान इस सज्जन के लापता होने के कारण खतरे में है।"
इस पर डॉन लुइस ने कहा, "मेरे मामलों को यहाँ सार्वजनिक करने की कोई आवश्यकता नहीं है; मैं स्वतंत्र हूँ, और यदि मैं चाहूँ तो वापस लौट जाऊँगा; और यदि नहीं, तो आप में से कोई भी मुझे विवश नहीं कर सकता।"
उस व्यक्ति ने कहा, "सम्राट को तर्क विवश करेगा, और यदि इसका आप पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, तो इसका हम पर प्रभाव पड़ेगा, जिससे हम वह कार्य करेंगे जिसके लिए हम आए हैं, और जो करना हमारा कर्तव्य है।"
इस पर न्यायाधीश ने कहा, "चलिए, हमें पूरा मामला सुनने दीजिए।" लेकिन उस व्यक्ति ने, जो उन्हें अपने पड़ोसी के रूप में जानता था, उत्तर दिया, "क्या आप इस सज्जन को नहीं जानते, माननीय न्यायाधीश जी? यह आपके पड़ोसी का पुत्र है, जो अपने पिता के घर से ऐसे कपड़े पहनकर भाग गया है जो उसके पद के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं हैं, जैसा कि आप देख सकते हैं।"
इस पर न्यायाधीश ने उसे और ध्यान से देखा और पहचान लिया, और उसे गले लगाते हुए कहा, "यह कैसी मूर्खता है, सेनोर डॉन लुइस, या ऐसा क्या कारण हो सकता है जिसने आपको इस तरह और इस पोशाक में यहां आने के लिए प्रेरित किया हो, जो आपकी स्थिति के बिल्कुल विपरीत है?"
युवक की आँखों में आँसू आ गए और वह न्यायाधीश के प्रश्नों का उत्तर देने में असमर्थ रहा। न्यायाधीश ने चारों नौकरों से कहा कि वे चिंतित न हों, सब

कुछ संतोषजनक ढंग से सुलझ जाएगा; फिर डॉन लुइस का हाथ पकड़कर उसे एक तरफ ले गए और उससे वहाँ आने का कारण पूछा।
लेकिन जब वह उससे पूछताछ कर रहा था, तभी उन्हें सराय के द्वार पर एक ज़ोरदार चीख सुनाई दी। चीख यह थी कि वहाँ रात बिताने वाले दो मेहमानों ने सबको यह पता लगाने में व्यस्त देखकर कि वे चारों आदमी क्या चाहते हैं, बिना पैसे चुकाए जाने का विचार किया। लेकिन सराय का मालिक, जो दूसरों के मामलों से ज़्यादा अपने मामलों में दखल देता था, ने उन्हें द्वार से बाहर जाते हुए पकड़ लिया और हिसाब माँगते हुए उनकी बेईमानी पर उन्हें इतनी बुरी तरह से कोसा कि वे मुक्के चलाने पर मजबूर हो गए। फिर वे उस पर इस कदर हमला करने लगे कि बेचारा आदमी चीखने और मदद के लिए पुकारने पर मजबूर हो गया। सराय की मालकिन और उसकी बेटी को डॉन क्विक्सोट से ज़्यादा मदद करने के लिए कोई और नहीं सूझा, और बेटी ने उससे कहा, "हे महाराज, ईश्वर ने आपको जो पुण्य दिया है, उसकी कसम, मेरे बेचारे पिता की मदद कीजिए, क्योंकि दो दुष्ट आदमी उन्हें बुरी तरह पीट रहे हैं।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने बड़े ही सधे हुए और शांत भाव से उत्तर दिया, "हे सुंदरी, इस समय तुम्हारा अनुरोध उचित नहीं है, क्योंकि जब तक मैं अपने वचन के अनुसार किए गए कार्य को सफलतापूर्वक पूरा नहीं कर लेता, तब तक मैं किसी भी साहसिक कार्य में शामिल नहीं हो सकता; लेकिन मैं तुम्हारे लिए जो कर सकता हूँ, वह यह है कि तुम जाओ और अपने पिता से कहो कि वे इस युद्ध में यथासंभव डटे रहें और किसी भी कीमत पर पराजित न होने दें, जबकि मैं जाकर राजकुमारी मिकोमिकोना से उनकी इस संकट की घड़ी में सहायता करने की अनुमति मांगता हूँ; और यदि वह अनुमति दे देती है, तो निश्चिंत रहो, मैं उन्हें इस संकट से मुक्त करा दूँगा।"
"मैं पापी हूँ," पास खड़े मैरिटोर्नेस ने कहा; "आपकी अनुमति मिलने से पहले ही मेरा स्वामी परलोक में होगा।"
“श्रीमती, मुझे वह अनुमति दीजिए जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “और यदि मुझे वह मिल गई, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि वह परलोक में है या नहीं; क्योंकि मैं उसे इस दुनिया की हर कोशिश के बावजूद वहाँ से वापस लाऊँगा; या कम से कम मैं उन लोगों से ऐसा बदला लूँगा जिन्होंने उसे वहाँ भेजा है कि आप पूरी तरह संतुष्ट हो जाएँगी;” और बिना कुछ और कहे वह डोरोथिया के सामने घुटने टेककर, वीर और साहसी भाषा में

उनसे विनती करने लगा कि वे उसे उस किले के सरदार की सहायता करने की अनुमति दें, जो इस समय गंभीर खतरे में था। राजकुमारी ने सहर्ष अनुमति दे दी, और वह तुरंत अपनी ढाल को बाँटकर और तलवार निकालकर सराय के द्वार की ओर दौड़ा, जहाँ दोनों मेहमान अभी भी सराय के मालिक के साथ बदसलूकी कर रहे थे; लेकिन जैसे ही वह वहाँ पहुँचा, वह अचानक रुक गया और वहीं खड़ा रह गया, हालाँकि मैरिटोर्न्स और सराय की मालकिन ने उससे पूछा कि वह उनके मालिक और पति की मदद करने में क्यों हिचकिचा रहा है।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं संकोच कर रहा हूँ, क्योंकि मेरे लिए सरदार वर्ग के लोगों के विरुद्ध तलवार चलाना वैध नहीं है; लेकिन मेरे सरदार सांचो को बुलाओ; क्योंकि यह रक्षा और बदला लेना उसका काम है।"
इस प्रकार सराय के द्वार पर स्थिति ऐसी थी, जहाँ मुक्केबाजी और घूंसे का जोरदार आदान-प्रदान हो रहा था, जिससे मकान मालिक को भारी नुकसान हुआ और मालकिन मैरिटोर्न्स और उसकी बेटी क्रोधित हो गईं, जो डॉन क्विक्सोट की कायरता और अपने मालिक, पति और पिता के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को देखकर बेहद आहत थीं। लेकिन चलो उसे यहीं छोड़ देते हैं; क्योंकि उसे मदद करने वाला कोई न कोई जरूर मिल जाएगा, और अगर नहीं, तो उसे भुगतने दो और चुप रहो जो अपनी क्षमता से अधिक करने का प्रयास करता है; और चलो पचास कदम पीछे चलते हैं यह देखने के लिए कि डॉन लुइस ने उस न्यायाधीश को क्या जवाब दिया, जिसे हमने उससे निजी तौर पर पैदल आने और इतने साधारण कपड़े पहनने के कारणों के बारे में पूछताछ करते हुए छोड़ा था।
इस पर युवक ने अपना हाथ इस तरह दबाया जिससे स्पष्ट हो गया कि उसका हृदय किसी गहरे दुःख से व्याकुल है, और आँसुओं की बाढ़ बहाते हुए उत्तर दिया: "महोदय, मुझे आपको इससे अधिक कुछ नहीं बताना है कि जिस क्षण ईश्वर की कृपा और हमारे निकट पड़ोसी होने के कारण मैंने आपकी पुत्री और मेरी प्रेमिका डोना क्लारा को पहली बार देखा, उसी क्षण से मैंने उसे अपने जीवन का स्वामी बना लिया, और यदि आप, मेरे सच्चे स्वामी और पिता, कोई बाधा न डालें, तो आज ही वह मेरी पत्नी बन जाएगी। उसके लिए मैंने अपने पिता का घर छोड़ा, और उसके लिए ही मैंने यह वेश धारण किया, ताकि मैं उसका अनुसरण कर सकूँ, चाहे वह कहीं भी जाए, जैसे तीर अपने लक्ष्य का या नाविक ध्रुव तारे का। वह मेरे प्रेम के बारे में इससे अधिक कुछ नहीं जानती, सिवाय इसके कि उसने कभी-कभी दूर से मेरी आँखों में आँसू भरे देखे होंगे। आप पहले से ही जानते हैं,

महाराज, मेरे माता-पिता की संपत्ति और कुलीन वंश के बारे में, और यह कि मैं उनका एकमात्र उत्तराधिकारी हूँ; यदि यह आपको मुझे पूर्णतः सुखी बनाने का साहस दिलाने के लिए पर्याप्त प्रेरणा है, तो मुझे तुरंत अपना पुत्र स्वीकार कर लें; क्योंकि यदि मेरे पिता, अपने अन्य स्वार्थों से प्रभावित होकर, मेरे द्वारा खोजे गए इस सुख को अस्वीकार कर दें, तो समय में चीजों को बदलने की अधिक शक्ति है, मानवीय इच्छाशक्ति।"
यह सुनकर प्रेम में डूबा युवक चुप हो गया, जबकि न्यायाधीश ने उसकी बात सुनकर अचंभित, व्याकुल और आश्चर्यचकित रह गए। उन्हें डॉन लुइस के अपने दिल का राज़ बताने के तरीके और बुद्धिमत्ता पर आश्चर्य हुआ, साथ ही उस स्थिति पर भी जिसमें वे अचानक और अप्रत्याशित रूप से फंस गए थे और समझ नहीं पा रहे थे कि इस मामले में क्या करें। इसलिए न्यायाधीश ने उन्हें केवल इतना ही उत्तर दिया कि वे फिलहाल शांत रहें और अपने नौकरों से कहें कि वे उन्हें उस दिन वापस न ले जाएं, ताकि सभी पक्षों के हित में क्या उचित है, इस पर विचार करने का समय मिल सके। डॉन लुइस ने अपने हाथों को ज़ोर से चूमा, बल्कि अपने आंसुओं से भिगो दिया, इस तरह से कि किसी पत्थर दिल को भी छू जाए, न्यायाधीश की तो बात ही छोड़िए, जो एक चतुर व्यक्ति होने के नाते पहले ही समझ चुके थे कि यह विवाह उनकी बेटी के लिए कितना लाभदायक होगा; हालांकि, यदि संभव होता, तो वे चाहते कि यह विवाह डॉन लुइस के पिता की सहमति से हो, क्योंकि वे जानते थे कि उनके पिता अपने बेटे के लिए एक उपाधि चाहते थे।
इस समय तक मेहमानों ने मकान मालिक से सुलह कर ली थी, क्योंकि डॉन क्विक्सोट की मीठी बातों और समझाने-बुझाने से, धमकियों से नहीं, उन्होंने मकान मालिक को उसकी माँगी हुई रकम दे दी थी। डॉन लुइस के नौकर जज के साथ बातचीत खत्म होने और अपने मालिक के फैसले का इंतज़ार कर रहे थे, तभी शैतान, जो कभी सोता नहीं, ने ऐसा षड्यंत्र रचा कि नाई, जिससे डॉन क्विक्सोट ने मैम्ब्रिनो का हेलमेट और सांचो पांजा से उसके गधे का सामान अपने सामान के बदले में लिया था, ठीक उसी क्षण सराय में दाखिल हो गया; जब वह नाई अपने गधे को अस्तबल में ले जा रहा था, तो उसने सांचो पांजा को काठी की किसी चीज़ की मरम्मत करते हुए देखा; और जैसे ही उसने यह देखा, वह समझ गया और सांचो पर हमला करने की हिम्मत जुटाते हुए चिल्लाया, "अरे, चोर साहब, मैंने आपको पकड़ लिया है! मेरा बेसिन, मेरी काठी और मेरा सारा सामान जो आपने मुझसे चुराया है, मुझे लौटा दीजिए।"

सांचो ने अचानक हुए इस हमले को देखकर और अपने ऊपर बरस रही गालियों को सुनकर एक हाथ से सामान ढोने वाली काठी को पकड़ लिया और दूसरे हाथ से नाई को ऐसा घूंसा मारा कि उसके दांत खून से लथपथ हो गए। लेकिन नाई इतनी आसानी से सामान ढोने वाली काठी को छोड़ने को तैयार नहीं था; बल्कि उसने इतना शोर मचाया कि सराय में मौजूद हर कोई यह जानने के लिए दौड़ पड़ा कि शोर और झगड़े का क्या मतलब है। "देखो, राजा और न्याय के नाम पर!" वह चिल्लाया, "यह चोर और लुटेरा मुझे मेरी संपत्ति वापस लेने की कोशिश करने पर जान से मारना चाहता है।" "तुम झूठ बोल रहे हो," सांचो ने कहा, "मैं कोई लुटेरा नहीं हूँ; मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट ने निष्पक्ष युद्ध में ये लूट हासिल की थी।"
उस समय डॉन क्विक्सोट वहीं खड़ा था, अपने सहायक की आक्रमण और रक्षात्मक दोनों क्षमताओं को देखकर वह बहुत प्रसन्न हुआ, और तब से उसने उसे एक साहसी व्यक्ति माना, और अपने मन में निश्चय किया कि जैसे ही पहला अवसर मिलेगा, उसे शूरवीर की उपाधि प्रदान करेगा, उसे पूरा विश्वास था कि शूरवीरता का यह सम्मान उसे उचित रूप से दिया जाएगा।
झगड़े के दौरान, नाई ने अन्य बातों के साथ-साथ कहा, "सज्जनों, यह सामान ढोने वाली काठी मेरी है, ठीक वैसे ही जैसे मैं ईश्वर का ऋणी हूँ, और मैं इसे वैसे ही जानता हूँ जैसे मैंने इसे जन्म दिया हो, और यहाँ मेरा गधा अस्तबल में है जो मुझे लेटने नहीं दे रहा; बस इसे आज़माकर देखिए, और अगर यह उसे ठीक से फिट नहीं बैठती, तो मुझे बदमाश कहिएगा; और इतना ही नहीं, जिस दिन यह मुझसे चोरी हुई, उसी दिन उन्होंने मुझसे एक नया पीतल का बेसिन भी चुरा लिया, जो अभी तक बेचा नहीं गया था और जिसकी कीमत किसी भी दिन एक क्राउन होती।"
इस पर डॉन क्विक्सोट स्वयं को उत्तर देने से रोक नहीं सका; दोनों के बीच आकर और उन्हें अलग करते हुए, उसने काठी को ज़मीन पर रख दिया, ताकि सच्चाई साबित होने तक वह सबके सामने रहे, और कहा, "आप सभी को यह स्पष्ट रूप से समझ आ रहा होगा कि यह वीर सरदार किस गलती में है जब वह उस बेसिन को, जो माम्ब्रिनो का हेलमेट था, है और रहेगा, कह रहा है, जिसे मैंने उससे हवाई युद्ध में जीता था और वैध अधिकार से अपना स्वामी बना लिया था। काठी से मेरा कोई लेना-देना नहीं है; लेकिन मैं आपको इस बारे में बता सकता हूँ कि मेरे सरदार सांचो ने मुझसे इस पराजित कायर के घोड़े की साज-सज्जा उतारने और उसे अपने घोड़े पर लगाने की अनुमति माँगी थी; मैंने उसे अनुमति दे दी, और उसने उसे ले लिया; और जहाँ तक उसके साज-सज्जा से काठी में बदलने की बात है, मैं

इसके अलावा कोई और स्पष्टीकरण नहीं दे सकता, सिवाय इसके कि वीरता के कारनामों में ऐसे परिवर्तन होते रहते हैं। इन सब बातों की पुष्टि के लिए, दौड़ो, मेरे बेटे सांचो, और वह हेलमेट यहाँ ले आओ जिसे यह सज्जन बेसिन कह रहा है।"
"हे भगवान," सांचो ने कहा, "अगर हमारे पास आपके द्वारा प्रस्तुत प्रमाण के अलावा कोई और सबूत नहीं है, तो माम्ब्रिनो का हेलमेट उतना ही एक गड्ढा है जितना कि इस भले आदमी का कवच एक बोझ ढोने वाली काठी है।"
"जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "ऐसा नहीं हो सकता कि इस महल में सब कुछ जादू से होता हो।"
सांचो जल्दी से उस स्थान पर गया जहाँ वह पात्र था, और उसे अपने साथ वापस ले आया, और जब डॉन क्विक्सोट ने उसे देखा, तो उसने उसे पकड़ लिया और कहा: "माननीय महोदय देख सकते हैं कि यह सरदार कितने बेशर्मी से दावा कर रहा है कि यह एक कुंड है, न कि वह हेलमेट जिसके बारे में मैंने आपको बताया था; और मैं अपने द्वारा माने जाने वाले शूरवीरता के आदेश की शपथ लेता हूँ कि यह हेलमेट वही है जो मैंने उससे लिया था, इसमें कुछ भी जोड़ा या घटाया नहीं गया है।"
"इसमें कोई शक नहीं है," सांचो ने कहा, "क्योंकि जब से मेरे मालिक ने इसे जीता है तब से लेकर अब तक उन्होंने इसमें केवल एक ही लड़ाई लड़ी है, जब उन्होंने उन बदकिस्मत आदमियों को जंजीरों में बांधकर छोड़ दिया था; और अगर यह बेसिन-हेलमेट न होता तो उस समय उनका बचाव अच्छा नहीं होता, क्योंकि उस लड़ाई में खूब पत्थरबाजी हुई थी।"

45

अध्याय
जिसमें मैम्ब्रिनो के हेलमेट और पैक-सैडल का संदिग्ध प्रश्न अंततः सुलझ जाता है, साथ ही अन्य वास्तविक और गंभीर घटनाओं का भी वर्णन है।
नाई ने कहा, "अब आप सज्जनों का क्या विचार है कि ये सज्जन जो कह रहे हैं, वह एक हेलमेट है?"
"और जो कोई भी इसके विपरीत कहेगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं उसे बता दूंगा कि यदि वह शूरवीर है तो वह झूठ बोल रहा है, और यदि वह सहायक है तो वह हजार बार झूठ बोल रहा है।"
हमारा अपना नाई, जो इस सब का गवाह था और डॉन क्विक्सोट के हास्य को अच्छी तरह समझता था, उसने अपने भ्रम को पुष्ट करने और आम मनोरंजन के लिए मजाक को जारी रखने का फैसला किया; इसलिए उसने दूसरे नाई को संबोधित करते हुए कहा: "महोदय नाई, या जो भी आप हैं, आपको यह अवश्य ही ज्ञात होना चाहिए कि मैं भी आपके पेशे से संबंधित हूँ, और बीस वर्षों से अधिक समय से मुझे यह काम करने का लाइसेंस प्राप्त है, और मैं नाई के सभी औजारों को भली-भांति जानता हूँ; और मैं अपनी युवावस्था में कुछ समय के लिए सैनिक भी रहा हूँ, और मैं यह भी जानता हूँ कि हेलमेट क्या होता है, और मोरियन क्या होता है, और विज़र वाला हेडपीस क्या होता है, और सैनिक जीवन से संबंधित अन्य चीजें, मेरा तात्पर्य सैनिकों के हथियारों से है; और मैं कहता हूँ - बेहतर राय को सुरक्षित रखते हुए और हमेशा अधिक ठोस निर्णयों का सम्मान करते हुए - कि यह वस्तु जो अब हमारे सामने है, जिसे इस सम्मानित सज्जन ने अपने हाथों में लिया हुआ है, न केवल नाई का बेसिन नहीं है, बल्कि यह उससे उतना ही दूर है जितना सफेद काले से और सत्य झूठ से दूर होता है; मैं यह भी कहता हूँ कि यह, यद्यपि यह एक हेलमेट है, एक पूर्ण हेलमेट नहीं है।"
"बिल्कुल नहीं," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि इसका आधा हिस्सा गायब है, यानी बीवर।"
“यह बिलकुल सच है,” पादरी ने कहा, जिसने अपने नाई मित्र की हरकत देखी थी; और कार्डेनियो, डॉन फर्नांडो और उनके साथी उससे सहमत थे, और यहाँ तक कि न्यायाधीश भी, यदि उनके विचार डॉन लुइस के मामले से इतने भरे न होते, तो इस मज़ाक को जारी रखने में मदद करते; लेकिन वे अपने मन में चल रहे गंभीर

मामलों में इतने मग्न थे कि उन्होंने इन मज़ाकिया हरकतों पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया।
"हे भगवान!" यह सुनकर नाई ने हैरानी से कहा; "क्या यह संभव है कि इतने सम्मानित लोग यह कह सकते हैं कि यह बेसिन नहीं बल्कि हेलमेट है? अरे, यह तो पूरी यूनिवर्सिटी को ही चौंका देगा, चाहे वह कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो! खैर, अगर यह बेसिन हेलमेट है, तो फिर यह काठी घोड़े की साज-सज्जा होनी चाहिए, जैसा कि इस सज्जन ने कहा है।"
"मुझे तो यह सामान ढोने वाली गाड़ी की काठी जैसी लग रही है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मैं पहले ही कह चुका हूं कि इस सवाल से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।"
"जहां तक पैक-सैडल या कैपरिसन की बात है," क्यूरेट ने कहा, "यह तो केवल सेनर डॉन क्विक्सोट ही बता सकते हैं; क्योंकि शिष्टता के इन मामलों में हम सभी सज्जन और मैं उनके अधिकार को नमन करते हैं।"
"हे ईश्वर की कसम, सज्जनों," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "इस महल में दो बार रहने के दौरान मेरे साथ इतनी अजीबोगरीब घटनाएं घटी हैं कि मैं इसके अंदर मौजूद किसी भी चीज़ से संबंधित किसी भी प्रश्न का निश्चित उत्तर देने का साहस नहीं करूँगा; क्योंकि मेरा मानना है कि इसके अंदर जो कुछ भी होता है वह जादू से होता है। पहली बार, इसमें मौजूद एक जादू से ग्रसित मूर ने मुझे बहुत परेशान किया, और सांचो का भी उसके कुछ अनुयायियों के बीच अच्छा हाल नहीं हुआ; और कल रात मुझे लगभग दो घंटे तक इसी भुजा से लटकाए रखा गया, मुझे पता ही नहीं चला कि मेरे साथ यह दुर्घटना कैसे और क्यों हुई। इसलिए अब, इस पेचीदा मामले में अपनी राय देना जल्दबाजी भरा निर्णय होगा। इस बात का कि यह एक बेसिन है, हेलमेट नहीं, मैं पहले ही उत्तर दे चुका हूँ; लेकिन इस सवाल का कि यह एक पैक-सैडल है या एक कैपरिसन, मैं निश्चित राय देने का साहस नहीं करूँगा, बल्कि इसे आप सभी के विवेक पर छोड़ दूँगा। शायद चूंकि आप मेरी तरह शूरवीर नहीं हैं, इस जगह के जादू-टोने का आपसे कोई लेना-देना नहीं है, और आपकी इंद्रियां असीमित हैं, और आप इस महल में चीजों को वैसे ही देख सकते हैं जैसे वे वास्तव में हैं, न कि जैसे वे मुझे दिखाई देती हैं।"
इस पर डॉन फर्नांडो ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि सेनर डॉन क्विक्सोट ने बहुत बुद्धिमानी से बात कही है, और इस मामले का निर्णय हम पर निर्भर करता है; और आगे बढ़ने के लिए हमारे पास ठोस आधार हो, इसलिए मैं

सज्जनों के मत गुप्त रूप से लूंगा, और परिणाम स्पष्ट और पूर्ण रूप से घोषित करूंगा।"
डॉन क्विक्सोट के हास्यबोध से परिचित लोगों के लिए यह सब बड़े मनोरंजन का साधन था; परन्तु जो लोग इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे, उनके लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा बेतुकापन प्रतीत हुआ, विशेषकर डॉन लुइस के चार सेवकों के लिए, साथ ही स्वयं डॉन लुइस और तीन अन्य यात्रियों के लिए जो संयोगवश सराय में आ गए थे और पवित्र भाईचारे के अधिकारियों जैसे दिख रहे थे, जैसा कि वे वास्तव में थे; परन्तु सबसे अधिक व्याकुल वह था नाई का कुंड, जो उसकी आँखों के सामने ही मम्ब्रिनो के हेलमेट में बदल गया था, और जिसकी काठी किसी कीमती घोड़े की साज-सज्जा में तब्दील होने वाली थी, जिसके बारे में उसे कोई संदेह नहीं था। डॉन फर्नांडो को एक-एक करके वोट इकट्ठा करते और फुसफुसाते हुए यह पूछते देखकर सब हँस पड़े कि जिस खजाने के लिए इतनी लड़ाई हुई थी, वह काठी है या साज-सज्जा; लेकिन डॉन क्विक्सोट को जानने वालों के मत लेने के बाद, उसने ज़ोर से कहा, "सच तो यह है, मेरे भले आदमी, कि मैं इतनी सारी राय इकट्ठा करते-करते थक गया हूँ, क्योंकि मैंने पाया है कि मैं जिससे भी वह पूछता हूँ जो मैं जानना चाहता हूँ, वह मुझे यह न बताए कि यह कहना बेतुका है कि यह गधे की काठी है, न कि घोड़े की, बल्कि एक बेहतरीन नस्ल के घोड़े की; इसलिए तुम्हें यह मानना ही होगा, क्योंकि तुम्हारे और तुम्हारे गधे के बावजूद, यह काठी नहीं बल्कि एक काठी है, और तुमने अपना तर्क बहुत ही बुरी तरह से पेश किया है और साबित किया है।"
"अगर आप सब गलत नहीं हैं, तो मैं कभी स्वर्ग का हिस्सा न बनूँ," गरीब नाई ने कहा; "और मेरी आत्मा ईश्वर के सामने ऐसी ही दिखाई दे जैसे कोई बोझ ढोने वाली काठी हो, न कि कोई सजावटी वस्त्र; लेकिन, 'नियम तो चलते हैं' - मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूँगा; और सच में मैं नशे में नहीं हूँ, क्योंकि मैं उपवास कर रहा हूँ, सिवाय इसके कि यह पाप के कारण हो।"
नाई की सरल बातें डॉन क्विक्सोट की बेतुकी बातों से कम मनोरंजक नहीं थीं, जिसने अब कहा:
अब इससे अधिक कुछ करने की आवश्यकता नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति अपना हक ले ले, और जिसे ईश्वर ने यह दिया है, संत पीटर उसे अपना आशीर्वाद दें। लेकिन उन चार नौकरों में से एक ने कहा, "जब तक कि यह कोई जानबूझकर किया गया मज़ाक न हो, मैं यह मानने को तैयार नहीं हूँ कि यहाँ मौजूद इतने बुद्धिमान

लोग, या जो इतने बुद्धिमान प्रतीत होते हैं, यह कहने का साहस कर सकते हैं कि यह कोई कुंड नहीं है और वह कोई गधों की काठी नहीं है; लेकिन जैसा कि मैं देख रहा हूँ कि वे ऐसा कह रहे हैं, मैं केवल इसी निष्कर्ष पर पहुँच सकता हूँ कि अनुभव और सत्य के बिल्कुल विपरीत इस बात पर अड़े रहने के पीछे कोई रहस्य है; क्योंकि मैं कसम खाता हूँ"—और यहाँ उसने एक ज़ोरदार शपथ ली — "दुनिया के सारे लोग भी मुझे यह विश्वास नहीं दिला सकते कि यह नाई का कुंड नहीं है और वह गधे की काठी नहीं है।"
"यह आसानी से किसी मादा गधे का हो सकता है," पादरी ने टिप्पणी की।
"यह तो एक ही बात है," नौकर ने कहा; "मुद्दा यह नहीं है; मुद्दा यह है कि यह बोझ ढोने वाली काठी है या नहीं, जैसा कि महाराज कहते हैं।"
यह सुनकर, ब्रदरहुड के नवगठित अधिकारियों में से एक, जो विवाद और बहस सुन रहा था, अपने क्रोध और अधीरता को नियंत्रित न कर पाने के कारण चिल्ला उठा, "यह उतना ही पक्का है जितना कि मेरे पिता मेरे पिता हैं, और जिसने भी इसके अलावा कुछ कहा है या कहेगा वह अवश्य नशे में होगा।"
“तुम एक बदमाश मसखरे की तरह झूठ बोलते हो,” डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; और अपने भाले को, जिसे उसने कभी अपने हाथ से नहीं छोड़ा था, उठाकर उसने उसके सिर पर ऐसा प्रहार किया कि अगर अधिकारी बच न जाता, तो वह पूरी लंबाई तक खिंच जाता। भाला ज़मीन पर गिरकर टुकड़े-टुकड़े हो गया, और बाकी अधिकारियों ने अपने साथी को इस तरह हमला होते देख ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर पवित्र बंधुत्व से मदद मांगी। जमींदार, जो बंधुत्व का सदस्य था, तुरंत अपना राजदंड और तलवार लेने दौड़ा और अपने साथियों के साथ खड़ा हो गया; डॉन लुइस के नौकर उसके चारों ओर जमा हो गए, ताकि वह अफरा-तफरी में उनसे बच न जाए; नाई ने घर को अस्त-व्यस्त देखकर एक बार फिर अपनी काठी पकड़ ली और सांचो ने भी ऐसा ही किया; डॉन क्विक्सोट ने अपनी तलवार निकाली और अधिकारियों पर हमला कर दिया; डॉन लुइस ने अपने नौकरों से उसे अकेला छोड़ने और डॉन क्विक्सोट, कार्डेनियो और डॉन फर्नांडो की मदद के लिए जाने को कहा, जो उसका साथ दे रहे थे; पादरी ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा था, मालकिन चीख रही थी, उसकी बेटी विलाप कर रही थी, मैरिटोर्न्स रो रहा था, डोरोथिया भयभीत थी, लुसिंडा दहशत में थी और डोना क्लारा बेहोश हो गई थी। नाई ने सांचो को लाठी से पीटा और सांचो ने नाई को घूंसा मारा; डॉन लुइस ने अपने एक नौकर को, जिसने उसे भागने से रोकने के लिए बांह से पकड़ने की हिम्मत की थी, एक ऐसा थप्पड़ मारा जिससे उसके

दांत खून से लथपथ हो गए; न्यायाधीश ने भी अपना पक्ष लिया; डॉन फर्नांडो ने एक अधिकारी को नीचे गिरा दिया था और उसे बुरी तरह पीट रहा था; मकान मालिक ने पवित्र भाईचारे के लिए मदद की गुहार लगाते हुए फिर से अपनी आवाज बुलंद की; इस प्रकार पूरी सराय चीखों, चिल्लाहटों, चीखों, अफरा-तफरी, आतंक, व्याकुलता, दुर्घटनाओं, तलवारों के वार, मुक्केबाजी, लाठियों, लातों और खून-खराबे से भर गई थी। और इस सारी अराजकता, उलझन और सामान्य उलझन के बीच, डॉन क्विक्सोट को यह एहसास हुआ कि वह एग्रामेंटे के शिविर के कलह के बीचोंबीच आ गया है; और, एक ऐसी आवाज़ में जिसने सराय को बिजली की तरह हिला दिया, वह चिल्लाया:
"सब रुक जाओ, सब अपनी तलवारें म्यान में डाल लो, सब शांत हो जाओ और मेरी ओर ध्यान दो क्योंकि वे अपने जीवन को महत्व देते हैं!"
उनकी बुलंद आवाज सुनकर सब थम गए, और उन्होंने आगे कहा, "क्या मैंने आपको नहीं बताया था, महोदय, कि यह किला जादुई है, और इसमें शैतानों की एक बड़ी सेना निवास करती है? इसके प्रमाण स्वरूप मैं आप सभी से अपनी आँखों से देखने का आग्रह करता हूँ कि कैसे अग्रमांते के शिविर का झगड़ा यहाँ तक आ गया है, और हमारे बीच फैल गया है। देखिए वे कैसे लड़ रहे हैं, वहाँ तलवार के लिए, यहाँ घोड़े के लिए, उस तरफ बाज के लिए, उस तरफ हेलमेट के लिए; हम सब लड़ रहे हैं, और सबके उद्देश्य एक-दूसरे के विपरीत हैं। तो आइए, आप, माननीय न्यायाधीश, और आप, माननीय सहायक पादरी; एक राजा अग्रमांते का प्रतिनिधित्व करे और दूसरा राजा सोब्रिनो का, और हमारे बीच शांति स्थापित करें; क्योंकि सर्वशक्तिमान ईश्वर की कसम, यह बहुत दुखद बात है कि हम जैसे इतने प्रतिष्ठित लोग इतने तुच्छ कारण से एक-दूसरे को मार डालें।" डॉन क्विक्सोट की बोलने की शैली को न समझने वाले अधिकारी, जिन्हें डॉन फर्नांडो, कार्डेनियो और उनके साथियों ने बुरी तरह पीटा था, शांत होने को तैयार नहीं थे; हालांकि नाई शांत हो गया, क्योंकि उसकी दाढ़ी और काठी दोनों ही संघर्ष में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए थे; सांचो एक अच्छे सेवक की तरह अपने मालिक की हर बात मानता था; जबकि डॉन लुइस के चार सेवक चुप रहे क्योंकि उन्होंने देखा कि चुप न रहने से उन्हें कितना कम लाभ होगा। केवल सराय मालिक ही इस बात पर अड़ा रहा कि उन्हें इस पागल आदमी की धृष्टता का दंड देना ही होगा, जो हर मोड़ पर सराय में हंगामा खड़ा करता था; लेकिन अंततः

शोरगुल फिलहाल के लिए शांत हो गया; काठी कयामत के दिन तक एक आभूषण बनी रही, और कुंड एक हेलमेट और सराय डॉन क्विक्सोट की कल्पना में एक महल बन गई। न्यायाधीश और पादरी के समझाने-बुझाने से सभी शांत हो गए और मित्र बन गए, तो डॉन लुइस के सेवकों ने फिर से उनसे तुरंत उनके साथ लौटने का आग्रह करना शुरू कर दिया। जब न्यायाधीश उनसे इस मामले पर चर्चा कर रहे थे, तो उन्होंने डॉन फर्नांडो, कार्डेनियो और पादरी से इस बारे में सलाह ली कि उन्हें इस मामले में क्या करना चाहिए, उन्हें स्थिति और डॉन लुइस ने उनसे क्या कहा था, यह बताया। अंततः यह सहमति बनी कि डॉन फर्नांडो, डॉन लुइस के सेवकों को अपना परिचय देंगे और यह बताएंगे कि उनकी इच्छा है कि डॉन लुइस उनके साथ अंडालूसिया चलें, जहाँ उनके भाई मार्क्विस द्वारा उनका उचित स्वागत किया जाएगा; क्योंकि अन्यथा, डॉन लुइस के दृढ़ संकल्प से यह स्पष्ट था कि वे अभी अपने पिता के पास नहीं लौटेंगे, चाहे उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाए। डॉन फर्नांडो के पद और डॉन लुइस के संकल्प के बारे में जानने पर, चारों ने आपस में तय किया कि उनमें से तीन उसके पिता को स्थिति के बारे में बताने के लिए लौटेंगे, और तीसरा डॉन लुइस की सेवा में रहेगा और तब तक उसका साथ नहीं छोड़ेगा जब तक वे वापस नहीं आ जाते या उसके पिता के आदेश नहीं मिल जाते। इस प्रकार अग्रमांटे के अधिकार और राजा सोब्रिनो की बुद्धिमत्ता से विवादों का यह सारा जाल सुलझाया गया; लेकिन सद्भाव का शत्रु और शांति का दुश्मन, खुद को अपमानित और मूर्ख महसूस करते हुए, और यह देखकर कि उन सभी को इतने जटिल जाल में फंसाने के बाद भी उसे कितना कम लाभ हुआ है, उसने नए झगड़े और अशांति फैलाने का फैसला किया।
बात कुछ इस तरह हुई: अधिकारियों को जब पता चला कि वे किन लोगों से लड़ रहे थे, तो वे शांत हो गए और लड़ाई से पीछे हट गए, क्योंकि उन्हें लगा कि परिणाम चाहे जो भी हो, लड़ाई में हार उन्हीं की होगी। लेकिन उनमें से एक, जिसे डॉन फर्नांडो ने बुरी तरह पीटा और लात मारी थी, उसे याद आया कि कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी के वारंटों में से एक डॉन क्विक्सोट के खिलाफ भी था, जिसे पवित्र भाईचारे ने जहाज के गुलामों को आज़ाद करने के आरोप में गिरफ्तार करने का आदेश दिया था, जैसा कि सांचो ने बिल्कुल सही आशंका जताई थी। फिर, उसे शक हुआ कि डॉन क्विक्सोट का चेहरा उससे मिलता है या नहीं; और अपनी जेब से एक कागज़ निकालकर उसने वह कागज़ ढूंढ लिया जिसकी उसे तलाश थी। वह उसे ध्यान से पढ़ने लगा, क्योंकि वह जल्दी पढ़ने वाला नहीं था। जैसे ही उसने

एक-एक शब्द पढ़ा, उसकी नज़र डॉन क्विक्सोट पर टिक गई और वह वारंट में दिए गए विवरण की तुलना उसके चेहरे से करने लगा, और उसने पाया कि वह बिना किसी शक के वही व्यक्ति था जिसका वर्णन उसमें किया गया था। जैसे ही उसने खुद को संतुष्ट किया, उसने चर्मपत्र को मोड़कर वारंट को अपने बाएं हाथ में लिया और अपने दाहिने हाथ से डॉन क्विक्सोट को इतनी कसकर कॉलर से पकड़ लिया कि उसे सांस लेने का भी मौका नहीं मिला, और जोर से चिल्लाया, "पवित्र भाईचारे की रक्षा करो! और ताकि तुम देख सको कि मैं इसे गंभीरता से मांग रहा हूं, इस वारंट को पढ़ो जिसमें लिखा है कि इस लुटेरे को गिरफ्तार किया जाना है।" पादरी ने वारंट लिया और देखा कि अधिकारी की बात सच थी, और डॉन क्विक्सोट के हावभाव से मेल खाती थी। डॉन क्विक्सोट ने जब देखा कि इस बदमाश ने उसके साथ बुरा बर्ताव किया है, तो वह गुस्से से आग बबूला हो गया। क्रोध से उसके सारे जोड़ कांप रहे थे, और उसने दोनों हाथों से पूरी ताकत से अधिकारी का गला पकड़ लिया। अगर उसके साथियों ने उसकी मदद न की होती, तो डॉन क्विक्सोट के हाथ छोड़ने से पहले ही उसकी जान निकल जाती। ज़मींदार, जिसे मजबूरी में अपने साथी अधिकारियों का साथ देना था, तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़ा। ज़मींदार की पत्नी ने जब अपने पति को फिर से झगड़े में उलझा देखा, तो उसने फिर से ज़ोर से आवाज़ उठाई, जिसे तुरंत मैरिटोर्न्स और उसकी बेटी ने सुना और मदद के लिए आसमान और वहाँ मौजूद सभी लोगों से गुहार लगाई। यह सब देखकर सांचो चिल्लाया, "भगवान की कसम, मेरे मालिक ने इस महल के जादू-टोने के बारे में जो कहा है, वह बिलकुल सच है, क्योंकि इसमें एक घंटा भी शांति से रहना नामुमकिन है!"
डॉन फर्नांडो ने अधिकारी और डॉन क्विक्सोट को अलग किया और उनकी आपसी संतुष्टि के लिए उन्हें अपनी पकड़ ढीली करने के लिए मजबूर किया, जिससे एक ने अपने प्रतिद्वंद्वी के कोट का कॉलर और दूसरे ने उसका गला पकड़ रखा था; हालाँकि, इन सबके बावजूद, अधिकारियों ने अपने कैदी को वापस माँगना और उनसे मदद माँगना बंद नहीं किया, और उसे राजा और पवित्र बंधुत्व की सेवा के लिए आवश्यक रूप से उनके हवाले करने की गुहार लगाई, जिनकी ओर से उन्होंने इस लुटेरे और राजमार्गों के डाकू को पकड़ने के लिए फिर से सहायता और सहयोग की माँग की।
ये शब्द सुनकर डॉन क्विक्सोट मुस्कुराया और बड़ी शांति से बोला, "अरे, नीच, दुष्टों; क्या तुम इसे लूटपाट कहते हो गुलामों को आज़ाद कराना, कैदियों को

रिहा करना, दुखियों की मदद करना, गिरे हुओं को उठाना, ज़रूरतमंदों की सहायता करना? हे नीच प्राणियों, तुम अपनी नीच बुद्धि के कारण इस बात के लायक हो कि स्वर्ग तुम्हें वीरता का गुण न दिखाए, या उस पाप और अज्ञानता को न समझाए जिसमें तुम डूबे हो जब तुम किसी वीर योद्धा की परछाई का भी सम्मान नहीं करते, उसकी उपस्थिति का तो कहना ही क्या! अरे, अब बताओ, अधिकारियों का नहीं, चोरों का गिरोह; पवित्र भाईचारे का लाइसेंस प्राप्त लुटेरे; मुझे बताओ वह कौन अज्ञानी था जिसने मुझ जैसे वीर योद्धा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पर हस्ताक्षर किए? वह कौन था जो यह नहीं जानता था कि वीर योद्धा सभी अधिकार क्षेत्रों से स्वतंत्र होते हैं, उनका कानून उनकी तलवार है, उनका अधिकार पत्र उनकी वीरता है, और उनके आदेश उनकी इच्छा हैं? मैं फिर कहता हूँ, वह मूर्ख कौन था? कौन नहीं जानता कि कुलीनता के ऐसे कोई प्रमाण पत्र नहीं होते जो एक वीर योद्धा को उस दिन प्राप्त होने वाले विशेषाधिकार या छूट प्रदान करते हों, जिस दिन उसे वीर की उपाधि दी जाती है और वह वीरता के कठिन मार्ग पर चलने का निश्चय करता है? किस वीर योद्धा ने कभी कर, शुल्क, रानी का भत्ता, राजा का कर, टोल या नौका का किराया चुकाया है? किस दर्जी ने कभी उसके कपड़े सिलने के लिए उससे भुगतान लिया है? किस किलेदार ने उसे अपने महल में शरण दी है और कभी उससे तोप का शुल्क लिया है? किस राजा ने उसे अपने भोजनालय में नहीं बैठाया? कौन सी युवती उससे मोहित नहीं हुई और स्वयं को पूरी तरह से उसकी इच्छा और प्रसन्नता के हवाले नहीं कर दिया? और अंत में, दुनिया में ऐसा कौन सा वीर योद्धा हुआ है, है या कभी होगा, जो इतना साहसी न हो कि पवित्र भाईचारे के चार सौ अधिकारियों को, यदि वे उसके रास्ते में आएं, तो अकेले ही चार सौ लाठियों से पीट दे?

46

अध्याय
पवित्र बंधुत्व के अधिकारियों के उल्लेखनीय साहसिक कार्य के अंत और हमारे वीर योद्धा डॉन क्विक्सोट की महान वीरता के बारे में।
जब डॉन क्विक्सोट इस तरह की बातें कर रहा था, तब पादरी अधिकारियों को यह समझाने की कोशिश कर रहा था कि वह होश में नहीं है, जैसा कि उसके कामों और शब्दों से स्पष्ट है, और उन्हें इस मामले को आगे बढ़ाने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि अगर वे उसे गिरफ्तार करके ले भी जाते हैं, तो उन्हें उसे कुछ समय बाद पागल मानकर रिहा करना ही पड़ेगा; इस पर वारंट धारक ने जवाब दिया कि डॉन क्विक्सोट के पागलपन की जाँच से उसका कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि वह केवल अपने वरिष्ठ अधिकारी के आदेशों का पालन कर रहा है, और एक बार पकड़े जाने के बाद वे चाहें तो उसे तीन सौ बार भी छोड़ सकते हैं।
"इन सब बातों के बावजूद," पादरी ने कहा, "इस बार आपको उसे अपने साथ नहीं ले जाना चाहिए, और मेरा मानना है कि वह खुद को ले जाने नहीं देगा।"
संक्षेप में, पादरी ने ऐसे तर्क दिए और डॉन क्विक्सोट ने ऐसी मूर्खतापूर्ण हरकतें कीं कि अगर अधिकारियों को उसकी अक्ल का एहसास न होता, तो वे उससे भी ज़्यादा पागल हो जाते। इसलिए उन्होंने शांत रहना ही बेहतर समझा और नाई और सांचो पांजा के बीच सुलह कराने का प्रयास किया, जो अभी भी बहुत कड़वाहट के साथ झगड़ा जारी रखे हुए थे। अंत में, न्याय के अधिकारियों के रूप में, उन्होंने मध्यस्थता द्वारा मामले को इस प्रकार सुलझाया कि दोनों पक्ष, यदि पूरी तरह से संतुष्ट नहीं थे, तो कम से कम कुछ हद तक संतुष्ट हो गए; क्योंकि उन्होंने सामान ढोने वाली काठी तो बदल दी, लेकिन कमरबंद या सिर के पट्टे नहीं बदले; और माम्ब्रिनो के हेलमेट के संबंध में, पादरी ने चुपके से और डॉन क्विक्सोट को बिना बताए, बेसिन के लिए आठ रील्स का भुगतान किया, और नाई ने पूरी रसीद पर हस्ताक्षर किए और यह वचन दिया कि वह भविष्य में कभी भी कोई और मांग नहीं करेगा। ये दो विवाद, जो सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर थे, सुलझ जाने के बाद, केवल डॉन लुइस के नौकरों की सहमति बाकी थी कि उनमें से तीन लौट जाएँ जबकि एक को डॉन फर्नांडो के साथ वहाँ भेजा जाए जहाँ डॉन लुइस उन्हें ले जाना चाहते थे; और सौभाग्य और बेहतर किस्मत, जो पहले से ही सराय के प्रेमियों और योद्धाओं के पक्ष में कठिनाइयों को हल करने और बाधाओं को

दूर करने लगी थी, ने अपना साथ दिया और सब कुछ सुखद अंत तक पहुँचाया; क्योंकि नौकर डॉन लुइस की इच्छा के अनुसार करने के लिए सहमत हो गए; जिससे डोना क्लारा को इतनी खुशी मिली कि उस समय कोई भी उनके चेहरे को देखे बिना उनके दिल की खुशी को नहीं देख सकता था। ज़ोराइडा, हालाँकि वह जो कुछ देख रही थी उसे पूरी तरह से समझ नहीं पा रही थी, फिर भी वह गंभीर या प्रसन्न थी, बिना यह जाने कि क्यों, क्योंकि वह विभिन्न चेहरों को देख रही थी और उनका अध्ययन कर रही थी, विशेषकर अपने स्पेनिश साथी के चेहरे को, जिसका वह अपनी आँखों से अनुसरण कर रही थी और अपनी आत्मा से उससे जुड़ी हुई थी। पादरी द्वारा नाई को दिए गए उपहार और मुआवजे की जानकारी मकान मालिक की नज़र से नहीं बच पाई थी, और उसने डॉन क्विक्सोट से हिसाब मांगा, साथ ही अपनी मदिरा मशकों को हुए नुकसान और मदिरा के नुकसान की भी मांग की। उसने शपथ ली कि जब तक उसे एक-एक पैसा चुका नहीं दिया जाता, तब तक न तो रोसिनांटे और न ही सांचो का गधा सराय से बाहर जाएगा। पादरी ने सौहार्दपूर्वक मामला सुलझा लिया और डॉन फर्नांडो ने भुगतान कर दिया; हालांकि न्यायाधीश ने भी बड़ी आसानी से बकाया चुकाने की पेशकश की थी; और सब कुछ इतना शांत और स्थिर हो गया कि सराय अब डॉन क्विक्सोट के कहे अनुसार, एग्रामेंटे के शिविर के कलह की याद नहीं दिलाती थी, बल्कि ऑक्टेवियनस के दिनों की शांति और सुकून की याद दिलाती थी: इन सबके लिए सर्वमान्य मत था कि वे पादरी के महान उत्साह और वाक्पटुता तथा डॉन फर्नांडो की अद्वितीय उदारता के आभारी थे।
अब अपने आप को सभी झगड़ों से मुक्त और बरी पाकर, चाहे वो उसके साथी के हों या स्वयं के, डॉन क्विक्सोट ने सोचा कि जिस यात्रा को उसने शुरू किया था उसे जारी रखना और उस महान साहसिक कार्य को समाप्त करना उचित होगा जिसके लिए उसे बुलाया और चुना गया था; और इस दृढ़ संकल्प के साथ वह गया और डोरोथिया के सामने घुटने टेक दिए, जिसने हालांकि, उसके उठने तक उसे एक शब्द भी बोलने की अनुमति नहीं दी; इसलिए उसकी आज्ञा मानकर वह उठा और बोला, "हे प्रिय महिला, यह एक प्रसिद्ध कहावत है कि 'परिश्रम ही सफलता की जननी है', और महत्वपूर्ण मामलों में अनुभव ने अक्सर दिखाया है कि वार्ताकार की लगन से अनिश्चित मामला भी सफलतापूर्वक सुलझ जाता है; लेकिन युद्ध में यह सत्य सबसे स्पष्ट रूप से प्रकट होता है, जहाँ शीघ्रता और सक्रियता शत्रु की चालों को नाकाम कर देती है और शत्रु को बचाव का समय मिलने से पहले ही विजय दिला देती है। हे परम पूज्य महिला, मैं यह सब इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि

मुझे लगता है कि अब इस किले में और अधिक समय तक रहना व्यर्थ है, और यह हमारे लिए किसी न किसी तरह से हानिकारक हो सकता है जिसका परिणाम हमें एक दिन पता चलेगा; क्योंकि कौन जानता है कि आपके शत्रु, उस दैत्य को गुप्त और सतर्क जासूसों के माध्यम से यह पता न चल जाए कि मैं उसे नष्ट करने जा रहा हूँ, और यदि उसे अवसर मिल जाए तो वह इसका लाभ उठाकर किसी अभेद्य किले या गढ़ में स्वयं को मजबूत कर ले, जिसके विरुद्ध मेरे सभी प्रयास और मेरी अथक भुजाओं का बल व्यर्थ हो जाए? इसलिए, हे महिला, आइए, जैसा कि मैं कहते हैं, हमारी सक्रियता से उसकी योजनाओं को विफल कर दें, और हम तुरंत अच्छे भाग्य की तलाश में निकल पड़ें; क्योंकि महाराज, आपके शत्रु से मिलने में मेरी देरी के कारण ही आप अपने भाग्य का पूरी तरह से आनंद नहीं ले पा रहे हैं।"
डॉन क्विक्सोट चुप रहे और कुछ नहीं बोले, शांत भाव से सुंदर राजकुमारी के उत्तर की प्रतीक्षा करने लगे। राजकुमारी ने गरिमापूर्ण ढंग से और डॉन क्विक्सोट के ही लहजे में उन्हें इन शब्दों में उत्तर दिया, "हे महाराज, मैं आपको धन्यवाद देती हूँ कि आपने एक अच्छे शूरवीर की तरह, जिसका यह स्वाभाविक कर्तव्य है कि वह अनाथ और जरूरतमंदों की सहायता करे, मेरी इस कठिन घड़ी में मेरी सहायता करने की तत्परता दिखाई; ईश्वर करे कि आपकी और मेरी इच्छाएँ पूर्ण हों, ताकि आप देख सकें कि इस संसार में कृतज्ञ होने के योग्य स्त्री भी हैं; जहाँ तक मेरे प्रस्थान की बात है, तो मैं तुरंत प्रस्थान कर दूँ, क्योंकि मेरी इच्छा केवल आपकी है; आप मेरे साथ अपनी इच्छा के अनुसार व्यवहार करें; क्योंकि जिसने एक बार अपनी सुरक्षा का भार आपको सौंपा है और अपने राज्य की पुनः प्राप्ति का दायित्व आपके हाथों में दिया है, उसे आपके द्वारा दिए गए निर्णय का विरोध करने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए।"
"तो फिर, ईश्वर के नाम पर," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि जब कोई महिला मेरे सामने झुकती है, तो मैं उसे ऊपर उठाने और उसके पूर्वजों के सिंहासन पर बिठाने का अवसर नहीं गंवाता। चलो तुरंत चलें, क्योंकि यह कहावत कि देरी में खतरा होता है, मेरी यात्रा की उत्सुकता को और बढ़ा देती है; और चूंकि न तो स्वर्ग ने और न ही नरक ने किसी ऐसे प्राणी को देखा है जो मुझे डरा सके, इसलिए रोसिनांटे और सांचो को तैयार करो, और अपने गधे और रानी के घोड़े को तैयार करो, और चलो किलेदार और इन सज्जनों से विदा लेकर अभी इसी वक्त यहाँ से चलें।"

सांचो, जो हर समय वहीं खड़ा था, ने सिर हिलाते हुए कहा, "आह! स्वामी जी, स्वामी जी, गाँव में जितनी बुराई सुनने को मिलती है, उससे कहीं अधिक बुराई फैली हुई है, सभी भले लोगों से क्षमा मांगता हूँ।"
"ऐसे में भला कौन सी शरारत हो सकती है, चाहे किसी गांव में हो या दुनिया के सारे शहरों में, जो मेरी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा सके?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"यदि महाराज क्रोधित हैं," सांचो ने उत्तर दिया, "तो मैं चुप रहूंगा और वह बात नहीं कहूंगा जो एक अच्छे सहायक के रूप में मुझे कहनी चाहिए, और जो एक अच्छे सेवक को अपने स्वामी से कहनी चाहिए।"
"तुम जो चाहो कहो," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "बशर्ते तुम्हारे शब्दों का उद्देश्य मेरे भय को बढ़ाना न हो; क्योंकि यदि तुम भयभीत हो, तो तुम अपने स्वभाव के अनुरूप व्यवहार कर रहे हो; परन्तु मैं अपने स्वभाव के अनुरूप ही भयभीत नहीं हूँ।"
"ऐसा कुछ नहीं है, मैं ईश्वर के सामने पापी हूँ," सांचो ने कहा, "लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि यह महिला, जो खुद को मिकोमिकॉन के महान राज्य की रानी कहती है, मेरी माँ से ज़्यादा कुछ नहीं है; क्योंकि अगर वह वैसी होती जैसा वह कहती है, तो वह उस व्यक्ति से नाक नहीं मिलाती जो हर पल यहाँ मौजूद है और हर दरवाजे के पीछे है।"
सांचो की बातों पर डोरोथिया का चेहरा लाल हो गया, क्योंकि सच्चाई यह थी कि उसके पति डॉन फर्नांडो ने कभी-कभार, जब दूसरे नहीं देख रहे होते थे, तो उसके होठों से अपने प्रेम का कुछ अंश निकाल लिया था, और सांचो ने यह देखकर सोचा कि ऐसी स्वतंत्रता किसी महान राज्य की रानी की बजाय एक वेश्या जैसी अधिक लगती है; हालाँकि, वह उसका उत्तर देने में असमर्थ या अनिच्छुक थी, इसलिए उसने उसे बोलने दिया, और उसने आगे कहा, "मैं यह इसलिए कह रहा हूँ, महोदय, क्योंकि यदि सड़कों और राजमार्गों पर यात्रा करने, बुरी रातों और उससे भी बुरे दिनों को गुजारने के बाद, जो अभी इस सराय में आनंद ले रहा है, उसे हमारे परिश्रम का फल मिलना है, तो मुझे रोसिनांटे पर काठी कसने, गधे पर गदा लगाने या घोड़े को तैयार करने की जल्दी करने की कोई आवश्यकता नहीं है; क्योंकि हमारे लिए शांत रहना और हर महिला को अपना कताई कार्य करने देना और भोजन पर जाना बेहतर होगा।"

हे भगवान! डॉन क्विक्सोट को अपने साथी के ये दुस्साहसी शब्द सुनकर कितना गुस्सा आया होगा! इतना गुस्सा आया कि क्रोध से कांपती आवाज में, लड़खड़ाती जुबान से और धधकती आंखों से वह चिल्लाया, "अरे बदमाश, असभ्य, उद्दंड, अज्ञानी, बदतमीज, गंदी जुबान वाला, ढीठ चुगलखोर और निंदक! क्या तुमने मेरे सामने और इन प्रतिष्ठित महिलाओं के सामने ऐसे शब्द बोलने की हिम्मत की? क्या तुमने अपनी उलझी हुई कल्पना में ऐसे घिनौने और बेशर्म विचार रखने की हिम्मत की? मेरे सामने से दूर हो जा, हे जन्मजात राक्षस, झूठ का भंडार, असत्य का संग्रह, धूर्तता का अड्डा, घोटालों का सूत्रधार, बेतुकी बातों का प्रकाशक, राजसी व्यक्तियों के प्रति सम्मान का शत्रु! दूर हो जा, मेरे क्रोध के दंड के तहत फिर कभी मेरे सामने मत आना।" और ऐसा कहते हुए उसने अपनी भौंहें सिकोड़ीं, गाल फुलाए, चारों ओर देखा और अपने दाहिने पैर से ज़मीन पर ज़ोर से पटका, जिससे उसके दिल में दबा हुआ सारा गुस्सा ज़ाहिर हो गया; और उसके शब्दों और गुस्से भरे हाव-भाव से सांचो इतना डर गया और सहम गया कि अगर उसी पल धरती फटकर उसे निगल लेती तो उसे खुशी होती, और उसके मन में बस यही ख्याल था कि वह मुड़कर अपने मालिक के गुस्से से भरे चेहरे से भाग जाए।
लेकिन चतुर डोरोथिया, जो उस समय तक डॉन क्विक्सोट के स्वभाव को भली-भांति समझ चुकी थी, ने उसके क्रोध को शांत करने के लिए कहा, "अपने भले सरदार, शोकग्रस्त चेहरे वाले शूरवीर, की कही हुई बेतुकी बातों पर क्रोधित न हों, क्योंकि शायद उन्होंने ये बातें बिना कारण के नहीं कही होंगी, और अपनी अच्छी समझ और ईसाई अंतरात्मा के कारण यह संभव नहीं है कि वे किसी के विरुद्ध झूठी गवाही देंगे। इसलिए हम बिना किसी संकोच के यह मान सकते हैं कि जैसा कि आप कहते हैं, शूरवीर, इस महल में सब कुछ जादू-टोने के माध्यम से होता है, तो मेरा मानना है कि सांचो ने शायद इसी शैतानी माध्यम से वह सब देखा होगा जो वह मेरी मर्यादा को ठेस पहुँचाते हुए कहता है।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर की कसम खाता हूँ, महाराज, आपने बिल्कुल सही बात कही है; और इस पापी सांचो के सामने कोई घिनौना भ्रम अवश्य आया होगा, जिसने उसे वह दिखाया जो जादू-टोने के अलावा किसी और तरीके से देखना असंभव था; क्योंकि मैं इस बेचारे की अच्छाई और निर्दोषता से भली-भांति जानता हूँ कि वह किसी के भी विरुद्ध झूठी गवाही देने में असमर्थ है।"

"बिल्कुल सही, इसमें कोई शक नहीं," डॉन फर्नांडो ने कहा, "इसीलिए, सेनर डॉन क्विक्सोट, आपको उसे माफ कर देना चाहिए और उसे अपने स्नेह के दायरे में वापस ला देना चाहिए, क्योंकि यह शुरुआत में ऐसा ही था, इससे पहले कि इस तरह के भ्रम ने उसकी समझ छीन ली हो।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा कि वह उसे क्षमा करने के लिए तैयार है, और पादरी सांचो को बुलाने गया, जो अत्यंत विनम्रता से आया और घुटनों के बल गिरकर अपने स्वामी का हाथ मांगा। स्वामी ने उसे अपना हाथ दिया और उसे चूमने की अनुमति दी, फिर उसे आशीर्वाद दिया और कहा, "अब, मेरे पुत्र सांचो, तुम उस बात की सच्चाई से आश्वस्त हो जाओगे जो मैंने तुम्हें कई बार बताई है, कि इस महल में सब कुछ जादू-टोने के माध्यम से किया जाता है।"
"मुझे लगता है कि ऐसा ही है," सांचो ने कहा, "सिवाय कंबल वाली घटना के, जो वास्तव में सामान्य तरीकों से घटित हुई।"
"ऐसा मत मानो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर ऐसा होता, तो मैं उसी क्षण, या अभी भी तुम्हारा बदला ले लेता; लेकिन न तो तब और न ही अब मैं ऐसा कर सकता था, और न ही मैंने किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जिस पर मैं तुम्हारे अन्याय का बदला ले सकूँ।"
वे सभी कंबल के रहस्य को जानने के लिए उत्सुक थे, और मकान मालिक ने उन्हें सांचो के भागने का विस्तृत विवरण दिया, जिस पर वे खूब हंसे। सांचो का चेहरा भी उतना ही उतरा होता अगर उसके मालिक ने उसे एक बार फिर यह आश्वासन न दिया होता कि यह सब जादू-टोना था। हालांकि, उसकी सरलता इतनी भी भोली नहीं थी कि वह खुद को यह यकीन दिला सके कि यह बिल्कुल सच नहीं है, इसमें कोई छल नहीं है, कि उसे हाड़-मांस के प्राणियों ने कंबल ओढ़ाया था, न कि काल्पनिक प्रेतों ने, जैसा कि उसका मालिक मानता और कहता था।
प्रतिष्ठित मंडली को सराय में ठहरे दो दिन हो चुके थे; और जब उन्हें लगा कि अब जाने का समय हो गया है, तो उन्होंने एक योजना बनाई ताकि डोरोथिया और डॉन फर्नांडो को रानी मिकोमिकोना को वापस लाने के बहाने डॉन क्विक्सोट को उसके गाँव वापस ले जाने की परेशानी न उठानी पड़े। इसके बजाय, पादरी और नाई उसे अपने साथ ले जा सकें, जैसा कि उन्होंने तय किया था, और पादरी घर जाकर उसके पागलपन का इलाज कर सके। अपनी योजना के अनुसार, उन्होंने उस रास्ते से गुजर रहे एक बैलगाड़ी मालिक से डॉन क्विक्सोट को इस तरह ले जाने की व्यवस्था की। उन्होंने लकड़ी की सलाखों से एक पिंजरा बनाया, जो डॉन

वीर पिता के हिंसक पंजों का मुकाबला करेंगे; और यह तब होगा जब उड़ती हुई अप्सरा का पीछा करने वाला अपने तीव्र प्राकृतिक मार्ग में दो बार नक्षत्रों का भ्रमण भी नहीं कर पाएगा। और हे सबसे महान और आज्ञाकारी योद्धा, चाहे तुमने कभी कमर में तलवार रखी हो, चेहरे पर दाढ़ी रखी हो, या नाक से सूंघने की कला का प्रयोग किया हो, अपने सामने इस वीर योद्धा को इस प्रकार जाते देखकर निराश या दुखी मत होना; क्योंकि शीघ्र ही, यदि ब्रह्मांड के रचयिता की यही इच्छा हो, तो तुम स्वयं को इतनी ऊँचाई पर पाओगे कि तुम स्वयं को पहचान नहीं पाओगे, और तुम्हारे स्वामी ने तुमसे जो वादे किए हैं वे झूठे साबित नहीं होंगे; और मैं तुम्हें ऋषि मेन्टिरोनियाना के वचन पर आश्वस्त करता हूँ कि तुम्हारा वेतन तुम्हें उचित समय पर दिया जाएगा। इसलिए उस वीर जादुई योद्धा के पदचिन्हों पर चलो, क्योंकि तुम दोनों के लिए निर्धारित गंतव्य पर जाना आवश्यक है; और चूंकि मुझे इससे अधिक कहने की अनुमति नहीं है, इसलिए ईश्वर तुम्हारे साथ हो; क्योंकि मैं उस स्थान पर लौट रहा हूँ जिसके बारे में मैं जानता हूँ। और जैसे ही उसने भविष्यवाणी समाप्त की, उसने अपनी आवाज को ऊँची कर दिया, और फिर उसे इतनी धीमी कर दिया कि जो लोग जानते थे कि यह सब एक मजाक था, वे भी लगभग उसकी बात को गंभीरता से लेने को तैयार हो गए।
डॉन क्विक्सोट को सुनी गई भविष्यवाणी से सांत्वना मिली, क्योंकि वह तुरंत ही इसका अर्थ पूरी तरह समझ गया और उसे यह वादा किया गया था कि वह अपनी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो के साथ पवित्र और वैध विवाह बंधन में बंधेगा, जिसके पवित्र गर्भ से उसके पुत्र, ला मांचा की शाश्वत महिमा के लिए जन्म लेंगे; और इस बात से पूरी तरह आश्वस्त होकर, उसने अपनी आवाज बुलंद की और गहरी आह भरते हुए कहा, "हे प्रभु, तू जो भी हो, जिसने मुझे इतनी अच्छी बातें बताई हैं, मैं तुझसे विनती करता हूँ कि तू मेरी ओर से उस बुद्धिमान जादूगर से विनती कर, जो मेरे हितों की रक्षा करता है, कि वह मुझे इस कैद में मरने न दे, जिसमें वे मुझे ले जा रहे हैं, इससे पहले कि मैं उन वादों को पूरा होते देखूँ जो इतने आनंददायक और अतुलनीय हैं; क्योंकि, अगर ऐसा हुआ, तो मैं अपनी कैद की पीड़ाओं में आनंदित होऊंगा, उन जंजीरों में आराम पाऊंगा जिनसे वे मुझे बांधते हैं, और जिस पलंग पर वे मुझे लिटाते हैं, उसे कठोर युद्धक्षेत्र नहीं, बल्कि एक कोमल और सुखद वैवाहिक पलंग मानूंगा; और अपने सहायक सांचो पांजा के सांत्वना के संदर्भ में, मैं उसकी अच्छाई और

सत्यनिष्ठा पर भरोसा करता हूँ कि वह अच्छे या बुरे समय में मेरा साथ नहीं छोड़ेगा; क्योंकि यदि, उसके या मेरे दुर्भाग्य से, उसे सांत्वना देना मेरे बस में न हो। मैंने जिस द्वीप का वादा किया है, या उसके बदले में जो भी कुछ दिया जाएगा, कम से कम उसका वेतन तो नहीं खोएगा; क्योंकि मेरी वसीयत में, जो पहले ही बन चुकी है, मैंने उसे भुगतान की जाने वाली राशि का उल्लेख किया है, जो उसकी अनेक निष्ठापूर्ण सेवाओं के आधार पर नहीं, बल्कि मेरे पास उपलब्ध साधनों के आधार पर तय की जाएगी।"
सांचो ने अत्यंत आदरपूर्वक अपना सिर झुकाया और अपने दोनों हाथों को चूमा, क्योंकि बंधे होने के कारण वह एक हाथ को चूम नहीं सकता था; और फिर प्रेतों ने पिंजरे को अपने कंधों पर उठाया और उसे बैलगाड़ी पर लगा दिया।

47

अध्याय
डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा के जादू से वश में होकर बह जाने के विचित्र तरीके और अन्य उल्लेखनीय घटनाओं के बारे में।
जब डॉन क्विक्सोट ने खुद को इस तरह पिंजरे में बंद और गाड़ी पर लादा हुआ देखा, तो उसने कहा, "मैंने वीर योद्धाओं के कई गंभीर इतिहास पढ़े हैं; लेकिन मैंने कभी भी जादुई योद्धाओं को इस तरह, या इन आलसी, सुस्त जानवरों की धीमी गति से ले जाते हुए नहीं देखा, न ही पढ़ा है; क्योंकि वे हमेशा उन्हें हवा में अद्भुत तेज़ी से, घने काले बादल में लपेटकर, या अग्नि रथ पर, या शायद किसी दरियाई घोड़े या उसी तरह के किसी अन्य जानवर पर ले जाते हैं; लेकिन मुझे इस तरह बैलगाड़ी पर ले जाना! हे भगवान, यह मुझे हैरान कर देता है! लेकिन शायद हमारे समय की वीरता और जादू अतीत के समय से अलग मार्ग अपनाते हैं; और यह भी हो सकता है कि चूंकि मैं दुनिया में एक नया योद्धा हूं, और वीर-साहसिक योद्धाओं के पहले से ही भूले हुए पेशे को पुनर्जीवित करने वाला पहला व्यक्ति हूं, इसलिए उन्होंने जादू के अन्य प्रकार और जादू से प्रभावित लोगों को ले जाने के अन्य तरीके ईजाद किए हों। तुम क्या सोचते हो?" इस मामले के बारे में, मेरे बेटे सांचो?
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि मैं आपकी तरह भ्रामक ग्रंथों का उतना जानकार नहीं हूँ; लेकिन फिर भी मैं यह कहने और शपथ लेने का साहस करता हूँ कि हमारे आसपास जो ये दर्शन हो रहे हैं वे पूरी तरह से कैथोलिक नहीं हैं।"
"कैथोलिक!" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "हे मेरे पिता! ये कैथोलिक कैसे हो सकते हैं, जबकि ये सब शैतान हैं जिन्होंने अजीबोगरीब रूप धारण करके आकर ये सब किया है और मुझे इस हालत में पहुँचाया है? और अगर तुम इसे साबित करना चाहते हो, तो इन्हें छूकर देखो, और तुम्हें पता चलेगा कि इनके शरीर हवा के बने हैं, और दिखावे के अलावा इनमें कोई स्थिरता नहीं है।"
"हे भगवान," सांचो ने जवाब दिया, "मैंने उन्हें छू लिया है; और वह शैतान, जो वहाँ इतनी चहल-पहल से घूम रहा है, उसका शरीर मजबूत है, और उसमें एक और खासियत है जो मैंने शैतानों के बारे में सुनी-सुनाई बातों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि सभी शैतानों से गंधक और दूसरी बुरी गंध आती है; लेकिन इससे आधे

मील दूर से ही अंबर जैसी गंध आती है।" सांचो यहाँ डॉन फर्नांडो की बात कर रहा था, जो अपने पद के एक सज्जन व्यक्ति की तरह, संभवतः सांचो के कहे अनुसार इत्र लगाए हुए था।
"इस पर आश्चर्य मत करो, मेरे मित्र सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि मैं तुम्हें बता दूं कि शैतान धूर्त होते हैं; और भले ही वे अपने साथ गंध लेकर चलते हों, उनकी स्वयं कोई गंध नहीं होती, क्योंकि वे आत्माएं हैं; या, यदि उनमें कोई गंध होती भी है, तो वह किसी मीठी चीज की नहीं, बल्कि किसी दुर्गंधयुक्त और बदबूदार चीज की होती है; और इसका कारण यह है कि वे जहां भी जाते हैं, अपने साथ नरक लेकर चलते हैं, और उन्हें अपने कष्टों से कभी राहत नहीं मिलती, और चूंकि मीठी गंध सुख और आनंद देती है, इसलिए यह असंभव है कि उनकी गंध मीठी हो; तो, यदि जिस शैतान की तुम बात कर रहे हो, वह तुम्हें अंबर की गंध जैसा लगता है, तो या तो तुम स्वयं को धोखा दे रहे हो, या वह तुम्हें यह भ्रम पैदा करके धोखा देना चाहता है कि वह शैतान नहीं है।"
स्वामी और सेवक के बीच कुछ इस प्रकार की बातचीत हुई; डॉन फर्नांडो और कार्डेनियो, सांचो द्वारा अपनी योजना का पूरी तरह पता चलने के डर से, जिस दिशा में सांचो पहले ही कुछ हद तक आगे बढ़ चुका था, ने अपने प्रस्थान में तेजी लाने का संकल्प लिया और जमींदार को एक तरफ बुलाकर उसे रोसिनांटे पर काठी कसने और सांचो के गधे पर सामान ढोने वाली काठी लगाने का निर्देश दिया, जिसे उसने बड़ी तत्परता से कर दिया। इस बीच, पादरी ने अधिकारियों के साथ यह व्यवस्था कर ली थी कि वे उनके गाँव तक उनका साथ देंगे, जिसके लिए वह उन्हें प्रतिदिन कुछ निश्चित राशि का भुगतान करेगा। कार्डेनियो ने रोसिनांटे की काठी के एक तरफ ढाल और दूसरी तरफ कुंड लटका दिया, और इशारों से सांचो को अपने गधे पर सवार होकर रोसिनांटे की लगाम पकड़ने का आदेश दिया, और गाड़ी के दोनों ओर उसने दो-दो अधिकारियों को उनकी बंदूकों के साथ तैनात कर दिया; लेकिन गाड़ी के चलने से पहले ही, जमींदारनी और उसकी बेटी और मैरिटोर्न्स डॉन क्विक्सोट को विदाई देने के लिए बाहर आ गए, और उसके दुर्भाग्य पर शोक मनाने का नाटक किया; और डॉन क्विक्सोट ने उनसे कहा:
"हे देवियों, रोइए मत, क्योंकि ये सभी विपत्तियाँ उन लोगों के नसीब में होती हैं जो मेरे पेशे को अपनाते हैं; और अगर ये विपत्तियाँ मुझ पर न आतीं तो मैं खुद को एक प्रसिद्ध योद्धा न समझता; क्योंकि ऐसी बातें कभी भी साधारण योद्धाओं के साथ नहीं होतीं, क्योंकि दुनिया में कोई भी उनके बारे

में नहीं सोचता; ये वीर योद्धाओं के साथ होती हैं, क्योंकि कई राजकुमार और अन्य योद्धा उनके सद्गुण और वीरता से ईर्ष्या करते हैं और योग्य लोगों को नीच तरीकों से नष्ट करने की साजिश रचते हैं। फिर भी, सद्गुण स्वयं इतना शक्तिशाली है कि, इसके पहले आविष्कारक ज़ोरोएस्टर द्वारा ज्ञात सभी जादू के बावजूद, वह हर परीक्षा में विजयी होगा और पृथ्वी पर अपना प्रकाश उसी प्रकार फैलाएगा जैसे सूर्य आकाश पर फैलाता है। हे देवियों, मुझे क्षमा कीजिए, यदि अनजाने में मैंने किसी बात से आपको ठेस पहुँचाई हो; क्योंकि मैंने जानबूझकर और सोच-समझकर कभी किसी के साथ ऐसा नहीं किया है; और ईश्वर से प्रार्थना कीजिए कि वह मुझे उस बंधन से मुक्त करे जिसमें किसी दुष्ट जादूगर ने मुझे डाल रखा है; और यदि मैं स्वयं को मुक्त पाऊँ तो इसलिए, इस महल में आपने मुझ पर जो भी उपकार किए हैं, उन्हें मैं स्मृति में रखूंगा, ताकि मैं उन्हें स्वीकार कर सकूं, पहचान सकूं और उनका उचित प्रतिफल दे सकूं।"
जब महल की महिलाओं और डॉन क्विक्सोट के बीच ये बातें चल रही थीं, तब पादरी और नाई ने डॉन फर्नांडो और उनके साथियों, कप्तान, उनके भाई और सभी महिलाओं को विदाई दी, जो अब सभी खुश थे, और विशेष रूप से डोरोथिया और लुसिंडा को। सभी ने एक-दूसरे को गले लगाया और एक-दूसरे को अपने हालचाल बताने का वादा किया। डॉन फर्नांडो ने पादरी को बताया कि उन्हें कहाँ पत्र लिखना है, ताकि वे डॉन क्विक्सोट के बारे में बता सकें। उन्होंने आश्वासन दिया कि डॉन क्विक्सोट के बारे में जानने से बढ़कर उन्हें और कोई खुशी नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी कहा कि वे भी डॉन क्विक्सोट के विवाह, ज़ोराइडा के बपतिस्मा, डॉन लुइस के प्रेम प्रसंग और लुसिंडा के घर लौटने के बारे में हर वो बात उन्हें भेजेंगे जो वे जानना चाहते हैं। पादरी ने उनकी बात का ध्यानपूर्वक पालन करने का वादा किया और वे एक बार फिर गले मिले और अपने वादे दोहराए।
मकान मालिक पादरी के पास आया और उसे कुछ कागज़ सौंपते हुए कहा कि उसने उन्हें उस सूटकेस की तह में पाया है जिसमें "द इल-एडवाइज़्ड क्यूरियोसिटी" उपन्यास मिला था, और वह उन्हें अपने साथ ले जा सकता है क्योंकि उनका मालिक तब से वापस नहीं आया है; क्योंकि वह पढ़ नहीं सकता था, इसलिए उसे उनकी ज़रूरत नहीं थी। पादरी ने उसे धन्यवाद दिया, और कागज़ खोलकर पांडुलिपि की शुरुआत में "रिनकोनेट और कोर्टाडिलो का उपन्यास" शब्द देखे, जिससे उसे पता

चला कि यह एक उपन्यास है, और "द इल-एडवाइज़्ड क्यूरियोसिटी" अच्छा था, इसलिए उसने अनुमान लगाया कि यह भी अच्छा होगा, क्योंकि दोनों संभवतः एक ही लेखक द्वारा लिखे गए थे; इसलिए उसने इसे अपने पास रख लिया, और मौका मिलते ही पढ़ने का इरादा किया। फिर वह घोड़े पर सवार हुआ और उसका दोस्त नाई भी, दोनों ने अपना चेहरा छिपा लिया ताकि डॉन क्विक्सोट उन्हें पहचान न सके, और गाड़ी के पीछे-पीछे चलने लगे। चलने का क्रम इस प्रकार था: पहले गाड़ी, जिसके आगे मालिक था; जैसा कि बताया गया है, उसके दोनों ओर ब्रदरहुड के अधिकारी अपनी बंदूकों के साथ चल रहे थे; फिर सांचो पांजा अपने गधे पर सवार होकर रोसिनांटे को लगाम से खींचता हुआ उनके पीछे चल रहा था; और उन सबके पीछे पादरी और नाई अपने शक्तिशाली खच्चरों पर सवार होकर आ रहे थे, जैसा कि पहले बताया गया है, उनके चेहरे ढके हुए थे और वे गंभीर और संजीदा मुद्रा में थे, बैलों के धीमे कदमों के अनुसार अपनी चाल को नियंत्रित कर रहे थे। डॉन क्विक्सोट पिंजरे में बैठा था, उसके हाथ बंधे हुए थे और पैर फैले हुए थे, वह सलाखों से टिका हुआ था, मानो वह कोई पत्थर की मूर्ति हो, न कि मांस का बना मनुष्य। इस प्रकार धीरे-धीरे और चुपचाप वे लगभग दो मील चले, जब तक कि वे एक घाटी में नहीं पहुँच गए, जिसे गाड़ीवान ने अपने बैलों को आराम देने और चराने के लिए एक सुविधाजनक स्थान समझा और उसने यह बात पादरी को बताई, लेकिन नाई का मानना था कि उन्हें थोड़ा और आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि पास ही दिखाई देने वाली एक पहाड़ी के दूसरी ओर वह जानता था कि एक घाटी है जिसमें अधिक घास है और वह उस घाटी से कहीं बेहतर है जहाँ वे रुकने का प्रस्ताव कर रहे थे; उन्होंने उनकी सलाह मानी और अपनी यात्रा जारी रखी।
ठीक उसी क्षण, पादरी ने पीछे मुड़कर देखा तो उनके पीछे छह-सात सुसज्जित और सुसज्जित घुड़सवार आ रहे थे, जो शीघ्र ही उनसे आगे निकल गए, क्योंकि वे बैलों की सुस्त और धीमी गति से नहीं, बल्कि पादरियों के खच्चरों की तरह तेज़ी से चल रहे थे और जल्द से जल्द पास ही दिखाई देने वाले सराय में दोपहर का विश्राम करना चाहते थे। फुर्तीले यात्री धीमे यात्रियों के पास पहुँचे और शिष्टाचारपूर्वक अभिवादन का आदान-प्रदान हुआ; और नए आने वालों में से एक, जो वास्तव में टोलेडो का एक पादरी और अपने साथ आए अन्य लोगों का मुखिया था, जुलूस के नियमित क्रम को देखकर - गाड़ी, अधिकारी, सांचो, रोसिनांटे, पादरी और नाई, और सबसे बढ़कर डॉन क्विक्सोट को पिंजरे में बंद देखकर, यह पूछे बिना नहीं रह सका कि उस आदमी को इस तरह ले जाने का क्या अर्थ है;

हालाँकि, अधिकारियों के बैज से, उसने पहले ही यह निष्कर्ष निकाल लिया था कि वह कोई कुख्यात डाकू या अन्य अपराधी होगा जिसकी सज़ा पवित्र भाईचारे के अधिकार क्षेत्र में आती है। जिन अधिकारियों से उन्होंने यह सवाल पूछा था, उनमें से एक ने जवाब दिया, "महोदय, इस रास्ते से जाने का मतलब आप स्वयं उस सज्जन से ही पूछें, क्योंकि हमें नहीं पता।"
डॉन क्विक्सोट ने बातचीत सुन ली और कहा, "शायद, सज्जनों, आप लोग वीरता के मामलों में पारंगत और विद्वान हैं? क्योंकि यदि आप हैं, तो मैं आपको अपनी दुर्भाग्यपूर्ण कहानियाँ सुनाऊँगा; यदि नहीं, तो उन्हें बताने का कोई लाभ नहीं है।" लेकिन तभी पादरी और नाई ने देखा कि यात्री डॉन क्विक्सोट से बातचीत में मशगूल हैं, इसलिए वे आगे आए और इस तरह से जवाब दिया जिससे उनकी चाल उजागर न हो।
कैनन ने डॉन क्विक्सोट को जवाब देते हुए कहा, "सच कहूं तो, भाई, मुझे विलाल्पांडो के तर्क के तत्वों की तुलना में वीरता की किताबों के बारे में अधिक जानकारी है; इसलिए यदि यही सब कुछ है, तो आप मुझे जो चाहें बता सकते हैं।"
"ईश्वर के नाम पर, महोदय," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "यदि ऐसा है, तो मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैं दुष्ट जादूगरों की ईर्ष्या और छल के कारण इस पिंजरे में कैद हूँ; क्योंकि सद्गुण को दुष्टों द्वारा अच्छे लोगों के प्रेम से कहीं अधिक सताया जाता है। मैं एक वीर योद्धा हूँ, और उन लोगों में से नहीं जिनके नाम यश ने कभी अपने अभिलेखों में अमर नहीं किए, बल्कि उन लोगों में से हूँ जो ईर्ष्या और फारस के सभी जादूगरों, भारत के ब्राह्मणों या इथियोपिया के जिम्नोसोफिस्टों के बावजूद, अमरता के मंदिर में अपना नाम दर्ज कराएंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण और आदर्श बन सकें, जिससे वीर योद्धाओं को वह मार्ग दिखाई दे जिस पर चलकर वे वीरता के शिखर और सम्मान की ऊँचाई तक पहुँच सकें।"
“ला मांचा के सेनर डॉन क्विक्सोट जो कहते हैं,” पादरी ने कहा, “वह सच है; क्योंकि वह इस रथ में मंत्रमुग्ध होकर जा रहे हैं, अपने किसी दोष या पाप के कारण नहीं, बल्कि उन लोगों की दुर्भावना के कारण जिन्हें सद्गुण घृणित और वीरता नापसंद है। महोदय, यही वह दुखी चेहरे वाला योद्धा है, यदि आपने कभी उसका नाम सुना हो, जिसकी वीरता और महान कर्म ईर्ष्या और द्वेष के तमाम

प्रयासों के बावजूद शाश्वत पीतल और अविनाशी संगमरमर पर अंकित किए जाएंगे।”
जब तोपची ने कैदी और स्वतंत्र व्यक्ति दोनों को इस तरह की तनावपूर्ण स्थिति में बात करते सुना तो वह आश्चर्य से खुद को क्रॉस का निशान बनाने को तैयार हो गया और उसे समझ नहीं आया कि उसके साथ क्या हुआ है; और उसके सभी सेवक भी उसी विस्मय की स्थिति में थे।
इस समय सांचो पांजा, जो बातचीत सुनने के लिए पास आ गया था, ने सब कुछ स्पष्ट करने के लिए कहा, "ठीक है, महोदय, आप मेरी बात पसंद करें या न करें, लेकिन असल बात यह है कि मेरे स्वामी, डॉन क्विक्सोट, मेरी माँ की तरह ही जादू के प्रभाव में हैं। वे पूरी तरह होश में हैं, खाते-पीते हैं, और अन्य मनुष्यों की तरह ही उन्हें पुकारते हैं, जैसे कल पिंजरे में बंद करने से पहले पुकारते थे। और अगर ऐसा है, तो वे मुझे यह विश्वास दिलाने की कोशिश क्यों कर रहे हैं कि वे जादू के प्रभाव में हैं? क्योंकि मैंने कई लोगों को यह कहते सुना है कि जादू के प्रभाव में आए लोग न खाते हैं, न सोते हैं, न बोलते हैं; और मेरे स्वामी, अगर आप उन्हें नहीं रोकेंगे, तो तीस वकीलों से भी ज़्यादा बोलेंगे।" फिर पादरी की ओर मुड़कर वह बोला, "आह, पादरी महोदय, पादरी महोदय! क्या आपको लगता है कि मैं आपको नहीं जानता? क्या आपको लगता है कि मैं इन नए जादू-टोनों का अंदाज़ा नहीं लगा सकता? खैर, मैं आपको बता सकता हूँ कि मैं आपको जानता हूँ, क्योंकि आपका पूरा चेहरा ढका हुआ है, और मैं आपको बता सकता हूँ कि मैं आपकी चालों को समझ गया हूँ, चाहे आप उन्हें कितना भी छुपा लें। आख़िरकार, जहाँ ईर्ष्या का राज होता है, वहाँ सद्गुण नहीं रह सकते, और जहाँ कंजूसी होती है, वहाँ उदारता नहीं हो सकती। धिक्कार है! यदि आप न होते, तो मेरे स्वामी का विवाह इस समय राजकुमारी मिकोमिकोना से हो चुका होता, और मैं कम से कम एक काउंट होता; क्योंकि मेरे स्वामी, उस उदास चेहरे वाले, की अच्छाई और मेरी सेवाओं की महानता को देखते हुए इससे कम की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। लेकिन अब मुझे समझ आ रहा है कि इन इलाकों में जो कहा जाता है, वह कितना सच है, कि भाग्य का पहिया चक्की के पहिये से भी तेज़ घूमता है, और जो कल ऊपर थे, वे आज नीचे हैं। मुझे अपनी पत्नी और बच्चों के लिए खेद है, जब वे उचित और तर्कसंगत रूप से यह उम्मीद कर सकते थे कि उनके पिता किसी द्वीप या राज्य के राज्यपाल या वायसराय बनकर लौटेंगे, तो वे उन्हें एक घुड़सवार लड़के के रूप में लौटते हुए देखेंगे। मैंने यह सब,

माननीय पादरी जी, केवल इसलिए कहा है ताकि आप अपने स्वामी के साथ किए गए दुर्व्यवहार के लिए अपने अंतरात्मा से क्षमा मांगें; और इस बात का ध्यान रखें कि ईश्वर आपको परलोक में उन्हें इस प्रकार बंदी बनाने के लिए उत्तरदायी न ठहराए, और उन सभी सहायता और अच्छे कार्यों का दोष आप पर न डाले जो मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट ने कैद के दौरान नहीं किए।
“उन लैंपों को ठीक करो!” यह सुनकर नाई ने कहा; “तो तुम भी अपने मालिक की ही बिरादरी के हो, सांचो? भगवान कसम, मुझे अब समझ आ रहा है कि तुम्हें भी उसके साथ पिंजरे में रहना पड़ेगा और उसकी तरह ही उसके हास्य और वीरता को अपना कर मोहित होना पड़ेगा। वह बुरा समय था जब तुम उसके वादों के झांसे में आकर गर्भवती हो गईं और जिस द्वीप के लिए तुम इतना तरसती हो, वह तुम्हारे दिमाग में घर कर गया।”
“मैं किसी से गर्भवती नहीं हूँ,” सांचो ने उत्तर दिया, “और न ही मैं ऐसी देह हूँ कि राजा से भी गर्भवती हो जाऊँ। यद्यपि मैं गरीब हूँ, मैं एक सच्चा ईसाई हूँ, और मेरा किसी का कोई ऋणी नहीं है, और यदि मैं किसी द्वीप की कामना करता हूँ, तो अन्य लोग इससे भी बदतर स्थिति की कामना करते हैं। हममें से प्रत्येक अपने कर्मों का फल पाता है; और मनुष्य होने के नाते मैं पोप भी बन सकता हूँ, किसी द्वीप का शासक बनने की तो बात ही छोड़िए, खासकर तब जब मेरे स्वामी इतने लोगों को जीत लें कि उन्हें पता ही न चले कि किसे सौंपें। ध्यान से बोलो, नाई जी; क्योंकि दाढ़ी बनाना ही सब कुछ नहीं है, और हर व्यक्ति में कुछ न कुछ अंतर होता है। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि हम सब एक-दूसरे को जानते हैं, और मेरे साथ झूठा खेल खेलना ठीक नहीं होगा; और जहाँ तक मेरे स्वामी के जादू की बात है, सच्चाई तो ईश्वर ही जानता है; इसे जैसा है वैसा ही रहने दो; इसे छेड़ने से बात और बिगड़ जाएगी।”
नाई ने सांचो को जवाब देने की ज़हमत नहीं उठाई, कहीं ऐसा न हो कि सीधे-सीधे बोलने से वह बात उजागर हो जाए जिसे पादरी और वह खुद बड़ी मुश्किल से छिपाने की कोशिश कर रहे थे। इसी आशंका के चलते पादरी ने कैनन से थोड़ा आगे चलने को कहा, ताकि वह उसे पिंजरे में बंद उस आदमी का रहस्य और कुछ ऐसी बातें बता सके जिनसे उसका मनोरंजन हो सके। कैनन मान गया और अपने नौकरों के साथ आगे जाकर उसने पादरी द्वारा डॉन क्विक्सोट के चरित्र, जीवन, पागलपन और तौर-तरीकों के बारे में दी गई जानकारी को ध्यान से सुना। पादरी ने उसे संक्षेप में उसके पागलपन की शुरुआत और उत्पत्ति के बारे में बताया और पिंजरे में

कभी नहीं किया और न ही मार्को पोलो ने देखा? और यदि इसके उत्तर में मुझसे कहा जाए कि इस प्रकार की पुस्तकों के लेखक उन्हें काल्पनिक रूप में लिखते हैं, और इसलिए सत्य की बारीकियों का ध्यान रखने के लिए बाध्य नहीं हैं, तो मैं कहूंगा कि कल्पना जितनी अधिक सत्य जैसी लगती है, उतनी ही बेहतर होती है, और उसमें जितनी अधिक संभावना और संभाव्यता होती है, उतना ही अधिक आनंद देती है। कल्पना की कथानक पाठक की समझ से मेल खानी चाहिए, और इस प्रकार निर्मित होनी चाहिए कि असंभवताओं का समाधान करते हुए, कठिनाइयों को सुगम बनाते हुए, मन को सतर्क रखते हुए, वे आश्चर्यचकित करें, रुचि जगाएं, ध्यान भटकाएं और मनोरंजन करें, ताकि आश्चर्य और आनंद एक साथ बने रहें; वह व्यक्ति इन सभी को प्राप्त करने में विफल रहेगा जो यथार्थता और प्रकृति के प्रति सत्यता से दूर भागता है, जिसमें लेखन की पूर्णता निहित है। मैंने आज तक ऐसी कोई भी वीरतापूर्ण पुस्तक नहीं देखी है जो एक सुसंगत कथानक प्रस्तुत करती हो। उनकी रचनाएँ इतनी पूर्ण हैं कि मध्य भाग आरंभ से और अंत आरंभ और मध्य भाग से मेल खाता है; इसके विपरीत, वे उन्हें इतने अनेक पात्रों से भर देते हैं कि ऐसा लगता है मानो वे एक सुगठित आकृति के बजाय एक विकृत या राक्षसी आकृति बनाना चाहते हों। और इन सबके अलावा, उनकी शैली कठोर, उनके कारनामे अविश्वसनीय, उनके प्रेम प्रसंग अनैतिक, उनके दरबारी भाषण असभ्य, उनके युद्ध लंबे, उनके तर्क मूर्खतापूर्ण, उनकी यात्राएँ हास्यास्पद हैं, और संक्षेप में, उनमें बुद्धिमान कला का कोई अंश नहीं है; इसी कारण वे एक निकम्मी नस्ल के रूप में ईसाई समुदाय से निष्कासित किए जाने के योग्य हैं। पादरी ने ध्यान से उसकी बात सुनी और महसूस किया कि वह एक समझदार व्यक्ति है और उसकी बातों में ठोस तर्क है; इसलिए उसने उसे बताया कि वह स्वयं भी उसी राय का है और वीरता की पुस्तकों से द्वेष रखते हुए उसने डॉन क्विक्सोट की सभी पुस्तकें जला दी थीं, जो कि बहुत सारी थीं; और उसने उन पुस्तकों की अपनी गहन जांच का विवरण दिया, और बताया कि उसने किन पुस्तकों को जलाने की निंदा की और किनको बख्श दिया, जिससे पादरी को काफी हंसी आई, और उसने आगे कहा कि हालांकि उसने इन पुस्तकों की इतनी निंदा की है, फिर भी उसे उनमें एक अच्छी बात मिली, और वह यह थी कि वे एक प्रतिभाशाली बुद्धि को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करती हैं। क्योंकि उन्होंने एक विस्तृत और विशाल क्षेत्र प्रस्तुत किया जिस पर कलम स्वतंत्र रूप से विचरण कर सकती थी, जहाज़ों के डूबने, तूफ़ानों, लड़ाइयों, युद्धों का वर्णन कर सकती थी,

48

अध्याय
जिसमें लेखक वीरता की पुस्तकों के विषय के साथ-साथ अपनी बुद्धि के योग्य अन्य विषयों पर भी चर्चा करता है।
"जैसा आप कहते हैं, महोदय," पादरी ने कहा; "और इसी कारण से अब तक इस प्रकार की पुस्तकें लिखने वाले लोग और भी अधिक निंदा के पात्र हैं क्योंकि उन्होंने सुरुचि या कला के नियमों पर ध्यान दिए बिना लिखा है, जिनके द्वारा वे स्वयं को निर्देशित कर सकते थे और गद्य में उतने ही प्रसिद्ध हो सकते थे जितने कि ग्रीक और लैटिन कविता के दो राजकुमार पद्य में हैं।" “मैं स्वयं, कम से कम,” पादरी ने कहा, “एक बार वीरता पर एक पुस्तक लिखने के लिए प्रलोभित हुआ था जिसमें मैंने जिन बिंदुओं का उल्लेख किया है, उन सभी का पालन किया जाना था; और यदि मुझे सच स्वीकार करना पड़े तो मैंने सौ से अधिक पृष्ठ लिखे हैं; और यह देखने के लिए कि क्या यह मेरी अपनी राय पर खरा उतरता है, मैंने इसे उन लोगों को दिखाया जो इस प्रकार की पुस्तकों के शौकीन थे, विद्वान और बुद्धिमान पुरुषों के साथ-साथ उन अज्ञानी लोगों को भी जो केवल बकवास सुनने के आनंद की परवाह करते थे, और सभी से मुझे प्रशंसा मिली; फिर भी मैंने इसे आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि यह मुझे अपने पेशे के विपरीत लगा, और इसलिए भी क्योंकि मैंने देखा कि बुद्धिमानों की तुलना में मूर्ख अधिक हैं; और यद्यपि कुछ बुद्धिमानों द्वारा प्रशंसा पाना बहुत से मूर्खों द्वारा सराहे जाने से बेहतर है, मैं खुद को मूर्ख जनता के मूर्खतापूर्ण निर्णय के अधीन नहीं करना चाहता, जिनके लिए ऐसी पुस्तकें पढ़ना अधिकतर होता है।”
लेकिन सबसे ज़्यादा जिस बात ने मुझे अपना हाथ थामने और इसे पूरा करने का विचार छोड़ने पर मजबूर किया, वह एक तर्क था जो मैंने आजकल खेले जाने वाले नाटकों से लिया था, जो इस प्रकार था: यदि आजकल प्रचलित नाटक, चाहे वे पूरी तरह से काल्पनिक हों या इतिहास पर आधारित, सभी या उनमें से अधिकांश सरासर बकवास और निरर्थक हैं, फिर भी जनता उन्हें बड़े चाव से सुनती है, और उन्हें पूर्णता मानकर उनकी प्रशंसा करती है, जबकि वे उससे बहुत दूर हैं; और यदि उन्हें लिखने वाले लेखक और अभिनय करने वाले कलाकार कहते हैं कि जनता यही चाहती है और कुछ नहीं, इसलिए उन्हें ऐसा ही होना चाहिए; और जो लोग नियमों

का पालन करते हैं और कला के नियमों के अनुसार कथानक बनाते हैं, उन्हें समझने वाले केवल आधा दर्जन बुद्धिमान लोग ही मिलेंगे, जबकि बाकी सभी उनकी रचना के गुण से अनभिज्ञ रहेंगे; और उनके लिए कुछ लोगों से प्रशंसा पाने की बजाय बहुतों से रोटी पाना बेहतर है; तो मेरी किताब का भी यही हाल होगा, मेरे द्वारा बताए गए सिद्धांतों का पालन करने के प्रयास में मेरी भौंहें जलने के बाद, और मैं... 'कोने का दर्जी' बनो। और यद्यपि मैंने कई बार अभिनेताओं को यह समझाने का प्रयास किया है कि उन्होंने जो धारणा अपनाई है वह गलत है, और कला के नियमों के अनुसार नाटक प्रस्तुत करके वे बेतुके नाटकों की तुलना में अधिक दर्शकों को आकर्षित करेंगे और अधिक प्रशंसा प्राप्त करेंगे, फिर भी वे अपनी राय पर इतने अडिग हैं कि कोई भी तर्क या प्रमाण उन्हें इससे विमुख नहीं कर सकता।
मुझे याद है कि एक दिन मैंने इन हठी लोगों में से एक से कहा था, 'बताइए, क्या आपको याद नहीं है कि कुछ साल पहले स्पेन में तीन त्रासदियों का मंचन हुआ था, जो इन राज्यों के एक प्रसिद्ध कवि द्वारा लिखी गई थीं, और वे इतनी प्रभावशाली थीं कि उन्हें सुनने वाले सभी लोग, अज्ञानी और बुद्धिमान, आम जनता और उच्च वर्ग सभी प्रशंसा, आनंद और रुचि से भर गए थे, और इन तीन नाटकों ने अकेले ही कलाकारों को तीस सर्वश्रेष्ठ नाटकों की तुलना में अधिक धन दिलाया था जो बाद में निर्मित हुए?'
"'इसमें कोई शक नहीं,' संबंधित अभिनेता ने जवाब दिया, 'आपका मतलब 'इसाबेला', 'फिलिस' और 'एलेक्जेंड्रा' से है।'
"'मेरा मतलब उन्हीं से है,' मैंने कहा; 'और देखो कि क्या उन्होंने कला के सिद्धांतों का पालन नहीं किया, और क्या उनका पालन करके वे अपनी श्रेष्ठता साबित करने और पूरी दुनिया को प्रसन्न करने में असफल रहे; इसलिए गलती उन लोगों की नहीं है जो बकवास पर अड़े रहते हैं, बल्कि उनकी है जो कुछ और बनाना नहीं जानते। 'कृतघ्नता का बदला' बकवास नहीं थी, न ही 'नुमांटिया' में कोई बकवास थी, न ही 'व्यापारी प्रेमी' में, न ही 'दोस्ताना सुंदर शत्रु' में, और न ही कुछ अन्य रचनाओं में जो कुछ प्रतिभाशाली कवियों ने अपनी प्रसिद्धि और ख्याति के लिए और उन्हें प्रकाशित करने वालों के लाभ के लिए लिखी हैं;' मैंने इनमें कुछ और बातें जोड़ीं, जिनसे मुझे लगता है कि वह कुछ हद तक अचंभित रह गया, लेकिन इतना संतुष्ट या आश्वस्त नहीं हुआ कि मैं उसे उसकी गलती से मुक्त कर सकूं।"

“आपने एक ऐसे विषय को छुआ है, महोदय,” यहाँ के पादरी ने कहा, “जिसने नाटकों के प्रति मेरी पुरानी दुश्मनी को फिर से जगा दिया है, जो आज के समय में प्रचलित नाटकों के प्रति मेरी दुश्मनी जितनी ही प्रबल है; क्योंकि टली के अनुसार, नाटक को मानव जीवन का दर्पण, शिष्टाचार का आदर्श और सत्य की छवि होना चाहिए, जबकि आजकल जो नाटक प्रस्तुत किए जाते हैं वे निरर्थक, मूर्खता के आदर्श और अश्लीलता की छवियाँ हैं। हम जिस विषय पर चर्चा कर रहे हैं, उससे संबंधित इससे बड़ी निरर्थक बात क्या हो सकती है कि पहले अंक के पहले दृश्य में एक शिशु को लपेटे हुए दिखाया जाए और दूसरे में एक वयस्क दाढ़ी वाले व्यक्ति को? या इससे बड़ी बेतुकी बात क्या हो सकती है कि हमारे सामने एक बूढ़े व्यक्ति को योद्धा, एक युवक को कायर, एक नौकर को मीठी भाषा का प्रयोग करते हुए, एक सेवक को ज्ञानवर्धक सलाह देते हुए, एक राजा को कुली के रूप में और एक राजकुमारी को रसोई की नौकरानी के रूप में प्रस्तुत किया जाए? और फिर समय के प्रति उनके ध्यान के बारे में क्या कहूँ? जिस घटना का वे चित्रण करते हैं, वह घटित हो सकती है या घटित हो सकती है, सिवाय इसके कि मैंने एक ऐसा नाटक देखा है जिसका पहला अंक यूरोप में, दूसरा एशिया में और तीसरा अफ्रीका में समाप्त हुआ था, और निस्संदेह, यदि यह चार अंकों का होता, तो चौथा अमेरिका में समाप्त होता, और इस प्रकार यह दुनिया के चारों कोनों में घटित होता? और यदि नाटक में जीवन की सच्चाई को ध्यान में रखना मुख्य बात है, तो एक औसत समझ कैसे संतुष्ट हो सकती है जब कहानी को राजा पेपिन या शारलेमेन के समय में घटित माना जाता है, और उसमें मुख्य पात्र को सम्राट हेराक्लियस के रूप में दर्शाया जाता है, जिसने क्रॉस के साथ यरूशलेम में प्रवेश किया और गॉडफ्रे ऑफ बौइलन की तरह पवित्र समाधि पर विजय प्राप्त की, जबकि दोनों के बीच अनगिनत वर्षों का अंतर है? या, यदि नाटक काल्पनिक है और उसमें ऐतिहासिक तथ्यों को शामिल किया गया है, या विभिन्न लोगों के साथ और विभिन्न समयों में घटित हुई घटनाओं के अंशों को इसमें मिला दिया गया है, तो यह सब न केवल बिना किसी संभावना के है, बल्कि स्पष्ट त्रुटियों से भरा है जो हर दृष्टिकोण से अक्षम्य हैं? और सबसे बुरी बात यह है कि, अज्ञानी लोग कहते हैं कि यही पूर्णता है, और इससे आगे कुछ भी बनावटी परिष्कार है। और फिर अगर हम धार्मिक नाटकों की ओर रुख करें—तो उनमें कैसे-कैसे चमत्कार गढ़े जाते हैं! कैसे-कैसे मनगढ़ंत, बेतुके प्रसंग, एक संत के चमत्कारों को दूसरे संत के नाम कर देते हैं! और धर्मनिरपेक्ष नाटकों में भी वे बिना

लोगों के लिए भी हानिरहित मनोरंजन के लिए प्रकाशित होतीं; क्योंकि धनुष हमेशा झुका नहीं रह सकता, और न ही कमजोर मानवीय स्वभाव किसी वैध मनोरंजन के बिना जीवित रह सकता है।
कैनन और क्यूरेट अपनी बातचीत में अभी तक इतना ही आगे बढ़े थे कि नाई आगे आकर उनके साथ शामिल हो गया और क्यूरेट से बोला, "यही वह जगह है, महोदय लाइसेंसिएट, जिसके बारे में मैंने कहा था कि यह बैलों के लिए ताजे और भरपूर चरागाह के लिए अच्छी जगह है, जब हम दोपहर का विश्राम करेंगे।"
“और ऐसा ही लगता है,” पादरी ने उत्तर दिया और उसने पादरी को अपनी योजना बताई। पादरी भी सामने फैली सुंदर घाटी के नज़ारे से आकर्षित होकर उनके साथ रुकने का निश्चय कर बैठा। उस घाटी का आनंद लेने के साथ-साथ पादरी से बातचीत करने के लिए, जिस पर उसे स्नेह होने लगा था, और डॉन क्विक्सोट के कारनामों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, उसने अपने कुछ नौकरों को पास ही स्थित सराय में जाकर पूरे दल के लिए खाने-पीने का सामान लाने को कहा, क्योंकि वह दोपहर वहीं आराम करना चाहता था। इस पर उसके एक नौकर ने उत्तर दिया कि खच्चर, जिसे अब तक सराय पहुँच जाना चाहिए था, इतना भोजन लेकर आया है कि सराय से जौ के अलावा कुछ भी लाने की आवश्यकता नहीं है।
"तो फिर," पादरी ने कहा, "वहाँ के सभी जानवरों को ले जाओ, और सामान ढोने वाले खच्चर को वापस ले आओ।"
जब ये सब चल रहा था, सांचो ने महसूस किया कि वह अपने स्वामी से पादरी और नाई की मौजूदगी के बिना बात कर सकता है, जिन पर उसे शक था। वह उस पिंजरे के पास गया जिसमें डॉन क्विक्सोट को रखा गया था और बोला, "महोदय, अपने अंतरात्मा को शांत करने के लिए मैं आपको आपके जादू के बारे में पूरी बात बताना चाहता हूँ। बात यह है कि ये दोनों, जिनके चेहरे ढके हुए हैं, हमारे गाँव के पादरी और नाई हैं; और मुझे शक है कि उन्होंने आपको इस तरह अगवा करने की यह योजना सिर्फ़ ईर्ष्या के कारण बनाई है क्योंकि आप उनसे कहीं ज़्यादा प्रसिद्ध कार्य करते हैं; और अगर यह सच है तो इसका मतलब है कि आप पर जादू नहीं किया गया है, बल्कि आपको धोखा दिया गया है और मूर्ख बनाया गया है। और इसे साबित करने के लिए मैं आपसे एक बात पूछना चाहता हूँ; और अगर आप मुझे वैसा ही जवाब देंगे जैसा मुझे विश्वास है, तो आप इस चाल को समझ जाएँगे, और आप देखेंगे कि आप पर जादू नहीं किया गया है बल्कि आपकी बुद्धि भटक गई है।"

"जो चाहो पूछो, मेरे बेटे सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मैं तुम्हें संतुष्ट करूँगा और तुम्हारे सभी सवालों के जवाब दूँगा। जहाँ तक तुम्हारी इस बात का सवाल है कि जो लोग हमारे साथ हैं वे पादरी और नाई हैं, हमारे पड़ोसी और परिचित, यह संभव है कि वे उन्हीं लोगों जैसे दिखते हों; लेकिन वास्तव में वे वही हैं, इस बात पर किसी भी कीमत पर विश्वास मत करो; तुम्हें यह मानना और सोचना चाहिए कि, यदि वे उनके जैसे दिखते हैं, जैसा कि तुम कहते हो, तो यह अवश्य ही उन लोगों ने किया होगा जिन्होंने मुझ पर जादू किया है; क्योंकि जादूगरों के लिए कोई भी रूप धारण करना आसान है, और उन्होंने हमारे दोस्तों का रूप इसलिए धारण किया होगा ताकि तुम्हें ऐसा सोचने पर मजबूर कर सकें और तुम्हें कल्पनाओं के ऐसे भंवर में फंसा सकें जिससे तुम थेसियस की रस्सी से भी नहीं निकल पाओगे; और उन्होंने ऐसा इसलिए भी किया होगा ताकि मैं अपने मन में अनिश्चितता पैदा कर सकूँ और यह अनुमान न लगा सकूँ कि यह सब कहाँ से आया है।" मुझ पर विपत्ति आ पड़ी है; क्योंकि एक ओर तो तुम मुझे बताते हो कि हमारे गाँव का नाई और पादरी हमारे साथ यहाँ हैं, और दूसरी ओर मैं खुद को एक पिंजरे में बंद पाता हूँ, और अपने दिल में जानता हूँ कि पृथ्वी पर कोई भी अलौकिक शक्ति मुझे बंद नहीं कर सकती थी, तो तुम मुझसे क्या कहलवाना या सोचवाना चाहते हो, सिवाय इसके कि मेरा जादू उस प्रकार का है जो मैंने उन सभी इतिहासों में पढ़ा है जिनमें जादू से ग्रस्त वीर योद्धाओं का वर्णन है? इसलिए तुम इस विचार से निश्चिंत हो जाओ कि वे वही हैं जो तुम कहते हो, क्योंकि वे उतने ही हैं जितना कि मैं एक तुर्क हूँ। लेकिन जहाँ तक मेरी ओर से कुछ पूछने की तुम्हारी इच्छा का सवाल है, पूछो, और मैं तुम्हें उत्तर दूँगा, चाहे तुम आज से लेकर कल सुबह तक प्रश्न पूछते रहो।
"हे हमारी देवी, मुझ पर कृपा करें!" सांचो ने ऊँची आवाज़ में कहा; "क्या यह संभव है कि आप इतने मूर्ख और दिमागहीन हैं कि आप यह नहीं देख सकते कि मैं जो कह रहा हूँ वह बिल्कुल सच है, और आपकी कैद और दुर्भाग्य के पीछे जादू से ज़्यादा द्वेष का हाथ है? लेकिन अगर ऐसा है, तो मैं आपको स्पष्ट रूप से साबित कर दूँगा कि आप पर कोई जादू नहीं है। अब मुझे बताइए, ईश्वर आपको इस कष्ट से मुक्ति दिलाए, और जब आप इसकी बिल्कुल भी उम्मीद न कर रहे हों, तब आप स्वयं को मेरी देवी डुलसीनिया की बाहों में पाएँ-"

डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझ पर जादू-टोना करना बंद करो, और जो जानना चाहते हो पूछो; मैं तुम्हें पहले ही बता चुका हूं कि मैं यथासंभव सटीक उत्तर दूंगा।"
"मैं यही चाहता हूँ," सांचो ने कहा; "और मैं यही जानना चाहता हूँ, और चाहता हूँ कि आप मुझे बिना कुछ जोड़े या छोड़े, पूरी सच्चाई बताएँ, जैसा कि सभी शस्त्र धारण करने वाले लोग, जैसे कि आप स्वयं, वीर योद्धाओं की उपाधि से लैस हैं, बताते हैं।"
"मैं तुमसे कहता हूँ कि मैं किसी भी बात में झूठ नहीं बोलूँगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "अपना प्रश्न पूरा करो; क्योंकि सच में, इन सभी दावों, आवश्यकताओं और सावधानियों से मैं थक गया हूँ, सांचो।"
"खैर, मैं अपने स्वामी की अच्छाई और सच्चाई पर भरोसा करता हूँ," सांचो ने कहा; "और इसलिए, क्योंकि यह हमारे विषय से संबंधित है, मैं पूरे आदर के साथ पूछना चाहता हूँ, कि जब से आप इस पिंजरे में बंद हैं और, जैसा कि आप सोचते हैं, जादू से वश में हैं, क्या आपने कहीं जाने की कोई इच्छा या झुकाव महसूस किया है, जैसा कि कहावत है?"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझे 'कहीं जाना' समझ में नहीं आता; सांचो, अगर तुम चाहते हो कि मैं इस बात का जवाब दूं, तो अपनी बात और स्पष्ट करो।"
"क्या ऐसा हो सकता है," सांचो ने कहा, "कि महाराज, आप 'कहीं जाना' नहीं समझते? अरे, स्कूली बच्चे तो इसे बचपन से ही जानते हैं। अच्छा, तो फिर आप जानते ही होंगे, मेरा मतलब है कि क्या आपने कभी ऐसा कुछ करने की इच्छा की है जिसे टाला नहीं जा सकता?"
"आह! अब मैं तुम्हें समझ गया, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "हाँ, अक्सर, और अभी भी; मुझे इस संकट से बाहर निकालो, वरना सब कुछ गड़बड़ हो जाएगा।"

49

अध्याय
यह कहानी सांचो पांजा और उसके गुरु डॉन क्विक्सोट के बीच हुई चतुराई भरी बातचीत का वर्णन करती है।
"आहा, मैंने तुम्हें पकड़ लिया," सांचो ने कहा; "यही तो मैं दिल और जान से जानना चाहता था। अब बताइए, महोदय, क्या आप उस आम बात को नकार सकते हैं जो हमारे आसपास तब कही जाती है जब कोई व्यक्ति उदास होता है, 'पता नहीं फलां व्यक्ति को क्या हुआ है, वह न खाता है, न पीता है, न सोता है, और न ही किसी प्रश्न का सही उत्तर देता है; ऐसा लगता है जैसे उस पर जादू कर दिया गया हो'? इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि जो लोग न खाते हैं, न पीते हैं, न सोते हैं, और न ही कोई भी प्राकृतिक क्रिया करते हैं जिनकी मैं बात कर रहा हूँ - वे जादू के प्रभाव में हैं; लेकिन वे नहीं जिनमें आपकी जैसी इच्छा है, जो पीने को मिलने पर पीते हैं, खाने को मिलने पर खाते हैं, और पूछे गए हर प्रश्न का उत्तर देते हैं।"
“सांचो, तुम्हारी बात सच है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “पर मैंने तुम्हें पहले ही बताया है कि जादू-टोने कई प्रकार के होते हैं, और हो सकता है कि समय के साथ वे एक-दूसरे से बदल गए हों, और अब जादू से प्रभावित लोगों का वही करना सामान्य हो गया हो जो मैं करता हूँ, हालाँकि वे पहले ऐसा नहीं करते थे; इसलिए समय के रिवाजों के विरुद्ध तर्क देना या निष्कर्ष निकालना व्यर्थ है। मैं जानता और महसूस करता हूँ कि मुझ पर जादू किया गया है, और यही मेरे अंतरात्मा को शांत करने के लिए पर्याप्त है; क्योंकि अगर मैं यह सोचता कि मुझ पर जादू नहीं किया गया है, और कायरता और डर के मारे मैंने खुद को इस पिंजरे में पड़े रहने दिया, और जरूरतमंदों और संकटग्रस्त लोगों की मदद करने से खुद को वंचित किया, जिन्हें इस समय मेरी सहायता और सुरक्षा की सख्त जरूरत हो सकती है, तो यह मेरे अंतरात्मा पर भारी बोझ डालता।”
“फिर भी,” सांचो ने उत्तर दिया, “मैं कहता हूँ कि आपकी अधिक संतुष्टि के लिए, यह अच्छा होगा यदि आप इस कारागार से बाहर निकलने का प्रयास करें (और मैं वादा करता हूँ कि आपकी सहायता करने और आपको इससे बाहर निकालने के लिए मैं अपनी पूरी शक्ति लगाऊँगा), और देखें कि क्या आप अपने प्यारे रोसिनांटे

क्योंकि, अगर वे उसे नहीं छोड़ते, तो उसने विरोध किया कि जब तक वे उससे दूरी बनाए नहीं रखेंगे, वह उनकी नाक को परेशान करने से नहीं बच पाएगा। तोपची ने उसका हाथ पकड़ा, क्योंकि वे दोनों बंधे हुए थे, और उसके वचन और वादे पर उन्होंने उसे खोल दिया, और पिंजरे से बाहर आकर वे अत्यंत प्रसन्न हुए। सबसे पहले उसने अपने पूरे शरीर को फैलाया, और फिर वह रोसिनांटे के पास गया और उसकी पीठ पर दो-तीन थपथपाते हुए कहा, "हे अश्वों के फूल और दर्पण, मुझे अब भी ईश्वर और उसकी परम माता पर भरोसा है कि हम जल्द ही स्वयं को, हम दोनों को, अपनी इच्छा के अनुसार देखेंगे, तुम अपने स्वामी को अपनी पीठ पर लिए हुए और मैं तुम पर सवार होकर, उस उद्देश्य का पालन करते हुए जिसके लिए ईश्वर ने मुझे संसार में भेजा है।" और ऐसा कहते हुए, सांचो के साथ, वह एक एकांत स्थान पर चला गया, जहाँ से वह बहुत राहत महसूस करते हुए और अपने सहायक की योजना को अमल में लाने के लिए पहले से कहीं अधिक उत्सुक होकर लौटा।
पादरी ने उसकी ओर देखा, उसकी असाधारण पागलपन भरी प्रकृति पर आश्चर्य करते हुए, और इस बात पर कि वह अपनी सभी टिप्पणियों और उत्तरों में इतनी उत्कृष्ट समझदारी दिखाता है, और जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, केवल तभी अपना संयम खो देता है जब वीरता का विषय उठता है। और इसलिए, करुणा से द्रवित होकर, उसने उससे कहा, जब वे सभी हरी घास पर भोजन सामग्री के आने की प्रतीक्षा में बैठे थे:
"क्या यह संभव है, महोदय, कि वीरता की पुस्तकों के उबाऊ और व्यर्थ पठन का आप पर ऐसा प्रभाव पड़ा हो कि आपकी बुद्धि इस कदर विचलित हो गई हो कि आप स्वयं को जादू में डूबा हुआ महसूस कर रहे हों, और इसी तरह की बातें, जो सत्य से उतनी ही दूर हैं जितनी कि स्वयं झूठ? भला कोई मानवीय बुद्धि कैसे यह मान सकती है कि संसार में कभी अमाडिस की वह अनंत संख्या, या प्रसिद्ध शूरवीरों की वह असंख्य भीड़, ट्रेबिज़ोंड के वे सभी सम्राट, हिरकानिया के वे सभी फेलिक्समार्ट, वे सभी घोड़े, और भटकती हुई युवतियाँ, और सर्प, और राक्षस, और दानव, और अद्भुत साहसिक कार्य, और हर प्रकार के जादू, और युद्ध, और विकराल मुठभेड़ें, शानदार वेशभूषा, प्रेम में डूबी राजकुमारियाँ, सरदारों से बने काउंट, मजाकिया बौने, प्रेम पत्र, दुलार और मीठी बातें, साहसी महिलाएँ, और संक्षेप में, वीरता की पुस्तकों में मौजूद वह सब बकवास कभी अस्तित्व में थी? जहाँ तक मेरी बात है, मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि जब

मैं इन्हें पढ़ता हूँ, जब तक मैं यह नहीं सोचता कि ये सब झूठ और फिजूल की बातें हैं, तब तक मुझे इनसे कुछ हद तक आनंद मिलता है; लेकिन जब मैं इनके सार पर विचार करता हूँ, तो मैं इनमें से सबसे अच्छी बातों को भी दीवार पर फेंक देता हूँ, और अगर आग होती तो उसे आग में फेंक देता, क्योंकि ये उतनी ही सजा के लायक हैं जितनी कि सामान्य सहनशीलता की सीमा से बाहर के धोखेबाज और पाखंडी, नए संप्रदायों और जीवन शैली के संस्थापक, और ऐसे शिक्षक जो अज्ञानी जनता को अपने अंदर की सारी मूर्खता को सच मानकर विश्वास करने और स्वीकार करने के लिए प्रेरित करते हैं। और उनकी धृष्टता ऐसी है कि वे कुलीन और बुद्धिमान सज्जनों की बुद्धि को भी चकाचौंध करने का साहस करते हैं, जैसा कि उन्होंने आपके साथ किए गए व्यवहार से स्पष्ट होता है, जब उन्होंने आपको इस हालत में पहुँचा दिया है कि आपको पिंजरे में बंद करके बैलगाड़ी पर वैसे ही ले जाना पड़ता है जैसे कोई शेर या बाघ को जगह-जगह ले जाकर पैसे कमाने के लिए ले जाता है। आइए, श्रीमान डॉन क्विक्सोट, अपने लिए थोड़ी दया कीजिए, वापस लौट आइए। सामान्य बुद्धि का भरपूर उपयोग करें, और ईश्वर ने आपको जो उदारतापूर्वक बुद्धि प्रदान की है, उसका सदुपयोग करें। अपनी बुद्धि की प्रचुरता का उपयोग किसी अन्य पठन-पाठन में करें जो आपके विवेक को लाभ पहुंचाए और आपके सम्मान में वृद्धि करे। और यदि फिर भी, अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति से प्रेरित होकर, आप वीरता और वीरता की पुस्तकें पढ़ना चाहें, तो पवित्र ग्रंथों में न्यायियों की पुस्तक पढ़ें, क्योंकि वहां आपको महान वास्तविकता और उतने ही सच्चे कर्म मिलेंगे जितने कि वे वीर हैं। लुसिटानिया में विरियाटस, रोम में सीज़र, कार्थेज में हैनिबल, ग्रीस में सिकंदर, कैस्टिले में काउंट फर्नान गोंजालेज, वालेंसिया में सिड, अंडालूसिया में गोंजालो फर्नांडीज, एस्ट्रेमादुरा में डिएगो गार्सिया डी पारेडेस, जेरेज़ में गार्सी पेरेज़ डी वर्गास, टोलेडो में गार्सिलासो, सेविले में डॉन मैनुअल डी लियोन थे, जिनके वीर कर्मों को पढ़कर उच्चतम बुद्धि वाले भी आनंदित और शिक्षित होंगे और आनंद एवं आश्चर्य से भर जाएंगे। यहां, सेनर डॉन क्विक्सोट पढ़ रहे होंगे। आपकी गहरी समझ के योग्य; जिससे आप इतिहास में पारंगत, सद्गुणों से प्रेम करने वाले, अच्छाई में दृढ़, शिष्टाचार में सुधरे हुए, बिना जल्दबाजी के साहसी, बिना कायरता के विवेकशील बनेंगे; और यह सब ईश्वर के सम्मान, आपके स्वयं के लाभ और ला मांचा की महिमा के लिए होगा, जहाँ से, मुझे सूचित किया गया है, आपका जन्म हुआ है।

डॉन क्विक्सोट ने पादरी के शब्दों को अत्यंत ध्यान से सुना, और जब उसने पाया कि वह समाप्त हो गया है, तो कुछ समय तक उसे देखने के बाद उसने उसे उत्तर दिया:
"मुझे ऐसा प्रतीत होता है, महोदय, कि आपके भाषण का उद्देश्य मुझे यह विश्वास दिलाना है कि संसार में कभी कोई वीर योद्धा नहीं थे, और वीरता की सभी पुस्तकें झूठी, भ्रामक, हानिकारक और राज्य के लिए अनुपयोगी हैं, और मैंने उन्हें पढ़कर गलती की है, और उन पर विश्वास करके उससे भी बुरी, और उनका अनुकरण करके तो और भी बुरी, जब मैंने वीर योद्धा बनने के कठिन मार्ग का अनुसरण करने का बीड़ा उठाया, जैसा कि उनमें वर्णित है; क्योंकि आप इस बात से इनकार करते हैं कि गॉल या ग्रीस के अमाडिस या उन अन्य वीर योद्धाओं में से कोई भी कभी अस्तित्व में था, जिनके बारे में पुस्तकें भरी पड़ी हैं।"
"यह सब बिल्कुल वैसा ही है जैसा आपने बताया है," पादरी ने कहा; जिस पर डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "आपने यह भी कहा था कि इस तरह की किताबों ने मुझे बहुत नुकसान पहुंचाया है, क्योंकि इन्होंने मेरी इंद्रियों को अस्त-व्यस्त कर दिया है और मुझे एक पिंजरे में बंद कर दिया है, और मेरे लिए बेहतर होगा कि मैं अपने अध्ययन में सुधार और बदलाव करूं और अन्य सच्ची किताबें पढ़ूं जो अधिक आनंद और ज्ञान प्रदान करेंगी।"
"बिल्कुल सही," पादरी ने कहा।
“तो फिर,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मेरे विचार से तो तुम ही हो जो अपनी बुद्धि खो बैठे हो और जादू के प्रभाव में हो, क्योंकि तुमने एक ऐसी बात के विरुद्ध ऐसी निंदा करने का साहस किया है जिसे सर्वत्र सत्य माना जाता है और स्वीकार किया जाता है कि जो कोई भी इसे नकारता है, जैसा कि तुम करते हो, वह उसी दंड का पात्र है जो तुम उन पुस्तकों को देते हो जो तुम्हें पढ़ने पर चिढ़ाती हैं। क्योंकि किसी को यह समझाने का प्रयास करना कि अमाडिस और अन्य सभी साहसी शूरवीर, जिनसे पुस्तकें भरी पड़ी हैं, कभी अस्तित्व में नहीं थे, उसे यह समझाने के समान होगा कि सूर्य प्रकाश नहीं देता, न ही बर्फ ठंडक देती है, न ही पृथ्वी को पोषण देती है। भला कौन सा बुद्धिमान व्यक्ति किसी दूसरे को यह समझा सकता है कि राजकुमारी फ्लोरिप्स और गाइ ऑफ बरगंडी की कहानी सच नहीं है, या फ़िएराब्रास और मंटिबल के पुल की कहानी, जो शार्लेमेन के समय में घटी थी? क्योंकि यह उतना ही सच है जितना कि

अभी दिन का उजाला होना; और यदि यह झूठ है, तो यह भी झूठ होना चाहिए कि हेक्टर नाम का कोई व्यक्ति था, या अकिलीज़, या ट्रोजन युद्ध, या फ्रांस के बारह सरदार, या इंग्लैंड के आर्थर, जो आज भी कौवे के रूप में रहते हैं और जिनकी उनके राज्य में लगातार खोज की जाती है। कोई भी गुआरिनो मेज़क्विनो के इतिहास, या पवित्र ग्रेल की खोज को झूठा साबित करने की कोशिश कर सकता है, या ट्रिस्ट्राम और रानी यसेल्ट के प्रेम प्रसंगों को, साथ ही गुइनवेरे और लैंसलॉट के प्रेम प्रसंगों को भी, काल्पनिक बता सकता है, जबकि ऐसे लोग भी हैं जिन्हें ग्रेट ब्रिटेन की सर्वश्रेष्ठ प्यालावाहक, डेम क्विंटानोना को देखने की लगभग याद है। और यह इतना सच है कि मुझे अपने पिता की तरफ की एक दादी याद हैं, जब भी वह किसी सम्मानित महिला को वस्त्र पहने देखती थीं, तो मुझसे कहती थीं, 'पोते, वह डेम क्विंटानोना जैसी दिखती हैं,' जिससे मैं यह निष्कर्ष निकालता हूँ कि वह उन्हें जानती होंगी, या कम से कम उनकी कोई तस्वीर तो देखी ही होगी। फिर कौन इनकार कर सकता है कि पियरेस और सुंदर मैगलोना की कहानी सच है, जब आज भी राजा के शस्त्रागार में वह पिन देखी जा सकती है जिससे वीर पियरेस ने लकड़ी के घोड़े को हवा में उड़ाया था, और यह एक गाड़ी के खंभे से थोड़ी बड़ी है? पिन के बगल में बाबिएका की काठी है, और रोंसेसवेल्स में रोलैंड का सींग है, जो एक बड़े बीम जितना बड़ा है; जिससे हम अनुमान लगा सकते हैं कि बारह पीयर, एक पियरेस, एक सिड और उनके जैसे अन्य शूरवीर थे, जिन्हें आम तौर पर साहसी कहा जाता है। या शायद मुझे यह भी बताया जाएगा कि जुआन डी मर्लो जैसा कोई वीर योद्धा नहीं था, जो बरगंडी गया और अरास शहर में चार्नी के प्रसिद्ध सरदार मोसेन पियरेस से लड़ा, और बाद में बेसल शहर में मोसेन एनरिक डी रेमेस्टेन से लड़ा, और दोनों मुठभेड़ों से प्रसिद्धि और सम्मान से भरपूर होकर लौटा; या बहादुर स्पेनिश पेड्रो द्वारा बरगंडी में किए गए साहसिक कार्य और चुनौतियाँ। बारबा और गुटिएरे क्विक्साडा (जिनके परिवार से मैं प्रत्यक्ष पुरुष वंशज हूँ) ने जब सैन पोलो के काउंट के पुत्रों को परास्त किया था, तब मुझे बताया जाएगा कि डॉन फर्नांडो डी गुएवारा जर्मनी में रोमांच की तलाश में नहीं गए थे, जहाँ उन्होंने ऑस्ट्रिया के ड्यूक के घराने के एक शूरवीर माइसर जॉर्ज के साथ युद्ध किया था। मुझे बताया जाएगा कि सुएरो डी क्विनोन्स (पासो योद्धा) की द्वंद्वयुद्ध प्रतियोगिताएँ और कैस्टिलियन शूरवीर डॉन गोंज़ालो डी गुज़मैन के विरुद्ध मोसेन लुइस डी फाल्सेस का अभियान मात्र एक मज़ाक था;

साथ ही इन और विदेशी राज्यों के ईसाई शूरवीरों की कई अन्य उपलब्धियाँ भी, जो इतनी प्रामाणिक और सच्ची हैं कि, मैं दोहराता हूँ, जो कोई भी उन्हें नकारता है, उसमें तर्क और विवेक की पूर्ण कमी होनी चाहिए।
डॉन क्विक्सोट द्वारा बोले गए सत्य और कल्पना के मिश्रण को सुनकर और उसकी वीरतापूर्ण उपलब्धियों से संबंधित हर चीज के बारे में उसकी जानकारी देखकर पादरी चकित रह गया; इसलिए उसने उत्तर में कहा:
"मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकता, सेनोर डॉन क्विक्सोट, कि आपकी बातों में कुछ सच्चाई है, खासकर स्पेनिश शूरवीरों के संबंध में; और मैं यह भी मानने को तैयार हूँ कि फ्रांस के बारह पीयर्स मौजूद थे, लेकिन मैं यह मानने को तैयार नहीं हूँ कि उन्होंने वे सभी काम किए जो आर्कबिशप टर्पिन ने उनके बारे में बताए हैं। दरअसल, सच्चाई यह है कि वे फ्रांस के राजाओं द्वारा चुने गए शूरवीर थे, और उन्हें 'पीयर्स' कहा जाता था क्योंकि वे सभी योग्यता, पद और पराक्रम में समान थे (कम से कम अगर वे समान नहीं थे तो उन्हें होना चाहिए था), और यह एक प्रकार का धार्मिक संगठन था, जैसे आज के सैंटियागो और कैलात्रावा के संगठन, जिसमें यह माना जाता है कि इसमें शामिल होने वाले लोग विशिष्ट और उच्च कुल के वीर शूरवीर होते हैं; और जैसे हम अब सेंट जॉन या अल्कांतारा के शूरवीर कहते हैं, वैसे ही वे उस समय बारह पीयर्स के शूरवीर कहते थे, क्योंकि उस सैन्य संगठन के लिए बारह समान लोगों को चुना जाता था। यह संभव है कि सिड और बर्नार्डो डेल कार्पियो जैसे लोग भी थे। इसमें कोई शक नहीं; लेकिन उन्होंने वे काम किए जो लोग कहते हैं, मुझे इस पर बहुत संदेह है। उस दूसरे मामले में, जिसमें आप काउंट पियरेस की पिन की बात कर रहे हैं और कहते हैं कि वह शस्त्रागार में बाबिएका की काठी के पास है, मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ; क्योंकि मैं या तो इतना मूर्ख हूँ या इतना कमज़ोर नज़र वाला कि, हालाँकि मैंने काठी देखी है, मैं पिन को कभी नहीं देख पाया, जबकि वह उतनी ही बड़ी है जितना आप कहते हैं।
"निस्संदेह, यह वहाँ मौजूद है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वे कहते हैं कि इसे जंग लगने से बचाने के लिए गाय की खाल के आवरण में लपेटा गया है।"
“ऐसा हो सकता है,” पादरी ने उत्तर दिया; “लेकिन मुझे जो आदेश मिले हैं, उनके अनुसार मुझे वह दिखाई नहीं देता। हालांकि, मान भी लें कि वह है, तो भी मैं उन सभी अमाडिसेस और उन असंख्य शूरवीरों की कहानियों पर विश्वास करने के

लिए बाध्य नहीं हूँ जिनके बारे में वे हमें बताते हैं, और न ही यह उचित है कि आप जैसे योग्य, इतने अच्छे गुणों वाले और इतनी अच्छी समझ रखने वाले व्यक्ति को उन हास्यास्पद वीरता की किताबों में लिखी गई ऐसी बेतुकी बातों पर यकीन हो जाए।”

50

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और कैनन के बीच हुए चतुर विवाद और अन्य घटनाओं के बारे में। "यह तो बहुत अच्छा मजाक था!" डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया। "वे पुस्तकें जो राजा की अनुमति से, और जिन्हें प्रस्तुत किया गया है उनकी स्वीकृति से छपी हैं, और जिन्हें सर्वप्रथम आनंद से पढ़ा गया है, और जिनकी प्रशंसा बड़े- छोटे, अमीर-गरीब, विद्वान-अज्ञानी, सज्जन-सरल, संक्षेप में कहें तो हर वर्ग और स्थिति के लोगों ने की है— ये सब झूठ हैं! और सबसे बढ़कर, जब वे सत्य का ऐसा आभास देती हैं; क्योंकि वे हमें किसी योद्धा या योद्धाओं के पिता, माता, देश, वंश, आयु, स्थान और उनके द्वारा दिन-प्रतिदिन किए गए कारनामों के बारे में बताती हैं! चुप रहिए, महोदय; ऐसी ईशनिंदा न कीजिए; मेरा विश्वास कीजिए, मैं आपको एक समझदार व्यक्ति की तरह व्यवहार करने की सलाह दे रहा हूँ; बस उन्हें पढ़िए, और आप देखेंगे कि उनसे आपको कितना आनंद मिलेगा। क्योंकि, बताइए, क्या इससे अधिक आनंददायक कुछ हो सकता है कि मानो हमारे सामने उबलती हुई तारकोल की एक विशाल झील प्रदर्शित हो, जिसमें अनगिनत साँप, सर्प, छिपकलियाँ और खूंखार और भयानक जीव हों। उसमें तरह-तरह के जीव तैर रहे थे, तभी झील के बीच से एक दुख भरी आवाज़ आई: 'हे योद्धा, तू जो भी हो, जो इस भयानक झील को देख रहा है, यदि तू इन धुंधली लहरों के नीचे छिपे पुरस्कार को जीतना चाहता है, तो अपने साहसी हृदय का शौर्य सिद्ध कर, अपने आप को इसके धधकते काले जल में झोंक दे, अन्यथा तू इस काले विस्तार के नीचे स्थित सात परियों के सात महलों में समाहित महान चमत्कारों को देखने के योग्य नहीं होगा;' और फिर योद्धा, भयानक आवाज़ के लगभग बंद होने से पहले ही, बिना सोचे-समझे, बिना अपने ऊपर आने वाले खतरे पर विचार किए, यहाँ तक कि अपने भारी कवच का भार उतारे बिना, स्वयं को ईश्वर और अपनी प्रेमिका के हवाले करते हुए, उबलती हुई झील में कूद पड़ा, और जब उसे ज़रा भी उम्मीद नहीं थी, या उसे अपने भाग्य का पता नहीं था, तो उसने खुद को फूलों से भरे मैदानों के बीच पाया, जिनकी तुलना स्वर्ग के मैदानों से नहीं की जा सकती। वहाँ आकाश अधिक पारदर्शी प्रतीत होता है, सूर्य एक विचित्र चमक के साथ जगमगाता है, और हरे-भरे वृक्षों का एक रमणीय उपवन आँखों के सामने प्रकट होता है और अपनी हरियाली से दृष्टि को मोहित कर लेता है, जबकि रंग-बिरंगे

पंखों वाले अनगिनत पक्षियों की मधुर, अनगढ़ धुनें कानों को सुकून देती हैं जो आपस में गुंथी शाखाओं के बीच इधर-उधर उड़ते रहते हैं। यहाँ वह एक झरना देखता है जिसका निर्मल जल, तरल क्रिस्टल की तरह, महीन रेत और सफेद कंकड़ों पर लहरें बनाता है जो छने हुए सोने और शुद्धतम मोतियों की तरह दिखते हैं। वहाँ वह बहुरंगी जैस्पर और पॉलिश किए हुए संगमरमर से बना एक कलात्मक रूप से गढ़ा हुआ फव्वारा देखता है; यहाँ एक और देहाती शैली का फव्वारा है जहाँ छोटे-छोटे सीप और घोंघे के सर्पिल सफेद और पीले घोंसले व्यवस्थित रूप से व्यवस्थित हैं, चमकदार क्रिस्टल और नकली पन्ना के टुकड़ों के साथ मिलकर एक विविध रूप बनाते हैं, जहाँ कला, प्रकृति की नकल करते हुए, उसे भी मात देती प्रतीत होती है।
अचानक उसकी नज़र के सामने एक मज़बूत किला या भव्य महल प्रकट होता है, जिसकी दीवारें भारी सोने की, बुर्ज हीरे के और द्वार चमेली के हैं; संक्षेप में, इसकी संरचना इतनी अद्भुत है कि यद्यपि इसे बनाने में इस्तेमाल की गई सामग्रियाँ हीरे, माणिक, मोती, सोना और पन्ना से कम नहीं हैं, फिर भी इसकी कारीगरी कहीं अधिक दुर्लभ है। और यह सब देखने के बाद, इससे अधिक मनमोहक क्या हो सकता है कि कैसे सुंदर और भव्य पोशाकों में सजी युवतियों का एक समूह महल के द्वार से बाहर आता है, ऐसी पोशाकें कि यदि मैं अब इतिहास में वर्णित अनुसार इसका वर्णन करने का प्रयास करूँ, तो मैं कभी नहीं कर पाऊँगा; और फिर कैसे उनमें से जो सबसे आगे प्रतीत होती है, वह उस साहसी योद्धा का हाथ पकड़ती है जिसने उबलती झील में छलांग लगाई थी, और उससे एक शब्द भी कहे बिना उसे उस आलीशान महल या किले में ले जाती है, और उसे उसी तरह नंगा कर देती है जैसे उसकी माँ ने उसे जन्म दिया था, और उसे गुनगुने पानी से नहलाती है, और उसे सुगंधित मलहम से पूरी तरह से मलती है। और उसे सबसे मुलायम, सुगंधित और इत्र से लदे कमीज़ पहनाया जाता है, जबकि एक और युवती आकर उसके कंधों पर एक ऐसा लबादा डाल देती है जिसकी कीमत कम से कम एक शहर या उससे भी अधिक बताई जाती है। फिर यह कितना मनमोहक है जब वे हमें बताते हैं कि इन सब के बाद, वे उसे एक दूसरे कमरे में ले जाते हैं जहाँ मेजें इतनी शान से सजी होती हैं कि वह विस्मय और आश्चर्य से भर जाता है; यह देखकर कि कैसे वे उसके हाथों के लिए अंबर और सुगंधित फूलों से निकाला हुआ जल डालते हैं; कैसे वे उसे हाथीदांत की कुर्सी पर बिठाते हैं; यह देखकर कि कैसे सभी युवतियाँ पूरी खामोशी से उसकी सेवा करती हैं; कैसे वे उसके लिए इतने तरह के लज़ीज़

व्यंजन इतने लुभावने ढंग से तैयार करके लाती हैं कि भूख यह तय नहीं कर पाती कि किसे चुनें; उस संगीत को सुनकर जो मेज पर बजता है, जिसे किसने और कहाँ से उत्पन्न किया है, यह वह नहीं जानता। और फिर जब भोजन समाप्त हो जाता है और मेजें हटा दी जाती हैं, तो शूरवीर कुर्सी पर आराम से बैठ जाता है, शायद हमेशा की तरह अपने दाँत साफ कर रहा होता है, और एक युवती, जो बाकी सभी से कहीं अधिक सुंदर होती है, प्रवेश करती है। अचानक कक्ष के दरवाजे पर आकर, वह उसके बगल में खड़ी हो जाती है और उसे बताने लगती है कि महल क्या है, और कैसे वह वहां मोहित हो गई है, और अन्य बातें जो शूरवीर को आश्चर्यचकित करती हैं और उसके इतिहास को पढ़ रहे पाठकों को विस्मित करती हैं।
लेकिन मैं इस पर और अधिक विस्तार से चर्चा नहीं करूँगा, क्योंकि इससे यह स्पष्ट है कि किसी भी वीर योद्धा के इतिहास का कोई भी भाग पढ़ने से पाठक, चाहे वह कोई भी हो, आनंद और आश्चर्य से भर जाता है; और मेरी सलाह मानिए, महोदय, और जैसा कि मैंने पहले कहा, इन पुस्तकों को पढ़िए और आप देखेंगे कि ये आपके किसी भी अवसाद को कैसे दूर कर देंगी और यदि आपका मनोबल गिरा हुआ है तो उसे कैसे बढ़ा देंगी। मैं स्वयं कह सकता हूँ कि जब से मैं वीर योद्धा बना हूँ, मैं वीर, विनम्र, उदार, सुसंस्कृत, दयालु, शिष्ट, निडर, सौम्य, धैर्यवान बन गया हूँ और मैंने कठिनाइयों, कारावासों और जादू-टोने को सहना सीख लिया है; और यद्यपि मुझे पागलों की तरह पिंजरे में बंद हुए बहुत कम समय हुआ है, मुझे अपनी भुजाओं की शक्ति से आशा है, यदि ईश्वर मेरी सहायता करे और भाग्य मेरा साथ न छोड़े, तो मैं स्वयं को किसी राज्य का राजा देखूँगा जहाँ मैं अपने हृदय में बसी कृतज्ञता और उदारता को प्रदर्शित कर सकूँ; क्योंकि मेरी कसम, महोदय, गरीब आदमी ही सबसे बड़ा है। कोई व्यक्ति किसी के प्रति उदारता का गुण दिखाने में असमर्थ है, भले ही वह इसे उच्चतम स्तर पर धारण करता हो; और केवल स्वभाव से बनी कृतज्ञता मृत है, ठीक वैसे ही जैसे कर्मों के बिना विश्वास मृत होता है। इसी कारण मैं प्रसन्न होऊंगा यदि भाग्य शीघ्र ही मुझे सम्राट बनने का अवसर प्रदान करे, ताकि मैं अपने मित्रों, विशेषकर अपने इस बेचारे सांचो पांजा, जो मेरे सहायक हैं और दुनिया के सबसे अच्छे व्यक्ति हैं, के प्रति भलाई करने में अपना हृदय प्रकट कर सकूं; और मैं उसे वह काउंटी सहर्ष दे दूंगा जिसका मैंने उसे बहुत समय से वादा किया है, केवल मुझे डर है कि उसमें अपने राज्य पर शासन करने की क्षमता नहीं है।

सांचो ने अपने स्वामी के ये अंतिम शब्द आंशिक रूप से सुने और उनसे कहा, "हे सेनर डॉन क्विक्सोट, कृपया मुझे वह जागीर दिलाने के लिए पूरी कोशिश करें जिसका आपने बार-बार वादा किया है और जिसकी मुझे लंबे समय से प्रतीक्षा है, क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मुझमें इसे चलाने की कोई कमी नहीं होगी; और यदि कोई कमी हो भी, तो मैंने सुना है कि दुनिया में ऐसे लोग हैं जो जागीरों का प्रबंधन करते हैं, प्रति वर्ष एक निश्चित राशि का कर देते हैं, और स्वयं शासन की बागडोर संभालते हैं, जबकि स्वामी आराम से पैर फैलाकर उनके द्वारा दिए गए राजस्व का आनंद लेता है, और किसी अन्य चीज़ की चिंता नहीं करता। मैं भी यही करूँगा, और छोटी-मोटी बातों पर मोलभाव नहीं करूँगा, बल्कि इस पूरे मामले से अपना हाथ धो लूँगा, और एक ड्यूक की तरह अपने करों का आनंद लूँगा, और बाकी सब अपने आप होने दूँगा।"
“भाई सांचो,” पादरी ने कहा, “यह बात केवल राजस्व के उपभोग के संदर्भ में ही सही है; लेकिन जागीर के स्वामी को न्याय प्रशासन पर ध्यान देना चाहिए, और यहीं योग्यता और विवेक की आवश्यकता होती है, और सबसे बढ़कर सत्य का पता लगाने का दृढ़ संकल्प; क्योंकि यदि शुरुआत में ही इसकी कमी हो, तो मध्य और अंत में सब कुछ गड़बड़ हो जाएगा; और ईश्वर सरल लोगों के ईमानदार इरादों में उतनी ही सहायता करता है जितनी वह धूर्त लोगों की बुरी योजनाओं को विफल करता है।”
"मुझे ये दर्शन समझ नहीं आते," सांचो पांजा ने उत्तर दिया; "मैं बस इतना जानता हूँ कि जैसे ही मुझे शासन करना आ जाएगा, मैं इस राज्य का स्वामी बनना चाहूँगा; क्योंकि मेरे पास भी उतनी ही आत्मा है जितनी किसी और के पास, और उतना ही शरीर है जितना किसी और के पास, और मैं अपने राज्य का उतना ही राजा बनूँगा जितना कोई और अपने राज्य का; और ऐसा होने पर मैं अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करूँगा, और अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करके मैं स्वयं को प्रसन्न करूँगा, और स्वयं को प्रसन्न करके मैं संतुष्ट रहूँगा, और जब कोई संतुष्ट होता है तो उसकी कोई इच्छा नहीं रह जाती, और जब किसी की कोई इच्छा नहीं रह जाती तो उसका अंत हो जाता है; इसलिए राज्य मुझे मिले, और ईश्वर आपके साथ हो, और हम एक-दूसरे को देखें, जैसे एक अंधे ने दूसरे अंधे से कहा था।"
"सांचो, तुम जो दर्शनशास्त्र की बात कर रहे हो वह बुरा नहीं है," पादरी ने कहा; "लेकिन फिर भी, काउंटी के इस मामले पर बहुत कुछ कहा जा सकता है।"

इस पर डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "मुझे नहीं पता कि और क्या कहा जा सकता है; मैं केवल गॉल के महान अमाडिस द्वारा स्थापित उदाहरण का अनुसरण करता हूँ, जब उन्होंने अपने सहायक को इंसुला फ़िरमे का काउंट बनाया था; और इसलिए, बिना किसी अंतरात्मा की दुविधा के, मैं सांचो पांजा को काउंट बना सकता हूँ, क्योंकि वह अब तक के सबसे अच्छे सहायकों में से एक है।"
पादरी डॉन क्विक्सोट द्वारा कही गई सुनियोजित बकवास (यदि बकवास में भी कोई सुनियोजितता हो सकती है) पर, झील के शूरवीर के साहसिक कार्य का वर्णन करने के उसके तरीके पर, उसके द्वारा पढ़ी गई पुस्तकों के जानबूझकर बोले गए झूठों के उस पर पड़े प्रभाव पर, और अंत में सांचो की सरलता पर आश्चर्यचकित थे, जो अपने स्वामी द्वारा वादा किए गए काउंटी को प्राप्त करने के लिए इतनी उत्सुकता से तत्पर था।
इस समय तक पादरी के सेवक, जो खच्चर लाने के लिए सराय गए थे, लौट आए थे। उन्होंने घास के मैदान की हरी घास को चबूतरा बनाकर कुछ पेड़ों की छाया में बैठकर भोजन किया, ताकि गाड़ीवान को उस स्थान का लाभ उठाने से वंचित न किया जा सके, जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है। भोजन करते समय उन्हें अचानक एक तेज़ आवाज़ और घंटी की ध्वनि सुनाई दी, जो पास की झाड़ियों और घनी वनस्पतियों के बीच से आती हुई प्रतीत हुई। उसी क्षण उन्होंने काले, सफेद और भूरे धब्बों वाली एक सुंदर बकरी को झाड़ियों से निकलते हुए देखा। उसके पीछे एक चरवाहा था, जो उसे पुकार रहा था और उसे रोकने या वापस बाड़े में लाने के लिए सामान्य आवाज़ें निकाल रहा था। डरी-सहमी वह भागती हुई बकरी, मानो उनकी शरण में आने की कोशिश कर रही हो, झुंड की ओर दौड़ी और फिर वहीं रुक गई। चरवाहा पास आकर उसके सींग पकड़कर उससे ऐसे बात करने लगा मानो उसमें अक्ल और समझ हो: "अरे भटकी हुई, भटकी हुई, धब्बेदार, धब्बेदार; तुम इतने समय से लंगड़ाकर क्यों चल रही हो? किन भेड़ियों ने तुम्हें डरा दिया है, मेरी बेटी? क्या तुम मुझे बताओगी कि क्या बात है, मेरी प्यारी? और क्या बात हो सकती है सिवाय इसके कि तुम एक लड़की हो और चुप नहीं रह सकती? तुम्हारे स्वभाव पर और तुम्हारे जैसे दिखने वालों के स्वभाव पर लानत हो! वापस आ जाओ, वापस आ जाओ, मेरी प्यारी; और अगर तुम इतनी खुश नहीं रहोगी, तो कम से कम तुम बाड़े में या अपने साथियों के साथ सुरक्षित रहोगी; क्योंकि अगर तुम, जिसे उनकी रखवाली और नेतृत्व करना चाहिए, भटक जाओगी, तो उनका क्या होगा?"

चरवाहे की बातें सुनकर सभी को हंसी आ गई, विशेषकर पादरी को। पादरी ने उससे कहा, "भाई, शांत रहो और इस बकरी को बाड़े में वापस ले जाने की इतनी जल्दी मत करो; क्योंकि जैसा कि तुम कहते हो, यह मादा है और तुम चाहे जितनी भी कोशिश कर लो, यह अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति का पालन करेगी। यह टुकड़ा लो और एक घूंट पी लो, इससे तुम्हारा गुस्सा शांत हो जाएगा और इस बीच बकरी आराम कर लेगी।" इतना कहकर उसने उसे एक ठंडे खरगोश की कमर का मांस कांटे पर रखकर थमा दिया।
चरवाहे ने कृतज्ञतापूर्वक उसे ग्रहण किया, पिया और शांत होकर बोला, "यदि आप लोग मुझे इस जानवर से इतनी गंभीरता से बात करने के लिए मूर्ख समझें तो मुझे खेद होगा; लेकिन सच्चाई यह है कि मैंने जो शब्द कहे हैं उनमें एक रहस्य छिपा है। मैं एक मसखरा हूँ, पर इतना भी नहीं कि मैं मनुष्यों और पशुओं दोनों के साथ व्यवहार करना न जानता हूँ।"
"मैं इस बात पर पूरी तरह से विश्वास कर सकता हूँ," पादरी ने कहा, "क्योंकि मैं अपने अनुभव से जानता हूँ कि जंगल विद्वानों को जन्म देते हैं और चरवाहे दार्शनिकों को आश्रय देते हैं।"
"जहाँ तक हो सके, महोदय," चरवाहे ने उत्तर दिया, "वे अनुभवी लोगों को आश्रय देते हैं; और ताकि आप इस बात की सच्चाई देख सकें और समझ सकें, हालाँकि ऐसा लग सकता है कि मैं बिना पूछे ही अपनी बात आगे बढ़ा रहा हूँ, फिर भी, यदि इससे आप लोग ऊबेंगे नहीं, और आप मुझे थोड़ी देर के लिए ध्यान देंगे, तो मैं आपको एक सच्ची कहानी सुनाऊँगा जो इस सज्जन (और उसने पादरी की ओर इशारा किया) के साथ-साथ मेरे अपने कथन की भी पुष्टि करेगी।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "चूंकि इस मामले में वीरता का कुछ अंश झलकता है, इसलिए मैं, भाई, आपकी बात सहर्ष सुनूंगा, और ये सभी सज्जन भी, अपनी उच्च बुद्धि और मन को लुभाने वाली, आकर्षक और मनोरंजक नई चीजों के प्रति अपने प्रेम के कारण, आपकी कहानी को ध्यानपूर्वक सुनेंगे, जैसा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यह भी ऐसा ही करेगी। तो मित्र, शुरू कीजिए, क्योंकि हम सभी सुनने के लिए तैयार हैं।"
"मैं अपना सामान समेटता हूँ," सांचो ने कहा, "और इस पेस्ट्री के साथ वहाँ की छोटी नदी के किनारे चला जाऊँगा, जहाँ मैं तीन दिनों के लिए भोजन की व्यवस्था करूँगा; क्योंकि मैंने अपने स्वामी, डॉन क्विक्सोट को यह कहते सुना है कि एक वीर योद्धा के सहायक को जब भी मौका मिले, तब तक खाना चाहिए जब

तक वह और न खा सके, क्योंकि अक्सर ऐसा होता है कि वे गलती से इतने घने जंगल में फँस जाते हैं कि उन्हें छह दिनों तक बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिलता; और यदि वह व्यक्ति अच्छी तरह से भरा हुआ न हो या उसके पास पर्याप्त भोजन न हो, तो वह वहीं पड़ा रह सकता है, जैसा कि अक्सर होता है, एक सूखी ममी में बदल कर।"
"सांचो, तुम सही कह रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "जहाँ चाहो जाओ और जितना चाहो खाओ, क्योंकि मेरा पेट भर गया है, और मैं केवल अपने मन को तरोताज़ा करना चाहता हूँ, जैसा कि मैं इस भले आदमी की कहानी सुनकर करूँगा।"
"हम सबको यही करना होगा," पादरी ने कहा; और फिर चरवाहे से वादा की गई कहानी शुरू करने की विनती की।
चरवाहे ने सींगों से पकड़ी हुई बकरी की पीठ पर दो-तीन थपथपाते हुए कहा, "स्पॉटी, मेरे पास यहीं लेट जाओ, हमारे पास अपने बाड़े में लौटने के लिए काफी समय है।" बकरी को मानो उसकी बात समझ आ गई थी, क्योंकि जैसे ही उसका मालिक बैठा, वह चुपचाप उसके बगल में लेट गई और उसकी ओर देखने लगी, मानो वह उसकी बात ध्यान से सुन रही हो। फिर चरवाहे ने अपनी कहानी शुरू की।

51

अध्याय
यह लेख इस बात से संबंधित है कि चरवाहे ने डॉन क्विक्सोट को ले जा रहे लोगों को क्या बताया था।
इस घाटी से तीन मील दूर एक गाँव है, जो छोटा होते हुए भी इस पूरे इलाके के सबसे धनी गाँवों में से एक है। वहाँ एक किसान रहता था, जो बहुत ही नेक और सम्मानित व्यक्ति था। हालाँकि धनवान होना स्वाभाविक ही था, फिर भी उसे अपनी दौलत से कहीं अधिक सम्मान अपने सद्गुणों के लिए प्राप्त था। लेकिन जैसा कि उसने स्वयं कहा, उसकी सबसे बड़ी खूबी उसकी बेटी थी, जो अत्यंत सुंदर, असाधारण बुद्धिमान, शालीन और गुणी थी। जो भी उसे जानता और देखता, वह प्रकृति और ईश्वर द्वारा दिए गए असाधारण गुणों को देखकर चकित रह जाता था। बचपन से ही वह सुंदर थी, उसकी सुंदरता बढ़ती ही गई और सोलह वर्ष की आयु में वह अत्यंत सुंदर हो गई। उसकी सुंदरता की ख्याति आसपास के सभी गाँवों में फैलने लगी—लेकिन मैं केवल आसपास के गाँवों की बात क्यों कर रहा हूँ, जबकि यह दूर-दूर के शहरों तक पहुँच गई, यहाँ तक कि राजघरानों तक भी और हर वर्ग के लोगों तक भी पहुँची, जो उसे देखने के लिए दूर-दूर से आते थे, मानो कोई दुर्लभ और अनोखी वस्तु या कोई चमत्कारिक छवि देखने आए हों?
उसके पिता उस पर नज़र रखते थे और वह स्वयं अपनी रक्षा करती थी; क्योंकि एक युवती की सुरक्षा उसकी अपनी लज्जा से बेहतर कोई ताला, रक्षक या कुंडी नहीं कर सकती। पिता की संपत्ति और पुत्री की सुंदरता ने कई पड़ोसियों और अजनबियों को उससे विवाह करने के लिए प्रेरित किया; लेकिन वह, जैसा कि कोई भी व्यक्ति हो सकता है जिसके पास इतना अनमोल रत्न हो, असमंजस में था और यह तय नहीं कर पा रहा था कि उसके अनगिनत दूल्हों में से किसे उसकी पुत्री सौंपे। मैं भी उन अनेकों में से एक था जिनके मन में स्वाभाविक इच्छा थी, और चूंकि उसके पिता मुझे जानते थे, और मैं उसी कस्बे का निवासी था, शुद्ध वंश का था, युवावस्था में था और संपत्ति में बहुत धनी था, इसलिए मुझे सफलता की बहुत उम्मीद थी। उसी स्थान और योग्यताओं वाला एक और व्यक्ति भी उससे विवाह करना चाहता था, और इससे उसके पिता का चुनाव अधर में लटक गया, क्योंकि उन्हें लगता था कि हम दोनों में से किसी पर भी उनकी पुत्री का विवाह उचित होगा; इस दुविधा से निकलने के लिए उन्होंने मामले को लिएंड्रा (क्योंकि

बैठता था और वहाँ से वह हमें अपने कारनामों की कहानियाँ सुनाकर अवाक कर देता था। पृथ्वी पर ऐसा कोई देश नहीं था जिसे उसने न देखा हो, न ही कोई ऐसा युद्ध था जिसमें वह शामिल न हुआ हो; उसने मोरक्को और ट्यूनिस की आबादी से भी अधिक मूरों को मार डाला था, और अपने ही बयान के अनुसार, गार्सिलासो, डिएगो गार्सिया डी पारेडेस और उसके द्वारा नाम लिए गए हजारों अन्य लोगों से भी अधिक एकल युद्ध लड़े थे, और उन सभी में वह बिना एक बूंद खून बहाए विजयी हुआ था। दूसरी ओर, उसने घावों के निशान दिखाए, जो हालांकि स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे थे, लेकिन उसने कहा कि ये विभिन्न मुठभेड़ों और लड़ाइयों में लगी गोलियों के घाव थे। अंत में, वह बड़ी धृष्टता से अपने समकक्षों और यहाँ तक कि उन्हें भी, जो उसे जानते थे, "तुम" कहकर पुकारता था और दावा करता था कि उसकी भुजाएँ उसके पिता की देन हैं और उसके कर्म ही उसका वंश हैं, और एक सैनिक होने के नाते वह स्वयं राजा के समान कुशल है। और इन अकड़ भरे व्यवहारों में एक और बात यह थी कि वह थोड़ा-बहुत संगीतकार भी था और गिटार को इतने शानदार ढंग से बजाता था कि कुछ लोग कहते थे कि वह उसे बुलवा देता है; उसकी प्रतिभाएँ यहीं समाप्त नहीं होती थीं, क्योंकि वह एक कवि भी था और कस्बे में घटी हर छोटी-मोटी घटना पर वह एक मील लंबा गीत रच देता था।
तो, जिस सिपाही का मैंने वर्णन किया है, विसेंटे डे ला रोका, यह बहादुर, वीर, संगीतकार, कवि, लीएंड्रा अक्सर अपने घर की खिड़की से उसे देखती और निहारती थी, जो चौक की ओर खुलती थी। उसके दिखावटी वस्त्रों की चमक उसे भा जाती थी, उसके गीत उसे मोहित कर लेते थे (क्योंकि वह अपने हर गीत की बीस प्रतियाँ बाँट देता था), उसके कारनामों की कहानियाँ जो वह अपने बारे में सुनाता था, उसके कानों तक पहुँचती थीं; और संक्षेप में, जैसा कि शैतान ने शायद तय किया था, वह उससे प्रेम करने की हिम्मत करने से पहले ही उससे प्यार कर बैठी; और जैसा कि प्रेम-संबंधों में, जिनमें महिला की इच्छा होती है, लीएंड्रा और विसेंटे के बीच बिना किसी कठिनाई के आपसी समझ बन गई; और इससे पहले कि उसके कई चाहने वालों को उसके इरादे का ज़रा भी शक होता, उसने उसे अंजाम दे दिया था। वह अपने प्रिय पिता का घर छोड़कर (क्योंकि उसकी कोई माँ नहीं थी) गाँव से उस सैनिक के साथ गायब हो गई, जिसने इस कारनामे में उन सभी कारनामों से कहीं ज़्यादा जीत हासिल की, जिन पर उसने दावा किया था। पूरा गाँव और जिसने भी इसके बारे में सुना, सब हैरान रह गए; मैं स्तब्ध रह गया,

ज़्यादा समझदारी भरा रास्ता अपनाता हूँ, और वो है महिलाओं की तुच्छता, उनकी बेवफ़ाई, उनके दोहरे व्यवहार, उनके टूटे वादों, उनके अधूरे वचनों और संक्षेप में, उनके स्नेह और झुकावों को तय करने में दिखाई देने वाली विचारहीनता की निंदा करना। महोदय, यही कारण था कि मैंने अभी-अभी इस बकरी के लिए ऐसे शब्द और मुहावरे इस्तेमाल किए; क्योंकि वह मादा है, इसलिए मैं उससे घृणा करता हूँ, हालाँकि वह मेरे झुंड में सबसे अच्छी है। यही वो कहानी है जो मैंने आपको सुनाने का वादा किया था, और अगर इसे सुनाने में समय लग गया हो, तो मैं आपको जल्द ही सुना दूँगा; मेरी झोपड़ी पास ही है, और वहाँ ताज़ा दूध और स्वादिष्ट पनीर के साथ-साथ कई तरह के लज़ीज़ फल भी हैं, जो देखने में भी उतने ही सुंदर हैं जितने खाने में।

52

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और बकरी चराने वाले के बीच हुए झगड़े और पश्चाताप करने वालों के उस अनोखे साहसिक कार्य का वर्णन है, जिसे उन्होंने बड़ी मेहनत से सुखद अंत तक पहुंचाया।
चरवाहे की कहानी ने सभी श्रोताओं को बहुत संतुष्टि दी, और विशेष रूप से पादरी को यह कहानी बहुत पसंद आई, क्योंकि उन्होंने कहानी सुनाने के तरीके पर विशेष ध्यान दिया था, जो किसी मसखरे चरवाहे के तरीके से उतना ही अलग था जितना कि किसी परिष्कृत शहरी बुद्धिमान व्यक्ति के तरीके से; और उन्होंने यह भी कहा कि सहायक पादरी का यह कहना बिल्कुल सही था कि जंगल विद्वानों को जन्म देते हैं। उन सभी ने यूजीनियो को अपनी सेवाएं देने की पेशकश की, लेकिन इस मामले में सबसे उदार डॉन क्विक्सोट थे, जिन्होंने उनसे कहा, "हे चरवाहे भाई, अगर मुझे कभी कोई साहसिक कार्य करने का अवसर मिला, तो मैं अभी इसी वक्त आपकी ओर से निकल पड़ूंगा और लीएंड्रा को उस मठ से छुड़ा लूंगा (जहां निस्संदेह उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध रखा गया है), मठाध्यक्षा और मुझे रोकने की हर संभव कोशिश के बावजूद, और उसे आपके हवाले कर दूंगा ताकि आप उसके साथ अपनी इच्छा और प्रसन्नता के अनुसार व्यवहार कर सकें, हालांकि मैं वीरता के उन नियमों का पालन करूंगा जिनमें किसी भी युवती के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा न करने का प्रावधान है। लेकिन मुझे ईश्वर पर भरोसा है कि एक दुष्ट जादूगर की शक्ति इतनी बड़ी साबित न हो कि किसी दयालु जादूगर की शक्ति उससे कहीं अधिक प्रबल हो जाए, और तब मैं आपको अपना समर्थन और सहायता देने का वादा करता हूं, जैसा कि मेरा कर्तव्य है, जो कि कमजोर और जरूरतमंदों की सहायता करना है।"
चरवाहे ने उसे देखा और डॉन क्विक्सोट की दयनीय हालत और हावभाव को देखकर वह आश्चर्यचकित रह गया और अपने बगल में खड़े नाई से पूछा, "महोदय, यह आदमी कौन है जो इस तरह से हावभाव दिखाता है और इस तरह से बात करता है?"
नाई ने कहा, "और कौन हो सकता है, सिवाय ला मांचा के प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट के, जो अन्याय का नाश करने वाला, गलतियों को सुधारने वाला, युवतियों का रक्षक, राक्षसों का आतंक और युद्धों का विजेता है?"

"यह तो बिल्कुल उन वीर योद्धाओं की किताबों में लिखी बातों जैसा लगता है, जिन्होंने वो सब किया जो आप इस आदमी के बारे में कह रहे हैं; हालांकि मेरा मानना है कि या तो आप मजाक कर रहे हैं, या फिर इस सज्जन का दिमाग बिल्कुल खाली है।"
“तुम बड़े बदमाश हो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और तुम ही खोखले और मूर्ख हो। मैं उस कुतिया से कहीं अधिक भरा हुआ हूँ जिसने तुम्हें जन्म दिया है;” और शब्दों से कर्म की ओर बढ़ते हुए, उसने अपने पास पड़ी एक रोटी उठाई और उसे इतनी ज़ोर से चरवाहे के चेहरे पर फेंका कि उसकी नाक चपटी हो गई; लेकिन चरवाहा, जो मज़ाक नहीं समझता था, और खुद को इतनी गंभीरता से, कालीन, मेज़पोश या खाने वालों की परवाह किए बिना, बुरी तरह पिटते हुए देखकर डॉन क्विक्सोट पर झपटा, और दोनों हाथों से उसका गला पकड़कर उसे निश्चित रूप से मार डालता, अगर उसी क्षण सांचो पांजा बचाव के लिए न आता, और उसे कंधों से पकड़कर मेज पर पटक देता, जिससे प्लेटें टूट गईं, गिलास चकनाचूर हो गए, और मेज पर रखी हर चीज़ उलट-पुलट हो गई। डॉन क्विक्सोट ने खुद को मुक्त पाकर बकरी चराने वाले पर चढ़ने की कोशिश की, जिसका चेहरा खून से लथपथ था और सांचो ने उसे बुरी तरह लात मारी थी। वह चारों हाथों-पैरों के बल रेंग रहा था और बदला लेने के लिए मेज पर रखे चाकुओं में से एक को ढूंढ रहा था। हालांकि, पादरी और सहायक ने उसे रोक दिया, लेकिन नाई ने इस तरह से साजिश रची कि उसने डॉन क्विक्सोट को अपने नीचे दबा लिया और उस पर मुक्कों की ऐसी बौछार कर दी कि बेचारे शूरवीर का चेहरा भी उसी तरह खून से लथपथ हो गया जैसे उसका अपना चेहरा। पादरी और सहायक जोर-जोर से हंस रहे थे, अधिकारी खुशी से उछल-कूद कर रहे थे और दोनों उन्हें ऐसे चिढ़ा रहे थे जैसे कुत्ते आपस में लड़ रहे हों। केवल सांचो ही घबराया हुआ था, क्योंकि वह पादरी के एक नौकर की पकड़ से खुद को छुड़ा नहीं पा रहा था, जिसने उसे अपने मालिक की मदद के लिए जाने से रोक रखा था।
अंत में, जब वे सभी, आपस में लड़ रहे दो योद्धाओं को छोड़कर, अत्यंत हर्षोल्लास और आनंद में डूबे हुए थे, तभी उन्हें तुरही की एक ऐसी उदास ध्वनि सुनाई दी कि वे सब उस दिशा में देखने लगे जहाँ से वह ध्वनि आती हुई प्रतीत हुई। परन्तु उस ध्वनि को सुनकर सबसे अधिक उत्तेजित डॉन क्विक्सोट हुआ, जो यद्यपि अपनी इच्छा के विरुद्ध बकरी चराने वाले के अधीन था और बुरी तरह पिट चुका था, फिर भी उसने उससे कहा, "भाई शैतान (क्योंकि यह असंभव है कि

रहा था, "आप कहाँ जा रहे हैं, श्रीमान डॉन क्विक्सोट? आपको किस शैतान ने वश में कर लिया है कि आप हमारे कैथोलिक धर्म के विरुद्ध हो गए हैं? मुझे धिक्कार है! ध्यान रहे, यह पश्चाताप करने वालों का जुलूस है, और जिस महिला को वे वहाँ ले जा रहे हैं वह पवित्र कुंवारी की प्रतिमा है। श्रीमान, सावधान रहें कि आप क्या कर रहे हैं, क्योंकि इस बार यह कहना सुरक्षित है कि आप नहीं जानते कि आप क्या कर रहे हैं।" सांचो का प्रयास व्यर्थ था, क्योंकि उसका स्वामी इन चादर ओढ़े लोगों के साथ वापस आने और काली पोशाक वाली महिला को रिहा करने पर इतना अड़ा हुआ था कि उसने एक शब्द भी नहीं सुना; और अगर उसने सुना भी होता, तो राजा के आदेश पर भी वह वापस नहीं लौटता। वह जुलूस के साथ आया और रोसिनांटे को रोका, जो पहले से ही इतना बेचैन था कि अपनी गति थोड़ी धीमी कर रहा था, और कर्कश, उत्तेजित आवाज में बोला, "तुम जो अपना चेहरा छुपा रहे हो, शायद इसलिए कि तुम अच्छे प्रजाजन नहीं हो, ध्यान दो और सुनो कि मैं तुमसे क्या कहने वाला हूँ।" सबसे पहले वे लोग रुके जो मूर्ति ले जा रहे थे, और प्रार्थना का पाठ कर रहे चार पुजारियों में से एक, डॉन क्विक्सोट की विचित्र आकृति, रोसिनांटे के दुबलेपन और अन्य हास्यास्पद विशेषताओं को देखकर हैरान रह गया, और उसने जवाब में कहा, "भाई, अगर आपको हमसे कुछ कहना है तो जल्दी कहिए, क्योंकि ये भाई खुद को कोड़े मार रहे हैं, और हम रुक नहीं सकते, और न ही यह उचित है कि हम कुछ सुनने के लिए रुकें, जब तक कि वह इतना छोटा न हो कि दो शब्दों में कहा जा सके।"
“मैं इसे एक शब्द में कहूँगा,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “और वह यह है कि तुरंत, इसी क्षण, उस सुंदर स्त्री को रिहा करो जिसके आँसू और उदास चेहरा स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि तुम उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध ले जा रहे हो, और तुमने उसके साथ कोई घिनौना अत्याचार किया है; और मैं, जो इस संसार में ऐसे सभी अन्यायों का निवारण करने के लिए जन्मा हूँ, तुम्हें तब तक एक कदम भी आगे नहीं बढ़ने दूँगा जब तक तुम उसे वह स्वतंत्रता वापस नहीं दिला देते जिसके लिए वह तरस रही है और जिसकी वह हकदार है।”
इन शब्दों को सुनकर सभी श्रोताओं ने निष्कर्ष निकाला कि वह पागल है, और वे ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगे। उनकी हंसी ने डॉन क्विक्सोट के क्रोध को और भड़का दिया, और बिना कुछ कहे अपनी तलवार निकालकर वह स्टैंड की ओर झपटा। स्टैंड को सहारा देने वालों में से एक ने बोझ अपने साथियों पर छोड़कर उसका सामना करने के लिए आगे बढ़ा, और स्टैंड को सहारा देने के लिए अपने पास रखी हुई

दोमुंही छड़ी लहराई। डॉन क्विक्सोट ने उस पर जो जोरदार वार किया, उससे छड़ी दो टुकड़ों में कट गई; लेकिन बचे हुए हिस्से से उसने डॉन क्विक्सोट के तलवार वाले हाथ के कंधे पर ऐसा प्रहार किया (जिसे ढाल भी इस हास्यास्पद हमले से नहीं बचा पाई) कि बेचारा डॉन क्विक्सोट बुरी तरह से ज़मीन पर गिर पड़ा।
सैंचो पांजा, जो हांफते-फूंकते उसके पीछे आ रहा था, उसे गिरते देख अपने हमलावर से चिल्लाकर बोला कि उसे दोबारा न मारे, क्योंकि वह बेचारा जादुई योद्धा था, जिसने अपने पूरे जीवन में कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया था; लेकिन मसखरे को सैंचो की चीख ने नहीं रोका, बल्कि इस बात ने रोका कि डॉन क्विक्सोट टस से मस नहीं हुआ; और इसलिए, यह सोचकर कि उसने उसे मार डाला है, उसने जल्दी से अपनी कमीज को कमरबंद के नीचे समेटा और हिरण की तरह भाग निकला।
तब तक डॉन क्विक्सोट के सभी साथी उसके पास पहुँच चुके थे; लेकिन जुलूस में शामिल लोगों ने उन्हें दौड़ते हुए आते देखा, और उनके साथ धनुष लिए ब्रदरहुड के अधिकारियों को भी देखा, तो उन्हें किसी अनहोनी का आभास हुआ। वे मूर्ति के चारों ओर जमा हो गए, अपने हुड ऊपर उठा लिए और अपने कोड़े थाम लिए, जैसे पुजारियों ने अपनी मोमबत्तियाँ थाम ली थीं, और हमले की प्रतीक्षा करने लगे। उन्होंने खुद का बचाव करने और संभव होने पर हमलावरों पर पलटवार करने का निश्चय कर लिया था। हालाँकि, भाग्य ने उनकी अपेक्षा से कहीं बेहतर व्यवस्था की, क्योंकि सांचो ने बस अपने स्वामी के शरीर पर खुद को गिरा दिया और उसके ऊपर सबसे दयनीय और हास्यास्पद विलाप किया, क्योंकि उसे लगा कि वह मर चुका है। जुलूस में चल रहे एक अन्य पादरी को वह पादरी जानता था, और एक-दूसरे को पहचान लेने से दोनों पक्षों का संशय दूर हो गया। तब पहले ने दूसरे को दो शब्दों में बताया कि डॉन क्विक्सोट कौन था, और वह और पश्चाताप करने वालों का पूरा दल यह देखने गया कि क्या वह बेचारा सज्जन मर गया है, और उन्होंने सांचो पांजा को आँखों में आँसू लिए यह कहते हुए सुना, "हे वीरता के फूल, जिसने एक ही छड़ी के प्रहार से अपने सुगठित जीवन का अंत कर दिया! हे अपने वंश के गौरव, पूरे ला मांचा के, बल्कि पूरे विश्व के गौरव, जिसके अभाव में यह विश्व दुष्टों से भर जाएगा, जो अब अपने कुकर्मों के दंड से भयभीत नहीं होंगे! हे सिकंदरों से भी अधिक उदार, क्योंकि केवल आठ महीनों की सेवा के लिए तुमने मुझे समुद्र से घिरा सबसे उत्तम द्वीप दिया!

अभिमानी के साथ विनम्र, विनम्र के साथ अभिमानी, खतरों का सामना करने वाला, अत्याचार सहने वाला, बिना कारण प्रेम करने वाला, अच्छाई का अनुकरण करने वाला, दुष्टों का नाश करने वाला, नीचों का शत्रु, संक्षेप में, वीर योद्धा, बस यही कहा जा सकता है!"
सांचो की चीख-पुकार सुनकर डॉन क्विक्सोट को होश आया और उसने सबसे पहले कहा, "हे प्यारी डुलसीनिया, जो तुमसे अलग रहता है, उसे इन सबसे कहीं अधिक कष्ट सहने पड़ते हैं। हे मित्र सांचो, मुझे जादुई रथ पर चढ़ने में मदद करो, क्योंकि मैं रोसिनांटे की काठी दबाने की हालत में नहीं हूँ, क्योंकि उसका कंधा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है।"
"मैं यह पूरे मन से करूंगा, महोदय," सांचो ने कहा; "चलिए इन सज्जनों के साथ अपने गाँव लौट चलें, जो आपका भला चाहते हैं, और वहाँ हम एक और अभियान की तैयारी करेंगे, जो हमारे लिए अधिक लाभदायक और सम्मानजनक साबित हो सकता है।"
"तुम सही कह रहे हो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "यह बुद्धिमानी होगी कि सितारों के इस अशुभ प्रभाव को, जो अभी व्याप्त है, बीत जाने दिया जाए।"
पादरी, उपपुजारी और नाई ने उससे कहा कि वह जैसा कह रहा है वैसा करके बहुत बुद्धिमानी का काम करेगा; और इसलिए, सांचो पांजा की सरलता पर बहुत प्रसन्न होकर, उन्होंने डॉन क्विक्सोट को पहले की तरह गाड़ी में बिठा दिया। जुलूस एक बार फिर व्यवस्थित हो गया और अपने रास्ते पर चल पड़ा; चरवाहे ने दल से विदा ली; बिरादरी के अधिकारियों ने आगे जाने से इनकार कर दिया, और उपपुजारी ने उन्हें उनका बकाया दे दिया; पादरी ने उपपुजारी से विनती की कि वह उसे बताए कि डॉन क्विक्सोट कैसा है, क्या वह अपने पागलपन से ठीक हो गया है या अभी भी उससे पीड़ित है, और फिर अपनी यात्रा जारी रखने की अनुमति मांगी; संक्षेप में, वे सभी अलग हो गए और अपने-अपने रास्ते चले गए, उपपुजारी और नाई, डॉन क्विक्सोट, सांचो पांजा और भले रोसिनेंटे को वहीं छोड़ दिया, जो अपने स्वामी की तरह ही सब कुछ बड़े धैर्य से देख रहा था। गाड़ीवान ने अपने बैलों को जोता और डॉन क्विक्सोट को भूसे के गट्ठे पर आराम से बिठाया, और अपनी सामान्य धीमी गति से पादरी द्वारा बताए गए रास्ते पर चल पड़ा। छह दिन बाद वे डॉन क्विक्सोट के गाँव पहुँचे और दोपहर के समय गाँव में प्रवेश किया। संयोग से वह रविवार का दिन था और सभी लोग चौक में थे, जहाँ से डॉन

क्विक्सोट की गाड़ी गुज़र रही थी। सभी लोग गाड़ी में क्या है यह देखने के लिए उमड़ पड़े और जब उन्होंने अपने गाँव के निवासी को पहचाना तो वे आश्चर्य से भर गए। एक लड़का दौड़कर अपनी गृहणी और भतीजी को यह खबर देने गया कि उनके मालिक और चाचा दुबले-पतले और पीले पड़ चुके हैं और बैलगाड़ी पर भूसे के गट्ठे पर लेटे हुए वापस आए हैं। उन दोनों महिलाओं की चीखें सुनना दयनीय था, वे कैसे अपने सीने पीट रही थीं और उन शापित वीरता की किताबों पर नए सिरे से श्राप दे रही थीं; डॉन क्विक्सोट को द्वार से अंदर आते देख उनका क्रोध और भी भड़क उठा।
डॉन क्विक्सोट के आगमन की खबर सुनकर सांचो पांजा की पत्नी दौड़ती हुई आई, क्योंकि तब तक उसे पता चल चुका था कि उसका पति उसे अपने सहायक के रूप में साथ ले गया है। सांचो को देखते ही उसने सबसे पहले उससे पूछा कि गधा कैसा है। सांचो ने उत्तर दिया कि वह ठीक है, अपने स्वामी से भी बेहतर।
"ईश्वर का शुक्र है कि उन्होंने मुझ पर इतना कृपा की; लेकिन अब बताओ, मेरे मित्र, तुमने अपने साथियों से क्या कमाया है? मेरे लिए कौन सा गाउन लाए हो? अपने बच्चों के लिए कौन से जूते लाए हो?"
"मैं उस तरह की कोई चीज नहीं लाता, पत्नी," सांचो ने कहा; "हालांकि मैं अन्य अधिक महत्वपूर्ण और मूल्यवान चीजें लाता हूं।"
"मुझे इसकी बहुत खुशी है," उसकी पत्नी ने जवाब दिया; "मेरे मित्र, मुझे ये अधिक मूल्यवान और महत्वपूर्ण चीजें दिखाओ; क्योंकि मैं इन्हें देखना चाहती हूँ ताकि मेरा हृदय प्रसन्न हो सके जो तुम्हारे दूर रहने के इन सभी वर्षों में बहुत उदास और भारी रहा है।"
"मैं तुम्हें घर पर ये सब दिखाऊंगा, पत्नी," सांचो ने कहा; "अभी के लिए संतुष्ट रहो; क्योंकि अगर ईश्वर की कृपा हुई और हमने फिर से रोमांच की तलाश में यात्राएं शुरू कीं, तो तुम जल्द ही मुझे किसी द्वीप का काउंट या गवर्नर बनते हुए देखोगी, और वह कोई आम पद नहीं होगा, बल्कि सबसे बेहतरीन पद होगा।" "हे पतिदेव, ईश्वर ही ऐसा करे, क्योंकि हमें इसकी बहुत आवश्यकता है। लेकिन मुझे बताइए, यह द्वीपों के बारे में क्या है, क्योंकि मुझे यह समझ नहीं आ रहा है?"
"शहद गधे के मुंह के लिए नहीं है," सांचो ने जवाब दिया; "सही समय आने पर तुम सब देख लोगी, पत्नी—नहीं, तुम यह सुनकर आश्चर्यचकित हो जाओगी कि तुम्हारे सभी सेवक तुम्हें 'महारानी' कहकर पुकारेंगे।"

"सांचो, तुम अपनी देवियों, द्वीपों और जागीरदारों के बारे में क्या बात कर रहे हो?" टेरेसा पांजा ने जवाब दिया—सांचो की पत्नी को इसी नाम से पुकारा जाता था, हालांकि वे रिश्तेदार नहीं थे, क्योंकि ला मांचा में पत्नियों के लिए अपने पतियों का उपनाम अपनाना प्रथागत है।
"टेरेसा, यह सब जानने की इतनी जल्दी मत करो," सांचो ने कहा; "इतना ही काफी है कि मैं तुम्हें सच बता रहा हूँ, इसलिए चुप रहो। लेकिन मैं तुम्हें इतना बता सकता हूँ कि दुनिया में विचारशील व्यक्ति होने, किसी वीर योद्धा का साथी बनने और रोमांच की खोज करने से ज्यादा आनंददायक कुछ नहीं है। बेशक, इनमें से ज्यादातर रोमांच उतने सुखद नहीं होते जितना कोई चाहे, क्योंकि सौ में से निन्यानवे रोमांच प्रतिकूल और प्रतिकूल साबित होते हैं। मुझे इसका अनुभव है, क्योंकि कुछ रोमांचों से मैं पूरी तरह सुरक्षित निकला, और कुछ से थका देने वाला। फिर भी, इन सबके बावजूद, पहाड़ों को पार करना, जंगलों की खोज करना, चट्टानों पर चढ़ना, किलों का दौरा करना, सराय में ठहरना, सब कुछ मुफ्त में करना और मारवेदी (अतिरिक्त धन) का भुगतान न करना, इन सब के लिए उत्सुक रहना और भविष्य में होने वाली घटनाओं पर नजर रखना एक शानदार अनुभव है।"
जब सांचो पांजा और उसकी पत्नी के बीच यह बातचीत चल रही थी, तभी डॉन क्विक्सोट की नौकरानी और भतीजी उसे अंदर ले आईं, उसके कपड़े उतारे और उसे उसके पुराने बिस्तर पर लिटा दिया। उसने उन्हें तिरछी नज़रों से देखा और समझ नहीं पाया कि वह कहाँ है। पादरी ने अपनी भतीजी को हिदायत दी कि वह अपने चाचा का बहुत ध्यान रखे और उन पर नज़र रखे, कहीं वह फिर से भाग न जाए। पादरी ने उसे बताया कि उन्हें उसे घर लाने के लिए क्या-क्या करना पड़ा था। इस पर दोनों ने एक बार फिर ज़ोर से आवाज़ उठाई और वीरता की किताबों को कोसना शुरू कर दिया, और ईश्वर से प्रार्थना की कि ऐसे झूठ और बकवास लिखने वालों को अथाह गड्ढे में डाल दे। संक्षेप में, वे चिंता और भय में डूबी रहीं कि कहीं उनके चाचा और मालिक थोड़ा बेहतर महसूस करते ही उन्हें चकमा न दे दें, और जैसा उन्होंने आशंका जताई थी वैसा ही हुआ।
लेकिन इस इतिहास के लेखक ने डॉन क्विक्सोट के तीसरे अभियान में किए गए कारनामों की खोज में अथक शोध और परिश्रम किया है, फिर भी वे उनके बारे में कोई जानकारी प्राप्त करने में असमर्थ रहे हैं, कम से कम प्रामाणिक दस्तावेजों से तो नहीं; परंपरा ने ला मांचा की स्मृति में केवल इस तथ्य को

वह भुजा जो गैटा के तट तक प्रसिद्ध है,
कैथे और उसके बीच स्थित सभी भूभाग;
प्रेरणास्रोत, विवेकशील और भयावह रूप वाली।
जैसे पुराने जमाने में पीतल पर लिखा जाता था;
वह जिसने सभी अमादियों को पीछे छोड़ दिया,
और जिन्हें गैलोर्स ने बिल्कुल महत्व नहीं दिया,
उनके प्रेम और वीरता के बल पर:
बेलियानियों को छोटे-छोटे गीत गाने के लिए किसने मजबूर किया?
और रोसिनेंटे पर सवार होकर प्रसिद्धि प्राप्त करने की खोज की;
वह यहीं, इस ठंडे पत्थर के नीचे लेटा हुआ है।
{श्लोक
पनियागुड, अर्गामासिला के शिक्षाविद, लॉडेम डुलसिने डेल टोबोसो में गाथा
{श्लोक
वह स्त्री, जिसके संपूर्ण चेहरे का वर्णन यहाँ किया जा सकता है, ऊँची छाती वाली, तिरस्कारपूर्ण भाव वाली,
क्या डुलसीनिया वही है, जिसके लिए सब व्यर्थ है?
ला मांचा के महान डॉन क्विक्सोट ने आह भरी।
उसके लिए, टोबोसो की रानी, अगल-बगल
उसने भीषण सिएरा और शैम्पेन को पार किया।
अरंजुएज़ और मोंटिएल के प्रसिद्ध मैदान के बारे में: रोसिनांटे पर अक्सर एक थका देने वाली सवारी होती है।
अशुभ ग्रह, क्रूर नियति,
उन दोनों का पीछा किया, उस सुंदर मांचेगन महिला ने।
और वीरता का अजेय सितारा।
न तो जवानी और न ही खूबसूरती उसे इस दावे से बचा सकी
मृत्यु का; उसने प्रेम का कठोर दंड भुगता।
और उन्होंने अपना नाम अंकित रखने के लिए संगमरमर को वहीं छोड़ दिया।
{श्लोक
कैप्रिचोसो, अर्गामासिला के सबसे प्रखर शिक्षाविद, ला मंचा के डॉन क्विक्सोट के साथी रोशिनांटे की प्रशंसा में

गाथा
{श्लोक
हीरे की चमक से जगमगाते उस गौरवशाली सिंहासन पर,
जिसे मंगल ग्रह के रक्त से सने पैरों ने अपमानित किया,
पागल मांचेगन का झंडा अब लहरा रहा है
उसने अपनी पूरी बहादुरी का प्रदर्शन किया।
वहाँ उसने अपने शस्त्र और तीक्ष्ण तलवार टांग रखी है।
जिसके द्वारा अब तक अनदेखे कारनामे पूरे किए गए,
वह मारता है, नीचा करता है, चीरता है, तराशता है; परन्तु सृष्टिकर्ता है हमारे नए योद्धा के लिए एक अनोखी शैली।
यदि अमाडिस गॉल का गौरवशाली प्रतीक है,
यदि उनकी संतानों के माध्यम से ग्रीस की प्रसिद्धि
पृथ्वी के सभी क्षेत्रों में फैल जाए,
महान क्विक्सोट को क्रूर बेलोना के महल में ताज पहनाया गया।
आज ला मांचा इन सबसे श्रेष्ठ है।
और वह ग्रीस या गॉल के ऊपर अपना सिर उठाए रखती है।
और उसकी महिमा यहीं समाप्त नहीं होती, क्योंकि उसका अच्छा घोड़ा ब्रिलाडोर और बेयार्ड कहीं अधिक उत्कृष्ट हैं;
रोसिनांटे की तुलना में साहसी घोड़ों के रूप में,
उन्होंने जो प्रतिष्ठा अर्जित की है, वह बहुत कम है।
{श्लोक
बर्लाडोर, अर्गामासिला के शिक्षाविद, सांचो पांजा पर
गाथा
{श्लोक
यहां आप योग्य सांचो पांजा को देख रहे हैं;
एक समय उस छोटे से शरीर में एक महान आत्मा का वास था।
और इस सांसारिक गोले पर कोई जागीरदार भी नहीं था।
इतना सीधा-सादा, या इतना छलपूर्ण।
वह काउंट बनने के बेहद करीब था।
और ऐसा हो भी जाता अगर उसमें द्वेष और कुटिलता न होती।
इस नीच, नीच और अनुदार युग का,

वह तो गधे को भी नहीं रहने दे सकता।
गधे पर सवार होने के लिए (शब्द के लिए क्षमा करें), रोसिनांटे के साथ यह सज्जन जागीरदार
वह अपने घुमंतू स्वामी की सेवा करने का आदी था।
भ्रामक आशाएँ जो आम लोगों को लुभाती हैं
आराम के वादों के साथ, दिल की ख्वाहिश,
अंधकार, सपनों और धुएं में ही तुम्हारा अंत होता है।
{श्लोक
अर्गामासिला के शिक्षाविद कैचिडियाब्लो द्वारा डॉन क्विक्सोट की समाधि पर लिखे गए शिलालेख के अनुसार
{श्लोक
वह योद्धा यहाँ नीचे लेटा हुआ है।
बीमार, भटका हुआ और चोटिल घाव,
जिसे रोसिनांटे ने जन्म दिया था
अपनी इधर-उधर की यात्राओं में।
शूरवीर के बगल में रखा गया है
सांचो भी एक शांत स्वभाव का व्यक्ति है।
जिससे अधिक सच्चा सरदार हो सकता है
वह वकीलों के पेशे में नहीं था।
{श्लोक
टिक्विटोक, अर्गामासिला के शिक्षाविद, डुलसीनिया डेल टोबोसो की कब्र पर समाधि-लेख
{श्लोक
यहां डुलसीनिया स्थित है।
वह गोल-मटोल और तंदुरुस्त थी:
अब वह राख और धूल बन चुकी है:
मरने वाले सभी शरीरों का अंत।
एक उच्च पदस्थ महिला,
एक उच्च कोटि की महिला के बंदरगाह के साथ, और महान डॉन क्विक्सोट की ज्वाला,
और वह अपने गांव का गौरव थी।

{श्लोक
ये सभी श्लोक थे जिन्हें पढ़ा जा सका; शेष श्लोक, जो कि दीमक से ग्रस्त थे, उन्हें एक शिक्षाविद को सौंप दिया गया ताकि वे अनुमान के आधार पर उनका अर्थ निकाल सकें। हमें बताया गया है कि अनेक रात्रिभ्रमण और अथक परिश्रम के बाद वे सफल हो गए हैं, और वे डॉन क्विक्सोट के तीसरे प्रयास की आशा में इन्हें प्रकाशित करने का इरादा रखते हैं।
"हो सकता है कोई और बेहतर प्लेक्ट्रम से गाए।"

□□□ 2

नींबू की गिनती तक:
बीते दिनों में, जब मैं महामहिम को अपने नाटक भेजता था, जो मंच पर प्रदर्शित होने से पहले ही छप चुके थे, तो मुझे याद है कि मैं कहता था कि डॉन क्विक्सोट महामहिम को प्रणाम करने के लिए अपने घोड़े की एड़ी कस रहा है। अब मैं कहता हूँ कि "वह अपने घोड़े की एड़ी कस कर अपने रास्ते पर है।" यदि वह अपने गंतव्य तक पहुँच जाता है, तो मुझे लगता है कि मैं महामहिम की कुछ सेवा कर पाऊँगा, क्योंकि कई जगहों से मुझे उसे विदा करने का आग्रह किया जा रहा है, ताकि दूसरे डॉन क्विक्सोट के कारण फैली घृणा और अरुचि को दूर किया जा सके, जो दूसरे भाग के नाम से पूरी दुनिया में भेस बदलकर घूम रहा है। और जिसने उसके लिए सबसे अधिक लालसा दिखाई है, वह चीन के महान सम्राट हैं, जिन्होंने एक महीने पहले मुझे चीनी भाषा में एक पत्र लिखा और उसे एक विशेष दूत के माध्यम से भेजा। उन्होंने मुझसे, या सच कहूँ तो, मुझसे विनती की कि मैं उन्हें डॉन क्विक्सोट भेज दूँ, क्योंकि उनका इरादा एक ऐसा महाविद्यालय स्थापित करने का था जहाँ स्पेनिश भाषा सिखाई जाएगी, और उनकी इच्छा थी कि पढ़ी जाने वाली पुस्तक डॉन क्विक्सोट का इतिहास हो। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे इस महाविद्यालय का रेक्टर बनना चाहिए। मैंने संदेशवाहक से पूछा कि क्या महामहिम ने मेरे यात्रा खर्चों के लिए कोई राशि दी है। उन्होंने उत्तर दिया, "नहीं, ऐसा कभी सोचा भी नहीं।"
"तो फिर, भाई," मैंने उत्तर दिया, "आप जितनी जल्दी हो सके या जितनी जल्दी जाना पड़े, अपने चीन लौट जाइए, क्योंकि मैं इतनी लंबी यात्रा के लिए स्वस्थ नहीं हूँ और बीमार होने के साथ-साथ मेरे पास पैसों की भी बहुत कमी है। वहीं, सम्राट के रूप में मेरे पास नेपल्स में महान काउंट ऑफ लेमोस हैं, जो कॉलेजों और रेक्टरों के कई छोटे-मोटे खिताबों के बिना भी मेरा भरण-पोषण करते हैं, मेरी रक्षा करते हैं और मेरी हर संभव मदद करते हैं।"
अतः मैंने उन्हें विदा किया और आपसे भी विदा लेता हूँ, महामहिम को "पर्सिल्स और सिगिस्मंडा की रचनाएँ" भेंट करते हुए, जिसे मैं ईश्वर की कृपा से चार महीनों के भीतर पूरा कर लूँगा। यह पुस्तक हमारी भाषा में लिखी गई रचनाओं में से या तो सबसे बुरी होगी या सबसे अच्छी; मेरा तात्पर्य मनोरंजन के लिए लिखी गई रचनाओं से है; मुझे खेद है कि मैंने इसे सबसे बुरी कहा, क्योंकि मित्रों की राय में, यह निश्चित रूप से सर्वोत्तम गुणवत्ता को प्राप्त करेगी। महामहिम, आपके स्वस्थ होने की कामना करता हूँ; पर्सिल्स

आपका हाथ चूमने के लिए और मैं आपके पैर चूमने के लिए तैयार रहूँगा, क्योंकि मैं महामहिम का सबसे विनम्र सेवक हूँ।
मैड्रिड से, वर्ष एक हजार छह सौ पंद्रह के अक्टूबर महीने के अंतिम दिन। आपकी सेवा में:
मिगुएल डी सर्वेंट्स सावेद्रा
लेखक की प्रस्तावना
हे प्रिय पाठक, ईश्वर मुझ पर कृपा करे! आप इस प्रस्तावना का कितनी बेसब्री से इंतज़ार कर रहे होंगे, यह उम्मीद करते हुए कि इसमें आपको दूसरे डॉन क्विक्सोट के लेखक के विरुद्ध प्रतिशोध, फटकार और अपशब्द मिलेंगे—मेरा मतलब उस लेखक से है, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह टोरडेसिलास में पैदा हुआ था और टैरागोना में जन्मा था! खैर, सच्चाई यह है कि मैं आपको वह संतुष्टि नहीं देने वाला; क्योंकि यद्यपि चोटें विनम्र हृदयों में क्रोध उत्पन्न करती हैं, मेरे मामले में यह नियम अपवाद हो सकता है। आप चाहेंगे कि मैं उसे गधा, मूर्ख और कुबड़ा कहूँ, पर मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है; उसका अपराध ही उसका दंड हो, उसे उसी के साथ खाना पड़े, बात यहीं खत्म। मुझे इस बात पर बेहद आपत्ति है कि वह मुझ पर बूढ़ा और एक हाथ का होने का आरोप लगाता है, मानो समय को रोकना मेरे बस में हो, या मानो मेरा हाथ किसी शराबखाने में कटा हो, न कि अतीत या वर्तमान के किसी भव्य अवसर पर, या भविष्य में होने वाले किसी भी भव्य अवसर पर। भले ही देखने वाले की नज़र में मेरे घाव सुंदर न हों, कम से कम वे उन लोगों की नज़र में तो सम्मानजनक हैं जो जानते हैं कि वे कहाँ लगे थे; क्योंकि सैनिक युद्ध में मृत अवस्था में भागते हुए जीवित रहने की तुलना में अधिक गौरवशाली दिखता है; और यह भावना इतनी प्रबल है कि यदि अब मुझसे कोई असंभव कार्य करने को कहा जाए, तो मैं उस महान युद्ध में भाग लेना पसंद करूँगा, बजाय इसके कि मैं बिना युद्ध में उपस्थित हुए इस क्षण अपने घावों से मुक्त रहूँ। सैनिक के चेहरे और छाती पर दिखने वाले घाव ऐसे सितारे हैं जो दूसरों को सम्मान के आकाश और योग्य प्रशंसा की आकांक्षा की ओर निर्देशित करते हैं; और यह भी ध्यान देने योग्य है कि व्यक्ति सफेद बालों से नहीं लिखता, बल्कि समझ से लिखता है, और समझ आमतौर पर उम्र के साथ निखरती है। मुझे यह भी अनुचित लगता है कि वह मुझे ईर्ष्यालु कहता है और मुझे, मानो मैं अनभिज्ञ हूँ, ईर्ष्या का अर्थ समझाता है; क्योंकि वास्तव में, ईर्ष्या दो प्रकार की होती है, और मैं केवल पवित्र, नेक और उच्च

विचारों वाली ईर्ष्या को ही जानता हूँ; और यदि ऐसा है, जैसा कि है, तो मैं किसी पुजारी पर हमला नहीं करूँगा, विशेषकर तब जब वह पवित्र कार्यालय का सहायक भी हो। और यदि उसने वह बात उस व्यक्ति के कारण कही है जिसके लिए वह बोलता हुआ प्रतीत होता है, तो वह पूरी तरह गलत है; क्योंकि मैं उस व्यक्ति की प्रतिभा का आदर करता हूँ और उसके कार्यों और उसके अथक परिश्रम की प्रशंसा करता हूँ। अंततः, मैं इस सज्जन, लेखक का आभारी हूँ, जिन्होंने कहा कि मेरे उपन्यास अनुकरणीय से अधिक व्यंग्यात्मक हैं, लेकिन अच्छे हैं; क्योंकि वे अच्छे तभी हो सकते हैं जब उनमें हर प्रकार का अंश हो।
मुझे संदेह है कि तुम कहोगे कि मैं बहुत ही विनम्रता से पेश आ रहा हूँ और संयम की सीमा में बहुत अधिक बंधा हुआ हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि पीड़ित को और अधिक कष्ट नहीं पहुँचाना चाहिए। इस सज्जन को जो कष्ट सहना पड़ रहा है, वह निस्संदेह बहुत बड़ा होगा, क्योंकि वह खुले मैदान में और दिन के उजाले में बाहर आने का साहस नहीं करते, बल्कि अपना नाम और देश छुपाते हैं, मानो उन्होंने कोई राजद्रोह किया हो। यदि तुम उनसे कभी मिलो, तो मेरी ओर से उन्हें बता देना कि मुझे कोई आपत्ति नहीं है; क्योंकि मैं शैतान के प्रलोभनों को भली-भांति जानता हूँ, और उनमें से एक सबसे बड़ा प्रलोभन है किसी व्यक्ति के मन में यह बात डाल देना कि वह एक ऐसी किताब लिख और छाप सकता है जिससे उसे उतनी ही प्रसिद्धि मिलेगी जितना पैसा, और उतना ही पैसा जितना प्रसिद्धि; और इसे साबित करने के लिए मैं तुमसे निवेदन करता हूँ कि तुम अपने ही चंचल और मधुर लहजे में उन्हें यह कहानी सुनाओ।
सेविल में एक पागल आदमी रहता था, जिसने दुनिया के सबसे अजीबोगरीब और सनकी कामों में से एक को अंजाम दिया। वह एक नुकीली बांस की नली बनाता था और सड़क पर या कहीं भी किसी कुत्ते को पकड़कर, अपने पैर से उसकी एक टांग को जकड़ लेता था और हाथ से दूसरी टांग को ऊपर उठाता था। फिर नली को इस तरह फंसाकर, वह कुत्ते को गेंद की तरह गोल कर देता था; फिर उसे इसी स्थिति में पकड़े हुए, उसके पेट पर दो-तीन थप्पड़ मारता था और उसे छोड़ देता था। वहाँ खड़े लोगों से (और वहाँ हमेशा बहुत सारे लोग होते थे) वह कहता था: "क्या महाराज, अब आपको लगता है कि कुत्ते को फुलाना आसान काम है?" - क्या महाराज, अब आपको लगता है कि किताब लिखना आसान काम है?
और अगर यह कहानी उन्हें पसंद नहीं आती, तो प्रिय पाठक, आप उन्हें यह कहानी सुना सकते हैं, जो कि एक पागल आदमी और एक कुत्ते की कहानी है।

कोर्डोवा में एक और पागल आदमी था, जिसकी आदत थी कि वह अपने सिर पर भारी संगमरमर का टुकड़ा या पत्थर रखता था, और जब कोई अनजान कुत्ता उसके सामने आ जाता तो वह उसके पास जाकर अपना वजन सीधे उसके सिर पर गिरा देता था; कुत्ता गुस्से में भौंकता और चिल्लाता हुआ बिना रुके तीन गलियाँ दौड़ जाता था। लेकिन एक बार ऐसा हुआ कि जिस कुत्ते पर उसने अपना बोझ गिराया, वह एक टोपी बनाने वाले का कुत्ता था, जिसे उसका मालिक बहुत प्यार करता था। पत्थर गिरकर उसके सिर पर लगा, कुत्ते ने जोर से चीख मारी, मालिक ने यह सब देखा और क्रोधित हो गया, और एक नापने का गज उठाकर उस पागल आदमी पर झपटा और उसकी हर मार के साथ कहता रहा, "अरे कुत्ते, अरे चोर! मेरे लर्चर! क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता, अभद्र, कि मेरा कुत्ता लर्चर है?" और इस तरह बार-बार "लर्चर" शब्द दोहराते हुए, उसने उस पागल आदमी को बुरी तरह पीटकर भगा दिया। उस पागल ने सबक को दिल से मान लिया और गायब हो गया, और एक महीने से ज़्यादा समय तक उसने कभी सार्वजनिक रूप से अपना चेहरा नहीं दिखाया; लेकिन उसके बाद वह अपनी पुरानी चाल और पहले से भी भारी बोझ के साथ फिर से सामने आया। वह एक कुत्ते के पास आया और पत्थर गिराने की हिम्मत किए बिना उसे बहुत ध्यान से देखते हुए बोला: "यह एक लर्चर है; सावधान!" संक्षेप में, वह जितने भी कुत्तों से मिलता, चाहे वे मास्टिफ़ हों या टेरियर, वह उन्हें लर्चर कहता था; और उसने फिर कभी पत्थर नहीं फेंके। शायद इस इतिहासकार के साथ भी ऐसा ही होगा; कि वह फिर कभी अपनी बुद्धि का भार किताबों में नहीं डालेगा, जो कि खराब होने के कारण पत्थरों से भी कठोर होती हैं। उसे यह भी बता दो कि मुझे उसकी इस धमकी की ज़रा भी परवाह नहीं है कि वह अपनी किताब के ज़रिए मुझे मेरे लाभ से वंचित कर देगा; क्योंकि, "द पेरेंडेंगा" के प्रसिद्ध प्रसंग से उधार लेते हुए, मैं उसे जवाब में कहता हूँ, "मेरे स्वामी वेंटिक्वाट्रो की दीर्घायु हो, और हम सभी के साथ ईश्वर रहें।" महान कोंडे डी लेमोस की जय हो, जिनकी ईसाई धर्मपरायणता और सुप्रसिद्ध उदारता मुझे मेरे दुर्भाग्य के सभी आघातों से बचाती है; और टोलेडो के परम आदरणीय डॉन बर्नार्डो डी सैंडोवल वाई रोजास की जय हो; और क्या फर्क पड़ता है अगर दुनिया में कोई प्रिंटिंग प्रेस न हो, या मेरे खिलाफ मिंगो रेवुलगो की कविताओं में अक्षरों से भी अधिक किताबें छप जाएं! ये दोनों राजकुमार, मेरी किसी भी चापलूसी या खुशामद के बिना, केवल अपनी अच्छाई के कारण, मुझ पर दया दिखाने और मेरी रक्षा करने का बीड़ा उठाया है, और इसमें मैं खुद को उस स्थिति से

कहीं अधिक सुखी और समृद्ध मानता हूँ जब भाग्य ने मुझे सामान्य तरीके से सर्वोच्च शिखर तक पहुँचाया होता। गरीब व्यक्ति सम्मान बनाए रख सकता है, लेकिन दुष्ट नहीं; गरीबी कुलीनता पर कलंक लगा सकती है, लेकिन उसे पूरी तरह से छिपा नहीं सकती; और सद्गुण स्वयं ही एक विशेष प्रकाश प्रदान करता है, भले ही वह दरिद्रता की तंगी और दरारों से होकर ही क्यों न गुज़रे, यह उच्च और महान आत्माओं का सम्मान और फलस्वरूप उनका संरक्षण प्राप्त करता है। तुम्हें उससे और कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है, और न ही मैं तुमसे और कुछ कहूँगा, सिवाय इसके कि तुम ध्यान रखो कि "डॉन क्विक्सोट" का यह दूसरा भाग, जो मैं तुम्हें प्रस्तुत कर रहा हूँ, पहले भाग के समान ही शिल्पकार द्वारा रचा गया है, और इसमें मैं तुम्हें डॉन क्विक्सोट की कहानी का निरंतर भाग प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो अंततः मृत और दफ़न है, ताकि कोई भी उसके विरुद्ध कोई और प्रमाण प्रस्तुत करने का साहस न कर सके, क्योंकि जो पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है वह पर्याप्त है; और यह भी पर्याप्त है कि किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति ने उसके इन सभी धूर्ततापूर्ण पागलपनों का विवरण बिना विषय को फिर से उठाए दे दिया हो; क्योंकि अच्छी चीजों की प्रचुरता भी उनके मूल्य को कम कर देती है; और बुरी चीजों की कमी भी उन्हें एक विशेष मूल्य प्रदान करती है। मैं तुम्हें बताना भूल गया था कि तुम "पर्सिल्स" की प्रतीक्षा कर सकते हो, जिसे मैं अब पूरा कर रहा हूँ, और साथ ही "गलातिया" के दूसरे भाग की भी।

अध्याय 1

पादरी और नाई ने डॉन क्विक्सोट की बीमारी के बारे में उनसे जो साक्षात्कार लिया था, उसके बारे में।
इस इतिहास के दूसरे भाग और डॉन क्विक्सोट के तीसरे अभियान में सिदे हामेट बेनेनगेली लिखते हैं कि पादरी और नाई लगभग एक महीने तक उनसे नहीं मिले, कहीं ऐसा न हो कि उन्हें पिछली घटनाएँ याद आ जाएँ। फिर भी, वे उनकी भतीजी और गृहणी से मिलने गए और उन्हें निर्देश दिया कि वे उनका ध्यान रखें, उन्हें सुखदायक भोजन दें, जो हृदय और मस्तिष्क के लिए अच्छा हो, क्योंकि स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था कि उनकी सारी विपत्ति का कारण यही था। भतीजी और गृहणी ने उत्तर दिया कि वे ऐसा ही कर रही हैं और पूरी सावधानी और लगन से ऐसा करती रहेंगी, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि उनके स्वामी कभी-कभी होश में आने के संकेत देने लगे हैं। इससे पादरी और नाई को बहुत संतोष हुआ, क्योंकि उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि बैलगाड़ी पर उन्हें जादू से वश में करके ले जाना सही था, जैसा कि इस महान और सटीक इतिहास के पहले भाग के अंतिम अध्याय में वर्णित है। इसलिए उन्होंने उससे मिलने और उसकी हालत में सुधार का जायजा लेने का निश्चय किया, हालांकि उन्हें लगता था कि सुधार होना लगभग असंभव है; और उन्होंने शूरवीरता से जुड़े किसी भी मुद्दे पर बात न करने का फैसला किया ताकि उन घावों को फिर से कुरेदने का जोखिम न हो जो अभी भी बहुत ताजा थे।
वे उससे मिलने आए और उसे हरे रंग की ऊनी जैकेट और लाल टोलेडो टोपी पहने बिस्तर पर बैठा पाया। वह इतना मुरझाया हुआ और सूखा हुआ था कि मानो किसी ममी में बदल गया हो। उसने उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया; उन्होंने उसका हालचाल पूछा और उसने अपने बारे में बहुत सहजता से और सुविचारित भाषा में बताया। बातचीत के दौरान वे राज्य-प्रशासन और शासन प्रणालियों पर चर्चा करने लगे, एक बुराई को सुधारते और दूसरी की निंदा करते हुए, एक प्रथा में सुधार करते और दूसरी को समाप्त करते हुए, तीनों ने एक नए विधायक, एक आधुनिक लाइकुर्गस या एक बिल्कुल नए सोलोन की कल्पना की; और उन्होंने राज्य को इस कदर नया रूप दिया कि ऐसा लगा मानो उन्होंने उसे भट्टी में डाल दिया हो और जो डाला था उससे बिल्कुल अलग चीज निकाली हो; और जिन विषयों पर उन्होंने

चर्चा की, उन सभी पर डॉन क्विक्सोट ने इतनी समझदारी से बात की कि दोनों परीक्षक पूरी तरह आश्वस्त हो गए कि वह पूरी तरह से स्वस्थ और होश में है। भतीजी और नौकरानी बातचीत में मौजूद थीं और अपने स्वामी को इतने होश में देखकर ईश्वर का धन्यवाद व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्द कम पड़ रहे थे; हालांकि, पादरी ने अपनी मूल योजना बदल दी, जो कि वीरता से संबंधित मामलों पर चर्चा न करने की थी, और डॉन क्विक्सोट के ठीक होने की पूरी तरह से जांच करने और यह देखने का निश्चय किया कि यह वास्तविक है या नहीं; और इस तरह, एक विषय से दूसरे विषय पर आते हुए, अंत में उन्होंने राजधानी से आई खबर का जिक्र किया, और अन्य बातों के अलावा, उन्होंने कहा कि यह निश्चित माना जा रहा है कि तुर्क एक शक्तिशाली बेड़े के साथ आ रहा है, और कोई नहीं जानता कि उसका उद्देश्य क्या है, या कब भयंकर तूफान आएगा; और यह कि पूरा ईसाई जगत इस बात से आशंकित है, जो लगभग हर साल हमें हथियार उठाने के लिए प्रेरित करता है, और यह कि महामहिम ने नेपल्स और सिसिली के तटों और माल्टा द्वीप की सुरक्षा के लिए व्यवस्था कर दी है।
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "महामहिम ने समय रहते अपने राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने में एक विवेकशील योद्धा की तरह कार्य किया है, ताकि शत्रु उन्हें अप्रस्तुत न पाए; लेकिन यदि मेरी सलाह मानी जाए तो मैं उन्हें एक ऐसा उपाय अपनाने की सलाह दूंगा जिसके बारे में वर्तमान में, निस्संदेह, महामहिम सोच भी नहीं रहे होंगे।"
जैसे ही पादरी ने यह सुना, उसने मन ही मन कहा, "भगवान तुम्हें अपनी शरण में रखे, बेचारे डॉन क्विक्सोट, क्योंकि मुझे लगता है कि तुम अपने पागलपन की चरम सीमा से खुद को अपनी सरलता की गहरी खाई में धकेल रहे हो।"
लेकिन नाई, जिसे पादरी के समान ही संदेह था, ने डॉन क्विक्सोट से पूछा कि उसके अनुसार कौन से उपाय अपनाए जाने चाहिए; क्योंकि शायद यह एक ऐसा सुझाव साबित हो सकता है जिसे राजकुमारों को दिए जाने वाले कई अभद्र सुझावों की सूची में जोड़ना पड़े।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हे मास्टर शेवर, मेरा शेविंग का तरीका अभद्र नहीं होगा, बल्कि इसके विपरीत, प्रासंगिक होगा।"
नाई ने कहा, "मेरा मतलब यह नहीं है, लेकिन अनुभव से पता चला है कि महाराज को प्रस्तावित किए गए अधिकांश उपाय या तो असंभव हैं, या बेतुके हैं, या राजा और राज्य के लिए हानिकारक हैं।"

"लेकिन मेरा विचार," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "न तो असंभव है और न ही बेतुका, बल्कि सबसे आसान, सबसे तर्कसंगत, सबसे तत्पर और सबसे त्वरित है जो किसी भी योजनाकार के दिमाग में आ सकता है।"
"आप इसे बताने में बहुत समय लेते हैं, सेनोर डॉन क्विक्सोट," पादरी ने कहा। डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं इसे अभी यहीं बताना नहीं चाहता, क्योंकि कल सुबह यह परिषद के प्रमुखों के कानों तक पहुंचेगा और कोई और मेरे परिश्रम का फल और पुरस्कार हड़प लेगा।"
"जहाँ तक मेरा सवाल है," नाई ने कहा, "मैं यहाँ और ईश्वर के सामने वचन देता हूँ कि मैं महाराज की कही हुई बात को राजा, रूक या किसी भी आम आदमी के सामने नहीं दोहराऊँगा - यह शपथ मैंने उस पादरी के गीत से सीखी है, जिसने प्रस्तावना में राजा को उस चोर की कहानी सुनाई थी जिसने उससे सौ सोने के मुकुट और उसका खच्चर चुरा लिया था।"
"मुझे कहानियों का ज्ञान नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मैं जानता हूँ कि शपथ अच्छी है, क्योंकि मैं नाई को एक ईमानदार व्यक्ति के रूप में जानता हूँ।"
"भले ही वह ऐसा न हो," पादरी ने कहा, "मैं जमानत पर जाकर उसके लिए गवाही दूंगा कि इस मामले में वह बिल्कुल चुप रहेगा, अन्यथा उसे किसी भी प्रकार की सजा भुगतनी पड़ेगी।"
"और आपकी सुरक्षा कौन करेगा, पादरी महोदय?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
पादरी ने उत्तर दिया, "मेरा पेशा रहस्य रखना है।"
"ओड्स बॉडी!" इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "महामहिम को और क्या करना है सिवाय इसके कि वे सार्वजनिक घोषणा द्वारा स्पेन में फैले सभी वीर योद्धाओं को एक निश्चित दिन राजधानी में इकट्ठा होने का आदेश दें, क्योंकि भले ही उनमें से केवल आधा दर्जन ही आएं, उनमें से एक ऐसा हो सकता है जो अकेले ही तुर्क की पूरी शक्ति को नष्ट करने के लिए पर्याप्त होगा। मेरी बात ध्यान से सुनें और मेरे पीछे आएं। क्या यह कोई नई बात है कि एक अकेला वीर योद्धा दो लाख सैनिकों की सेना को ऐसे ध्वस्त कर दे जैसे उन सबका एक ही गला हो या वे चीनी के पेस्ट से बने हों? बल्कि, मुझे बताएं, ऐसे कितने इतिहास हैं जो इन चमत्कारों से भरे पड़े हैं? काश (मेरे लिए एक बुरे समय में: मैं किसी और के लिए नहीं बोल रहा) प्रसिद्ध डॉन बेलियानिस आज जीवित होते, या गॉल के अमाडिस की असंख्य संतानों में से कोई एक! यदि इनमें से कोई

आज जीवित होता, और तुर्क का सामना करता, तो मेरी कसम, मैं तुर्क की जीत की कोई उम्मीद नहीं करता। लेकिन ईश्वर अपने लोगों का ध्यान रखता है, और उनकी रक्षा करता है।" कोई ऐसा व्यक्ति, जो भले ही पुराने जमाने के वीर योद्धाओं जितना साहसी न हो, लेकिन कम से कम भावना में उनसे कमतर न हो; लेकिन भगवान ही जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है, और मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।" "हाय!" यह सुनकर भतीजी ने कहा, "अगर मेरे स्वामी फिर से वीर योद्धा नहीं बनना चाहते तो मैं मर जाऊँगी।" इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मैं वीर योद्धा बनकर ही मरूँगा, और तुर्क जब चाहे, जितनी ताकत से आ-जा सके, मैं फिर से कहता हूँ, ईश्वर ही जानता है मेरा क्या मतलब है।" लेकिन तभी नाई ने कहा, "मैं आप सभी से सेविले में घटी एक छोटी सी घटना की कहानी सुनाने की अनुमति चाहता हूँ, जो इस समय इतनी प्रासंगिक है कि मैं इसे सुनाना चाहता हूँ।" डॉन क्विक्सोट ने उसे अनुमति दे दी, और बाकी सब सुनने के लिए तैयार हो गए, और उसने इस प्रकार शुरू किया:
सेविले के पागलखाने में एक व्यक्ति था जिसे उसके रिश्तेदारों ने मानसिक रूप से विक्षिप्त बताकर वहाँ रखा था। वह ओसुना विश्वविद्यालय से विधिशास्त्र में स्नातक था; लेकिन अगर वह सलामांका विश्वविद्यालय से भी होता, तो भी अधिकांश लोगों का यही मानना था कि वह पागल ही होता। कुछ वर्षों तक कैद में रहने के बाद, इस स्नातक को यह भ्रम हो गया कि वह पूरी तरह से स्वस्थ है और होश में है। इसी भ्रम में उसने आर्कबिशप को पत्र लिखकर उनसे अत्यंत विनम्रतापूर्वक और स्पष्ट शब्दों में विनती की कि उसे उस कष्ट से मुक्त कर दिया जाए जिसमें वह जी रहा था; क्योंकि ईश्वर की कृपा से अब उसकी खोई हुई बुद्धि वापस आ गई थी, हालाँकि उसके रिश्तेदार उसकी संपत्ति हड़पने के लिए उसे वहाँ रखे हुए थे और सच्चाई के बावजूद, उसे उसकी मृत्यु तक पागल बताते रहे। बार-बार मिले भावपूर्ण और सुस्पष्ट पत्रों से प्रभावित होकर, आर्कबिशप ने अपने एक पादरी को निर्देश दिया कि वह पागलखाने में उस व्यक्ति के कथनों की सत्यता की जाँच करे और स्वयं उस पागल व्यक्ति से मुलाकात करे। कि वह होश में है, उसे बाहर ले जाकर उसकी स्वतंत्रता बहाल की जाए। पादरी ने ऐसा ही किया, और राज्यपाल ने उसे आश्वासन दिया कि वह व्यक्ति अभी भी पागल है, और यद्यपि वह अक्सर एक अत्यंत बुद्धिमान व्यक्ति की तरह बोलता है, अंत में वह ऐसी निरर्थक बातें करने लगता है जो मात्रा और गुणवत्ता में उसकी पहले कही गई सभी समझदारी भरी बातों को उलट देती हैं, जैसा कि उससे बात करके

प्रकार उसने मुझे मेरी मूल स्थिति में लौटाया है, उसी प्रकार वह तुम्हें भी लौटा देगा यदि तुम उस पर विश्वास रखोगे। मैं तुम्हारे लिए कुछ खाने की अच्छी चीजें भेजूँगा; और उन्हें अवश्य खाना; क्योंकि मैं चाहता हूँ कि तुम जानो कि मैं, जिसने यह सब झेला है, इस बात से आश्वस्त हूँ कि हमारा यह सारा पागलपन खाली पेट और गैस से भरे दिमाग के कारण होता है। हिम्मत रखो! हिम्मत रखो! क्योंकि दुर्भाग्य में निराशा स्वास्थ्य को नष्ट कर देती है और मृत्यु लाती है।'
"उस लाइसेंसधारी की इन सभी बातों को उसके ठीक सामने वाले पिंजरे में बंद एक और पागल सुन रहा था; और वह एक पुरानी चटाई से, जिस पर वह नग्न अवस्था में लेटा हुआ था, उठकर ऊँची आवाज़ में पूछा कि कौन ठीक होकर और होश में आकर जा रहा है। लाइसेंसधारी ने उत्तर दिया, 'भाई, मैं ही जा रहा हूँ; मुझे अब यहाँ रहने की कोई आवश्यकता नहीं है, जिसके लिए मैं उस ईश्वर का अनंत धन्यवाद करता हूँ जिसने मुझ पर इतनी दया की है।"
"'अपनी बातों पर ध्यान दो, अय्याश; शैतान के बहकावे में मत आओ,' पागल ने उत्तर दिया। 'चुप रहो, जहाँ हो वहीं रहो, और तुम वापस आने की परेशानी से बच जाओगे।'
"'मुझे पता है कि मैं ठीक हो गया हूँ,' लाइसेंसधारी ने जवाब दिया, 'और मुझे अब दोबारा स्टेशनों पर नहीं जाना पड़ेगा।'
"'तुम ठीक हो गए!'" पागल ने कहा, 'ठीक है, हम देखेंगे; ईश्वर आपके साथ हो; लेकिन मैं बृहस्पति की कसम खाता हूँ, जिसकी महिमा का मैं पृथ्वी पर प्रतिनिधित्व करता हूँ, कि केवल इस अपराध के लिए, जो सेविले आज आपको इस घर से रिहा करके और आपके साथ ऐसा व्यवहार करके कर रहा है जैसे आप होश में हों, मुझे इसे ऐसा दंड देना होगा जो युगों-युगों तक याद रखा जाएगा, आमीन। क्या तुम नहीं जानते, हे अभागे छोटे व्यभिचारी, कि मैं ऐसा कर सकता हूँ, क्योंकि जैसा कि मैंने कहा, मैं गर्जन करने वाला बृहस्पति हूँ, जिसके हाथों में अग्नि वज्र हैं जिनसे मैं दुनिया को धमकाने और तबाह करने में सक्षम हूँ और करता आया हूँ? लेकिन मैं इस अज्ञानी शहर को केवल एक ही तरीके से दंडित करूँगा, और वह यह है कि इस पर, या इसके किसी भी जिले या क्षेत्र पर, तीन पूरे वर्षों तक वर्षा नहीं होगी, जिसकी गणना इस धमकी के उच्चारण के दिन और क्षण से की जाएगी। तुम स्वतंत्र, तुम ठीक, तुम होश में! और मैं पागल, मैं

विक्षिप्त, मैं बंधा हुआ! मैं जल्द ही सोचूँगा...' बारिश भेजना मानो मैं खुद को फांसी लगा रहा हूँ।
वहाँ मौजूद लोग उस पागल के शब्दों और उद्गारों को सुनते रहे; लेकिन हमारे पादरी ने पादरी की ओर मुड़कर और उनके हाथ पकड़कर उनसे कहा, 'चिंता मत कीजिए, महोदय; इस पागल की बातों को महत्व न दीजिए; क्योंकि यदि वह बृहस्पति है और वर्षा नहीं भेजेगा, तो मैं, जो नेपच्यून हूँ, जल का पिता और देवता, जब भी मुझे इच्छा होगी और आवश्यकता होगी, वर्षा करूँगा।'
राज्यपाल और आसपास खड़े लोग हँसने लगे, और उनकी हँसी देखकर पादरी थोड़ा शर्मिंदा हुआ और उसने कहा, 'हे श्रीमान नेपच्यून, श्रीमान बृहस्पति को नाराज़ करना ठीक नहीं है; आप जहाँ हैं वहीं रहिए, और किसी और दिन, जब बेहतर अवसर और अधिक समय होगा, हम आपको लेने वापस आएँगे।' इस प्रकार उन्होंने पादरी के वस्त्र उतार दिए और उसे वहीं छोड़ दिया; और यहीं कहानी समाप्त होती है।
"तो ये है कहानी, उस्ताद नाई," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जो इतनी सटीक बैठी कि आप इसे सुनाए बिना नहीं रह सके? उस्ताद नाई, उस्ताद नाई! वह कितना अंधा है जो छलनी से नहीं देख सकता। क्या यह संभव है कि आप नहीं जानते कि बुद्धि की तुलना बुद्धि से, वीरता की तुलना वीरता से, सुंदरता की तुलना सुंदरता से, जन्म की तुलना जन्म से करना हमेशा घृणित और अवांछित होता है? मैं, उस्ताद नाई, जल का देवता नेपच्यून नहीं हूँ, और न ही मैं किसी को यह विश्वास दिलाने की कोशिश करता हूँ कि मैं एक चतुर व्यक्ति हूँ, क्योंकि मैं ऐसा नहीं हूँ। मेरा एकमात्र प्रयास दुनिया को उस गलती का एहसास कराना है जो वह अपने भीतर उस सुखद समय को पुनर्जीवित न करके कर रही है जब शूरवीरों का दल युद्ध के मैदान में था। लेकिन हमारा पतित युग उस आशीर्वाद का आनंद लेने के योग्य नहीं है जो उन युगों ने प्राप्त किया था जब शूरवीरों ने राज्यों की रक्षा, युवतियों की सुरक्षा, अनाथों और नाबालिगों की सहायता, और अभिमानियों को दंडित करने का भार अपने कंधों पर लिया था।" और विनम्रों का प्रतिफल। आजकल के शूरवीरों के साथ, ज्यादातर मामलों में, उनके कवच की जंजीर नहीं, बल्कि उनके पहने हुए दमिश्क, ब्रोकेड और अन्य कीमती कपड़े ही सरसराते हैं; आजकल कोई भी शूरवीर खुले मैदान में, आकाश की कठोरता के सामने, सिर से पैर तक पूर्ण कवच में नहीं सोता; अब कोई भी झपकी नहीं लेता, जैसा कि पहले के शूरवीर किया करते थे, जब तक कि वह अपने पैर रकाब से बाहर न निकाल ले

और अपने भाले पर सहारा न ले ले; अब कोई भी जंगल से निकलकर दूर के पहाड़ों में प्रवेश नहीं करता, और फिर समुद्र के बंजर, सुनसान किनारे पर कदम नहीं रखता—जो अक्सर तूफानी और अशांत होता है—और समुद्र तट पर बिना चप्पू, पाल, मस्तूल या किसी भी प्रकार के साजो-सामान के एक छोटी सी नाव पाकर, अपने दिल की निडरता से उसमें कूद नहीं पड़ता और खुद को गहरे समुद्र की उग्र लहरों के हवाले नहीं कर देता, जो एक पल उसे स्वर्ग तक उठाती हैं और अगले ही पल डुबो देती हैं। उसे गहराई में धकेल दिया; और अदम्य आंधी के सामने अपनी छाती टिकाए, जब उसे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, तो वह खुद को उस स्थान से तीन हजार मील और उससे भी अधिक दूर पाता है जहाँ से उसने यात्रा शुरू की थी; और एक दूरस्थ और अज्ञात भूमि पर छलांग लगाकर, वह ऐसे रोमांच का अनुभव करता है जो कागज पर नहीं, बल्कि पीतल पर लिखे जाने योग्य हैं। लेकिन अब आलस्य ऊर्जा पर, सुस्ती परिश्रम पर, बुराई सद्गुण पर, अहंकार साहस पर, और शस्त्र विद्या में सिद्धांत अभ्यास पर विजय प्राप्त करता है, जो केवल स्वर्ण युगों और वीर योद्धाओं के समय में ही फला-फूला और चमका। क्योंकि मुझे बताओ, गॉल के प्रसिद्ध अमाडिस से अधिक गुणी और वीर कौन था? इंग्लैंड के पालमेरिन से अधिक विवेकशील कौन था? तिरांते एल ब्लैंको से अधिक विनम्र और सहज कौन था? ग्रीस की लिसुआर्टे से अधिक शिष्ट कौन था? डॉन बेलियानिस से अधिक प्रहार करने वाला कौन था? गॉल के पेरियन से अधिक निडर कौन था? हिरकानिया के फेलिक्समार्टे से अधिक खतरे का सामना करने के लिए तैयार कौन था? एस्प्लांडियन? थ्रेस के डॉन सिरोंगिलियो से अधिक उग्र कौन? रोडामोंटे से अधिक साहसी कौन? राजा सोब्रिनो से अधिक विवेकशील कौन? रेनाल्डोस से अधिक निडर कौन? रोलैंड से अधिक अजेय कौन? और रग्गिएरो से अधिक वीर और विनम्र कौन, जिनसे आज के फेरारा के ड्यूक वंशज हैं, जैसा कि टर्पिन ने अपनी 'कॉस्मोग्राफी' में बताया है। ये सभी शूरवीर, और ऐसे कई अन्य जिनका मैं नाम ले सकता हूँ, महोदय पादरी, वीर योद्धा थे, जो शौर्य के प्रकाश और गौरव थे। मुझे अपनी योजना को पूरा करने के लिए इन्हीं या इनके जैसे शूरवीरों की आवश्यकता होगी, और उस स्थिति में महाराज को अच्छी सेवा मिलेगी और उनका बहुत सारा खर्च बच जाएगा, और तुर्क को अपनी दाढ़ी नोचनी पड़ेगी। इसलिए मैं यहीं रहूँगा, जब तक पादरी मुझे यहाँ से नहीं ले जाते; और यदि बृहस्पति, जैसा कि नाई ने हमें बताया है, बारिश नहीं भेजेगा, तो मैं यहीं हूँ, और जब

चाहूँगा तब बारिश करूँगा। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ ताकि स्वामी बेसिन जान लें कि मैं उनकी बात समझ गया हूँ।
"जी हां, श्रीमान डॉन क्विक्सोट," नाई ने कहा, "मेरा मतलब ऐसा नहीं था, और ईश्वर की कृपा से, मेरा इरादा नेक था, और आपको नाराज नहीं होना चाहिए।" "मुझे परेशान होना चाहिए या नहीं, इस बारे में सबसे अच्छा निर्णय मैं स्वयं ही ले सकता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।
इस पर पादरी ने कहा, "मैंने अभी तक मुश्किल से एक शब्द भी कहा है; और मैं डॉन क्विक्सोट की कही बातों से उत्पन्न उस संदेह से मुक्ति पाना चाहूंगा, जो मेरे अंतरात्मा को चिंतित और विचलित कर रहा है।"
डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "वरिष्ठ पादरी को इससे अधिक समय की अनुमति है, इसलिए वह अपना संदेह व्यक्त कर सकते हैं, क्योंकि अपने अंतरात्मा पर संदेह करना सुखद नहीं होता।"
"तो फिर, इस अनुमति के साथ," पादरी ने कहा, "मैं यह कहना चाहता हूँ कि मुझे संदेह है कि मैं स्वयं को इस बात के लिए आश्वस्त नहीं कर सकता कि हे डॉन क्विक्सोट, आपने जिन वीर योद्धाओं के समूह का उल्लेख किया है, वे वास्तव में हाड़-मांस के मानव थे जो कभी इस संसार में रहे हों; इसके विपरीत, मुझे संदेह है कि यह सब कल्पना, कहानी और झूठ है, और उन लोगों के सपने हैं जो नींद से जागे हैं, या यूँ कहें कि अभी भी आधे सोए हुए हैं।"
“यह एक और गलती है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “जिसमें कई लोग पड़ गए हैं जो यह नहीं मानते कि दुनिया में कभी ऐसे शूरवीर थे, और मैंने कई बार, विभिन्न लोगों के साथ और विभिन्न अवसरों पर, इस लगभग सर्वव्यापी त्रुटि को सत्य के प्रकाश में लाने का प्रयास किया है। कभी-कभी मैं अपने उद्देश्य में सफल नहीं हुआ, कभी-कभी सत्य के आधार पर सफल हुआ; और यह सत्य इतना स्पष्ट है कि मैं लगभग कह सकता हूँ कि मैंने अपनी आँखों से गॉल के अमाडिस को देखा है, जो एक ऊँचे कद काठी वाला, गोरे रंग का, सुंदर काली दाढ़ी वाला, सौम्य और कठोर भावों वाला, कम बोलने वाला, क्रोध करने में धीमा और क्रोध को तुरंत दूर करने वाला व्यक्ति था; और जैसा मैंने अमाडिस का चित्रण किया है, मुझे लगता है कि मैं दुनिया के सभी इतिहासों में वर्णित सभी वीर योद्धाओं का चित्रण और वर्णन कर सकता हूँ; क्योंकि मेरी इस धारणा से कि वे वही थे जो उनके इतिहास में वर्णित हैं, और उनके कार्यों और उनके द्वारा प्रदर्शित

स्वभाव से, ठोस दर्शन की सहायता से, यह निष्कर्ष निकालना संभव है कि... उनके चेहरे की बनावट, रंग-रूप और कद-काठी।"
"महामहिम डॉन क्विक्सोट, आपकी राय में विशालकाय मोर्गांटे कितना बड़ा रहा होगा?" नाई ने पूछा।
“राक्षसों के बारे में,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “इस बात पर मतभेद हैं कि क्या वे कभी संसार में थे या नहीं; परन्तु पवित्र शास्त्र, जो सत्य से जरा भी विचलित नहीं होता, हमें दर्शाता है कि वे थे, जब वह हमें उस विशालकाय पलिश्ती, गोलियत का इतिहास बताता है, जिसकी ऊँचाई साढ़े सात क्यूबिट थी, जो कि एक विशाल आकार है। इसी प्रकार, सिसिली द्वीप में इतनी बड़ी टांगों और भुजाओं की हड्डियाँ मिली हैं कि उनका आकार स्पष्ट करता है कि वे राक्षस थे, और विशाल मीनारों जितने ऊँचे थे; ज्यामिति इस तथ्य को निर्विवाद बनाती है। परन्तु फिर भी, मैं मोर्गांटे के आकार के बारे में निश्चित रूप से नहीं कह सकता, हालाँकि मुझे संदेह है कि वह बहुत लंबा नहीं रहा होगा; और मैं इस राय का इसलिए पक्षधर हूँ क्योंकि मैंने उस इतिहास में पाया है जिसमें उसके कार्यों का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है, कि वह अक्सर छत के नीचे सोता था और चूंकि उसे रहने के लिए घर मिल जाते थे, यह स्पष्ट है कि उसका शरीर अत्यधिक बड़ा नहीं रहा होगा।”
"यह सच है," पादरी ने कहा, और इस तरह की बकवास सुनने के आनंद में डूबते हुए, उसने उससे पूछा कि मोंटालबन के रेनाल्डोस, डॉन रोलैंड और फ्रांस के बारह सरदारों में से बाकी के चेहरे-मोहरे के बारे में उसकी क्या राय है, क्योंकि वे सभी घुमंतू शूरवीर थे।
“रेनाल्डोस के बारे में,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मैं यह कहने का साहस करता हूँ कि वह चौड़े चेहरे वाला, लाल रंग का, शरारती और कुछ उभरी हुई आँखों वाला, अत्यधिक सतर्क और संवेदनशील, और चोरों और बदमाशों की संगति में रहने वाला व्यक्ति था। रोलैंड, या रोटोलांडो, या ऑरलैंडो (इतिहास में उसे इन सभी नामों से पुकारा जाता है) के बारे में, मेरा मत है, और मैं मानता हूँ, कि वह मध्यम कद का, चौड़े कंधों वाला, कुछ टेढ़े पैरों वाला, सांवले रंग का, लाल दाढ़ी वाला, बालों वाले शरीर वाला और चेहरे पर गंभीर भाव वाला व्यक्ति था; कम बोलने वाला, लेकिन बहुत ही विनम्र और सुसंस्कृत था।”
"यदि रोलैंड उतना शालीन व्यक्ति नहीं था जितना आपने वर्णन किया है," पादरी ने कहा, "तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि सुंदर लेडी एंजेलिका ने उसे

अस्वीकार कर दिया और उस नन्हे दाढ़ी वाले मूर की प्रसन्नता, जीवंतता और शालीनता के लिए उसे छोड़ दिया, जिसके प्रति उसने स्वयं को समर्पित कर दिया; और उसने रोलैंड की कठोरता के बजाय मेडोरो की कोमल स्वभाव से प्रेम करके अपनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "वह एंजेलिका, पादरी जी, एक चंचल, मनमौजी और कुछ हद तक व्यभिचारी युवती थी, और उसने अपनी सुंदरता की प्रसिद्धि के साथ-साथ अपनी मनमानी से भी दुनिया को भर दिया। उसने एक हजार सज्जनों, वीर और बुद्धिमान पुरुषों का तिरस्कार किया, और एक चिकने चेहरे वाले, न धन-दौलत वाले, न प्रसिद्धि वाले सेवक के साथ संबंध बना लिया, सिवाय उस कृतज्ञता की प्रतिष्ठा के जो उसके मित्र के प्रति उसके स्नेह ने उसे दिलाई थी। महान कवि, प्रसिद्ध अरियोस्टो, जिसने उसकी सुंदरता का गुणगान किया, उसके तिरस्कारपूर्ण समर्पण के बाद उसके कारनामों का गुणगान करने की परवाह न करते हुए (जो शायद प्रशंसनीय से अधिक नहीं थे), उसे वहीं छोड़ दिया जहाँ वह कहता है:
कैथे का राजदंड उसे कैसे मिला, शायद किसी दिन कोई कुशल कवि इसका वर्णन कर सके;
और यह निःसंदेह एक प्रकार की भविष्यवाणी थी, क्योंकि कवियों को भविष्यवक्ता भी कहा जाता है; और इसकी सत्यता स्पष्ट हो गई; क्योंकि तब से एक प्रसिद्ध अंडालूसी कवि ने उसके आँसुओं पर विलाप किया और गीत गाए हैं, और एक अन्य प्रसिद्ध और विलक्षण कवि, एक कैस्टिलियन कवि ने उसकी सुंदरता का गुणगान किया है।
"मुझे बताइए, सेनोर डॉन क्विक्सोट," नाई ने यहाँ कहा, "उन सभी लोगों में से जिन्होंने उसकी प्रशंसा की, क्या कोई ऐसा कवि नहीं हुआ जिसने इस लेडी एंजेलिका पर व्यंग्य लिखा हो?"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मुझे पूरा विश्वास है कि यदि सैक्रिपेंटे या रोलैंड कवि होते तो वे उस युवती को सजा देते; क्योंकि स्वाभाविक रूप से कवियों का यही स्वभाव होता है जब उनकी प्रेमिकाओं द्वारा, चाहे वे काल्पनिक हों या नहीं, ठुकराए और तिरस्कृत किए जाने पर, जिन्हें वे अपने विचारों की नायिका मानते हैं, वे व्यंग्य और मानहानिकारक कविताओं के माध्यम से बदला लेते हैं—निस्संदेह, यह बदला उदार हृदयों के लिए अशोभनीय

□□; □□□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□□ □□□□ □□, □□□□□ □□□□□□ □□ □□□-□□□□ □□ □□□□□"
"□□□□ □□□ □□," □□□□□ □□ □□□; □□□□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□, □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□ □□ □□□, □□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□ □□□□, □□ □□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□ □□□

अध्याय दो
इसमें सांचो पांजा और डॉन क्विक्सोट की भतीजी और नौकरानी के बीच हुए उल्लेखनीय झगड़े और अन्य रोचक घटनाओं का वर्णन है।
इतिहास के अनुसार, डॉन क्विक्सोट, पादरी और नाई ने जो चीख सुनी, वह भतीजी और नौकरानी की थी, जो सांचो से चिल्ला रही थीं। सांचो डॉन क्विक्सोट से मिलने के लिए जबरदस्ती अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था, जबकि वे दोनों दरवाजा पकड़े हुए थीं। भतीजी और नौकरानी ने कहा, "इस आवारा को इस घर में क्या चाहिए? अपने घर चले जाओ, भाई, क्योंकि तुम ही हो, और कोई नहीं, जो मेरे मालिक को बहका रहे हो, उन्हें गुमराह कर रहे हो और उन्हें देश भर में भटका रहे हो।"
इस पर सांचो ने जवाब दिया, "शैतान का ही नौकर! मैं ही धोखे में आया हूँ, गुमराह हुआ हूँ और देश-विदेश में भटकता रहा हूँ, तुम्हारा मालिक नहीं! वह मुझे पूरी दुनिया में घुमाता रहा है, और तुम बहुत बड़ी गलती कर रहे हो। उसने मुझे एक द्वीप का वादा करके घर से दूर ले गया, जिसका मैं अब भी इंतज़ार कर रहा हूँ।"
"दुष्ट द्वीप तुझे गला घोंट कर मार डालें, हे घृणित सांचो," भतीजी ने कहा; "द्वीप क्या होते हैं? क्या ये खाने की कोई चीज़ हैं, हे पेटू और लालची तू?" "यह खाने की चीज नहीं है," सांचो ने उत्तर दिया, "बल्कि शासन करने और राज चलाने की चीज है, और चार शहरों या अदालत में चार न्यायाधीशों के पदों से बेहतर है।"
"इन सब बातों के बावजूद," गृहस्वामी ने कहा, "तुम यहाँ प्रवेश नहीं कर सकते, तुम शरारतों की गठरी और धूर्तता की बोरी हो; जाओ अपने घर का कामकाज संभालो और अपने बीज बोने का काम करो, और द्वीपों या दलदलों की तलाश छोड़ दो।" पादरी और नाई तीनों की बातें बड़े चाव से सुन रहे थे; लेकिन डॉन क्विक्सोट को डर था कि सांचो कहीं कोई शरारती और मूर्खतापूर्ण बात न बोल दे और ऐसी बातें न कह दे जो उसके लिए ठीक न हों, इसलिए उसने सांचो को बुलाया और बाकी दोनों को चुप रहने को कहा और उसे अंदर आने दिया। सांचो अंदर आया, और पादरी और नाई ने डॉन क्विक्सोट से विदा ली, क्योंकि उन्हें उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं थी, जब उन्होंने देखा कि वह अपने अजीब विचारों से कितना चिपका हुआ था और अपनी बदकिस्मती भरी बहादुरी की बकवास में कितना डूबा हुआ था; और

पादरी ने नाई से कहा, "देखोगे, गपशप करने वालों, कि जब हम इसके बारे में बिल्कुल नहीं सोच रहे होंगे, तब हमारा सज्जन एक और उड़ान भरने के लिए निकल जाएगा।"
"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है," नाई ने जवाब दिया; "लेकिन मुझे शूरवीर के पागलपन पर उतना आश्चर्य नहीं होता जितना कि उस सहायक के सरल स्वभाव पर, जिसे द्वीप के बारे में इतनी दृढ़ आस्था है कि मुझे लगता है कि चाहे कितनी भी कल्पना की जा सके, वह बात उसके दिमाग से नहीं निकलेगी।"
"भगवान उनकी मदद करे," पादरी ने कहा; "और हमें देखते रहना चाहिए कि शूरवीर और उसके सहायक की इन सभी बेतुकी हरकतों का क्या नतीजा निकलता है, क्योंकि ऐसा लगता है जैसे दोनों एक ही सांचे में ढले हों, और स्वामी का पागलपन, मनुष्य की सादगी के बिना एक पैसे का भी मूल्य नहीं रखता।"
"यह सच है," नाई ने कहा, "और मैं यह जानना चाहूंगा कि इस समय वे दोनों किस बारे में बात कर रहे हैं।"
"मैं आपसे वादा करता हूँ," पादरी ने कहा, "भतीजी या गृहस्वामी हमें धीरे- धीरे बता देंगी, क्योंकि वे सुनने से भूलने वाली नहीं हैं।"
इसी बीच डॉन क्विक्सोट ने सांचो के साथ अपने कमरे में खुद को बंद कर लिया, और जब वे अकेले थे तो उसने उससे कहा, "मुझे बहुत दुख होता है, सांचो, कि तुमने कहा है, और कहते हो, कि मैं तुम्हें तुम्हारी कुटिया से बाहर ले गया, जबकि तुम जानते हो कि मैं अपने घर में नहीं रुका था। हम साथ-साथ निकले, साथ-साथ रास्ते पर चले, साथ-साथ घूमे; हमारा भाग्य और किस्मत एक जैसी रही है; अगर उन्होंने तुम्हें एक बार कंबल ओढ़ाया, तो उन्होंने मुझे सौ गुना ज्यादा परेशान किया, और यही एक फायदा है जो मुझे तुमसे मिला है।"
"यह तो बिल्कुल तर्कसंगत था," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि आपके कहे अनुसार, विपत्तियाँ योद्धाओं को ही अधिक उचित रूप से लगती हैं, न कि उनके सहायकों को।"
"सांचो, तुम गलत हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कहावत के अनुसार कि जब सिर धड़ से अलग हो जाता है, तो वह मर जाता है, इत्यादि।"
"मुझे अपनी भाषा के अलावा कोई और भाषा समझ नहीं आती," सांचो ने कहा।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मेरा तात्पर्य यह है कि जब सिर को कष्ट होता है तो शरीर के सभी अंगों को कष्ट होता है; और इसलिए, तुम्हारा स्वामी और मालिक होने के नाते, मैं तुम्हारा सिर हूँ और तुम मेरे सेवक होने के नाते मेरा एक

अंश हो; और इसलिए कोई भी बुराई जो मुझे प्रभावित करती है या करेगी, वह तुम्हें पीड़ा देगी, और जो तुम्हें प्रभावित करती है वह मुझे पीड़ा देगी।" "ऐसा ही होना चाहिए," सांचो ने कहा; "लेकिन जब मुझे एक अंग के रूप में कंबल से ढका गया था, तो मेरा सिर दीवार के दूसरी तरफ था, हवा में उड़ते हुए मुझे देख रहा था, और मुझे जरा भी दर्द महसूस नहीं हुआ; और यदि अंगों को सिर की पीड़ा को महसूस करने के लिए बाध्य किया जाता है, तो सिर को भी उनकी पीड़ा को महसूस करने के लिए बाध्य होना चाहिए।"
“क्या तुम अब यह कहना चाहते हो, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “कि जब वे तुम्हें कंबल ओढ़ा रहे थे, तब मुझे कुछ महसूस नहीं हुआ? अगर ऐसा है, तो ऐसा मत कहो और न ही सोचो, क्योंकि उस समय मुझे आत्मा में तुमसे कहीं अधिक पीड़ा हुई थी। लेकिन अभी इसे छोड़ देते हैं, क्योंकि हमें इस मुद्दे पर विचार करने और इसे सुलझाने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे; बताओ, मेरे मित्र सांचो, यहाँ गाँव में लोग मेरे बारे में क्या कहते हैं? आम लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं? हिडाल्गो क्या सोचते हैं? कैबलेरो क्या सोचते हैं? वे मेरी वीरता, मेरी उपलब्धियों और मेरे शिष्टाचार के बारे में क्या कहते हैं? वे उस कार्य को कैसे देखते हैं जो मैंने दुनिया में अब भुला दी गई शिष्टता को पुनर्जीवित करने और पुनर्स्थापित करने के लिए शुरू किया है? संक्षेप में, सांचो, मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे इस विषय पर जो कुछ भी सुना है, वह सब बताओ; और तुम्हें मुझे बिना कुछ अच्छा जोड़े या कुछ बुरा घटाए बताना है; क्योंकि वफादार सामंतों का यही कर्तव्य होता है कि वे सच बताएं। अपने स्वामियों को सच्चाई को उसके वास्तविक स्वरूप में, बिना चापलूसी के और बिना किसी व्यर्थ सम्मान के, प्रकट करो। और मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ, सांचो, कि यदि सच्ची सच्चाई, चापलूसी से रहित, राजकुमारों के कानों तक पहुँच जाए, तो समय बदल जाएगा, और अन्य युग हमारे युग से कहीं अधिक लौह युग माने जाएँगे, जिसे मैं इन अंतिम दिनों का स्वर्ण युग मानता हूँ। इस सलाह को मानो, सांचो, और जो कुछ तुमने मुझसे माँगा है, उसके बारे में जो कुछ भी तुम जानते हो, उसे स्पष्ट और ईमानदारी से मुझे बताओ।
"मैं यह पूरे मन से करूंगा, स्वामी जी," सांचो ने उत्तर दिया, "बशर्ते कि आप मेरी बातों से नाराज न हों, क्योंकि आप चाहते हैं कि मैं इसे बिना किसी अतिरिक्त आवरण के, जैसा कि मुझे ज्ञात हुआ है, पूरी सच्चाई से कहूँ।"

"मैं बिल्कुल भी नाराज नहीं होऊंगा," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; "सांचो, तुम खुलकर बोल सकते हो, बिना किसी लाग-लपेट के।"
“तो फिर,” उसने कहा, “सबसे पहले तो मुझे आपको यह बताना है कि आम लोग आपको एक बड़ा पागल समझते हैं, और मुझे भी उतना ही मूर्ख। हिडाल्गो कहते हैं कि आपने अपनी मर्यादा का उल्लंघन करते हुए ‘डॉन’ का पद ग्रहण कर लिया है और चार अंगूर की बेलों और कुछ एकड़ ज़मीन के बल पर रातोंरात शूरवीर बन गए हैं, जबकि आपके पास पहनने के लिए एक भी कमीज़ नहीं है। कैबलेरो कहते हैं कि वे नहीं चाहते कि हिडाल्गो उनके विरोध में खड़े हों, विशेषकर वे स्क्वाइर हिडाल्गो जो अपने जूते खुद चमकाते हैं और अपनी काली मोज़ों को हरे रेशम से सिलते हैं।”
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यह बात मुझ पर लागू नहीं होती, क्योंकि मैं हमेशा अच्छे कपड़े पहनता हूँ और कभी भी पैबंद लगे कपड़े नहीं पहनता; मैं भले ही फटा हुआ दिखता हूँ, लेकिन यह फटा हुआपन समय के कारण नहीं बल्कि हथियारों के इस्तेमाल से हुआ है।"
"आपकी वीरता, शिष्टाचार, उपलब्धियों और कर्तव्य के बारे में अनेक मत हैं। कुछ कहते हैं, 'पागल लेकिन मजाकिया'; कुछ कहते हैं, 'वीर लेकिन बदकिस्मत'; कुछ कहते हैं, 'शिष्ट लेकिन दखलंदाजी करने वाला', और फिर वे इतनी सारी बातों में उलझ जाते हैं कि न तो आपमें और न ही मुझमें कोई ठोस तथ्य बचता है।" “सांचो, याद रखो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जहाँ भी सद्गुण प्रचुर मात्रा में मौजूद होते हैं, वहाँ उनका उत्पीड़न होता है। बहुत कम या शायद ही कोई प्रसिद्ध व्यक्ति द्वेषपूर्ण निंदा से बच पाया हो। सबसे साहसी, बुद्धिमान और वीर सेनापति जूलियस सीज़र पर महत्वाकांक्षी होने, साफ-सफाई का ध्यान न रखने और नैतिक रूप से शुद्ध न होने का आरोप लगाया गया था। सिकंदर, जिसने अपने कार्यों से महानता का नाम कमाया, के बारे में कहा जाता है कि वह कुछ हद तक शराबी था। अनेक परिश्रम करने वाले हरक्यूलिस के बारे में कहा जाता है कि वह व्यभिचारी और विलासी था। गॉल के अमाडिस के भाई डॉन गलाओर के बारे में फुसफुसाहट थी कि वह बहुत झगड़ालू था, और उसके भाई के बारे में कहा जाता था कि वह बहुत विलापी था। इसलिए, हे सांचो, भले लोगों के विरुद्ध इन सभी निंदाओं के बीच, मेरी निंदा को अनदेखा किया जा सकता है, क्योंकि यह उससे अधिक कुछ नहीं है जितना तुमने कहा है।”
"यहीं पर है, मेरे पिता का शव!"

"तो क्या और भी कुछ है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"अभी तो पूंछ की खाल उतारनी बाकी है," सांचो ने कहा; "अभी तक तो सब ठीक-ठाक चल रहा है; लेकिन अगर महाराज आप पर लगाए गए सभी आरोपों के बारे में जानना चाहते हैं, तो मैं अभी आपके लिए एक ऐसे व्यक्ति को लाऊंगा जो आपको बिना एक भी बात छोड़े, सब कुछ बता देगा; क्योंकि कल रात बार्थोलोम्यू कैरास्को का बेटा, जो सलामांका में पढ़ाई कर रहा था, कुंवारा होने के बाद घर लौटा, और जब मैं उसका स्वागत करने गया, तो उसने मुझे बताया कि महाराज का इतिहास पहले से ही किताबों में छपा हुआ है, जिसका शीर्षक है 'ला मांचा का प्रतिभाशाली सज्जन डॉन क्विक्सोट'; और वह कहता है कि उसमें मेरा ज़िक्र मेरे असली नाम सांचो पांज़ा से किया गया है, और महिला डुलसीनिया डेल टोबोसो का भी, और उन कई घटनाओं का भी जो हमारे अकेलेपन में हमारे साथ घटीं; इसलिए मैं यह सोचकर हैरान रह गया कि इन्हें लिखने वाले इतिहासकार को ये सब कैसे पता चला होगा।"
"मैं तुमसे वादा करता हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हमारे इतिहास का लेखक कोई बुद्धिमान जादूगर होगा; क्योंकि ऐसे लोगों से कुछ भी छिपा नहीं रहता जिसके बारे में वे लिखना चाहें।"
"क्या!" सांचो ने कहा, "एक ऋषि और जादूगर! अरे, अविवाहित सैमसन कैरास्को (जिसका मैंने जिक्र किया था उसका नाम यही है) कहता है कि इतिहास के लेखक का नाम सिदे हामेटे बेरेंगेना है।"
"यह एक मूरिश नाम है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"हो सकता है," सांचो ने उत्तर दिया; "क्योंकि मैंने सुना है कि मूर लोग ज्यादातर बेरेन्गेना के बड़े शौकीन होते हैं।"
"तुमने इस 'साइड' (जिसका अरबी में अर्थ 'भगवान' होता है) के उपनाम को लेकर गलती की होगी - सांचो," डॉन क्विक्सोट ने टिप्पणी की।
"बहुत संभावना है," सांचो ने उत्तर दिया, "लेकिन अगर महाराज चाहते हैं कि मैं कुंवारे लड़के को बुला लाऊं तो मैं पलक झपकते ही उसके लिए चला जाऊंगा।"
"मेरे मित्र, तुम मुझे बहुत प्रसन्न करोगे," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि तुमने जो मुझे बताया है उसने मुझे चकित कर दिया है, और जब तक मैं इसके बारे में सब कुछ नहीं सुन लेता, तब तक मैं एक निवाला भी नहीं खाऊंगा जो मुझे पसंद आएगा।"

"[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]," [illegible] [illegible] [illegible]; [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

अध्याय 3

डॉन क्विक्सोट, सांचो पांजा और कुंवारे सैमसन कैरास्को के बीच हुई हास्यास्पद बातचीत के बारे में।
डॉन क्विक्सोट गहरे चिंतन में डूबा हुआ था, अविवाहित कैरास्को का इंतज़ार कर रहा था, जिससे उसे यह सुनना था कि कैसे सांचो के कहे अनुसार उसका नाम भी किसी किताब में दर्ज हो गया है; और वह इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहा था कि ऐसी कोई किताब सच में मौजूद हो सकती है, क्योंकि जिन दुश्मनों को उसने मारा था, उनका खून उसकी तलवार की धार पर अभी सूखा भी नहीं था, और अब वे यह जताना चाहते थे कि उसकी महान उपलब्धियाँ छप रही हैं। फिर भी, उसे लगता था कि कोई ज्ञानी व्यक्ति, चाहे वह मित्र हो या शत्रु, जादू की मदद से उन्हें छपवा सकता है; अगर मित्र ने छपवाया है, तो उन्हें किसी भी वीर योद्धा की सबसे प्रसिद्ध उपलब्धियों से भी ऊपर उठाने के लिए; अगर शत्रु ने छपवाया है, तो उन्हें तुच्छ साबित करने और किसी भी साधारण सरदार की सबसे नीच उपलब्धियों से भी नीचे गिराने के लिए, हालाँकि जैसा कि उसने मन ही मन कहा, सरदारों की उपलब्धियाँ कभी दर्ज नहीं की जातीं। लेकिन अगर ऐसी कोई कहानी सच में मौजूद थी, तो एक वीर योद्धा की कहानी होने के नाते, वह निश्चित रूप से अलंकारिक, भव्य, प्रभावशाली और सच्ची होगी। इससे उसे कुछ हद तक तसल्ली मिली, हालांकि यह सोचकर उसे बेचैनी हुई कि "साइड" शीर्षक से पता चलता है कि लेखक एक मूर था; और मूरों से सच्चाई की उम्मीद नहीं की जा सकती थी, क्योंकि वे सभी धोखेबाज, ठग और षड्यंत्रकारी होते हैं। उसे डर था कि कहीं उसने अपने प्रेम प्रसंगों को किसी अशोभनीय तरीके से न निपटा दिया हो, जिससे उसकी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो की पवित्रता पर कलंक लग सकता है और उसे नुकसान पहुंच सकता है; वह चाहता था कि लेखक उसके प्रति अपनी वफादारी और सम्मान को स्पष्ट रूप से प्रकट करे, रानियों, महारानियों और हर तरह की युवतियों को ठुकराए और अपनी स्वाभाविक आवेगों की उग्रता को नियंत्रित रखे। इन और अन्य कई विचारों में डूबे हुए, उन्हें सांचो और कैरास्को ने पाया, जिनका डॉन क्विक्सोट ने बड़े ही सौहार्दपूर्ण ढंग से स्वागत किया।
हालांकि उस कुंवारे व्यक्ति को सैमसन कहा जाता था, वह शारीरिक रूप से बहुत बड़ा नहीं था, लेकिन वह बहुत ही मजाकिया था; उसका रंग पीला था, लेकिन वह बहुत तेज बुद्धि का था, लगभग 20 वर्ष की आयु का था, उसका चेहरा गोल, नाक

चपटी और मुंह बड़ा था, ये सभी उसकी शरारती प्रवृत्ति और मौज-मस्ती और चुटकुलों के प्रति प्रेम के संकेत थे; और डॉन क्विक्सोट को देखते ही उन्होंने इसका एक उदाहरण दिया, उनके सामने घुटने टेककर कहा, "हे ला मांचा के डॉन क्विक्सोट, मैं आपके हाथ चूमना चाहता हूँ, क्योंकि संत पीटर के वस्त्र पहने हुए, यद्यपि मेरे पास केवल प्रथम चार उपाधियाँ ही हैं, आप विश्व भर में अब तक के और भविष्य के सबसे प्रसिद्ध वीर योद्धाओं में से एक हैं। सिदे हामेट बेनेनगेली को आशीर्वाद, जिन्होंने आपके महान कार्यों का इतिहास लिखा है, और उस पारखी को दुगना आशीर्वाद, जिसने इसे अरबी से हमारी कैस्टिलियन भाषा में अनुवाद करवाने का कष्ट उठाया, ताकि आम जनता इसका आनंद उठा सके!"
डॉन क्विक्सोट ने उसे उठने के लिए कहा और बोला, "तो फिर, यह सच है कि मेरा एक इतिहास है, और इसे एक मूर और एक ऋषि ने लिखा था?"
"महाराज, यह बात बिलकुल सच है," सैमसन ने कहा, "मेरा मानना है कि आज भी उस इतिहास की बारह हज़ार से ज़्यादा प्रतियाँ छपी हुई हैं। पुर्तगाल, बार्सिलोना और वालेंसिया से पूछ लीजिए कि वे कहाँ छपी हैं, और इसके अलावा यह भी खबर है कि एंटवर्प में भी इसकी छपाई हो रही है, और मुझे पूरा यकीन है कि शायद ही कोई ऐसा देश या भाषा होगी जिसमें इसका अनुवाद न हो।"
डॉन क्विक्सोट ने यहाँ टिप्पणी की, "एक गुणी और प्रतिष्ठित व्यक्ति को सबसे अधिक प्रसन्नता देने वाली चीजों में से एक यह है कि वह अपने जीवनकाल में ही छपे हुए चित्रों और चित्रों में, लोगों की जुबान पर एक अच्छे नाम के साथ जाना जाए; मैं अच्छे नाम के साथ इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यदि इसके विपरीत हो, तो उससे बढ़कर कोई मृत्यु नहीं है।"
"यदि इसकी तुलना प्रतिष्ठा और यश से की जाए," उस कुंवारे ने कहा, "तो सभी वीर योद्धाओं में केवल आप ही श्रेष्ठ हैं; क्योंकि मूर ने अपनी भाषा में और ईसाई ने अपनी भाषा में आपके शौर्य, खतरों का सामना करने में आपके उच्च साहस, विपत्ति में आपकी दृढ़ता, दुर्भाग्य और घावों में आपके धैर्य, और आपके और मेरी प्रिय डोना डुलसीनिया डेल टोबोसो के निस्वार्थ प्रेम की पवित्रता और संयम का हमारे समक्ष विस्तार से वर्णन किया है।"
"मैंने कभी भी अपनी पत्नी डुलसीनिया को डोना कहते हुए नहीं सुना," सांचो ने यहाँ टिप्पणी की; "वह केवल लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के नाम से जानी जाती थीं; इसलिए यहाँ से ही इतिहास गलत है।"

"यह कोई महत्वपूर्ण आपत्ति नहीं है," कैरास्को ने उत्तर दिया।
"बिल्कुल नहीं," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मुझे बताइए, श्रीमान अविवाहित, मेरे वे कौन से कार्य हैं जिन्हें इस इतिहास में सबसे अधिक महत्व दिया गया है?"
"इस विषय पर," अविवाहित व्यक्ति ने उत्तर दिया, "विचार भिन्न-भिन्न हैं, जैसे पसंद भिन्न होती है; कुछ लोग पवनचक्कियों के उस साहसिक कार्य की कसम खाते हैं जिसे आपने ब्रियारेउस और दानव समझा था; अन्य लोग फुलिंग चक्कियों के उस साहसिक कार्य की; एक व्यक्ति दो सेनाओं के वर्णन की प्रशंसा करता है जो बाद में भेड़ों के दो झुंडों के रूप में प्रकट हुईं; दूसरा सेगोविया में दफनाए जाने वाले शव के वर्णन की; तीसरा कहता है कि गैली दासों की मुक्ति सबसे अच्छी घटना है, और चौथा कहता है कि बेनेडिक्टिन दानवों के साथ हुई घटना और वीर बिस्केयन के साथ हुई लड़ाई के आगे कुछ भी नहीं ठहरता।" "बताइए, श्रीमान अविवाहित," सांचो ने इस बिंदु पर कहा, "क्या यांगुएसन्स के साथ हुए उस साहसिक कार्य का जिक्र आता है, जब हमारे अच्छे रोसिनांटे स्वादिष्ट व्यंजनों की लालसा में निकल पड़े थे?"
सैमसन ने उत्तर दिया, "ऋषि ने स्याही की बोतल में कुछ भी नहीं छोड़ा है; उन्होंने सब कुछ बता दिया है और सब कुछ लिख दिया है, यहाँ तक कि उन शरारतों का भी जो योग्य सांचो ने कंबल में की थीं।"
"मैंने कंबल में कोई कराह नहीं मचाई," सांचो ने जवाब दिया; "मैंने हवा में कराह मचाई, और जितनी मुझे पसंद थी उससे कहीं ज्यादा।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मेरा मानना है कि दुनिया में ऐसा कोई मानव इतिहास नहीं है जिसमें उतार-चढ़ाव न हों, लेकिन वीरता से संबंधित इतिहास में तो और भी अधिक उतार-चढ़ाव होते हैं, क्योंकि वे कभी भी पूरी तरह से समृद्ध कारनामों से नहीं बने हो सकते।"
"इन सब बातों के बावजूद," अविवाहित व्यक्ति ने उत्तर दिया, "ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने इतिहास पढ़ा है और उनका कहना है कि अगर लेखक ने सेनोर डॉन क्विक्सोट पर विभिन्न मुठभेड़ों में हुए अनगिनत हमलों में से कुछ को छोड़ दिया होता तो उन्हें खुशी होती।"
"इतिहास की सच्चाई यहीं से सामने आती है," सांचो ने कहा।
"साथ ही, वे इन घटनाओं को चुपचाप अनदेखा भी कर सकते थे," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि इतिहास की सच्चाई को न तो बदलने वाली और न ही प्रभावित करने

वाली घटनाओं को दर्ज करने की कोई आवश्यकता नहीं है, अगर वे इतिहास के नायक को अपमानित करती हों। वास्तव में, एनेस उतना धर्मनिष्ठ नहीं था जितना वर्जिल ने उसे चित्रित किया है, और न ही यूलिसिस उतना बुद्धिमान था जितना होमर ने उसका वर्णन किया है।"
"यह सच है," सैमसन ने कहा; "लेकिन कवि के रूप में लिखना एक बात है और इतिहासकार के रूप में लिखना दूसरी बात; कवि चीजों का वर्णन या गीत गा सकता है, जैसा वे थीं वैसा नहीं, बल्कि जैसा उन्हें होना चाहिए था वैसा; लेकिन इतिहासकार को उन्हें लिखना होता है, जैसा उन्हें होना चाहिए था वैसा नहीं, बल्कि जैसा वे थीं वैसा, सत्य में कुछ भी जोड़े बिना या उसमें से कुछ भी घटाए बिना।"
"तो फिर," सांचो ने कहा, "अगर यह सेनर मूर सच बोलने में विश्वास रखते हैं, तो निस्संदेह मेरे स्वामी की पिटाई में मेरी पिटाई भी शामिल होगी; क्योंकि वे मेरे पूरे शरीर की पिटाई किए बिना कभी भी उनके कंधों का माप नहीं लेते थे; लेकिन मुझे इस पर आश्चर्य करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि जैसा कि मेरे स्वामी स्वयं कहते हैं, शरीर के अंगों को सिर का दर्द सहना पड़ता है।" "तुम बड़े चालाक हो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "सच कहूँ तो, जब तुम याद रखना चाहते हो तो तुम्हारी याददाश्त कमजोर नहीं पड़ती।"
"अगर मैं उन थप्पड़ों को भूलने की कोशिश भी करूं जो उन्होंने मुझे मारे थे," सांचो ने कहा, "तो मेरे निशान मुझे भूलने नहीं देंगे, क्योंकि वे अभी भी मेरी पसलियों पर ताजा हैं।"
"चुप रहो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और उस कुंवारे को मत टोको, जिससे मैं विनती करता हूं कि वह आगे बढ़कर इस इतिहास में मेरे बारे में कही गई सभी बातें बताए।"
"और मेरे बारे में," सांचो ने कहा, "क्योंकि वे यह भी कहते हैं कि मैं इसमें प्रमुख प्रेजोनेज में से एक हूं।"
"मित्र सांचो, व्यक्तियों की बात हो रही है, न कि भूतकाल की," सैमसन ने कहा। "क्या! एक और शब्द-पकड़ने वाला!" सांचो ने कहा; "अगर यही तरीका रहा तो हम एक जीवनकाल में भी अंत नहीं कर पाएंगे।"
"भगवान करे मेरा समय कम हो जाए, सांचो," कुंवारे ने जवाब दिया, "अगर तुम इतिहास में दूसरे व्यक्ति नहीं हो, और कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जो पूरी किताब के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति की बजाय तुम्हारी बातें सुनना पसंद करेंगे;

हालांकि कुछ लोग यह भी कहते हैं कि तुमने सेनर डॉन क्विक्सोट द्वारा प्रस्तावित उस द्वीप के शासन में किसी भी संभावना पर विश्वास करके अपनी अंधभक्ति का परिचय दिया।"
"दीवार पर अभी भी धूप की चमक है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और जब सांचो उम्र में थोड़ा और आगे बढ़ जाएगा, और वर्षों के अनुभव से समृद्ध हो जाएगा, तो वह राज्यपाल बनने के लिए वर्तमान की तुलना में कहीं अधिक योग्य और उपयुक्त होगा।"
"हे स्वामी, ईश्वर की कसम," सांचो ने कहा, "जिस द्वीप पर मैं अपनी उम्र के साथ शासन नहीं कर सकता, उस पर मैं मेतुसेलाह की उम्र में भी शासन नहीं कर पाऊंगा; समस्या यह है कि वह द्वीप कहीं दूर छिपा हुआ है, मुझे नहीं पता कहाँ; और यह नहीं कि मुझमें उस पर शासन करने की बुद्धि की कमी है।"
"इसे ईश्वर पर छोड़ दो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि सब कुछ वैसा ही होगा और शायद तुम्हारी सोच से भी बेहतर होगा; पेड़ का कोई पत्ता ईश्वर की इच्छा के बिना नहीं हिलता।"
"यह सच है," सैमसन ने कहा; "और यदि यह ईश्वर की इच्छा है, तो सांचो के शासन के लिए एक हजार द्वीपों की भी कोई कमी नहीं होगी, एक द्वीप की तो बात ही छोड़िए।"
सांचो ने कहा, "मैंने इस क्षेत्र में ऐसे राज्यपाल देखे हैं जिनकी तुलना मेरे जूते के तलवे से भी नहीं की जा सकती; और इसके बावजूद उन्हें 'महामहिम' कहा जाता है और वे चांदी के धन पर सेवा करते हैं।"
सैमसन ने कहा, "वे द्वीपों के शासक नहीं हैं, बल्कि एक आसान प्रकार की अन्य सरकारों के शासक हैं: द्वीपों पर शासन करने वालों को कम से कम व्याकरण का ज्ञान होना चाहिए।"
"मैं ग्राम (ग्राम) का प्रबंधन तो अच्छी तरह कर सकता हूँ," सांचो ने कहा; "परन्तु समुद्री मार्ग (मार) के प्रति मेरा न तो कोई झुकाव है और न ही कोई रुचि, क्योंकि मैं नहीं जानता कि यह क्या है; परन्तु शासन का यह मामला ईश्वर के हाथों में छोड़ते हुए, कि वह मुझे जहाँ भी उसकी सेवा के लिए सबसे उपयुक्त हो, भेज दे, मैं आपको बता सकता हूँ, हे श्रीमान कुंवारे सैमसन कैरास्को, कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि इस इतिहास के लेखक ने मेरे बारे में इस प्रकार लिखा है कि मेरे बारे में कही गई कोई भी बात किसी को ठेस नहीं पहुँचाती; क्योंकि, एक सच्चे सरदार की कसम, अगर उसने मेरे बारे

में कुछ भी ऐसा कहा होता जो मुझ जैसे एक पुराने ईसाई के लिए जरा भी अनुचित होता, तो बहरे भी सुन लेते।"
सैमसन ने कहा, "ऐसा करना चमत्कार करने जैसा होगा।"
सांचो ने कहा, "चमत्कार हों या न हों, हर किसी को लोगों के बारे में बोलते या लिखते समय सावधानी बरतनी चाहिए, और मन में जो पहली बात आए उसे यूं ही लिख नहीं देना चाहिए।"
"इस इतिहास में उन्हें जो खामियां मिलती हैं, उनमें से एक यह है," उस अविवाहित व्यक्ति ने कहा, "कि इसके लेखक ने इसमें 'द इल-एडवाइज्ड क्यूरियोसिटी' नामक एक उपन्यास को शामिल कर दिया है; ऐसा नहीं है कि यह खराब या गलत तरीके से लिखा गया है, बल्कि यह बेमेल है और इसका माननीय डॉन क्विक्सोट के इतिहास से कोई लेना-देना नहीं है।"
"मैं शर्त लगाता हूँ कि उस कमीने ने पत्तागोभी और टोकरियाँ आपस में मिला दी हैं," सांचो ने कहा।
“तो फिर मैं कहता हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मेरे इतिहास का लेखक कोई ज्ञानी नहीं था, बल्कि कोई अज्ञानी बकवास करने वाला था, जिसने लापरवाही और बेपरवाही से इसे लिखना शुरू कर दिया, चाहे जो भी नतीजा निकले, ठीक वैसे ही जैसे उबेदा के चित्रकार ओरबानेजा किया करते थे, जो जब उनसे पूछा जाता कि वे क्या चित्रित कर रहे हैं, तो उत्तर देते थे, 'जो भी नतीजा निकले।' कभी-कभी वे मुर्गे को इस तरह से चित्रित करते थे, और इतने अटपटे तरीके से कि उन्हें उसके बगल में गॉथिक अक्षरों में लिखना पड़ता था, 'यह एक मुर्गा है;' और ऐसा ही मेरे इतिहास के साथ भी होगा, जिसे समझने के लिए एक व्याख्या की आवश्यकता होगी।”
“इस बात की कोई चिंता नहीं,” सैमसन ने जवाब दिया, “क्योंकि यह इतना स्पष्ट है कि इसमें उलझन पैदा करने जैसा कुछ भी नहीं है; बच्चे इसके पन्ने पलटते हैं, युवा इसे पढ़ते हैं, बड़े-बुजुर्ग इसे समझते हैं, बूढ़े इसकी प्रशंसा करते हैं; संक्षेप में, यह हर तरह के लोगों द्वारा इतना पढ़ा, सुना और कंठस्थ किया जाता है कि जैसे ही वे किसी दुबले-पतले लेखक को देखते हैं, वे कहते हैं, 'देखो, रोसिनांटे जा रहा है।' और इसे सबसे ज़्यादा पढ़ने वाले तो पन्ने ही हैं, क्योंकि शायद ही कोई ऐसा स्वामी का कमरा हो जहाँ 'डॉन क्विक्सोट' न मिले; एक इसे उठाता है तो दूसरा इसे रख देता है; एक इस पर टूट पड़ता है तो दूसरा इसके लिए गिड़गिड़ाता है। संक्षेप में, यह इतिहास अब तक

का सबसे आनंददायक और कम हानिकारक मनोरंजन है, क्योंकि इसमें एक भी अभद्र शब्द या कैथोलिक विचार के अलावा कोई और विचार नहीं मिलता।”
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "किसी और तरीके से लिखना सत्य लिखना नहीं, बल्कि झूठ लिखना होगा, और जो इतिहासकार झूठ का सहारा लेते हैं, उन्हें नकली सिक्के बनाने वालों की तरह जला देना चाहिए; और मुझे नहीं पता कि लेखक को उपन्यासों और अप्रासंगिक कहानियों का सहारा लेने के लिए क्या प्रेरित किया होगा, जबकि मेरे लेखन में लिखने के लिए इतना कुछ था; निस्संदेह उसने 'तिनके से या घास से' वाली कहावत का पालन किया होगा, क्योंकि केवल मेरे विचारों, मेरी आहों, मेरे आँसुओं, मेरे ऊँचे उद्देश्यों, मेरे उद्यमों को लिखकर ही वह एल टोस्टाडो की सभी रचनाओं से भी बड़ी या उसके बराबर की किताब लिख सकता था। वास्तव में, मेरा निष्कर्ष यह है, महोदय, कि इतिहास या किसी भी प्रकार की पुस्तक लिखने के लिए गहन विवेक और गहरी समझ की आवश्यकता होती है। हास्य को अभिव्यक्त करना और सुंदर विनोदपूर्ण लहजे में लिखना महान प्रतिभाओं का वरदान है। हास्य में सबसे चतुर पात्र विदूषक होता है, क्योंकि जो लोगों को यह विश्वास दिलाना चाहता है कि वह मूर्ख नहीं होना चाहिए। इतिहास एक हद तक पवित्र वस्तु है, क्योंकि यह सत्य होना चाहिए, और जहाँ सत्य है, वहाँ ईश्वर है; लेकिन इसके बावजूद, कुछ लोग ऐसे हैं जो किताबें लिखते हैं और उन्हें दुनिया भर में ऐसे बिखेर देते हैं जैसे वे कोई बेकार की चीज़ हों।
"कोई भी किताब इतनी बुरी नहीं होती कि उसमें कुछ अच्छा न हो," उस अविवाहित व्यक्ति ने कहा।
"इसमें कोई शक नहीं," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि जिन लोगों ने अपने लेखन के माध्यम से अच्छी-खासी प्रतिष्ठा अर्जित की है, वे उसे पूरी तरह खो देते हैं, या कुछ हद तक उसे नुकसान पहुंचाते हैं, जब वे उसे प्रेस को सौंप देते हैं।"
सैमसन ने कहा, "इसका कारण यह है कि छपी हुई रचनाओं की आराम से जांच करने पर उनकी कमियां आसानी से नज़र आ जाती हैं; और लेखक जितना प्रसिद्ध होता है, उसकी रचनाओं की उतनी ही बारीकी से जांच की जाती है। अपनी प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध लोग, महान कवि, प्रख्यात इतिहासकार, हमेशा या अक्सर उन लोगों द्वारा ईर्ष्या का पात्र बनते हैं जो स्वयं कोई रचना किए बिना दूसरों की रचनाओं की आलोचना करने में विशेष आनंद और प्रसन्नता पाते हैं।"

"इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि ऐसे कई धर्मगुरु हैं जो उपदेश देने के लिए तो अच्छे नहीं हैं, लेकिन उपदेशकों की कमियों या अतिरेकों का पता लगाने में माहिर हैं।"
"यह सब सच है, श्रीमान डॉन क्विक्सोट," कैरास्को ने कहा; "लेकिन मेरी इच्छा है कि ऐसे दोष निकालने वाले अधिक उदार और कम कठोर होते, और जिस कृति की वे आलोचना करते हैं, उसके चमकीले सूरज पर लगे धब्बों पर इतना ध्यान न देते; क्योंकि यदि होमरस ने भी नींद ली होती, तो उन्हें याद रखना चाहिए कि उन्होंने अपने काम को यथासंभव कम छाया में प्रकाशित करने के लिए कितनी देर तक जागते रहे; और शायद ऐसा हो कि वे जिस चीज़ में दोष निकालते हैं, वह चेहरे पर मौजूद तिल हों, जो कभी-कभी चेहरे की सुंदरता को और बढ़ा देते हैं; इसलिए मैं कहता हूँ कि पुस्तक छापने वाला व्यक्ति बहुत बड़े जोखिम में होता है, क्योंकि सभी असंभवताओं में सबसे बड़ी असंभवता एक ऐसी पुस्तक लिखना है जो सभी पाठकों को संतुष्ट और प्रसन्न करे।"
"जिसने मेरे बारे में लिखा है, वह शायद ही किसी को पसंद आया होगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
“बिल्कुल इसके विपरीत,” कुंवारे ने कहा; “क्योंकि, जैसा कि stultorum infinitum est numerus में कहा गया है, इस इतिहास का आनंद लेने वालों की संख्या अनगिनत है; लेकिन कुछ लोगों ने लेखक की स्मृति पर यह आरोप लगाया है कि वह यह बताना भूल गया कि सांचो का डैपल कौन था; क्योंकि इसका उल्लेख नहीं है, बल्कि जो लिखा गया है उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह चोरी हो गया था, और थोड़ा आगे हम सांचो को उसी गधे पर सवार देखते हैं, फिर वह कहीं दिखाई नहीं देता। वे यह भी कहते हैं कि लेखक यह बताना भूल गया कि सांचो ने सिएरा मोरेना में अपने सूटकेस में मिले उन सौ क्राउन का क्या किया, क्योंकि वह उनका फिर कभी जिक्र नहीं करता, और बहुत से लोग यह जानना चाहेंगे कि उसने उनका क्या किया या उन्हें किस पर खर्च किया, क्योंकि यह रचना की गंभीर कमियों में से एक है।”
"सेनोर सैमसन, अभी मेरा हिसाब-किताब या स्पष्टीकरण देने का मन नहीं है," सांचो ने कहा; "मुझे पेट में बहुत तेज दर्द हो रहा है, और अगर मैंने थोड़ी सी शराब नहीं पी तो मैं मर जाऊंगा। शराब घर पर है, और मेरी पत्नी मेरा इंतज़ार कर रही है; खाने के बाद मैं वापस आऊंगा, और आपके और पूरी दुनिया के हर सवाल का जवाब दूंगा, चाहे वो गधे के खोने के बारे में हो या सौ क्राउन

खर्च करने के बारे में;" और बिना कुछ और कहे या जवाब का इंतज़ार किए वह घर की ओर चल पड़ा।
डॉन क्विक्सोट ने कुंवारे लड़के से विनती की कि वह उसके साथ रुककर प्रायश्चित करे। कुंवारे लड़के ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और वहीं रुक गया। भोजन में कुछ कबूतर भी परोसे गए। रात के खाने में उन्होंने वीरता की बातें कीं। कैरास्को भी अपने मेज़बान के हास्य में शामिल हो गया। भोज समाप्त हुआ, उन्होंने दोपहर की नींद ली, सांचो वापस लौटा और उनकी बातचीत फिर से शुरू हो गई।

अध्याय 4
इसमें सांचो पांजा, अविवाहित सैमसन कैरास्को के संदेह और प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर देता है, साथ ही अन्य महत्वपूर्ण बातों का भी उल्लेख करता है।
सांचो डॉन क्विक्सोट के घर वापस आया और बातचीत के पुराने विषय पर लौटते हुए बोला, "सेनोर सैमसन ने जो कहा था कि वह जानना चाहते हैं कि मेरा गधा किसने, कैसे या कब चुराया था, उसके जवाब में मैं कहता हूँ कि जिस रात हम सिएरा मोरेना गए थे, गैली दासों के उस दुर्भाग्यपूर्ण कारनामे और सेगोविया ले जाए जा रहे शव के बाद पवित्र भाईचारे से भागते हुए, मेरे स्वामी और मैं एक झाड़ी में छिप गए, और वहाँ, मेरे स्वामी अपने भाले पर झुके हुए और मैं अपने डैपल पर बैठा हुआ, पिछली लड़ाइयों से थका हुआ, हम ऐसे सो गए जैसे चार पंखों वाले गद्दों पर सो रहे हों; और मैं विशेष रूप से इतनी गहरी नींद सोया कि, जो भी था, वह आकर मुझे चार खूंटियों पर टिका सका, जिन्हें उसने पैक-सैडल के चारों कोनों के नीचे इस तरह लगाया कि उसने मुझे उस पर बैठा रहने दिया और डैपल को मेरे नीचे से बिना मुझे एहसास हुए हटा दिया।"
"यह तो आसान बात है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और यह कोई नई घटना नहीं है, क्योंकि अल्ब्राका की घेराबंदी के दौरान सैक्रिपांटे के साथ भी ऐसा ही हुआ था; प्रसिद्ध चोर ब्रुनेलो ने इसी तरकीब से उसके पैरों के बीच से उसका घोड़ा छीन लिया था।"
"दिन हो गया," सांचो ने आगे कहा, "और जैसे ही मैंने हिलने की कोशिश की, खूंटे टूट गए और मैं ज़ोर से ज़मीन पर गिर पड़ा; मैंने गधे को चारों ओर देखा, लेकिन वह कहीं नहीं दिखा; मेरी आँखों से आँसू बहने लगे और मैं इतना विलाप करने लगा कि अगर हमारे इतिहास के लेखक ने इसे शामिल नहीं किया है, तो निश्चित रूप से उन्होंने एक महत्वपूर्ण घटना को छोड़ दिया है। कुछ दिनों बाद, मुझे नहीं पता कितने दिन, राजकुमारी मिकोमिकोना के साथ यात्रा करते हुए, मैंने अपने गधे को देखा, और उस पर जिप्सी के वेश में वही जिन्स डी पासामोंटे सवार था, वही बदमाश और धूर्त जिसे मेरे मालिक और मैंने जंजीरों से मुक्त कराया था।"
"गलती यहाँ नहीं है," सैमसन ने उत्तर दिया; "गलती यह है कि गधे के प्रकट होने से पहले ही लेखक सांचो के उस पर सवार होने की बात करता है।"

"मुझे नहीं पता कि इस पर क्या कहूँ," सांचो ने कहा, "शायद इतिहासकार ने कोई गलती की हो, या हो सकता है कि यह प्रिंटर की भूल हो।"
"निस्संदेह यही बात है," सैमसन ने कहा; "लेकिन सौ मुकुटों का क्या हुआ? क्या वे गायब हो गए?"
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "मैंने उन्हें अपने, अपनी पत्नी और अपने बच्चों के भले के लिए खर्च किया, और इन्हीं की वजह से मेरी पत्नी ने मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट की सेवा में राजमार्गों और गलियों में मेरी सारी यात्राओं को इतने धैर्य से सहन किया; क्योंकि अगर इतने समय बाद मैं बिना किसी मार-पीट और बिना गधे के घर लौट आता, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होती; और अगर कोई मेरे बारे में और कुछ जानना चाहता है, तो मैं यहाँ हूँ, स्वयं राजा को उत्तर देने के लिए तैयार; और इससे किसी को कोई लेना-देना नहीं है कि मैंने लिया या नहीं लिया, मैंने खर्च किया या नहीं किया; क्योंकि इन यात्राओं में मुझे जो मार पड़ी, उसका भुगतान पैसों में किया जाना था, भले ही उनकी कीमत चार मारावेडी से अधिक न हो, सौ क्राउन भी मुझे उनके आधे के बराबर नहीं चुका सकते। हर किसी को खुद को देखना चाहिए और सफेद को काला और काले को सफेद बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए; क्योंकि हममें से हर कोई वैसा ही है जैसा भगवान ने उसे बनाया है, हाँ, और अक्सर उससे भी बदतर।"
कैरास्को ने कहा, "मैं इस बात का ध्यान रखूंगा कि इतिहास के लेखक को यह बात अच्छी तरह समझा दूं कि अगर वह इसे दोबारा छापता है, तो उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि आदरणीय सांचो ने क्या कहा है, क्योंकि इससे इतिहास का स्तर काफी ऊंचा हो जाएगा।"
"क्या इतिहास में सुधार करने के लिए और कुछ बचा है, महोदय?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
“निस्संदेह है,” उसने उत्तर दिया; “लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है जो उतना ही महत्वपूर्ण हो जितना मैंने अभी उल्लेख किया है।”
"क्या लेखक ने दूसरे भाग का वादा किया है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
सैमसन ने उत्तर दिया, "वह एक दूसरा भाग देने का वादा तो करता है; लेकिन वह कहता है कि उसे वह मिला नहीं है, और न ही वह जानता है कि वह किसके पास है; और हम यह नहीं कह सकते कि वह आएगा या नहीं; और इसलिए, इस संदर्भ में, जैसा कि कुछ लोग कहते हैं कि डॉन क्विक्सोट के बारे में पहले ही बहुत कुछ लिखा जा चुका है, ऐसा माना जाता है कि दूसरा भाग नहीं आएगा; हालांकि कुछ लोग, जो

निराशावादी होने के बजाय हंसमुख हैं, कहते हैं, 'हमें और क्विक्सोट की कहानियां देखने को मिलें, डॉन क्विक्सोट को आगे बढ़ने दें और सांचो को बातें करने दें, और चाहे जो भी हो, हम उससे संतुष्ट रहेंगे।'"
"और लेखक का इरादा क्या है?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"क्या?" सैमसन ने उत्तर दिया; "अरे, जैसे ही उसे वह इतिहास मिल जाएगा जिसकी वह असाधारण लगन से खोज कर रहा है, वह तुरंत उसे प्रेस को दे देगा, क्योंकि उसे ऐसा करने से मिलने वाले लाभ से अधिक किसी प्रशंसा की चिंता नहीं होगी।"
इस पर सांचो ने कहा, "क्या लेखक को सिर्फ पैसे और मुनाफ़े की तलाश है? अगर वह सफल हो गया तो यह एक आश्चर्य की बात होगी, क्योंकि वह ईस्टर की पूर्व संध्या पर दर्जी की तरह बस जल्दी-जल्दी काम करता रहेगा; और जल्दबाजी में किए गए काम कभी भी उतने परिपूर्ण नहीं होते जितने होने चाहिए। मास्टर मूर, या जो भी वह है, अपने काम पर ध्यान दे, और मैं और मेरा मालिक उसे हर तरह के रोमांच और हादसों से भरपूर कहानी सुनाएंगे, जिससे न केवल एक सेकंड का हिस्सा, बल्कि सौ सेकंड का हिस्सा बन जाएगा। वह सज्जन शायद सोच रहे होंगे कि हम यहाँ भूसे में गहरी नींद में सो रहे हैं, लेकिन अगर वह हमारे पैरों में नाल लगाने के लिए उन्हें उठाए, तो वह देखेंगे कि हम किस पैर में लंगड़ाते हैं। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि अगर मेरा मालिक मेरी सलाह मान लेता, तो हम अब तक मैदान में होते, अत्याचारों का निवारण और अन्याय का निवारण कर रहे होते, जैसा कि अच्छे वीर योद्धाओं का रिवाज है।"
सांचो ने अभी ये शब्द कहे ही थे कि रोसिनांटे की हिनहिनाहट उनके कानों में पड़ी, जिसे डॉन क्विक्सोट ने शुभ संकेत माना और तीन-चार दिन बाद फिर से निकलने का निश्चय किया। कुंवारे को अपनी मंशा बताते हुए उसने उससे सलाह मांगी कि उसे अपना अभियान किस दिशा से शुरू करना चाहिए। कुंवारे ने उत्तर दिया कि उसकी राय में उसे आरागॉन राज्य और सारागोसा शहर जाना चाहिए, जहाँ सेंट जॉर्ज के उत्सव में कुछ भव्य युद्ध प्रतियोगिताएँ होने वाली थीं, जिनमें वह आरागॉन के सभी शूरवीरों से ऊपर प्रसिद्धि प्राप्त कर सकता था, जो कि दुनिया के सभी शूरवीरों से ऊपर प्रसिद्धि प्राप्त करने के समान था। उसने उसके इस सराहनीय और साहसी संकल्प की प्रशंसा की, लेकिन उसे चेतावनी दी कि खतरों का सामना करते समय अधिक सावधानी बरते, क्योंकि उसका जीवन केवल

उसका नहीं, बल्कि उन सभी का है जिन्हें विपत्तियों में उसकी रक्षा और सहायता की आवश्यकता है।
"यही वह बात है जिससे मुझे घृणा होती है, श्रीमान सैमसन," सांचो ने यहाँ कहा; "मेरा स्वामी सौ सशस्त्र पुरुषों पर ऐसे हमला करेगा जैसे कोई लालची लड़का आधा दर्जन तरबूजों पर। हे संसार के स्वामी, श्रीमान कुंवारे! हमला करने का भी समय होता है और पीछे हटने का भी, और यह हमेशा 'सैंटियागो, और स्पेन को घेर लो!' कहने का समय नहीं होता।" इसके अलावा, मैंने सुना है (और मुझे लगता है कि मेरे स्वामी ने स्वयं कहा था, अगर मुझे सही याद है) कि वीरता का मध्य मार्ग कायरता और जल्दबाजी के चरम सीमाओं के बीच होता है; और यदि ऐसा है, तो मैं नहीं चाहता कि वह बिना किसी अच्छे कारण के भाग जाए, या तब हमला करे जब परिस्थितियाँ अनुकूल न हों। लेकिन, सबसे बढ़कर, मैं अपने स्वामी को चेतावनी देता हूँ कि यदि वह मुझे अपने साथ ले जाना चाहते हैं तो यह इस शर्त पर होना चाहिए कि वह सारी लड़ाई खुद लड़ेंगे, और मुझे उनके साफ-सफाई और आराम के अलावा कुछ भी करने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए; इसमें मैं उनकी सेवा में तत्पर रहूंगा; लेकिन मुझसे तलवार चलाने की उम्मीद करना, यहाँ तक कि कुल्हाड़ी और नकाबपोश बदमाशों के खिलाफ भी, व्यर्थ है। मैं एक लड़ाकू व्यक्ति बनने का दावा नहीं करता, श्री सैमसन, बल्कि केवल सबसे अच्छा और सबसे वफादार सहायक बनना चाहता हूँ जिसने कभी किसी वीर योद्धा की सेवा की हो; और यदि मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट, मेरी कई वफादार सेवाओं के बदले में, मुझे उन कई द्वीपों में से कोई एक द्वीप देने की कृपा करते हैं, जिनके बारे में उनके अनुसार इन क्षेत्रों में कोई भी ठोकर खा सकता है, तो मैं इसे सहर्ष स्वीकार करूंगा। यह एक बड़ी कृपा है; और यदि वह मुझे यह नहीं देता, तो मैं भी बाकी सब की तरह ही पैदा हुआ हूँ, और मनुष्य को ईश्वर के सिवा किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए; और इससे भी बढ़कर, मेरी रोटी का स्वाद बिना सरकार के भी उतना ही अच्छा होगा, और शायद उससे भी बेहतर, जितना कि अगर मैं शासक होता; और मुझे कैसे पता कि इन सरकारों में शैतान ने मेरे लिए कोई न कोई चाल तो ज़रूर रची होगी, ताकि मैं अपना संतुलन खो दूँ, गिर जाऊँ और मेरे सारे दांत टूट जाएँ? मैं सांचो पैदा हुआ हूँ और सांचो ही मरना चाहता हूँ। लेकिन इन सबके बावजूद, अगर स्वर्ग मुझे बिना किसी परेशानी और जोखिम के किसी द्वीप या इसी तरह की कोई और चीज़ का अच्छा प्रस्ताव दे, तो मैं इतना मूर्ख नहीं हूँ कि उसे ठुकरा दूँ; क्योंकि वे यह भी कहते हैं, 'जब

वे तुम्हें बछिया दें, तो रस्सी लेकर भागो; और जब तुम्हारा भाग्य अच्छा हो, तो उसे अपना लो।'
"भाई सांचो," कैरास्को ने कहा, "तुमने एक विद्वान की तरह बात की है; लेकिन फिर भी, ईश्वर और सेनर डॉन क्विक्सोट पर भरोसा रखो, क्योंकि वह तुम्हें एक राज्य देगा, बल्कि एक द्वीप ही दे देगा।"
"कम हो या ज्यादा, कोई फर्क नहीं पड़ता," सांचो ने उत्तर दिया; "हालांकि मैं सेनर कैरास्को को बता सकता हूँ कि मेरे स्वामी मुझे जो भी राज्य देंगे, उसे छेद-छेद से भरे बोरे में नहीं डालेंगे; क्योंकि मैंने स्वयं अपनी नब्ज़ जाँची है और मैं राज्यों पर शासन करने और द्वीपों का प्रबंधन करने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ हूँ; और मैंने पहले भी अपने स्वामी को यही बात बताई है।"
"सावधान रहना, सांचो," सैमसन ने कहा; "सम्मान से व्यवहार बदल जाता है, और शायद जब तुम राज्यपाल बनोगे तो तुम्हें अपनी जन्म देने वाली माँ का नाम भी याद नहीं रहेगा।"
"यह बात शायद गड्ढों में पैदा हुए लोगों पर लागू होती हो," सांचो ने कहा, "लेकिन उन लोगों पर नहीं जिनकी आत्मा पर एक बूढ़े ईसाई की चार उंगल मोटी चर्बी जमी हो, जैसा कि मेरी है। अरे, ज़रा मेरा स्वभाव ही देख लो, क्या इससे किसी के प्रति कृतघ्नता झलकती है?"
"ईश्वर की कृपा से," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "जब सरकार आएगी तब हम देखेंगे; और मुझे तो ऐसा लग रहा है कि मैं इसे पहले ही देख चुका हूँ।"
फिर उसने उस कुंवारे से विनती की, यदि वह कवि होता, तो वह उसकी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो को विदाई देने के लिए कुछ छंद रचने की कृपा करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रत्येक पंक्ति के प्रारंभ में उसके नाम का एक अक्षर हो, ताकि छंदों के अंत में, पहले अक्षरों को मिलाकर "डुलसीनिया डेल टोबोसो" पढ़ा जा सके। कुंवारे ने उत्तर दिया कि यद्यपि वह स्पेन के प्रसिद्ध कवियों में से एक नहीं था, जो कि, जैसा कि कहा जाता था, केवल साढ़े तीन थे, फिर भी वह अपेक्षित छंद रचने में असफल नहीं होगा; हालाँकि उसे इस कार्य में एक बड़ी कठिनाई दिखाई दी, क्योंकि नाम में सत्रह अक्षर थे; इसलिए, यदि वह चार-चार पंक्तियों के चार गाथागीत छंद बनाता, तो एक अक्षर अधिक हो जाता, और यदि वह उन्हें पाँच-पाँच पंक्तियों के बनाता, जिन्हें वे डेसिमा या रेडोंडिला कहते थे, तो तीन अक्षर कम हो जाते; फिर भी वह यथासंभव एक पत्र

लिखने का प्रयास करेगा, ताकि "डुल्सीनिया डेल टोबोसो" नाम को चार गाथागीत छंदों में शामिल किया जा सके।
"ऐसा किसी न किसी तरीके से होना ही चाहिए," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि जब तक नाम स्पष्ट रूप से सामने नहीं आएगा, कोई भी महिला यह विश्वास नहीं करेगी कि ये छंद उसी के लिए लिखे गए हैं।"
वे इस बात पर सहमत हो गए और तय किया कि तीन दिन बाद प्रस्थान होगा। डॉन क्विक्सोट ने कुंवारे कैरास्को को यह बात गुप्त रखने का निर्देश दिया, विशेष रूप से पादरी और मास्टर निकोलस से, और अपनी भतीजी और गृहस्वामी से, ताकि वे उसके प्रशंसनीय और साहसी उद्देश्य को पूरा करने में बाधा न डालें। कैरास्को ने सभी आश्वासन दिए और फिर विदा लेते हुए डॉन क्विक्सोट को यह निर्देश दिया कि जब भी उसे अवसर मिले, वह उसे अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में सूचित करे; इस प्रकार उन्होंने एक-दूसरे को विदाई दी और सांचो अपने अभियान की आवश्यक तैयारियाँ करने के लिए चला गया।

अध्याय 5

सांचो पांजा और उनकी पत्नी टेरेसा पांजा के बीच हुई चतुर और हास्यपूर्ण बातचीत और अन्य ऐसे मामलों के बारे में जिन्हें विधिवत दर्ज करना उचित है। इस इतिहास के अनुवादक, जब इस पाँचवें अध्याय को लिखने आते हैं, तो कहते हैं कि वे इसे अप्रमाणित मानते हैं, क्योंकि इसमें सांचो पांजा की भाषा उनकी सीमित बुद्धि से अपेक्षित शैली से भिन्न है, और वे इतनी सूक्ष्म बातें कहते हैं कि उन्हें नहीं लगता कि वे ऐसा सोच सकते थे; हालाँकि, अपने कर्तव्य को पूरा करने की इच्छा से प्रेरित होकर, वे इसे बिना अनुवाद किए छोड़ना नहीं चाहते थे, और इसलिए उन्होंने आगे लिखा:
सांचो इतनी खुशी और उत्साह में घर लौटा कि उसकी पत्नी ने दूर से ही उसकी खुशी को भांप लिया, और इतनी खुशी हुई कि उसने उससे पूछा, "सांचो, तुम्हें क्या मिला है कि तुम इतने खुश हो?"
जिस पर उन्होंने जवाब दिया, "पत्नी, यदि यह ईश्वर की इच्छा होती, तो मुझे उतना प्रसन्न न होने में बहुत खुशी होती जितना मैं स्वयं को प्रदर्शित करता हूँ।"
"मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही, पतिदेव," उसने कहा, "और मुझे यह भी समझ नहीं आ रहा कि आपका क्या मतलब है जब आप कहते हैं कि यदि ईश्वर की इच्छा हो तो आपको प्रसन्नता होगी, भले ही आप प्रसन्न न हों; क्योंकि मैं मूर्ख ही क्यों न हूँ, मुझे यह समझ नहीं आता कि कोई प्रसन्नता न पाकर कैसे आनंदित हो सकता है।"
"सुनो टेरेसा," सांचो ने उत्तर दिया, "मुझे खुशी है क्योंकि मैंने अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट की सेवा में वापस जाने का निश्चय कर लिया है, जो तीसरी बार रोमांच की तलाश में निकल रहे हैं; और मैं उनके साथ फिर से जा रहा हूँ, क्योंकि मेरी मजबूरी है, और साथ ही यह आशा भी है कि मुझे उन सौ क्राउन की तरह और मिल जाएँगे जो हमने खर्च किए हैं; हालाँकि तुम्हें और बच्चों को छोड़कर जाना मुझे दुखी करता है; और यदि ईश्वर कृपा करके मुझे बिना इधर-उधर भटके, आराम से और घर पर ही मेरी रोजी-रोटी दे दें—और वे केवल अपनी इच्छा से ऐसा कर सकते हैं—तो मेरी खुशी और भी पक्की और स्थायी होगी, क्योंकि मेरी खुशी में तुम्हें छोड़कर जाने का दुख भी मिला हुआ है; इसलिए मैंने सही कहा था कि यदि ईश्वर की इच्छा हो तो मुझे प्रसन्न न होना ही अच्छा लगेगा।"

"देखो सांचो," टेरेसा ने कहा; "जब से तुम एक वीर योद्धा के साथ शामिल हुए हो, तब से तुम इस तरह घुमा-फिराकर बात करते हो कि तुम्हें समझना नामुमकिन हो जाता है।"
"मेरी पत्नी, इतना ही काफी है कि ईश्वर मुझे समझता है," सांचो ने उत्तर दिया; "क्योंकि वह सब कुछ समझने वाला है; इतना ही काफी है; लेकिन बहन, ध्यान रखना, अगले तीन दिनों तक डैपल का ध्यान रखना, ताकि वह हथियार उठाने के लिए तैयार हो जाए; उसका चारा दोगुना कर देना, और उसके सामान ढोने वाले काठी और अन्य साज-सामान का भी ध्यान रखना, क्योंकि हम किसी शादी में नहीं जा रहे हैं, बल्कि पूरी दुनिया का चक्कर लगाने जा रहे हैं, और दैत्यों, अजगरों और राक्षसों के साथ खेल खेलने जा रहे हैं, और उनकी फुफकार, दहाड़, गर्जना और चीखें सुनने जा रहे हैं; और यह सब भी आसान होता, अगर हमें यांगुएसन्स और जादुई मूरों का सामना न करना पड़ता।"
"मैं अच्छी तरह जानती हूँ, पतिदेव, कि जमींदारों को मुफ्त में रोटी नहीं मिलती, इसलिए मैं हमेशा हमारे प्रभु से प्रार्थना करूँगी कि वह आपको इस सारी विपत्ति से शीघ्र ही मुक्ति दिलाएँ।"
"मैं तुम्हें बता सकता हूँ, पत्नी," सांचो ने कहा, "अगर मुझे जल्द ही खुद को किसी द्वीप का राज्यपाल बनते देखने की उम्मीद न होती, तो मैं वहीं मर जाता।"
"नहीं, तो पतिदेव," टेरेसा ने कहा; मुर्गी को जीने दो, चाहे उसकी जान ही क्यों न निकल जाए, जीने दो, और दुनिया की सारी सरकारें शैतान के हाथ लग जाएँ; तुम अपनी माँ के गर्भ से बिना सरकार के निकले, अब तक बिना सरकार के जिए हो, और जब ईश्वर की इच्छा होगी, तो तुम बिना सरकार के ही अपनी कब्र में जाओगे या ले जाए जाओगे। दुनिया में कितने ही लोग हैं जो बिना सरकार के जीते हैं, और फिर भी जीते रहते हैं, और उन्हें जनता में गिना जाता है। दुनिया की सबसे अच्छी चटनी भूख है, और क्योंकि गरीबों को कभी इसकी कमी नहीं होती, वे हमेशा बड़े चाव से खाते हैं। लेकिन ध्यान रखना, सांचो, अगर सौभाग्य से तुम्हें कोई सरकार मिल जाए, तो मुझे और अपने बच्चों को मत भूलना। याद रखना कि सांचो अब पंद्रह साल का हो चुका है, और अगर उसके चाचा मठाधीश उसे चर्च के लिए प्रशिक्षित करना चाहते हैं, तो उसका स्कूल जाना उचित है। यह भी ध्यान रखना कि अगर हम तुम्हारी बेटी मारी-सांचा से शादी कर लें, तो वह शोक से नहीं मरेगी; क्योंकि मुझे शक है कि वह भी उतनी ही उत्सुक है जितनी तुम

सरकार पाने के लिए; और, इसके बाद कुल मिलाकर, एक बेटी वेश्यावृत्ति करने की बजाय खराब शादी में ज्यादा अच्छी लगती है।
"मेरी आस्था की कसम," सांचो ने उत्तर दिया, "यदि ईश्वर मुझे किसी भी प्रकार की सरकार दिलाने में सफल होता है, तो हे पत्नी, मैं मारी-सांचा के लिए ऐसा उच्च कोटि का विवाह करूंगा कि उसके पास जाने पर उसे 'मेरी स्वामिनी' कहना अनिवार्य हो जाएगा।"
"नहीं, सांचो," टेरेसा ने जवाब दिया; "उसकी शादी उसके बराबर के लड़के से कर दो, यही सबसे सुरक्षित उपाय है; क्योंकि अगर तुम उसे लकड़ी के जूतों से निकालकर ऊँची एड़ी के जूते पहनाओगे, उसकी धूसर फलालैन की पेटीकोट से निकालकर घेरेदार और रेशमी गाउन पहनाओगे, साधारण 'मारिका' और 'तू' से निकालकर 'डोना फलां-फलां' और 'मेरी महिला' कहलाओगे, तो लड़की को पता ही नहीं चलेगा कि वह कहाँ है, और हर मोड़ पर वह हज़ार गलतियाँ करेगी जिससे उसकी रूखी-सूखी असलियत सामने आ जाएगी।"
"अरे, मूर्ख," सांचो ने कहा; "इसे केवल दो-तीन साल अभ्यास करने की ज़रूरत है; और फिर गरिमा और शिष्टाचार उसमें सहजता से समा जाएंगे; और अगर नहीं भी, तो क्या फर्क पड़ता है? उसे 'मेरी महिला' कहने दो, और जो भी हो, परवाह मत करो।" "अपनी हद में रहो, सांचो," टेरेसा ने उत्तर दिया; "खुद को ऊंचा उठाने की कोशिश मत करो, और उस कहावत को याद रखो जो कहती है, 'अपने पड़ोसी के बेटे की नाक पोंछो और उसे अपने घर में पनाह दो।'" यह तो बड़ी अच्छी बात होगी कि हमारी मारिया की शादी किसी बड़े रईस या रईस से हो जाए, जो जब उसका मन करे तो उसे गालियां दे और उसे गँवार की औलाद, गंवार की बेटी और कताई करने वाली कुतिया कहे। पतिदेव, मैं आपको बता सकती हूँ कि मैंने अपनी बेटी को इस सब के लिए नहीं पाला है। सांचो, क्या आप घर में पैसे लाएँगे और उसकी शादी का जिम्मा मुझ पर छोड़ देंगे? लोपे टोचो है, जुआन टोचो का बेटा, एक हट्टा- कट्टा, तगड़ा नौजवान जिसे हम जानते हैं, और मैं देख सकती हूँ कि वह लड़की को देखकर नाराज़ नहीं होता; और हमारे ही जैसे एक आदमी के साथ, उसकी अच्छी शादी होगी, और वह हमेशा हमारी निगरानी में रहेगी, और हम सब एक परिवार होंगे, माता-पिता और बच्चे, पोते-पोतियाँ और दामाद, और ईश्वर की शांति और आशीर्वाद हम सब में रहेगा; इसलिए उसकी शादी उन दरबारों और भव्य महलों में मत करवाओ जहाँ न तो वे समझ पाएँगे कि उसका क्या करें, और न ही वह खुद को समझ पाएगी।

"अरे, बरब्बास की पत्नी, तुम मूर्ख! बिना किसी कारण के मुझे अपनी बेटी की शादी उस लड़के से करने से क्यों रोक रही हो जो मुझे ऐसे पोते-पोतियां देगा जिन्हें 'महाराज' कहा जाएगा? देखो, टेरेसा, मैंने हमेशा अपने बड़ों को यह कहते सुना है कि जो व्यक्ति भाग्य का लाभ उठाना नहीं जानता, उसे भाग्य के साथ न होने पर शिकायत करने का कोई अधिकार नहीं है; और अब जब भाग्य हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है, तो इसे रोकना ठीक नहीं होगा; चलो, हमारे ऊपर बहने वाली अनुकूल हवा के साथ चलें।"
इसी तरह की बातचीत और सांचो द्वारा नीचे कही गई बातों के कारण ही इतिहास के अनुवादक ने कहा कि वह इस अध्याय को अप्रमाणित मानते हैं।
"क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता, हे जानवर," सांचो ने आगे कहा, "कि मेरे लिए यह अच्छा होगा कि मैं किसी लाभकारी सरकार में शामिल हो जाऊं जो हमें इस दलदल से बाहर निकाल दे, और मारी-सांचा का विवाह अपनी पसंद के व्यक्ति से करवा दूं; और तुम स्वयं 'डोना टेरेसा पांजा' कहलाओगी, और शहर की सभी कुलीन महिलाओं के प्रति अवहेलना और अवहेलना करते हुए एक सुंदर कालीन, तकियों और पर्दों पर चर्च में बैठी रहोगी? नहीं, जैसी हो वैसी ही रहो, न बड़ी हो न छोटी, एक टेपेस्ट्री आकृति की तरह—इसके बारे में और कुछ न कहें, क्योंकि सांचिका एक काउंटेस बनेगी, चाहे तुम कुछ भी कहो।"
"क्या आपको अपनी कही हर बात पर पूरा यकीन है, पतिदेव?" टेरेसा ने उत्तर दिया। खैर, इन सब बातों के बावजूद, मुझे डर है कि मेरी बेटी को काउंटेस का यह पद मिलना उसके लिए विनाशकारी साबित होगा। आप जो चाहें करें, उसे डचेस या राजकुमारी बना दें, लेकिन मैं आपको बता सकती हूँ कि यह मेरी इच्छा और सहमति के बिना नहीं होगा। भाई, मैं हमेशा से समानता की समर्थक रही हूँ, और मैं लोगों को बिना किसी अधिकार के घमंड करते नहीं देख सकती। मेरे बपतिस्मा के समय मेरा नाम टेरेसा रखा गया था, एक सीधा-सादा नाम, बिना किसी उपाधि या शान-शौकत के; मेरे पिता का नाम कास्काजो था, और चूंकि मैं आपकी पत्नी हूँ, इसलिए मुझे टेरेसा पांज़ा कहा जाता है, हालाँकि सही मायने में मुझे टेरेसा कास्काजो कहा जाना चाहिए; लेकिन 'राजा वहीं जाते हैं जहाँ कानून चाहता है', और मैं इस नाम से संतुष्ट हूँ, इसके ऊपर 'डॉन' लगाकर इसे इतना भारी बनाने की ज़रूरत नहीं है कि मैं इसे संभाल न सकूँ; और मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे काउंटेस या गवर्नर की पत्नी की तरह कपड़े पहने देखकर मेरे बारे में बातें करें; क्योंकि वे तुरंत कहेंगे, 'देखो, यह बदचलन औरत कितना घमंड कर रही है।'

खुद को! कल तक तो वह हमेशा सन कातती रहती थी, और चर्च में चादर ओढ़ने के बजाय पेटीकोट का पिछला हिस्सा सिर पर ओढ़कर जाती थी, और आज वह घेरेदार गाउन में, अपने गहनों और नखरे के साथ ऐसे जा रही है जैसे हम उसे जानते ही न हों! अगर भगवान मुझे मेरी सातों इंद्रियों, या पांचों, या जितनी भी मेरी इंद्रियां हैं, सलामत रखे तो मैं खुद को ऐसी हालत में नहीं लाऊंगा; जाओ भाई, और चाहे सरकारी आदमी बनो या द्वीपवासी, और जितना चाहो अकड़ दिखाओ; क्योंकि मेरी मां की कसम, न तो मेरी बेटी और न ही मैं अपने गांव से एक कदम भी बाहर निकलेंगे; एक इज्जतदार औरत को पैर टूटने पर घर पर ही रहना चाहिए; और किसी काम में व्यस्त रहना एक नेक युवती की छुट्टी होती है; अपने डॉन क्विक्सोट के साथ अपने कारनामों पर निकल जाओ, और हमें हमारी मुसीबतों के साथ छोड़ दो, क्योंकि भगवान हमारे कर्मों के अनुसार उन्हें सुधारेंगे। मुझे यकीन है कि मुझे नहीं पता कि किसने उसे 'डॉन' की उपाधि दी, जो न तो उसके पिता और न ही दादा के पास कभी थी।
"मैं घोषणा करता हूँ कि तुम्हारे शरीर में किसी प्रकार का शैतान है!" सांचो ने कहा। हे भगवान! तूने ये सब बातें एक के बाद एक बेतरतीब ढंग से जोड़ दी हैं! कास्काजो, ये मुहावरे, कहावतें और ये सब बातें मेरे कहने से क्या लेना-देना? सुन, मूर्ख और बेवकूफ (क्योंकि मैं तुझे यही कहूँगा, जब तू मेरी बात नहीं समझेगा और सौभाग्य से दूर भागेगा), अगर मैंने कहा होता कि मेरी बेटी किसी मीनार से कूद जाए या दुनिया भर में घूमने निकल जाए, जैसा कि इन्फेंटा डोना उर्राका चाहती थी, तो तू मेरी इच्छा न मानने में सही होता; लेकिन अगर पल भर में, पलक झपकते ही, मैं 'डॉन' और 'मेरी मालकिन' को उसकी पीठ पर बिठाकर, उसे झाड़ियों से निकालकर, एक मंडप के नीचे, एक चबूतरे पर, और एक ऐसे सोफे पर लिटा दूँ, जिस पर मोरक्को के सभी अल्मोहादों के परिवार से भी ज़्यादा मखमली तकिए हों, तो तू मेरी इच्छा क्यों नहीं मानेगा?
“क्या आप जानते हैं क्यों, पतिदेव?” टेरेसा ने उत्तर दिया; “क्योंकि कहावत है कि ‘जो छुपाता है, वही उजागर करता है।’ गरीब को लोग बस सरसरी नजर से देखते हैं; अमीर को वे टकटकी लगाकर देखते हैं; और अगर वह अमीर कभी गरीब रहा हो, तो फिर चुगली करने वालों का उपहास, कानाफूसी और द्वेष का माहौल बन जाता है; और यहाँ गलियों में वे मधुमक्खियों की तरह झुंड बनाकर घूमते रहते हैं।”

"देखो, टेरेसा," सांचो ने कहा, "और जो मैं अब तुमसे कहने जा रहा हूँ उसे ध्यान से सुनो; शायद तुमने इसे अपने पूरे जीवन में कभी नहीं सुना होगा; और मैं अपने विचार नहीं दे रहा हूँ, क्योंकि जो मैं कहने जा रहा हूँ वह आदरणीय उपदेशक के विचार हैं, जिन्होंने पिछले लेंट के दौरान इस शहर में उपदेश दिया था, और जिन्होंने कहा था, अगर मुझे सही याद है, कि जो कुछ भी वर्तमान में हमारी आँखों के सामने आता है, वह हमारे सामने प्रकट होता है, और अतीत की चीजों की तुलना में कहीं अधिक बेहतर और प्रभावशाली ढंग से हमारी स्मृति में बस जाता है।"
सांचो द्वारा यहां की गई ये टिप्पणियां वे अन्य टिप्पणियां हैं जिनके कारण अनुवादक का कहना है कि वह इस अध्याय को अप्रमाणित मानता है, क्योंकि ये सांचो की क्षमता से परे हैं।
उन्होंने आगे कहा, “इसीलिए यह बात सामने आती है कि जब हम किसी व्यक्ति को अच्छे कपड़े पहने, कीमती वस्त्रों और नौकरों के दल के साथ शान से चलते हुए देखते हैं, तो हमें उसका सम्मान करने की प्रेरणा मिलती है, भले ही उसी क्षण हमें उसकी कोई निम्न स्थिति याद आ जाए, लेकिन चाहे वह गरीबी हो या निम्न जन्म, अब अतीत की बात हो चुकी है, इसलिए उसका कोई अस्तित्व नहीं है; जबकि केवल वही चीज़ अस्तित्व में है जो हमारे सामने है; और यदि यह व्यक्ति, जिसे भाग्य ने उसकी मूल निम्न स्थिति से (ये वही शब्द थे जो पादरी ने कहे थे) समृद्धि की वर्तमान ऊँचाई तक पहुँचाया है, सुसंस्कृत, उदार, सभी के प्रति विनम्र हो, और उन लोगों से प्रतिस्पर्धा न करे जिनकी कुलीनता प्राचीन काल से चली आ रही है, तो टेरेसा, निश्चिंत हो जाइए, कोई भी यह याद नहीं रखेगा कि वह पहले क्या था, और हर कोई उसका सम्मान करेगा, सिवाय ईर्ष्यालु लोगों के, जिनसे कोई भी सौभाग्य सुरक्षित नहीं है।”
"मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही, पतिदेव," टेरेसा ने उत्तर दिया; "आप जो चाहें करें, और अपने भाषणों और बयानबाजी से मेरा सिर मत फोड़िए; और यदि आपने वही करना शुरू कर दिया है जो आप कहते हैं-"
"तुम्हें 'संकल्पित' कहना चाहिए, स्त्री," सांचो ने कहा, "घूमना नहीं, 'संकल्पित'।"
"मेरे पति, मुझसे बहस मत करो," टेरेसा ने कहा; "मैं ईश्वर की इच्छा के अनुसार बोलती हूँ, और जटिल भाषा का प्रयोग नहीं करती; और मैं कहती हूँ कि यदि तुम शासन करना चाहते हो, तो अपने पुत्र सांचो को अपने साथ ले जाओ, और

उसे अभी से शासन करना सिखाओ; क्योंकि पुत्रों को अपने पिता के काम विरासत में पाने और सीखने चाहिए।"
"जैसे ही मुझे सरकार मिल जाएगी," सांचो ने कहा, "मैं उसे डाक से बुलवाऊंगा और तुम्हें पैसे भेजूंगा, जिसकी मुझे कोई कमी नहीं होगी, क्योंकि राज्यपालों को उधार देने वालों की कभी कमी नहीं होती जब उनके पास पैसे नहीं होते; और तुम उसे इस तरह कपड़े पहनाओ कि उसकी असलियत छिप जाए और वह वैसा ही दिखे जैसा वह बनने वाला है।"
टेरेसा ने कहा, "आप पैसे भेज दीजिए, और मैं उसे आपकी पसंद के अनुसार अच्छे कपड़े पहना दूंगी।"
"तो हम इस बात पर सहमत हैं कि हमारी बेटी एक काउंटेस बनेगी," सांचो ने कहा। "जिस दिन मैं उसे काउंटेस बनते देखूंगी," टेरेसा ने उत्तर दिया, "मेरे लिए यह ऐसा ही होगा जैसे मैं उसे दफना रही हूँ; लेकिन मैं फिर कहती हूँ कि आप जो चाहें करें, क्योंकि हम स्त्रियाँ अपने पतियों की आज्ञा मानने के इस बोझ के साथ पैदा होती हैं, चाहे वे कुत्ते ही क्यों न हों;" और यह कहकर वह जोर-जोर से रोने लगी, मानो उसने सांचिका को मृत और दफना हुआ देख लिया हो। सांचो ने उसे दिलासा देते हुए कहा कि यद्यपि उसे उसे काउंटेस बनाना ही है, वह इसे यथासंभव टाल देगा। यहीं पर उनकी बातचीत समाप्त हुई और सांचो डॉन क्विक्सोट से मिलने और उनके प्रस्थान की व्यवस्था करने के लिए वापस चला गया।

अध्याय 6

डॉन क्विक्सोट और उसकी भतीजी एवं नौकरानी के बीच जो कुछ हुआ, वह पूरे इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण अध्यायों में से एक है।
जब सांचो पांजा और उसकी पत्नी टेरेसा कास्काजो ऊपर बताई गई बेतुकी बातचीत कर रहे थे, तब डॉन क्विक्सोट की भतीजी और नौकरानी चुप नहीं बैठी थीं। उन्हें कई संकेतों से यह समझ आने लगा था कि उनके चाचा और मालिक तीसरी बार उन्हें चकमा देने वाले हैं और एक बार फिर अपने उस बुरे और भटकते हुए शौर्य को दोहराने वाले हैं। उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगाकर उन्हें इस दुर्भाग्यपूर्ण योजना से रोकने की कोशिश की; लेकिन यह सब व्यर्थ था। फिर भी, नौकरानी ने उनसे कई बार निवेदन किया और कहा, "सच में, मालिक, अगर आप घर पर शांत नहीं बैठेंगे और बेचैन आत्मा की तरह पहाड़ों और घाटियों में भटकना नहीं छोड़ेंगे, जहाँ आप उन चीजों की तलाश करते हैं जिन्हें लोग रोमांच कहते हैं, लेकिन जिन्हें मैं दुर्भाग्य कहती हूँ, तो मुझे ईश्वर और राजा से ज़ोर-ज़ोर से विनती करनी पड़ेगी कि वे कोई उपाय भेजें।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "हे गृहणी, तुम्हारी शिकायतों का ईश्वर क्या उत्तर देगा, यह मुझे नहीं पता, न ही महाराज क्या उत्तर देंगे; मैं केवल इतना जानता हूँ कि यदि मैं राजा होता तो मैं प्रतिदिन उनके द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अनगिनत बेतुकी याचिकाओं का उत्तर देने से इनकार कर देता; क्योंकि राजाओं की अनेक परेशानियों में से एक सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उन्हें सबकी बात सुननी और सबका उत्तर देना पड़ता है, इसलिए मुझे खेद होगा कि मेरे किसी भी मामले से उन्हें चिंता हो।"
इस पर गृहस्वामी ने कहा, "महोदय, हमें बताइए, क्या महाराज के दरबार में कोई शूरवीर नहीं हैं?"
“हाँ, हैं,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “और वे बहुत सारे हैं; और यह उचित ही है कि वे हों, ताकि राजकुमार की गरिमा को उजागर किया जा सके और राजा की महिमा को और अधिक बढ़ाया जा सके।”
"तो फिर क्या महाराज," उसने कहा, "उनमें से एक नहीं हो सकते जो बिना एक कदम भी हिले, अपने राजा और स्वामी की सेवा उनके दरबार में करते हैं?"
“याद रखो, मेरे मित्र,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “सभी शूरवीर दरबारी नहीं हो सकते, न ही सभी दरबारी वीर योद्धा हो सकते हैं, और न ही उन्हें ऐसा होना

चाहिए। दुनिया में हर तरह के लोग होते हैं; और भले ही हम सभी शूरवीर हों, फिर भी एक-दूसरे में बहुत बड़ा अंतर होता है; क्योंकि दरबारी अपने कक्ष या दरबार की दहलीज छोड़े बिना, मानचित्र देखकर पूरी दुनिया का भ्रमण कर लेते हैं, बिना एक पैसा खर्च किए, बिना गर्मी या सर्दी, भूख या प्यास सहन किए; लेकिन हम, सच्चे वीर योद्धा, अपने पैरों से पूरी पृथ्वी को नापते हैं, सूरज, सर्दी, हवा और आसमान की कठोरता का सामना करते हुए, दिन-रात, पैदल और घोड़े पर सवार होकर; हम दुश्मनों को केवल चित्रों में ही नहीं जानते, बल्कि उनके असली रूप में जानते हैं; और हर जोखिम और हर मौके पर उन पर हमला करते हैं, बचकानी बातों या एकल युद्ध के नियमों की परवाह किए बिना, चाहे किसी के पास छोटा भाला या तलवार हो या न हो, चाहे कोई अपने साथ कोई अवशेष या गुप्त उपकरण रखता हो या नहीं। सूर्य को विभाजित और टुकड़ों में नहीं बाँटा जा सकता, और न ही उन अन्य बारीकियों को, जिनका पालन आमने-सामने की लड़ाइयों में किया जाता है, जिनके बारे में आप कुछ नहीं जानते, लेकिन मैं जानता हूँ। और आपको यह भी जानना चाहिए कि सच्चा योद्धा, चाहे वह दस दैत्यों को देखे, जो न केवल अपने सिर से बादलों को छूते हैं बल्कि उन्हें भेदते भी हैं, और जिनमें से प्रत्येक दो ऊँचे मीनारों पर पैरों के बल चलता है, जिनकी भुजाएँ विशाल जहाजों के मस्तूलों के समान हैं, और प्रत्येक आँख एक बड़े चक्की के पहिये के समान है, और कांच की भट्टी से भी अधिक चमकती है, उन्हें किसी भी हालत में भयभीत नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत, उसे वीरता और निडर हृदय से उन पर आक्रमण करना चाहिए और यदि संभव हो तो उन्हें पराजित और नष्ट कर देना चाहिए, भले ही उन्होंने एक विशेष मछली के खोल को कवच के रूप में धारण किया हो, जो हीरे से भी अधिक कठोर बताई जाती है, और तलवारों के स्थान पर दमिश्क स्टील के तीखे ब्लेड या स्टील के नुकीले डंडे चलाते हों, जैसा कि मैंने एक से अधिक बार देखा है। यह सब मैं आपको बता रहा हूँ, गृहस्वामी, ताकि आप वे एक प्रकार के शूरवीर और दूसरे प्रकार के शूरवीर के बीच का अंतर देख सकते हैं; और यह अच्छा होगा यदि कोई भी राजकुमार इस दूसरे, या अधिक उचित रूप से कहें तो पहले प्रकार के वीर योद्धाओं को अधिक महत्व न दे; क्योंकि, जैसा कि हम उनके इतिहास में पढ़ते हैं, उनमें से कुछ ऐसे भी हुए हैं जिन्होंने न केवल एक राज्य को, बल्कि कई राज्यों को मुक्ति दिलाई है।
"अरे, महोदय," भतीजी ने हैरानी से कहा, "याद रखिए कि आप शूरवीरों के बारे में जो कुछ भी कह रहे हैं वह सब मनगढ़ंत कहानी है; और यदि वास्तव में

उन्हें जलाया न गया होता, तो उनके इतिहास पर एक 'साम्बेनिटो' (अपमानजनक संदेश) अंकित होना चाहिए था, या कोई ऐसा चिह्न होना चाहिए था जिससे उन्हें बदनाम और शिष्टाचार बिगाड़ने वाला माना जा सके।"
"मुझे जीवन देने वाले ईश्वर की कसम," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर तुम मेरी सगी भतीजी न होतीं, मेरी अपनी बहन की बेटी न होतीं, तो मैं तुम्हारे इस अपमानजनक कथन के लिए तुम्हें ऐसी सजा देता कि पूरी दुनिया गूंज उठती। क्या! एक ऐसी बदचलन लड़की, जिसे मुश्किल से एक दर्जन फीते संभालना आता है, अपनी जुबान चलाने और वीर योद्धाओं के इतिहास की आलोचना करने की हिम्मत कैसे कर सकती है? अगर सेनर अमाडिस को इसके बारे में पता चलता तो वे क्या कहते? हालांकि, वे तुम्हें माफ कर देते, क्योंकि वे अपने समय के सबसे विनम्र और शिष्ट योद्धा थे, और युवतियों के बड़े रक्षक भी थे; लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने तुम्हें सुना होगा, और उस स्थिति में तुम्हारा भला नहीं होता; क्योंकि वे सभी शिष्ट या सभ्य नहीं होते; कुछ दुष्ट और बदमाश होते हैं; और न ही हर कोई जो खुद को सज्जन कहता है, वह हर तरह से सज्जन होता है; कुछ तो सोने के समान होते हैं।" कुछ दिखावटी होते हैं, और सभी सज्जन प्रतीत होते हैं, लेकिन सत्य की कसौटी पर सभी खरे नहीं उतरते। निम्न वर्ग के ऐसे लोग भी होते हैं जो सज्जन कहलाने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं, और उच्च वर्ग के ऐसे सज्जन भी होते हैं जो निम्न वर्ग के दिखने के लिए बेताब रहते हैं; पहले वर्ग के लोग अपनी महत्वाकांक्षा या सद्गुणों से अपना गौरव बढ़ाते हैं, जबकि दूसरे वर्ग के लोग अपने मनोबल की कमी या अवगुणों से अपना अपमान करते हैं; और इन दो प्रकार के सज्जनों में अंतर करने के लिए अनुभव और विवेक की आवश्यकता होती है, जो नाम में तो एक जैसे होते हैं लेकिन आचरण में भिन्न होते हैं।
"हे भगवान!" भतीजी ने कहा, "चाचा जी, आपको इतना ज्ञान है—इतना कि ज़रूरत पड़ने पर आप किसी मंच पर चढ़कर सड़कों पर उपदेश दे सकते हैं—और फिर भी आप इतने बड़े भ्रम और इतनी स्पष्ट मूर्खता में पड़ जाते हैं कि बुढ़ापे में खुद को चुस्त-दुरुस्त, बीमार होने पर भी बलवान, उम्र के कारण झुके होने पर भी टेढ़ी चीज़ों को सीधा करने में सक्षम और सबसे बढ़कर, जबकि आप न होते हुए भी एक रईस होने का दिखावा करते हैं; क्योंकि भले ही सभ्य लोग ऐसे हों, गरीब लोग तो बिल्कुल भी ऐसे नहीं होते!"

"तुम्हारी बातों में बहुत सच्चाई है, भतीजी," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और मैं तुम्हें जन्म के बारे में कुछ ऐसी बातें बता सकता हूँ जो तुम्हें आश्चर्यचकित कर देंगी; लेकिन मानवीय और दैवीय बातों को आपस में न मिलाने के लिए मैं ऐसा नहीं करता। देखो, मेरी प्यारी बच्चियों, संसार के सभी वंश (मेरी बात ध्यान से सुनो) चार प्रकारों में विभाजित किए जा सकते हैं, जो इस प्रकार हैं: वे वंश जिनकी शुरुआत साधारण थी, और जो फैलते-फैलते हुए असाधारण महानता तक पहुँचे; वे वंश जिनकी शुरुआत महान थी और उन्होंने उसे बनाए रखा, और आज भी अपनी उत्पत्ति की महानता को बनाए रखते हैं; वे वंश जिनकी शुरुआत महान थी, लेकिन अंत में पिरामिड के एक बिंदु पर आकर रुक गए, अपनी मूल महानता को इतना कम कर दिया कि वह शून्य हो गई, जैसे पिरामिड का वह बिंदु, जो अपने आधार या नींव के सापेक्ष कुछ भी नहीं है; और फिर वे वंश हैं - और वे ही सबसे अधिक संख्या में हैं - जिनकी न तो कोई शानदार शुरुआत हुई और न ही कोई उल्लेखनीय मध्य-यात्रा, और इसलिए उनका अंत गुमनाम ही होगा, जैसे किसी साधारण वंश का। सबसे पहले, उन वंशों की बात करें जिनकी शुरुआत साधारण पृष्ठभूमि से हुई और वे उस महानता तक पहुँचे जिसे वे आज भी कायम रखे हुए हैं। उदाहरण के तौर पर, ओटोमन राजवंश को लिया जा सकता है, जिसके संस्थापक एक साधारण चरवाहे थे और जो आज इस मुकाम पर है। दूसरे प्रकार के वंशों के उदाहरण के लिए, जिनकी शुरुआत महानता से हुई और जो इसे बिना बढ़ाए आज भी कायम रखे हुए हैं, ऐसे कई राजकुमार हैं जिन्होंने विरासत में गरिमा प्राप्त की और उसे बिना बढ़ाए या घटाए, अपने राज्य की सीमाओं के भीतर शांतिपूर्वक रहते हुए, अपनी विरासत को कायम रखा है। उन वंशों के भी हजारों उदाहरण हैं जिनकी शुरुआत महानता से हुई और अंत में वे एक बिंदु पर आकर रुक गए। मिस्र के सभी फिरौन और टॉलेमी, रोम के सीज़र और अनगिनत राजकुमारों, सम्राटों, सामंतों, मेदियों, असीरियों, फारसियों, यूनानियों और बर्बरों का पूरा समूह (यदि मैं उन्हें ऐसा शब्द कहूँ तो) इन सभी वंशों और सामंतों का अंत एक बिंदु पर आकर हुआ और वे निष्फल हो गए, स्वयं भी और उनके संस्थापक भी। क्योंकि अब उनके वंशजों में से किसी एक को खोजना असंभव है, और यदि हमें कोई मिल भी जाए, तो वह भी दुर्लभ होगा। कुछ नीची और साधारण स्थिति। आम लोगों के वंशों के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है, सिवाय इसके कि वे केवल जीवित लोगों की संख्या बढ़ाने का काम करते हैं, उनके पास ऐसी कोई श्रेष्ठता नहीं है जो उन्हें इससे अधिक किसी प्रसिद्धि या प्रशंसा का

हकदार बनाए। मैंने जो कुछ कहा है, उससे मैं चाहता हूँ कि आप समझें, मेरे भोले-भाले लोगों, कि वंशों में बहुत भ्रम है, और केवल वही महान और प्रतिष्ठित माने जाते हैं जो अपने सद्गुण, धन और उदारता से स्वयं को सिद्ध करते हैं। मैंने सद्गुण, धन और उदारता कहा है, क्योंकि एक दुष्ट महान व्यक्ति दुराचार का एक बड़ा उदाहरण होगा, और एक धनी व्यक्ति जो उदार नहीं है, वह केवल एक कंजूस भिखारी होगा; क्योंकि धन का स्वामी उसे रखने से नहीं, बल्कि उसे खर्च करने से प्रसन्न होता है, और अपनी मर्जी से खर्च करने से नहीं, बल्कि उसे सही तरीके से खर्च करना जानने से। एक साधारण सज्जन व्यक्ति अपने सज्जन होने का प्रमाण केवल सद्गुण से, मिलनसार, सुसंस्कृत, विनम्र, सौम्य और दयालु होने से ही दे सकता है, अभिमानी होने से नहीं। अहंकारी या निंदक नहीं, बल्कि सबसे बढ़कर परोपकारी; क्योंकि प्रसन्न हृदय से गरीबों को दो दान देकर, वह स्वयं को उतना ही उदार साबित करेगा जितना कि घंटी बजाकर दान देने वाला, और जो कोई भी उसे उन गुणों से संपन्न देखेगा जिनका मैंने उल्लेख किया है, भले ही वह उसे न जानता हो, उसे अच्छे वंश का मानने से नहीं चूकेगा; और यह अजीब होगा यदि ऐसा न हो; प्रशंसा हमेशा से सद्गुण का पुरस्कार रही है, और गुणी लोगों को प्रशंसा अवश्य मिलती है। मेरी बेटियों, दो मार्ग हैं जिनसे मनुष्य धन और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं; एक है विद्या का, दूसरा है शस्त्र का। मेरे स्वभाव में विद्या से अधिक शस्त्र है, और शस्त्रों के प्रति मेरे झुकाव को देखते हुए, मेरा जन्म मंगल ग्रह के प्रभाव में हुआ है। इसलिए, मैं कुछ हद तक उस मार्ग का अनुसरण करने के लिए विवश हूँ, और मुझे उस मार्ग पर दुनिया की परवाह किए बिना चलना ही होगा, और स्वर्ग की इच्छा, भाग्य के विधान, तर्क का विरोध करने के लिए मुझे प्रेरित करना व्यर्थ होगा। यह आवश्यक है, और सबसे बढ़कर, मेरी स्वयं की प्रवृत्ति भी इसका समर्थन करती है; क्योंकि मैं शूरवीरता के अनगिनत परिश्रमों को जानता हूँ, और साथ ही इससे प्राप्त होने वाले अनंत आशीर्वादों को भी जानता हूँ; मैं जानता हूँ कि सद्गुण का मार्ग बहुत संकरा है, और दुर्गुण का मार्ग चौड़ा और विशाल है; मैं जानता हूँ कि उनके लक्ष्य और उद्देश्य भिन्न हैं, क्योंकि दुर्गुण का चौड़ा और आसान मार्ग मृत्यु में समाप्त होता है, और सद्गुण का संकरा और परिश्रमपूर्ण मार्ग जीवन में, और वह भी क्षणभंगुर जीवन में नहीं, बल्कि उस जीवन में जिसका कोई अंत नहीं है; मैं जानता हूँ, जैसा कि हमारे महान कैस्टिलियन कवि कहते हैं, कि—

इन्हीं जैसे कठिन रास्तों से होकर वे अमरता की ऊंचाइयों को प्राप्त करते हैं, जो नीचे लड़खड़ाने वालों के लिए अछूती हैं।
"हाय रे!" भतीजी ने कहा, "मेरे स्वामी एक कवि भी हैं! उन्हें सब कुछ पता है और वे सब कुछ कर सकते हैं; मैं शर्त लगा सकती हूँ, अगर वे राजमिस्त्री बनना चाहें, तो वे पिंजरा बनाने की तरह ही आसानी से एक घर बना सकते हैं।"
"मैं तुम्हें बता सकता हूँ, भतीजी," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यदि ये वीरतापूर्ण विचार मेरी सभी क्षमताओं को व्यस्त न करते, तो ऐसा कुछ भी नहीं होता जो मैं न कर पाता, और न ही कोई ऐसी छोटी-मोटी चीज़ होती जो मेरे हाथों से न बनती, विशेष रूप से पिंजरे और टूथपिक।"
इसी क्षण दरवाजे पर दस्तक हुई, और जब पूछा गया कि कौन है, तो सांचो पांजा ने जवाब दिया कि वह खुद है। जैसे ही नौकरानी को पता चला कि कौन है, वह उससे बचने के लिए छिप गई; वह उससे इतनी घृणा करती थी। भतीजी ने उसे अंदर आने दिया, और उसका मालिक डॉन क्विक्सोट बाहें फैलाकर उसका स्वागत करने के लिए आगे आया, और दोनों उसके कमरे में बंद हो गए, जहाँ उन्होंने पिछली बातचीत से कमतर नहीं, एक और बातचीत की।

अध्याय 7

डॉन क्विक्सोट और उसके सहायक के बीच हुई बातचीत के साथ-साथ अन्य उल्लेखनीय घटनाओं का भी वर्णन।
जैसे ही नौकरानी ने सांचो पांजा को अपने मालिक के साथ कमरे में बंद देखा, वह समझ गई कि वे क्या करने वाले हैं; और यह आशंका जताते हुए कि उनकी बातचीत का नतीजा तीसरी बार हमला करने का फैसला होगा, उसने अपना लबादा उठाया और गहरी चिंता और व्याकुलता में अविवाहित सैमसन कैरास्को को ढूंढने दौड़ी, क्योंकि उसे लगा कि वह एक वाक्पटु व्यक्ति होने के नाते और उसके मालिक का नया दोस्त होने के कारण, शायद उसे इस तरह के किसी भी पागलपन भरे विचार को छोड़ने के लिए मना सके। उसने उसे अपने घर के आंगन में टहलते हुए पाया, और पसीने से तरबतर और घबराई हुई, उसे देखते ही वह उसके पैरों में गिर पड़ी। कैरास्को ने उसकी व्यथित और हताश अवस्था को देखकर उससे कहा, "यह क्या है, मालकिन? तुम्हें क्या हो गया है? ऐसा लगता है जैसे तुम्हारा दिल टूट गया हो।"
"कुछ नहीं, श्री सैमसन," उसने कहा, "बस इतना है कि मेरे स्वामी का गुस्सा फूट रहा है, साफ तौर पर फूट रहा है।"
"वह कहाँ से बाहर निकल रहा है, महोदया?" सैमसन ने पूछा; "क्या उसके शरीर का कोई हिस्सा फट गया है?"
“वह तो बस अपने पागलपन की शुरुआत कर रहा है,” उसने जवाब दिया; “मेरा मतलब है, प्रिय श्रीमान, वह फिर से (और यह तीसरी बार होगा) दुनिया भर में उन चीजों की तलाश में निकल पड़ेगा जिन्हें वह साहसिक कार्य कहता है, हालांकि मुझे समझ नहीं आता कि वह उन्हें यह नाम क्यों देता है। पहली बार उसे गधे की पीठ पर लादकर हमारे पास लाया गया था, और उसकी खूब पिटाई हुई थी; और दूसरी बार वह बैलगाड़ी में एक पिंजरे में बंद होकर आया, जिसमें उसने खुद को जादू से ग्रसित मान लिया था, और बेचारा ऐसा था कि उसकी माँ भी उसे पहचान नहीं पाती; दुबला-पतला, पीला, उसकी आँखें खोपड़ी की कोशिकाओं में धँसी हुई थीं; इसलिए उसे थोड़ा सा भी होश में लाने में मुझे छह सौ से अधिक अंडे खर्च करने पड़े, भगवान जाने, और पूरी दुनिया, और मेरी मुर्गियाँ भी, जो मुझे झूठ नहीं बोलने देंगी।”

"मुझे इस बात पर पूरा यकीन है," कुंवारे ने जवाब दिया, "क्योंकि वे इतने अच्छे, इतने मोटे और इतने सभ्य हैं कि वे एक बात के बदले दूसरी बात नहीं कहेंगे, चाहे उन्हें कितनी भी बेताबी क्यों न हो। संक्षेप में, मालकिन, बस यही बात है, और इसमें कोई गड़बड़ नहीं है, सिवाय इसके कि डॉन क्विक्सोट क्या कर सकता है?"
"नहीं, महोदय," उसने कहा।
"तो फिर," कुंवारे ने जवाब दिया, "चिंता मत करो, शांति से घर जाओ; मेरे लिए नाश्ते में कुछ गर्म तैयार कर देना, और रास्ते में सेंटा अपोलोनिया की प्रार्थना कर लेना, यदि तुम्हें वह याद हो; क्योंकि मैं अभी आ रहा हूँ और तुम चमत्कार देखोगे।"
"हाय रे! क्या आप मुझसे संत अपोलोनिया की प्रार्थना करवाना चाहते हैं? अगर मेरे मालिक को दांत का दर्द होता तो ठीक था; लेकिन उन्हें तो दिमाग की बीमारी हो गई है।"
"मैं जानता हूँ मैं क्या कह रहा हूँ, गृहणी; जाओ, और मुझसे बहस मत करो, क्योंकि तुम जानती हो कि मैं सलामांका का कुंवारा हूँ, और इससे ज़्यादा कुंवारा कोई नहीं हो सकता," कैरास्को ने उत्तर दिया; और इतना कहकर गृहणी चली गई, और कुंवारा पादरी को ढूंढने और उससे उचित समय पर बताई जाने वाली बातों का निपटारा करने के लिए चला गया।
जब डॉन क्विक्सोट और सांचो एक साथ बंद थे, तब उनके बीच एक बातचीत हुई जिसे इतिहास ने बड़ी सटीकता और बारीकी से दर्ज किया है। सांचो ने अपने स्वामी से कहा, "महाराज, मैंने अपनी पत्नी को मना लिया है कि वह मुझे आपके साथ चलने दे, जहाँ भी आप मुझे ले जाना चाहें।"
"तुम्हें प्रेरित कहना चाहिए, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "न कि शिक्षित।"
"जहाँ तक मुझे याद है, एक-दो बार मैंने आपसे विनती की है कि यदि आप मेरे शब्दों का अर्थ समझ रहे हैं तो उन्हें न सुधारें; और यदि आप उन्हें 'सांचो' या 'शैतान' के रूप में नहीं समझते हैं, तो मैं आपको नहीं समझ पा रहा हूँ; और यदि मैं अपना अर्थ स्पष्ट नहीं कर पा रहा हूँ, तो आप मुझे सुधार सकते हैं, क्योंकि मैं बहुत ही भोला हूँ-"
"मैं तुम्हें समझ नहीं पा रहा हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने तुरंत कहा; "क्योंकि मुझे नहीं पता कि 'मैं इतना सरल हूँ' का क्या मतलब है।"

"'सो फोसिले' का मतलब है कि मैं बिल्कुल वैसा ही हूँ," सांचो ने जवाब दिया। "अब तो मैं तुम्हें और भी कम समझ पा रहा हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"खैर, अगर तुम मुझे समझ नहीं पा रहे हो," सांचो ने कहा, "तो मुझे नहीं पता कि इसे कैसे कहूँ; मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं पता, भगवान मेरी मदद करे।"
"ओह, अब मुझे सही बात मिल गई," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "तुम कहना चाहोगे कि तुम इतने आज्ञाकारी, विनम्र और सौम्य हो कि तुम मेरी बात मान लोगे और जो मैं तुम्हें सिखाऊंगा उसका पालन करोगे।"
"मैं शर्त लगा सकता हूँ," सांचो ने कहा, "कि शुरू से ही तुम मुझे समझ गए थे, और जानते थे कि मेरा मतलब क्या है, लेकिन तुम मुझे बाहर निकालना चाहते थे ताकि तुम मुझे कुछ और दर्जन गलतियाँ करते हुए सुन सको।"
"हो सकता है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "लेकिन मुद्दे की बात पर आते हैं, टेरेसा क्या कहती है?"
सांचो ने उत्तर दिया, "टेरेसा कहती हैं कि मुझे आपसे पुष्टि कर लेनी चाहिए, और 'कागज़ों को बोलने दो और दाढ़ी को चुप रहने दो,' क्योंकि 'जो बांधता है वह झगड़ा नहीं करता,' क्योंकि एक 'ले लो' दो 'मैं तुम्हें दूंगा' से बेहतर है; और मैं कहता हूं कि एक महिला की सलाह कोई बड़ी बात नहीं है, और जो इसे नहीं मानता वह मूर्ख है।"
"और मैं भी यही कहता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "जारी रखो, मेरे दोस्त सांचो; बोलते रहो; आज तुम मोती की बातें कर रहे हो।"
सांचो ने आगे कहा, "सच तो यह है कि, जैसा कि आप मुझसे बेहतर जानते हैं, हम सभी मृत्यु के पात्र हैं, और आज हम हैं, और कल नहीं, और मेमना भेड़ के साथ ही चला जाता है, और कोई भी इस दुनिया में भगवान द्वारा दिए जाने वाले जीवन के घंटों से अधिक का वादा नहीं कर सकता; क्योंकि मृत्यु बहरी है, और जब वह हमारे जीवन के द्वार पर दस्तक देने आती है, तो वह हमेशा उग्र होती है, और न तो प्रार्थना, न संघर्ष, न राजदंड, न मुकुट, उसे रोक सकते हैं, जैसा कि आम चर्चा और खबरें कहती हैं, और जैसा कि हमें हर दिन उपदेशों में बताया जाता है।"
"यह सब बिल्कुल सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि तुम क्या कहना चाह रहे हो।"
सांचो ने कहा, "मैं बस यही चाहता हूँ कि महाराज, मेरे लिए एक निश्चित वेतन तय कर दें, जो आपकी सेवा में रहने के दौरान हर महीने दिया जाए, और वह भी

आपकी संपत्ति से। क्योंकि मुझे देर से मिलने वाले, अधूरे या कभी न मिलने वाले इनामों से कोई मतलब नहीं है; भगवान मेरी मदद करें। संक्षेप में, मैं जानना चाहता हूँ कि मुझे क्या मिलेगा, चाहे थोड़ा हो या ज्यादा; क्योंकि मुर्गी एक अंडा देती है, और थोड़े-थोड़े मिलकर बहुत कुछ बन जाते हैं, और जब तक कुछ मिलता रहता है, कुछ खोता नहीं है। बेशक, अगर ऐसा हो जाए (जिस पर मुझे न तो विश्वास है और न ही उम्मीद) कि महाराज मुझे वह द्वीप दे दें जिसका आपने मुझसे वादा किया है, तो मैं इतना कृतघ्न या लालची नहीं हूँ कि उस द्वीप की आय का मूल्यांकन करवाकर उसे अपने वेतन में उचित वृद्धि के रूप में कटवा न सकूँ।"
"सांचो, मेरे मित्र," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "कभी-कभी अनुपात ही पदोन्नति जितना अच्छा हो सकता है।"
"मैं समझ गया," सांचो ने कहा; "मुझे लगता है कि मुझे अनुपात कहना चाहिए था, न कि पदोन्नति; लेकिन कोई बात नहीं, क्योंकि आपने मुझे समझ लिया है।"
"और तुम इतने अच्छे से समझते हो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "कि मैंने तुम्हारे विचारों की गहराई को देख लिया है, और जानता हूँ कि तुम अपनी कहावतों के अनगिनत तीरों से किस लक्ष्य पर निशाना साध रहे हो। देखो, सांचो, अगर मुझे शूरवीरों के इतिहास में कहीं भी ऐसा उदाहरण मिलता जिससे ज़रा सा भी संकेत मिलता कि उनके सहायकों को मासिक या वार्षिक कितना वेतन मिलता था, तो मैं तुम्हारा वेतन सहर्ष तय कर देता; लेकिन मैंने उनके इतिहास का लगभग सारा हिस्सा पढ़ लिया है, और मुझे याद नहीं आता कि किसी शूरवीर ने अपने सहायक को निश्चित वेतन दिया हो; मैं केवल इतना जानता हूँ कि वे सभी वेतन पर सेवा करते थे, और जब उन्हें इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होती थी, अगर उनके स्वामियों का भाग्य अच्छा होता था, तो उन्हें एक द्वीप या उसके बराबर कुछ मिलता था, या कम से कम उन्हें एक उपाधि और जागीर मिल जाती थी। अगर इन आशाओं और अतिरिक्त प्रलोभनों के साथ तुम, सांचो, मेरी सेवा में वापस आना चाहते हो, तो बहुत अच्छा; लेकिन यह सोचना कि मैं शूरवीरता की प्राचीन प्रथा को बिगाड़ने या उलटने जा रहा हूँ, यह सब बकवास है। तो, मेरे सांचो, अपने घर वापस जाओ और मेरी मंशा अपनी टेरेसा को समझाओ, और अगर उसे और तुम्हें मेरे साथ इनाम पर रहना पसंद है, तो कोई बात नहीं; अगर नहीं, तो हम दोस्त बने रहेंगे; क्योंकि अगर कबूतरखाने में खाने की कमी नहीं है, तो कबूतरों की भी कमी नहीं होगी; और याद रखना, मेरे बेटे, कि अच्छी उम्मीद बुरी स्थिति से

बेहतर है, और अच्छा दुख बुरे मुआवजे से बेहतर है। मैं इस तरह बोल रहा हूँ, सांचो, ताकि तुम्हें दिखा सकूँ कि मैं भी तुम्हारी तरह ही कहावतें सुना सकता हूँ; और संक्षेप में, मेरा मतलब है, और मैं कहता हूँ, कि अगर तुम्हें मेरे साथ इनाम पर आना और वही जोखिम उठाना पसंद नहीं है जो मैं उठा रहा हूँ, तो भगवान तुम्हारा भला करे और तुम्हें संत बना दे; क्योंकि मुझे बहुत सारे ऐसे जागीरदार मिलेंगे जो तुमसे ज़्यादा आज्ञाकारी और मेहनती होंगे, और तुम्हारे जैसे मूर्ख या बातूनी नहीं होंगे।
जब सांचो ने अपने स्वामी के दृढ़ और संकल्पित शब्दों को सुना, तो उसके मन में उदासी छा गई और उसका हृदय उदास हो गया, क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि दुनिया की सारी दौलत के बदले भी उसका स्वामी उसे अपने बिना नहीं छोड़ेगा। जब वह वहाँ अवाक और उदास खड़ा था, तभी सैमसन कैरास्को नौकरानी और भतीजी के साथ अंदर आया, जो यह जानने के लिए उत्सुक थीं कि वह किन तर्कों से अपने स्वामी को रोमांच की तलाश में जाने से रोकने वाला है। चतुर सैमसन आगे आया और पहले की तरह उसे गले लगाते हुए ऊँची आवाज़ में बोला, "हे वीर योद्धा! हे शस्त्रों की चमक! हे स्पेन राष्ट्र के गौरव और दर्पण! सर्वशक्तिमान ईश्वर अपनी असीम शक्ति से यह वरदान दें कि जो भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह तुम्हारी इस तीसरी यात्रा में बाधा डालने का प्रयास करे, वे अपनी योजनाओं के जाल से बाहर न निकल पाएं और न ही कभी अपनी सबसे बड़ी इच्छा पूरी कर पाएं!" फिर, नौकरानी की ओर मुड़कर उसने कहा, "मालकिन, आप सांता अपोलोनिया की प्रार्थना करना छोड़ दें तो बेहतर है, क्योंकि मैं जानता हूँ कि ब्रह्मांड का यही निश्चय है कि श्रीमान डॉन क्विक्सोट अपने नए और महान इरादों को अमल में लाएँगे; और अगर मैं इस शूरवीर को अपनी बलि के बल और अपने वीर स्वभाव के सद्गुण को और अधिक संयमित न रखने के लिए प्रेरित और राजी न करूँ, तो यह मेरे अंतरात्मा पर भारी बोझ होगा, क्योंकि अपनी निष्क्रियता से वह दुनिया को अन्याय के निवारण, अनाथों की रक्षा, कुंवारी कन्याओं के सम्मान, विधवाओं की सहायता और पत्नियों के भरण-पोषण, और शूरवीरता के क्रम से संबंधित अन्य सभी मामलों से वंचित कर रहा है। तो, हे मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट, सुंदर और बहादुर, आज ही प्रस्थान करें, कल नहीं; और यदि आपके उद्देश्य की पूर्ति के लिए किसी चीज़ की आवश्यकता हो, तो मैं स्वयं और धन से उसकी पूर्ति के लिए तैयार हूँ; और यदि आपके शाही दरबार में सहायक के रूप में आपकी गरिमा का अनुभव करना मेरे लिए सबसे बड़ा सौभाग्य होगा।"

इस पर डॉन क्विक्सोट ने सांचो की ओर मुड़कर कहा, "क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था, सांचो, कि मेरे लिए पर्याप्त से अधिक सहायक होंगे? देखो अब कौन सहायक बनने को तैयार है; कोई और नहीं बल्कि प्रख्यात कुंवारा सैमसन कैरास्को, जो सलामांका के स्कूलों के दरबारों का सदा आनंद और प्रसन्नता है, तंदुरुस्त, विवेकशील, गर्मी या सर्दी, भूख या प्यास में धैर्यवान, एक वीर योद्धा का सहायक बनने के लिए सभी आवश्यक गुणों से युक्त! लेकिन ईश्वर न करे कि मैं अपनी इच्छा पूरी करने के लिए इस विद्वान और विज्ञान के पात्र को हिला दूं या चकनाचूर कर दूं, और कला के इस ऊंचे और उदार स्तंभ को काट डालूं। इस नए सैमसन को अपने देश में ही रहने दो, और उसे सम्मान दिलाते हुए, साथ ही अपने आदरणीय माता-पिता के वृद्ध सिर को भी सम्मान दिलाओ; क्योंकि मैं किसी भी सहायक से संतुष्ट रहूंगा जो मुझे मिले, क्योंकि सांचो मेरे साथ आने की जहमत नहीं उठाता।"
"मैं यह स्वीकार करता हूँ," सांचो ने गहरी भावनाओं से भरकर और आँखों में आँसू लिए कहा; "मेरे स्वामी, मेरे बारे में यह नहीं कहा जाएगा," उसने आगे कहा, "'रोटी खा ली गई और मंडली तितर-बितर हो गई।'" नहीं, मैं किसी कृतघ्न वंश का नहीं हूँ, यह बात पूरी दुनिया जानती है, खासकर मेरा अपना शहर, जहाँ के लोग पांज़ा परिवार से हैं, जिनसे मेरा वंश चला आ रहा है; और इससे भी बढ़कर, मैंने कई अच्छे शब्दों और कार्यों से यह जाना और समझा है कि आप मुझ पर कृपा करना चाहते हैं; और अगर मैंने अपनी तनख्वाह के बारे में कुछ कम या ज्यादा मोलभाव किया है, तो वह केवल अपनी पत्नी को खुश करने के लिए था, जो जब किसी बात पर अड़ जाती है, तो उसे मनवाने के लिए वह किसी को भी हथौड़े से पीपे के छल्ले नहीं ठोकती, जैसे वह किसी को अपनी मर्जी के मुताबिक काम करवाती है; लेकिन, आखिरकार, एक पुरुष को पुरुष और एक स्त्री को स्त्री होना चाहिए; और चूंकि मैं वैसे भी एक पुरुष हूँ, जिसे मैं नकार नहीं सकता, तो मैं अपने घर में भी एक पुरुष ही रहूँगा, चाहे कोई इसे गलत समझे; इसलिए अब आपके पास इसके अलावा कोई चारा नहीं है कि आप अपनी वसीयत और उसके पूरक को इस तरह से तैयार करें कि उसे उकसाया न जा सके, और आइए हम तुरंत निकल पड़ें, ताकि सेनर सैमसन की आत्मा को कष्ट से बचाया जा सके, क्योंकि वह कहते हैं कि उनका अंतरात्मा उन्हें आपके साथ निकलने के लिए प्रेरित करता है। मैं तीसरी बार इस दुनिया में आया हूँ; इसलिए मैं एक बार फिर आपकी सेवा निष्ठापूर्वक और वफादारी से

करने का संकल्प लेता हूँ, उन सभी सहायकों की तरह जो अतीत या वर्तमान में वीर योद्धाओं की सेवा करते आए हैं।
जब कुंवारे ने सांचो के बोलने के लहजे और शैली को सुना तो वह आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि हालांकि उसने अपने गुरु के इतिहास का पहला भाग पढ़ा था, लेकिन उसने कभी नहीं सोचा था कि वह इतना मजाकिया हो सकता है जितना कि उसमें वर्णित था; लेकिन अब, जब उसने उसे "ऐसी वसीयत और पूरक वसीयत जिसे रद्द नहीं किया जा सकता" के बजाय "ऐसी वसीयत और पूरक वसीयत जिसे उकसाया नहीं जा सकता" की बात करते सुना, तो उसे अपने बारे में पढ़ी हुई हर बात पर विश्वास हो गया और उसने उसे आधुनिक युग के सबसे बड़े मूर्खों में से एक मान लिया; और उसने मन ही मन कहा कि गुरु और मनुष्य जैसे दो पागलों को दुनिया ने कभी नहीं देखा। अंत में, डॉन क्विक्सोट और सांचो गले मिले और मित्र बन गए, और महान कैरास्को, जो अब उनका मार्गदर्शक था, की सलाह और अनुमोदन से, यह तय किया गया कि वे तीन दिन बाद प्रस्थान करेंगे, तब तक वे यात्रा के लिए आवश्यक सभी चीजें तैयार कर लेंगे और एक बंद हेलमेट प्राप्त कर लेंगे, जिसे डॉन क्विक्सोट ने कहा कि उसे हर हाल में ले जाना है। सैमसन ने उसे एक वस्तु देने की पेशकश की, क्योंकि वह जानता था कि उसके एक मित्र के पास वह वस्तु थी और वह उसे मना नहीं करेगा, भले ही वह चमकीले स्टील की तरह चमकदार और साफ होने के बजाय जंग और फफूंदी से अधिक मैली थी।
नौकरानी और भतीजी ने कुंवारे पर जितनी गालियां बरसाईं, उनकी गिनती करना मुश्किल था; उन्होंने अपने बाल नोचे, अपने चेहरे नोचे और पुराने जमाने के मातम मनाने वालों की तरह अपने मालिक और चाचा के जाने पर विलाप किया, मानो उनकी मृत्यु हो गई हो। सैमसन का उसे दोबारा बाहर जाने के लिए राजी करने का इरादा वही था जो आगे इतिहास में बताया गया है; यह सब उसने पादरी और नाई की सलाह पर किया था, जिनसे उसने पहले इस विषय पर चर्चा की थी। अंततः, उन तीन दिनों के दौरान, डॉन क्विक्सोट और सांचो ने अपनी आवश्यकतानुसार सामान जुटा लिया। सांचो ने अपनी पत्नी और डॉन क्विक्सोट ने अपनी भतीजी और गृहणी को शांत करने के बाद, सूर्यास्त के समय, कुंवारे सैमसन के अलावा किसी की नज़र में आए बिना, जो उनके साथ गाँव से आधा मील दूर जाने के लिए उचित समझा, वे एल टोबोसो के लिए निकल पड़े। डॉन क्विक्सोट अपने अच्छे रोसिनांटे घोड़े पर और सांचो अपने पुराने डैपल घोड़े पर सवार थे। उनकी अलफोरजा में कुछ खाने-पीने का सामान था और उनके पर्स में डॉन क्विक्सोट द्वारा आपात

स्थिति के लिए दिए गए पैसे थे। सैमसन ने उन्हें गले लगाया और उनसे अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में बताने का अनुरोध किया, ताकि वे मित्रता के नियमों के अनुसार अच्छे भाग्य पर प्रसन्न हो सकें और बुरे भाग्य पर शोक व्यक्त कर सकें। डॉन क्विक्सोट ने उन्हें ऐसा करने का वादा किया और सैमसन गाँव लौट आए, जबकि अन्य दो एल टोबोसो के महान शहर की ओर चल पड़े।

अध्याय 8

इसमें डॉन क्विक्सोट के साथ अपनी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो से मिलने जाते समय घटी घटनाओं का वर्णन है।
"सर्वशक्तिमान अल्लाह धन्य हो!" हमेते बेनेनगेली इस आठवें अध्याय की शुरुआत में कहते हैं; "अल्लाह धन्य हो!" वे तीन बार दोहराते हैं; और वे कहते हैं कि वे यह धन्यवाद इसलिए दे रहे हैं क्योंकि उन्होंने डॉन क्विक्सोट और सांचो को मैदान में अच्छी तरह से उतार दिया है, और उनके इस मनोरंजक इतिहास के पाठक यह समझ सकते हैं कि डॉन क्विक्सोट और उनके साथी की उपलब्धियाँ और हास्य अब शुरू होने वाले हैं; और वे उनसे आग्रह करते हैं कि वे इस प्रतिभाशाली सज्जन के पिछले शौर्यों को भूल जाएं और आने वाले शौर्यों पर ध्यान केंद्रित करें, जो अब एल टोबोसो के रास्ते पर शुरू होते हैं, जैसे अन्य मोंटिएल के मैदानों पर शुरू हुए थे; और जो कुछ वे वादा करते हैं, उसके बदले में वे कुछ भी अधिक नहीं मांगते, और इसलिए वे आगे कहते हैं:
डॉन क्विक्सोट और सांचो अकेले रह गए, और जैसे ही सैमसन वहां से चले गए, रोसिनांटे हिनहिनाने लगी और डैपल आहें भरने लगी, जिसे शूरवीर और सहायक दोनों ने शुभ संकेत माना; हालांकि, सच कहा जाए तो डैपल की आहें और रेंकना घोड़े की हिनहिनाहट से कहीं अधिक तेज़ थे, जिससे सांचो ने अनुमान लगाया कि उसका सौभाग्य उसके स्वामी से भी अधिक होगा, शायद उसने किसी ज्योतिषीय ज्ञान के आधार पर ऐसा सोचा होगा, हालांकि इतिहास में इसका कोई उल्लेख नहीं है; इतना तो कहा जा सकता है कि जब वह ठोकर खाकर गिरता था, तो उसे यह कहते हुए सुना जाता था कि काश वह बाहर न आया होता, क्योंकि ठोकर खाने या गिरने से केवल जूता टूटना या पसली टूटना ही संभव था; और मूर्ख होते हुए भी, वह इस मामले में पूरी तरह गलत नहीं था।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "सांचो, मेरे मित्र, जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, रात गहरी होती जा रही है, और इतनी अंधेरी कि हम दिन के उजाले में एल टोबोसो नहीं पहुँच पाएँगे; क्योंकि मैंने वहाँ जाने का निश्चय किया है इससे पहले कि मैं किसी और साहसिक कार्य में लगूँ, और वहाँ मैं अद्वितीय डुलसीनिया का आशीर्वाद और उदार अनुमति प्राप्त करूँगा, जिसकी अनुमति से मुझे आशा है और मैं आश्वस्त हूँ कि मैं हर खतरनाक साहसिक कार्य को सुखद अंत तक

पहुँचाऊँगा; क्योंकि जीवन में कोई भी बात वीर योद्धाओं को उनकी प्रेमिकाओं का स्नेह पाने से अधिक साहसी नहीं बनाती।"
"मुझे भी यही लगता है," सांचो ने उत्तर दिया; "लेकिन मुझे लगता है कि आपके लिए उनसे बात करना या उन्हें देखना मुश्किल होगा, कम से कम ऐसी जगह पर जहाँ आप उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकें; जब तक कि, वास्तव में, वह इसे उस आंगन की दीवार के ऊपर से न फेंक दें जहाँ मैंने उन्हें पिछली बार देखा था, जब मैंने उन्हें वह पत्र दिया था जिसमें आपके द्वारा सिएरा मोरेना के मध्य में किए जा रहे मूर्खतापूर्ण और पागलपन भरे कामों का वर्णन था।"
"क्या तुमने उसे आंगन की दीवार समझा, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जहाँ या जिसके बारे में तुमने देखा कि उसकी सुंदरता और आकर्षण की कभी पर्याप्त प्रशंसा नहीं की गई? वह किसी समृद्ध और शाही महल की गैलरी, गलियारा या बरामदा रहा होगा।"
"हो सकता है कि यह सब वैसा ही रहा हो," सांचो ने जवाब दिया, "लेकिन मुझे तो यह एक दीवार की तरह लग रहा था, कहीं मेरी याददाश्त कमजोर तो नहीं है।"
"हर हाल में, चलो वहाँ चलते हैं, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि उसे देखने के लिए, चाहे वह दीवार के ऊपर से हो, खिड़की से हो, दरवाजे की दरार से हो या बगीचे की जाली से हो, मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता; उसकी सुंदरता की सूर्य की कोई भी किरण जो मेरी आँखों तक पहुँचेगी, वह मेरी बुद्धि को प्रकाश और मेरे हृदय को शक्ति प्रदान करेगी, जिससे मैं ज्ञान और वीरता में अद्वितीय और बेजोड़ हो जाऊँगा।"
"सच कहूँ तो, महोदय," सांचो ने कहा, "जब मैंने लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो का वह सूरज देखा, तो वह इतना चमकीला नहीं था कि किरणें बिखेर सके; ऐसा इसलिए हुआ होगा क्योंकि जब वह उस गेहूँ को छान रही थीं जिसके बारे में मैंने आपको बताया था, तो उनके द्वारा उड़ाई गई घनी धूल उनके चेहरे के सामने बादल की तरह आ गई और उसे धुंधला कर दिया।"
“क्या! क्या तुम अब भी यही कहते, सोचते, मानते और मानते हो कि मेरी पत्नी डुलसीनिया गेहूँ छान रही थी? जबकि यह काम और पेशा प्रतिष्ठित लोगों के काम से बिलकुल अलग है, जो अपनी पदवी को स्पष्ट रूप से दर्शाने वाले अन्य कामों और गतिविधियों के लिए बने होते हैं? हे सांचो, तुम हमारे कवि की उन पंक्तियों को भूल गए हो जिनमें उन्होंने हमारे लिए वर्णन किया है कि कैसे, अपने दिव्य निवासों में, वे चार अप्सराएँ जो अपने प्रिय टैगस नदी से उठीं

और हरे-भरे मैदान में बैठीं, उन वस्त्रों की कढ़ाई में लगी रहीं जिनका वर्णन उस प्रतिभाशाली कवि ने वहाँ किया है, कि कैसे वे सोने, रेशम और मोतियों से बुनी गई थीं; और जब तुमने मेरी पत्नी को देखा होगा, तब वह भी कुछ इसी तरह का काम कर रही होगी, लेकिन लगता है किसी दुष्ट जादूगर की मेरे प्रति द्वेष भावना उन सभी चीजों को बदल देती है जो मुझे आनंद देती हैं, और उन्हें उनके मूल रूप से अलग कर देती है; और इसलिए मुझे डर है कि मेरे उस इतिहास में जिन उपलब्धियों के बारे में वे कहते हैं कि अब वे छप चुकी हैं, अगर संयोगवश उसका लेखक कोई ऐसा विद्वान था जो मेरा शत्रु है, तो उसने एक बात को दूसरी से जोड़कर, हज़ारों झूठों को एक सत्य के साथ मिलाकर, और उन घटनाओं का वर्णन करके अपना मनोरंजन किया होगा जिनका सच्चे इतिहास के क्रम से कोई लेना-देना नहीं है। हे ईर्ष्या, असंख्य बुराइयों की जड़, और सद्गुणों का नाश करने वाली! हे सांचो, सभी दुर्गुण किसी न किसी प्रकार का आनंद देते हैं; परन्तु ईर्ष्या केवल झुंझलाहट, कड़वाहट और क्रोध ही देती है।
"मैं भी यही कहता हूं," सांचो ने जवाब दिया; और मुझे शक है कि हमारे बारे में उस किंवदंती या इतिहास में, जिसे कुंवारे सैमसन कैरास्को ने हमें देखने को कहा था, मेरी इज्जत मिट्टी में घसीटी जाती है, इधर-उधर पटकी जाती है, सड़कों पर झाड़ू लगाती है, जैसा कि लोग कहते हैं। फिर भी, एक ईमानदार आदमी होने के नाते, मैंने कभी किसी जादूगर की बुराई नहीं की, और मैं इतना अमीर भी नहीं हूँ कि मुझसे ईर्ष्या की जाए; बेशक, मैं थोड़ा चालाक हूँ, और मुझमें बदमाश की थोड़ी सी झलक है; लेकिन यह सब मेरी सादगी के बड़े आवरण से ढका हुआ है, जो हमेशा स्वाभाविक है और कभी बनावटी नहीं; और अगर मुझमें इसके अलावा कोई और गुण न होता कि मैं हमेशा की तरह, दृढ़ता और सच्चाई से ईश्वर में, और पवित्र रोमन कैथोलिक चर्च की सभी मान्यताओं और विश्वासों में विश्वास करता हूँ, और यह कि मैं यहूदियों का कट्टर दुश्मन हूँ, तो इतिहासकारों को मुझ पर दया करनी चाहिए और अपने लेखों में मेरे साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। लेकिन उन्हें जो कहना है कहने दो; मैं नंगा पैदा हुआ था, नंगा ही खुद को पाता हूँ, न मेरा कुछ खोता है न कुछ पाता है; बल्कि, जब मैं खुद को एक किताब में दर्ज होते और दुनिया भर में एक हाथ से दूसरे हाथ में जाते देखता हूँ, तो मुझे कोई परवाह नहीं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, उन्हें मेरे बारे में जो कहना है कहने दो।

"सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यह मुझे हमारे समय के एक प्रसिद्ध कवि की घटना की याद दिलाता है, जिसने सभी वेश्याओं के विरुद्ध एक तीखा व्यंग्य लिखा था, लेकिन उसमें एक ऐसी महिला का उल्लेख या नाम नहीं लिया, जिसके बारे में संदेह था कि वह वेश्या थी या नहीं। जब उसने देखा कि कवि की सूची में उसका नाम नहीं है, तो उसने उससे पूछा कि उसने उसमें ऐसा क्या देखा कि उसे अन्य महिलाओं में शामिल नहीं किया, और उसे अपने व्यंग्य में उसे जोड़ना होगा और नए भाग में उसका नाम डालना होगा, अन्यथा परिणाम भुगतने होंगे। कवि ने उसकी बात मान ली और उसे कतई बदनामी से वंचित कर दिया, और वह बदनामी के बावजूद प्रसिद्धि पाकर संतुष्ट हो गई। इसी के अनुरूप उस चरवाहे की कहानी है जिसने डायना के प्रसिद्ध मंदिर में आग लगा दी थी, जो विश्व के सात अजूबों में से एक माना जाता था, और उसने केवल अपने नाम को आने वाली पीढ़ियों में अमर करने के उद्देश्य से उसे जलाया था; और यद्यपि उसका नाम लेना या मौखिक या लिखित रूप से उसका उल्लेख करना वर्जित था, कहीं ऐसा न हो कि उसकी महत्वाकांक्षा पूरी हो जाए, फिर भी यह ज्ञात हो गया कि उनका नाम एरोस्ट्रेटस था। कुछ इसी तरह की घटना महान सम्राट चार्ल्स पंचम और रोम के एक सज्जन के मामले में घटी। सम्राट रोटुंडा के उस प्रसिद्ध मंदिर को देखने के लिए उत्सुक थे, जिसे प्राचीन काल में 'सभी देवताओं का मंदिर' कहा जाता था, लेकिन आजकल इसे बेहतर नाम से 'सभी संतों का मंदिर' कहा जाता है। यह रोम में मूर्तिपूजा से निर्मित सभी इमारतों में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित इमारत है, और अपने संस्थापकों के महान कार्यों और भव्यता की प्रतिष्ठा को सबसे अच्छी तरह से कायम रखती है। यह आधे संतरे के आकार का है, विशाल आयामों वाला है, और अच्छी तरह से प्रकाशित है, हालांकि इसमें केवल ऊपर की ओर एक खिड़की, या कहें गोल रोशनदान से आने वाली रोशनी ही प्रवेश करती है; और इसी से सम्राट ने इमारत का निरीक्षण किया। एक रोमन सज्जन उनके बगल में खड़े थे और उन्होंने उन्हें विशाल संरचना के कुशल निर्माण और उसकी अद्भुत वास्तुकला के बारे में बताया, और जब वे रोशनदान से बाहर निकले तो उन्होंने सम्राट से कहा, 'हजार बार, महाराज, मुझे यह प्रेरणा मिली।' मैं महाराज को अपनी बाहों में भरकर उस रोशनदान से नीचे कूद जाना चाहता हूँ, ताकि मैं दुनिया में एक ऐसा नाम छोड़ जाऊँ जो हमेशा के लिए अमर रहे।' सम्राट ने कहा, 'मैं तुम्हारा आभारी हूँ कि तुमने ऐसा बुरा विचार अमल में नहीं लाया, और मैं तुम्हें भविष्य में फिर कभी अपनी वफादारी की परीक्षा लेने का मौका

नहीं दूँगा; इसलिए मैं तुम्हें कभी भी मुझसे बात करने या मेरे आस-पास रहने से मना करता हूँ।' इन शब्दों के बाद उन्होंने उसे एक बड़ी राशि भेंट की। मेरा मतलब है, सांचो, कि प्रसिद्धि पाने की इच्छा एक बहुत शक्तिशाली प्रेरणा होती है। तुम्हें क्या लगता है, वह क्या था जिसने होराटियस को पूरे कवच के साथ पुल से टाइबर नदी की गहराई में फेंक दिया? मुटियस का हाथ और बांह किसने जला दी? कर्टियस को रोम के बीचोंबीच खुले गहरे जलते हुए गड्ढे में कूदने के लिए किसने प्रेरित किया? उसके खिलाफ सभी अपशकुनों के विपरीत, जूलियस सीज़र को रूबिकॉन नदी पार करने के लिए किसने प्रेरित किया? और अधिक आधुनिक उदाहरणों की बात करें तो, किसने जहाजों को डुबो दिया, और सबसे विनम्र कॉर्टेस की कमान के तहत वीर स्पेनियों को नई दुनिया में फंसाकर अलग-थलग कर दिया? ये सभी और कई अन्य महान कारनामे हैं, थे। और होगा, वो प्रसिद्धि का काम जिसे मनुष्य पुरस्कार के रूप में और अपने प्रसिद्ध कर्मों से मिलने वाली अमरता के एक अंश के रूप में चाहते हैं; यद्यपि हम कैथोलिक ईसाई और वीर योद्धा इस क्षणभंगुर जीवन में अर्जित होने वाली प्रसिद्धि की व्यर्थता की तुलना में स्वर्ग के दिव्य लोकों में शाश्वत भविष्य की महिमा की ओर अधिक देखते हैं; एक ऐसी प्रसिद्धि जो चाहे कितनी भी लंबी चले, अंततः संसार के साथ ही समाप्त हो जाएगी, जिसका अपना नियत अंत है। इसलिए, हे सांचो, हमें अपने कार्यों में उन सीमाओं का उल्लंघन नहीं करना चाहिए जो हमारे ईसाई धर्म ने हमारे लिए निर्धारित की हैं। हमें अहंकार को, ईर्ष्या को उदारता और हृदय की महानता से, क्रोध को शांत स्वभाव और समभाव से, लालच और आलस्य को संयमित आहार और लंबे जागरण से, वासना और व्यभिचार को उन लोगों के प्रति वफादारी से, जिन्हें हमने अपने विचारों का केंद्र बनाया है, और दुनिया भर में घूमकर खुद को ईसाई होने के साथ-साथ प्रसिद्ध योद्धा बनाने के अवसरों की तलाश करने से होने वाली सुस्ती को नष्ट करना होगा। "सांचो, यही वो साधन हैं जिनके द्वारा हम प्रशंसा की उन चरम सीमाओं तक पहुँचते हैं जो अच्छी प्रसिद्धि अपने साथ लाती है।"
"अब तक आपने जो कुछ भी कहा है," सांचो ने कहा, "मैं उसे अच्छी तरह समझ गया हूँ; लेकिन फिर भी मुझे खुशी होगी यदि आप मेरे मन में अभी-अभी आए एक संदेह को दूर कर दें।"
"तुम्हारा मतलब है, सांचो, इसका हल निकालो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "भगवान के नाम पर, बोलते रहो, और मैं यथासंभव उत्तर दूंगा।"

"मुझे बताइए, महोदय," सांचो ने आगे कहा, "वे जुलाई या अगस्त के महीने, और वे सभी साहसी शूरवीर जिनके बारे में आप कहते हैं कि अब वे मर चुके हैं - वे अब कहाँ हैं?"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "गैर-ईसाई निस्संदेह नरक में हैं; ईसाई, यदि वे अच्छे ईसाई हैं, तो या तो शुद्धिस्थल में हैं या स्वर्ग में।"
"बहुत अच्छा," सांचो ने कहा; "लेकिन अब मैं जानना चाहता हूँ—जिन मकबरों में उन महान सरदारों के शव दफन हैं, क्या उनके सामने चांदी के दीपक हैं, या उनकी कुटियाओं की दीवारें बैसाखियों, कफ़न, बालों की लटों, मोम से बनी टांगों और आँखों से सजी हैं? या वे किससे सजी हैं?"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया: "गैर-ईसाइयों के मकबरे आम तौर पर भव्य मंदिर होते थे; जूलियस सीज़र के शरीर की राख एक विशाल पत्थर के पिरामिड के ऊपर रखी गई थी, जिसे अब रोम में सेंट पीटर की सुई कहा जाता है। सम्राट हैड्रियन का मकबरा एक बड़े गाँव जितना विशाल महल था, जिसे वे मोल्स एड्रिआनी कहते थे, और अब यह रोम में सेंट एंजेलो का महल है। रानी आर्टेमिसिया ने अपने पति मौसोलस को एक ऐसे मकबरे में दफनाया था जिसे दुनिया के सात अजूबों में से एक माना जाता था; लेकिन इनमें से किसी भी मकबरे को, या गैर-ईसाइयों के कई अन्य मकबरों को, कफ़न या उन अन्य भेंटों और प्रतीकों से नहीं सजाया गया था जो यह दर्शाते हैं कि वहाँ दफनाए गए लोग संत हैं।"
"मैं इसी बात पर आ रहा हूँ," सांचो ने कहा; "और अब मुझे बताओ, कौन सा काम ज़्यादा बड़ा है, एक मरे हुए आदमी को ज़िंदा करना या एक दैत्य को मारना?" "इसका जवाब आसान है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "एक मरे हुए आदमी को जीवित करना कहीं बड़ा काम है।"
"अब मैंने तुम्हें पकड़ लिया है," सांचो ने कहा; "तो क्या मुर्दों को जीवन देने वालों, अंधों को दृष्टि देने वालों, लंगड़ों को ठीक करने वालों, बीमारों को स्वास्थ्य प्रदान करने वालों, जिनकी कब्रों पर दीपक जलते हैं, और जिनके गिरजाघर उनके अवशेषों की पूजा करने वाले भक्तों से भरे रहते हैं, की प्रसिद्धि इस जीवन में और परलोक में उन सभी मूर्तिपूजक सम्राटों और वीर योद्धाओं की प्रसिद्धि से कहीं अधिक बेहतर होगी जो अब तक इस दुनिया में रहे हैं या रह सकते हैं?"
"मैं यह भी मानता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा।

“तो यह प्रसिद्धि, ये कृपाएँ, ये विशेषाधिकार, या आप इसे जो भी कहें,” सांचो ने कहा, “उन संतों के शरीरों और अवशेषों से संबंधित हैं, जिन्हें हमारी पवित्र माता गिरजाघर की स्वीकृति और अनुमति से दीपक, मोमबत्तियाँ, कफ़न, बैसाखियाँ, चित्र, आँखें और पैर दिए जाते हैं, जिनके माध्यम से वे भक्ति बढ़ाते हैं और अपनी ईसाई प्रतिष्ठा में वृद्धि करते हैं। राजा संतों के शरीरों या अवशेषों को अपने कंधों पर उठाते हैं, उनकी हड्डियों के टुकड़ों को चूमते हैं और उनसे अपने प्रार्थना कक्षों और प्रिय वेदियों को सुशोभित करते हैं।”
"सांचो, तुमने जो कुछ कहा है, उससे मैं क्या निष्कर्ष निकालूं?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
सांचो ने कहा, "मेरा मतलब यह है कि हमें संत बनने का प्रयास करना चाहिए, और हम जिस यश की प्राप्ति के लिए प्रयासरत हैं, वह हमें शीघ्र ही प्राप्त हो जाएगा; क्योंकि आप जानते हैं, महोदय, कल या परसों (क्योंकि यह बहुत हाल की बात है) दो छोटे नंगे पैर वाले भिक्षुओं को संत घोषित किया गया था, और अब उन लोहे की जंजीरों को चूमना या छूना सबसे बड़ा सौभाग्य माना जाता है जिनसे उन्होंने अपने शरीर को जकड़कर यातना दी थी, और कहा जाता है कि उन्हें हमारे प्रभु राजा के शस्त्रागार में रोलैंड की तलवार से भी अधिक सम्मान दिया जाता है, ईश्वर उनकी रक्षा करें। इसलिए, महोदय, किसी भी संप्रदाय का एक विनम्र छोटा भिक्षु होना एक वीर योद्धा होने से बेहतर है; ईश्वर के लिए प्रायश्चित के रूप में दो दर्जन कोड़े दो हजार भाले के वार से कहीं अधिक प्रभावी होते हैं, चाहे वे दानवों, दैत्यों या अजगरों को ही क्यों न मारे गए हों।"
"यह सब सच है," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "लेकिन हम सभी साधु नहीं हो सकते, और ईश्वर अपने लोगों को स्वर्ग ले जाने के अनेक तरीके अपनाता है; वीरता एक धर्म है, और गौरवशाली संत योद्धा भी हैं।"
"हाँ," सांचो ने कहा, "लेकिन मैंने सुना है कि स्वर्ग में शूरवीरों की तुलना में अधिक साधु हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ऐसा इसलिए है क्योंकि धार्मिक संगठनों में रहने वाले लोग शूरवीरों की तुलना में अधिक संख्या में हैं।"
"गलत रास्ते पर चलने वाले बहुत हैं," सांचो ने कहा।

"बहुत से हैं," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "लेकिन शूरवीर कहलाने के योग्य बहुत कम हैं।"
इन और इसी तरह की अन्य चर्चाओं में ही उन्होंने वह रात और अगला दिन बिताया, लेकिन कुछ भी उल्लेखनीय घटना नहीं घटी, जिससे डॉन क्विक्सोट काफी निराश हो गया; लेकिन अंततः अगले दिन, भोर होते ही, उन्होंने एल टोबोसो का विशाल शहर देखा, जिसे देखकर डॉन क्विक्सोट का उत्साह बढ़ गया और सांचो का उत्साह कम हो गया, क्योंकि वह डुलसीनिया के घर को नहीं जानता था, और अपने स्वामी की तरह उसने भी उसे अपने पूरे जीवन में कभी नहीं देखा था; इसलिए वे दोनों बेचैन थे, एक उसे देखने के लिए, दूसरा उसे न देखने के लिए, और सांचो को समझ नहीं आ रहा था कि जब उसके स्वामी ने उसे एल टोबोसो भेजा तो उसे क्या करना चाहिए। अंत में, डॉन क्विक्सोट ने सूर्यास्त के समय शहर में प्रवेश करने का निश्चय किया, और वे एल टोबोसो के पास कुछ बलूत के पेड़ों के बीच समय आने का इंतजार करने लगे; और जब तय समय आ गया, तो उन्होंने शहर में प्रवेश किया, जहाँ उनके साथ कुछ ऐसा घटित हुआ जिसे वास्तव में महत्वपूर्ण घटना कहा जा सकता है।

अध्याय 9

जिसमें यह संबंधित है कि वहां क्या देखा जाएगा
लगभग आधी रात के समय डॉन क्विक्सोट और सांचो जंगल से निकलकर एल टोबोसो में दाखिल हुए। शहर में गहरी खामोशी छाई हुई थी, क्योंकि सभी निवासी सो रहे थे और कहावत के अनुसार, पीठ के बल लेटे हुए थे। रात काफी अंधेरी थी, हालांकि सांचो को खुशी होती अगर पूरी तरह से अंधेरा होता, ताकि वह अपनी गलती के लिए अंधेरे में बहाना ढूंढ सके। चारों ओर कुत्तों के भौंकने के अलावा कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा था, जिससे डॉन क्विक्सोट के कान बहरे हो गए और सांचो का दिल बेचैन हो गया। कभी-कभी गधे की आवाज आती, सूअर गुर्राते, बिल्लियाँ म्याऊँ करतीं, और रात की खामोशी में उनकी ये सारी आवाजें और भी तेज सुनाई देतीं; इन सभी को प्रेम में डूबे शूरवीर ने अपशगुन समझा; फिर भी उसने सांचो से कहा, "सांचो, मेरे बेटे, मुझे डुलसीनिया के महल की ओर ले चलो, हो सकता है कि वह जाग रही हो।"
"सूर्य के शरीर! मैं किस महल में ले जाऊँगा?" सांचो ने कहा, "जब मैंने महारानी को केवल एक छोटे से घर में देखा था?"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "संभवतः वह अपने महल के किसी छोटे से कमरे में चली गई होगी, जहाँ वह युवतियों के साथ समय बिताने गई होगी, जैसा कि बड़ी महिलाएं और राजकुमारियां किया करती थीं।"
"महाराज," सांचो ने कहा, "यदि महाराज मेरी बात न मानें तो भी मेरी पत्नी डुलसीनिया का घर एक महल है, तो क्या आपको लगता है कि यह दरवाजा खुला पाने का सही समय है? और क्या हमारे लिए तब तक दस्तक देना उचित होगा जब तक वे हमें सुनकर दरवाजा न खोल दें और पूरे घर में शोर-शराबा और गड़बड़ी न मचा दें? क्या हम, आपको क्या लगता है, अपनी दासियों के घर ऐसे जा रहे हैं जैसे आशिक लोग किसी भी समय आते हैं, दस्तक देते हैं और अंदर चले जाते हैं, चाहे कितनी भी देर हो जाए?"
"पहले तो हम महल का पता लगा लें," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और फिर मैं तुम्हें, सांचो, बताऊंगा कि हमें क्या करना चाहिए; लेकिन देखो, सांचो, क्योंकि या तो मुझे ठीक से दिखाई नहीं दे रहा है, या फिर यहाँ से जो काला ढांचा दिखाई दे रहा है वह डुलसीनिया का महल होना चाहिए।"

"तो फिर अपनी उपासना को मार्गदर्शित होने दो," सांचो ने कहा, "शायद ऐसा ही हो; भले ही मैं इसे अपनी आँखों से देखूँ और अपने हाथों से स्पर्श करूँ, मैं इस पर उतना ही विश्वास करूँगा जितना कि मैं अभी दिन के उजाले पर विश्वास करता हूँ।"
डॉन क्विक्सोट ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगभग दो सौ कदम चलने के बाद वह उस विशालकाय संरचना के पास पहुँचा जिससे छाया उत्पन्न हो रही थी। उसने पाया कि वह एक विशाल मीनार थी। तब उसे एहसास हुआ कि वह इमारत कोई महल नहीं बल्कि शहर का मुख्य गिरजाघर था, और उसने कहा, "सांचो, यही वह गिरजाघर है जिस पर हम उतरे हैं।"
"तो मुझे ऐसा ही लगता है," सांचो ने कहा, "और ईश्वर करे कि हम अपनी कब्रों पर न पहुँचें; रात के इस समय कब्रिस्तान में भटकना अच्छा संकेत नहीं है; और जैसा कि मैंने आपको बताया, अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो इस महिला का घर एक ऐसी गली में होगा जहाँ से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है।"
"हे मूर्ख! ईश्वर का श्राप तुझ पर पड़े!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "तूने भला कहाँ सुना है कि बिना निकास वाली गलियों में महल और राजमहल बनाए जाते हैं?"
"महाराज," सांचो ने उत्तर दिया, "हर देश का अपना तरीका होता है; शायद एल टोबोसो में गलियों में महल और भव्य इमारतें बनाना आम बात है; इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मुझे इन गलियों में खोजने की अनुमति दें, और शायद किसी कोने में मुझे यह महल मिल जाए—और काश मैं उन कुत्तों को देख पाता जो हमें इस तरह घुमाने के लिए इसे खा रहे हैं।"
"मेरी मालकिन की चीज़ों का सम्मानपूर्वक ध्यान रखें, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "आइए हम शांति से दावत मनाएं, और बाल्टी के पीछे रस्सी न फेंकें।"
"मैं चुप रहूंगा," सांचो ने कहा, "लेकिन मैं इसे कैसे धैर्यपूर्वक सहन कर सकता हूं जब महाराज चाहते हैं कि मैं, केवल एक बार हमारी मालकिन का घर देखकर, उसे हमेशा के लिए जान लूं, और उसे आधी रात में ढूंढ लूं, जबकि महाराज उसे नहीं ढूंढ पा रहे हैं, जबकि उन्होंने उसे हजारों बार देखा होगा?" "सांचो, तुम मुझे हताशा की ओर धकेल दोगे," डॉन क्विक्सोट ने कहा। "देखो, विधर्मी, क्या मैंने तुम्हें हज़ार बार नहीं बताया कि मैंने अपने जीवन में कभी भी अद्वितीय डुलसीनिया को नहीं देखा है और न ही उसके महल की दहलीज पार

की है, और मैं केवल सुनी-सुनाई बातों और उसकी सुंदरता और विवेक के लिए उसकी महान प्रतिष्ठा से मोहित हूँ?"
"अब मुझे सुनाई दे रहा है," सांचो ने जवाब दिया; "और मैं आपको बता सकता हूँ कि अगर आपने उसे नहीं देखा है, तो मैंने भी नहीं देखा है।"
"ऐसा नहीं हो सकता," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि तुमने कम से कम यह तो कहा था कि मेरे द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर लाते समय तुमने उसे गेहूँ छानते हुए देखा था।"
"इस बात की चिंता मत कीजिए, महोदय," सांचो ने कहा; "मुझे आपको यह बताना होगा कि मैंने उसे देखा था और जो जवाब मैं आपके लिए लाया था, वह भी सुनी-सुनाई बातों पर आधारित था, क्योंकि मैं यह नहीं बता सकता कि महिला डुलसीनिया कौन है, ठीक वैसे ही जैसे मैं आकाश को नहीं मार सकता।"
"सांचो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मजाक करने का भी समय होता है और मजाक करना अनुचित भी होता है; अगर मैं तुमसे कहूँ कि मैंने अपनी प्रेमिका को न तो देखा है और न ही उससे बात की है, तो इसका यह मतलब नहीं है कि तुम भी कहो कि तुमने उससे बात नहीं की या उसे देखा नहीं है, जबकि सच्चाई इसके विपरीत है, जैसा कि तुम अच्छी तरह जानते हो।"
जब वे दोनों इस बातचीत में मशगूल थे, तभी उन्होंने देखा कि कोई व्यक्ति दो खच्चरों के साथ उनकी ओर आ रहा है। हल के चलने की आवाज़ से उन्होंने अनुमान लगाया कि वह कोई मज़दूर होगा जो सुबह सूरज निकलने से पहले काम पर चला गया होगा, और ऐसा ही हुआ। वह गाते हुए आया, जिसमें कहा गया है—
हे फ्रांस के लोगो, रोंसेसवेल्ल में हुई इस खोज में तुम्हारा बुरा हाल हुआ।
"सांचो, अगर आज रात हमारे लिए कुछ अच्छा होने वाला है तो मैं मर जाऊं! क्या तुम नहीं सुन रहे कि वह मसखरा क्या गा रहा है?"
"हाँ," सांचो ने कहा, "लेकिन रोंसेसवेलेस के पीछा करने का हमारे हाथ में जो है उससे क्या लेना-देना है? हमारे काम में चाहे जो भी अच्छा या बुरा हो, वह तो मानो कैलेनोस का गीत ही गा रहा हो।"
तब तक मजदूर आ चुका था, और डॉन क्विक्सोट ने उससे पूछा, "हे मेरे प्रिय मित्र, और ईश्वर आपका भला करे, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि अद्वितीय राजकुमारी डोना डुलसीनिया डेल टोबोसो का महल कहाँ स्थित है?"

“महोदय,” लड़के ने उत्तर दिया, “मैं अजनबी हूँ और कुछ ही दिनों से इस कस्बे में एक धनी किसान के यहाँ खेती का काम कर रहा हूँ। सामने वाले घर में गाँव का पादरी और चर्च का सेवक रहते हैं, और वे दोनों या उनमें से कोई एक इस राजकुमारी के बारे में आपको कुछ जानकारी दे सकता है, क्योंकि उनके पास एल टोबोसो के सभी लोगों की सूची है; हालाँकि मेरा मानना है कि पूरे गाँव में कोई राजकुमारी नहीं रहती; वहाँ कई कुलीन महिलाएँ हैं, और उनमें से हर एक अपने घर में राजकुमारी हो सकती है।”
"तो फिर, जिसकी मैं तलाश कर रहा हूँ, वह इन्हीं में से एक होगी, मेरे दोस्त," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"हो सकता है," लड़के ने उत्तर दिया; "ईश्वर आपका भला करे, क्योंकि अब सुबह हो रही है;" और उसके और सवालों का इंतजार किए बिना, उसने अपने खच्चरों को चाबुक मारा।
अपने स्वामी को उदास और कुछ असंतुष्ट देखकर सांचो ने उनसे कहा, "महाराज, जल्द ही दिन निकल आएगा, और सड़क पर धूप में रहना हमारे लिए ठीक नहीं होगा; बेहतर होगा कि हम शहर छोड़ दें और आप आस-पास के किसी जंगल में छिप जाएं। मैं दिन के उजाले में वापस आऊंगा और पूरे गांव के कोने-कोने में अपनी मालकिन का घर, महल या राजमहल ढूंढूंगा, और अगर मुझे वह नहीं मिला तो यह मेरे लिए दुर्भाग्य की बात होगी। और जैसे ही मुझे वह मिल जाएगा, मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें बताऊंगा कि आप कहां और कैसे उनका इंतजार कर रहे हैं ताकि मैं आपके लिए उनसे मिलने की कोई योजना बना सकूं और उनकी प्रतिष्ठा और मान-सम्मान को कोई नुकसान न पहुंचे।"
“सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “तुमने कुछ ही शब्दों में हज़ारों वाक्यों का सार समेट दिया है; मैं तुम्हारे द्वारा दी गई सलाह के लिए तुम्हारा धन्यवाद करता हूँ और इसे सहर्ष स्वीकार करता हूँ। आओ, मेरे पुत्र, चलो कोई ऐसी जगह ढूँढ़ें जहाँ मैं छिप सकूँ, जबकि तुम वापस लौटकर मेरी पत्नी से मिलो और उनसे बात करो, जिनकी विवेकशीलता और शिष्टाचार से मुझे चमत्कारिक कृपा की आशा है।”
सांचो अपने स्वामी को शहर से बाहर निकालने के लिए बेचैन था, कहीं ऐसा न हो कि उन्हें डुलसीनिया की ओर से सिएरा मोरेना में लाए गए उसके उत्तर की झूठी सच्चाई का पता चल जाए; इसलिए उसने उनके प्रस्थान में तेजी लाई, और वे तुरंत निकल पड़े। गाँव से दो मील दूर उन्हें एक जंगल या झाड़ी मिली जहाँ डॉन

क्विक्सोट ने शरण ली, जबकि सांचो डुलसीनिया से बात करने के लिए शहर लौट आया। इस यात्रा के दौरान उसके साथ कुछ ऐसी घटनाएँ घटीं जिन पर नए सिरे से ध्यान देने और एक नए अध्याय की आवश्यकता है।

10

अध्याय
इसमें सांचो द्वारा लेडी डुलसीनिया को मोहित करने के लिए अपनाई गई चालाकी भरी युक्ति और अन्य ऐसी ही हास्यास्पद लेकिन सच्ची घटनाओं का वर्णन है। जब इस महान इतिहास के लेखक इस अध्याय में लिखी गई बातों का वर्णन करने आते हैं, तो वे कहते हैं कि वे इसे चुपचाप ही कहना पसंद करते, क्योंकि उन्हें डर था कि इस पर विश्वास नहीं किया जाएगा। यहाँ डॉन क्विक्सोट का पागलपन कल्पना से परे चरम सीमा तक पहुँच जाता है, और उससे भी कहीं आगे निकल जाता है। लेकिन अंततः, उसी भय और आशंका के बावजूद, उन्होंने कहानी में कुछ भी जोड़े बिना या सत्य का एक अंश भी छोड़े बिना, और अपने ऊपर लगाए जा सकने वाले झूठ के आरोपों की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए, इसे दर्ज कर लिया है; और वे सही थे, क्योंकि सत्य भले ही सूक्ष्म रूप से बहता हो, लेकिन टूटता नहीं है, और हमेशा झूठ से ऊपर उठता है, जैसे तेल पानी से ऊपर उठता है। और फिर, अपनी कहानी को आगे बढ़ाते हुए, वह कहता है कि जैसे ही डॉन क्विक्सोट एल टोबोसो के पास के जंगल, ओक के पेड़ों के झुरमुट या किसी अन्य वन में छिप गया, उसने सांचो को शहर लौटने का आदेश दिया और कहा कि वह अपनी पत्नी से बात किए बिना दोबारा उसके सामने न आए। उसने अपनी पत्नी से विनती की कि वह अपने दास योद्धा को दर्शन दे और उसे अपना आशीर्वाद प्रदान करे, ताकि वह अपने सभी संघर्षों और कठिन कार्यों में सफलता की आशा कर सके। सांचो ने निर्देशों के अनुसार कार्य करने और पहले की तरह ही सटीक उत्तर लाने का वचन दिया।
“जाओ, मेरे बेटे,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और जब तुम उस सौंदर्य की सूर्य जैसी ज्योति के प्रकाश में आओगे, जिसकी तुम तलाश में जा रहे हो, तो चकित मत होना। तुम संसार के सभी सरदारों से अधिक भाग्यशाली हो! याद रखना, और इसे कभी मत भूलना, कि वह तुम्हारा स्वागत कैसे करती है; यदि मेरा संदेश देते समय उसका रंग बदल जाए; यदि मेरा नाम सुनकर वह व्याकुल और विचलित हो जाए; यदि वह अपने पद के अनुरूप भव्य राजकक्ष में बैठी हो, तो यदि वह अपने तकिये पर आराम न कर पाए; और यदि वह खड़ी हो, तो ध्यान देना कि क्या वह कभी एक पैर पर, कभी दूसरे पैर पर खड़ी होती है; क्या वह तुम्हें दिए गए उत्तर को दो-तीन बार दोहराती है; क्या वह कोमलता से कठोरता की ओर, कठोरता से कोमलता की ओर बदलती है; क्या वह अपने बालों को संवारने के लिए हाथ उठाती है, भले ही वे

बिखरे हुए न हों। संक्षेप में, मेरे बेटे, उसके सभी कार्यों और हाव-भावों का ध्यान रखना, क्योंकि यदि तुम उन्हें मुझे उसी रूप में बताना चाहते हो, तो यह तुम्हारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।” मैं उसके दिल की गहराइयों में छिपे मेरे प्रेम के बारे में सब कुछ जान लूँगा; क्योंकि मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ, सांचो, अगर तुम नहीं जानते, कि प्रेमियों के बीच प्रेम के समय उनके बाहरी हाव-भाव और हरकतें ही उनके दिल की गहराई में चल रही बातों का सच्चा संदेशवाहक होती हैं। जाओ, मेरे मित्र, तुम्हारा भाग्य मुझसे भी बेहतर हो और तुम्हें उस परिणाम से भी सुखद परिणाम मिले जिसका मैं इस उदास एकांत में भय से इंतजार कर रहा हूँ।
"मैं जाता हूँ और जल्दी लौट आता हूँ," सांचो ने कहा; "अपने उस छोटे से दिल को हिम्मत दो, मेरे स्वामी, क्योंकि इस समय तो तुम्हारा दिल बिल्कुल खाली सा लग रहा है; याद रखो, कहते हैं ना कि मजबूत दिल बदकिस्मती को दूर भगाता है, और जहाँ तीर नहीं होते वहाँ खूंटे भी नहीं होते; और तो और, खरगोश वहाँ उछल पड़ता है जहाँ उसकी उम्मीद नहीं होती। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि अगर आज रात हम मेरी मालकिन के महल या किले नहीं ढूंढ पाए, तो अब दिन हो गया है, मुझे पूरा भरोसा है कि मैं उन्हें तब ढूंढ लूंगा जब मुझे इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होगी, और एक बार मिल जाने पर, उन्हें संभालने का जिम्मा मुझ पर छोड़ देना।"
"सचमुच, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तुम हमेशा खुशी-खुशी अपनी कहावतें लाते हो, चाहे हम किसी भी विषय पर बात कर रहे हों; ईश्वर मुझे मेरी चिंताओं में बेहतर भाग्य प्रदान करे।"
इसके साथ ही, सांचो मुड़ा और डैपल को छड़ी दे दी, और डॉन क्विक्सोट अपने घोड़े पर बैठा, रकाब में आराम करता हुआ और अपने भाले के सिरे पर टिका हुआ, उदास और परेशान आशंकाओं से भरा हुआ पीछे रह गया; और हम उसे यहीं छोड़ देंगे, और सांचो के साथ चलेंगे, जो अपने स्वामी को छोड़ने की तरह ही गंभीर और परेशान था। बात इतनी बढ़ गई कि जैसे ही वह झाड़ियों से बाहर निकला और चारों ओर देखा कि डॉन क्विक्सोट कहीं नज़र नहीं आ रहा है, वह अपने गधे से उतर गया और एक पेड़ के नीचे बैठकर खुद से बातें करने लगा, "अब, भाई सांचो, हमें बताओ कि महाराज कहाँ जा रहे हैं। क्या आप किसी खोए हुए गधे को ढूंढने जा रहे हैं? बिलकुल नहीं। तो फिर आप क्या ढूंढने जा रहे हैं? मैं एक राजकुमारी को ढूंढने जा रहा हूँ, बस इतना ही; और उसमें सौंदर्य का सूर्य और

सारा स्वर्ग एक साथ है। और आपको यह सब कहाँ मिलने की उम्मीद है, सांचो? कहाँ? अरे, महान शहर एल टोबोसो में। अच्छा, और आप उसे किसके लिए ढूंढने जा रहे हैं? ला मांचा के प्रसिद्ध योद्धा डॉन क्विक्सोट के लिए, जो अन्याय का निवारण करता है, प्यासों को भोजन और भूखों को पानी पिलाता है। यह सब तो ठीक है, लेकिन क्या आप उसका घर जानते हैं, सांचो? मेरे स्वामी कहते हैं कि यह कोई शाही महल या भव्य किला होगा। और क्या आपने उसे कभी देखा है? न तो मैंने और न ही मेरे मालिक ने उसे कभी नहीं देखा। और क्या आपको नहीं लगता कि यह न्यायसंगत और उचित होगा यदि एल टोबोसो के लोग, यह जानकर कि आप उनकी राजकुमारियों के साथ छेड़छाड़ करने और उनकी महिलाओं को परेशान करने के इरादे से यहाँ आए हैं, आकर आपकी पसलियों को पीट-पीट कर तोड़ दें और आपकी एक भी हड्डी न छोड़ें? उनके पास वास्तव में ऐसा करने का बहुत अच्छा कारण होगा, यदि वे यह न देखें कि मैं आदेशों का पालन कर रहा हूँ, और 'आप एक संदेशवाहक हैं, मेरे मित्र, इसमें आपका कोई दोष नहीं है।' सांचो, इस पर भरोसा मत करो, क्योंकि मांचेगा के लोग जितने ईमानदार हैं उतने ही गुस्सैल भी हैं, और किसी की भी मनमानी बर्दाश्त नहीं करेंगे। भगवान कसम, अगर उन्हें तुम्हारी भनक लग गई, तो तुम्हारा बुरा हाल होगा, मैं वादा करता हूँ। दफा हो जाओ, बदमाश! यहाँ से चले जाओ। मैं किसी दूसरे आदमी को खुश करने के लिए बिल्ली के तीन पैर क्यों ढूँढूँ? और उससे भी बड़ी बात, जब मैं डुलसीनिया को ढूँढ रहा हूँ तो मेरा मतलब रेवेना में मारिका को ढूँढना होगा, या सलामांका में कुंवारे को? शैतान ने ही मुझे इस धंधे में फंसाया है!
सांचो मन ही मन यही बातें कर रहा था, और अंत में वह यही निष्कर्ष निकाल सका कि उसने फिर से खुद से कहा, "खैर, मृत्यु को छोड़कर हर चीज का इलाज है, जिसके बंधन में हम सबको जीवन समाप्त होने पर गुजरना ही है, चाहे हम चाहें या न चाहें। मैंने हजारों संकेतों से देखा है कि मेरा यह स्वामी पागल है, और इस मामले में, मैं भी उससे पीछे नहीं हूँ; क्योंकि अगर इस कहावत में कोई सच्चाई है कि 'मुझे बताओ तुम किन लोगों के साथ रहते हो, और मैं तुम्हें बता दूँगा कि तुम क्या हो,' या दूसरी कहावत में, 'तुम किसके साथ पले-बढ़े हो, यह मायने नहीं रखता, बल्कि तुम किसके साथ पले-बढ़े हो, यह मायने रखता है,' तो मैं उससे भी बड़ा मूर्ख हूँ जब मैं उसका अनुसरण करता हूँ और उसकी सेवा करता हूँ।'" अच्छा, अगर वह पागल है, जैसा कि वह है, और उसका पागलपन ऐसा है कि वह अक्सर एक चीज़ को दूसरी समझ लेता है, सफेद को काला और काले को सफेद, जैसा कि

तब देखा गया जब उसने पवनचक्कियों को दानव, भिक्षुओं के खच्चरों को ऊंट, भेड़ों के झुंड को दुश्मनों की सेना और इसी तरह की कई बातें कही थीं, तो उसे यह विश्वास दिलाना बहुत मुश्किल नहीं होगा कि यहाँ मुझे सबसे पहले जो देहाती लड़की मिली है, वह लेडी डुलसीनिया है; और अगर वह विश्वास नहीं करता है, तो मैं कसम खाकर कहूँगी; और अगर वह कसम खाकर कहेगा, तो मैं फिर से कसम खाकर कहूँगी; और अगर वह फिर भी नहीं मानता है, तो मैं और भी ज़िद करूँगी, ताकि चाहे कुछ भी हो जाए, मेरी चाल हमेशा सही साबित हो। शायद, इस तरह अड़े रहने से मैं उसे भविष्य में इस तरह के संदेश भेजने से रोक सकूँ; या शायद वह सोचेगा, जैसा कि मुझे शक है, कि उन दुष्ट जादूगरनियों में से किसी एक ने, जिनके बारे में वह कहता है कि वे उससे दुश्मनी रखती हैं, उसे नुकसान पहुँचाने और उसे चोट पहुँचाने के लिए अपना रूप बदल लिया है।
इस विचार से सांचो ने मन को शांत किया, यह मानकर कि काम लगभग सुलझ गया है, और दोपहर तक वहीं रुका रहा ताकि डॉन क्विक्सोट को लगे कि उसके पास एल टोबोसो जाकर वापस आने के लिए पर्याप्त समय है; और संयोगवश उसके लिए चीजें इतनी अच्छी रहीं कि जैसे ही वह डैपल पर सवार हुआ, उसने एल टोबोसो से अपनी ओर आते हुए तीन किसान लड़कियों को तीन घोड़ों पर सवार देखा—लेखक ने इस बात को स्पष्ट नहीं किया है, हालांकि यह अधिक संभावना है कि वे मादा गधे थीं, जो गांव की लड़कियों की सवारी होती हैं; लेकिन चूंकि यह कोई महत्वपूर्ण बात नहीं है, इसलिए हमें इसे साबित करने की आवश्यकता नहीं है। संक्षेप में कहें तो, सांचो ने जैसे ही किसान लड़कियों को देखा, वह पूरी गति से अपने स्वामी को खोजने के लिए लौटा और उसे आहें भरते और हज़ारो भावुक विलाप करते हुए पाया। जब डॉन क्विक्सोट ने उसे देखा तो वह बोला, "क्या खबर है, सांचो, मेरे मित्र? क्या मैं आज का दिन सफेद पत्थर से चिह्नित करूँ या काले पत्थर से?"
"महामहिम," सांचो ने उत्तर दिया, "बेहतर होगा कि आप इसे लाल रंग से चिह्नित कर दें, जैसे कक्षाओं की दीवारों पर शिलालेख होते हैं, ताकि जो भी इसे देखे वह इसे स्पष्ट रूप से समझ सके।"
"तो तुम अच्छी खबर लाए हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"बहुत अच्छा," सांचो ने उत्तर दिया, "कि महाराज को केवल रोसिनांटे को प्रेरित करना है और खुले मैदान में जाकर लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो से मिलना है, जो अपनी दो अन्य दासियों के साथ महाराज से मिलने आ रही हैं।"

"हे भगवान! मेरे मित्र सांचो, तुम क्या कह रहे हो?" डॉन क्विक्सोट ने हैरानी से कहा। "ध्यान रखना, कहीं तुम मुझे धोखा तो नहीं दे रहे हो, या झूठी खुशी से मेरे वास्तविक दुख को कम करने की कोशिश तो नहीं कर रहे हो।" "महाराज को धोखा देकर मुझे क्या मिलेगा? खासकर तब जब जल्द ही यह साबित हो जाएगा कि मैं सच बोल रहा हूँ या नहीं? आइए, महाराज, आगे बढ़िए, और आप हमारी स्वामिनी राजकुमारी को आते हुए देखेंगे, सजी-धजी, बिल्कुल अपने असली रूप में। उनकी दासियाँ और वह सब सोने की चमक में, मोतियों के गुच्छों में, हीरों में, माणिकों में, दस से अधिक किनारों वाले ब्रोकेड के कपड़े में लिपटी हुई हैं; उनके बाल कंधों पर ऐसे बिखरे हैं जैसे सूरज की किरणें हवा में खेल रही हों; और तो और, वे तीन चितकबरी घोड़ियों पर सवार होकर आ रही हैं, जो आपने अब तक का सबसे सुंदर दृश्य देखा होगा।"
"तुम्हारा मतलब हैक्नीज़ से है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"कैकनी और हैकनी में ज्यादा फर्क नहीं होता," सांचो ने कहा; "लेकिन चाहे वे किसी भी रूप में आएं, वे सबसे खूबसूरत महिलाएं होती हैं जिनकी कोई कामना कर सकता है, खासकर मेरी लेडी राजकुमारी डुलसीनिया, जो किसी के भी होश उड़ा देती हैं।"
"चलो चलें, सांचो, मेरे बेटे," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और इस खबर के बदले, जो अप्रत्याशित होने के साथ-साथ अच्छी भी है, मैं तुम्हें अपने पहले अभियान में मिलने वाली सबसे अच्छी लूट देता हूँ; या यदि इससे तुम्हारा मन नहीं भरता, तो मैं तुम्हें इस वर्ष अपने तीन घोड़ियों से होने वाले बछड़े देने का वादा करता हूँ, जिनके बारे में तुम जानते हो कि वे हमारे गाँव के मैदान में गर्भवती हैं।"
"मैं घोड़ों के बच्चों को ले जाऊंगा," सांचो ने कहा; "क्योंकि यह पूरी तरह से निश्चित नहीं है कि पहले साहसिक कार्य का परिणाम अच्छा ही होगा।"
तब तक वे जंगल पार कर चुके थे और उन्होंने तीनों ग्रामीण युवतियों को पास ही देखा। डॉन क्विक्सोट ने एल टोबोसो जाने वाली सड़क पर चारों ओर देखा, और जब उसे उन तीन ग्रामीण लड़कियों के अलावा कोई और नहीं दिखा, तो वह पूरी तरह से हैरान हो गया और उसने सांचो से पूछा कि क्या वह शहर के बाहर था जहाँ उसने उन्हें छोड़ा था।

"शहर के बाहर कैसे?" सांचो ने पलटकर पूछा। "क्या महाराज की आंखें पीछे की ओर हैं कि आप यह नहीं देख सकते कि यहाँ कौन आ रहा है, जो दोपहर के सूरज की तरह चमक रहे हैं?"
"मुझे सांचो, कुछ नहीं दिख रहा, सिवाय तीन गधों पर बैठी तीन देहाती लड़कियों के।" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"अब, भगवान मुझे शैतान से बचाए!" सांचो ने कहा, "और क्या ऐसा हो सकता है कि आप तीन सफेद-सफेद गधों को, जिन्हें आप हेकनी कहते हैं, गधे समझते हैं? भगवान की कसम, अगर ऐसा हुआ तो मैं अपनी दाढ़ी नोच लूँगा!"
"खैर, मैं बस इतना ही कह सकता हूँ, सांचो, मेरे दोस्त," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि यह उतना ही स्पष्ट है कि वे गधे हैं - या मादा गधे - जितना कि मैं डॉन क्विक्सोट हूँ और तुम सांचो पांजा: कम से कम, मुझे तो वे ऐसे ही लगते हैं।"
"चुप रहिए, महोदय," सांचो ने कहा, "इस तरह बात मत कीजिए, अपनी आँखें खोलिए और आइए, अपनी मनचाही महिला को प्रणाम कीजिए, जो अब हमारे बिल्कुल करीब हैं।" ये कहते हुए वह गाँव की तीनों युवतियों का स्वागत करने के लिए आगे बढ़ा और डैपल से उतरकर, तीनों ग्रामीण लड़कियों के गधों में से एक की लगाम पकड़कर, ज़मीन पर दोनों घुटनों के बल बैठकर बोला, "सुंदरता की रानी, राजकुमारी और डचेस, कृपा करके आप अपने अभिमान और महानता को अपने अनुग्रह और सद्भावना में स्वीकार करें, उस बंदी योद्धा को जो यहाँ संगमरमर के पत्थर में बदल गया है और आपकी भव्य उपस्थिति में बिल्कुल स्तब्ध और सुन्न हो गया है। मैं सांचो पांजा, उसका सहायक हूँ, और वह ला मांचा का आवारा योद्धा डॉन क्विक्सोट है, जिसे 'दुख भरे चेहरे वाला योद्धा' भी कहा जाता है।"
इस समय तक डॉन क्विक्सोट सांचो के बगल में घुटनों के बल बैठ चुका था और आँखें फाड़कर, उलझन भरी निगाहों से उसे देख रहा था जिसे सांचो रानी और स्वामिनी कहता था। चूंकि उसे उसमें एक गाँव की लड़की के अलावा कुछ भी नज़र नहीं आ रहा था, और वह भी कोई बहुत सुंदर नहीं थी, क्योंकि उसका चेहरा चपटा और नाक छोटी थी, इसलिए वह व्याकुल और अचंभित था और कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। उसी समय, गाँव की लड़कियाँ इन दो आदमियों को, जो दिखने में इतने अलग थे, घुटनों के बल बैठे और अपने साथी को आगे बढ़ने से रोकते देखकर आश्चर्यचकित थीं। हालाँकि, जिसे रोक दिया गया था, उसने चुप्पी

तोड़ते हुए गुस्से और चिड़चिड़ेपन से कहा, "रास्ते से हट जाओ, तुम्हारा दुर्भाग्य हो, और हमें जाने दो, क्योंकि हमें जल्दी है।"
जिस पर सांचो ने जवाब दिया, "हे एल टोबोसो की राजकुमारी और सर्वव्यापी देवी, क्या शूरवीरता के स्तंभ और आधार को आपकी उदात्त उपस्थिति के समक्ष घुटने टेकते हुए देखकर आपका उदार हृदय पिघल नहीं गया?"
यह सुनकर, बाकी लोगों में से एक ने कहा, "अरे वाह! मैं तो तुम्हें रगड़-रगड़ कर रख दूँगी, मेरे ससुर की गधी! देखो कैसे ये रईस लोग गाँव की लड़कियों को अपना शिकार बना रहे हैं, मानो हम भी उनकी तरह मजे नहीं कर सकते। तुम अपने रास्ते जाओ, हमें भी अपने रास्ते जाने दो, यही तुम्हारे लिए अच्छा होगा।" "उठो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने यह सुनकर कहा; "मैं देखता हूँ कि भाग्य, 'मुझ पर किए गए बुरे कर्मों से अभी भी तृप्त नहीं हुआ है,' और उसने उन सभी रास्तों पर कब्जा कर लिया है जिनसे 'इस दुखी आत्मा' को, जिसे मैं अपने शरीर में धारण किए हुए हूँ, कोई सांत्वना मिल सकती है। और हे हे परम उत्कृष्टता की पराकाष्ठा, मानवीय रूप में अनुग्रह की चरम सीमा, इस पीड़ित हृदय की एकमात्र मुक्ति, जो तुम्हारी आराधना करता है, यद्यपि मुझे सताने वाले दुष्ट जादूगर ने मेरी आँखों पर बादल और जलप्रपात ला दिए हैं, और केवल उन्हीं के लिए, अपनी अद्वितीय सुंदरता को रूपांतरित कर अपने चेहरे को एक गरीब किसान लड़की के चेहरे में बदल दिया है, यदि उसने साथ ही साथ मेरे चेहरे को किसी राक्षस के चेहरे में न बदल दिया हो ताकि वे तुम्हारी दृष्टि में घृणित लगें, तो मुझे कोमलता और प्रेम से मत देखो; मेरे इस घुटने टेककर तुम्हारे रूपांतरित सौंदर्य के समक्ष किए गए समर्पण में उस विनम्रता को देखो जिसके साथ मेरी आत्मा तुम्हारी आराधना करती है।"
"अरे वाह! मेरे दादाजी!" लड़की चिल्लाई, "मुझे आपका प्रेम प्रसंग बहुत पसंद है! रास्ते से हट जाइए और हमें जाने दीजिए, हम आपके आभारी रहेंगे।"
सांचो एक तरफ हट गया और उसे जाने दिया, वह इस बंधन से मुक्त होकर बहुत प्रसन्न था। जैसे ही डुलसीनिया की सेवा करने वाली गाँव की लड़की ने खुद को मुक्त पाया, उसने एक छड़ी के सिरे पर लगे नुकीले हिस्से से अपने गधे को कुरेदते हुए पूरी गति से खेत में दौड़ लगाई। लेकिन गधी को यह बात सामान्य से अधिक चुभ गई और वह इस तरह उछल-कूद करने लगी कि उसने डुलसीनिया को ज़मीन पर पटक दिया; यह देखकर डॉन क्विक्सोट उसे उठाने के लिए दौड़ा और सांचो गधे के पेट के नीचे खिसक चुकी काठी को कसने और बांधने के लिए दौड़ा। पैक-सैडल

को सुरक्षित कर लेने के बाद, जब डॉन क्विक्सोट अपनी मोहित प्रेमिका को बाहों में उठाकर उसके जानवर पर बिठाने ही वाला था, तभी महिला ज़मीन से उठ खड़ी हुई और उसने डॉन क्विक्सोट का काम आसान कर दिया। थोड़ा पीछे हटकर, वह दौड़ी और दोनों हाथों से गधे के पिछले हिस्से को पकड़कर बाज़ से भी हल्के ढंग से सैडल पर बैठ गई और एक आदमी की तरह सवार हो गई। यह सुनकर सांचो ने कहा, "अरे वाह! हमारी मालकिन तो एक लैनर से भी हल्की है और सबसे चतुर कॉर्डोवन या मैक्सिकन को भी घुड़सवारी सिखा सकती है; उसने एक ही छलांग में सैडल के पिछले हिस्से को पार कर लिया और बिना स्पर्स के वह घोड़े को ज़ेबरा की तरह दौड़ा रही है; और उसकी दासियाँ तो उसके पीछे कहीं नहीं हैं, वे सब हवा की तरह उड़ रही हैं।" यह सच था, क्योंकि जैसे ही उन्होंने डुलसीनिया को घोड़े पर सवार देखा, वे उसके पीछे दौड़ पड़ीं और बिना पीछे देखे आधे मील से भी अधिक दूर तक तेज़ी से निकल गईं।
डॉन क्विक्सोट ने उन्हें अपनी आँखों से देखा, और जब वे नज़र से ओझल हो गए, तो वह सांचो की ओर मुड़ा और बोला, "क्या हाल है, सांचो? तुम देख रहे हो कि जादूगर मुझसे कितनी नफरत करते हैं! और देखो, वे मेरे प्रति कितनी द्वेषपूर्ण और घृणित भावना रखते हैं, जब वे मुझे उस खुशी से वंचित करना चाहते हैं जो मुझे मेरी प्रेमिका को उसके असली रूप में देखने से मिलती। सच तो यह है कि मैं दुर्भाग्य का प्रतीक बनने के लिए पैदा हुआ था, और विपत्ति के तीरों का निशाना बनने के लिए। यह भी देखो, सांचो, कि ये गद्दार मेरी डुलसीनिया को बदलने और रूपांतरित करने से संतुष्ट नहीं हुए, बल्कि उन्होंने उसे उस गाँव की लड़की के समान ही नीच और बदसूरत रूप में बदल दिया; और साथ ही उन्होंने उससे वह चीज़ छीन ली जो प्रतिष्ठित महिलाओं का एक विशेष गुण है, यानी इत्र और फूलों के बीच रहने से आने वाली मीठी सुगंध। क्योंकि मुझे तुम्हें बताना होगा, सांचो, कि जब मैं डुलसीनिया को उसकी लगाम पर रखने के लिए उसके पास गया (जैसा कि तुम (हालांकि मुझे वह एक गधी जैसी लग रही थी), उसने मुझे कच्चे लहसुन की ऐसी गंध दी जिससे मेरा सिर चकरा गया और मेरा दिल ही जहर से भर गया।)
"ओ धरती के नीचो!" यह सुनकर सांचो चिल्लाया, "ओ दुष्ट, द्वेषी जादूगरों! काश मैं तुम्हें टहनी पर सार्डिन मछली की तरह गलफड़ों से बंधा देख पाता! तुम बहुत कुछ जानते हो, बहुत कुछ कर सकते हो, और उससे भी कहीं अधिक करते हो। हे दुष्टों, तुम्हारे लिए इतना ही काफी होना चाहिए था कि मेरी प्रेमिका की

आँखों के मोतियों को ओक के काँटों में बदल देते, उसके शुद्ध सुनहरे बालों को लाल बैल की पूंछ के बालों में बदल देते, और संक्षेप में, उसकी गंध को छेड़े बिना उसके सारे रूप को सुंदर से बदसूरत बना देते; क्योंकि इससे हमें शायद पता चल जाता कि उस बदसूरत आवरण के नीचे क्या छिपा है; हालाँकि, सच कहूँ तो, मैंने उसकी कुरूपता कभी नहीं देखी, बल्कि केवल उसकी सुंदरता देखी, जो उसके दाहिने होंठ पर एक तिल से पूर्णता के शिखर पर पहुँच गई थी, जो मूंछ की तरह दिखता था, जिसमें सोने के धागों जैसे सात-आठ लाल बाल थे, और एक हथेली से भी लंबे थे।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "चेहरे और शरीर की विशेषताओं में जो समानता है, उससे यह स्पष्ट है कि डुलसीनिया के शरीर पर उसी तरफ एक और तिल होना चाहिए जो उसकी जांघ के ऊपरी हिस्से पर मौजूद तिल जैसा हो; लेकिन तुमने जिन बालों की लंबाई का जिक्र किया है, वे तिल के लिए बहुत लंबे हैं।"
"खैर, मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि वे वहाँ बिल्कुल स्पष्ट थे," सांचो ने उत्तर दिया।
"मुझे यकीन है, मेरे दोस्त," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया; "क्योंकि प्रकृति ने डुलसीनिया को जो कुछ भी दिया है, वह परिपूर्ण और सुंदर है; इसलिए, अगर उसके शरीर पर तुम्हारे द्वारा वर्णित तिल जैसे सौ तिल भी होते, तो वे उसमें तिल नहीं, बल्कि चांद और चमकते तारे होते। लेकिन मुझे बताओ, सांचो, जो मुझे तुम्हारे द्वारा लगाए जा रहे सामान ढोने वाले काठी जैसा लग रहा था, वह सपाट काठी थी या बगल वाली काठी?"
"यह इनमें से कोई नहीं था," सांचो ने उत्तर दिया, "बल्कि यह एक जिनेटा काठी थी, जिसका आवरण आधे राज्य के बराबर मूल्य का था, यह इतनी समृद्ध थी।"
"और यह सब मैं नहीं देख सका, सांचो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मैं एक बार फिर कहता हूँ, और हज़ार बार कहूँगा, मैं सबसे दुर्भाग्यशाली व्यक्ति हूँ।" धूर्त सांचो को अपने उस स्वामी की सरलता पर हंसी रोकना मुश्किल हो रहा था, जिसे उसने बड़ी चतुराई से मूर्ख बनाया था। काफी देर तक बातचीत के बाद, वे अपने घोड़ों पर सवार हुए और सारागोसा की ओर चल पड़े। उन्हें उम्मीद थी कि वे समय पर पहुंचकर उस प्रसिद्ध शहर में हर साल होने वाले एक भव्य उत्सव में भाग ले सकेंगे; लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनके साथ इतनी सारी, इतनी महत्वपूर्ण और इतनी विचित्र घटनाएं घटीं कि उन्हें दर्ज करना और पढ़ना जरूरी है, जैसा कि आगे बताया जाएगा।

11

अध्याय
वीर डॉन क्विक्सोट का "मृत्यु के रथ" के साथ हुआ विचित्र साहसिक कार्य। डॉन क्विक्सोट बेहद निराश होकर अपनी यात्रा जारी रखता है, उसके मन में जादूगरों द्वारा उसकी प्रेमिका डुलसीनिया को गाँव की लड़की के घिनौने रूप में बदलने का क्रूर तांडव बार-बार लौटता रहता है, और उसे उसे उसके मूल रूप में वापस लाने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा था; और ये विचार उसे इस कदर लीन कर देते हैं कि अनजाने में ही उसने रोसिनांटे की लगाम छोड़ दी, और उसे मिली इस स्वतंत्रता का लाभ उठाते हुए, वह हर कदम पर रुककर मैदान में उगी ताजी घास चरने लगता है।
सांचो ने उसे उसकी तल्लीनता से जगाया। "उदासी, महोदय," उसने कहा, "जानवरों के लिए नहीं, बल्कि मनुष्यों के लिए बनी है; लेकिन अगर मनुष्य इसके आगे हद से ज़्यादा झुक जाते हैं तो वे जानवर बन जाते हैं; खुद पर काबू रखिए, महाराज; फिर से अपने आप को पहचानिए; रोसिनांटे की लगाम थामिए; खुश हो जाइए, खुद को जगाइए और वह वीर भावना दिखाइए जो एक वीर योद्धा में होनी चाहिए। यह क्या बकवास है? यह कैसी कमजोरी है? क्या हम यहाँ हैं या फ्रांस में? दुनिया की सारी डुलसीनियाओं को धिक्कार है; क्योंकि एक वीर योद्धा का कल्याण धरती के सभी जादू-टोनों और परिवर्तनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।"
"चुप रहो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कमजोर और धीमी आवाज में कहा, "चुप रहो और उस जादुई स्त्री के विरुद्ध कोई अपशब्द मत कहो; क्योंकि उसके दुर्भाग्य और बुरे भाग्य के लिए मैं ही जिम्मेदार हूँ; उसकी विपत्ति दुष्टों की मेरे प्रति घृणा के कारण आई है।"
"मैं भी यही कहता हूँ," सांचो ने जवाब दिया; "मुझे लगता है, जिसने उसे एक बार देखा था, अब उसे देखकर उसका दिल दो टुकड़ों में टूट गया होगा।"
“सांचो, तुम ऐसा कह सकते हो, क्योंकि तुमने उसे उसकी सुंदरता के चरम पर देखा था; क्योंकि जादू इतना गहरा नहीं है कि तुम्हारी दृष्टि को विकृत कर दे या उसकी सुंदरता को तुमसे छिपा दे; इसका विष केवल मुझ पर और मेरी आँखों पर ही निर्देशित है। फिर भी, एक बात मेरे मन में आई है, और वह यह है कि तुमने उसकी सुंदरता का वर्णन ठीक से नहीं किया, क्योंकि जहाँ तक मुझे याद है,

तुमने कहा था कि उसकी आँखें मोती जैसी थीं; लेकिन मोती जैसी आँखें किसी महिला की नहीं बल्कि समुद्री मछली की होती हैं, और मुझे यकीन है कि डुलसीनिया की आँखें हरे पन्ना जैसी, भरी हुई और कोमल होंगी, और भौंहों की जगह दो इंद्रधनुष होंगे; उन मोतियों को उसकी आँखों से निकालकर उसके दाँतों में लगा दो; क्योंकि निस्संदेह, सांचो, तुमने एक को दूसरे के लिए, आँखों को दाँतों के लिए समझ लिया है।”
“शायद,” सांचो ने कहा; “क्योंकि उसकी सुंदरता ने मुझे उतना ही चकित कर दिया जितना उसकी कुरूपता ने आपको; लेकिन चलो सब कुछ ईश्वर पर छोड़ देते हैं, वही जानता है कि इस दुख की घाटी में, हमारी इस बुरी दुनिया में क्या होने वाला है, जहाँ शायद ही कोई ऐसी चीज़ हो जिसमें दुष्टता, छल और कुटिलता का मिश्रण न हो। लेकिन एक बात, महोदय, मुझे सबसे ज़्यादा परेशान करती है, और वह यह सोचना है कि क्या होगा जब आप किसी दानव या किसी अन्य योद्धा को हरा देंगे और उसे देवी डुलसीनिया के सामने उपस्थित होने का आदेश देंगे। वह बेचारा दानव या हारा हुआ योद्धा उसे कहाँ ढूँढेगा? मुझे लगता है कि मैं उन्हें एल टोबोसो में इधर-उधर भटकते हुए, बेवकूफों की तरह, मेरी देवी डुलसीनिया के बारे में पूछते हुए देख सकता हूँ; और अगर वे उससे सड़क के बीच में भी मिल जाएँ, तो वे उसे उतना ही पहचान पाएंगे जितना मेरे पिता को।”
"शायद, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "जादू इतना असरदार नहीं है कि पराजित और सम्मानित दैत्यों और योद्धाओं को डुलसीनिया को पहचानने की शक्ति से वंचित कर दे; हम प्रयोग करके देखेंगे कि मैं जिन पहले एक-दो योद्धाओं को पराजित करके उसके पास भेजता हूँ, वे उसे देख पाते हैं या नहीं, और उन्हें आदेश दूंगा कि वे लौटकर मुझे इस संबंध में उनके साथ हुई घटना का ब्यौरा दें।"
"मैं स्पष्ट कहूँ तो, मुझे लगता है कि आपने जो प्रस्ताव रखा है वह उत्कृष्ट है," सांचो ने कहा; "और इस योजना से हमें वह सब पता चल जाएगा जो हम जानना चाहते हैं; और यदि वह केवल आपसे ही छिपी हुई है, तो दुर्भाग्य उसका नहीं, आपका अधिक होगा; लेकिन जब तक लेडी डुलसीनिया स्वस्थ और खुश हैं, हम अपनी ओर से इसका भरपूर लाभ उठाएंगे और यथासंभव आगे बढ़ते रहेंगे, अपने रोमांच की तलाश करेंगे और समय को अपना काम करने देंगे; क्योंकि वह इन और इससे भी बड़ी बीमारियों का सबसे अच्छा चिकित्सक है।"

डॉन क्विक्सोट सांचो पांजा को जवाब देने ही वाले थे कि तभी सड़क पार कर रही एक गाड़ी ने उन्हें रोक दिया, जिसमें कल्पना से परे विविध और विचित्र आकृतियाँ और पात्र मौजूद थे। खच्चरों को खींचने वाला और गाड़ीवान का काम करने वाला एक भयानक राक्षस था; गाड़ी खुली हुई थी, बिना किसी तिरछी या बेंत की छत के, और डॉन क्विक्सोट की आँखों के सामने सबसे पहले जो आकृति प्रकट हुई, वह साक्षात मृत्यु थी जिसका चेहरा मनुष्य जैसा था; उसके बगल में बड़े- बड़े रंगीन पंखों वाला एक देवदूत था, और एक तरफ सोने के मुकुट वाला एक सम्राट था। मृत्यु के चरणों में कामदेव देवता थे, बिना पट्टी के, लेकिन अपने धनुष, तरकश और बाणों के साथ; वहाँ एक पूर्ण कवचधारी योद्धा भी था, सिवाय इसके कि उसके पास न तो मोरोन था और न ही हेलमेट, केवल विभिन्न रंगों के पंखों से सजी एक टोपी थी; और इनके साथ-साथ अन्य लोग भी थे जिनके वस्त्र और चेहरे अलग-अलग थे। यह सब अचानक देखकर डॉन क्विक्सोट थोड़ा चौंक गए और सांचो के हृदय में भय उत्पन्न हो गया। लेकिन अगले ही पल डॉन क्विक्सोट को इस बात की खुशी हुई, क्योंकि उसे लगा कि कोई नया खतरनाक साहसिक कार्य उसके सामने आ रहा है। इसी धारणा के तहत, और किसी भी खतरे का सामना करने के लिए तैयार होकर, वह गाड़ी के सामने खड़ा हो गया और ऊँची और धमकी भरी आवाज़ में बोला, "गाड़ी वाले, या कोचवान, या शैतान, या जो भी तू हो, मुझे तुरंत बता कि तू कौन है, कहाँ जा रहा है, और ये लोग कौन हैं जिन्हें तू अपनी गाड़ी में ले जा रहा है, जो किसी साधारण गाड़ी से ज़्यादा कैरन की नाव जैसी दिखती है।" इस पर शैतान ने गाड़ी रोककर शांत स्वर में उत्तर दिया, "महोदय, हम अंगुलो एल मालो की मंडली के कलाकार हैं; आज सुबह, जो कॉर्पस क्रिस्टी का अष्टम पर्व है, हमने उस पहाड़ी के पीछे एक गाँव में 'मृत्यु का दरबार' नाटक खेला है, और आज दोपहर हमें उसी गाँव में इसे खेलना है जो आपको यहाँ से दिखाई दे रहा है; और क्योंकि यह बहुत पास है, और कपड़े उतारने और फिर से पहनने की परेशानी से बचने के लिए, हम उन्हीं वेशभूषा में जा रहे हैं जिनमें हम अभिनय करते हैं। वह लड़का मृत्यु की भूमिका में है, दूसरा देवदूत की, वह महिला, प्रबंधक की पत्नी, रानी की, यह सैनिक की, वह सम्राट की, और मैं शैतान की; और मैं नाटक के मुख्य पात्रों में से एक हूँ, क्योंकि इस मंडली में मैं प्रमुख भूमिकाएँ निभाता हूँ। यदि आप हमारे बारे में और कुछ जानना चाहते हैं, तो मुझसे पूछें और मैं पूरी सटीकता के साथ उत्तर दूंगा, क्योंकि मैं एक शैतान हूँ, इसलिए मुझे सब कुछ पता है।"

“एक वीर योद्धा की कसम,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “जब मैंने इस रथ को देखा तो मुझे लगा कि कोई बड़ा रोमांच मेरे सामने आ रहा है; लेकिन मैं कहता हूँ कि भ्रम से बचने के लिए आँखों से दिखने वाली चीज़ को छूकर देखना ज़रूरी है। ईश्वर आपका भला करे, भले लोगों; अपना त्योहार मनाइए, और याद रखिए, अगर आप मुझसे कोई ऐसी सेवा माँगते हैं जिसमें मैं आपकी मदद कर सकूँ, तो मैं खुशी-खुशी करूँगा, क्योंकि बचपन से ही मुझे नाटक पसंद थे, और जवानी में मैं अभिनय कला का बहुत बड़ा प्रशंसक था।”
जब वे बातें कर रहे थे, तभी संयोगवश घंटियों से लदे और तीन फूले हुए बैल के मूत्राशयों से लैस एक व्यक्ति उनके साथ आ गया। डॉन क्विक्सोट के पास पहुँचकर, वह व्यक्ति अपनी छड़ी लहराने लगा, मूत्राशयों से ज़मीन पर पटकने लगा और घंटियों की झनझनाहट के साथ करतब दिखाने लगा। इस अप्रत्याशित दृश्य को देखकर रोसिनांटे इतना चौंक गया कि डॉन क्विक्सोट के उसे रोकने के प्रयासों के बावजूद, उसने लगाम अपने दाँतों में दबा ली और इतनी तेज़ी से मैदान पार करने लगा जितनी उसकी शारीरिक शक्ति कभी भी उसकी क्षमता से परे थी।
सांचो, जिसे लगा कि उसका स्वामी गिरने वाला है, डैपल से कूद गया और उसकी मदद के लिए तेज़ी से भागा; लेकिन जब तक वह उसके पास पहुँचा, स्वामी पहले ही ज़मीन पर गिर चुका था, और उसके बगल में रोसिनांटे भी था, जो अपने स्वामी के साथ नीचे आ गया था, रोसिनांटे के चंचल स्वभाव और उमंग का यही हाल होता था। लेकिन जैसे ही सांचो डॉन क्विक्सोट की मदद करने के लिए अपने जानवर से उतरा, मूत्राशय लिए नाचता हुआ शैतान डैपल पर कूद पड़ा और उसे उनसे पीटने लगा। चोटों के दर्द से ज़्यादा डर और शोर ने उसे खेतों के पार उस गाँव की ओर भगा दिया जहाँ उनका उत्सव होने वाला था। सांचो ने डैपल की इस हालत और अपने स्वामी के गिरने को देखा और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह पहले किसकी मदद करे; लेकिन अंत में, एक अच्छे सहायक और अच्छे सेवक की तरह, उसने अपने स्वामी के प्रति प्रेम को अपने गधे के प्रति स्नेह पर हावी होने दिया। हालांकि जब भी वह मूत्राशयों को हवा में उठते और उसके चितकबरे गधे के पिछले हिस्से पर गिरते देखता, तो उसे मृत्यु का भय और पीड़ा महसूस होती, और वह चाहता कि ये चोटें उसकी अपनी आँखों पर पड़ें, न कि उसके गधे की पूंछ के एक बाल पर। इसी परेशानी और उलझन में वह उस जगह पहुँचा जहाँ डॉन क्विक्सोट उससे कहीं अधिक दयनीय हालत में पड़ा था, और उसे रोसिनांटे पर चढ़ाने में

मदद करने के बाद उसने उससे कहा, "महोदय, शैतान मेरे चितकबरे गधे को ले गया है।"
"कौन सा शैतान?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"मूत्राशय वाला," सांचो ने कहा।
“तो मैं उसे वापस लाऊंगा,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “चाहे वह उसके साथ नरक की सबसे गहरी और अंधेरी कोठरियों में ही क्यों न बंद हो। मेरे पीछे आओ, सांचो, क्योंकि गाड़ी धीरे-धीरे चलती है, और मैं इसके खच्चरों की मदद से डैपल की कमी पूरी कर दूंगा।”
"आपको परेशान होने की ज़रूरत नहीं है, महोदय," सांचो ने कहा; "शांत रहिए, क्योंकि जैसा कि अब मैं देख रहा हूँ, शैतान ने डैपल को छोड़ दिया है और वह अपने पुराने ठिकाने पर लौट रहा है;" और ऐसा ही हुआ, क्योंकि डॉन क्विक्सोट और रोसिनांटे की नकल करते हुए, शैतान डैपल को लेकर नीचे आया और पैदल ही शहर की ओर चल पड़ा, और गधा अपने मालिक के पास लौट आया।
"इन सब बातों के बावजूद," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "उस शैतान के अपमान का बदला गाड़ी में बैठे कुछ लोगों को देना अच्छा होगा, भले ही वह स्वयं सम्राट ही क्यों न हो।"
"महाराज, ऐसा मत सोचिए," सांचो ने जवाब दिया; "मेरी सलाह मानिए और अभिनेताओं के मामलों में कभी दखल मत दीजिए, क्योंकि वे एक विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग हैं; मैं खुद एक ऐसे अभिनेता को जानता हूँ जिस पर दो हत्याओं का आरोप लगा था, फिर भी वह बरी हो गया; याद रखिए, क्योंकि वे हंसमुख लोग हैं जो मनोरंजन प्रदान करते हैं, इसलिए हर कोई उनका पक्ष लेता है, उनकी रक्षा करता है, उनकी मदद करता है और उन्हें बहुत महत्व देता है, खासकर जब वे शाही कंपनियों के सदस्य हों और पेटेंट के तहत काम करते हों, जिनमें से अधिकांश या सभी पोशाक और दिखावे में राजकुमारों की तरह दिखते हैं।"
"फिर भी, इन सब बातों के बावजूद," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "खिलौना खेलने वाले शैतान को शेखी नहीं मारनी चाहिए, भले ही पूरी मानव जाति उसका पक्ष ले रही हो।"
ऐसा कहते हुए, वह उस गाड़ी की ओर बढ़ा, जो अब कस्बे के बहुत करीब थी, और जाते हुए चिल्लाया, "रुको! ठहरो! हे हंसमुख, हंसमुख टोली! मैं तुम्हें सिखाना चाहता हूँ कि गधों और उन जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है जो वीर योद्धाओं के सहायकों के लिए सवारी का काम करते हैं।"

डॉन क्विक्सोट की चीखें इतनी तेज़ थीं कि गाड़ी में बैठे लोगों ने उन्हें सुना और समझा। शब्दों से वक्ता का इरादा समझते हुए, मृत्यु पलक झपकते ही गाड़ी से कूद पड़ी, और उसके पीछे सम्राट, शैतान गाड़ीवान और देवदूत भी कूद पड़े। रानी और कामदेव भी पीछे नहीं रुके; सभी ने पत्थरों से खुद को लैस कर लिया और पंक्तिबद्ध होकर डॉन क्विक्सोट का अपने पत्थरों से स्वागत करने के लिए तैयार हो गए। डॉन क्विक्सोट ने जब उन्हें इतनी वीर पंक्ति में खड़े देखा, हाथ ऊपर उठाए पत्थरों की जोरदार बौछार के लिए, तो उसने रोसिनांटे को रोका और सोचने लगा कि वह खुद को कम से कम खतरे में डालते हुए उन पर कैसे हमला कर सकता है। जैसे ही वह रुका, सांचो उसके पास आया और उसे इस सुव्यवस्थित दस्ते पर हमला करने के लिए तैयार देखकर उससे कहा, "ऐसा प्रयास करना घोर मूर्खता होगी; याद रखिए, महोदय, कि नदी से आने वाले, और ऐसे बहुत सारे, छोटों के सामने दुनिया में कोई सुरक्षा कवच नहीं है, सिवाय पीतल की घंटी के नीचे छिपने के; और इसके अलावा, यह भी याद रखिए कि किसी अकेले व्यक्ति का ऐसी सेना पर हमला करना, जिसमें मृत्यु समाई हो, और जहाँ सम्राट स्वयं अच्छे और बुरे स्वर्गदूतों की सहायता से लड़ते हों, यह वीरता नहीं, बल्कि जल्दबाजी है; और यदि यह विचार आपको चुप नहीं कराता, तो शायद यह जानकर आप चुप हो जाएँगे कि इन सभी में, यद्यपि वे राजाओं, राजकुमारों और सम्राटों की तरह दिखते हैं, एक भी वीर योद्धा नहीं है।"
“अब तुमने सही बात कह दी है, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जिससे मैं अपना संकल्प बदल सकता हूँ। जैसा कि मैंने तुम्हें पहले भी कई बार कहा है, मैं किसी ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध तलवार नहीं उठा सकता और न ही उठानी चाहिए जो नाइट की उपाधि प्राप्त न हो; सांचो, यदि तुम चाहो तो अपने डैपल के साथ हुए अन्याय का बदला ले सकते हो; और मैं यहाँ से तुम्हें जयजयकार और उपदेश देकर सहायता करूँगा।”
"किसी से बदला लेने का कोई अवसर नहीं है, महोदय," सांचो ने उत्तर दिया; "क्योंकि अच्छे ईसाइयों का काम अन्याय का बदला लेना नहीं होता; और इसके अलावा, मैं अपने गधे से यह व्यवस्था करूँगा कि मैं उसकी शिकायत को अपनी इच्छा और सद्भावना पर छोड़ दूँ, और जब तक ईश्वर मुझे जीवन प्रदान करता है, तब तक मैं शांति से रहूँगा।"
"अच्छा," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर यही तुम्हारा इरादा है, भले सांचो, समझदार सांचो, ईसाई सांचो, ईमानदार सांचो, तो चलो इन भ्रमों को छोड़ दें और

बेहतर और अधिक सार्थक रोमांचों की तलाश में निकलें; क्योंकि इस देश को देखकर मुझे लगता है कि हमें इसमें कई अद्भुत रोमांच अवश्य मिलेंगे।"
वह तुरंत मुड़ा, सांचो अपने डैपल पर कब्ज़ा करने के लिए दौड़ा, मौत और उसका उड़ने वाला दस्ता अपनी गाड़ी में लौट आया और अपनी यात्रा जारी रखी, और इस प्रकार मौत की गाड़ी का भयानक रोमांच सांचो द्वारा अपने स्वामी को दी गई सलाह के कारण सुखद रूप से समाप्त हुआ; अगले दिन, स्वामी का एक नए रोमांच के साथ सामना हुआ, जो पिछले रोमांच से कम रोमांचक नहीं था, एक प्रेम में डूबे शूरवीर के साथ।

12

अध्याय
वीर डॉन क्विक्सोट और दर्पणों के साहसी योद्धा के बीच घटी विचित्र साहसिक घटना की कहानी।
मृत्यु से मुठभेड़ के बाद वाली रात, डॉन क्विक्सोट और उसका साथी कुछ ऊँचे छायादार पेड़ों के नीचे से गुज़रे। सांचो के आग्रह पर डॉन क्विक्सोट ने डैपल द्वारा लाए गए भंडार से थोड़ा सा खाया। रात के भोजन के दौरान सांचो ने अपने स्वामी से कहा, "महाराज, अगर मैंने तीन घोड़ियों के बच्चों के बजाय आपके पहले साहसिक कार्य की लूट को अपने पुरस्कार के रूप में चुना होता, तो मैं कितना मूर्ख दिखता। आख़िरकार, 'हाथ में एक चिड़िया उड़ते हुए गिद्ध से बेहतर होती है।'"
"उसी समय, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यदि तुमने मुझे अपनी इच्छानुसार उन पर हमला करने दिया होता, तो कम से कम सम्राट का सोने का मुकुट और कामदेव के चित्रित पंख लूट के रूप में तुम्हारे हाथ लग जाते, क्योंकि मैं उन्हें बलपूर्वक छीनकर तुम्हारे हाथों में सौंप देता।" सांचो ने कहा, "उन नाटक करने वाले सम्राटों के राजदंड और मुकुट कभी भी शुद्ध सोने के नहीं थे, बल्कि केवल पीतल की पन्नी या टिन के बने होते थे।" “यह सच है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “क्योंकि यह उचित नहीं होगा कि नाटक के सहायक पात्र वास्तविक हों, न कि केवल काल्पनिक और दिखावटी, नाटक की ही तरह; सांचो—और स्वाभाविक रूप से, उन लोगों के प्रति जो इसका प्रतिनिधित्व और निर्माण करते हैं—मैं चाहता हूँ कि तुम उनके प्रति अनुकूल भाव रखो, क्योंकि वे सभी राज्य के लिए बहुत उपयोगी साधन हैं, जो हर कदम पर हमारे सामने एक दर्पण रखते हैं जिसमें हम मानव जीवन में घटित होने वाली घटनाओं को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं; और नाटक और कलाकारों से अधिक ईमानदारी से हमें यह दिखाने वाला कोई और उदाहरण नहीं है कि हम क्या हैं और क्या होने चाहिए। बताओ, क्या तुमने ऐसा कोई नाटक नहीं देखा जिसमें राजाओं, सम्राटों, धर्माध्यक्षों, शूरवीरों, महिलाओं और अन्य अनेक पात्रों को प्रस्तुत किया गया हो? कोई खलनायक की भूमिका निभाता है, कोई धूर्त की, कोई व्यापारी की, कोई सैनिक की, कोई तीक्ष्ण बुद्धि वाले मूर्ख की, कोई मूर्ख प्रेमी की; और

जब नाटक समाप्त हो जाता है, और वे अपने कपड़े उतार देते हैं, तो सभी कलाकार बराबर।"
"हां, मैंने वह देखा है," सांचो ने कहा।
"तो फिर," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यही बात इस दुनिया के नाटक और जीवन में भी होती है, जहाँ कुछ लोग सम्राट की भूमिका निभाते हैं, कुछ पोप की, और संक्षेप में, नाटक में निभाए जा सकने वाले सभी पात्रों की भूमिका निभाते हैं; लेकिन जब नाटक समाप्त हो जाता है, यानी जब जीवन का अंत होता है, तो मृत्यु उन सभी को एक-दूसरे से अलग करने वाले वस्त्रों से वंचित कर देती है, और कब्र में सभी समान हो जाते हैं।"
"वाह, बढ़िया तुलना!" सांचो ने कहा; "हालाँकि यह कोई नई बात नहीं है, मैंने इसे कई बार सुना है, ठीक वैसे ही जैसे शतरंज के खेल वाली दूसरी तुलना; कि जब तक खेल चलता है, हर मोहरे का अपना एक विशेष काम होता है, और जब खेल खत्म हो जाता है तो वे सभी आपस में मिल जाते हैं, उलझ जाते हैं और एक साथ हिला दिए जाते हैं, और थैले में रख दिए जाते हैं, जो कब्र में जीवन समाप्त करने जैसा है।"
"सांचो, तुम दिन-ब-दिन कम मूर्ख और अधिक चतुर होते जा रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"हाँ," सांचो ने कहा; "ज़रूर आपकी कुछ बुद्धिमत्ता मुझमें भी आ गई है; जो ज़मीन अपने आप में बंजर और सूखी होती है, वह भी खाद डालने और जोतने से अच्छी उपज देने लगती है; मेरा मतलब यह है कि आपकी बातचीत मेरे सूखे दिमाग की बंजर ज़मीन पर गिरी खाद की तरह है, और आपके साथ बिताया गया समय मेरी जुताई का काम करता है; और इसकी मदद से मुझे उम्मीद है कि मैं भरपूर फल दे पाऊँगा जो अच्छे संस्कार के उन रास्तों से नहीं भटकेंगे या फिसलेंगे नहीं जो आपने मेरी सूखी समझ में बनाए हैं।"
डॉन क्विक्सोट सांचो की बनावटी भाषा पर हँसा और उसने महसूस किया कि उसके सुधार के बारे में कही गई बात सच थी, क्योंकि वह कभी-कभी इस तरह बोलता था जिससे वह खुद हैरान हो जाता था; हालाँकि, जब भी सांचो अच्छी भाषा बोलने और शिष्टता का प्रयोग करने की कोशिश करता था, तो वह अपनी सरलता के शिखर से गिरकर अपनी अज्ञानता की खाई में जा गिरता था; और जहाँ वह अपनी संस्कृति और स्मृति का सबसे अच्छा प्रदर्शन करता था, वह था कहावतों का प्रयोग करना,

चाहे उनका विषय से कोई संबंध हो या न हो, जैसा कि पहले ही देखा जा चुका है और इस इतिहास में आगे भी देखा जाएगा।
इस तरह की बातचीत में उन्होंने रात का अच्छा खासा समय बिताया, लेकिन सांचो को नींद आने लगी, जैसा कि वह अक्सर सोने से पहले कहा करता था; और डैपल के कपड़े उतारकर उसे चरने के लिए खुला छोड़ दिया। उसने रोसिनांटे की काठी नहीं उतारी, क्योंकि उसके स्वामी का स्पष्ट आदेश था कि जब तक वे मैदान में हों या किसी छत के नीचे न सो रहे हों, रोसिनांटे के कपड़े नहीं उतारे जाने चाहिए - शूरवीरों द्वारा स्थापित और पालन की जाने वाली प्राचीन प्रथा यह थी कि लगाम उतारकर काठी के धनुष पर लटका दी जाए, लेकिन घोड़े से काठी उतारना - कभी नहीं! सांचो ने तदनुसार कार्य किया, और उसे वही स्वतंत्रता दी जो उसने डैपल को दी थी, जिसके और रोसिनांटे के बीच इतनी अद्वितीय और मजबूत मित्रता थी कि यह पिता से पुत्र तक परंपरा से चली आ रही है, कि इस सत्यपरक इतिहास के लेखक ने इसके लिए कुछ विशेष अध्याय समर्पित किए, जिन्हें इतने वीर इतिहास के लिए उचित और शालीनता बनाए रखने के लिए, उन्होंने इसमें शामिल नहीं किया। हालाँकि कभी-कभी वह अपने इस संकल्प को भूल जाता है और वर्णन करता है कि कैसे दोनों जानवर साथ होने पर एक-दूसरे को कितनी उत्सुकता से खुजलाते थे और कैसे, जब वे थक जाते थे या उनका पेट भर जाता था, तो रोसिनांटे अपनी गर्दन डैपल की गर्दन पर रख देता था, दूसरी तरफ आधा गज या उससे अधिक फैलाकर, और दोनों इस तरह तीन दिनों तक, या कम से कम तब तक जब तक उन्हें अकेला छोड़ दिया जाता था, या भूख उन्हें भोजन की तलाश में जाने के लिए मजबूर नहीं करती थी, जमीन पर सोच-विचार करते हुए खड़े रहते थे। मैं यह भी जोड़ना चाहूँगा कि कहते हैं कि लेखक ने यह दर्ज किया है कि उसने उनकी दोस्ती की तुलना निसस और यूरियलस, और पाइलाडेस और ओरेस्टेस की दोस्ती से की थी; और यदि ऐसा है, तो मानव जाति की प्रशंसा के लिए यह समझा जा सकता है कि इन दो शांतिप्रिय जानवरों के बीच दोस्ती कितनी दृढ़ रही होगी, जो उन मनुष्यों को शर्मिंदा करती है जो आपस में दोस्ती को इतनी बुरी तरह निभाते हैं। इसीलिए कहा गया था—
{श्लोक
क्योंकि अब वह दोस्त नहीं रहा;
अब सरकंडे भाले बन जाते हैं।
और किसी और ने गाया है—

दोस्त से दोस्त को बग आदि की जानकारी देना।
{श्लोक
और किसी को भी यह नहीं सोचना चाहिए कि लेखक इन जानवरों की मित्रता की तुलना मनुष्यों की मित्रता से करने में बिल्कुल भी गलत था; क्योंकि मनुष्यों ने जानवरों से कई सबक प्राप्त किए हैं और कई महत्वपूर्ण बातें सीखी हैं, जैसे कि सारस से एनीमा, कुत्ते से उल्टी और कृतज्ञता, सारस से सतर्कता, चींटी से दूरदर्शिता, हाथी से विनम्रता और घोड़े से वफादारी।
अंत में सांचो एक कॉर्क के पेड़ की छाया में सो गया, जबकि डॉन क्विक्सोट एक मजबूत ओक के पेड़ की छाया में झपकी ले रहा था; लेकिन कुछ ही समय बीता था कि पीछे से आई एक आवाज ने उसे जगा दिया, और चौंककर उठते हुए उसने उस दिशा में देखा जहाँ से आवाज आ रही थी, और उसने घोड़े पर सवार दो आदमियों को देखा, जिनमें से एक ने काठी से उतरते हुए दूसरे से कहा, "मेरे मित्र, घोड़े से उतर जाओ और घोड़ों की लगाम उतार दो, क्योंकि जहाँ तक मैं देख सकता हूँ, यह जगह उनके लिए घास और मेरे प्रेम-पीड़ित विचारों को जिस एकांत और शांति की आवश्यकता है, वह प्रदान करेगी।" यह कहते हुए वह जमीन पर लेट गया, और जैसे ही उसने खुद को नीचे गिराया, उसके कवच में खड़खड़ाहट हुई, जिससे डॉन क्विक्सोट समझ गया कि वह एक वीर योद्धा होगा; और सो रहे सांचो के पास जाकर, उसने उसकी बांह पकड़कर उसे हिलाया और बड़ी मुश्किल से उसे होश में लाया, और धीमी आवाज में उससे कहा, "भाई सांचो, हमें एक साहसिक कार्य मिलने वाला है।" "भगवान हमें एक अच्छा व्यक्ति भेजें," सांचो ने कहा; "और महारानी कहाँ हैं वह साहसिक यात्रा कर रही हैं?"
"कहाँ, सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "अपनी आँखें घुमाओ और देखो, और तुम्हें वहाँ एक वीर योद्धा पड़ा हुआ दिखाई देगा, जो मुझे लगता है कि बहुत खुश नहीं है, क्योंकि मैंने उसे अपने घोड़े से कूदकर जमीन पर निराशाजनक भाव से गिरते देखा, और गिरते समय उसके कवच से खड़खड़ाहट की आवाज आई।"
"अच्छा," सांचो ने कहा, "महामहिम इसे साहसिक कार्य कैसे मानते हैं?"
डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "मेरा मतलब यह नहीं है कि यह एक पूरी तरह से रोमांचक यात्रा है, बल्कि यह तो एक यात्रा की शुरुआत है, क्योंकि रोमांचक यात्राओं की शुरुआत इसी तरह होती है। लेकिन सुनो, ऐसा लगता है कि वह वीणा

या गिटार को ट्यून कर रहा है, और जिस तरह से वह थूक रहा है और अपनी छाती साफ कर रहा है, उससे लगता है कि वह कुछ गाने की तैयारी कर रहा है।"
"फेथ, तुम सही कह रही हो," सांचो ने कहा, "और इसमें कोई शक नहीं कि वह कोई मोहित योद्धा है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ऐसा कोई वीर योद्धा नहीं है जो ऐसा न हो; लेकिन हमें उसकी बात सुननी चाहिए, क्योंकि अगर वह गाता है, तो उस धागे से हम उसके विचारों का सार निकाल लेंगे; क्योंकि दिल की बात मुंह से निकलती है।" सांचो अपने स्वामी को उत्तर देने ही वाला था कि उपवन के शूरवीर की आवाज़, जो न तो बहुत बुरी थी और न ही बहुत अच्छी, ने उसे रोक दिया, और ध्यान से सुनते हुए दोनों ने उसे यह गाते हुए सुना:
गाथा
{श्लोक
हे मेरी प्रियतमा, कृपया अपनी इच्छा प्रकट कीजिए;
मुझे जिन शर्तों का पालन करना है, उन्हें स्पष्ट करें;
मैं अपनी इच्छा को विनम्रतापूर्वक आपकी इच्छा के अनुरूप ढालता हूँ। और मैं तेरे कानून से कभी विचलित नहीं होऊंगा।
क्या तुम मुझे मरने दोगे, मौन शोक का शिकार बनने दोगे?
तो मुझे अभी से ही मृत और ठंडा समझो;
क्या मैं अपनी परेशानियों को किसी नए तरीके से बताऊं?
तब प्रेम के द्वारा ही मेरी कहानी सुनाई जाएगी।
विपरीत तत्वों का सामंजस्य सिद्ध करने के लिए,
मैं कोमल मोम और हीरे की तरह कठोर हूँ;
लेकिन फिर भी, प्रेम के नियमों का पालन करते हुए,
लो, चाहे कठोर हो या कोमल, मैं तुम्हें अपना स्तन अर्पित करती हूँ।
आप जो भी उस पर उकेरें या मुहर लगाएं, वह वहीं रहेगा।
यह अमिट रहेगा, समस्त काल तक के लिए।
{श्लोक
अपने हृदय की गहराइयों से निकली एक आह के साथ, ग्रोव के शूरवीर ने अपना गीत समाप्त किया और कुछ ही क्षण बाद उदास और दयनीय स्वर में कहा, "हे पृथ्वी की सबसे सुंदर और सबसे कृतघ्न स्त्री! हे सबसे शांत कैसिल्डिया डी वंडालिया, क्या यह संभव है कि तुम अपने इस बंदी शूरवीर को निरंतर भटकने और कठिन

परिश्रम में बर्बाद होने और नष्ट होने दोगी? क्या यह पर्याप्त नहीं है कि मैंने नवारे के सभी शूरवीरों, लियोन के सभी शूरवीरों, टार्टेस के सभी शूरवीरों, कैस्टिलियन शूरवीरों और अंत में ला मांचा के सभी शूरवीरों को तुम्हें दुनिया की सबसे सुंदर स्त्री मानने के लिए विवश कर दिया है?"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ऐसा नहीं है, क्योंकि मैं ला मांचा का निवासी हूँ, और मैंने कभी भी इस तरह की कोई बात स्वीकार नहीं की है, न ही मैं ऐसी कोई बात स्वीकार कर सकता हूँ और न ही मुझे करनी चाहिए जो मेरी प्रेमिका की सुंदरता को इतना ठेस पहुँचाए; सांचो, तुम देख रहे हो कि यह शूरवीर कैसे बड़बड़ा रहा है। लेकिन चलो सुनते हैं, शायद वह हमें अपने बारे में और बताएगा।"
"हाँ, वह ऐसा करेगा," सांचो ने जवाब दिया, "क्योंकि ऐसा लगता है कि वह लगातार एक महीने तक खुद पर पछताने के मूड में है।"
लेकिन ऐसा नहीं था, क्योंकि ग्रोव के शूरवीर ने अपने पास आवाजें सुनकर, अपना विलाप जारी रखने के बजाय, उठकर स्पष्ट लेकिन विनम्र स्वर में कहा, "वहाँ कौन है? तुम कौन हो? क्या तुम सुखी लोगों में से हो या दुखी लोगों में से?"
"दुखियों के," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया।
"तो मेरे पास आओ," उपवन के स्वामी ने कहा, "और निश्चिंत रहो कि तुम दुख और पीड़ा के ही पास आ रहे हो।"
डॉन क्विक्सोट ने जब अपने प्रश्न का उत्तर इतने विनम्र और शिष्ट तरीके से पाया, तो वह उसके पास गया और सांचो भी उसके पीछे गया।
दुखी शूरवीर ने डॉन क्विक्सोट का हाथ पकड़कर कहा, "यहाँ बैठ जाइए, महाराज; क्योंकि आप एक शूरवीर हैं और शूरवीरता का दावा करने वालों में से हैं, और यही मेरे लिए पर्याप्त प्रमाण है कि मैं आपको इस स्थान पर पा रहा हूँ, जहाँ एकांत और रात, जो शूरवीरों का स्वाभाविक विश्राम और उचित स्थान है, आपका साथ दे रहे हैं।" इस पर डॉन ने उत्तर दिया, "मैं उसी पेशे का शूरवीर हूँ जिसका आपने उल्लेख किया है, और यद्यपि दुखों, दुर्भाग्य और विपत्तियों ने मेरे हृदय को अपना घर बना लिया है, फिर भी दूसरों के दुर्भाग्य के प्रति मेरी करुणा इससे विमुख नहीं हुई है। आपने अभी जो गाया है, उससे मुझे यह समझ में आया है कि आपकी करुणा प्रेम से उत्पन्न हुई है, मेरा तात्पर्य उस

कृतघ्न स्त्री के प्रति आपके प्रेम से है जिसका नाम आपने अपने विलाप में लिया है।"
इसी बीच, वे शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण ढंग से कठोर जमीन पर एक साथ बैठ गए थे, मानो जैसे ही दिन निकलेगा, वे एक दूसरे का सिर फोड़ने वाले नहीं थे। "क्या आप, महाराज शूरवीर, प्रेम में हैं?" उसने डॉन क्विक्सोट के उपवन में पूछा।
"दुर्भाग्यवश ऐसा हुआ है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "हालांकि अच्छे स्नेह से उत्पन्न होने वाली बुराइयों को दुर्भाग्य के बजाय कृपा माना जाना चाहिए।"
"यह सच है," उपवन के उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, "अगर तिरस्कार हमारी बुद्धि और समझ को विचलित न करे, क्योंकि अगर यह अत्यधिक हो तो यह प्रतिशोध जैसा लगता है।"
"मेरी प्रेमिका ने मुझे कभी ठुकराया नहीं," डॉन क्विक्सोट ने कहा। "बिल्कुल नहीं," पास ही खड़े सांचो ने कहा, "क्योंकि मेरी मालकिन मेमने जैसी कोमल और मक्खन की लोई से भी ज्यादा नरम है।"
"क्या यह तुम्हारा सहायक है?" उसने उपवन के निवासी से पूछा।
"वह है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मैंने आज तक किसी जागीरदार को नहीं देखा," उसने ग्रोव के बारे में कहा, "जो अपने स्वामी के बोलते समय बोलने का साहस करता हो; कम से कम मेरा जागीरदार तो है ही, जो अपने पिता जितना बड़ा है, और यह साबित नहीं किया जा सकता कि उसने कभी मेरे बोलते समय अपने होंठ खोले हों।"
"तो मेरी आस्था की कसम," सांचो ने कहा, "मैंने बात की है, और मैं बोलने के योग्य हूं, ऐसे व्यक्ति की उपस्थिति में जो इतना ही या इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है—लेकिन कोई बात नहीं—इसे भड़काना तो और भी बुरा होगा।" ग्रोव के जागीरदार ने सांचो का हाथ पकड़कर उससे कहा, "चलो हम दोनों ऐसी जगह चलते हैं जहाँ हम जागीरदारों की तरह मनचाही बातें कर सकें, और इन सज्जनों को, जो हमारे स्वामी हैं, उनकी प्रेम कहानियों को लेकर आपस में लड़ने के लिए छोड़ देते हैं; और यकीन मानिए, भोर होते-होते भी वे इस लड़ाई को खत्म नहीं कर पाएंगे।"
"ऐसा ही हो," सांचो ने कहा; "और मैं आपको बताऊंगा कि मैं कौन हूं, ताकि आप देख सकें कि क्या मैं सबसे बातूनी सरदारों में गिना जाता हूं।"

[illegible] [illegible] [illegible] [

13

अध्याय
इसमें उपवन के शूरवीर के साहसिक कारनामों का सिलसिला जारी है, साथ ही दो सरदारों के बीच हुई समझदारी भरी, मौलिक और शांत बातचीत का भी वर्णन है। शूरवीरों और उनके सहायकों ने दो समूह बनाए, एक ने अपने जीवन की कहानी सुनाई, दूसरे ने अपने प्रेम प्रसंगों की; लेकिन इतिहास सबसे पहले सेवकों की बातचीत से शुरू होता है, और फिर स्वामियों की बातचीत पर आता है; और इसमें कहा गया है कि, दूसरों से थोड़ा अलग होकर, उपवन के उस व्यक्ति ने सांचो से कहा, "महाराज, हम शूरवीरों के सहायक होने के नाते बहुत कठिन जीवन जीते हैं; सचमुच, हम अपने माथे के पसीने से रोटी खाते हैं, जो हमारे पहले माता-पिता पर ईश्वर द्वारा दिए गए अभिशापों में से एक है।"
"यह भी कहा जा सकता है," सांचो ने आगे कहा, "कि हम इसे अपने शरीर की ठंड में खाते हैं; क्योंकि शूरवीरों के बेचारे साथियों से ज़्यादा गर्मी और ठंड किसे लगती है? फिर भी, अगर हमारे पास खाने के लिए कुछ होता तो इतना बुरा नहीं होता, क्योंकि रोटी होने पर दुख कम हो जाते हैं; लेकिन कभी-कभी हम एक-दो दिन बिना उपवास तोड़े ही गुजार देते हैं, सिवाय हवा चलने पर।"
"इन सब बातों को," उस उपवन के बारे में उसने कहा, "प्रतिफल की आशा होने पर सहन किया जा सकता है; क्योंकि, यदि वह वीर योद्धा अत्यधिक दुर्भाग्यशाली न हो, तो कुछ समय बाद उस सरदार को कम से कम किसी द्वीप या किसी सुंदर काउंटी के अच्छे शासन का पुरस्कार अवश्य मिल जाएगा।"
सांचो ने कहा, "मैंने अपने स्वामी को पहले ही बता दिया है कि मैं किसी द्वीप के शासन से संतुष्ट रहूंगा, और वह इतने नेक और उदार हैं कि उन्होंने मुझे कई बार इसका वादा किया है।"
"मैं," उस उपवन के निवासी ने कहा, "अपनी सेवाओं के बदले एक कैननरी पद से संतुष्ट रहूंगा, और मेरे स्वामी ने मुझे पहले ही एक कैननरी पद प्रदान कर दिया है।"
सांचो ने कहा, "तुम्हारा स्वामी निःसंदेह चर्च के वंश का एक शूरवीर है, और वह अपने योग्य सहायक को इस प्रकार के पुरस्कार दे सकता है; लेकिन मेरा स्वामी तो केवल एक आम आदमी है; हालाँकि मुझे याद है कि कुछ चतुर, लेकिन मेरी राय में स्वार्थी लोगों ने उसे आर्कबिशप बनने के लिए मनाने की कोशिश

की थी। लेकिन वह सम्राट के अलावा कुछ नहीं बनना चाहता था; पर मैं हर समय डरता रहता था कि कहीं वह चर्च में जाने का मन न बना ले, क्योंकि मैं खुद को उसमें पद संभालने के योग्य नहीं समझता; क्योंकि मैं तुम्हें बता दूँ, हालाँकि मैं एक आदमी जैसा दिखता हूँ, लेकिन चर्च के लिए मैं एक जानवर से बेहतर नहीं हूँ।"
“तो फिर, आप यहाँ गलत हैं,” ग्रोव के उस व्यक्ति ने कहा; “क्योंकि उन द्वीपों की सभी सरकारें संतोषजनक नहीं हैं; कुछ बेढंगी हैं, कुछ खराब हैं, कुछ नीरस हैं, और संक्षेप में, सबसे ऊँची और उत्तम सरकार भी अपने साथ चिंताओं और परेशानियों का भारी बोझ लेकर आती है, जिसे उस दुर्भाग्यशाली व्यक्ति को अपने कंधों पर उठाना पड़ता है जिसके हिस्से में वह आई है। हम जैसे लोगों के लिए, जिन्होंने यह शापित सेवा स्वीकार की है, अपने घरों में वापस जाना और वहाँ कुछ सुखद कामों में खुद को लगाना कहीं बेहतर होगा— उदाहरण के लिए, शिकार या मछली पकड़ना; क्योंकि दुनिया में ऐसा कौन सा जमींदार इतना गरीब है जिसके पास अपने गाँव में मनोरंजन के लिए एक घोड़ा, दो ग्रेहाउंड कुत्ते और मछली पकड़ने का कांटा न हो?”
"मुझे इनमें से किसी चीज़ की कमी नहीं है," सांचो ने कहा; "हाँ, मेरे पास कोई घोड़ा-घोड़ा नहीं है, लेकिन मेरे पास एक ऐसा गधा है जो मेरे मालिक के घोड़े से दुगुना कीमती है; अगर मैं अदला-बदली करना चाहूँ, तो भगवान मुझे अगली बार एक बुरी ईस्टर दे, और वो भी यही, भले ही मुझे बदले में चार बोरी जौ मिल जाए। आप मेरे डैपल की कीमत पर हँसेंगे—क्योंकि डैपल मेरे जानवर का रंग है। जहाँ तक ग्रेहाउंड की बात है, मुझे उनकी कोई कमी नहीं है, क्योंकि मेरे कस्बे में वे काफी हैं; और तो और, दूसरों के खर्च पर खेल खेलने में ज़्यादा मज़ा आता है।"
"सचमुच और ईमानदारी से, महाराज," ग्रोव के उस व्यक्ति ने कहा, "मैंने मन बना लिया है और इन शूरवीरों की इन शराबी हरकतों से छुटकारा पाने और अपने गाँव वापस जाकर अपने बच्चों का पालन-पोषण करने का निश्चय कर लिया है; क्योंकि मेरे तीन बच्चे हैं, जो तीन प्राच्य मोतियों के समान हैं।"
"मेरे पास दो हैं," सांचो ने कहा, "जिन्हें स्वयं पोप के सामने पेश किया जा सकता है, विशेष रूप से एक लड़की जिसे मैं भगवान की कृपा से एक काउंटेस बनाने के लिए पाल-पोस रहा हूँ, हालांकि उसकी माँ की इच्छा के विरुद्ध।"

"और यह महिला, जिसे काउंटेस बनने के लिए पाला-पोसा जा रहा है, उसकी उम्र कितनी है?" उस उपवन के निवासी ने पूछा।
"पंद्रह, लगभग दो साल कम या ज्यादा," सांचो ने उत्तर दिया; "लेकिन वह भाले जितनी लंबी है, अप्रैल की सुबह जितनी ताजगी भरी है और कुली जितनी मजबूत है।"
"ये उपहार उसे न केवल एक काउंटेस बल्कि हरे-भरे जंगल की अप्सरा बनने के योग्य बनाते हैं," उसने उस उपवन के बारे में कहा; "लानत है उस वेश्या में! उस बदमाश में कितना सार होगा!"
इस पर सांचो ने कुछ रूठे स्वर में उत्तर दिया, "वह वेश्या नहीं है, न ही उसकी माँ थी, और न ही भगवान की कृपा से, जब तक मैं जीवित हूँ, उनमें से कोई भी होगी; कृपया अधिक शालीनता से बात करें; क्योंकि मैं ऐसे शूरवीरों के बीच पला-बढ़ा हूँ जो शिष्टाचार की पराकाष्ठा हैं, इसलिए आपके शब्द मुझे उचित नहीं लगते।"
“ओह, आपको तारीफों के बारे में कितनी कम जानकारी है, साहब,” ग्रोव के उस व्यक्ति ने जवाब दिया। “क्या! क्या आप नहीं जानते कि जब कोई घुड़सवार मैदान में बैल पर भाले से अच्छा वार करता है, या जब कोई भी व्यक्ति कोई काम बहुत अच्छे से करता है, तो लोग कहते हैं, 'वाह, कमीने! उसने कितना अच्छा किया!' और यह कि जो बात गाली जैसी लगती है, वह असल में बहुत बड़ी तारीफ होती है? साहब, उन बेटों और बेटियों को त्याग दीजिए जो ऐसा काम नहीं करते जिसके लिए उनके माता-पिता को इस तरह की तारीफें दी जानी चाहिए।”
"मैं उन्हें त्यागता हूँ," सांचो ने उत्तर दिया, "और इस तरह, और इसी तर्क से, आप मुझे, मेरे बच्चों और मेरी पत्नी को दुनिया की सारी वेश्याएँ कह सकते हैं, क्योंकि उनका हर काम और बात ऐसी है जो इस तरह की प्रशंसा के पूरी तरह योग्य है; और उन्हें फिर से देखने के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वह मुझे इस घोर पाप से मुक्ति दिलाए, या दूसरे शब्दों में, मुझे इस खतरनाक सामंती पेशे से मुक्ति दिलाए जिसमें मैं दूसरी बार फँस गया हूँ, एक सौ ड्यूकैट से भरे पर्स के लालच में आकर जो मुझे एक दिन सिएरा मोरेना के बीचोंबीच मिला था; और शैतान हमेशा मेरी आँखों के सामने सोने के सिक्कों से भरा थैला रखता है, यहाँ, वहाँ, हर जगह, जब तक कि मुझे हर जगह यह कल्पना नहीं हो जाती कि मैं उस पर हाथ रख रहा हूँ, उसे गले लगा रहा हूँ, उसे अपने साथ घर ले जा रहा हूँ, निवेश कर रहा हूँ, ब्याज कमा रहा हूँ और राजकुमार की तरह जी

रहा हूँ; और जब तक मैं इसके बारे में सोचता रहता हूँ, मैं अपने इस मूर्ख स्वामी के साथ झेली गई सभी कठिनाइयों को तुच्छ समझता हूँ, जो कि मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि एक पागल से भी ज़्यादा है।" एक शूरवीर से भी बढ़कर।" “इसीलिए तो कहते हैं कि ‘लालच से सब कुछ बिगड़ जाता है’,” उस उपवन के बारे में उसने कहा; “लेकिन अगर तुम इस तरह की बात कर रहे हो, तो मेरे स्वामी से बड़ा कोई नहीं है, क्योंकि वह उन लोगों में से एक है जिनके बारे में कहा जाता है, ‘दूसरों की चिंता गधे को मार डालती है;’ क्योंकि, ताकि कोई दूसरा शूरवीर अपनी खोई हुई समझ वापस पा सके, वह खुद को पागल बना लेता है और ऐसी चीज़ की तलाश में निकल पड़ता है, जो मिलने पर, जहाँ तक मुझे पता है, उसी के मुंह पर आ गिरेगी।” “और क्या वह प्रेम में है?” सांचो ने पूछा।
"वह," ग्रोव के बारे में कहा गया, "कैसिल्डीया डी वंडालिया के साथ, पूरी दुनिया की सबसे कच्ची और बेहतरीन भुनी हुई महिला है; लेकिन वह कच्चापन ही उसकी एकमात्र कमजोरी नहीं है, क्योंकि उसके भीतर और भी बड़ी योजनाएँ चल रही हैं, जैसा कि कुछ ही घंटों में पता चल जाएगा।"
"कोई भी सड़क इतनी चिकनी नहीं होती कि उसमें कोई गड्ढा या रुकावट न हो," सांचो ने कहा; "दूसरे घरों में लोग सेम पकाते हैं, लेकिन मेरे घर में तो बर्तन भर-भरकर पकाते हैं; पागलपन के अनुयायी और चापलूस समझदार बुद्धि से कहीं अधिक होते हैं; लेकिन अगर इस आम कहावत में कोई सच्चाई है कि मुसीबत में साथी मिलने से कुछ राहत मिलती है, तो मैं तुमसे सांत्वना पा सकता हूँ, क्योंकि तुम भी मेरे जैसे ही पागल मालिक की सेवा करते हो।"
"पागल लेकिन बहादुर," उस उपवन के निवासी ने उत्तर दिया, "और पागल या बहादुर से कहीं अधिक धूर्त।"
"मेरा वाला वैसा नहीं है," सांचो ने कहा; "मेरा मतलब है कि उसमें बदमाशी का कोई अंश नहीं है; इसके विपरीत, उसमें एक सच्चे प्रेमी की आत्मा है; वह किसी को नुकसान पहुंचाने के बारे में नहीं सोचता, बल्कि सबका भला चाहता है, और उसमें जरा भी द्वेष नहीं है; एक बच्चा भी उसे दोपहर में रात होने का भ्रम दे सकता है; और इसी सरलता के कारण मैं उसे अपने दिल की गहराई से प्यार करता हूँ, और मैं उसे कभी नहीं छोड़ सकता, चाहे वह कितनी भी मूर्खतापूर्ण हरकतें क्यों न करे।"
“भले ही भाई और साहब,,” उपवन के उस व्यक्ति ने कहा, “यदि अंधे अंधे का नेतृत्व करें, तो दोनों ही खाई में गिरने के खतरे में हैं। हमारे लिए बेहतर

यही होगा कि हम चुपचाप पीछे हट जाएं और अपने-अपने कमरों में लौट जाएं; क्योंकि रोमांच की तलाश करने वालों को हमेशा अच्छे रोमांच नहीं मिलते।” सांचो बीच-बीच में थूकता रहा, और उसका थूक कुछ चिपचिपा और सूखा सा लग रहा था। यह देखकर दयालु सरदार ने कहा, "लगता है हमारी इतनी बातों से हमारी जीभें मुंह के ऊपरी हिस्से से चिपक गई हैं; लेकिन मेरे घोड़े की काठी से एक बढ़िया सा थूक छुड़ाने वाला लटका हुआ है।" और उठकर वह अगले ही पल शराब की एक बड़ी बोतल और आधा गज चौड़ी एक पेस्ट्री लेकर वापस आया; और यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है, क्योंकि वह एक इतने बड़े घरेलू खरगोश से बनी थी कि सांचो ने उसे छूते हुए सोचा कि वह बकरी की बनी है, बल्कि एक मेमने की, और उसे देखकर उसने कहा, "और क्या आप इसे अपने साथ ले जाते हैं, महोदय?"
"अरे, तुम क्या सोच रहे हो?" दूसरे ने कहा; "क्या तुम मुझे कोई मामूली सरदार समझते हो? मैं अपने घोड़े की पीठ पर इतना अच्छा भंडार लेकर चलता हूँ जितना कोई सेनापति अपने साथ युद्ध के लिए जाते समय नहीं ले जाता।"
सांचो ने बिना किसी दबाव के खाना खाया, और अंधेरे में उसने एक रस्सी पर बंधी गांठों की तरह निवाले ठूंसे और कहा, "तुम एक सच्चे, भरोसेमंद सहायक हो, सही किस्म के, शानदार और भव्य, जैसा कि यह भोज दिखाता है, जो अगर जादू से नहीं आया है, तो कम से कम देखने में तो ऐसा ही लगता है; मेरे जैसे अभागे भिखारी की तरह नहीं, जिसके पास अपने भोजन में पनीर के एक टुकड़े के अलावा कुछ नहीं है, जो इतना सख्त है कि उससे किसी दानव का सिर फोड़ा जा सकता है, और उसके साथ कुछ दर्जन कैरोब और उतने ही ज्यादा हेज़लनट और अखरोट हैं; मेरे स्वामी की सादगी और उनके विचार और उनके द्वारा पालन किए जाने वाले नियम के लिए धन्यवाद, कि घुमंतू शूरवीरों को सूखे मेवों और खेत की जड़ी-बूटियों के अलावा किसी और चीज पर जीवित नहीं रहना चाहिए।"
"भाई, कसम से, मेरा पेट कांटों, जंगली नाशपाती या जंगल की जड़ों के लिए नहीं बना है; हमारे मालिक अपनी शूरवीरता और कानूनों के साथ जो चाहें करें और जो चाहें खाएं; वे चाहे कुछ भी कहें, मैं अपनी टोकरी और इस बोता को काठी के आगे लटकाए रखता हूँ; और यह मेरे लिए पूजा की वस्तु है, और मैं इसे इतना प्यार करता हूँ कि शायद ही कोई पल ऐसा बीतता हो जब मैं इसे बार-बार चूमता और गले नहीं लगाता;" और ऐसा कहते हुए उसने इसे सांचो के हाथों में थमा दिया, जिसने इसे ऊपर उठाकर अपने मुँह की ओर इशारा किया और पंद्रह मिनट तक तारों को

निहारा; और जब उसने पीना समाप्त कर लिया तो उसने अपना सिर एक तरफ झुका लिया और एक गहरी आह भरते हुए कहा, "आह, कमीने बदमाश, यह कितना कैथोलिक है!" सैंचो की हैरानी भरी बात सुनकर उस उपवन के उस व्यक्ति ने कहा, "देखो, तुमने इस शराबखोर को प्रशंसा के तौर पर वेश्या कह दिया है।"
"ठीक है," सांचो ने कहा, "मैं इसे स्वीकार करता हूँ, और मैं मानता हूँ कि किसी को 'गंदा' कहना कोई अपमान नहीं है जब इसे प्रशंसा के रूप में समझा जाए। लेकिन मुझे बताइए, महोदय, आपको सबसे ज़्यादा क्या प्रिय है, क्या यह स्यूदाद रियल की शराब है?"
"ओह, अद्भुत शराब चखने वाले!" उसने उस बाग के बारे में कहा; "यह वास्तव में कहीं और से नहीं आती, और यह कई वर्षों पुरानी भी है।"
"मुझे इसके लिए अकेला छोड़ दो," सांचो ने कहा; "चिंता मत करो, मैं किसी न किसी तरह पता लगा लूंगा कि यह कहाँ से आया है। महाराज, आप क्या कहेंगे कि मेरे पास वाइन को परखने की इतनी अद्भुत स्वाभाविक क्षमता है कि बस मुझे एक वाइन सूंघने दीजिए और मैं निश्चित रूप से बता सकता हूँ कि यह कहाँ से है, किस प्रकार की है, इसका स्वाद कैसा है, इसमें क्या बदलाव आएंगे, और वाइन से जुड़ी हर बात क्या है? लेकिन इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि मेरे परिवार में, मेरे पिता की तरफ से, ला मांचा में कई वर्षों से दो सर्वश्रेष्ठ वाइन चखने वाले रहे हैं, और इसे साबित करने के लिए मैं आपको एक घटना बताता हूँ जो उनके साथ घटी थी। उन्होंने उन दोनों को एक पीपे से थोड़ी वाइन चखने के लिए दी, और वाइन की स्थिति, गुणवत्ता, अच्छाई या बुराई के बारे में उनकी राय पूछी। उनमें से एक ने इसे अपनी जीभ की नोक से चखा, दूसरे ने बस इसे अपनी नाक के पास लाया। पहले ने कहा कि वाइन में लोहे का स्वाद है, दूसरे ने कहा कि इसमें कॉर्डोवन का स्वाद अधिक तीव्र है। मालिक ने कहा कि पीपा साफ था, और वाइन में कुछ भी मिलाया नहीं गया था। जिससे उसमें लोहे या चमड़े की गंध आ सकती थी। फिर भी, ये दोनों महान वाइन चखने वाले अपनी बात पर अड़े रहे। समय बीतता गया, वाइन बिक गई, और जब वे पीपे को साफ करने आए, तो उन्हें उसमें कॉर्डोवन की डोरी से लटकी एक छोटी सी चाबी मिली; अब देखिए, क्या एक ही वंश के व्यक्ति को ऐसे मामलों में अपनी राय देने का अधिकार नहीं है।
"इसलिए, मैं कहता हूँ," उपवन के स्वामी ने कहा, "आइए हम रोमांच की खोज में जाना छोड़ दें, और जैसे हमारे पास रोटियाँ हैं, वैसे ही हम केक की तलाश में

न जाएँ, बल्कि अपने घरों में लौट आएँ, क्योंकि यदि ईश्वर की यही इच्छा होगी, तो वह हमें वहाँ पा लेगा।"
"जब तक मेरे स्वामी सारागोसा नहीं पहुँच जाते, मैं उनकी सेवा में रहूँगा; उसके बाद देखेंगे," सांचो ने कहा।
अंत में, दोनों सरदारों ने इतनी बातें कीं और इतना पी लिया कि नींद ने उनकी ज़ुबानें बांध दीं और उनकी प्यास बुझा दी, क्योंकि प्यास बुझाना नामुमकिन था; और इस तरह वे दोनों लगभग खाली हो चुके बोता (एक प्रकार का बर्तन) से चिपके हुए और मुंह में आधे चबाए हुए टुकड़े लिए सो गए; और हम उन्हें अभी यहीं छोड़ते हैं, ताकि हम ग्रोव के शूरवीर और उदास चेहरे वाले व्यक्ति के बीच हुई बातचीत का वर्णन कर सकें।

14

अध्याय
जिसमें उपवन के योद्धा के साहसिक कारनामों की कहानी जारी है।
डॉन क्विक्सोट और वन के शूरवीर के बीच हुई बातचीत में, इतिहास हमें बताता है कि वन के शूरवीर ने डॉन क्विक्सोट से कहा, "संक्षेप में, श्रीमान शूरवीर, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मेरी नियति, या अधिक सटीक रूप से कहें तो, मेरी पसंद ने मुझे अद्वितीय कैसिल्डिया डी वंडालिया के प्रेम में डाल दिया। मैं उसे अद्वितीय इसलिए कहता हूँ क्योंकि शारीरिक कद-काठी हो या पद और सौंदर्य की श्रेष्ठता, उसका कोई सानी नहीं है। तो, जिस कैसिल्डिया की मैं बात कर रहा हूँ, उसने मेरे सम्माननीय प्रेम और कोमल आकांक्षाओं का प्रतिफल देते हुए मुझे, उसकी सौतेली माँ की तरह, हरक्यूलिस की तरह, कई प्रकार के खतरों में उलझा दिया, और हर खतरे के अंत में मुझसे वादा किया कि अगले खतरे के अंत तक मेरी आशाएँ पूरी हो जाएँगी; लेकिन मेरे परिश्रम कड़ी दर कड़ी बढ़ते गए हैं, यहाँ तक कि उनकी गिनती भी असंभव है, और मुझे नहीं पता कि आखिरी कौन सा होगा जो मेरी पवित्र इच्छाओं की पूर्ति की शुरुआत होगी। एक बार उसने मुझे सेविले की प्रसिद्ध दानवनी, ला गिरल्डा को चुनौती देने के लिए कहा। नाम, जो पीतल की बनी हुई सी शक्तिशाली और बलिष्ठ है, और एक जगह से कभी न हिलने के बावजूद, दुनिया की सबसे बेचैन और परिवर्तनशील स्त्री है। मैं आया, मैंने देखा, मैंने उसे जीत लिया, और मैंने उसे शांत और संयमित रहने पर मजबूर कर दिया, क्योंकि एक सप्ताह से अधिक समय तक केवल उत्तरी हवाएँ ही चलती रहीं। एक बार मुझे उन प्राचीन पत्थरों, गुइसांडो के विशाल बैलों को उठाने का आदेश दिया गया, एक ऐसा काम जो शूरवीरों के बजाय कुलियों को सौंपा जाना अधिक उचित होता। फिर, उसने मुझे काब्रा की गुफा में कूदने का आदेश दिया—एक अद्वितीय और भयानक खतरा—और उन अंधकारमय गहराइयों में छिपी हर चीज का विस्तृत विवरण लाने को कहा। मैंने गिरल्डा की गति रोक दी, मैंने गुइसांडो के बैलों को उठाया, मैंने गुफा में छलांग लगाई और उसके अथाह रहस्यों को उजागर किया; और मेरी आशाएँ पूरी तरह से मर चुकी हैं, और उसका तिरस्कार और उसके आदेश पहले की तरह ही जीवंत हैं। संक्षेप में, अंत में उसने मुझे स्पेन के सभी प्रांतों में जाने का आदेश दिया है। और मैं वहाँ भटकने वाले सभी वीर योद्धाओं को यह स्वीकार करने के लिए विवश करूँगा कि वह

आज जीवित सभी स्त्रियों से सौंदर्य में श्रेष्ठ है, और मैं पृथ्वी पर सबसे वीर और सबसे अधिक प्रेम में डूबा हुआ वीर योद्धा हूँ; इस दावे के समर्थन में मैं पहले ही स्पेन के अधिकांश भाग की यात्रा कर चुका हूँ, और वहाँ कई वीर योद्धाओं को पराजित कर चुका हूँ जिन्होंने मुझे चुनौती देने का साहस किया; परन्तु जिस बात पर मुझे सबसे अधिक गर्व और गर्व है, वह है ला मांचा के उस प्रसिद्ध वीर डॉन क्विक्सोट को एकल युद्ध में पराजित करना, और उसे यह स्वीकार करवाना कि मेरी कैसिल्डिया उसकी डुलसीनिया से अधिक सुंदर है; और इस एक विजय में मैं स्वयं को संसार के सभी वीर योद्धाओं पर विजय प्राप्त करने वाला मानता हूँ; क्योंकि जिस डॉन क्विक्सोट की मैं बात कर रहा हूँ उसने उन सभी को पराजित किया है, और मैंने उसे पराजित करके, उसकी महिमा, उसकी प्रसिद्धि और उसका सम्मान मुझमें समाहित हो गया है;
{श्लोक
पराजित व्यक्ति की प्रसिद्धि जितनी अधिक होती है,
महान गौरव विजेता के मुकुट को और भी सुशोभित कर देता है।
{श्लोक
इस प्रकार उक्त डॉन क्विक्सोट की असंख्य उपलब्धियाँ अब मेरे खाते में दर्ज हो गई हैं और मेरी हो गई हैं।"
डॉन क्विक्सोट, नाइट ऑफ द ग्रोव की बात सुनकर चकित रह गया और उसका मन किया कि वह उसे झूठ बोल दे, झूठ उसके मुंह पर था; लेकिन उसने खुद को यथासंभव रोका ताकि वह उससे झूठ कबूल करवा सके; इसलिए उसने उससे धीरे से कहा, "आपकी बात का क्या, श्रीमान नाइट, कि आपने स्पेन के अधिकांश नाइटों को, या यहाँ तक कि पूरी दुनिया के नाइटों को भी परास्त कर दिया है, इस पर मैं कुछ नहीं कहता; लेकिन आपने डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा को परास्त किया है, यह मुझे संदिग्ध लगता है; हो सकता है कि कोई और रहा हो जो उससे मिलता-जुलता हो, हालाँकि उसके जैसे लोग बहुत कम हैं।"
“कैसे! पराजित नहीं हुआ?” उस उपवन के बारे में उसने कहा; “ऊपर के आकाश की कसम, मैंने डॉन क्विक्सोट से युद्ध किया और उसे परास्त किया और उसे आत्मसमर्पण करने पर मजबूर किया; और वह लंबा कद, दुबला-पतला चेहरा, लंबे, पतले हाथ-पैर, भूरे होते बाल, नुकीली, थोड़ी झुकी हुई नाक और बड़ी काली लटकती मूंछों वाला आदमी है; वह 'द काउंटेंस' के नाम से युद्ध करता है, और उसका साथी सांचो पांजा नाम का एक किसान है; वह रोसिनांटे नाम के एक

प्रसिद्ध घोड़े की कमर दबाकर लगाम थामे रहता है; और अंत में, उसकी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो है, जिसे कभी एल्डोंज़ा लोरेंजो कहा जाता था, ठीक वैसे ही जैसे मैं अपनी प्रेमिका को कैसिल्डिया डी वंडालिया कहता हूँ क्योंकि उसका नाम कैसिल्डा है और वह अंडालूसिया की है। अगर ये सभी प्रमाण मेरी बात की सच्चाई साबित करने के लिए काफी नहीं हैं, तो ये रही मेरी तलवार, जो अविश्वास को भी इस पर विश्वास करने पर मजबूर कर देगी।”
“शांत हो जाइए, महाराज,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और जो मैं आपसे कहने जा रहा हूँ, उसे ध्यान से सुनिए। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जिस डॉन क्विक्सोट की आप बात कर रहे हैं, वह दुनिया में मेरा सबसे बड़ा मित्र है; इतना कि मैं उसे अपने समान मानता हूँ; और आपके दिए गए सटीक और स्पष्ट संकेतों से मुझे यही लगता है कि वह वही है जिसे आपने पराजित किया है। दूसरी ओर, मैं अपनी आँखों से देख और अपने हाथों से महसूस कर सकता हूँ कि यह असंभव है कि वह वही हो; सिवाय इसके कि, जैसा कि उसके कई शत्रु हैं जो जादूगर हैं, और विशेष रूप से एक जो हमेशा उसका पीछा करता है, उनमें से किसी ने उसका रूप धारण कर लिया हो ताकि वह पराजित हो जाए, और इस तरह उसे उस प्रसिद्धि से वंचित कर दे जो उसने एक शूरवीर के रूप में अपनी महान उपलब्धियों से पूरी दुनिया में अर्जित की है। और इसकी पुष्टि में, मुझे आपको यह भी बताना होगा कि उसके शत्रु, इन जादूगरों द्वारा सुंदर डुलसीनिया डेल के रूप और स्वरूप को परिवर्तित किए हुए केवल दस घंटे ही हुए हैं। टोबोसो को एक दुष्ट और नीच गांव की लड़की में बदल दिया गया है, और इसी तरह उन्होंने डॉन क्विक्सोट को भी बदल दिया होगा; और अगर यह सब आपको मेरी बात की सच्चाई का यकीन दिलाने के लिए काफी नहीं है, तो यहाँ स्वयं डॉन क्विक्सोट है, जो इसे हथियारों से, पैदल या घोड़े पर सवार होकर या आपकी इच्छानुसार किसी भी तरह से कायम रखेगा।"
और ऐसा कहकर वह खड़ा हो गया और अपनी तलवार पर हाथ रखकर यह देखने लगा कि ग्रोव का शूरवीर क्या करेगा। ग्रोव के शूरवीर ने भी उतने ही शांत स्वर में उत्तर दिया, "प्रतिज्ञाएँ एक अच्छे भुगतानकर्ता को परेशान नहीं करतीं; जिसने आपको रूपांतरित अवस्था में एक बार परास्त किया है, सर डॉन क्विक्सोट, वह आपको आपके वास्तविक रूप में भी परास्त करने की पूरी उम्मीद रख सकता है; लेकिन चूंकि शूरवीरों के लिए अंधेरे में, लुटेरों और गुंडों की तरह, अपने शौर्य का प्रदर्शन करना उचित नहीं है, इसलिए आइए हम उजाले तक

प्रतीक्षा करें, ताकि सूर्य हमारे कार्यों को देख सके; और हमारे युद्ध की शर्तें यह होंगी कि पराजित विजेता के अधीन होगा, और वह जो भी आदेश दे, उसे पूरा करेगा, बशर्ते कि आदेश एक शूरवीर के लिए उचित हो।"
“मैं इन शर्तों और नियमों से पूरी तरह संतुष्ट हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; और ऐसा कहकर वे अपने सहायकों के पास गए जहाँ वे सो रहे थे, और उन्हें खर्राटे लेते हुए और उसी मुद्रा में पाया जिसमें वे सोते समय थे। उन्होंने उन्हें जगाया और घोड़ों को तैयार करने का आदेश दिया, क्योंकि सूर्योदय के समय उन्हें एक खूनी और कठिन एकल युद्ध में शामिल होना था; यह खबर सुनकर सांचो भयभीत और स्तब्ध रह गया, अपने स्वामी की सुरक्षा के लिए कांप रहा था क्योंकि उसने उपवन के सहायक से उसके स्वामी के बारे में बहुत से वीरतापूर्ण कार्य सुने थे; लेकिन बिना कुछ कहे दोनों सहायक अपने मवेशियों की तलाश में चले गए; क्योंकि तब तक तीनों घोड़े और गधा एक-दूसरे को सूंघ चुके थे और सब एक साथ थे।
रास्ते में, उपवन के उस व्यक्ति ने सांचो से कहा, "भाई, तुम्हें यह जानना चाहिए कि अंडालूसिया के योद्धाओं में यह प्रथा है कि जब वे किसी झगड़े में धर्मपिता होते हैं, तो वे अपने धर्मपुत्रों के युद्ध के दौरान हाथ पर हाथ धरे निष्क्रिय नहीं बैठे रहते; मैं यह इसलिए कह रहा हूँ ताकि तुम्हें याद रहे कि जब हमारे स्वामी लड़ रहे हों, तो हमें भी लड़ना होगा और एक-दूसरे को बुरी तरह घायल करना होगा।"
"वह रिवाज, महाराज," सांचो ने उत्तर दिया, "शायद उन गुंडों और लड़ाकों में प्रचलित हो जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं, लेकिन निश्चित रूप से शूरवीरों के सरदारों में नहीं; कम से कम, मैंने अपने स्वामी को कभी इस तरह के किसी रिवाज के बारे में बात करते नहीं सुना, और उन्हें शूरवीरता के सभी नियम कंठस्थ हैं; लेकिन अगर यह सच है कि सरदारों के अपने स्वामी के युद्ध में शामिल होने का स्पष्ट नियम है, तो मैं उसका पालन नहीं करना चाहता, बल्कि मुझ जैसे शांतिप्रिय सरदारों पर लगाए जाने वाले दंड को भुगतना चाहता हूँ; क्योंकि मुझे यकीन है कि यह दो पाउंड मोम से अधिक नहीं होगा, और मैं इसे भुगतना पसंद करूँगा, क्योंकि मुझे पता है कि यह मेरे सिर की मरम्मत के लिए खर्च होने वाले रुई से कम होगा, जिसे मैं पहले से ही टूटा हुआ और फटा हुआ मानता हूँ; एक और बात है जो मुझे लड़ने से रोकती है, वह यह है कि मेरे पास तलवार नहीं है, क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी तलवार नहीं उठाई।"

"मुझे इसका एक अच्छा उपाय पता है," उस बाग के मालिक ने कहा; "मेरे पास यहाँ एक ही आकार के दो सूती थैले हैं; तुम एक ले लो और मैं दूसरा, और हम बराबर हथियारों से थैलों पर प्रहार करने का मुकाबला करेंगे।"
"अगर यही तरीका है, तो मैं इसे पूरे दिल से स्वीकार करता हूँ," सांचो ने कहा, "क्योंकि इस तरह की लड़ाई हमें चोट पहुँचाने के बजाय हमें धूल झाड़ने का काम करेगी।"
"यह ठीक नहीं होगा," दूसरे ने कहा, "क्योंकि हवा से उड़ने से बचाने के लिए हमें थैलों में आधा दर्जन चिकने, एक ही वजन के कंकड़ डालने होंगे; और इस तरह हम एक-दूसरे को बिना कोई नुकसान पहुंचाए कंकड़ मार सकेंगे।"
"मेरे पिता का शव!" सांचो ने कहा, "देखो, वह थैलों में कैसा-कैसा साँप और साँचे का बना रुई भर रहा है, ताकि हमारे सिर न फूटें और हमारी हड्डियाँ चूर-चूर न हो जाएँ! लेकिन अगर ये थैले रेशम से भी भरे हों, तो भी मैं आपको बता दूँ, महोदय, मैं लड़ने नहीं जा रहा; हमारे मालिक लड़ें, यह उनकी ज़िम्मेदारी है, और हम खाएँ-पिएँ और मज़े करें; समय हमें आराम से ले जाएगा, बिना हमें कुछ पाने के लिए इधर-उधर भटकने के, ताकि वे समय से पहले ही खत्म न हो जाएँ और पकने से पहले ही गिर न जाएँ।"
"फिर भी," उपवन से आए उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, "हमें लड़ना ही होगा, भले ही वह केवल आधे घंटे के लिए ही क्यों न हो।"
"बिल्कुल नहीं," सांचो ने कहा; "मैं इतना असभ्य या कृतघ्न नहीं होने वाला कि जिसके साथ मैंने खाया-पिया है, उससे किसी भी तरह का झगड़ा करूँ, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो; इसके अलावा, भला कौन बिना क्रोध या उकसावे के ठंडे खून से लड़ने की हिम्मत करेगा?"
"मैं इसका पूरी तरह से समाधान कर सकता हूँ," उस उपवन के स्वामी ने कहा, "और इस तरह: युद्ध शुरू होने से पहले, मैं आपके पास विनम्रतापूर्वक और सौम्यता से आऊँगा, और आपको तीन-चार प्रहार करूँगा, जिनसे मैं आपको अपने चरणों में गिरा दूँगा और आपके क्रोध को भड़का दूँगा, भले ही वह किसी गिलहरी की तरह गहरी नींद में सो रहा हो।"
"उस योजना के अनुरूप," सांचो ने कहा, "मेरे पास एक और योजना है जो उससे कम नहीं है; मैं एक लाठी उठाऊंगा, और इससे पहले कि आप मेरे पास आकर मुझे क्रोधित करें, मैं आपके क्रोध को इतनी गहरी चोटों से सुला दूंगा कि वह तब तक नहीं जागेगा जब तक कि वह परलोक में न पहुंच जाए, जहां यह ज्ञात है कि मैं

ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो किसी को अपना चेहरा छूने दूं; हर कोई तीर से सावधान रहे—हालांकि अधिक सुरक्षित तरीका यह होगा कि सभी के क्रोध को शांत रहने दिया जाए, क्योंकि कोई किसी के दिल को नहीं जानता, और एक आदमी ऊन लेने आता है और मुंडवाकर लौटता है; ईश्वर ने शांति को आशीर्वाद दिया है और झगड़ों को अभिशाप; यदि एक शिकार की गई बिल्ली, घिरी हुई और बुरी तरह से घिरी हुई, शेर बन जाती है, तो ईश्वर ही जाने मैं, जो एक मनुष्य हूं, क्या बन सकता हूं; और इसलिए आज से मैं आपको चेतावनी देता हूं, महोदय, कि हमारे झगड़े से होने वाली सभी हानि और गड़बड़ी का हिसाब आप पर ही होगा।"
"बहुत अच्छा," उसने उपवन के बारे में कहा; "ईश्वर भोर भेजेगा और हम सब ठीक हो जाएंगे।"
और अब रंग-बिरंगे पंखों वाले तरह-तरह के पक्षी वृक्षों पर चहचहाने लगे, और अपने विविध और आनंदमय स्वरों से ताज़ी सुबह का स्वागत और अभिवादन करते प्रतीत हुए, जो पूर्व के द्वारों और बालकनियों पर अपना सौंदर्य बिखेर रही थी, मानो अपने बालों से तरल मोतियों की बहुतायत बिखेर रही हो; जिसमें मधुर नमी भीगी हुई थी, पौधे भी मानो मोतियों की फुहार बिखेर रहे थे, विलो वृक्ष मीठा अमृत बरसा रहे थे, फव्वारे हँस रहे थे, झरने कलकल कर रहे थे, जंगल आनंदित हो रहे थे, और मैदान उसके आगमन पर अपनी पूरी महिमा से सज उठे थे। लेकिन दिन का उजाला होने से पहले ही चीजों को देखना और पहचानना संभव हो पाया था कि सांचो पांजा की आँखों के सामने सबसे पहले जो चीज आई, वह थी उपवन के सरदार की नाक, जो इतनी बड़ी थी कि लगभग उसके पूरे शरीर को ढक रही थी। वास्तव में, यह कहा जाता है कि यह विशाल आकार की थी, बीच से मुड़ी हुई थी, मस्सों से ढकी हुई थी, और बैंगन की तरह शहतूत के रंग की थी; वह उसके मुंह से दो उंगल नीचे तक लटक रहा था, और उसका आकार, रंग, मस्से और टेढ़ापन उसके चेहरे को इतना भयानक बना रहे थे कि सांचो, उसे देखते ही, एक बच्चे की तरह कांपने लगा, और उसने मन ही मन कसम खाई कि वह उस राक्षस से लड़ने के बजाय दो सौ कोड़े खाना पसंद करेगा। डॉन क्विक्सोट ने अपने प्रतिद्वंद्वी की जांच की और पाया कि उसने पहले ही अपना हेलमेट पहन रखा था और उसका विज़र नीचे कर रखा था, जिससे उसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था; हालांकि, उसने देखा कि वह मजबूत कद-काठी का आदमी था, लेकिन कद में बहुत लंबा नहीं था। अपने कवच के ऊपर उसने सोने के बेहतरीन कपड़े का एक कोट या कस्क पहन रखा था, जो छोटे- छोटे चंद्रमाओं की तरह चमकते दर्पणों से जड़ा हुआ था, जिससे वह बेहद

आकर्षक और शानदार दिख रहा था; उसके हेलमेट के ऊपर हरे, पीले और सफेद रंग के पंखों का एक बड़ा गुच्छा लहरा रहा था, और उसका भाला, जो एक पेड़ से टिका हुआ था, बहुत लंबा और मजबूत था, और उसका स्टील का सिरा हथेली से भी अधिक लंबा था।
डॉन क्विक्सोट ने सब कुछ देखा और समझा, और जो कुछ उसने देखा और समझा, उससे उसने यह निष्कर्ष निकाला कि वह योद्धा बहुत बलवान होगा, लेकिन फिर भी वह सांचो पांजा की तरह भयभीत नहीं हुआ; इसके विपरीत, शांत और निडर भाव से उसने दर्पणों के योद्धा से कहा, "हे योद्धा, यदि युद्ध के लिए आपकी तीव्र इच्छा ने आपकी शिष्टता को नष्ट नहीं किया है, तो मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप अपना मुखौटा थोड़ा ऊपर उठाएँ, ताकि मैं देख सकूँ कि आपके चेहरे की सुंदरता आपके साजो-सामान से मेल खाती है या नहीं।"
"हे शूरवीर, चाहे आप इस अभियान में विजयी होकर लौटें या पराजित होकर," दर्पणों के देवता ने उत्तर दिया, "आपको मुझसे मिलने के लिए पर्याप्त समय और अवकाश मिलेगा; और यदि मैं अभी आपकी विनती नहीं मानता, तो इसका कारण यह है कि मुझे लगता है कि सुंदर कैसिल्डिया डी वंडालिया के साथ समय बर्बाद करना मेरे लिए घोर अन्याय होगा, क्योंकि मैं आपको वह स्वीकार करने के लिए विवश करने से पहले अपना मुखौटा उठा लूँगा जो आप पहले से ही जानते हैं कि मैं कहता हूँ।"
"तो फिर," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जब तक हम घोड़े पर सवार हो रहे हैं, तब तक आप कम से कम मुझे यह तो बता सकते हैं कि क्या मैं वही डॉन क्विक्सोट हूं जिसे आपने पराजित करने का दावा किया था।"
दर्पणों के स्वामी ने कहा, "इसका उत्तर हम यही देते हैं कि तुम उस योद्धा से बिल्कुल मिलते-जुलते हो जिसे मैंने पराजित किया था, जैसे एक अंडा दूसरे अंडे से मिलता-जुलता नहीं होता, लेकिन जैसा कि तुम कहते हो कि जादूगर तुम्हारा उत्पीड़न कर रहे हैं, मैं निश्चित रूप से यह कहने का साहस नहीं करूंगा कि तुम वही व्यक्ति हो या नहीं।"
“यह,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मुझे यह यकीन दिलाने के लिए काफी है कि तुम धोखे में हो; लेकिन तुम्हें इससे पूरी तरह मुक्त करने के लिए, हमारे घोड़े लाए जाएँ, और ईश्वर, मेरी प्रेमिका और मेरी भुजा की कृपा से, जितनी देर में तुम अपना मुखौटा उठाओगी, उससे भी कम समय में मैं तुम्हारा चेहरा देख लूँगा,

और तुम देख लोगी कि मैं वह हारा हुआ डॉन क्विक्सोट नहीं हूँ जैसा तुम मुझे समझ रही हो।”
बातचीत को बीच में ही रोकते हुए वे घोड़े पर सवार हो गए, और डॉन क्विक्सोट ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर पलटवार करने के लिए उचित दूरी बनाने के उद्देश्य से रोसिनांटे को घुमाया, और दर्पणों के स्वामी ने भी ऐसा ही किया; लेकिन डॉन क्विक्सोट अभी बीस कदम ही आगे बढ़ा था कि उसने दूसरे की आवाज़ सुनी, और दोनों आधे रास्ते लौटकर, दर्पणों के स्वामी ने उससे कहा, "हे महाराज, याद रखिए कि हमारे युद्ध की शर्तें यह हैं कि पराजित, जैसा कि मैंने पहले कहा था, विजेता के अधीन होगा।"
"मुझे पहले से ही इसकी जानकारी है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "बशर्ते कि पराजितों पर जो भी आदेश और नियम लागू किए जाएं, वे शिष्टता की सीमाओं का उल्लंघन न करें।"
"यह बात समझ में आ गई," दर्पणों के उस व्यक्ति ने उत्तर दिया।
इसी क्षण, उस सरदार की असाधारण नाक डॉन क्विक्सोट की नज़र में आई और वह उसे देखकर सांचो की तरह ही चकित रह गया; इतना कि उसने उसे किसी राक्षस या किसी नई प्रजाति या अलौकिक प्राणी समझ लिया। सांचो ने अपने स्वामी को अपना काम करने के लिए पीछे हटते देखा और उस नाक वाले व्यक्ति के साथ अकेला नहीं रहना चाहता था, क्योंकि उसे डर था कि उसकी नाक के एक ही वार से लड़ाई खत्म हो जाएगी और वह या तो वार से या डर से ज़मीन पर गिर पड़ेगा; इसलिए वह रोसिनांटे के रकाब के चमड़े को पकड़कर अपने स्वामी के पीछे भागा और जब उसे लगा कि मुड़ने का समय आ गया है, तो उसने कहा, "हे महाराज, मैं आपसे विनती करता हूँ कि हमला करने से पहले मुझे इस शंख के पेड़ पर चढ़ा दें, जहाँ से मैं उस वीर योद्धा के साथ होने वाली लड़ाई को देख सकूँगा, जो मुझे ज़मीन से देखने से कहीं ज़्यादा पसंद आएगी।"
"मुझे तो ऐसा लगता है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि तुम बिना किसी खतरे के सांडों को देखने के लिए फांसी के तख्ते पर चढ़ना चाहते हो।"
"सच कहूं तो," सांचो ने जवाब दिया, "उस सरदार की भयानक नाक ने मुझे डर और दहशत से भर दिया है, और मैं उसके पास रहने की हिम्मत नहीं करता।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यह ऐसी चीज है कि अगर मैं वह न होता जो मैं हूं, तो यह मुझे भी डरा देती; इसलिए आओ, मैं तुम्हें वहां तक ले जाने में मदद करूंगा जहां तुम जाना चाहते हो।"

जब डॉन क्विक्सोट सांचो के कॉर्क के पेड़ पर चढ़ने का इंतज़ार कर रहा था, तभी दर्पणों के देवता ने अपनी आवश्यकतानुसार पर्याप्त स्थान घेर लिया। डॉन क्विक्सोट ने भी ऐसा ही कर लिया था, यह सोचकर उसने तुरही या किसी अन्य संकेत की प्रतीक्षा किए बिना ही अपने घोड़े को, जो रोसिनांटे से अधिक फुर्तीला या सुंदर नहीं था, मोड़ा और अपनी पूरी गति से, जो एक साधारण चाल थी, अपने शत्रु पर आक्रमण करने के लिए आगे बढ़ा। हालाँकि, रोसिनांटे को सांचो को ऊपर चढ़ाने में व्यस्त देखकर, उसने लगाम खींची और बीच रास्ते में ही रुक गया, जिससे उसका घोड़ा बहुत खुश हुआ, क्योंकि वह पहले से ही आगे बढ़ने में असमर्थ था। डॉन क्विक्सोट ने यह सोचकर कि उसका शत्रु उस पर झपट्टा मारते हुए आ रहा है, रोसिनांटे के दुबले-पतले शरीर में अपने स्पर्स को ज़ोर से ठोंका और उसे इस तरह से दौड़ाया कि इतिहास बताता है कि केवल इसी अवसर पर वह दौड़ने जैसा कुछ कर पाया, क्योंकि अन्य सभी अवसरों पर वह केवल साधारण चाल ही चलता था। और इस अद्वितीय क्रोध के साथ वह दर्पणों के स्वामी पर टूट पड़ा, अपने घोड़ों को एड़ी से एड़ी तक धंसाते हुए, उन्हें एक उंगली की दूरी तक भी हिलाने में असमर्थ रहा जहाँ वे रुक गए थे। इसी सौभाग्यशाली क्षण और संकट के समय, डॉन क्विक्सोट का सामना अपने शत्रु से हुआ, जो अपने घोड़े के साथ संकट में था और अपने भाले के साथ उलझा हुआ था, जिसे या तो वह संभाल नहीं पा रहा था, या उसे आराम करने का समय नहीं मिला था। हालाँकि, डॉन क्विक्सोट ने इन कठिनाइयों पर ध्यान नहीं दिया, और पूरी तरह से सुरक्षित और बिना किसी जोखिम के दर्पणों के स्वामी पर इतनी ताकत से हमला किया कि वह अपने घोड़े के पिछले हिस्से पर ही जमीन पर गिर पड़ा, और इतनी ज़ोर से गिरा कि वह देखने में मृत प्रतीत हुआ, हाथ-पैर भी नहीं हिला रहा था। जैसे ही सांचो ने उसे गिरते देखा, वह तुरंत कॉर्क के पेड़ से नीचे उतरा और अपने गुरु के पास भागा। गुरु रोसिनांटे से उतरकर दर्पणों के ऊपर खड़े हो गए और यह देखने के लिए कि वह मर गया है या नहीं, और यदि वह जीवित हो तो उसे हवा देने के लिए, उन्होंने देखा—जो कुछ उन्होंने देखा, उसे सुनकर सभी विस्मय, आश्चर्य और भय से भर उठेंगे। इतिहास कहता है कि उन्होंने कुंवारे सैमसन कैरास्को का साक्षात चेहरा, साक्षात रूप, साक्षात दृष्टि, साक्षात आकृति, साक्षात छवि देखी! जैसे ही उन्होंने इसे देखा, वे ऊँची आवाज़ में चिल्लाए, "जल्दी यहाँ आओ, सांचो, और देखो जो तुम्हें देखना है, लेकिन विश्वास नहीं

करना; जल्दी करो, मेरे बेटे, और सीखो कि जादू क्या कर सकता है, और जादूगर और तांत्रिक क्या कर सकते हैं।"
सांचो आगे आया और जब उसने कुंवारे कैरास्को का चेहरा देखा, तो वह हज़ार बार क्रॉस का निशान बनाकर खुद को आशीर्वाद देने लगा। इस पूरे समय तक ज़मीन पर लेटे हुए योद्धा में जीवन का कोई संकेत नहीं दिखा, और सांचो ने डॉन क्विक्सोट से कहा, "महाराज, मेरा मानना है कि आपको किसी भी हालत में अपनी तलवार उठाकर इस व्यक्ति के मुंह में डाल देनी चाहिए जो कुंवारे सैमसन कैरास्को जैसा दिखता है; शायद इसी में आप अपने किसी शत्रु, जादूगर को मार गिराएँगे।"
“तुम्हारी सलाह बुरी नहीं है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “क्योंकि जितने कम शत्रु हों उतना अच्छा है;” और वह सांचो की सलाह और सुझाव पर अमल करने के लिए अपनी तलवार निकाल ही रहा था कि तभी दर्पणों का सहायक (स्विलेज) वहाँ आ गया, अब उसकी नाक गायब थी जिसने उसे इतना बदसूरत बना दिया था, और ऊँची आवाज़ में चिल्लाया, “ध्यान से काम लो, श्रीमान डॉन क्विक्सोट; तुम्हारे पैरों के पास तुम्हारा मित्र, कुंवारा सैमसन कैरास्को है, और मैं उसका सहायक हूँ।” "और नाक?" सांचो ने उसे पहले वाले भयंकर चेहरे के बिना देखकर कहा; जिस पर उसने जवाब दिया, "यह मेरी जेब में है," और अपना हाथ अपनी दाहिनी जेब में डालकर उसने पहले से वर्णित पॉलिश किए हुए गत्ते की एक नकली नाक निकाली; और सांचो ने उसे और करीब से देखते हुए आश्चर्य से कहा, "हे भगवान! क्या यह मेरा पड़ोसी और गपशप करने वाला टॉम सेसियल नहीं है?"
"हाँ, बिल्कुल!" अब बिना नाक वाले सरदार ने जवाब दिया; "मैं टॉम सेसियल हूँ, गपशप करने वाले और दोस्त सांचो पांजा; और मैं तुम्हें अभी उन तरीकों, चालों और झूठों के बारे में बताऊंगा जिनसे मुझे यहाँ लाया गया है; लेकिन इस बीच, अपने मालिक से विनती करो कि वह दर्पणों के शूरवीर को न छुए, उसके साथ दुर्व्यवहार न करे, उसे घायल न करे या उसकी हत्या न करे, जिसे उसने अपने चरणों में रखा है; क्योंकि, निःसंदेह, वह जल्दबाज़ और नासमझ कुंवारा सैमसन कैरास्को है, हमारा ही शहरवासी।"
इसी क्षण दर्पणों का स्वामी होश में आया, और डॉन क्विक्सोट ने इसे भांपते हुए अपनी तलवार की नोक उसके चेहरे पर रख दी और उससे कहा, "हे योद्धा, तुम मरे हुए हो, जब तक तुम यह स्वीकार नहीं करते कि अतुलनीय डुलसीनिया डेल टोबोसो सुंदरता में तुम्हारी कैसिल्डिया डी वंडालिया से कहीं अधिक सुंदर

है; और इसके अतिरिक्त, यदि तुम इस मुकाबले में बचकर गिर भी जाओ, तो तुम्हें यह वादा करना होगा कि तुम एल टोबोसो शहर जाओगे और मेरी ओर से उसके समक्ष उपस्थित होगे, ताकि वह तुम्हारे साथ अपनी इच्छा अनुसार व्यवहार करे; और यदि वह तुम्हें अपनी इच्छा के अनुसार कार्य करने की स्वतंत्रता दे, तो तुम्हें उसी प्रकार लौटकर मुझे ढूंढना होगा (क्योंकि मेरे वीर कर्मों के निशान तुम्हें मेरे ठिकाने तक ले जाने में मार्गदर्शक का काम करेंगे), और मुझे बताना होगा कि तुम्हारे और उसके बीच क्या हुआ था - ऐसी स्थितियाँ जो हमारे युद्ध से पहले किए गए समझौते के अनुसार, योद्धा-यात्रा की उचित सीमाओं का उल्लंघन न करें।"
"मैं स्वीकार करता हूँ," हारे हुए योद्धा ने कहा, "कि लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो का गंदा, फटा हुआ जूता, कैसिल्डीया की बेतरतीब ढंग से कंघी की हुई, हालांकि साफ दाढ़ी से बेहतर है; और मैं वादा करता हूँ कि मैं जाऊँगा और उसके सामने से लौटकर आपके पास आऊँगा, और आप मुझसे जो भी माँगेंगे, उसका पूरा और विस्तृत विवरण दूँगा।"
डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, "तुम्हें भी यह स्वीकार करना और मानना होगा कि जिस योद्धा को तुमने पराजित किया, वह ला मांचा का डॉन क्विक्सोट नहीं था और न ही हो सकता था, बल्कि उसकी शक्ल का कोई और था, ठीक वैसे ही जैसे मैं स्वीकार करता हूँ और मानता हूँ कि तुम, यद्यपि तुम कुंवारे सैमसन कैरास्को प्रतीत होते हो, वैसे नहीं हो, बल्कि उसकी शक्ल का कोई और है, जिसे मेरे शत्रुओं ने उसके रूप में मेरे सामने खड़ा किया है, ताकि मैं अपने क्रोध की तीव्रता को नियंत्रित और संयमित कर सकूँ और अपनी विजय के गौरव का सौम्य उपयोग कर सकूँ।"
"मैं स्वीकार करता हूँ, मानता हूँ और सोचता हूँ कि सब कुछ वैसा ही है जैसा आप मानते हैं, मानते हैं और सोचते हैं," अपंग योद्धा ने कहा; "मुझे उठने दीजिए, मैं आपसे विनती करता हूँ; यदि वास्तव में मेरे गिरने के सदमे से मुझे उठने की अनुमति मिले, क्योंकि इसने मुझे पहले ही बहुत दयनीय स्थिति में छोड़ दिया है।"
डॉन क्विक्सोट ने अपने सहायक टॉम सेशियल की सहायता से सांचो को उठने में मदद की; सांचो ने टॉम सेशियल से अपनी नज़रें नहीं हटाईं और उससे कई सवाल पूछे, जिनके जवाबों से यह स्पष्ट हो गया कि वह सचमुच वही टॉम सेशियल था जिसके बारे में उसने बताया था; लेकिन सांचो के मन पर उसके गुरु द्वारा

जादूगरों के बारे में कही गई बातों का गहरा प्रभाव था कि उन्होंने दर्पणों के शूरवीर का चेहरा कुंवारे सैमसन कैरास्को में बदल दिया था, जिससे वह अपनी आँखों से देखी हुई बात पर विश्वास नहीं कर पा रहा था। अंततः, गुरु और शिष्य दोनों ही भ्रम में रहे; और निराश होकर, दर्पणों का शूरवीर और उसका सहायक डॉन क्विक्सोट और सांचो से विदा हो गए, क्योंकि वह किसी ऐसे गाँव की तलाश में था जहाँ वह अपनी पसलियों पर पट्टी बाँध सके। डॉन क्विक्सोट और सांचो ने सारागोसा के लिए अपनी यात्रा फिर से शुरू की, और कहानी वहीं समाप्त होती है ताकि यह पता चल सके कि दर्पणों का शूरवीर और उसका लंबी नाक वाला सहायक कौन थे।

15

अध्याय
जिसमें यह बताया और ज्ञात है कि दर्पणों का योद्धा और उसका सहायक कौन थे। डॉन क्विक्सोट बेहद संतुष्ट, उत्साहित और घमंडी होकर चला गया क्योंकि उसने दर्पणों के उस वीर योद्धा पर विजय प्राप्त कर ली थी, जिसे वह वीर समझता था। उसे उम्मीद थी कि उस योद्धा के वचन से उसे पता चलेगा कि उसकी प्रेमिका का जादू अभी भी कायम है या नहीं; क्योंकि पराजित योद्धा को वीर न रहने की सजा के तहत वापस आकर उसे अपने और प्रेमिका के बीच हुई घटनाओं का ब्योरा देना था। लेकिन डॉन क्विक्सोट की सोच अलग थी और दर्पणों के योद्धा की, क्योंकि उस समय उसके मन में केवल यही विचार था कि वह किसी ऐसे गाँव की तलाश करे जहाँ वह आराम कर सके, जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है। इतिहास आगे कहता है कि जब कुंवारे सैमसन कैरास्को ने डॉन क्विक्सोट को अपने छोड़े हुए वीर-यात्रा को फिर से शुरू करने की सलाह दी, तो इसका कारण यह था कि उसने पहले पादरी और नाई के साथ मिलकर इस बात पर विचार-विमर्श किया था कि डॉन क्विक्सोट को अपने दुर्भाग्यपूर्ण कारनामों की चिंता किए बिना शांति से घर पर रहने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए। उस परामर्श में सभी की सर्वसम्मति से और कैरास्को की विशेष सलाह पर यह निर्णय लिया गया कि डॉन क्विक्सोट को जाने दिया जाए, क्योंकि उसे रोकना असंभव प्रतीत होता था, और सैमसन को एक वीर योद्धा के रूप में उससे मिलने के लिए भेजा जाए और उससे युद्ध किया जाए, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं था, और उसे आसानी से पराजित किया जाए; और यह भी तय किया जाए कि पराजित योद्धा विजयी की दया पर रहेगा। फिर, डॉन क्विक्सोट के पराजित होने पर, अविवाहित योद्धा उसे अपने गाँव और घर लौटने का आदेश देगा, और दो वर्षों तक या उससे आगे के आदेश प्राप्त होने तक उसे वहाँ से बाहर न निकलने के लिए कहेगा; यह स्पष्ट था कि डॉन क्विक्सोट बिना किसी हिचकिचाहट के इन सभी आदेशों का पालन करेगा, न कि वीरता के नियमों का उल्लंघन करेगा; और अपने एकांतवास के दौरान शायद वह अपनी मूर्खता को भूल जाए, या उसे अपने पागलपन का कोई कारगर उपाय मिल जाए। कैरास्को ने यह कार्य अपने हाथ में लिया, और सांचो पांजा के पड़ोसी और गपशप करने वाले टॉम सेशियल, जो एक चंचल और बेपरवाह व्यक्ति थे, ने खुद को उनके सहायक के रूप में पेश किया। कैरास्को ने वर्णित तरीके से हथियारबंद होकर खुद को तैयार

किया, और टॉम सेशियल ने, ताकि जब वे मिलें तो उसकी गपशप से उसकी पहचान न हो सके, अपनी असली नाक पर वही नकली नकाब लगा लिया जिसका उल्लेख किया गया है; और इस तरह वे उसी रास्ते पर चले जिस पर डॉन क्विक्सोट चला था, और लगभग समय पर उसके पास पहुँच गए ताकि मृत्यु की गाड़ी के रोमांच के समय मौजूद रह सकें और अंत में उस उपवन में उनसे मिले, जहाँ वह सब कुछ हुआ जिसके बारे में बुद्धिमान पाठक पढ़ रहे हैं; और यदि डॉन क्विक्सोट की असाधारण कल्पनाएँ और उसका यह दृढ़ विश्वास न होता कि कुंवारा व्यक्ति कुंवारा नहीं है, तो वह कुंवारा व्यक्ति हमेशा के लिए अपनी स्नातक उपाधि प्राप्त करने में असमर्थ हो जाता, क्योंकि उसे वहाँ घोंसले नहीं मिले जहाँ उसे पक्षियों के मिलने की उम्मीद थी।
टॉम सेसियल ने उनकी नाकामी और अभियान के दुखद अंत को देखकर उस कुंवारे से कहा, "सचमुच, श्री सैमसन कैरास्को, हमारे साथ सही हुआ; किसी काम की योजना बनाना और उसे अंजाम देना तो आसान है, लेकिन उससे सही तरीके से निकल पाना अक्सर मुश्किल होता है। डॉन क्विक्सोट पागल है और हम समझदार; वह हंसते- हंसते सुरक्षित चला गया, और आप दुखी और पछताते रह गए! अब मैं जानना चाहता हूँ कि कौन ज़्यादा पागल है, वह जो मजबूरी में पागल है या वह जो अपनी मर्ज़ी से पागल है?"
इस पर सैमसन ने उत्तर दिया, "पागलों के दो प्रकारों में अंतर यह है कि जो व्यक्ति जानबूझकर पागल होता है, वह हमेशा पागल ही रहेगा, जबकि जो व्यक्ति अपनी मर्जी से पागल होता है, वह जब चाहे पागल होना छोड़ सकता है।"
"तो फिर," टॉम सेसियल ने कहा, "जब मैंने स्वेच्छा से आपका सहायक बनने का फैसला किया था, तब मैं अपनी मर्जी से पागल था, और अपनी मर्जी से ही मैं यह पागलपन छोड़ दूंगा और घर चला जाऊंगा।"
"यह तुम्हारा मामला है," सैमसन ने जवाब दिया, "लेकिन यह सोचना कि मैं डॉन क्विक्सोट को बुरी तरह पीटे बिना घर जा रहा हूँ, बेवकूफी है; और यह कोई इच्छा नहीं है कि वह होश में आ जाए, जिसके कारण मैं अभी उसका पीछा कर रहा हूँ, बल्कि मेरी पसलियों में हो रहे असहनीय दर्द के कारण मैं उसके बारे में और अधिक दयालु विचार नहीं रख पा रहा हूँ।"
इस प्रकार बातचीत करते हुए, वे दोनों एक कस्बे में पहुँचे जहाँ सौभाग्यवश उन्हें एक हड्डी रोग विशेषज्ञ मिल गया, जिसकी सहायता से दुर्भाग्यशाली सैमसन ठीक हो गया। टॉम सेशियल उसे छोड़कर घर चला गया, जबकि वह बदला लेने की

योजना बनाते हुए वहीं रुक गया; और इतिहास उचित समय पर उसके पास फिर लौटेगा, ताकि डॉन क्विक्सोट के साथ मौज-मस्ती करने का मौका न छूटे।

16

अध्याय
डॉन क्विक्सोट का ला मांचा के एक विवेकशील सज्जन के साथ क्या हुआ?
डॉन क्विक्सोट ने पहले से वर्णित उमंग, संतुष्टि और आत्मसंतुष्टि के साथ अपनी यात्रा जारी रखी, और अपनी हालिया जीत के कारण स्वयं को युग का सबसे वीर योद्धा मान रहा था। आगे आने वाली सभी रोमांचक घटनाओं को वह पहले ही समाप्त और सुखद अंत की ओर अग्रसर मान रहा था; उसने जादू-टोने और जादूगरों को तुच्छ समझा; उसने अपने वीर-यात्रा के दौरान मिली अनगिनत मार-पिटाई, अपने आधे दांत तोड़ देने वाले पत्थरों की बौछार, जहाज़ के दासों की कृतघ्नता, यांगुएसानों के दुस्साहस और उस पर बरसाए गए खंभों की बौछार के बारे में सोचना बंद कर दिया; संक्षेप में, उसने मन ही मन कहा कि यदि उसे अपनी प्रेमिका डुलसीनिया के जादू को तोड़ने का कोई साधन, तरीका या उपाय मिल भी जाए, तो वह उस सर्वोच्च भाग्य से भी ईर्ष्या नहीं करेगा जो अतीत के सबसे भाग्यशाली योद्धा ने कभी प्राप्त किया हो या प्राप्त कर सकता हो।
वह पूरी तरह से इन कल्पनाओं में डूबा हुआ था, तभी सांचो ने उससे कहा, "क्या यह अजीब नहीं है, महोदय, कि मेरे सामने अभी भी मेरे चुगलखोर टॉम सेशियल की वह विशालकाय नाक है?"
"तो क्या तुम मानते हो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि दर्पणों का शूरवीर कुंवारा कैरास्को था, और उसका सहायक टॉम सेसियल तुम्हारा चुगलखोर था?"
"मुझे नहीं पता कि इस पर क्या कहूँ," सांचो ने उत्तर दिया; "मैं बस इतना जानता हूँ कि उसने मुझे मेरे घर, पत्नी और बच्चों के बारे में जो संकेत दिए, वे उसके अलावा कोई और नहीं दे सकता था; और नाक हटा देने के बाद, चेहरा बिल्कुल टॉम सेसियल का ही था, जैसा कि मैंने उसे अपने शहर में और अपने घर के बगल में कई बार देखा है; और आवाज़ भी बिलकुल वैसी ही थी।"
“सांचो, ज़रा सोच-विचार करो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा। “सोचो, किस तर्क से यह माना जा सकता है कि कुंवारा सैमसन कैरास्को एक वीर योद्धा बनकर, आक्रामक

और रक्षात्मक हथियारों से लैस होकर, मुझसे लड़ने आएगा? क्या मैं कभी उसका दुश्मन रहा हूँ? क्या मैंने कभी उसे मुझसे दुश्मनी रखने का कोई कारण दिया है? क्या मैं उसका प्रतिद्वंद्वी हूँ, या वह खुद हथियार उठाता है, इसलिए वह मेरी प्रसिद्धि से ईर्ष्या करता है?”
"अच्छा, लेकिन महोदय," सांचो ने जवाब दिया, "उस शूरवीर के बारे में हम क्या कहें, चाहे वह कोई भी हो, जो कुंवारे कैरास्को से इतना मिलता-जुलता है, और उसका सहायक मेरे चहेते टॉम सेसियल से इतना मिलता-जुलता है? और अगर यह जादू है, जैसा कि आप कहते हैं, तो क्या दुनिया में कोई और जोड़ी नहीं थी जिसकी वे शक्ल ले सकें?"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यह सब मुझे सताने वाले दुष्ट जादूगरों की एक साज़िश है। उन्होंने यह देखकर कि मैं युद्ध में विजयी होऊंगा, यह सुनिश्चित किया कि पराजित योद्धा मेरे मित्र, कुंवारे, का चेहरा दिखाए, ताकि मेरी मित्रता मेरी तलवार की धार और मेरे बाजू की ताकत को रोक सके और मेरे हृदय के उचित क्रोध को शांत कर सके; ताकि जिसने छल और धोखे से मेरी जान लेने की कोशिश की, वह अपनी जान बचा ले। और इसे साबित करने के लिए, सांचो, तुम अपने अनुभव से जानते हो, जो झूठ नहीं बोल सकता और धोखा नहीं दे सकता, कि जादूगरों के लिए एक चेहरे को दूसरे में बदलना कितना आसान है, सुंदर को बदसूरत और बदसूरत को सुंदर बनाना; क्योंकि दो दिन भी नहीं बीते जब तुमने अपनी आँखों से अद्वितीय डुलसीनिया की सुंदरता और शालीनता को उसकी संपूर्णता और स्वाभाविक सामंजस्य में देखा था, जबकि मैंने उसे एक भद्दी देहाती लड़की के घृणित और नीच रूप में देखा था, जिसकी आँखों में मोतियाबिंद था और मुँह से दुर्गंध आ रही थी; और जब उस दुष्ट जादूगर ने इतना घिनौना रूपान्तरण करने का साहस किया, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उसने सैमसन कैरास्को और तुम्हारे चुगलखोर का रूपान्तरण इसलिए किया ताकि विजय का गौरव मुझसे छीन सके। फिर भी, मैं अपने आप को दिलासा देता हूँ, क्योंकि अंततः, चाहे वह किसी भी रूप में रहा हो, मैंने अपने शत्रु पर विजय प्राप्त कर ली है।
"भगवान ही जाने इस सब की सच्चाई क्या है," सांचो ने कहा; और यह जानते हुए कि डुलसीनिया का रूपांतरण उसी की एक चाल और छल था, उसके स्वामी के भ्रम उसे संतुष्ट नहीं कर रहे थे; लेकिन उसने जवाब देना उचित नहीं समझा, कहीं ऐसा न हो कि वह कुछ ऐसा कह दे जिससे उसकी चालबाज़ी का पर्दाफाश हो जाए।

जब वे इस बातचीत में मग्न थे, तभी उनके पीछे उसी सड़क पर एक आदमी आ पहुँचा, जो एक बेहद खूबसूरत, खुरदरी घोड़ी पर सवार था। उसने हरे रंग के बढ़िया कपड़े का गबन पहना हुआ था, जिस पर भूरे मखमल की किनारी लगी थी, और उसी मखमल की एक मॉन्टेरा भी पहनी थी। घोड़ी का साज-सामान देहाती और जिनेटा शैली का था, और शहतूत और हरे रंग का था। उसके पास एक चौड़ी हरी और सुनहरी कमरबंद से लटकती हुई मूरिश कटार थी; उसके जूते कमरबंद के ही बने थे; उसके स्पर्स सोने के नहीं, बल्कि हरे रंग से लेपित थे, और इतने चमकदार थे कि उसके बाकी कपड़ों से मेल खाते हुए, वे शुद्ध सोने के स्पर्स से भी बेहतर दिख रहे थे। जब यात्री उनके पास पहुँचा तो उसने विनम्रतापूर्वक उनका अभिवादन किया और अपनी घोड़ी को एड़ी मारकर बिना रुके उनके पास से गुजरने लगा, लेकिन डॉन क्विक्सोट ने उसे पुकारा, "महाराज, यदि आप हमारी ही राह पर जा रहे हैं और आपको जल्दी करने की आवश्यकता नहीं है, तो मुझे आपके साथ यात्रा करने में खुशी होगी।"
"सच कहूं तो," उसने घोड़ी पर सवार होकर उत्तर दिया, "मैं तुम्हें इतनी जल्दी से पार नहीं करता, सिवाय इस डर के कि कहीं वह घोड़ा मेरी घोड़ी की संगति में बेचैन न हो जाए।"
"महाराज, आप निश्चिंत होकर अपनी घोड़ी को रोक सकते हैं," सांचो ने इसके उत्तर में कहा, "क्योंकि हमारी घोड़ी दुनिया की सबसे गुणी और नेक घोड़ी है; वह ऐसे मौकों पर कभी कोई गलती नहीं करती, और केवल एक बार जब उसने दुर्व्यवहार किया, तो मेरे स्वामी और मुझे उसका सात गुना दंड भुगतना पड़ा; मैं फिर कहता हूँ, महाराज, यदि आप चाहें तो उसे रोक सकते हैं; क्योंकि यदि उसे दो थालियों के बीच रखकर भी उसे भेंट किया जाए, तो भी वह उसके लिए ललचाएगी नहीं।"
यात्री ने लगाम खींची, डॉन क्विक्सोट की चुस्ती-फुर्ती और चेहरे-मोहरे देखकर वह चकित रह गया। डॉन क्विक्सोट बिना हेलमेट के घोड़े पर सवार था, जिसे सांचो डैपल की काठी के आगे सूटकेस की तरह लटकाए हुए था। हरे वस्त्र पहने उस व्यक्ति ने डॉन क्विक्सोट को गौर से देखा, लेकिन डॉन क्विक्सोट ने उससे भी अधिक गौर से उस व्यक्ति को देखा, जो उसे बुद्धिमान प्रतीत हुआ। देखने में वह लगभग पचास वर्ष का लग रहा था, उसके बाल बहुत कम सफेद थे, चेहरे की बनावट बाज जैसी थी और उसका भाव गंभीर और प्रसन्न दोनों था। उसके वस्त्र और साजो-सामान से भी उसकी सेहत का अंदाजा लगाया जा सकता था। हरे वस्त्र

पहने उस व्यक्ति ने ला मांचा के डॉन क्विक्सोट के बारे में सोचा कि उसने इस तरह का और इस कद-काठी का व्यक्ति पहले कभी नहीं देखा था। वह उसके बालों की लंबाई, उसकी ऊँची कद-काठी, उसके चेहरे की दुबली-पतली और पीली रंगत, उसके कवच, उसके हाव-भाव और उसकी गंभीरता को देखकर दंग रह गया—ऐसा व्यक्तित्व और छवि उस क्षेत्र में कई दिनों से नहीं देखी गई थी।
डॉन क्विक्सोट ने स्पष्ट रूप से देखा कि यात्री उसे कितने ध्यान से देख रहा था, और उसके आश्चर्य में उसकी जिज्ञासा को समझा; और अपने विनम्र स्वभाव और सबको प्रसन्न करने की तत्परता के कारण, दूसरे के कोई प्रश्न पूछने से पहले ही उन्होंने उससे पहले ही कह दिया, "मैं आपके सामने जिस रूप में प्रस्तुत हो रहा हूँ, वह इतना विचित्र और असामान्य है कि यदि आप आश्चर्यचकित हों तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा; लेकिन जब मैं आपको बताऊँगा, जैसा कि मैं बता रहा हूँ, कि मैं उन शूरवीरों में से एक हूँ जो, जैसा कि लोग कहते हैं, रोमांच की तलाश में निकलते हैं, तो आपका आश्चर्य समाप्त हो जाएगा। मैंने अपना घर छोड़ दिया है, अपनी संपत्ति गिरवी रख दी है, अपने सुख-सुविधाओं का त्याग कर दिया है, और भाग्य के हाथों में स्वयं को सौंप दिया है, ताकि वह मुझे जहाँ चाहे ले जाए। मेरी इच्छा थी कि मृत हो चुके शूरवीरता को पुनर्जीवित करूँ, और कुछ समय से, यहाँ ठोकर खाकर, वहाँ गिरकर, कभी सिर के बल गिरकर, कभी फिर उठकर, मैंने अपने उद्देश्य का एक बड़ा हिस्सा पूरा कर लिया है, विधवाओं की सहायता कर रहा हूँ, युवतियों की रक्षा कर रहा हूँ, और पत्नियों, अनाथों और नाबालिगों की मदद कर रहा हूँ, जो शूरवीरों का उचित और स्वाभाविक कर्तव्य है; और इसलिए, अपने अनेक वीर और ईसाई कार्यों के कारण, मैं पहले से ही मुझे पृथ्वी के लगभग सभी, या अधिकांश, देशों में छपने योग्य पाया गया है। मेरे इतिहास की तीस हज़ार प्रतियाँ छप चुकी हैं, और अगर ईश्वर ने इसे रोका नहीं तो यह तीस हज़ार हज़ारों बार छपने की राह पर है। संक्षेप में, कुछ शब्दों में, या एक शब्द में ही, मैं आपको बता सकता हूँ कि मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, जिसे 'दुखी चेहरे वाला योद्धा' भी कहा जाता है; क्योंकि यद्यपि आत्म-प्रशंसा अपमानजनक है, मुझे कभी-कभी अपनी प्रशंसा करनी ही पड़ती है, यानी जब मेरे लिए यह करने वाला कोई न हो। इसलिए, महोदय, न तो यह घोड़ा, न यह भाला, न यह ढाल, न यह सहायक, न ये सभी हथियार, न मेरे चेहरे का पीलापन, न मेरा दुबला-पतला शरीर, अब आपको आश्चर्यचकित कर पाएगा, क्योंकि अब आप जानते हैं कि मैं कौन हूँ और मेरा पेशा क्या है।

इन शब्दों के साथ डॉन क्विक्सोट चुप हो गया, और जब तक उसने जवाब देने के लिए समय लिया, हरे रंग के वस्त्र पहने व्यक्ति को मानो कोई जवाब नहीं सूझ रहा था; कुछ देर रुकने के बाद, उसने उससे कहा, "आप सही थे जब आपने मेरी हैरानी में जिज्ञासा देखी, महाराज; लेकिन आप मुझे देखकर जो आश्चर्य हुआ है उसे दूर नहीं कर पाए हैं; क्योंकि हालांकि आप कहते हैं, महोदय, कि आपको जानने से यह आश्चर्य दूर हो जाना चाहिए, ऐसा नहीं हुआ है; इसके विपरीत, अब जब मैं जान गया हूँ, तो मैं पहले से कहीं अधिक आश्चर्यचकित और हैरान हूँ। क्या! क्या यह संभव है कि इन दिनों दुनिया में वीर योद्धा मौजूद हैं, और सच्ची वीरता के इतिहास छप रहे हैं? मैं इस तथ्य को समझ नहीं पा रहा हूँ कि आजकल पृथ्वी पर कोई ऐसा भी हो सकता है जो विधवाओं की सहायता करे, कुंवारी लड़कियों की रक्षा करे, पत्नियों का बचाव करे, या अनाथों की मदद करे; और मैं इस पर विश्वास भी नहीं करता यदि मैंने इसे अपनी आँखों से आपको न देखा होता। ईश्वर की कृपा हो! क्योंकि आपके इस महान और सच्चे वीरतापूर्ण कार्यों के इतिहास के माध्यम से, जिसे आपने छपने का दावा किया है, दुनिया में फैले अनगिनत काल्पनिक वीर योद्धाओं की कहानियाँ, जो नैतिकता और अच्छे इतिहासों के प्रति पूर्वाग्रह और बदनामी को भुला दिया जाएगा।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "इस बात पर काफी बहस हो सकती है कि क्या वीर योद्धाओं का इतिहास काल्पनिक है या नहीं।"
हरे रंग के कपड़े पहने व्यक्ति ने कहा, "क्यों, क्या कोई ऐसा भी है जिसे इस बात पर संदेह हो कि वे इतिहास झूठे हैं?"
"मुझे इस पर संदेह है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "लेकिन अभी इसकी चिंता मत करो; अगर हमारी यात्रा काफी लंबी चलती है, तो मुझे ईश्वर पर भरोसा है कि मैं आपके सम्मान को यह दिखाऊंगा कि आप उन लोगों के साथ बहकर गलत कर रहे हैं जो इसे निश्चित रूप से असत्य मानते हैं।"
डॉन क्विक्सोट की इस आखिरी टिप्पणी से यात्री को शक होने लगा कि वह कोई पागल इंसान है और वह उससे कुछ और जानकारी मिलने का इंतजार कर रहा था; लेकिन इससे पहले कि वे किसी नए विषय पर बात कर पाते, डॉन क्विक्सोट ने उससे विनती की कि वह उसे बताए कि वह कौन है, क्योंकि उसने खुद ही अपनी स्थिति और जीवन के बारे में बता दिया था। इस पर हरे रंग के गबन पहने हुए उन्होंने उत्तर दिया, "मैं, शोकग्रस्त चेहरे वाले शूरवीर, जन्म से एक सज्जन व्यक्ति हूँ, उसी गाँव का मूल निवासी हूँ जहाँ, ईश्वर की कृपा से, हम आज भोजन करने जा रहे

हैं; मैं अच्छी खासी संपन्न हूँ, और मेरा नाम डॉन डिएगो डी मिरांडा है। मैं अपना जीवन अपनी पत्नी, बच्चों और मित्रों के साथ व्यतीत करता हूँ; मेरे शौक शिकार और मछली पकड़ना हैं, लेकिन मैं न तो बाज़ पालता हूँ और न ही ग्रेहाउंड, मेरे पास केवल एक पालतू तीतर या एक-दो बहादुर नेवले हैं; मेरे पास लगभग छह दर्जन पुस्तकें हैं, कुछ हमारी मातृभाषा में, कुछ लैटिन में, कुछ इतिहास की, कुछ धार्मिक; वीरता की पुस्तकें अभी तक मेरे घर की दहलीज पार नहीं कर पाई हैं; मैं धार्मिक पुस्तकों की तुलना में अपवित्र पुस्तकों को अधिक पसंद करता हूँ, बशर्ते वे ईमानदार मनोरंजन की पुस्तकें हों जो अपनी शैली से मनमोहक हों और अपने आविष्कार से आकर्षित और रुचिकर हों, हालाँकि स्पेन में ऐसी पुस्तकें बहुत कम हैं। कभी-कभी मैं अपने पड़ोसियों और मित्रों के साथ भोजन करता हूँ, और अक्सर उन्हें आमंत्रित करता हूँ; मेरे भोज साफ-सुथरे और अच्छी तरह से परोसे जाते हैं, बिना किसी कमी के। मुझे किसी भी चीज़ का स्वाद नहीं है। मैं चुगली नहीं करता, न ही अपनी उपस्थिति में चुगली होने देता हूँ; मैं अपने पड़ोसियों के जीवन में तांक-झांक नहीं करता, न ही दूसरों के कामों पर पैनी नज़र रखता हूँ। मैं प्रतिदिन प्रार्थना सभा में शामिल होता हूँ; मैं अपनी संपत्ति गरीबों में बाँटता हूँ, अच्छे कामों का दिखावा नहीं करता, कहीं ऐसा न हो कि पाखंड और घमंड, जो सबसे सतर्क हृदय पर भी चुपके से कब्ज़ा कर लेते हैं, मेरे हृदय में प्रवेश कर जाएँ। मैं उन लोगों के बीच सुलह कराने का प्रयास करता हूँ जिनके बीच मतभेद है; मैं हमारी माता का समर्पित सेवक हूँ, और मेरा भरोसा सदा हमारे प्रभु परमेश्वर की असीम दया पर है।
सांचो ने उस सज्जन के जीवन और व्यवसाय के वृत्तांत को अत्यंत ध्यान से सुना; और यह सोचकर कि यह एक अच्छा और पवित्र जीवन है, और ऐसा जीवन जीने वाले को चमत्कार करने चाहिए, उसने डैपल से खुद को नीचे फेंक दिया, और जल्दी से दौड़कर उसके दाहिने रकाब को पकड़ लिया और श्रद्धापूर्वक और लगभग आँसुओं के साथ बार-बार उसके पैर को चूमा।
यह देखकर उस सज्जन ने उससे पूछा, "भाई, तुम क्या कर रहे हो? ये चुंबन किसलिए हैं?"
"मुझे चूमने दो," सांचो ने कहा, "क्योंकि मुझे लगता है कि आप मेरे जीवन में घोड़े की पीठ पर सवार होने वाले पहले संत हैं जिन्हें मैंने कभी देखा है।"

"मैं कोई संत नहीं हूँ," उस सज्जन ने उत्तर दिया, "बल्कि एक बड़ा पापी हूँ; लेकिन आप हैं, भाई, क्योंकि आपकी सादगी से पता चलता है कि आप एक अच्छे इंसान हैं।"
सांचो वापस गया और अपना सामान ढोने वाला काठी उठा लिया। उसने अपने स्वामी की गहरी उदासी पर हँसी ला दी और डॉन डिएगो को फिर से आश्चर्यचकित कर दिया। डॉन क्विक्सोट ने उससे पूछा कि उसके कितने बच्चे हैं, और कहा कि प्राचीन दार्शनिक, जिन्हें ईश्वर का सच्चा ज्ञान नहीं था, प्रकृति की देन, भाग्य, अनेक मित्र और अनेक अच्छे बच्चे होने को सर्वोपरि मानते थे।
"मैं, सेनर डॉन क्विक्सोट," उस सज्जन ने उत्तर दिया, "मेरा एक पुत्र है, जिसके बिना शायद मैं स्वयं को जितना प्रसन्न हूँ उससे अधिक प्रसन्न होता, इसलिए नहीं कि वह बुरा पुत्र है, बल्कि इसलिए कि वह उतना अच्छा नहीं है जितना मैं चाहता हूँ। वह अठारह वर्ष का है; वह छह वर्षों से सलामांका में लैटिन और ग्रीक का अध्ययन कर रहा है, और जब मैंने उसे अन्य विज्ञानों का अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया तो मैंने पाया कि वह कविता (यदि उसे विज्ञान कहा जा सकता है) में इतना लीन है कि उसे विधि, जिसका अध्ययन मैं उसे करवाना चाहता था, या धर्मशास्त्र, जो सभी विज्ञानों की रानी है, में रुचि लेने के लिए प्रेरित करना असंभव है। मैं चाहता हूँ कि वह अपने परिवार का गौरव बने, क्योंकि हम ऐसे युग में जी रहे हैं जब हमारे राजा सद्गुणी और योग्य शिक्षा को उदारतापूर्वक पुरस्कृत करते हैं; क्योंकि सद्गुण रहित ज्ञान कूड़े के ढेर पर पड़े मोती के समान है। वह सारा दिन इस बात पर विचार करने में व्यतीत करता है कि होमर ने इलियड की फलां पंक्ति में सही ढंग से अपनी बात रखी है या नहीं, मार्टियल फलां सूक्ति में अभद्र था या नहीं, फलां पंक्तियाँ... वर्जिल को इस तरह या उस तरह समझा जाना चाहिए; संक्षेप में, उनकी सारी बातें इन्हीं कवियों की रचनाओं और होरेस, पर्सियस, जुवेनल और टिबुलस की रचनाओं के बारे में हैं; क्योंकि हमारी अपनी भाषा के आधुनिक कवियों को वे कोई खास महत्व नहीं देते; लेकिन स्पेनिश कविता के प्रति उनकी स्पष्ट उदासीनता के बावजूद, इस समय उनके विचार सलामांका से भेजी गई चार पंक्तियों की व्याख्या करने में लगे हुए हैं, जो मुझे लगता है कि किसी काव्य प्रतियोगिता के लिए हैं।
इन सब बातों के जवाब में डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हे महोदय, बच्चे अपने माता- पिता के गर्भ के अंश होते हैं, इसलिए चाहे वे अच्छे हों या बुरे, उन्हें

वैसे ही प्यार किया जाना चाहिए जैसे हम उन आत्माओं को प्यार करते हैं जो हमें जीवन देती हैं; माता-पिता का यह कर्तव्य है कि वे उन्हें बचपन से ही सद्गुण, शिष्टाचार और उचित ईसाई आचरण के मार्ग पर मार्गदर्शन करें, ताकि बड़े होकर वे अपने माता-पिता के वृद्धावस्था के सहारा और उनकी संतानों की शान बनें; और उन्हें किसी भी विज्ञान का अध्ययन करने के लिए मजबूर करना मुझे बुद्धिमानी नहीं लगती, हालांकि उन्हें समझाना शायद नुकसानदेह न हो; और जब केवल मनोरंजन के लिए अध्ययन करने की कोई आवश्यकता न हो, और यह विद्यार्थी का सौभाग्य हो कि ईश्वर ने उसे ऐसे माता-पिता दिए हों जो उसे यह सब प्रदान करते हैं, तो मेरी सलाह यही होगी कि वे उसे उस विज्ञान का अध्ययन करने दें जिसमें वह सबसे अधिक रुचि रखता हो; और यद्यपि कविता आनंददायक से कम उपयोगी है, फिर भी यह उन चीजों में से नहीं है जो इसके स्वामी पर कलंक लगाती हैं। हे महोदय, कविता, जैसा कि मैं समझता हूँ, अत्यंत सुंदर एक कोमल युवती के समान है, उसे संवारना, सजाना और अलंकृत करना कई अन्य युवतियों का काम है, जो सभी विज्ञानों की ज्ञाता हैं; और उसे सभी की सहायता लेनी चाहिए, और सभी अपनी चमक उससे प्राप्त करते हैं। लेकिन यह युवती न तो छुई जा सकती है, न ही सड़कों पर घसीटी जा सकती है, न ही बाज़ारों के कोनों पर, न ही महलों के कोठरियों में प्रदर्शित की जा सकती है। वह एक ऐसी दिव्य रसायन विद्या की उपज है कि जो भी इसका अभ्यास करने में सक्षम है, वह उसे अमूल्य शुद्ध सोने में बदल देगा। जो भी उसे प्राप्त करता है, उसे उसे नियंत्रण में रखना चाहिए, उसे अश्लील व्यंग्य या आत्माहीन कविताएँ लिखने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। उसे किसी भी हालत में बिक्री के लिए पेश नहीं किया जाना चाहिए, सिवाय इसके कि वह वीर कविताओं, मार्मिक त्रासदियों या जीवंत और चतुर हास्य नाटकों में हो। उसे मूर्खों या अज्ञानी अशिष्ट लोगों द्वारा छुआ नहीं जाना चाहिए, जो उसके छिपे हुए खजानों को समझने या सराहने में असमर्थ हैं। और हे महोदय, यह मत समझिए कि मैं यहाँ 'अशिष्ट' शब्द का प्रयोग केवल आम लोगों और निम्न वर्गों के लिए किया जा रहा है; क्योंकि हर अज्ञानी व्यक्ति, चाहे वह स्वामी हो या राजकुमार, अशिष्टों में शामिल किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। इसलिए, जो व्यक्ति मेरे द्वारा बताए गए नियमों के अनुसार कविता को अपनाएगा और उसका विकास करेगा, वह प्रसिद्ध होगा और पृथ्वी के सभी सभ्य देशों में उसका नाम सम्मानित होगा। और जहाँ तक आपके इस कथन का सवाल है, महोदय, कि आपके पुत्र को स्पेनिश कविता के बारे में कोई विशेष राय नहीं

तरह की सुंदरता से ऐसे प्रवचन रचे जिनमें वह सामान्यतः बुराइयों की निंदा करे, तो उसकी प्रशंसा करें; क्योंकि एक कवि के लिए ईर्ष्या के विरुद्ध लिखना और अपनी कविता में ईर्ष्यालु लोगों और अन्य बुराइयों की निंदा करना जायज़ है, बशर्ते वह किसी व्यक्ति विशेष को निशाना न बनाए; हालाँकि, ऐसे कवि भी हैं जो द्वेषपूर्ण बात कहने के लिए पोंटस के तट पर निर्वासित होने का जोखिम उठा लेते हैं। यदि कवि अपने नैतिक मूल्यों में शुद्ध है, तो वह जीवन में भी शुद्ध होगा। उनकी कविताएँ भी वैसी ही हैं; कलम मन की ज़बान है, और जैसा विचार उसमें उत्पन्न होता है, वैसा ही वह लिखती है। और जब राजा और राजकुमार बुद्धिमान, गुणी और विचारशील प्रजा में कविता के इस अद्भुत विज्ञान को देखते हैं, तो वे उनका आदर, सम्मान और उत्थान करते हैं, और यहाँ तक कि उन्हें उस वृक्ष के पत्तों से ताज पहनाते हैं जिस पर वज्रपात नहीं होता, मानो यह दर्शाने के लिए कि जिनके माथे ऐसे ताज से सुशोभित और सम्मानित हैं, उन पर कोई हमला नहीं कर सकता।
हरे गबन का वह व्यक्ति डॉन क्विक्सोट के तर्क से इतना चकित हुआ कि उसने उसके पागल होने के अपने विचार को त्यागने ही वाला था। लेकिन बातचीत के बीच में ही, क्योंकि उसे बातचीत में कुछ रुचि नहीं थी, सांचो सड़क से हटकर पास में अपनी भेड़ों का दुहरण कर रहे कुछ चरवाहों से थोड़ा दूध मांगने चला गया। और जैसे ही वह सज्जन, जो बहुत प्रसन्न थे, बातचीत फिर से शुरू करने वाले थे, डॉन क्विक्सोट ने अपना सिर उठाकर देखा कि शाही झंडों से सजी एक गाड़ी उसी रास्ते पर आ रही है जिस पर वे जा रहे थे। यह सोचकर कि यह कोई नया रोमांच होगा, उसने सांचो को जोर से पुकारा कि वह आकर उसका हेलमेट ले आए। सांचो ने पुकार सुनकर चरवाहों को छोड़ दिया और डैपल को जोर से धक्का देते हुए अपने स्वामी के पास पहुंचा, जिसके साथ एक भयानक और जानलेवा घटना घटित हुई।

17

अध्याय
इसमें डॉन क्विक्सोट के अद्वितीय साहस की चरम सीमा और उच्चतम बिंदु को दर्शाया गया है, जहाँ तक वह पहुँच सकता था या पहुँच सकता था; साथ ही शेरों के सफल साहसिक कार्य को भी दिखाया गया है।
इतिहास कहता है कि जब डॉन क्विक्सोट ने सांचो को अपना हेलमेट लाने के लिए पुकारा, तो सांचो चरवाहों से दही खरीद रहा था, और अपने मालिक की अत्यधिक जल्दबाजी के कारण वह समझ नहीं पा रहा था कि दही का क्या करे या उसे किसमें ले जाए; इसलिए, क्योंकि उसने पहले ही उसके लिए भुगतान कर दिया था, उसे लगा कि उसे खोना नहीं चाहिए, इसलिए उसने उसे अपने मालिक के हेलमेट में डालना ही बेहतर समझा। इसी सूझबूझ से वह यह देखने गया कि उसके मालिक को उससे क्या चाहिए। पास पहुँचते ही उसने उससे कहा:
"मुझे वह हेलमेट दे दो, मेरे दोस्त, क्योंकि या तो मुझे रोमांच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, या जो मैं वहाँ देख रहा हूँ वह ऐसा है जो मुझे हथियारबंद होने के लिए मजबूर करेगा, और कर भी रहा है।"
हरे गबन वाले ने यह सुनकर चारों ओर देखा, लेकिन उसे कुछ भी दिखाई नहीं दिया, सिवाय एक गाड़ी के जो उनकी ओर आ रही थी, जिस पर दो-तीन छोटे झंडे लगे थे। इससे उसने अनुमान लगाया कि उसमें राजा का खजाना होगा, और उसने यह बात डॉन क्विक्सोट को बताई। हालाँकि, डॉन क्विक्सोट ने उसकी बात पर विश्वास नहीं किया, क्योंकि वह हमेशा से मानता था कि उसके साथ जो कुछ भी घटित होता है, वह रोमांच ही होता है; इसलिए उसने उस सज्जन को उत्तर दिया, "जो तैयार रहता है, उसकी आधी लड़ाई जीत ली जाती है; मेरे तैयार रहने से कुछ भी नहीं खोएगा, क्योंकि मुझे अनुभव से पता है कि मेरे शत्रु हैं, दृश्य और अदृश्य, और मुझे नहीं पता कि वे कब, कहाँ, किस क्षण, किस रूप में मुझ पर हमला करेंगे;" और सांचो की ओर मुड़कर उसने अपना हेलमेट मंगवाया; और सांचो के पास दही निकालने का समय नहीं था, इसलिए उसे हेलमेट वैसे ही देना पड़ा। डॉन क्विक्सोट ने हेलमेट लिया, और उसमें क्या है यह देखे बिना ही उसे जल्दबाजी में अपने सिर पर पहन लिया; लेकिन जैसे ही दही को दबाया और निचोड़ा गया, मट्ठा उसके चेहरे और दाढ़ी पर बहने लगा, जिससे वह इतना चौंक गया कि उसने सांचो को पुकारा:

"सांचो, ये क्या हो रहा है? लगता है मेरा सिर पिघल रहा है, या मेरा दिमाग पिघल रहा है, या मैं सिर से पैर तक पसीने से भीग रहा हूँ! अगर पसीना आ रहा है तो डर से तो बिल्कुल नहीं। मुझे पूरा यकीन है कि जो मुसीबत मेरे सामने आने वाली है, वो बहुत भयानक होगी। अगर तुम्हारे पास कुछ है तो मुझे पसीना पोंछने के लिए दे दो, क्योंकि इस अत्यधिक पसीने से मेरी आँखें चौंधिया रही हैं।"
सांचो चुप रहा, उसे एक कपड़ा दिया और साथ ही ईश्वर का धन्यवाद किया कि उसके स्वामी को पता नहीं चला कि मामला क्या था। फिर डॉन क्विक्सोट ने खुद को पोंछा और यह देखने के लिए अपना हेलमेट उतार दिया कि आखिर किस चीज से उसका सिर इतना ठंडा महसूस हो रहा था। हेलमेट के अंदर उस सफेद पेस्ट को देखकर उसने उसे अपनी नाक के पास ले गया और जैसे ही उसने उसे सूंघा, वह चिल्ला उठा: "मेरी लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो की कसम, तूने यहाँ दही रख दिया है, तू धोखेबाज, ढीठ और बदतमीज सरदार!"
इस पर सांचो ने बड़े संयम और बनावटी मासूमियत से जवाब दिया, "अगर ये दही हैं तो मुझे दे दीजिए, महाराज, मैं इन्हें खा लूँगा; लेकिन शैतान इन्हें खा जाए, क्योंकि उसी ने इन्हें वहाँ रखा होगा। मैं आपके हेलमेट को गंदा करने की हिम्मत कैसे करूँ! आपने अपराधी का बिल्कुल सही अंदाज़ा लगाया है! सच में, महाराज, ईश्वर के दिए प्रकाश से, ऐसा लगता है कि मुझ पर भी कुछ जादूगर हैं, जो मुझे आपके एक सेवक और अंग के रूप में सता रहे हैं, और उन्होंने आपकी सहनशीलता को भड़काने और आपको मेरी पसलियों पर हमेशा की तरह नमक छिड़कने के लिए ये गंदगी वहाँ रखी होगी। खैर, इस बार तो वे अपने लक्ष्य से चूक गए हैं, क्योंकि मुझे अपने स्वामी की समझदारी पर भरोसा है कि उन्होंने देखा होगा कि मेरे पास दही या दूध या इस तरह की कोई चीज़ नहीं है; और अगर होती भी तो मैं उसे अपने पेट में रखता, हेलमेट में नहीं।"
“हो सकता है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा। यह सब वह सज्जन देख रहे थे, और आश्चर्य से, विशेष रूप से तब जब डॉन क्विक्सोट ने अपना सिर, चेहरा, दाढ़ी और हेलमेट अच्छी तरह से साफ करने के बाद उसे पहना, और रकाब में मजबूती से बैठते हुए, अपनी तलवार को म्यान में रखते हुए, और अपना भाला पकड़ते हुए चिल्लाए, “अब जो भी आना चाहे, मैं यहाँ हूँ, शैतान से आमने-सामने मुकाबला करने के लिए तैयार!”

तब तक झंडों से लदी गाड़ी आ चुकी थी, जिसमें खच्चर पर सवार गाड़ीवान और आगे बैठा एक आदमी के अलावा कोई नहीं था। डॉन क्विक्सोट उसके सामने आकर खड़ा हो गया और बोला, "भाइयों, आप कहाँ जा रहे हैं? यह कौन सी गाड़ी है? इसमें क्या है? ये कौन से झंडे हैं?"
इस पर गाड़ीवान ने जवाब दिया, "गाड़ी मेरी है; इसमें पिंजरे में बंद दो जंगली शेर हैं, जिन्हें ओरान के गवर्नर महाराज को भेंट के रूप में भेज रहे हैं; और झंडे हमारे स्वामी राजा के हैं, यह दिखाने के लिए कि यहाँ जो कुछ भी है वह उनकी संपत्ति है।"
"और क्या शेर बड़े होते हैं?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
गाड़ी के दरवाजे पर बैठे आदमी ने जवाब दिया, "ये इतने बड़े हैं कि इनसे बड़े या इनके बराबर के जानवर अफ्रीका से स्पेन तक कभी नहीं आए। मैं इनका रखवाला हूँ और मैंने कई जानवरों को लाया है, लेकिन इन जैसे जानवर पहले कभी नहीं लाए। ये नर और मादा हैं; नर पहले पिंजरे में है और मादा उसके पीछे वाले पिंजरे में। ये भूखे हैं, क्योंकि इन्होंने आज कुछ नहीं खाया है, इसलिए महाराज कृपया एक तरफ हट जाइए, क्योंकि हमें जल्दी से उस जगह जाना है जहाँ हम इन्हें खाना खिलाएँगे।"
इस पर, हल्की सी मुस्कान के साथ, डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मेरे पास शेर के बच्चे! मेरे पास शेर के बच्चे, और वो भी ऐसे समय में! तो, भगवान की कसम! जिन सज्जनों ने इन्हें यहाँ भेजा है, उन्हें पता चलेगा कि क्या मैं शेरों से डरने वाला आदमी हूँ। नीचे उतरो, मेरे दोस्त, और क्योंकि तुम रखवाले हो, पिंजरे खोलो, और उन जानवरों को मेरे पास छोड़ दो, और इस मैदान के बीचोंबीच मैं उन्हें बता दूँगा कि ला मांचा का डॉन क्विक्सोट कौन है, उन जादूगरों के बावजूद जिन्होंने उन्हें मेरे पास भेजा है।"
"ठीक है, ठीक है," यह सुनकर सज्जन ने मन ही मन कहा; "हमारे इस नेक योद्धा ने दिखा दिया है कि वह किस तरह का इंसान है; दही ने निस्संदेह उसकी खोपड़ी को नरम कर दिया है और उसके दिमाग को तेज कर दिया है।"
इसी क्षण सांचो उसके पास आया और बोला, "महोदय, भगवान के लिए कुछ ऐसा कीजिए जिससे मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट इन शेरों से भिड़ने से रुकें; क्योंकि अगर उन्होंने ऐसा किया तो ये शेर हम सबको यहीं टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।" "तो क्या तुम्हारा स्वामी इतना पागल है," उस सज्जन ने पूछा, "कि तुम मानते हो और डरते हो कि वह ऐसे खूंखार जानवरों से मुकाबला करेगा?"

"वह पागल नहीं है," सांचो ने कहा, "लेकिन वह साहसी है।"
“मैं इसे रोकूंगा,” उस सज्जन ने कहा; और डॉन क्विक्सोट के पास जाकर, जो पिंजरे खोलने के लिए रखवाले पर ज़ोर दे रहा था, उसने उससे कहा, “महोदय शूरवीर, वीर योद्धाओं को ऐसे साहसिक कार्य करने चाहिए जिनसे सफलता की उम्मीद बढ़े, न कि ऐसे कार्य जिनसे सफलता की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए; क्योंकि दुस्साहस पर आधारित वीरता साहस से ज़्यादा पागलपन की निशानी होती है; इसके अलावा, ये शेर आपका विरोध करने नहीं आए हैं, न ही वे ऐसा सपना देखते हैं; वे महाराज को भेंट के रूप में जा रहे हैं, और उन्हें रोकना या उनकी यात्रा में देरी करना उचित नहीं होगा।”
“महोदय,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “आप जाइए और अपने पालतू तीतर और बहादुर नेवले का ध्यान रखिए, और बाकी सब को अपना-अपना काम करने दीजिए; यह मेरा काम है, और मुझे पता है कि ये सज्जन शेर मेरे पास आते हैं या नहीं;” और फिर रखवाले की ओर मुड़कर उसने कहा, “भगवान की कसम, हे बदमाश, अगर तुमने अभी पिंजरे नहीं खोले, तो मैं तुम्हें इस भाले से गाड़ी से बांध दूंगा।” कवचधारी उस प्रेत के दृढ़ संकल्प को देखकर गाड़ीवान ने उससे कहा, "महोदय, दया करके मुझे खच्चरों को जुए से मुक्त करने और शेरों के निकलने से पहले उनके साथ सुरक्षित स्थान पर पहुँचने की अनुमति दें; क्योंकि यदि वे मुझे मार डालते हैं तो मैं जीवन भर के लिए बर्बाद हो जाऊँगा, क्योंकि मेरे पास इस गाड़ी और खच्चरों के अलावा कुछ भी नहीं है।"
"हे अल्पविश्वासी व्यक्ति," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "नीचे उतरो और जुए को खोल दो; तुम जल्द ही देखोगे कि तुम व्यर्थ ही परिश्रम कर रहे हो, और तुम इस परेशानी से बच सकते थे।"
गाड़ीवान नीचे उतरा और पूरी तेज़ी से खच्चरों को खोल दिया, और रखवाले ने ज़ोर से चिल्लाकर कहा, "मैं यहाँ सभी को गवाह बनाता हूँ कि अपनी इच्छा के विरुद्ध और मजबूरी में मैं पिंजरे खोलकर शेरों को आज़ाद कर रहा हूँ, और मैं इस सज्जन को चेतावनी देता हूँ कि इन जानवरों द्वारा किए गए सभी नुकसान और गड़बड़ी के लिए वह ज़िम्मेदार होगा, साथ ही मेरे वेतन और बकाया के लिए भी। आप सभी सज्जन पिंजरे खोलने से पहले सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ, क्योंकि मुझे पता है कि वे मुझे कोई नुकसान नहीं पहुँचाएँगे।"
एक बार फिर उस सज्जन ने डॉन क्विक्सोट को समझाने का प्रयास किया कि वह ऐसा पागलपन भरा काम न करे, क्योंकि ऐसा करना ईश्वर को चुनौती देने जैसा था। इस

पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया कि वह जानता है कि वह क्या कर रहा है। बदले में सज्जन ने उससे विचार करने का आग्रह किया, क्योंकि वह जानता था कि वह भ्रम में है।
"ठीक है, महोदय," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यदि आप इस त्रासदी के दर्शक नहीं बनना चाहते, जैसा कि आपके विचार में होगा, तो अपनी खूंखार घोड़ी को लगाम कसें और स्वयं को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं।"
यह सुनकर सांचो आँखों में आँसू लिए उनसे विनती करने लगा कि वे इस काम को छोड़ दें, जिसके सामने पवनचक्कियों का काम, भयानक ऊन धोने की चक्की का काम और वास्तव में जीवन भर में किए गए उनके सारे प्रयास तुच्छ थे। सांचो ने कहा, "देखिए, महोदय, यहाँ कोई जादू-टोना नहीं है, न ही ऐसा कुछ है, क्योंकि पिंजरे की सलाखों और दरारों के बीच मैंने एक असली शेर का पंजा देखा है, और उसे देखकर मेरा अनुमान है कि जिस शेर का ऐसा पंजा हो सकता है वह पहाड़ से भी बड़ा होगा।"
“कम से कम डर तो उसे तुम्हारे सामने आधी दुनिया से भी बड़ा बना देगा। सैंचो, पीछे हट जाओ और मुझे अकेला छोड़ दो; और अगर मैं यहाँ मर जाऊँ तो तुम्हें हमारा पुराना समझौता याद है; तुम डुलसीनिया जाओगे—मैं और कुछ नहीं कहूँगा।” उसने कुछ और शब्द जोड़े जिससे उसके इस पागलपन भरे इरादे को छोड़ने की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। हरे गबन का वह व्यक्ति विरोध करना चाहता था, लेकिन हथियारों के मामले में वह उससे कमज़ोर साबित हुआ, और उसने एक पागल से भिड़ना उचित नहीं समझा, क्योंकि डॉन क्विक्सोट अब हर तरह से पागल ही साबित हो रहा था; और बाद वाले ने रखवाले को अपने आदेश दोहराते हुए और अपनी धमकियाँ फिर से देते हुए, उस सज्जन को अपनी घोड़ी को, सैंचो को अपने चितकबरे घोड़े को और गाड़ीवाले को अपने खच्चरों को एड़ी मारने की चेतावनी दी, ताकि शेरों के भागने से पहले वे सभी गाड़ी से जितना हो सके दूर भाग सकें। सांचो अपने स्वामी की मृत्यु पर रो रहा था, क्योंकि इस बार उसे पक्का यकीन था कि शेरों के चंगुल में उसका भी यही हाल होगा; उसने अपने भाग्य को कोसा और उसे अशुभ समय बताया जब उसने दोबारा स्वामी की सेवा करने के बारे में सोचा; लेकिन अपने आंसुओं और विलाप के बावजूद वह डैपल को पीटना नहीं भूला ताकि गाड़ी से अच्छी खासी दूरी बना ले। रखवाले ने देखा कि भागे हुए लोग अब कुछ दूरी पर जा चुके हैं, तो उसने पहले की तरह एक बार फिर उससे विनती की और चेतावनी दी; लेकिन उसने जवाब दिया कि उसने उसकी बात सुन ली है,

और उसे आगे कोई चेतावनी या विनती करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि वे व्यर्थ होंगी, और उसे जल्दी करने को कहा।
जब तक रक्षक पहला पिंजरा खोल रहा था, उस दौरान हुई देरी में डॉन क्विक्सोट यह विचार कर रहा था कि घोड़े पर सवार होकर लड़ने के बजाय पैदल लड़ना बेहतर होगा या नहीं, और अंत में उसने पैदल लड़ने का निश्चय किया, क्योंकि उसे डर था कि शेरों को देखकर रोसिनांटे डर जाएगा; इसलिए वह अपने घोड़े से कूद गया, अपना भाला एक तरफ फेंक दिया, अपनी ढाल को अपनी बांह पर टिका लिया, और अपनी तलवार निकालकर, अद्भुत निर्भीकता और दृढ़ साहस के साथ धीरे-धीरे गाड़ी के सामने खड़ा हो गया, और पूरे मन से स्वयं को ईश्वर और अपनी प्रेमिका डुलसीनिया को समर्पित कर दिया।
यह ध्यान देने योग्य है कि इस अंश पर पहुँचते ही, इस सत्यपरक इतिहास के लेखक विस्मयबोध से भर उठते हैं। "हे वीर डॉन क्विक्सोट! आपकी महानता की जितनी प्रशंसा की जाए कम है! वह दर्पण जिसमें संसार के सभी वीर स्वयं को देख सकें! द्वितीय आधुनिक डॉन मैनुअल डी लियोन, जो कभी स्पेनिश शूरवीरता का गौरव और सम्मान थे! मैं इस भयानक पराक्रम का वर्णन किन शब्दों में करूँ, किस भाषा में इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए विश्वसनीय बनाऊँ, आपके लिए कौन-कौन सी प्रशंसाएँ अनुपयुक्त हैं, भले ही वे अतिशयोक्तियों पर अतिशयोक्ति हों! पैदल, अकेले, निडर, उच्च आत्मा वाले, केवल एक साधारण तलवार के साथ, और वह भी पेरिलो ब्रांड की कोई तीक्ष्ण तलवार नहीं, एक ढाल के साथ, लेकिन कोई चमकीली पॉलिश की हुई स्टील की नहीं, आप वहाँ खड़े थे, अफ्रीका के जंगलों में पैदा हुए दो सबसे भयंकर शेरों की प्रतीक्षा कर रहे थे! हे वीर मांचेगन, आपके कर्म ही आपकी प्रशंसा हैं, और मैं उन्हें यहीं छोड़ देता हूँ, उन्हें महिमामंडित करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं!"
यहां लेखक का क्रोध समाप्त हुआ और उन्होंने अपनी कहानी को आगे बढ़ाते हुए कहा कि पहरेदार ने देखा कि डॉन क्विक्सोट ने अपना स्थान ले लिया है और उस साहसी योद्धा की शत्रुता मोल लिए बिना नर शेर को बाहर निकालना असंभव था, इसलिए उसने पहले पिंजरे के दरवाजे खोल दिए, जिसमें शेर था, जो अब विशाल आकार का और भयानक रूप धारण किए हुए दिखाई दे रहा था। सबसे पहले उसने अपने पिंजरे में घूमकर अपने पंजे बाहर निकाले और पूरी तरह से अंगड़ाई ली; फिर उसने अपना मुंह खोला और बड़े आराम से जम्हाई ली, और लगभग दो हथेली जितनी लंबी जीभ बाहर निकालकर अपनी आंखों से धूल चाटी और अपना चेहरा धोया; ऐसा

करने के बाद, उसने अपना सिर पिंजरे से बाहर निकाला और धधकते अंगारों जैसी आंखों से चारों ओर देखा, एक ऐसा दृश्य और व्यवहार जो दुस्साहस में भी भय पैदा कर दे। डॉन क्विक्सोट बस उसे लगातार देखता रहा, इस उम्मीद में कि वह गाड़ी से कूदकर उसके करीब आ जाए और उसे टुकड़े-टुकड़े कर दे।
उसकी अकल्पनीय दीवानगी यहीं तक सीमित थी; लेकिन वह महान शेर, जो अहंकार से कहीं अधिक विनम्र था, व्यर्थ के दिखावे की परवाह किए बिना, चारों ओर देखने के बाद, जैसा कि कहा गया है, मुड़ा और डॉन क्विक्सोट के सामने अपना पिछला हिस्सा पेश किया, और बड़ी शांति से पिंजरे में वापस लेट गया। यह देखकर डॉन क्विक्सोट ने रखवाले को आदेश दिया कि वह उसे छड़ी से मारे और उसे उकसाए ताकि वह बाहर आ जाए।
“मैं ऐसा नहीं करूँगा,” रक्षक ने कहा; “क्योंकि अगर मैंने उसे क्रोधित किया, तो सबसे पहले वह मुझे ही टुकड़े-टुकड़े कर देगा। हे महाराज, आपने जो किया है, उससे संतुष्ट रहिए, क्योंकि इससे आपके साहस के बारे में और कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है, और दोबारा भाग्य को आज़माने की कोशिश न कीजिए। शेर के लिए दरवाज़ा खुला है; वह बाहर आना या न आना उसकी मर्ज़ी है; लेकिन चूंकि वह अभी तक बाहर नहीं आया है, इसलिए वह आज भी बाहर नहीं आएगा। आपके महान साहस का पूर्ण प्रदर्शन हो चुका है; मेरी राय में, कोई भी वीर योद्धा अपने शत्रु को चुनौती देने और मैदान में उसका इंतज़ार करने से अधिक कुछ करने के लिए बाध्य नहीं है; यदि उसका शत्रु नहीं आता है, तो अपमान उसी का होता है, और जो उसका इंतज़ार करता है, वही विजय प्राप्त करता है।”
“यह सच है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “दरवाजा बंद कर दो, मेरे मित्र, और मुझे यथासंभव अच्छे शब्दों में वह प्रमाण दे दो जो तुमने मुझे करते हुए देखा है; अर्थात्, तुमने शेर के लिए दरवाजा खोला, मैंने उसका इंतजार किया, वह बाहर नहीं आया, मैंने फिर भी उसका इंतजार किया, और फिर भी वह बाहर नहीं आया और वापस लेट गया। मुझे इससे अधिक करने की आवश्यकता नहीं है; जादू-टोना दूर रहे, और ईश्वर सत्य, सच्चाई और सच्ची वीरता की रक्षा करे! जैसा मैंने तुम्हें कहा है, दरवाजा बंद कर दो, जबकि मैं उन भगोड़ों को संकेत देता हूँ जो हमें छोड़कर चले गए हैं, ताकि वे तुम्हारे मुख से इस पराक्रम के बारे में जान सकें।”
रक्षक ने आज्ञा का पालन किया, और डॉन क्विक्सोट ने दही की बाढ़ के बाद अपना चेहरा पोंछने के लिए इस्तेमाल किए गए कपड़े को अपने भाले की नोक पर टिकाकर,

बाकी लोगों को वापस बुलाने के लिए आगे बढ़ा, जो अभी भी भाग रहे थे, हर कदम पर पीछे मुड़कर देख रहे थे, सभी एक साथ, सज्जन सबसे पीछे थे। हालाँकि, सांचो ने सफेद कपड़े का संकेत देखकर कहा, "अगर मेरे स्वामी ने जंगली जानवरों पर विजय प्राप्त नहीं की है, तो मैं मर जाऊँ, क्योंकि वह हमें बुला रहे हैं।"
वे सब रुक गए और समझ गए कि डॉन क्विक्सोट ही इशारे कर रहा है। कुछ हद तक अपना डर कम करते हुए वे धीरे-धीरे पास आने लगे, जब तक कि उन्हें डॉन क्विक्सोट की आवाज़ साफ़ सुनाई न देने लगी। आखिरकार वे गाड़ी के पास लौट आए और पास आते ही डॉन क्विक्सोट ने गाड़ीवाले से कहा, "भाई, अपने खच्चरों को फिर से लगाओ और अपनी यात्रा जारी रखो; और सांचो, तुम उसे और गाड़ी के रखवाले को दो सोने के सिक्के दे देना, ताकि मेरी वजह से हुई देरी की भरपाई हो सके।"
"मैं इसे पूरे दिल से दूंगा," सांचो ने कहा; "लेकिन शेरों का क्या हुआ? वे मर गए हैं या जीवित हैं?"
फिर रखवाले ने पूरी विस्तार से और एक-एक करके प्रतियोगिता के अंत का वर्णन किया, डॉन क्विक्सोट की वीरता का भरपूर बखान किया, जिसे देखकर शेर कांप उठा और पिंजरे से बाहर आने की हिम्मत नहीं कर पाया, हालांकि उसने दरवाजा काफी देर तक खुला रखा था; और बताया कि कैसे, उसने शूरवीर को यह समझा दिया था कि शेर को उकसाकर उसे बाहर निकालना भगवान को चुनौती देने जैसा है, जो वह करना चाहता था, इसलिए उसने बड़ी अनिच्छा से और अपनी इच्छा के विरुद्ध दरवाजा बंद होने दिया।
"सांचो, तुम इसके बारे में क्या सोचते हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "क्या कोई ऐसा जादू है जो सच्ची वीरता पर विजय पा सकता है? जादूगर शायद मुझसे सौभाग्य छीन लें, लेकिन धैर्य और साहस नहीं।"
सांचो ने मुकुटों का भुगतान किया, गाड़ीवान को काम पर लगाया गया, रखवाले ने डॉन क्विक्सोट को दिए गए इनाम के लिए उसके हाथों को चूमा और वादा किया कि जैसे ही वह दरबार में राजा से मिलेगा, वह स्वयं राजा को इस वीरतापूर्ण कारनामे का ब्योरा देगा।
"तो फिर," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यदि महाराज यह पूछें कि यह किसने किया, तो आपको कहना होगा 'शेरों का योद्धा'; क्योंकि मेरी इच्छा है कि अब तक मेरे द्वारा धारण किया गया 'दुखी चेहरे वाला योद्धा' का नाम अब से बदल जाए,

रूपांतरित हो जाए, रूपांतरित हो जाए और परिवर्तित हो जाए; और इस प्रकार मैं उन प्राचीन योद्धाओं की परंपरा का अनुसरण करता हूँ, जो अपनी इच्छा अनुसार या अपने उद्देश्य के अनुरूप अपना नाम बदल लेते थे।"
गाड़ी अपने रास्ते चली गई, और डॉन क्विक्सोट, सांचो और हरे गबन वाला व्यक्ति भी अपने-अपने रास्ते चले गए। इस पूरे समय डॉन डिएगो डी मिरांडा एक शब्द भी नहीं बोले, वे पूरी तरह से डॉन क्विक्सोट के हर काम और बात को देखने और समझने में मग्न थे, और उनकी राय यह बनी कि वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसका दिमाग खराब हो गया है, और एक पागल जो तर्कसंगतता की कगार पर है। उनके इतिहास का पहला भाग अभी तक उन तक नहीं पहुँचा था, क्योंकि यदि उन्होंने इसे पढ़ा होता, तो उनके शब्दों और कार्यों से उत्पन्न आश्चर्य गायब हो जाता, क्योंकि तब वे उनके पागलपन की प्रकृति को समझ जाते; लेकिन इसके बारे में कुछ भी न जानते हुए, उन्होंने उसे एक पल तर्कसंगत और अगले ही पल पागल समझा, क्योंकि जो कुछ वह कहता था वह समझदारी भरा, सुरुचिपूर्ण और अच्छी तरह से व्यक्त किया गया था, और जो कुछ वह करता था वह बेतुका, उतावला और मूर्खतापूर्ण था। और उसने मन ही मन कहा, "दही से भरा हेलमेट पहनकर यह सोचना कि जादूगर खोपड़ी को नरम कर रहे हैं, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है; या शेरों से दांतों और नाखूनों से लड़ने की इच्छा से बड़ी जल्दबाजी और मूर्खता और क्या हो सकती है?"
डॉन क्विक्सोट ने उन्हें इन विचारों और एकालाप से जगाते हुए कहा, "निस्संदेह, सेनर डॉन डिएगो डी मिरांडा, आपने मुझे अपने मन में मूर्ख और पागल समझ लिया है, और अगर आपने ऐसा किया है तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि मेरे कर्म इसके विपरीत कुछ भी साबित नहीं करते। लेकिन फिर भी, मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान दें कि मैं उतना पागल या मूर्ख नहीं हूँ जितना मैंने आपको समझा होगा। एक वीर योद्धा अपने राजा की आँखों के सामने, एक विशाल चौक के बीच में, एक भयंकर बैल पर कुशलतापूर्वक भाला चलाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है; एक योद्धा चमकदार कवच पहने हुए, किसी आनंदमय प्रतियोगिता में महिलाओं के सामने मैदान में चहलकदमी करने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है; और वे सभी योद्धा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं जो युद्ध संबंधी अभ्यासों या उनसे मिलते-जुलते अभ्यासों द्वारा अपने राजकुमारों के दरबारों का मनोरंजन, आनंद और सम्मान करते हैं; लेकिन इन सबसे कहीं अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन एक घुमंतू योद्धा तब करता है जब वह खतरनाक खोज में

रेगिस्तानों, एकांत स्थानों, चौराहों, जंगलों और पहाड़ों को पार करता है।" साहसिक कारनामों में लिप्त, उन्हें सुखद और सफल अंजाम तक पहुँचाने के लिए तत्पर, सभी एक गौरवशाली और चिरस्थायी प्रसिद्धि पाने के लिए। मेरा मानना है कि किसी सुनसान वीरान जगह में किसी विधवा की सहायता करने वाला वीर योद्धा, किसी शहर की युवती के साथ समय बिताने वाले दरबारी योद्धा की तुलना में कहीं अधिक लाभप्रद है। सभी योद्धाओं की अपनी-अपनी विशेष भूमिकाएँ होती हैं; दरबारी योद्धा महिलाओं के प्रति समर्पित रहे, अपने वस्त्रों से अपने राजा के दरबार की शोभा बढ़ाए, अपने भोजन से गरीब सज्जनों का भव्य भोज करे, घुड़सवारी प्रतियोगिताएँ आयोजित करे, टूर्नामेंटों का संचालन करे और स्वयं को महान, उदार और शानदार, तथा सबसे बढ़कर एक अच्छा ईसाई साबित करे, और ऐसा करके वह अपने विशेष कर्तव्यों को पूरा करेगा; परन्तु वीर योद्धा पृथ्वी के कोने-कोने की खोज करे और सबसे जटिल भूलभुलैयाओं में प्रवेश करे, हर कदम पर असंभव को संभव करने का प्रयास करे, वीरान मैदानों में ग्रीष्म ऋतु के चिलचिलाते सूरज की किरणों और शीत ऋतु की भीषण ठंड को सहन करे; कोई शेर उसे डरा न सके, कोई राक्षस उसे डराते हैं, अजगर उसे भयभीत नहीं करते; क्योंकि इनका पीछा करना, इन पर आक्रमण करना और सबको परास्त करना ही वास्तव में उसका मुख्य कर्तव्य है। इसलिए, चूंकि मुझे शूरवीर दल का सदस्य होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, मैं उन सभी कार्यों को करने से बच नहीं सकता जो मुझे अपने कर्तव्यों के दायरे में आते प्रतीत होते हैं; इस प्रकार, उन शेरों पर आक्रमण करना मेरा परम कर्तव्य था जिन पर मैंने अभी आक्रमण किया, यद्यपि मैं जानता था कि यह अत्यधिक उतावलापन था; क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि वीरता क्या है, यह एक ऐसा गुण है जो दो चरम सीमाओं, कायरता और दुस्साहस के बीच स्थित है; लेकिन वीर व्यक्ति के लिए उतावलेपन की सीमा तक पहुँचना, कायरता की सीमा तक गिरने से कम बुराई होगी; क्योंकि जिस प्रकार फिजूलखर्ची करने वाले के लिए कंजूस की तुलना में उदार बनना आसान होता है, उसी प्रकार उतावले व्यक्ति के लिए सच्चा वीर साबित होना, कायर के लिए सच्चे वीर बनने से आसान होता है; और मेरा विश्वास कीजिए, सेनर डॉन डिएगो, साहसिक कार्यों को करने में बेहतर है कि एक कार्ड कम होने से हारने की तुलना में एक कार्ड अधिक होने से हारना बेहतर है; क्योंकि 'ऐसा योद्धा उतावला और साहसी है' कहना 'ऐसा योद्धा डरपोक और कायर है' कहने से बेहतर लगता है।

"मैं विरोध करता हूँ, सेनोर डॉन क्विक्सोट," डॉन डिएगो ने कहा, "आपने जो कुछ भी कहा और किया है, वह स्वयं तर्क की कसौटी पर खरा उतरता है; और मेरा मानना है कि यदि शूरवीरता के नियम और कानून खो भी जाएँ, तो वे आपके हृदय में उनके उचित भंडार और प्रमाण-गृह की तरह मिल सकते हैं; लेकिन आइए जल्दी करें और मेरे गाँव पहुँचें, जहाँ आप अपने हाल के परिश्रम के बाद विश्राम करेंगे; क्योंकि यदि वे शारीरिक परिश्रम नहीं थे, तो वे आध्यात्मिक परिश्रम थे, और ये कभी-कभी शारीरिक थकान उत्पन्न करते हैं।"
"मैं इस निमंत्रण को एक बड़ी कृपा और सम्मान के रूप में स्वीकार करता हूँ, श्रीमान डॉन डिएगो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; और पहले से भी तेज़ गति से आगे बढ़ते हुए, दोपहर लगभग दो बजे वे डॉन डिएगो के गाँव और घर पहुँचे, या जैसा कि डॉन क्विक्सोट उन्हें "हरे गबन का योद्धा" कहते थे।

18

अध्याय
डॉन क्विक्सोट के साथ हरे गबन के शूरवीर के महल या घर में जो कुछ हुआ, साथ ही अन्य सामान्य से हटकर बातें।
डॉन क्विक्सोट को डॉन डिएगो डी मिरांडा का गाँव शैली में बना घर मिला, जिसके मुख्य द्वार पर खुरदुरे पत्थरों में उनके प्रतीक चिन्ह बने हुए थे; आँगन में भंडारगृह था, और प्रवेश द्वार पर तहखाना था, जिसके चारों ओर शराब के कई घड़े रखे थे, जो एल टोबोसो से आने के कारण उनकी यादों में उनकी जादुई और रूपांतरित डुलसीनिया को ताजा कर देते थे; और एक आह भरकर, और यह सोचे बिना कि वह क्या कह रहे हैं, या किसके सामने हैं, उन्होंने कहा—
{श्लोक
"हे मेरे दुख में पाए गए प्यारे खजाने!"
एक समय था जब यह मधुर और सुखद था, जब यह स्वर्ग की सद्भावना थी।
"हे टोबोसन जारों, तुम मेरी स्मृति में कैसे वापस लाते हो..."
मेरे घोर अफसोसों का प्यारा पात्र!
{श्लोक
छात्र कवि, डॉन डिएगो का पुत्र, जो अपनी माँ के साथ उनका स्वागत करने आया था, ने यह उद्गार सुना और माँ-पुत्र दोनों ही उनके असाधारण व्यक्तित्व को

देखकर विस्मय से भर उठे; हालाँकि, वह रोसिनांटे से उतरकर अत्यंत विनम्रता से महिला का हाथ चूमने की अनुमति मांगने के लिए आगे बढ़ा, जबकि डॉन डिएगो ने कहा, "सेनोरा, कृपया अपनी सदाचारी दयालुता से ला मांचा के सेनर डॉन क्विक्सोट का स्वागत करें, जिन्हें आप अपने सामने देख रही हैं, एक वीर योद्धा, और दुनिया में सबसे बहादुर और बुद्धिमान।"
डोना क्रिस्टीना नाम की उस महिला ने बड़े ही सौहार्द और शिष्टाचार से उनका स्वागत किया, और डॉन क्विक्सोट ने भी सुविचारित और परिष्कृत शब्दों का प्रयोग करते हुए स्वयं को उनकी सेवा में समर्पित कर दिया। लगभग इसी तरह की शिष्टता का आदान-प्रदान उनके और छात्र के बीच भी हुआ, जिसने डॉन क्विक्सोट की बातें सुनकर उन्हें एक समझदार और स्पष्टवादी व्यक्ति समझा।
यहां लेखक डॉन डिएगो के महल से संबंधित हर चीज का विस्तृत वर्णन करते हुए, एक धनी सज्जन-किसान के घर की संपूर्ण सामग्री को हमारे सामने प्रस्तुत करते हैं; लेकिन इतिहास के अनुवादक ने इन और इसी तरह के अन्य विवरणों को अनदेखा करना ही बेहतर समझा, क्योंकि वे कहानी के मुख्य उद्देश्य के अनुरूप नहीं हैं, जिसकी मुख्य विशेषता सच्चाई है न कि नीरस विषयांतर।
वे डॉन क्विक्सोट को एक कमरे में ले गए, और सांचो ने उसका कवच उतार दिया, जिससे वह ढीली वालून पैंट और चमड़े के जैकेट में रह गया, जो उसके कवच की जंग से सने हुए थे; उसका कॉलर बिना स्टार्च या फीते के, एक विद्वान शैली का ढीला पट्टा था, उसके जूते हल्के पीले रंग के थे और पॉलिश किए हुए थे। उसने अपनी अच्छी तलवार पहन रखी थी, जो समुद्री भेड़िये की खाल से बनी कमरबंद में लटकी हुई थी, क्योंकि कहते हैं कि वह कई वर्षों से गुर्दे की बीमारी से पीड़ित था; और इन सबके ऊपर उसने अच्छे भूरे कपड़े का एक लंबा लबादा ओढ़ रखा था। लेकिन सबसे पहले, उसने पाँच या छह बाल्टी पानी से (क्योंकि बाल्टियों की संख्या को लेकर कुछ विवाद है), अपना सिर और चेहरा धोया, और फिर भी पानी मट्ठे के रंग का ही रहा, सांचो के लालच और उन बदकिस्मत दही की खरीद के कारण, जिसने उसके मालिक को इतना सफेद कर दिया था। इस प्रकार सजे-धजे और सहज, चंचल और वीर भाव से डॉन क्विक्सोट दूसरे कमरे में चले गए, जहाँ छात्र उनका स्वागत करने के लिए प्रतीक्षा कर रहा था, जबकि मेज लगाई जा रही थी; क्योंकि इतने विशिष्ट अतिथि के आगमन पर, डोना क्रिस्टीना यह दिखाना चाहती थीं कि वह जानती हैं और अपने घर आने वालों का उचित स्वागत करने में सक्षम हैं।

जब डॉन क्विक्सोट अपना कवच उतार रहा था, तभी डॉन लोरेंजो (डॉन डिएगो के बेटे का यही नाम था) ने अपने पिता से कहा, "महाराज, आप हमारे लिए इस सज्जन को घर क्यों लाए हैं? क्योंकि उनका नाम, उनका रूप-रंग और आपका उन्हें वीर योद्धा बताना, इन सबने मेरी माँ और मुझे पूरी तरह से उलझन में डाल दिया है।"
“मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ, मेरे बेटे,” डॉन डिएगो ने उत्तर दिया; “मैं तुम्हें बस इतना ही बता सकता हूँ कि मैंने उसे दुनिया के सबसे बड़े पागलों जैसे काम करते देखा है, और उसकी ऐसी गहरी बातें सुनी हैं जो उसके सारे कर्मों को मिटा देती हैं; तुम उससे बात करो और उसकी बुद्धि को समझने की कोशिश करो, और क्योंकि तुम समझदार हो, उसकी बुद्धिमत्ता या मूर्खता के बारे में जितना हो सके उतना तर्कसंगत निष्कर्ष निकालो; हालाँकि, सच कहूँ तो, मुझे उसे समझदार से ज़्यादा पागल मानना ज़्यादा सही लगता है।”
इसके बाद डॉन लोरेंजो, जैसा कि कहा गया है, डॉन क्विक्सोट का मनोरंजन करने के लिए चले गए, और उनके बीच हुई बातचीत के दौरान डॉन क्विक्सोट ने डॉन लोरेंजो से कहा, "आपके पिता, सेनोर डॉन डिएगो डी मिरांडा ने मुझे आपकी दुर्लभ क्षमताओं और सूक्ष्म बुद्धि के बारे में बताया है, और सबसे बढ़कर, यह कि आप एक महान कवि हैं।"
"हो सकता है कि मैं कवि हूँ," डॉन लोरेंजो ने उत्तर दिया, "परंतु महान कवि बिल्कुल नहीं। यह सच है कि मुझे कविता और अच्छे कवियों को पढ़ने का शौक है, लेकिन इतना भी नहीं कि मेरे पिता द्वारा मुझे दी गई 'महान' उपाधि उचित ठहराई जा सके।"
"मुझे वह विनम्रता नापसंद नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि ऐसा कोई कवि नहीं है जो अभिमानी न हो और खुद को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ कवि न समझता हो।"
डॉन लोरेंजो ने कहा, "हर नियम का एक अपवाद होता है; कुछ लोग कवि तो होते हैं, लेकिन खुद को कवि नहीं मानते।"
“बहुत कम,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “लेकिन मुझे बताओ, ये कौन से छंद हैं जो अभी तुम्हारे हाथ में हैं, और जिनके बारे में तुम्हारे पिता ने मुझे बताया है कि वे तुम्हें कुछ बेचैन और तल्लीन रखते हैं? यदि ये कोई व्याख्या है, तो मैं व्याख्याओं के बारे में कुछ जानता हूँ, और मैं उन्हें सुनना चाहूँगा; और यदि ये किसी काव्य प्रतियोगिता के लिए हैं, तो द्वितीय

पुरस्कार जीतने का प्रबंध करो; क्योंकि प्रथम पुरस्कार हमेशा कृपा या व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से मिलता है, द्वितीय पुरस्कार केवल न्याय से; और इस प्रकार तीसरा दूसरा बन जाता है, और इस तरह गणना करने पर पहला तीसरा हो जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे विश्वविद्यालयों में स्नातक की उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं; लेकिन फिर भी, प्रथम का खिताब एक बड़ा सम्मान है।”
“अब तक तो,” डॉन लोरेंजो ने मन ही मन कहा, “मैं तुम्हें पागल तो नहीं समझ रहा; लेकिन चलिए आगे बढ़ते हैं।” फिर उन्होंने उससे कहा, “महामहिम, आपने जाहिर तौर पर शिक्षा प्राप्त की है; आपने कौन-कौन से विज्ञान पढ़े हैं?” डॉन क्विक्सोट ने कहा, "वीरता का वह कारनामा कविता के कारनामे के बराबर ही अच्छा है, बल्कि उससे एक-दो कदम ऊपर भी है।"
"मुझे नहीं पता कि वह कौन सा विज्ञान है," डॉन लोरेंजो ने कहा, "और मैंने अब तक इसके बारे में कभी नहीं सुना है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यह एक ऐसा विज्ञान है जो दुनिया के लगभग सभी विज्ञानों को अपने भीतर समाहित करता है, क्योंकि इसका पालन करने वाले को न्यायविद होना चाहिए और न्याय के नियमों, वितरणात्मक और निष्पक्ष नियमों का ज्ञान होना चाहिए, ताकि प्रत्येक व्यक्ति को उसका हक और उचित हिस्सा मिल सके। उसे धर्मशास्त्री होना चाहिए, ताकि वह अपने ईसाई धर्म के लिए स्पष्ट और विशिष्ट तर्क दे सके, चाहे उससे कहीं भी पूछा जाए। उसे चिकित्सक होना चाहिए, और सबसे बढ़कर एक जड़ी-बूटी विशेषज्ञ होना चाहिए, ताकि वीरान और सुनसान इलाकों में घावों को भरने वाली जड़ी-बूटियों का ज्ञान हो, क्योंकि एक वीर योद्धा को हर कदम पर इलाज के लिए किसी की तलाश नहीं करनी चाहिए। उसे खगोलशास्त्री होना चाहिए, ताकि तारों से जान सके कि रात के कितने घंटे बीत चुके हैं और वह दुनिया के किस हिस्से में है। उसे गणित का ज्ञान होना चाहिए, क्योंकि हर मोड़ पर गणित की आवश्यकता होगी; और, यह बात अलग है कि उसे सभी सद्गुणों से सुशोभित होना चाहिए, चाहे वे प्रमुख हों या नहीं। धर्मशास्त्रीय दृष्टि से, सूक्ष्म विवरणों पर आते हुए, मेरा कहना है कि उसे निकोलस या निकोलाओ द फिश की तरह तैरना आना चाहिए, जैसा कि कहानी में कहा गया है; उसे घोड़े को नाल लगाना और उसकी काठी-लगाम की मरम्मत करना आना चाहिए; और उच्चतर विषयों पर लौटते हुए, उसे ईश्वर और अपनी पत्नी के प्रति निष्ठावान होना चाहिए; उसे विचारों में पवित्र, शब्दों में शालीन, कार्यों में उदार, कर्मों में वीर, कष्टों में धैर्यवान, जरूरतमंदों के प्रति

दयालु होना चाहिए, और अंत में, सत्य का रक्षक होना चाहिए, भले ही उसकी रक्षा के लिए उसे अपना जीवन ही क्यों न देना पड़े। इन सभी गुणों, बड़े और छोटे, से ही एक सच्चा वीर योद्धा बनता है; तो हे श्रीमान डॉन लोरेंजो, निर्णय कीजिए कि क्या यह एक तुच्छ विज्ञान है जिसे इस विषय का अध्ययन करने और इसे स्वीकार करने वाले वीर योद्धा को सीखना पड़ता है, और क्या यह विद्यालयों में सिखाए जाने वाले सर्वोच्च ज्ञान के बराबर नहीं है।
"यदि ऐसा है," डॉन लोरेंजो ने उत्तर दिया, "तो मैं विरोध करता हूँ कि यह विज्ञान सभी विज्ञानों से श्रेष्ठ है।"
"अगर ऐसा है तो कैसे?" डॉन क्विक्सोट ने कहा।
डॉन लोरेंजो ने कहा, "मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि मुझे संदेह है कि क्या अब भी, या कभी भी, ऐसे गुणों से सुशोभित कोई वीर योद्धा मौजूद हैं।" “मैंने कई बार वही बात दोहराई है जो मैं अब फिर कह रहा हूँ, कि दुनिया के अधिकांश लोग मानते हैं कि इसमें कभी कोई वीर योद्धा नहीं थे; और मेरा मानना है कि जब तक स्वर्ग किसी चमत्कार से उन्हें यह सच्चाई न समझा दे कि वे थे और हैं, तब तक मेरे सारे प्रयास व्यर्थ होंगे (जैसा कि मेरे अनुभव ने कई बार सिद्ध किया है), इसलिए मैं अब आपको उस भ्रम से मुक्त करने में समय बर्बाद नहीं करूँगा जो आप और अधिकांश लोग साझा करते हैं। मैं बस स्वर्ग से प्रार्थना करूँगा कि वह आपको इससे मुक्ति दिलाए, और आपको यह दिखाऊँगा कि पुराने समय में वीर योद्धा कितने लाभकारी और आवश्यक थे, और यदि वे आज भी प्रचलन में होते तो कितने उपयोगी होते; लेकिन अब, लोगों के पापों के कारण, आलस्य और सुस्ती, लालच और विलासिता की जीत हो रही है।”
इस समय डॉन लोरेंजो ने मन ही मन कहा, "हमारा मेहमान हमारे हाथों से निकल गया है; लेकिन फिर भी, वह एक शानदार पागल है, और इस पर संदेह करना मेरी मूर्खता होगी।"
यहाँ, भोजन के लिए बुलाए जाने पर, उन्होंने अपनी बातचीत समाप्त की। डॉन डिएगो ने अपने बेटे से पूछा कि वह अपने मेहमान की बुद्धि के बारे में क्या समझ पाया है। इस पर उसने उत्तर दिया, "दुनिया के सारे डॉक्टर और चतुर लेखक भी उसके पागलपन की अस्पष्ट लिखावट को नहीं समझ पाएंगे; वह एक ऐसा पागल है जो सनक और स्पष्टता के क्षणों से भरा हुआ है।"
वे भोजन करने के लिए अंदर गए, और भोजन वैसा ही था जैसा डॉन डिएगो ने रास्ते में कहा था कि वह अपने मेहमानों को दिया करता था - साफ-सुथरा, भरपूर और

स्वादिष्ट; लेकिन डॉन क्विक्सोट को सबसे ज्यादा जो बात पसंद आई, वह थी पूरे घर में छाई अद्भुत शांति, क्योंकि यह किसी कार्थुसियन मठ की तरह था।
जब कपड़ा हटा दिया गया, तो ग्रेस ने कहा और उनके हाथ धो लिए गए। डॉन क्विक्सोट ने डॉन लोरेंजो से आग्रह किया कि वह काव्य प्रतियोगिता के लिए अपनी कविताएँ दोहराएँ, जिस पर उन्होंने उत्तर दिया, "उन कवियों की तरह नहीं बनना चाहता जो अपनी कविताएँ सुनाने के लिए कहे जाने पर इनकार कर देते हैं, और जब उनसे नहीं कहा जाता तो उन्हें नतमस्तक कर देते हैं। मैं अपनी व्याख्या दोहराऊँगा, जिसके लिए मुझे किसी पुरस्कार की उम्मीद नहीं है, क्योंकि मैंने इसे केवल अपनी प्रतिभा का अभ्यास करने के लिए रचा है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मेरे एक समझदार मित्र का मत था कि किसी को भी छंदों की व्याख्या करने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए; और इसका कारण उन्होंने यह बताया कि व्याख्या कभी भी मूल पाठ के स्तर तक नहीं पहुँच सकती, और अक्सर या अधिकतर यह व्याख्या की गई पंक्तियों के अर्थ और उद्देश्य से भटक जाती है; इसके अलावा, व्याख्या के नियम बहुत सख्त थे, क्योंकि वे प्रश्नवाचक वाक्यों, 'उसने कहा', 'मैं कहता हूँ', क्रियाओं को संज्ञा में बदलने या वाक्य संरचना को बदलने की अनुमति नहीं देते थे, और अन्य प्रतिबंधों और सीमाओं का तो जिक्र ही नहीं, जो व्याख्याकारों को जकड़ लेते हैं, जैसा कि आप निस्संदेह जानते हैं।"
"सचमुच, श्रीमान डॉन क्विक्सोट," डॉन लोरेंजो ने कहा, "काश मैं आपको एक ही झटके में फिसलते हुए पकड़ पाता, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि आप मेरी उंगलियों से एक ईल की तरह फिसल जाते हैं।"
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या कह रहे हो, या फिसलने से तुम्हारा क्या मतलब है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मैं अपनी बात किसी और समय समझाऊंगा," डॉन लोरेंजो ने कहा; "फिलहाल, व्याख्या किए गए छंदों और उनकी व्याख्या पर ध्यान दें, जो इस प्रकार हैं: क्या 'था' मेरे लिए 'है' बन सकता है, तब मैं इससे अधिक कुछ नहीं पूछूंगा; या क्या मेरे लिए, जो समय है, वही आने वाला समय बन सकता है!
ग्लोस
{श्लोक
एक दिन भाग्य की देवी
वह मेरे प्रति उदार और दयालु था;

लेकिन सब कुछ बदलता रहता है; उसने भी अपना मन बदल लिया।
और जो उसने दिया, वही उसने वापस ले लिया।
हे भाग्य, मैंने लंबे समय से तुमसे प्रार्थना की है;
तुमने मुझे जो उपहार दिए हैं, उन्हें लौटा दो।
क्योंकि, मेरा विश्वास करो, मैं इससे अधिक कुछ नहीं मांगूंगा।
क्या मेरे लिए 'was' की जगह 'is' आ सकता है?
मुझे किसी और पुरस्कार की आकांक्षा नहीं है।
कोई विजय, गौरव या सफलता नहीं।
केवल खोई हुई खुशी ही,
जिसकी स्मृति पीड़ादायी होती है।
मुझे लगता है, बीते हुए सुख का एक स्वाद।
हृदय को झुलसा देने वाली आग शायद बनी रहे;
और, इसलिए यह बिना किसी देरी के आ गया।
तब मैं इससे अधिक कुछ नहीं पूछूंगा।
मैं उस चीज़ के बारे में पूछता हूँ जो संभव नहीं है, अफसोस! वह समय हमेशा ऐसा ही होना चाहिए, और फिर
हमारे पास वापस आओ, और फिर से हमारे हो जाओ।
पृथ्वी पर कोई भी शक्ति इसे पूरा नहीं कर सकती;
वह बहुत तेज दौड़ने वाला है, मुझे ऐसा लगता है।
और इसलिए हम व्यर्थ ही प्रार्थना करते हैं
जो कुछ हमेशा के लिए हमारे लिए बचा है, वह शायद
हमारे लिए वही समय बन जाओ जो वर्तमान में है।
उलझन में, अनिश्चित, बने रहना
आशा और भय के बीच मृत्यु है, जीवन नहीं;
संघर्ष को समाप्त करना ही बेहतर होगा, निश्चित रूप से।
और मरते समय, दर्द से मुक्ति की तलाश करो।
फिर भी, मेरे लिए विचार ही सबसे अच्छे थे।
मैंने उस विचार को तुरंत एक तरफ फेंक दिया।
और वर्तमान से स्नेहपूर्वक जुड़े रहना,
और आने वाले समय से भयभीत हूं।"
{श्लोक

जब डॉन लोरेंजो ने अपनी व्याख्या समाप्त कर ली, तो डॉन क्विक्सोट खड़े हो गए और लगभग चिल्लाते हुए ऊँची आवाज़ में डॉन लोरेंजो का दाहिना हाथ थामते हुए बोले, "हे सर्वोच्च स्वर्ग, हे महान युवक, आप पृथ्वी पर सर्वश्रेष्ठ कवि हैं और आपको यश का ताज पहनाया जाना चाहिए, साइप्रस या गैटा द्वारा नहीं
- जैसा कि किसी कवि ने कहा था, ईश्वर उन्हें क्षमा करें - बल्कि एथेंस की अकादमियों द्वारा, यदि वे अभी भी फल-फूल रही होतीं, और उन अकादमियों द्वारा जो अब फल-फूल रही हैं, पेरिस, बोलोग्ना, सलामांका। ईश्वर करे कि जो न्यायाधीश आपको प्रथम पुरस्कार से वंचित करते हैं - फोएबस उन्हें अपने तीरों से भेद दे और म्यूज़ कभी उनके द्वार की दहलीज पार न करें। हे महोदय, यदि आप कृपा करें तो मुझे अपनी कुछ लंबी-लंबी कविताएँ सुनाएँ, क्योंकि मैं आपकी विलक्षण प्रतिभा की धड़कन को पूरी तरह से महसूस करना चाहता हूँ।" क्या यह कहने की आवश्यकता है कि डॉन लोरेंजो को डॉन क्विक्सोट द्वारा अपनी प्रशंसा सुनना कितना अच्छा लगता था, भले ही वह उसे पागल समझता था? वाह, तेरी चापलूसी की शक्ति कितनी व्यापक है, और तेरे सुखद अधिकार क्षेत्र की सीमाएँ कितनी विस्तृत हैं! डॉन लोरेंजो ने इसका प्रमाण दिया, क्योंकि उसने डॉन क्विक्सोट के अनुरोध और विनती को स्वीकार किया और उसे पिरामस और थिस्बे की कहानी पर आधारित यह सॉनेट सुनाया।
गाथा
{श्लोक
वह सुंदर युवती अब दीवार को भेद रही है;
उसके द्वारा दिल में छलनी किए गए युवा पिरामस का शव पड़ा है;
और प्रेम साइप्रस द्वीप से उड़ान भरने के लिए अपने पंख फैलाता है, एक ऐसी दरार जिससे इतनी अद्भुत छोटी-बड़ी चीजों को देखा जा सकता है। वहाँ सन्नाटा बोलता है, क्योंकि वहाँ कोई आवाज़ नहीं है।
इतनी कठिन परिस्थिति से गुजर सकते हैं, लेकिन प्रेम रास्ता बना देगा। जहां अन्य सभी शक्तियों के लिए प्रयास करना व्यर्थ होगा;
प्यार हर परिस्थिति में अपना रास्ता ढूंढ लेता है।
देरी से अधीर होकर, बेपरवाह गति से
उस उतावली नौकरानी ने वह घातक स्थान हासिल कर लिया जहाँ वह
प्रेमी की बाहों में नहीं, बल्कि मृत्यु के आलिंगन में समा जाता है। कुछ इस तरह यह विचित्र कहानी चलती है, कि कैसे दो प्रेमी...

एक तलवार, एक समाधि, एक स्मृति,
वह मारता है, दफनाता है और फिर से जीवित कर देता है।
{श्लोक
डॉन लॉरेंजो की कविता सुनकर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ईश्वर का धन्यवाद हो कि चिड़चिड़े कवियों की भीड़ में मुझे एक उत्कृष्ट कवि मिला है, और इस कविता की कला से यह सिद्ध होता है कि आप ही वह हैं!"
डॉन क्विक्सोट को डॉन डिएगो के घर में चार दिनों तक अत्यंत भव्य तरीके से मेहमाननवाज़ी मिली, जिसके अंत में उन्होंने उनसे जाने की अनुमति मांगी और कहा कि वे उनके घर में मिली मेहमाननवाज़ी और स्नेह के लिए उनका धन्यवाद करते हैं, लेकिन चूंकि वीर योद्धाओं के लिए लंबे समय तक आलस्य और विलासिता में लिप्त रहना उचित नहीं होता, इसलिए वे रोमांच की तलाश में अपने कर्तव्य का पालन करने के लिए उत्सुक थे, जिसके बारे में उन्हें बताया गया था कि उस क्षेत्र में इसकी प्रचुरता है, जहां वे सारागोसा में होने वाली युद्ध प्रतियोगिताओं के दिन आने तक अपना समय बिताना चाहते थे, क्योंकि वही उनका वास्तविक गंतव्य था; और सबसे पहले, वे मोंटेसिनोस की गुफा में प्रवेश करना चाहते थे, जिसके बारे में पूरे देश में कई अद्भुत बातें बताई जाती थीं, और साथ ही साथ रुइडेरा की झीलों के नाम से जानी जाने वाली सात झीलों के उद्गम और वास्तविक स्रोत की खोज और अन्वेषण करना चाहते थे।
डॉन डिएगो और उनके बेटे ने उनके सराहनीय संकल्प की प्रशंसा की और उनसे कहा कि वे अपने घर और सामान से अपनी जरूरत की सभी चीजें ले लें, क्योंकि वे उनकी सेवा करने में अत्यंत प्रसन्न होंगे; वास्तव में, उनके व्यक्तिगत गुण और उनके सम्मानजनक पेशे ने उन्हें ऐसा करने के लिए बाध्य किया था।
अंततः उसके प्रस्थान का दिन आ ही गया, डॉन क्विक्सोट के लिए यह उतना ही सुखद था जितना सांचो पांजा के लिए दुखद और शोकपूर्ण। सांचो पांजा डॉन डिएगो के घर की समृद्धि से पूरी तरह संतुष्ट था और जंगलों की भुखमरी और अपने तंग ढांचों की सीमित साज-सज्जा में लौटने से हिचकिचा रहा था; हालांकि, उसने अपने इन ढांचों को अपनी आवश्यकतानुसार सामान से भर लिया। विदा लेते समय डॉन क्विक्सोट ने डॉन लोरेंजो से कहा, "मुझे नहीं पता कि मैंने आपको पहले बताया है या नहीं, लेकिन अगर बताया है तो मैं एक बार फिर कहता हूँ कि यदि आप यश के मंदिर के दुर्गम शिखर तक पहुँचने की थकान और परिश्रम से बचना चाहते हैं, तो आपके पास कविता के कुछ संकरे मार्ग को

छोड़कर वीरगाथा के और भी संकरे मार्ग को अपनाने के अलावा कोई चारा नहीं है, जो इतना चौड़ा है कि आपको पलक झपकते ही सम्राट बना सकता है।"
इस भाषण में डॉन क्विक्सोट ने अपने पागलपन के सबूतों को अंतिम रूप दे दिया, लेकिन उससे भी बेहतर बात यह थी कि उसने आगे कहा, "ईश्वर जानता है, मैं डॉन लोरेंजो को अपने साथ ले जाकर उसे विनम्रों को बख्शना और घमंडियों को पैरों तले रौंदना सिखाना चाहता था, ये ऐसे गुण हैं जो मेरे पेशे का अभिन्न अंग हैं; लेकिन चूंकि उसकी कम उम्र इसकी अनुमति नहीं देती, और न ही उसके प्रशंसनीय कार्य इसकी इजाज़त देते हैं, इसलिए मैं केवल आपको यह समझाकर संतुष्ट रहूंगा कि यदि आप दूसरों की राय से निर्देशित होंगे, न कि अपनी राय से, तो आप एक कवि के रूप में प्रसिद्ध होंगे; क्योंकि कोई भी माता-पिता अपने बच्चों को बदसूरत नहीं समझते, और इस तरह का धोखा तो बुद्धिमान बच्चों के मामले में और भी अधिक प्रचलित होता है।"
पिता और पुत्र दोनों ही डॉन क्विक्सोट की विचित्र बातों के मिश्रण पर फिर से आश्चर्यचकित हो गए - कभी समझदारी की, कभी निरर्थक। साथ ही, वे अपनी दुर्भाग्यपूर्ण साहसिक यात्राओं को अंजाम देने में दिखाई गई दृढ़ता और लगन को भी देखकर अचंभित रह गए, जिन्हें उन्होंने अपने जीवन का अंतिम लक्ष्य बना लिया था। एक बार फिर सेवा और शिष्टाचार का प्रस्ताव रखा गया, और फिर महल की मालकिन की सहृदय अनुमति से वे विदा हुए - डॉन क्विक्सोट रोसिनांटे पर और सांचो डैपल पर सवार होकर।

19

अध्याय
इसमें प्रेम में डूबे चरवाहे के कारनामों के साथ-साथ अन्य बेहद रोचक घटनाओं का वर्णन है।
डॉन क्विक्सोट डॉन डिएगो के गाँव से कुछ ही दूर गए थे कि उनकी मुलाकात दो पुजारियों या छात्रों और दो किसानों से हुई, जो चार गधों पर सवार थे। एक छात्र ने हरे रंग के बकरम के एक टुकड़े में, जिसे सूटकेस की तरह पहनाया जा रहा था, कुछ लिनेन का कपड़ा और मोजों की दो जोड़ियाँ रखी हुई थीं; दूसरे के पास बटनों वाली तलवारों की एक नई जोड़ी के अलावा कुछ नहीं था। किसानों के पास कई वस्तुएँ थीं जिनसे पता चलता था कि वे किसी बड़े शहर से आ रहे थे जहाँ से उन्होंने उन्हें खरीदा था और अपने गाँव ले जा रहे थे; और छात्र और किसान दोनों ही उसी आश्चर्य से भर गए जो हर उस व्यक्ति को होता है जो डॉन क्विक्सोट को पहली बार देखता है, और यह जानने के लिए उत्सुक थे कि यह व्यक्ति, जो आम लोगों से इतना अलग है, कौन हो सकता है। डॉन क्विक्सोट ने उनका अभिवादन किया और यह सुनिश्चित करने के बाद कि उनका रास्ता भी उसी रास्ते पर है, उन्हें अपने साथ चलने का प्रस्ताव दिया और उनसे अपनी गति धीमी करने का अनुरोध किया, क्योंकि उनके युवा गधे उनके घोड़े से तेज़ दौड़ते थे। फिर, उन्हें प्रसन्न करने के लिए, उन्होंने संक्षेप में अपना परिचय और अपने पेशे के बारे में बताया, जो कि एक वीर योद्धा का था और दुनिया के कोने-कोने में रोमांच की खोज में लगा रहता था। उन्होंने बताया कि उनका नाम डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा है और उन्हें उपनाम से शेरों का योद्धा कहा जाता है।
यह सब बातें किसानों के लिए निरर्थक या बेतुकी थीं, लेकिन छात्रों के लिए नहीं, जिन्होंने जल्द ही डॉन क्विक्सोट की धूर्तता को भांप लिया; फिर भी, वे उसका सम्मान और आदर करते थे, और उनमें से एक ने उससे कहा, "यदि हे महाराज, आपके पास कोई निश्चित मार्ग नहीं है, जैसा कि रोमांच चाहने वालों के साथ होता है, तो कृपया हमारे साथ आइए; आप ला मांचा में, या आसपास के कई मील में, अब तक की सबसे शानदार और भव्य शादियों में से एक देखेंगे।"
डॉन क्विक्सोट ने उससे पूछा कि क्या यह किसी राजकुमार का है, जिसके बारे में वह इस तरह बात कर रहा है। "बिल्कुल नहीं," छात्र ने कहा; यह एक किसान और

बेहतरीन पहलवान और एक शानदार गेंद खिलाड़ी; वह हिरण की तरह दौड़ता है, बकरी से भी बेहतर छलांग लगाता है, नौ पिनों को जादू की तरह गिरा देता है, चिड़िया की तरह गाता है, गिटार इस तरह बजाता है जैसे वह बोल रहा हो, और सबसे बढ़कर, तलवारबाजी में वह माहिर है।
इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "केवल इसी खूबी के कारण, यह युवक न केवल सुंदर क्विटेरिया से, बल्कि रानी गुइनवेरे से भी विवाह करने का पात्र है, यदि वह अभी जीवित होतीं, तो लांसलॉट और उन सभी के बावजूद जो इसे रोकने की कोशिश करते।"
"मेरी पत्नी से ये बात कहना," सांचो ने कहा, जो अब तक चुपचाप सुन रहा था, "क्योंकि वो तो बस यही सुनना चाहती है कि हर कोई अपने बराबर वाले से ही शादी करे, 'हर भेड़ अपनी जैसी ही होती है' वाली कहावत पर यकीन करती है। मैं तो ये चाहता हूँ कि ये नेक बेसिलियो (क्योंकि मुझे उससे अभी से प्यार होने लगा है) इस महिला क्विटेरिया से शादी कर ले; और उन लोगों पर लानत हो—मेरा मतलब तो ठीक उल्टा था—जो एक-दूसरे से प्यार करने वालों को शादी करने से रोकते हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर सभी प्रेमी-प्रेमिकाओं का विवाह हो जाए, तो माता-पिता अपने बच्चों का सही व्यक्ति से सही समय पर विवाह करने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे; और अगर बेटियों को अपनी मर्जी से पति चुनने की छूट दे दी जाए, तो एक बेटी अपने पिता के नौकर को चुनेगी, और दूसरी किसी ऐसे व्यक्ति को जिसे उसने सड़क पर चलते हुए देखा हो और उसे आकर्षक और साहसी समझ लिया हो, भले ही वह शराबी और गुंडा हो; क्योंकि प्रेम और कल्पना विवेक की दृष्टि को आसानी से अंधा कर देते हैं, जो जीवन का मार्ग चुनने में बहुत आवश्यक है; और वैवाहिक चुनाव में गलती होने की संभावना बहुत अधिक होती है, और इसे सही बनाने के लिए बहुत सावधानी और ईश्वर की विशेष कृपा की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति लंबी यात्रा पर निकलता है, यदि वह बुद्धिमान है, तो यात्रा शुरू करने से पहले अपने साथ चलने के लिए किसी भरोसेमंद और सुखद साथी की तलाश करेगा। तो फिर, जो व्यक्ति जीवन की पूरी यात्रा मृत्यु के अंतिम पड़ाव तक तय करने वाला है, उसे ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए, खासकर तब जब साथी को बिस्तर पर, भोजन करते समय और हर जगह उसका साथी बनना हो, जैसे पत्नी उसके लिए होती है। पति? पत्नी का साथ कोई व्यापारिक वस्तु नहीं है, जिसे खरीदने के बाद लौटाया, बेचा या बदला जा सके; यह एक अटूट बंधन है जो

जीवन भर रहता है; यह एक फंदा है, जिसे एक बार गले में डाल लेने पर वह एक जटिल गांठ बन जाता है, जिसे अगर मृत्यु की तलवार न काट दे तो खोलना असंभव है। मैं इस विषय पर और भी बहुत कुछ कह सकता था, लेकिन मुझे यह जानने की उत्सुकता है कि क्या वरिष्ठ लाइसेंसधारी के पास बेसिलियो की कहानी के बारे में कुछ और बताने को है।
इस पर उस विद्यार्थी, कुंवारे, या जैसा कि डॉन क्विक्सोट ने उसे कहा था, अय्याश ने उत्तर दिया, "मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है, सिवाय इसके कि जिस क्षण से बेसिलियो को पता चला कि सुंदर क्विटेरिया का विवाह धनी कैमाचो से होने वाला है, तब से उसे न तो मुस्कुराते देखा गया है और न ही कोई समझदारी भरी बात करते सुना गया है। वह हमेशा उदास और निराश रहता है, अपने आप से इस तरह बातें करता है जिससे साफ पता चलता है कि वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठा है। वह कम खाता है और कम सोता है, और जो कुछ खाता है वह सिर्फ फल है। और जब वह सोता है, अगर सोता भी है, तो खेत में कठोर धरती पर किसी जानवर की तरह सोता है। कभी वह आकाश को देखता है, तो कभी वह धरती पर इस कदर टकटकी लगाए रहता है कि मानो वह हवा से हिलती हुई किसी कपड़े से ढकी मूर्ति हो। संक्षेप में, वह दुख से चूर दिल के ऐसे लक्षण दिखाता है कि हम सभी जो उसे जानते हैं, मानते हैं कि कल जब सुंदर क्विटेरिया 'हाँ' कहेगी, तो यह उसकी मृत्यु का फरमान होगा।"
"ईश्वर ही इसे बेहतर ढंग से संभालेंगे," सांचो ने कहा, "क्योंकि जो ईश्वर घाव देता है, वही मरहम भी लगाता है; कोई नहीं जानता कि क्या होगा; आज और कल के बीच कई घंटे हैं, और उनमें से किसी भी पल, या किसी भी क्षण, घर गिर सकता है; मैंने बारिश और धूप दोनों एक साथ देखी हैं; कई लोग अच्छे स्वास्थ्य में बिस्तर पर जाते हैं, लेकिन अगले दिन उठ नहीं पाते। और मुझे बताओ, क्या कोई ऐसा है जो भाग्य के पहिये में कील ठोकने का दावा कर सकता है? नहीं, बिल्कुल नहीं; और एक स्त्री के 'हाँ' और 'ना' के बीच मैं सुई की नोक भी नहीं रखूंगा, क्योंकि वहाँ उसके लिए जगह नहीं होगी; अगर तुम मुझे बताओ कि क्विटेरिया बेसिलियो से दिल से प्यार करती है, तो मैं उसे सौभाग्य की एक थैली दूंगा; क्योंकि मैंने सुना है कि प्यार ऐसे चश्मे से देखता है जो तांबे को सोना, गरीबी को धन और धुंधली आँखों को मोती जैसा बना देता है।"
"सांचो, तुम क्या कहना चाहते हो? तुम पर लानत हो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि जब तुम कहावतों और मुहावरों को जोड़कर बातें करते हो, तो तुम्हें

केवल यहूदा ही समझ सकता है, और काश वह तुम्हें पकड़ ले। मुझे बताओ, हे जानवर, तुम्हें कीलों या पहियों या किसी और चीज़ के बारे में क्या पता है?" "ओह, अगर आप मुझे नहीं समझते," सांचो ने उत्तर दिया, "तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मेरी बातें निरर्थक समझी जाती हैं; लेकिन कोई बात नहीं; मैं खुद को समझता हूँ, और मुझे पता है कि मैंने जो कुछ भी कहा है उसमें कुछ भी मूर्खतापूर्ण नहीं है; बस आप, महोदय, मेरी हर बात पर, बल्कि मेरे हर काम पर हमेशा आपत्ति जताते रहते हैं।"
"बकवास करने वाले, चापलूसी करने वाले नहीं," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ईमानदारी से बात करने वाले, हे झूठ बोलने वाले, ईश्वर तुझे नरक में भेजे!" "महामहिम, मुझ पर दोष मत निकालिए," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि आप जानते हैं कि मैं दरबार में पला-बढ़ा नहीं हूँ और न ही सलामांका में प्रशिक्षित हुआ हूँ, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि मैं अपने शब्दों में एक-दो अक्षर जोड़ रहा हूँ या हटा रहा हूँ। अरे! भगवान भला करे, एक सायगोवासी को टोलेडन की तरह बोलने के लिए मजबूर करना उचित नहीं है; हो सकता है कि कुछ टोलेडन ऐसे भी हों जिन्हें शिष्ट भाषा बोलने में महारत हासिल न हो।"
“यह सच है,” लाइसेंसधारी ने कहा, “क्योंकि जो लोग चमड़ा कारखानों और ज़ोकोडोवर में पले-बढ़े हैं, वे उन लोगों की तरह बात नहीं कर सकते जो लगभग सारा दिन गिरजाघर के गलियारों में टहलते रहते हैं, और फिर भी वे सभी टोलेडन कहलाते हैं। शुद्ध, सही, सुरुचिपूर्ण और स्पष्ट भाषा दरबारी शिष्टाचार और विवेक वाले पुरुषों में पाई जाती है, भले ही उनका जन्म मजालाहोंडा में हुआ हो; मैं विवेक की बात इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जिनमें यह नहीं है, और विवेक ही अच्छी भाषा का व्याकरण है, बशर्ते इसका अभ्यास किया जाए। महोदय, मैंने अपने पापों के लिए सलामांका में विधि विद्या का अध्ययन किया है, और मुझे स्पष्ट, सरल और समझने योग्य भाषा में अपनी बात कहने में गर्व होता है।”
दूसरे छात्र ने कहा, "अगर तुम अपनी ज़ुबान की बाजीगरी से ज़्यादा अपने पास मौजूद तलवारों को चलाने की कुशलता पर गर्व न करते, तो तुम उस डिग्री में सबसे आगे होते, जहाँ तुम अभी सबसे पीछे हो।"
"देखो, कुंवारे कोरचुएलो," लाइसेंसधारी ने जवाब दिया, "तलवार चलाने की कला के बारे में तुम्हारा सबसे गलत विचार है, अगर तुम इसे बेकार समझते हो।"

"यह मेरा कोई विचार नहीं, बल्कि एक स्थापित सत्य है," कोरचुएलो ने उत्तर दिया; "और यदि आप चाहते हैं कि मैं इसे प्रयोग द्वारा सिद्ध करूँ, तो वहाँ तलवारें हैं, और यह एक अच्छा अवसर है; मेरा हाथ स्थिर है और भुजा बलवान है, और ये मेरे दृढ़ संकल्प के साथ मिलकर आपको यह स्वीकार करने पर मजबूर कर देंगे कि मैं गलत नहीं हूँ। घोड़े से उतरें और अपनी स्थितियों, वृत्तों, कोणों और विज्ञान का अभ्यास करें, क्योंकि मुझे आशा है कि मैं अपनी अपरिष्कृत तलवारबाज़ी से आपको दोपहर के उजाले में भी तारे दिखा दूँगा, जिसमें, ईश्वर के बाद, मुझे पूरा विश्वास है कि अभी तक कोई ऐसा व्यक्ति पैदा नहीं हुआ है जो मुझे पीठ फेरने पर मजबूर कर सके, और दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिसे मैं पीछे हटने के लिए विवश न कर सकूँ।"
तलवारबाज़ी के उस्ताद ने जवाब दिया, "तुम पीठ फेरते हो या नहीं, इससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है; हालाँकि हो सकता है कि तुम्हारी कब्र उसी जगह खोदी जाए जहाँ तुमने पहली बार पैर रखा था; मेरा मतलब है कि तलवारबाज़ी के कौशल का तिरस्कार करने के कारण तुम वहीं मृत पड़े रहोगे।"
"हम जल्द ही देखेंगे," कोरचुएलो ने उत्तर दिया, और फुर्ती से अपने गधे से उतरकर, उसने गुस्से में उस तलवार को निकाल लिया जिसे लाइसेंसधारी अपने जानवर पर ले जा रहा था।
“ऐसा नहीं होना चाहिए,” डॉन क्विक्सोट ने इस मौके पर कहा; “मैं इस तलवारबाजी मुकाबले का निर्देशक और इस अक्सर विवादित प्रश्न का निर्णायक बनूंगा;” और रोसिनांटे से उतरकर अपना भाला पकड़कर वह सड़क के बीचोंबीच खड़ा हो गया, ठीक उसी समय लाइसेंसधारी, सहज और सुंदर चाल-ढाल के साथ, कोरचुएलो की ओर बढ़ा, जो मानो अपनी आँखों से आग बरसाते हुए उसके सामने आ रहा था। उसके दल के बाकी दो लोग, किसान, अपने गधों से उतरे बिना ही इस जानलेवा त्रासदी के तमाशे देख रहे थे। कोरचुएलो के वार, धक्के, नीचे की ओर वार, पीछे की ओर वार और दोहरे वार अनगिनत थे, और वे ओलों या हॉप्स से भी अधिक बरस रहे थे। वह क्रोधित शेर की तरह टूट पड़ा, लेकिन लाइसेंसधारी की तलवार के बटन से उसके मुंह पर एक हल्की सी चोट लगी, जिसने उसके उग्र आक्रमण के बीच में ही उसे रोक दिया और उसे इस प्रकार चूमने पर मजबूर कर दिया जैसे वह कोई पवित्र वस्तु हो, हालांकि उतनी श्रद्धा से नहीं जितनी श्रद्धा से पवित्र वस्तुओं को चूमा जाना चाहिए। अंत में, लाइसेंसधारी ने वार करके उसके छोटे से चोगे के सारे बटन तोड़ दिए, उसके निचले हिस्से को कटलफिश की

पूंछ की तरह फाड़ दिया, उसकी टोपी दो बार गिरा दी और उसे इतना थका दिया कि झुंझलाहट, क्रोध और रोष में उसने तलवार को मूठ से पकड़कर इतनी ज़ोर से फेंका कि वहाँ मौजूद किसानों में से एक, जो एक नोटरी था और जिसने तलवार को पकड़ लिया, ने बाद में शपथ पत्र दिया कि उसने तलवार को लगभग तीन-चौथाई मील दूर फेंका था। यह गवाही इस बात को पूरी निश्चितता के साथ साबित करती है कि कौशल के आगे शक्ति पराजित हो जाती है।
कोरचुएलो थककर बैठ गया, और सांचो उसके पास आकर बोला, "मेरी कसम, महाराज, अगर आप मेरी सलाह मान लें, तो आप फिर कभी किसी को तलवारबाजी के लिए चुनौती नहीं देंगे, केवल कुश्ती और तलवारबाजी करेंगे, क्योंकि आपके पास इसके लिए जवानी और ताकत है; लेकिन जहाँ तक इन तलवारबाजों की बात है, जैसा कि लोग उन्हें कहते हैं, मैंने सुना है कि वे तलवार की नोक को सुई के छेद से आर-पार कर सकते हैं।"
"मैं अपने गधे से गिरने से संतुष्ट हूँ," कोरचुएलो ने कहा, "और इस बात से भी कि जिस सत्य से मैं इतना अनभिज्ञ था, वह मुझे अनुभव से सिद्ध हो गया।" उठकर उसने लाइसेंसधारी को गले लगाया और वे पहले से भी बेहतर दोस्त बन गए। नोटरी, जो तलवार लेने गया था, उसका इंतज़ार न करते हुए, क्योंकि उन्हें लगा कि उसे आने में काफ़ी समय लगेगा, उन्होंने आगे बढ़ने का निश्चय किया ताकि वे समय रहते क्विटेरिया गाँव पहुँच सकें, जहाँ वे सभी रहते थे।
यात्रा के शेष भाग के दौरान, स्नातक ने तलवार की खूबियों के बारे में उन्हें इतने निर्णायक तर्कों, आंकड़ों और गणितीय प्रमाणों के साथ बताया कि सभी लोग इस विज्ञान के महत्व के बारे में आश्वस्त हो गए और कोरचुएलो अपने हठधर्मिता से मुक्त हो गया।
अंधेरा छा गया; लेकिन कस्बे तक पहुँचने से पहले ही उन्हें ऐसा लगा मानो उनके सामने अनगिनत टिमटिमाते तारों से भरा आकाश हो। उन्हें विभिन्न वाद्ययंत्रों, जैसे बांसुरी, ढोल, वीणा, शहनाई, तबला और डफ की मधुर मिली- जुली आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। जैसे-जैसे वे पास पहुँचे, उन्होंने देखा कि कस्बे के प्रवेश द्वार पर बने हरे-भरे मेहराब के पेड़ रोशनी से जगमगा रहे थे, जिन पर हवा का कोई असर नहीं पड़ रहा था, क्योंकि उस समय हवा इतनी हल्की थी कि पेड़ों की पत्तियों को हिलाने की भी शक्ति नहीं थी। संगीतकार शादी की रौनक थे, अलग-अलग टोलियों में सुंदर मैदानों में घूम रहे थे, कुछ नाच रहे थे, कुछ गा रहे थे, और कुछ पहले से उल्लेखित विभिन्न वाद्ययंत्र

बजा रहे थे। संक्षेप में, ऐसा लग रहा था मानो पूरे मैदान में उल्लास और उमंग छटपटा रही हो। कई अन्य लोग ऊँची बेंचें बनाने में लगे हुए थे, जहाँ से लोग आराम से उन नाटकों और नृत्यों को देख सकें जो अगले दिन धनी कैमाचो के विवाह समारोह और बेसिलियो के अंतिम संस्कार के लिए समर्पित स्थान पर प्रस्तुत किए जाने थे। डॉन क्विक्सोट गाँव में प्रवेश नहीं करना चाहता था, हालाँकि किसान और कुंवारे दोनों ने उस पर दबाव डाला; फिर भी उसने यह कहकर अपना बचाव किया, जो उसकी राय में पर्याप्त था, कि वीर योद्धाओं की यह प्रथा थी कि वे शहरों के बजाय खेतों और जंगलों में सोना पसंद करते थे, भले ही वे सोने की छतों के नीचे ही क्यों न हों; और इसलिए वह सड़क से थोड़ा हटकर मुड़ गया, सांचो की इच्छा के विरुद्ध, क्योंकि डॉन डिएगो के महल या घर में बिताए गए आरामदायक आवास उसके मन में लौट आए थे।

20

अध्याय
इसमें धनी कैमाचो के विवाह और गरीब बेसिलियो की घटना का वर्णन है।
सुंदर अरोरा ने चमकीले फोएबस को अपनी सुनहरी लटों पर जमे तरल मोतियों को अपनी तीव्र किरणों की गर्मी से सुखाने का समय मुश्किल से ही दिया था कि डॉन क्विक्सोट, अपने अंगों से आलस्य को झटकते हुए, अपने पैरों पर उछल पड़ा और अपने साथी सांचो को पुकारा, जो अभी भी खर्राटे ले रहा था; यह देखकर डॉन क्विक्सोट ने उसे जगाने से पहले ही उससे कहा: "तुम पृथ्वी पर रहने वाले सभी प्राणियों में सबसे अधिक भाग्यशाली हो, क्योंकि तुम बिना ईर्ष्या किए और बिना ईर्ष्या किए, शांत मन से सोते हो, और न तो जादूगर तुम्हें सताते हैं और न ही जादू तुम्हें डराता है। सो जाओ, मैं कहता हूँ, और सौ बार कहूँगा, अपनी मालकिन के बारे में किसी भी ईर्ष्यालु विचार के बिना जो तुम्हें लगातार जागते रहने के लिए मजबूर करे, या इस बात की चिंता किए बिना कि तुम अपने कर्ज कैसे चुकाओगे, या अपने और अपने जरूरतमंद छोटे परिवार के लिए कल का भोजन कैसे जुटाओगे, जो तुम्हारी नींद में खलल डाले। महत्वाकांक्षा तुम्हारी नींद भंग न करे, न ही इस दुनिया का खोखला वैभव तुम्हें परेशान करे, क्योंकि तुम्हारी चिंता का चरम बिंदु अपने गधे का भरण-पोषण करना है, क्योंकि तुमने अपना सहारा मेरे कंधों पर रखा है, वह संतुलन और बोझ जो प्रकृति और रीति-रिवाज ने स्वामियों पर डाला है। नौकर सोता है और मालिक जागता रहता है यह सोचते हुए कि वह उसे कैसे खिलाएगा, कैसे आगे बढ़ाएगा।" और उसे पुरस्कृत करो। आकाश को निर्बल होते और धरती से आवश्यक नमी रोके रखने का कष्ट सेवक को नहीं, बल्कि स्वामी को होता है, जिसे अकाल और विरह के समय में उसका सहारा बनना पड़ता है, जिसने समृद्धि और खुशहाली के समय में उसकी सेवा की थी।
इन सब बातों पर सांचो ने कोई जवाब नहीं दिया क्योंकि वह सो रहा था, और अगर डॉन क्विक्सोट ने उसे अपने भाले के पिछले हिस्से से न जगाया होता तो वह इतनी जल्दी जाग भी नहीं पाता। आखिरकार वह नींद से बेहाल और सुस्त होकर जागा और चारों ओर नज़र घुमाते हुए बोला, "अगर मैं गलत नहीं हूँ तो उस गलियारे के उस कोने से एक भाप और एक गंध आ रही है जो गैलिंगेल या थाइम की

बजाय तली हुई मछली के टुकड़ों जैसी ज़्यादा है; मेरी कसम, ऐसी गंध से शुरू होने वाली शादी तो भरपूर और बिना किसी रोक-टोक के होनी चाहिए।"
"बस करो, पेटू," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "चलो, हम इस विवाह समारोह को देखने चलें और देखें कि ठुकराया हुआ बेसिलियो क्या करता है।"
"उसे जो चाहे करने दो," सांचो ने जवाब दिया; अगर वो गरीब न भी होता, तो भी क्विटेरिया से शादी कर लेता। अपने लिए एक शानदार रिश्ता बनाने के लिए, और वो खुद एक पैसा भी न होने के कारण; क्या इसके अलावा कुछ और है? सच कहूँ तो, महोदय, मेरा मानना है कि गरीब को जो मिलता है उसी में संतुष्ट रहना चाहिए, न कि समुद्र की गहराई में स्वादिष्ट चीज़ों की तलाश में भटकना चाहिए। मैं शर्त लगा सकता हूँ कि कामाचो, बेसिलियो को सिक्कों में दफ़ना सकता है; और अगर ऐसा है, जैसा कि निस्संदेह है, तो क्विटेरिया कितनी मूर्ख होगी अगर वो कामाचो द्वारा दिए गए और दिए जाने वाले सुंदर वस्त्रों और गहनों को ठुकरा दे और बेसिलियो के तलवारबाज़ी और तलवारबाज़ी के हुनर को स्वीकार कर ले। शराबखाने में अच्छे से तलवार फेंकने या सटीक वार करने पर एक गिलास शराब भी नहीं मिलती। ऐसी प्रतिभाएँ और कौशल जिन्हें पैसे में नहीं बदला जा सकता, उन्हें काउंट डिरलोस को दे दो; लेकिन जब ऐसे उपहार किसी ऐसे व्यक्ति को मिलते हैं जिसके पास नकद पैसा हो, तो काश मेरी स्थिति भी उनके जैसी होती। एक अच्छी नींव पर एक अच्छी इमारत खड़ी की जा सकती है, और दुनिया की सबसे अच्छी नींव पैसा है।
"भगवान के लिए, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने यहाँ कहा, "वह भाषणबाजी बंद करो; मेरा मानना है कि यदि तुम्हें हर पल अपनी शुरुआत की तरह बोलते रहने की अनुमति दी गई, तो तुम्हारे पास खाने या सोने का समय नहीं बचेगा; क्योंकि तुम सारा समय बोलने में ही बिता दोगे।"
"अगर आपकी याददाश्त अच्छी होती," सांचो ने उत्तर दिया, "तो आपको याद होता कि पिछली बार घर से निकलते समय हमारे बीच क्या समझौता हुआ था; उनमें से एक शर्त यह थी कि मुझे जो कुछ भी कहना हो, कहने की पूरी छूट थी, बशर्ते वह मेरे पड़ोसी या आपकी अनुमति के विरुद्ध न हो; और जहाँ तक मुझे लगता है, मैंने उस शर्त का उल्लंघन नहीं किया है।"
"मुझे ऐसा कोई लेख याद नहीं है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और अगर ऐसा होता भी, तो मैं तुमसे विनती करता हूँ कि चुप रहो और मेरे साथ चलो; क्योंकि कल रात हमने जो वाद्ययंत्र सुने थे, वे घाटियों में फिर से जीवंतता लाने

लगे हैं, और निस्संदेह विवाह सुबह की ठंडक में होगा, न कि दोपहर की गर्मी में।"
सांचो ने अपने स्वामी के आदेश का पालन किया और रोसिनांटे पर काठी और डैपल पर बोझ ढोने वाली काठी रखकर, दोनों घोड़े पर सवार होकर इत्मीनान से गलियारे में प्रवेश किया। सांचो की नज़र सबसे पहले एक पूरे बैल पर पड़ी, जिसे एक पूरे एल्म के पेड़ पर सींक पर रखा गया था। जिस आग में उसे भूना जाना था, उसमें लकड़ियों का एक मध्यम आकार का ढेर जल रहा था। आग के चारों ओर रखे छह बर्तन आम बर्तनों जैसे नहीं थे, बल्कि शराब के आधे जार थे, जिनमें से प्रत्येक में कसाईखाने का सामान समा सकता था। ये बर्तन पूरी भेड़ों को निगल जाते थे और उन्हें अपने अंदर इस तरह छिपा लेते थे जैसे वे कबूतर हों। अनगिनत खाल उतारे हुए खरगोश और पंख नोचे हुए मुर्गे पेड़ों पर लटके हुए थे, जिन्हें बर्तनों में दफनाना था। अनगिनत जंगली पक्षी और विभिन्न प्रकार के शिकार डालियों से लटके हुए थे ताकि हवा उन्हें ठंडा रख सके। सांचो ने छह गैलन से अधिक क्षमता वाली साठ से अधिक मदिरा मशकें गिनीं, और बाद में पता चला कि वे सभी भरपूर मदिरा से भरी हुई थीं। इसके अलावा, वहाँ एकदम सफेद ब्रेड के ढेर लगे थे, जैसे खलिहानों में अनाज के ढेर होते हैं। वहाँ खुली ईंटों की तरह सजी हुई पनीर की एक दीवार थी, और रंगाई की दुकान की मशकों से भी बड़े तेल से भरे दो बड़े बर्तन थे, जिनमें पकौड़े पकाए जाते थे। तलने के बाद उन्हें दो बड़े फावड़ों से निकालकर पास ही रखे शहद से भरे एक और बर्तन में डाल दिया जाता था। पचास से अधिक रसोइये और रसोइया थे, सभी साफ-सुथरे, चुस्त और प्रसन्न थे। बैल के विशाल पेट में एक दर्जन छोटे-छोटे मुलायम सूअर के बच्चे थे, जिन्हें वहाँ सिलकर उसके पेट को कोमलता और स्वाद दिया गया था। विभिन्न प्रकार के मसाले पाउंड के हिसाब से नहीं, बल्कि चौथाई के हिसाब से खरीदे गए थे, और सभी एक बड़े संदूक में खुलेआम रखे हुए थे। संक्षेप में कहें तो, शादी की सारी तैयारियां देहाती शैली में की गई थीं, लेकिन इतनी प्रचुर मात्रा में थीं कि एक पूरी सेना का पेट भर सकें।
सांचो ने सब कुछ देखा, सब पर विचार किया, और हर चीज़ ने उसका दिल जीत लिया। सबसे पहले बर्तनों ने उसे मोहित किया और उसे आकर्षित किया, जिनमें से वह बड़ी खुशी से एक छोटी सी कटोरी भर खाना चाहता था; फिर शराब की मशकों ने उसका दिल जीत लिया; और अंत में, कड़ाही में पके हुए पकवानों ने, अगर सचमुच

इतने बड़े-बड़े बर्तनों को कड़ाही कहा जा सकता है; और खुद को रोक न पाने या और बर्दाश्त न कर पाने के कारण, वह व्यस्त रसोइयों में से एक के पास गया और विनम्रता से, लेकिन भूख से, एक बर्तन में रोटी का एक टुकड़ा भिगोने की अनुमति मांगी; जिस पर रसोइए ने उत्तर दिया, "भाई, आज भूख को हावी होने का दिन नहीं है, धनी कामाचो की कृपा से; नीचे उतरो और एक करछी ढूंढो और एक-दो मुर्गियां निकाल लो, शायद वे तुम्हें बहुत अच्छी लगें।"
"मुझे तो कोई नहीं दिख रहा," सांचो ने कहा।
रसोइए ने कहा, "ज़रा रुकिए! मैं कितना पापी हूँ! आप कितने संकोची और संकोची हैं!" और ऐसा कहते हुए उसने एक बाल्टी उठाई और उसे आधे जार में डुबोकर उसमें से तीन मुर्गियाँ और दो हंस निकाले, और सांचो से कहा, "आओ दोस्त, और रात के खाने के समय तक इन बचे हुए टुकड़ों से अपनी भूख मिटा लो।"
"मेरे पास उन्हें रखने के लिए कुछ नहीं है," सांचो ने कहा।
"तो फिर," रसोइए ने कहा, "चम्मच समेत सब कुछ ले लो; क्योंकि कैमाचो की दौलत और खुशी सब कुछ मुहैया कराती है।"
जब सांचो इस तरह से आगे बढ़ रहा था, डॉन क्विक्सोट गलियारे के एक छोर पर बारह किसानों के प्रवेश द्वार को देख रहा था, जो सभी उत्सव और समारोह के वस्त्र पहने हुए थे, बारह सुंदर घोड़ियों पर सवार थे, जिन पर कीमती और आकर्षक साज-सज्जा थी और उनके सींगों पर कई छोटी घंटियाँ बंधी हुई थीं। वे नियमित क्रम में व्यवस्थित होकर, "कामाचो और क्विटेरिया की जय हो! वह जितना धनी है उतनी ही सुंदर है; और वह पृथ्वी पर सबसे सुंदर है!" के उल्लासपूर्ण नारों के साथ मैदान पर कई चक्कर लगा रहे थे।
यह सुनकर डॉन क्विक्सोट ने मन ही मन कहा, "यह आसानी से समझा जा सकता है कि इन लोगों ने मेरी डुलसीनिया डेल टोबोसो को कभी नहीं देखा है; क्योंकि अगर उन्होंने देखा होता तो वे अपनी इस क्विटेरिया की प्रशंसा करने में अधिक संयमित होते।"
इसके कुछ ही क्षण बाद, विभिन्न प्रकार के नर्तकों के कई समूह अलग-अलग स्थानों से गलियारे में प्रवेश करने लगे, और उनमें से एक तलवारबाज़ों का समूह था जिसमें लगभग चौबीस युवक थे, जो वीर और उत्साही स्वभाव के थे, उत्तम और सफ़ेद लिनेन के वस्त्र पहने हुए थे, और उनके रूमालों पर विभिन्न रंगों में महीन रेशम की कढ़ाई थी; और घोड़ियों पर सवार लोगों में से एक ने उनके नेतृत्व कर रहे एक फुर्तीले युवक से पूछा कि क्या कोई नर्तक घायल हुआ है।

"अभी तक, ईश्वर का धन्यवाद, कोई घायल नहीं हुआ है," उसने कहा, "हम सब सुरक्षित और स्वस्थ हैं;" और वह तुरंत अपने साथियों के साथ जटिल नृत्याभ्यास करने लगा, इतने अधिक घुमावों और इतनी कुशलता के साथ कि यद्यपि डॉन क्विक्सोट इस प्रकार के नृत्य देखने का आदी था, उसने सोचा कि उसने इससे पहले कभी इतना अच्छा नृत्य नहीं देखा था। उन्होंने एक और समूह को भी देखा जो सुंदर युवतियों से बना था, जिनमें से कोई भी चौदह वर्ष से कम या अठारह वर्ष से अधिक आयु की नहीं लग रही थी। सभी ने हरे रंग के वस्त्र पहने थे, उनके बाल आंशिक रूप से गुंथे हुए और आंशिक रूप से खुले हुए थे, लेकिन सभी इतने चमकीले सुनहरे थे कि सूर्य की किरणों से भी चमक रहे थे। उन्होंने चमेली, गुलाब, अमरंथ और हनीसकल के फूलों की मालाएँ पहनी हुई थीं। उनके आगे एक आदरणीय वृद्ध पुरुष और एक वृद्ध महिला थीं, जो अपनी उम्र से कहीं अधिक चुस्त और सक्रिय थीं। उनके साथ ज़मोरा बैगपाइप की मधुर धुनें थीं, और उनके चेहरे और आँखों में विनम्रता और पैरों में हल्कापन था, वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ नर्तकियों जैसी लग रही थीं।
इसके बाद एक कलात्मक नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसे वे "बोलने वाला नृत्य" कहते हैं। इसमें आठ अप्सराएँ दो पंक्तियों में थीं, एक पंक्ति का नेतृत्व कामदेव और दूसरी का करतूत कर रही थीं। कामदेव पंख, धनुष, तरकश और बाण से सुसज्जित थे, जबकि करतूत विभिन्न रंगों के सोने और रेशम से सजी भव्य पोशाक में थीं। कामदेव के पीछे चलने वाली अप्सराओं के नाम सफेद चर्मपत्र पर बड़े अक्षरों में उनकी पीठ पर लिखे थे। पहली का नाम "कविता", दूसरी का "बुद्धि", तीसरी का "जन्म" और चौथी का "वीरता" था। करतूत के पीछे चलने वाली अप्सराओं को भी इसी प्रकार अलग किया गया था; पहली का चिन्ह "उदारता", दूसरी का "दान", तीसरी का "खजाना" और चौथी का "शांतिपूर्ण अधिकार" दर्शाता था। इन सबके सामने चार जंगली आदमियों द्वारा खींचा गया एक लकड़ी का किला था, जो सभी हरे रंग से रंगे हुए लता और भांग के वस्त्र पहने हुए थे, और इतने स्वाभाविक लग रहे थे कि सांचो लगभग डर गया था। किले के अग्रभाग पर और उसके ढांचे के चारों ओर "सावधानी का किला" उत्कीर्ण था। चार कुशल तबला और बांसुरी वादक उनके साथ थे, और नृत्य शुरू होने पर, कामदेव ने दो आकृतियाँ बनाने के बाद अपनी आँखें उठाईं और किले के बुर्जों के बीच खड़ी एक युवती पर अपना धनुष तान दिया, और उससे इस प्रकार कहा:
{श्लोक

मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर हूँ, जिसका प्रभुत्व यह जमीन और समुद्र दोनों पर शक्तिशाली है।
ऊपर स्थित आकाश मेरा स्वामी है; नहीं,
नीचे की छायाएँ मुझे पहचानती हैं।
मुझे डर नहीं लगता, मेरी इच्छाशक्ति दृढ़ है।
मेरी जो भी इच्छा या कल्पना हो;
मेरे लिए कुछ भी असंभव नहीं है।
मैं आदेश देता हूँ, बांधता हूँ, मना करता हूँ, मुक्त करता हूँ।
{श्लोक
श्लोक समाप्त करने के बाद उसने किले की चोटी पर एक तीर चलाया और अपनी जगह पर लौट गया। फिर रुचि आगे आई और दो और आकृतियाँ बनाईं, और ढोल बजना बंद होते ही उसने कहा:
{श्लोक
लेकिन मैं प्रेम से भी अधिक शक्तिशाली हूँ।
हालांकि प्रेम ही मुझे आगे बढ़ाता है,
मेरे वंश से ऊँचा कोई वंश नहीं है।
या फिर धूप में, उससे भी अधिक उम्र के।
मुझे सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत कम लोग जानते हैं।
मेरे बिना काम करने वालों की संख्या और भी कम है।
क्योंकि मैं हित हूं, और मैं शपथ लेता हूं
सदा तेरी इच्छा पूरी करने के लिए।
{श्लोक
रुचि पीछे हट गई, और कविता आगे आई, और जब उसने दूसरों की तरह अपनी आकृतियों को देख लिया, तो महल की युवती पर अपनी निगाहें टिकाते हुए उसने कहा: {श्लोक
कई मनगढ़ंत धारणाओं के साथ,
सुंदर महिला, मनमोहक कविता
उसकी आत्मा, तेरे चरणों में अर्पित एक भेंट है।
तुम्हारे लिए सॉनेट के रूप में प्रस्तुत करता हूँ।
यदि तुम मेरी श्रद्धा का तिरस्कार नहीं करोगे, ईर्ष्यालु निगाहों द्वारा देखी जा रही तुम्हारी किस्मत,

कविता के पंखों पर सवार होकर ऊपर उठते हुए
उसे आकाश तक ऊंचा उठाया जाएगा।
{श्लोक
कविता पीछे हट गई, और हित की ओर उदारता आगे बढ़ी, और अपने आंकड़ों पर विचार करने के बाद कहा:
{श्लोक
अतिवाद से बचते हुए दान देना,
कम खर्च करने वाला हाथ, अत्यधिक मुक्त हाथ,
बुद्धिमान लोगों का मानना है कि इसमें यही निहित है।
उदारता का गुण।
लेकिन हे सुंदर स्त्री, तुम्हें समृद्ध करने के लिए,
मैं स्वयं को एक अपव्ययी साबित करूँगा।
एक ऐसी बुराई जो पूरी तरह से शर्मनाक नहीं है, जो
शायद प्यार में इसे उचित बहाना मिल जाए।
{श्लोक
इसी प्रकार दोनों टोलियों के सभी पात्र आगे-पीछे होते रहे, और प्रत्येक ने अपने-अपने नृत्य किए और अपने-अपने श्लोक सुनाए, जिनमें से कुछ सुंदर थे, कुछ व्यंग्यात्मक, लेकिन डॉन क्विक्सोट की स्मृति (यद्यपि उनकी स्मृति उत्कृष्ट थी) केवल उन्हीं को याद रख पाई जिनका अभी उल्लेख किया गया है। फिर सभी आपस में मिल गए, श्रृंखलाएँ बनाईं और फिर सुंदर, बेरोकटोक उल्लास के साथ टूट गईं; और जब भी प्रेम महल के सामने से गुजरता, वह उस पर अपने तीर चलाता, जबकि स्वार्थ उस पर सोने की गोलियाँ तोड़ता। अंत में, काफी देर तक नृत्य करने के बाद, स्वार्थ ने एक बड़ा थैला निकाला, जो एक बड़ी चितकबरी बिल्ली की खाल से बना था और देखने में पैसों से भरा हुआ लग रहा था, और उसे महल पर फेंक दिया, और प्रहार की शक्ति से तख्ते टूटकर गिर पड़े, जिससे युवती असुरक्षित और असहाय हो गई। प्रेम और उसके साथियों ने आगे बढ़कर उसके गले में सोने की एक बड़ी चेन डालकर उसे बंदी बनाकर ले जाने का नाटक किया। यह देखकर प्रेम और उसके साथियों ने उसे छोड़ने का दिखावा किया। यह सारा नाटक ढोल की थाप पर एक नियमित नृत्य के रूप में चल रहा था। उन जंगली लोगों ने आपस में सुलह कर ली और बड़ी कुशलता से महल के तख्तों को ठीक कर दिया, और

युवती एक बार फिर अंदर चली गई। इसके साथ ही नृत्य समाप्त हो गया, जिसे देखकर सभी को बहुत आनंद आया।
डॉन क्विक्सोट ने एक अप्सरा से पूछा कि इसे किसने रचा और व्यवस्थित किया है। उसने उत्तर दिया कि यह शहर के एक लाभार्थी ने किया है जिसे इस तरह की चीज़ें बनाने का अच्छा शौक है। डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं शर्त लगाता हूँ कि वही कुंवारा या लाभार्थी कामाचो का बेसिलियो से भी बड़ा मित्र है, और वह शाम की प्रार्थना से ज़्यादा व्यंग्य में माहिर है; उसने बेसिलियो की कला और कामाचो की दौलत को नृत्य में बड़ी चतुराई से पिरोया है।" यह सब सुन रहे सांचो पांजा ने कहा, "राजा मेरा मुर्गा है; मैं कामाचो के साथ हूँ।" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "सांचो, यह साफ़ है कि तुम एक मसखरे हो, और उन मसखरों में से एक हो जो 'विजेता की जय हो' का नारा लगाते हैं।"
"मुझे नहीं पता कि मैं किस तरह का हूँ," सांचो ने जवाब दिया, "लेकिन मैं यह अच्छी तरह जानता हूँ कि मुझे बेसिलियो के बर्तनों से कभी भी ऐसी शानदार छींटे नहीं मिलेंगी जैसी मुझे कैमाचो के बर्तनों से मिली हैं;" और उसने उसे हंसों और मुर्गियों से भरी बाल्टी दिखाई, और एक को उठाकर बड़े चाव से खाने लगा, और बोला, "बेसिलियो की उपलब्धियों को भूल जाओ! तुम्हारे पास जितना है, उतना ही तुम्हारा मूल्य है, और तुम्हारा मूल्य जितना है, उतना ही तुम्हारे पास है। जैसा कि मेरी एक दादी कहा करती थीं, दुनिया में केवल दो ही परिवार होते हैं, अमीर और गरीब; और वह अमीरों में ही विश्वास रखती थीं; और आज भी, सेनर डॉन क्विक्सोट, लोग 'ज्ञान' की तुलना में 'अमीर' की धड़कन को ज्यादा महसूस करना पसंद करते हैं।" सोने से ढका गधा, बोझ ढोने वाली काठी वाले घोड़े से कहीं बेहतर दिखता है। इसलिए मैं एक बार फिर कहता हूँ कि मैं कामाचो का ही पक्षधर हूँ, जिसके बर्तनों से भरपूर मात्रा में हंस, मुर्गियाँ, खरगोश और लोमड़ी मिलती हैं; लेकिन बेसिलियो के बर्तनों से अगर कभी कुछ हाथ लगे, या यहाँ तक कि पैरों तक भी पहुँचा, तो वो सिर्फ़ धोने के पानी के बराबर होगा।
"क्या तुमने अपना भाषण समाप्त कर लिया है, सांचो?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा। "बेशक मैंने इसे समाप्त कर लिया है," सांचो ने उत्तर दिया, "क्योंकि मुझे पता है कि महाराज को यह बुरा लगा; लेकिन अगर ऐसा न होता, तो तीन दिनों के लिए काफी काम था।"

"हे भगवान, मरने से पहले मुझे तुम्हें मूक देखने का सौभाग्य प्राप्त हो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"जिस रफ्तार से हम चल रहे हैं," सांचो ने कहा, "महाराज, आपकी मृत्यु से पहले मैं मिट्टी चबा रहा होऊंगा; और फिर शायद मैं इतना गूंगा हो जाऊंगा कि दुनिया के अंत तक, या कम से कम न्याय के दिन तक एक शब्द भी नहीं बोल पाऊंगा।"
"हे सांचो, अगर ऐसा हो भी जाए, तो भी तुम्हारी चुप्पी उन सभी बातों की बराबरी नहीं कर पाएगी जो तुमने कही हैं, कह रहे हो और जीवन भर कहते रहोगे; इसके अलावा, यह स्वाभाविक है कि मेरी मृत्यु तुमसे पहले आएगी; इसलिए मैं तुम्हें कभी चुप नहीं देखना चाहता, यहाँ तक कि जब तुम पी रहे हो या सो रहे हो, और यही मेरी अधिकतम अपेक्षा है।"
"सच कहूँ तो, महोदय," सांचो ने उत्तर दिया, "उस निराकार पर भरोसा नहीं किया जा सकता, मेरा मतलब है मृत्यु पर, जो भेड़ को देखते ही खा जाती है, और जैसा कि मैंने हमारे पादरी को कहते सुना है, राजाओं के ऊँचे-ऊँचे महलों और गरीबों की झोपड़ियों पर एक समान रौंदती है। वह देवी कोमल से कहीं अधिक शक्तिशाली है, वह ज़रा भी संकोची नहीं है, वह सब कुछ खा जाती है और हर चीज़ के लिए तैयार रहती है, और अपने भंडारों को हर तरह के, हर उम्र और हर दर्जे के लोगों से भर देती है। वह दोपहर में सोने वाली फसल काटने वाली नहीं है; वह हर समय काटती-पीटती रहती है, सूखी घास से लेकर हरी घास तक; वह कभी चबाती हुई नहीं दिखती, बल्कि जो कुछ भी उसके सामने रखा जाता है, उसे झपट कर निगल जाती है, क्योंकि उसकी भूख कुत्ते जैसी है जो कभी शांत नहीं होती; और यद्यपि उसका पेट नहीं है, फिर भी वह जलोदर रोग से ग्रसित दिखती है और सभी जीवित प्राणियों का जीवन पीने के लिए प्यासी है, जैसे कोई ठंडे पानी का घड़ा पीता है।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और कुछ मत कहो, सांचो; इसे और बेहतर बनाने की कोशिश मत करो, और पतन का जोखिम मत उठाओ; क्योंकि सच तो यह है कि तुमने अपनी देहाती भाषा में मृत्यु के बारे में जो कहा है, वही एक अच्छा उपदेशक कह सकता था। मैं तुमसे कहता हूँ, सांचो, अगर तुममें अपनी माँ जैसी बुद्धि होती, तो तुम उपदेशक का पदभार संभालकर दुनिया भर में अच्छे उपदेश दे सकते थे।" सांचो ने कहा, "जो अच्छा जीवन जीता है, वही अच्छा उपदेश देता है; और मैं इससे अधिक धर्मशास्त्र नहीं जानता।"

"तुम्हें इसकी आवश्यकता भी नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "लेकिन मैं यह समझ नहीं पा रहा हूँ कि ईश्वर का भय ही ज्ञान का आरंभ है, फिर भी तुम, जो उससे अधिक एक छिपकली से डरते हो, इतना ज्ञान कैसे रखते हो।"
"महाराज, आप अपनी वीरता का फैसला खुद कीजिए," सांचो ने जवाब दिया, "और दूसरों के डर या बहादुरी का न्याय करने का अधिकार खुद को मत दीजिए, क्योंकि मैं भी अपने पड़ोसियों की तरह ही ईश्वर से डरता हूँ; लेकिन इन छींटों को निपटाने का काम मुझे करने दीजिए, क्योंकि बाकी सब तो सरासर व्यर्थ की बातें हैं जिनका हिसाब हमें परलोक में लेना होगा।" इतना कहकर उसने बाल्टी पर फिर से हमला बोल दिया, इतनी ज़ोरदार भूख से कि डॉन क्विक्सोट भी उत्तेजित हो गया, जो निस्संदेह उसकी मदद करता अगर आगे बताई जाने वाली घटना ने उसे रोक न दिया होता।

21

अध्याय
जिसमें कैमाचो की शादी की कहानी आगे बढ़ती है, साथ ही कुछ अन्य रोचक घटनाएँ भी शामिल हैं।
जब डॉन क्विक्सोट और सांचो पिछले अध्याय में वर्णित चर्चा में मग्न थे, तभी उन्होंने घोड़ों पर सवार पुरुषों द्वारा पूरी रफ्तार से दौड़ते हुए जोर-जोर से चिल्लाने और शोर मचाने की आवाज सुनी। वे दूल्हा-दुल्हन का स्वागत करने के लिए चिल्ला रहे थे, जो अपने चारों ओर संगीत वाद्ययंत्र और तरह-तरह के जुलूसों के साथ आ रहे थे, और उनके साथ पुजारी और दोनों के रिश्तेदार और आसपास के गांवों के सभी प्रतिष्ठित लोग भी थे। जब सांचो ने दुल्हन को देखा, तो वह विस्मय से बोला, "मेरी कसम, वह किसी देहाती लड़की की तरह नहीं, बल्कि किसी शाही दरबारी महिला की तरह सजी है; हे भगवान! जहाँ तक मैं देख पा रहा हूँ, उसने जो पटेना पहना है वह कीमती मूंगे का है, और उसका हरा कुएनका कपड़ा तीस-पूँछ वाले मखमल का है; और फिर सफेद लिनेन की किनारी— कसम से, वह साटन है! उसके हाथों को देखो—उन पर काले रंग की अंगूठियाँ हैं! अगर ये सोने की अंगूठियाँ नहीं हैं, और असली सोने की नहीं हैं, और फटे हुए दूध की तरह सफेद मोतियों से जड़ी हुई हैं, और हर एक मोती किसी आँख के बराबर कीमती है, तो मेरी किस्मत कभी अच्छी न हो! हे भगवान, उसके बाल कैसे हैं! अगर यह विग नहीं है, तो मैंने अपने पूरे जीवन में इससे लंबे और सुंदर बाल कभी नहीं देखे। देखो वह कितनी बहादुरी से खड़ी है—और उसका रूप! क्या आप नहीं कहेंगे कि वह खजूर के गुच्छों से लदे चलते-फिरते ताड़ के पेड़ जैसी है? क्योंकि उसके बालों और गले में लटके गहने बिल्कुल खजूर जैसे दिखते हैं। मैं कसम खाता हूँ कि वह बहादुर है।" लड़की, और 'फ़्लैंडर्स के तटों को पार करने के लिए उपयुक्त'।
डॉन क्विक्सोट सांचो की अशिष्ट प्रशंसाओं पर हँसा और सोचा कि अपनी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो को छोड़कर उसने कभी इतनी सुंदर स्त्री नहीं देखी थी। सुंदर क्विटेरिया कुछ पीली पड़ गई थी, जो निस्संदेह उस रात के कारण थी जब दुल्हनें अगले दिन होने वाली शादी के लिए तैयार हो रही थीं। वे कालीनों और डालियों से सजे मैदान के एक किनारे पर बने एक रंगमंच की ओर

बढ़े, जहाँ उन्हें अपनी प्रतिज्ञा करनी थी और जहाँ से उन्हें नृत्य और नाटक देखने थे; लेकिन जैसे ही वे वहाँ पहुँचे, उन्होंने अपने पीछे एक ज़ोरदार चीख सुनी और एक आवाज़ आई, "ज़रा रुको, तुम लोग, जितनी जल्दबाज़ी में हो उतने ही नासमझ भी हो!" ये शब्द सुनकर सब मुड़े और देखा कि बोलने वाला एक आदमी था जिसने एक ढीला काला कोट पहना हुआ था जिस पर आग की लपटों जैसे लाल रंग के धब्बे लगे हुए थे। जैसा कि अभी देखा गया, उनके सिर पर गहरे रंग के सरू के पत्तों का मुकुट था और हाथ में एक लंबी छड़ी थी। जैसे ही वे पास आए, सभी ने उन्हें हंसमुख बेसिलियो के रूप में पहचान लिया और सभी उत्सुकता से यह देखने के लिए प्रतीक्षा करने लगे कि उनके शब्दों का क्या परिणाम होगा, क्योंकि उन्हें डर था कि ऐसे समय में उनके प्रकट होने से कोई विपत्ति न आ जाए। अंत में वे थके-हारे और हांफते हुए आए और दूल्हा-दुल्हन के सामने खड़े होकर, अपनी छड़ी, जिसके सिरे पर एक स्टील की कील लगी थी, को जमीन में गाड़ दिया और पीले चेहरे और क्विटेरिया पर टकटकी लगाए, कर्कश और कांपती हुई आवाज में उनसे इस प्रकार कहा:
हे कृतघ्न क्विटेरिया, तुम भली-भांति जानती हो कि हमारे द्वारा माने गए पवित्र नियम के अनुसार, जब तक तुम जीवित हो, तुम्हारा कोई विवाह नहीं हो सकता; और तुम इस बात से भी अनजान नहीं हो कि समय और मेरे प्रयासों से मेरी किस्मत सुधरेगी, इस आशा में मैंने तुम्हारे सम्मान का पूरा ध्यान रखा है; परन्तु तुम मेरे सच्चे प्रेम के प्रति अपने सभी दायित्वों को त्यागकर, मेरी संपत्ति किसी और को सौंपना चाहती हो, जिसकी संपत्ति न केवल सौभाग्य बल्कि परम सुख भी लाती है; और अब इसे पूरा करने के लिए (ऐसा नहीं कि मुझे लगता है कि वह इसके योग्य है, बल्कि इसलिए कि स्वर्ग उसे यह वरदान देना चाहता है), मैं अपने हाथों से उस बाधा को दूर कर दूंगा जो इसमें रुकावट बन सकती है, और तुम दोनों के बीच से हट जाऊंगा। धनी कैमाचो की जय हो! वह कृतघ्न क्विटेरिया के साथ अनेक सुखमय वर्ष व्यतीत करे! और बेचारा बेसिलियो मर जाए, बेसिलियो जिसकी गरीबी ने उसके सुख के पंख काट दिए और उसे मृत्यु के घाट उतार दिया!
ऐसा कहते हुए उसने ज़मीन में गाड़े हुए डंडे को उठाया और उसका आधा हिस्सा वहीं टिकाए रखते हुए दिखाया कि वह एक म्यान है जिसके नीचे एक काफी लंबी तलवार छिपी हुई है; और तलवार का जो हिस्सा ज़मीन में गड़ा हुआ था, उसे ज़मीन में गाड़कर उसने तेज़ी से, शांत भाव से और जानबूझकर खुद को उस पर

झोंक दिया, और पल भर में खून से लथपथ नोक और आधी तलवार उसकी पीठ पर आ गिरी, और वह बेचारा आदमी अपने ही हथियार से घायल होकर खून में लथपथ ज़मीन पर गिर पड़ा।
उसके मित्र तुरंत उसकी सहायता के लिए दौड़े, उसकी दयनीय स्थिति और दुर्भाग्यपूर्ण भाग्य को देखकर वे व्याकुल थे। डॉन क्विक्सोट, रोसिनांटे से उतरकर, उसे सहारा देने के लिए दौड़ा और उसे अपनी बाहों में भर लिया। उसने पाया कि उसकी साँसें अभी भी चल रही थीं। वे तलवार निकालने ही वाले थे कि पास खड़े पुजारी ने उससे पाप स्वीकार करवाने से पहले तलवार निकालने का विरोध किया, क्योंकि तलवार निकालते ही उसकी मृत्यु हो जाएगी। बेसिलियो, थोड़ा संभलकर, दर्द में डूबी हुई कमजोर आवाज में बोला, "हे क्रूर क्विटेरिया, यदि तुम इस अंतिम घातक क्षण में मुझे अपना हाथ मेरी दुल्हन के रूप में दे दो, तो मुझे अभी भी आशा है कि मेरी जल्दबाजी क्षमा हो जाएगी, क्योंकि इसी के कारण मुझे तुम्हारा होने का सुख प्राप्त हुआ।"
यह सुनकर पुजारी ने उसे शरीर की इच्छाओं के बजाय अपनी आत्मा के कल्याण के बारे में सोचने और अपने पापों और जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के लिए ईश्वर से पूरी श्रद्धा से क्षमा मांगने को कहा; जिस पर बेसिलियो ने उत्तर दिया कि वह तब तक पाप स्वीकार नहीं करेगा जब तक क्विटेरिया पहले उससे विवाह नहीं कर लेती, क्योंकि वह खुशी उसके मन को शांत करेगी और उसे पाप स्वीकार करने का साहस देगी।
घायल व्यक्ति की विनती सुनकर डॉन क्विक्सोट ने ज़ोर से कहा कि बेसिलियो की विनती न्यायसंगत और उचित थी, और इसके अलावा यह एक ऐसी विनती थी जिसे आसानी से पूरा किया जा सकता था; और यह सेनर कैमाचो के लिए उतना ही सम्मान की बात होगी कि वे लेडी क्विटेरिया को बहादुर बेसिलियो की विधवा के रूप में स्वीकार करें, जितना कि उन्हें सीधे उनके पिता से प्राप्त करना। उन्होंने कहा, "इस मामले में, केवल 'हां' कहना ही काफी होगा, और इस शब्द के उच्चारण के बाद कोई परिणाम नहीं हो सकते, क्योंकि इस विवाह का वैवाहिक पलंग ही कब्र होना चाहिए।"
कैमाचो यह सब सुन रहा था, वह व्याकुल और असमंजस में था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे और क्या करे; लेकिन बेसिलियो के मित्रों की विनती इतनी प्रबल थी कि वे उससे क्विटेरिया को उसका हाथ देने की अनुमति देने का आग्रह कर रहे थे, ताकि निराशा में इस जीवन को त्यागने वाली उसकी आत्मा खो न जाए।

बिना किसी चिंता और अपने जल्दबाजी के कार्य से आई विपत्ति से अप्रभावित होकर, अपना हाथ मुझे देते हो, तो मैं तुम्हारा हाथ स्वीकार कर लूँगी।" "हाँ, मैं इसे देता हूँ," बेसिलियो ने कहा, "न तो विचलित और न ही विचलित होकर, बल्कि उस निर्मल तर्क के साथ जो स्वर्ग ने मुझे प्रदान किया है, मैं स्वयं को तुम्हारा पति बनने के लिए समर्पित करता हूँ।"
क्विटेरिया ने कहा, "और मैं स्वयं को तुम्हारी पत्नी के रूप में समर्पित करती हूँ, चाहे तुम कई वर्षों तक जीवित रहो, या वे तुम्हें मेरी बाहों से छीनकर कब्र में ले जाएँ।"
"इतने बुरी तरह घायल होने के बावजूद, इस युवक के पास कहने के लिए बहुत कुछ है; उन्हें उसे चापलूसी और मीठी-मीठी बातें बंद करने के लिए कहना चाहिए और उसके मन की बात सुनने के लिए प्रेरित करना चाहिए; क्योंकि मेरे विचार से वह अपनी भावनाओं को ज़बान पर तो रखता है, लेकिन उन्हें व्यक्त नहीं कर पाता।" इस प्रकार बेसिलियो और क्विटेरिया के हाथ जुड़ जाने पर, पुजारी अत्यंत भावुक होकर और आँखों में आँसू लिए उन पर आशीर्वाद अर्पित करते हुए, नवविवाहित जोड़े की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। आशीर्वाद मिलते ही बेसिलियो फुर्ती से अपने पैरों पर खड़ा हो गया और असाधारण निर्भीकता से अपने शरीर में म्यान में रखी तलवार को बाहर निकाल लिया। वहाँ मौजूद सभी लोग चकित रह गए, और कुछ भोले-भाले लोग, पूछताछ करने के बजाय, चिल्लाने लगे, "चमत्कार, चमत्कार!" लेकिन बेसिलियो ने उत्तर दिया, "कोई चमत्कार नहीं, कोई चमत्कार नहीं; केवल एक चाल, एक चाल!" पुजारी व्याकुल और आश्चर्यचकित होकर, दोनों हाथों से घाव की जाँच करने के लिए दौड़ा और पाया कि तलवार बेसिलियो के मांस और पसलियों से नहीं, बल्कि रक्त से भरी एक खोखली लोहे की नली से गुजरी थी, जिसे उसने चतुराई से उस स्थान पर लगाया था। बाद में पता चला कि रक्त को इस प्रकार तैयार किया गया था कि वह जमे नहीं। संक्षेप में, पुजारी, कैमाचो और वहाँ उपस्थित अधिकांश लोगों को यह समझ आ गया था कि उनके साथ धोखा हुआ है और उन्हें मूर्ख बनाया गया है। दुल्हन ने इस धोखे पर कोई नाराजगी नहीं दिखाई; इसके विपरीत, जब उसने सुना कि यह विवाह छलपूर्ण होने के कारण वैध नहीं होगा, तो उसने इसे पुनः पुष्ट किया। इससे सभी ने यह निष्कर्ष निकाला कि यह सब दूल्हा-दुल्हन के बीच आपसी सहमति और आपसी समझ से रचा गया था। कैमाचो और उसके समर्थक इतने आहत हुए कि उन्होंने हिंसा का रूप धारण कर लिया और उनमें से कई लोगों ने तलवारें

निकालकर बेसिलियो पर हमला कर दिया। बेसिलियो की रक्षा में पल भर में कई और तलवारें निकल आईं। वहीं, डॉन क्विक्सोट घोड़े पर सवार होकर आगे बढ़ा, अपनी बांह पर भाला रखे और ढाल से अच्छी तरह ढका हुआ, और उसने सभी को अपने सामने से हटने पर मजबूर कर दिया। सांचो, जिसे ऐसे कामों में कभी कोई आनंद नहीं मिलता था, अपने मदिरादानों की ओर लौट गया, जहाँ से वह अपनी स्वादिष्ट मदिरा निकालता था, यह सोचकर कि वह एक पवित्र स्थान है और उसका सम्मान किया जाएगा। "रुको, सज्जनों, रुको!" डॉन क्विक्सोट ने ऊँची आवाज़ में कहा; "हमें प्रेम द्वारा किए गए अन्याय का बदला लेने का कोई अधिकार नहीं है: याद रखो, प्रेम और युद्ध एक ही चीज़ हैं, और जैसे युद्ध में शत्रु को हराने के लिए छल और रणनीति का प्रयोग करना जायज़ और सामान्य है, वैसे ही प्रेम के संघर्षों और प्रतिद्वंद्विता में वांछित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपनाई गई चालें और युक्तियाँ उचित हैं, बशर्ते कि वे प्रिय व्यक्ति की बदनामी या अपमान का कारण न बनें। क्विटेरिया बेसिलियो की थी और बेसिलियो क्विटेरिया का, यह ईश्वर की न्यायपूर्ण और दयालु व्यवस्था के अनुसार था। कैमाचो धनी है, और वह जब चाहे, जहाँ चाहे और जैसे चाहे अपनी इच्छा पूरी कर सकता है। बेसिलियो के पास केवल यह मेमना है, और कोई भी, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, उसे उससे छीन नहीं सकता; इन दोनों को जिन्हें ईश्वर ने जोड़ा है, मनुष्य अलग नहीं कर सकता; और जो कोई भी ऐसा करने का प्रयास करेगा, उसे पहले इस भाले की नोक से गुजरना होगा।" और ऐसा कहते हुए उसने उसे इतनी दृढ़ता और कुशलता से लहराया कि जो लोग उसे नहीं जानते थे वे सभी भयभीत हो गए।
लेकिन क्विटेरिया के अस्वीकार किए जाने का कैमाचो के मन पर इतना गहरा प्रभाव पड़ा कि वह उसके विचारों से पूरी तरह विमुख हो गई; और इसलिए बुद्धिमान और दयालु स्वभाव वाले पुजारी की सलाह उस पर असरदार साबित हुई, और इसके द्वारा वह और उसके समर्थक शांत और स्थिर हो गए, और इसे साबित करने के लिए उन्होंने फिर से तलवारें उठा लीं, और बेसिलियो की धूर्तता के बजाय क्विटेरिया की कोमलता की निंदा करने लगे; कैमाचो का तर्क था कि यदि क्विटेरिया को कुंवारी रहते हुए बेसिलियो से इतना प्रेम था, तो वह विवाहित होने पर भी उससे प्रेम करती, और उसे उसे देने की अपेक्षा उसे पाने के लिए ईश्वर का अधिक धन्यवाद करना चाहिए।
इसलिए, कैमाचो और उसके साथियों को सांत्वना और शांति मिलने पर, बेसिलियो के पक्ष के लोग भी शांत हो गए; और धनी कैमाचो ने यह दिखाने के लिए कि उसे इस

चाल का कोई मलाल नहीं है और वह इसकी परवाह नहीं करता, उत्सव को ऐसे ही जारी रखने की इच्छा जताई जैसे कि वास्तव में उसकी शादी हो गई हो। हालाँकि, न तो बेसिलियो, न ही उसकी दुल्हन, और न ही उनके साथी इसमें शामिल हुए, और वे बेसिलियो के गाँव लौट गए; क्योंकि गरीब, यदि वे गुणी और समझदार व्यक्ति हैं, तो उनके भी अनुयायी, सम्मान और समर्थन करने वाले होते हैं, ठीक वैसे ही जैसे अमीरों के भी चापलूसी करने वाले और उनकी सेवा करने वाले होते हैं। वे डॉन क्विक्सोट को अपने साथ ले गए, क्योंकि वे उसे एक योग्य और बलवान व्यक्ति मानते थे। केवल सांचो के मन में उदासी छाई हुई थी, क्योंकि उसे कैमाचो के भव्य भोज और उत्सव में शामिल होने से रोक दिया गया था, जो रात तक चला; और इस प्रकार घसीटकर ले जाया गया, वह उदास मन से अपने स्वामी के पीछे चला गया, जो बेसिलियो के दल के साथ था, और मिस्र के भोग-विलास को पीछे छोड़ गया। हालांकि मन ही मन वह उन्हें अपने साथ ले गया था, और बाल्टी में लदे उनके लगभग खत्म हो चुके बचे हुए टुकड़ों को देखकर उसकी आंखों के सामने उस खुशी और उल्लास की झलक उभर आई, जिसे वह खो रहा था। और इसलिए, भूखा न होते हुए भी, व्याकुल और निराश होकर, डैपल से उतरे बिना ही वह रोसिनांटे के पदचिन्हों पर चल पड़ा।

22

अध्याय
इसमें ला मांचा के मध्य में स्थित मोंटेसिनोस की गुफा के महान साहसिक कारनामे का वर्णन है, जिसे वीर डॉन क्विक्सोट ने सुखद अंत तक पहुंचाया। नवविवाहित जोड़े ने डॉन क्विक्सोट का बहुत सम्मान किया और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने क्विक्सोट को अपने पक्ष में आगे आने के लिए आभारी माना। उन्होंने क्विक्सोट की बुद्धिमत्ता को उनके साहस के बराबर महत्व दिया और उन्हें शस्त्र-कला में सिड और वाक्पटुता में सिसरो कहा। योग्य सांचो ने तीन दिन तक इस जोड़े के साथ मौज-मस्ती की और उनसे जाना कि नकली घाव सुंदर क्विटेरिया के साथ मिलकर रची गई योजना नहीं थी, बल्कि बेसिलियो की चाल थी, जिसने ठीक वही परिणाम चाहा था जो उन्होंने देखा था। बेसिलियो ने यह स्वीकार किया कि उसने अपना यह विचार अपने कुछ मित्रों को बताया था, ताकि उचित समय आने पर वे उसकी योजना में सहायता कर सकें और धोखे को सफल बना सकें।
“वह,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “नेक उद्देश्यों के लिए किया गया छल नहीं है और न ही उसे छल कहा जाना चाहिए;” और प्रेमियों के विवाह को उन्होंने एक उत्कृष्ट उद्देश्य बताया, साथ ही उन्हें याद दिलाया कि प्रेम का सबसे बड़ा शत्रु भूख और निरंतर अभाव है; क्योंकि प्रेम ही आनंद, सुख और प्रसन्नता है, विशेषकर जब प्रेमी अपने प्रियतम के साथ होता है, और गरीबी और अभाव इन सभी के कट्टर शत्रु हैं; उन्होंने यह बात सेनर बेसिलियो को उन कलाओं का अभ्यास छोड़ने के लिए प्रेरित करने के लिए कही जिनमें वे निपुण थे, क्योंकि यद्यपि उनसे उन्हें प्रसिद्धि तो मिली, पर धन नहीं मिला, और उन्हें वैध परिश्रम से धन अर्जित करने के लिए प्रेरित करने के लिए कही, जो विवेकशील और दृढ़ निश्चयी लोगों को कभी असफल नहीं होने देता। एक गरीब व्यक्ति जो सम्माननीय है (यदि वास्तव में एक गरीब व्यक्ति सम्माननीय हो सकता है) उसके पास एक सुंदर पत्नी होने पर एक अनमोल रत्न होता है, और यदि वह उससे छीन ली जाती है, तो उसका सम्मान उससे छीन लिया जाता है और नष्ट हो जाता है। वह सुंदर स्त्री जो सम्माननीय है और जिसका पति गरीब है, विजय और सफलता के मुकुटों से सुशोभित होने की पात्र है। सुंदरता स्वयं ही देखने वालों को

आकर्षित करती है, और शाही चीलें और ऊँची उड़ान भरने वाले पक्षी उस पर ललचाते हैं; परन्तु यदि सुंदरता अभाव और दरिद्रता के साथ हो, तो कौवे, चील और अन्य शिकारी पक्षी उस पर आक्रमण करते हैं, और जो स्त्री ऐसे हमलों का दृढ़ता से सामना करती है, वह अपने पति का मुकुट कहलाने की पात्र है। “हे बुद्धिमान बेसिलियो, याद रखो,” डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, “एक ऋषि (जिनका नाम मुझे नहीं पता) का मत था कि पूरे संसार में एक से अधिक अच्छी स्त्री नहीं होती; और उनकी सलाह थी कि प्रत्येक व्यक्ति को यह सोचना और मानना चाहिए कि यही एक अच्छी स्त्री उसकी पत्नी है, और इस तरह वह सुखी जीवन व्यतीत करेगा। मैं स्वयं अविवाहित हूँ, और न ही अब तक मैंने कभी विवाह करने के बारे में सोचा है; फिर भी, जो कोई मुझसे पूछे, मैं उसे ऐसी पत्नी खोजने के तरीके के बारे में सलाह देने का साहस करूँगा जिससे वह संतुष्ट हो सके। सबसे पहले, मैं उसे धन के बजाय प्रतिष्ठा पर ध्यान देने की सलाह दूँगा, क्योंकि एक अच्छी स्त्री केवल अच्छी होने से प्रतिष्ठा नहीं कमाती, बल्कि यह दिखाकर कमाती है कि वह अच्छी है, और खुली अय्याशी और स्वतंत्रता एक स्त्री के सम्मान को गुप्त दुराचार से कहीं अधिक नुकसान पहुँचाती है। यदि आप एक अच्छी स्त्री को अपने घर में लाते हैं, तो उसे अच्छा बनाए रखना और उसे और भी बेहतर बनाना आसान होगा; लेकिन यदि आप एक बुरी स्त्री को लाते हैं, तो उसे सुधारना आपके लिए कठिन परिश्रम साबित होगा।” उसके लिए, क्योंकि एक चरम से दूसरे चरम तक जाना कोई आसान बात नहीं है। मैं यह नहीं कहता कि यह असंभव है, लेकिन मैं इसे कठिन मानता हूँ।
यह सब सुनकर सांचो मन ही मन सोचने लगा, "मेरे इस गुरुजी से जब भी कोई सार्थक और महत्वपूर्ण बात सुनने को मिलती है, तो वे कहते हैं कि मैं एक मंच लेकर दुनिया भर में घूम-घूमकर उपदेश दे सकता हूँ; लेकिन मैं उनके बारे में कहता हूँ कि जब वे कहावतें गढ़कर सलाह देने लगते हैं, तो वे न केवल एक मंच लेकर, बल्कि हर उंगली पर दो-दो मंच लेकर बाज़ारों में अपनी मर्ज़ी से उपदेश देने जा सकते हैं। भगवान आपको वीर योद्धा समझे, आपको तो बहुत कुछ पता है! मैं तो मन ही मन सोचता था कि उन्हें केवल वीरता से जुड़ी बातें ही आती हैं; लेकिन ऐसा कोई काम नहीं है जिसमें वे हाथ न डालें।"
सांचो ने ये बात कुछ ऊँची आवाज़ में बुदबुदाई, और उसके मालिक ने उसे सुन लिया और पूछा, "सांचो, तुम क्या बुदबुदा रहे हो?"

"मैं कुछ कह नहीं रहा हूँ, न ही कुछ बुदबुदा रहा हूँ," सांचो ने कहा; "मैं तो बस मन ही मन सोच रहा था कि काश मैंने शादी से पहले आपकी कही बात सुन ली होती; शायद अब मैं कहता, 'जो बैल खुला घूमता है, वो खुद को खूब चाटता है।'" "तो क्या तुम्हारी टेरेसा इतनी बुरी है, सांचो?"
"वह बहुत बुरी नहीं है," सांचो ने जवाब दिया; "लेकिन वह बहुत अच्छी भी नहीं है; कम से कम उतनी अच्छी नहीं जितनी मैं चाहता हूँ।"
“सांचो, तुम अपनी पत्नी के बारे में बुरा बोलकर गलत कर रहे हो; आखिर वह तुम्हारे बच्चों की माँ है।” “हमारा हिसाब बराबर है,” सांचो ने जवाब दिया; “क्योंकि जब भी उसका मन करता है, वह मेरे बारे में बुरा बोलती है, खासकर जब वह ईर्ष्यालु होती है; और उस समय तो शैतान भी उसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।” अंत में, वे नवविवाहित जोड़े के साथ तीन दिन रहे, जिन्होंने उनका खूब स्वागत किया और राजाओं की तरह सत्कार किया। डॉन क्विक्सोट ने तलवारबाजी के प्रशिक्षु से मोंटेसिनोस की गुफा का रास्ता दिखाने के लिए एक मार्गदर्शक ढूंढने का अनुरोध किया, क्योंकि उसकी गुफा में प्रवेश करने और देश भर में प्रचलित उसके बारे में अद्भुत कहानियों को अपनी आँखों से देखने की तीव्र इच्छा थी। प्रशिक्षु ने कहा कि वह अपने एक चचेरे भाई को लाएगा, जो एक प्रसिद्ध विद्वान था और वीरता की किताबें पढ़ने का बहुत शौकीन था। उसे गुफा के प्रवेश द्वार तक ले जाने में बहुत प्रसन्नता होगी और वह उसे रुइडेरा की झीलें दिखाएगा, जो ला मांचा और यहाँ तक कि पूरे स्पेन में प्रसिद्ध थीं; और उसने आश्वासन दिया कि वह उसे मनोरंजक पाएगा, क्योंकि वह एक ऐसा युवक था जो इतनी अच्छी किताबें लिख सकता था जिन्हें छपवाकर राजकुमारों को समर्पित किया जा सकता था। अंततः चचेरा भाई एक गर्भवती गधे को लेकर आया, जिस पर बहुरंगी कालीन या बोरी से ढकी हुई काठी थी; सांचो ने रोसिनांटे पर काठी कसी, डैपल को तैयार किया और अपनी अलफोर्जा (सामान रखने की टोकरी) भर ली, साथ ही चचेरे भाई की अलफोर्जा भी भर ली, जो अच्छी तरह से भरी हुई थी; और इस प्रकार, ईश्वर को अपना वचन सौंपकर और सभी को विदाई देकर, वे मोंटेसिनोस की प्रसिद्ध गुफा की ओर चल पड़े।
रास्ते में डॉन क्विक्सोट ने अपने चचेरे भाई से पूछा कि उसके शौक, रुचियां और अध्ययन किस प्रकार के हैं, जिस पर उसने उत्तर दिया कि वह पेशे से मानवतावादी है, और उसके शौक और अध्ययन प्रकाशन गृहों के लिए किताबें लिखना है, जो राष्ट्र के लिए अत्यंत उपयोगी और मनोरंजक दोनों हैं। एक किताब का

नाम "द बुक ऑफ लिवरीज" था, जिसमें उसने सात सौ तीन वर्दी, उनके रंगों, आदर्श वाक्यों और प्रतीकों का वर्णन किया था, जिनमें से दरबारी सज्जन त्योहारों और उत्सवों के लिए अपनी पसंद की कोई भी वर्दी चुन सकते थे, बिना किसी से भीख मांगे या अपने दिमाग पर जोर डाले, जैसा कि कहावत है, उन्हें अपने उद्देश्यों के अनुरूप बनाने के लिए; “क्योंकि,” उसने कहा, “मैं ईर्ष्यालु, ठुकराए हुए, भुला दिए गए, अनुपस्थित लोगों को वो देता हूँ जो उन्हें पसंद आएगा और निश्चित रूप से उनके अनुकूल होगा। मेरे पास एक और पुस्तक भी है, जिसे मैं 'मेटामोर्फोसिस, या स्पेनिश ओविड' कहूँगा, जो एक दुर्लभ और मौलिक रचना है, क्योंकि ओविड की नकल करते हुए, मैं इसमें दिखाता हूँ कि सेविले की गिरल्डा और मैग्डेलेना का देवदूत कौन थे, कॉर्डोवा में वेसिंगुएरा का सीवर क्या था, गुइसांडो के बैल, सिएरा मोरेना, मैड्रिड में लेगानिटोस और लावापिएस फव्वारे क्या थे, पियोजो, कैनो डोराडो और प्रियोरा के फव्वारों को भी नहीं भूलना चाहिए; और ये सभी अपने रूपकों, उपमाओं और परिवर्तनों के साथ, इस प्रकार मनोरंजक, रोचक और शिक्षाप्रद हैं। मेरे पास एक और पुस्तक है जिसे मैं 'पॉलीडोर वर्जिल का पूरक' कहता हूँ, जो चीजों के आविष्कार से संबंधित है, और यह महान विद्वत्ता और शोध का कार्य है, क्योंकि मैं स्थापित करता हूँ और मैंने उन कुछ महत्वपूर्ण बातों को सुरुचिपूर्ण ढंग से स्पष्ट किया है जिनका उल्लेख पॉलीडोर ने नहीं किया। वे यह बताना भूल गए कि दुनिया में सबसे पहले किस व्यक्ति को जुकाम हुआ था, और किसने सबसे पहले फ्रांसीसी बीमारी के लिए लार निकालने की विधि आजमाई थी, लेकिन मैंने इसे सटीक रूप से प्रस्तुत किया है, और इसके प्रमाण में पच्चीस से अधिक लेखकों के उद्धरण दिए हैं, ताकि आप समझ सकें कि मैंने सार्थक परिश्रम किया है और यह पुस्तक पूरी दुनिया के लिए उपयोगी होगी।
सांचो, जो अपने चचेरे भाई की बातों को ध्यान से सुन रहा था, ने उससे कहा, "महोदय, मुझे बताइए—और ईश्वर आपकी पुस्तकों की छपाई में आपको सफलता दे— क्या आप मुझे बता सकते हैं (क्योंकि आप तो सब कुछ जानते ही होंगे) कि सबसे पहले अपना सिर खुजलाने वाला व्यक्ति कौन था? क्योंकि मेरे विचार से तो वह हमारे पिता आदम ही रहे होंगे।"
"ऐसा होना ही चाहिए," चचेरे भाई ने उत्तर दिया; "क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि आदम का सिर और बाल थे; और दुनिया का पहला आदमी होने के नाते वह कभी-कभी खुद को खुजलाता होगा।"

"मुझे तो ऐसा ही लगता है," सांचो ने कहा; "लेकिन अब मुझे बताओ, दुनिया का पहला कलाबाज कौन था?"
"सचमुच भाई," चचेरे भाई ने उत्तर दिया, "इस समय बिना जांच किए मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता; मैं अपनी किताबों के पास वापस जाकर इसकी जानकारी जुटा लूंगा और अगली बार जब हम मिलेंगे तो आपको संतुष्ट कर दूंगा, क्योंकि यह आखिरी मुलाकात नहीं होगी।"
"देखिए, महोदय," सांचो ने कहा, "इसके बारे में चिंता न कीजिए, क्योंकि अभी- अभी मुझे वही मिल गया है जो मैंने आपसे पूछा था। आपको पता होना चाहिए कि दुनिया में सबसे पहले गिरने वाला व्यक्ति लूसिफ़र था, जब उसे स्वर्ग से बाहर फेंक दिया गया था; क्योंकि वह अथाह गड्ढे में गिर पड़ा था।"
"तुम सही कह रहे हो, दोस्त," चचेरे भाई ने कहा; और डॉन क्विक्सोट ने कहा, "सांचो, वह प्रश्न और उत्तर तुम्हारे अपने नहीं हैं; तुमने उन्हें किसी और से सुना है।"
"शांत रहिए, महोदय," सांचो ने कहा; "सच कहूँ तो, अगर मैं सवाल पूछने और जवाब देने लगूँ तो कल सुबह तक यही करता रहूँगा। नहीं! मुझे बेवकूफी भरी बातें पूछने और बेतुके जवाब देने के लिए पड़ोसियों से मदद मांगने की ज़रूरत नहीं है।"
"सांचो, तुमने अपनी समझ से कहीं अधिक कह दिया है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि कुछ लोग ऐसी चीजों को सीखने और सिद्ध करने में अपना समय और ऊर्जा व्यतीत करते हैं, जो ज्ञात और सिद्ध हो जाने के बाद समझ या स्मृति के लिए एक पैसे के बराबर भी नहीं रह जातीं।"
इस और अन्य सुखद बातचीत में दिन बीत गया, और उस रात वे एक छोटे से गाँव में ठहरे जहाँ से मोंटेसिनोस की गुफा दो खण्डों से अधिक दूर नहीं थी। यह बात डॉन क्विक्सोट को उनके चचेरे भाई ने बताई, और आगे कहा कि यदि वह उसमें प्रवेश करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, तो उन्हें रस्सियों का प्रबंध करना होगा, ताकि उन्हें बाँधकर उसकी गहराई में उतारा जा सके। डॉन क्विक्सोट ने कहा कि चाहे वह अथाह गड्ढे तक ही क्यों न पहुँच जाए, वह देखना चाहते हैं कि वह कहाँ तक जाती है; इसलिए उन्होंने लगभग सौ फ़ैदम रस्सी खरीदी, और अगले दिन दोपहर दो बजे वे गुफा पहुँचे, जिसका मुँह विशाल और चौड़ा था, लेकिन कंटीली झाड़ियों, जंगली अंजीर की झाड़ियों और कंटीली झाड़ियों से भरा हुआ

था, जो इतनी घनी और उलझी हुई थीं कि उन्होंने उसे पूरी तरह से बंद कर दिया और ढक दिया।
उसे देखते ही चचेरा भाई सांचो और डॉन क्विक्सोट घोड़े से उतरे और दोनों ने तुरंत डॉन क्विक्सोट को रस्सियों से कसकर बांध दिया। उसे बांधते और लपेटते हुए सांचो ने उससे कहा, "हे स्वामी, ध्यान से काम लो; खुद को जिंदा दफन मत कर लो, या खुद को ऐसी जगह मत डालो जहाँ तुम कुएं में ठंडी होने के लिए रखी बोतल की तरह हो जाओ; इस जगह की खोज करना आपके बस की बात नहीं है, जो किसी मूरिश कालकोठरी से भी बदतर होगी।"
"मुझे बांध दो और चुप रहो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि, मेरे मित्र सांचो, ऐसा ही एक साहसिक कार्य मेरे लिए आरक्षित था;" और मार्गदर्शक ने कहा, "मैं आपसे विनती करता हूँ, श्रीमान डॉन क्विक्सोट, कि आप ध्यान से देखें और अंदर मौजूद हर चीज का सौ आँखों से निरीक्षण करें; शायद मुझे अपनी 'रूपांतरण' की पुस्तक में लिखने के लिए कुछ मिल जाए।"
"ढोल ऐसे हाथों में है जो इसे अच्छी तरह बजाना जानते हैं," सांचो पांजा ने कहा।
यह कहने और रस्सी बांधने का काम पूरा करने के बाद (जो कवच के ऊपर नहीं बल्कि केवल कवच के ऊपर बांधी गई थी), डॉन क्विक्सोट ने कहा, "यह हमारी लापरवाही थी कि हमने अपने साथ एक छोटी सी घंटी नहीं रखी, जिसे रस्सी के पास बांध दिया जाता, जिसकी आवाज़ से पता चलता कि मैं अभी भी नीचे उतर रहा हूँ और जीवित हूँ; लेकिन अब यह संभव नहीं है, इसलिए अब मुझे रास्ता दिखाने का काम ईश्वर के हाथ में है।" और तुरंत ही वह घुटनों के बल गिर पड़ा और धीमी आवाज़ में स्वर्ग से प्रार्थना की, ईश्वर से विनती की कि वह उसकी सहायता करे और इस खतरनाक और अनछुए साहसिक कार्य में उसे सफलता प्रदान करे, और फिर ज़ोर से बोला, "हे मेरे कर्मों और गतिविधियों की स्वामिनी, विख्यात और अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो, यदि इस भाग्यशाली प्रेमी की प्रार्थनाएँ और विनतियाँ तेरे कानों तक पहुँच सकती हैं, तो तेरी अतुलनीय सुंदरता की कसम खाकर मैं तुझसे विनती करता हूँ कि इन्हें सुन, क्योंकि ये तुझसे केवल यही विनती करती हैं कि जब मुझे इनकी इतनी आवश्यकता है, तो मुझे अपना अनुग्रह और संरक्षण देने से इनकार न कर। मैं स्वयं को उस खाई में गिराने, डूबने, डुबकी लगाने वाला हूँ जो मेरे सामने है, ताकि दुनिया को पता चले कि जब तक तू मुझ पर कृपा करती है, तब तक कोई भी असंभव काम नहीं है जिसे मैं

करने और पूरा करने से पीछे नहीं हटूँगा।" इन शब्दों के साथ वह गुफा की ओर बढ़ा, और उसने पाया कि बल प्रयोग या मार्ग बनाने के अलावा स्वयं को नीचे उतारना या प्रवेश करना असंभव था; इसलिए अपनी तलवार निकालकर उसने गुफा के मुहाने पर उगी झाड़ियों को तोड़ना और काटना शुरू कर दिया, जिसकी आवाज सुनकर कौवों और चहचहने पक्षियों का एक विशाल झुंड इतनी तेजी से बाहर निकला कि उन्होंने डॉन क्विक्सोट को गिरा दिया; और अगर वह कैथोलिक ईसाई होने के साथ-साथ शगुन में भी उतना ही विश्वास करता तो वह इसे अपशगुन समझकर ऐसी जगह पर खुद को दफनाने से इनकार कर देता। हालाँकि, वह उठ खड़ा हुआ, और चूंकि अब न तो कौवे आए, न ही चमगादड़ जैसे रात्रि पक्षी जो कौवों के साथ ही बाहर निकले थे, चचेरे भाई और सांचो ने उसे रस्सी दी, और वह खुद को उस भयानक गुफा की गहराई में उतार लिया; और जैसे ही वह अंदर दाखिल हुआ, सांचो ने उसके पीछे अपना आशीर्वाद भेजा, उस पर हज़ार क्रॉस बनाते हुए कहा, "हे ईश्वर, हे पेना दे फ्रांसिया, और हे गैटा की त्रिमूर्ति, हे वीर योद्धाओं, तुम्हारा मार्गदर्शन करें। हे पृथ्वी के साहसी योद्धा, हे फौलादी हृदय, हे पीतल की भुजाओं, तुम जा रहे हो; हे ईश्वर, एक बार फिर तुम्हारा मार्गदर्शन करें और तुम्हें इस दुनिया के प्रकाश में सुरक्षित, स्वस्थ और अक्षुण्ण वापस भेजें, जिसे तुम छोड़कर जा रहे हो, ताकि तुम वहाँ जिस अंधकार की तलाश कर रहे हो, उसमें स्वयं को दफना सको।" और चचेरे भाई ने भी लगभग वैसी ही प्रार्थनाएँ और विनतियाँ कीं।
डॉन क्विक्सोट उन्हें बार-बार रस्सी देने के लिए पुकारता रहा, और वे उसे थोड़ी-थोड़ी करके देते रहे। जब गुफा से पाइप की तरह आती हुई उसकी पुकार बंद हुई, तब तक वे सौ फ़ैदम रस्सी नीचे डाल चुके थे। वे डॉन क्विक्सोट को फिर से ऊपर खींचने के लिए उत्सुक थे, क्योंकि वे उसे और रस्सी नहीं दे सकते थे; हालाँकि, उन्होंने लगभग आधे घंटे तक प्रतीक्षा की, जिसके अंत में उन्होंने बड़ी आसानी से और बिना किसी भार के रस्सी को फिर से समेटना शुरू कर दिया, जिससे उन्हें लगा कि डॉन क्विक्सोट नीचे ही है; और इस बात से आश्वस्त होकर, सांचो फूट-फूटकर रोने लगा, और इस सवाल का हल निकालने के लिए बड़ी जल्दी से रस्सी खींचने लगा। हालाँकि, जब वे लगभग अस्सी फ़ैदम से अधिक नीचे पहुँचे, तो उन्हें एक भार महसूस हुआ, जिससे वे बहुत प्रसन्न हुए; और अंत में, दस फ़ैदम और आगे जाने पर, उन्हें डॉन क्विक्सोट स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, और सांचो ने उन्हें पुकारते हुए कहा, "स्वागत है महोदय, क्योंकि हम सोचने लगे

थे कि आप यहीं बसने और परिवार बसाने जा रहे हैं।" लेकिन डॉन क्विक्सोट ने एक शब्द भी नहीं कहा, और जब उन्होंने उन्हें पूरी तरह से बाहर निकाला तो पाया कि उनकी आँखें बंद थीं और वे गहरी नींद में सो रहे थे।
उन्होंने उसे ज़मीन पर लिटाया और उसके बंधन खोल दिए, फिर भी वह नहीं जागा; उन्होंने उसे आगे-पीछे लुढ़काया, हिलाया और इधर-उधर खींचा, जिससे कुछ समय बाद उसे होश आया और उसने अंगड़ाई ली, मानो वह गहरी नींद से जाग रहा हो। उसने चारों ओर देखते हुए कहा, "हे मित्रों, ईश्वर तुम्हें क्षमा करे; तुमने मुझे उस सबसे मधुर और आनंदमय जीवन और दृश्य से छीन लिया है जिसका आनंद मनुष्य ने कभी लिया या देखा है। अब मुझे सचमुच पता चल गया है कि इस जीवन के सभी सुख एक छाया और सपने की तरह बीत जाते हैं, या खेत के फूल की तरह मुरझा जाते हैं। हे अभागे मोंटेसिनोस! हे बुरी तरह घायल दुरांडार्टे! हे अभागी बेलेर्मा! हे आँसुओं से भरी गुआडियाना, और हे रुइडेरा की अभागी पुत्रियाँ, जो अपनी लहरों में अपनी सुंदर आँखों से बहे आँसू दिखाती हो!"
डॉन क्विक्सोट के शब्दों को चचेरा भाई और सांचो पांजा बड़ी ध्यान से सुन रहे थे, मानो वह उन्हें अत्यंत पीड़ा के साथ अपने अंतर्मन से निकाल रहा हो। उन्होंने उससे विनती की कि वह अपनी बात स्पष्ट करे और बताए कि उसने उस नरक में क्या देखा था।
"तुम इसे नरक कहते हो?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "इसे ऐसा नाम मत दो, क्योंकि यह इसके योग्य नहीं है, जैसा कि तुम जल्द ही देखोगे।"
फिर उसने उनसे कुछ खाने की भीख मांगी, क्योंकि उसे बहुत भूख लगी थी। उन्होंने चचेरे भाई का बोरा घास पर बिछा दिया और अलफोरजास के भंडार का इस्तेमाल किया, और तीनों प्यार से और मिलजुलकर बैठ गए और उसी से दोपहर और रात का खाना बना लिया; और जब बोरा हटाया गया, तो ला मांचा के डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कोई भी न उठे, और मेरे बेटों, तुम दोनों मेरी तरफ ध्यान दो।"

23

अध्याय
अतुलनीय डॉन क्विक्सोट ने मोंटेसिनोस की गहरी गुफा में जो अद्भुत चीजें देखीं, उनकी असंभवता और विशालता के कारण इस साहसिक यात्रा को मनगढ़ंत माना जाता है।
दोपहर के लगभग चार बजे थे जब बादलों में छिपे सूरज की हल्की रोशनी और कोमल किरणों ने डॉन क्विक्सोट को बिना गर्मी या असुविधा के, मोंटेसिनोस की गुफा में जो कुछ उसने देखा था, उसे अपने दो प्रतिष्ठित श्रोताओं को बताने में सक्षम बनाया, और उसने इस प्रकार शुरुआत की:
इस गड्ढे में, एक आदमी की ऊंचाई से लगभग बारह या चौदह गुना नीचे, दाहिनी ओर, एक गड्ढा या जगह है, जो खच्चरों सहित एक बड़ी गाड़ी को समाहित करने के लिए पर्याप्त है। कुछ दरारों या छेदों से थोड़ी रोशनी उस तक पहुँचती है, जो उससे जुड़ी हुई हैं और पृथ्वी की सतह तक खुली हैं। इस गड्ढे या जगह को मैंने तब देखा जब मैं रस्सी से लटकते हुए, बिना किसी निश्चितता या ज्ञान के उस अंधेरे क्षेत्र में नीचे जाते हुए, थक चुका था और निराश हो रहा था, इसलिए मैंने उसमें प्रवेश करने और थोड़ी देर आराम करने का फैसला किया। मैंने आपको पुकार कर कहा कि जब तक मैं न कहूँ, तब तक और रस्सी न छोड़ें, लेकिन आपने मुझे सुना नहीं होगा। फिर मैंने आपके द्वारा भेजी गई रस्सी को इकट्ठा किया और उसका एक कुंडल या ढेर बनाकर उस पर बैठ गया, यह सोचते हुए कि मुझे नीचे तल तक कैसे जाना है, क्योंकि मुझे सहारा देने वाला कोई नहीं था; और जब मैं इस तरह गहरे विचारों और उलझन में डूबा हुआ था, अचानक और बिना किसी कारण के मुझे गहरी नींद आ गई, और यह कब हुआ, मुझे नहीं पता। मैं जागा और खुद को प्रकृति की सबसे खूबसूरत, मनमोहक घास के मैदान के बीच पाया, जिसे प्रकृति या मानव कल्पना की सबसे जीवंत रचना भी नहीं बना सकती थी। मैंने अपनी आँखें खोलीं, उन्हें मला और पाया कि मैं सोया नहीं था, बल्कि पूरी तरह जागा हुआ था। फिर भी, मैंने अपने सिर और छाती को छूकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि क्या मैं स्वयं वहाँ था या कोई खोखला भ्रम; लेकिन स्पर्श, अनुभूति, मेरे मन में आए सभी विचारों ने मुझे आश्वस्त कर दिया कि मैं उस समय और उस स्थान पर वही था जो इस क्षण हूँ। इसके बाद मेरी दृष्टि में एक भव्य शाही महल या किला प्रकट हुआ, जिसकी दीवारें स्पष्ट पारदर्शी

क्रिस्टल की बनी प्रतीत होती थीं; और उसके दो बड़े दरवाजों से, जो चौड़े खुलते थे, मैंने एक आदरणीय बूढ़े व्यक्ति को बाहर आते और मेरी ओर बढ़ते देखा, जो शहतूत के रंग के लंबे गाउन में लिपटा हुआ था, जो जमीन पर घिसट रहा था। उसके कंधों और छाती पर हरे रंग का साटन का हुड था, और सिर पर काले रंग की मिलानी टोपी थी, और उसकी बर्फ जैसी सफेद दाढ़ी उसकी कमरबंद से नीचे लटक रही थी। उसके पास कोई हथियार नहीं था, बस एक उनके हाथ में मोतियों की एक माला थी जो सामान्य आकार के चकोतरे से भी बड़ी थी, हर दसवां मोती एक मध्यम आकार के शुतुरमुर्ग के अंडे जैसा था; उनका आचरण, उनकी चाल, उनकी गरिमा और उनका प्रभावशाली व्यक्तित्व मुझे मंत्रमुग्ध और अचंभित कर रहा था। वे मेरे पास आए और सबसे पहले उन्होंने मुझे गले लगाया, फिर मुझसे कहा, 'हे वीर योद्धा डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा, हम जो यहां इन एकांत स्थानों में मंत्रमुग्ध हैं, लंबे समय से आपसे मिलने की आशा कर रहे थे, ताकि आप दुनिया को वह सब बता सकें जो इस गहरी गुफा में छिपा हुआ है, जिसे मोंटेसिनोस की गुफा कहा जाता है, जिसमें आपने प्रवेश किया है, एक ऐसी उपलब्धि जो केवल आपके अदम्य हृदय और अद्भुत साहस के लिए ही आरक्षित है। मेरे साथ आइए, महाराज, और मैं आपको इस पारदर्शी महल के भीतर छिपे चमत्कारों को दिखाऊंगा, जिसका मैं अल्केड और शाश्वत रक्षक हूं; क्योंकि मैं स्वयं मोंटेसिनोस हूं, जिनके नाम पर इस गुफा का नाम पड़ा है।'
जैसे ही उसने मुझे बताया कि वह मोंटेसिनोस है, मैंने उससे पूछा कि क्या स्वर्ग लोक में प्रचलित वह कहानी सच है, जिसमें कहा गया है कि उसने अपने प्रिय मित्र दुरांडार्टे का हृदय एक छोटी सी कटार से सीने से निकाल लिया था और उसे बेलेर्मा के पास ले गया था, जैसा कि उसके मित्र ने मृत्यु के समय उसे आदेश दिया था। उसने उत्तर में कहा कि कटार को छोड़कर बाकी सब कुछ सच है, क्योंकि वह कटार न तो छोटी थी, न ही छोटी, बल्कि एक चमकीला खंजर था जो सुई से भी तेज था।
"वह कटार अवश्य सेविले के रामोन डी होसेस ने बनाई होगी," सांचो ने कहा। "मुझे नहीं पता," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "यह उस खंजर बनाने वाले ने तो नहीं किया होगा, क्योंकि रामोन डी होसेस बीते जमाने का आदमी था, और रोंसेसवेल्स की घटना, जहाँ यह दुर्घटना घटी थी, बहुत पहले की बात है; लेकिन यह सवाल ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है, और न ही इससे कहानी की सच्चाई या सार पर कोई असर पड़ता है या उसमें कोई बदलाव आता है।"

"यह सच है," चचेरे भाई ने कहा; "सुनिए, श्रीमान डॉन क्विक्सोट, क्योंकि मैं आपको अत्यंत आनंद से सुन रहा हूँ।"
"और मैं इस कहानी को इससे कम शब्दों में नहीं सुनाता," डॉन क्विक्सोट ने कहा; और फिर आगे बढ़ते हुए—आदरणीय मोंटेसिनोस मुझे क्रिस्टल के महल में ले गए, जहाँ एक निचले कक्ष में, जो आश्चर्यजनक रूप से ठंडा और पूरी तरह से अलबास्टर का बना था, एक अलंकृत संगमरमर की कब्र थी, जिस पर मैंने एक योद्धा को पूरी लंबाई में लेटा हुआ देखा, जो अन्य कब्रों पर देखे जाने वाले कांस्य, संगमरमर या जैस्पर का नहीं, बल्कि असली मांस और हड्डी का बना था। उसका दाहिना हाथ (जो मुझे कुछ हद तक बालों वाला और रेशेदार लग रहा था, जो उसके स्वामी की महान शक्ति का प्रतीक था) उसके हृदय के किनारे पर रखा था; लेकिन इससे पहले कि मैं मोंटेसिनोस से कोई प्रश्न पूछ पाता, उन्होंने मुझे कब्र को विस्मय से देखते हुए देखकर मुझसे कहा, 'यह मेरा मित्र दुरांडार्ट है, जो अपने समय के सच्चे प्रेमियों और वीर योद्धाओं का फूल और दर्पण है। उसे यहाँ मोहित कर लिया गया है, जैसे मुझे और कई अन्य लोगों को, उस फ्रांसीसी जादूगर मर्लिन द्वारा, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह शैतान का पुत्र था; लेकिन मेरा मानना है कि वह शैतान का पुत्र नहीं था, बल्कि वह जानता था, जैसा कि...' कहावत है, वह शैतान से भी बड़ा एक बिंदु है। उसने हमें कैसे और क्यों मोहित किया, यह कोई नहीं जानता, लेकिन समय बताएगा, और मुझे लगता है कि वह समय दूर नहीं है। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि मुझे यह बात उतनी ही निश्चितता से पता है जितनी कि आज दिन है, कि दुरांडार्ट ने मेरी बाहों में अपनी प्राण त्यागे, और उसकी मृत्यु के बाद मैंने अपने हाथों से उसका हृदय निकाला; और वास्तव में उसका वजन दो पाउंड से अधिक रहा होगा, क्योंकि प्रकृतिवादियों के अनुसार, जिसका हृदय बड़ा होता है वह छोटे हृदय वाले से कहीं अधिक वीर होता है। तो, जब ऐसा है, और जब योद्धा की वास्तव में मृत्यु हुई, तो वह अब समय-समय पर विलाप और आहें क्यों भरता है, मानो वह अभी भी जीवित हो?
"जैसे ही उसने यह कहा, बेचारा दुरांडार्टे जोर से चिल्ला उठा:
{श्लोक
ओह मेरे चचेरे भाई मोंटेसिनोस!
यह मेरी तुमसे आखिरी विनती थी।
जब मेरी आत्मा शरीर छोड़ देगी,

और मैं मृत पड़ा रहूंगा,
अपने खंजर या अपने कटार से
मेरे सीने से दिल निकाल लो,
और इसे बेलेर्मा ले जाओ।
यह मेरी आखिरी विनती थी।
{श्लोक
यह सुनकर आदरणीय मोंटेसिनोस उस दुखी योद्धा के सामने घुटने टेककर, नम आँखों से बोले, 'बहुत समय पहले, सेनर डुरंडार्ट, मेरे प्रिय चचेरे भाई, बहुत समय पहले मैंने वह किया जो आपने मुझे उस दुखद दिन करने को कहा था जब मैंने आपको खो दिया था; मैंने आपका हृदय यथासंभव निकाल लिया, आपके सीने में उसका एक भी कण नहीं छोड़ा, मैंने उसे एक लेस वाले रूमाल से पोंछा, और उसे लेकर फ्रांस के लिए निकल पड़ा, पहले आपको धरती की गोद में इस कदर आँसुओं के साथ रखा कि आपके भीतर घूमने के बाद मेरे हाथों पर लगे खून को धोकर साफ कर सकूँ; और एक और प्रतीक के रूप में, हे मेरी आत्मा के चचेरे भाई, रोंसेसवेल्स छोड़ने के बाद जिस पहले गाँव में मैं पहुँचा, वहाँ मैंने तुम्हारे हृदय पर थोड़ा नमक छिड़का ताकि वह मीठा रहे, और उसे, यदि ताजा न हो तो कम से कम संरक्षित करके, बेलेर्मा के समक्ष प्रस्तुत किया, जिन्हें, तुम्हारे साथ, मेरे साथ, तुम्हारे सहायक गुआडियाना, रुइडेरा और उसकी सात बेटियों और दो भतीजियों, और तुम्हारे कई अन्य मित्रों और परिचितों के साथ, ऋषि मर्लिन ने इतने वर्षों तक यहाँ मंत्रमुग्ध रखा है; और यद्यपि पाँच सौ से अधिक वर्ष बीत चुके हैं, हममें से कोई भी नहीं मरा है; केवल रुइडेरा और उसकी बेटियाँ और भतीजियाँ ही लापता हैं, और इन पर दया भाव से, मर्लिन ने उनके आँसुओं के कारण, उन्हें कई झीलों में बदल दिया, जिन्हें आज भी जीवितों की दुनिया में, और ला मांचा प्रांत में, रुइडेरा की झीलें कहा जाता है। सात बेटियाँ स्पेन के राजाओं की हैं और दो भतीजियाँ सेंट जॉन के आदेश नामक एक अत्यंत पवित्र संप्रदाय के शूरवीरों की हैं। आपका साथी गुआडियाना, आपके भाग्य पर शोक मनाते हुए, अपने ही नाम की एक नदी में परिवर्तित हो गया, लेकिन जब वह सतह पर आया और दूसरे आकाश के सूर्य को देखा, तो आपको छोड़कर जाने के दुख से वह इतना विलीन हो गया कि पृथ्वी की गहराई में समा गया; हालांकि, चूंकि वह अपने स्वाभाविक मार्ग का अनुसरण करने से खुद को नहीं रोक सकता, इसलिए वह समय-समय पर बाहर आता है और सूर्य और दुनिया को दर्शन देता है। उपर्युक्त झीलें उसे

अपना जल भेजती हैं, और इन जल और अन्य आने वाले जल के साथ, वह पुर्तगाल में भव्य और प्रभावशाली प्रवेश करता है; लेकिन इन सबके बावजूद, वह जहां भी जाता है, अपना दुख और उदासी दिखाता है, और उत्तम उत्तम मछली पालने में कोई गर्व नहीं करता, बल्कि केवल भद्दी और बेस्वाद मछलियाँ ही पालता है, जो सुनहरी टैगस नदी की मछलियों से बिल्कुल अलग होती हैं। हे मेरे चचेरे भाई, यह सब जो मैं तुम्हें अब बता रहा हूँ, मैंने तुम्हें पहले भी कई बार बताया है, और चूंकि तुम कोई उत्तर नहीं देते, मुझे डर है कि या तो तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते, या मेरी बात नहीं सुनते, जिससे मुझे न जाने कितना दुख होता है। अब मुझे आपको एक समाचार देना है, जो यदि आपके कष्टों को कम न करे, तो उन्हें किसी भी प्रकार से बढ़ाएगा नहीं। जान लीजिए कि आपके सामने (अपनी आँखें खोलिए और आप देखेंगे) वह महान योद्धा मौजूद है जिसके बारे में ऋषि मर्लिन ने इतनी महान भविष्यवाणियाँ की हैं; मेरा तात्पर्य ला मांचा के डॉन क्विक्सोट से है, जिसने एक बार फिर, और पहले से कहीं बेहतर उद्देश्य से, इन दिनों में लंबे समय से भुला दी गई वीरगाथा को पुनर्जीवित किया है, और जिसके हस्तक्षेप और सहायता से शायद हम इस भ्रम से मुक्त हो जाएँगे; क्योंकि महान कार्य महान पुरुषों के लिए ही होते हैं।
"और अगर ऐसा नहीं हो सकता," बेचारे दुरांडार्ट ने धीमी और कमजोर आवाज में कहा, "अगर ऐसा नहीं हो सकता, तो मेरे चचेरे भाई, मैं कहता हूँ 'धैर्य रखो और धीरे-धीरे आगे बढ़ो';" और करवट बदलते हुए, वह बिना एक भी शब्द बोले अपनी पिछली चुप्पी में लौट गया।
"और अब ज़ोर-ज़ोर से रोने और विलाप करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं, साथ ही गहरी आहें और सिसकियाँ भी। मैंने चारों ओर देखा, और क्रिस्टल की दीवार के पार से मैंने एक दूसरे कक्ष से गुज़रती हुई सुंदर युवतियों की दो पंक्तियों का जुलूस देखा, सभी शोक वस्त्र पहने हुए थीं और उनके सिर पर तुर्की शैली की सफेद पगड़ी थी। इनके पीछे, सबसे पीछे, एक महिला आ रही थी, क्योंकि वह अपनी गरिमा से ऐसी ही प्रतीत हो रही थी, वह भी काले वस्त्र पहने हुए थी, और उसका सफेद घूंघट इतना लंबा और चौड़ा था कि ज़मीन को छू रहा था। उसकी पगड़ी बाकी सभी की पगड़ी से दोगुनी बड़ी थी; उसकी भौहें आपस में जुड़ी हुई थीं, उसकी नाक कुछ चपटी थी, उसका मुँह बड़ा था लेकिन होंठ लाल थे, और उसके दाँत, जिनकी झलक वह कभी-कभी दिखाती थी, कम और बेतरतीब ढंग से लगे हुए दिखाई दे रहे थे, हालाँकि छिले हुए बादाम की तरह सफेद थे। उसने अपने हाथों

में एक महीन कपड़ा ले रखा था, और उसमें, जहाँ तक मैं समझ सका, एक ममी बना हुआ हृदय था, जो इतना सूखा और मुरझाया हुआ था। मोंटेसिनोस ने मुझे बताया कि जुलूस में शामिल सभी लोग परिचारिकाएँ थीं।" दुरंडार्ट और बेलेर्मा की कहानी, जो वहाँ अपने स्वामी और स्वामिनी के जादू में फँस गए थे, और यह कि अंत में, जिसने कपड़े में हृदय धारण किया था, वह बेलेर्मा थी, जो अपनी दासियों के साथ सप्ताह में चार दिन जुलूस में निकलती थी और अपने चचेरे भाई के शरीर और दुखी हृदय पर शोकगीत गाती, या यूँ कहें कि रोती थी; और यदि वह मुझे कुछ बदसूरत या उतनी सुंदर नहीं लगी जितनी प्रसिद्धि में बताई जाती थी, तो यह उस जादू के प्रभाव में बिताए गए बुरे दिनों और रातों के कारण था, जैसा कि मैं उसकी आँखों के नीचे गहरे काले घेरों और उसके बीमार चेहरे से देख सकता था; 'उसका पीलापन और आँखों के नीचे के घेरे,' उसने कहा, 'महिलाओं में होने वाली आवधिक बीमारियों के कारण नहीं हैं, क्योंकि उसे कई महीने और यहाँ तक कि साल हो गए हैं, बल्कि उस दुःख के कारण हैं जो उसका हृदय उस वस्तु के कारण झेलता है जिसे वह हमेशा अपने हाथ में रखती है, और जो उसे उसके खोए हुए प्रेमी के दुखद भाग्य की याद दिलाती है; यदि ऐसा न होता, तो महान डुलसीनिया शायद ही होती। डेल टोबोसो, जो इन सभी क्षेत्रों में और यहां तक कि दुनिया भर में इतनी प्रसिद्ध हैं, सुंदरता, शालीनता और प्रसन्नता के लिए उनके पास आते हैं।
"मैंने कहा, 'संकोच! अपनी कहानी वैसे ही सुनाइए जैसे आपको सुनानी चाहिए, सेनर डॉन मोंटेसिनोस, क्योंकि आप अच्छी तरह जानते हैं कि सभी तुलनाएँ अप्रिय होती हैं, और एक व्यक्ति की दूसरे से तुलना करने का कोई अवसर नहीं है; अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो जैसी हैं वैसी ही हैं, और लेडी डोना बेलेर्मा जैसी हैं और रही हैं वैसी ही हैं, और यही काफी है।' इस पर उन्होंने उत्तर दिया, 'मुझे क्षमा करें, सेनर डॉन क्विक्सोट; मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं गलत था और लेडी डुलसीनिया को लेडी बेलेर्मा के बराबर न कह पाने में मैंने नासमझी की; क्योंकि मुझे यह जानकर ही काफी था, चाहे पता न कैसे, कि आप उनके शूरवीर हैं, कि मैं स्वर्ग के अलावा किसी और से उनकी तुलना करने से पहले अपनी जीभ काट लूँगा।' महान मोंटेसिनोस द्वारा मुझसे की गई इस क्षमा याचना के बाद, मेरी प्रेमिका की बेलेर्मा से तुलना सुनकर मुझे जो आघात लगा था, उससे मेरा हृदय उबर गया।"

"फिर भी मुझे आश्चर्य होता है," सांचो ने कहा, "कि आपने उस बूढ़े पर हमला करके उसकी हर हड्डी को लातों से चूर-चूर क्यों नहीं कर दिया और उसकी दाढ़ी तब तक क्यों नहीं नोंच डाली जब तक उसमें एक भी बाल न बचा हो।"
"नहीं, सांचो, मेरे मित्र," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ऐसा करना मेरे लिए उचित नहीं होता, क्योंकि हम सभी वृद्धों का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं, भले ही वे शूरवीर न हों, लेकिन विशेष रूप से उन लोगों का जो शूरवीर हैं और जो मंत्रमुग्ध हैं; मैं केवल इतना जानता हूँ कि मैंने उसे उतना ही अच्छा जवाब दिया जितना उसने हमारे बीच हुए कई अन्य प्रश्नों और उत्तरों में दिया था।" "मुझे समझ नहीं आ रहा है, सेनोर डॉन क्विक्सोट," चचेरे भाई ने टिप्पणी की, "कि आप इतने कम समय में, जितने समय तक आप नीचे रहे, इतनी सारी चीजें कैसे देख पाए और इतना कुछ कह और जवाब दे पाए।"
"मुझे नीचे गिरे कितना समय हो गया है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"एक घंटे से थोड़ा बेहतर," सांचो ने उत्तर दिया।
"ऐसा नहीं हो सकता," डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "क्योंकि जब मैं वहाँ था तो रात हो गई, फिर दिन हुआ, और फिर से रात और दिन तीन बार हुए; इसलिए, मेरे हिसाब से, मैं उन दूरदराज के क्षेत्रों में तीन दिन बिता चुका हूँ जो हमारी पहुँच से बाहर हैं।"
"मेरे गुरु सही ही होंगे," सांचो ने उत्तर दिया; "क्योंकि उनके साथ जो कुछ भी हुआ है वह जादू-टोने के कारण हुआ है, शायद जो हमें एक घंटा लगता है वह वहां तीन दिन और तीन रातों के बराबर हो।"
"बस यही है," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"और क्या महाराज, आपने उस पूरे समय में कुछ खाया-पिया था?" चचेरे भाई ने पूछा।
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मैंने कभी एक निवाला भी नहीं खाया, न ही मुझे भूख लगी, न ही मैंने इसके बारे में सोचा।"
"और क्या जादू से प्रभावित लोग खाते हैं?" चचेरे भाई ने पूछा।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "वे न तो खाते हैं और न ही वे बड़े पैमाने पर मल त्याग करते हैं, हालांकि ऐसा माना जाता है कि उनके नाखून, दाढ़ी और बाल बढ़ते हैं।"
"और क्या अब वो जादू से ग्रसित लोग सो रहे हैं, महोदय?" सांचो ने पूछा।

"बिल्कुल नहीं," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "कम से कम, उन तीन दिनों के दौरान जब मैं उनके साथ था, उनमें से किसी ने भी पलक नहीं झपकाई, और न ही मैंने।"
सांचो ने कहा, "यहाँ यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है, 'मुझे बताओ तुम किन लोगों के साथ रहते हो, और मैं तुम्हें बता दूँगा कि तुम क्या हो।' आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं जो हमेशा उपवास और जागते रहते हैं; तो फिर आश्चर्य की क्या बात है कि आप उनके साथ रहते हुए न खाते हैं और न सोते हैं? लेकिन मुझे क्षमा करें, महोदय, यदि मैं कहूँ कि आपने जो कुछ भी हमें अभी बताया है, अगर मैं उस पर एक भी शब्द का विश्वास करूँ तो ईश्वर मुझे—मैं तो शैतान कहने ही वाला था—अपने पास बुला ले।"
"क्या!" चचेरे भाई ने कहा, "तो क्या सेनोर डॉन क्विक्सोट झूठ बोल रहे थे? अरे, अगर वह चाहते भी तो उनके पास इतने सारे झूठ गढ़ने और बनाने का समय नहीं था।"
"मुझे अपने गुरु के झूठ पर विश्वास नहीं है," सांचो ने कहा।
"अगर नहीं, तो तुम किस पर विश्वास करते हो?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।
"मेरा मानना है," सांचो ने उत्तर दिया, "कि इस मर्लिन ने, या उन जादूगरों ने जिन्होंने उस पूरे दल को मोहित कर लिया था जिसे आपने नीचे देखा और जिसके साथ बातचीत की, आपकी कल्पना या आपके दिमाग को इस सारी बकवास से भर दिया है जो आप हमें सुना रहे हैं, और जो अभी आने वाली है।"
"ऐसा हो सकता है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "पर ऐसा नहीं है, क्योंकि जो कुछ मैंने तुम्हें बताया है, वह सब मैंने अपनी आँखों से देखा है और अपने हाथों से छुआ है। लेकिन जब मैं तुम्हें बताऊँ कि मोंटेसिनोस ने मुझे अनगिनत अन्य अद्भुत चीजें दिखाईं (जिनका विवरण मैं तुम्हें फुर्सत में और उचित समय पर अपनी यात्रा के दौरान दूँगा, क्योंकि यहाँ उन सभी का वर्णन करना संभव नहीं है), तो तुम क्या कहोगे? उसने मुझे तीन देहाती लड़कियाँ दिखाईं जो वहाँ के सुंदर खेतों में बकरियों की तरह उछल-कूद कर रही थीं, और जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मैं जान गया कि उनमें से एक अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो थी, और बाकी दो वही देहाती लड़कियाँ थीं जो उसके साथ थीं और जिनसे हमने एल टोबोसो से रास्ते में बात की थी! मैंने मोंटेसिनोस से पूछा कि क्या वह उन्हें जानता है, और उसने कहा कि वह नहीं जानता, लेकिन उसे लगता है कि वे कुछ विशिष्ट जादुई महिलाएँ होंगी, क्योंकि

कुछ ही दिन पहले वे उन मैदानों में प्रकट हुई थीं; लेकिन मुझे इस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए था, क्योंकि वहाँ अतीत और वर्तमान की बहुत सी अन्य महिलाएँ थीं, जो विभिन्न विचित्र रूपों में जादुई थीं।" और उनमें से उसने रानी गुइनेवर और उसकी पत्नी क्विंटानोना को पहचान लिया था, जिसने लैंसलॉट के ब्रिटेन से आने पर उसके लिए शराब परोसी थी।
जब सांचो पांजा ने अपने स्वामी को यह कहते सुना तो वह मानो होश खो बैठा या हँसी से मर ही गया; क्योंकि वह डुलसीनिया के झूठे जादू की सच्चाई जानता था, जिसमें वह स्वयं जादूगर और सारे सबूत गढ़ने वाला था, इसलिए उसने अंततः यह निश्चय कर लिया कि निस्संदेह उसका स्वामी पागल हो गया है। उसने उससे कहा, "वह एक बुरा समय था, एक बदतर मौसम था, और एक दुखद दिन था, जब आप, मेरे प्रिय स्वामी, परलोक चले गए, और वह दुर्भाग्यपूर्ण क्षण था जब आपकी मुलाकात सेनर मोंटेसिनोस से हुई, जिन्होंने आपको इस हालत में हमारे पास वापस भेज दिया है। आप यहाँ ऊपर पूरी तरह से स्वस्थ थे, अपनी पूरी समझ के साथ, जैसा कि ईश्वर ने आपको दिया था, हर मोड़ पर उपदेश और सलाह देते थे, न कि जैसा आप अब हैं, जो सबसे बड़ी बकवास कर रहे हैं।"
"जैसा कि मैं तुम्हें जानता हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं तुम्हारी बातों पर ध्यान नहीं देता।"
"महामहिम, मुझे भी कोई फर्क नहीं पड़ता," सांचो ने कहा, "चाहे आप मुझे पीटें या जान से मार डालें, उन लोगों के लिए जिनके बारे में मैंने कहा है, और जिनके बारे में मैं तब तक बोलता रहूंगा जब तक आप अपनी गलतियों को सुधार नहीं लेते। लेकिन मुझे बताइए, जब तक शांति बनी हुई है, आपने हमारी स्वामिनी को कैसे या किस आधार पर पहचाना; और यदि आपने उनसे बात की, तो आपने क्या कहा और उन्होंने क्या उत्तर दिया?"
“मैंने उसे पहचान लिया,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “क्योंकि उसने वही कपड़े पहने थे जो तुमने मुझे दिखाते समय पहने थे। मैंने उससे बात की, लेकिन उसने जवाब में एक शब्द भी नहीं कहा; इसके विपरीत, उसने मेरी तरफ पीठ फेर ली और इतनी तेज़ी से भागी कि धनुष का तीर भी उसे पकड़ नहीं पाता। मैं उसका पीछा करना चाहता था, और करता भी अगर मोंटेसिनोस ने मुझे ऐसा न करने की सलाह न दी होती, क्योंकि यह व्यर्थ होता, खासकर इसलिए कि गुफा छोड़ने का समय नज़दीक आ रहा था। उसने मुझे यह भी बताया कि समय आने पर वह मुझे बताएगा कि कैसे वह, बेलेर्मा, दुरंडार्ट और वहाँ मौजूद सभी लोगों का जादू तोड़ा जाएगा। लेकिन

मृत्यु के कगार पर पाया था। पहाड़, जिसका मतलब था मेज़पोश पर रोटी न खाना, और अन्य छोटी-मोटी बातें जो उसने बदला लेने तक जोड़ीं; और मैं उसे भी आराम नहीं करने दूँगा, और पृथ्वी के सातों क्षेत्रों में पुर्तगाल के इन्फैंट डॉन पेड्रो से भी अधिक अच्छी तरह से घूमूँगा, जब तक कि मैं उसे जादू से मुक्त न कर दूँ।' 'यह सब और इससे भी अधिक, मेरी मालकिन,' युवती ने मुझे उत्तर दिया, और चार रील्स लेकर, मुझे प्रणाम करने के बजाय, वह उछल पड़ी और दो गज हवा में उछल गई।
"हे भगवान!" यह सुनकर सांचो ने गरजते हुए कहा, "क्या यह संभव है कि दुनिया में ऐसी चीजें हो सकती हैं, और जादूगरों और जादू-टोने में इतनी शक्ति हो सकती है कि मेरे स्वामी की सुध-बुध को इस तरह के बेतुके पागलपन में बदल दे! हे स्वामी, भगवान के लिए, अपने बारे में सोचें, अपनी इज्जत का ख्याल रखें, और इस मूर्खतापूर्ण बात पर विश्वास न करें जिसने आपको बुद्धिहीन बना दिया है।"
"सांचो, तुम इस तरह इसलिए बात कर रहे हो क्योंकि तुम मुझसे प्यार करते हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और दुनियादारी का अनुभव न होने के कारण, तुम्हें हर वो चीज़ असंभव लगती है जिसमें थोड़ी सी भी कठिनाई हो; लेकिन जैसा कि मैंने पहले कहा था, समय बीत जाएगा और मैं तुम्हें वहाँ देखी कुछ ऐसी बातें बताऊंगा जिनसे तुम्हें मेरी कही हुई बातों पर विश्वास हो जाएगा, जिसकी सच्चाई पर न तो कोई सवाल उठाया जा सकता है और न ही कोई जवाब।"

24

अध्याय
जिसमें हजारों तुच्छ बातें बताई गई हैं, जो इस महान इतिहास को सही ढंग से समझने के लिए उतनी ही आवश्यक हैं जितनी तुच्छ।
इस महान इतिहास का अनुवाद इसके मूल लेखक सिदे हामेट बेनेनगेली द्वारा लिखित मूल पुस्तक से करने वाले व्यक्ति का कहना है कि मोंटेसिनोस की गुफा के रोमांच का वर्णन करने वाले अध्याय पर पहुँचने पर उन्होंने हामेट के स्वयं के हाथ से हाशिये पर ये शब्द लिखे हुए पाए:
मैं इस बात से सहमत नहीं हो सकता कि पिछले अध्याय में लिखी गई हर बात वीर डॉन क्विक्सोट के साथ ठीक-ठीक घटित हुई होगी; और इसका कारण यह है कि अब तक घटित सभी घटनाएँ संभव और संभावित रही हैं; लेकिन गुफा वाली इस घटना को मैं

सच मानने के लिए स्वतंत्र नहीं हूँ, क्योंकि यह तर्कहीनता की हर सीमा को पार कर जाती है। मेरे लिए यह मानना असंभव है कि डॉन क्विक्सोट झूठ बोल सकता था, जबकि वह अपने समय का सबसे सत्यनिष्ठ सज्जन और सबसे महान योद्धा था; वह तीरों से मारे जाने पर भी झूठ नहीं बोलता। दूसरी ओर, मैं सोचता हूँ कि उसने पूरी कहानी को विस्तार से बताया है, और इतने कम समय में वह इतनी सारी बेतुकी बातों का जाल नहीं गढ़ सकता था; इसलिए, यदि यह घटना मनगढ़ंत लगती है, तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है; और इसलिए, इसकी सत्यता या असत्यता की पुष्टि किए बिना, मैं इसे लिख रहा हूँ। पाठक, आप स्वयं अपने विवेक से निर्णय लें; क्योंकि मैं इससे अधिक करने के लिए बाध्य नहीं हूँ, और न ही यह मेरे बस में है। हालांकि यह निश्चित है कि वे कहते हैं कि अपनी मृत्यु के समय उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया और कहा कि उन्होंने इसे गढ़ा था, यह सोचकर कि यह उनके द्वारा इतिहास में पढ़ी गई रोमांचक घटनाओं से मेल खाता है।" और फिर वह आगे कहते हैं:
चचेरा भाई सांचो की दिलेरी और उसके स्वामी के धैर्य दोनों से चकित था, और उसने निष्कर्ष निकाला कि स्वामी का यह अच्छा स्वभाव उसकी प्रेमिका डुलसीनिया को, भले ही वह मोहित थी, देखकर उसे हुई खुशी के कारण था; क्योंकि अन्यथा सांचो ने उससे जो शब्द और भाषा का प्रयोग किया था, वह पिटाई के लायक थी। दरअसल, उसे ऐसा लग रहा था कि वह अपने स्वामी के प्रति कुछ हद तक धृष्ट था, जिससे उसने अब कहा, "मैं, ला मांचा के सेनर डॉन क्विक्सोट, आपके साथ यात्रा में बिताए समय को बहुत उपयोगी मानता हूँ, क्योंकि इस दौरान मुझे चार चीजें प्राप्त हुई हैं; पहली यह कि मेरा आपसे परिचय हुआ, जिसे मैं बहुत सौभाग्य मानता हूँ; दूसरी यह कि मुझे मोंटेसिनोस की गुफा में क्या है, इसके बारे में पता चला है, साथ ही गुआडियाना और रुइडेरा की झीलों के रूपांतरणों के बारे में भी; जो मेरे हाथ में मौजूद स्पेनिश ओविड के लिए उपयोगी होगा; तीसरी, ताश के पत्तों की प्राचीनता का पता लगाना, कि वे कम से कम शारलेमेन के समय में उपयोग में थे, जैसा कि उन शब्दों से अनुमान लगाया जा सकता है जो आपने कहा कि डुरंडार्ट ने तब कहे थे जब मोंटेसिनोस उससे बात कर रहा था और वह लंबे समय के बाद जागा और बोला, 'धैर्य रखो और ताश के पत्ते फेंटो।'" यह मुहावरा और अभिव्यक्ति उसने जादू के प्रभाव में रहते हुए नहीं सीखी होगी, बल्कि जादू होने से पहले ही फ्रांस में, सम्राट शारलेमेन के समय में सीखी होगी। और यह प्रमाण मेरे लिए उस दूसरी पुस्तक के लिए एकदम उपयुक्त है जिसे

मैं लिख रहा हूँ, 'पॉलीडोर वर्जिल की प्राचीन वस्तुओं के आविष्कार पर परिशिष्ट'; क्योंकि मेरा मानना है कि उन्होंने कभी भी कार्डों के इस प्रमाण को अपनी पुस्तक में शामिल करने के बारे में नहीं सोचा था, जैसा कि मैं अपनी पुस्तक में करने जा रहा हूँ, और यह बहुत महत्वपूर्ण होगा, विशेष रूप से जब मैं सेनर डुरंडार्ट जैसे इतने गंभीर और विश्वसनीय स्रोत का हवाला दे सकूँ। और चौथी बात यह है कि मैंने गुआडियाना नदी के स्रोत का पता लगा लिया है, जो अब तक मानव जाति के लिए अज्ञात था।
"आप सही कह रहे हैं," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मैं यह जानना चाहूंगा कि अगर ईश्वर की कृपा से वे आपको अपनी उन पुस्तकों को छापने की अनुमति दे दें
- जिस पर मुझे संदेह है - तो आप उन्हें किसे समर्पित करना चाहते हैं?" चचेरे भाई ने कहा, "स्पेन में ऐसे सामंत और प्रतिष्ठित लोग हैं जिन्हें ये भेंट की जा सकती हैं।"
“बहुत कम ही ऐसे हैं,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “ऐसा नहीं कि वे इसके लायक नहीं हैं, बल्कि इसलिए कि वे किताबें स्वीकार करने और लेखक की मेहनत और शिष्टाचार के प्रति उचित प्रतिफल देने की जिम्मेदारी नहीं लेते। मैं एक ऐसे राजकुमार को जानता हूँ जो इन सब की कमी पूरी करता है, बल्कि उससे भी कहीं बढ़कर है—अगर मैं कहने की हिम्मत करूँ तो शायद कई कुलीन लोगों के मन में ईर्ष्या पैदा हो जाएगी; लेकिन इसे किसी और सुविधाजनक समय के लिए छोड़ देते हैं, और चलिए आज रात के लिए कोई आश्रय स्थल ढूंढते हैं।”
“यहाँ से कुछ ही दूरी पर,” चचेरे भाई ने कहा, “एक आश्रम है, जहाँ एक साधु रहते हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे एक सैनिक थे और एक अच्छे ईसाई तथा बहुत बुद्धिमान और परोपकारी व्यक्ति के रूप में प्रसिद्ध हैं। आश्रम के पास ही उनका एक छोटा सा घर है जिसे उन्होंने अपने खर्च पर बनवाया है, लेकिन छोटा होने के बावजूद यह मेहमानों के स्वागत के लिए पर्याप्त है।” "क्या आपको लगता है कि इस साधु के पास कोई मुर्गियां हैं?" सांचो ने पूछा। “बहुत कम संन्यासी ऐसे हैं जो इनके बिना रहते हैं,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “क्योंकि आजकल जो संन्यासी दिखाई देते हैं, वे मिस्र के रेगिस्तानों के उन संन्यासियों जैसे नहीं हैं जो ताड़ के पत्तों से बने वस्त्र पहनते थे और धरती की जड़ों पर जीवन यापन करते थे। लेकिन यह मत सोचो कि इनकी प्रशंसा करके मैं दूसरों को नीचा दिखा रहा हूँ; मेरा कहने का तात्पर्य केवल इतना है कि आज के संन्यासियों की तपस्या पुराने समय की तपस्या और संयम के स्तर तक

नहीं पहुँचती; लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वे सभी अयोग्य हैं; कम से कम मैं तो ऐसा ही मानता हूँ; और सबसे बुरी स्थिति में भी, जो पाखंडी अच्छा होने का ढोंग करता है, वह खुलेआम पापी से कम नुकसान करता है।”
इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक आदमी पैदल तेज़ी से उनकी ओर आ रहा है और भाले व गदा से लदे खच्चर को पीट रहा है। जब वह उनके पास पहुँचा, तो उसने उन्हें प्रणाम किया और बिना रुके आगे बढ़ गया। डॉन क्विक्सोट ने उसे पुकारा, "रुको, भले आदमी; तुम खच्चर के लिए ज़रूरत से ज़्यादा जल्दी कर रहे हो।"
“मैं रुक नहीं सकता, महोदय,” उस व्यक्ति ने उत्तर दिया; “क्योंकि जो हथियार आप देख रहे हैं, वे कल इस्तेमाल होने वाले हैं, इसलिए मुझे देर नहीं करनी चाहिए; ईश्वर आपका भला करे। लेकिन अगर आप जानना चाहते हैं कि मैं इन्हें किसलिए ले जा रहा हूँ, तो मैं आज रात उस सराय में ठहरने वाला हूँ जो आश्रम के आगे है, और अगर आप भी उसी रास्ते से जा रहे हों तो आप मुझे वहाँ पाएँगे, और मैं आपको कुछ रोचक बातें बताऊँगा; एक बार फिर ईश्वर आपका भला करे;” और उसने अपने खच्चर को इतनी तेज़ी से दौड़ाया कि डॉन क्विक्सोट को यह पूछने का समय ही नहीं मिला कि वह क्या रोचक बातें बताने वाला है; और क्योंकि वह थोड़ा जिज्ञासु था, और हमेशा कुछ नया सीखने की उत्सुकता से व्याकुल रहता था, उसने तुरंत निकलने का फैसला किया, और आश्रम में रुकने के बजाय सराय में रात बिताने चला गया, जहाँ उसके चचेरे भाई ने उन्हें ठहराने का आदेश दिया था। तदनुसार वे तीनों घोड़ों पर सवार हुए और सराय के लिए सीधा रास्ता पकड़ा, जहाँ वे सूर्यास्त से कुछ पहले पहुँच गए। रास्ते में चचेरे भाई ने सुझाव दिया कि वे आश्रम जाकर एक घूँट पानी पिएँ। जैसे ही सांचो ने यह सुना, उसने अपने घोड़े को उसी ओर मोड़ दिया, और डॉन क्विक्सोट और उसके चचेरे भाई ने भी ऐसा ही किया; लेकिन लगता है सांचो की बदकिस्मती ऐसी थी कि साधु घर पर नहीं था, क्योंकि आश्रम में मिले एक अन्य साधु ने उन्हें यही बताया। उन्होंने कुछ अच्छा पानी मांगा। उसने जवाब दिया कि उसके गुरु के पास पानी नहीं है, लेकिन अगर उन्हें सस्ता पानी चाहिए तो वह खुशी-खुशी दे देगी। "अगर मुझे पानी में भी कुछ मिल जाता," सांचो ने कहा, "रास्ते में कई कुएँ हैं जहाँ से मुझे पर्याप्त मात्रा में मिल सकता था। आह, कैमाचो की शादी और डॉन डिएगो का आलीशान घर, मुझे तुम्हारी कितनी याद आती है!"

आश्रम छोड़कर वे सराय की ओर बढ़े, और थोड़ी दूर आगे जाकर उन्हें एक युवक मिला जो उनके आगे धीमी गति से टहल रहा था, इसलिए वे उसके पास पहुँच गए। उसने अपने कंधे पर तलवार टांग रखी थी और उस पर अपने कपड़ों का एक गठरी लटका रखी थी, संभवतः उसकी पैंट, लबादा और एक-दो कमीजें थीं; क्योंकि उसने मखमल की एक छोटी जैकेट पहन रखी थी जिस पर कुछ जगहों पर साटन जैसी चमक थी, और उसकी कमीज खुली हुई थी; उसके मोजे रेशम के थे और उसके जूते चौकोर नोक वाले थे जैसे दरबार में पहने जाते हैं। उसकी उम्र अठारह या उन्नीस वर्ष रही होगी; उसका चेहरा हंसमुख था और वह देखने में फुर्तीला लग रहा था, और वह रास्ते की नीरसता को दूर करने के लिए गीत गाता हुआ चल रहा था। जब वे उसके पास पहुँचे तो वह एक गीत समाप्त कर रहा था, जिसे उसके चचेरे भाई ने कंठस्थ कर लिया था और वे कहते हैं कि वह इस प्रकार था—
{श्लोक
मैं युद्धों में जा रहा हूँ
पैसों की कमी के कारण,
काश मेरे पास पैसे होते!
मुझे और अधिक समझदारी दिखानी चाहिए थी।
{श्लोक
सबसे पहले उनसे बात करने वाला डॉन क्विक्सोट था, जिसने कहा, "आप बड़ी सहजता से यात्रा कर रहे हैं, महोदय; यदि आप हमें बताना चाहें तो हम पूछ सकते हैं कि आप कहाँ जा रहे हैं?"
इस पर युवक ने उत्तर दिया, "गर्मी और मेरी गरीबी ही मेरे इस तरह आराम से यात्रा करने का कारण है, और मुझे युद्धों में जाना ही है।"
"गरीबी कैसी?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा; "गर्मी तो समझ में आती है।"
“महोदय,” युवक ने उत्तर दिया, “इस गठरी में मैं इस जैकेट से मेल खाने वाली मखमली पैंट ले जा रहा हूँ; अगर मैं इन्हें पहनकर सड़क पर निकलूँगा, तो शहर में मैं इनमें ठीक से दिख नहीं पाऊँगा, और मेरे पास दूसरी पैंट खरीदने के लिए पैसे भी नहीं हैं; इसलिए, साथ ही ठंड से बचने के लिए, मैं इस तरह से जा रहा हूँ ताकि बारह मील से भी कम दूरी पर स्थित पैदल सेना की कुछ टुकड़ियों को पकड़ सकूँ, जिनमें मैं भर्ती हो जाऊँगा, और उसके बाद जहाज़ पर चढ़ने के स्थान तक जाने के लिए सामान ले जाने वाले काफिलों की कोई कमी नहीं होगी, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह कार्थेजेना होगा; मैं एक दरबारी कंगाल की

सेवा करने के बजाय राजा को अपना स्वामी बनाकर युद्धों में उसकी सेवा करना पसंद करूँगा।”
"और क्या तुम्हें अब कोई इनाम मिला?" चचेरे भाई ने पूछा।
“अगर मैं स्पेन के किसी बड़े रईस या प्रतिष्ठित व्यक्ति की सेवा में होता,” युवक ने उत्तर दिया, “तो मुझे यह पद अवश्य मिल जाता; क्योंकि अच्छे स्वामियों की सेवा करने का यही लाभ है कि नौकरों के बीच से निकलकर लोग वरिष्ठ या कप्तान बन जाते हैं या अच्छी पेंशन पाते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से, मैंने हमेशा ऐसे लोगों की सेवा की जो पद के लालची और साहसी थे, जिनका भरण-पोषण और वेतन इतना कम और तुच्छ था कि आधा तो कॉलर की कड़क कराने में ही खर्च हो जाता था; अगर किसी सेवक को कभी कोई उचित वेतन मिल भी जाए तो यह सचमुच एक चमत्कार ही होगा।”
"और मुझे बताओ, भगवान के लिए," डॉन क्विक्सोट ने पूछा, "क्या यह संभव है, मेरे दोस्त, कि तुमने अपनी सेवा के दौरान कभी कोई वर्दी नहीं पहनी?" "उन्होंने मुझे दो दिए थे," सेवक ने उत्तर दिया; "लेकिन जैसे कोई व्यक्ति दीक्षा लेने से पहले किसी धार्मिक समुदाय को छोड़ देता है, तो उससे उस समुदाय के वस्त्र छीन लिए जाते हैं और उसे उसके अपने कपड़े वापस दे दिए जाते हैं, वैसे ही मेरे स्वामियों ने भी मुझे मेरे वस्त्र लौटा दिए; क्योंकि जिस काम के लिए वे दरबार में आए थे, वह समाप्त होते ही वे घर चले गए और दिखावे के लिए दिए गए वस्त्र वापस ले गए।"
"यह कैसी लूटपाट है! - जैसा कि एक इतालवी कहेगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा; लेकिन इन सब बातों के बावजूद, अपने आप को सौभाग्यशाली समझो कि तुमने दरबार को इतने योग्य उद्देश्य के साथ छोड़ा है, क्योंकि पृथ्वी पर सेवा करने से बढ़कर कोई सम्माननीय या लाभदायक कार्य नहीं है, सबसे पहले ईश्वर की, और फिर अपने राजा और स्वामी की, विशेष रूप से शस्त्र विद्या के क्षेत्र में, जिससे यदि अधिक धन नहीं तो कम से कम विद्या से अधिक सम्मान तो प्राप्त होता ही है, जैसा कि मैंने कई बार कहा है; क्योंकि भले ही विद्या ने शस्त्र विद्या से अधिक महान घरानों की स्थापना की हो, फिर भी शस्त्र विद्या द्वारा स्थापित घरानों की विद्या द्वारा स्थापित घरानों पर न जाने कितनी श्रेष्ठता है, और उनमें एक विशेष वैभव होता है जो उन्हें सबसे अलग करता है। और जो मैं अब तुमसे कहने जा रहा हूँ उसे ध्यान में रखो, क्योंकि यह संकट के समय में तुम्हारे लिए बहुत उपयोगी और सांत्वनादायी होगा; वह यह है कि अपने

मन को अपने ऊपर आने वाली प्रतिकूल घटनाओं पर केंद्रित न होने दो; क्योंकि सबसे बुरा तो मृत्यु है, और यदि वह एक अच्छी मृत्यु हो, तो सबसे अच्छी मृत्यु है। लोगों ने वीर रोमन सम्राट जूलियस सीज़र से पूछा कि सबसे अच्छी मृत्यु क्या है। उन्होंने उत्तर दिया, वह जो अप्रत्याशित हो, जो अचानक और अनपेक्षित रूप से आए; और यद्यपि उन्होंने उत्तर दिया एक मूर्तिपूजक की तरह, और सच्चे ईश्वर के ज्ञान से रहित व्यक्ति की तरह, फिर भी, हमारी भावनाओं को ठेस न पहुँचाने के मामले में, वह सही था; क्योंकि मान लीजिए कि आप पहली ही लड़ाई या झड़प में मारे जाते हैं, चाहे तोप के गोले से या बम से, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह केवल मृत्यु है, और सब कुछ समाप्त हो जाता है; और टेरेंस के अनुसार, एक सैनिक युद्ध में मृत होना, जीवित और सुरक्षित भाग जाने से बेहतर है; और एक अच्छा सैनिक अपने कप्तानों और अपने से ऊपर के अधिकारियों के प्रति आज्ञाकारी होने के अनुपात में प्रसिद्धि पाता है। और याद रखो, मेरे बेटे, कि सैनिक के लिए बारूद की गंध आना सिवेट की गंध आने से बेहतर है, और यदि इस सम्मानजनक पेशे में बुढ़ापा तुम पर आ जाए, भले ही तुम घावों से लथपथ और अपंग हो जाओ, यह तुम पर बिना सम्मान के नहीं आएगा, और ऐसा सम्मान जिसे गरीबी कम नहीं कर सकती; खासकर अब जब बूढ़े और विकलांग सैनिकों के समर्थन और राहत के लिए प्रावधान किए जा रहे हैं; क्योंकि उनके साथ वैसा व्यवहार करना उचित नहीं है जैसा वे लोग करते हैं जो अपने काले गुलामों को बूढ़े और बेकार होने पर मुक्त कर देते हैं और उन्हें निकाल देते हैं। उन्हें आज़ाद करने के बहाने उनके घरों से बेदखल करके, उन्हें भूख का गुलाम बना दिया जाता है, जिससे उन्हें मौत के सिवा कोई मुक्ति नहीं मिल सकती। लेकिन अभी मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कहूँगा, बस इतना कहूँगा कि मेरे घोड़े पर मेरे पीछे-पीछे सराय तक आ जाओ, वहाँ मेरे साथ भोजन करो, और कल तुम अपनी यात्रा जारी रख सकते हो, और ईश्वर तुम्हें तुम्हारी मंशा के अनुसार सफलता दिलाए।
सेवक ने घोड़े पर चढ़ने का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया, हालांकि वह सराय में रात के खाने के लिए घोड़े पर चढ़ गया था; और यहाँ कहते हैं कि सांचो ने मन ही मन कहा, "भगवान आपका भला करे, आप जैसे स्वामी के रूप में; क्या यह संभव है कि जो व्यक्ति इतनी सारी और इतनी अच्छी बातें कह सकता है, वह मोंटेसिनोस की गुफा के बारे में जिन असंभव और बेतुकी बातों का वर्णन कर रहा है, उन्हें स्वयं देख सकता है? खैर, देखते हैं।"

और अब, जैसे ही रात होने लगी, वे सराय पहुँच गए, और सांचो को यह देखकर संतोष हुआ कि उसके स्वामी ने इसे सचमुच एक सराय समझा है, न कि हमेशा की तरह कोई किला। अंदर आते ही डॉन क्विक्सोट ने सराय के मालिक से भाले और गदा वाले आदमी के बारे में पूछा, और उसे बताया गया कि वह अस्तबल में अपने खच्चर की देखभाल कर रहा है; यही वह काम था जो सांचो और उसके चचेरे भाई ने अपने जानवरों के लिए किया, और रोसिनांटे को सबसे अच्छी चरनी और अस्तबल में सबसे अच्छी जगह दी।

25

अध्याय
इसमें कठपुतली कलाकार के मनोरंजक और हास्यपूर्ण कारनामों के साथ-साथ भविष्य बताने वाले बंदर की यादगार भविष्यवाणियों का वर्णन है।
डॉन क्विक्सोट की रोटी तब तक नहीं पकती, जैसा कि आम कहावत है, जब तक वह हथियार ढोने वाले व्यक्ति द्वारा बताई गई अद्भुत बातों को सुन और जान न लेता। वह उस व्यक्ति को खोजने के लिए उस स्थान पर गया जहाँ सराय के मालिक ने उसे बताया था, और उसे पाकर उसने उससे कहा कि कम से कम अब वह बात कह दे जो उसने रास्ते में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहनी है। उस व्यक्ति ने कहा, "मेरी अद्भुत कहानियों को आराम से सुनो, खड़े होकर नहीं; मुझे अपने जानवर को चारा खिलाने दो, भले आदमी; फिर मैं तुम्हें ऐसी बातें बताऊंगा जो तुम्हें चकित कर देंगी।"
"उसकी प्रतीक्षा मत करो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मैं हर काम में तुम्हारी मदद करूँगा," और उसने ऐसा ही किया, उसके लिए जौ छाना और चरनी साफ की; उसकी विनम्रता ने दूसरे को यह महसूस कराया कि उसे विनम्रतापूर्वक उसकी बात माननी चाहिए; इसलिए डॉन क्विक्सोट, चचेरे भाई, सेवक, सांचो पांजा और जमींदार के साथ एक बेंच पर बैठकर, एक सभा और मुलाकात के लिए, उसने अपनी कहानी इस तरह शुरू की:
आपको पता होना चाहिए कि इस सराय से साढ़े चार मील दूर एक गाँव में, एक नौकरानी की शरारतों और चालबाज़ियों के कारण (कहानी बहुत लंबी है), एक रेगिडोर का गधा खो गया; और हालाँकि उसने उसे ढूंढने के लिए हर संभव कोशिश की, सब व्यर्थ था। कहानी के अनुसार, गधे के लापता हुए लगभग दो सप्ताह बीत गए होंगे, जब गधा खोने वाला रेगिडोर चौक में खड़ा था, तभी उसी कस्बे के एक दूसरे रेगिडोर ने उससे कहा, 'अच्छी खबर के लिए मुझे पैसे दो, गपशप करने वाले; तुम्हारा गधा मिल गया है।' 'हाँ, ज़रूर, गपशप करने वाले,' दूसरे ने कहा; 'लेकिन हमें बताओ, वह कहाँ मिला है?' खोजने वाले ने कहा, 'मैंने उसे आज सुबह जंगल में देखा; उसके पास न तो कोई सामान ढोने वाला काठी थी और न ही कोई लगाम। वह इतना दुबला-पतला था कि उसे देखकर दिल पिघल गया। मैंने उसे अपने आगे लाने की कोशिश की, लेकिन वह इतना जंगली और डरपोक है कि जब मैं उसके पास गया तो वह जंगल के सबसे घने हिस्से में भाग गया। अगर आप चाहें कि हम दोनों

वापस जाकर उसे ढूंढें, तो मैं इस गधी को अपने घर पर रख लेता हूँ और तुरंत वापस आ जाता हूँ।' गधी के मालिक ने कहा, 'आप मुझ पर बहुत बड़ा उपकार करेंगे, और मैं भी आपका एहसान चुकाने की पूरी कोशिश करूँगा।' इन्हीं सभी परिस्थितियों के साथ, और ठीक उसी तरह जैसे मैं अब बता रहा हूँ, इस मामले के जानकार लोग कहानी सुनाते हैं। खैर, दोनों रेगिडोर हाथ में हाथ डाले जंगल की ओर चल पड़े, और उस जगह पहुँचकर जहाँ उन्हें गधे के मिलने की उम्मीद थी, वे उसे नहीं पा सके, और न ही वह कहीं नज़र आया, चाहे उन्होंने कितनी भी खोजबीन की हो। यह देखकर कि उसका कोई निशान नहीं है, जिसने उसे देखा था, उसने दूसरे से कहा, 'देखो, गधा; मेरे दिमाग में एक योजना आई है, जिससे हम निश्चित रूप से जानवर को ढूंढ निकालेंगे, चाहे वह धरती के भीतरी हिस्से में ही क्यों न छिपा हो, जंगल की तो बात ही छोड़ो। यह रहा। मैं पूरी तरह से रेंक सकता हूँ, और अगर तुम भी ज़रा सा रेंक सको, तो समझो काम हो गया।' 'ज़रा सा ही कह रहे हो, गधा?' दूसरे ने कहा; 'भगवान की कसम, मैं किसी के सामने नहीं झुकूंगा, गधों के सामने भी नहीं।' दूसरे रेगिडोर ने कहा, 'जल्द ही पता चल जाएगा। मेरी योजना यह है कि तुम जंगल के एक तरफ जाओ और मैं दूसरी तरफ, ताकि हम जंगल का पूरा चक्कर लगा सकें। बीच-बीच में तुम और मैं रेंकेंगे। ऐसा हो ही नहीं सकता कि गधा हमारी आवाज सुन ले और अगर वह जंगल में हो तो हमें जवाब दे।' इस पर गधे के मालिक ने जवाब दिया, 'वाह, यह तो कमाल की योजना है, और तुम्हारी प्रतिभा के लायक है।' और दोनों तयशुदा तरीके से अलग हो गए। संयोग से दोनों ने लगभग एक ही समय पर रेंक लगाई। एक-दूसरे की रेंक सुनकर दोनों दौड़ पड़े, यह सोचकर कि गधा आखिरकार आ गया है। जब दोनों एक-दूसरे के सामने आए, तो हारने वाले ने कहा, 'क्या ऐसा हो सकता है, हे गधा, कि वह मेरा गधा नहीं था जिसने रेंक लगाई?' 'नहीं, मैं था,' दूसरे ने कहा। 'अच्छा, तो मैं तुम्हें बता सकता हूँ, गधा,' गधे के मालिक ने कहा, 'कि रेंकने के मामले में तुम और गधे में रत्ती भर भी अंतर नहीं है, क्योंकि मैंने अपने पूरे जीवन में इससे ज़्यादा स्वाभाविक आवाज़ न कभी देखी है और न सुनी है।' 'ये तारीफें और प्रशंसाएँ मुझसे ज़्यादा तुम्हारी हैं, गधा,' योजना के आविष्कारक ने कहा; 'क्योंकि, मुझे बनाने वाले ईश्वर की कसम, तुम दुनिया के सबसे कुशल और निपुण रेंकने वाले को भी दो रेंकों में हरा सकते हो; तुम्हारी आवाज़ गहरी है, तुम्हारी आवाज़ लय और स्वर में एकदम सही है, और तुम्हारे अंतिम स्वर लगातार और तेज़ी से निकलते हैं; वास्तव में, मैं खुद को हारा हुआ मानता

हूँ, और इस दुर्लभ कौशल में तुम्हें सलाम करता हूँ।' 'तो फिर,' मालिक ने कहा, 'मैं भविष्य में खुद को ज़्यादा महत्व दूंगा और यह मानूंगा कि मुझे कुछ तो ज्ञान है, क्योंकि मुझमें किसी न किसी प्रकार की कोई न कोई खूबी तो है ही; क्योंकि हालांकि मैं हमेशा सोचता था कि मैं अच्छी तरह रेंकता हूं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उस पूर्णता तक पहुंच सकता हूं जिसके बारे में आप कहते हैं।' 'और मैं भी यही कहता हूं,' दूसरे ने कहा, 'कि दुनिया में कुछ दुर्लभ प्रतिभाएं व्यर्थ ही जा रही हैं, और वे उन लोगों को नहीं मिल रही हैं जो उनका सही उपयोग करना नहीं जानते।' 'हमारी प्रतिभाएं,' गधे के मालिक ने कहा, 'जब तक कि हमारे सामने जो मामला है, वैसे मामलों में न हों, तब तक हमारे किसी काम की नहीं हैं, और ईश्वर करे कि इस मामले में भी वे कुछ काम आ जाएं।' ऐसा कहकर वे अलग हो गए और फिर से रेंकने लगे, लेकिन हर पल वे एक-दूसरे को धोखा दे रहे थे और फिर से मिल रहे थे, जब तक कि उन्होंने एक संकेत के रूप में यह सुनिश्चित नहीं कर लिया कि वे खुद हैं, गधा नहीं, और इसके लिए उन्होंने एक के बाद एक दो बार रेंकना शुरू कर दिया। इस तरह, हर कदम पर रेंकने की आवाज़ दोगुनी करते हुए, उन्होंने जंगल का पूरा चक्कर लगा लिया, लेकिन खोया हुआ गधा उन्हें कोई जवाब या संकेत भी नहीं दे पाया। बेचारा बदनसीब जानवर कैसे जवाब दे सकता था, जब जंगल के सबसे घने हिस्से में उन्हें वह भेड़ियों द्वारा खाया हुआ मिला? जैसे ही उसके मालिक ने उसे देखा, उसने कहा, 'मुझे आश्चर्य हो रहा था कि उसने जवाब क्यों नहीं दिया, क्योंकि अगर वह मरा नहीं होता तो हमारी आवाज़ सुनकर रेंकता, वरना वह गधा होता ही नहीं; लेकिन हे गधा, तुम्हारी इतनी अच्छी रेंक सुनने के लिए, मैंने उसे ढूंढने में जो मेहनत की है, उसे मैं सार्थक मानता हूँ, भले ही वह मरा हुआ मिला हो।' 'यह अच्छे हाथों में है, गपशप करने वाले,' दूसरे ने कहा; 'अगर मठाधीश अच्छा गाता है, तो उसका शिष्य भी उससे कुछ ही पीछे नहीं है।' इसलिए वे निराश और बेसुध होकर अपने गाँव लौट आए, जहाँ उन्होंने अपने दोस्तों, पड़ोसियों और परिचितों को बताया कि गधे की तलाश में उनके साथ क्या हुआ था, और हर कोई दूसरे की गधे की रेंकने की कला की प्रशंसा कर रहा था। पूरी कहानी आस-पास के गाँवों में फैल गई; और शैतान, जो कभी नहीं सोता, जिसे हर जगह फूट डालने और कलह फैलाने का शौक है, शरारत करने और छोटी-छोटी बातों पर झगड़े पैदा करने के लिए, उसने दूसरे गाँवों के लोगों को हमारे गाँव के किसी भी व्यक्ति को देखते ही रेंकने पर मजबूर कर दिया, मानो हमारे रेगिडोरों की रेंक को हमारे

दाँतों में फेंक रहा हो। फिर लड़कों ने भी इसे अपना लिया, जो नरक के सभी शैतानों के हाथों और मुँह में पहुँचने के समान था; और रेंकना एक शहर से दूसरे शहर में इस तरह फैल गया कि रेंकने वाले शहर के लोगों को पहचानना उतना ही आसान हो गया जितना कि गोरों से कालों को पहचानना, और यह दुर्भाग्यपूर्ण मज़ाक इतना बढ़ गया कि कई बार उपहासित लोग हथियार लेकर और विरोध प्रदर्शन करने के लिए बाहर आ गए। हम उपहास करने वालों से लड़ने के लिए तैयार हैं, और न तो राजा, न कौआ, न डर, न शर्म, हालात सुधार सकते हैं। मुझे लगता है कि कल या परसों, मेरे कस्बे के लोग, यानी शोर मचाने वाले कस्बे के लोग, हमारे गाँव से दो मील दूर एक दूसरे गाँव के खिलाफ मैदान में उतरने वाले हैं, जो हमें सबसे ज्यादा सताने वाले गाँवों में से एक है; और अच्छी तैयारी के लिए मैंने ये भाले और कुल्हाड़ी खरीदी हैं जो आपने देखी हैं। ये वही अनोखी चीजें हैं जिनके बारे में मैंने आपको बताया था, और अगर आपको ऐसा नहीं लगता, तो मेरे पास और कुछ नहीं है;" और इसी के साथ उस सज्जन ने अपनी कहानी समाप्त की।
ठीक उसी समय, चमड़े के वस्त्र, मोज़े, पैंट और जैकेट पहने एक व्यक्ति सराय के द्वार पर आया और ऊँची आवाज़ में बोला, "महोदय, क्या आपके पास जगह है? यहाँ भविष्य बताने वाला बंदर और मेलिसेंद्रा की मुक्ति का तमाशा अभी शुरू होने वाला है।"
"वाह!" मकान मालिक ने कहा, "अरे वाह, ये तो मास्टर पेड्रो हैं! आज रात तो खूब मज़ा आएगा!" मैं बताना भूल गया था कि मास्टर पेड्रो की बाईं आंख और लगभग आधा गाल हरे रंग के पैच से ढका हुआ था, जिससे पता चलता था कि उस तरफ कुछ तकलीफ थी। "आपका स्वागत है, मास्टर पेड्रो," मकान मालिक ने आगे कहा; "लेकिन बंदर और शो कहां हैं, क्योंकि मुझे वे दिखाई नहीं दे रहे?" "वे यहीं आस-पास हैं," चमड़े के कपड़े पहने हुए व्यक्ति ने कहा; "लेकिन मैं पहले यह पता करने आया था कि कोई जगह है या नहीं।" "मैं ड्यूक ऑफ अल्वा से भी मास्टर पेड्रो के लिए जगह खाली करवा दूंगा," मकान मालिक ने कहा; "बंदर और शो को ले आओ; आज रात सराय में मेहमान आए हैं जो उन्हें और बंदर की चतुराई देखने के लिए पैसे देंगे।" "ठीक है," पैच वाले व्यक्ति ने कहा; "मैं कीमत कम कर दूंगा, और अगर मैं सिर्फ अपने खर्चों की भरपाई कर लूं तो भी संतुष्ट रहूंगा; और अब मैं वापस जाकर बंदर और तमाशे से भरी गाड़ी को जल्दी से आगे बढ़ाऊंगा;" और यह कहकर वह सराय से बाहर निकल गया।

डॉन क्विक्सोट ने तुरंत मकान मालिक से पूछा कि यह मास्टर पेड्रो कौन है, यह तमाशा क्या है और उसके साथ जो बंदर है वह क्या है; जिस पर मकान मालिक ने जवाब दिया, "यह एक मशहूर कठपुतली कलाकार है, जो कुछ समय से इस मांचा दे आरागॉन में घूम-घूम कर मशहूर डॉन गैफेरोस द्वारा मेलिसेंद्रा की रिहाई का शो दिखाता आ रहा है। यह कहानी इस इलाके में कई सालों से दिखाई जाने वाली सबसे बेहतरीन और सबसे ज़्यादा चर्चित कहानियों में से एक है। उसके साथ एक ऐसा बंदर भी है जिसमें एक असाधारण प्रतिभा है, जो किसी बंदर में पहले कभी नहीं देखी गई और न ही किसी इंसान में सोची जा सकती है। अगर आप उससे कुछ भी पूछते हैं, तो वह ध्यान से सुनता है, फिर अपने मालिक के कंधे पर कूद जाता है और उसके कान के पास जाकर उसे वही जवाब बताता है जो मालिक पेड्रो आगे देता है। वह आने वाली बातों से ज़्यादा बीते हुए समय की बातें बताता है; और हालाँकि वह हर बात में पूरी तरह सच नहीं होता, लेकिन ज़्यादातर बार वह ज़्यादा गलत नहीं होता, जिससे हमें लगता है कि उसमें शैतान है। अगर बंदर जवाब देता है, तो उसे हर सवाल के लिए दो रील मिलते हैं; मेरा मतलब है अगर उसका मालिक उसके कान में फुसफुसाने के बाद जवाब देता है; और इसलिए यह माना जाता है कि यही मालिक पेड्रो है।" बहुत अमीर। इटली में उन्हें 'वीर पुरुष' कहते हैं, और वे अच्छी संगत में रहते हैं, और दुनिया का सबसे शानदार जीवन जीते हैं; छह से अधिक बोलते हैं, एक दर्जन से अधिक पीते हैं, और यह सब अपनी ज़ुबान, अपनी चालाकी और अपने दिखावे से करते हैं।
मास्टर पेड्रो वापस आ गए, और एक गाड़ी में शो और बंदर के पीछे-पीछे आए—एक बड़ा बंदर, बिना पूंछ वाला और उसके नितंब बिल्कुल नंगे थे, लेकिन देखने में क्रूर नहीं लग रहा था। जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने उसे देखा, उसने पूछा, "हे ज्योतिषी, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि हम कौन सी मछली पकड़ेंगे और हमारा क्या हाल होगा? देखिए, ये रहे मेरे दो रील्स," और उसने सांचो को मास्टर पेड्रो को देने के लिए कहा; लेकिन मास्टर पेड्रो ने बंदर की ओर से जवाब दिया और कहा, "महोदय, यह जानवर भविष्य के बारे में कोई जानकारी नहीं देता; बीते हुए समय के बारे में इसे कुछ पता है, और वर्तमान के बारे में कमोबेश।" "हे भगवान," सांचो ने कहा, "मुझे अपने अतीत के बारे में बताने के लिए एक पैसा भी नहीं देना पड़ेगा, क्योंकि मुझसे बेहतर कौन जानता है? और जो मैं जानता हूँ उसे जानने के लिए पैसे देना तो सरासर मूर्खता होगी। लेकिन चूंकि आप वर्तमान बातें जानते हैं, तो ये लीजिए मेरे दो रील्स, और मुझे बताइए, हे

महामहिम बंदर, मेरी पत्नी टेरेसा पांजा आजकल क्या कर रही है और वह क्या कर रही है?"
मास्टर पेड्रो ने पैसे लेने से इनकार कर दिया और कहा, "मैं अग्रिम भुगतान नहीं लूंगा और न ही सेवा पूरी होने तक भुगतान लूंगा;" फिर उन्होंने अपने दाहिने हाथ से उसके बाएं कंधे पर दो-तीन थप्पड़ मारे, और बंदर एक ही झटके में उस पर बैठ गया, और अपना मुंह अपने मालिक के कान से लगाकर तेजी से दांत किटकिटाने लगा; और जब तक कोई धार्मिक वचन नहीं बोलता, तब तक वह ऐसा करता रहा, फिर एक और झटके में जमीन पर उतर आया, और उसी क्षण मास्टर पेड्रो बड़ी तेजी से दौड़े और डॉन क्विक्सोट के सामने घुटनों के बल गिर पड़े, और उनके पैरों को गले लगाते हुए बोले, "मैं इन पैरों को ऐसे गले लगाता हूँ जैसे हरक्यूलिस के दो स्तंभों को, हे वीर योद्धाओं के गौरवशाली पुनरुद्धारक, जो इतने लंबे समय से विस्मृति में थे! हे कभी भी विधिवत प्रशंसित न हुए योद्धा, ला मांचा के डॉन क्विक्सोट, कायरों का साहस, लड़खड़ाने वालों का सहारा, गिरे हुओं की भुजा, सभी दुर्भाग्यशाली लोगों के रक्षक और सलाहकार!" डॉन क्विक्सोट स्तब्ध रह गया, सांचो अचंभित, चचेरा भाई लड़खड़ा गया, सेवक चकित, शोरगुल भरे कस्बे का आदमी अवाक रह गया, जमींदार असमंजस में पड़ गया, और संक्षेप में, कठपुतली कलाकार के शब्दों पर हर कोई चकित था, जिसने आगे कहा, "और हे आदरणीय सांचो पांजा, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ योद्धा के सर्वश्रेष्ठ सहायक और सेवक! खुश रहो, क्योंकि तुम्हारी पत्नी टेरेसा स्वस्थ है, और वह इस समय एक पौंड सन बुन रही है; और इसके अलावा, उसके बाएं हाथ में एक टूटा हुआ टोंटी वाला घड़ा है जिसमें शराब की एक अच्छी बूंद है, जिससे वह काम करते हुए खुद को तसल्ली देती है।"
"मुझे इस बात पर पूरा यकीन है," सांचो ने कहा। "वह भाग्यशाली है, और अगर उसकी ईर्ष्या न होती तो मैं उसे विशालकाय अंदांडोना से नहीं बदलता, जो मेरे स्वामी के अनुसार बहुत चतुर और गुणी महिला थी; मेरी टेरेसा उन लोगों में से है जो खुद को किसी चीज की कमी नहीं होने देतीं, भले ही उनके वारिसों को इसकी कीमत चुकानी पड़े।"
“अब मैं कहता हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जो बहुत पढ़ता है और बहुत यात्रा करता है, वह बहुत कुछ देखता और जानता है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मुझे कितना भी समझाया जाए, मैं यह नहीं मान सकता था कि दुनिया में ऐसे बंदर भी हैं जो मेरी तरह भविष्यवाणी कर सकते हैं, जैसा मैंने अभी अपनी

आँखों से देखा है? क्योंकि मैं वही डॉन क्विक्सोट हूँ, ला मांचा का, जिसका जिक्र यह नेक जानवर कर रहा है, हालाँकि उसने मेरी प्रशंसा में कुछ ज़्यादा ही कह दिया है; लेकिन मैं जो भी हूँ, मैं ईश्वर का शुक्रगुजार हूँ कि उसने मुझे एक कोमल और दयालु हृदय दिया है, जो हमेशा सभी का भला करने और किसी को नुकसान न पहुँचाने के लिए तत्पर रहता है।”
"अगर मेरे पास पैसे होते," उस पन्ने ने कहा, "तो मैं सेनर एप से पूछता कि मेरी इस यात्रा में मेरे साथ क्या होगा।"
इस पर मास्टर पेड्रो, जो तब तक डॉन क्विक्सोट के पैरों से उठ चुके थे, ने उत्तर दिया, "मैंने पहले ही कहा है कि यह छोटा जानवर भविष्य के बारे में कोई जवाब नहीं देता; लेकिन अगर वह देता भी, तो पैसे न होना कोई मायने नहीं रखता, क्योंकि यहाँ उपस्थित डॉन क्विक्सोट को प्रसन्न करने के लिए मैं दुनिया का सारा मुनाफा छोड़ देता। और अब, क्योंकि मैंने वादा किया है, और उन्हें प्रसन्न करने के लिए, मैं अपना शो लगाऊंगा और सराय में मौजूद सभी लोगों का मुफ्त मनोरंजन करूंगा।" यह सुनते ही, सराय का मालिक अत्यंत प्रसन्न हुआ और उसने शो आयोजित करने के लिए एक जगह बताई, और तुरंत ही जगह तय कर दी गई।
डॉन क्विक्सोट बंदर की भविष्यवाणियों से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे, क्योंकि उन्हें यह उचित नहीं लगता था कि कोई बंदर अतीत या भविष्य के बारे में भविष्यवाणी करे; इसलिए जब मास्टर पेड्रो शो की तैयारी कर रहे थे, तो वह सांचो के साथ अस्तबल के एक कोने में चले गए, जहाँ किसी की नज़र में आए बिना उन्होंने उससे कहा, "देखो, सांचो, मैं इस बंदर की असाधारण प्रतिभा पर गंभीरता से विचार कर रहा था, और इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि निस्संदेह इस बंदर, मास्टर पेड्रो, ने शैतान के साथ कोई समझौता किया है, चाहे वह गुप्त हो या स्पष्ट।"
"अगर यह पैकेट शैतान की तरफ से आया है," सांचो ने कहा, "तो यह निस्संदेह बहुत गंदा पैकेट होगा; लेकिन ऐसे पैकेट मिलने से मास्टर पेड्रो को क्या फायदा होगा?"
"तुम मुझे नहीं समझते, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मेरा मतलब सिर्फ इतना है कि उसने शैतान के साथ कोई समझौता किया होगा ताकि वह इस बंदर में यह शक्ति डाल सके, जिससे वह अपना जीवन यापन कर सके, और धनी होने के बाद वह उसे अपनी आत्मा दे देगा, जो कि मानव जाति का शत्रु चाहता है; मुझे ऐसा इसलिए

लगता है क्योंकि बंदर केवल अतीत या वर्तमान के बारे में ही उत्तर देता है, और शैतान का ज्ञान इससे आगे नहीं बढ़ता; भविष्य के बारे में वह केवल अनुमान से ही जानता है, और वह भी हमेशा नहीं; क्योंकि समय और ऋतुओं का ज्ञान केवल ईश्वर के लिए ही है, और उसके लिए न तो अतीत है और न ही भविष्य; सब कुछ वर्तमान है। इस स्थिति में, यह स्पष्ट है कि यह बंदर शैतान की आत्मा से बोलता है; और मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने उसे पवित्र कार्यालय में क्यों नहीं बुलाया, उससे पूछताछ क्यों नहीं की, और उससे यह क्यों नहीं उगलवाया कि किस शक्ति से वह भविष्यवाणी करता है; क्योंकि यह निश्चित है कि यह बंदर ज्योतिषी नहीं है; न तो उसका स्वामी और न ही वह उन आकृतियों को स्थापित करना जानता है, जिन्हें वे न्यायिक आकृतियाँ कहते हैं, जो अब स्पेन में इतनी आम हो गई हैं कि वहाँ कोई भी सहायक या सेवक नहीं है।" या फिर वो बूढ़ा मोची, जो ताश के पत्तों का ढेर उठाने जितनी आसानी से कोई आकृति नहीं बना सकता, और अपने झूठ और अज्ञान से विज्ञान के अद्भुत सत्य को व्यर्थ कर देता है। मैं एक महिला को जानता हूँ जिसने ऐसे ही एक आकृति बनाने वाले से पूछा कि क्या उसका छोटा पालतू कुत्ता गर्भवती होगा और बच्चे पैदा करेगा, और कितने बच्चे होंगे और किस रंग के होंगे। उस वरिष्ठ ज्योतिषी ने आकृति बनाने के बाद उत्तर दिया कि कुतिया गर्भवती होगी और तीन पिल्ले देगी, एक हरा, दूसरा चमकीला लाल और तीसरा बहुरंगी, बशर्ते वह दिन या रात ग्यारह से बारह बजे के बीच, सोमवार या शनिवार को गर्भ धारण करे; लेकिन हुआ ये कि दो दिन बाद कुतिया अधिक खाने से मर गई, और उस वरिष्ठ ज्योतिषी को पूरे इलाके में एक महान ज्योतिषी होने का श्रेय मिला, जैसा कि ऐसे अधिकांश ज्योतिषियों को मिलता है।
"फिर भी," सांचो ने कहा, "मुझे खुशी होगी यदि आप स्वामी पेड्रो से उनके बंदर से यह पूछने के लिए कहें कि मोंटेसिनोस की गुफा में जो कुछ हुआ वह सच है या नहीं; क्योंकि, क्षमा मांगते हुए, मैं इसे पूरी तरह से मनगढ़ंत कहानी और झूठ मानता हूँ, या कम से कम कुछ ऐसा जो आपने सपना देखा था।"
"ऐसा हो सकता है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "लेकिन मैं आपकी बात मानूंगा; हालांकि मुझे इस बारे में कुछ शंकाएं हैं।"
इसी समय मास्टर पेड्रो, डॉन क्विक्सोट को ढूंढने आए और उन्हें बताया कि शो तैयार है और उन्हें आकर देखना चाहिए, क्योंकि यह देखने लायक था। डॉन क्विक्सोट ने अपनी इच्छा बताई और उनसे विनती की कि वे तुरंत अपने बंदर से

पूछें कि मोंटेसिनोस की गुफा में उनके साथ जो कुछ घटित हुआ था, वह सपना था या हकीकत, क्योंकि उन्हें वह दोनों ही प्रतीत हो रहा था। इस पर मास्टर पेड्रो ने कोई उत्तर नहीं दिया और बंदर को लाने वापस चले गए। उन्होंने बंदर को डॉन क्विक्सोट और सांचो के सामने रखकर कहा, "देखिए, श्रीमान बंदर, यह सज्जन जानना चाहते हैं कि मोंटेसिनोस की गुफा में उनके साथ जो कुछ घटित हुआ था, वह झूठ था या सच।" जब उन्होंने सामान्य इशारा किया तो बंदर उनके बाएं कंधे पर चढ़ गया और उनके कान में फुसफुसाता हुआ प्रतीत हुआ। इस पर मास्टर पेड्रो ने तुरंत कहा, "बंदर कहता है कि जो कुछ आपने देखा या जो कुछ आपके साथ उस गुफा में घटित हुआ, वह आंशिक रूप से झूठ और आंशिक रूप से सच है; और इस प्रश्न के संबंध में वह केवल इतना ही जानता है, इससे अधिक कुछ नहीं; लेकिन यदि आप और अधिक जानना चाहते हैं, तो अगले शुक्रवार को वह आपके सभी प्रश्नों का उत्तर देगा, क्योंकि उसकी शक्ति इस समय समाप्त हो चुकी है और जैसा कि उसने कहा है, शुक्रवार तक उसे वापस नहीं मिलेगी।"
"क्या मैंने नहीं कहा था, महोदय," सांचो ने कहा, "कि मैं यह मानने को तैयार नहीं था कि गुफा में हुए कारनामों के बारे में आपने जो कुछ भी कहा वह सब सच था, या उसका आधा भी सच था?"
“घटनाक्रम ही बताएगा, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “समय, जो सब कुछ उजागर कर देता है, कुछ भी नहीं छोड़ता, चाहे वह धरती की गोद में ही क्यों न दबा हो। लेकिन अभी के लिए इतना ही काफी है; चलो मास्टर पेड्रो का शो देखने चलते हैं, मुझे यकीन है कि उसमें कुछ नया जरूर होगा।”
"कुछ तो है!" मास्टर पेड्रो ने कहा; "मेरे इस शो में साठ हज़ार नई चीज़ें हैं; मैं आपको बता दूं, सेनोर डॉन क्विक्सोट, यह आज दुनिया में देखने लायक सबसे बेहतरीन चीज़ों में से एक है; लेकिन काम में समय बर्बाद न करें, और अब चलिए काम पर लगें, क्योंकि देर हो रही है, और हमें बहुत कुछ करना, कहना और दिखाना है।"
डॉन क्विक्सोट और सांचो ने उसकी बात मानी और उस जगह गए जहाँ शो पहले से ही लगा हुआ था और चारों ओर जलती हुई मोमबत्तियाँ थीं, जिससे वह भव्य और चमकदार दिख रहा था। जब वे वहाँ पहुँचे तो मास्टर पेड्रो अंदर बैठ गए, क्योंकि कठपुतलियों को चलाने का काम उन्हीं का था, और उनका एक नौकर लड़का बाहर शोमैन बनकर खड़ा हो गया और शो के रहस्यों को समझाने लगा। उसके हाथ में एक छड़ी थी जिससे वह बाहर आने वाली कठपुतलियों की ओर इशारा करता था। इस

प्रकार, सराय में मौजूद सभी लोग शो के सामने बैठ गए, कुछ खड़े हो गए, और डॉन क्विक्सोट, सांचो, सेवक और चचेरा भाई सबसे अच्छी जगहों पर बैठ गए। दुभाषिया ने अगले अध्याय को पढ़ने या सुनने वाले को जो सुनाई या दिखाई देगा, उसे बताना शुरू किया।

26

अध्याय
जिसमें कठपुतली कलाकार के मनोरंजक कारनामों का सिलसिला जारी है, साथ ही अन्य वास्तव में बहुत अच्छी चीजें भी शामिल हैं।
सभी चुप थे, टायरियन और ट्रोजन; मेरा मतलब है कि जो भी लोग यह शो देख रहे थे, वे इसके चमत्कारों का वर्णन करने वाले व्याख्याकार की ज़ुबान पर टकटकी लगाए बैठे थे, तभी अंदर ढोल और तुरही बजने की आवाज़ आई और तोपों के चलने की आवाज़ आई। शोर जल्द ही शांत हो गया, और फिर लड़के ने अपनी आवाज़ उठाई और कहा, "यह सच्ची कहानी जो यहाँ आप सभी के सामने प्रस्तुत की जा रही है, फ्रांसीसी इतिहास और स्पेनिश लोकगीतों से शब्दशः ली गई है, जो हर किसी की ज़बान पर हैं, और गलियों के लड़कों की ज़बान पर भी। इसका विषय है सेनर डॉन गैफेरोस द्वारा अपनी पत्नी मेलिसेंद्रा को छुड़ाना, जब वह स्पेन में मूरों के हाथों संसुएना शहर में बंदी थी (जिसे तब संसुएना कहा जाता था, जिसे अब सारागोसा कहा जाता है); और वहाँ आप देख सकते हैं कि डॉन गैफेरोस मेजों पर कैसे बजा रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे गाते हैं—"
{श्लोक
मेजों पर डॉन गैफेरोस का संगीत बज रहा है,
मेलिसेंद्रा को अब भुला दिया गया है।
{श्लोक
और वह शख्स जो सिर पर मुकुट और हाथ में राजदंड लिए वहाँ प्रकट होता है, वह सम्राट शारलेमेन है, जो मेलिसेंद्रा का कथित पिता है। अपने दामाद की निष्क्रियता और उदासीनता देखकर क्रोधित होकर वह उसे डांटने आता है; और ध्यान दीजिए कि वह कितनी उग्रता और ऊर्जा से उसे डांटता है, ऐसा लगता है मानो वह उसे राजदंड से आधा दर्जन बार प्रहार करने वाला हो; और वास्तव में कुछ लेखकों का कहना है कि उसने ऐसा किया भी, और उनके दावे विश्वसनीय भी

हैं; और अपनी पत्नी को रिहा न कराकर अपने सम्मान को खतरे में डालने के बारे में उसे बहुत कुछ कहने के बाद, जैसा कि कहानी में बताया गया है, उसने कहा, {श्लोक
मैंने बहुत कुछ कह दिया, अब काम शुरू करो।
{श्लोक
यह भी ध्यान दीजिए कि सम्राट कैसे मुँह मोड़ लेता है और डॉन गैफेरोस को क्रोधित छोड़ देता है; और अब आप देखते हैं कि कैसे क्रोध के आवेश में वह मेज और थाली को दूर फेंक देता है और जल्दी से अपने कवच को बुलाता है, और अपने चचेरे भाई डॉन रोलैंड से उसकी तलवार, दुरिंदाना, उधार माँगता है, और कैसे डॉन रोलैंड उसे उधार देने से इनकार कर देता है, और उसे अपने कठिन कार्य में साथ देने की पेशकश करता है; लेकिन वह अपने शौर्य और क्रोध में इसे स्वीकार नहीं करता है, और कहता है कि वह अकेले ही अपनी पत्नी को बचा सकता है, भले ही वह पृथ्वी के केंद्र में गहराई में कैद हो, और यह कहकर वह स्वयं को हथियारबंद करने और तुरंत अपनी यात्रा पर निकलने के लिए पीछे हट जाता है। अब आप सभी उस मीनार पर अपनी नज़र डालें जो वहाँ दिखाई देती है, जिसे सारागोसा के अलकाज़ार की मीनारों में से एक माना जाता है, जिसे अब अलजाफेरिया कहा जाता है; उस बालकनी पर मूरिश शैली में सजी हुई जो महिला दिखाई देती है, वह अद्वितीय मेलिसेंद्रा है। वह अक्सर वहाँ से फ्रांस जाने वाली सड़क को निहारती थी और पेरिस और अपने पति के बारे में सोचकर अपनी कैद में सांत्वना पाती थी। अब एक नई घटना पर भी ध्यान दें, जो शायद पहले कभी नहीं देखी गई। क्या आप उस मूर को नहीं देखते, जो चुपके से, अपनी उंगली होंठों पर रखे, मेलिसेंद्रा के पीछे से आता है? अब ध्यान दें कि वह कैसे उसके होंठों पर चुंबन का निशान छोड़ता है, और कैसे वह जल्दी से थूकती है, और अपने सफेद कमीज की आस्तीन से अपने होंठ पोंछती है, और कैसे वह खुद पर विलाप करती है, और अपने सुनहरे बालों को ऐसे नोचती है मानो वे ही इस अन्याय के लिए दोषी हों। यह भी ध्यान दें कि उस गलियारे में खड़ा भव्य मूर, संसुएना का राजा मार्सिलियो है, जिसने मूर की धृष्टता देखकर तुरंत उसे (यद्यपि उसका रिश्तेदार और उसका प्रिय) पकड़ने और रिवाज़ के अनुसार शहर की गलियों में घुमाते हुए दो सौ कोड़े मारने का आदेश दिया, उसके आगे उद्घोषक और पीछे न्याय अधिकारी चल रहे थे; और यहाँ आप उन्हें सजा को अमल में लाते

हुए देखते हैं, जबकि अपराध नाममात्र का ही हुआ है; क्योंकि मूरों में हमारे यहाँ की तरह अभियोग या रिमांड जैसी कोई प्रथा नहीं है।
तभी डॉन क्विक्सोट ने पुकारा, "बच्चे, बच्चे, अपनी कहानी सीधे-सीधे सुनाओ, घुमाव-फिराव मत करो, क्योंकि किसी तथ्य को स्पष्ट रूप से स्थापित करने के लिए बहुत सारे प्रमाण और पुष्टि की आवश्यकता होती है;" और भीतर से गुरु पेड्रो ने कहा, "बच्चे, अपने मूल पाठ पर टिके रहो और जैसा सज्जन कह रहे हैं वैसा ही करो; यही सबसे अच्छा तरीका है; अपने सरल गीत पर कायम रहो, और सुरों को मिलाने की कोशिश मत करो, क्योंकि वे अधिक जटिल होने के कारण बिगड़ सकते हैं।"
“मैं करूँगा,” लड़के ने कहा, और आगे बोला, “घोड़े पर सवार, गैस्कॉन लबादे से ढके हुए यह व्यक्ति, जिसे आप यहाँ देख रहे हैं, स्वयं डॉन गैफेरोस हैं, जिनकी पत्नी, अब उस कामुक मूर के अपमान का बदला लेकर, मीनार की बालकनी पर शांत और गंभीर चेहरे के साथ खड़ी होकर, उन्हें बिना पहचाने ही देख लेती हैं; और वह अपने पति को कोई यात्री समझकर उनसे बात करती हैं, और उनके साथ उस गाथागीत में वर्णित सारी बातचीत और संवाद करती हैं—
{श्लोक
यदि आप, महाराज शूरवीर, फ्रांस जा रहे हैं,
ओह! गैफेरोस से पूछो—
{श्लोक
जिसका वर्णन मैं यहाँ नहीं दोहरा रहा हूँ क्योंकि अधिक वर्णन से अरुचि उत्पन्न होती है; इतना ही काफी है कि डॉन गैफेरोस को कैसे पता चलता है, और मेलिसेंद्रा अपने प्रसन्न भावों से हमें दर्शाती है कि उसने उसे पहचान लिया है; और इतना ही नहीं, अब हम देखते हैं कि वह बालकनी से नीचे उतरकर अपने पति के घोड़े की पीठ पर बैठ जाती है। लेकिन हे भगवान! अभागी महिला, उसकी पेटीकोट का किनारा बालकनी की एक छड़ में फंस गया है और वह हवा में लटकी रह गई है, ज़मीन तक पहुँचने में असमर्थ है। लेकिन आप देखिए कैसे दयालु ईश्वर हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत में सहायता भेजता है; डॉन गैफेरोस आगे बढ़ता है, और इस बात की परवाह किए बिना कि कीमती पेटीकोट फटी है या नहीं, वह उसे पकड़ लेता है और बलपूर्वक ज़मीन पर गिरा देता है, और फिर एक झटके में उसे अपने घोड़े की पीठ पर, एक पुरुष की तरह बिठा देता है, और उसे कसकर पकड़ने और अपनी बाहों को उसकी गर्दन के चारों ओर लपेटने के लिए कहता है, ताकि वह गिर न जाए,

क्योंकि मेलिसेंद्रा को इस तरह की घुड़सवारी की आदत नहीं थी। आप यह भी देखिए कि घोड़े की हिनहिनाहट उसके स्वामी और स्वामिनी के रूप में उस वीर और सुंदर भार को उठाने से उसकी संतुष्टि को दर्शाती है। आप देखिए कि वे कैसे मुड़कर शहर को छोड़कर आनंद और प्रसन्नता से पेरिस की ओर चल पड़ते हैं। हे सच्चे प्रेमियों के अद्वितीय जोड़े, शांति से जाइए! आप अपने प्रतीक्षित वतन को सुरक्षित रूप से पहुँचें, और भाग्य आपकी सफल यात्रा में कोई बाधा न डाले; आपके मित्रों और रिश्तेदारों की निगाहें आपको अपने जीवन के शेष दिनों को शांति और सुकून से बिताते हुए देखें—और वे दिन नेस्टर के दिनों जितने लंबे हों!
यहां मास्टर पेड्रो ने फिर से पुकार कर कहा, "सादगी से रहो, लड़के! दिखावटी बातें मत करो; हर तरह का ढोंग बुरा होता है।"
दुभाषिए ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन आगे कहा, "वहाँ हर चीज़ पर नज़र रखने वाली आँखों की कमी नहीं थी, उन्होंने मेलिसेन्द्रा को नीचे आते और ऊपर जाते देखा, और यह खबर राजा मार्सिलियो तक पहुँच गई, जिन्होंने तुरंत अलार्म बजाने का आदेश दिया; और देखिए वहाँ क्या हलचल मची है, और कैसे शहर सभी मस्जिदों के बुर्जों में बजने वाली घंटियों की आवाज़ से गूंज रहा है।" "नहीं, नहीं," डॉन क्विक्सोट ने इस पर कहा; "घंटियों के बारे में मास्टर पेड्रो का बयान बिल्कुल गलत है, क्योंकि मूरों में घंटियों का इस्तेमाल नहीं होता; केवल ढोल और एक तरह का छोटा तुरही जैसा वाद्य यंत्र होता है; संसुएना में इस तरह घंटियाँ बजाना निस्संदेह एक बड़ी बेवकूफी है।"
यह सुनकर मास्टर पेड्रो ने घंटी बजाना बंद कर दिया और कहा, "छोटी-छोटी बातों पर ध्यान मत दो, सेनोर डॉन क्विक्सोट, और न ही ऐसी पूर्णता की उम्मीद रखो जो असंभव है। क्या हमारे चारों ओर लगभग हर दिन हज़ारों हास्य नाटक नहीं दिखाए जाते, जिनमें हज़ारों गलतियाँ और बेतुकी बातें होती हैं, और फिर भी वे सफल होते हैं, और न केवल तालियों से, बल्कि प्रशंसा और अन्य सभी भावों से सुने जाते हैं? आगे बढ़ो, बेटा, और चिंता मत करो; जब तक मेरी जेब भरती रहेगी, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी ही गलतियाँ दिखाऊँ, जितनी सूर्य की किरण में कण होते हैं।"
“बिल्कुल सही,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; और लड़का आगे बोला: “देखो, शहर से घुड़सवारों की कितनी विशाल और चमकीली भीड़ उन दो वफादार प्रेमियों का पीछा करते हुए निकल रही है, तुरहियों की कैसी गूंज है, सींगों की कैसी

आवाज़ है, ढोल और तबले कैसे बज रहे हैं; मुझे डर है कि वे उन्हें पकड़ लेंगे और उनके ही घोड़े की पूंछ से बांधकर वापस ले आएंगे, जो एक भयानक दृश्य होगा।”
लेकिन डॉन क्विक्सोट ने मूरों की इतनी बड़ी भीड़ और इतना शोर सुनकर भगोड़ों की मदद करना उचित समझा और खड़े होकर ऊँची आवाज़ में कहा, "जब तक मैं जीवित हूँ, मैं डॉन गैफेरोस जैसे प्रसिद्ध योद्धा और निडर प्रेमी के साथ अपनी उपस्थिति में कभी भी कोई कुटिलता नहीं होने दूँगा। रुको! नीच भीड़, उसका पीछा मत करो, वरना तुम्हें मुझसे युद्ध में निपटना होगा!" और अपने शब्दों के अनुरूप उसने अपनी तलवार निकाली और एक ही छलांग में वहाँ पहुँच गया और अभूतपूर्व तेज़ी और क्रोध से मूरों की कठपुतली सेना पर वार बरसाने लगा, कुछ को गिरा दिया, कुछ के सिर काट दिए, एक को अपंग कर दिया और दूसरे को ध्वस्त कर दिया; और कई वारों के बीच उसने एक ऐसा वार किया, जिसे अगर मास्टर पेड्रो झुककर, खुद को छोटा करके, रास्ते से हटकर बच न जाता, तो उसका सिर ऐसे धड़ से अलग हो जाता जैसे वह बादाम के पेस्ट का बना हो। मास्टर पेड्रो चिल्लाता रहा, "जोर से पकड़ो! सेनर डॉन क्विक्सोट! क्या तुम्हें दिखाई नहीं दे रहा कि तुम जिन्हें गिरा रहे हो, मार रहे हो और नष्ट कर रहे हो, वे असली मूर नहीं हैं, बल्कि गत्ते की छोटी-छोटी आकृतियाँ हैं! देखो— मैं पापी हूँ!—तुम कैसे मेरी सारी दौलत बर्बाद कर रहे हो!" लेकिन इसके बावजूद, डॉन क्विक्सोट ने वारों, कटों, वारों और पीछे से वारों की निरंतर बौछार करना बंद नहीं किया, और अंत में, दो क्रेडो से भी कम समय में, उसने पूरे शो को ज़मीन पर गिरा दिया, उसके सभी साजो-सामान और आकृतियाँ चकनाचूर होकर बिखर गईं, राजा मार्सिलियो बुरी तरह घायल हो गया, और सम्राट शारलेमेन का मुकुट और सिर दो टुकड़ों में बंट गया। पूरा दर्शक वर्ग अचंभित हो गया, बंदर सराय की छत पर भाग गया, चचेरा भाई डर गया, और यहां तक कि सांचो पांजा खुद भी बहुत भयभीत था, क्योंकि जैसा कि उसने तूफान थमने के बाद शपथ लेकर कहा, उसने अपने स्वामी को कभी भी इतने उग्र आवेश में नहीं देखा था।
इस तरह शो के पूरी तरह नष्ट हो जाने पर, डॉन क्विक्सोट थोड़ा शांत हुआ और बोला, "काश, आज मेरे सामने वे सभी लोग होते जो यह नहीं मानते या मानना नहीं चाहते कि दुनिया में वीर योद्धा कितने उपयोगी होते हैं; ज़रा सोचो, अगर मैं यहाँ मौजूद न होता, तो बहादुर डॉन गैफेरोस और सुंदर मेलिसेंद्रा का क्या

होता! यकीन मानो, अब तक वे कुत्ते उन्हें पकड़ लेते और उन पर कोई अत्याचार कर देते। तो फिर, आज धरती पर हर प्राणी से बढ़कर वीर योद्धाओं की जय हो!" "इसे जीने दो, और इसका स्वागत है," मास्टर पेड्रो ने इस पर कमजोर स्वर में कहा, "और मुझे मरने दो, क्योंकि मैं इतना दुर्भाग्यशाली हूँ कि मैं राजा डॉन रोड्रिगो के साथ यह कह सकता हूँ—"
{श्लोक
कल मैं स्पेन का स्वामी था
आज मेरे पास एक भी बुर्ज नहीं बचा है
जिसे मैं अपना कह सकूँ।
{श्लोक
आधा घंटा भी नहीं, बल्कि अभी एक मिनट पहले ही, मैं खुद को राजाओं और सम्राटों का स्वामी समझता था, मेरे अस्तबल अनगिनत घोड़ों से भरे थे, और मेरे संदूक और थैले अनगिनत रंगीन वस्त्रों से लदे थे; और अब मैं खुद को बर्बाद और हारा हुआ, बेसहारा और भिखारी पाता हूँ, और सबसे बढ़कर अपने बंदर के बिना, क्योंकि कसम से, उसे पकड़ने से पहले मुझे अपने दाँतों से पसीना बहाना पड़ेगा; और यह सब यहाँ मौजूद उस शूरवीर के निर्मम क्रोध के कारण है, जिसके बारे में लोग कहते हैं कि वह अनाथों की रक्षा करता है, अन्याय का निवारण करता है और अन्य परोपकारी कार्य करता है; लेकिन जिसकी उदार भावनाएँ केवल मेरे मामले में विफल रहीं, ईश्वर की कृपा और प्रशंसा हो! सचमुच, वह शूरवीर कितना दयनीय होगा जिसने मेरा चेहरा बिगाड़ दिया।
मास्टर पेड्रो के शब्दों से सांचो पांजा भावुक हो गया और उसने उनसे कहा, "रोओ मत और विलाप मत करो, मास्टर पेड्रो; तुमने मेरा दिल तोड़ दिया है; मैं तुम्हें बता दूं कि मेरे गुरु, डॉन क्विक्सोट, इतने सच्चे और ईमानदार ईसाई हैं कि अगर उन्हें पता चलता है कि उन्होंने तुम्हारे साथ कोई गलती की है, तो वे उसे स्वीकार करेंगे और उसकी भरपाई करने और उससे भी अधिक करने को तैयार रहेंगे।"
"बस सेनर डॉन क्विक्सोट मुझे उस काम के कुछ हिस्से का भुगतान कर दें जिसे उन्होंने नष्ट कर दिया है," मास्टर पेड्रो ने कहा, "और मैं संतुष्ट हो जाऊंगा, और उनके सम्माननीय व्यक्ति का अंतरात्मा शांत हो जाएगा, क्योंकि जो व्यक्ति मालिक की इच्छा के विरुद्ध दूसरे की वस्तु अपने पास रखता है और कोई प्रतिपूर्ति नहीं करता है, उसे मुक्ति नहीं मिल सकती।"

"यह सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन फिलहाल मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि मुझे आपसे कुछ मिला है, मास्टर पेड्रो।"
"क्या!" मास्टर पेड्रो ने जवाब दिया; "और ये अवशेष जो यहाँ नंगी, कठोर ज़मीन पर पड़े हैं—इन्हें बिखेरने और चकनाचूर करने का कारण उस शक्तिशाली भुजा की अजेय शक्ति के सिवा और क्या हो सकता है? और ये अवशेष किसके थे, मेरे सिवा और क्या? और मैं अपनी जीविका किससे कमाता था, सिवा इन्हीं से?"
“अब मुझे पूरा यकीन हो गया है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जो मैं पहले भी कई बार मानता आया था; कि जो जादूगर मुझे सता रहे हैं, वे बस मेरी आँखों के सामने इस तरह की आकृतियाँ रखते हैं और फिर उन्हें अपनी मर्ज़ी से बदल देते हैं। मैं पूरी सच्चाई और ईमानदारी से आप सभी सज्जनों को आश्वस्त करता हूँ जो अब मुझे सुन रहे हैं, कि यहाँ जो कुछ भी हुआ है, वह मुझे अक्षरशः घटित होता हुआ प्रतीत हुआ, कि मेलिसेंद्रा मेलिसेंद्रा थी, डॉन गैफेरोस डॉन गैफेरोस, मार्सिलियो मार्सिलियो और शारलेमेन शारलेमेन। इसी कारण मेरा क्रोध भड़का; और एक वीर योद्धा के रूप में अपने कर्तव्य के प्रति वफादार रहते हुए मैंने भागने वालों की सहायता और सुरक्षा करने का प्रयास किया, और इसी नेक इरादे से मैंने वह किया जो आपने देखा है। यदि परिणाम मेरे इरादे के विपरीत हुआ है, तो यह मेरी गलती नहीं है, बल्कि उन दुष्ट प्राणियों की गलती है जो मुझे सता रहे हैं; लेकिन फिर भी, मैं अपनी इस गलती के लिए खुद को सजा भुगतने के लिए तैयार हूँ, भले ही यह दुर्भावना से प्रेरित न हो; मास्टर पेड्रो जो चाहे देख ले। "क्षतिग्रस्त आंकड़ों के लिए, मैं इसे तुरंत कैस्टिले की प्रचलित और सही मुद्रा में चुकाने के लिए सहमत हूं।"
मास्टर पेड्रो ने उन्हें प्रणाम करते हुए कहा, "ला मांचा के वीर डॉन क्विक्सोट की दुर्लभ ईसाई धर्मनिष्ठा से मुझे इससे कम की उम्मीद नहीं थी, जो सभी बेसहारा और जरूरतमंद आवारा लोगों के सच्चे सहायक और रक्षक थे; यहाँ के जमींदार और महान सांचो पांजा, आपके और मेरे बीच इन जर्जर मूर्तियों के मूल्य या संभावित मूल्य का मध्यस्थ और निर्णायक होंगे।"
जमींदार और सांचो सहमत हो गए, और फिर मास्टर पेड्रो ने जमीन से सारागोसा के राजा मार्सिलियो को सिर कटे हुए उठाया और कहा, "देखिए, इस राजा को उसकी पूर्वस्थिति में वापस लाना कितना असंभव है, इसलिए मैं सोचता हूँ, आपके विवेक का इस्तेमाल करते हुए, कि उसकी मृत्यु के लिए मुझे साढ़े चार रीयल दिए जाएँ।"

"आगे बढ़ो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"तो फिर, ऊपर से नीचे तक इस विखंडन के लिए," मास्टर पेड्रो ने विभाजित सम्राट शारलेमेन की मूर्ति को उठाते हुए कहा, "अगर मैं पांच रीयल और एक चौथाई मांगूं तो यह बहुत ज्यादा नहीं होगा।"
"यह छोटा नहीं है," सांचो ने कहा।
"और यह ज्यादा भी नहीं है," मकान मालिक ने कहा; "बराबर कर दो, और पांच रील्स कह दो।"
"उसे पूरे सवा पाँच खाने दो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि इस भयानक आपदा का कुल योग एक सवा कम या ज्यादा से तय नहीं होता; और इसे जल्दी खत्म करो, मास्टर पेड्रो, क्योंकि रात के खाने का समय हो रहा है, और मुझे भूख लगने लगी है।"
"इस आकृति के लिए," मास्टर पेड्रो ने कहा, "जिसकी नाक नहीं है, एक आंख नहीं है, और जो सुंदर मेलिसेंद्रा है, मैं उचित मूल्य पर दो रील्स और बारह मारावेडिस मांगता हूं।"
“अगर मेलिसेन्द्रा और उसके पति अब तक कम से कम फ्रांसीसी सीमा पर नहीं पहुँचे हैं, तो इसमें ज़रूर कुछ गड़बड़ है, क्योंकि जिस घोड़े पर वे सवार थे, वह मुझे सरपट दौड़ने के बजाय उड़ता हुआ लग रहा था; इसलिए मुझे यहाँ बिना नाक वाली मेलिसेन्द्रा दिखाकर झूठ बोलने की ज़रूरत नहीं है, जबकि हो सकता है कि वह अब फ्रांस में अपने पति के साथ आराम से रह रही हो। हे गुरु पेड्रो, ईश्वर सबकी मदद करे, और हम सब निष्पक्ष और ईमानदारी से आगे बढ़ें; और अब आगे बढ़ो।”
मास्टर पेड्रो ने देखा कि डॉन क्विक्सोट भटकने लगा है और अपनी पुरानी कल्पनाओं में खो गया है, इसलिए वह उसे भागने देना नहीं चाहता था। उसने उससे कहा, "यह मेलिसेंद्रा नहीं हो सकती, बल्कि उसकी सेवा करने वाली युवतियों में से एक होगी; इसलिए अगर मुझे इसके लिए साठ मारावेडिस मिल जाएं, तो मैं संतुष्ट हो जाऊंगा और मुझे पर्याप्त भुगतान मिल जाएगा।"
और इस तरह वह आगे बढ़ता गया, और भी कई टूटी-फूटी आकृतियों का मूल्य निर्धारित करता गया, जिसे दोनों मध्यस्थों द्वारा दोनों पक्षों की संतुष्टि के अनुसार समायोजित करने के बाद, चालीस रील्स और तीन-चौथाई हो गया; और इस राशि के अतिरिक्त, जिसे सांचो ने तुरंत खर्च कर दिया, मास्टर पेड्रो ने बंदर को पकड़ने में अपनी मेहनत के लिए दो रील्स की मांग की।

"उसे ये लेने दो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "बंदर को पकड़ने के लिए नहीं, बल्कि शराब पीने के लिए; और मैं इस समय दो सौ डॉलर उस खुशखबरी के लिए दे दूंगा, जो मुझे निश्चित रूप से बता सके कि लेडी डोना मेलिसांद्रा और सेनर डॉन गैफेरोस अब फ्रांस में अपने लोगों के साथ हैं।"
"मेरे बंदर से बेहतर यह बात हमें कोई नहीं बता सकता," मास्टर पेड्रो ने कहा; "लेकिन अब उसे कोई पकड़ नहीं सकता; हालांकि मुझे लगता है कि स्नेह और भूख उसे आज रात मुझे ढूंढने के लिए मजबूर कर देंगे; लेकिन कल जल्दी ही आ जाएगा और हम देखेंगे।"
संक्षेप में, कठपुतली शो का हंगामा थम गया, और डॉन क्विक्सोट के खर्चे पर सभी ने शांति और सौहार्द के साथ भोजन किया, क्योंकि वह उदारता की पराकाष्ठा था। सूर्योदय से पहले भाले और गदा लिए आदमी चला गया, और भोर होते ही चचेरा भाई और सेवक डॉन क्विक्सोट को विदाई देने आए, चचेरा भाई घर लौट गया, जबकि सेवक अपनी यात्रा पर निकल पड़ा, जिसके लिए डॉन क्विक्सोट ने उसे बारह रील्स दिए। मास्टर पेड्रो डॉन क्विक्सोट के साथ और कोई बात नहीं करना चाहता था, जिसे वह अच्छी तरह जानता था; इसलिए वह सूर्योदय से पहले उठा, और अपने शो का बचा हुआ सामान इकट्ठा करके और अपने बंदर को पकड़कर, वह भी अपने रोमांच की तलाश में निकल पड़ा। मकान मालिक, जो डॉन क्विक्सोट को नहीं जानता था, उसकी पागलपन भरी हरकतों और उसकी उदारता दोनों से चकित था। अंत में, सांचो ने अपने स्वामी के आदेशानुसार उसे बहुत उदारतापूर्वक भुगतान किया, और उससे विदा लेकर वे सुबह लगभग आठ बजे सराय से निकलकर सड़क पर चल पड़े, जहाँ हम उनकी आगे की यात्रा को यहीं छोड़ देंगे, क्योंकि यह आवश्यक है ताकि कुछ अन्य बातों को स्पष्ट किया जा सके, जो इस प्रसिद्ध इतिहास को समझने के लिए आवश्यक हैं।

27

अध्याय
इसमें दिखाया गया है कि मास्टर पेड्रो और उसका बंदर कौन थे, साथ ही डॉन क्विक्सोट के साथ हुई उस दुर्घटना का भी वर्णन है जो उसने बंदर की आवाज़ निकालने के साहसिक कार्य में झेली थी, जिसका अंत उसकी इच्छा या अपेक्षा के अनुरूप नहीं हुआ।
इस महान इतिहास के लेखक सिदे हामेटे ने इस अध्याय की शुरुआत इन शब्दों से की है, "मैं एक कैथोलिक ईसाई के रूप में शपथ लेता हूँ;" जिसके संबंध में उनके अनुवादक का कहना है कि सिदे हामेटे द्वारा कैथोलिक ईसाई के रूप में शपथ लेना, क्योंकि वे निस्संदेह एक मूर थे, का अर्थ केवल यह था कि जिस प्रकार एक कैथोलिक ईसाई शपथ लेते समय सत्य की शपथ लेता है और अपने कथन में सत्य बताता है, उसी प्रकार वे भी सत्य बता रहे थे, मानो वे कैथोलिक ईसाई के रूप में शपथ ले रहे हों, क्विक्सोट के बारे में उन्होंने जो कुछ भी लिखा, उसमें, विशेष रूप से यह बताते हुए कि मास्टर पेड्रो कौन थे और वह भविष्य बताने वाला बंदर कौन था जिसने अपनी भविष्यवाणियों से सभी गांवों को चकित कर दिया था। वे आगे कहते हैं कि जिसने भी इस इतिहास का पहला भाग पढ़ा है, उसे गिन्स डी पासामोंटे अच्छी तरह याद होंगे, जिन्हें डॉन क्विक्सोट ने अन्य दासों के साथ सिएरा मोरेना में मुक्त कर दिया था: एक ऐसा उपकार जिसके लिए उन्हें बाद में उस दुष्ट, कुटिल समूह से तुच्छ धन्यवाद और उससे भी बुरा प्रतिफल मिला। यह जिन्स डी पासामोंटे—डॉन क्विक्सोट ने इसे डॉन जिनेसिल्लो डी पारापिला नाम दिया था—वही था जिसने सांचो पांजा से डैपल चुराया था; क्योंकि पहले भाग में मुद्रणकर्ताओं की गलती के कारण न तो कैसे और न ही कब का उल्लेख किया गया था, इसलिए यह कई लोगों के लिए एक पहेली बना हुआ है, जो लेखक की खराब स्मृति को छापने की गलती मानते हैं। वास्तव में, जिन्स ने उसे तब चुराया जब सांचो पांजा उसकी पीठ पर सो रहा था, उसी योजना और युक्ति का उपयोग करते हुए जो ब्रुनेलो ने अल्ब्राका की घेराबंदी के दौरान सैक्रिपांते के घोड़े को उसके पैरों के बीच से चुराते समय अपनाई थी; और जैसा कि बताया गया है, सांचो ने बाद में उसे वापस पा लिया था। तब, जिन्स को न्याय के अधिकारियों द्वारा पकड़े जाने का डर सता रहा था, जो उसके अनगिनत दुराचारों और अपराधों (जो इतने अधिक और इतने बड़े थे कि उसने स्वयं

मास्टर पेड्रो और उसके बंदर की कहानी यहीं समाप्त होती है; अब ला मांचा के डॉन क्विक्सोट की ओर लौटते हैं। सराय से निकलने के बाद, उसने सबसे पहले एब्रो नदी के किनारे और उसके आसपास के इलाकों का भ्रमण करने का निश्चय किया, इससे पहले कि वह सारागोसा शहर में प्रवेश करे, क्योंकि वहाँ अभी भी पर्याप्त समय था और युद्ध प्रतियोगिताओं के समाप्त होने से पहले उसके पास सभी के लिए पर्याप्त समय था। इसी उद्देश्य से वह सड़क पर चल पड़ा और दो दिनों तक बिना किसी उल्लेखनीय घटना के उस पर यात्रा करता रहा, जब तक कि तीसरे दिन, एक पहाड़ी पर चढ़ते समय, उसने ढोल, तुरही और बंदूकों की गोलियों की तेज़ आवाज़ नहीं सुनी। पहले तो उसने सोचा कि सैनिकों की कोई टुकड़ी उस रास्ते से गुज़र रही है, और उन्हें देखने के लिए उसने रोसिनांटे को घोड़े पर सवार किया और पहाड़ी पर चढ़ गया। चोटी पर पहुँचकर उसने देखा कि उसके नीचे दो सौ से अधिक लोग थे, जो विभिन्न प्रकार के हथियारों से लैस थे, जिनमें भाले, धनुष, गुरिल्ला, हलबर्ड और पाइक शामिल थे, साथ ही कुछ बंदूकें और बहुत सारी ढालें भी थीं। वह ढलान से नीचे उतरा और झंडे के इतने करीब पहुंचा कि उसे झंडे साफ दिखाई देने लगे, उनके रंग पहचान में आ गए और उन पर बने चिन्ह भी स्पष्ट हो गए, खासकर सफेद साटन के एक मानक या प्रतीक चिन्ह पर बना एक चिन्ह, जिस पर बहुत ही सजीव ढंग से एक छोटे सार्ड जैसे गधे का चित्र बना हुआ था, जिसका सिर ऊपर उठा हुआ था, मुंह खुला हुआ था और जीभ बाहर निकली हुई थी, मानो वह रेंक रहा हो; और उसके चारों ओर बड़े अक्षरों में ये दो पंक्तियाँ अंकित थीं—
{श्लोक
उनकी गर्जना व्यर्थ नहीं थी।
हमारे दोनों अल्काल्डेस।
{श्लोक
इस उपकरण से डॉन क्विक्सोट ने निष्कर्ष निकाला कि ये लोग अवश्य ही गधे की आवाज़ करने वाले कस्बे से होंगे, और उन्होंने सांचो से यही कहा, साथ ही उसे ध्वज पर लिखी बात भी समझाई। उसी समय उन्होंने यह भी देखा कि जिस व्यक्ति ने उन्हें इस मामले के बारे में बताया था, उसका यह कहना गलत था कि गधे की आवाज़ करने वाले दोनों रेगिडोर थे, क्योंकि ध्वज पर लिखी पंक्तियों के अनुसार वे अल्काल्डे थे। इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "महोदय, इसमें कोई संदेह नहीं है, क्योंकि हो सकता है कि गधे की आवाज़ करने वाले रेगिडोर बाद

में अपने कस्बे के अल्काल्डे बन गए हों, और इसलिए वे दोनों उपाधियों से जाने जाते हों; इसके अलावा, कहानी की सच्चाई से इसका कोई लेना-देना नहीं है कि गधे की आवाज़ करने वाले अल्काल्डे थे या रेगिडोर, बशर्ते कि उन्होंने गधे की आवाज़ की हो; क्योंकि एक अल्काल्डे के लिए भी गधे की आवाज़ करना उतना ही संभव है जितना कि एक रेगिडोर के लिए।" संक्षेप में, उन्हें स्पष्ट रूप से समझ आ गया कि जिस कस्बे का मज़ाक उड़ाया गया था, उसने किसी दूसरे कस्बे से युद्ध छेड़ दिया था जिसने उसका ज़रूरत से ज़्यादा मज़ाक उड़ाया था।
डॉन क्विक्सोट उनके साथ शामिल होने के लिए आगे बढ़ा, जिससे सांचो थोड़ा असहज हो गया, क्योंकि उसे इस तरह के अभियानों में शामिल होना कभी पसंद नहीं था। टुकड़ी के सदस्यों ने उसे अपने बीच में स्वीकार कर लिया, यह सोचकर कि वह उनका पक्ष ले रहा है। डॉन क्विक्सोट ने अपना विज़र ऊपर उठाया और सहज भाव से गधे वाले झंडे की ओर बढ़ा, और सेना के सभी प्रमुख लोग उसे देखने के लिए उसके चारों ओर जमा हो गए, और उसे पहली बार देखकर होने वाले सामान्य आश्चर्य से उसे घूरने लगे। डॉन क्विक्सोट ने देखा कि वे उसे इतनी ध्यान से देख रहे हैं, और उनमें से कोई भी उससे बात नहीं कर रहा है या कोई प्रश्न नहीं पूछ रहा है, इसलिए उसने उनकी चुप्पी का फायदा उठाने का निश्चय किया; इसलिए, अपनी बात तोड़ते हुए, उसने ऊँची आवाज़ में कहा, "महोदय, मैं आपसे अत्यंत विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूँ कि आप मेरे द्वारा दिए जाने वाले इस तर्क को तब तक बाधित न करें जब तक कि यह आपको अप्रिय या थकाऊ न लगे; और यदि ऐसा हुआ, तो आपके जरा से भी संकेत पर मैं अपने होठों पर मुहर लगा लूँगा और अपनी जीभ पर पट्टी बाँध लूँगा।"
उन सभी ने उससे कहा कि वह जो चाहे बोले, क्योंकि वे खुशी-खुशी उसकी बात सुनेंगे।
इस अनुमति के साथ डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा, "महोदय, मैं एक वीर योद्धा हूँ जिसका पेशा शस्त्र-संचालन है, और जिसका कार्य जरूरतमंदों की रक्षा करना और उनकी सहायता करना है। कुछ दिन पहले मुझे आपकी विपत्ति और उस कारण का पता चला जिसने आपको बार-बार अपने शत्रुओं से बदला लेने के लिए हथियार उठाने पर मजबूर किया; और आपके इस कार्य पर कई बार विचार करने के बाद, मुझे लगता है कि युद्ध के नियमों के अनुसार, आप स्वयं को अपमानित मानने में गलत हैं; क्योंकि एक व्यक्ति पूरे समुदाय का अपमान नहीं कर सकता; सिवाय इसके कि वह

उसे सामूहिक रूप से देशद्रोही घोषित कर दे, क्योंकि वह यह नहीं बता सकता कि विशेष रूप से कौन उस राजद्रोह का दोषी है जिसके लिए वह उसे चुनौती दे रहा है। इसका एक उदाहरण डॉन डिएगो ऑर्डोनेज़ डी लारा में मिलता है, जिसने ज़मोरा शहर को चुनौती दी थी, क्योंकि वह नहीं जानता था कि उसके राजा की हत्या का विश्वासघात केवल वेलिडो डॉल्फोस ने किया था; और इसलिए उसने उन सभी को चुनौती दी, और प्रतिशोध और जवाब सभी से संबंधित था; हालाँकि, हाँ, सेनर डॉन डिएगो ने वाकई हद से ज़्यादा ही बोल दिया, बल्कि अवज्ञा की सीमा को बहुत पार कर दिया; क्योंकि उन्हें मृतकों, जल, मछलियों, अजन्मे बच्चों और बाकी सब का अपमान करने का कोई कारण नहीं था; लेकिन इसे जाने दो, क्योंकि जब क्रोध भड़क उठता है तो उसे रोकने के लिए कोई पिता, शासक या लगाम नहीं होती। इसलिए, चूंकि कोई भी व्यक्ति किसी राज्य, प्रांत, शहर, राज्य या पूरे समुदाय का अपमान नहीं कर सकता, तो ऐसे अपमान का बदला लेने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि यह अपमान है ही नहीं। यह कितनी अच्छी बात होगी अगर घड़ी वाले शहर के लोग हर पल उन सभी से झगड़ते रहें जो उन्हें उस नाम से पुकारते हैं, - या कैज़ोलेरोस, बेरेनगेनेरोस, बैलेनाटोस, जैबोनेरोस, या उन सभी नामों और उपाधियों के धारकों से जो हमेशा लड़कों और आम लोगों के मुंह में रहते हैं! यह वाकई एक अच्छा मामला होगा अगर ये सभी प्रतिष्ठित शहर नाराज़ होकर बदला लें और हर छोटी-मोटी कहा-सुनी में तलवारों से बेवजह शोर मचाते रहना! नहीं, नहीं; ऐसा कभी न हो! समझदार लोगों और सुव्यवस्था वाले राज्यों को चार कारणों से हथियार उठाने चाहिए, तलवारें खींचनी चाहिए और अपनी जान, जान और माल को जोखिम में डालना चाहिए। पहला है कैथोलिक धर्म की रक्षा करना; दूसरा, अपने जीवन की रक्षा करना, जो प्राकृतिक और दैवीय कानून के अनुसार है; तीसरा, अपने सम्मान, परिवार और संपत्ति की रक्षा करना; चौथा, न्यायपूर्ण युद्ध में अपने राजा की सेवा करना; और यदि हम इनमें पाँचवाँ कारण भी जोड़ना चाहें (जो दूसरे में शामिल हो सकता है), तो अपने देश की रक्षा करना। इन पाँचों कारणों में, जो कि मूल कारण हैं, कुछ अन्य कारण भी जोड़े जा सकते हैं जो न्यायसंगत और उचित हों और हथियार उठाना कर्तव्य बनाते हों; लेकिन तुच्छ बातों और हंसी-मजाक के लिए हथियार उठाना, जिससे नाराज होने के बजाय मनोरंजन हो, ऐसा लगता है जैसे ऐसा करने वाले में सामान्य ज्ञान की पूरी तरह कमी है। इसके अलावा, अन्यायपूर्ण बदला लेना (और कोई भी न्यायसंगत बदला हो ही नहीं सकता) सीधे तौर पर यह उस पवित्र कानून के विपरीत है जिसे हम मानते

हैं, जिसमें हमें अपने शत्रुओं के साथ भलाई करने और हमसे घृणा करने वालों से प्रेम करने का आदेश दिया गया है; यह आदेश, हालांकि पालन करने में कुछ कठिन प्रतीत होता है, केवल उन्हीं लोगों के लिए कठिन है जिनमें ईश्वर की अपेक्षा संसार की और शरीर की अपेक्षा आत्मा की अधिक है; क्योंकि यीशु मसीह, ईश्वर और सच्चे मनुष्य, जिन्होंने कभी झूठ नहीं बोला, और न ही बोल सकते थे, ने हमारे कानून निर्माता के रूप में कहा कि उनका जुआ आसान और बोझ हल्का था; इसलिए, वे हम पर ऐसा कोई आदेश नहीं डालते जिसका पालन करना असंभव हो। इसलिए, महोदय, आप मानवीय और दैवीय कानून द्वारा चुप रहने के लिए बाध्य हैं। "मुझे शैतान ले जाए," सांचो ने मन ही मन कहा, "लेकिन मेरा यह गुरु तो धर्मशास्त्री है; या अगर नहीं, तो यकीन मानिए, वह बिल्कुल वैसा ही है जैसे एक अंडा दूसरे अंडे से अलग होता है।"
डॉन क्विक्सोट सांस लेने के लिए रुका, और यह देखकर कि अभी भी शांति बनी हुई है, उसने अपना भाषण जारी रखने का मन बनाया, और ऐसा कर भी देता यदि सांचो ने अपनी चतुराई से हस्तक्षेप न किया होता; अपने स्वामी को रुकते देख, उसने पहल करते हुए कहा, "मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा, जिन्हें कभी शोकग्रस्त चेहरे वाला योद्धा कहा जाता था, लेकिन अब शेरों का योद्धा कहा जाता है, एक अत्यंत विवेकशील सज्जन हैं जो लैटिन और अपनी मातृभाषा को एक कुंवारे की तरह जानते हैं, और वे जिस भी कार्य या सलाह में निपुण सैनिक की तरह व्यवहार करते हैं, उसमें एक अच्छे सैनिक की तरह आगे बढ़ते हैं, और युद्ध के सभी नियमों और आदेशों को उन्हें पूरी तरह से याद है; इसलिए आपको बस इतना करना है कि आप उनकी बातों का अनुसरण करें, और यदि वे गलत हुए तो इसकी जिम्मेदारी मेरी होगी। इसके अलावा, आपको यह भी बताया गया है कि केवल गधे की आवाज़ सुनकर नाराज़ होना मूर्खता है। मुझे याद है जब मैं छोटा था तो मैं जब मन करता था तब गधे की आवाज़ निकालता था, बिना किसी के रोके, और इतनी सहजता और शान से कि जब मैं गधे की आवाज़ निकालता था तो शहर के सभी गधे भी आवाज़ निकालते थे; लेकिन फिर भी मैं अपने माता-पिता का पुत्र था जो बहुत सम्मानित थे; और यद्यपि कई बड़े और शक्तिशाली लोग मेरी इस प्रतिभा से ईर्ष्या करते थे। मुझे उस कस्बे की ज़रा भी परवाह नहीं थी; और यह देखने के लिए कि मैं सच कह रहा हूँ, ज़रा रुकिए और सुनिए, क्योंकि यह कला, तैराकी की तरह, एक बार सीख लेने पर कभी नहीं भूलती;" और फिर, अपनी नाक पकड़कर, वह इतनी ज़ोर से रेंकने लगा कि आसपास की सभी घाटियाँ फिर से गूंज उठीं।

लेकिन पास खड़े लोगों में से एक ने, यह सोचकर कि वह उनका मज़ाक उड़ा रहा है, अपने हाथ में पकड़ी लंबी लाठी उठाई और उससे उसे इतना ज़ोरदार प्रहार किया कि सांचो असहाय होकर ज़मीन पर गिर पड़ा। डॉन क्विक्सोट ने उसे इस तरह बुरी तरह पिटते देख, भाला लेकर उस पर हमला कर दिया, लेकिन इतने सारे लोग बीच में आ गए कि वह बदला नहीं ले सका। बल्कि, अपने ऊपर पत्थरों की बौछार होते देख, और अनगिनत धनुष और बंदूकें ताने देख, उसने रोसिनांटे को घुमाया और जितनी तेज़ी से दौड़ सकता था, उतनी तेज़ी से उनके बीच से भाग निकला। वह पूरे दिल से ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि वह उसे इस खतरे से बचाए, हर कदम पर इस डर से कि कोई गोली उसकी पीठ पर आकर सीने से निकल जाएगी, और हर मिनट यह देखने के लिए अपनी सांस रोक रहा था कि कहीं गोली निकल तो नहीं गई। लेकिन गिरोह के सदस्य उसे भागते देखकर संतुष्ट हो गए और उन्होंने उस पर गोली नहीं चलाई। उन्होंने सांचो को, जो मुश्किल से होश में आया था, उसके गधे पर बिठाया और उसे उसके स्वामी के पीछे जाने दिया; हालाँकि वह इतना होश में नहीं था कि जानवर को रास्ता दिखा सके, लेकिन डैपल रोसिनांटे के पदचिह्नों पर चल पड़ा, जिससे वह एक पल भी अलग नहीं रह सकता था। डॉन क्विक्सोट कुछ दूर जाकर पीछे मुड़ा और सांचो को आते देख उसका इंतज़ार करने लगा, क्योंकि उसे लगा कि कोई उसका पीछा नहीं कर रहा है। सेना के जवान रात तक वहीं डटे रहे और क्योंकि दुश्मन युद्ध के लिए बाहर नहीं आया, वे खुशी मनाते हुए अपने शहर लौट गए; और अगर उन्हें यूनानियों की प्राचीन प्रथा का ज्ञान होता, तो वे उस स्थान पर एक विजय चिन्ह बना देते।

28

अध्याय
बेनेंगेली का कहना है कि जो व्यक्ति इन्हें ध्यान से पढ़ेगा, वह इन्हें जान जाएगा।
जब बहादुर व्यक्ति भागता है, तो विश्वासघात स्पष्ट हो जाता है और बुद्धिमानों को बेहतर अवसरों के लिए खुद को बचाकर रखना चाहिए। डॉन क्विक्सोट के मामले में भी यही हुआ, जो नगरवासियों के क्रोध और क्रोधित सेना के शत्रुतापूर्ण इरादों के आगे झुककर भाग गया और सांचो या उसे जिस खतरे में छोड़कर जा रहा था, उसके बारे में जरा भी सोचे बिना, इतनी दूर चला गया जहाँ उसे लगा कि वह सुरक्षित है। जैसा कि कहा गया है, सांचो अपने गधे पर लेटा हुआ उसके पीछे गया और अंत में होश में आकर उसके पास पहुँचा और डैपल को रोसिनांटे के पैरों में छोड़ दिया, जो बुरी तरह घायल, जख्मी और थका हुआ था। डॉन क्विक्सोट उसके घावों की जाँच करने के लिए घोड़े से उतरे, लेकिन उसे सिर से पैर तक सही-सलामत पाकर उन्होंने क्रोध से कहा, "अशुभ घड़ी में ही तूने रेंगना शुरू किया है, सांचो! तूने यह कहाँ से सीखा कि फाँसी पर लटकाए गए व्यक्ति के घर में रस्सी का ज़िक्र करना उचित होता है? रेंगने की आवाज़ के साथ तू लाठियों के सिवा और क्या धुनें सुन सकता था? ईश्वर का धन्यवाद कर, सांचो, कि उन्होंने अभी-अभी तुझ पर लाठी से क्रॉस का निशान बनाया है, न कि तलवार से।"
"मैं जवाब देने की स्थिति में नहीं हूँ," सांचो ने कहा, "क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने कंधों से बोल रहा हूँ; चलो घोड़े पर सवार होकर यहाँ से चले चलते हैं; मैं चिल्लाने से तो बचूँगा, लेकिन यह कहने से नहीं कि वीर योद्धा भाग जाते हैं और अपने अच्छे साथियों को पिसने के लिए छोड़ देते हैं, या अपने दुश्मनों के हाथों उनका मांस बना दिया जाता है।"
"जो पीछे हटता है, वह उड़ता नहीं है," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ, सांचो, कि विवेक पर आधारित न होने वाली वीरता को उतावलापन कहते हैं, और उतावले व्यक्ति के कारनामे साहस से अधिक सौभाग्य के कारण होते हैं; इसलिए मैं मानता हूँ कि मैं पीछे हटा, भागा नहीं; और इस मामले में मैंने उन अनेक वीर पुरुषों का अनुसरण किया है जिन्होंने बेहतर समय के लिए स्वयं को बचाकर रखा; इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, लेकिन

चूंकि यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा और मुझे प्रसन्न करेगा, इसलिए मैं अभी तुम्हें उनका वर्णन नहीं करूँगा।"
इस समय तक डॉन क्विक्सोट की मदद से सांचो घोड़े पर सवार हो चुका था, फिर डॉन क्विक्सोट खुद रोसिनांटे पर सवार हो गया और वे इत्मीनान से लगभग एक चौथाई मील की दूरी पर स्थित एक उपवन में शरण लेने के लिए आगे बढ़े। सांचो बीच-बीच में गहरी आहें और कराहें भरता रहा, और जब डॉन क्विक्सोट ने उससे पूछा कि उसे इतना तीव्र दर्द क्यों हो रहा है, तो उसने उत्तर दिया कि उसकी रीढ़ की हड्डी के सिरे से लेकर गर्दन के पिछले हिस्से तक इतना दर्द हो रहा है कि वह लगभग बेहोश होने वाला है।
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "उस दर्द का कारण निस्संदेह यह होगा कि जिस लाठी से उन्होंने तुम्हें मारा वह बहुत लंबी थी, और वह तुम्हारी पीठ के निचले हिस्से में लगी, जहाँ दर्द वाले सभी अंग स्थित हैं, और यदि वह और आगे तक पहुँच जाती तो तुम्हारा दर्द और भी बढ़ जाता।"
"हे भगवान," सांचो ने कहा, "आपने मेरी एक बड़ी शंका दूर कर दी है और बड़ी खूबसूरती से सब कुछ स्पष्ट कर दिया है! हे भगवान! क्या मेरे दर्द का कारण इतना रहस्यमय है कि मुझे यह बताने की ज़रूरत है कि जहाँ-जहाँ लाठी से मारा गया है, वहाँ-वहाँ दर्द हो रहा है? अगर मेरे टखनों में दर्द होता तो शायद यह पता लगाने में कुछ बात होती कि ऐसा क्यों हुआ, लेकिन यह पता लगाना कोई बड़ी बात नहीं है कि जहाँ-जहाँ मुझे पीटा गया है, वहाँ दर्द हो रहा है। हे गुरु, मेरी कसम, दूसरों की मुसीबतें बाल बराबर लटकती हैं; हर दिन मुझे यह एहसास हो रहा है कि आपके साथ रहने से मुझे कितनी कम उम्मीद है; क्योंकि अगर इस बार आपने मुझे पिटने दिया है, तो अगली बार, या सौ बार और, हमें फिर से वही सब झेलना पड़ेगा जो कल हुआ था, और वे सारी शरारतें जो अगर आज मेरे कंधों पर आ पड़ी हैं, तो कल मेरे मुँह पर फेंकी जाएँगी। मैं बहुत बेहतर कर सकता था (अगर मैं एक अज्ञानी जानवर न होता जो जीवन भर कोई भला नहीं कर सकता), मैं कहता हूँ, बेहतर होगा कि मैं अपनी पत्नी और बच्चों के पास घर जाऊँ और उनका पालन-पोषण करूँ, जो कुछ ईश्वर मुझे दे, उससे उन्हें पालूँ-पोसूँ, बजाय इसके कि मैं तुम्हारी पूजा-अर्चना के पीछे उन रास्तों पर चलूँ जो कहीं नहीं जाते और जिनका कोई रास्ता ही नहीं है, जहाँ पीने को भी कम और खाने को भी कम मिलता है। और फिर सोने की बात! हे मेरे साथी, धरती पर सात फीट नापो, और अगर वह भी तुम्हारे लिए काफी न हो, तो और नापो, क्योंकि तुम अपनी मर्ज़ी से सब

कुछ पा सकते हो और जी भर कर आराम कर सकते हो। काश, मैं उस पहले आदमी को जलकर राख होते देख पाता जिसने शूरवीरता में दखल दिया, या कम से कम उस पहले आदमी को जिसने ऐसे मूर्खों का साथी बनना चुना, जैसे कि बीते समय के सभी शूरवीर रहे होंगे! आज के लोगों के बारे में मैं कुछ नहीं कहता, क्योंकि, जैसा कि तुम भी उनमें से एक हो, मैं उनका सम्मान करता हूँ, और क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम जो कुछ भी कहते और सोचते हो, उसमें शैतान से भी ज़्यादा समझदारी होती है।
“सांचो, मैं तुमसे शर्त लगाता हूँ कि अब जब तुम बिना किसी रोक-टोक के बोल रहे हो, तो तुम्हें अपने पूरे शरीर में कोई दर्द महसूस नहीं हो रहा होगा। बोलते रहो, मेरे बेटे, जो मन में आए या मुँह से निकले, कह दो; जब तक तुम्हें दर्द नहीं हो रहा, तुम्हारी बदतमीज़ी से मुझे जो झुंझलाहट हो रही है, वही मेरे लिए आनंद है; और अगर तुम अपनी पत्नी और बच्चों के पास घर जाने के लिए इतने बेचैन हो, तो भगवान न करे कि मैं तुम्हें रोकूँ; तुम्हारे पास मेरा पैसा है; देखो, तीसरी बार गाँव छोड़े हुए कितना समय हो गया है, और तुम हर महीने कितना कमा सकते हो और कमाना चाहिए, और अपने हाथों से खुद को भुगतान करो।”
“जब मैं टॉम कैरास्को के लिए काम करता था, जो उस कुंवारे सैमसन कैरास्को के पिता थे जिन्हें आप जानते हैं,” सांचो ने उत्तर दिया, “मुझे खाने के अलावा महीने में दो ड्यूकट मिलते थे; मैं नहीं बता सकता कि मैं आपके यहाँ कितना कमा सकता हूँ, हालाँकि मैं जानता हूँ कि एक वीर योद्धा के सहायक की स्थिति किसान के यहाँ काम करने वाले से कहीं अधिक कठिन होती है; क्योंकि आखिरकार, हम जो किसानों के लिए काम करते हैं, चाहे हम दिन भर कितनी भी मेहनत करें, सबसे बुरी स्थिति में, रात में, हम अपना ओला (एक प्रकार का सूप) का भोजन करते हैं और बिस्तर पर सोते हैं, जिस पर मैं आपके यहाँ सेवा में आने के बाद से नहीं सोया हूँ, सिवाय उस थोड़े समय के जब हम डॉन डिएगो डी मिरांडा के घर में थे, और उस दावत के जो मैंने कैमाचो के बर्तनों से निकाली गई छींटों से की थी, और जो मैंने बेसिलियो के घर में खाया, पिया और सोया था; बाकी सारा समय मैं खुले आसमान के नीचे कठोर ज़मीन पर सोता रहा हूँ, जिसे वे स्वर्ग की कठोरता कहते हैं, उसके संपर्क में, पनीर के टुकड़ों और रोटी के टुकड़ों से अपना जीवन यापन करता रहा हूँ। रोटी और पीने का पानी, जो हम इन पगडंडियों पर चलते हुए मिलने वाली छोटी नदियों या झरनों से प्राप्त करते हैं।"

"मैं मानता हूँ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि तुम जो कुछ भी कहते हो वह सच है; तुम्हें क्या लगता है, टॉम कैरास्को ने तुम्हें जो दिया है, उसके अलावा मुझे तुम्हें और कितना देना चाहिए?"
सांचो ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर आप मेरी मजदूरी में दो रील्स प्रति माह जोड़ दें, तो मैं खुद को अच्छी तनख्वाह मानूंगा; मतलब, मेरी मेहनत की मजदूरी के हिसाब से; लेकिन मुझे एक द्वीप का शासन देने के आपके वादे और प्रतिज्ञा की भरपाई के लिए, छह रील्स और जोड़ना उचित होगा, जिससे कुल तीस रील्स हो जाएंगे।"
"बहुत अच्छा," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "हमें अपना गाँव छोड़े पच्चीस दिन हो गए हैं, इसलिए सांचो, तुमने अपने लिए जो मजदूरी तय की है, उसके हिसाब से हिसाब लगाओ और देखो कि मुझे तुम्हें अनुपात में कितना देना है, और जैसा मैंने पहले कहा था, अपने हाथों से भुगतान कर दो।"
"हे भगवान!" सांचो ने कहा, "लेकिन आपकी गणना में बहुत बड़ी गलती है; क्योंकि जब द्वीप के वादे की बात आती है, तो हमें उस दिन से गिनना होगा जब आपने मुझे यह वादा किया था, और इस समय तक जब हम हैं।"
"अच्छा, सांचो, मैंने तुमसे यह वादा कब किया था?" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "अगर मुझे सही याद है," सांचो ने कहा, "यह बीस साल से अधिक, लगभग तीन दिन कम या ज्यादा होगा।"
डॉन क्विक्सोट ने अपने माथे पर एक ज़ोरदार थप्पड़ मारा और दिल खोलकर हंसने लगा, और बोला, "अरे, मैं सिएरा मोरेना में या अपने पूरे अभियानों में मुश्किल से दो महीने ही भटका हूँ, और तुम कहते हो, सांचो, कि बीस साल हो गए जब मैंने तुम्हें यह द्वीप देने का वादा किया था। मुझे लगता है कि अब तुम चाहते हो कि मेरा सारा पैसा तुम्हारी तनख्वाह में चला जाए। अगर ऐसा है, और अगर यही तुम्हारी इच्छा है, तो मैं तुम्हें यह पैसा अभी, हमेशा के लिए दे देता हूँ, और इससे तुम्हें बहुत फायदा हो, क्योंकि जब तक मैं ऐसे निकम्मे सरदार से छुटकारा पा लेता हूँ, मुझे बिना किसी मार के कंगाल रहना अच्छा लगेगा। लेकिन मुझे बताओ, हे शूरवीरता के नियमों को बिगाड़ने वाले, तुमने कहाँ देखा या पढ़ा है कि किसी शूरवीर के सरदार ने अपने स्वामी से यह शर्त रखी हो, 'तुम्हें मेरी सेवा के लिए मुझे हर महीने इतना देना होगा'? हे बदमाश, धूर्त, राक्षस—मैं तुझे यही समझता हूँ—मैं कहता हूँ, इनके इतिहास के विशाल सागर में गोता लगा; और यदि तुझे पता चले कि किसी सरदार ने कभी भी

वो कहा या सोचा है जो तूने अभी कहा है, तो मैं तुझे उसे मेरे माथे पर कील ठोकने दूँगा, और साथ ही मुझे चार ज़ोरदार थप्पड़ भी मारूँगा। अपने चितकबरे घोड़े की लगाम या पट्टा घुमा और घर चला जा; क्योंकि मेरी संगति में तू एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सकता। हे कृतघ्न रोटी! हे झूठे वादे! हे मनुष्य से भी अधिक जानवर! अब, जब मैं तुझे ऐसी स्थिति तक पहुँचाने वाला था कि तेरी पत्नी के बावजूद, लोग तुझे 'मेरा स्वामी' कहते, तो तू मुझे छोड़कर जा रहा है? तू अब जा रहा है जबकि मेरा दृढ़ निश्चय था कि तुझे दुनिया के सबसे अच्छे द्वीप का स्वामी बनाऊँगा? खैर, जैसा कि तूने स्वयं पहले भी कहा है, शहद मुँह के लिए नहीं होता गधा। तू गधा है, गधा ही रहेगा, और तेरा जीवन चक्र पूरा होने पर तेरा अंत भी गधे के रूप में ही होगा; क्योंकि मैं जानता हूँ कि तेरे यह जानने या समझने से पहले ही कि तू एक जानवर है, तेरा जीवन समाप्त हो जाएगा। जब डॉन क्विक्सोट उसे यह रेटिंग दे रहे थे, तब सांचो उन्हें ध्यान से देख रहा था और पश्चाताप से इतना व्याकुल हो गया कि उसकी आँखों में आँसू आ गए। उसने दयनीय और टूटी हुई आवाज़ में उनसे कहा, "मेरे स्वामी, मैं स्वीकार करता हूँ कि पूरी तरह से गधा बनने के लिए मुझे बस एक पूंछ चाहिए; यदि आप कृपया मुझ पर एक पूंछ लगा दें, तो मैं उसे उचित स्थान पर मानूंगा और अपने शेष जीवन भर एक गधे की तरह आपकी सेवा करूंगा। मुझे क्षमा करें और मेरी मूर्खता पर दया करें, और याद रखें कि मैं बहुत कम जानता हूँ, और यदि मैं बहुत बोलता हूँ, तो यह दुर्भावना से नहीं बल्कि कमजोरी के कारण है; लेकिन जो पाप करता है और सुधार करता है, वह ईश्वर को प्रिय हो जाता है।"
“सांचो, मुझे आश्चर्य होता अगर तुमने अपनी बातों में कोई कहावत न डाली होती। खैर, मैं तुम्हें माफ कर देता हूँ, बशर्ते तुम सुधर जाओ और भविष्य में अपने स्वार्थ के प्रति इतने ग्रस्त न रहो, बल्कि खुश रहो और हिम्मत रखो, और मेरे वादों के पूरा होने की प्रतीक्षा करो, जो देरी होने से असंभव नहीं हो जाते।”
सांचो ने कहा कि वह ऐसा करेगा और यथासंभव अपने दिल को मजबूत रखेगा। फिर वे उपवन में प्रवेश कर गए, और डॉन क्विक्सोट एक एल्म के पेड़ के नीचे बैठ गया, और सांचो एक बीच के पेड़ के नीचे, क्योंकि इस प्रकार के और इनके जैसे अन्य पेड़ों के हमेशा पैर होते हैं, हाथ नहीं। सांचो ने रात दर्द में बिताई, क्योंकि शाम की ओस के साथ लाठी का प्रहार और भी अधिक महसूस होने लगा था। डॉन क्विक्सोट ने अपनी कभी न रुकने वाली एकाग्रता में रात गुजारी; लेकिन

[illegible]

29

अध्याय
जादुई नाव के प्रसिद्ध साहसिक कार्य के बारे में
जैसा कि पहले बताया गया है या नहीं बताया गया है, दो दिन बाद जब डॉन क्विक्सोट ने जंगल छोड़ा, तो वे एब्रो नदी पर पहुँचे। नदी को देखकर डॉन क्विक्सोट को बहुत आनंद आया। वह उसके किनारों की सुंदरता, उसकी निर्मल धारा, उसकी शांत जलधारा और उसके निर्मल जल की प्रचुरता को निहारते हुए मंत्रमुग्ध हो गया। इस सुखद दृश्य ने उसके मन में हजारों कोमल विचार जगा दिए। सबसे बढ़कर, वह मोंटेसिनोस की गुफा में देखी गई घटनाओं पर विचार कर रहा था; क्योंकि यद्यपि मास्टर पेड्रो के बंदर ने उसे बताया था कि उनमें से कुछ बातें सच हैं और कुछ झूठ, फिर भी वह उनकी सच्चाई को झूठ से अधिक महत्व देता था, जो सांचो के बिल्कुल विपरीत था, जो उन सभी को सरासर झूठ मानता था। जब वे आगे बढ़ रहे थे, तभी उन्हें किनारे पर एक पेड़ के तने से बंधी एक छोटी नाव दिखाई दी, जिसमें चप्पू या कोई अन्य सामान नहीं था। डॉन क्विक्सोट ने चारों ओर देखा और किसी को न देखकर, बिना देर किए, रोसिनांटे से उतर गया और सांचो को डैपल से उतरकर दोनों जानवरों को वहाँ खड़े एक चिनार या विलो के पेड़ के तने से कसकर बांधने का आदेश दिया। सांचो ने उससे अचानक उतरने और बांधने का कारण पूछा। डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "सांचो, तुम्हें यह जानना चाहिए कि यह नाव स्पष्ट रूप से, और बिना किसी विकल्प के, मुझे बुला रही है और आमंत्रित कर रही है कि मैं इसमें प्रवेश करूँ और किसी जरूरतमंद शूरवीर या अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति की सहायता करने जाऊँ, जो निस्संदेह किसी कठिन परिस्थिति में है; क्योंकि यही शूरवीरता की पुस्तकों और उनमें वर्णित जादूगरों का तरीका है। जब कोई शूरवीर किसी ऐसी कठिनाई में फँस जाता है जिससे उसे किसी अन्य शूरवीर के हाथ के बिना नहीं बचाया जा सकता, चाहे वे एक दूसरे से दो या तीन हजार मील या उससे अधिक की दूरी पर हों, तो वे या तो उसे बादल पर उठा लेते हैं, या उसके लिए एक नाव की व्यवस्था करते हैं, और पलक झपकते ही उसे वहाँ ले जाते हैं जहाँ उसकी सहायता की आवश्यकता होती है; और इसलिए, सांचो, यह नाव यहाँ उसी उद्देश्य से रखी गई है; यह उतना ही सच है जितना कि अब दिन हो गया है, और इससे पहले कि यह दिन बीत जाए, डैपल और रोसिनांटे को एक साथ बाँध दो, और फिर हमें रास्ता दिखाने का काम ईश्वर के

हाथों में सौंप दो; क्योंकि मैं पीछे नहीं हटूँगा मैं यात्रा पर निकल रहा हूँ, भले ही नंगे पैर वाले भिक्षु मुझसे विनती करें।"
"जब ऐसा है," सांचो ने कहा, "और महाराज, आप हर मोड़ पर इन - मुझे नहीं पता कि इन्हें बेतुकी बातें कहना उचित होगा या नहीं - बातों के आगे झुक जाते हैं, तो आज्ञा मानने और सिर झुकाने के अलावा कोई चारा नहीं है, और इस कहावत को याद रखना चाहिए, 'अपने स्वामी की आज्ञा मानो और उसके साथ भोजन करो;' लेकिन फिर भी, अपने अंतरात्मा को शांत करने के लिए, मैं महाराज को सूचित करता हूँ कि मेरी राय में यह नाव कोई जादुई नहीं है, बल्कि नदी के कुछ मछुआरों की है, क्योंकि वे यहाँ दुनिया की सबसे अच्छी शैड मछली पकड़ते हैं।"
यह कहते ही सांचो ने भारी मन से जानवरों को बांध दिया और उन्हें जादूगरों की देखरेख और सुरक्षा में छोड़ दिया। डॉन क्विक्सोट ने उसे जानवरों को छोड़ने के बारे में चिंतित न होने के लिए कहा, "क्योंकि जो इतने लंबे रास्तों और क्षेत्रों को पार कर रहा है, वह उन्हें खिलाने-पिलाने का भी ध्यान रखेगा।"
"मुझे वह तर्क समझ में नहीं आता," सांचो ने कहा, "और मैंने अपने पूरे जीवन में यह शब्द कभी नहीं सुना।"
डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "लॉन्गिनक्वस का अर्थ है 'दूर'; लेकिन इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि तुम इसे नहीं समझते, क्योंकि तुम्हें लैटिन जानना अनिवार्य नहीं है, उन लोगों की तरह जो इसे जानने का दिखावा करते हैं लेकिन वास्तव में नहीं जानते।"
"अब स्कोर बराबर हो गया है," सांचो ने कहा; "अब हमें आगे क्या करना चाहिए?" “क्या?” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “हम पर क्रॉस का निशान बनाओ और लंगर उठाओ; मेरा मतलब है, नाव पर सवार हो जाओ और जिन रस्सियों से नाव बंधी है उन्हें काट दो;” और नाव धीरे-धीरे किनारे से दूर बहने लगी। लेकिन जब सांचो ने खुद को नदी में लगभग दो गज दूर पाया, तो वह कांपने लगा और खुद को खोया हुआ समझने लगा; लेकिन डैपल की रेंकने की आवाज और रोसिनांटे को खुद को छुड़ाने के लिए संघर्ष करते देखकर उसे सबसे ज्यादा दुख हुआ। उसने अपने स्वामी से कहा, “डैपल हमारे उसे छोड़कर जाने के गम में रेंक रहा है, और रोसिनांटे भागकर हमारे पीछे नदी में कूदने की कोशिश कर रहा है। हे प्यारे मित्रों, आप पर शांति हो, और यह पागलपन जो हमें आपसे दूर ले जा रहा है, होश में आकर हमें आपके पास वापस ले आए।” और यह सुनकर वह इतना फूट-फूटकर रोने लगा कि डॉन

क्विक्सोट ने उससे तीखे स्वर में और क्रोध से कहा, "तू किस बात से डरता है, कायर प्राणी? तू किसलिए रो रहा है, हे निर्मम हृदय? तेरा पीछा कौन कर रहा है या तुझे कौन सता रहा है, हे पालतू चूहे की आत्मा? तुझे क्या चाहिए, जो भरपूर सुख-सुविधाओं के बीच भी तृप्त नहीं हो? क्या तू रिफा के पहाड़ों पर नंगे पैर चल रहा है, बजाय इसके कि इस सुहावनी नदी के शांत किनारे पर किसी राजसी की तरह बेंच पर बैठा हो, जहाँ से हम कुछ ही समय में विशाल समुद्र में निकलेंगे? लेकिन हम तो पहले ही निकल चुके हैं और सात सौ या आठ सौ मील का सफर तय कर चुके हैं; और अगर मेरे पास ध्रुव की ऊँचाई नापने के लिए एक खगोल-व्यापक होता, तो मैं तुझे बता सकता था कि हमने कितनी दूरी तय की है, हालाँकि या तो मुझे कम जानकारी है, या हम विषुवत रेखा को पार कर चुके हैं या जल्द ही पार कर लेंगे जो दो विपरीत ध्रुवों को मध्य में विभाजित करती है।"
"और जब हम उस रेखा पर पहुँचेंगे जिसके बारे में महाराज बात कर रहे हैं," सांचो ने कहा, "तब तक हम कितनी दूर आ चुके होंगे?"
"बहुत दूर," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि इस पृथ्वी के तीन सौ साठ डिग्री के क्षेत्रफल में, जैसा कि सर्वप्रसिद्ध ब्रह्मांड विज्ञानी टॉलेमी ने गणना की थी, हम उस रेखा तक पहुँचने पर आधा सफर तय कर चुके होंगे जिसके बारे में मैंने बात की थी।"
"भगवान की कसम," सांचो ने कहा, "आपकी पूजा मुझे आपके कहे पर पूरा भरोसा दिलाती है, सड़ी हुई डॉली, कुछ रूपांतरित हो गई है, या जो भी हो।"
डॉन क्विक्सोट, सांचो द्वारा "गणना" शब्द की व्याख्या और ब्रह्मांड विज्ञानी टॉलेमी के नाम पर हँसे और बोले, "सांचो, तुम्हें यह जानना चाहिए कि स्पेनियों और कादिज़ से पूर्वी इंडीज़ के लिए जहाज़ पर चढ़ने वालों के लिए, विषुवत रेखा पार करने पर एक संकेत यह होता है कि जहाज़ पर सवार सभी लोगों के शरीर से जूँ मर जाती हैं, और एक भी नहीं बचती, या पूरे जहाज़ में कहीं भी नहीं मिलती, चाहे उसके वजन के बराबर सोना ही क्यों न दे दिया जाए; इसलिए, सांचो, तुम अपनी जांघ पर हाथ फेर लो, और अगर तुम्हें कोई जीवित प्राणी मिल जाए तो हमारा संदेह दूर हो जाएगा; अगर नहीं, तो हम पार कर चुके हैं।"
"मुझे इस पर ज़रा भी विश्वास नहीं है," सांचो ने कहा; "फिर भी, मैं आपकी आज्ञा का पालन करूँगा; हालाँकि मुझे समझ नहीं आता कि इन प्रयोगों को करने

की क्या आवश्यकता है, क्योंकि मैं अपनी आँखों से देख सकता हूँ कि हम किनारे से पाँच गज भी नहीं हिले हैं, या जहाँ जानवर खड़े हैं वहाँ से दो गज भी नहीं हटे हैं, क्योंकि रोसिनांटे और डैपल ठीक उसी जगह पर हैं जहाँ हमने उन्हें छोड़ा था; और जैसा कि मैं अभी देख रहा हूँ, मैं कसम खाता हूँ, हम एक चींटी की गति से भी नहीं हिल रहे हैं।"
"सांचो, मैंने तुम्हें जिस परीक्षा के बारे में बताया है, उसे करके देखो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और किसी और परीक्षा की चिंता मत करो, क्योंकि तुम्हें रंगों, रेखाओं, समानांतर रेखाओं, राशि चक्रों, क्रांतिवृत्तों, ध्रुवों, संक्रांतियों, विषुवों, ग्रहों, राशियों, दिशाओं, आकाशीय और पार्थिव मंडलों के निर्माण के मापों के बारे में कुछ भी नहीं पता; यदि तुम इन सभी चीजों से, या इनमें से किसी भी भाग से परिचित होते, तो तुम स्पष्ट रूप से देख पाते कि हमने कितनी समानांतर रेखाएँ खींची हैं, हमने कौन-कौन सी राशियाँ देखी हैं, और हम किन-किन नक्षत्रों को पीछे छोड़ चुके हैं और अब छोड़ रहे हैं। लेकिन मैं फिर कहता हूँ, महसूस करो और खोजो, क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि तुम चिकने सफेद कागज की एक शीट से भी अधिक शुद्ध हो।" सांचो ने महसूस किया और धीरे से और सावधानीपूर्वक अपना हाथ अपने बाएं घुटने के खोखले भाग तक ले जाते हुए, उसने अपने गुरु की ओर देखा और कहा, "या तो यह परीक्षा झूठी है, या हम उस स्थान पर नहीं पहुंचे हैं जहां महाराज का कहना है, या उसके आसपास भी नहीं हैं।"
"क्यों, कैसे?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा; "क्या तुम्हें कुछ मिला है?"
"हाँ, और कुछ भी," सांचो ने उत्तर दिया; और अपनी उंगलियों को हिलाते हुए उसने अपना पूरा हाथ नदी में धोया, जिस पर नाव शांत भाव से बीच धारा में बह रही थी, किसी रहस्यमयी शक्ति या अदृश्य जादूगर द्वारा नहीं, बल्कि केवल धारा द्वारा, जो वहाँ सहज और कोमल थी।
अब उन्हें नदी के बीचोंबीच स्थित कुछ विशाल जल चक्कियाँ दिखाई देने लगीं, और जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने उन्हें देखा, वह चिल्ला उठा, "क्या तुम वहाँ देख रहे हो, मेरे मित्र? वहाँ महल या किला खड़ा है, जहाँ निस्संदेह कोई कारावास में रखा गया योद्धा, या प्रताड़ित रानी, या राजकुमारी है, जिसकी सहायता के लिए मुझे यहाँ लाया गया है।"
"महाराज, आप किस शहर, किले या गढ़ की बात कर रहे हैं?" सांचो ने कहा; "क्या आपको नहीं दिख रहा कि नदी में अनाज पीसने के लिए चक्की लगी हुई है?"

"शांत रहो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "भले ही ये चक्की जैसी दिखती हों, लेकिन ये चक्की नहीं हैं; मैंने तुम्हें पहले ही बताया है कि जादू-टोने चीजों को बदल देते हैं और उनके मूल आकार को भी बदल देते हैं; मेरा मतलब यह नहीं है कि वे सचमुच उन्हें एक रूप से दूसरे रूप में बदल देते हैं, बल्कि ऐसा लगता है जैसे उन्होंने बदल दिया हो, जैसा कि मेरे सपनों की एकमात्र शरण, डुलसीनिया के रूपांतरण में मेरे अनुभव से सिद्ध हुआ।"
इस समय तक नाव नदी के मध्य में पहुँचकर पहले की तुलना में धीमी गति से चलने लगी थी। चक्की चलाने वाले जब नाव को नदी में आते और चक्कियों के खिंचाव से खिंचे जाने के कगार पर पहुँचते देखा, तो वे जल्दी से बाहर भागे। उनमें से कई लोगों ने लंबी लाठियाँ लेकर नाव को रोकने की कोशिश की। उनके चेहरे और कपड़े आटे से सने हुए थे, जिससे वे भयावह दिख रहे थे। वे जोर-जोर से चिल्लाते हुए बोले, "हे शैतानों, कहाँ जा रहे हो? क्या पागल हो गए हो? क्या डूबकर मरना चाहते हो या इन चक्कियों के बीच कुचलकर टुकड़े-टुकड़े हो जाना चाहते हो?"
“क्या मैंने तुमसे नहीं कहा था, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने इस पर कहा, “कि हम उस स्थान पर पहुँच गए हैं जहाँ मुझे अपनी भुजाओं की शक्ति दिखानी है? देखो कैसे बदमाश और दुष्ट मेरे विरुद्ध निकले हैं; देखो कैसे राक्षस मेरा विरोध कर रहे हैं; देखो कैसे भयानक चेहरे हमें डराने आए हैं! तुम जल्द ही देखोगे, दुष्टों!” और फिर नाव में खड़े होकर वह ऊँची आवाज़ में चक्कीवालों को धमकियाँ देने लगा, और चिल्लाया, “बुरे स्वभाव और बुरे विचार वाले लोगों, उस व्यक्ति को आज़ादी और स्वतंत्रता लौटा दो जिसे तुमने अपने इस किले या जेल में कैद कर रखा है, चाहे वह ऊँचा हो या नीचा या किसी भी पद या गुण का हो, क्योंकि मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, जिसे शेरों का योद्धा भी कहा जाता है, जिसके लिए ऊपर स्वर्ग की कृपा से इस साहसिक कार्य का सुखद अंत होना तय है;” और ऐसा कहते हुए उसने अपनी तलवार निकाली और चक्कीवालों पर हवा में वार करने लगा। चक्कीवाले यह सब बकवास सुनते हुए भी कुछ नहीं समझ पाए और नाव को रोकने की कोशिश करने लगे, जो अब पहियों के तेज़ बहाव वाले रास्ते में जा रही थी। सांचो घुटनों के बल गिर पड़ा और ईश्वर से प्रार्थना करने लगा कि उसे इस आसन्न खतरे से बचाए; चक्कीवालों की फुर्ती और तत्परता से ईश्वर ने उसे बचा लिया। चक्कीवालों ने अपने डंडों से नाव को धक्का देकर रोक दिया, लेकिन इस दौरान डॉन क्विक्सोट और सांचो दोनों पलट गए और पानी में

गिर पड़े। डॉन क्विक्सोट के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि वह हंस की तरह तैर सकता था, हालांकि उसके कवच के वजन ने उसे दो बार पानी की तलहटी तक पहुँचा दिया। अगर चक्कीवाले पानी में कूदकर उन दोनों को बाहर न निकालते, तो वे दोनों ट्रॉय शहर में डूब जाते। प्यास से भीगते हुए जैसे ही वे किनारे पर पहुँचे, सांचो घुटनों के बल बैठ गया और हाथ जोड़कर, आकाश की ओर देखते हुए, अपने स्वामी की उतावली योजनाओं और प्रयासों से उसे हमेशा के लिए बचाने की ईश्वर से लंबी और भावपूर्ण प्रार्थना करने लगा। चक्की के पहियों से चकनाचूर हो चुकी नाव के मालिक मछुआरे वहाँ आ गए और उसे टूटा हुआ देखकर सांचो के कपड़े उतारने लगे और डॉन क्विक्सोट से उसके लिए भुगतान की माँग करने लगे; लेकिन सांचो ने बड़ी शांति से, मानो कुछ हुआ ही न हो, चक्की वालों और मछुआरों से कहा कि वह नाव के लिए खुशी-खुशी भुगतान कर देगा, बशर्ते वे उसे उस किले में कैद व्यक्ति या व्यक्तियों को मुक्त और सुरक्षित सौंप दें।
"तुम किन व्यक्तियों या किस किले की बात कर रहे हो, पागल? क्या तुम उन लोगों को अगवा करना चाहते हो जो इन चक्कियों में अनाज पीसने आते हैं?"
“बस बहुत हो गया,” डॉन क्विक्सोट ने मन ही मन कहा, “इस भीड़ को मिन्नतों से कोई नेक काम करवाने की कोशिश करना रेगिस्तान में उपदेश देने जैसा होगा। इस साहसिक यात्रा में दो शक्तिशाली जादूगरों का आमना-सामना हुआ होगा, और एक ने दूसरे के प्रयासों को नाकाम कर दिया; एक ने मुझे नाव दी, और दूसरे ने मुझे गिरा दिया; भगवान हमारी मदद करे, यह दुनिया तो पूरी तरह से षड्यंत्रों और योजनाओं से भरी है, जो एक-दूसरे के विपरीत हैं। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता।” और फिर चक्की की ओर मुड़कर उसने ज़ोर से कहा, “मित्रों, तुम जो भी उस कैद में हो, मुझे क्षमा करो कि दुर्भाग्य से, मैं और तुम दोनों, मैं तुम्हें तुम्हारे दुख से मुक्ति नहीं दिला सकता; यह साहसिक यात्रा निस्संदेह किसी और योद्धा के लिए आरक्षित और नियत है।”
ऐसा कहकर उसने मछुआरों के साथ समझौता कर लिया और नाव के लिए पचास रील्स का भुगतान किया, जिसे सांचो ने बड़ी अनिच्छा से उन्हें सौंपते हुए कहा, "इस तरह के कुछ और नाव के कारोबार में हम अपनी सारी पूंजी डुबो देंगे।" मछुआरे और चक्की मालिक उन दो आकृतियों को देखकर अचंभित रह गए, जो देखने में आम आदमियों से बिलकुल अलग थीं। डॉन क्विक्सोट ने उनसे जो बातें और सवाल पूछे, उनका मतलब वे बिल्कुल नहीं समझ पाए। उन्हें पागल समझकर वे उन्हें

वहीं छोड़कर चले गए। चक्की मालिक अपनी चक्कियों पर और मछुआरे अपनी झोपड़ियों में लौट गए। डॉन क्विक्सोट और सांचो अपने जानवरों के पास और जानवरों जैसी जिंदगी में वापस लौट गए, और इस तरह जादुई नाव का रोमांच समाप्त हुआ।

30

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और एक सुंदर शिकारी के साहसिक कारनामे की कहानी
वे दोनों अपने घोड़ों के पास उदास और निराश होकर पहुँचे, शूरवीर और उसका साथी, विशेष रूप से सांचो, क्योंकि धन-संग्रह से जुड़ी हर बात उसके दिल को छू जाती थी, और जब भी उससे कुछ लिया जाता, तो उसे ऐसा लगता मानो उसकी आँखों का तारा छीन लिया गया हो। अंत में, बिना एक शब्द बोले, वे घोड़ों पर सवार हुए और उस प्रसिद्ध नदी को छोड़ दिया। डॉन क्विक्सोट अपने प्रेम के विचारों में डूबा हुआ था, जबकि सांचो अपनी तरक्की के बारे में सोच रहा था, जो उस समय उसे लग रहा था कि अभी दूर की बात है; क्योंकि मूर्ख होने के बावजूद, वह अच्छी तरह जानता था कि उसके स्वामी के सभी या अधिकांश कार्य पूरी तरह से निरर्थक थे; और वह किसी दिन बिना कोई स्पष्टीकरण दिए या उससे विदाई लिए बिना, उसकी सेवा से सेवानिवृत्त होने और घर लौटने का अवसर तलाशने लगा। लेकिन भाग्य ने परिस्थितियों को उसके विचार के बिल्कुल विपरीत मोड़ दिया।
अगले दिन सूर्यास्त के समय, जंगल से बाहर आते हुए, डॉन क्विक्सोट की नज़र एक हरे-भरे मैदान पर पड़ी और उसके दूर छोर पर उसने कुछ लोगों को देखा। पास आने पर उसने पाया कि वे बाज़ों का एक दल थे। और करीब आने पर उसने उनमें एक सुंदर महिला को देखा, जो हरे रंग के साज-सामान और चांदी की घुड़साल से सजे शुद्ध सफेद घोड़े पर सवार थी। महिला ने भी हरे रंग के वस्त्र पहने थे और इतने भव्य और आलीशान ढंग से सजी हुई थी कि मानो वैभव ही साक्षात उसके भीतर समाया हुआ था। उसके बाएं हाथ में एक बाज़ था, जिससे डॉन क्विक्सोट को लगा कि वह कोई महान महिला और पूरे शिकार दल की स्वामिनी होगी, और यही सत्य था। इसलिए उसने सांचो से कहा, "मेरे बेटे, सांचो, दौड़ो और बाज़ लिए घोड़े पर सवार उस महिला से कहो कि मैं, शेरों का योद्धा, उसकी परम सुंदरी के हाथों को चूमता हूँ, और यदि वह मुझे अनुमति दे तो मैं स्वयं जाकर उसके हाथों को चूमूँगा और अपनी शक्ति और उसकी आज्ञा के अनुसार उसकी सेवा में तत्पर रहूँगा; और सांचो, ध्यान रखना कि तुम बोलते समय अपनी कहावतों का प्रयोग न करो।"

"यहाँ एक ऐसी महिला है जो किसी को भी अंदर डाल सकती है!" सांचो ने कहा; "मुझे अकेला छोड़ दो! वैसे, यह मेरे जीवन में पहली बार नहीं है जब मैंने उच्च पदस्थ महिलाओं को संदेश पहुँचाया है।"
"सिवाय इसके कि तूने लेडी डुलसीनिया के पास उसे पहुंचाया था," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझे नहीं पता कि तूने किसी और को पहुंचाया है, कम से कम मेरी सेवा में तो नहीं।"
"यह सच है," सांचो ने उत्तर दिया; "लेकिन अच्छे भुगतानकर्ता को वादों से कोई परेशानी नहीं होती, और जिस घर में पर्याप्त भोजन होता है, वहां खाना जल्दी बन जाता है; मेरा मतलब है कि मुझे किसी भी बात के बारे में बताने या चेतावनी देने की कोई आवश्यकता नहीं है; क्योंकि मैं हर चीज के लिए तैयार हूं और हर चीज के बारे में थोड़ा-बहुत जानता हूं।"
"मुझे यही विश्वास है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "जाओ और तुम्हें शुभकामनाएं, और ईश्वर तुम्हारा भला करे।"
सांचो पूरी रफ्तार से भागा, जिससे डैपल की सामान्य चाल बिगड़ गई, और वह उस सुंदर शिकारी के पास पहुंचा जहां वह खड़ी थी। घोड़े से उतरकर वह उसके सामने घुटने टेककर बोला, "हे सुंदर महिला, वह शूरवीर जिसे आप वहां देख रही हैं, जिसका नाम शेरों का शूरवीर है, मेरा स्वामी है, और मैं उसका सहायक हूं, और घर पर मुझे सांचो पांजा कहते हैं। यही शेरों का शूरवीर, जिसे कुछ समय पहले तक शोकग्रस्त चेहरे वाला शूरवीर कहा जाता था, मेरे माध्यम से यह संदेश भेज रहा है कि क्या आप कृपया उसे अनुमति देंगी कि आपकी अनुमति, अनुमोदन और सहमति से वह आकर अपनी इच्छा पूरी कर सके, जो कि, जैसा कि वह कहता है और मेरा मानना है, आपकी उच्च गरिमा और सुंदरता की सेवा करना है; और यदि आप अनुमति देती हैं, तो आपकी स्वामियों एक ऐसा कार्य करेंगी जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी, और उसे एक विशेष कृपा और सुख प्राप्त होगा।"
"हे सरदार, आपने सचमुच सभी औपचारिकताओं के साथ अपना संदेश पहुँचा दिया है; उठिए, क्योंकि यह उचित नहीं है कि शोकग्रस्त चेहरे वाले उस महान शूरवीर का सरदार, जिसके बारे में हमने यहाँ बहुत कुछ सुना है, घुटनों के बल बैठा रहे; उठिए, मेरे मित्र, और अपने स्वामी का यहाँ हमारे देश के घर में, मेरी और मेरे पति ड्यूक की सेवा में स्वागत कीजिए।"
सांचो उठ खड़ा हुआ, वह उस महिला की सुंदरता, उसके उच्च शिष्टाचार और विनम्रता से उतना ही मोहित था, लेकिन सबसे बढ़कर, उसके स्वामी, 'दुख भरे

चेहरे वाले शूरवीर' के बारे में उसके कहे गए कथन से; क्योंकि यदि उसने उसे 'शेरों का शूरवीर' नहीं कहा, तो निस्संदेह इसलिए कि उसने यह नाम हाल ही में धारण किया था। "बताइए, मेरे साथी सरदार," डचेस (जिसकी उपाधि ज्ञात नहीं है) ने पूछा, "क्या आपका यह स्वामी वही नहीं है जिसके बारे में एक लिखित इतिहास मौजूद है, जिसका नाम है 'चतुर सज्जन, ला मांचा का डॉन क्विक्सोट', जिसकी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो है?"
"वह वही है, महोदया," सांचो ने उत्तर दिया; "और उसका वह साथी जिसका नाम उक्त इतिहास में सांचो पांजा के नाम से आता है, या आना चाहिए, वह मैं ही हूँ, जब तक कि उन्होंने मुझे जन्म से पहले, मतलब प्रेस में, न बदल दिया हो।"
"मैं इन सब बातों से बहुत प्रसन्न हूँ," डचेस ने कहा; "जाओ, भाई पांजा, और अपने स्वामी को बताओ कि मेरे घर में उनका स्वागत है, और इससे अधिक खुशी मुझे किसी और बात से नहीं मिल सकती।"
सांचो इस संतोषजनक उत्तर से अत्यंत प्रसन्न होकर अपने स्वामी के पास लौटा और उन्हें उस महान महिला की सारी बातें बताईं। उसने अपनी देहाती भाषा में उनकी असाधारण सुंदरता, उनकी मनमोहक प्रसन्नता और उनके शिष्टाचार की बहुत प्रशंसा की। डॉन क्विक्सोट फुर्ती से अपने घोड़े पर बैठा, रकाबों को ठीक किया, अपना विज़र (घूंघट) संवारा, रोसिनांटे को एड़ी मारी और सहजता से डचेस के हाथों को चूमने के लिए आगे बढ़ा। डचेस ने अपने पति ड्यूक को बुलवाया था और डॉन क्विक्सोट के आते ही उन्हें सारा संदेश बता दिया था। चूंकि दोनों ने इस इतिहास का पहला भाग पढ़ा था और उससे डॉन क्विक्सोट के सनकी स्वभाव से अवगत थे, इसलिए वे उनसे मिलने के लिए अत्यंत प्रसन्नता और उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। उनका इरादा था कि वे उनके साथ घुलमिल जाएं और उनकी हर बात से सहमत हों, और जब तक वे उनके साथ रहें, उन्हें एक वीर योद्धा की तरह मानें, और उन सभी रीति-रिवाजों का पालन करें जो उन्होंने वीरता की पुस्तकों में पढ़े थे, क्योंकि वे स्वयं इन रीति-रिवाजों के बहुत शौकीन थे।
डॉन क्विक्सोट अब अपना मुखौटा उठाए हुए आगे बढ़ा, और जैसे ही वह घोड़े से उतरने वाला था, सांचो जल्दी से उसके लिए रकाब पकड़ने के लिए भागा; लेकिन डैपल से उतरते समय उसका पैर घोड़े की काठी की एक रस्सी में इस तरह फंस गया कि वह उसे छुड़ा नहीं सका, और उसका चेहरा और छाती ज़मीन पर लटक गई। डॉन क्विक्सोट, जिसे रकाब पकड़े बिना घोड़े से उतरने की आदत नहीं थी, यह सोचकर

कि सांचो अब तक उसके लिए रकाब पकड़ने आ गया होगा, झटके से घोड़े से नीचे कूद गया और रोसिनांटे की काठी भी उसके साथ गिर गई, जो निस्संदेह ठीक से बंधी नहीं थी, और काठी और वह दोनों ज़मीन पर आ गिरे; उसे भी काफी परेशानी हुई और उसने दुर्भाग्यशाली सांचो को, जिसका पैर अभी भी जंजीरों में फंसा था, मन ही मन खूब गालियां दीं। ड्यूक ने अपने शिकारियों को नाइट और स्क्वाइर की मदद के लिए भेजा, और उन्होंने डॉन क्विक्सोट को उठाया, जो गिरने से बुरी तरह हिल गया था; और वह लंगड़ाते हुए, जितना हो सका, उन दोनों सज्जनों के सामने घुटने टेकने के लिए आगे बढ़ा। लेकिन ड्यूक ने इसकी बिल्कुल भी अनुमति नहीं दी; इसके विपरीत, वह अपने घोड़े से उतरकर डॉन क्विक्सोट के पास गया और उसे गले लगाते हुए कहा, "मुझे बहुत दुख है, हे शोकग्रस्त चेहरे वाले नाइट, कि मेरे क्षेत्र में आपका पहला अनुभव इतना दुर्भाग्यपूर्ण रहा; लेकिन स्क्वाइर्स की लापरवाही अक्सर इससे भी बुरी दुर्घटनाओं का कारण बनती है।"
“हे महापुरुष, आपसे मिलने पर जो कुछ मेरे साथ हुआ है,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “वह दुर्भाग्यपूर्ण नहीं हो सकता, भले ही मैं अथाह गड्ढे की गहराई में गिरने से न रुका होता, क्योंकि आपको देखने की महिमा ने मुझे ऊपर उठा लिया होता और मुझे उससे बचा लिया होता। मेरा सहायक, ईश्वर उस पर अभिशाप डाले, अभद्र बातें करने में अपनी जीभ को बेपरवाह रखने में इतना माहिर है कि वह घोड़े की लगाम को स्थिर रखने के लिए कसने में भी उतना ही कुशल है; लेकिन मैं चाहे जैसा भी रहूँ, पैदल चलूँ या घोड़े पर सवार, मैं सदा आपकी और मेरी पत्नी, डचेस, आपकी योग्य संगिनी, सौंदर्य की योग्य रानी और शिष्टाचार की सर्वोपरि राजकुमारी की सेवा में तत्पर रहूँगा।”
"विनम्रता से, ला मांचा के श्री डॉन क्विक्सोट," ड्यूक ने कहा; "जहां मेरी लेडी डोना डुलसीनिया डेल टोबोसो हैं, वहां अन्य सुंदरियों की प्रशंसा करना उचित नहीं है।"
इस समय तक सांचो अपने बंधन से मुक्त हो चुका था और वहीं खड़ा था। इससे पहले कि उसका स्वामी कुछ कह पाता, उसने कहा, "इसमें कोई शक नहीं, और यह मानना ही पड़ेगा, कि मेरी पत्नी डुलसीनिया डेल टोबोसो बेहद खूबसूरत हैं; लेकिन खरगोश वहां उछल पड़ता है जहां कोई उम्मीद नहीं करता; और मैंने सुना है कि जिसे हम प्रकृति कहते हैं, वह मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार की तरह है, और जो एक सुंदर बर्तन बना सकता है, वह दो, तीन या सौ भी बना सकता है; मैं

ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि, मेरी कसम, मेरी पत्नी डचेस मेरी मालकिन डुलसीनिया डेल टोबोसो से किसी भी तरह कम नहीं हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने डचेस की ओर मुड़कर कहा, "महामहिम, आप यह समझ सकती हैं कि इस दुनिया में किसी भी शूरवीर को मुझसे अधिक बातूनी या मजाकिया साथी नहीं मिला होगा, और यदि आप कुछ दिनों के लिए मेरी सेवाएं स्वीकार करती हैं, तो वह मेरी बात की सच्चाई साबित कर देगा।"
इस पर डचेस ने उत्तर दिया, "मैं मानती हूँ कि योग्य सांचो का विनोदी स्वभाव बहुत अच्छी बात है, क्योंकि यह उसकी चतुराई का संकेत है; क्योंकि विनोदी स्वभाव और चंचलता, जैसा कि आप भली-भांति जानते हैं, मंदबुद्धि लोगों में नहीं पाई जाती; और चूंकि अच्छा सांचो विनोदी और विनोदी है, इसलिए मैं उसे चतुर मानती हूँ।"
"और बातूनी भी," डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा।
"यह तो और भी अच्छा है," ड्यूक ने कहा, "क्योंकि कई रोचक बातें कम शब्दों में नहीं कही जा सकतीं; लेकिन बात करने में समय बर्बाद न करते हुए, आइए, उदास चेहरे वाले महान योद्धा-"
"महामहिम, आपको शेरों के बारे में ही कहना होगा," सांचो ने कहा, "क्योंकि अब न तो कोई शोकग्रस्त चेहरा है और न ही ऐसा कोई चरित्र।"
"वही शेरों का योद्धा हो," ड्यूक ने आगे कहा; "मैं कहता हूँ, शेरों के योद्धा सर मेरे पास ही स्थित एक महल में आएँ, जहाँ उनका उस तरह से स्वागत किया जाएगा जो इतने उच्च कोटि के व्यक्ति के लिए उचित है, और जैसा कि मैं और डचेस वहाँ आने वाले सभी वीर योद्धाओं का करते आए हैं।"
इस समय तक सांचो ने रोसिनांटे की काठी कस दी थी और डॉन क्विक्सोट उसकी पीठ पर सवार हो चुका था। ड्यूक भी एक शानदार घोड़े पर सवार हो गया और उन्होंने डचेस को बीच में बिठाकर महल की ओर प्रस्थान किया। डचेस चाहती थी कि सांचो उसके पास आए, क्योंकि उसे उसकी तीक्ष्ण बुद्धि की बातें सुनने में बहुत आनंद आता था। सांचो को किसी आग्रह की आवश्यकता नहीं थी, बल्कि वह उनके और ड्यूक के बीच में आ गया। ड्यूक ने अपने महल में ऐसे वीर योद्धा और ऐसे साधारण सहायक का स्वागत करना अपना सौभाग्य समझा।

31

अध्याय
जिसमें अनेक और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई है
सांचो को इस बात की अपार संतुष्टि थी कि वह डचेस का चहेता बन चुका था, क्योंकि उसे उम्मीद थी कि उसे डचेस के महल में भी वही सुख मिलेगा जो उसे डॉन डिएगो और बेसिलियो के घर में मिला था। वह हमेशा से ही विलासितापूर्ण जीवन का शौकीन था और जब भी मौका मिलता, दावत का लुत्फ़ उठाने से नहीं हिचकिचाता था। इतिहास बताता है कि महल पहुँचने से पहले ही ड्यूक आगे निकल गया और अपने सभी नौकरों को निर्देश दिया कि वे डॉन क्विक्सोट के साथ कैसा व्यवहार करें। जैसे ही वह डचेस के साथ महल के द्वार पर पहुँचा, दो नौकर या घुड़सवार, जो पैरों तक पहुँचने वाले उत्तम लाल साटन के गाउन पहने हुए थे, तेज़ी से बाहर आए और डॉन क्विक्सोट को देखने या सुनने से पहले ही अपनी बाहों में पकड़ लिया और उससे कहा, "महाराज, जाइए और डचेस को घोड़े से उतारिए।"
डॉन क्विक्सोट ने आज्ञा का पालन किया, और इस मामले पर दोनों के बीच खूब प्रशंसा का आदान-प्रदान हुआ; लेकिन अंत में डचेस का दृढ़ निश्चय ही प्रबल हुआ, और उसने ड्यूक की बाहों में ही उतरने या अपने घोड़े से बाहर आने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि वह खुद को इतने महान शूरवीर पर इतना अनावश्यक बोझ डालने के योग्य नहीं समझती। अंततः ड्यूक उसे नीचे उतारने के लिए बाहर आया, और जैसे ही वे एक विशाल प्रांगण में प्रवेश कर रहे थे, दो सुंदर युवतियाँ आगे आईं और डॉन क्विक्सोट के कंधों पर उत्तम लाल कपड़े का एक बड़ा लबादा डाल दिया, और उसी क्षण प्रांगण की सभी गैलरी घर के पुरुष-सेवकों और महिला-सेवकों से भर गईं, यह कहते हुए, "स्वागत है, शूरवीर-भव्य का फूल और मुकुट!" जबकि उनमें से सभी या अधिकांश ने डॉन क्विक्सोट और ड्यूक और डचेस पर सुगंधित पानी से भरी गोलियाँ फेंकीं; इन सब बातों को देखकर डॉन क्विक्सोट बेहद आश्चर्यचकित हुआ, और यह पहली बार था जब उसने वास्तव में खुद को एक शूरवीर के रूप में महसूस किया और विश्वास किया, न कि केवल कल्पना में, क्योंकि अब उसने खुद को उसी तरह व्यवहार करते हुए देखा जैसा उसने पुराने समय में ऐसे शूरवीरों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के बारे में पढ़ा था।

सैंचो ने डैपल को छोड़कर डचेस का हाथ थाम लिया और महल में प्रवेश किया, लेकिन गधे को अकेला छोड़ने के कारण उसे कुछ अंतरात्मा की पीड़ा महसूस हुई, इसलिए वह एक सम्मानित महिला के पास गया जो डचेस का स्वागत करने के लिए बाकी लोगों के साथ बाहर आई थी, और उसने धीमी आवाज में उससे कहा, "सेनोरा गोंजालेज, या आप जिस भी नाम से पुकारी जाती हों-"
“मेरा नाम डोना रोड्रिगेज़ डी ग्रिजल्बा है,” दाई ने उत्तर दिया; “भाई, आपकी क्या इच्छा है?” इस पर सांचो ने कहा, “मुझे बहुत खुशी होगी यदि आप मेरी कृपा करके महल के द्वार तक आ सकें, जहाँ आपको मेरा एक भूरा गधा मिलेगा; कृपया उन्हें उसे अस्तबल में रखवा दें, या आप स्वयं उसे वहाँ रख दें, क्योंकि बेचारा छोटा जानवर बहुत जल्दी डर जाता है और अकेले रहना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकता।”
"अगर मालिक उतना ही समझदार है जितना कि वो आदमी," नौकरानी ने कहा, "तो हमारा सौदा बढ़िया रहा। जाओ भाई, और तुम्हें और उसे, जो तुम्हें यहाँ लाया है, बुरा भला हो; जाओ, अपने गधे का ध्यान रखना, क्योंकि हम, इस घर की नौकरानियाँ, इस तरह के काम की आदी नहीं हैं।"
"तो फिर, सच में," सांचो ने जवाब दिया, "मैंने अपने स्वामी को, जो कहानियों के खजाने हैं, लैंसलॉट की कहानी सुनाते हुए सुना है कि जब वह ब्रिटेन से आया था, तो महिलाएं उसकी सेवा करती थीं और नौकरानियां उसके घोड़े पर सवार होती थीं; और अगर मेरे गधे की बात आए, तो मैं उसे सेनर लैंसलॉट के घोड़े से नहीं बदलूंगा।"
"अगर तुम मसखरे हो, भाई," दाई ने कहा, "अपनी मसखरी किसी ऐसी जगह के लिए रखो जहाँ वो स्वीकार्य हो और उसके लिए तुम्हें भुगतान मिले; क्योंकि मुझसे तुम्हें अंजीर के सिवा कुछ नहीं मिलेगा।"
"खैर, यह बहुत ही शानदार मौका होगा," सांचो ने कहा, "क्योंकि एक अंक की मामूली सी चूक से भी आप सालों में यह तरकीब नहीं खोएंगे।"
"कमीने!" गुस्से से आग बबूला होकर दुदाई ने कहा, "चाहे मैं बूढ़ी होऊं या नहीं, मुझे भगवान से हिसाब लेना है, तुमसे नहीं, लहसुन से भरे बदमाश!" और उसने इतनी जोर से कहा कि डचेस ने सुन लिया, और मुड़कर दुदाई को इतने उत्तेजित और गुस्से से लाल आँखों में देखकर पूछा कि वह किससे बहस कर रही है।

"यहाँ इस भले आदमी के साथ," दुअन्ना ने कहा, "जिसने मुझसे विशेष रूप से अनुरोध किया है कि मैं जाकर महल के द्वार पर खड़े उसके एक गधे को अस्तबल में डाल दूँ, और मुझे यह उदाहरण देते हुए बताया कि न जाने कहाँ-कहाँ ऐसा ही होता था—कि कुछ महिलाएँ लैंसलॉट की सेवा करती थीं, और दुअन्नाएँ उसके घोड़े की; और तो और, अंत में उसने मुझे बूढ़ा भी कहा।"
"इसे तो मैं अपने लिए सबसे बड़ा अपमान मानती," डचेस ने कहा; और सांचो को संबोधित करते हुए उसने कहा, "मित्र सांचो, तुम्हें पता होना चाहिए कि डोना रोड्रिगेज़ बहुत युवा हैं, और वह यह हुड अपनी उम्र के कारण नहीं बल्कि अधिकार और रीति-रिवाज के कारण पहनती हैं।"
"काश मेरे बाकी सभी गधे बदकिस्मत हों," सांचो ने कहा, "अगर मेरा मतलब ऐसा था; मैंने तो बस इसलिए कहा क्योंकि मुझे अपने गधे से बहुत स्नेह है, और मुझे लगा कि मैं उसे लेडी डोना रोड्रिगेज से ज्यादा दयालु व्यक्ति को नहीं सौंप सकता।"
डॉन क्विक्सोट, जो सुन रहा था, ने उससे कहा, "क्या यह इस जगह के लिए उचित बातचीत है, सांचो?"
"सेनोर," सांचो ने उत्तर दिया, "हर किसी को जहाँ कहीं भी हो, अपनी इच्छा का उल्लेख करना चाहिए; मैंने डैपल के बारे में यहाँ सोचा और यहीं उसके बारे में बात की; अगर मैंने अस्तबल में उसके बारे में सोचा होता तो मैं वहीं बोलता।"
इस पर ड्यूक ने टिप्पणी की, "सांचो बिल्कुल सही है, और उसमें दोष निकालने का कोई कारण नहीं है; डैपल को जी भर के भोजन कराया जाएगा, और सांचो निश्चिंत रह सकता है, क्योंकि उसके साथ भी उसी तरह का व्यवहार किया जाएगा जैसा उसके साथ किया जाता है।"
यह बातचीत, जो डॉन क्विक्सोट को छोड़कर बाकी सभी के लिए मनोरंजक थी, चल रही थी। इसी बीच वे सीढ़ियाँ चढ़े और डॉन क्विक्सोट को एक ऐसे कमरे में ले गए जो सोने और जकूज़ी के कीमती कपड़ों से सजा हुआ था। छह युवतियों ने उनका कवच उतार दिया और सेवकों की तरह उनकी सेवा करने लगीं। ड्यूक और डचेस ने उन्हें निर्देश दिए थे कि उन्हें क्या करना है और डॉन क्विक्सोट के साथ कैसा व्यवहार करना है, ताकि वह समझ सकें और विश्वास कर सकें कि वे उनके साथ एक वीर योद्धा की तरह व्यवहार कर रही हैं। जब उनका कवच उतारा गया, तो डॉन क्विक्सोट अपनी तंग पैंट और चमड़े के कोट में दुबले-पतले, लंबे और आकर्षक

शरीर के साथ खड़े थे, मानो उनके गाल आपस में चूम रहे हों। उनका शरीर ऐसा था कि अगर उनकी सेवा कर रही युवतियों ने अपनी हंसी पर काबू न रखा होता (जो उनके स्वामी और स्वामिनी द्वारा दिए गए विशेष निर्देशों में से एक था), तो वे हंसते-हंसते लोटपोट हो जातीं। उन्होंने उससे कहा कि वह अपने कपड़े उतार दे ताकि वे उसे कमीज़ पहना सकें, लेकिन उसने किसी भी हालत में ऐसा करने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि वीरता के साथ-साथ लज्जा भी उतनी ही आवश्यक है। हालांकि, उसने कहा कि वे कमीज़ सांचो को दे सकते हैं; और एक आलीशान पलंग वाले कमरे में उसके साथ खुद को बंद करके, उसने अपने कपड़े उतारे और कमीज़ पहन ली; फिर, जब उसने सांचो को अकेले पाया, तो उसने उससे कहा, "बताओ, हे नवोदित मूर्ख और बूढ़े बेवकूफ, क्या तुम्हें लगता है कि अभी-अभी इतनी आदर और सम्मान के योग्य महिला का अपमान करना उचित है? क्या यह तुम्हारे लिए अपने डैपल के बारे में सोचने का समय था, या क्या ये कुलीन लोग अपने मालिकों के साथ इतने अच्छे व्यवहार करने पर जानवरों को बुरा हाल करने देंगे? भगवान के लिए, सांचो, खुद को संभालो, और धागा मत दिखाओ ताकि उन्हें पता न चले कि तुम कितने असभ्य और गंवार हो। याद रखो, हे पापी, स्वामी का सम्मान उतना ही अधिक होता है जितना उसके सेवक सभ्य और सुसंस्कृत होते हैं; और राजकुमारों को अन्य लोगों पर जो सबसे बड़ा लाभ प्राप्त होता है, वह यह है कि उनके पास अपने जैसे ही अच्छे सेवक होते हैं जो उनकी सेवा करते हैं। क्या तुम नहीं देखते—तुम तो दूरदर्शी नहीं हो, और मैं भी अभागा इंसान हूँ! — कि अगर उन्हें पता चल गया क्या मैं तुम्हें भद्दा मसखरा या मूर्ख समझ लूँ, और लोग मुझे कोई धोखेबाज या ठग समझ लें? नहीं, नहीं, मेरे दोस्त सांचो, इन बाधाओं से दूर रहो; क्योंकि जो बकबक और मज़ाकिया बनने की राह पर चलता है, वह पहली ही ठोकर में एक दयनीय मसखरा बन जाता है; अपनी ज़बान पर लगाम रखो, अपने मुँह से निकलने से पहले अपने शब्दों पर विचार करो और उन्हें तौल लो, और याद रखो कि हम अब ऐसे स्थान पर हैं जहाँ से, ईश्वर की कृपा और मेरी भुजाओं की शक्ति से, हम यश और धन में बहुत आगे बढ़ेंगे।
सांचो ने बड़ी गंभीरता से उसे चुप रहने का वादा किया, और कहा कि वह एक भी ऐसा शब्द बोलने से पहले अपनी जीभ काट लेगा जो पूरी तरह से विचारणीय और उचित न हो, और उसे बताया कि वह इस बारे में निश्चिंत हो सकता है, क्योंकि उसके माध्यम से कभी भी यह पता नहीं चलेगा कि वे क्या थे।

डॉन क्विक्सोट ने वस्त्र धारण किए, अपनी तलवार के साथ कमरबंद पहना, अपने कंधों पर लाल रंग का लबादा डाला, अपने सिर पर हरे साटन का बना हुआ चोगा रखा जो युवतियों ने उसे दिया था, और इस प्रकार सज-धज कर बड़े कमरे में प्रवेश किया, जहाँ उसने युवतियों को दो पंक्तियों में, दोनों ओर समान संख्या में, हाथ धोने के उपकरणों के साथ खड़ा पाया, जिन्हें उन्होंने बड़े सम्मान और औपचारिकताओं के साथ उसे भेंट किया। फिर बारह सेवक, सेनापति के साथ, उसे भोजन के लिए ले जाने आए, क्योंकि उसके मेज़बान पहले से ही उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने उसे अपने बीच में बैठाया, और बड़े ठाठ-बाठ और शान के साथ उसे दूसरे कमरे में ले गए, जहाँ एक भव्य मेज पर केवल चार ही आवरण लगे हुए थे। डचेस और ड्यूक उसका स्वागत करने के लिए कमरे के द्वार पर आए, और उनके साथ एक गंभीर पादरी भी था, जो रईसों के घरों का संचालन करने वालों में से एक था; उन लोगों में से एक जो स्वयं जन्म से रईस नहीं होते, इसलिए वे रईसों को यह सिखाना नहीं जानते कि उनके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। वह उन लोगों में से एक था जो महान लोगों की महानता को अपनी संकीर्ण मानसिकता से मापना चाहते थे; वह उन लोगों में से एक था जो अपने घर में मितव्ययिता लाने की कोशिश करते हैं तो उसे कंजूसी की ओर ले जाते हैं। मेरा मानना है कि इसी तरह का एक व्यक्ति वह गंभीर पादरी रहा होगा जो ड्यूक और डचेस के साथ डॉन क्विक्सोट का स्वागत करने आया था।
बहुत से शिष्टाचारपूर्ण भाषणों का आदान-प्रदान हुआ, और अंत में, डॉन क्विक्सोट को अपने बीच में लेकर वे भोजन करने के लिए बैठ गए। ड्यूक ने डॉन क्विक्सोट पर मेज के मुखिया की भूमिका निभाने का दबाव डाला, और यद्यपि उसने इनकार कर दिया, ड्यूक की विनती इतनी प्रबल थी कि उसे यह स्वीकार करना पड़ा।
पादरी उनके सामने बैठ गए, और ड्यूक और डचेस अगल-बगल बैठ गए। इस पूरे समय सांचो वहीं खड़ा रहा, इन प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा अपने स्वामी को दिखाए गए सम्मान को देखकर विस्मय से देखता रहा; और ड्यूक और डॉन क्विक्सोट के बीच उसे मेज के शीर्ष पर बैठने के लिए किए गए औपचारिक दबाव को देखकर उसने कहा, "यदि महाराज मुझे अनुमति दें तो मैं आपको अपने गाँव में सीटों के इस मामले को लेकर हुई एक कहानी सुनाऊँगा।"
जैसे ही सांचो ने यह कहा, डॉन क्विक्सोट कांप उठा, मानो उसे यकीन हो गया हो कि वह कुछ मूर्खतापूर्ण कहने वाला है। सांचो ने उसकी ओर देखा और उसके मन की

बात समझकर कहा, "महाराज, मेरे भटकने या कुछ भी बेतुका कहने से मत डरिए; मैंने अभी-अभी आपके द्वारा दी गई सलाह को नहीं भूला है कि कम या ज्यादा बोलना चाहिए, अच्छा या बुरा।"
"मुझे कुछ भी याद नहीं है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "जो कहना चाहो कहो, बस जल्दी कहो।"
"तो फिर," सांचो ने कहा, "मैं जो कहने जा रहा हूं वह इतना सच है कि मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट, जो यहां उपस्थित हैं, मुझे झूठ बोलने से रोकेंगे।" "सांचो, तुम जितना चाहो झूठ बोल लो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि मैं तुम्हें रोकने वाला नहीं हूँ, लेकिन सोच लो कि तुम क्या कहने वाले हो।"
सांचो ने कहा, "मैंने बहुत सोच-विचार किया है और फिर से सोचा है कि घंटी बजाने वाला सुरक्षित स्थान पर है; जैसा कि आगे होने वाली घटनाओं से स्पष्ट हो जाएगा।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अच्छा होगा यदि महाराज और महाराज उन्हें इस मूर्ख को बाहर निकालने का आदेश दें, क्योंकि यह बहुत बकवास करेगा।"
"ड्यूक की कसम, सांचो को एक पल के लिए भी मुझसे दूर नहीं किया जा सकता," डचेस ने कहा; "मैं उसे बहुत पसंद करती हूँ, क्योंकि मैं जानती हूँ कि वह बहुत समझदार है।"
"महामहिम, आपके दिन विवेकपूर्ण हों," सांचो ने कहा, "आप मेरी बुद्धि के बारे में अच्छी राय रखते हैं, जबकि मुझमें कोई बुद्धि नहीं है; लेकिन जो कहानी मैं सुनाना चाहता हूँ वह यह है। मेरे कस्बे के एक सज्जन ने मुझे निमंत्रण दिया था, जो बहुत धनी और प्रतिष्ठित व्यक्ति थे, क्योंकि वे मेडिना डेल कैम्पो के अलामोस में से एक थे और उनकी शादी डोना मेन्सिया डी क्विनोन्स से हुई थी, जो डॉन अलोंसो डी मारानोन की बेटी थीं, जो सैंटियागो के ऑर्डर के नाइट थे और हेरादुरा में डूब गए थे - उन्हीं के बारे में वर्षों पहले हमारे गाँव में झगड़ा हुआ था, जिसमें मेरे गुरु डॉन क्विक्सोट भी शामिल थे, और जहाँ तक मुझे याद है, उस झगड़े में बाल्बास्त्रो लोहार के बेटे टोमासिल्लो घायल हो गए थे। - क्या यह सब सच नहीं है, मेरे गुरु? जैसा आप जीवित हैं, ऐसा कहिए, ताकि ये सज्जन मुझे झूठा और बकवास करने वाला न समझें।"

पादरी ने कहा, "अभी तक तो मुझे लगता है कि तुम झूठे से ज्यादा बातूनी हो; लेकिन मुझे नहीं पता कि आगे चलकर मैं तुम्हें क्या समझूंगा।"
"सांचो, तुमने इतने सारे गवाह और सबूत पेश किए हैं," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि मेरे पास यह मानने के अलावा कोई चारा नहीं है कि तुम सच कह रहे हो; आगे बढ़ो, और कहानी को संक्षेप में बताओ, क्योंकि तुम अगले दो दिनों तक इसे खत्म न करने का रास्ता अपना रहे हो।"
"उसे इसे छोटा नहीं करना है," डचेस ने कहा; "इसके विपरीत, मेरी संतुष्टि के लिए, उसे इसे वैसे ही बताना है जैसे वह जानता है, भले ही वह इसे इन छह दिनों में पूरा न कर पाए; और अगर वह इतने दिन भी ले ले तो वे मेरे लिए अब तक के सबसे सुखद दिन होंगे।"
"तो फिर, महोदय, मैं कहता हूँ," सांचो ने आगे कहा, "कि यही सज्जन, जिन्हें मैं अपने हाथों की तरह अच्छी तरह जानता हूँ, क्योंकि मेरे घर से उनके घर की दूरी तीर की मार जितनी भी नहीं है, उन्होंने एक गरीब लेकिन सम्मानित मजदूर को आमंत्रित किया था-"
"आगे बढ़ो, भाई," पादरी ने कहा; "जिस रफ्तार से तुम जा रहे हो, तुम्हारी कहानी अगले जन्म तक भी नहीं रुकेगी।"
"भगवान की कृपा से मैं आधे रास्ते से पहले ही रुक जाऊंगा," सांचो ने कहा; "और मैं यह इसलिए कह रहा हूं कि यह मजदूर, उस सज्जन के घर आ रहा था जिसने उसे आमंत्रित किया था - उसकी आत्मा को शांति मिले, वह अब मर चुका है; और इससे भी अधिक, वे कहते हैं कि उसकी मृत्यु एक देवदूत की तरह हुई; क्योंकि मैं वहां नहीं था, क्योंकि उस समय मैं टेम्बलेक में फसल काटने गया था।"
"मेरे बेटे, तुम जिंदा रहो," पादरी ने कहा, "टेम्बलेक से जल्दी वापस आ जाओ, और उस सज्जन को दफनाए बिना अपनी कहानी पूरी कर लो, वरना तुम्हें और अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।"
"तो फिर, ऐसा हुआ," सांचो ने कहा, "कि जब वे दोनों खाने के लिए बैठने वाले थे — और मुझे लगता है कि अब मैं उन्हें पहले से कहीं अधिक स्पष्ट रूप से देख सकता हूँ—"
ड्यूक और डचेस को इस बात से बहुत आनंद मिलता था कि धर्मनिष्ठ पादरी सांचो के कहानी सुनाने के लंबे-चौड़े और अटपटे तरीके पर चिढ़ दिखाते थे, जबकि डॉन क्विक्सोट क्रोध और झुंझलाहट से उबल रहा था।

"तो, जैसा कि मैं कह रहा था," सांचो ने आगे कहा, "जब वे दोनों खाने के लिए बैठने वाले थे, तो जैसा कि मैंने कहा, मजदूर ने सज्जन को मेज के मुखिया के रूप में बैठने पर जोर दिया, और सज्जन ने भी मजदूर को बैठने पर जोर दिया, क्योंकि उनके घर में उनके आदेशों का पालन किया जाना चाहिए; लेकिन मजदूर, जो अपनी शिष्टता और अच्छे व्यवहार पर गर्व करता था, किसी भी कीमत पर नहीं बैठा, जब तक कि सज्जन ने धैर्य खोकर, उसके कंधों पर हाथ रखकर, उसे जबरदस्ती बैठने के लिए मजबूर नहीं किया और कहा, 'बैठ जाओ, मूर्ख, क्योंकि मैं जहाँ बैठूंगा वही तुम्हारे लिए मुखिया होगा; और यही कहानी है, और सच कहूँ तो, मुझे लगता है कि इसे यहाँ गलत तरीके से नहीं बताया गया है।"
डॉन क्विक्सोट का रंग कई रंगों में बदल गया, जिससे उसका धूप से झुलसा हुआ चेहरा धब्बेदार होकर जैस्पर जैसा दिखने लगा। ड्यूक और डचेस ने अपनी हंसी को दबा लिया ताकि डॉन क्विक्सोट को पूरी तरह से अपमानित न करें, क्योंकि वे सांचो की धृष्टता को समझ गए थे; और बातचीत का रुख बदलने और सांचो को और अधिक बेतुकी बातें कहने से रोकने के लिए, डचेस ने डॉन क्विक्सोट से पूछा कि लेडी डुलसीनिया के बारे में उसे क्या खबर मिली है, और क्या उसने हाल ही में उसे राक्षसों या दुष्टों के कोई उपहार भेजे हैं, क्योंकि उसने निश्चित रूप से कई लोगों को हराया होगा।
इस पर डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "सेनोरा, मेरी विपत्तियाँ भले ही शुरू हो गई हों, लेकिन उनका कभी अंत नहीं होगा। मैंने राक्षसों को परास्त किया है और उसके पास दुष्ट और दुष्ट लोग भेजे हैं; लेकिन अगर वह जादू से इतनी बदसूरत किसान लड़की में बदल गई है, तो वे उसे कहाँ ढूँढेंगे?"
"मुझे नहीं पता," सांचो पांजा ने कहा; "मुझे तो वह दुनिया की सबसे खूबसूरत प्राणी लगती है; खैर, फुर्ती और उछल-कूद में तो वह किसी से कम नहीं है; कसम से, महारानी जी, वह जमीन से गधे की पीठ पर बिल्ली की तरह छलांग लगाती है।" "क्या तुमने उसे मोहित होते देखा है, सांचो?" ड्यूक ने पूछा।
"क्या, उसे देखा!" सांचो ने कहा; "अरे, जादू-टोने के विचार का सबसे पहले ख्याल मुझे ही आया था! वह भी मेरे पिता की तरह ही जादू के प्रभाव में है।" जब पादरी ने उन्हें दानवों, दुष्ट आत्माओं और जादू-टोने की बातें करते सुना, तो उसे शक हुआ कि ये ला मांचा का डॉन क्विक्सोट ही होगा, जिसकी कहानी ड्यूक हमेशा पढ़ता रहता था; और उसने खुद भी कई बार उसे इसके लिए फटकारा था, यह कहते हुए कि ऐसी बकवास पढ़ना मूर्खता है; और जब उसे यकीन हो गया कि उसका

शक सही है, तो उसने ड्यूक को संबोधित करते हुए बहुत गुस्से से कहा, "महाराज, इस भले आदमी के कामों के लिए आपको ईश्वर के सामने जवाब देना होगा। यह डॉन क्विक्सोट, या डॉन सिंपलटन, या जो भी इसका नाम है, मुझे नहीं लगता कि वह उतना मूर्ख होगा जितना आप उसे समझते हैं, जो उसे उसकी मनमानी और मूर्खताओं को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।" फिर डॉन क्विक्सोट की ओर मुड़कर उसने कहा, "और तुम, मूर्ख, किसने अपने दिमाग में ये बात बिठा ली है कि तुम एक वीर योद्धा हो, राक्षसों को परास्त करते हो और दुष्टों को पकड़ते हो? अच्छे समय में अपने रास्ते जाओ, और अच्छे समय में तुम्हें यही कहा जाएगा। घर जाओ और अपने बच्चों का पालन-पोषण करो, अगर तुम्हारे बच्चे हैं, और अपने काम पर ध्यान दो, और दुनिया भर में भटकना छोड़ दो, अपनी आँखें गड़ाकर लोगों के सामने हंसी का पात्र बनना छोड़ दो, चाहे तुम्हें कोई जानता हो या न जानता हो। भगवान के नाम पर, तुमने कहाँ से पता लगाया है कि कभी वीर योद्धा थे या होते हैं? स्पेन में राक्षस कहाँ हैं या ला मांचा में दुष्ट योद्धा कहाँ हैं, या जादुई डुलसीनिया कहाँ हैं, या वे सभी बकवास बातें कहाँ हैं जो तुम्हारे बारे में कही जाती हैं?"
डॉन क्विक्सोट ने आदरणीय सज्जन के शब्दों को ध्यानपूर्वक सुना, और जैसे ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने बोलना समाप्त कर दिया है, ड्यूक और डचेस की उपस्थिति की परवाह किए बिना, वह गुस्से भरी निगाहों और उत्तेजित चेहरे के साथ अपने पैरों पर उछल पड़े और बोले—लेकिन इसका जवाब अपने आप में एक अध्याय का हकदार है।

32

अध्याय
डॉन क्विक्सोट ने अपने आलोचक को जो जवाब दिया, और अन्य गंभीर एवं हास्यपूर्ण घटनाओं का वर्णन।
डॉन क्विक्सोट, फिर, पारे से भरे हुए व्यक्ति की तरह सिर से पैर तक कांपते हुए, अपने पैरों पर खड़ा हुआ और जल्दबाजी में, उत्तेजित स्वर में बोला, "जिस स्थान पर मैं हूँ, जिस उपस्थिति में मैं खड़ा हूँ, और जिस पेशे से आप संबंधित हैं, उसके प्रति मेरा जो सम्मान है और हमेशा रहा है, वह मेरे उचित क्रोध को रोके रखता है; और इन कारणों से, साथ ही इसलिए भी कि मैं जानता हूँ, जैसा कि सभी जानते हैं, कि एक विद्वान का हथियार एक ही होता है, एक स्त्री का, यानी जीभ, मैं अपनी जीभ से आप पर बराबरी का प्रहार करूँगा, जिनसे अच्छी सलाह की अपेक्षा की जा सकती थी, न कि अपशब्दों की। धार्मिक, नेक इरादे से की गई फटकार के लिए एक अलग व्यवहार और अलग तरह के तर्क चाहिए; किसी भी हालत में, मुझे सार्वजनिक रूप से, और इतनी कठोरता से फटकारना उचित फटकार की सीमा से बाहर है, क्योंकि वह कठोरता से नहीं, बल्कि कोमलता से बेहतर होती है; और जिस पाप की निंदा की जा रही है, उसके बारे में कुछ भी जाने बिना पापी को सीधे-सीधे मूर्ख और बेवकूफ कहना उचित नहीं है। आइए, मुझे बताइए, आपने मुझमें जो मूर्खताएँ देखी हैं, उनमें से किस पर आप मेरी निंदा और निंदा करते हैं, और मुझे घर जाकर अपने घर, पत्नी और बच्चों की देखभाल करने के लिए कहते हैं, जबकि आपको यह भी नहीं पता कि मेरे कोई बच्चे हैं भी या नहीं? क्या दूसरों के घरों में किसी भी तरह से पैर जमाने और मालिकों पर शासन करने के अलावा और कुछ ज़रूरी नहीं है (और वह भी शायद किसी उच्च शिक्षा संस्थान की तंगी में पले-बढ़े होने के बाद, और दुनिया को बीस-तीस मील के दायरे से ज़्यादा देखे बिना), ताकि कोई व्यक्ति जल्दबाज़ी में वीरता के नियम बना सके और वीर योद्धाओं पर फैसला सुना सके? क्या यह एक बेकार काम है, या दुनिया भर में घूमने में बिताया गया समय व्यर्थ है, जहाँ हम सुखों की नहीं, बल्कि उन कठिन परिश्रमों की तलाश करते हैं जिनसे अच्छे लोग शाश्वत जीवन की ओर बढ़ते हैं? यदि सज्जन, बड़े स्वामी, कुलीन, उच्च कुल के लोग मुझे मूर्ख कहें तो मैं इसे एक अपूरणीय अपमान मानूंगा; लेकिन मुझे ज़रा भी परवाह नहीं अगर क्लर्कों ने जो लोग कभी वीरता के मार्ग पर नहीं चले, वे मुझे मूर्ख

समझेंगे। मैं एक शूरवीर हूँ, और यदि सर्वशक्तिमान की यही इच्छा हो, तो मैं एक शूरवीर के रूप में ही मरूँगा। कुछ लोग अति महत्वाकांक्षा का चौड़ा मार्ग चुनते हैं; कुछ लोग चापलूसी और खुशामद का; कुछ लोग कपटपूर्ण पाखंड का, और कुछ सच्चे धर्म का; परन्तु मैं, अपने भाग्य के मार्गदर्शन में, वीर-यात्रा के संकरे मार्ग पर चलता हूँ, और उस मार्ग पर चलते हुए मैं धन को तुच्छ समझता हूँ, परन्तु सम्मान को नहीं। मैंने चोटों का निवारण किया है, अन्याय को सुधारा है, उद्दंडता को दंडित किया है, दैत्यों को पराजित किया है, और राक्षसों को कुचला है; मैं प्रेम में हूँ, केवल इसलिए कि वीर-यात्रा करने वाले शूरवीरों का ऐसा होना अनिवार्य है; परन्तु यद्यपि मैं प्रेम में हूँ, मैं कामुक प्रेमी नहीं, बल्कि पवित्र, आध्यात्मिक प्रेमी हूँ। मेरे इरादे हमेशा नेक उद्देश्यों की ओर निर्देशित होते हैं, सभी का भला करने और किसी का बुरा न करने के लिए; और यदि जो ऐसा सोचता है, ऐसा करता है, और इसे अपना अभ्यास बनाता है, उसे मूर्ख कहा जाना उचित है, तो यह आपके लिए है। हे परम उत्कृष्ट ड्यूक और डचेस, यह कहना है कि "महामहिम ऐसा कह रहे हैं।" "वाह, भगवान की कसम!" सांचो चिल्लाया; "अपने बचाव में और कुछ मत कहो, मेरे स्वामी, क्योंकि दुनिया में कहने, सोचने या ज़ोर देने के लिए कुछ भी नहीं बचा है; और इसके अलावा, जब यह सज्जन, जैसा कि उन्होंने कहा है, इस बात से इनकार करते हैं कि दुनिया में कोई वीर योद्धा हैं या कभी रहे हैं, तो क्या यह आश्चर्य की बात है कि उन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं है कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं?"
"शायद, भाई," पादरी ने कहा, "आप वही सांचो पांजा हैं जिनका जिक्र किया गया है, जिन्हें आपके स्वामी ने एक द्वीप देने का वादा किया है?"
"हाँ, मैं हूँ," सांचो ने कहा, "और इससे भी बढ़कर, मैं उतना ही योग्य हूँ जितना कोई और; मैं उन लोगों में से एक हूँ जिनके बारे में कहा जाता है, 'अच्छे लोगों से जुड़ो, और तुम उनमें से एक हो जाओगे,' और जिनके साथ तुम्हारा पालन-पोषण नहीं हुआ, बल्कि जिनके साथ तुम्हारा भोजन हुआ,' और जिनके बारे में कहा जाता है, 'जो अच्छे पेड़ से सहारा लेता है, उसे अच्छी छाया मिलती है;' मैंने एक अच्छे स्वामी का सहारा लिया है, और मैं महीनों से उनके साथ घूम रहा हूँ, और ईश्वर की कृपा से मैं भी वैसा ही एक और स्वामी बनूँगा; उनकी भी लंबी आयु हो और मेरी भी लंबी आयु हो, क्योंकि न तो उन्हें

शासन करने के लिए साम्राज्यों की कमी होगी और न ही मुझे शासन करने के लिए द्वीपों की।"
"नहीं, मेरे मित्र सांचो, बिलकुल नहीं," ड्यूक ने कहा, "क्योंकि सेनर डॉन क्विक्सोट के नाम पर मैं तुम्हें एक ऐसे महत्वपूर्ण पद का शासन सौंप रहा हूँ जो मेरे अधीन है।"
"सांचो, घुटनों के बल बैठ जाओ," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और उस महानुभाव के चरणों को चूमो जिसने तुम पर कृपा की है।"
सांचो ने आज्ञा का पालन किया, और यह देखकर पादरी गुस्से से आग बबूला होकर मेज से उठ खड़ा हुआ और बोला, "मेरे वस्त्र की कसम, मुझे तो यही लगता है कि महाराज भी इन पापियों जितने ही मूर्ख हैं। आश्चर्य की बात नहीं कि वे पागल हैं, जब समझदार लोग उनके पागलपन को सही ठहराते हैं! मैं महाराज को उनके साथ यहीं छोड़ता हूँ, जब तक वे घर में हैं, मैं अपने घर में रहूँगा और उस समस्या को सुधारने के लिए खुद को डांटने की परेशानी से बचाऊँगा जिसका मैं समाधान नहीं कर सकता।" और बिना एक शब्द बोले या एक निवाला भी खाए, वह चला गया। ड्यूक और डचेस की विनती उसे रोकने में पूरी तरह विफल रही; हालाँकि ड्यूक ने उससे कुछ कहा भी नहीं, क्योंकि उसके बेवजह के गुस्से से जो हंसी फूटी, उसके कारण वह कुछ कह नहीं सका।
जब वह हंसना बंद कर चुका, तो उसने डॉन क्विक्सोट से कहा, "हे शेरों के शूरवीर, आपने अपनी ओर से इतनी दृढ़ता से जवाब दिया है कि इसके लिए और अधिक प्रतिशोध लेने की कोई आवश्यकता नहीं है, जो कि भले ही अपराध जैसा प्रतीत हो, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि जिस प्रकार महिलाएं किसी को ठेस नहीं पहुंचा सकतीं, उसी प्रकार पादरी भी नहीं पहुंचा सकते, जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं।"
“यह सच है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और इसका कारण यह है कि जो स्वयं अपराध का पात्र नहीं है, वह किसी को अपराध नहीं दे सकता। स्त्रियाँ, बच्चे और पादरी, क्योंकि वे अपना बचाव नहीं कर सकते, यद्यपि उन्हें अपराध का सामना करना पड़ सकता है, उनका अपमान नहीं किया जा सकता, क्योंकि अपराध और अपमान के बीच, जैसा कि आप भली-भांति जानते हैं, यह अंतर है: अपमान उस व्यक्ति द्वारा किया जाता है जो इसे करने में सक्षम होता है, और ऐसा करता है, और इसे बनाए रखता है; अपराध किसी भी ओर से बिना अपमान किए आ सकता है। एक उदाहरण लीजिए: एक आदमी सड़क पर बेखबर खड़ा है और दस अन्य लोग हथियारबंद होकर आते

वो अगले तीन साल तक बोल ही नहीं पाता; हाँ, उसे उनसे भिड़ने दो, फिर वो देखेगा कि कैसे वो उनके चंगुल से निकलेगा!"
जब डचेस सांचो की बातें सुन रही थी, तो वह हंसी से लोटपोट हो रही थी और मन ही मन उसने उसे उसके स्वामी से भी अधिक मजाकिया और पागल मान लिया था; और उस समय कई लोग उससे सहमत थे।
डॉन क्विक्सोट अंततः शांत हो गए, और भोजन समाप्त हो गया। जैसे ही पर्दा हटाया गया, चार युवतियाँ अंदर आईं। उनमें से एक के हाथ में चाँदी का बेसिन था, दूसरी के हाथ में भी चाँदी का जग, तीसरी के कंधे पर दो सुंदर सफेद तौलिए और चौथी के कोहनी तक बाँहें खुली हुई थीं, और उनके सफेद हाथों में (सचमुच सफेद ही थे) नेपल्स साबुन की एक गोल गेंद थी। बेसिन वाली युवती पास आई और बड़े ही शांत और निर्भीक भाव से उसे डॉन क्विक्सोट की ठोड़ी के नीचे रख दिया। डॉन क्विक्सोट इस रस्म को देखकर अचंभित रह गए और एक शब्द भी नहीं बोले, यह सोचकर कि उस देश में दाढ़ी धोने का रिवाज है, हाथों को नहीं। इसलिए उन्होंने अपनी दाढ़ी को जितना हो सके उतना फैला दिया। उसी क्षण जग से साबुन बहने लगा और साबुन वाली युवती ने उनकी दाढ़ी को तेजी से रगड़ा, जिससे बर्फ के टुकड़े उड़ने लगे, क्योंकि साबुन का झाग इतना सफेद था कि न केवल दाढ़ी पर, बल्कि पूरे चेहरे पर और विनम्र शूरवीर की आँखों पर भी फैल गया, जिससे उन्हें मजबूरन अपनी आँखें बंद रखनी पड़ीं। ड्यूक और डचेस, जिन्हें इस बारे में कुछ भी पता नहीं था, यह देखने के लिए इंतज़ार कर रहे थे कि इस अजीब धुलाई का क्या नतीजा निकलता है। जब नाई की दासी ने डॉन क्विक्सोट के पूरे शरीर पर एक हाथ भर झाग लगा दिया, तो उसने बहाना किया कि पानी खत्म हो गया है और जग वाली दासी को पानी लाने के लिए कहा, जबकि डॉन क्विक्सोट इंतज़ार कर रहे थे। दासी ने ऐसा ही किया, और डॉन क्विक्सोट एक बेहद अजीब और हास्यास्पद आकृति में रह गए, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वहाँ मौजूद सभी लोग, और वे काफी संख्या में थे, उन्हें देख रहे थे, और जब उन्होंने उन्हें आधी गज लंबी गर्दन, असामान्य रूप से भूरे बालों, बंद आँखों और साबुन से भरी दाढ़ी के साथ देखा, तो यह एक बड़ा आश्चर्य था, और बड़ी सावधानी से ही वे अपनी हंसी रोक पाए। मजाक रचने वाली दासियों ने अपनी निगाहें नीचे रखीं, अपने स्वामी और स्वामिनी की ओर देखने की हिम्मत नहीं की; और जहाँ तक उनकी बात है, उनके भीतर हंसी और गुस्सा आपस में जूझ रहे थे, और वे नहीं जानते थे कि क्या करें, लड़कियों की धृष्टता के लिए उन्हें

दंडित करें या डॉन क्विक्सोट को ऐसी दुर्दशा में देखकर उन्हें जो मनोरंजन मिला था, उसके लिए उन्हें पुरस्कृत करें।
अंत में घड़ा लिए युवती लौट आई और उन्होंने डॉन क्विक्सोट को नहलाना समाप्त किया। तौलिए लिए युवती ने बड़ी सावधानी से उन्हें पोंछा और सुखाया। चारों ने एक साथ उन्हें प्रणाम किया और जाने ही वाले थे कि ड्यूक ने, कहीं डॉन क्विक्सोट को उनका मज़ाक समझ न आ जाए, कुंड लिए युवती को पुकार कर कहा, "आओ और मुझे भी नहला दो, और ध्यान रखना कि पर्याप्त पानी हो।" वह युवती, जो बहुत समझदार और फुर्तीली थी, आई और ड्यूक के लिए भी उसी तरह कुंड रखा जैसे उसने डॉन क्विक्सोट के लिए रखा था। उन्होंने जल्दी ही ड्यूक को अच्छी तरह साबुन लगाकर नहला दिया और सुखाकर प्रणाम किया और चले गए। बाद में पता चला कि ड्यूक ने कसम खाई थी कि अगर उन्होंने उन्हें डॉन क्विक्सोट की तरह नहलाया होता तो वे उनकी गुस्ताखी के लिए उन्हें दंडित करते, जिसका प्रायश्चित उन्होंने चतुराई से ड्यूक को भी साबुन लगाकर कर दिया।
सांचो ने दाढ़ी धोने की रस्म को बड़े ध्यान से देखा और मन ही मन कहा, "भगवान मुझे आशीर्वाद दें, काश इस देश में शूरवीरों के साथ-साथ सरदारों की दाढ़ी धोने का भी रिवाज होता। क्योंकि कसम से, मुझे इसकी बहुत ज़रूरत है; और अगर वे मुझे उस्तरे से एक हल्की सी रगड़ भी दे दें तो मैं उसे और भी बड़ी कृपा मानूंगा।"
"सांचो, तुम खुद से क्या कह रहे हो?" डचेस ने पूछा।
"मैं कह रहा था, महोदया," उसने उत्तर दिया, "कि अन्य राजकुमारों के दरबारों में, जब वस्त्र उतारे जाते हैं, तो मैंने हमेशा सुना है कि वे हाथों के लिए पानी देते हैं, लेकिन दाढ़ी के लिए काजल नहीं देते; और इससे पता चलता है कि लंबा जीवन जीना अच्छा है ताकि आप बहुत कुछ देख सकें; निश्चित रूप से, वे यह भी कहते हैं कि जो लंबा जीवन जीता है उसे बहुत कष्ट सहने पड़ते हैं, हालांकि इस तरह की धुलाई सहना कष्ट से कहीं अधिक सुखद है।"
"चिंता मत करो, मेरे मित्र सांचो," डचेस ने कहा; "मैं अपनी दासियों से तुम्हें नहलाने का प्रबंध करूंगी, और यदि आवश्यक हुआ तो तुम्हें टब में भी डाल दूंगी।"
सांचो ने कहा, "मैं दाढ़ी से संतुष्ट रहूंगा, कम से कम अभी के लिए; और भविष्य की बात करें तो, जो होना है वह ईश्वर ने तय कर दिया है।"

"हे सेनापति, योग्य सांचो के अनुरोध पर ध्यान दें," डचेस ने कहा, "और ठीक वही करें जो वह चाहता है।"
सेनापति ने उत्तर दिया कि सेनोर सांचो की हर बात माननी चाहिए; और यह कहकर वह सांचो को साथ लेकर भोजन करने चला गया, जबकि ड्यूक और डचेस और डॉन क्विक्सोट मेज पर बैठे हुए कई तरह की बातों पर चर्चा कर रहे थे, लेकिन सभी चर्चाएं शस्त्र धारण करने और शूरवीरता के आह्वान से संबंधित थीं।
डचेस ने डॉन क्विक्सोट से विनती की, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता था कि उसकी याददाश्त बहुत अच्छी थी, कि वह उसे लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो की सुंदरता और विशेषताओं का वर्णन और चित्रण करके दिखाए, क्योंकि उसकी सुंदरता के बारे में दूर-दूर तक फैली प्रसिद्धि को देखते हुए, उसे पूरा विश्वास था कि वह दुनिया की, बल्कि पूरे ला मांचा की सबसे सुंदर महिला होगी।
डचेस का अनुरोध सुनकर डॉन क्विक्सोट ने आह भरी और कहा, "अगर मैं अपना हृदय निकालकर आपकी आँखों के सामने इस मेज पर रख पाता, तो मेरी जीभ को उस बात को कहने के दर्द से मुक्ति मिल जाती, जिसकी कल्पना भी करना असंभव है, क्योंकि उसमें आपकी महिमा का पूर्ण चित्रण दिखाई देता। लेकिन मैं अद्वितीय डुलसीनिया की सुंदरता का विस्तृत वर्णन क्यों करूँ, एक-एक विशेषता का वर्णन क्यों करूँ? यह भार तो मेरे कंधों पर नहीं, बल्कि दूसरों के कंधों पर होना चाहिए। यह एक ऐसा कार्य है जिसके लिए पर्रासियस, तिमांटेस और एपेलस की कलमों और लिसिपस जैसे शिल्पकारों को चित्रों में इसे चित्रित करने और संगमरमर और कांसे में उकेरने के लिए नियुक्त किया जाना चाहिए, और सिसेरोनियन और डेमोस्थेनियन वाक्पटुता से इसकी प्रशंसा की जानी चाहिए।" "डेमोस्थेनियन का क्या मतलब है, श्रीमान डॉन क्विक्सोट?" डचेस ने कहा; "यह एक ऐसा शब्द है जिसे मैंने अपने पूरे जीवन में कभी नहीं सुना।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "डेमोस्थेनियन वाक्पटुता का अर्थ है डेमोस्थेनिस की वाक्पटुता, जैसे सिसरो की वाक्पटुता का अर्थ है सिसरो की वाक्पटुता, जो दुनिया के दो सबसे वाक्पटु वक्ता थे।"
"सच है," ड्यूक ने कहा; "ऐसा सवाल पूछने के लिए तुम्हारा दिमाग खराब हो गया होगा। फिर भी, अगर सेनर डॉन क्विक्सोट हमें उसका चित्र बनाकर दिखा दें तो हमें बहुत खुशी होगी; क्योंकि चिंता मत करो, एक रूपरेखा या रेखाचित्र में भी वह इतनी सुंदर होगी कि सबसे खूबसूरत भी ईर्ष्या करेंगी।"

डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं ऐसा ज़रूर करता, अगर कुछ समय पहले उस पर आई विपत्ति ने उसकी छवि को धुंधला न कर दिया होता। वह विपत्ति इतनी भयानक थी कि उसका वर्णन करने की अपेक्षा मुझे उस पर रोना ज़्यादा अच्छा लगता है। क्योंकि महाराज और महाराज को यह जानना ही चाहिए कि कुछ दिन पहले जब मैं उसके हाथ चूमने और इस तीसरे प्रयास के लिए उसका आशीर्वाद, स्वीकृति और अनुमति लेने गया था, तो मैंने उसे बिल्कुल बदल दिया था; मैंने उसे जादू से प्रभावित पाया और वह राजकुमारी से किसान, सुंदर से बदसूरत, देवदूत से शैतान, सुगंधित से विक्षिप्त, सभ्य से मसखरा, गरिमामय महिला से उछलती- कूदती लड़की और एक शब्द में कहें तो डुलसीनिया डेल टोबोसो से एक अशिष्ट सायगो लड़की में बदल गई थी।"
यह सुनकर ड्यूक ने गरजते हुए कहा, "भगवान मुझे आशीर्वाद दें! दुनिया को इतना बड़ा नुकसान किसने पहुंचाया होगा? किसने इससे वह सुंदरता छीन ली होगी जो इसे आनंदित करती थी, वह गरिमा और उल्लास जिसने इसे मोहित किया था, वह विनम्रता जिसने इस पर एक चमक बिखेरी थी?"
“कौन?” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; “वह कौन हो सकता है? उन अनेक दुष्ट जादूगरों में से कोई एक, जो ईर्ष्या से मेरा उत्पीड़न करते हैं—वह शापित जाति जो अच्छे लोगों की उपलब्धियों को धूमिल करने और नष्ट करने तथा दुष्टों के कर्मों को महिमामंडित करने के लिए इस संसार में जन्मी है? जादूगरों ने मेरा उत्पीड़न किया है, वे अभी भी मेरा उत्पीड़न कर रहे हैं, और वे तब तक मेरा उत्पीड़न करते रहेंगे जब तक वे मुझे और मेरे उच्च वीरत्व को विस्मृति के गहरे गड्ढे में डुबो न दें; और वे मुझे वहीं चोट पहुँचाते हैं जहाँ वे जानते हैं कि मुझे सबसे अधिक पीड़ा होती है। क्योंकि एक वीर योद्धा को उसकी प्रेमिका से वंचित करना, उसे उसकी आँखों से, उसके प्रकाश देने वाले सूर्य से, उसके जीवन के भोजन से वंचित करने के समान है। मैंने यह बात पहले भी कई बार कही है, और अब एक बार फिर कहता हूँ, एक वीर योद्धा बिना पत्तों के पेड़, बिना नींव के भवन, या बिना शरीर के छाया के समान है।” "इसमें कोई शक नहीं है," डचेस ने कहा; "लेकिन फिर भी, अगर हम डॉन क्विक्सोट के उस इतिहास पर विश्वास करें जो हाल ही में यहाँ व्यापक प्रशंसा के साथ प्रकाशित हुआ है, तो इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है, अगर मैं गलत नहीं हूँ, कि आपने लेडी डुलसीनिया को कभी नहीं देखा, और वह महिला इस दुनिया में

एक काल्पनिक महिला के अलावा कुछ भी नहीं है, जिसे आपने स्वयं अपने दिमाग में जन्म दिया और अपनी पसंद के आकर्षण और गुणों से सजाया।"
“इस विषय पर बहुत कुछ कहा जा सकता है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “ईश्वर ही जाने कि संसार में डुलसीनिया है या नहीं, या वह काल्पनिक है या नहीं; इन बातों के प्रमाण को अतिरंजित नहीं किया जाना चाहिए। मैंने अपनी प्रेमिका को जन्म नहीं दिया है, यद्यपि मैं उसे उसके वास्तविक स्वरूप में देखता हूँ, एक ऐसी स्त्री जिसमें वे सभी गुण समाहित हैं जो उसे विश्व प्रसिद्ध बना देंगे, वह बेदाग सुंदर है, अभिमान रहित गरिमामय है, कोमल और फिर भी विनम्र है, शिष्टाचार से भरपूर है और अच्छे संस्कारों से विनम्र है, और अंत में, उच्च वंश की है, क्योंकि सुंदरता उच्च वंश में निम्न कुल की स्त्री की तुलना में कहीं अधिक निखरती है।”
"यह सच है," ड्यूक ने कहा; "लेकिन सेनोर डॉन क्विक्सोट मुझे वह कहने की अनुमति देंगे जो मुझे उनके कारनामों की उस कहानी के आधार पर कहना पड़ रहा है जिसे मैंने पढ़ा है, जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि, यदि एल टोबोसो में या उसके बाहर कोई डुलसीनिया है, और वह उतनी ही सुंदर है जितना आपने हमें बताया है, तो भी अपने वंश की उच्चता के मामले में वह ओरियाना, अलास्त्राजेरिया, मदासिमा या उस तरह की अन्य महिलाओं के बराबर नहीं है, जिनके बारे में, जैसा कि आप अच्छी तरह जानते हैं, इतिहास में बहुत कुछ लिखा गया है।"
“इसका उत्तर मैं यह दे सकता हूँ कि डुलसीनिया अपने कर्मों का फल है, और सद्गुण रक्त को शुद्ध करते हैं, और निम्न सद्गुण उच्च दुर्गुण से कहीं अधिक प्रशंसनीय और सम्माननीय है। इसके अलावा, डुलसीनिया में वह क्षमता है जो उसे मुकुटधारी रानी बना सकती है; क्योंकि एक सुंदर और गुणी स्त्री का गुण बड़े चमत्कार करने में सक्षम होता है; और वास्तव में, भले ही औपचारिक रूप से नहीं, उसके भीतर उच्च भाग्य निहित है।”
"मैं विरोध करती हूँ, सेनर डॉन क्विक्सोट," डचेस ने कहा, "कि आप जो कुछ भी कहते हैं, उसमें आप अत्यंत सावधानी बरतते हैं, जैसा कि कहावत है; अब से मैं स्वयं पर विश्वास करूँगी, और यह सुनिश्चित करूँगी कि मेरे घर में हर कोई, यहाँ तक कि मेरे स्वामी ड्यूक भी, यह विश्वास करे कि एल टोबोसो में एक डुलसीनिया है, और वह आज जीवित है, और वह सुंदर और कुलीन कुल की है और सेनर डॉन क्विक्सोट जैसे शूरवीर की सेवा के योग्य है, और यही मेरे लिए उसकी सबसे

बड़ी प्रशंसा है जो मैं कर सकती हूँ या सोच सकती हूँ। लेकिन मुझे संदेह है, और सांचो पांजा के प्रति मेरे मन में कुछ द्वेष भी है; संदेह यह है कि उपर्युक्त इतिहास में कहा गया है कि जब सांचो पांजा आपके नाम से उक्त महिला डुलसीनिया को पत्र ले जा रहा था, तो उसने उसे गेहूँ की बोरी छानते हुए पाया; और इससे भी अधिक प्रमाण के रूप में कहा गया है कि वह लाल गेहूँ था; यह बात मुझे उसके उच्च वंश पर संदेह करने पर मजबूर करती है।"
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "महामहिम, आपको यह जानना चाहिए कि मेरे साथ जो कुछ भी घटित होता है, वह अन्य वीर योद्धाओं के साथ घटित होने वाली सामान्य घटनाओं से कहीं अधिक असाधारण होता है; चाहे वह भाग्य की रहस्यमयी इच्छा से प्रेरित हो या किसी ईर्ष्यालु जादूगर की दुर्भावना से। यह सर्वविदित है कि सभी या अधिकांश प्रसिद्ध वीर योद्धाओं के पास कोई न कोई विशेष वरदान होता है, एक तो जादू-टोने से अप्रभावित रहने का, दूसरा इतने अभेद्य शरीर से बने होने का कि उन्हें घायल नहीं किया जा सकता, जैसा कि फ्रांस के बारह कुलीन योद्धाओं में से एक प्रसिद्ध रोलैंड के साथ था, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्हें केवल उनके बाएं पैर के तलवे पर ही घायल किया जा सकता था, और वह भी किसी अन्य प्रकार के हथियार से नहीं, बल्कि एक मजबूत पिन की नोक से; और इसलिए, जब बर्नार्डो डेल कार्पियो ने रोंसेसवेल्स में उनकी हत्या की, तो यह देखकर कि वह उन्हें स्टील से घायल नहीं कर सकता, उसने उन्हें जमीन से उठाकर अपनी बाहों में भर लिया और गला घोंट दिया, जो हरक्यूलिस द्वारा एंटियस को दी गई मृत्यु की याद दिलाता है।" वह भयंकर दानव जिसे टेरा का पुत्र कहा जाता था। मैंने जो उल्लेख किया है, उससे मैं यह अनुमान लगाता हूँ कि शायद मुझमें भी इस प्रकार का कोई वरदान हो, न कि अजेय होने का, क्योंकि अनुभव ने कई बार सिद्ध किया है कि मेरा शरीर कोमल है और मैं बिल्कुल भी अभेद्य नहीं हूँ; न ही जादू-टोने से अप्रभावित होने का, क्योंकि मैंने स्वयं को एक पिंजरे में बंद होते देखा है, जिसमें जादू-टोने के बल के अलावा पूरी दुनिया मुझे कैद नहीं कर सकती थी। लेकिन चूंकि मैंने स्वयं को उस एक से मुक्त कर लिया, इसलिए मुझे विश्वास है कि कोई दूसरा मुझे नुकसान नहीं पहुंचा सकता; और इसलिए, ये जादूगर, यह देखकर कि वे मुझ पर अपना घिनौना जादू नहीं चला सकते, मुझसे सबसे प्रिय चीज पर बदला लेते हैं, और डुलसीनिया के जीवन को प्रताड़ित करके मुझे जान से मारने की कोशिश करते हैं, जिसके गर्भ में मैं रहता हूँ; और इसलिए

हालाँकि मुझे उनमें शासन करने की एक निश्चित योग्यता दिखाई देती है, जिससे उनकी समझ को थोड़ा सा निखारने पर वे किसी भी शासन को उतनी ही आसानी से संभाल लेंगे जितनी आसानी से राजा अपने करों का भुगतान करते हैं; और इसके अलावा, हम पहले से ही पर्याप्त अनुभव से जानते हैं कि राज्यपाल बनने के लिए बहुत अधिक चतुराई या ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि हमारे आस-पास ऐसे सौ राज्यपाल हैं जो मुश्किल से पढ़ना जानते हैं और बाज की तरह शासन करते हैं। मुख्य बात यह है कि उनके इरादे नेक हों और वे हर काम में सही करने की इच्छा रखें, क्योंकि उन्हें सलाह और मार्गदर्शन देने वाले लोगों की कभी कमी नहीं होगी, उन शूरवीर-राज्यपालों की तरह जो वकील न होते हुए भी एक कर सलाहकार की सहायता से फैसले सुनाते हैं। मेरी सलाह उन्हें यही होगी कि वे रिश्वत न लें और किसी भी अधिकार का त्याग न करें, और मेरे पास कुछ अन्य छोटी-मोटी बातें भी हैं, जिन्हें सांचो के लाभ और राज्य के हित के लिए उचित समय पर प्रस्तुत किया जाएगा। जिस द्वीप पर उन्हें शासन करना है।" ड्यूक, डचेस और डॉन क्विक्सोट अपनी बातचीत के इस मोड़ पर पहुँच चुके थे कि तभी उन्हें महल में शोरगुल और हलचल सुनाई दी। सांचो अचानक गुस्से से आग बबूला होकर कमरे में घुस आया। उसके गले में एक कपड़ा ठूंसा हुआ था, जिसे उसने बिब की तरह पहना था। उसके पीछे कई नौकर, या यूँ कहें कि रसोई के लड़के और अन्य कर्मचारी थे, जिनमें से एक के हाथ में पानी से भरा एक छोटा सा टब था, जो अपने रंग और गंदगी से साफ तौर पर बर्तन धोने का पानी लग रहा था। टब वाला लड़का उसके पीछे-पीछे हर जगह जाता और पूरी ज़िद से उसे सांचो की ठुड्डी के नीचे रखने की कोशिश करता रहा, जबकि दूसरा रसोई का लड़का उसकी दाढ़ी धोने के लिए बेताब लग रहा था।
"ये सब क्या है, भाइयों?" डचेस ने पूछा। "क्या बात है? आप इस भले आदमी के साथ क्या करना चाहते हैं? क्या आप भूल गए हैं कि वह निर्वाचित राज्यपाल हैं?"
इस पर नाई के रसोईघर के लड़के ने जवाब दिया, "यह सज्जन व्यक्ति प्रथा के अनुसार और मेरे स्वामी और उनके मालिक के अनुसार स्नान नहीं करवा रहे हैं।" “हाँ, मैं करूँगा,” सांचो ने बड़े गुस्से में कहा; “लेकिन मैं चाहता हूँ कि तौलिए साफ हों, कास्टिक सोडा साफ हो, और हाथ इतने गंदे न हों; क्योंकि मुझमें और मेरे मालिक में इतना फर्क नहीं है कि उन्हें फरिश्तों के पानी से धोया जाए और मुझे शैतान के कास्टिक सोडा से। देशों और राजकुमारों के

महलों के रीति-रिवाज तभी तक अच्छे होते हैं जब तक उनसे कोई तकलीफ न हो; लेकिन यहाँ धोने का जो तरीका है, वह प्रायश्चित से भी बदतर है। मेरी दाढ़ी साफ है, और मुझे इस तरह से साफ होने की ज़रूरत नहीं है, और जो कोई भी मुझे धोने या मेरे सिर के एक बाल को भी छूने आएगा, मेरा मतलब मेरी दाढ़ी से है, तो मैं उसे ऐसा घूंसा मारूँगा कि मेरी मुट्ठी उसकी खोपड़ी में धंस जाएगी; क्योंकि इस तरह के समारोह और साबुन लगाना मेजबान की विनम्रता से ज़्यादा मज़ाक लगते हैं।”
सैंचो का गुस्सा देखकर और उसकी बातें सुनकर डचेस हंसते-हंसते लोटपोट हो गई; लेकिन डॉन क्विक्सोट को उसे इस दयनीय हालत में, गंदे तौलिए में लिपटे हुए और रसोई के चापलूसों को उसके चारों ओर देखकर अच्छा नहीं लगा; इसलिए ड्यूक और डचेस को झुककर प्रणाम करते हुए, मानो बोलने की अनुमति मांगते हुए, उसने गंभीर स्वर में भीड़ को संबोधित किया: "अरे सज्जनों! आप उस युवक को अकेला छोड़ दें और जहां से आए हैं वहीं वापस चले जाएं, या चाहें तो कहीं और चले जाएं; मेरा सेवक किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह साफ-सुथरा है, और वे लोग उसके लिए संकरे पतले मुंह वाले घड़ों की तरह हैं; मेरी सलाह मानिए और उसे अकेला छोड़ दीजिए, क्योंकि न तो वह और न ही मैं मजाक समझते हैं।"
सांचो ने उसके मुंह से बात छीन ली और आगे बोला, "नहीं, उन्हें आने दो और इस देहाती पर अपने मज़ाक आज़माने दो, क्योंकि मेरे द्वारा उन्हें बर्दाश्त किए जाने की संभावना उतनी ही है जितनी कि अब आधी रात हो जाने की! उन्हें मेरे लिए कंघी लाने दो, या जो भी वे चाहें, और मेरी इस दाढ़ी को संवारें, और अगर उन्हें इससे स्वच्छता के विरुद्ध कुछ भी मिलता है, तो वे मुझे काट-काट कर मार डालें।"
इस पर डचेस लगातार हंसते हुए बोली, "सांचो पांजा सही है, और वह जो कुछ भी कहता है, उसमें हमेशा सही रहेगा; वह साफ-सुथरा है, और जैसा कि वह खुद कहता है, उसे धोने की ज़रूरत नहीं है; और अगर हमारे तरीके उसे पसंद नहीं आते, तो वह चुनने के लिए स्वतंत्र है। इसके अलावा, आप स्वच्छता के पैरोकार हद से ज़्यादा लापरवाह और विचारहीन रहे हैं, मुझे नहीं पता कि मुझे दुस्साहस कहना चाहिए या नहीं, ऐसे व्यक्ति और ऐसी दाढ़ी के लिए शुद्ध सोने के बेसिन, जग और हॉलैंड के तौलिये के बजाय कुंड, लकड़ी के बर्तन और रसोई के कपड़े लाना; लेकिन, आखिरकार, आप बदमिजाज और असभ्य हैं, और आप चाहे जितने भी

द्वेषी हों, शूरवीरों के सहायकों के प्रति अपनी दुश्मनी दिखाने से खुद को रोक नहीं सकते।"
उन निर्भीक सेवकों और यहाँ तक कि उनके साथ आए सेनापति ने भी डचेस की बात को गंभीरता से लिया, इसलिए उन्होंने सांचो के गले से कपड़ा हटा दिया और शर्म और अपमान के भाव से वहाँ से चले गए; तब सांचो ने खुद को उस भयंकर खतरे से सुरक्षित पाकर, जैसा कि उसे लगा, दौड़कर डचेस के सामने घुटने टेक दिए और कहा, "महान महिलाओं से महान कृपा की उम्मीद की जा सकती है; आज आपने जो मेरे लिए किया है, उसके बदले में मैं यही कामना करता हूँ कि मुझे एक वीर योद्धा की उपाधि दी जाए, ताकि मैं अपना सारा जीवन इतनी उच्च कोटि की महिला की सेवा में समर्पित कर सकूँ। मैं एक मजदूर हूँ, मेरा नाम सांचो पांजा है, मैं विवाहित हूँ, मेरे बच्चे हैं और मैं एक सहायक के रूप में सेवा कर रहा हूँ; यदि इनमें से किसी भी तरह से मैं आपकी सेवा कर सकूँ, तो मैं आज्ञा मानने में उतना ही समय लूँगा जितना आपकी आज्ञा मानने में।"
"सांचो, यह आसानी से देखा जा सकता है," डचेस ने उत्तर दिया, "कि तुमने शिष्टाचार की शिक्षा स्वयं शिष्टाचार की विद्यालय में ली है; मेरा तात्पर्य यह है कि यह आसानी से देखा जा सकता है कि तुम्हारा पालन-पोषण सेनोर डॉन क्विक्सोट की गोद में हुआ है, जो निश्चित रूप से उत्तम संस्कार और शिष्टाचार का प्रतीक हैं—या कहें कि जैसा तुम स्वयं कहते हो, समारोह का शिखर। ऐसे स्वामी और ऐसे सेवक का भाग्य कितना सुखद हो, एक शूरवीरता का केंद्रबिंदु है, दूसरा सामंती निष्ठा का सितारा! उठो, सांचो, मेरे मित्र; मैं तुम्हारी इस विनम्रता का प्रतिफल यह सुनिश्चित करके दूंगी कि मेरे स्वामी ड्यूक तुम्हें सरकार का वादा किया गया उपहार यथाशीघ्र प्रदान करें।"
इस पर बातचीत समाप्त हुई और डॉन क्विक्सोट दोपहर की नींद लेने के लिए चले गए; लेकिन डचेस ने सांचो से विनती की कि यदि उसे सोने की बहुत तीव्र इच्छा न हो, तो वह दोपहर उनके और उनकी दासियों के साथ एक ठंडे कमरे में बिताए। सांचो ने उत्तर दिया कि यद्यपि गर्मियों में दिन की गर्मी में उसे चार-पाँच घंटे सोने की आदत थी, फिर भी डचेस की सेवा करने के लिए वह उस दिन एक पल भी न सोने का भरसक प्रयास करेगा और उनके आदेश का पालन करते हुए आएगा, और इतना कहकर वह चला गया। डचेस ने डॉन क्विक्सोट को एक वीर योद्धा के रूप में

मानने के संबंध में नए आदेश दिए, जिसमें पुराने समय के शूरवीरों के साथ किए जाने वाले व्यवहार के तरीके से जरा भी विचलन नहीं किया गया।

33

अध्याय
डचेस और उनकी दासियों द्वारा सांचो पांजा के साथ की गई मनोरंजक बातचीत पढ़ने और ध्यान देने योग्य है।
इतिहास में दर्ज है कि सांचो उस दोपहर सोया नहीं, बल्कि अपना वचन निभाने के लिए, भोजन करने से पहले ही डचेस से मिलने आ गया। डचेस को उसकी बातें सुनना अच्छा लगा और उसने उसे अपने पास एक नीची कुर्सी पर बैठा लिया, हालांकि सांचो अपनी उच्च शिष्टाचार के कारण बैठना नहीं चाहता था। लेकिन डचेस ने उससे कहा कि उसे राज्यपाल की तरह बैठना है और सरदार की तरह बात करनी है, क्योंकि दोनों ही मामलों में वह कैम्पेडोर सिड रुय डियाज़ की कुर्सी के भी योग्य था। सांचो ने कंधे उचकाए, आज्ञा मानी और बैठ गया। डचेस की सभी दासियाँ और नौकरानियाँ उसके चारों ओर जमा हो गईं और गहरी चुप्पी में यह सुनने के लिए प्रतीक्षा करने लगीं कि वह क्या कहेगा। लेकिन सबसे पहले डचेस ने ही बोलना शुरू किया:
अब जबकि हम अकेले हैं, और यहाँ कोई भी हमारी बातें सुनने वाला नहीं है, मुझे खुशी होगी यदि वरिष्ठ गवर्नर डॉन क्विक्सोट के महान इतिहास से उत्पन्न मेरे कुछ संदेहों को दूर कर दें, जो अब प्रकाशित हो चुका है। पहला यह है: चूंकि योग्य सांचो ने कभी डुलसीनिया को नहीं देखा, मेरा मतलब है लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो को, और न ही डॉन क्विक्सोट का पत्र उन तक पहुँचाया, क्योंकि वह पत्र सिएरा मोरेना में मेमोरेंडम बुक में ही रह गया था, तो उन्होंने यह मनगढ़ंत कहानी गढ़ने की हिम्मत कैसे की कि वह उन्हें गेहूँ छानते हुए मिलीं? पूरी कहानी एक धोखा और झूठ है, और यह अद्वितीय डुलसीनिया की प्रतिष्ठा को इतना नुकसान पहुँचाती है, जो एक अच्छे सरदार के चरित्र और निष्ठा के बिल्कुल विपरीत है।
ये शब्द सुनकर सांचो ने बिना कुछ कहे अपनी कुर्सी से उठकर, बिना आवाज किए, झुके हुए शरीर और होंठों पर उंगली रखे, कमरे के चारों ओर घूमकर पर्दे उठाने शुरू कर दिए; और यह हो जाने पर, वह अपनी सीट पर वापस आया और बोला, "अब, महोदया, चूंकि मैंने देख लिया है कि यहाँ आस-पास खड़े लोगों के अलावा कोई और हमें चुपके से नहीं सुन रहा है, इसलिए मैं आपके पूछे गए सवालों का जवाब दूंगा, और आप मुझसे जो भी पूछें, बिना किसी डर या भय के। और सबसे पहले मुझे

यह कहना है कि मैं अपने गुरु डॉन क्विक्सोट को पूरी तरह से पागल मानता हूँ, हालाँकि कभी-कभी वह ऐसी बातें कहता है जो मेरी राय में, और वास्तव में उसे सुनने वाले हर किसी की राय में, इतनी बुद्धिमान और सीधी होती हैं कि शैतान भी उन्हें इससे बेहतर नहीं कह सकता था; लेकिन इन सबके बावजूद, वास्तव में, और बिना किसी संदेह के, मेरा दृढ़ विश्वास है कि वह पागल है। ठीक है, तो चूंकि यह मेरे मन में स्पष्ट है, मैं उसे ऐसी बातों पर विश्वास दिलाने का साहस कर सकता हूँ जिनका कोई सिर-पैर नहीं है, जैसे कि पत्र के उत्तर का मामला, और छह या आठ दिन पहले का वह दूसरा मामला, जो अभी तक इतिहास में दर्ज नहीं है, यानी मेरी लेडी डुलसीनिया के जादू का मामला; क्योंकि मैंने उसे यह विश्वास दिलाया कि वह मंत्रमुग्ध कर देने वाला, हालांकि इसमें उबेदा की पहाड़ियों के ऊपर की तरह कोई सच्चाई नहीं है।"
डचेस ने उससे जादू या धोखे के बारे में बताने की विनती की, इसलिए सांचो ने पूरी कहानी ठीक वैसे ही सुनाई जैसे घटी थी, और उसके सुनने वाले काफी खुश हुए; और फिर बात आगे बढ़ाते हुए डचेस ने कहा, "सांचो ने जो कुछ मुझे बताया है, उसके कारण मेरे मन में एक संदेह उत्पन्न होता है, और मेरे कान में एक फुसफुसाहट आती है जो कहती है, 'यदि डॉन क्विक्सोट पागल, विक्षिप्त और दिमागी रूप से कमजोर है, और उसका साथी सांचो पांजा यह जानता है, और फिर भी उसकी सेवा करता है, उसका अनुसरण करता है, और उसके खोखले वादों पर भरोसा करता है, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह अपने स्वामी से भी अधिक पागल और मूर्ख होगा; और यदि ऐसा है, तो हे महारानी, अगर आप सांचो को शासन करने के लिए एक द्वीप देती हैं, तो यह आपके मुंह पर तमाचा होगा; क्योंकि जो स्वयं पर शासन करना नहीं जानता, वह दूसरों पर शासन करना कैसे जानेगा?'"
"हे भगवान, महोदया," सांचो ने कहा, "यह शंका तो सही समय पर आई है; लेकिन आप इसे खुलकर कह सकती हैं, स्पष्ट रूप से कह सकती हैं, या जैसा आपको ठीक लगे; क्योंकि मैं जानता हूँ कि आप जो कह रही हैं वह सच है, और अगर मैं समझदार होता तो बहुत पहले ही अपने स्वामी को छोड़ देता; लेकिन यही मेरा भाग्य था, यही मेरी बदकिस्मती थी; मैं कुछ नहीं कर सकता, मुझे उनका अनुसरण करना ही होगा; हम एक ही गाँव के हैं, मैंने उनकी रोटी खाई है, मैं उनसे स्नेह करता हूँ, मैं उनका आभारी हूँ, उन्होंने मुझे अपने गधे के बच्चे दिए, और सबसे बढ़कर मैं वफादार हूँ; इसलिए कुल्हाड़ी और फावड़े के अलावा कोई भी चीज़ हमें अलग नहीं कर सकती। और अगर महाराज मुझे वह शासन नहीं देना चाहते जिसका

आपने वादा किया था, तो भगवान ने मुझे इसके बिना ही बनाया है, और शायद आपका मुझे यह न देना मेरे अंतरात्मा के लिए बेहतर होगा, क्योंकि मूर्ख होते हुए भी मैं यह कहावत जानता हूँ कि 'जिसकी चोट लगती है उसे पंख मिल जाते हैं', और हो सकता है कि सरदार सांचो राज्यपाल सांचो से पहले स्वर्ग पहुँच जाए। 'यहाँ भी उतनी ही अच्छी रोटी बनती है। 'जैसे फ्रांस में,' और 'रात में सभी बिल्लियाँ धूसर हो जाती हैं,' और 'उसका मामला काफी कठिन है जिसने दोपहर दो बजे तक अपना उपवास नहीं तोड़ा,' और 'कोई भी पेट दूसरे से एक हाथ की चौड़ाई जितना बड़ा नहीं होता,' और कहावत के अनुसार, उसे 'भूसे या घास' से भरा जा सकता है, और 'मैदान के छोटे पक्षियों का पालन-पोषण और आहारकर्ता ईश्वर है,' और 'क्यूएंका की चार गज की झालर सेगोविया के चार गज के चौड़े कपड़े से ज्यादा गर्म रखती है,' और 'जब हम इस दुनिया को छोड़ते हैं और दफनाए जाते हैं तो राजकुमार भी उतने ही संकरे रास्ते से यात्रा करता है जितना कोई मजदूर,' और 'पोप का शरीर भी चर्च के सेवक के शरीर से ज्यादा मिट्टी नहीं घेरता,' भले ही एक दूसरे से ऊंचा हो; क्योंकि जब हम अपनी कब्रों में जाते हैं तो हम सब खुद को समेट लेते हैं और छोटा बना लेते हैं, या यूं कहें कि वे हमें हमारी मर्जी के बिना समेट लेते हैं और छोटा बना देते हैं, और फिर—हमें शुभ रात्रि। और मैं एक बार फिर कहता हूँ, अगर आपकी महोदया मुझे यह द्वीप देना पसंद नहीं करती क्योंकि मैं मूर्ख हूँ, लेकिन एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह मैं इस बारे में खुद को परेशान नहीं करूँगा; मैंने सुना है कि 'क्रॉस के पीछे शैतान होता है', और 'हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती', और बैलों, हलों और जुए के बीच से किसान वाम्बा को स्पेन का राजा बनाया गया था, और रेशमी वस्त्रों, सुख-सुविधाओं और धन-दौलत के बीच से रोडरिक को सांपों द्वारा खाए जाने के लिए चुना गया था, अगर पुराने लोकगीतों की पंक्तियाँ झूठ नहीं बोलतीं।
"पक्का, वे झूठ तो नहीं बोल रहे!" श्रोताओं में से एक, डोना रोड्रिगेज़, जो एक गृहिणी थीं, ने कहा। "अरे, एक लोकगीत है जिसमें कहा गया है कि राजा रोड्रिगो को जीवित ही मेंढकों, साँपों और छिपकलियों से भरी कब्र में डाल दिया गया था, और दो दिन बाद राजा ने एक दयनीय, कमजोर आवाज में कब्र के भीतर से पुकार लगाई—"
वे अब मुझे कुतर रहे हैं, वे अब मुझे कुतर रहे हैं।
वहीं मैंने सबसे ज्यादा पाप किया।

और इसके अनुसार, उस सज्जन के पास यह कहने का अच्छा कारण है कि यदि कीड़े- मकोड़े उसे खाने के लिए मजबूर करें तो वह राजा बनने की बजाय एक मजदूर बनना पसंद करेगा।
अपनी दासी की सादगी पर डचेस हँसे बिना नहीं रह सकीं, और सांचो की भाषा और कहावतों पर आश्चर्यचकित भी हुईं। उन्होंने सांचो से कहा, "महान सांचो भली- भांति जानते हैं कि एक बार कोई शूरवीर वादा कर दे तो उसे निभाने का भरसक प्रयास करता है, चाहे इसके लिए उसे अपनी जान ही क्यों न देनी पड़े। मेरे स्वामी और पति ड्यूक, यद्यपि पथभ्रष्ट स्वभाव के नहीं हैं, फिर भी वे एक सच्चे शूरवीर हैं, और संसार की ईर्ष्या और द्वेष के बावजूद, वे प्रतिज्ञा किए गए द्वीप के बारे में अपना वचन निभाएंगे। सांचो को प्रसन्न रहना चाहिए; क्योंकि जब उन्हें इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं होगी, तब वे अपने द्वीप के सिंहासन और प्रतिष्ठा के स्थान पर विराजमान होंगे, और अपने शासन पर इस कदर अधिकार जमा लेंगे कि उसे त्यागकर किसी और अलंकृत राजसी शासन को अपना लेंगे। मैं उन्हें यह निर्देश देती हूँ कि वे अपने सामंतों पर सावधानीपूर्वक शासन करें, यह ध्यान में रखते हुए कि वे सभी वफादार और उच्च कुल के हैं।"
“उन पर अच्छे से शासन करने की बात करें तो,” सांचो ने कहा, “मुझे यह काम सौंपने की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि मैं स्वभाव से दयालु हूँ और गरीबों के प्रति करुणा से भरा हूँ; रोटी बनाने वाले से रोटी छीनना मुमकिन नहीं; और मेरी कसम, मेरे साथ धोखा करना ठीक नहीं होगा; मैं एक अनुभवी व्यक्ति हूँ और मुझे हर बात का ज्ञान है; ज़रूरत पड़ने पर मैं पूरी तरह सतर्क रह सकता हूँ और मैं भ्रम में नहीं रहता, क्योंकि मुझे पता है कि मुझे कहाँ चुभना है; मैं ऐसा इसलिए कहता हूँ क्योंकि मेरे साथ अच्छे लोगों को सहारा और सुरक्षा मिलेगी, और बुरे लोगों को न तो पैर जमाने की जगह मिलेगी और न ही पहुँच। और मुझे लगता है कि शासन में शुरुआत करना ही सब कुछ है; और शायद, दो सप्ताह तक शासक रहने के बाद, मुझे काम में रुचि हो जाएगी और मैं उस खेत के काम से ज़्यादा इसके बारे में जान जाऊँगा जिसमें मैं पला-बढ़ा हूँ।”
"तुम सही कह रहे हो, सांचो," डचेस ने कहा, "क्योंकि कोई भी जन्म से ही शिक्षित नहीं होता, और बिशप तो मनुष्य होते हैं, पत्थर नहीं। लेकिन जिस विषय पर हम अभी चर्चा कर रहे थे, यानी लेडी डुलसीनिया पर हुए जादू पर, उस पर लौटते हुए, मुझे यह निश्चित और स्पष्ट रूप से प्रतीत होता है कि सांचो का

अपने स्वामी को धोखा देने का विचार, उन्हें यह विश्वास दिलाना कि किसान लड़की डुलसीनिया है और यदि वे उसे पहचान नहीं पाते हैं तो इसका कारण जादू का प्रभाव होना चाहिए, डॉन क्विक्सोट को सताने वाले जादूगरों में से किसी एक की चाल थी। क्योंकि सच में, मुझे विश्वसनीय सूत्रों से पता है कि गधे पर कूदने वाली वह देहाती लड़की डुलसीनिया डेल टोबोसो थी और है, और भले ही सांचो खुद को धोखेबाज समझता हो, वास्तव में वही धोखा खा रहा है; और इस बात की सच्चाई पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है, जितना कि किसी और बात पर जो हमने कभी नहीं देखी। सेनर सांचो पांजा को यह जानना चाहिए कि हमारे यहाँ भी कुशल जादूगर हैं। हमें दुनिया में क्या घटित हो रहा है, यह स्पष्ट और साफ-साफ, बिना किसी छल या कपट के बताएं; और यकीन मानिए, सांचो, वह फुर्तीली देहाती लड़की डुलसीनिया डेल टोबोसो थी और है, जो अपनी जन्मदाता माँ की तरह ही रहस्यमयी है; और जब हम इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं करेंगे, तब हम उसे उसके असली रूप में देखेंगे, और तब सांचो उस भ्रम से बाहर आ जाएगा जिसके तहत वह इस समय है।
"यह सब बिल्कुल संभव है," सांचो पांजा ने कहा; "और अब मैं अपने स्वामी की बात पर विश्वास करने को तैयार हूँ, जो उन्होंने मोंटेसिनोस की गुफा में देखी थी। उनका कहना है कि उन्होंने वहाँ लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो को ठीक उसी पोशाक में देखा था, जिस पोशाक में मैंने उन्हें अपने वश में करने के लिए जादू किया था। जैसा कि आप कह रही हैं, असल में सब कुछ उल्टा ही होना चाहिए; क्योंकि यह सोचना असंभव है कि मेरी मंद बुद्धि से इतनी चालाकी भरी चाल पल भर में रची जा सकती है, और न ही मुझे लगता है कि मेरे स्वामी इतने पागल हैं कि मेरे कमजोर और बेतुके समझाने से वे इतनी अतार्किक बात पर विश्वास कर लेंगे। लेकिन, महोदया, आपको मुझे नासमझ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि मुझ जैसे मूर्ख के लिए उन दुष्ट जादूगरों के विचारों और साजिशों को समझना नामुमकिन है। मैंने यह सब अपने स्वामी की डांट से बचने के लिए गढ़ा था, उन्हें चोट पहुँचाने के इरादे से नहीं; और अगर ऐसा नहीं हुआ, तो स्वर्ग में एक ईश्वर है जो हमारे दिलों का न्याय करता है।"
"यह सच है," डचेस ने कहा; "लेकिन मुझे बताओ, सांचो, मोंटेसिनोस की गुफा के बारे में तुम जो कह रहे हो, उसका क्या मतलब है, क्योंकि मैं जानना चाहूंगी।"

इस पर सांचो ने उसे शब्दशः वही सब बताया जो उस घटना के बारे में पहले ही कहा जा चुका था, और यह सुनकर डचेस ने कहा, "इस घटना से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि, जैसा कि महान डॉन क्विक्सोट कहते हैं कि उन्होंने वहाँ उसी ग्रामीण युवती को देखा जिसे सांचो ने एल टोबोसो से आते समय देखा था, यह निस्संदेह डुलसीनिया है, और यह कि आसपास कुछ बहुत ही सक्रिय और बेहद व्यस्त जादूगर हैं।"
"तो मैं यही कहता हूँ," सांचो ने कहा, "और अगर मेरी पत्नी डुलसीनिया पर जादू किया गया है, तो यह उसके लिए और भी बुरा है, और मैं अपने स्वामी के दुश्मनों से झगड़ा नहीं करने वाला, जो बहुत सारे और द्वेषपूर्ण प्रतीत होते हैं। सच तो यह है कि जिसे मैंने देखा वह एक देहाती लड़की थी, और मैंने उसे एक देहाती लड़की ही माना; और अगर वह डुलसीनिया थी तो इसका दोष मुझ पर नहीं लगाया जाना चाहिए, न ही मुझे इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए या परिणाम भुगतने चाहिए। लेकिन वे हर कदम पर मुझे ताना मारते रहते हैं — 'सांचो ने यह कहा, सांचो ने यह किया, सांचो यहाँ, सांचो वहाँ,' मानो सांचो कोई है ही नहीं, और वह वही सांचो पांज़ा नहीं है जो अब किताबों में पूरी दुनिया में मशहूर है, जैसा कि सैमसन कैरास्को ने मुझे बताया था, और वह कम से कम सलामांका का एक कुंवारा है; और उस तरह के लोग झूठ नहीं बोल सकते, सिवाय तब जब उन्हें कोई सनक सवार हो जाए या उनके पास झूठ बोलने का कोई बहुत अच्छा कारण हो। इसलिए किसी को भी मुझसे झगड़ा करने का कोई कारण नहीं है; और तो मेरा चरित्र अच्छा है, और जैसा कि मैंने अपने स्वामी को कहते सुना है, 'अच्छा नाम बड़ी दौलत से बेहतर है;' बस मुझे इस सरकार में बिठा दो और वे चमत्कार देखेंगे, क्योंकि जो एक अच्छा जमींदार रहा है, वही अच्छा शासक भी होगा।"
"सांचो की सभी योग्य टिप्पणियाँ," डचेस ने कहा, "कैटोनियन वाक्य हैं, या कम से कम स्वयं माइकल वेरिनो के हृदय से निकली हैं, जो वर्षों से फल-फूल रहे हैं। वास्तव में, उन्हीं के अंदाज़ में कहें तो, 'बुरे आवरण के पीछे अक्सर एक अच्छा शराबी छिपा होता है।'"
"जी हां, महोदया," सांचो ने कहा, "मैंने कभी दुष्टता के कारण शराब नहीं पी; प्यास लगने पर ही पीता हूं, क्योंकि मुझमें पाखंड का कोई अंश नहीं है; मैं तभी पीता हूं जब मेरा मन करता है, या अगर मन न भी करे तो जब वे मुझे देते हैं, ताकि मैं रूढ़िवादी या असभ्य न दिखूं; क्योंकि जब कोई मित्र किसी के

स्वास्थ्य के लिए पीता है तो भला कौन इतना कठोर हृदय हो सकता है कि बदले में पीकर मना कर दे? लेकिन अगर मैं जूते पहनता हूं तो उन्हें गंदा नहीं करता; इसके अलावा, वीर योद्धाओं के सहायक ज्यादातर पानी ही पीते हैं, क्योंकि वे हमेशा जंगलों, वनों और मैदानों, पहाड़ों और चट्टानों के बीच भटकते रहते हैं, जहां उन्हें शराब की एक बूंद भी नहीं मिलती, चाहे वे अपनी आंखें ही क्यों न दे दें।"
"मुझे तो यही लगता है," डचेस ने कहा; "अब सांचो को सोने दो, हम थोड़ी देर में विस्तार से बात करेंगे और तय करेंगे कि वह कैसे जल्द ही जाकर सरकार में अपनी जगह बना सकता है, जैसा कि वह कहता है।"
सांचो ने एक बार फिर डचेस के हाथ को चूमा और उनसे विनती की कि वे उसके डैपल का अच्छे से ख्याल रखें, क्योंकि वह उसकी आंखों का तारा था।
"डैपल क्या है?" डचेस ने पूछा।
"अरे बाप रे!" सांचो ने कहा, "वैसे तो मैं उसे डैपल कहकर बुलाता हूँ; जब मैं महल में आया तो मैंने यहाँ बैठी इस महिला से उसकी देखभाल करने की विनती की, और वह इतनी नाराज़ हो गई जैसे मैंने उसे बदसूरत या बूढ़ा कह दिया हो, जबकि गधों को खिलाना महिलाओं के लिए कमरों को सजाने से कहीं ज़्यादा स्वाभाविक और उचित होता है। भगवान भला करे! मेरे गाँव के एक सज्जन को इन महिलाओं से कितनी नफ़रत थी!"
"वह ज़रूर कोई मसखरा रहा होगा," डोना रोड्रिगेज़, जो एक गृहिणी थीं, ने कहा; "क्योंकि अगर वह सज्जन और उच्च कुल का होता तो वह उन्हें चंद्रमा के सींगों से भी ऊँचा स्थान देता।"
"बस बहुत हो गया," डचेस ने कहा; "अब और नहीं; चुप रहो, डोना रोड्रिगेज़, और सेनोर पांज़ा को आराम करने दो और डैपल के इलाज का जिम्मा मुझ पर छोड़ दो, क्योंकि वह सांचो का अनमोल रत्न है, मैं उसकी पूरी देखभाल करूंगी।"
"उसके लिए अस्तबल में रहना ही काफी होगा," सांचो ने कहा, "क्योंकि न तो वह और न ही मैं महाराज की आँखों का तारा बनने के लायक हैं, और मैं इसके लिए सहमत होने के बजाय खुद को चाकू मारना पसंद करूँगा; क्योंकि भले ही मेरे स्वामी कहते हैं कि शिष्टाचार में कम पत्तों से हारने की तुलना में अधिक पत्ते से हारना बेहतर है, लेकिन जब शिष्टाचार का आकलन करने की बात आती है तो हमें सावधान रहना चाहिए और उचित सीमा में रहना चाहिए।"

"उसे अपनी सरकार के पास ले जाओ, सांचो," डचेस ने कहा, "और वहाँ तुम उससे जितना चाहो उतना काम ले सकते हो, और यहाँ तक कि उसे काम से मुक्त करके पेंशन भी दे सकते हो।"
"यह मत सोचिए, महोदया डचेस, कि आपने कुछ बेतुका कहा है," सांचो ने कहा; "मैंने दो से अधिक गधों को सरकारों के पास जाते देखा है, और मेरे लिए अपने गधे को साथ ले जाना कोई नई बात नहीं होगी।"
सांचो की बातों से डचेस फिर हंस पड़ी और उसे नया आनंद मिला। उसे सोने के लिए विदा करते हुए वह ड्यूक को अपनी बातचीत बताने चली गई। फिर दोनों ने मिलकर डॉन क्विक्सोट पर एक अनोखा और पूरी तरह से शूरवीरतापूर्ण मज़ाक करने की योजना बनाई। उसी शैली में उन्होंने उस पर कई मज़ाक किए, जो इतने सटीक और इतने चतुर थे कि वे इस महान इतिहास के सबसे बेहतरीन कारनामों का आधार बने।

34

अध्याय
यह वर्णन करता है कि उन्होंने अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो के जादू को तोड़ने का तरीका कैसे सीखा, जो इस पुस्तक के सबसे दुर्लभ कारनामों में से एक है।
ड्यूक और डचेस को डॉन क्विक्सोट और सांचो पांजा की बातचीत में बहुत आनंद आया; और, उन पर कुछ ऐसे मज़ाक करने की अपनी योजना पर पहले से कहीं अधिक दृढ़ होकर, जो देखने में रोमांचक लगें, उन्होंने डॉन क्विक्सोट द्वारा मोंटेसिनोस की गुफा के बारे में बताई गई बात को आधार बनाया, ताकि उसे एक प्रसिद्ध गुफा में फंसाया जा सके। लेकिन डचेस को सबसे अधिक आश्चर्य सांचो के भोलेपन पर हुआ कि वह डुलसीनिया के जादू को पूर्ण सत्य मान बैठा, जबकि वास्तव में वह स्वयं ही जादूगर और चालबाज था। इसलिए, अपने नौकरों को सब कुछ निर्देश देने के बाद, छह दिन बाद वे उसे शिकार पर ले गए, साथ में उतने ही बड़े शिकारी और दल-पतियों को ले गए जितने किसी राजा के साथ जाते हैं। उन्होंने डॉन क्विक्सोट को शिकार का सूट भेंट किया, और सांचो को बेहतरीन हरे कपड़े का एक और सूट दिया; लेकिन डॉन क्विक्सोट ने उसे पहनने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि उसे जल्द ही हथियारों की कठिन खोज में लौटना है, और वह अपने साथ कपड़े या सामान नहीं ले जा सकता। हालांकि, सांचो ने वह सूट ले लिया जो उन्होंने उसे दिया था, और उसने इरादा किया कि वह इसे पहला मौका मिलते ही बेच देगा।
नियत दिन आ जाने पर, डॉन क्विक्सोट ने हथियारबंद होकर, सांचो ने भी सज-धज कर अपने चितकबरे घोड़े पर सवार होकर (क्योंकि घोड़ा दिए जाने पर भी वह उसे छोड़ने को तैयार नहीं था) शिकारियों के दल के बीचोंबीच पहुँच गया। डचेस शानदार पोशाक में बाहर आई, और डॉन क्विक्सोट ने शिष्टाचारवश उसके घोड़े की लगाम थाम ली, हालाँकि ड्यूक उसे ऐसा करने देना नहीं चाहता था; और अंत में वे दो ऊँचे पहाड़ों के बीच स्थित एक जंगल में पहुँचे, जहाँ विभिन्न चौकियों, घातों और रास्तों पर कब्जा करने और दल को अलग-अलग स्थानों पर तैनात करने के बाद, शिकार बड़े शोर, चिल्लाहट और शोरगुल के साथ शुरू हुआ, जिससे कुत्तों के भौंकने और सींगों की आवाज़ के बीच वे एक-दूसरे को सुन नहीं पा रहे थे। डचेस घोड़े से उतरी, और हाथ में एक तेज भाला लेकर उस स्थान

जंगल के बीच में लगाए गए कुछ बड़े तंबुओं में ले गए। वहाँ उन्होंने देखा कि मेजें सजी हुई थीं और भोजन परोसा जा चुका था, इतने भव्य और शानदार ढंग से कि इसे तैयार करने वालों की प्रतिष्ठा और वैभव आसानी से झलक रहा था। सांचो ने डचेस को अपने फटे हुए सूट के छेद दिखाते हुए कहा, "अगर हम खरगोशों या छोटे पक्षियों का शिकार कर रहे होते, तो मेरा कोट इस हालत में नहीं होता; मुझे नहीं पता कि किसी ऐसे जानवर का इंतजार करने में क्या आनंद आ सकता है जो हमला करने पर अपने दांतों से जान ले सकता है। मुझे एक पुराना गीत याद है जो कहता है,
भालुओं द्वारा खाए जाओ, जैसे पहले हुआ था।
फाविला मशहूर था।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "वह एक गोथिक राजा था, जो शिकार पर गया था और एक भालू द्वारा खा लिया गया था।"
"बिल्कुल सही," सांचो ने कहा; "और मैं नहीं चाहता कि राजा और राजकुमार खुद को ऐसे खतरों में डालें, सिर्फ एक ऐसे आनंद के लिए जो मेरी राय में आनंद नहीं होना चाहिए, क्योंकि इसमें एक ऐसे जानवर को मारना शामिल है जिसने किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है।"
"बिल्कुल इसके विपरीत, सांचो; तुम गलत हो," ड्यूक ने कहा; "शिकार करना राजाओं और राजकुमारों के लिए किसी और से कहीं अधिक उपयुक्त और आवश्यक है। शिकार युद्ध का प्रतीक है; इसमें शत्रु को सुरक्षित रूप से परास्त करने के लिए रणनीतियाँ, छल और चालाकी भरी युक्तियाँ शामिल हैं; इसमें अत्यधिक ठंड और असहनीय गर्मी सहनी पड़ती है, आलस्य और नींद को त्याग दिया जाता है, शारीरिक शक्ति बढ़ती है, इसमें भाग लेने वाले के अंग लचीले हो जाते हैं, और संक्षेप में, यह एक ऐसा शौक है जिसे बिना किसी को नुकसान पहुँचाए और कई लोगों को आनंद देते हुए किया जा सकता है; और इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि यह हर किसी के लिए नहीं है, जैसे अन्य प्रकार के खेल होते हैं, सिवाय बाज़ के शिकार के, जो केवल राजाओं और बड़े सरदारों के लिए है। इसलिए, सांचो, अपने विचार पर पुनर्विचार करो, और जब तुम राज्यपाल बनो तो शिकार करना शुरू करो, और तुम्हें इसका लाभ मिलेगा।"
“नहीं,” सांचो ने कहा, “भले ही राज्यपाल का पैर टूट जाए और वे घर पर ही रहें; यह बड़ी बात होगी कि लोग काम के सिलसिले में उनसे मिलने इतनी दूर तक आए हों और राज्यपाल जंगल में मौज-मस्ती कर रहे हों; इस तरह तो सरकार का कामकाज

ठप्प हो जाएगा। मेरी कसम, महोदय, शिकार और मनोरंजन तो आलसी लोगों के लिए ज्यादा ठीक हैं, राज्यपालों के लिए नहीं; मैं तो ईस्टर के समय ऑल फ़ोर्स खेलकर और रविवार व छुट्टियों में बॉलिंग खेलकर अपना मनोरंजन करना चाहता हूँ; क्योंकि ये शिकार मेरे लिए ठीक नहीं हैं और न ही मेरी अंतरात्मा को भाते हैं।”
"ईश्वर करे ऐसा ही हो," ड्यूक ने कहा; "क्योंकि कहने से करने में बहुत समय लगता है।"
"जो भी हो," सांचो ने कहा, "'वादे अच्छे भुगतानकर्ता को परेशान नहीं करते,' और 'जिसकी ईश्वर सहायता करता है, वह सुबह जल्दी उठने वाले से बेहतर करता है,' और 'पैर पेट की मांसपेशियों पर चलते हैं, न कि पेट की मांसपेशियों पर;' मेरा मतलब यह है कि अगर ईश्वर मेरी सहायता करे और मैं ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाऊं, तो निस्संदेह मैं एक बाज से भी बेहतर शासन करूंगा। बल्कि, वे बस मेरे मुंह में उंगली डाल दें, और वे देखेंगे कि मैं काट सकता हूं या नहीं।"
"हे अभिशापित सांचो, तुम पर ईश्वर और उसके सभी संतों का श्राप हो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "वह दिन कब आएगा—जैसा कि मैंने तुमसे अक्सर कहा है—जब मैं तुम्हें बिना कहावतों के एक भी सुसंगत, तर्कसंगत बात कहते हुए सुनूंगा? हे महाराज, कृपया इस मूर्ख को अकेला छोड़ दें, क्योंकि यह दो नहीं, बल्कि दो हज़ार कहावतों से आपकी आत्माओं को चूर-चूर कर देगा—ईश्वर उसे या मुझे, अगर मैं उन्हें सुनना चाहूँ तो, उतनी ही सेहत दे!"
"सांचो पांजा की कहावतें, यद्यपि यूनानी कमांडर की कहावतों से संख्या में अधिक हैं, फिर भी संक्षिप्तता के कारण कम प्रशंसनीय नहीं हैं। जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं कह सकती हूँ कि वे मुझे अन्य कहावतों की तुलना में अधिक आनंद देती हैं, जिन्हें बेहतर ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता था और समय पर लागू किया जा सकता था।"
इस तरह की सुखद बातचीत करते हुए वे तम्बू से निकलकर जंगल में चले गए, और दिन भर उन्होंने कुछ चौकियों और छिपने की जगहों का दौरा किया, और फिर रात हो गई, हालांकि, उस मौसम में जितनी चमक और शांति की उम्मीद की जा सकती थी, उतनी नहीं, क्योंकि तब ग्रीष्म ऋतु का मध्य था; लेकिन अपने साथ एक प्रकार का कोहरा लेकर आई जिसने ड्यूक और डचेस की योजना में बहुत मदद की; और इस प्रकार, जैसे ही रात होने लगी, और गोधूलि बेला छाने के कुछ ही देर बाद,

अचानक चारों ओर का पूरा जंगल आग की लपटों में घिरा हुआ प्रतीत हुआ, और थोड़ी देर बाद, यहाँ-वहाँ, चारों ओर, बड़ी संख्या में तुरही और अन्य सैन्य वाद्ययंत्रों की आवाज सुनाई दी, मानो घुड़सवार सेना की कई टुकड़ियाँ जंगल से गुजर रही हों। आग की लपटों और युद्ध वाद्ययंत्रों के शोर ने वहाँ खड़े लोगों की आँखों को लगभग अंधा कर दिया और कानों को सुन्न कर दिया, और वास्तव में जंगल में मौजूद सभी लोगों के कानों को भी। फिर युद्ध में जाते समय मूरों के तरीके से बार-बार लिली की आवाजें सुनाई दीं; तुरहियां और शहनाई बज रही थीं, ढोल बज रहे थे, बांसुरी की धुनें लगातार और इतनी तेज़ी से बज रही थीं कि इतने सारे वाद्ययंत्रों के शोरगुल में जो होश खो बैठा, वही होश में रह सकता था। ड्यूक चकित था, डचेस हैरान, डॉन क्विक्सोट अचंभित, सांचो पांजा कांप रहा था, और वास्तव में, जो लोग कारण जानते थे, वे भी भयभीत थे। उनके भय में सन्नाटा छा गया, और एक पोस्टिलियन, एक राक्षस के वेश में, उनके सामने से गुजरा, बिगुल के बजाय एक विशाल खोखला सींग बजाते हुए, जिससे एक भयानक कर्कश ध्वनि निकली।
"अरे! दूत भाई," ड्यूक चिल्लाया, "तुम कौन हो? कहाँ जा रहे हो? ये कौन सी सेना है जो जंगल से गुजरती हुई प्रतीत हो रही है?"
इस पर संदेशवाहक ने कर्कश, बेसुरी आवाज में उत्तर दिया, "मैं शैतान हूँ; मैं ला मांचा के डॉन क्विक्सोट की तलाश में हूँ; जो लोग इस तरफ आ रहे हैं वे जादूगरों के छह दल हैं, जो विजय रथ पर अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो को ला रहे हैं; वह वीर फ्रांसीसी मोंटेसिनोस के साथ जादू के प्रभाव में आई है, ताकि डॉन क्विक्सोट को यह निर्देश दे सके कि उक्त महिला को जादू से कैसे मुक्त किया जाए।"
"यदि तुम शैतान होते, जैसा कि तुम कहते हो और जैसा कि तुम्हारी शक्ल से लगता है," ड्यूक ने कहा, "तो तुम ला मांचा के उस शूरवीर डॉन क्विक्सोट को जानते होते, क्योंकि वह तुम्हारे सामने यहीं मौजूद है।"
"भगवान की कसम और मेरी अंतरात्मा की कसम," शैतान ने कहा, "मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि मेरा दिमाग इतनी सारी अलग-अलग चीजों में उलझा हुआ था कि मैं वह मुख्य कारण ही भूल गया था जिसके लिए मैं आया था।"
"यह दानव अवश्य ही ईमानदार और सच्चा ईसाई होगा," सांचो ने कहा; "क्योंकि यदि वह ऐसा नहीं होता तो वह ईश्वर और अपनी अंतरात्मा की कसम नहीं खाता; मुझे अब पूरा विश्वास है कि नरक में भी नेक आत्माएं अवश्य होंगी।"

घोड़े से उतरे बिना ही, दानव डॉन क्विक्सोट की ओर मुड़ा और बोला, "दुर्भाग्यपूर्ण लेकिन वीर योद्धा मोंटेसिनोस ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है, हे शेरों के योद्धा (काश मैं तुम्हें उनके पंजों में देख पाता), और मुझे आदेश दिया है कि तुम जहाँ भी मुझे मिलो, उसका इंतज़ार करो, क्योंकि वह अपने साथ उसे ला रहा है जिसे वे डुलसीनिया डेल टोबोसो कहते हैं, ताकि वह तुम्हें उसे जादू से मुक्त करने के लिए आवश्यक बातें बता सके; और चूंकि मैं यहाँ केवल इसी उद्देश्य से आया हूँ, इसलिए मुझे अब और रुकने की आवश्यकता नहीं है; मेरे जैसे दानव तुम्हारे साथ रहें, और अच्छे देवदूत इन सज्जनों के साथ रहें;" और ऐसा कहकर उसने अपना विशाल सींग बजाया, मुड़ा और किसी से उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना चला गया।
उन सभी को एक नया आश्चर्य हुआ, लेकिन विशेष रूप से सांचो और डॉन क्विक्सोट को; सांचो को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि सच्चाई की अवहेलना करते हुए भी वे यह मान रहे थे कि डुलसीनिया पर जादू किया गया था; डॉन क्विक्सोट को इस बात का यकीन नहीं हो रहा था कि मोंटेसिनोस की गुफा में उसके साथ जो हुआ था वह सच था या नहीं; और जब वह इन विचारों में डूबा हुआ था, तब ड्यूक ने उससे कहा, "क्या आप इंतजार करना चाहते हैं, श्रीमान डॉन क्विक्सोट?"
"क्यों नहीं?" उसने उत्तर दिया; "मैं यहाँ निडर और दृढ़ होकर प्रतीक्षा करूँगा, चाहे सारी मुसीबतें मुझ पर टूट पड़ें।"
"तो फिर, अगर मुझे पिछली बार की तरह कोई और शैतान दिखाई दे या कोई और सींग की आवाज़ सुनाई दे, तो मैं यहां उतना ही इंतजार करूंगा जितना फ्लैंडर्स में किया था," सांचो ने कहा।
रात अब और भी गहरी हो गई थी, और जंगल में कई रोशनी टिमटिमाने लगीं, ठीक वैसे ही जैसे धरती से निकलने वाली आग की लपटें, जो हमारी आँखों को टूटते तारों की तरह दिखती हैं, आकाश में टिमटिमाती हैं; एक भयानक शोर भी सुनाई दिया, जैसे बैलगाड़ियों के ठोस पहियों से होता है, जिनकी कर्कश, लगातार चरमराहट से, कहते हैं कि अगर वहाँ भालू और भेड़िये हों तो वे भाग जाते हैं। इस सारी हलचल के अलावा, एक और गड़बड़ी ने कोलाहल को और बढ़ा दिया, क्योंकि अब ऐसा लग रहा था मानो सचमुच जंगल के चारों ओर एक ही समय में चार मुठभेड़ें या लड़ाइयाँ चल रही हों; एक तरफ भयानक तोपखाने की धीमी आवाज गूंज रही थी, दूसरी तरफ अनगिनत बंदूकें दागी जा रही थीं, लड़ने वालों की चीखें लगभग पास से सुनाई दे रही थीं, और दूर मूरिश लिली के फूल बार-बार लहरा रहे थे।

संक्षेप में कहें तो, बिगुल, सींग, शहनाई, तुरही, ढोल, तोप, बंदूक की आवाज़ और सबसे बढ़कर रथों का भयानक शोर, सब मिलकर इतना अव्यवस्थित और भयावह कोलाहल पैदा कर रहे थे कि डॉन क्विक्सोट को इसे सहने के लिए अपना सारा साहस जुटाना पड़ा; लेकिन सांचो का साहस जवाब दे गया और वह डचेस के वस्त्र के किनारे बेहोश होकर गिर पड़ा। डचेस ने उसे वहीं पड़े रहने दिया और तुरंत उसके चेहरे पर पानी डालने का आदेश दिया। ऐसा किया गया और जब तक चरमराते पहियों वाला एक रथ वहाँ पहुँचा, तब तक उसे होश आ गया था। उसे काले आवरण से ढके चार भारी बैल खींच रहे थे; प्रत्येक सींग पर एक बड़ी जलती हुई मोमबत्ती लगी थी और रथ के ऊपर एक ऊँची चौकी बनी थी, जिस पर बर्फ से भी अधिक सफेद दाढ़ी वाला एक आदरणीय बूढ़ा व्यक्ति बैठा था, जिसकी दाढ़ी उसकी कमर से भी नीचे तक लटक रही थी; उसने काले बकरम का एक लंबा चोला पहना हुआ था। क्योंकि गाड़ी पर ढेर सारी मोमबत्तियाँ लगी थीं, इसलिए उस पर रखी हर चीज़ साफ़ दिखाई दे रही थी। गाड़ी के आगे दो भयानक राक्षस चल रहे थे, जो कफ़न पहने हुए थे और उनके चेहरे इतने डरावने थे कि सांचो ने उन्हें एक बार देख लिया तो अपनी आँखें बंद कर लीं ताकि उन्हें दोबारा न देख सके। जैसे ही गाड़ी उस जगह के सामने पहुँची, बूढ़ा आदमी अपने ऊँचे आसन से उठा और खड़े होकर ज़ोर से बोला, "मैं ऋषि लिर्गान्देओ हूँ," और बिना कुछ कहे गाड़ी आगे बढ़ गई। उसके पीछे उसी तरह की एक और गाड़ी आई, जिस पर एक और बूढ़ा आदमी बैठा था। उसने गाड़ी रोककर पहले वाले की तरह ही गंभीर स्वर में कहा, "मैं ऋषि अल्कीफ़े हूँ, अज्ञात उर्गांडा का महान मित्र," और आगे बढ़ गया। फिर उसी गति से एक और गाड़ी आई, लेकिन सिंहासन पर बैठा व्यक्ति दूसरों की तरह बूढ़ा नहीं था, बल्कि एक हट्टा-कट्टा और मजबूत शरीर वाला, और खौफनाक चेहरे वाला आदमी था। पास आकर उसने कर्कश और शैतानी आवाज़ में कहा, "मैं जादूगर आर्केलॉस हूँ, गॉल के अमाडिस और उसके सभी रिश्तेदारों का कट्टर दुश्मन," और फिर आगे बढ़ गया। थोड़ी दूर जाकर तीनों गाड़ियाँ रुक गईं और उनके पहियों की एकरस आवाज़ बंद हो गई, और थोड़ी देर बाद उन्हें एक और आवाज़ सुनाई दी, शोर नहीं, बल्कि मधुर, सुरीली संगीत की आवाज़, जिससे सांचो बहुत खुश हुआ, इसे एक अच्छा संकेत मानते हुए; और उसने डचेस से कहा, जिससे वह एक कदम भी नहीं हिला, एक पल के लिए भी नहीं, "सेनोरा, जहाँ संगीत होता है वहाँ बुराई नहीं हो सकती।"

"और न ही जहाँ रोशनी हो और उजाला हो," डचेस ने कहा; जिस पर सांचो ने उत्तर दिया, "आग रोशनी देती है, और जहाँ अलाव जलते हैं वहाँ उजाला होता है, जैसा कि हम अपने चारों ओर जलते हुए अलावों से देखते हैं जो शायद हमें जला भी सकते हैं; लेकिन संगीत आनंद और उल्लास का प्रतीक है।"
"यह तो अभी देखना बाकी है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, जो सब कुछ सुन रहा था; और वह सही था, जैसा कि अगले अध्याय में दिखाया गया है।

35

अध्याय
इसमें डुलसीनिया के जादू को तोड़ने के संबंध में डॉन क्विक्सोट को दिए गए निर्देशों का सिलसिला जारी है, साथ ही अन्य अद्भुत घटनाओं का भी वर्णन है। उन्होंने मधुर संगीत की ध्वनि के साथ अपनी ओर आते हुए एक विजय रथ को देखा, जिसे वे विजय रथ कहते थे। यह रथ सफेद लिनेन के आवरण वाले छह भूरे खच्चरों द्वारा खींचा जा रहा था, जिनमें से प्रत्येक पर सफेद वस्त्र पहने एक तपस्वी बैठा था, जिसके हाथ में एक बड़ी जलती हुई मोमबत्ती थी। रथ पहले वाले रथों से दुगुना या शायद तिगुना बड़ा था, और उसके आगे और किनारों पर बारह और तपस्वी खड़े थे, सभी बर्फ के समान सफेद और सभी के हाथों में जलती हुई मोमबत्तियाँ थीं; यह दृश्य भय और आश्चर्य दोनों उत्पन्न करने वाला था; और एक ऊंचे सिंहासन पर चांदी के कपड़े के कई घूंघट ओढ़े हुए एक अप्सरा बैठी थी, जिन पर अनगिनत सोने के झिलमिलाते हुए कढ़ाई की गई थी, जिससे वह यदि धनी नहीं तो कम से कम शानदार ढंग से सजी हुई प्रतीत हो रही थी। उसका चेहरा पतले पारदर्शी चंदन से ढका हुआ था, जिसकी बनावट से एक युवती के सुंदर चेहरे की झलक साफ दिखाई दे रही थी, जबकि अनेक रोशनी से उसकी सुंदरता और उम्र का अंदाजा लगाया जा सकता था, जो सत्रह से कम नहीं लग रही थी, लेकिन बीस तक नहीं पहुंची थी। उसके बगल में एक आकृति थी जिसने राजकीय वस्त्र पहना हुआ था, जो पैरों तक पहुंचता था, जबकि सिर काले घूंघट से ढका हुआ था। लेकिन जैसे ही रथ ड्यूक, डचेस और डॉन क्विक्सोट के सामने पहुंचा, तुरहियों का संगीत बंद हो गया, फिर रथ पर रखे वीणा और सारंगी का संगीत भी बंद हो गया, और वस्त्रधारी आकृति उठ खड़ी हुई, और वस्त्र को फेंककर और अपने चेहरे से घूंघट हटाकर, उनकी आंखों के सामने साक्षात मृत्यु का रूप प्रकट किया, जो मांसहीन और भयानक था। इस दृश्य को देखकर डॉन क्विक्सोट बेचैन हो गया, सांचो डर गया, और ड्यूक और डचेस में एक तरह की कंपकंपी दिखाई दी। अपने पैरों पर खड़े होकर, इस जीवित मृत्यु ने, नींद भरी आवाज में और लगभग बेसुध जीभ से, इस प्रकार कहा:
{श्लोक
मैं वही मर्लिन हूँ जिसके बारे में किंवदंतियाँ कहती हैं।
शैतान का पिता था, और झूठ

समय बीतने के साथ-साथ इसकी विश्वसनीयता बढ़ती गई है। जादुई राजकुमार का, पारसी विद्या का
सम्राट और कोषाध्यक्ष, ईर्ष्यालु निगाहों से
मैं इस युग के छिपाने के प्रयासों को देखता हूँ।
साहसी और साहसी योद्धाओं के वीरतापूर्ण कारनामे,
जो मेरे लिए प्रिय हैं और हमेशा से प्रिय रहे हैं।
जादूगर और तांत्रिक और उनके जैसे लोग
उनमें से अधिकतर कठोर हृदय के होते हैं; मैं ऐसा नहीं हूँ।
क्योंकि मेरा दिल कोमल, सौम्य और दयालु है।
और इसका आनंद सभी का भला करने में है।
अंधकारमय डिस की धुंधली गुफाओं में,
जहां, रहस्यमय रेखाओं और पात्रों का पता लगाते हुए,
मेरी आत्मा अब यहीं ठहरती है, तभी मुझे यह बात समझ में आई।
उस सुंदरी की दुख भरी विलाप की आवाज,
अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो।
मुझे उसके आकर्षण और उसके भाग्य का ज्ञान था।
उच्च कुल की महिला से किसान लड़की में परिवर्तित
और दया से द्रवित होकर, मैंने पहले पन्ने पलटे।
मेरी शैतानी कला की अनगिनत किताबों में से,
और फिर, इस भयानक कंकाल में
स्वयं को आवरण में समेटे हुए, मैं यहाँ आ गया हूँ।
यह दर्शाने के लिए कि उचित उपाय कहाँ निहित है
ऐसे दयनीय मामले में राहत प्रदान करने के लिए।
हे तुम, जो पहनने वालों का गौरव और लालिमा हो
अदम्य इस्पात! हे प्रकाशमयी!
हे प्रकाशस्तंभ, ध्रुव तारा, मार्ग और सभी के मार्गदर्शक जो आलस्य और सुस्ती को तुच्छ समझते हुए,
रक्तरंजित हथियारों के कठिन जीवन को अपनाएं!
हे महान वीर, समस्त प्रशंसाओं से परे, तुम्हें मेरा प्रणाम। ला मंचा की चमक और इबेरिया का सितारा,
डॉन क्विक्सोट, हे बुद्धिमान और वीर, मैं तुमसे कहता हूँ—

अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो के लिए
अपनी निर्मल आकृति और सुंदरता को पुनः प्राप्त करने के लिए, यह आवश्यक है कि तुम्हारा सहायक सांचो,
अपने ही मजबूत नितंबों को स्वर्ग की ओर नंगा करके,
तीन हजार तीन सौ कोड़े मारे गए।
और वे उसे खूब चुभते, डंक मारते और चोट पहुँचाते हैं।
इस प्रकार उसके दुख के रचनाकारों ने संकल्प लिया।
और यही कारण है, सज्जनों, कि मैं यहाँ आया हूँ।
{श्लोक
"भगवान की कसम," यह सुनकर सांचो चिल्लाया, "मैं तीन कोड़े खाने के बजाय तीन खंजर से वार सहना ज़्यादा पसंद करूँगा। जादू तोड़ने का यह कैसा तरीका है! मुझे समझ नहीं आता कि जादू-टोने से मेरा क्या लेना-देना है। भगवान की कसम, अगर श्री मर्लिन ने लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो का जादू तोड़ने का कोई और तरीका नहीं निकाला, तो वह जादू से ग्रस्त होकर ही मर जाए।"
"पर मैं तुम्हें, लहसुन से भरे डॉन क्लाउन, पकड़ लूँगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और तुम्हें उसी नग्न अवस्था में एक पेड़ से बाँध दूँगा, जैसे तुम्हारी माँ ने तुम्हें जन्म दिया था, और तुम्हें तीन हज़ार तीन सौ नहीं, बल्कि छह हज़ार छह सौ कोड़े मारूँगा, और इतनी ज़ोर से मारूँगा कि तीन हज़ार तीन सौ बार कोशिश करने पर भी वे नहीं हटेंगे; मुझे एक शब्द भी मत कहना वरना मैं तुम्हारी आत्मा निकाल लूँगा।"
यह सुनकर मर्लिन ने कहा, "यह ठीक नहीं है, क्योंकि सांचो को जो कोड़े पड़ने हैं, वे उसकी अपनी इच्छा से पड़ने चाहिए, न कि बलपूर्वक, और जब चाहे तब पड़ सकते हैं, क्योंकि इसके लिए कोई निश्चित समय सीमा निर्धारित नहीं है; लेकिन यदि वह चाहे तो इस कोड़े की आधी पीड़ा कम करने के लिए किसी दूसरे के हाथों से कोड़े लगवा सकता है, भले ही वह थोड़ा भारी हो।"
"न मेरा हाथ, न किसी और का, भारी हो या हल्का, मुझे छुएगा," सांचो ने कहा। "क्या मैंने ही लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो को जन्म दिया है, कि मेरी पीठ को उसकी आँखों के पापों का प्रायश्चित करना पड़े? मेरे स्वामी, वास्तव में, वह उसका ही एक हिस्सा है—क्योंकि वह हमेशा उसे 'मेरी जान' और 'मेरी आत्मा' कहता है, और अपना सहारा और आधार मानता है—उसे उसके लिए खुद को कोड़े मारने

चाहिए और उसके मोहभंग के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। लेकिन मैं खुद को कोड़े मारूँ! अबेरनुन्सियो!"
सांचो के बोलते ही मर्लिन के भूत के बगल में खड़ी चांदी की पोशाक वाली अप्सरा खड़ी हो गई, और अपने चेहरे से पतला घूंघट हटाकर उसने एक ऐसा चेहरा प्रकट किया जो सभी को बेहद खूबसूरत लगा; और एक मर्दाना, शर्मिंदगी से मुक्त होकर और एक ऐसी आवाज़ में जो किसी महिला की आवाज़ से बहुत मिलती-जुलती नहीं थी, सांचो को सीधे संबोधित करते हुए कहा, "हे अभागे सरदार, घड़े की आत्मा, कॉर्क के पेड़ का हृदय, और कंकड़-पत्थर की आंतें; हे धृष्ट चोर, यदि वे तुझे किसी ऊँचे टावर से कूदने को कहें; हे मानव जाति के शत्रु, यदि वे तुझे एक दर्जन मेंढक, दो छिपकलियाँ और तीन साँप निगलने को कहें; यदि वे तुझे अपनी पत्नी और बच्चों को एक तेज घातक तलवार से मारने को कहें, तो इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी कि तू हठी और संशयपूर्ण व्यवहार करे। लेकिन तीन हज़ार तीन सौ कोड़ों को एक अपराध बनाना, जो हर गरीब छोटे दानार्थी को हर महीने मिलते हैं—यह सुनने वाले हर किसी के, बल्कि समय के साथ इसे सुनने वाले हर किसी के दयालु हृदय को चकित, अचंभित और स्तब्ध करने के लिए काफी है। हे दुखी, मुड़ो।" हे कठोर हृदय वाले प्राणी, मैं कहती हूँ, अपनी उन डरपोक उल्लू जैसी आँखों को मेरी उन आँखों पर फेरो जो चमकते तारों के समान हैं, और तुम देखोगे कि वे बहती हुई धाराओं और नालियों की तरह आँसू बहा रही हैं, और मेरे सुंदर गालों पर लकीरें, निशान और रास्ते बना रही हैं। हे धूर्त, दुष्ट स्वभाव वाले राक्षस, मेरी खिलती हुई जवानी को देखकर तुम्हें दुख होगा—जो अभी किशोरावस्था में है, क्योंकि मैं अभी बीस साल की भी नहीं हुई हूँ—एक असभ्य किसान लड़की के खोल के नीचे क्षीण और मुरझाती जा रही है; और अगर मैं अब उस रूप में प्रकट नहीं होती, तो यह श्री मर्लिन की मुझ पर विशेष कृपा है, केवल इसलिए कि मेरी सुंदरता तुम्हें नरम कर दे; क्योंकि संकट में सुंदरता के आँसू चट्टानों को रुई में और बाघों को भेड़ों में बदल देते हैं। हे महान अनियंत्रित जानवर, अपनी उस खाल पर लेट जाओ, अपनी उस शक्ति को जगाओ जो तुम्हें केवल खाने और खाने के लिए प्रेरित करती है, और मेरे शरीर की कोमलता, मेरे स्वभाव की सौम्यता को मुक्त करो, और मेरे चेहरे की सुंदरता। और यदि तुम मेरे लिए नरम नहीं पड़ते या मेरी बात नहीं मानते, तो ऐसा उस बेचारे योद्धा के लिए करो जो तुम्हारे पास है; मेरा मतलब तुम्हारे स्वामी से है, जिसकी आत्मा को मैं इस क्षण देख सकता हूँ, कैसे वह

उसके गले में अटकी हुई है, उसके होठों से दस उंगल दूर, और केवल तुम्हारे कठोर या नरम जवाब का इंतजार कर रही है ताकि वह उसके मुँह से निकलकर उसके पेट में वापस चली जाए।
यह सुनकर डॉन क्विक्सोट ने अपना गला पकड़ा और ड्यूक की ओर मुड़कर कहा, "भगवान की कसम, महोदय, डुलसीनिया सच कहती है, मेरी आत्मा मेरे गले में धनुष की नोक की तरह अटकी हुई है।"
"इस बारे में तुम्हारा क्या कहना है, सांचो?" डचेस ने कहा।
"मैं वही कहता हूँ, महोदया," सांचो ने जवाब दिया, "जो मैंने पहले कहा था; जहाँ तक कोड़ों की बात है, अबर्नुनसियो!"
"अब्रेनुंसियो, तुम्हें सांचो कहना चाहिए, न कि जैसा तुम कहते हो," ड्यूक ने कहा।
"मुझे अकेला छोड़ दीजिए, महाराज," सांचो ने कहा। "अब मेरा मन शिष्टाचार या कमोबेश किसी बात पर ध्यान देने का नहीं है, क्योंकि ये कोड़े जो मुझे पड़ने वाले हैं, या जो मैं खुद को मारने वाला हूँ, उन्होंने मुझे इतना परेशान कर दिया है कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या कह रहा हूँ या क्या कर रहा हूँ। लेकिन मैं इस महिला, मेरी लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के बारे में जानना चाहता हूँ, कि उसने इस तरह से कृपा माँगना कहाँ से सीखा। वह मुझसे अपने शरीर पर कोड़े मारने के लिए कहती है, और मुझे घड़े की आत्मा, बड़ा जंगली जानवर और न जाने कितने अपशब्द कहती है, जिनका शैतान भी स्वागत करता है। क्या मेरा शरीर पीतल का है? या मुझे इससे कोई फर्क पड़ता है कि वह जादू से प्रभावित है या नहीं? क्या वह मुझे फुसलाने के लिए अपने साथ सुंदर लिनेन, कमीज, रुमाल, मोजे (हालांकि मैं कुछ पहनता नहीं हूँ) की टोकरी लाती है? नहीं, वह तो बस एक के बाद एक गालियाँ देती है, हालाँकि वह यहाँ की कहावत जानती है कि 'सोने से लदा गधा पहाड़ पर आसानी से चढ़ जाता है', और 'उपहार चट्टानों को तोड़ देते हैं', और 'प्रार्थना करने से...' भगवान और हथौड़ा चलाना,' और यह कि 'एक 'लेना' दो 'मैं तुम्हें दूंगा' से बेहतर है।' फिर मेरे मालिक हैं, जिन्हें मुझे सहलाना और दुलारना चाहिए ताकि मैं ऊन और रुई बना सकूँ; वे कहते हैं कि अगर वे मुझे पकड़ लेंगे तो मुझे नंगा करके पेड़ से बाँध देंगे और कोड़ों की संख्या दोगुनी कर देंगे। इन कोमल हृदय वाले सज्जनों को यह सोचना चाहिए कि वे केवल एक जमींदार को नहीं, बल्कि एक गवर्नर को खुद को कोड़े मारने के लिए कह रहे हैं; ठीक वैसे ही जैसे 'चेरी के साथ

पेय' की बात हो। उन्हें सीखना चाहिए, भगवान उन्हें धिक्कार दे, कि कैसे सही तरीके से पूछना, भीख मांगना और व्यवहार करना चाहिए; क्योंकि सभी समय एक जैसे नहीं होते, और न ही लोग हमेशा अच्छे मूड में रहते हैं। अब मैं अपने हरे कोट को फटा हुआ देखकर दुख से फटने को तैयार हूँ, और वे मुझसे अपनी मर्जी से खुद को कोड़े मारने के लिए कह रहे हैं, जबकि मुझे इसमें उतनी ही अरुचि है जितनी कि सरदार बनने में।
"तो फिर, मेरे मित्र सांचो, बात यह है कि जब तक तुम पके अंजीर की तरह नरम नहीं हो जाते, तब तक तुम्हें शासन नहीं मिलेगा। मेरे लिए यह अच्छा होगा कि मैं अपने द्वीपवासियों को एक क्रूर, कठोर हृदय वाला राज्यपाल भेजूं, जो पीड़ित युवतियों के आंसुओं या बुद्धिमान, अधिकारिक, प्राचीन जादूगरों और ऋषियों की प्रार्थनाओं से भी प्रभावित न हो। संक्षेप में, सांचो, या तो तुम्हें खुद कोड़े खाने होंगे, या वे तुम्हें कोड़े मारेंगे, अन्यथा तुम राज्यपाल नहीं बनोगे।"
"महोदय," सांचो ने कहा, "क्या मुझे दो दिन का समय नहीं दिया जाएगा ताकि मैं विचार कर सकूं कि मेरे लिए सबसे अच्छा क्या है?"
"नहीं, बिलकुल नहीं," मर्लिन ने कहा; "यहीं, इसी वक्त, इस मामले का निपटारा होना चाहिए; या तो डुलसीनिया मोंटेसिनोस की गुफा में लौटकर अपनी पूर्व किसान दासी की स्थिति में वापस आ जाएगी, या फिर उसे उसके वर्तमान रूप में ही एलिसियन मैदानों में ले जाया जाएगा, जहाँ वह कोड़ों की संख्या पूरी होने तक प्रतीक्षा करती रहेगी।"
"तो अब, सांचो!" डचेस ने कहा, "हिम्मत दिखाओ, और अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट की रोटी के लिए कृतज्ञता व्यक्त करो जो तुमने खाई है; हम सब उनके दयालु स्वभाव और उच्च कोटि की वीरता के लिए उन्हें प्रसन्न करने और उनका उपकृत करने के लिए बाध्य हैं। इस कोड़े की मार सह लो, मेरे बेटे; शैतान का सामना शैतान से हो, और डर को कायरों के लिए छोड़ दो, क्योंकि 'मजबूत दिल बदकिस्मती को दूर भगाता है,' जैसा कि तुम अच्छी तरह जानते हो।"
इस पर सांचो ने एक अप्रासंगिक टिप्पणी करते हुए मर्लिन से कहा, "क्या आप मुझे बताएँगे, श्री मर्लिन—जब वह दूत आया, तो उसने मेरे स्वामी को श्री मोंटेसिनोस का संदेश दिया, जिसमें उन्हें यहाँ प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया था, क्योंकि वह लेडी डोना डुलसीनिया डेल टोबोसो को जादू से मुक्त करने

की व्यवस्था करने आ रहे थे; लेकिन अब तक हमने न तो मोंटेसिनोस को देखा है, न ही उनके जैसा कोई।"
इस पर मर्लिन ने उत्तर दिया, "सांचो, वह शैतान एक मूर्ख और बड़ा बदमाश है; मैंने उसे तुम्हारे स्वामी को ढूंढने के लिए भेजा है, लेकिन मोंटेसिनोस का संदेश लेकर नहीं, बल्कि अपने संदेश के साथ; क्योंकि मोंटेसिनोस अपनी गुफा में अपने मोहभंग की प्रतीक्षा कर रहा है; क्योंकि अभी उसका काम बाकी है; यदि उसका तुम पर कोई एहसान है, या तुम्हें उससे कोई काम है, तो मैं उसे तुम्हारे पास लाऊंगा और उसे तुम्हारी इच्छानुसार कहीं भी रख दूंगा; लेकिन फिलहाल इस प्रायश्चित को स्वीकार करने का निश्चय कर लो, और मेरा विश्वास करो, यह तुम्हारे लिए बहुत अच्छा होगा, आत्मा और शरीर दोनों के लिए— तुम्हारी आत्मा के लिए इसलिए क्योंकि तुम इसे दया भाव से करोगे, और तुम्हारे शरीर के लिए इसलिए क्योंकि मैं जानता हूं कि तुम रक्तपिपासु स्वभाव के हो और थोड़ा सा रक्त बहाने से तुम्हें कोई हानि नहीं होगी।" “दुनिया में बहुत सारे डॉक्टर हैं; जादूगर भी डॉक्टर होते हैं,” सांचो ने कहा; “लेकिन, जैसा कि सब मुझे एक ही बात कहते हैं—भले ही मैं खुद इसे देख न सकूँ—मैं खुद को तीन हज़ार तीन सौ कोड़े खाने को तैयार हूँ, बशर्ते मुझे जब चाहे तब कोड़े मारने की छूट हो, बिना किसी दिन या समय की पाबंदी के; और मैं जल्द से जल्द कर्ज से छुटकारा पाने की कोशिश करूँगा, ताकि दुनिया लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो की सुंदरता का आनंद ले सके; क्योंकि लगता है, मेरे अनुमान के विपरीत, वह वाकई खूबसूरत हैं। एक शर्त यह भी है कि मुझे कोड़े से खून निकालने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा, और अगर कोई कोड़ा मक्खी पकड़ने के लिए हो तो उसे भी गिना जाएगा। इसके अलावा, अगर गिनती में मुझसे कोई गलती हो जाए, तो श्री मर्लिन, क्योंकि वह सब कुछ जानते हैं, गिनती रखेंगे और मुझे बताएँगे कि कितने कोड़े अभी बाकी हैं या तय संख्या से ज़्यादा हैं।” "आपको किसी भी अतिरिक्त के बारे में बताने की ज़रूरत नहीं होगी," मर्लिन ने कहा, "क्योंकि जब आप पूरी संख्या तक पहुँच जाएँगे, तो लेडी डुलसीनिया तुरंत, उसी क्षण, मोहभंग हो जाएगी और कृतज्ञता के रूप में योग्य सांचो को ढूँढ़कर उसे धन्यवाद देगी और यहाँ तक कि अच्छे काम के लिए उसे इनाम भी देगी। इसलिए आपको कम या ज़्यादा कोड़ों के बारे में चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है; भगवान न करे कि मैं किसी के सिर के एक बाल से भी वंचित कर दूँ।"

"ठीक है, तो फिर इसे ईश्वर के हाथों में छोड़ दो," सांचो ने कहा; "मैं जिस कठिन परिस्थिति में हूँ, उसमें मैं हार मानता हूँ; मैं निर्धारित शर्तों पर प्रायश्चित स्वीकार करता हूँ।"
जैसे ही सांचो ने ये अंतिम शब्द कहे, तुरहियों की ध्वनि फिर से गूंज उठी, और एक बार फिर कई बंदूकें दागी गईं, और डॉन क्विक्सोट सांचो की गर्दन से लिपटकर उसके माथे और गालों पर बार-बार चुंबन करने लगा। डचेस और ड्यूक ने अत्यंत संतुष्टि व्यक्त की, रथ आगे बढ़ने लगा, और जैसे ही रथ गुजरा, सुंदर डुलसीनिया ने ड्यूक और डचेस को प्रणाम किया और सांचो को झुककर प्रणाम किया।
और अब चमकीली, मुस्कुराती हुई सुबह तेजी से आ रही थी; खेतों के फूल फिर से खिल उठे, और झरनों का निर्मल जल, धूसर और सफेद पत्थरों पर कलकल करते हुए, अपनी प्रतीक्षा में नदियों को अपना आशीर्वाद देने के लिए तेजी से बह रहा था; प्रसन्न धरती, निर्मल आकाश, ताजी हवा, निर्मल प्रकाश, सब कुछ यह दर्शा रहा था कि सुबह की दहलीज पर कदम रखते हुए आने वाला दिन शांत और उज्ज्वल होगा। ड्यूक और डचेस, अपने शिकार से प्रसन्न और अपनी योजनाओं को इतनी चतुराई और सफलता से अंजाम देने पर, अपने महल में लौट आए और अपने इस मजाक को आगे बढ़ाने का निश्चय किया; क्योंकि उनके लिए वास्तविकता में इससे अधिक आनंद और कुछ नहीं हो सकता था।

36

अध्याय
इसमें संकटग्रस्त महिला, उर्फ काउंटेस ट्रिफाल्डी के विचित्र और अकल्पनीय साहसिक कारनामे का वर्णन है, साथ ही वह पत्र भी शामिल है जो सांचो पांजा ने अपनी पत्नी टेरेसा पांजा को लिखा था।
ड्यूक का एक बेहद विनोदी और चंचल स्वभाव का मुख्य प्रबंधक था, और उसी ने मर्लिन की भूमिका निभाई, पिछली घटना के लिए सभी व्यवस्थाएँ कीं, कविताएँ रचीं और डुलसीनिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक सेवक को नियुक्त किया; और अब, अपने स्वामी और स्वामिनी की सहायता से, उसने एक और सबसे हास्यास्पद और विचित्र युक्ति रची जिसकी कल्पना की जा सकती है।
अगले दिन डचेस ने सांचो से पूछा कि क्या उसने डुलसीनिया को मोहभंग करने के लिए किए जाने वाले प्रायश्चित कार्य की शुरुआत कर दी है। उसने कहा कि उसने कर दी है और रात भर में खुद को पाँच कोड़े मारे हैं।
डचेस ने उनसे पूछा कि उन्होंने उन्हें क्या-क्या दिया था।
उसने हाथ से इशारा करते हुए कहा।
"यह तो कोड़े मारने से ज़्यादा खुद को थप्पड़ मारने जैसा है; मुझे यकीन है कि ज्ञानी मर्लिन ऐसी नरमी से संतुष्ट नहीं होंगे; योग्य सांचो को एक ऐसा कठोर दंड या नौ पूंछों वाला कोड़ा बनाना होगा जो अपना असर दिखाए; क्योंकि रक्त से ही पत्र प्रवेश करते हैं, और डुलसीनिया जैसी महान महिला की रिहाई इतनी आसानी से या इतनी कम कीमत पर नहीं होगी; और याद रखना, सांचो, कि बेमन से और आधे-अधूरे मन से किए गए परोपकारी कार्य व्यर्थ और निष्फल होते हैं।" इस पर सांचो ने जवाब दिया, "यदि आप मुझे उचित कोड़ा या रस्सी देंगी, तो मैं उससे वार करूँगा, बशर्ते कि इससे बहुत अधिक दर्द न हो; क्योंकि आपको पता होना चाहिए, मैं भले ही गंवार हूँ, मेरा शरीर रुई जैसा कोमल है, और किसी और की भलाई के लिए खुद को नष्ट करना मुझे मंजूर नहीं है।"
"ऐसा ही हो," डचेस ने कहा; "कल मैं तुम्हें एक ऐसा कोड़ा दूंगी जो तुम्हारे लिए बिलकुल सही होगा, और तुम्हारी कोमल त्वचा के अनुरूप ढल जाएगा, मानो वह तुम्हारी अपनी बहन हो।"
तब सांचो ने कहा, "महामहिम, मेरी प्रियतम, आपको अवश्य ही पता होगा कि मैंने अपनी पत्नी टेरेसा पांज़ा को एक पत्र लिखा है, जिसमें मैंने उसे अपने जाने

के बाद से अब तक घटी सभी घटनाओं का विवरण दिया है; वह पत्र मेरे पास है, और बस उस पर पता लिखना बाकी है; मुझे प्रसन्नता होगी यदि आप इसे पढ़ लें, क्योंकि मुझे लगता है कि यह राज्यपाल की शैली में लिखा गया है; मेरा अर्थ है कि राज्यपालों को जिस तरह से लिखना चाहिए।"
"और इसे किसने लिखवाया?" डचेस ने पूछा।
"पापी होने के नाते, मेरे अलावा और कौन हुक्म चला सकता था?" सांचो ने कहा। "और क्या आपने इसे खुद लिखा है?" डचेस ने पूछा।
"मैंने ऐसा नहीं किया," सांचो ने कहा; "क्योंकि मैं न तो पढ़ सकता हूँ और न ही लिख सकता हूँ, हालाँकि मैं अपने नाम से हस्ताक्षर कर सकता हूँ।"
"आइए इसे देखें," डचेस ने कहा, "क्योंकि निश्चिंत रहें, इसमें आप अपनी बुद्धिमत्ता की गुणवत्ता और मात्रा दोनों का प्रदर्शन करेंगे।"
सांचो ने अपनी छाती से एक खुला पत्र निकाला, और डचेस ने उसे लेकर पाया कि वह इस प्रकार लिखा हुआ था:
सांचो पांजा का अपनी पत्नी टेरेसा पांजा को लिखा पत्र
अगर मेरी खूब पिटाई होती तो मैं एक सज्जन की तरह घोड़े पर सवार होकर जाता; अगर मुझे अच्छी सरकार मिली है तो वो भी अच्छी पिटाई की कीमत पर। मेरी टेरेसा, तुम अभी इसे नहीं समझोगी; धीरे-धीरे तुम्हें इसका मतलब समझ आ जाएगा। मैं तुम्हें बता दूं, टेरेसा, मेरा मतलब है कि तुम कोच में जाओ, क्योंकि यह ज़रूरी है, क्योंकि जाने का हर दूसरा तरीका तो चारों पैरों पर चलना ही है। तुम एक गवर्नर की पत्नी हो; ध्यान रखना कि कोई तुम्हारी पीठ पीछे तुम्हारी बुराई न करे। मैं तुम्हें यहाँ एक हरा शिकार का सूट भेज रहा हूँ जो मेरी पत्नी डचेस ने मुझे दिया था; इसे बदलवाकर हमारी बेटी के लिए पेटीकोट और चोली बनवा लेना। मेरे मालिक डॉन क्विक्सोट, अगर मैं इन इलाकों में सुनी बातों पर यकीन करूं तो, कुछ हद तक समझदार पागल और एक मजाकिया मूर्ख है, और मैं उससे किसी भी तरह कम नहीं हूँ। हम मोंटेसिनोस की गुफा में थे, और ऋषि मर्लिन ने मुझे डुलसीनिया डेल टोबोसो, जिसे वहाँ एल्डोंज़ा लोरेंजो कहा जाता है, के जादू को तोड़ने के लिए पकड़ लिया है। तीन हज़ार तीन सौ कोड़ों में से पाँच कम कोड़े मैं खुद को मारूंगा, और वह उतनी ही बुरी तरह से जादू से मुक्त हो जाएगी जितनी उसकी माँ, जिसने उसे जन्म दिया। इस बारे में किसी को कुछ मत बताना; क्योंकि अगर तुमने अपने मामलों को सार्वजनिक किया, तो कुछ लोग कहेंगे कि वे अच्छे हैं और कुछ लोग कहेंगे कि

वे बुरे हैं। मैं कुछ दिनों में यह बात अपनी सरकार को सौंप दूंगा, जहाँ मैं धन कमाने की प्रबल इच्छा से जा रहा हूँ, क्योंकि मुझे बताया गया है कि सभी नए गवर्नर इसी इच्छा से निकलते हैं; मैं वहाँ की स्थिति का जायजा लूंगा और तुम्हें बता दूंगा कि तुम्हें मेरे साथ आकर रहना है या नहीं। डैपल ठीक है और तुम्हें बहुत सारी शुभकामनाएँ भेजता है; मैं उसे पीछे नहीं छोड़ने वाला, भले ही वे मुझे ग्रैंड टर्क बनाने के लिए ले गए हों। मेरी पत्नी, डचेस, तुम्हारे हाथों को हज़ार बार चूमती है; तुम दो हज़ार लौटा देना, क्योंकि मेरे मालिक कहते हैं, शिष्टाचार से सस्ता और कुछ नहीं। भगवान ने मुझे सौ क्राउन का दूसरा सूटकेस देने की कृपा नहीं की, जैसा कि मैंने पिछले दिन दिया था; लेकिन कोई बात नहीं, मेरी टेरेसा, घंटी बजाने वाला सुरक्षित है, और सरकार की छानबीन में सब कुछ सामने आ जाएगा; बस मुझे इस बात से बहुत परेशानी हो रही है कि वे मुझसे कहते हैं— कि एक बार मैंने इसका स्वाद चख लिया तो मैं इसे खा जाऊंगा; और अगर ऐसा है तो यह मेरे लिए बहुत सस्ता नहीं होगा; हालांकि यह सच है कि अपंगों को भीख मांगने में अपना ही फायदा होता है; इसलिए किसी न किसी तरह तुम अमीर और भाग्यशाली बनोगी। भगवान तुम्हें अपनी सामर्थ्य से यह प्रदान करें, और मुझे तुम्हारी सेवा में बनाए रखें। इस महल से, 20 जुलाई, 1614।
तुम्हारा पति, राज्यपाल।
सांचो पांजा
पत्र पढ़ने के बाद डचेस ने सांचो से कहा, "सम्मानित राज्यपाल दो बातों में भटक गए हैं; एक तो यह कहना या संकेत देना कि यह शासन उन्हें उन कोड़ों के बदले दिया गया है जो उन्हें खुद को मारने हैं, जबकि वे जानते हैं (और वे इससे इनकार नहीं कर सकते) कि जब मेरे स्वामी ड्यूक ने उन्हें यह पद देने का वादा किया था तब किसी ने भी कोड़ों जैसी बात का सपना नहीं देखा था; दूसरी बात यह है कि वे यहाँ बहुत लालची दिख रहे हैं; और मैं उन्हें धन का लोभी नहीं देखना चाहती, क्योंकि 'लालच थैला फाड़ देता है', और लालची राज्यपाल अनियंत्रित न्याय करता है।"
"मेरा मतलब वो नहीं है, महोदया," सांचो ने कहा; "और अगर आपको लगता है कि पत्र ठीक से नहीं छपा है, तो बस इसे फाड़कर दूसरा लिख लीजिए; और हो सकता है कि अगर इसे मेरे विवेक पर छोड़ दिया जाए तो वह और भी बुरा हो।"

"नहीं, नहीं," डचेस ने कहा, "यह ठीक रहेगा, और मैं चाहती हूं कि ड्यूक इसे देखें।"
इसके बाद वे भोजन करने के लिए एक बगीचे में चले गए, और डचेस ने ड्यूक को सांचो का पत्र दिखाया, जिसे देखकर ड्यूक बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने भोजन किया, और जब पर्दा हटा दिया गया और सांचो की ज्ञानवर्धक बातों से उनका कुछ समय तक मनोरंजन हुआ, तभी एक उदास बांसुरी और कर्कश ढोल की आवाज़ सुनाई दी। इस नीरस, अव्यवस्थित, युद्ध जैसी ध्वनि से सभी कुछ परेशान लग रहे थे, विशेष रूप से डॉन क्विक्सोट, जो बेचैनी के मारे अपनी जगह पर नहीं बैठ पा रहे थे; सांचो के बारे में यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि डर ने उन्हें हमेशा की तरह डचेस की गोद में छिपने के लिए मजबूर कर दिया; और वास्तव में जो आवाज़ उन्होंने सुनी वह बहुत ही दुखद और उदास थी। जब वे अभी भी असमंजस में थे, तभी उन्होंने बगीचे से होते हुए दो पुरुषों को अपनी ओर आते देखा, जिन्होंने शोक वस्त्र पहन रखे थे जो इतने लंबे और बहने वाले थे कि वे ज़मीन पर घिसट रहे थे। जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, उन्होंने दो बड़े ढोल बजाए जो काले कपड़े से ढके हुए थे, और उनके बगल में बाण वादक चल रहा था, जो बाकी लोगों की तरह काला और गंभीर था। इनके पीछे एक विशालकाय व्यक्ति चल रहा था, जिसने गहरे काले रंग का एक गाउन पहना हुआ था, जिसका किनारा बहुत बड़ा था। गाउन के ऊपर, उसके शरीर को घेरे हुए, उसने एक चौड़ी काली कमरबंद पहनी हुई थी, जिससे एक विशाल तलवार लटक रही थी, जिसका म्यान और साज-सामान काले रंग का था। उसका चेहरा एक पारदर्शी काले घूंघट से ढका हुआ था, जिसके माध्यम से उसकी बर्फ जैसी सफेद लंबी दाढ़ी दिखाई दे रही थी। वह ढोल की थाप पर बड़े ही गंभीर और गरिमामय अंदाज में कदम मिलाकर चल रहा था; संक्षेप में, उसका कद, उसकी चाल, उसकी गंभीरता और उसके साथ चलने वाले लोग, उसे देखने वाले हर व्यक्ति को आश्चर्यचकित कर सकते थे, जैसा कि उन्होंने किया, चाहे वे उसे जानते भी न हों। इसी संयमित गति और इसी वेश में वह ड्यूक के सामने घुटने टेकने के लिए आगे बढ़ा, जो अन्य लोगों के साथ खड़े होकर उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। हालाँकि, ड्यूक ने किसी भी हालत में उसे उठने तक बोलने की अनुमति नहीं दी। विशालकाय बिजूका ने आज्ञा का पालन किया और खड़े होकर अपने चेहरे से घूंघट हटाया और अपनी विशाल, सबसे लंबी, सबसे सफेद और सबसे घनी दाढ़ी प्रकट की, जो उस क्षण तक किसी भी मानव आँख ने कभी नहीं देखी थी। फिर अपनी

चौड़ी, विशाल छाती की गहराई से एक गंभीर, दमदार आवाज निकालते हुए और ड्यूक पर अपनी निगाहें टिकाते हुए उसने कहा:
"हे परम पूज्य महोदय, मेरा नाम सफेद दाढ़ी वाला ट्रिफाल्डिन है; मैं काउंटेस ट्रिफाल्डी का सहायक हूँ, जिन्हें संकटग्रस्त ड्यूएना भी कहा जाता है। मैं उनकी ओर से आपके लिए एक संदेश लेकर आया हूँ कि आप कृपा करके उन्हें यहाँ आकर अपनी विपत्ति बताने की अनुमति देंगे, जो कि दुनिया में विपत्तियों से सबसे अधिक परिचित व्यक्ति की कल्पना से भी कहीं अधिक विचित्र और आश्चर्यजनक है; लेकिन सबसे पहले वह यह जानना चाहती हैं कि क्या वीर और कभी पराजित न होने वाले योद्धा, ला मांचा के डॉन क्विक्सोट, आपके इस महल में हैं, क्योंकि वह कैंडी राज्य से पैदल और बिना उपवास तोड़े पैदल चलकर आपके राज्य में आई हैं; यह एक ऐसी बात है जिसे चमत्कार माना जा सकता है या जादू-टोना समझा जा सकता है; वह इस समय इस किले के द्वार पर हैं और केवल प्रवेश करने के लिए आपकी अनुमति की प्रतीक्षा कर रही हैं। मैंने अपनी बात कह दी है।" और इतना कहकर वह खांसा, अपने दोनों हाथों से अपनी दाढ़ी पर हाथ फेरा, और ड्यूक के जवाब की प्रतीक्षा में बड़ी शांति से खड़ा रहा, जिसका उत्तर इस प्रकार था: "बहुत दिन पहले, हे सफेद दाढ़ी वाले वीर योद्धा ट्रिफाल्डिन, हमें मेरी पत्नी काउंटेस ट्रिफाल्डी के दुर्भाग्य के बारे में पता चला, जिन्हें जादूगरों ने 'दुखी दुआ' का नाम दिया है। हे महान योद्धा, उन्हें अंदर आने के लिए कहें और उन्हें बताएं कि वीर योद्धा डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा यहाँ हैं, और उनके उदार स्वभाव से वे स्वयं को हर प्रकार की सुरक्षा और सहायता का आश्वासन दे सकती हैं; और आप उन्हें यह भी बता दें कि यदि मेरी सहायता की आवश्यकता हुई तो मैं उसे रोकूंगा नहीं, क्योंकि योद्धा होने के नाते मैं उन्हें सहायता देने के लिए बाध्य हूँ, जिसमें सभी प्रकार की महिलाओं, विशेष रूप से विधवा, पीड़ित और दुखी महिलाओं की रक्षा करना शामिल है, जैसा कि आपकी पत्नी प्रतीत होती हैं।" यह सुनकर ट्रिफाल्डिन ने घुटने टेक दिए और बांसुरी और ढोल बजाने वालों को धुन बजाने का इशारा करके, उसी लय और उसी गति से बगीचे से बाहर निकल गया, जिस गति से वह अंदर आया था। उसके हावभाव और गंभीरता को देखकर सभी चकित रह गए। डॉन क्विक्सोट की ओर मुड़कर ड्यूक ने कहा, "हे प्रख्यात योद्धा, द्वेष और अज्ञानता का कोहरा वीरता और सद्गुण के प्रकाश को छुपा या धुंधला नहीं कर सकता। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि इस महल में आपके उत्कृष्ट कार्य

को आए अभी केवल छह दिन ही हुए हैं, और दुखी और पीड़ित लोग दूर-दूर के देशों से आपकी तलाश में आ रहे हैं, और वे रथों या ऊँटों पर सवार होकर नहीं, बल्कि पैदल और उपवास करके आ रहे हैं, इस विश्वास के साथ कि आपकी शक्तिशाली भुजा में उन्हें अपने दुखों और परेशानियों का निवारण मिलेगा; यह सब आपके महान कार्यों के कारण संभव हुआ है, जो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।"
“हे महामहिम,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “काश, वह परम आदरणीय पादरी, जिसने परसों भोजन के दौरान शूरवीरों के प्रति इतनी दुर्भावना और कटु द्वेष दिखाया था, आज यहाँ होता और अपनी आँखों से देखता कि क्या संसार में ऐसे शूरवीरों की आवश्यकता है; वह कम से कम अनुभव से यह जान लेता कि किसी असाधारण पीड़ा या दुःख से पीड़ित व्यक्ति, चरम परिस्थितियों और असामान्य दुर्भाग्य में, न्यायविदों या गाँव के पुरोहितों के घरों में, या उस शूरवीर के पास, जिसने कभी अपने शहर की सीमाएँ पार करने का प्रयास नहीं किया, या उस आलसी दरबारी के पास, जो केवल समाचार दोहराने और सुनाने में लगा रहता है, दूसरों के लिए कर्म और कारनामे करने का प्रयास करने के बजाय, उपचार की तलाश में नहीं जाता। संकट में राहत, आवश्यकता में सहायता, युवतियों की रक्षा, विधवाओं को सांत्वना, शूरवीरों से बेहतर कोई नहीं है; और मैं ईश्वर का निरंतर धन्यवाद करता हूँ कि मैं उनमें से एक हूँ, और इस सम्माननीय पेशे के अनुसरण में मुझ पर आने वाले किसी भी दुर्भाग्य या कष्ट को सहन करने योग्य मानता हूँ।” अच्छे उद्देश्य के लिए। इस स्त्री को आने दो और जो चाहे माँगने दो, क्योंकि मैं अपनी भुजाओं की शक्ति और अपने साहसी हृदय के निडर संकल्प से उसकी मदद करूँगा।

37

अध्याय
जिसमें संकटग्रस्त दाई के उल्लेखनीय साहसिक कारनामों का सिलसिला जारी है ड्यूक और डचेस यह देखकर बेहद खुश हुए कि डॉन क्विक्सोट कितनी आसानी से उनकी योजना में शामिल हो गया; लेकिन उसी क्षण सांचो ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि यह सेनोरा ड्यूएना मेरे शासन के वादे में कोई बाधा नहीं डालेगी; क्योंकि मैंने टोलेडो के एक वैद्य से सुना है, जो बहुत ही धूर्त था, कि जहाँ ड्यूएनाएँ होती हैं वहाँ कुछ भी अच्छा नहीं हो सकता। भगवान भला करे, वह वैद्य उनसे कितनी नफरत करता था! और इसलिए मैं सोच रहा हूँ कि अगर सभी

ड्यूएनाएँ, चाहे वे किसी भी प्रकार या स्थिति की हों, मुसीबत और दखलंदाजी करने वाली होती हैं, तो वे कैसी होंगी जो इस काउंटेस थ्री-स्कर्ट्स या थ्री-टेल्स की तरह परेशान हैं!—क्योंकि मेरे देश में स्कर्ट हो या टेल्स, टेल्स हो या स्कर्ट, सब एक ही है।"
"चुप रहो, मेरे दोस्त सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "चूंकि यह महिला दाइना इतनी दूर देश से मेरी तलाश में आई है, इसलिए वह उन दाइयों में से नहीं हो सकती जिनका जिक्र वैद्य ने किया था; इसके अलावा, यह एक काउंटेस है, और जब काउंटेस दाइना के रूप में सेवा करती हैं तो वे रानियों और महारानियों की सेवा में होती हैं, क्योंकि अपने घरों में वे सर्वोच्च स्वामिनी होती हैं और उनकी सेवा के लिए अन्य दाइनाएं होती हैं।"
इस पर उपस्थित डोना रोड्रिगेज़ ने उत्तर दिया, "मेरी महारानी, डचेस की सेवा में ऐसी दासियाँ हैं जो भाग्य की इच्छा से काउंटेस बन सकती थीं; लेकिन कानून तो राजाओं की पसंद के अनुसार चलता है; कोई भी इन दासियों, विशेषकर वृद्ध कुंवारी दासियों के बारे में बुरा न बोले; क्योंकि यद्यपि मैं स्वयं कुंवारी नहीं हूँ, मैं जानती और जानती हूँ कि एक विधवा दासी की तुलना में एक कुंवारी दासी को कितना लाभ होता है; लेकिन जिसने हमें काटा है, कैंची उसी के पास है।"
"इन सब बातों के बावजूद," सांचो ने कहा, "डुआना के बारे में बहुत कुछ छोटा- मोटा बताया जाता है, इसलिए मेरे नाई ने कहा कि 'चावल चिपक जाए तो भी उसे हिलाना नहीं चाहिए।'"
डोना रोड्रिगेज़ ने जवाब दिया, "ये जमींदार हमेशा हमारे दुश्मन होते हैं; और वे दरबारी कक्षों की प्रेत आत्माओं की तरह हर कदम पर हमारी निगरानी करते हैं, जब भी वे प्रार्थना नहीं कर रहे होते (और ऐसा अक्सर होता है), वे अपना समय हमारी चुगली करने, हमारी हड्डियों को खोदने और हमारी इज्जत को दफनाने में बिताते हैं। लेकिन मैं इन चलते-फिरते लोगों से कह सकती हूँ कि हम इनके बावजूद जिएंगे, और बड़े-बड़े घरों में भी, भले ही हम भूख से मर जाएं और अपने शरीर को, चाहे वह कितना भी कोमल क्यों न हो, विधवाओं के वस्त्रों से ढक लें, जैसे जुलूस के दिन गोबर के ढेर को ढका या छिपाया जाता है। मेरी आस्था की कसम, अगर मुझे अनुमति और समय मिले, तो मैं न केवल यहाँ उपस्थित लोगों को, बल्कि पूरी दुनिया को यह साबित कर सकती हूँ कि एक दुआ करने वाली में भी कोई सद्गुण नहीं होता।"

"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है," डचेस ने कहा, "कि मेरी प्यारी डोना रोड्रिगेज़ सही हैं, और बिल्कुल सही हैं; लेकिन उन्हें अपने और बाकी दाइयों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए सही समय का इंतजार करना चाहिए, ताकि उस नीच औषध विक्रेता के दुष्प्रचार को कुचल दिया जा सके और महान सांचो पांजा के मन से पूर्वाग्रह को जड़ से उखाड़ा जा सके।"
इस पर सांचो ने जवाब दिया, "जब से मैंने राज्यपाल पद की आहट सुनी है, मैंने एक जमींदार के सारे स्वभाव त्याग दिए हैं, और मुझे दुनिया की सारी दाइयों की ज़रा भी परवाह नहीं है।"
यदि उन्हें बांसुरी और ढोल की आवाज़ दोबारा न सुनाई देती, तो वे इस दुअन्ना विवाद को और आगे बढ़ाते। उस आवाज़ से उन्हें पता चला कि दुखी दुअन्ना प्रवेश कर रही है। दुअन्ना ने ड्यूक से पूछा कि क्या उनका स्वागत करने के लिए बाहर जाना उचित होगा, क्योंकि वह एक काउंटेस और उच्च पदस्थ महिला थीं। इससे पहले कि ड्यूक जवाब दे पाता, सांचो ने कहा, "जहां तक उसके काउंटेस होने की बात है, मैं चाहता हूं कि आप दोनों महामहिम उसका स्वागत करने के लिए बाहर जाएं; लेकिन जहां तक उसके ड्यूएना होने की बात है, मेरा मानना है कि आपको एक कदम भी नहीं हिलना चाहिए।"
"सांचो, तुम्हें इसमें दखल देने के लिए किसने कहा?" डॉन क्विक्सोट ने कहा। "कौन, महोदय?" सांचो ने कहा; "मैं दखल दे रहा हूँ क्योंकि मुझे दखल देने का अधिकार है, एक ऐसे सहायक के रूप में जिसने आपके, जो कि दरबारी जगत में सबसे शिष्ट और श्रेष्ठ शूरवीर हैं, के विद्यालय में शिष्टाचार के नियम सीखे हैं; और इन मामलों में, जैसा कि मैंने आपको कहते सुना है, एक कार्ड ज़्यादा होने से उतना ही नुकसान होता है जितना कि एक कार्ड कम होने से, और जो ध्यान से सुनता है, उसके लिए कम शब्द ही काफ़ी होते हैं।"
"सांचो सही कह रहा है," ड्यूक ने कहा; "हम देखेंगे कि काउंटेस कैसी हैं, और उसी के अनुसार उनके प्रति उचित शिष्टाचार का पालन करेंगे।"
और अब ढोल और बांसुरी ने पहले की तरह अपनी प्रस्तुति दी; और यहीं पर लेखक ने इस छोटे से अध्याय को समाप्त किया और अगले अध्याय की शुरुआत की, जिसमें उसी साहसिक यात्रा का वर्णन है, जो इतिहास में सबसे उल्लेखनीय घटनाओं में से एक है।

38

अध्याय
जिसमें दुखी दाई की दुर्भाग्यपूर्ण कहानी बताई गई है।
वहाँ मौजूद शोकग्रस्त संगीतकारों के पीछे बारह महिलाएँ दो पंक्तियों में बगीचे में दाखिल हुईं, सभी ने शोक वस्त्र पहन रखे थे जो जाहिर तौर पर सर्ज के बने थे, और उनके सिर पर महीन सफेद जालीदार कपड़े के इतने लंबे हुड थे कि केवल वस्त्र का किनारा ही दिखाई दे रहा था। उनके पीछे काउंटेस ट्रिफाल्डी आ रही थीं, उनके पीछे सफेद दाढ़ी वाले सहायक ट्रिफाल्डिन हाथ पकड़कर चल रहे थे, जो बेहतरीन बिना रोएँ वाले काले बाइज वस्त्र पहने हुए थे, ऐसा कि अगर उसमें रोएँ होते तो हर गुच्छा मार्टोस चने जितना बड़ा दिखाई देता; वस्त्र का पिछला भाग, या स्कर्ट, या जो भी इसे कहा जाए, तीन बिंदुओं पर समाप्त होता था जिसे तीन सेवकों ने अपने हाथों से थाम रखा था, वे भी शोक वस्त्र पहने हुए थे, जिससे तीन बिंदुओं द्वारा बने तीन न्यून कोणों के साथ एक सुंदर ज्यामितीय आकृति बन रही थी, जिसे देखकर सभी ने यह निष्कर्ष निकाला कि शायद इसी कारण से काउंटेस को ट्रिफाल्डी कहा जाता था, मानो वह तीन स्कर्ट वाली काउंटेस हो; बेनेंगेली का कहना है कि ऐसा ही था, और अपने सही नाम से उन्हें काउंटेस लोबुना कहा जाता था, क्योंकि उनके देश में भेड़िये बड़ी संख्या में पाए जाते थे; और यदि भेड़ियों के स्थान पर लोमड़ियाँ होतीं, तो उन्हें काउंटेस ज़ोरुना कहा जाता, क्योंकि उन क्षेत्रों में सामंतों द्वारा अपने राज्य में सबसे अधिक मात्रा में पाई जाने वाली वस्तु या वस्तुओं के नाम पर विशिष्ट उपाधियाँ धारण करने का रिवाज था; हालाँकि, इस काउंटेस ने अपनी स्कर्ट के नए फैशन के सम्मान में लोबुना नाम छोड़ दिया और ट्रिफाल्डी नाम अपना लिया।
बारह दासियाँ और वह महिला जुलूस की गति से आगे बढ़ीं, उनके चेहरे काले घूंघट से ढके हुए थे, ट्रिफाल्डिन के घूंघट की तरह पारदर्शी नहीं, बल्कि इतने घने कि उनके आर-पार कुछ भी दिखाई न दे। जैसे ही दासियों का पूरा समूह दिखाई दिया, ड्यूक, डचेस और डॉन क्विक्सोट, साथ ही धीरे-धीरे आगे बढ़ते जुलूस को देख रहे सभी लोग खड़े हो गए। बारह दासियाँ रुक गईं और एक कतार बना ली, जिसके साथ दुखी महिला आगे बढ़ी, ट्रिफाल्डिन अभी भी उसका हाथ पकड़े हुए था। यह देखकर ड्यूक, डचेस और डॉन क्विक्सोट उससे मिलने के लिए लगभग बारह कदम आगे बढ़े। फिर वह जमीन पर घुटने टेककर, मधुर और कोमल आवाज के बजाय

कर्कश और खुरदरी आवाज में बोली, "हे महाराज, कृपया इस सेविका को ऐसी शिष्टाचारपूर्ण सेवा न दें, बल्कि इस दासी को ऐसी सेवा करें, क्योंकि मैं इतनी विपत्ति में हूँ कि मैं कभी भी उचित वापसी नहीं कर पाऊँगी, क्योंकि मेरे विचित्र और अद्वितीय दुर्भाग्य ने मेरी बुद्धि छीन ली है, और मुझे नहीं पता कहाँ; लेकिन यह बहुत दूर की बात होगी, क्योंकि जितना मैं इसे खोजती हूँ, उतना ही कम मुझे यह मिलती है।"
"हे महोदया काउंटेस, जो व्यक्ति आपके व्यक्तित्व से आपकी गरिमा को नहीं पहचानता, वह बुद्धिहीन होगा, क्योंकि एक नज़र में ही यह स्पष्ट हो जाता है कि आप शिष्टाचार और शालीनता के सभी गुणों की पात्र हैं।" उन्होंने हाथ पकड़कर उन्हें डचेस के बगल में बैठाया, जिन्होंने भी उनका बड़े ही विनम्रतापूर्वक स्वागत किया। डॉन क्विक्सोट चुप रहे, जबकि सांचो ट्रिफाल्डी और उनकी कई दासियों में से एक-दो के चेहरे देखने के लिए बेताब थे; लेकिन जब तक वे स्वयं अपनी इच्छा से उन्हें प्रकट नहीं करतीं, तब तक यह संभव नहीं था।
सभी चुपचाप खड़े रहे, यह देखने के लिए कि कौन चुप्पी तोड़ेगा, और व्यथित ड्यूएना ने इन शब्दों में चुप्पी तोड़ी: "हे सर्वशक्तिमान स्वामी, परम सुंदर महिला और परम विवेकशील मंडली, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी इस घोर पीड़ा को आपके सबसे वीर हृदयों में उदार और सहानुभूतिपूर्ण स्वागत मिलेगा, क्योंकि यह ऐसी पीड़ा है जो संगमरमर को पिघला सकती है, हीरों को नरम कर सकती है और दुनिया के सबसे कठोर हृदयों को भी पिघला सकती है; लेकिन इससे पहले कि यह आपके कानों तक पहुंचे, मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या इस समाज, मंडली या समूह में वह निष्कलंक योद्धा, डॉन क्विक्सोट डे ला मंचिसिमा, और उसका साथी पांजा उपस्थित हैं।"
किसी के जवाब देने से पहले ही सांचो ने कहा, "पांज़ा यहाँ है, और डॉन क्विक्सोटिसिमस भी; इसलिए, सबसे दुखी ड्यूनिस्सिमा, आप जो चाहें कह सकती हैं, क्योंकि हम सभी आपकी किसी भी प्रकार की सेवा करने के लिए तत्पर हैं।" इस पर डॉन क्विक्सोट उठे और दुखी ड्यूएना को संबोधित करते हुए बोले, "हे पीड़ित महिला, यदि आपके दुखों में किसी वीर योद्धा के शौर्य या शक्ति से राहत की कोई आशा है, तो ये मेरे दुख हैं, जो भले ही कमजोर और सीमित हों, पूरी तरह से आपकी सेवा में समर्पित हैं। मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, जिसका उद्देश्य सभी प्रकार के जरूरतमंदों की सहायता करना है; और ऐसा होने

पर, हे महोदया, आपको दया की कोई अपील करने या भूमिका निभाने की आवश्यकता नहीं है, बस अपने दुखों को स्पष्ट और सीधे शब्दों में बताएँ: क्योंकि आपके श्रोता हैं जो जानते हैं कि यदि उनका निवारण नहीं तो कम से कम उनके प्रति सहानुभूति कैसे व्यक्त करें।"
यह सुनकर व्यथित डुएना ने मानो डॉन क्विक्सोट के चरणों में गिरने का नाटक किया और सचमुच उनके सामने गिर पड़ी और उन्हें गले लगाने का प्रयास करते हुए बोली, "हे अजेय योद्धा, मैं इन चरणों और टांगों के समक्ष स्वयं को नतमस्तक करती हूँ, जो वीरता की नींव और स्तंभ हैं; मैं इन चरणों को चूमना चाहती हूँ, क्योंकि इन्हीं कदमों पर मेरी विपत्ति का एकमात्र उपाय टिका है, हे वीर योद्धा, जिनकी वास्तविक उपलब्धियाँ अमाडिस, एस्प्लैंडियन और बेलियनिस की काल्पनिक उपलब्धियों को पीछे छोड़ देती हैं और उन्हें धूमिल कर देती हैं!" फिर डॉन क्विक्सोट से सांचो पांजा की ओर मुड़कर और उसके हाथ पकड़कर उसने कहा, "हे सबसे वफादार सहायक, जिसने इस युग या बीते युगों में किसी भी वीर योद्धा की सेवा की है, जिसकी अच्छाई मेरे वर्तमान साथी ट्रिफाल्डिन की दाढ़ी से भी अधिक विशाल है, तुम गर्व से कह सकते हो कि महान डॉन क्विक्सोट की सेवा करके, तुम संसार में शस्त्र धारण करने वाले सभी वीर योद्धाओं की सेवा कर रहे हो। मैं तुमसे तुम्हारी अत्यंत निष्ठा और अच्छाई की कसम खाकर विनती करती हूँ कि तुम अपने स्वामी से मेरी ओर से विनम्र निवेदन करो कि वह शीघ्र ही इस सबसे विनम्र और दुर्भाग्यशाली काउंटेस की सहायता करे।"
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "महामहिम, मेरी अच्छाई, चाहे वह आपके सहायक की दाढ़ी जितनी लंबी और बड़ी ही क्यों न हो, मेरे लिए बहुत कम मायने रखती है; जब इस जीवन को छोड़ने का समय आए, तो मेरी आत्मा घनी दाढ़ी और मूंछों से भरी हो, यही मेरा उद्देश्य है; इस धरती पर दाढ़ियों की मुझे कोई परवाह नहीं है; लेकिन इन सभी मिन्नतों और प्रार्थनाओं के बिना, मैं अपने स्वामी से विनती करूंगा (क्योंकि मैं जानता हूं कि वह मुझसे प्रेम करते हैं, और इसके अलावा, उन्हें अभी एक विशेष कार्य के लिए मेरी आवश्यकता है) कि वे आपकी यथासंभव सहायता करें; अपनी परेशानियों को हमारे सामने रखें और हमें उनसे निपटने दें, क्योंकि हम सभी एकमत हैं।"
ड्यूक और डचेस, क्योंकि उन्होंने ही इस साहसिक कार्य का प्रयोग किया था, यह सब सुनकर हँसी से लोटपोट हो रहे थे, और उन्होंने आपस में ट्रिफाल्डी के

संक्षेप में, उसने मेरे मन पर प्रभाव डाला और न जाने किन गहनों और आभूषणों से मेरे संकल्पों को तोड़ दिया; लेकिन एक रात मैंने उसे गली में खुलने वाली एक जाली से कुछ छंद गाते हुए सुना, जिसने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया और मेरे पतन का कारण बना; और अगर मुझे ठीक से याद है तो वे इस प्रकार थे: {श्लोक
मेरी उस प्यारी दुश्मन से
मेरे दुखी हृदय को चोट लग चुकी है;
और दर्द को और बढ़ाने के लिए मैं बाध्य हूँ।
पीड़ा सहना और कोई संकेत न देना।
{श्लोक
मुझे वे पंक्तियाँ मोती जैसी लगीं और उनकी आवाज़ सिरप जैसी मीठी; और उसके बाद, मैं कह सकता हूँ कि तब से, अपनी विपत्ति को देखते हुए, मैंने सोचा है कि कवियों को, जैसा कि प्लेटो ने सलाह दी थी, सभी सुव्यवस्थित राज्यों से निर्वासित कर देना चाहिए; कम से कम प्रेम-प्रधान कवियों को, क्योंकि वे 'द मार्क्विस ऑफ मंटुआ' की तरह छंद नहीं लिखते, जो महिलाओं और बच्चों को आनंदित करते हैं और उनकी आँखों में आँसू लाते हैं, बल्कि तीखे भावों से भरे होते हैं जो कोमल कांटों की तरह हृदय को भेदते हैं, और बिजली की तरह उस पर प्रहार करते हैं, वस्त्रों को अछूता छोड़ देते हैं। एक बार उन्होंने गाया: {श्लोक
मृत्यु, इतनी सूक्ष्मता से छिपी हुई कि मैं
मुझे नहीं पता कि तुम कैसे और कब आओगे।
कहीं ऐसा न हो कि यह मुझे फिर से जीवन दे दे।
यह जानने के लिए कि मृत्यु कितनी सुखद होती है।
{श्लोक
और इसी तरह के अन्य छंद और गीत, जो गाए जाने पर मंत्रमुग्ध कर देते हैं और लिखे जाने पर मोहित कर देते हैं। और फिर, जब वे कैंडी में उस समय प्रचलित एक प्रकार के छंदों की रचना करने की कृपा करते हैं, जिन्हें वे सेगुइडिलास कहते हैं! तब हृदय उछल पड़ते हैं, हंसी फूट पड़ती है, शरीर बेचैन हो जाता है और सभी इंद्रियां पारा की तरह चमकने लगती हैं। इसलिए मैं कहता हूँ, महोदय, कि ये गायक छिपकलियों के द्वीपों में निर्वासित होने के योग्य हैं। हालाँकि गलती उनकी नहीं है, बल्कि उन भोले-भाले लोगों की है जो उनकी

प्रशंसा करते हैं और उन मूर्खों की है जो उन पर विश्वास करते हैं; और अगर मैं वह वफादार दाई होती जो मुझे होना चाहिए था, तो उसकी बासी कल्पनाएँ मुझे कभी प्रभावित नहीं करतीं, न ही मैं 'मृत्यु में मैं जीवित हूँ', 'बर्फ में मैं जलती हूँ', 'आग में मैं काँपती हूँ', 'निराशा में मैं आशा करती हूँ', 'मैं जाती हूँ और ठहरती हूँ' जैसे वाक्यों और उनके लेखन में भरे पड़े ऐसे ही विरोधाभासों से बहकती। और फिर जब वे अरब के फीनिक्स, एरियाडने के मुकुट, सूर्य के घोड़ों, दक्षिण के मोतियों, तिबार के सोने और पंचैया के बाल्सम का वादा करते हैं! तब वे अपनी कलम को खुली छूट देते हैं, क्योंकि उन्हें ऐसे वादे करने में कोई खर्च नहीं आता जिन्हें पूरा करने का उनका कोई इरादा या क्षमता नहीं होती। लेकिन मैं कहाँ भटक रही हूँ? हाय, मैं कितनी अभागी हूँ! कौन सा पागलपन या मूर्खता मुझे दूसरों की गलतियों के बारे में बोलने के लिए प्रेरित करती है, जबकि मेरे बारे में इतना कुछ कहा जा सकता है? फिर से हाय, मैं कितनी अभागी हूँ! मुझे छंदों ने नहीं, बल्कि मेरी अपनी सरलता ने जीत लिया; संगीत ने मुझे वश में नहीं किया, बल्कि मेरी अपनी नासमझी ने; मेरी घोर अज्ञानता और कम सावधानी ने डॉन क्लैविजो के प्रलोभनों के लिए रास्ता खोल दिया, क्योंकि मैंने जिस सज्जन का जिक्र किया है, उनका नाम यही था; और इस प्रकार, मेरे बिचौलिए के रूप में मदद से, वह कई बार धोखे में आई एंटोनोमासिया (जिसे उसने नहीं, बल्कि मैंने धोखा दिया था) के कमरे में वैध पति के रूप में प्रवेश करने में सफल रहा; क्योंकि, यद्यपि मैं पापी था, मैं उसे उसका पति बने बिना उसके जूते के तलवे तक भी नहीं आने देता। नहीं, नहीं, ऐसा नहीं; इस तरह के किसी भी काम में, जिसे मैं हाथ में लेता हूँ, विवाह सर्वोपरि है। लेकिन इस मामले में एक अड़चन थी, जो पद की असमानता की थी, डॉन क्लैविजो एक साधारण सज्जन थे, और राजकुमारी एंटोनोमासिया, जैसा कि मैंने कहा, राज्य की उत्तराधिकारी थीं। यह मामला कुछ समय तक गुप्त रहा, मेरी चतुराई भरी सावधानियों से छिपा रहा, जब तक कि मुझे यह आभास नहीं हुआ कि एंटोनोमासिया की कमर का बढ़ना जल्द ही इसका खुलासा कर देगा। इस आशंका से हम सभी ने मिलकर सलाह-मशविरा किया और यह तय किया गया कि इससे पहले कि यह बात सबके सामने आए, डॉन क्लैविजो को राजकुमारी द्वारा किए गए विवाह समझौते के आधार पर, जिसे मैंने अपनी चतुराई से इतने बाध्यकारी शब्दों में तैयार किया था कि सैमसन की शक्ति भी इसे तोड़ नहीं सकती थी, पादरी के समक्ष एंटोनोमासिया को अपनी पत्नी के रूप में मांगना चाहिए। आवश्यक कदम उठाए गए;

पादरी ने समझौता देखा और महिला का बयान दर्ज किया; उसने सब कुछ स्पष्ट रूप से कबूल कर लिया, और पादरी ने उसे दरबार के एक बहुत ही योग्य अल्गुआसिल (अवैध वकील) की हिरासत में सौंपने का आदेश दिया।
"क्या कैंडी में भी दरबारी अलगुआसिल हैं? कवि और सेगुइडिला? कसम से, मुझे लगता है कि पूरी दुनिया एक जैसी है! लेकिन जल्दी कीजिए, सेनोरा ट्रिफाल्डी; क्योंकि बहुत देर हो चुकी है, और मैं इस लंबी कहानी का अंत जानने के लिए बेताब हूँ।"
"मैं करूंगी," काउंटेस ने उत्तर दिया।

39

अध्याय
जिसमें ट्रिफाल्डी अपनी अद्भुत और यादगार कहानी को आगे बढ़ाती है।
सांचो के हर शब्द से डचेस उतनी ही प्रसन्न हो रही थी जितनी डॉन क्विक्सोट हताश हो रहा था। उसने उसे चुप रहने को कहा, और दुखी व्यक्ति ने आगे कहा: "अंततः, बहुत पूछताछ और उत्तर के बाद, जब राजकुमारी अपनी बात पर अड़ी रही, बिना अपने पहले के बयान को बदले, तो पादरी ने डॉन क्लैविजो के पक्ष में फैसला सुनाया, और उसे उसकी वैध पत्नी के रूप में उसे सौंप दिया गया; जिसे राजकुमारी एंटोनोमासिया की माता, रानी डोना मैगुनसिया ने इतनी गंभीरता से लिया कि हमने तीन दिनों के भीतर ही उसे दफना दिया।"
"वह निश्चित रूप से मर गई," सांचो ने कहा।
"बिल्कुल," ट्रिफाल्डिन ने कहा; "कैंडी में जीवित लोगों को दफनाया नहीं जाता, केवल मृतकों को दफनाया जाता है।"
"सेनोर स्क्वाइर," सांचो ने कहा, "पहले भी बेहोश हुए आदमी को मृत समझकर दफनाया जा चुका है; और मुझे लगता है कि रानी मैगुनसिया को मरने की बजाय बेहोश हो जाना चाहिए था; क्योंकि जीवन में बहुत सी चीजें ठीक हो जाती हैं, और राजकुमारी की मूर्खता इतनी बड़ी नहीं थी कि उन्हें इसका इतना गहरा अफसोस हो। अगर उन्होंने अपने किसी सेवक या घर के किसी अन्य नौकर से शादी कर ली होती, जैसा कि मैंने सुना है कि कई लोगों ने किया है, तो नुकसान का कोई इलाज नहीं होता। लेकिन ऐसे सुरुचिपूर्ण और गुणी सज्जन से शादी करना, जैसा कि अभी हमें बताया गया है—वास्तव में, वास्तव में, हालांकि यह एक मूर्खता थी, लेकिन उतनी बड़ी नहीं जितनी आप सोचते हैं; क्योंकि मेरे स्वामी के नियमों के अनुसार—और वह मुझे झूठ नहीं बोलने देंगे—जैसे विद्वानों में से बिशप बनते हैं, वैसे ही सज्जनों में से शूरवीर, विशेषकर यदि वे पथभ्रष्ट हों, तो राजा और सम्राट बन सकते हैं।"
"सांचो, तुम सही कह रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "एक वीर योद्धा के लिए, अगर उसे दो उंगलियों के बराबर भी सौभाग्य मिल जाए, तो वह धरती का सबसे शक्तिशाली स्वामी बन सकता है। लेकिन दुखित महिला को आगे बोलने दो; क्योंकि मुझे लगता है कि इस मीठी कहानी का कड़वा हिस्सा अभी आना बाकी है।"

"कठिनाई तो अभी आने वाली है," काउंटेस ने कहा; "और इतना कड़वा कि कोलोसिंथ मीठा और ओलियंडर इसके मुकाबले स्वादिष्ट लगे। रानी की मृत्यु हो गई थी, और वह बेहोश नहीं हुई थी, इसलिए हमने उसे दफना दिया; और जैसे ही हमने उसे मिट्टी से ढका, जैसे ही हमने अंतिम विदाई ली, रानी की कब्र पर लकड़ी के घोड़े पर सवार विशालकाय मालाम्ब्रूनो प्रकट हुआ, जो मैगुनसिया का चचेरा भाई था और क्रूर होने के साथ-साथ जादूगर भी था; और उसने अपने चचेरे भाई की मृत्यु का बदला लेने, डॉन क्लैविजो के दुस्साहस को दंडित करने और एंटोनोमासिया की अवज्ञा पर क्रोधित होकर, उन दोनों को अपनी कला से कब्र पर ही मोहित कर दिया; वह पीतल के बंदर में और वह किसी अज्ञात धातु के भयानक मगरमच्छ में बदल गया; जबकि दोनों के बीच धातु का एक स्तंभ खड़ा है, जिस पर सिरियाई भाषा में कुछ अक्षर खुदे हुए हैं, जिनका कैंडियन और अब कैस्टिलियन में अनुवाद करने पर निम्नलिखित वाक्य मिलता है: 'ये दोनों उतावले प्रेमी अपना पुराना प्यार वापस नहीं पा सकेंगे'।" जब तक वीर मांचेगन मुझसे एकल युद्ध करने नहीं आता, तब तक मैं आकार लेता रहूँगा; क्योंकि भाग्य ने इस अद्वितीय साहसिक कार्य को केवल उसकी महान वीरता के लिए ही आरक्षित रखा है।' यह हो जाने पर, उसने म्यान से एक विशाल, चौड़ी तलवार निकाली और मेरे बाल पकड़कर ऐसा व्यवहार किया मानो वह मेरा गला काटकर मेरा सिर धड़ से अलग कर देना चाहता हो। मैं भयभीत हो गया, मेरी आवाज़ गले में अटक गई और मैं अत्यंत पीड़ा में था; फिर भी मैंने अपनी पूरी शक्ति जुटाई और कांपती हुई, दयनीय आवाज़ में उससे कुछ ऐसे शब्द कहे जिससे वह इतनी कठोर सज़ा देने से रुक गया। फिर उसने महल की सभी दासियों को, जो यहाँ उपस्थित थीं, अपने सामने बुलवाया; और हमारे अपराध की गंभीरता पर विस्तार से चर्चा करने, दासियों, उनके चरित्र, उनके बुरे तौर-तरीकों और उससे भी बदतर षड्यंत्रों की निंदा करने के बाद, उन सभी पर आरोप लगाते हुए जिनका दोषी केवल मैं ही था, उसने कहा कि वह हमें मृत्युदंड नहीं देगा, बल्कि अन्य धीमी गति की सजाएँ देगा जो वास्तव में हमेशा के लिए नागरिक मृत्यु के समान होंगी; और जैसे ही उसने बोलना बंद किया, हम सभी ने अपने चेहरे के रोमछिद्र खुलते और चुभते हुए महसूस किया, मानो किसी नुकीली चीज़ से। सुइयां। हमने तुरंत अपने चेहरे पर हाथ रख लिए और खुद को उस हालत में पाया जो आप अब देख रहे हैं।"
यहां दुखी महिला और अन्य दाइयों ने अपने ऊपर से ओढ़े हुए घूंघट उठाए और दाढ़ी से भरे चेहरे दिखाए, जिनमें से कुछ लाल, कुछ काली, कुछ सफेद और कुछ

धूसर थीं, जिसे देखकर ड्यूक और डचेस ने आश्चर्य से भर जाने का दिखावा किया। डॉन क्विक्सोट और सांचो विस्मय से भर गए, और आसपास खड़े लोग भी आश्चर्यचकित रह गए, जबकि ट्रिफाल्डी ने आगे कहा: "इस दुष्ट खलनायक मालाम्ब्रूनो ने हमें इस प्रकार दंडित किया, हमारे चेहरों की कोमलता और सौम्यता को इन खुरदुरे बालों से ढक दिया! काश उसने हमारे चेहरों की रोशनी को इन ऊनी कंघियों से ढकने के बजाय अपनी विशाल तलवार से हमारे सिर काट दिए होते! क्योंकि अगर हम इस मामले पर गौर करें, महोदय (और जो मैं अब कहने जा रही हूँ, वह मैं झरनों की तरह बहती आँखों से कहूँगी, लेकिन हमारे दुर्भाग्य और उन आँसुओं के सागरों के विचार ने उन्हें जौ की बालियों की तरह सूखा रखा है, इसलिए मैं इसे बिना आँसू बहाए कह रही हूँ), मैं पूछती हूँ, दाढ़ी वाली दाई कहाँ जाए? कौन सा पिता या माता उस पर दया करेगा? कौन उसकी मदद करेगा? क्योंकि, अगर चिकनी त्वचा और हजारों तरह के धुलाई और सौंदर्य प्रसाधनों से पीड़ित चेहरे के बावजूद भी, उसे शायद ही कोई प्यार करने वाला मिले," जब उसका चेहरा झाड़ियों से सना हुआ दिखेगा तो वह क्या करेगी? हे देवियों, मेरी सहेलियों! हमारा जन्म एक अशुभ क्षण था और हमारे पिताओं का जन्म एक दुर्भाग्यपूर्ण घड़ी थी! और यह कहते ही वह बेहोश होने के कगार पर पहुँच गई।

40

अध्याय
इस साहसिक यात्रा और इस यादगार इतिहास से संबंधित और उससे जुड़े मामलों के बारे में
सचमुच, इतिहास की ऐसी रचनाओं में आनंद पाने वाले सभी लोगों को इसके मूल लेखक सिदे हामेटे के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने इसके हर छोटे से छोटे विवरण को हमारे सामने प्रस्तुत करने में अत्यंत सावधानी बरती है, और कोई भी बात, चाहे वह कितनी भी तुच्छ क्यों न हो, स्पष्ट और सरल शब्दों में समझाई है। वे विचारों को चित्रित करते हैं, कल्पनाओं को प्रकट करते हैं, निहित प्रश्नों के उत्तर देते हैं, शंकाओं को दूर करते हैं, आपत्तियों का निवारण करते हैं, और संक्षेप में, उन सभी छोटी-छोटी बातों को स्पष्ट कर देते हैं जिन्हें जानने की जिज्ञासा सबसे अधिक होती है। हे प्रख्यात लेखक! हे सुखी डॉन क्विक्सोट! हे प्रसिद्ध हास्यप्रद सांचो! आप सभी पृथ्वीवासियों के आनंद और मनोरंजन के लिए अनंत युगों तक जीवित रहें!
इतिहास आगे कहता है कि जब सांचो ने क्षुद्र व्यक्ति को बेहोश होते देखा तो वह चिल्लाया: "मैं एक ईमानदार व्यक्ति की कसम खाता हूँ और अपने सभी पूर्वजों, पांज़ा परिवार की आत्माओं की कसम खाता हूँ कि मैंने कभी ऐसी घटना न देखी, न सुनी, और न ही मेरे स्वामी ने कभी ऐसी घटना का वर्णन किया है या अपने मन में ऐसी कल्पना की है। हज़ार शैतान—तुम्हें शाप न दे रहा हूँ— तुम्हें, मालाम्ब्रूनो, जादूगर और राक्षस समझो! क्या तुम्हें इन पापियों के लिए दाढ़ी बढ़ाने के अलावा कोई और सज़ा नहीं सूझी? क्या यह बेहतर नहीं होता—उनके लिए बेहतर नहीं होता—कि उनकी आधी नाक बीच से ऊपर तक काट दी जाती, भले ही वे बोलते समय खर्राटे लेते, बजाय इसके कि उन पर दाढ़ी बढ़ा दी जाती? मैं शर्त लगाता हूँ कि उनके पास दाढ़ी बनवाने के लिए किसी को भुगतान करने का साधन नहीं है।"
बारह शिष्यों में से एक ने कहा, "यही सच है, महोदय; हमारे पास दाढ़ी बनवाने के लिए पैसे नहीं हैं, इसलिए हममें से कुछ ने सस्ते उपाय के तौर पर चिपकाने वाले प्लास्टर का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इन्हें चेहरे पर लगाकर झटके से हटाने से हम पत्थर के ओखली की तरह चिकने और गंजे हो जाते हैं।

बेशक, कैंडी में कुछ औरतें घर-घर जाकर दाढ़ी बनाती हैं, भौंहें संवारती हैं और महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रसाधन बनाती हैं, लेकिन हम, मेरी मालकिन की दासियाँ, उन्हें कभी अंदर नहीं आने देंगी, क्योंकि उनमें से अधिकतर ऐसी दलालों की तरह हैं जो अब मुख्य काम नहीं करतीं; और अगर महोदय डॉन क्विक्सोट हमारी मदद नहीं करते, तो हम दाढ़ी के साथ ही कब्र में चले जाएँगे।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर मैं तुम्हारे रोग का इलाज नहीं कर सका, तो मैं मूरों की भूमि में जाकर अपने ही लोगों को उखाड़ फेंकूँगा।"
इसी क्षण त्रिफाल्डी बेहोशी से जागी और बोली, "हे वीर योद्धा, उस वादे की खनक बेहोशी की हालत में मेरे कानों तक पहुँची और उसी ने मुझे होश में लाया; इसलिए मैं एक बार फिर आपसे विनती करती हूँ, हे महान योद्धा, अदम्य महोदय, कि आप अपने उदार वादों को कर्मों में बदल दें।"
"मेरी ओर से कोई देरी नहीं होगी," डॉन क्विक्सोट ने कहा। "श्रीमती, कृपया सोचें कि मुझे क्या करना है, क्योंकि मेरा हृदय आपकी सेवा करने के लिए अत्यंत उत्सुक है।"
“असलियत यह है,” दुखी व्यक्ति ने उत्तर दिया, “यदि आप ज़मीन से जाएँ तो यहाँ से कैंडी राज्य तक की दूरी लगभग पाँच हज़ार मील है; लेकिन यदि आप हवा में सीधे जाएँ तो यह दूरी तीन हज़ार दो सौ सत्ताईस मील है। आपको यह भी पता होना चाहिए कि मालाम्ब्रूनो ने मुझे बताया था कि जब भी भाग्य हमारे उद्धारकर्ता योद्धा को भेजेगा, वह स्वयं उसे डाक के घोड़े से कहीं बेहतर और कम छल-कपट वाला घोड़ा भेजेगा; क्योंकि वह वही लकड़ी का घोड़ा होगा जिस पर वीर पियरेस सुंदर मैगलोना को ले गया था; वह घोड़ा अपने माथे में लगी एक कील से लगाम का काम करता है और हवा में इतनी तेज़ी से उड़ता है कि आपको लगेगा जैसे शैतान उसे ले जा रहे हों। प्राचीन परंपरा के अनुसार, इस घोड़े को मर्लिन ने बनाया था। उसने इसे अपने मित्र पियरेस को उधार दिया था, जिसने उसके साथ लंबी यात्राएँ की थीं, और जैसा कि कहा गया है, उसने सुंदर मैगलोना को अपने पिछले पैरों पर हवा में ले जाकर ले गया था और सभी को आश्चर्यचकित कर दिया था। उसने धरती से उन्हें आश्चर्य से मुंह खोले देखा; और उसने उसे केवल उन्हीं को उधार दिया जिनसे वह प्रेम करता था या जो उसे अच्छा भुगतान करते थे; और महान पियरेस के बाद से अब तक हमें किसी के भी उस पर सवार होने की जानकारी नहीं है। मालाम्ब्रूनो ने अपनी जादुई कला से उसे उससे चुरा लिया, और अब वह उसके कब्जे में है, और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अपनी

लगातार यात्राओं में उसका उपयोग करता है; वह आज यहाँ है, कल फ्रांस में, और परसों पोटोसी में; और सबसे अच्छी बात यह है कि उक्त घोड़ा न खाता है, न सोता है, न ही उसके जूते घिसते हैं, और बिना पंखों के हवा में इठलाती चाल से चलता है, जिससे उस पर सवार व्यक्ति अपने हाथ में पानी से भरा प्याला बिना एक बूंद गिराए ले जा सकता है, वह इतनी सहजता और आसानी से चलता है, इसी कारण सुंदर मैगलोना को उस पर सवारी करना बहुत पसंद था।
इस पर सांचो ने कहा, "आसानी से और सुचारू रूप से चलने के लिए, मुझे मेरा डैपल दे दो, भले ही वह हवा में न उड़ सके; लेकिन जमीन पर मैं दुनिया के सभी धीमी गति से चलने वालों के खिलाफ उसका साथ दूंगा।"
वे सब हँस पड़े, और दुखी व्यक्ति ने आगे कहा: "और यही घोड़ा, यदि मालाम्ब्रूनो हमारी पीड़ाओं का अंत करने के लिए तैयार हो, तो रात के आधे घंटे आगे बढ़ने से पहले ही हमारे सामने होगा; क्योंकि उसने मुझे बताया था कि वह मुझे जो संकेत देगा जिससे मुझे पता चलेगा कि मुझे वह योद्धा मिल गया है जिसकी मैं तलाश कर रहा था, वह यह होगा कि वह घोड़े को जहाँ कहीं भी हो, शीघ्रता से मेरे पास भेज देगा।"
"और इस घोड़े पर कितने लोगों के बैठने की जगह है?" सांचो ने पूछा।
"दो," व्याकुल व्यक्ति ने कहा, "एक घोड़े की पीठ पर और दूसरा घोड़े के पिछले हिस्से पर; और आम तौर पर ये दोनों ही योद्धा और सहायक होते हैं, जब कोई युवती अपहरण के लिए नहीं होती है।"
"मैं जानना चाहता हूँ, हे संकटग्रस्त महिला," सांचो ने कहा, "इस घोड़े का नाम क्या है?"
"उसका नाम," दुखी व्यक्ति ने कहा, "न तो बेलेरोफोन के घोड़े पेगासस जैसा है, न ही सिकंदर महान के घोड़े बुसेफालस जैसा, न ही ऑरलैंडो फुरियोसो के घोड़े ब्रिग्लियाडोर जैसा, न ही मोंटालवन के रेनाल्डोस के घोड़े बेयार्ड जैसा, न ही रग्गिएरो के घोड़े फ्रोंटिनो जैसा, न ही बूट्स या पेरिटोआ जैसा, जैसा कि कहा जाता है कि सूर्य के घोड़ों को कहा जाता था, और न ही उसका नाम ओरेलिया है, उस घोड़े की तरह जिस पर सवार होकर गोथों के अंतिम राजा, दुर्भाग्यपूर्ण रोड्रिगो, उस युद्ध में गया था जहाँ उसने अपना जीवन और अपना राज्य खो दिया था।"
"मैं शर्त लगाता हूँ," सांचो ने कहा, "कि जिस तरह उन्होंने उसे इन प्रसिद्ध घोड़ों के नामों में से कोई भी नाम नहीं दिया है, उसी तरह उन्होंने उसे

मेरे मालिक के रोसिनांटे का नाम भी नहीं दिया है, जो उपयुक्त होने के कारण उल्लेखित सभी नामों से कहीं बेहतर है।"
"यह सच है," दाढ़ी वाली काउंटेस ने कहा, "फिर भी यह नाम उस पर खूब जंचता है, क्योंकि उसे क्लैविलेनो द स्विफ्ट कहा जाता है, जो नाम उसके लकड़ी का बना होने, उसके माथे में लगी कील और उसकी तेज गति के अनुरूप है; और इसलिए, नाम के लिहाज से, उसकी तुलना प्रसिद्ध रोसिनांटे से की जा सकती है।"
"मुझे उसके नाम के खिलाफ कुछ नहीं कहना है," सांचो ने कहा; "लेकिन उसे किस तरह की लगाम या रस्सी से नियंत्रित किया जाता है?"
ट्रिफाल्डी ने कहा, "मैंने पहले ही कहा है कि इसमें एक खूंटी होती है, जिसे एक तरफ या दूसरी तरफ घुमाकर, इस पर सवार योद्धा इसे अपनी इच्छानुसार चला सकता है, चाहे वह हवा में उड़ रहा हो, या धरती को छूता हुआ लगभग पार कर रहा हो, या फिर उस मध्य मार्ग पर चल रहा हो जो सभी सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं में चाहा और अपनाया जाता है।"
"मैं उसे देखना तो चाहता हूँ," सांचो ने कहा; "लेकिन यह सोचना कि मैं उस पर सवार हो पाऊँगा, चाहे काठी पर या घोड़े की पीठ पर, असंभव है। वाकई मज़ाक है! मैं डैपल पर भी मुश्किल से बैठ पाता हूँ, और रेशम से भी मुलायम काठी पर, और यहाँ वे मुझे बिना किसी गद्दे या कुशन के तख्ते पर बिठाना चाहते हैं! हे भगवान, मैं किसी की दाढ़ी हटाने के लिए खुद को चोट पहुँचाने के मूड में नहीं हूँ; हर कोई अपनी दाढ़ी जैसे चाहे वैसे बना ले; मैं अपने मालिक के साथ इतनी लंबी यात्रा पर नहीं जा रहा हूँ; इसके अलावा, मैं इन दाढ़ियों को शेव करने में उतनी मदद नहीं कर सकता जितनी अपनी मालकिन डुलसीनिया के मोहभंग में कर सकता हूँ।"
"हाँ, तुम कर सकते हो, मेरे दोस्त," ट्रिफाल्डी ने उत्तर दिया; "और इतना अधिक कि, जैसा कि मैं समझता हूँ, तुम्हारे बिना हम कुछ भी नहीं कर पाएंगे।" "राजा के नाम पर!" सांचो ने कहा, "साम्राज्य के सहायकों का उनके स्वामियों के कारनामों से क्या लेना-देना है? क्या उन्हें उनके कारनामों की प्रसिद्धि मिलेगी और हमें उनकी मेहनत? हे भगवान! काश इतिहासकार इतना ही कह पाते, 'अमुक शूरवीर ने अमुक साहसिक कार्य पूरा किया, लेकिन अपने अमुक सहायक की मदद से, जिसके बिना यह उसके लिए असंभव होता;' लेकिन वे संक्षेप में लिखते हैं, 'तीन सितारों के डॉन पैरालिपोनन ने छह राक्षसों का साहसिक कार्य पूरा किया;' उनके सहायक का ज़िक्र तक नहीं करते, जो हर समय उनके साथ था, मानो वह

था ही नहीं। एक बार फिर, महोदय, मैं कहता हूँ कि मेरे स्वामी अकेले जा सकते हैं, और इससे उन्हें बहुत लाभ होगा; और मैं यहाँ अपनी पत्नी डचेस के साथ रहूँगा; और शायद जब वह लौटेंगे, तो उन्हें लेडी डुलसीनिया का मामला बहुत आगे बढ़ा हुआ मिलेगा।" क्योंकि मेरा मतलब है कि खाली समय में और निरर्थक क्षणों में, मैं अपने आप को बिना एक बाल भी ढके कोड़े मारने का आनंद उठा सकूं।
"अगर ज़रूरी हो तो तुम्हें जाना ही होगा, मेरे प्यारे सांचो," डचेस ने कहा, "क्योंकि जो लोग तुम्हें बुला रहे हैं वे सम्मानित लोग हैं; और तुम्हारी व्यर्थ की चिंताओं के कारण इन महिलाओं के चेहरे इस तरह उदास नहीं रहने चाहिए; यह वाकई एक कठिन परिस्थिति होगी।"
"राजा के नाम पर, एक बार फिर!" सांचो ने कहा; "अगर यह परोपकारी कार्य कैद में पड़ी युवतियों या दान-पुण्य करने वाली लड़कियों के लिए किया जाता, तो कोई व्यक्ति कुछ कठिनाइयों का सामना कर सकता था; लेकिन दाइयों की दाढ़ी उतारने के लिए यह सब सहना! धिक्कार है! मैं तो उन सभी को दाढ़ी के साथ देखना पसंद करूँगा, चाहे वे सबसे ऊँची हों या सबसे नीची, और सबसे संकोची हों या सबसे दिखावटी।"
"सांचो, मेरे दोस्त, तुम दाइयों के प्रति बहुत कठोर हो," डचेस ने कहा; "तुम टोलेडो के औषध विक्रेता की राय से बहुत प्रभावित हो। लेकिन वास्तव में तुम गलत हो; मेरे घर में ऐसी दाइयाँ हैं जो दाइयों के लिए आदर्श हो सकती हैं; और ये रही मेरी डोना रोड्रिगेज़, जो मुझे इसके विपरीत कुछ भी कहने नहीं देंगी।"
"आप चाहें तो ऐसा कह सकते हैं," रोड्रिगेज़ ने कहा; "क्योंकि ईश्वर ही सब कुछ जानता है; और चाहे हम स्त्रियाँ अच्छी हों या बुरी, दाढ़ी वाली हों या बिना दाढ़ी वाली, हम अन्य स्त्रियों की तरह अपनी माताओं की बेटियाँ हैं; और क्योंकि ईश्वर ने हमें संसार में भेजा है, वह जानता है कि उसने ऐसा क्यों किया, और मैं उसकी दया पर भरोसा करती हूँ, न कि किसी की दाढ़ी पर।"
“खैर, सेनोरा रोड्रिगेज़, सेनोरा ट्रिफाल्डी और आप सभी उपस्थित लोगों,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मुझे ईश्वर पर भरोसा है कि वह आपकी परेशानियों पर दया दृष्टि रखेगा, क्योंकि सांचो वही करेगा जो मैं उसे कहूँगा। बस क्लैविलेनो को आने दीजिए और मुझे मालाम्ब्रूनो से आमने-सामने होने दीजिए, और मुझे पूरा विश्वास है कि कोई भी उस्तरा आपको उतनी आसानी से नहीं काट

पाएगा जितनी आसानी से मेरी तलवार मालाम्ब्रूनो का सिर उसके कंधों से अलग कर देगी; क्योंकि 'ईश्वर दुष्टों को सहन करता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं।'”
"आह!" इस पर दुखी आत्मा ने कहा, "हे वीर योद्धा, स्वर्ग के सभी तारे कृपा दृष्टि से तुम्हारी महानता को देखें और तुम्हारे हृदय में समृद्धि और वीरता भर दें, ताकि यह दबी-कुचली दासियों की ढाल और सुरक्षा बन सके, जिन्हें औषध विक्रेता घृणा करते हैं, सरदार उपहास करते हैं और सेवक उनका शिकार बनाते हैं। उस स्त्री का बुरा हो जो अपनी जवानी में ही नन बनना पसंद करती है, न कि दासी! हम दासियाँ कितनी अभागी हैं! यद्यपि हम स्वयं ट्रॉय के हेक्टर के सीधे पुरुष वंशज हैं, फिर भी हमारी स्वामिनियाँ हमें 'तुम' कहकर संबोधित करना नहीं भूलतीं, अगर उन्हें लगता है कि इससे वे रानी बन जाएँगी। हे विशालकाय मालाम्ब्रूनो, यद्यपि तुम जादूगर हो, फिर भी तुम अपने वादों के पक्के हो। अब हमें अद्वितीय क्लैविलेनो भेजो, ताकि हमारा दुर्भाग्य समाप्त हो जाए; क्योंकि यदि गर्म मौसम आ गया और ये हमारी दाढ़ियाँ अभी भी बची हैं, अफसोस हमारे लिए!
त्रिफाल्डी ने यह बात इतने मार्मिक ढंग से कही कि सबकी आँखों में आँसू आ गए और यहाँ तक कि सांचो की आँखें भी भर आईं; और उसने मन ही मन ठान लिया कि अगर उन आदरणीय चेहरों से पर्दा हटना ज़रूरी हुआ तो वह अपने स्वामी का साथ दुनिया के कोने-कोने तक देगा।

41

अध्याय
क्लैविलेनो के आगमन और इस लंबे साहसिक कार्य के अंत के बारे में
और अब रात हो गई, और इसके साथ ही प्रसिद्ध घोड़े क्लैविलेनो के आने का नियत समय भी आ गया। उसके न आने से डॉन क्विक्सोट बेचैन होने लगा था, क्योंकि उसे लग रहा था कि मालाम्ब्रूनो द्वारा उसे भेजने में इतनी देर करने से या तो वह स्वयं वह योद्धा नहीं था जिसके लिए यह साहसिक कार्य निर्धारित था, या फिर मालाम्ब्रूनो उससे अकेले युद्ध करने का साहस नहीं रखता था। लेकिन देखो! अचानक बगीचे में हरे रंग की लताओं से ढके चार जंगली आदमी अपने कंधों पर एक विशाल लकड़ी का घोड़ा लिए हुए आए। उन्होंने उसे ज़मीन पर खड़ा किया, और

उनमें से एक जंगली आदमी ने कहा, "जिस योद्धा में साहस हो, वह इस मशीन पर सवार हो जाए।"
इस पर सांचो ने कहा, "मैं घोड़े पर नहीं सवार होऊंगा, क्योंकि न तो मुझमें इतना साहस है और न ही मैं एक योद्धा हूं।"
“और अगर उसका कोई सरदार हो तो,” उस जंगली आदमी ने आगे कहा, “वह घोड़े की पीठ पर बैठ जाए और वीर मालाम्ब्रूनो पर भरोसा रखे; क्योंकि न तो उसकी तलवार से और न ही किसी और की दुर्भावना से उस पर हमला किया जा सकेगा। बस घोड़े की गर्दन में लगी इस कील को घुमाना है और वह उन्हें हवा में उड़ाकर वहाँ ले जाएगा जहाँ मालाम्ब्रूनो उनका इंतज़ार कर रहा है; लेकिन कहीं इतनी ऊँचाई पर चलने से उन्हें चक्कर न आ जाए, इसलिए घोड़े के हिनहिनाने तक अपनी आँखें ढक कर रखनी होंगी, जो उनकी यात्रा पूरी होने का संकेत होगा।”
इन शब्दों के साथ, क्लैविलेनो को पीछे छोड़कर, वे सहज गरिमा के साथ उसी रास्ते से लौट गए जिससे वे आए थे। जैसे ही व्याकुल स्त्री ने घोड़े को देखा, लगभग आँसू भरी आँखों से उसने डॉन क्विक्सोट से कहा, "वीर योद्धा, मालाम्ब्रूनो का वादा सच साबित हुआ है; घोड़ा आ गया है, हमारी दाढ़ियाँ बढ़ रही हैं, और हम सब अपनी-अपनी दाढ़ी के हर बाल की कसम खाकर तुमसे विनती करते हैं कि हमारी दाढ़ी मुंडवा दो, क्योंकि केवल अपने सहायक के साथ उस पर सवार होकर अपनी नई यात्रा की सुखद शुरुआत करना ही संभव है।"
"हाँ, सेनोरा काउंटेस ट्रिफाल्डी," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं ऐसा अत्यंत प्रसन्नतापूर्वक और पूरी सद्भावना के साथ करूँगा, बिना तकिया उठाए या अपने स्पर्स पहने, ताकि समय बर्बाद न हो, क्योंकि मेरी यही इच्छा है कि आप और ये सभी दाइयाँ पूरी तरह से साफ़-सुथरी दाढ़ी वाली हों।"
"मैं ऐसा नहीं करूँगा," सांचो ने कहा, "चाहे सद्भाव से हो या दुर्भावना से, या किसी भी तरह से; और अगर यह दाढ़ी बनाना मेरे घोड़े पर चढ़े बिना संभव नहीं है, तो मेरे स्वामी को अपने साथ जाने के लिए किसी और सहायक की व्यवस्था करनी चाहिए, और इन महिलाओं को अपने चेहरे को चिकना बनाने का कोई और तरीका ढूंढना चाहिए; मैं कोई चुड़ैल नहीं हूँ कि मुझे हवा में यात्रा करने का शौक हो। मेरे द्वीपवासी क्या कहेंगे जब उन्हें पता चलेगा कि उनका राज्यपाल हवाओं पर सैर करने जा रहा है? और दूसरी बात, क्योंकि यहाँ से कैंडी की दूरी लगभग तीन हज़ार मील है, अगर घोड़ा थक गया, या दानव नाराज़ हो गया, तो हमें वापस आने में आधा दर्जन साल लग जाएँगे, और दुनिया में कोई भी

द्वीप या द्वीप मुझे नहीं जानेगा: और इसलिए, जैसा कि एक आम कहावत है 'देरी में खतरा होता है', और 'जब वे तुम्हें बछिया दें तो रस्सी के साथ भागो', इन महिलाओं की दाढ़ियों को मुझे माफ करना चाहिए; 'संत पीटर रोम में बहुत अच्छे हैं;'" मेरा मतलब है कि मैं इस घर में बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूँ जहाँ मुझे इतना महत्व दिया जाता है, और मैं स्वामी से इतनी अच्छी चीज की उम्मीद करता हूँ कि मुझे शासक बनते हुए देख सकूँ।"
“मित्र सांचो,” इस पर ड्यूक ने कहा, “जिस द्वीप का मैंने तुमसे वादा किया है, वह हिलने-डुलने वाला या भागने वाला द्वीप नहीं है; उसकी जड़ें धरती की गहराई में इतनी गड़ी हुई हैं कि उसे उखाड़ना या उसकी जगह से हटाना आसान नहीं होगा; तुम भी मेरी तरह जानते हो कि कोई भी महत्वपूर्ण पद रिश्वत के बिना नहीं मिलता, चाहे वह छोटी हो या बड़ी; तो फिर, इस शासन के लिए मैं यही चाहता हूँ कि तुम अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट के साथ जाओ और इस यादगार साहसिक यात्रा को पूरा करो; और चाहे तुम क्लैविलेनो पर सवार होकर उसकी गति के अनुसार शीघ्रता से लौट आओ, या दुर्भाग्यवश तुम्हें पैदल ही तीर्थयात्री बनकर एक सराय से दूसरी सराय भटकना पड़े, लौटने पर तुम्हें तुम्हारा द्वीप हमेशा उसी स्थान पर मिलेगा जहाँ तुमने उसे छोड़ा था, और तुम्हारे द्वीपवासी तुम्हें अपने शासक के रूप में उसी उत्सुकता से स्वीकार करेंगे, और मेरी सद्भावना भी वैसी ही रहेगी; इस बात पर संदेह मत करना, श्रीमान सांचो, क्योंकि ऐसा करना मेरे प्रति घोर अन्याय होगा।” आपकी सेवा के लिए।"
"अधिक मत कहिए, महोदय," सांचो ने कहा; "मैं एक गरीब सरदार हूँ और इतनी शिष्टाचार निभाने में असमर्थ हूँ; मेरे स्वामी को जाने दीजिए; मेरी आँखों पर पट्टी बाँध दीजिए और मुझे ईश्वर की देखरेख में सौंप दीजिए, और मुझे बताइए कि क्या मैं स्वयं को प्रभु के समक्ष प्रस्तुत कर सकता हूँ या स्वर्गदूतों से मेरी रक्षा करने का आह्वान कर सकता हूँ जब हम ऊपर पर्वत पर चढ़ेंगे।"
इस पर त्रिफाल्डी ने उत्तर दिया, "सांचो, तुम स्वयं को ईश्वर या जिसे चाहो, उसके हवाले करने के लिए स्वतंत्र हो; क्योंकि मालाम्ब्रूनो हालांकि एक जादूगर है, एक ईसाई है, और वह अपने जादू-टोने को बड़ी सावधानी से करता है, और किसी से भी झगड़ा न करने का पूरा ध्यान रखता है।"

"तो फिर," सांचो ने कहा, "भगवान और गैटा के सबसे पवित्र त्रिमूर्ति मेरी मदद करें!"
“धागे धोने की चक्की के उस यादगार कारनामे के बाद से,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मैंने सांचो को इतना डरा हुआ कभी नहीं देखा जितना अब है; अगर मैं भी दूसरों की तरह अंधविश्वासी होता तो उसका यह भयानक डर मुझे भी थोड़ा डरा देता। लेकिन इधर आओ, सांचो, क्योंकि इन सज्जनों की अनुमति से मैं तुमसे अकेले में कुछ बातें करना चाहता हूँ;” और सांचो को बगीचे के पेड़ों के बीच एक तरफ खींचकर उसके दोनों हाथ पकड़कर उसने कहा, “भाई सांचो, तुम देख रहे हो कि हमें कितनी लंबी यात्रा करनी है, और भगवान ही जाने हम कब लौटेंगे, या इस काम में हमें कितना समय और अवसर मिलेगा; इसलिए मैं चाहता हूँ कि तुम अब अपने कमरे में जाओ, मानो रास्ते के लिए कुछ ज़रूरी सामान लेने जा रहे हो, और पल भर में अपने आप को तीन हज़ार तीन सौ कोड़ों में से कम से कम पाँच सौ कोड़े खा लो; यह सब अच्छा ही होगा, और किसी काम की शुरुआत करना उसे आधा पूरा करने जैसा है।”
"हे भगवान! महाराज, आपका दिमाग खराब हो गया है! ये तो उस कहावत की तरह है, 'मुझे गर्भवती देखकर आप कुंवारी देखना चाहते हैं।' जब मैं किसी खाली तख्ते पर बैठने ही वाला था, तभी महाराज मुझसे मेरी पीठ पर निशान लगाने को कह रहे हैं! सचमुच, महाराज, आप समझदार नहीं हैं। चलिए, अब हम इन बालों को साफ करने चलते हैं; और लौटने पर मैं वादा करता हूँ कि मैं जल्द से जल्द आपका सारा बकाया चुका दूँगा जिससे महाराज संतुष्ट हो जाएँगे; मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता।"
"ठीक है, मैं इस वादे से खुद को तसल्ली दूंगा, मेरे प्यारे सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "और मुझे विश्वास है कि तुम इसे निभाओगे; क्योंकि वास्तव में मूर्ख होने के बावजूद तुम सत्यवादी हो।"
"मैं बहुत ज्यादा खाने वाला नहीं हूँ," सांचो ने कहा, "मुझे बस थोड़ी सी भूख लगती है; लेकिन अगर थोड़ी सी भी भूख होती, तब भी मैं अपना वादा निभाता।" इसके बाद वे क्लैविलेनो पर्वत पर लौट आए, और जैसे ही वे ऐसा करने वाले थे, डॉन क्विक्सोट ने कहा, "सांचो, अपनी आँखें बंद कर लो और पर्वत पर चढ़ो; क्योंकि जो इतनी दूर-दूर से हमें बुला रहा है, वह अपने विश्वासियों को धोखा देकर मिलने वाली तुच्छ प्रसिद्धि के लिए हमें धोखा नहीं दे सकता; भले ही सब

कुछ मेरी आशा के विपरीत हो जाए, कोई द्वेष इस साहसिक कार्य को करने के गौरव को धूमिल नहीं कर पाएगा।"
"चलिए, महाराज," सांचो ने कहा, "इन महिलाओं की दाढ़ी और आँसुओं ने मुझे बहुत प्रभावित किया है, और जब तक मैं इन्हें पहले जैसी चिकनी त्वचा में वापस नहीं देख लेता, तब तक मैं एक निवाला भी नहीं खाऊँगा। आप भी सवार हो जाइए, महाराज, और अपनी आँखों पर पट्टी बाँध लीजिए, क्योंकि अगर मुझे घोड़े पर चढ़ना है, तो यह स्पष्ट है कि घोड़े पर सवार को पहले चढ़ना होगा।"
“यह सच है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, और अपनी जेब से एक रुमाल निकालकर उसने दुखी क्लैविलेनो से विनती की कि वह उसकी आँखों पर सावधानीपूर्वक पट्टी बाँध दे; लेकिन पट्टी बाँधने के बाद उसने आँखें फिर से खोल दीं और कहा, “अगर मेरी स्मृति सही है, तो मैंने वर्जिल की रचना 'ट्रॉय का पैलेडियम' में पढ़ा है, जिसमें यूनानियों द्वारा देवी पल्लास को अर्पित किए गए एक लकड़ी के घोड़े का जिक्र है, जिस पर सशस्त्र योद्धा सवार थे, जिन्होंने बाद में ट्रॉय का विनाश किया; इसलिए बेहतर होगा कि पहले यह देखा जाए कि क्लैविलेनो के पेट में क्या है।”
"ऐसी कोई ज़रूरत नहीं है," दुखी व्यक्ति ने कहा; "मैं उसका ज़मानतदार बनूँगा, और मैं जानता हूँ कि मालाम्ब्रूनो में कोई धूर्तता या कपट नहीं है; आप निःसंकोच जा सकते हैं, श्रीमान डॉन क्विक्सोट; यदि आपको कोई हानि होती है, तो उसकी ज़िम्मेदारी मेरी होगी।"
डॉन क्विक्सोट ने सोचा कि अपनी सुरक्षा के बारे में और कुछ कहना उसके साहस को गलत तरीके से पेश करना होगा; इसलिए, बिना कुछ और कहे, वह क्लैविलेनो पर सवार हो गया और खूंटी को आज़माया, जो आसानी से घूम गई; और चूंकि उसके पास रकाब नहीं थे और उसके पैर नीचे लटक रहे थे, वह किसी फ्लेमिश टेपेस्ट्री पर चित्रित या कढ़ाई किए गए रोमन विजय चित्र के किसी पात्र जैसा लग रहा था। अपनी प्रवृत्ति के बिल्कुल विपरीत, और बहुत धीरे-धीरे, सांचो घोड़े पर चढ़ा और जैसे-तैसे खुद को घोड़े की पीठ पर बैठाने के बाद पाया कि वह काफी सख्त है, बिल्कुल भी नरम नहीं। उसने ड्यूक से पूछा कि क्या उसे किसी प्रकार का पैड या तकिया उपलब्ध कराया जा सकता है; चाहे वह डचेस के पलंग से ही क्यों न हो या किसी सेवक के बिस्तर से ही क्यों न हो; क्योंकि उस घोड़े की पीठ लकड़ी की बजाय संगमरमर जैसी सख्त थी। इस पर त्रिफाल्डी ने टिप्पणी की कि क्लैविलेनो किसी भी प्रकार का लगाम या साज-सामान सहन नहीं करेगा, और

उसके लिए सबसे अच्छा तरीका होगा कि वह एक महिला की तरह करवट लेकर बैठे, क्योंकि इस तरह उसे कठोरता इतनी महसूस नहीं होगी।
सांचो ने ऐसा ही किया, और उन्हें विदाई देते हुए अपनी आँखों पर पट्टी बाँधने दी, लेकिन तुरंत बाद फिर से पट्टी हटा ली, और बगीचे में मौजूद लोगों को स्नेह और आँसुओं से भरी निगाहों से देखते हुए, उनसे प्रार्थना की कि वे उसकी इस कठिन घड़ी में उसके लिए खूब सारे पैटरनोस्टर और एवे मारिया गाएँ, और ईश्वर उन्हें भी कोई ऐसा व्यक्ति प्रदान करे जो उनके लिए भी इतनी ही प्रार्थनाएँ कर सके, जब भी वे खुद ऐसी ही आपात स्थिति में हों।
इस पर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या तू फांसी पर है, चोर, या अपने अंतिम क्षणों में है, इस तरह की दयनीय विनती कर रहा है? कायर, निर्दयी प्राणी, क्या तू उसी स्थान पर नहीं है जहाँ सुंदर मैगलोना खड़ी थी, और जहाँ से वह कब्र में नहीं, बल्कि फ्रांस की रानी बनने के लिए उतरी थी; क्या इतिहास झूठ नहीं बोलता? और मैं जो तेरे बगल में खड़ा हूँ, क्या मैं अपने आप को उन वीर पियरेस के बराबर नहीं रख सकता, जिन्होंने ठीक उसी स्थान पर संघर्ष किया जहाँ मैं अब कर रहा हूँ? अपनी आँखें ढँक ले, अपनी आँखें ढँक ले, नीच प्राणी, और कम से कम मेरी उपस्थिति में अपने डर को अपने होठों से बाहर न निकलने दे।"
"मेरी आंखों पर पट्टी बांध दो," सांचो ने कहा; "चूंकि तुम मुझे खुद को भगवान के सामने पेश करने या भगवान से सिफारिश करवाने नहीं देते, तो क्या इसमें कोई आश्चर्य की बात है कि मुझे डर है कि यहाँ शैतानों का कोई इलाका है जो हमें पेराल्विलो ले जाएगा?"
फिर उनकी आँखों पर पट्टी बाँध दी गई, और डॉन क्विक्सोट, अपनी संतुष्टि के अनुसार आराम से बैठ जाने पर, खूंटी को टटोलने लगा, और जैसे ही उसने अपनी उंगलियाँ उस पर रखीं, सभी दासियाँ और वहाँ खड़े सभी लोग ज़ोर से चिल्लाने लगे, "ईश्वर तुम्हारा मार्गदर्शन करे, वीर योद्धा! ईश्वर तुम्हारे साथ हो, निडर सहायक! अब, अब तुम तीर से भी तेज़ गति से हवा को चीरते हुए आगे बढ़ो! अब तुम धरती से तुम्हें देखने वाले सभी लोगों को चकित और अचंभित करना शुरू करो! सावधान रहो, लड़खड़ाते मत रहना, वीर सांचो! ध्यान रखना, गिरना मत, क्योंकि तुम्हारा गिरना उस उतावले युवक से भी बदतर होगा जिसने अपने पिता सूर्य के रथ को चलाने की कोशिश की थी!"

जैसे ही सांचो ने आवाज़ें सुनीं, अपने स्वामी से कसकर लिपटा हुआ और अपनी बाहों को उनके चारों ओर लपेटे हुए उसने कहा, "महोदय, उन्हें कैसे पता चल रहा है कि हम इतनी ऊंचाई पर जा रहे हैं, जबकि उनकी आवाज़ें हम तक यहाँ तक पहुँच रही हैं और वे हमारे काफी करीब से बात करते हुए प्रतीत हो रहे हैं?" "चिंता मत करो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि इस तरह की घटनाएं और इस तरह की भागदौड़ आम बात नहीं हैं, तुम हज़ार मील दूर तक जितना चाहो देख और सुन सकते हो; लेकिन मुझे इतना कसकर मत पकड़ो वरना मैं गिर जाऊँगा; और सच में मुझे नहीं पता कि तुम्हें किस बात की चिंता या डर है, क्योंकि मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी इतना सहज घोड़ा नहीं चलाया; ऐसा लगता है जैसे हम एक ही जगह से हिले ही नहीं। डर को दूर भगाओ, मेरे दोस्त, क्योंकि वास्तव में सब कुछ ठीक चल रहा है, और हवा हमारे पीछे से आ रही है।"
"यह सच है," सांचो ने कहा, "क्योंकि इस तरफ से इतनी तेज़ हवा चल रही है कि ऐसा लगता है जैसे लोग मुझ पर हज़ार धौंकनी चला रहे हों;" और वास्तव में ऐसा ही था; वे उस पर ज़ोरदार धौंकनी चला रहे थे; क्योंकि यह सारा अभियान ड्यूक, डचेस और उनके मुख्य प्रबंधक द्वारा इतनी अच्छी तरह से योजनाबद्ध किया गया था कि इसे पूरी तरह सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई थी।
डॉन क्विक्सोट ने अब उस झटके को महसूस करते हुए कहा, "निस्संदेह, सांचो, हम पहले ही वायु के दूसरे क्षेत्र में पहुँच चुके होंगे, जहाँ ओले और बर्फ उत्पन्न होते हैं; गरज, बिजली और वज्रपात तीसरे क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, और यदि हम इसी गति से ऊपर चढ़ते रहे, तो हम शीघ्र ही अग्नि क्षेत्र में गिर जाएँगे, और मुझे नहीं पता कि इस गति को कैसे नियंत्रित किया जाए ताकि हम उस स्थान पर न चढ़ जाएँ जहाँ हम जलकर राख हो जाएँगे।"
और अब वे दूर से ही अपने चेहरे गर्म करने लगे, एक छड़ी के सिरे पर बंधी हुई, आसानी से आग पकड़ने और बुझाने वाली रुई से। गर्मी महसूस करते हुए सांचो ने कहा, "अगर हम उस चूल्हे में या उसके बहुत पास नहीं हैं, तो मेरी जान निकल जाए, क्योंकि मेरी दाढ़ी का एक बड़ा हिस्सा झुलस गया है, और मेरा मन कर रहा है, महोदय, कि मैं अपनी दाढ़ी खोलकर देखूँ कि हम कहाँ हैं।"
"ऐसा कुछ मत करो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "टोरलवा नामक लाइसेंसधारी की सच्ची कहानी याद रखो, जिसे शैतान आँखें बंद करके एक छड़ी पर बिठाकर हवा में उड़ा ले गए थे; जो बारह घंटे में रोम पहुँचा और शहर की एक गली, टोरे डि नोना

में उतरा, और उसने पूरी लूटपाट, आक्रमण और बॉर्बन की मृत्यु देखी, और अगली सुबह मैड्रिड वापस आ गया, जहाँ उसने अपने देखे हुए सभी दृश्यों का विवरण दिया; और उसने यह भी कहा कि जब वह हवा में उड़ रहा था, तो शैतान ने उसे अपनी आँखें खोलने के लिए कहा, और उसने ऐसा किया, और खुद को चंद्रमा के इतने करीब पाया कि उसे लगा कि वह उसे अपने हाथ से पकड़ सकता है, और उसने पृथ्वी की ओर देखने की हिम्मत नहीं की, कहीं उसे चक्कर न आ जाए। इसलिए, सांचो, हमारे लिए खुद को उजागर करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि जिसने हमें अपने अधीन रखा है, वही हमारे लिए जिम्मेदार होगा; और शायद हम ऊँचाई पर चढ़ रहे हैं ताकि हम कैंडी राज्य पर एक ही झटके में उतर सकें, जैसे बाज बगुले पर झपट्टा मारता है।" चाहे वह कितनी भी ऊंचाई तक उड़ जाए, उसे पकड़ने के लिए; और हालांकि हमें ऐसा लगता है कि बगीचे से निकले हुए हमें आधा घंटा भी नहीं हुआ है, लेकिन यकीन मानिए हमने बहुत दूरी तय कर ली होगी।"
"मुझे नहीं पता कि ऐसा कैसे हो सकता है," सांचो ने कहा; "मैं बस इतना जानता हूं कि अगर सेनोरा मैगलानेस या मैगलोना इस मांस से संतुष्ट थीं, तो वह मांस के प्रति बहुत कोमल नहीं रही होंगी।"
ड्यूक, डचेस और बगीचे में मौजूद सभी लोग दोनों नायकों की बातचीत सुन रहे थे और उसका भरपूर आनंद ले रहे थे; अब, इस अनोखे और सुनियोजित साहसिक कार्य को अंतिम रूप देने की इच्छा से, उन्होंने क्लैविलेनो की पूंछ में कुछ सूत बांधकर आग लगा दी, और पटाखों से भरा होने के कारण घोड़ा तुरंत एक ज़बरदस्त धमाके के साथ फट गया, जिससे डॉन क्विक्सोट और सांचो पांजा अधमरे होकर ज़मीन पर गिर पड़े। इस समय तक दाढ़ी वाली दासियों का दल, ट्रिफाल्डी और सभी, बगीचे से गायब हो चुके थे, और जो बचे थे वे बेहोशी की हालत में ज़मीन पर पड़े थे। डॉन क्विक्सोट और सांचो कुछ घबराए हुए उठे, और अपने चारों ओर देखकर आश्चर्यचकित रह गए कि वे उसी बगीचे में हैं जहाँ से उन्होंने शुरुआत की थी, और इतने सारे लोगों को ज़मीन पर पड़ा देखकर वे दंग रह गए; और उनका आश्चर्य तब और बढ़ गया जब उन्होंने बगीचे के एक कोने में जमीन में गड़ा हुआ एक लंबा भाला देखा, और उससे हरे रेशम की दो डोरियों से एक चिकना सफेद चर्मपत्र लटका हुआ था, जिस पर बड़े सुनहरे अक्षरों में निम्नलिखित शिलालेख था: "प्रसिद्ध योद्धा डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा ने केवल प्रयास करके ही काउंटेस ट्रिफाल्डी, जिसे व्यथित ड्यूएना भी कहा जाता है, के साहसिक कार्य को समाप्त कर दिया है; मालाम्ब्रूनो अब हर बात से संतुष्ट है,

ड्यूएना की ठुड्डी अब चिकनी और साफ हैं, और राजा डॉन क्लैविजो और रानी एंटोनोमासिया अपने मूल रूप में हैं; और जब कोड़े मारने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, तो सफेद कबूतर खुद को उसका पीछा करने वाले हानिकारक बाजों से मुक्त और अपने प्रिय साथी की बाहों में पाएगा; क्योंकि यही जादूगरों के महाप्रभु, ऋषि मर्लिन का फरमान है।"
जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने चर्मपत्र पर लिखे शिलालेख को पढ़ा, वह स्पष्ट रूप से समझ गया कि यह डुलसीनिया के जादू के टूटने का जिक्र कर रहा है। उसने ईश्वर का हार्दिक धन्यवाद किया कि उसने इतने कम खतरे के साथ इतना महान कार्य कर दिखाया कि उन आदरणीय दाईयों के चेहरों को उनका पूर्ववत रंग लौटा दिया। फिर वह ड्यूक और डचेस की ओर बढ़ा, जो अभी तक होश में नहीं आए थे, और ड्यूक का हाथ पकड़कर बोला, "आप निश्चिंत रहिए, महाराज, निश्चिंत रहिए; कुछ भी नहीं हुआ; यह साहसिक कार्य अब समाप्त हो गया है और बिना किसी नुकसान के, जैसा कि इस खंभे पर अंकित शिलालेख स्पष्ट रूप से दर्शाता है।"
ड्यूक धीरे-धीरे होश में आया, मानो गहरी नींद के बाद उसे होश आ रहा हो। डचेस और बगीचे में लेटे हुए सभी लोग भी उसी तरह होश में आ गए। उनके चेहरे पर हैरानी और विस्मय का ऐसा भाव था कि मानो किसी को यकीन हो जाए कि जो वे इतनी चतुराई से मजाक में कर रहे थे, वह सचमुच उनके साथ घटित हुआ है। ड्यूक ने आधी बंद आँखों से तख्ती पढ़ी और फिर खुले हाथों से डॉन क्विक्सोट को गले लगाने के लिए दौड़ा, और उसे अब तक का सबसे श्रेष्ठ योद्धा घोषित कर दिया। सांचो उस दुखी महिला को ढूंढता रहा, यह देखने के लिए कि बिना दाढ़ी के उसका चेहरा कैसा दिखता है, और क्या वह अपने सुंदर व्यक्तित्व के अनुरूप ही सुंदर है; लेकिन उसे बताया गया कि जैसे ही क्लैविलेनो आग की लपटों के साथ हवा में उतरा और जमीन पर आया, त्रिफाल्डी के साथ ड्यूएनाओं का पूरा दल गायब हो गया, और उनकी दाढ़ी पहले ही मुंडवा दी गई थी और एक भी ठूंठ नहीं बचा था। डचेस ने सांचो से पूछा कि उस लंबी यात्रा में उसका अनुभव कैसा रहा, जिस पर सांचो ने उत्तर दिया, "महोदय, मुझे ऐसा लगा जैसे हम अग्नि क्षेत्र से उड़ रहे हों, जैसा कि मेरे स्वामी ने मुझे बताया था, और मैं थोड़ी देर के लिए अपनी आँखें खोलना चाहता था; लेकिन जब मैंने अपने स्वामी से आँखें खोलने की अनुमति माँगी, तो उन्होंने मुझे ऐसा करने नहीं दिया; लेकिन क्योंकि मुझमें थोड़ी जिज्ञासा है, और जो वर्जित है और मुझसे छिपाया गया है उसे जानने की इच्छा है, इसलिए चुपके से और किसी को देखे बिना मैंने अपनी आँखों को ढके

हुए रूमाल को थोड़ा सा, अपनी नाक के पास से हटाया, और उसके नीचे से धरती की ओर देखा, और मुझे ऐसा लगा कि वह सरसों के दाने से भी छोटी थी, और उस पर चलने वाले लोग हेज़ल नट्स से भी छोटे थे; तो आप समझ सकती हैं कि हम उस समय कितनी ऊँचाई पर पहुँच गए होंगे।"
इस पर डचेस ने कहा, "सांचो, मेरे मित्र, ध्यान से सुनो तुम क्या कह रहे हो; ऐसा लगता है कि तुमने पृथ्वी को नहीं देखा, बल्कि केवल उस पर चलने वाले मनुष्यों को देखा है; क्योंकि यदि पृथ्वी तुम्हें सरसों के दाने के समान और प्रत्येक मनुष्य हेज़लनट के समान दिखाई दे, तो एक अकेला मनुष्य ही पूरी पृथ्वी को ढक सकता था।"
"यह सच है," सांचो ने कहा, "लेकिन फिर भी मुझे इसका एक पहलू थोड़ा-बहुत देखने को मिला, और मैंने इसे पूरी तरह से देख लिया।"
"सांचो, अपना ख्याल रखना," डचेस ने कहा, "किसी एक तरफ से थोड़ा सा देखने पर पूरी चीज दिखाई नहीं देती।"
"मुझे चीजों को देखने का वह तरीका समझ में नहीं आता," सांचो ने कहा; "मैं बस इतना जानती हूँ कि आपकी महोदया को यह बात याद रखनी चाहिए कि जब हम जादू से उड़ रहे थे, तो मुझे जादू से पूरी पृथ्वी और सभी मनुष्य दिखाई दे रहे थे, चाहे मैं किसी भी दिशा में देखूँ; और अगर आप इस पर विश्वास नहीं करेंगी, तो आप इस बात पर भी विश्वास नहीं करेंगी कि, अपने आप को लगभग भौंहों तक खुला रखकर, मैंने खुद को आकाश के इतना करीब देखा कि मेरे और आकाश के बीच डेढ़ हथेली का फासला भी नहीं था; और कसम से, महोदया, वह आकाश बहुत विशाल था! और संयोग से हम उस जगह से गुज़रे जहाँ सात बकरियाँ थीं, और भगवान की कसम और अपनी आत्मा की कसम, क्योंकि मैं अपने देश में जवानी में बकरी चराने वाला था, जैसे ही मैंने उन्हें देखा, मुझे उनके बीच थोड़ी देर रहने की तीव्र इच्छा हुई, और अगर मैंने उस इच्छा को पूरा न किया होता तो मुझे लगता है कि मैं खुशी से फट पड़ता। तो मैं आया और उन्हें ले लिया, और मैंने क्या किया? किसी से कुछ भी कहे बिना, यहाँ तक कि अपने मालिक से भी नहीं, धीरे से और चुपचाप मैं क्लैविलेनो से नीचे उतरा और बकरियों के साथ समय बिताया—जो वायलेट जैसी, फूलों जैसी थीं—लगभग तीन-चौथाई समय तक।" एक घंटा बीत गया; और क्लैविलेनो अपनी जगह से बिल्कुल नहीं हिला।
"और जब भले सांचो बकरियों के साथ मौज-मस्ती कर रहे थे," ड्यूक ने कहा, "तो सेनर डॉन क्विक्सोट ने अपना मनोरंजन कैसे किया?"

इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "चूंकि ये सभी बातें और इस तरह की घटनाएं प्रकृति के सामान्य क्रम से परे हैं, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सांचो ऐसा कहता है; मैं तो बस इतना ही कह सकता हूँ कि मैंने न तो ऊपर और न ही नीचे अपनी आँखें खोलीं, और न ही मैंने आकाश, पृथ्वी, समुद्र या तट देखा। यह सच है कि मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैं वायु क्षेत्र से गुजर रहा था, और यहाँ तक कि मैंने अग्नि क्षेत्र को भी छुआ; लेकिन हम इससे आगे बढ़ गए, यह मैं विश्वास नहीं कर सकता; क्योंकि अग्नि क्षेत्र चंद्रमा के आकाश और वायु के अंतिम क्षेत्र के बीच स्थित है, इसलिए हम उस आकाश तक जहाँ सांचो जिन सात बकरियों की बात कर रहा है, वे हैं, बिना जले नहीं पहुँच सकते थे; और चूंकि हम जले नहीं, इसलिए या तो सांचो झूठ बोल रहा है या सांचो सपना देख रहा है।"
"मैं न तो झूठ बोल रहा हूँ और न ही सपना देख रहा हूँ," सांचो ने कहा; "बस मुझे उन्हीं बकरियों के निशान दिखाओ, और तुम खुद देख लोगे कि मैं सच कह रहा हूँ या नहीं।"
"तो हमें बताओ, सांचो," डचेस ने कहा।
सांचो ने कहा, "उनमें से दो हरे हैं, दो गहरे लाल हैं, दो नीले हैं और एक सभी रंगों का मिश्रण है।"
"यह तो एक अजीब किस्म की बकरी है," ड्यूक ने कहा; "हमारे इस धरती पर हमें ऐसे रंग की बकरियां नहीं मिलतीं; मेरा मतलब है ऐसे रंगों की बकरियां।"
"यह तो बिल्कुल स्पष्ट है," सांचो ने कहा; "स्वर्ग की बकरियों और धरती की बकरियों में निश्चित रूप से अंतर होगा।"
"मुझे बताओ, सांचो," ड्यूक ने कहा, "क्या तुमने उन बकरियों में कोई नर बकरी देखी?"
"नहीं, महोदय," सांचो ने कहा; "लेकिन मैंने सुना है कि चंद्रमा के सींगों को पार करने वाला आज तक कोई नहीं है।"
उन्होंने उससे उसकी यात्रा के बारे में और कुछ पूछना उचित नहीं समझा, क्योंकि उन्होंने देखा कि वह बगीचे से हिले बिना ही स्वर्ग में जाकर वहाँ घटी हर बात का ब्योरा देने के मूड में था। संक्षेप में, यही व्यथित ड्यूएना के साहसिक कारनामे का अंत था, जिसने ड्यूक और डचेस को न केवल कुछ समय के लिए, बल्कि जीवन भर हँसने का मौका दिया, और सांचो को अगर वह इतने लंबे समय तक जीवित रहा तो युगों तक बात करने का विषय दिया; लेकिन डॉन क्विक्सोट उसके

कान के पास आकर बोला, "सांचो, जैसा कि तुम चाहते हो कि हम स्वर्ग में देखी गई बातों पर विश्वास करें, मैं तुमसे यह अपेक्षा करता हूँ कि तुम मोंटेसिनोस की गुफा में मैंने जो देखा उस पर विश्वास करो; मैं इससे अधिक कुछ नहीं कहूँगा।"

42

अध्याय
डॉन क्विक्सोट ने सांचो पांजा को द्वीप पर शासन करने के लिए निकलने से पहले जो सलाह दी थी, साथ ही अन्य सुविचारित बातें भी इसमें शामिल हैं। ड्यूक और डचेस उस संकटग्रस्त व्यक्ति के साहसिक कार्य के सफल और हास्यास्पद परिणाम से इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने इस मज़ाक को जारी रखने का निश्चय किया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह एक ऐसा विषय है जिस पर वे इसे वास्तविकता का रूप दे सकते हैं। इसलिए, उन्होंने अपनी योजनाएँ बना लीं और अपने सेवकों और सामंतों को निर्देश दे दिए कि प्रतिज्ञा किए गए द्वीप पर शासन करते समय सांचो के साथ कैसा व्यवहार करना है। क्लैविलेनो के भाग जाने के बाद अगले दिन, ड्यूक ने सांचो से कहा कि वह तैयार हो जाए और राज्यपाल बनने के लिए रवाना हो जाए, क्योंकि उसके द्वीपवासी मई की बारिश की तरह उसका इंतज़ार कर रहे थे।
सांचो ने उन्हें प्रणाम किया और कहा, "जब से मैं स्वर्ग से नीचे आया और उसके शिखर से पृथ्वी को देखा और उसकी छोटी सी आकृति को देखा, तब से शासक बनने की मेरी प्रबल इच्छा कुछ हद तक ठंडी पड़ गई है; क्योंकि सरसों के दाने के बराबर के शासक होने में क्या महानता है, या हेज़लनट के आकार के लगभग आधे दर्जन आदमियों पर शासन करने में क्या गरिमा या अधिकार है; क्योंकि जहाँ तक मेरी दृष्टि है, पूरी पृथ्वी पर इससे अधिक कोई नहीं है? यदि महाराज, आप मुझ पर इतनी कृपा करें कि मुझे स्वर्ग का एक छोटा सा टुकड़ा भी दे दें, चाहे वह आधा मील से अधिक ही क्यों न हो, तो मैं उसे दुनिया के सबसे अच्छे द्वीप से भी अधिक पसंद करूँगा।"
"सांचो, याद रखो, मैं किसी को स्वर्ग का एक टुकड़ा भी नहीं दे सकता, अपने नाखून के बराबर भी नहीं; इस तरह के पुरस्कार और कृपाएँ केवल ईश्वर के लिए आरक्षित हैं। जो मैं दे सकता हूँ, वह तुम्हें देता हूँ, और वह एक असली,

सच्चा द्वीप है, जो सुगठित, सुव्यवस्थित और असाधारण रूप से उपजाऊ है, जहाँ यदि तुम अपने अवसरों का सदुपयोग करना जानते हो, तो तुम संसार के धन की सहायता से स्वर्ग का धन प्राप्त कर सकते हो।"
"तो फिर," सांचो ने कहा, "द्वीप को मिलने दो; और मैं ऐसा शासक बनने की कोशिश करूंगा कि बदमाशों के बावजूद मैं स्वर्ग जाऊं; और यह मेरी अपनी दयनीय स्थिति को छोड़ने या खुद को बेहतर बनाने की किसी लालसा से नहीं है, बल्कि शासक बनने का स्वाद चखने की मेरी इच्छा से है।"
"अगर तुमने एक बार भी इसे आजमाया, सांचो," ड्यूक ने कहा, "तो सत्ता के पीछे तुम अपनी उंगलियां चबाओगे, क्योंकि हुक्म चलाना और आज्ञा मानना इतना सुखद होता है। यकीन मानो, जब तुम्हारा स्वामी सम्राट बनेगा (जैसा कि उसके कार्यों की दिशा से स्पष्ट है कि वह निश्चित रूप से बनेगा), तो उससे यह पद छीनना आसान नहीं होगा, और इतने लंबे समय तक सम्राट न बनने पर वह बहुत दुखी और निराश होगा।"
"सेनोर," सांचो ने कहा, "मेरा मानना है कि कमान संभालना एक अच्छी बात है, भले ही वह केवल मवेशियों के झुंड की ही क्यों न हो।"
"सांचो, काश मुझे तुम्हारे साथ दफनाया जा सके," ड्यूक ने कहा, "लेकिन तुम सब कुछ जानते हो; मुझे आशा है कि तुम अपनी बुद्धिमत्ता के अनुरूप एक कुशल शासक बनोगे; और बस इतना ही मुझे कहना है; और अब याद रखना कि कल वह दिन है जब तुम्हें द्वीप का शासन संभालने के लिए प्रस्थान करना है, और आज शाम वे तुम्हें पहनने के लिए उचित वस्त्र और तुम्हारे प्रस्थान के लिए आवश्यक सभी चीजें उपलब्ध करा देंगे।"
"वे मुझे जैसे चाहें वैसे कपड़े पहनाएं," सांचो ने कहा; "मैं चाहे जैसे भी कपड़े पहनूं, मैं सांचो पांजा ही रहूंगा।"
"यह सच है," ड्यूक ने कहा; "लेकिन किसी का पहनावा उसके पद या ओहदे के अनुरूप होना चाहिए; क्योंकि किसी वकील का सैनिक की तरह कपड़े पहनना या किसी सैनिक का पुजारी की तरह कपड़े पहनना उचित नहीं होगा। सांचो, तुम कुछ वकील के रूप में और कुछ कप्तान के रूप में जाओगे, क्योंकि जिस द्वीप को मैं तुम्हें दे रहा हूँ, वहाँ हथियारों की उतनी ही आवश्यकता है जितनी विद्या की, और विद्या की उतनी ही आवश्यकता है जितनी हथियारों की।"
"मुझे अक्षर ज्ञान बहुत कम है," सांचो ने कहा, "क्योंकि मुझे एबीसी तक नहीं आता; लेकिन मेरे लिए इतना ही काफी है कि मैं ईसा मसीह को याद रखूँ, ताकि मैं

एक अच्छा शासक बन सकूँ। जहाँ तक हथियारों की बात है, वे मुझे जो भी देंगे, मैं उन्हें तब तक चलाऊँगा जब तक मैं गिर न जाऊँ, और फिर, ईश्वर मेरी मदद करे!"
"इतनी अच्छी याददाश्त के साथ, सांचो किसी भी चीज में गलती नहीं कर सकता," ड्यूक ने कहा।
यहां डॉन क्विक्सोट उनसे आकर मिले; और जो कुछ हुआ था और सांचो कितनी जल्दी अपने पदभार संभालने वाले थे, यह जानकर उन्होंने ड्यूक की अनुमति से उनका हाथ पकड़ा और उन्हें सलाह देने के उद्देश्य से उनके कमरे में चले गए कि उन्हें अपने पद पर कैसा व्यवहार करना चाहिए। जैसे ही वे कमरे में दाखिल हुए, उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया और लगभग जबरदस्ती सांचो को अपने बगल में बैठा दिया, और शांत स्वर में उससे कहा: "हे मित्र सांचो, मैं ईश्वर का अनंत धन्यवाद करता हूँ कि मुझे कोई सौभाग्य मिलने से पहले ही भाग्य तुम्हारे पास आ गया है। मैं, जिसने तुम्हारी सेवाओं का प्रतिफल पाने के लिए अपने सौभाग्य पर भरोसा किया था, अभी भी पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहा हूँ, जबकि तुम समय से पहले और सभी उचित अपेक्षाओं के विपरीत, अपनी इच्छाओं की पूर्ति में धन्य हो गए हो। कुछ लोग रिश्वत देते हैं, भीख मांगते हैं, याचना करते हैं, जल्दी उठते हैं, विनती करते हैं, लगे रहते हैं, लेकिन अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते; जबकि दूसरा आता है, और बिना यह जाने कि क्यों या कैसे, खुद को उस पद या ओहदे पर पाता है जिसके लिए कई लोगों ने प्रयास किया है; और यहीं पर यह आम कहावत लागू होती है, 'मुकदमों में सौभाग्य के साथ-साथ दुर्भाग्य भी होता है।' तुम, जो मेरी राय में, निस्संदेह एक मूर्ख हो, बिना जल्दी उठे, बिना रात में जागकर, बिना कोई परिश्रम किए, केवल शूरवीरता की भावना से ही..." हे सांचो, तुझ पर कृपा बरसाने के बाद तू स्वयं को बिना किसी आशय के एक द्वीप का शासक पाता है, मानो यह कोई स्वाभाविक घटना हो। मैं तुमसे यह कहता हूँ, हे सांचो, कि तू इस कृपा का श्रेय अपने कर्मों को न दे, बल्कि उस ईश्वर का धन्यवाद कर जो हर परिस्थिति में कृपा बनाए रखता है, और दूसरा, शूरवीरता के पेशे में निहित महान शक्ति का धन्यवाद कर। इसलिए, मेरे कहे पर विश्वास रखते हुए, हे मेरे पुत्र, यहाँ स्थित अपने कैटो की ओर ध्यान दे, जो तुझे सलाह देगा, तेरा मार्गदर्शक बनेगा और तुझे इस तूफ़ानी सागर से, जिसमें तू स्वयं को डुबोने वाला है, सुरक्षित स्थान तक

पहुँचाएगा; क्योंकि पद और बड़ी ज़िम्मेदारियाँ मुसीबतों का एक विशाल गड्ढा मात्र हैं।
"सबसे पहले, मेरे पुत्र, तुम्हें ईश्वर का भय मानना चाहिए, क्योंकि उसके भय में ही ज्ञान है, और बुद्धिमान होने से तुम किसी भी बात में गलती नहीं कर सकते।"
"दूसरा, तुम्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि तुम क्या हो, और स्वयं को जानने का प्रयास करना चाहिए, जो मन की कल्पना में सबसे कठिन चीज़ है। यदि तुम स्वयं को जान लोगे, तो तुम उस मेंढक की तरह खुद को बड़ा नहीं समझोगे जो बैल जितना बड़ा बनने की कोशिश करता है; यदि तुम ऐसा करोगे, तो अपने देश में सूअर पालने की याद तुम्हारी मूर्खता के पहिये के बदसूरत पैर का काम करेगी।"
"यह सच है," सांचो ने कहा; "लेकिन यह तब की बात है जब मैं बच्चा था; बाद में जब मैं थोड़ा बड़ा हो गया तो मैं हंस पालता था, सूअर नहीं। लेकिन मेरे विचार से इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है; क्योंकि सभी शासक शाही खानदान से नहीं आते।"
"सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और इसी कारण से जो लोग कुलीन वंश के नहीं हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनके पद की गरिमा के साथ-साथ एक सौम्य विनम्रता भी हो, जिसे बुद्धिमानी से संभालने पर वे दुर्भावनापूर्ण उपहास से बच जाएंगे, जिससे कोई भी पद नहीं बच पाता।"
"सांचो, अपने साधारण जन्म पर गर्व करो और यह कहने में शर्म मत मानो कि तुम किसान परिवार में जन्मे हो; क्योंकि जब यह देखा जाएगा कि तुम्हें शर्म नहीं है तो कोई भी तुम्हें लज्जित करने की कोशिश नहीं करेगा; और ऊंचे दर्जे के पापी होने की बजाय साधारण गुणों वाले होने पर गर्व करो। ऐसे अनगिनत लोग हैं जो साधारण माता-पिता से जन्म लेकर सर्वोच्च पदों तक पहुंचे हैं, चाहे वे पोप हों या शाही पद, और इस सत्य के इतने उदाहरण मैं तुम्हें दे सकता हूं कि तुम थक जाओगे।"
"याद रखो, सांचो, यदि तुम सद्गुण को अपना लक्ष्य बनाओगे और सदाचारी कार्यों को करने में गर्व महसूस करोगे, तो तुम्हें उन लोगों से ईर्ष्या करने का कोई कारण नहीं होगा जिनके पास शाही और प्रभुत्वशाली परिवार हैं, क्योंकि रक्त एक विरासत है, जबकि सद्गुण एक अर्जित वस्तु है, और सद्गुण का अपना एक ऐसा मूल्य है जो रक्त में नहीं होता।"

"इसलिए, यदि संयोगवश तुम्हारे परिवार का कोई सदस्य तुमसे मिलने तुम्हारे द्वीप में आए, तो तुम उसे न तो भगाओ और न ही उसका तिरस्कार करो, बल्कि इसके विपरीत उसका स्वागत करो, उसका सत्कार करो और उसका सम्मान करो; क्योंकि ऐसा करने से तुम स्वर्ग की स्वीकृति प्राप्त करोगे (जो यह पसंद नहीं करता कि कोई उसकी रचना का अपमान करे), और सुव्यवस्थित प्रकृति के नियमों का पालन करोगे।"
"यदि तुम अपनी पत्नी को अपने साथ रखते हो (और शासन चलाने वालों के लिए अपनी पत्नियों के बिना लंबे समय तक रहना अच्छा नहीं होता), तो उसे सिखाओ और निर्देश दो, और उसकी स्वाभाविक कठोरता को कम करने का प्रयास करो; क्योंकि एक बुद्धिमान शासक द्वारा प्राप्त की गई हर चीज एक असभ्य और मूर्ख पत्नी के कारण खो सकती है और बर्बाद हो सकती है।"
"यदि संयोगवश तुम विधवा हो जाओ—जो कि हो सकता है—और अपने पद के कारण उच्च कोटि की संगिनी चाहो, तो ऐसी संगिनी मत चुनो जो तुम्हारे लिए किसी काम की हो, या मछली पकड़ने की छड़ी के लिए हो, या फिर तुम्हारी 'नापसंद' को छुपाने के लिए हो; क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ, न्यायाधीश की पत्नी को जो कुछ भी मिलता है, पति को आम हिसाब-किताब के समय उसका हिसाब देना होगा; जहाँ उसे मृत्यु के समय उन चीजों का चार गुना चुकाना होगा जिन्हें वह जीवन में तुच्छ समझता था।"
"मनमानी कानून का कभी पालन न करें, जिसे अज्ञानी लोग बहुत पसंद करते हैं और खुद को चतुर समझते हैं।"
"गरीब आदमी के आंसुओं को तुझसे अधिक दया मिले, लेकिन अमीरों की दलीलों से अधिक न्याय नहीं।"
"अमीर व्यक्ति के वादों और उपहारों के बीच, साथ ही गरीबों के सिसकने और विनती करने के बीच भी, सच्चाई को उजागर करने का प्रयास करें।"
जब न्याय को लागू किया जा सकता है और किया जाना चाहिए, तो दोषी के खिलाफ कानून की अधिकतम कठोरता का प्रयोग न करें; क्योंकि कठोर न्यायाधीश की प्रतिष्ठा दयालु न्यायाधीश की प्रतिष्ठा से अधिक नहीं होती।
"यदि तुम संयोगवश न्याय के मार्ग को विचलित होने दो, तो यह किसी उपहार के भार से नहीं, बल्कि दया के भार से होना चाहिए।"
"यदि कभी तुम्हें अपने शत्रु के पक्ष में न्याय देना पड़े, तो अपने विचारों को अपनी पीड़ा से हटाकर मामले के न्याय पर केंद्रित करो।"

"अपने जुनून को दूसरे व्यक्ति के हित में तुम्हें अंधा न करने दो; क्योंकि इस प्रकार तुम जो गलतियाँ करोगे, वे अक्सर अपूरणीय होंगी; या यदि नहीं भी हुईं, तो उन्हें सुधारना तुम्हारे अच्छे नाम और यहाँ तक कि तुम्हारी संपत्ति की कीमत पर ही संभव होगा।"
"यदि कोई सुंदर स्त्री तुमसे न्याय मांगने आए, तो उसकी आँसुओं से अपनी आँखें और उसके विलाप से अपने कान फेर लो, और उसकी माँग के गुणों पर ध्यानपूर्वक विचार करो, यदि तुम नहीं चाहते कि उसका रोना तुम्हारी बुद्धि को और उसकी आहों से तुम्हारे सत्य को नष्ट कर दे।"
जिसे कर्म से दंडित करना हो, उसे शब्दों से अपशब्द न कहो, क्योंकि दुर्भाग्यशाली व्यक्ति के लिए दंड का दर्द ही काफी है, तुम्हारे अपशब्दों को जोड़ने की कोई आवश्यकता नहीं है।
"ध्यान रखो कि जो अपराधी तुम्हारे अधिकार क्षेत्र में आता है, वह एक दयनीय मनुष्य मात्र है जो हमारी भ्रष्ट प्रकृति की सभी प्रवृत्तियों के अधीन है, और जहाँ तक तुम्हारे वश में हो, उसके प्रति दयालु और सहनशील बनो; क्योंकि यद्यपि ईश्वर के सभी गुण समान हैं, फिर भी हमारी दृष्टि में दया का गुण न्याय के गुण से कहीं अधिक उज्ज्वल और श्रेष्ठ है।"
"यदि तुम इन उपदेशों और नियमों का पालन करोगे, सांचो, तो तुम्हारे दिन दीर्घ होंगे, तुम्हारी प्रसिद्धि शाश्वत होगी, तुम्हारा पुरस्कार प्रचुर होगा, तुम्हारा सुख अकथनीय होगा; तुम अपने बच्चों का विवाह अपनी इच्छानुसार करोगे; वे और तुम्हारे पोते-पोतियां उपाधियाँ धारण करेंगे; तुम सभी मनुष्यों के साथ शांति और सद्भाव में रहोगे; और, जब जीवन का अंत निकट आएगा, तो मृत्यु तुम्हें शांत और परिपक्व वृद्धावस्था में प्राप्त होगी, और तुम्हारे परपोते-परपोतियों के कोमल और प्रेमपूर्ण हाथ तुम्हारी आँखें बंद कर देंगे।"
"मैंने अब तक तुम्हें जो निर्देश दिए हैं, वे तुम्हारे मन को सुशोभित करने के लिए हैं; अब उन निर्देशों को सुनो जो शरीर को सुशोभित करने के लिए हैं।"

43
अध्याय
डॉन क्विक्सोट ने सांचो पांजा को जो दूसरी सलाह दी थी, उनमें से एक यह थी कि...
डॉन क्विक्सोट के उपरोक्त भाषण को सुनकर कौन यह नहीं सोचेगा कि वह एक महान विवेकशील और अत्यंत सत्यनिष्ठ व्यक्ति था? लेकिन, जैसा कि इस महान इतिहास में बार-बार देखा गया है, वह केवल वीरता के विषय पर ही निरर्थक बातें करता था, और अन्य सभी विषयों पर चर्चा करते समय उसने स्पष्ट और निष्पक्ष समझ दिखाई; इस प्रकार हर मोड़ पर उसके कार्यों ने उसकी बुद्धि को और उसकी बुद्धि ने उसके कार्यों को झूठा साबित कर दिया; लेकिन सांचो को दिए गए इन दूसरे परामर्शों के मामले में उसने अपने विनोदी स्वभाव का परिचय दिया और अपनी बुद्धिमत्ता के साथ-साथ अपनी मूर्खता का भी स्पष्ट प्रदर्शन किया। सांचो ने अत्यंत ध्यान से उसकी बातें सुनीं और उसके सुझावों को अपने मन में बिठाने का प्रयास किया, मानो वह उनका पालन करके अपने शासन की पूरी क्षमता को सफल बनाना चाहता हो। फिर डॉन क्विक्सोट ने आगे कहा:
"सांचो, तुम्हें अपने शरीर और घर का जिस प्रकार से संचालन करना चाहिए, उसके संबंध में मेरा पहला निर्देश यह है कि तुम स्वच्छ रहो और अपने नाखून काटो, उन्हें बढ़ने मत दो जैसा कि कुछ लोग करते हैं, जिनकी अज्ञानता उन्हें यह सोचने पर मजबूर करती है कि लंबे नाखून उनके हाथों का आभूषण हैं, मानो वे उभार जिन्हें वे काटना भूल जाते हैं, नाखून हों न कि छिपकली पकड़ने वाले बाज के पंजे - एक घिनौना और अप्राकृतिक दुरुपयोग।"
"सांचो, ढीले-ढाले कपड़े मत पहनो; क्योंकि अव्यवस्थित पहनावा अस्थिर मन का संकेत है, जब तक कि वास्तव में यह लापरवाही और सुस्ती किसी चालाकी का नतीजा न हो, जैसा कि जूलियस सीज़र के मामले में आम राय थी।"
"सावधानीपूर्वक पता लगाएँ कि आपके पद का क्या महत्व है; और यदि यह आपको अपने सेवकों को वर्दी देने की अनुमति देता है, तो उन्हें दिखावटी और रंगीन वर्दी के बजाय सम्मानजनक और उपयोगी वर्दी दें, और उन्हें अपने सेवकों और गरीबों के बीच बाँट दें; कहने का तात्पर्य यह है कि यदि आप छह सेवकों को वस्त्र दे सकते हैं, तो तीन-तीन गरीब पुरुषों को वस्त्र दें, और इस प्रकार

आपके पास स्वर्ग और पृथ्वी दोनों के लिए सेवक होंगे; अभिमानी लोग वर्दी देने के इस नए तरीके के बारे में कभी नहीं सोचते।"
"लहसुन और प्याज मत खाओ, कहीं ऐसा न हो कि वे तुम्हारी अशिष्टता का पता गंध से लगा लें; धीरे चलो और सोच-समझकर बोलो, लेकिन इस तरह से नहीं कि लगे कि तुम खुद को सुन रहे हो, क्योंकि हर तरह का दिखावा बुरा होता है।"
"दिन में कम खाएं और रात में उससे भी कम खाएं; क्योंकि पूरे शरीर का स्वास्थ्य पेट की कार्यशाला में बनता है।"
शराब पीने में संयम बरतें, यह ध्यान में रखते हुए कि अधिक मात्रा में शराब पीने से न तो कोई रहस्य छुपता है और न ही कोई वादा पूरा होता है।
"सांचो, ध्यान रखना कि तुम दोनों तरफ से चबा न लो, और किसी की मौजूदगी में डकार न लो।"
"इरक्ट!" सांचो ने कहा; "मुझे नहीं पता इसका क्या मतलब है।"
"सांचो, डकार लेना," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "स्पेनिश भाषा के सबसे गंदे शब्दों में से एक है, हालांकि यह बहुत ही अभिव्यंजक है; इसलिए सभ्य लोग लैटिन का सहारा लेते हैं और 'बेल्च' के स्थान पर 'इरक्ट' और 'बेल्चेस' के स्थान पर 'इरक्टेशन्स' कहते हैं; और यदि कुछ लोग इन शब्दों को नहीं समझते हैं तो कोई बात नहीं, क्योंकि समय के साथ इनका प्रचलन बढ़ जाएगा और ये आसानी से समझ में आ जाएँगे; इसी तरह एक भाषा समृद्ध होती है; वहाँ रीति- रिवाज और जनता का ही बोलबाला है।"
"सच कहूं तो, महोदय," सांचो ने कहा, "जिन सलाहों और सावधानियों को मैं ध्यान में रखने वाला हूं, उनमें से एक यह भी है कि मैं डकार न लूं, क्योंकि मैं लगातार डकार लेता रहता हूं।"
"सांचो, डकार नहीं, बल्कि इरेक्ट करो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
"मैं अब से 'उठो' ही कहूंगा, और मैं कसम खाता हूं कि इसे कभी नहीं भूलूंगा," सांचो ने कहा।
"इसी प्रकार, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तुम्हें अपने भाषण में इतनी अधिक कहावतों का प्रयोग नहीं करना चाहिए; क्योंकि यद्यपि कहावतें संक्षिप्त सूत्र होती हैं, तुम उन्हें इतनी बार जबरदस्ती शामिल करते हो कि वे सूत्र से अधिक निरर्थक लगने लगती हैं।"
"इसका इलाज केवल ईश्वर ही कर सकते हैं," सांचो ने कहा; "क्योंकि मेरे पास एक किताब से भी ज़्यादा कहावतें हैं, और जब मैं बोलता हूँ तो वे इतनी घनी होकर

मेरे मुँह में आती हैं कि बाहर निकलने के लिए आपस में लड़ने लगती हैं; इसीलिए मेरी ज़बान सबसे पहले आने वाली कहावत को ही बोल देती है, भले ही वह सटीक न हो। लेकिन अब से मैं ऐसी कहावतों का इस्तेमाल करूँगा जो मेरे पद की गरिमा के अनुरूप हों; क्योंकि 'जहाँ भरपूर भोजन होता है, वहाँ खाना जल्दी बन जाता है', 'जो बाँधता है वह झगड़ा नहीं करता', 'घंटी बजाने वाला सुरक्षित रहता है', और 'देना और रखना दोनों में बुद्धि की आवश्यकता होती है'।"
“बस करो, सांचो!” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “कहावतों को एक साथ जोड़-तोड़ कर मत बोलो; कोई तुम्हें रोक नहीं रहा! ‘मेरी माँ मुझे पीटती है, और मैं अपनी शरारतें करता रहता हूँ।’ मैं तुम्हें कहावतों से बचने के लिए कह रहा हूँ, और यहाँ एक पल में तुमने कहावतों की पूरी सूची बोल दी है, जिनका हमारी बातचीत से उतना ही लेना-देना है जितना ‘उबेदा की पहाड़ियों के ऊपर’ का। ध्यान रखो, सांचो, मैं यह नहीं कह रहा कि सही समय पर लाई गई कहावत आपत्तिजनक है; लेकिन बेतरतीब ढंग से कहावतों को इकट्ठा करना और जोड़ना बातचीत को नीरस और भद्दा बना देता है।”
"जब तुम घोड़े पर सवार हो, तो अपने शरीर को काठी के पिछले हिस्से पर ढीला मत छोड़ो, न ही अपनी टांगों को अकड़ाकर घोड़े के पेट से बाहर निकाल कर रखो, और न ही इतना ढीला बैठो कि कोई यह सोचे कि तुम डैपल पर सवार हो; क्योंकि घोड़े पर बैठने का तरीका कुछ लोगों को सज्जन बनाता है और दूसरों को अस्तबल का नौकर।"
"अपनी नींद में संयम बरतो; क्योंकि जो जल्दी नहीं उठता उसे दिन का लाभ नहीं मिलता; और याद रखो, सांचो, परिश्रम ही सौभाग्य की जननी है, और आलस्य, जो इसका विपरीत है, कभी भी किसी ईमानदार महत्वाकांक्षा के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाया है।"
"मैं तुम्हें अब जो आखिरी सलाह दे रहा हूँ, हालाँकि इससे शारीरिक रूप से कोई सुधार नहीं होगा, फिर भी मैं चाहता हूँ कि तुम इसे ध्यानपूर्वक याद रखो, क्योंकि मुझे विश्वास है कि यह तुम्हारे लिए उन सलाहों से कम उपयोगी नहीं होगी जो मैंने तुम्हें पहले ही दी हैं, और वह यह है कि कभी भी परिवारों के बारे में विवाद में मत पड़ो, कम से कम उनकी आपस में तुलना करने के रूप में तो बिल्कुल नहीं; क्योंकि निश्चित रूप से तुलना किए गए परिवारों में से एक दूसरे से बेहतर होगा, और तुम जिसकी निंदा करोगे वह

तुमसे नफरत करेगा, और जिसकी प्रशंसा करोगे उससे तुम्हें किसी भी रूप में कुछ भी प्राप्त नहीं होगा।"
"तुम्हारा पहनावा पूरी लंबाई की मोजे, एक लंबी जैकेट और उससे थोड़ी लंबी चोगा होना चाहिए; ढीली पैंट किसी भी हालत में नहीं, क्योंकि वे न तो सज्जनों के लिए और न ही राज्यपालों के लिए उपयुक्त हैं।"
"फिलहाल, सांचो, यही सब कुछ है जो मुझे तुम्हें सलाह देने के लिए सूझा है; समय बीतने और अवसर आने पर मैं तुम्हें निर्देश देता रहूंगा, बशर्ते तुम मुझे अपनी परिस्थितियों के बारे में सूचित करते रहो।"
“महोदय,” सांचो ने कहा, “मैं भली-भांति समझता हूँ कि आपने जो भी बातें मुझसे कही हैं, वे सब अच्छी, पवित्र और लाभदायक हैं; परन्तु यदि मैं उनमें से एक भी बात याद न रखूँ तो उनका क्या लाभ? यह तो निश्चित है कि नाखून न बढ़ाने और मौका मिलने पर दोबारा शादी करने वाली बात मेरे दिमाग से नहीं निकलेगी; परन्तु बाकी सब उलटी-सीधी बातें—मुझे पिछले साल के बादलों की तरह कुछ भी याद नहीं है और न ही याद रह सकती हैं; इसलिए मुझे ये लिखित में चाहिए; क्योंकि यद्यपि मैं न तो पढ़ सकता हूँ और न ही लिख सकता हूँ, मैं इसे अपने पादरी को दे दूँगा, ताकि वे इसे मेरे मन में बिठा लें और आवश्यकता पड़ने पर मुझे याद दिलाएँ।”
“अरे, मैं कितना पापी हूँ!” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “शासकों के लिए पढ़ना- लिखना न जानना कितना बुरा लगता है; क्योंकि सुनो सांचो, जब कोई व्यक्ति पढ़ना नहीं जानता या बाएँ हाथ से लिखता है, तो इससे दो बातें पता चलती हैं; या तो वह बेहद कंजूस और नीच माता-पिता का बेटा था, या फिर वह खुद इतना बिगड़ा हुआ और बुरे स्वभाव का था कि न तो अच्छी संगति और न ही अच्छी शिक्षा उस पर कोई असर डाल सकी। यह एक बड़ी कमी है जिससे तुम जूझ रहे हो, इसलिए मैं चाहता हूँ कि तुम कम से कम अपना नाम लिखना सीख लो।” “मैं अपना नाम अच्छी तरह लिख सकता हूँ,” सांचो ने कहा, “क्योंकि जब मैं अपने गाँव में भाईचारे का प्रबंधक था, तो मैंने कुछ अक्षर बनाना सीखा था, जैसे सामान के गट्ठों पर बने निशान, जिनसे मुझे बताया गया था कि मेरा नाम बनता है। इसके अलावा, मैं यह बहाना बना सकता हूँ कि मेरा दाहिना हाथ खराब है और किसी और से मेरे लिए हस्ताक्षर करवा सकता हूँ, क्योंकि ‘मौत को छोड़कर हर चीज का इलाज है;’” और चूंकि मैं कमान संभालूंगा और सत्ता मेरे हाथ में होगी, मैं अपनी मर्जी से कुछ भी कर सकता हूं; इसके अलावा, 'जिसका पिता अल्काल्डे हो', और मैं गवर्नर

बनूंगा, और यह अल्काल्डे से भी ऊँचा पद है। बस आकर देख लो! चाहे वे मेरा मजाक उड़ाएं और मुझे गालियां दें; 'वे ऊन लेने आएंगे और गंजे होकर लौटेंगे;' 'जिसे ईश्वर प्यार करता है, उसका घर ईश्वर को ज्ञात है;' 'अमीरों की मूर्खतापूर्ण बातें दुनिया में कहावतों की तरह मानी जाती हैं;' और चूंकि मैं गवर्नर होने के नाते अमीर होऊंगा, और साथ ही उदार भी, जैसा कि मेरा इरादा है, मुझमें कोई दोष नहीं दिखेगा। 'बस अपने लिए शहद बनाओ और मक्खियां तुम्हें चूसेंगी;' 'जितना तुम्हारे पास है, उतना ही तुम्हारा मूल्य है,' जैसा कि मेरी दादी कहा करती थीं; और 'धनवान व्यक्ति से बदला नहीं लिया जा सकता।'
"हे सांचो, भगवान का श्राप तुझ पर पड़े!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "साठ हज़ार शैतान तुझे और तेरी कहावतों को अपने साथ ले जाएँ! तू पिछले एक घंटे से इन्हें जोड़-तोड़ कर मुझे हर एक से यातना दे रहा है। मैं तुझे वादा करता हूँ, एक दिन ये कहावतें तुझे फाँसी पर ले जाएँगी; तेरी प्रजा तुझसे शासन छीन लेगी, या फिर उनमें विद्रोह हो जाएगा। मुझे बता, तू इन्हें कहाँ से लाता है, हे मूर्ख? तू इन्हें कैसे इस्तेमाल करता है, हे बेवकूफ? क्योंकि मेरे साथ तो एक कहावत को सही ढंग से बोलने और लागू करने में ही मुझे इतनी मेहनत करनी पड़ती है जैसे मैं कोई खुदाई कर रहा हूँ।"
"हे मेरे स्वामी, आप लोग छोटी-छोटी बातों पर इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं? अगर मैं अपनी ही चीज़ों का इस्तेमाल करूँ तो आपको इतना गुस्सा क्यों आना चाहिए? मेरे पास कहावतों के सिवा कुछ नहीं है, और न ही कोई और चीज़ जिस पर मेरा अधिकार हो; और अभी इसी वक्त तीन कहावतें मेरे दिमाग में आई हैं, एकदम सटीक और टोकरी में रखे नाशपाती की तरह; लेकिन मैं उन्हें दोहराऊंगा नहीं, क्योंकि 'संको की खामोशी ही ज्ञान का नाम है'।"
"सांचो, तुम वो नहीं हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि तुम न केवल बुद्धिमान मौन नहीं हो, बल्कि तुम घृणित बकवास और कुटिलता हो; फिर भी मैं जानना चाहता हूँ कि अभी-अभी तुम्हें कौन सी तीन कहावतें याद आई हैं, क्योंकि मैं अपनी कहावतों पर गौर कर रहा हूँ—और मेरी कहावत अच्छी है— लेकिन मुझे कोई याद नहीं आ रही है।"
सांचो ने कहा, "इससे बेहतर क्या हो सकता है कि 'कभी अपने अंगूठे को पीछे के दो दांतों के बीच न रखो;' और 'मेरे घर से निकल जाओ' और 'मेरी पत्नी से तुम्हें क्या चाहिए?' का कोई जवाब नहीं है;' और 'चाहे घड़ा चूल्हे से टकराए या

चूल्हा घड़े से, घड़े का बुरा हाल होगा;' ये सभी बातें बाल बराबर सटीक बैठती हैं? क्योंकि किसी को भी अपने शासक या अपने से ऊपर के अधिकारी से झगड़ा नहीं करना चाहिए, क्योंकि उसका ही नुकसान होगा, जैसे उस व्यक्ति का होता है जो अपनी उंगली पीछे के दो दांतों के बीच रखता है, और चाहे वे पीछे के दांत न हों, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, जब तक वे दांत हैं; और शासक चाहे कुछ भी कहे, उसका कोई जवाब नहीं है, ठीक वैसे ही जैसे 'मेरे घर से निकल जाओ' और 'मेरी पत्नी से तुम्हें क्या चाहिए?' का कोई जवाब नहीं है।" और फिर, पत्थर और घड़े वाली बात तो एक अंधा भी देख सकता था। इसलिए, 'जो दूसरे की आँख में तिनका देखता है, उसे अपनी आँख में शहतीर भी देखना चाहिए,' ताकि उसके बारे में यह न कहा जाए कि 'गली औरत गला कटे हुए आदमी से डर गई थी;' और महाराज, आप भली-भांति जानते हैं कि 'मूर्ख अपने घर में उतना जानता है जितना बुद्धिमान दूसरे के घर में।'
"नहीं, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मूर्ख को कुछ नहीं पता, न अपने घर में और न ही किसी और के घर में, क्योंकि किसी भी प्रकार की बुद्धिमान संरचना मूर्खता की नींव पर नहीं टिक सकती; लेकिन चलो अब इस बारे में और बात न करें, सांचो, क्योंकि यदि तुम गलत शासन करोगे, तो गलती तुम्हारी होगी और शर्म मेरी; लेकिन मैं इस बात से खुद को तसल्ली देता हूँ कि मैंने तुम्हें पूरी ईमानदारी और बुद्धिमत्ता से सलाह देकर अपना कर्तव्य निभाया है; और इस प्रकार मैं अपने दायित्वों और अपने वादे से मुक्त हो गया हूँ। ईश्वर तुम्हारा मार्गदर्शन करे, सांचो, और तुम्हारे शासन में तुम्हारा साथ दे, और मुझे इस आशंका से मुक्ति दिलाए कि तुम पूरे द्वीप को उलट-पुलट कर दोगे, जिसे मैं ड्यूक को यह समझाकर आसानी से रोक सकता था कि तुम क्या हो और उसे बताकर कि तुम्हारा वह मोटा-सा शरीर कहावतों और बदतमीजी से भरा एक थैला मात्र है।"
"महामहिम," सांचो ने कहा, "यदि आपको लगता है कि मैं इस शासन के योग्य नहीं हूँ, तो मैं इसे तुरंत त्याग देता हूँ; क्योंकि मेरी आत्मा का काला रंग भी मेरे पूरे शरीर से अधिक प्रिय है; और मैं साधारण सांचो, रोटी और प्याज पर भी उतना ही आराम से रह सकता हूँ जितना राज्यपाल के रूप में तीतर और मुर्गे पर; और तो और, सोते समय हम सब बराबर होते हैं, बड़े-छोटे, अमीर-गरीब। लेकिन यदि आप इस पर गौर करेंगे, तो आप देखेंगे कि यह आप ही थे जिन्होंने मुझे शासन के इस काम में लगाया; क्योंकि मैं द्वीपों के शासन के बारे में गिद्ध

से भी कम जानता हूँ; और यदि यह सोचने का कोई कारण है कि मेरे राज्यपाल बनने के कारण शैतान मुझ पर हावी हो जाएगा, तो मैं स्वर्ग जाना पसंद करूँगा, न कि नरक का राज्यपाल।"
"हे भगवान, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "तुम्हारे कहे उन आखिरी शब्दों के आधार पर, मैं तुम्हें हज़ार द्वीपों का शासक बनने योग्य मानता हूँ। तुम्हारी सहज बुद्धि अद्भुत है, जिसके बिना कोई ज्ञान व्यर्थ है; स्वयं को ईश्वर के हवाले कर दो, और अपने मुख्य उद्देश्य की प्राप्ति में कभी विचलित मत होना; मेरा अर्थ है, जो भी मामला तुम्हारे सामने आए, उसमें हमेशा सही काम करना ही अपना लक्ष्य और दृढ़ संकल्प बनाओ, क्योंकि ईश्वर हमेशा अच्छे इरादों का साथ देता है; और अब चलो भोजन के लिए चलते हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि मेरे स्वामी और स्वामिनी हमारा इंतज़ार कर रहे हैं।"

44

अध्याय
सांचो पांजा को उसके शासन में कैसे लाया गया, और डॉन क्विक्सोट के साथ महल में घटी विचित्र घटना का वर्णन।
कहा जाता है कि इस इतिहास के मूल पाठ में यह लिखा है कि जब सिदे हामेट ने यह अध्याय लिखना शुरू किया, तो उनके अनुवादक ने इसका अनुवाद उसी रूप में नहीं किया जैसा उन्होंने लिखा था—अर्थात्, मूर ने स्वयं से शिकायत की थी कि उन्होंने डॉन क्विक्सोट की कहानी जैसी नीरस और विविधताहीन कहानी क्यों चुनी, क्योंकि उन्हें लगातार डॉन क्विक्सोट और सांचो के बारे में ही लिखना पड़ रहा था, और वे अधिक गंभीर और रोचक प्रसंगों का उल्लेख करने का साहस नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि मन, हाथ और कलम को हमेशा एक ही विषय पर केंद्रित रखना और कुछ पात्रों के माध्यम से ही लिखना असहनीय परिश्रम था, जिसका परिणाम लेखक के परिश्रम के बराबर कभी नहीं होता था। इससे बचने के लिए उन्होंने प्रथम भाग में "द इल-एडवाइज्ड क्यूरियोसिटी" और "द कैप्टिव कैप्टन" जैसे उपन्यासों का सहारा लिया, जो कहानी से अलग हैं; अन्य उपन्यास डॉन क्विक्सोट के साथ घटी घटनाओं के रूप में दिए गए हैं जिन्हें छोड़ा नहीं जा सकता था। वे कहते हैं कि उन्हें यह भी लगा कि डॉन क्विक्सोट के कारनामों में मग्न रहने वाले कई लोग उपन्यासों पर ध्यान नहीं देंगे और उनकी रचना की सुंदरता और कला को अनदेखा करते हुए उन्हें जल्दबाजी या अधीरता से पढ़ डालेंगे। यह सुंदरता और कला तब स्पष्ट हो जाती जब उपन्यास डॉन क्विक्सोट के उन्माद या सांचो की सरलता के पूरक के रूप में प्रकाशित न होकर स्वतंत्र रूप से प्रकाशित होते। इसलिए इस दूसरे भाग में उन्होंने उपन्यासों को, चाहे वे अलग-अलग हों या आपस में गुंथे हुए, शामिल न करना ही बेहतर समझा, बल्कि केवल उन्हीं से मिलते-जुलते प्रसंगों को शामिल किया जो तथ्यों से उत्पन्न हुए थे; और उन्हें भी संक्षिप्त रूप से और उतने ही शब्दों में जितना उन्हें स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त हो। यद्यपि उनमें संपूर्ण ब्रह्मांड को समेटने की पर्याप्त क्षमता, सामर्थ्य और बुद्धि है, फिर भी वे स्वयं को कथा की संकीर्ण सीमाओं तक ही सीमित रखते हैं, इसलिए वे निवेदन करते हैं कि उनके परिश्रम को तुच्छ न समझा जाए और

उन्हें न केवल उनके लेखन के लिए, बल्कि उन रचनाओं के लिए भी श्रेय दिया जाए जिन्हें उन्होंने नहीं लिखा है।
और इस तरह वह अपनी कहानी सुनाते हुए आगे कहते हैं कि जिस दिन डॉन क्विक्सोट ने सांचो को सलाह दी, उसी दोपहर खाने के बाद उन्होंने उसे लिखित रूप में दे दी ताकि कोई उसे पढ़कर सुना सके। लेकिन जैसे ही उसे सलाह मिली, सांचो ने उसे गिरा दिया और वह ड्यूक के हाथ लग गई। ड्यूक ने उसे डचेस को दिखाया और दोनों डॉन क्विक्सोट की मूर्खता और बुद्धिमत्ता पर फिर से चकित हो गए। फिर उसी शाम उन्होंने सांचो को अपने एक बड़े दल के साथ उस गाँव में भेज दिया जिसे वह द्वीप मानकर चला। संयोग से, सांचो की जिम्मेदारी संभालने वाला व्यक्ति ड्यूक का एक मुख्य प्रबंधक था, जो बहुत ही समझदार और विनोदी था— और बिना समझदारी के विनोद नहीं हो सकता—और वही व्यक्ति था जिसने पहले वर्णित हास्यपूर्ण तरीके से काउंटेस ट्रिफाल्डी की भूमिका निभाई थी; और इस प्रकार प्रशिक्षित होकर और अपने स्वामी और स्वामिनी द्वारा सांचो से निपटने के तरीके के बारे में निर्देश प्राप्त करके, उसने उनकी योजना को बखूबी अंजाम दिया। अब ऐसा हुआ कि जैसे ही सांचो ने इस मुख्य प्रबंधक को देखा, उसे उसके चेहरे पर त्रिफाल्डी परिवार के सदस्यों की झलक दिखाई दी और उसने अपने स्वामी की ओर मुड़कर कहा, "महाराज, या तो शैतान मुझे यहीं, इस स्थान पर, धर्मी और विश्वासी अवस्था में उठा ले जाएगा, या आप यह स्वीकार करेंगे कि इस ड्यूक के मुख्य प्रबंधक का चेहरा ही उस पीड़ित व्यक्ति का चेहरा है।"
डॉन क्विक्सोट ने मुख्य प्रबंधक को ध्यान से देखा और ऐसा करने के बाद सांचो से कहा, "सांचो, शैतान तुम्हें क्यों ले जाए, चाहे तुम धर्मी हो या विश्वासी—और तुम्हारा इससे क्या तात्पर्य है, यह मैं नहीं जानता; दुखी व्यक्ति का चेहरा मुख्य प्रबंधक जैसा ही है, लेकिन मुख्य प्रबंधक दुखी व्यक्ति नहीं है; क्योंकि यदि वह दुखी होता तो एक बड़ा विरोधाभास होता; लेकिन यह इस तरह के प्रश्नों में पड़ने का समय नहीं है, जो हमें एक जटिल उलझन में फंसा देंगे। विश्वास करो, मेरे मित्र, हमें अपने प्रभु से पूरी निष्ठा से प्रार्थना करनी चाहिए कि वह हमें दुष्ट जादूगरों और तांत्रिकों से बचाए।"
"यह कोई मज़ाक नहीं है, महोदय," सांचो ने कहा, "इससे पहले मैंने उसे बोलते हुए सुना था, और ऐसा लगा जैसे मेरे कानों में त्रिफाल्डी की आवाज़ गूंज रही

हो। खैर, मैं चुप रहूंगा; लेकिन अब से मैं किसी भी ऐसे संकेत पर नज़र रखूंगा जो इस संदेह की पुष्टि या खंडन कर सके।"
"सांचो, तुम अच्छा करोगे," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और तुम मुझे वह सब कुछ बताओगे जो तुम खोजोगे, और वह सब कुछ जो तुम्हारे शासन में घटित होगा।"
अंत में सांचो बड़ी संख्या में लोगों के साथ रवाना हुआ। उसने एक वकील का वेश धारण किया हुआ था, ऊपर से भूरे रंग के चमड़े का गबन और उसी रंग की मोंटेरा टोपी पहनी हुई थी, और वह एक खच्चर पर सवार था। उसके पीछे, ड्यूक के आदेशानुसार, डैपल एकदम नए रेशमी साज-सामान और आभूषणों के साथ चल रहा था, और सांचो समय-समय पर अपने गधे को देखने के लिए पीछे मुड़ता था, उसे अपने साथ पाकर वह इतना प्रसन्न था कि वह जर्मनी के सम्राट के साथ भी अपनी जगह बदलना नहीं चाहता था। विदा लेते समय उसने ड्यूक और डचेस के हाथों को चूमा और अपने स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त किया, जो डॉन क्विक्सोट ने उसे आँसुओं के साथ दिया, और उसे यह आशीर्वाद पाकर वह फूट-फूट कर रोया।
हे प्रिय पाठक, सांचो को शांति से जाने दो, और उसे शुभकामनाएँ! उसके पद पर व्यवहार का वर्णन पढ़कर आपको खूब हँसी आएगी। इस बीच, उसी रात उसके स्वामी के साथ जो हुआ, उस पर ध्यान दें, और यदि आप उस पर नहीं हँसते हैं, तो कम से कम आपके मुँह पर एक मुस्कान अवश्य आ जाएगी; क्योंकि डॉन क्विक्सोट के कारनामों का सम्मान या तो आश्चर्य से किया जाना चाहिए या हँसी से।
ऐसा दर्ज है कि सांचो के जाते ही डॉन क्विक्सोट को अकेलापन महसूस होने लगा और अगर उनके लिए शासन रद्द करना और उनसे सत्ता छीन लेना संभव होता तो वे ऐसा ही करते। डचेस ने उनकी उदासी देखी और उनसे पूछा कि वे इतने दुखी क्यों हैं; उन्होंने कहा कि अगर यह उदासी सांचो के जाने के कारण है, तो उनके घर में कई दरबारी, दासियाँ और युवतियाँ हैं जो उनकी हर इच्छा पूरी करेंगी। "सच तो यह है, महोदया," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "कि मुझे सांचो की कमी का दुख तो है; लेकिन यही मेरे उदास दिखने का मुख्य कारण नहीं है; और आपके द्वारा दिए गए सभी प्रस्तावों में से, मैं केवल सद्भावना को ही स्वीकार करता हूँ, और बाकी के लिए मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मुझे अपने कमरे में अकेले रहने की अनुमति दें।"
"जी हां, श्री डॉन क्विक्सोट," डचेस ने कहा, "ऐसा नहीं होना चाहिए; मेरी चार सुंदर दासियां, जो फूलों के समान खूबसूरत हैं, आपकी सेवा में उपस्थित रहेंगी।"

डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मेरे लिए, वे फूल नहीं, बल्कि मेरे दिल को छेदने वाले कांटे होंगे। वे, या उनके जैसी कोई भी चीज़, मेरे कमरे में प्रवेश करने के बजाय उड़ जाएगी। यदि महाराज मुझे और भी प्रसन्न करना चाहते हैं, यद्यपि मैं इसके योग्य नहीं हूँ, तो मुझे अपनी इच्छा के अनुसार अपने कमरे में ही रहने दें; क्योंकि मैंने अपनी इच्छाओं और अपने सद्गुणों के बीच एक दीवार खड़ी कर रखी है, और महाराज की उदारता के कारण मैं इस नियम को तोड़ना नहीं चाहता; और संक्षेप में, मैं अपने कपड़ों में ही सो जाऊँगा, किसी को भी मुझे निर्वस्त्र करने देने की अपेक्षा नहीं।"
"और कुछ मत कहिए, सेनोर डॉन क्विक्सोट, और कुछ मत कहिए," डचेस ने कहा; मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं आदेश दूँगा कि आपके कमरे में एक मक्खी भी न प्रवेश करे, युवती की तो बात ही छोड़िए। मैं सेनर डॉन क्विक्सोट की मर्यादा का उल्लंघन नहीं करना चाहता, क्योंकि मुझे लगता है कि उनके अनेक गुणों में सबसे प्रमुख गुण है लज्जा। आप निजी तौर पर और अपनी इच्छानुसार, जब चाहें, कपड़े उतार और पहन सकते हैं, क्योंकि आपको कोई नहीं रोकेगा; और आपके कक्ष में आपको वे सभी उपकरण मिलेंगे जो दरवाजा बंद करके सोने वाले व्यक्ति की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक हैं, ताकि कोई भी प्राकृतिक आवश्यकता आपको दरवाजा खोलने के लिए विवश न करे। महान डुलसीनिया डेल टोबोसो हजार वर्ष जीवित रहें और उनकी प्रसिद्धि पूरी दुनिया में फैले, क्योंकि वे इतने वीर और गुणी योद्धा के प्रेम के योग्य हैं; और ईश्वर हमारे गवर्नर सांचो पांजा के हृदय में उत्साह भर दें ताकि वे अपना दंड शीघ्रता से समाप्त कर सकें, और दुनिया एक बार फिर इतनी महान महिला की सुंदरता का आनंद ले सके।
इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "महामहिम ने अपने स्वरूप के अनुरूप ही बात कही है; एक कुलीन महिला के मुख से कुछ भी बुरा नहीं निकल सकता; और डुलसीनिया को आपके द्वारा दी गई प्रशंसा से कहीं अधिक सौभाग्यशाली और विश्व में प्रसिद्ध होने का गौरव प्राप्त होगा, जितना कि पृथ्वी के महानतम वक्ताओं द्वारा उसकी प्रशंसा करने से भी नहीं होगा।"
"अच्छा, अच्छा, श्रीमान डॉन क्विक्सोट," डचेस ने कहा, "लगभग रात के खाने का समय हो गया है, और ड्यूक शायद प्रतीक्षा कर रहे होंगे; चलिए रात का खाना खाते हैं और जल्दी आराम करते हैं, क्योंकि कल कैंडी से आपकी यात्रा इतनी छोटी नहीं थी कि इससे आपको कुछ थकान न हुई हो।"

"मुझे कुछ भी महसूस नहीं होता, महोदया," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि मैं आपकी श्रेष्ठता की शपथ लेकर कह सकता हूँ कि मैंने अपने पूरे जीवन में क्लैविलेनो से अधिक शांत और सुखद चाल वाला कोई जानवर कभी नहीं देखा; और मुझे नहीं पता कि मालाम्ब्रूनो को इतने तेज और सौम्य घोड़े को त्यागने और इतनी बेरहमी से जलाने के लिए क्या प्रेरित कर सकता था।"
"शायद," डचेस ने कहा, "ट्रिफाल्डी और उसके साथियों, और अन्य लोगों के साथ किए गए बुरे कामों और जादूगर के रूप में किए गए अपराधों के लिए पश्चाताप करते हुए, उसने अपने जादू के सभी उपकरणों को नष्ट करने का संकल्प लिया; और इस प्रकार उसने क्लैविलेनो को मुख्य उपकरण के रूप में जला दिया, जो उसे मुख्य रूप से बेचैन रखता था और उसे एक देश से दूसरे देश भटकने पर मजबूर करता था; और उसकी राख और पट्टिका के प्रतीक से ला मांचा के महान डॉन क्विक्सोट की वीरता हमेशा के लिए स्थापित हो गई है।"
डॉन क्विक्सोट ने डचेस को फिर से धन्यवाद दिया; भोजन करने के बाद, वह अकेले अपने कमरे में चले गए, किसी को भी अपने साथ अंदर आने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि उन्हें इस बात का डर था कि कहीं वे किसी प्रलोभन में न पड़ जाएँ और अपनी पत्नी डुलसीनिया के प्रति अपनी पवित्र निष्ठा को न भूल जाएँ; क्योंकि उनके मन में हमेशा अमाडिस का सद्गुण बसा रहता था, जो वीर योद्धाओं का आदर्श और आदर्श थीं। उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया और दो मोमबत्तियों की रोशनी में अपने कपड़े उतारे, लेकिन जैसे ही वे अपनी मोज़े उतार रहे थे—हे भगवान, ऐसे व्यक्ति के लिए यह कितनी बुरी विपत्ति थी!—एक ज़ोरदार आवाज़ आई, आहों की नहीं, न ही उनकी शालीनता या अच्छे व्यवहार को झुठलाने वाली किसी बात की, बल्कि उनके एक मोज़े में लगभग दो दर्जन टांके फट गए, जिससे वह खिड़की की जाली जैसा दिखने लगा। वह सज्जन अत्यंत व्यथित हो गए और उस क्षण वे एक औंस चाँदी भी दे देते अगर वहाँ आधा ड्रैचम हरा रेशम होता; मैं हरा रेशम इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मोज़े हरे रंग के थे।
यहां लिखते समय सिडे हामेट ने कहा, "ओह गरीबी, गरीबी! मुझे नहीं पता कि किस बात ने महान कॉर्डोवन कवि को तुम्हें 'अकृतज्ञता से प्राप्त पवित्र उपहार' कहने के लिए प्रेरित किया होगा। हालांकि मैं एक मूर हूं, लेकिन ईसाइयों के साथ अपने मेलजोल से मैं अच्छी तरह जानता हूं कि पवित्रता दान, विनम्रता, विश्वास, आज्ञाकारिता और गरीबी में निहित है; लेकिन इन सबके बावजूद, मैं कहता हूं कि जो व्यक्ति गरीब होने में संतोष पा सकता है, उसमें बहुत अधिक

ईश्वर भक्ति होनी चाहिए; सिवाय उस प्रकार की गरीबी के जिसका उल्लेख उनके महानतम संतों में से एक ने किया है, यह कहते हुए, 'सभी चीजों को ऐसे रखो मानो वे तुम्हारे पास न हों;'" जिसे वे आत्मा की दरिद्रता कहते हैं। परन्तु हे उस दूसरी दरिद्रता—क्योंकि मैं अब तेरे ही विषय में बात कर रहा हूँ— तू अन्य लोगों की तुलना में सज्जनों और उच्च कुल के पुरुषों से झगड़ा करना इतना क्यों पसंद करती है? तू उन्हें अपने जूतों की दरारों पर लेप लगाने और अपने कोट के बटनों को एक रेशम, दूसरा बाल और तीसरा कांच का लगवाने के लिए क्यों विवश करती है? क्यों उनके रफ हमेशा बेल के पत्तों की तरह सिकुड़े हुए होने चाहिए, न कि इस्त्री से कसे हुए? (इससे हमें स्टार्च और घुंघराले रफ की प्राचीनता का अंदाजा लग सकता है।) फिर वह आगे कहते हैं: "बेचारा, अच्छे परिवार का सज्जन! हमेशा अपनी इज्जत को हवा देता रहता है, दयनीय और छिपकर खाना खाता है, और उस टूथपिक का पाखंड करता है जिसे वह कुछ खाए बिना ही सड़क पर निकालता है! बेचारा, मैं कहता हूँ, अपनी बेशर्मी के साथ, यह सोचता है कि लोग उसके जूते पर लगे पैच, टोपी पर पसीने के दाग, लबादे की खस्ता हालत और उसके पेट की भूख को देख रहे हैं!"
डॉन क्विक्सोट को अपने मोजों के फटने से इन सब बातों का एहसास हुआ; हालाँकि, उसने यह देखकर खुद को तसल्ली दी कि सांचो यात्रा के लिए जूते छोड़ गया था, जिसे उसने अगले दिन पहनने का निश्चय किया। अंत में वह उदास और दुखी मन से बिस्तर पर चला गया, क्योंकि वह सांचो को बहुत याद कर रहा था और साथ ही अपने मोजों के साथ हुए उस अपूरणीय नुकसान के कारण भी, जिनके टांके वह दूसरे रंग के रेशम से भी सिलवाने को तैयार था, जो किसी सज्जन व्यक्ति की कभी न खत्म होने वाली परेशानियों के दौरान दिखाई देने वाली गरीबी की सबसे बड़ी निशानी में से एक है। उसने मोमबत्तियाँ बुझा दीं; लेकिन रात गर्म थी और उसे नींद नहीं आ रही थी; वह अपने बिस्तर से उठा और एक सुंदर बगीचे की ओर खुलने वाली जालीदार खिड़की को थोड़ा सा खोला, और ऐसा करते ही उसने बगीचे में लोगों को चलते-फिरते और बातें करते हुए देखा और सुना। उसने ध्यान से सुनना शुरू किया, और नीचे वालों ने अपनी आवाज़ें इतनी तेज़ कर दीं कि वह ये शब्द सुन सका:
"मुझे गाने के लिए प्रेरित मत करो, एमरेंसिया, क्योंकि तुम जानती हो कि जब से यह अजनबी महल में आया है और मेरी आँखों ने उसे देखा है, मैं गा नहीं सकती, केवल रो सकती हूँ; इसके अलावा, मेरी मालकिन गहरी नींद नहीं सोती, और

मैं दुनिया की सारी दौलत के बदले भी नहीं चाहती कि वह हमें यहाँ पाए; और अगर वह सो रही हो और न जागे, तो भी मेरा गाना व्यर्थ होगा, अगर यह अजनबी ऐनेस, जो मेरा अपमान करने के लिए मेरे पड़ोस में आया है, सोता रहे और इसे सुनने के लिए न जागे।"
"इस बात की परवाह मत करो, प्यारी अल्टिसिडोरा," एक आवाज़ ने जवाब दिया; "राजकुमारी निःसंदेह सो रही है, और घर में तुम्हारे दिल के मालिक और तुम्हारी आत्मा को व्याकुल करने वाले को छोड़कर बाकी सब सो रहे हैं; क्योंकि अभी-अभी मैंने उसे अपने कमरे की जालीदार खिड़की खोलते हुए देखा है, इसलिए वह जाग रहा होगा; मेरी बेचारी पीड़ित, अपने वीणा की संगत में धीमी, मधुर आवाज़ में गाओ; और अगर राजकुमारी हमें सुन भी ले तो हम इसका दोष रात की गर्मी पर डाल देंगे।"
“यह बात नहीं है, एमरेंसिया,” अल्टिसिडोरा ने उत्तर दिया, “बात यह है कि मैं नहीं चाहती कि मेरे गाने से मेरा दिल खुल जाए, और जो लोग प्रेम की अपार शक्ति को नहीं जानते, वे मुझे एक चंचल और आवारा लड़की समझें; लेकिन जो भी हो; दिल में घाव से बेहतर है गालों पर हल्की सी लाली।” तभी एक मधुर वीणा की ध्वनि सुनाई दी। यह सब सुनते हुए डॉन क्विक्सोट अचंभित रह गया, क्योंकि तुरंत ही उसके मन में ऐसे अनगिनत कारनामे आ गए, जिनमें खिड़कियाँ, जाली, बगीचे, प्रेम गीत, प्रेम प्रसंग और तड़प शामिल थे, जिनके बारे में उसने अपनी शिष्ट वीरता की किताबों में पढ़ा था। उसने तुरंत यह निष्कर्ष निकाला कि डचेस की कोई युवती उससे प्रेम करती है, और उसकी लज्जा ने उसे अपने प्रेम को गुप्त रखने के लिए मजबूर किया है। वह डर गया कि कहीं वह गिर न जाए, और उसने मन ही मन दृढ़ निश्चय किया कि वह हार नहीं मानेगा। अपनी प्रेमिका डुलसीनिया को पूरे दिल से प्रणाम करते हुए, उन्होंने संगीत सुनने का निश्चय किया; और उन्हें अपनी उपस्थिति का एहसास दिलाने के लिए उन्होंने नकली छींक मारी, जिससे युवतियाँ बेहद प्रसन्न हुईं, क्योंकि वे बस यही चाहती थीं कि डॉन क्विक्सोट उन्हें सुन लें। इस प्रकार, वीणा को सुरबद्ध करने के बाद, अल्टिसिडोरा ने तारों पर हाथ फेरते हुए यह गीत शुरू किया: {श्लोक
हे स्वर्ग में पल रहे हो!
हॉलैंड शीट्स के बीच,
रात से सुबह तक वहीं लेटे रहना,

पैर फैलाकर सोए हुए;
हे सर्वोत्कृष्ट योद्धा!
प्रसिद्ध मांचेगन नस्ल,
पवित्रता और सद्गुण के बारे में अधिक
अरब के सोने से भी अधिक;
एक पीड़ित युवती की बात सुनो,
अच्छी तरह से विकसित लेकिन दुर्भाग्यशाली, तेरे उन दो सूर्यों ने प्रकाश दिया है उसके दिल में एक आग जल रही थी।
तुम रोमांच की तलाश में भटकते हो,
दूसरों के लिए दुख लाने वाला;
तू घाव बिखेरता है, परन्तु, आह, मरहम भी।
तुम उन्हें ठीक करने से रोकते हो!
हे वीर युवक, कहो, और ईश्वर भी ऐसा ही करे।
तेरे उद्यम गति पकड़ें,
क्या तुमने लीबिया की रेत के बीच प्रकाश फैलाया? या पहले जाका की चट्टानें देखें?
क्या खुरदरे साँपों ने तुम्हें दूध पिलाया? शिशु अवस्था में तुम्हारी देखभाल किसने की थी? वर्ट जंगल में असभ्य अवस्था में पला-बढ़ा,
या फिर किसी सुनसान पहाड़ी गुफा में?
ओ डुलसीनिया को गर्व हो सकता है,
वह गोल-मटोल और हष्ट-पुष्ट युवती;
क्योंकि केवल उसी के पास यह शक्ति है।
एक ऐसा बाघ जिसे वश में करना असंभव है।
और वह इसी कारण प्रसिद्ध होगी।
टैगस से जरामा तक,
मंज़ानारेस से जेनिल तक,
ड्यूरो से अर्लांज़ा तक।
मैं उसके साथ बदलना चाहता हूँ, और उसे दे देना चाहता हूँ।
साथ में एक पेटीकोट भी।

मेरे पास जो सबसे अच्छा और सबसे बहादुर है,
सभी सोने के गैलोन से सजे हुए हैं।
काश मैं एक खुशहाल सुंदरी होती
तेरी शक्तिशाली भुजाएँ तुम्हें अपने आगोश में ले लें, या फिर तुम्हारे बिस्तर के पास ही बैठ जाऊं।
और अपनी धूल भरी खोपड़ी को खुजलाओ!
मैं ऐसे उपकारों के लिए बहुत प्रसन्न हूँ।
आकांक्षा रखने के अयोग्य;
तुम्हारे पैरों को गुदगुदाने के लिए ही काफी था मेरे जैसे नीच व्यक्ति के लिए।
कैसी टोपियाँ, कैसी चांदी की फीतों वाली चप्पलें, मैं तुम्हें यह भेंट देना चाहता हूँ!
तुम्हारे लिए दमिश्क की कैसी पतलून बनाऊं?
वाह, कितने सुंदर लंबे हॉलैंड के लबादे हैं!
और मैं तुम्हें ऐसे मोती दूंगा जो...
ओक के पेड़ों पर उगने वाले पत्तों की तरह बड़े; इतना विशाल कि प्रत्येक
महान "अकेले" कहलाएं।
मांचेगन नीरो, नीचे मत देखो
तेरे टारपीयन रॉक से
इस जलते हुए हृदय पर, और कुछ भी न जोड़ें
तेरे क्रोध का ईंधन।
मैं एक कुंवारी, कोमल और युवा लड़की हूँ।
अभी पंद्रह वर्ष की आयु नहीं हुई है;
(मेरी उम्र चौदह साल से सिर्फ तीन महीने ज्यादा है, मैं अपनी आत्मा की कसम खाता हूँ।
मैं न तो लंगड़ाता हूँ और न ही लड़खड़ाकर चलता हूँ।
मुझमें कोई दोष नहीं है।
और जैसे ही मैं चलती हूँ, मेरे लिली जैसे बाल
जमीन पर घिसट रहे हैं।
और हालांकि मेरी नाक थोड़ी चपटी है,

और भले ही मेरा मुंह खुला हो,
मेरे दांत पुखराज की तरह ऊंचे हैं
मेरी सुंदरता आसमान तक पहुंचती है।
तुम जानते हो कि मेरी आवाज मधुर है।
यदि तुम सुनोगे तो;
और मुझे एक रूप में ढाला गया है
औसत से थोड़ा नीचे।
ये ताबीज़ और भी बहुत से ताबीज़ तुम्हारे हैं।
अपने भाले और धनुष से सब कुछ लूट लो;
मैं इस घर की एक युवती हूँ।
जिसका नाम अल्टिसिडोरा है।
{श्लोक
यहां हृदयविदारित अल्टिसिडोरा की गाथा का अंत हुआ, जबकि प्रेम निवेदन में डूबे डॉन क्विक्सोट को चिंता होने लगी; और एक गहरी आह भरते हुए उसने मन ही मन कहा, "काश मैं इतना अभागा योद्धा होता कि कोई भी युवती मुझे देखे बिना मुझसे प्रेम न कर बैठे! काश अद्वितीय डुलसीनिया इतनी अभागी होती कि उसे मेरी अतुलनीय निष्ठा का शांति से आनंद लेने का अवसर न मिलता! हे रानियों, तुम उससे क्या चाहती हो? हे महारानियों, तुम उसे क्यों सताती हो? हे चौदह से पंद्रह वर्ष की कुंवारी कन्याओं, तुम उसका पीछा क्यों करती हो? उस अभागी को विजय प्राप्त करने दो, आनंद मनाओ और उस भाग्य पर गर्व करो जो प्रेम ने उसे अपना हृदय और आत्मा समर्पित करके दिया है। हे प्रेम में डूबी हुई देवियों, जान लो कि डुलसीनिया के लिए मैं केवल आटा और चीनी का पेस्ट हूँ, बाकी सबके लिए पत्थर; उसके लिए मैं शहद हूँ, तुम्हारे लिए अगरबत्ती। मेरे लिए केवल डुलसीनिया ही सुंदर, बुद्धिमान, गुणी, आकर्षक और उच्च कुल की है, और बाकी सभी बदसूरत, मूर्ख, तुच्छ और नीच कुल की हैं। प्रकृति ने मुझे संसार में भेजा है। मैं केवल उसी का रहूंगा, किसी और का नहीं; अल्टिसिडोरा चाहे रोए या गाए, जिस महिला के लिए उन्होंने मुझे जादुई मूर के महल में सताया, वह चाहे निराशा में डूब जाए, लेकिन मुझे डुलसीनिया का ही रहना है, चाहे उबला हुआ हो या भुना हुआ, शुद्ध, विनम्र और पवित्र, पृथ्वी पर सभी जादूई शक्तियों के बावजूद।" और इतना कहकर उसने खिड़की को ज़ोर से बंद कर दिया, और मानो उस पर कोई बड़ी विपत्ति आ पड़ी हो, वह इतना क्रोधित और

परेशान होकर अपने बिस्तर पर लेट गया, जहाँ हम उसे अभी के लिए छोड़ रहे हैं, क्योंकि महान सांचो पांजा, जो अपनी प्रसिद्ध सरकार स्थापित करने वाला है, अब हमारा ध्यान आकर्षित करता है।

45

अध्याय
महान सांचो पांजा ने किस प्रकार अपने द्वीप पर अधिकार प्राप्त किया और किस प्रकार उन्होंने शासन करना शुरू किया, इसकी कहानी।
हे विपरीत ध्रुवों के शाश्वत खोजकर्ता, जगत की मशाल, आकाश की आँख, जलपान के शौकीनों को मधुर प्रेरणा देने वाले! थिम्ब्रेअस यहाँ, फोएबस वहाँ, कभी धनुर्धर, कभी चिकित्सक, कविता के जनक, संगीत के आविष्कारक; हे जो सदा उदय होते हो और दृष्टियों से कभी अस्त न होते हो! हे सूर्य, जिनकी सहायता से मनुष्य मनुष्य को जन्म देता है, मैं तुझसे प्रार्थना करता हूँ कि तू मेरी सहायता करे और मेरे बुद्धि के अंधकार को दूर करे ताकि मैं महान सांचो पांजा के शासनकाल का सटीक विवरण दे सकूँ; क्योंकि तेरे बिना मैं स्वयं को दुर्बल, कमजोर और अनिश्चित महसूस करता हूँ।
तो सीधे मुद्दे पर आते हैं—सांचो अपने सभी साथियों के साथ लगभग एक हजार निवासियों वाले एक गाँव में पहुँचा, जो ड्यूक के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सबसे बड़े गाँवों में से एक था। उन्हें बताया गया कि इस गाँव का नाम बारातारिया द्वीप है, शायद इसलिए कि गाँव का नाम बारातारियो था, या फिर उस मज़ाक के कारण जिसके तहत उन्हें शासन सौंपा गया था। जब वे शहर के चारदीवारी वाले द्वार पर पहुँचे, तो नगर पालिका के लोग उनका स्वागत करने के लिए आगे आए, घंटियाँ बज उठीं और निवासियों ने पूर्ण संतुष्टि के भाव दिखाए; और बड़े धूमधाम से वे उन्हें मुख्य गिरजाघर ले गए ताकि वे ईश्वर का धन्यवाद कर सकें, और फिर एक हास्यास्पद समारोह के साथ उन्होंने उन्हें शहर की चाबियाँ सौंपी और उन्हें बारातारिया द्वीप का चिरस्थायी शासक घोषित किया। नए शासक की वेशभूषा, दाढ़ी और मोटा-ताज़ा शरीर उन सभी को आश्चर्यचकित कर गया जो गुप्त जानकारी में नहीं थे, और यहाँ तक कि उन सभी को भी जो गुप्त जानकारी में थे, और ऐसे लोग कम नहीं थे। अंत में, उन्हें गिरजाघर से बाहर ले जाकर न्यायपीठ पर बैठाया गया और ड्यूक के मुख्य प्रबंधक ने उनसे कहा, "हे माननीय राज्यपाल, इस द्वीप में यह एक प्राचीन प्रथा है कि जो भी इस प्रसिद्ध द्वीप पर अधिकार करने आता है, उसे एक प्रश्न का उत्तर देना होता है, जो कुछ पेचीदा और कठिन होता है; और उनके उत्तर से

लोग अपने नए राज्यपाल की बुद्धिमत्ता का अंदाजा लगाते हैं और तदनुसार उनका स्वागत या शोक व्यक्त करते हैं।"
जब मुख्य प्रबंधक यह भाषण दे रहा था, सांचो अपनी सीट के सामने वाली दीवार पर खुदे हुए कुछ बड़े अक्षरों को घूर रहा था। चूंकि वह पढ़ नहीं सकता था, इसलिए उसने पूछा कि दीवार पर क्या लिखा है। उत्तर मिला, "महोदय, यहाँ वह दिन लिखा और दर्ज है जिस दिन आपके आधिपत्य ने इस द्वीप पर अधिकार किया था, और शिलालेख में लिखा है, 'इस दिन, फलां महीने और वर्ष की फलां तारीख को, श्रीमान डॉन सांचो पांजा ने इस द्वीप पर अधिकार किया; वे अनेक वर्षों तक इसका आनंद लें।'"
"और वे किसे डॉन सांचो पांजा कहते हैं?" सांचो ने पूछा।
"महामहिम," मुख्य प्रबंधक ने उत्तर दिया; "इस द्वीप में उस कुर्सी पर बैठे हुए पांजा के अलावा कोई अन्य पांजा कभी नहीं आया है।"
"तो फिर सुनो भाई," सांचो ने कहा, "मेरे पास 'डॉन' की उपाधि नहीं है, न ही मेरे परिवार में किसी के पास कभी रही है; मेरा नाम सादा सांचो पांजा है, और सांचो मेरे पिता का नाम था, और सांचो मेरे दादा का नाम था, और वे सभी पांजा थे, बिना किसी 'डॉन' या 'डोना' के। मुझे लगता है कि इस द्वीप में पत्थरों से भी ज़्यादा 'डॉन' हैं; खैर छोड़ो; भगवान ही जानते हैं मेरा मतलब क्या है, और शायद अगर मेरा शासन चार दिन भी चला तो मैं इन 'डॉन' को खत्म कर दूंगा जो निस्संदेह मच्छरों की तरह ही परेशानी पैदा करते हैं, क्योंकि वे बहुत ज़्यादा हैं। मुख्य प्रबंधक को अपना सवाल जारी रखने दो, और मैं जनता की आपत्तियों की परवाह किए बिना, जितना हो सकेगा उतना अच्छा जवाब दूंगा।" उसी क्षण दो बूढ़े व्यक्ति अदालत में आए, एक के हाथ में छड़ी थी और दूसरे के पास छड़ी नहीं थी। उसने कहा, "महोदय, कुछ समय पहले मैंने इस भले आदमी को दस सोने के सिक्के उधार दिए थे, ताकि मैं उसका आभार व्यक्त कर सकूँ और उसकी मदद कर सकूँ। मैंने उससे ये सिक्के इस शर्त पर उधार लिए थे कि जब भी मैं उन्हें माँगूँ, वह मुझे लौटा देगा। काफी समय बीत गया, क्योंकि मैं उसे लौटाने के लिए और अधिक तंग नहीं करना चाहता था, जितनी तंगी में वह उधार देते समय था। लेकिन यह देखकर कि वह भुगतान में लापरवाही बरत रहा है, मैंने उससे कई बार सिक्के माँगे। अब वह न केवल सिक्के लौटा नहीं रहा है, बल्कि वह यह भी कहता है कि उस पर ये सिक्के बकाया नहीं हैं। वह कहता है कि मैंने उसे कभी कोई सिक्का उधार नहीं दिया था; या अगर दिया भी था, तो उसने चुका दिया

था। मेरे पास न तो उधार का कोई गवाह है और न ही भुगतान का, क्योंकि उसने मुझे कभी भुगतान नहीं किया। मैं चाहता हूँ कि आप उससे शपथ लें, और यदि वह शपथ लेकर कहता है कि उसने मुझे सिक्के लौटा दिए थे, तो मैं यहाँ और ईश्वर के सामने उसका ऋण माफ कर दूँगा।"
"इस बारे में आपका क्या कहना है, भले बूढ़े आदमी, लाठी वाले?" सांचो ने कहा। इस पर बूढ़े व्यक्ति ने उत्तर दिया, "मैं स्वीकार करता हूँ, महोदय, कि उसने मुझे वे वस्तुएँ उधार दी थीं; लेकिन कृपया अपनी छड़ी नीचे कर लें, और चूंकि उसने इसे मेरी शपथ पर छोड़ दिया है, मैं शपथ लेता हूँ कि मैंने उन्हें वापस कर दिया था, और वास्तव में उसे भुगतान कर दिया था।"
राज्यपाल ने अपना डंडा नीचे किया, और ऐसा करते ही डंडा पकड़े हुए बूढ़े व्यक्ति ने उसे दूसरे बूढ़े व्यक्ति को पकड़ने के लिए दे दिया और कसम खाते हुए कहा, मानो उसे वह रास्ते में ही मिल गया हो; फिर उसने डंडे के क्रॉस पर हाथ रखकर कहा कि यह सच है कि उससे मांगे गए दस मुकुट उसे उधार दिए गए थे; लेकिन उसने उन्हें अपने हाथों से दूसरे के हाथ में वापस दे दिया था, और वह यह बात भूलकर हमेशा उन्हें मांगता रहता था।
यह देखकर महान राज्यपाल ने लेनदार से पूछा कि उसके विरोधी की बातों का उसे क्या उत्तर देना है। उसने कहा कि निस्संदेह उसके देनदार ने सच कहा है, क्योंकि वह उसे एक ईमानदार और सच्चा ईसाई मानता है, और वह स्वयं भूल गया होगा कि उसने उसे कब और कैसे सिक्के वापस दिए थे; और अब से वह उससे कोई और मांग नहीं करेगा।
देनदार ने अपनी छड़ी फिर से उठाई और सिर झुकाकर अदालत से चला गया। यह देखकर, और यह देखकर कि वह बिना कुछ कहे चला गया, और वादी के धैर्य को देखकर, सांचो ने अपना सिर अपनी छाती में दबा लिया और कुछ देर तक गहरी सोच में डूबा रहा, अपने दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली माथे और नाक पर रखे हुए; फिर उसने सिर उठाया और उन्हें छड़ी वाले बूढ़े आदमी को वापस बुलाने के लिए कहा, क्योंकि वह जा चुका था। वे उसे वापस ले आए, और सांचो ने उसे देखते ही कहा, "ईमानदार आदमी, मुझे वह छड़ी दे दो, क्योंकि मुझे उसकी ज़रूरत है।"
"खुशी से," बूढ़े आदमी ने कहा; "यह लीजिए महोदय," और उसने उसे उसके हाथ में रख दिया।
सांचो ने उसे लिया और दूसरे बूढ़े आदमी को देते हुए कहा, "जाओ, और ईश्वर तुम्हारे साथ हो; क्योंकि अब तुम्हें भुगतान मिल गया है।"

"जी महाराज!" बूढ़े व्यक्ति ने जवाब दिया; "क्या यह छड़ी दस सोने के सिक्कों के बराबर है?"
“हाँ,” राज्यपाल ने कहा, “नहीं तो मैं दुनिया का सबसे बड़ा मूर्ख हूँ; अब देख लो कि क्या मुझमें पूरे राज्य पर शासन करने की बुद्धि है या नहीं;” और उसने सबके सामने छड़ी को दो टुकड़ों में तोड़ने का आदेश दिया। ऐसा ही हुआ, और उसके बीच में दस सोने के सिक्के मिले। सब आश्चर्यचकित रह गए और अपने राज्यपाल को दूसरा सुलेमान समझने लगे। उन्होंने उससे पूछा कि उसे यह कैसे पता चला कि दस सिक्के छड़ी में हैं; उसने उत्तर दिया कि शपथ लेने वाले बूढ़े व्यक्ति ने शपथ लेते समय अपने प्रतिद्वंद्वी को छड़ी दे दी थी और कसम खाई थी कि उसने सचमुच उसे सिक्के दिए हैं, और शपथ पूरी होते ही उसने छड़ी वापस माँगी, तो उसके मन में यह विचार आया कि माँगी गई राशि छड़ी के अंदर ही होगी; और उसने कहा कि इससे यह देखा जा सकता है कि ईश्वर कभी-कभी शासकों को उनके निर्णयों में मार्गदर्शन करता है, भले ही वे मूर्ख हों। इसके अलावा, उसने स्वयं अपने गाँव के पादरी को ठीक इसी तरह के एक और मामले का ज़िक्र करते सुना था, और उसकी याददाश्त इतनी अच्छी थी कि अगर वह हर वो बात न भूल जाता जो वह याद रखना चाहता था, तो पूरे द्वीप में किसी की भी ऐसी याददाश्त नहीं होती। अंत में, दोनों बूढ़े चले गए, एक निराश और दूसरा अत्यंत संतुष्ट। वहाँ मौजूद सभी लोग चकित थे, और जो सांचो के शब्दों, कार्यों और हरकतों को लिख रहा था, वह तय नहीं कर पा रहा था कि उसे मूर्ख समझे या समझदार।
जैसे ही यह मामला निपटा, अदालत में एक महिला आई, जो एक धनी पशु व्यापारी जैसे कपड़े पहने हुए आदमी को कसकर पकड़े हुए थी। वह जोर-जोर से चिल्लाते हुए बोली, "न्याय, माननीय न्यायाधीश, न्याय! और अगर मुझे यह धरती पर नहीं मिला तो मैं इसे स्वर्ग में ढूँढ़ूँगी। हे मेरी आत्मा के माननीय न्यायाधीश, इस दुष्ट व्यक्ति ने मुझे यहाँ खेतों के बीचोंबीच पकड़ा और मेरे शरीर को ऐसे इस्तेमाल किया जैसे वह कोई गंदा चिथड़ा हो, और हाय! उसने मुझसे वह सब छीन लिया जो मैंने इन तेईस वर्षों से अधिक समय तक मूरों और ईसाइयों, मूल निवासियों और अजनबियों के विरुद्ध रक्षा करते हुए बचाकर रखा था; और मैं हमेशा बलूत के पेड़ की तरह कठोर और आग में जलती हुई मछली या झाड़ियों में ऊन की तरह पवित्र रही, और अब यह भला आदमी साफ हाथों से मुझे छूने आया है!"

"यह साबित होना बाकी है कि इस बहादुर व्यक्ति के हाथ साफ हैं या नहीं," सांचो ने कहा; और उस आदमी की ओर मुड़कर उसने उससे पूछा कि महिला के आरोप के जवाब में उसे क्या कहना है।
उसने घबराकर जवाब दिया, "महोदय, मैं एक गरीब सुअर व्यापारी हूँ, और आज सुबह मैं गाँव से चार सुअर बेचने निकला था (आपकी उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए), और कर व शुल्क मिलाकर मुझे उनकी कीमत से थोड़ा कम ही मिला। गाँव लौटते समय रास्ते में मेरी मुलाकात इस महिला से हुई, और शैतान, जो हर बात को उलझा देता है, ने हम दोनों को एक साथ बांध दिया। मैंने उसे उचित कीमत दी, लेकिन वह संतुष्ट नहीं हुई और उसने मुझे पकड़ लिया और तब तक नहीं छोड़ा जब तक वह मुझे यहाँ नहीं ले आई; वह कहती है कि मैंने उसे मजबूर किया, लेकिन वह झूठ बोल रही है, मैं कसम खाता हूँ या कसम खाने को तैयार हूँ; और यही पूरी सच्चाई है, इसमें से एक-एक शब्द सच है।"
इस पर राज्यपाल ने उससे पूछा कि क्या उसके पास चांदी के सिक्के हैं; उसने कहा कि उसके सीने में चमड़े के थैले में लगभग बीस ड्यूकैट हैं। राज्यपाल ने उसे थैला निकालकर शिकायतकर्ता को देने को कहा; वह कांपते हुए आज्ञा का पालन किया; महिला ने थैला लिया और सभी को हज़ार सलाम करते हुए और दुखी अनाथों और कुंवारी कन्याओं के प्रति इतनी सहानुभूति रखने वाले वरिष्ठ राज्यपाल की दीर्घायु और स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए, दोनों हाथों में थैला पकड़े हुए दरबार से जल्दी से बाहर निकल गई, लेकिन पहले उसने यह देखा कि उसमें मौजूद सिक्के चांदी के हैं या नहीं।
उसके जाते ही सांचो ने उस पशु व्यापारी से कहा, जिसकी आँखों में आँसू आ रहे थे और जिसकी आँखें और दिल उसके बटुए की ओर बढ़ रहे थे, "भले आदमी, उस औरत के पीछे जाओ और उससे बटुए को ज़बरदस्ती छीन लो और उसे लेकर यहाँ वापस आओ;" और उसने यह बात किसी मूर्ख या बहरे से नहीं कही थी, क्योंकि वह आदमी बिजली की तरह तेज़ी से भागा और आदेश का पालन करने के लिए दौड़ पड़ा।
वहाँ खड़े सभी लोग मामले के अंत को देखने के लिए बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे, और थोड़ी देर बाद पुरुष और महिला पहले से भी अधिक करीब आ गए। महिला ने अपना पेटीकोट ऊपर उठा रखा था और पर्स उसकी गोद में था, जबकि पुरुष उससे पर्स छीनने के लिए पुरजोर संघर्ष कर रहा था, लेकिन सब व्यर्थ था, क्योंकि महिला का बचाव इतना दृढ़ था। वह लगातार चिल्ला रही थी, "ईश्वर और दुनिया से न्याय! देखिए, माननीय राज्यपाल महोदय, इस दुष्ट की निर्लज्जता और

दुस्साहस, जिसने शहर के बीचोंबीच, सड़क के बीचोंबीच, मुझसे वह पर्स छीनने की कोशिश की, जिसे आपने मुझे देने का आदेश दिया था।"
"और क्या उसने इसे लिया?" राज्यपाल ने पूछा।
"ले लो!" औरत बोली; "मैं अपनी जान गंवाना पसंद करूंगी, पर्स से पहले। मैं तो एक प्यारी बच्ची ही रहूंगी! मेरे सामने तो कोई और ही बिल्ली फेंकनी पड़ेगी, वो बेचारा बदमाश नहीं। चिमटे, हथौड़े, छेनी और गठ्ठे भी उसे मेरे हाथ से नहीं छुड़ा पाएंगे; नहीं, शेरों के पंजे भी नहीं; पहले तो मेरी आत्मा मेरे शरीर से निकल जाएगी!"
"वह सही कह रही है," उस आदमी ने कहा; "मैं खुद को हारा हुआ और शक्तिहीन मानता हूँ; मैं स्वीकार करता हूँ कि मुझमें उससे यह छीनने की ताकत नहीं है;" और उसने उसे छोड़ दिया।
इस पर राज्यपाल ने उस स्त्री से कहा, "मुझे वह बटुआ दिखाओ, मेरी नेक और बलवान सहेली।" उसने तुरंत उसे बटुआ राज्यपाल को सौंप दिया, और राज्यपाल ने उसे उस पुरुष को लौटा दिया और उस निडर, बलवान स्त्री से कहा, "बहन, अगर तुमने अपने शरीर की रक्षा में उतना ही, या उसका आधा भी, साहस और शक्ति दिखाई होती, जितना तुमने उस बटुआ की रक्षा में दिखाई है, तो हरक्यूलिस की शक्ति भी तुम्हें नहीं रोक पाती। यहाँ से चली जाओ, ईश्वर तुम्हारा भला करे, और तुम्हारा भाग्य खराब हो, और इस पूरे द्वीप में, या इसके किसी भी तरफ छह मील के दायरे में अपना चेहरा मत दिखाना, वरना तुम्हें दो सौ कोड़े मारे जाएँगे; मैं कहता हूँ, तुरंत यहाँ से चली जाओ, बेशर्म, धोखेबाज़ औरत।"
वह महिला सहमी हुई और सिर झुकाए निराश होकर चली गई; तब राज्यपाल ने उस आदमी से कहा, "ईमानदार आदमी, अपने पैसे लेकर घर जाओ, ईश्वर तुम्हारा भला करे; और भविष्य में, अगर तुम इसे खोना नहीं चाहते, तो ध्यान रखना कि किसी के साथ जुआ खेलने की गलती मत करना।" उस आदमी ने बड़ी बेढंगी तरह से धन्यवाद कहा और अपने रास्ते चला गया, और वहाँ खड़े लोग एक बार फिर अपने नए राज्यपाल के फैसलों और सजाओं की प्रशंसा करने लगे।
इसके बाद, दो आदमी, जिनमें से एक खेत मजदूर और दूसरा दर्जी लग रहा था (क्योंकि उसके हाथ में कैंची थी), उसके सामने पेश हुए। दर्जी ने कहा, "माननीय राज्यपाल महोदय, मैं और यह मजदूर आपके समक्ष इसलिए उपस्थित हैं क्योंकि कल एक ईमानदार आदमी मेरी दुकान पर आया था (सबकी इज्जत बचाने के लिए मैं एक सिद्ध दर्जी हूँ, ईश्वर का धन्यवाद), और उसने मेरे हाथों में

कपड़ा थमाकर पूछा, 'माननीय महोदय, क्या इस कपड़े से मेरे लिए एक टोपी बन पाएगी?' मैंने कपड़े को नापकर कहा कि हाँ, बन जाएगी। शायद उसे शक हुआ होगा— जैसा कि मैंने अनुमान लगाया था, और मेरा अनुमान सही निकला—कि मैं कपड़ा चुराना चाहता हूँ, उसकी अपनी धूर्तता और दर्जी के बारे में लोगों की बुरी राय के कारण; और उसने मुझसे कहा कि देखो क्या दो लोगों के लिए कपड़ा काफी होगा। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाह रहा होगा, और मैंने 'हाँ' कह दिया।" वह अपनी मूल तुच्छ धारणा पर अड़ा रहा और एक के बाद एक टोपी जोड़ता गया, और मैं बार-बार 'हाँ' कहती रही, जब तक कि कुल पाँच टोपियाँ नहीं हो गईं। अभी-अभी वह उन्हें लेने आया है; मैंने उसे टोपियाँ दे दीं, लेकिन वह मुझे बनाने का पैसा नहीं दे रहा; बल्कि इसके विपरीत, वह मुझसे पैसे माँग रहा है, अन्यथा वह अपना कपड़ा लौटा देगा।
"क्या यह सब सच है, भाई?" सांचो ने कहा।
"जी हां," उस आदमी ने जवाब दिया; "लेकिन क्या महाराज उससे वे पांच टोपियां दिखाने को कहेंगे जो उसने मेरे लिए बनाई हैं?"
"पूरे दिल से," दर्जी ने कहा; और अपने लबादे के नीचे से हाथ निकालकर उसने अपनी पाँचों उंगलियों पर चिपकी हुई पाँच टोपियाँ दिखाईं और कहा, "ये वो टोपियाँ हैं जो इस भले आदमी ने माँगी हैं; और भगवान की कसम और अपनी अंतरात्मा की कसम, मेरे पास अब एक टुकड़ा भी कपड़ा नहीं बचा है, और मैं इस काम की जाँच व्यापार के निरीक्षकों से करवा दूँगा।"
वहाँ मौजूद सभी लोग टोपियों की संख्या और सूट की नवीनता पर हँस पड़े; सांचो ने एक पल सोचा और फिर कहा, "मुझे लगता है कि इस मामले में लंबे-चौड़े तर्क देने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि एक ईमानदार आदमी की तरह सीधे-सीधे अपनी राय देना ही काफ़ी है; इसलिए मेरा फैसला है कि दर्जी को सिलाई का पैसा और मज़दूर को कपड़ा गंवाना पड़े, और ये टोपियाँ जेल में बंद कैदियों को दे दी जाएँ, और इस बारे में और कुछ न कहा जाए।"
यदि पशु व्यापारी के बटुए के बारे में पिछले फैसले ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया था, तो इस फैसले ने उन्हें हँसा दिया; फिर भी, राज्यपाल के आदेशों का अंततः पालन किया गया। यह सब उनके इतिहासकार द्वारा लिख लिया गया और तुरंत ड्यूक को भेज दिया गया, जो इसकी बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे; और आइए हम अच्छे सांचो को यहीं छोड़ दें; क्योंकि

[illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

46

अध्याय
डॉन क्विक्सोट को अल्टिसिडोरा के प्रेम निवेदन के दौरान घंटी और बिल्ली के भयानक डर का सामना करना पड़ा था।
हमने डॉन क्विक्सोट को प्रेम में डूबी दासी अल्टिसिडोरा के संगीत से उत्पन्न विचारों में डूबा हुआ छोड़ दिया था। वह उन्हीं विचारों में खोया हुआ बिस्तर पर गया, और पिस्सूओं की तरह वे उसे सोने या एक पल भी आराम करने नहीं दे रहे थे, और उसके मोजों के टूटे हुए टांके भी इसमें सहायक थे। लेकिन समय बहुत तेज़ी से बीतता है और कोई भी बाधा उसे रोक नहीं सकती, वह घंटों के साथ आगे बढ़ा, और सुबह बहुत जल्दी आ गई। यह देखकर डॉन क्विक्सोट ने अपने मुलायम मोजों को त्याग दिया, और बिना किसी आलस के, अपने चमड़े के सूट को पहना और अपने मोजों की इस बदहाली को छिपाने के लिए यात्रा के जूते पहन लिए। उसने अपने ऊपर अपना लाल लबादा ओढ़ा, अपने सिर पर चांदी की किनारी से सजी हरे मखमल की टोपी डाली, अपने कंधे पर अपनी अच्छी तेज तलवार के साथ कमरबंद डाला, अपने साथ हमेशा रहने वाली एक बड़ी माला उठाई, और बड़ी गंभीरता और सधे हुए कदमों से उस कक्ष की ओर बढ़ा जहाँ ड्यूक और डचेस पहले से ही तैयार होकर उसका इंतजार कर रहे थे। लेकिन जैसे ही वह एक गैलरी से गुजरा, अल्टिसिडोरा और उसकी सहेली, जो दूसरी युवती थी, उसका इंतजार कर रही थीं, और जैसे ही अल्टिसिडोरा ने उसे देखा, उसने बेहोश होने का नाटक किया, जबकि उसकी सहेली ने उसे अपनी गोद में पकड़ लिया और जल्दी से उसकी पोशाक के सीने के फीते खोलने लगी।
डॉन क्विक्सोट ने इसे देखा और उनके पास जाकर कहा, "मैं अच्छी तरह जानता हूं कि यह दौरा किस कारण से पड़ रहा है।"
“मुझे नहीं पता किस बात से,” मित्र ने उत्तर दिया, “क्योंकि अल्टिसिडोरा इस पूरे घर में सबसे स्वस्थ युवती है, और जब से मैं उसे जानता हूँ, मैंने उसे कभी शिकायत करते नहीं सुना। अगर दुनिया के सभी वीर योद्धा कृतघ्न हैं, तो उन पर लानत हो! चले जाइए, श्रीमान डॉन क्विक्सोट; क्योंकि जब तक आप यहाँ रहेंगे, यह बेचारी बच्ची ठीक नहीं हो पाएगी।”
इस पर डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "हे महोदया, कृपया आज रात मेरे कमरे में एक वीणा रख दीजिए; और मैं इस बेचारी युवती को अपनी पूरी शक्ति से सांत्वना

दूंगा; क्योंकि प्रेम के शुरुआती दौर में शीघ्र मोहभंग एक कारगर उपाय है;" और इतना कहकर वह वहाँ से चला गया, ताकि उसे वहाँ देखने वाले किसी की नज़र उस पर न पड़े।
उसके जाने के तुरंत बाद ही, अल्टिसिडोरा बेहोशी से उबरते हुए अपने साथी से बोली, "वीणा यहीं छोड़नी होगी, क्योंकि डॉन क्विक्सोट हमें कुछ संगीत सुनाने का इरादा रखता है; और चूंकि यह उसकी है, तो यह बुरी नहीं होगी।"
वे तुरंत डचेस को सारी बात बताने गए, और डॉन क्विक्सोट द्वारा मांगे गए वीणा के बारे में भी बताया। डचेस अत्यंत प्रसन्न हुई और उसने ड्यूक और अपनी दो दासियों के साथ मिलकर डॉन क्विक्सोट के साथ एक ऐसी शरारत करने की योजना बनाई जो मनोरंजक तो हो लेकिन नुकसानदेह न हो। वे बड़े हर्षोल्लास से रात का इंतजार करने लगे, जो दिन की तरह ही जल्दी आ गई। दिन के दौरान ड्यूक और डचेस ने डॉन क्विक्सोट के साथ मनमोहक बातचीत की।
जब ग्यारह बजे, डॉन क्विक्सोट को अपने कमरे में एक गिटार मिला; उसने उसे बजाकर देखा, खिड़की खोली और पाया कि कुछ लोग बगीचे में टहल रहे थे; उसने गिटार के फ्रेट्स पर अपनी उंगलियां फिराईं और जितना हो सके उसे ट्यून किया, फिर थूका और अपनी छाती साफ की, और थोड़ी कर्कश लेकिन सुरीली आवाज में, उसने निम्नलिखित गीत गाया, जिसे उसने उसी दिन स्वयं रचा था:
{श्लोक
सर्वशक्तिमान प्रेम कन्याओं के हृदयों को मोह लेता है
विचलित और भ्रमित करता है,
और वह जिस उपकरण का उपयोग करता है
सबसे ज्यादा आलस्य है।
सिलाई, टाँके लगाना, कोई भी श्रम कार्य,
हमेशा काम करने को रहता है,
प्रेम द्वारा फैलाए गए विष के लिए क्या यह प्रतिकार सबसे कारगर है?
और विवेकशील युवतियों के लिए
जो महिला का नाम चाहते हैं
विनम्रता विवाह का एक हिस्सा है। विनम्रता ही उनकी सर्वोच्च प्रशंसा है। विवेक और समझदारी वाले पुरुष,

दरबारी प्रसन्न और वीर योद्धा थे,
उन चंचल युवतियों के साथ समय बिताना,
लेकिन विनम्र स्वभाव वाले लोग पत्नी को अपना लेते हैं। कुछ भावनाएँ क्षणभंगुर और अस्थिर होती हैं।
सराय में प्रेम का इजहार किया गया,
सूर्योदय का प्यार, सूर्यास्त के साथ समाप्त हुआ,
जब अतिथि अपने रास्ते चला जाए।
वह प्रेम जो अचानक और तेजी से उत्पन्न होता है,
आज यहाँ, कल उड़ जाऊँगा
गुजर जाता है, अपने पीछे कोई निशान नहीं छोड़ता। आत्मा पर कोई छाप नहीं छोड़ता।
एक पेंटिंग पर दूसरी पेंटिंग लगाई जाती है
कोई प्रदर्शन या आडंबर नहीं करता;
जहां एक ही सुंदरता का अधिकार है
वहाँ कोई और चीज जड़ नहीं पकड़ सकती। डुलसीनिया डेल टोबोसो
मेरे हृदय पर अंकित है;
इसकी गोलियों से कभी नहीं, कभी नहीं। क्या उसकी छवि को मिटाया जा सकता है?
प्रेमियों में सभी गुणों का होना
सबसे प्रशंसनीय है स्थिरता;
इसी से प्रेम चमत्कार करता है।
इससे वे आकाश तक पहुंच जाते हैं।
{श्लोक
डॉन क्विक्सोट अपना गीत गाते-गाते काफी आगे बढ़ चुका था, जिसे ड्यूक, डचेस, अल्टिसिडोरा और महल के लगभग सभी लोग सुन रहे थे। तभी अचानक उसकी खिड़की के ठीक ऊपर वाली गैलरी से सौ से अधिक घंटियों वाली एक रस्सी नीचे गिराई गई और उसके तुरंत बाद बिल्लियों से भरा एक बड़ा बोरा भी गिरा दिया गया, जिनकी पूंछों पर भी छोटी-छोटी घंटियाँ बंधी थीं। घंटियों की इतनी तेज आवाज और बिल्लियों की इतनी चीख-पुकार हुई कि हालांकि ड्यूक और डचेस इस मजाक के रचयिता थे, वे भी चौंक गए, जबकि डॉन क्विक्सोट डर से जम सा गया। संयोगवश,

दो-तीन बिल्लियाँ उसके कमरे की जाली से अंदर घुस आईं और इधर-उधर भागने लगीं, जिससे ऐसा लग रहा था मानो कमरे में शैतानों की पूरी सेना घूम रही हो। उन्होंने कमरे में जल रही मोमबत्तियों को बुझा दिया और भागने का रास्ता खोजने के लिए इधर-उधर भागने लगे; बड़ी घंटियों वाली रस्सी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। महल के अधिकांश लोग, असलियत न जानते हुए, आश्चर्य से व्याकुल थे। डॉन क्विक्सोट उछलकर खड़ा हुआ और तलवार निकालकर जाली पर वार करने लगा, चिल्लाते हुए बोला, "दूर हो जाओ, दुष्ट जादूगरों! दूर हो जाओ, जादू-टोना करने वाले बदमाशों! मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, जिस पर तुम्हारी बुरी चालें न तो कारगर हैं और न ही कोई शक्ति रखती हैं।" कमरे में इधर-उधर भाग रही बिल्लियों की ओर मुड़कर उसने उन पर कई वार किए। वे जाली की ओर दौड़ीं और उससे बच निकलीं, सिवाय एक बिल्ली के, जो डॉन क्विक्सोट की तलवार के वार से बुरी तरह दब गई और उसके चेहरे पर झपटी और उसकी नाक को दांतों से जकड़ लिया, जिससे वह दर्द से कराहने लगा। यह सुनकर ड्यूक और डचेस समझ गए कि क्या हो रहा है, और वे तुरंत उसके कमरे की ओर दौड़े। जब बेचारा सज्जन अपने चेहरे से बिल्ली को हटाने के लिए पूरी ताकत लगा रहा था, तो उन्होंने मास्टर-की से दरवाजा खोला और रोशनी जलाकर अंदर गए और उस असमान लड़ाई को देखा। ड्यूक लड़ने वालों को अलग करने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन डॉन क्विक्सोट जोर से चिल्लाया, "कोई इसे मुझसे न छीने; मुझे इस राक्षस, इस जादूगर, इस तांत्रिक से आमने-सामने लड़ने दो; मैं इसे, खुद, सबक सिखाऊंगा कि ला मांचा का डॉन क्विक्सोट कौन है।" हालांकि, बिल्ली ने इन धमकियों की परवाह न करते हुए गुर्राया और चिपकी रही; लेकिन अंत में ड्यूक ने उसे खींचकर खिड़की से बाहर फेंक दिया। डॉन क्विक्सोट का चेहरा छलनी की तरह छेदों से भरा हुआ था और उसकी नाक की हालत भी खराब थी। वह बहुत नाराज था कि उन्होंने उसे उस दुष्ट जादूगर के साथ इतनी बहादुरी से लड़ी गई लड़ाई को खत्म नहीं करने दिया। उन्होंने जॉन्स वॉर्ट का तेल मंगवाया, और अल्टिसिडोरा ने स्वयं अपने सुंदर हाथों से सभी ज़ख्मों पर पट्टियाँ बाँधीं; और ऐसा करते हुए उसने धीमी आवाज़ में उससे कहा, "हे कठोर हृदय वाले योद्धा, ये सभी विपत्तियाँ तेरे असंवेदनशीलता और हठ के पाप के कारण तुझ पर आई हैं; और ईश्वर करे कि तेरा सहायक सांचो खुद को कोड़े मारना भूल जाए, ताकि तेरी प्रिय डुलसीनिया कभी भी उसके जादू से मुक्त न हो, और तू कभी भी

उसके बिस्तर पर न जा पाए, कम से कम जब तक मैं, जो तुझे प्यार करती हूँ, जीवित हूँ।"
इन सब बातों पर डॉन क्विक्सोट ने गहरी आहें भरने के अलावा कोई जवाब नहीं दिया और फिर अपने बिस्तर पर लेट गया। उसने ड्यूक और डचेस को उनकी दयालुता के लिए धन्यवाद दिया, इसलिए नहीं कि उसे बिल्ली के रूप में घंटियाँ बजाने वाले जादूगरों के उस समूह से कोई डर था, बल्कि इसलिए कि उसने उनकी मदद के लिए आने के नेक इरादे को पहचाना। ड्यूक और डचेस उसे आराम करने के लिए छोड़कर चले गए, मज़ाक के दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम से बहुत दुखी थे; क्योंकि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह घटना डॉन क्विक्सोट पर इतना भारी पड़ेगी या उसे इतना महंगा पड़ेगा, क्योंकि इसके कारण उसे पाँच दिन बिस्तर पर पड़े रहना पड़ा, इस दौरान उसका एक और रोमांचक अनुभव हुआ, जो पहले वाले से कहीं अधिक सुखद था, जिसका वर्णन उसका इतिहासकार अभी नहीं करेगा ताकि वह अपना ध्यान सांचो पांजा पर केंद्रित कर सके, जो अपने शासन में बड़ी लगन और विनोदपूर्ण ढंग से काम कर रहा था।

47

अध्याय
इसमें सांचो पांजा के शासनकाल के दौरान उनके आचरण का विवरण जारी है। इतिहास कहता है कि न्याय अदालत से सांचो को एक भव्य महल में ले जाया गया, जहाँ एक विशाल कक्ष में शाही वैभव से सजी मेज थी। सांचो के कमरे में प्रवेश करते ही तुरही बज उठी और चार सेवक आगे आए और उनके हाथों के लिए पानी पेश किया, जिसे सांचो ने बड़े सम्मान के साथ ग्रहण किया। संगीत बंद हो गया और सांचो मेज के शीर्ष पर बैठ गए, क्योंकि वहाँ केवल एक ही आसन था और एक ही चादर बिछी थी। एक व्यक्ति, जो बाद में चिकित्सक के रूप में प्रकट हुआ, व्हेल की हड्डी से बनी छड़ी हाथ में लिए उनके बगल में खड़ा हो गया। फिर उन्होंने फलों और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से ढके एक महीन सफेद कपड़े को उठाया; एक छात्र जैसे दिखने वाले व्यक्ति ने प्रार्थना की और एक सेवक ने सांचो के गले में फीते वाली बिब पहनाई, जबकि एक अन्य सेवक, जो सिर तराशने वाले की भूमिका निभा रहा था, ने उनके सामने फलों की एक थाली रखी। लेकिन जैसे ही उन्होंने एक निवाला चखा, छड़ी वाले व्यक्ति ने थाली को छुआ और वे उसे अत्यंत शीघ्रता से उनके सामने से ले गए। लेकिन मांस काटने वाला उसके

लिए एक और व्यंजन ले आया, और सांचो ने उसे चखने की कोशिश की; लेकिन इससे पहले कि वह उसे चख पाता, जादू की छड़ी ने उसे छू लिया और एक नौकर उसे फल की तरह ही तेज़ी से उठाकर ले गया। यह देखकर सांचो अचंभित हो गया और एक-दूसरे से पूछने लगा कि क्या यह भोजन जादूगरी के करतब की तरह खाया जाना है।
इस पर उसने छड़ी से उत्तर दिया, "महामहिम राज्यपाल, इसे नहीं खाना चाहिए, सिवाय इसके कि अन्य द्वीपों में जहाँ राज्यपाल होते हैं, वहाँ इसका सेवन सामान्य और प्रथागत हो। मैं, महामहिम, एक चिकित्सक हूँ और इस द्वीप में राज्यपालों की सेवा करने के लिए मुझे वेतन मिलता है। मैं अपने स्वास्थ्य से कहीं अधिक उनके स्वास्थ्य की चिंता करता हूँ, दिन-रात अध्ययन करता हूँ और राज्यपाल के स्वास्थ्य को भलीभांति समझता हूँ, ताकि बीमार पड़ने पर उनका इलाज कर सकूँ। मेरा मुख्य कार्य उनके भोजन और रात्रि भोज में उपस्थित रहना और उन्हें वही खाने देना है जो मुझे उनके लिए उपयुक्त लगता है, और उन्हें वह खाने से रोकना है जो मुझे लगता है कि उनके लिए हानिकारक और उनके पेट के लिए नुकसानदायक होगा; इसलिए मैंने फलों की उस थाली को हटाने का आदेश दिया क्योंकि वह बहुत गीली थी, और उस दूसरे व्यंजन को भी हटाने का आदेश दिया क्योंकि वह बहुत गर्म था और उसमें प्यास बढ़ाने वाले कई मसाले थे; क्योंकि जो अधिक पीता है वह उस मूल नमी को नष्ट कर देता है जिसमें जीवन निहित है।"
"तो फिर," सांचो ने कहा, "वहाँ भुने हुए तीतरों का वह व्यंजन जो इतना स्वादिष्ट लग रहा है, उससे मुझे कोई नुकसान नहीं होगा।"
इस पर चिकित्सक ने उत्तर दिया, "जब तक मैं जीवित रहूंगा, मेरे स्वामी, राज्यपाल इनमें से कुछ भी नहीं खाएंगे।"
"ऐसा क्यों?" सांचो ने कहा।
डॉक्टर ने जवाब दिया, "क्योंकि हमारे गुरु हिप्पोक्रेट्स, जो चिकित्सा के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं, अपने एक सूत्र में कहते हैं, 'omnis saturatio mala, perdicis autem pessima', जिसका अर्थ है 'सभी प्रकार की तृप्ति बुरी होती है, लेकिन तीतर की तृप्ति सबसे बुरी होती है।'"
"तो फिर," सांचो ने कहा, "वरिष्ठ चिकित्सक महोदय मेज पर रखे व्यंजनों में से वह व्यंजन चुनें जो मेरे लिए सबसे अधिक लाभदायक और सबसे कम हानिकारक हो, और मुझे उसे बिना अपनी छड़ी से छुए खाने दें; क्योंकि राज्यपाल की कसम, और ईश्वर करे कि मैं इसका आनंद उठा सकूँ, मैं भूख से मर रहा हूँ; और चिकित्सक

महोदय चाहे कुछ भी कहें, मुझे भोजन से वंचित करना मेरे जीवन को लंबा करने के बजाय उसे समाप्त करने का तरीका है।"
"महामहिम राज्यपाल जी, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं," चिकित्सक ने कहा; "इसलिए, मेरी राय में, आपको वहाँ पके हुए खरगोशों का वह मांस नहीं खाना चाहिए, क्योंकि वह रोएँदार भोजन है; यदि वह बछड़े का मांस भुना हुआ न होता और अचार के साथ न परोसा जाता, तो आप उसे चख सकते थे; लेकिन यह संभव नहीं है।" "दूर से धुआं निकलता हुआ वह बड़ा बर्तन मुझे एक ओला पोड्रिडा (गर्म पानी का बर्तन) लगता है, और ऐसे बर्तनों में मिलने वाली विभिन्न प्रकार की चीजों में से, मुझे कुछ न कुछ स्वादिष्ट और मेरे लिए अच्छा जरूर मिल जाएगा।" “बिल्कुल नहीं,” डॉक्टर ने कहा; “ऐसा कोई भी घटिया विचार हमारे मन में न आए! दुनिया में ओला पोड्रिडा से कम पौष्टिक कुछ भी नहीं है; पादरियों, महाविद्यालयों के पुरोहितों या किसानों की शादियों में तो ओला पोड्रिडा का मज़ा लिया जा सकता है, लेकिन राज्यपालों की मेज़ पर इसे बिल्कुल न रखें, जहाँ हर व्यंजन स्वादिष्ट और परिष्कृत होना चाहिए; और इसका कारण यह है कि हमेशा, हर जगह और हर कोई, साधारण दवाओं को मिश्रित दवाओं से ज़्यादा महत्व देता है, क्योंकि साधारण दवाओं में गलती होने की संभावना कम होती है, जबकि मिश्रित दवाओं में, केवल सामग्री की मात्रा बदलने से ही गलती हो सकती है। लेकिन मेरी राय में राज्यपाल को अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने और उसे मज़बूत करने के लिए सौ-सात वेफर केक और क्विंस के कुछ पतले स्लाइस खाने चाहिए, जो उनके पेट को आराम देंगे और पाचन में मदद करेंगे।”
यह सुनकर सांचो अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गया और डॉक्टर को ध्यान से देखते हुए गंभीर स्वर में उनसे उनका नाम और उन्होंने कहाँ से पढ़ाई की है, यह पूछा।
उन्होंने उत्तर दिया, "मेरा नाम, माननीय गवर्नर, डॉक्टर पेड्रो रेसियो डी एगुएरो है। मैं काराकुएल और अल्मोडोवर डेल कैम्पो के बीच दाहिनी ओर स्थित तिरतेफुएरा नामक स्थान का मूल निवासी हूं, और मैंने ओसुना विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है।"
इस पर गुस्से से लालायित सांचो ने जवाब दिया, "तो डॉक्टर पेड्रो रेसियो डी मालागुएरो, जो तिरतेफुएरा के मूल निवासी हैं (काराकुएल से अल्मोडोवर डेल कैम्पो जाते समय दाहिनी ओर स्थित), और ओसुना के स्नातक हैं, तुरंत मेरे सामने से चले जाएं; वरना मैं सूर्य की कसम खाता हूँ कि मैं लाठी उठाऊंगा और

उसे पीट-पीट कर पूरे द्वीप में एक भी डॉक्टर नहीं छोडूंगा; कम से कम उन डॉक्टरों को तो नहीं जिन्हें मैं अज्ञानी मानता हूँ; क्योंकि विद्वान, बुद्धिमान और समझदार चिकित्सकों को मैं ईश्वर के समान आदर और सम्मान देता हूँ। मैं फिर कहता हूँ कि पेड्रो रेसियो यहाँ से चले जाएं वरना मैं जिस कुर्सी पर बैठा हूँ उसे उठाकर उनके सिर पर तोड़ दूंगा। और अगर वे मुझसे इसका हिसाब मांगते हैं, तो मैं यह कहकर अपना बचाव करूंगा कि मैंने एक बुरे डॉक्टर—एक जल्लाद—को मारकर ईश्वर की सेवा की। और अब मुझे कुछ खाने को दो, वरना अपनी सरकार अपने हाथ में ले लो; क्योंकि जो धंधा मालिक का पेट नहीं भरता, उसकी कोई कीमत नहीं।"
राज्यपाल को इस तरह क्रोधित देखकर डॉक्टर घबरा गया और वह कमरे में हंगामा मचाने ही वाला था कि तभी गली में एक पोस्ट-हॉर्न की आवाज सुनाई दी; और खिड़की से सिर बाहर निकालकर मूर्तिकार ने मुड़कर कहा, "यह मेरे स्वामी ड्यूक का संदेशवाहक है, निस्संदेह किसी महत्वपूर्ण संदेश के साथ।" संदेशवाहक पसीने से तरबतर और घबराया हुआ आया और अपनी छाती से एक कागज़ निकालकर राज्यपाल के हाथों में रख दिया। सांचो ने वह कागज़ मुख्य प्रबंधक को सौंप दिया और उसे उस पर लिखे संदेश को पढ़ने को कहा, जो इस प्रकार था: डॉन सांचो पांज़ा, बारातारिया द्वीप के राज्यपाल, को, उनके अपने हाथों या उनके सचिव के हाथों। यह सुनकर सांचो ने कहा, "तुममें से कौन मेरा सचिव है?" उपस्थित लोगों में से एक ने कहा, "मैं हूँ, महोदय, क्योंकि मैं पढ़-लिख सकता हूँ और बिस्केयन हूँ।" सांचो ने कहा, "इस बात को जोड़कर, तुम स्वयं सम्राट के सचिव हो सकते हो; इस कागज़ को खोलकर देखो कि इसमें क्या लिखा है।" नवजात सचिव ने आज्ञा का पालन किया और उसे पढ़कर कहा कि यह मामला निजी तौर पर चर्चा करने योग्य है। सांचो ने कक्ष खाली करने का आदेश दिया, केवल मुख्य प्रबंधक और नक्काशीदार ही शेष रहे; इसलिए डॉक्टर और अन्य लोग चले गए, और फिर सचिव ने पत्र पढ़ा, जो इस प्रकार था:
मुझे पता चला है, सेनोर डॉन सांचो पांजा, कि मेरे और द्वीप के कुछ शत्रु किसी रात, पता नहीं कब, इस पर भयंकर हमला करने वाले हैं। आपको सतर्क रहना चाहिए और निगरानी रखनी चाहिए, ताकि वे आपको अचानक घेर न लें। मुझे विश्वसनीय सूत्रों से यह भी पता चला है कि चार लोग भेस बदलकर शहर में घुस आए हैं ताकि आपकी जान ले सकें, क्योंकि वे आपकी महान क्षमता से भयभीत हैं; अपनी आँखें खुली रखें और सावधान रहें कि कौन आपसे बात करने आता है, और जो

कुछ भी आपको परोसा जाए उसे न खाएं। यदि आप किसी कठिनाई में हों तो मैं आपकी सहायता भेजने का प्रबंध करूंगा, लेकिन हर बात में आपको अपने विवेक के अनुसार कार्य करना होगा। इस स्थान से, सोलह अगस्त, सुबह चार बजे।
आपके दोस्त,
ड्यूक
सांचो चकित रह गया, और आस-पास खड़े लोगों ने भी ऐसा ही होने का नाटक किया। उसने मुख्य प्रबंधक की ओर मुड़कर कहा, "हमें सबसे पहले जो करना है, और वह तुरंत करना होगा, वह है डॉक्टर रेसियो को जेल में डालना; क्योंकि अगर कोई मुझे मारना चाहता है तो वह यही है, और वह भी धीमी मौत से, और सबसे बुरी मौत, यानी भूख से।"
“इसी प्रकार,” नक्काशीकार ने कहा, “मेरी राय में आपको इस मेज पर रखी कोई भी वस्तु नहीं खानी चाहिए, क्योंकि यह सब कुछ ननों द्वारा उपहार स्वरूप दी गई थी; और जैसा कि वे कहती हैं, 'क्रॉस के पीछे शैतान छिपा होता है।'”
"मैं इससे इनकार नहीं करता," सांचो ने कहा; तो फिलहाल मुझे रोटी का एक टुकड़ा और लगभग चार पौंड अंगूर दे दीजिए; इनमें कोई ज़हर नहीं हो सकता; क्योंकि सच तो यह है कि मैं बिना खाए नहीं रह सकता; और अगर हमें इन मंडराते युद्धों के लिए तैयार रहना है तो हमें अच्छी तरह से रसद की ज़रूरत होगी; क्योंकि दिल दिल में नहीं, आंत में होता है। और आप, सचिव, मेरे स्वामी ड्यूक को उत्तर दीजिए और उन्हें बता दीजिए कि उनके सभी आदेशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा, जैसा वे निर्देश देंगे; और मेरी ओर से मेरी पत्नी डचेस को कहिए कि मैं उनके हाथ चूमता हूँ, और उनसे विनती करता हूँ कि वे मेरे पत्र और बंडल को मेरी पत्नी टेरेसा पांज़ा को दूत द्वारा भेजना न भूलें; मैं इसे एक बड़ी कृपा मानूंगा और अपनी पूरी शक्ति से उनकी सेवा करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा; और जब आप यह कर रहे हों तो मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट को भी हाथ चूमने का एक संदेश भेज दीजिए ताकि उन्हें पता चले कि मैं रोटी के लिए आभारी हूँ; और एक अच्छे सचिव और एक अच्छे बिस्केयन होने के नाते आप जो चाहें और जो सबसे अच्छा लगे, वह जोड़ सकते हैं; और अब इस कपड़े को हटा दीजिए और दीजिए मुझे कुछ खाने को दे दो, और मैं उन सभी जासूसों, हत्यारों और जादूगरों का सामना करने के लिए तैयार हो जाऊंगा जो मेरे या मेरे द्वीप के खिलाफ आ सकते हैं।"

इसी क्षण एक सेवक ने प्रवेश किया और कहा, "यहाँ एक किसान व्यापार के सिलसिले में आया है, जो आपसे एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले पर बात करना चाहता है।"
सांचो ने कहा, "इन कामगारों का व्यवहार बहुत अजीब है; क्या ये इतने मूर्ख हो सकते हैं कि ये न समझें कि इस समय काम पर आना ठीक नहीं है? हम शासक और न्यायाधीश, क्या हम भी हाड़-मांस के बने इंसान नहीं हैं, और क्या हमें आराम करने का समय नहीं मिलना चाहिए, वरना हमें संगमरमर का बना देना चाहिए? ईश्वर की कसम और अपनी अंतरात्मा की कसम, अगर सरकार मेरे हाथों में रही (जिसके बारे में मेरा मानना है कि ऐसा नहीं होगा), तो मैं काम पर आए एक से ज़्यादा लोगों को सबक सिखाऊंगा। खैर, इस भले आदमी को अंदर आने के लिए कहो; लेकिन सबसे पहले यह सुनिश्चित कर लेना कि वह कोई जासूस या मेरा हत्यारा न हो।"
"नहीं, मेरे स्वामी," सेवक ने कहा, "क्योंकि वह एक सीधा-सादा आदमी लगता है, और या तो मुझे उसके बारे में बहुत कम जानकारी है या वह बिल्कुल भला-बुरा है।"
"डरने की कोई बात नहीं है," मुख्य प्रबंधक ने कहा, "क्योंकि हम सब यहीं हैं।"
सांचो ने कहा, "क्या यह संभव होगा, नक्काशी करने वाले, कि अब जब डॉक्टर पेड्रो रेसियो यहाँ नहीं हैं, तो मुझे कुछ ठोस और पौष्टिक खाने को दिया जाए, भले ही वह रोटी का एक टुकड़ा और एक प्याज ही क्यों न हो?"
"आज रात भोजन के समय," मांस काटने वाले ने कहा, "भोजन की कमियों को दूर कर दिया जाएगा, और महाराज पूरी तरह से संतुष्ट होंगे।"
"ईश्वर करे ऐसा ही हो," सांचो ने कहा।
अब किसान अंदर आया, एक सुंदर दिखने वाला आदमी जिसे दूर से ही देखकर कोई भी बता सकता था कि वह ईमानदार और नेक इंसान है। उसने सबसे पहले पूछा, "यहाँ का लॉर्ड गवर्नर कौन है?"
सचिव ने कहा, "वह कौन हो सकता है, सिवाय उसके जो कुर्सी पर बैठा हो?"
“तब मैं उनके सामने नतमस्तक होता हूँ,” किसान ने कहा; और घुटनों के बल बैठकर उनका हाथ चूमने के लिए माँगा। सांचो ने मना कर दिया और उसे खड़े होकर अपनी बात कहने को कहा। किसान ने बात मान ली और फिर बोला, “मैं किसान हूँ,

महोदय, मिगुएल्टुरा गाँव का निवासी हूँ, जो स्यूदाद रियल से दो मील दूर है।”
"एक और तिरतेफुएरा!" सांचो ने कहा; "बताओ भाई; मैं मिगुएल्टुरा को बहुत अच्छी तरह जानता हूँ, मैं तुम्हें बता सकता हूँ, क्योंकि यह मेरे अपने शहर से बहुत दूर नहीं है।"
“महामहिम, मामला यह है कि ईश्वर की कृपा से मेरा विवाह पवित्र रोमन कैथोलिक चर्च की अनुमति और लाइसेंस से हुआ है; मेरे दो बेटे हैं, जो छात्र हैं; छोटा बेटा कुंवारा बनने की पढ़ाई कर रहा है, और बड़ा बेटा स्नातक बनने की; मैं विधवा/विधुर हूँ, क्योंकि मेरी पत्नी का निधन हो गया, या यूँ कहूँ कि एक बुरे डॉक्टर ने उसे मेरे हाथों मार डाला, जब वह गर्भवती थी तब उसे दस्त की दवा दे दी; और अगर ईश्वर की इच्छा होती कि बच्चा पैदा होता और लड़का होता, तो मैं उसे डॉक्टर बनने की पढ़ाई के लिए भेज देता, ताकि वह अपने कुंवारे और स्नातक भाइयों से ईर्ष्या न करे।”
"ताकि अगर तुम्हारी पत्नी की मृत्यु न हुई होती, या उसकी हत्या न हुई होती, तो तुम अब विधवा न होते," सांचो ने कहा।
"नहीं, महोदय, बिल्कुल नहीं," किसान ने कहा।
"इतना तो तय हो गया है," सांचो ने कहा; "चलो भाई, अब सोने का समय है, काम का नहीं।"
“तो फिर,” किसान ने कहा, “मेरा यह बेटा, जो कुंवारा रहने वाला है, उक्त कस्बे में क्लारा पर्लेरिना नाम की एक युवती से प्रेम कर बैठा, जो बहुत धनी किसान आंद्रेस पर्लेरिनो की पुत्री है; और यह पर्लेरिना नाम उन्हें वंश या खानदानी परंपरा से नहीं मिला है, बल्कि इसलिए कि पूरा परिवार लकवाग्रस्त है, और बेहतर नाम के लिए उन्होंने अपना नाम पर्लेरिना रख लिया है; हालांकि सच कहूं तो वह युवती पूर्वी मोती की तरह सुंदर है, और दाहिनी ओर से देखने पर खेत के फूल जैसी लगती है; बाईं ओर से उतनी सुंदर नहीं, क्योंकि उस तरफ उसकी एक आंख चेचक के कारण खराब हो गई है; और हालांकि उसका चेहरा गहरे गड्ढों से भरा है, जो लोग उससे प्यार करते हैं वे कहते हैं कि ये गड्ढे नहीं हैं, बल्कि वे कब्रें हैं जिनमें उसके प्रेमियों के दिल दफन हैं। वह इतनी साफ-सुथरी है कि अपना चेहरा गंदा न करने के लिए वह अपनी नाक ऊपर की ओर रखती है, जैसा कि लोग कहते हैं, जिससे ऐसा लगता है मानो वह उसके मुंह से निकल रही हो; और इन सब के बावजूद वह बेहद खूबसूरत दिखती है, क्योंकि उसका

चेहरा चौड़ा है। मुंह; और अगर उसके दस-बारह दांत और दाँत न होते तो वह सबसे सुंदर स्त्री से भी तुलना कर सकती थी। उसके होंठों के बारे में मैं कुछ नहीं कहूँगा, क्योंकि वे इतने कोमल और पतले हैं कि अगर उन्हें लपेटा जा सके तो उनसे एक धागा बनाया जा सकता है; लेकिन आम होंठों से अलग रंग के होने के कारण वे अद्भुत हैं, क्योंकि वे चित्तीदार हैं, नीले, हरे और बैंगनी रंग के
- मेरे स्वामी, राज्यपाल, मुझे क्षमा करें कि मैं उसकी सुंदरता का इतना विस्तृत वर्णन कर रहा हूँ जो किसी न किसी दिन मेरी पुत्री बनेगी; क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूँ, और मुझे उसमें कोई कमी नहीं दिखती।
"जो चाहो बनाओ," सांचो ने कहा; "मुझे तुम्हारा चित्र पसंद है, और अगर मैंने वहां भोजन किया होता तो तुम्हारे चित्र से बढ़कर मेरे लिए कोई मिठाई नहीं हो सकती थी।"
किसान ने कहा, "वह तो मुझे अभी भी देना बाकी है; लेकिन एक समय आएगा जब हम शायद कर पाएंगे, भले ही अभी न कर पा रहे हों; और मैं आपको बता सकता हूँ, महोदय, अगर मैं उसकी सुंदरता और उसके लंबे कद का चित्र बना पाता, तो आप चकित रह जाते; लेकिन यह असंभव है क्योंकि वह घुटनों को मुँह तक उठाकर कमर झुकाए बैठी है; लेकिन फिर भी यह आसानी से देखा जा सकता है कि अगर वह खड़ी हो पाती तो उसका सिर छत से टकरा जाता; और वह इससे पहले मेरे कुंवारे को अपना हाथ दे देती, बस फर्क इतना है कि वह उसे फैला नहीं सकती, क्योंकि वह सिकुड़ा हुआ है; फिर भी उसके लंबे, धारीदार नाखूनों से उसकी सुंदरता और बारीक बनावट देखी जा सकती है।"
"बस इतना ही काफी है, भाई," सांचो ने कहा; "सोचो तुमने उसे सिर से पैर तक चित्रित कर लिया है; अब तुम्हें क्या चाहिए? इधर-उधर की बातें और फालतू बातें किए बिना सीधे मुद्दे पर आओ।"
"महामहिम, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि कृपया मुझे लड़की के पिता के लिए एक सिफारिशी पत्र दें, जिसमें उनसे विनती हो कि वे इस विवाह को होने दें, क्योंकि भाग्य और स्वभाव दोनों ही दृष्टि से हम एक-दूसरे के अनुकूल हैं; सच कहूँ तो, माननीय राज्यपाल, मेरे बेटे पर एक दुष्ट आत्मा का साया है, और ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब बुरी आत्माएँ उसे तीन-चार बार परेशान न करें; और एक बार आग में गिरने के कारण उसका चेहरा कागज की तरह सिकुड़ गया है, और उसकी आँखें नम और हमेशा बहती रहती हैं; लेकिन उसका स्वभाव किसी देवदूत जैसा है, और यदि वह खुद को इतना कष्ट न पहुँचाता, तो वह संत होता।"

"क्या आपको और कुछ चाहिए, भले आदमी?" सांचो ने कहा।
किसान ने कहा, “एक और बात है जो मैं चाहता हूँ, पर कहने में मुझे डर लग रहा है; फिर भी, कहनी तो पड़ेगी ही; क्योंकि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं इसे अपने मन में दबाकर नहीं रख सकता। मेरा मतलब है, महोदय, कि मैं आपसे तीन सौ या छह सौ ड्यूकैट्स की सहायता राशि चाहता हूँ ताकि मेरे अविवाहित पति को घर बसाने में मदद मिल सके; क्योंकि उन्हें अपने ससुर के दखल के बिना, अपने दम पर जीना है।”
"बस देख लीजिए कि क्या आपको कुछ और चाहिए," सांचो ने कहा, "और शर्म या संकोच के कारण इसका जिक्र करने से पीछे मत हटिए।"
"नहीं, बिलकुल नहीं," किसान ने कहा।
जैसे ही उसने यह कहा, गवर्नर उठ खड़ा हुआ और जिस कुर्सी पर वह बैठा था, उसे पकड़कर चिल्लाया, "भगवान की कसम, तुम बदतमीज़, गंवार डॉन बम्पकिन, अगर तुम अभी यहाँ से नहीं निकले और मेरी नज़रों से नहीं छिपे, तो मैं इस कुर्सी से तुम्हारा सिर फोड़ दूँगा। तुम कमीने बदमाश, शैतान के दूत, और क्या इसी वक्त मुझसे छह सौ ड्यूकैट माँगने आए हो! मुझे कैसे मिलेंगे, बदबूदार जानवर? और अगर मेरे पास होते भी, तो मैं तुम्हें क्यों देता, धूर्त और मूर्ख? मेरा मिगुएल्टुरा या पर्लरिन परिवार से क्या लेना-देना है? निकल जाओ, वरना ड्यूक की कसम, मैं वही करूँगा जो मैंने कहा है। तुम मिगुएल्टुरा के नहीं हो, बल्कि कोई धूर्त हो जिसे मुझे उकसाने के लिए यहाँ भेजा गया है। अरे, दुष्ट, मुझे सरकार संभाले अभी आधा दिन भी नहीं हुआ है, और तुम मुझसे अभी से छह सौ ड्यूकैट माँग रहे हो!"
नक्काशीकार ने किसान को कमरे से बाहर जाने का इशारा किया, जिस पर वह सिर झुकाकर चला गया, और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह डरा हुआ था कि कहीं राज्यपाल अपनी धमकियों को अमल में न ला दे, क्योंकि वह बदमाश अपनी भूमिका बखूबी निभाना जानता था।
लेकिन चलिए सांचो को उसके क्रोध में ही छोड़ देते हैं, और उन सभी पर शांति बनी रहे; और चलिए डॉन क्विक्सोट की ओर लौटते हैं, जिसे हमने बिल्ली के घावों के बाद पट्टी बंधे और इलाज के साथ छोड़ा था, जिनसे वह आठ दिनों तक ठीक नहीं हुआ था; और इन्हीं में से एक दिन उसके साथ वह घटना घटी जिसे सिडे हैमेटे उसी सटीकता और सच्चाई के साथ बताने का वादा करता है जिसके साथ वह इस

□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□, □□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □ □□, □□□□□ □□ □□□ □□□

48

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और डचेस की दासी डोना रोड्रिगेज के बीच जो कुछ घटित हुआ, साथ ही अन्य ऐसी घटनाएँ जो रिकॉर्ड करने और शाश्वत स्मरण के योग्य हैं।
बेहद उदास और निराश था बुरी तरह घायल डॉन क्विक्सोट, जिसका चेहरा पट्टियों से बंधा हुआ था और उस पर निशान थे, जो भगवान के हाथ से नहीं, बल्कि एक बिल्ली के पंजों से बने थे, जो शूरवीरता के दौरान होने वाली आकस्मिक दुर्घटनाएं थीं।
छह दिनों तक वह सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं हुआ, और एक रात जब वह जागते हुए अपनी बदकिस्मती और अल्टिसिडोरा द्वारा उसका पीछा किए जाने के बारे में सोच रहा था, तो उसने देखा कि कोई उसके कमरे का दरवाजा चाबी से खोल रहा है, और उसने तुरंत यह निष्कर्ष निकाला कि वह मोहित युवती उसकी पवित्रता पर हमला करने और उसे अपनी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो के प्रति अपनी निष्ठा में विफल होने के खतरे में डालने आ रही है। “नहीं,” उसने अपने विचार की सत्यता पर दृढ़ विश्वास रखते हुए कहा (और उसने इतनी ऊँची आवाज़ में कहा कि सब सुन सकें), “धरती की सबसे सुंदर स्त्री भी मुझे उस स्त्री के प्रति अपने प्रेम को त्यागने के लिए विवश नहीं कर सकती, जिसका प्रेम मेरे हृदय की गहराई में बसा हुआ है; हे मेरी देवी, चाहे तुम एक अनाड़ी देहाती लड़की बन जाओ, या रेशम और सोने का जाल बुनती सुनहरी टैगस नदी की अप्सरा, मर्लिन या मोंटेसिनोस तुम्हें जहाँ चाहें कैद कर लें; तुम जहाँ भी हो, मेरी हो, और मैं जहाँ भी हूँ, तुम्हारा ही हूँ।” जैसे ही उसने ये शब्द कहे, दरवाज़ा खुल गया। वह पीले साटन के कंबल में सिर से पैर तक लिपटा हुआ, सिर पर टोपी पहने, और चेहरे और मूंछों को बाँधे हुए बिस्तर पर खड़ा हो गया। चेहरे पर खरोंचों के कारण और मूंछों को लटकने और गिरने से बचाने के लिए उसे बाँधा गया था। इस रूप में वह एक सबसे विचित्र बिजूका जैसा दिख रहा था। उसकी निगाहें दरवाजे पर टिकी हुई थीं, और जैसे ही उसे प्रेम में डूबी और दुखी अल्टिसिडोरा के आने की उम्मीद हुई, तभी उसने एक अत्यंत आदरणीय महिला को आते देखा, जिसने सिर से पैर तक ढके हुए लंबे सफेद किनारी वाले घूंघट में खुद को लपेटा हुआ था। उसके बाएं हाथ की उंगलियों के बीच एक छोटी जलती हुई मोमबत्ती थी, जबकि दाहिने हाथ से उसने उसे छाया दी हुई थी ताकि रोशनी उसकी आंखों पर न पड़े,

जो बड़े आकार के चश्मे से ढकी हुई थीं, और वह बिना आवाज किए, बहुत धीरे-धीरे कदम बढ़ाते हुए आगे बढ़ी।
डॉन क्विक्सोट अपनी चौकी से उस पर नज़र रखे हुए था। उसके पहनावे और चुप्पी को देखकर उसने अनुमान लगाया कि कोई चुड़ैल या जादूगरनी इस तरह भेस बदलकर उसे कोई नुकसान पहुँचाने आई है, और वह तेज़ी से क्रॉस का निशान बनाने लगा। प्रेत आगे बढ़ता रहा, और कमरे के बीच में पहुँचकर उसने ऊपर देखा और डॉन क्विक्सोट की उस ऊर्जा को देखा जिससे वह क्रॉस का निशान बना रहा था; और अगर वह उसके जैसी आकृति को देखकर डर गया था, तो वह उसे देखकर भयभीत हो गई थी; क्योंकि जैसे ही उसने चादर और पट्टियों से ढके उसके लंबे पीले शरीर को देखा, वह ज़ोर से चीखी और चिल्लाई, "हे भगवान! यह मैं क्या देख रही हूँ?" डर के मारे उसने मोमबत्ती गिरा दी, और फिर खुद को अंधेरे में पाकर भागने के लिए मुड़ी, लेकिन घबराहट में अपने ही कपड़े में उलझकर बुरी तरह गिर पड़ी। डॉन क्विक्सोट घबराते हुए कहने लगा, "हे प्रेत, या जो भी तू हो, मुझे बता कि तू क्या है और तू मुझसे क्या चाहता है। यदि तू पीड़ा में पड़ी कोई आत्मा है, तो ऐसा कह दे, और मैं अपनी पूरी शक्ति से तेरे लिए सब कुछ करूँगा; क्योंकि मैं एक कैथोलिक ईसाई हूँ और समस्त संसार का भला करना चाहता हूँ, और इसी उद्देश्य से मैंने उस शूरवीर-मार्ग में प्रवेश किया है जिससे मैं संबंधित हूँ, जिसका कार्यक्षेत्र नरक में पड़ी आत्माओं का भी भला करना है।"
इस प्रकार अपने आप को प्रकट होते देख, दुर्भाग्यवश उस महिला ने अपने ही भय से डॉन क्विक्सोट का भय भांप लिया और धीमी, विलापपूर्ण आवाज में उत्तर दिया, "श्रीमान डॉन क्विक्सोट—यदि आप वास्तव में डॉन क्विक्सोट हैं—तो मैं कोई प्रेत या आत्मा नहीं हूँ, जैसा कि आप सोचते हैं, बल्कि मैं डोना रोड्रिगेज़ हूँ, मेरी पत्नी डचेस की सम्माननीय महिला, और मैं आपके पास उन शिकायतों में से एक लेकर आई हूँ जिनका निवारण आप अक्सर करते हैं।"
"मुझे बताइए, श्रीमती डोना रोड्रिगेज़," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या आप किसी तरह का कोई काम निपटाने आई हैं? क्योंकि मैं आपको बता दूं कि मैं किसी के काम के लिए उपलब्ध नहीं हूं, मेरी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो की अतुलनीय सुंदरता के कारण। संक्षेप में, श्रीमती डोना रोड्रिगेज़, अगर आप सभी प्रेम संदेशों को छोड़ दें, तो आप जा सकती हैं और अपनी मोमबत्ती जलाकर

वापस आ सकती हैं, और हम आपके सभी आदेशों और आपकी सभी इच्छाओं पर चर्चा करेंगे, सिवाय, जैसा कि मैंने कहा, सभी मोहक संदेशों के।"
"मैं किसी का संदेशवाहक नहीं हूँ, महोदय," महिला ने कहा; "आप मुझे जानते भी नहीं। बल्कि, मैं इतनी बूढ़ी भी नहीं हुई हूँ कि ऐसी बचकानी हरकतें करूँ। ईश्वर का शुक्र है कि मेरे शरीर में अभी भी जान है, और मेरे मुँह में सारे दाँत और दाँते हैं, सिवाय एक-दो के जो इस आरागॉन देश में आम सर्दी-जुकाम ने मुझसे छीन लिए हैं। लेकिन ज़रा रुकिए, मैं जाकर अपनी मोमबत्ती जला लेती हूँ, और मैं तुरंत लौटकर आपके सामने अपने दुख रखूँगी, जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के सामने जो सारी दुनिया के दुखों को दूर करता हो;" और बिना उत्तर की प्रतीक्षा किए वह कमरे से चली गई और डॉन क्विक्सोट को शांति से सोचते हुए छोड़ दिया, जबकि वह उसका इंतज़ार कर रहा था। इस नए साहसिक कार्य के विषय में उसके मन में एक साथ हज़ारों विचार आए, और उसे लगा कि अपनी प्रेमिका से किए गए वादे को तोड़ने के खतरे में खुद को डालना उसके लिए अनुचित और नासमझी भरा कदम होगा; और उसने मन ही मन कहा, "कौन जानता है कि शैतान, जो धूर्त और चालाक है, अब मुझे किसी दाइयों के जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा हो, क्योंकि वह महारानियों, रानियों, डचेस, मार्क्विस और काउंटेस के साथ नाकाम रहा है? मैंने कई समझदार लोगों को यह कहते सुना है कि वह तुम्हें चपटी नाक वाली लड़की देना पसंद करेगा, रोमन नाक वाली लड़की से; और कौन जानता है कि यह एकांत, यह अवसर, यह मौन, मेरी सोई हुई इच्छाओं को जगा दे और मुझे इन बुढ़ापों में ऐसी जगह गिरा दे जहाँ मैं कभी नहीं गिरा? ऐसे मामलों में लड़ाई का इंतजार करने से बेहतर है भाग जाना। लेकिन मैं ज़रूर पागल हो गया हूँ जो ऐसी बकवास सोच रहा हूँ और बोल रहा हूँ; क्योंकि यह असंभव है कि एक लंबी, सफेद हुड वाली चश्माधारी दाइयाँ दुनिया के सबसे बदसूरत दिल में भी कोई कामुक विचार जगा सकती हैं। क्या धरती पर कोई ऐसी दाइयाँ हैं जिनका शरीर गोरा हो? क्या दुनिया में कोई ऐसी दाइयाँ हैं जो चिड़चिड़ी, झुर्रियों वाली और दकियानूसी? तो दूर हो जाओ, हे दुआओं की टोली, जो पूरी मानवता के लिए अप्रिय हो। लेकिन उस महिला ने तो अच्छा ही किया, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने अपने स्वागत कक्ष के अंत में चश्मे और लेस के कुशन वाली दो दुआओं की मूर्तियाँ रखी थीं, मानो वे काम कर रही हों, और वे मूर्तियाँ कमरे को उतनी ही शालीनता प्रदान करती थीं मानो वे असली दुआएँ हों।

इतना कहकर वह बिस्तर से कूद पड़ा, और उसका इरादा दरवाजा बंद करके सेनोरा रोड्रिगेज़ को अंदर आने से रोकने का था; लेकिन जैसे ही वह दरवाजा बंद करने गया, सेनोरा रोड्रिगेज़ एक जलती हुई मोमबत्ती लेकर लौट आई, और डॉन क्विक्सोट को चादर ओढ़े, पट्टियों और नाइट-कैप के साथ करीब से देखकर वह फिर से घबरा गई, और कुछ कदम पीछे हटकर बोली, "क्या मैं सुरक्षित हूँ, महाराज? क्योंकि मुझे यह कोई बहुत बड़ी नेकी का संकेत नहीं लगता कि आप बिस्तर से उठ गए हैं।"
"मैं भी यही सवाल पूछना चाहता हूँ, महोदया," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और मैं यह भी पूछता हूँ कि क्या मैं हमले और जबरदस्ती से सुरक्षित रहूँगा?"
"हे शूरवीर, आप किससे और किसके विरुद्ध यह सुरक्षा मांग रहे हैं?" महिला ने कहा।
“मैं तुमसे और तुम्हारे विरुद्ध यह विनती करता हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “क्योंकि मैं संगमरमर नहीं हूँ, न तुम पीतल हो, और न ही अभी सुबह के दस बजे हैं, बल्कि आधी रात है, या उससे थोड़ा आगे का समय है, और हम एक ऐसे कमरे में हैं जो उस गुफा से भी अधिक एकांत और सुनसान है जहाँ धूर्त और साहसी ऐनेस ने कोमल हृदय वाली डिडो का आनंद लिया था। लेकिन मुझे अपना हाथ दो, महोदया; मुझे अपने संयम और शालीनता के अलावा किसी और सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है; साथ ही उस आदरणीय मुकुट से प्रेरित सुरक्षा भी आवश्यक है;” और ऐसा कहते हुए उसने उसके दाहिने हाथ को चूमा और उसे अपने हाथ में ले लिया, उसने भी उतनी ही शालीनता से अपना हाथ उसे सौंप दिया। और यहाँ सिदे हामेट एक विराम चिह्न जोड़ते हुए कहते हैं कि यदि वह इस जोड़े को दरवाजे से बिस्तर तक इस तरह हाथ में हाथ डाले चलते हुए देखते, तो वे अपने पास मौजूद दोनों वस्त्रों में से सबसे अच्छा वस्त्र दे देते।
डॉन क्विक्सोट अंततः बिस्तर पर लेट गया, और डोना रोड्रिगेज़ ने अपने चश्मे उतारे बिना और मोमबत्ती को किनारे रखे बिना, उसके पलंग से थोड़ी दूरी पर एक कुर्सी पर बैठ गई। डॉन क्विक्सोट ने अपने चारों ओर चादर लपेट ली और खुद को पूरी तरह से ढक लिया, केवल उसका चेहरा ही दिखाई दे रहा था। जैसे ही दोनों ने खुद को संभाला, उसने चुप्पी तोड़ते हुए कहा, "अब, श्रीमती डोना रोड्रिगेज़, आप अपने दिल की सारी पीड़ा और दुख को मेरे सामने प्रकट कर सकती हैं; मैं आपकी बात को पवित्र कानों से सुनूंगा और करुणापूर्ण प्रयासों से आपकी सहायता करूंगा।"

कोच या कुर्सियों का इस्तेमाल नहीं करते थे, जैसा कि आजकल कहते हैं, और महिलाएं अपने सहायकों के पीछे सवारी करती थीं। कम से कम इतना तो मैं आपको बताए बिना नहीं रह सकती, ताकि आप मेरे योग्य पति के अच्छे व्यवहार और शिष्टाचार को देख सकें। जब वह मैड्रिड की संकरी गली, कैले डे सैंटियागो में मुड़ रहे थे, तभी दरबार के एक अधिकारी, अपने आगे दो सहायकों के साथ, वहाँ से बाहर आ रहे थे, और जैसे ही मेरे अच्छे सहायक ने उन्हें देखा, उन्होंने अपने खच्चर को घुमाया और ऐसा दिखाया जैसे वह उनके साथ चलना चाहते हों। मेरी पत्नी, जो उनके पीछे सवारी कर रही थीं, ने धीमी आवाज में उनसे कहा, 'क्या कर रहे हो, छल से चलने वाले, क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि मैं...' यहाँ?' एक सभ्य व्यक्ति की तरह, अल्काल्डे ने अपना घोड़ा रोका और उससे कहा, 'चलिए, महोदय, क्योंकि मेरी मालकिन डोना कैसिल्डा के साथ मुझे जाना चाहिए'—यही मेरी मालकिन का नाम था। फिर भी, मेरे पति, हाथ में टोपी लिए, अल्काल्डे के साथ जाने की कोशिश करते रहे, और यह देखकर मेरी मालकिन गुस्से और झुंझलाहट से भर उठीं और अपनी सुई की पेटी से एक बड़ी सुई, या मुझे लगता है, एक छोटी सुई निकाली और इतनी ज़ोर से उनकी पीठ में चुभो दी कि मेरे पति ज़ोर से चिल्लाए और तड़पते हुए अपनी मालकिन के साथ ज़मीन पर गिर पड़े। उनकी दोनों नौकरानियाँ उन्हें उठाने के लिए दौड़ीं, और अल्काल्डे और नौकरों ने भी ऐसा ही किया; ग्वाडालाजारा गेट पर अफरा-तफरी मच गई—मेरा मतलब है कि वहाँ आवारा लोग जमा हो गए; मेरी मालकिन पैदल वापस आईं, और मेरे पति जल्दी से एक नाई की दुकान पर गए और शिकायत की कि उन्हें पेट में सुई चुभो दी गई है। मेरे पति की इस विनम्रता की चर्चा इतनी दूर-दूर तक फैल गई कि लड़कों ने उसे गली में चैन नहीं मिलता था; और इसी कारण, और क्योंकि वह कुछ हद तक कमज़ोर नज़र वाला था, मेरी मालकिन ने उसे निकाल दिया; और मुझे पूरा यकीन है कि इसी बात की नाराज़गी ने उसकी मृत्यु का कारण बनी। मैं एक असहाय विधवा रह गई, मेरी गोद में एक बेटी थी जो समुद्र के झाग की तरह सुंदर होती जा रही थी; लेकिन अंततः, क्योंकि मैं एक कुशल दर्जी के रूप में जानी जाती थी, मेरी मालकिन, डचेस, जिनका हाल ही में मेरे स्वामी ड्यूक से विवाह हुआ था, ने मुझे और मेरी बेटी को अपने साथ आरागॉन के इस राज्य में ले जाने की पेशकश की, और यहाँ समय बीतने के साथ मेरी बेटी बड़ी हुई और उसके साथ दुनिया के सारे गुण भी आ गए; वह एक चिड़िया की तरह गाती है, बिजली की तरह तेज़ नाचती है, एक जिप्सी की तरह पैर हिलाती है, एक शिक्षक की तरह पढ़ती-

लिखती है, और एक कंजूस की तरह गणित करती है; उसकी साफ-सफाई के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकती, क्योंकि बहता पानी भी उससे ज़्यादा शुद्ध नहीं है, और उसकी उम्र अब, अगर मेरी याददाश्त सही है, तो सोलह साल पाँच महीने और तीन दिन है, एक दिन कम या ज़्यादा। मुद्दे पर आते हैं, वह एक बहुत अमीर किसान का बेटा था, जो एक गाँव में रहता था। मेरे स्वामी ड्यूक, जो यहाँ से कुछ ही दूर रहते हैं, मेरी इस लड़की से प्रेम कर बैठे; और संक्षेप में, मुझे नहीं पता कैसे, वे दोनों साथ आए, और उससे शादी करने के वादे के तहत उन्होंने मेरी बेटी को मूर्ख बनाया, और अपना वचन नहीं निभा रहे हैं। और यद्यपि मेरे स्वामी ड्यूक को इसकी जानकारी है (क्योंकि मैंने उनसे एक बार नहीं बल्कि कई बार शिकायत की है, और उनसे विनती की है कि वे किसान को मेरी बेटी से शादी करने का आदेश दें), वे अनसुना कर देते हैं और मेरी बात मुश्किल से सुनते हैं; इसका कारण यह है कि धोखेबाज का पिता बहुत धनी है, उसे पैसे उधार देता है, और लगातार उसके ऋणों के लिए ज़मानत देता है, इसलिए वे उसे किसी भी तरह से नाराज या परेशान नहीं करना चाहते। अब, महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप इस अन्याय को या तो विनती से या बल प्रयोग से दूर करने का बीड़ा उठाएँ; क्योंकि समस्त संसार कहता है कि आप इस संसार में दुखों को दूर करने, अन्याय को सुधारने और दुर्भाग्यशाली लोगों की सहायता करने के लिए आए हैं। महोदय, कृपया मेरी बेटी की असुरक्षित स्थिति, उसकी कम उम्र और उन सभी गुणों को मेरे समक्ष रखें जिनका मैंने उल्लेख किया है; और ईश्वर की कसम और अपने अंतरात्मा की कसम, मेरी मालकिन की जितनी भी युवतियाँ हैं, उनमें से एक भी उनके बराबर नहीं है, और जिसे अल्टिसिडोरा कहते हैं और सबसे साहसी और चंचल समझते हैं, अगर उसकी तुलना मेरी बेटी से की जाए, तो वह उनके दो मील के दायरे में भी नहीं आती। क्योंकि मैं आपको बताना चाहता हूँ, महोदय, हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती, और उस छोटी अल्टिसिडोरा में सुंदरता से ज़्यादा उद्दंडता है, और लज्जा से ज़्यादा धृष्टता है; इसके अलावा, वह सेहतमंद भी नहीं है, क्योंकि उसकी साँस इतनी दुर्गंधयुक्त है कि कोई उसके पास एक पल भी नहीं रह सकता; और यहाँ तक कि मेरी मालकिन, डचेस—लेकिन मैं चुप रहूँगा, क्योंकि कहते हैं कि दीवारों के भी कान होते हैं।
"भगवान के लिए, डोना रोड्रिगेज़, मेरी महारानी को क्या तकलीफ है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।

“इस तरह शपथ लेकर,” ड्यूएना ने उत्तर दिया, “मैं प्रश्न का उत्तर देने और पूरी सच्चाई बताने से खुद को रोक नहीं सकती। श्रीमान डॉन क्विक्सोट, क्या आपने मेरी पत्नी डचेस की सुंदरता देखी है? उनका वह चिकना रंग जो किसी चमकीली तलवार जैसा है, उनके दूधिया और लाल रंग के दोनों गाल, उनकी वह चंचल और जीवंत चाल जिससे वे चलती हैं, या यूँ कहें कि मानो धरती को ठुकरा रही हों, जिससे ऐसा लगता है मानो वे जहाँ भी जाती हैं, स्वास्थ्य बिखेरती हैं? तो फिर, मैं आपको बता दूँ कि इसके लिए वे सबसे पहले ईश्वर को धन्यवाद दें, और फिर उनके दोनों पैरों में मौजूद दो स्रावों को, जिनसे वे सभी हानिकारक द्रव्य, जिनसे डॉक्टरों के अनुसार वे भरी हुई हैं, बाहर निकल जाते हैं।” "हे पवित्र कुंवारी!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या यह संभव है कि मेरी डचेस के पास इस तरह की नालियाँ हों? अगर नंगे पैर चलने वाले साधुओं ने भी मुझे बताया होता तो मैं विश्वास नहीं करता; लेकिन जैसा कि लेडी डोना रोड्रिगेज़ कहती हैं, तो ऐसा ही होना चाहिए। लेकिन निश्चित रूप से ऐसी नालियाँ, और ऐसी जगहों पर, तरल पदार्थ नहीं बल्कि गाढ़ा एम्बर बहाती हैं। सचमुच, अब मुझे विश्वास हो गया है कि नालियों को खोलने की यह प्रथा स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।"
डॉन क्विक्सोट ने अभी ये कहा ही था कि कमरे का दरवाज़ा ज़ोरदार धमाके के साथ खुल गया, और उस आवाज़ से चौंककर डोना रोड्रिगेज़ के हाथ से मोमबत्ती गिर गई, और कमरा भेड़िये के मुँह की तरह अँधेरा हो गया, जैसा कि कहावत है। अचानक बेचारी डोना ने महसूस किया कि दो हाथों ने उसका गला इतनी ज़ोर से पकड़ लिया है कि वो चीख भी नहीं सकती, जबकि कोई और, बिना एक शब्द बोले, बहुत तेज़ी से उसकी पेटीकोट ऊपर उठा रहा था, और किसी चप्पल जैसी चीज़ से उस पर इतनी बेरहमी से वार करने लगा कि किसी को भी उस पर दया आ जाती; लेकिन हालाँकि डॉन क्विक्सोट को ये महसूस हुआ, वो अपने बिस्तर से ज़रा भी नहीं हिला, बल्कि चुपचाप लेटा रहा, बल्कि इस आशंका से कि कहीं उसकी भी पिटाई होने वाली नहीं है। और ये आशंका व्यर्थ नहीं थी; दाई (जो चीखने की हिम्मत नहीं कर पाई) को बुरी तरह घायल छोड़ने के कारण, मौन जल्लादों ने डॉन क्विक्सोट पर हमला कर दिया, और उसके ऊपर से चादर और कंबल उतारकर उसे इतनी तेजी से और इतनी जोर से नोचा कि वह अपने बचाव में मुट्ठियों का इस्तेमाल करने पर मजबूर हो गया, और यह सब आश्चर्यजनक सन्नाटे में हुआ। लड़ाई लगभग आधे घंटे तक चली, और फिर प्रेत भाग गए; डोना रोड्रिगेज़ ने अपने वस्त्र

समेटे और अपने भाग्य पर विलाप करते हुए डॉन क्विक्सोट से एक शब्द भी कहे बिना बाहर चली गई, और वह बुरी तरह नोचा हुआ, स्तब्ध और निराश होकर अकेला रह गया, और हम उसे यहीं छोड़ देंगे, यह सोचते हुए कि वह दुष्ट जादूगर कौन हो सकता है जिसने उसे इस हालत में पहुँचा दिया; लेकिन यह उचित समय पर बताया जाएगा, क्योंकि सांचो हमारा ध्यान आकर्षित करता है, और कहानी की व्यवस्थित संरचना इसकी मांग करती है।

49

अध्याय
अपने द्वीप का चक्कर लगाते समय सांचो के साथ क्या हुआ?
हमने महान गवर्नर को उस चित्रकारी करने वाले बदमाश किसान से क्रोधित और चिढ़कर छोड़ दिया, जिसने मेजरडोमो के निर्देश पर, जैसा कि मेजरडोमो को ड्यूक द्वारा निर्देश दिया गया था, उन पर अभ्यास करने की कोशिश की थी; लेकिन वह मूर्ख, गंवार और मसखरा होते हुए भी, उन सबके सामने डटा रहा और अपने आस-पास के लोगों और डॉक्टर पेड्रो रेसियो से, जो ड्यूक के पत्र का निजी काम निपटाते ही कमरे में लौट आए थे, कहा, "अब मुझे साफ-साफ समझ आ गया है कि न्यायाधीशों और गवर्नरों को पीतल का बना होना चाहिए और होना ही चाहिए ताकि वे उन आवेदकों की ज़िद पर ध्यान न दें जो हर समय और हर मौके पर अपनी सुनवाई और अपने काम को निपटाने पर अड़े रहते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए; और अगर बेचारा न्यायाधीश उनकी बात नहीं सुनता और मामले का निपटारा नहीं करता — चाहे इसलिए कि वह ऐसा कर नहीं सकता या इसलिए कि वह समय उनकी सुनवाई के लिए निर्धारित नहीं है—तो वे तुरंत उसे गाली देते हैं, उसकी बुराई करते हैं, उसकी हड्डियां कुतरते हैं और यहां तक कि उसके खानदान में भी छेद कर देते हैं। अरे मूर्ख, बेवकूफ आवेदक, जल्दी मत करो; काम करने के लिए सही समय और मौके का इंतज़ार करो; खाने के समय या सोने के समय मत आओ; क्योंकि न्यायाधीश भी हाड़-मांस के बने होते हैं और उन्हें प्रकृति को वही देना चाहिए जो वह चाहती है।" स्वाभाविक रूप से, मैं उनसे यही अपेक्षा करता हूँ; सिवाय मेरे, क्योंकि मेरे मामले में, मैं उसे कुछ भी खाने को नहीं देता, यहाँ मौजूद डॉक्टर पेड्रो रेसियो टिर्टेफुएरा के कारण, जो मुझे भूख से मरते देखना चाहते हैं और मृत्यु को ही जीवन बताते हैं; और ईश्वर उन्हें और

उनके जैसे सभी लोगों को, मेरा मतलब बुरे डॉक्टरों से है, ऐसा ही जीवन दे; क्योंकि अच्छे डॉक्टर प्रशंसा और सम्मान के पात्र हैं।
सांचो पांजा को जानने वाले सभी लोग उनकी इतनी शालीनता से बोलते हुए सुनकर चकित रह गए और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों है, शायद इसीलिए पद और गंभीर जिम्मेदारी लोगों की बुद्धि को या तो तेज कर देती है या सुस्त कर देती है। अंत में, तिरतेफुएरा के डॉक्टर पेड्रो रेसियो एगिलर्स ने उन्हें उस रात भोजन कराने का वादा किया, भले ही यह हिप्पोक्रेट्स के सभी सिद्धांतों के विपरीत हो। इससे राज्यपाल संतुष्ट हो गए और बड़ी उत्सुकता से रात और भोजन के समय का इंतजार करने लगे; और यद्यपि उनके मन में समय रुका हुआ था और आगे नहीं बढ़ रहा था, फिर भी जिस घड़ी का उन्हें बेसब्री से इंतजार था, वह आ गई, और उन्हें प्याज के साथ गोमांस का सलाद और कुछ उबले हुए बछड़े के पैर परोसे गए जो थोड़े बासी थे। इस पर वह ऐसे आनंद से टूट पड़ा मानो उसे मिलान से फ्रैंकोलिन, रोम से तीतर, सोरेंटो से बछड़े का मांस, मोरोन से बटेर या लावाजोस से हंस दिए गए हों। रात के खाने पर उसने डॉक्टर की ओर मुड़कर कहा, "देखिए, श्रीमान डॉक्टर, आगे से मुझे स्वादिष्ट या बढ़िया व्यंजन खिलाने की चिंता मत कीजिएगा, क्योंकि इससे मेरा पेट खराब हो जाएगा; यह बकरी, गाय, बेकन, लटका हुआ गोमांस, शलजम और प्याज खाने का आदी है; और अगर गलती से भी इसे ये शाही व्यंजन दिए गए, तो यह उन्हें बेरुखी से, और कभी-कभी घृणा से ग्रहण करता है। सबसे अच्छा यही होगा कि वह मुझे 'ओलास पोड्रिडास' (जो जितनी सड़ी हुई होती हैं, उतनी ही अच्छी महकती हैं) परोसे; और वह उसमें जो चाहे डाल सकता है, बशर्ते वह खाने में स्वादिष्ट हो, और मैं उसका आभारी रहूंगा, और एक दिन उसका एहसान चुकाऊंगा। लेकिन कोई भी मेरे साथ शरारत न करे, क्योंकि या तो हम हैं या हम नहीं; आओ हम शांति और सौहार्द से रहें और खाएँ, क्योंकि जब ईश्वर भोर भेजता है, तो वह सबके लिए भेजता है। मैं इस द्वीप पर बिना किसी अधिकार को छोड़े या रिश्वत लिए शासन करने का इरादा रखता हूँ; हर कोई अपनी आँखें खुली रखे और तीर से सावधान रहे; क्योंकि मैं उन्हें बता सकता हूँ कि 'शैतान कैंटिलाना में है', और अगर वे मुझे वहाँ तक ले गए तो वे कुछ ऐसा देखेंगे जो उन्हें चकित कर देगा। नहीं! अपने आप को शहद बनाओ और मक्खियाँ तुम्हें खा जाएँगी।
"सचमुच, माननीय राज्यपाल जी," नक्काशीकार ने कहा, "आपने जो कुछ भी कहा है, वह सब सही है; और मैं इस द्वीप के सभी निवासियों की ओर से आपको वचन देता हूँ

कि वे पूरी लगन, स्नेह और सद्भावना के साथ आपकी सेवा करेंगे, क्योंकि आपने जिस सौम्य शासन शैली का उदाहरण प्रस्तुत किया है, उससे उनके पास आपके प्रति कोई प्रतिकूल कार्य करने या सोचने का कोई आधार नहीं बचता है।"
“मैं यही मानता हूँ,” सांचो ने कहा; “और अगर वे ऐसा न मानें या न सोचें तो वे बड़े मूर्ख होंगे; मैं फिर कहता हूँ, मेरे और मेरे डैपल के भोजन का ध्यान रखना, क्योंकि यही सबसे महत्वपूर्ण है और यही सबसे ज़रूरी है; और जब समय आएगा तो हम सब मिलकर चक्कर लगाएंगे, क्योंकि मेरा इरादा इस द्वीप को हर तरह की गंदगी और निकम्मे आवारा लोगों से साफ़ करने का है; क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप जान लें कि आलसी लोग राज्य में वैसे ही होते हैं जैसे छत्ते में नर मधुमक्खियाँ, जो मेहनती मधुमक्खियों का बनाया हुआ शहद खा जाती हैं। मेरा इरादा किसान की रक्षा करना, सज्जनों के विशेषाधिकारों को सुरक्षित रखना, गुणी लोगों को पुरस्कृत करना और सबसे बढ़कर धर्म का सम्मान करना और उसके सेवकों को आदर देना है। मेरे मित्रों, इस बारे में आपका क्या कहना है? क्या मेरी बातों में कोई सच्चाई है, या मैं व्यर्थ ही बोल रहा हूँ?” "महामहिम, आपकी बातों में इतना कुछ है," मुख्य प्रबंधक ने कहा, "कि मैं आश्चर्यचकित रह जाता हूँ जब मैं आपके जैसे व्यक्ति को, जो बिल्कुल अज्ञानी हैं (क्योंकि मेरा मानना है कि आप बिल्कुल भी अज्ञानी नहीं हैं), इतनी सटीक बातें कहते हुए देखता हूँ, और उनके पास इतने अच्छे सिद्धांत और ज्ञानवर्धक टिप्पणियाँ हैं, जो उन लोगों की अपेक्षा से बिलकुल अलग हैं जिन्होंने हमें भेजा है और जो हम यहाँ आए हैं। इस दुनिया में हम हर दिन कुछ नया देखते हैं; मज़ाक हकीकत बन जाते हैं, और मज़ाक करने वालों पर ही उल्टा पड़ जाता है।" रात हो गई, और डॉक्टर पेड्रो रेसियो की अनुमति से राज्यपाल ने रात का भोजन किया। फिर वे गश्त पर निकलने के लिए तैयार हुए, और राज्यपाल अपने साथ मुख्य प्रबंधक, सचिव, सिर तराशने वाला, अपने कार्यों का रिकॉर्ड रखने वाला इतिहासकार, और पर्याप्त संख्या में सहायक और नोटरी लेकर निकल पड़े। उनके साथ एक अच्छी-खासी टुकड़ी बन गई थी। बीच में सांचो अपने डंडों के साथ चल रहे थे, जो देखने में बेहद आकर्षक लग रहे थे। शहर की कुछ ही गलियाँ पार करने के बाद उन्हें तलवारों के टकराने जैसी आवाज़ सुनाई दी। वे तुरंत उस जगह पहुँचे, और पाया कि लड़ने वाले केवल दो लोग थे, जो अधिकारियों को आते देख वहीं रुक गए, और उनमें से एक चिल्लाया, "हे भगवान और राजा के नाम पर, मदद

करो! क्या लोगों को इस शहर के बीचोंबीच लूटपाट करने और सड़कों पर लोगों पर हमला करने की अनुमति दी जाएगी?"
"शांत हो जाइए, मेरे भले आदमी," सांचो ने कहा, "और मुझे बताइए कि इस झगड़े का कारण क्या है; क्योंकि मैं राज्यपाल हूं।"
दूसरे योद्धा ने कहा, "माननीय राज्यपाल महोदय, मैं आपको संक्षेप में बताता हूँ। आपको यह अवश्य ही ज्ञात होगा कि इस सज्जन ने अभी-अभी सामने वाले जुआघर में एक हजार से अधिक रील्स जीते हैं, और ईश्वर ही जाने कैसे। मैं वहाँ मौजूद था, और मैंने अपने अंतरात्मा के विरुद्ध जाकर, एक से अधिक संदेहास्पद दांव लगाकर उसके पक्ष में दांव लगाया। वह अपनी जीती हुई रकम लेकर भाग गया, और जब मैंने यह सुनिश्चित कर लिया कि वह मुझे कम से कम एक क्राउन उपहार के रूप में देगा, जैसा कि मेरे जैसे प्रतिष्ठित लोगों को देना सामान्य और प्रथागत है, जो निष्पक्ष या बेईमानी का खेल देखते हैं, धोखाधड़ी का समर्थन करते हैं और झगड़ों को रोकते हैं, तो उसने अपनी जेब में पैसे रखे और जुआघर से निकल गया। इससे क्रोधित होकर मैं उसके पीछे गया, और उससे विनम्रतापूर्वक और शालीनता से बात करते हुए उससे केवल आठ रील्स देने का अनुरोध किया, क्योंकि वह जानता है कि मैं एक ईमानदार व्यक्ति हूँ और मेरे पास न तो कोई पेशा है और न ही कोई संपत्ति, क्योंकि मेरे माता-पिता ने मुझे कभी पाला-पोसा नहीं और न ही मेरे लिए कुछ छोड़ा; लेकिन वह बदमाश, जो कैकस से भी बड़ा चोर और एंड्राडिला से भी बड़ा धोखेबाज है, मुझे चार से अधिक देने को तैयार नहीं था। असली; ताकि आप देख सकें कि उसमें कितनी कम शर्म और विवेक है। लेकिन मेरी कसम, अगर आप नहीं आते तो मैं उससे उसकी जीती हुई रकम वापस ले लेता और उसे पता चल जाता कि इस्पात कारखाने का दायरा क्या होता है।
"इस बारे में तुम्हारा क्या कहना है?" सांचो ने पूछा। दूसरे ने जवाब दिया कि उसके प्रतिद्वंद्वी ने जो कुछ भी कहा वह सच था, और उसने उसे चार रील्स से अधिक इसलिए नहीं दिए क्योंकि वह उसे अक्सर पैसे देता था; और जो लोग उपहार की उम्मीद करते हैं उन्हें विनम्र रहना चाहिए और जो कुछ भी उन्हें दिया जाता है उसे प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना चाहिए, और विजेताओं पर तब तक कोई दावा नहीं करना चाहिए जब तक कि उन्हें यह पक्का पता न हो कि वे धोखेबाज हैं और उनकी जीत अन्यायपूर्ण तरीके से हुई है; और इस बात का इससे बेहतर कोई सबूत नहीं हो सकता कि वह खुद एक ईमानदार आदमी है कि उसने कुछ भी

देने से इनकार कर दिया; क्योंकि धोखेबाज हमेशा उन लोगों को भेंट देते हैं जो उन्हें जानते हैं।
"यह सच है," मुख्य प्रबंधक ने कहा; "महामहिम, कृपया विचार करें कि इन लोगों के साथ क्या किया जाना चाहिए।"
सांचो ने कहा, "क्या करना है? तुम, जो विजेता हो, चाहे अच्छे हो, बुरे हो या उदासीन, अपने इस हमलावर को तुरंत सौ रील्स दे दो, और तुम्हें गरीब कैदियों के लिए तीस रील्स और देने होंगे; और तुम, जिसके पास न कोई पेशा है, न संपत्ति, और जो द्वीप पर आलस्य में घूमते रहते हो, ये सौ रील्स अभी ले लो, और कल किसी समय द्वीप छोड़ दो। तुम्हें दस साल के लिए देश निकाला दिया जाएगा, और अगर तुमने सजा का उल्लंघन किया, तो तुम्हें अगले जन्म में भी यही सजा काटनी पड़ेगी, क्योंकि मैं तुम्हें फांसी पर लटका दूंगा, या कम से कम मेरे आदेश पर जल्लाद तुम्हें लटका देगा; तुम दोनों में से किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा, वरना मैं उसे अपना सबक सिखाऊंगा।"
एक ने पैसे चुका दिए और दूसरे ने उन्हें ले लिया, और दूसरा द्वीप छोड़कर चला गया, जबकि दूसरा घर चला गया; तब राज्यपाल ने कहा, "या तो मैं किसी काम का नहीं हूँ, या मैं इन जुआघरों से छुटकारा पाऊँगा, क्योंकि मुझे लगता है कि ये बहुत नुकसानदेह हैं।"
“कम से कम इसे तो आप नहीं बेच पाएंगे,” एक नोटरी ने कहा। “यह एक जुआघर तो आप नहीं बेच पाएंगे, क्योंकि इसका मालिक एक बड़ा आदमी है, और वह हर साल जितना पैसा हारता है, वह ताश के खेल में होने वाली कमाई से कहीं ज़्यादा है। छोटे जुआघरों पर आप अपना अधिकार जता सकते हैं, क्योंकि वही सबसे ज़्यादा नुकसान पहुंचाते हैं और सबसे बेशर्मी से जुआघरों को पनाह देते हैं; क्योंकि रईसों और रईसों के घरों में कुख्यात जुआरी अपनी चालें चलने की हिम्मत नहीं करते; और जुए की लत आम हो गई है, इसलिए बेहतर है कि लोग किसी व्यापारी के यहाँ खेलने के बजाय किसी प्रतिष्ठित जुआघर में खेलें, जहाँ सुबह तड़के किसी बदकिस्मत आदमी को पकड़कर उसकी खाल उतार दी जाती है।”
"मुझे पहले से ही पता है, नोटरी जी, कि उस मुद्दे पर बहुत कुछ कहा जा सकता है," सांचो ने कहा।
तभी एक सिपाही एक युवक को पकड़े हुए आया और बोला, "महामहिम राज्यपाल महोदय, यह युवक हमारी ओर आ रहा था, और जैसे ही उसने न्यायकर्मियों को देखा, वह मुड़कर हिरण की तरह भाग गया, जो इस बात का पुख्ता सबूत है कि वह कोई अपराधी

होगा; मैं उसके पीछे भागा, और अगर वह ठोकर खाकर न गिरा होता, तो मैं उसे कभी पकड़ न पाता।"
"तुम किसलिए चुनाव लड़े थे, दोस्त?" सांचो ने कहा।
इस पर युवक ने उत्तर दिया, "महोदय, ऐसा इसलिए किया गया ताकि न्याय अधिकारियों द्वारा पूछे जाने वाले सभी प्रश्नों का उत्तर देने से बचा जा सके।"
आप पेशे से क्या हैं?
"एक बुनकर।"
और आप क्या बुनती हैं?
"भाले के सिरों, आपकी अनुमति से।"
"तुम मुझसे मजाक कर रहे हो! खुद को बड़ा मजाकिया समझते हो? बहुत खूब; और अभी तुम कहाँ जा रहे थे?"
"हवा लेने के लिए, महोदय।"
"और इस द्वीप में हवा कहाँ से मिलती है?"
"जहां हवा चलती है।"
"शाबाश! तुम्हारे जवाब एकदम सटीक हैं; तुम एक होशियार नौजवान हो; लेकिन ध्यान रखो कि मैं हवा हूँ, और मैं तुम पर पीछे से फूंक मारती हूँ, और तुम्हें जेल भेज देती हूँ। अरे! उसे पकड़ो और ले जाओ; मैं उसे आज रात बिना हवा के वहीं सुला दूँगी।"
"भगवान की कसम," उस युवक ने कहा, "महाराज मुझे राजा बनाने के बजाय मुझे जेल में सुला देंगे।"
"मैं तुम्हें जेल में क्यों न सुलाऊँ?" सांचो ने कहा। "क्या मुझे तुम्हें जब चाहे गिरफ्तार करने और रिहा करने का अधिकार नहीं है?"
"महामहिम की सारी शक्ति भी मुझे जेल में सोने के लिए मजबूर नहीं कर पाएगी," उस युवक ने कहा।
"कैसे? मुमकिन नहीं!" सांचो ने कहा; "उसे तुरंत वहाँ ले जाओ जहाँ वह अपनी गलती खुद देख ले, भले ही जेलर उसके लिए अपनी उदारता दिखाने को तैयार हो; क्योंकि अगर उसने उसे जेल से एक कदम भी बाहर निकलने दिया तो मैं उस पर दो हजार ड्यूकैट का जुर्माना लगाऊँगा।"
"यह तो हास्यास्पद है," युवक ने कहा; "सच तो यह है कि धरती पर सारे पुरुष भी मुझे जेल में नहीं सुला सकते।"

"बताओ, शैतान," सांचो ने कहा, "क्या तुम्हारे पास कोई ऐसा देवदूत है जो तुम्हें छुड़ाएगा और उन बेड़ियों को उतार देगा जिन्हें मैं तुम्हें पहनाने का आदेश देने वाला हूँ?"
"अब, माननीय राज्यपाल जी," उस युवक ने उत्साहपूर्वक कहा, "चलिए, तर्कसंगत होकर मुद्दे पर आते हैं। मान लीजिए कि आप मुझे जेल भेजने, हथकड़ी और बेड़ियाँ पहनाने, कोठरी में बंद करने और जेलर पर भारी जुर्माना लगाने का आदेश दे सकते हैं, बशर्ते वह आपके आदेशों का पालन करे; फिर भी, यदि मैं सोना न चाहूँ और पूरी रात बिना पलक झपकाए जागता रहूँ, तो क्या आप अपनी सारी शक्ति से मुझे मेरी इच्छा के विरुद्ध भी सुला सकते हैं?"
"नहीं, बिल्कुल," सचिव ने कहा, "और उस व्यक्ति ने अपनी बात साबित कर दी है।" "तो फिर," सांचो ने कहा, "क्या सोने से बचना पूरी तरह से आपकी अपनी मर्जी होगी; मेरी इच्छा के विरुद्ध नहीं?"
"नहीं, महोदय," युवक ने कहा, "बिल्कुल नहीं।"
"तो फिर जाओ, ईश्वर तुम्हारा भला करे," सांचो ने कहा; "घर जाकर सो जाओ, और ईश्वर तुम्हें अच्छी नींद दे, क्योंकि मैं तुम्हारी नींद खराब नहीं करना चाहता; लेकिन भविष्य के लिए, मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि अधिकारियों से खिलवाड़ मत करना, क्योंकि हो सकता है कि तुम्हारा सामना किसी ऐसे व्यक्ति से हो जाए जो तुम्हारे ही सिर पर तुम्हारा मजाक उड़ा दे।"
वह युवक अपने रास्ते चला गया, और गवर्नर अपना गश्त जारी रखे रहे। कुछ देर बाद दो सिपाही एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर आए और बोले, "माननीय गवर्नर, यह व्यक्ति, जो देखने में पुरुष लग रहा है, वास्तव में पुरुष नहीं, बल्कि एक स्त्री है, और वह भी सुंदर, पुरुष के वस्त्र पहने हुए।" उन्होंने दो-तीन लालटेन उसके चेहरे पर डालीं, और उनकी रोशनी में उन्होंने सोलह वर्ष या उससे कुछ अधिक आयु की एक स्त्री के चेहरे की विशेषताओं को पहचाना, जिसके बाल सुनहरे और हरे रेशमी कपड़े में बंधे हुए थे, और वह हजारों मोतियों की तरह सुंदर थी। उन्होंने उसे सिर से पैर तक देखा, और पाया कि उसने लाल रेशमी मोजे पहने हुए थे, जिन पर सोने और मोती से सजी सफेद रेशमी मोजे लगे थे; उसकी पैंट हरे और सुनहरे कपड़े की थी, और उसी कपड़े की खुली जैकेट के नीचे उसने बेहतरीन सफेद और सुनहरे कपड़े का एक डबलट पहना हुआ था; उसके जूते सफेद थे, जैसे पुरुष पहनते हैं; उसकी कमर में तलवार नहीं थी, बल्कि केवल एक अलंकृत कटार थी, और उसकी उंगलियों में कई सुंदर अंगूठियां थीं। संक्षेप में, वह

लड़की सबकी नजरों में सुंदर लग रही थी और उसे देखने वालों में से कोई भी उसे पहचान नहीं पाया। कस्बे के लोगों का कहना था कि वे कल्पना भी नहीं कर सकते कि वह कौन है, और सांचो पर किए जाने वाले मज़ाक की गुप्त योजना में शामिल लोग सबसे ज़्यादा हैरान थे, क्योंकि यह घटना या खुलासा उनके द्वारा आयोजित नहीं किया गया था; और वे बेसब्री से यह देखने के लिए तत्पर थे कि इस मामले का क्या अंजाम होगा।
सांचो उस लड़की की सुंदरता से मोहित हो गया और उसने उससे पूछा कि वह कौन है, कहाँ जा रही है और उसने ये वस्त्र क्यों पहने हैं। उसने अपनी निगाहें ज़मीन पर टिकाए हुए विनम्रतापूर्वक उलझन में जवाब दिया, "महोदय, इतने सारे लोगों के सामने मैं आपको वह बात नहीं बता सकती जो मेरे लिए इतनी महत्वपूर्ण है और जिसे मैंने गुप्त रखा है; मैं बस इतना चाहती हूँ कि लोग जानें कि मैं कोई चोर या दुष्ट नहीं हूँ, बल्कि एक अभागी युवती हूँ जिसे ईर्ष्या ने शालीनता के आदर को भंग करने के लिए विवश कर दिया है।"
यह सुनकर मुख्य प्रबंधक ने सांचो से कहा, "जनता को पीछे हटने के लिए कहें, महोदय, ताकि यह महिला बिना किसी शर्मिंदगी के अपनी बात कह सके।"
सांचो ने आदेश दिया, और मुख्य प्रबंधक, सिर तराशने वाले और सचिव को छोड़कर बाकी सभी पीछे हट गए। अपने आप को वहाँ अकेला पाकर, युवती ने आगे कहा, "महोदय, मैं इस कस्बे के ऊन व्यापारी पेड्रो पेरेज़ माज़ोर्का की बेटी हूँ, जो अक्सर मेरे पिता के घर आते रहते हैं।"
"यह ठीक नहीं है, महोदया," मुख्य प्रबंधक ने कहा; "क्योंकि मैं पेड्रो पेरेज़ को अच्छी तरह जानता हूँ, और मुझे पता है कि उसका कोई बच्चा नहीं है, न बेटा न बेटी; और इसके अलावा, हालाँकि आप कहती हैं कि वह आपका पिता है, आप यह भी कहती हैं कि वह अक्सर आपके पिता के घर आता है।"
"मैंने पहले ही इस बात पर ध्यान दिया था," सांचो ने कहा।
"मैं इस समय असमंजस में हूँ, महोदय," युवती ने कहा, "और मुझे नहीं पता कि मैं क्या कह रही हूँ; लेकिन सच यह है कि मैं डिएगो डे ला लाना की बेटी हूँ, जिन्हें आप सभी अवश्य जानते होंगे।"
"हाँ, ठीक रहेगा," मुख्य प्रबंधक ने कहा; "मैं डिएगो डे ला लाना को जानता हूँ, और जानता हूँ कि वह एक प्रतिष्ठित और धनी व्यक्ति है, और उसके एक बेटा और एक बेटी है, और जब से वह विधवा हुआ है, इस पूरे शहर में किसी ने भी उसकी बेटी का चेहरा देखने की बात नहीं कही है; क्योंकि वह उसे इतनी गुप्त रखता

है कि सूरज की रोशनी भी उसे देखने का मौका नहीं देती; और वैसे भी, लोग कहते हैं कि वह बेहद खूबसूरत है।"
"यह सच है," युवती ने कहा, "और मैं उसी की बेटी हूँ; मेरी सुंदरता के बारे में जो अफवाहें हैं, वे सच हैं या नहीं, यह आप लोगों ने मुझे देखकर अब तक तय कर लिया होगा;" और यह कहकर वह फूट-फूटकर रोने लगी।
यह देखकर सचिव ने सिर तराशने वाले कारीगर के कान के पास झुककर धीमी आवाज़ में कहा, "इस बेचारी युवती के साथ कुछ गंभीर घटना घटी होगी, तभी तो वह ऐसे कपड़े पहनकर और ऐसे समय में घर से निकली है, और वह भी अपने ओहदे की।" कारीगर ने जवाब दिया, "इसमें कोई शक नहीं है, और उसके आँसू तो आपके संदेह की पुष्टि करते हैं।" सांचो ने उसे यथासंभव सांत्वना दी और उससे निडर होकर उन्हें सब कुछ बताने का आग्रह किया, क्योंकि वे सभी पूरी कोशिश करेंगे और हर संभव तरीके से उसकी मदद करेंगे।
“सच तो यह है, महोदय,” उसने कहा, “कि मेरे पिता ने मुझे इन दस वर्षों से बंद रखा है, इतने ही समय से मेरी माँ का जन्म हुआ है। घर पर एक भव्य चैपल में प्रार्थना होती है, और इस पूरे समय में मैंने दिन में आकाश में केवल सूर्य और रात में चंद्रमा और तारे ही देखे हैं; मुझे गलियों, चौकों, गिरजाघरों या यहाँ तक कि पुरुषों के बारे में भी कुछ नहीं पता, सिवाय मेरे पिता और मेरे एक भाई और ऊन व्यापारी पेड्रो पेरेज़ के; क्योंकि वह अक्सर हमारे घर आता था, इसलिए मैंने अपने पिता का नाम लेने से बचने के लिए उसे अपना पिता कहना उचित समझा। इस एकांतवास और बाहर जाने पर लगी पाबंदियों (यहाँ तक कि केवल गिरजाघर जाने पर भी) ने मुझे पिछले कई दिनों और महीनों से दुखी रखा है; मैं दुनिया देखना चाहती थी, या कम से कम उस शहर को जहाँ मेरा जन्म हुआ था, और मुझे नहीं लगता था कि यह इच्छा अच्छे खानदान की युवतियों के आत्म-सम्मान के विपरीत थी। जब मैंने उन्हें बैल-लड़ाई, भाला-युद्ध और अभिनय के बारे में बातें करते सुना नाटकों के बारे में जानने के लिए, मैंने अपने भाई से, जो मुझसे एक साल छोटा है, पूछा कि ये किस तरह के नाटक हैं, और ऐसे कई नाटक भी हैं जो मैंने पहले कभी नहीं देखे थे; उसने मुझे जितना हो सका समझाया, लेकिन इसका असर यह हुआ कि उन्हें देखने की मेरी इच्छा और भी प्रबल हो गई। अंत में, अपनी बर्बादी की कहानी को संक्षेप में कहें तो, मैंने अपने भाई से विनती की—काश मैंने ऐसी विनती न की होती—और एक बार फिर वह फूट-फूट कर रोने लगी।

"आगे बढ़िए, महोदया," मुख्य प्रबंधक ने कहा, "और अपने साथ हुई घटना की कहानी पूरी कीजिए, क्योंकि आपके शब्द और आंसू हम सभी को सस्पेंस में रखे हुए हैं।"
"मेरे पास कहने के लिए बहुत कम बचा है, हालांकि मुझे बहुत आंसू बहाने हैं," युवती ने कहा; "क्योंकि गलत जगह पर रखी गई इच्छाओं का भुगतान इसी तरह से किया जा सकता है।"
उस युवती की सुंदरता ने मूर्तिकार के हृदय पर गहरा प्रभाव डाला था, और उसने एक बार फिर लालटेन उठाकर उसे देखा। उसे लगा कि ये उसके आँसू नहीं, बल्कि मोती या मैदान की ओस हैं। उसने इन्हें और भी ऊँचा दर्जा दिया और इन्हें प्राच्य मोती मान लिया। उसने दिल से आशा की कि उसका दुर्भाग्य उतना बड़ा न हो जितना उसके आँसू और सिसकियाँ संकेत दे रही थीं। राज्यपाल लड़की के अपनी कहानी सुनाने में लगने वाले लंबे समय से अधीर हो रहा था, और उसने उससे कहा कि अब और प्रतीक्षा न करे; क्योंकि काफी रात हो चुकी थी, और अभी भी शहर का काफी हिस्सा देखना बाकी था।
वह सिसकते हुए और दबी हुई आहों के साथ बोली, "मेरी बदकिस्मती, मेरा दुर्भाग्य, बस इतना है कि मैंने अपने भाई से विनती की कि वह मुझे अपने कपड़ों में एक आदमी की तरह सजाए और किसी रात, जब हमारे पिता सो रहे हों, मुझे पूरे शहर को दिखाने ले जाए; वह मेरी विनतियों से प्रभावित होकर मान गया, और उसने मुझे उस सूट में और खुद मेरे कपड़ों में, जो उस पर ऐसे फिट हो रहे थे मानो उसी के लिए बने हों (क्योंकि उसकी ठुड्डी पर एक भी बाल नहीं था, और वह एक बहुत ही सुंदर युवती जैसा दिखता था), आज रात, लगभग एक घंटे पहले, हम घर से निकले, और अपनी युवावस्था और नादानी के आवेग में आकर हमने पूरे शहर का चक्कर लगाया, और फिर, जब हम घर लौटने वाले थे, तो हमने लोगों का एक बड़ा समूह आते देखा, और मेरे भाई ने मुझसे कहा, 'बहन, यह ज़रूर चक्कर लगाने का समय है, अपने पैरों को तेज़ी से चलाओ और जितनी जल्दी हो सके मेरे पीछे आओ, कहीं वे हमें पहचान न लें, क्योंकि यह हमारे लिए बुरा होगा;'" और ऐसा कहते हुए वह मुड़ा और कहने लगा, "मैं भागने की बात नहीं कह सकता, बल्कि भागने की बात कह रहा हूँ; छह कदम से भी कम दूरी में मैं डर के मारे गिर पड़ा, और फिर न्याय अधिकारी आया और मुझे आपके सामने पेश किया, जहाँ इन सभी लोगों के सामने मुझे सनकी और दुष्ट के रूप में शर्मिंदा होना पड़ा।"

"तो फिर, महोदया," सांचो ने कहा, "आपके साथ कोई और दुर्घटना नहीं हुई है, और न ही ईर्ष्या के कारण आपने घर छोड़ा है, जैसा कि आपने अपनी कहानी की शुरुआत में कहा था?"
"मेरे साथ कुछ नहीं हुआ है," उसने कहा, "न ही ईर्ष्या ने मुझे बाहर निकाला है, बल्कि दुनिया देखने की एक तीव्र इच्छा थी, जो इस शहर की गलियों को देखने से आगे नहीं बढ़ी।"
उसके भाई को हिरासत में लेकर आए पुलिसकर्मियों के आने से, जिसे उनमें से एक ने उसकी बहन से भागते समय पकड़ लिया था, युवती की कही बात पूरी तरह से सच साबित हो गई। उसने केवल एक कीमती पेटीकोट और बारीक सोने की फीती वाला एक छोटा नीला दमिश्क लबादा पहना हुआ था, और उसका सिर खुला था और केवल उसके अपने बालों से सजा हुआ था, जो इतने चमकदार और घुंघराले थे कि सोने की अंगूठियों जैसे लग रहे थे। गवर्नर, मेजरडोमो और कार्वर उसके साथ एक तरफ गए, और उसकी बहन को बिना बताए, उससे पूछा कि वह इस पोशाक में कैसे आया, और उसने उतनी ही शर्म और झिझक के साथ अपनी बहन जैसी ही कहानी सुनाई, जिससे मुग्ध कार्वर को बहुत खुशी हुई; लेकिन राज्यपाल ने उनसे कहा, "सच तो यह है, हे युवक, कि यह बहुत बचकाना मामला था, और आपकी नादानी और जल्दबाजी को समझाने के लिए इस सारी देरी और इन आंसुओं और आहों की कोई आवश्यकता नहीं थी; क्योंकि अगर आपने कहा होता कि हम फलां-फलां हैं, और हम अपने पिता के घर से इस तरह केवल जिज्ञासावश और बिना किसी अन्य उद्देश्य के घूमने के लिए भागे थे, तो मामला यहीं समाप्त हो जाता, और ये छोटी-मोटी सिसकियां, आंसू और बाकी सब कुछ नहीं होता।"
"यह सच है," युवती ने कहा, "लेकिन आप देखिए, मैं जिस उलझन में थी वह इतनी गहरी थी कि इसने मुझे वैसा व्यवहार करने नहीं दिया जैसा मुझे करना चाहिए था।"
"कोई नुकसान नहीं हुआ है," सांचो ने कहा; "चलो, हम तुम्हें तुम्हारे पिता के घर छोड़ देते हैं; शायद उन्हें तुम्हारी कमी महसूस न हुई हो; और अगली बार इतनी बचकानी या दुनिया देखने की इतनी उत्सुक मत होना; क्योंकि एक सभ्य युवती को पैर टूटने पर घर में ही रहना चाहिए; और इधर-उधर घूमने से स्त्री और मुर्गी दोनों ही जल्दी खो जाते हैं; और जो देखने के लिए उत्सुक होती है, वह दूसरों की नज़र में आने के लिए भी उत्सुक होती है; मैं और कुछ नहीं कहूंगा।"

युवक ने उन्हें घर छोड़ने के उदार प्रस्ताव के लिए राज्यपाल का धन्यवाद किया और पास ही स्थित घर की ओर चल दिए। घर पहुँचकर युवक ने एक छोटी सी शिला पर एक छोटा पत्थर उछाला और तुरंत ही उनका इंतज़ार कर रही एक नौकरानी नीचे आई और उनके लिए दरवाज़ा खोल दिया। वे अंदर चले गए और वहाँ मौजूद लोग उनकी सुंदरता और आकर्षण के साथ-साथ गाँव छोड़े बिना रात में दुनिया घूमने के उनके अनोखे सपने को देखकर आश्चर्यचकित रह गए; हालाँकि, उन्होंने इसे उनकी कम उम्र का कारण बताया।
सिर तराशने वाले का दिल बुरी तरह टूट गया था, और उसने उसी क्षण ठान लिया कि वह अगले दिन उस युवती का विवाह उसके पिता से करवाएगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि उसे मना नहीं किया जाएगा क्योंकि वह ड्यूक का सेवक था; यहाँ तक कि सांचो के मन में भी उस युवक का विवाह अपनी बेटी सांचिका से करवाने के विचार और योजनाएँ आईं, और उसने उचित समय पर बातचीत शुरू करने का निश्चय किया, यह सोचकर कि किसी राज्यपाल की बेटी को पति देने से मना नहीं किया जा सकता। इस प्रकार रात का काम समाप्त हुआ, और कुछ दिनों बाद सरकार गिर गई, जिससे उसकी सारी योजनाएँ धराशायी हो गईं, जैसा कि आगे देखा जाएगा।

50

अध्याय
इसमें उन जादूगरों और जल्लादों का वर्णन है जिन्होंने कुतिया को कोड़े मारे और डॉन क्विक्सोट को चुटकी काटी, और साथ ही उस सेवक का क्या हुआ जिसने सांचो पांजा की पत्नी टेरेसा पांजा को पत्र पहुंचाया था।
इस सच्ची कहानी के हर छोटे-बड़े पहलू की गहन छानबीन करने वाले सिडे हैमेट कहते हैं कि जब डोना रोड्रिगेज़ अपने कमरे से निकलकर डॉन क्विक्सोट के कमरे में गईं, तो उनके साथ सोने वाली एक अन्य दाई ने उन्हें देखा। और जैसा कि सभी दाईयों को ताक-झांक करने, सुनने और सूंघने का शौक होता है, वह इतनी खामोशी से उनके पीछे गई कि डोना रोड्रिगेज़ को इसका पता ही नहीं चला। जैसे ही दाई ने उन्हें डॉन क्विक्सोट के कमरे में प्रवेश करते देखा, चुगली करने की अपनी आदत के चलते वह तुरंत डचेस को यह बताने के लिए दौड़ पड़ी कि डोना रोड्रिगेज़ डॉन क्विक्सोट के साथ कमरे में हैं। डचेस ने ड्यूक को बताया और उनसे अनुरोध किया कि उन्हें और अल्टिसिडोरा को जाकर यह देखने दें कि वह दाई डॉन क्विक्सोट से क्या चाहती है। ड्यूक ने उन्हें अनुमति दे दी, और दोनों सावधानी से और चुपचाप कमरे के दरवाजे तक रेंगकर गईं और इतनी करीब खड़ी हो गईं कि वे अंदर की सारी बातें सुन सकें। लेकिन जब डचेस ने सुना कि रोड्रिगेज़ ने उसके वंशज अरंजुएज़ के बारे में सार्वजनिक रूप से बता दिया है, तो वह और अल्टिसिडोरा दोनों ही खुद को रोक नहीं पाईं। क्रोध और प्रतिशोध की प्यास से भरी हुई, वे कमरे में घुस गईं और डॉन क्विक्सोट को सताया और ड्यूना को उसी तरह कोड़े मारे जैसा पहले बताया गया था; क्योंकि उनके आकर्षण और आत्मसम्मान पर किए गए अपमान से महिलाओं का क्रोध भड़क उठता है और वे बदला लेने के लिए बेताब हो जाती हैं। डचेस ने ड्यूक को सारी घटना बताई, और वह इस पर खूब हँसा; और डॉन क्विक्सोट के साथ मौज-मस्ती करने के अपने इरादे को पूरा करने के लिए, उसने उस सेवक को, जिसने डुलसीनिया के मोहभंग की बातचीत में उसकी भूमिका निभाई थी (जिसके बारे में सांचो पांजा सरकार के कामों में व्यस्त होने के कारण पूरी तरह भूल गया था), उसकी पत्नी टेरेसा पांजा के पास उसके पति का पत्र और अपना एक पत्र, साथ ही उपहार के रूप में बढ़िया मूंगे के मोतियों की एक बड़ी माला भेज दी।

इतिहास कहता है कि यह सेवक बहुत बुद्धिमान और समझदार था; और अपने स्वामी और स्वामिनी की सेवा करने के लिए उत्सुक होकर वह बड़ी खुशी से सांचो के गाँव के लिए निकल पड़ा। गाँव में प्रवेश करने से पहले उसने एक नाले में कई महिलाओं को नहाते देखा और उनसे पूछा कि क्या वे बता सकती हैं कि क्या वहाँ टेरेसा पांज़ा नाम की कोई महिला रहती है, जो ला मांचा के डॉन क्विक्सोट नामक एक शूरवीर के सहायक सांचो पांज़ा की पत्नी थी। यह सुनकर नहा रही एक युवती खड़ी हो गई और बोली, "टेरेसा पांज़ा मेरी माँ हैं, सांचो मेरे पिता हैं और वह शूरवीर हमारा स्वामी है।"
"तो फिर, मिस," सेवक ने कहा, "आइए और मुझे दिखाइए कि आपकी माँ कहाँ हैं, क्योंकि मैं उनके लिए आपके पिता का एक पत्र और एक उपहार लाया हूँ।"
"हाँ, मैं पूरे दिल से ऐसा करूँगी, महाराज," लगभग चौदह साल की लग रही लड़की ने कहा; और अपने कपड़े धोने का काम अपनी एक सहेली को सौंपकर, और सिर-पैर पर कुछ भी पहने बिना, क्योंकि उसके पैर नंगे थे और बाल बिखरे हुए थे, वह सेवक के घोड़े के आगे उछलती हुई चली गई और बोली, "आइए, महाराज, हमारा घर कस्बे के प्रवेश द्वार पर है, और मेरी माँ वहाँ है, मेरे पिता के बारे में इतने लंबे समय से कोई खबर न मिलने के कारण बहुत दुखी है।"
"अच्छा," सेवक ने कहा, "मैं उसके लिए इतनी अच्छी खबर ला रहा हूँ कि उसके पास ईश्वर का धन्यवाद करने का कारण होगा।"
फिर उछलते-कूदते, दौड़ते-भागते और झिलमिलाते हुए लड़की कस्बे में पहुँची, लेकिन घर में प्रवेश करने से पहले उसने दरवाजे पर पुकारा, "बाहर आइए, मदर टेरेसा, बाहर आइए, बाहर आइए; यहाँ एक सज्जन हैं जो मेरे प्यारे पिता के पत्र और अन्य सामान लेकर आए हैं।" ये शब्द सुनते ही उसकी माँ टेरेसा पांज़ा एक भूरे रंग के पेटीकोट (जो इतना छोटा था कि देखकर लगता था मानो "उन्हें शर्मिंदा करने के लिए उसे छोटा काट दिया गया हो"), उसी कपड़े की भूरे रंग की चोली और एक फ्रॉक पहने हुए, सन का गट्ठा कातते हुए बाहर आईं। वह बहुत बूढ़ी नहीं थीं, हालांकि स्पष्ट रूप से चालीस से अधिक की थीं, मजबूत, स्वस्थ, चुस्त और धूप में तपी हुई थीं; और अपनी बेटी और सेवक को घोड़े पर सवार देखकर वह चौंक उठीं, "यह क्या है, बच्ची? यह कौन सज्जन हैं?" "मेरी मालकिन, डोना टेरेसा पांज़ा का सेवक," सेवक ने उत्तर दिया; और अपने शब्दों के अनुरूप कार्य करते हुए वह अपने घोड़े से नीचे कूद गया, और अत्यंत विनम्रता के साथ मालकिन टेरेसा के सामने घुटने टेककर बोला, "हे सेनोरा

डोना टेरेसा, मैं बारातारिया द्वीप के वैध गवर्नर, सेनोर डॉन सांचो पांज़ा की वैध और एकमात्र पत्नी हूँ, इसलिए मुझे आपका हाथ चूमने दीजिए।"
"आह, महोदय, उठिए, ऐसा कीजिए," टेरेसा ने कहा; "क्योंकि मैं कोई दरबारी महिला नहीं हूँ, बल्कि एक गरीब देहाती महिला हूँ, एक किसान की बेटी और एक जमींदार की पत्नी हूँ, किसी गवर्नर की नहीं।"
"आप एक परम आदरणीय राज्यपाल की परम योग्य पत्नी हैं; और मेरी बात के प्रमाण स्वरूप इस पत्र और इस उपहार को स्वीकार कीजिए;" और उसी समय उसने अपनी जेब से सोने की कुंडी वाली मूंगे की माला निकाली और उसे उनके गले में पहनाते हुए कहा, "यह पत्र महामहिम राज्यपाल की ओर से है, और यह मूंगे की माला और अन्य वस्तुएँ मेरी पत्नी डचेस की ओर से हैं, जिन्होंने मुझे आपके पास भेजा है।"
टेरेसा अचंभित खड़ी थी, और उसकी बेटी भी उतनी ही अचंभित थी, और लड़की ने कहा, "काश मैं मर जाऊं लेकिन हमारे गुरु डॉन क्विक्सोट का ही हाथ हो; उन्होंने पिताजी को वह सरकार या काउंटी जरूर दी होगी जिसका उन्होंने उनसे अक्सर वादा किया था।"
"यह सच है," सेवक ने कहा; "क्योंकि सेनर डॉन क्विक्सोट के माध्यम से ही सेनर सांचो अब बारातारिया द्वीप के राज्यपाल हैं, जैसा कि इस पत्र से स्पष्ट होगा।"
"क्या आप इसे मुझे पढ़कर सुनाएंगे, महोदय?" टेरेसा ने कहा; "क्योंकि मैं सूत तो कताई कर सकती हूँ, लेकिन पढ़ नहीं सकती, बिलकुल भी नहीं।"
"मैं भी नहीं," सांचिका ने कहा; "लेकिन थोड़ा इंतजार करो, मैं जाकर किसी ऐसे व्यक्ति को ले आऊंगी जो इसे पढ़ सके, या तो स्वयं पादरी या अविवाहित सैमसन कैरास्को, और वे मेरे पिता के बारे में कोई भी खबर सुनने के लिए खुशी-खुशी आएंगे।"
"किसी को बुलाने की कोई ज़रूरत नहीं है," सेवक ने कहा; "क्योंकि हालाँकि मैं सूत कात नहीं सकता, मैं पढ़ सकता हूँ, और मैं इसे पढ़ लूँगा;" और उसने इसे पूरा पढ़ लिया, लेकिन क्योंकि यह पहले ही दिया जा चुका है, इसलिए इसे यहाँ शामिल नहीं किया गया है; और फिर उसने डचेस से दूसरा पत्र निकाला, जो इस प्रकार था:
मित्र टेरेसा, आपके पति सांचो के अच्छे गुणों, हृदय और बुद्धि दोनों के कारण, मुझे अपने पति ड्यूक से उनके कई द्वीपों में से एक का शासन उन्हें

सौंपने का अनुरोध करने के लिए प्रेरित और विवश होना पड़ा। मुझे बताया गया है कि उनका शासन एक कुशल बाज की तरह है, जिससे मैं बहुत प्रसन्न हूँ, और मेरे पति ड्यूक भी, बेशक; और मैं ईश्वर की बहुत आभारी हूँ कि मैंने उन्हें इस शासन के लिए चुनकर कोई गलती नहीं की है; क्योंकि मैं श्रीमती टेरेसा को यह बताना चाहती हूँ कि इस संसार में एक अच्छा शासक मिलना मुश्किल है और ईश्वर मुझे सांचो के शासन करने के तरीके जितना ही कुशल बनाए। इसके साथ, प्रिय, मैं आपको सोने की कुंडी वाली मूंगे की मोतियों की एक माला भेज रही हूँ; काश ये पूर्वी मोती होते; लेकिन "जो तुम्हें हड्डी देता है, वह तुम्हें मरा हुआ नहीं देखना चाहता;" एक समय आएगा जब हम एक-दूसरे से परिचित होंगे और मिलेंगे, लेकिन भविष्य ईश्वर ही जानता है। अपनी बेटी संचिका को मेरी ओर से प्रणाम कहना और उसे मेरी तरफ से तैयार रहने को कहना, क्योंकि मैं उसके लिए एक ऐसा रिश्ता तय करने जा रहा हूँ जिसकी उसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं होगी। मुझे पता चला है कि आपके गाँव में बड़े-बड़े बलूत के फल हैं; मुझे दो दर्जन के करीब बलूत के फल भेज देना, मैं उन्हें आपके हाथों से पाकर बहुत खुश होऊंगा; और मुझे जल्द ही पत्र लिखकर अपने अच्छे स्वास्थ्य और कुशल मंगल के बारे में आश्वस्त करना; और अगर आपको किसी चीज की जरूरत हो, तो बस अपना मुंह खोल देना, और बस इतना ही काफी होगा; और ईश्वर आपका भला करे। इस स्थान से। आपकी प्रिय मित्र, डचेस।
"अहा, कितनी अच्छी, सीधी-सादी, विनम्र महिला है!" टेरेसा ने पत्र सुनकर कहा; "काश मुझे उस तरह की महिलाओं के साथ दफनाया जाए, न कि इस शहर की उन संभ्रांत महिलाओं के साथ, जो खुद को संभ्रांत महिला समझती हैं क्योंकि उन्हें हवा भी छू नहीं सकती, और चर्च में ऐसे इतराती हैं जैसे कि वे रानियाँ हों, और एक किसान की पत्नी को देखकर खुद को अपमानित समझती हैं! और देखिए, यह भली महिला, भले ही वह एक डचेस हैं, मुझे 'मित्र' कहकर बुलाती हैं, और मेरे साथ ऐसा व्यवहार करती हैं जैसे मैं उनके बराबर हूँ—और काश मैं उन्हें ला मांचा के सबसे ऊँचे चर्च-टावर के बराबर देख सकूँ! और जहाँ तक बलूत के फलों की बात है, महोदय, मैं उनकी लेडीशिप को एक पेक भेजूँगा, और इतने बड़े कि लोग उन्हें देखने के लिए एक तमाशा और आश्चर्य की तरह आएँ। और अब, सांचिका, ध्यान रखना कि सज्जन आराम से रहें; उनके घोड़े को बाँध दो, और अस्तबल से कुछ अंडे निकाल लो, और खूब सारा बेकन काट लो, और चलो उन्हें राजकुमार की तरह भोजन कराएँ; क्योंकि वह जो अच्छी खबर लाए हैं, और उनका सुंदर चेहरा,

इसके हकदार हैं; और इस बीच मैं बाहर जाकर कुछ देता हूँ।" पड़ोसियों को हमारी खुशखबरी की खबर, पादरी पिता को, और नाई मास्टर निकोलस को, जो तुम्हारे पिता के हमेशा से ही मित्र रहे हैं।
"हाँ, माँ," सांचिका ने कहा; "लेकिन ध्यान रखना, तुम्हें मुझे उस धागे का आधा हिस्सा देना होगा; क्योंकि मुझे नहीं लगता कि मेरी महारानी इतनी मूर्ख हो सकती हैं कि वह सारा धागा तुम्हें भेज दें।"
"यह सब तुम्हारे लिए है, मेरे बच्चे," टेरेसा ने कहा; "लेकिन मुझे इसे कुछ दिनों के लिए अपने गले में पहनने दो; क्योंकि सचमुच इससे मेरा दिल खुश हो जाता है।"
"जब तुम इस सूट में रखे बंडल को देखोगे तो तुम्हें भी खुशी होगी, क्योंकि यह बेहतरीन कपड़े का बना सूट है, जिसे गवर्नर ने शिकार पर जाते समय सिर्फ एक दिन पहना था और अब सेनोरा सांचिका के लिए भेजा है," सेवक ने कहा।
"वह हजार वर्ष जीवित रहे," सांचिका ने कहा, "और उसका वाहक भी उतने ही वर्ष, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर दो हजार वर्ष तक जीवित रहे।"
यह कहते ही टेरेसा चिट्ठियाँ लेकर और गले में मोतियों की माला पहने घर से जल्दी से बाहर निकल गई, और चिट्ठियों को डफ की तरह बजाती हुई आगे बढ़ी। संयोग से उसकी मुलाकात पादरी और सैमसन कैरास्को से हो गई, और वह उछल-कूद करते हुए कहने लगी, "अब हममें से कोई गरीब नहीं है, सच में! हमारे पास एक छोटी सी सरकार है! अरे, कोई भी खूबसूरत महिला मुझसे भिड़ जाए, मैं उसे सबक सिखा दूँगी!"
"यह सब क्या है, टेरेसा पांजा?" उन्होंने कहा; "यह कैसी पागलपन है, और ये कौन से कागज़ हैं?"
"पागलपन तो बस यही है," उसने कहा, "कि ये डचेस और गवर्नरों के पत्र हैं, और ये जो मैंने अपने गले में पहन रखे हैं, वे उत्तम मूंगे के मनके हैं, जिनमें पीटे हुए सोने के एवे-मारिया और पैटरनोस्टर जड़े हैं, और मैं एक गवर्नेंस हूँ।"
"भगवान हमारी मदद करें," पादरी ने कहा, "हम आपको समझ नहीं पा रहे हैं, टेरेसा, और न ही हमें पता है कि आप क्या कह रही हैं।"
"लो, तुम खुद देख लो," टेरेसा ने कहा और उसने उन्हें पत्र सौंप दिए।
पादरी ने सैमसन कैरास्को को वे पत्र पढ़कर सुनाए, और सैमसन और कैरास्को ने जो पढ़ा था उसे देखकर आश्चर्य से एक-दूसरे को देखा। कुंवारे ने पूछा कि ये

पत्र कौन लाया है। टेरेसा ने जवाब में उन्हें अपने घर चलने को कहा और बताया कि वे उस संदेशवाहक से मिलेंगे, जो एक बेहद सुंदर युवक था और एक और उपहार लाया था जिसकी कीमत उससे कहीं अधिक थी। पादरी ने टेरेसा के गले से मूंगे के मनके उतारे और बार-बार उनकी जांच की। उनकी सुंदरता से संतुष्ट होकर वह फिर से आश्चर्यचकित हो गया और बोला, "मैं जो गाउन पहने हूँ, उसकी कसम, मुझे नहीं पता कि इन पत्रों और उपहारों के बारे में क्या कहूँ या क्या सोचूँ; एक तरफ तो मैं इन मूंगे के मनकों की सुंदरता को देख और महसूस कर सकता हूँ, और दूसरी तरफ मैं पढ़ता हूँ कि एक डचेस दो दर्जन बलूत के फल माँगने के लिए पत्र भेजती है।"
"अगर आप इसका वर्ग कर सकते हैं, तो कर दीजिए," कैरास्को ने कहा; "ठीक है, चलिए दूत से मिलने चलते हैं, और उससे हमें इस रहस्य के बारे में कुछ पता चलेगा जो सामने आया है।"
उन्होंने ऐसा ही किया, और टेरेसा उनके साथ लौट आई। उन्होंने देखा कि सेवक अपने घोड़े के लिए थोड़ी जौ छान रहा था, और सांचिका अपने रात के खाने के लिए अंडे के साथ परोसने के लिए बेकन का एक टुकड़ा काट रहा था। उसका रूप और उसका सुंदर वस्त्र उन दोनों को बहुत भाया; और उनके द्वारा शिष्टाचारपूर्वक अभिवादन करने के बाद, और उसने भी उनका अभिवादन किया, सैमसन ने उससे डॉन क्विक्सोट और सांचो पांजा दोनों के बारे में समाचार देने का अनुरोध किया, क्योंकि उसने कहा कि हालांकि उन्होंने सांचो और डचेस के पत्र पढ़ लिए थे, फिर भी वे उलझन में थे और सांचो के शासन का, और विशेष रूप से एक द्वीप का, अर्थ नहीं समझ पा रहे थे, जबकि भूमध्य सागर के अधिकांश द्वीप महाराज के अधीन थे।
इस पर दरबारी ने उत्तर दिया, "सेनर सांचो पांजा के राज्यपाल होने में कोई संदेह नहीं है; लेकिन वह जिस द्वीप पर शासन करते हैं, वह द्वीप है या नहीं, इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है; इतना ही काफी है कि वह एक हजार से अधिक निवासियों वाला एक शहर है; बलूत के बीजों के संबंध में, मैं आपको बता दूं कि मेरी महारानी डचेस इतनी सरल और विनम्र हैं कि किसी किसान महिला से बलूत के बीज मांगने की तो बात ही छोड़िए, वह अपनी एक पड़ोसी से कंघी उधार मांगने के लिए भी जानी जाती हैं; क्योंकि मैं आपको बताना चाहता हूं कि आरागॉन की महिलाएं, हालांकि वे उतनी ही प्रतिष्ठित हैं, कैस्टिलियन महिलाओं की तरह

इतनी संकोची और अभिमानी नहीं हैं; वे लोगों के साथ अधिक आत्मीयता से पेश आती हैं।"
इसी बातचीत के बीच में सांचिका अंडों से भरी अपनी स्कर्ट लिए हुए अंदर आई और उसने सेवक से कहा, "महोदय, मुझे बताइए, क्या मेरे पिता राज्यपाल बनने के बाद से ही ट्रंक-होज़ पहनते हैं?"
"मैंने ध्यान नहीं दिया," पन्ने ने कहा; "लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह उन्हें पहनता है।"
"अरे! हे भगवान!" सांचिका ने कहा, "मेरे पिता को टाइट्स में देखना कितना अद्भुत नजारा होगा! क्या यह अजीब नहीं है कि जन्म से ही मेरे मन में अपने पिता को ट्रंक-होज़ में देखने की लालसा रही है?"
"हालात जैसे चल रहे हैं, आप देखेंगे कि अगर आप जीवित रहे," सेवक ने कहा; "भगवान की कसम, अगर सरकार सिर्फ दो महीने और चलती है, तो उसे धूप से बचने के लिए छांव लेकर जाना पड़ेगा।"
पादरी और कुंवारे व्यक्ति को यह अच्छी तरह समझ आ गया था कि नौकर मज़ाकिया लहजे में बोल रहा था; लेकिन मूंगे के मोतियों की बारीकी और सांचो द्वारा भेजे गए शिकार के सूट (क्योंकि टेरेसा उन्हें पहले ही दिखा चुकी थी) ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया; और वे सांचिका की इच्छा पर हँसे बिना नहीं रह सके, और तब और भी ज़्यादा हँसे जब टेरेसा ने कहा, "श्रीमान पादरी, देखिए क्या यहाँ कोई मैड्रिड या टोलेडो जा रहा है, मेरे लिए एक सुंदर, उच्च गुणवत्ता वाली, फैशनेबल पेटीकोट खरीदने के लिए; क्योंकि मुझे अपने पति के शासन का यथासंभव सम्मान करना है; बल्कि, अगर मुझे मजबूर होना पड़ा, तो मैं दरबार जाऊंगी और दुनिया की तरह एक शानदार गाड़ी का इंतज़ाम करूंगी; क्योंकि जिसका पति शासक हो, वह उसे रख भी सकता है और उसकी देखभाल भी कर सकता है।"
“और क्यों नहीं, माँ!” सांचिका ने कहा; “काश, यह कल की जगह आज ही हो जाता, भले ही जब वे मुझे मेरी माँ के साथ गाड़ी में बैठे देखें तो कहें, ‘देखो उस बेकार औरत की, उस लहसुन से भरी हुई औरत की बेटी, कैसे आराम से गाड़ी में लेटी है जैसे कोई पोप हो!’ लेकिन उन्हें कीचड़ में चलने दो, और मुझे गाड़ी में पैर ज़मीन से ऊपर उठाकर जाने दो। दुनिया भर के चुगलखोरों का बुरा हाल हो; ‘मुझे आराम से जाने दो, लोग हँसेंगे।’ क्या मैं सही कह रही हूँ, माँ?”

"हाँ, मेरी बच्ची, तुम ऐसा ज़रूर करोगी," टेरेसा ने कहा; "और यह सारी अच्छी किस्मत, और इससे भी ज़्यादा, मेरे प्यारे सांचो ने मुझे पहले ही बता दी थी; और तुम देखोगी, मेरी बेटी, वह तब तक नहीं रुकेगा जब तक मुझे काउंटेस न बना दे; क्योंकि शुरुआत करना ही किस्मत की कुंजी है; और जैसा कि मैंने तुम्हारे प्यारे पिता को कई बार कहते सुना है (क्योंकि तुम्हारे पिता होने के साथ-साथ वे कहावतों के जनक भी हैं), 'जब वे तुम्हें बछिया दें, तो रस्सी लेकर भागो; जब वे तुम्हें सरकार दें, तो उसे स्वीकार करो; जब वे तुम्हें कोई काउंटी दें, तो उसे हथिया लो; जब वे तुम्हें कुछ अच्छा दें, तो उसे निगल जाओ।' अरे नहीं! सो जाओ, और अच्छी किस्मत और सौभाग्य के उन संकेतों का जवाब मत दो जो तुम्हारे घर के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं!" सांचिका ने आगे कहा, "और मुझे क्या फर्क पड़ता है कि जब कोई मुझे सिर ऊंचा करके खड़ा देखता है तो वह कहता है, 'कुत्ते ने खुद को भांग की पैंट में देखा,' और इसी तरह की और भी बातें?"
यह सुनकर पादरी ने कहा, "मेरा मानना है कि पांजा परिवार के सभी सदस्य अपने भीतर कहावतों का भंडार लेकर पैदा होते हैं, उनमें से हर एक; मैंने उनमें से किसी को भी ऐसा नहीं देखा जो हर समय और हर अवसर पर उनका प्रयोग न करता हो।" "यह सच है," सेवक ने कहा, "क्योंकि सेनर गवर्नर सांचो हर मौके पर उनका इस्तेमाल करते हैं; और हालांकि उनमें से बहुत से सार्थक नहीं होते, फिर भी वे मनोरंजक होते हैं, और मेरी लेडी डचेस और ड्यूक उनकी बहुत प्रशंसा करते हैं।"
"तो क्या आप अब भी मानते हैं कि सांचो के शासन के बारे में यह सब सच है, महोदय?" कुंवारे ने कहा, "और क्या सच में कोई डचेस है जो उसे उपहार भेजती है और पत्र लिखती है? क्योंकि हमने उपहार को छुआ है और पत्र पढ़े हैं, फिर भी हमें इस पर विश्वास नहीं होता और हमें लगता है कि यह हमारे शहर के साथी डॉन क्विक्सोट की तरह कुछ है, जो मानता है कि सब कुछ जादू से होता है; और इसी कारण मैं लगभग यह कहने को तैयार हूँ कि मैं आपको छूकर देखना चाहता हूँ कि आप केवल कल्पना के दूत हैं या हाड़-मांस के इंसान हैं।"
"महोदय, मैं बस इतना जानता हूँ कि मैं एक सच्चा राजदूत हूँ, और वास्तव में सेनर सांचो पांज़ा गवर्नर हैं, और मेरे स्वामी और स्वामिनी ड्यूक और डचेस उन्हें यह शासन दे सकते हैं, और दे चुके हैं, और मैंने सुना है कि सांचो पांज़ा इस पद पर बहुत दृढ़ता से कार्य करते हैं; इसमें कोई जादू-टोना है या

नहीं, यह आप लोगों को मिलकर तय करना है; क्योंकि मैं शपथ लेकर बस इतना ही जानता हूँ, और यह शपथ मेरे माता-पिता के जीवन की है, जो अभी जीवित हैं और जिनसे मैं अत्यंत प्रेम करता हूँ।"
"ऐसा हो सकता है," अविवाहित व्यक्ति ने कहा; "लेकिन ऑगस्टिनस को संदेह होना चाहिए।"
"संदेह कौन करेगा," सेवक ने कहा; "मैंने तुम्हें जो बताया है वह सत्य है, और यह झूठ से उतना ही ऊपर उठेगा जितना तेल पानी से ऊपर उठता है; अगर विश्वास न हो तो शब्दों का प्रयोग नहीं किया जा सकता। तुममें से एक मेरे साथ आए, और वह अपनी आँखों से देख लेगा जो वह अपने कानों से नहीं सुन पाता।"
"यह यात्रा मुझे ही करनी है," सांचिका ने कहा; "मुझे अपने साथ ले चलो, महाराज, अपने घोड़े पर अपने पीछे; क्योंकि मैं पूरे मन से अपने पिता से मिलने जाऊंगी।"
सेवक ने कहा, "राज्यपालों की बेटियों को सड़कों पर अकेले यात्रा नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके साथ कोच, पालकी और बड़ी संख्या में परिचारक होने चाहिए।"
"भगवान की कसम," सांचिका ने कहा, "मैं गधे पर सवार होकर भी उतनी ही आसानी से चल सकती हूँ जितनी कि गाड़ी में; आप मुझे कितनी सुंदर लड़की समझते होंगे!" "चुप रहो, लड़की," टेरेसा ने कहा; "तुम्हें पता नहीं है कि तुम क्या कह रही हो; सज्जन बिल्कुल सही कह रहे हैं, क्योंकि 'समय के साथ व्यवहार'; जब सांचो होता था तो 'सांचा' कहते थे; जब गवर्नर होता है तो 'सेनोरा' कहते हैं; मुझे नहीं पता कि मैं सही हूँ या नहीं।"
"सेनोरा टेरेसा जितना जानती हैं उससे कहीं अधिक कहती हैं," सेवक ने कहा; "और अब मुझे कुछ खाने को दो और मुझे तुरंत जाने दो, क्योंकि मैं आज शाम को वापस आने वाला हूँ।"
इस पर पादरी ने कहा, "आओ और मेरे साथ प्रायश्चित करो; क्योंकि सेनोरा टेरेसा के पास इतने योग्य अतिथि की सेवा करने के लिए साधनों से कहीं अधिक इच्छाशक्ति है।"
उस सेवक ने पहले तो मना कर दिया, लेकिन अंततः अपने भले के लिए मान गया; और पादरी उसे बड़े हर्षोल्लास से अपने साथ घर ले गया, ताकि उसे डॉन क्विक्सोट और उसके कारनामों के बारे में उससे फुर्सत में पूछताछ करने का अवसर मिल सके। उस कुंवारे ने टेरेसा के लिए जवाब में पत्र लिखने की पेशकश की; लेकिन

टेरेसा उसे अपने मामलों में दखल देने देना नहीं चाहती थी, क्योंकि वह उसे कुछ मज़ाकिया समझती थी; इसलिए उसने एक युवा सहायक को, जो लिखने में माहिर था, एक केक और दो अंडे दिए, और उसने टेरेसा के लिए दो पत्र लिखे, एक उसके पति के लिए और दूसरा डचेस के लिए, जो उसने खुद लिखवाए थे। जैसा कि आगे देखा जाएगा, ये पत्र इस महान इतिहास में सबसे बुरे नहीं हैं।

51

अध्याय
सांचो की सरकार की प्रगति और ऐसे ही अन्य मनोरंजक मामलों के बारे में। राज्यपाल के गश्त की रात के बाद सुबह हुई; वह रात सिर तराशने वाले ने बिना सोए बिताई, क्योंकि वह भेस बदले युवती के चेहरे, हावभाव और सुंदरता के बारे में ही सोचता रहा, जबकि मुख्य प्रबंधक ने बची हुई रात अपने स्वामी और स्वामिनी को सांचो के कहे और किए गए सभी कामों का ब्यौरा लिखने में बिताई, क्योंकि वह उसके कथनों और कार्यों से उतना ही चकित था, क्योंकि उसके हर शब्द और कर्म में चतुराई और सरलता का मिश्रण था। वरिष्ठ राज्यपाल उठे, और डॉक्टर पेड्रो रेसियो के निर्देशानुसार उन्होंने उन्हें थोड़े से मुरब्बे और चार घूंट ठंडे पानी से नाश्ता कराया, जिसे सांचो रोटी के एक टुकड़े और अंगूर के गुच्छे से आसानी से बदल लेता; लेकिन कोई चारा न देखकर, उसने भारी मन से और पेट की तकलीफ के साथ इसे स्वीकार कर लिया; पेड्रो रेसियो ने उसे समझाया कि हल्का और संतुलित आहार बुद्धि को तेज करता है, और यही उन लोगों के लिए सबसे आवश्यक है जो कमान संभालते हैं और जिम्मेदार पदों पर होते हैं, जहाँ उन्हें न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक शक्तियों का भी उपयोग करना पड़ता है।
इस छल-कपट के माध्यम से सांचो को भूख सहन करने के लिए मजबूर किया गया, और भूख इतनी तीव्र थी कि उसने अपने दिल में सरकार को और यहां तक कि उसे यह भूख देने वाले को भी कोसना शुरू कर दिया; हालांकि, अपनी भूख और भूख के बावजूद उन्होंने उस दिन फैसले सुनाने का बीड़ा उठाया, और सबसे पहले उनके सामने एक अजनबी द्वारा, मुख्य प्रबंधक और अन्य सेवकों की उपस्थिति में, एक प्रश्न प्रस्तुत किया गया, जो इस प्रकार था: "महोदय, एक बड़ी नदी एक ही जागीर के दो जिलों को अलग करती है - क्या आप कृपया इस पर ध्यान देंगे, क्योंकि मामला महत्वपूर्ण और कुछ पेचीदा है? तो, इस नदी पर एक पुल था, और उसके एक छोर पर एक फांसी का तख्ता और एक प्रकार का न्यायालय था, जहाँ चार न्यायाधीश आमतौर पर नदी, पुल और जागीर के स्वामी द्वारा बनाए गए कानून का प्रशासन करने के लिए बैठते थे, जो इस प्रकार था, 'यदि कोई इस पुल से एक तरफ से दूसरी तरफ जाता है तो उसे शपथ लेकर बताना होगा कि वह कहाँ जा रहा है और किस उद्देश्य से; और यदि वह सच कहता है, तो उसे जाने दिया जाएगा, लेकिन यदि झूठ कहता है, तो उसे

वहाँ बने फांसी के तख्ते पर बिना किसी छूट के मौत की सजा दी जाएगी।'" यद्यपि कानून और उसके कठोर दंड के बारे में सबको पता था, फिर भी कई लोगों ने कानून तोड़ दिया, लेकिन उनके बयानों से तुरंत स्पष्ट हो गया कि वे सच बोल रहे थे, और न्यायाधीशों ने उन्हें बरी कर दिया। हालांकि, एक बार ऐसा हुआ कि जब एक व्यक्ति का बयान लेने के लिए लोग आए, तो उसने शपथ लेकर कहा कि वह उसी फांसी के तख्ते पर मरने जा रहा है, और कुछ नहीं। न्यायाधीशों ने शपथ पर विचार-विमर्श किया और कहा, "यदि हम इस व्यक्ति को बरी कर देते हैं, तो उसने झूठी शपथ ली है और कानून के अनुसार उसे मृत्युदंड मिलना चाहिए; लेकिन यदि हम उसे फांसी देते हैं, क्योंकि उसने शपथ ली थी कि वह उसी फांसी के तख्ते पर मरने जा रहा है, और इसलिए उसने सच कहा है, तो उसी कानून के अनुसार उसे बरी कर दिया जाना चाहिए।" माननीय राज्यपाल महोदय, आपसे निवेदन है कि न्यायाधीश इस व्यक्ति के मामले में क्या करें? क्योंकि वे अभी भी दुविधा में हैं; और आपकी तीक्ष्ण बुद्धि और उच्च कोटि की बुद्धिमत्ता के बारे में सुनकर, उन्होंने मुझे इस अत्यंत जटिल और पेचीदा मामले पर आपकी राय जानने के लिए आपके समक्ष भेजा है।
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "वास्तव में, जिन सज्जनों, न्यायाधीशों ने आपको मेरे पास भेजा है, वे स्वयं को इस परेशानी से बचा सकते थे, क्योंकि मुझमें बुद्धि से अधिक मंद बुद्धि है; लेकिन कृपया मामले को फिर से दोहराएं, ताकि मैं इसे समझ सकूं, और फिर शायद मैं मुद्दे पर आ सकूं।"
प्रश्नकर्ता ने बार-बार वही बात दोहराई जो उसने पहले कही थी, और तब सांचो ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं इस मामले को पल भर में सुलझा सकता हूँ, और इस तरह से; वह आदमी कसम खाता है कि वह फाँसी पर मरेगा; लेकिन अगर वह फाँसी पर मर जाता है, तो उसने सच कहा है, और कानून के अनुसार वह आज़ाद होकर पुल पार करने का हकदार है; लेकिन अगर वे उसे फाँसी नहीं देते हैं, तो उसने झूठी कसम खाई है, और उसी कानून के अनुसार वह फाँसी का हकदार है।"
"यह वही है जो वरिष्ठ गवर्नर कहते हैं," दूत ने कहा; "और मामले की पूरी समझ के संबंध में, अब कुछ भी चाहने या संकोच करने की आवश्यकता नहीं है।"
"तो फिर मैं कहता हूँ," सांचो ने कहा, "कि इस आदमी के उस हिस्से को जाने दिया जाए जिसने सच कहा है, और उस हिस्से को फाँसी पर लटका दिया जाए जिसने झूठ बोला है; और इस तरह प्रवेश की शर्तें पूरी तरह से पूरी हो जाएँगी।"

"लेकिन फिर, माननीय राज्यपाल महोदय," प्रश्नकर्ता ने उत्तर दिया, "उस व्यक्ति को दो भागों में विभाजित करना होगा; और यदि उसे विभाजित किया जाता है तो निश्चित रूप से उसकी मृत्यु हो जाएगी; और इस प्रकार कानून की कोई भी आवश्यकता पूरी नहीं होगी, और इसका पालन करना बिल्कुल आवश्यक है।"
"देखिए, महोदय," सांचो ने कहा; "या तो मैं मूर्ख हूँ या फिर इस यात्री के मरने और जीवित रहने तथा पुल पार करने का कारण एक ही है; क्योंकि यदि सत्य उसे बचाता है तो असत्य उसे उतना ही दोषी ठहराता है; और यदि ऐसा है तो मेरा मानना है कि आपको उन सज्जनों से कहना चाहिए जिन्होंने आपको मेरे पास भेजा है कि चूंकि उसे दोषी ठहराने और उसे बरी करने के तर्क बराबर हैं, इसलिए उन्हें उसे स्वतंत्र रूप से जाने देना चाहिए, क्योंकि बुराई करने से भलाई करना हमेशा अधिक प्रशंसनीय होता है; यदि मुझे हस्ताक्षर करना आता तो मैं इस पर अपने नाम से हस्ताक्षर कर देता; और इस मामले में मैंने जो कुछ कहा है वह मेरी अपनी कल्पना से नहीं है, बल्कि मेरे गुरु डॉन क्विक्सोट द्वारा मुझे इस द्वीप का राज्यपाल बनने के लिए रवाना होने से एक रात पहले दिए गए कई उपदेशों में से एक है, जो मेरे मन में आया था, और वह यह था कि जब किसी मामले की न्यायसंगतता के बारे में कोई संदेह हो तो मुझे दया का सहारा लेना चाहिए; और यह ईश्वर की इच्छा है कि मुझे अब यह याद आ रहा है, क्योंकि यह इस मामले पर इस प्रकार लागू होता है मानो इसी के लिए बना हो।"
"यह सच है," मेजरडोमो ने कहा; "और मेरा मानना है कि खुद लाइकुर्गस, जिसने लैकेडेमोनियों को कानून दिए थे, महान पांजा द्वारा दिए गए फैसले से बेहतर फैसला नहीं दे सकता था; आइए सुबह की सभा इसी के साथ समाप्त करें, और मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि वरिष्ठ गवर्नर को उनकी पसंद का पूरा भोजन मिले।" "मैं बस यही चाहता हूँ - निष्पक्ष खेल," सांचो ने कहा; "मुझे मेरा खाना दे दो, और फिर मेरे ऊपर मुकदमों और सवालों की बौछार कर दो, मैं पलक झपकते ही उनका निपटारा कर दूंगा।"
मुख्य प्रबंधक ने अपना वचन निभाया, क्योंकि उसे इतने बुद्धिमान राज्यपाल को भूख से मारना अपने अंतरात्मा के विरुद्ध लगा; विशेष रूप से इसलिए कि वह उसी रात उसे खत्म करने का इरादा रखता था, उस पर किए जाने वाले आखिरी मजाक को अंजाम देते हुए जिसे करने का उसे जिम्मा सौंपा गया था।
फिर हुआ यूं कि उस दिन भोजन करने के बाद, डॉक्टर तिरतेफुएरा के नियमों और कहावतों के विपरीत, जब वे खाना समेट रहे थे, तभी डॉन क्विक्सोट का राज्यपाल

के लिए एक पत्र लेकर एक दूत आया। सांचो ने सचिव को आदेश दिया कि वह पत्र स्वयं पढ़े, और यदि उसमें कुछ भी गुप्त रखने योग्य न हो तो उसे ज़ोर से पढ़ दे। सचिव ने ऐसा ही किया, और पत्र की विषयवस्तु पर सरसरी नज़र डालने के बाद उसने कहा, "इसे ज़ोर से पढ़ा जा सकता है, क्योंकि माननीय डॉन क्विक्सोट ने आपके सम्मान में जो लिखा है वह सुनहरे अक्षरों में छपने या लिखे जाने योग्य है, और वह इस प्रकार है।"
डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा का बारातारिया द्वीप के गवर्नर सांचो पांजा को लिखा पत्र।
हे मित्र सांचो, जब मुझे तुम्हारी मूर्खताओं और भूलों के बारे में सुनने की उम्मीद थी, तब मुझे तुम्हारी बुद्धिमत्ता के प्रदर्शन की खबर मिली, जिसके लिए मैं ईश्वर का विशेष धन्यवाद करता हूँ, जो गरीबों को कूड़े के ढेर से और मूर्खों को बुद्धिमान बना सकता है। लोग कहते हैं कि तुम शासन ऐसे करते हो मानो तुम एक मनुष्य हो, और मनुष्य ऐसे हो मानो एक जानवर हो, क्योंकि तुम इतनी विनम्रता से व्यवहार करते हो। लेकिन मैं चाहता हूँ कि तुम याद रखो, सांचो, कि अक्सर पद की शक्ति के लिए हृदय की विनम्रता का विरोध करना उचित और आवश्यक होता है; क्योंकि गंभीर कर्तव्यों से युक्त व्यक्ति का पहनावा वैसा ही होना चाहिए जैसा कि उन कर्तव्यों की आवश्यकता है, न कि उसकी अपनी विनम्र रुचियों के अनुसार। अच्छे से कपड़े पहनो; सजाई हुई छड़ी छड़ी जैसी नहीं दिखती; मैं यह नहीं कहता कि तुम गहने या महंगे वस्त्र पहनो, या न्यायाधीश होने के नाते सैनिक की तरह कपड़े पहनो, बल्कि यह कहता हूँ कि तुम अपने पद के अनुरूप वस्त्र पहनो, जो साफ-सुथरे और आकर्षक हों। जिन लोगों पर तुम शासन करते हो, उनका स्नेह जीतने के लिए तुम्हें दो काम करने होंगे; एक तो सभी के साथ विनम्रता से पेश आना (यह बात मैंने तुम्हें पहले भी बताई है), और दूसरा यह सुनिश्चित करना कि भोजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो, क्योंकि गरीबों के दिल को भूख और महंगाई से ज्यादा दुख किसी और चीज से नहीं होता। बहुत सारे आदेश जारी मत करो; लेकिन जो भी आदेश जारी करो, ध्यान रखो कि वे अच्छे हों, और सबसे बढ़कर उनका पालन और क्रियान्वयन हो; क्योंकि जिन आदेशों का पालन नहीं होता, वे मानो अस्तित्वहीन होते हैं; बल्कि, वे इस धारणा को बढ़ावा देते हैं कि जिस राजकुमार के पास उन्हें जारी करने का ज्ञान और अधिकार था, उसके पास उन्हें लागू करने की शक्ति नहीं थी। और जो कानून धमकी देते हैं और जिनका पालन नहीं

होता, वे उस लट्ठे के समान हो जाते हैं, जो मेंढकों का राजा होता है, जो पहले तो उन्हें डराता है, लेकिन समय के साथ वे उसे तुच्छ समझने लगते हैं और उस पर चढ़ जाते हैं। सद्गुणों के पिता बनो और दुर्गुणों के सौतेले पिता। न तो हमेशा सख्त रहो, न ही हमेशा नरम, बल्कि इन दोनों चरम सीमाओं के बीच संतुलन बनाए रखो, क्योंकि इसी में बुद्धिमत्ता निहित है। जेलों, कसाईखानों और बाज़ारों का दौरा करो; क्योंकि ऐसे स्थानों पर राज्यपाल की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण होती है; यह उन कैदियों को दिलासा देती है जो शीघ्र रिहाई की आशा में होते हैं, यह उन कसाइयों के लिए भय का कारण होती है जिन्हें उचित वजन देना पड़ता है, और इसी कारण से यह बाज़ार की महिलाओं के लिए आतंक का कारण होती है। यह न दिखने दो कि तुम (भले ही तुम हो, हालांकि मुझे विश्वास नहीं है) लालची, स्त्रियों के अनुयायी या पेटू हो; जब जनता और तुम्हारे साथ लेन-देन करने वाले लोग तुम्हारी विशेष कमजोरी से अवगत हो जाएंगे, तो वे उस पर अपना पूरा बल लगा देंगे, जब तक कि वे तुम्हें विनाश की गहराई में न धकेल दें। मैंने तुम्हें तुम्हारे शासन में जाने से पहले जो सलाह और निर्देश दिए थे, उन पर बार-बार विचार करो, और तुम देखोगे कि यदि तुम उनका पालन करोगे, तो तुम्हें एक ऐसी सहायता मिलेगी जो शासकों को हर कदम पर घेरने वाली परेशानियों और कठिनाइयों को कम कर देगी। अपने स्वामी और स्वामिनी को पत्र लिखो और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करो, क्योंकि कृतघ्नता अहंकार की पुत्री है और सबसे बड़े पापों में से एक है; और जो अपने प्रति दयालु लोगों के प्रति कृतज्ञ होता है, वह दिखाता है कि वह ईश्वर के प्रति भी कृतज्ञ होगा जिसने उसे इतनी सारी आशीषें दी हैं और देता रहेगा। मेरी पत्नी डचेस ने तुम्हारा पत्र और एक अन्य उपहार तुम्हारी पत्नी टेरेसा पांज़ा के पास भेज दिया है; हम तुम्हारे उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मुझे थोड़ी सी खुजली हो गई है, जिससे मेरी नाक को कुछ खास आराम नहीं मिला; लेकिन यह कोई बड़ी बात नहीं है; क्योंकि अगर कुछ जादूगर मेरा अपमान करते हैं, तो कुछ मेरी रक्षा भी करते हैं। मुझे बताना कि क्या तुम्हारे साथ मौजूद मुख्य प्रबंधक का ट्रिफाल्डी प्रदर्शन में कोई हाथ था, जैसा कि तुम्हें संदेह था; और मुझे तुम्हारे बारे में हर बात की जानकारी देते रहना, क्योंकि दूरी बहुत कम है; खासकर इसलिए क्योंकि मैं बहुत जल्द इस आलसी जीवन को छोड़ने की सोच रहा हूँ, क्योंकि मैं इसके लिए पैदा नहीं हुआ हूँ। मेरे मन में एक बात आई है जिससे मुझे लगता है कि मैं ड्यूक और डचेस की नज़रों से

गिर जाऊँगा; लेकिन मुझे इसका दुख तो है, पर मुझे परवाह नहीं, क्योंकि आखिरकार मुझे उनकी इच्छा के बजाय अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए, जैसा कि आम कहावत है, amicus Plato, sed magis amica veritas (मित्र जो मित्र हो, वही सत्य का मित्र होता है)। मैं तुम्हें ये लैटिन शब्द इसलिए सुना रहा हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि राज्यपाल रह चुके तुम इसे सीख चुके होगे। अलविदा; ईश्वर करे तुम किसी के लिए दया के पात्र न बनो।
तुम्हारा मित्र, डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा।
सांचो ने पत्र को बड़े ध्यान से सुना, और इसे सुनने वाले सभी लोगों ने इसकी प्रशंसा की और इसे बुद्धिमानीपूर्ण माना; फिर वह मेज से उठा, और अपने सचिव को बुलाकर अपने कमरे में उसके साथ बंद हो गया, और बिना और देरी किए तुरंत अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट को उत्तर देने में जुट गया; और उसने सचिव को आदेश दिया कि वह जो कुछ भी कहे उसे बिना कुछ जोड़े या छिपाए लिख ले, जिसे उसने किया, और उत्तर इस प्रकार था।
ला मंचा के डॉन क्विक्सोट को सांचो पांजा का पत्र।
काम का इतना दबाव मुझ पर है कि मुझे सिर खुजलाने या नाखून काटने तक का समय नहीं है; और मेरे नाखून इतने लंबे हो गए हैं - हे भगवान, इसका कोई उपाय भेजो। हे मेरे प्राण के स्वामी, मैं यह इसलिए कह रहा हूँ ताकि यदि मैंने अब तक आपको इस शासन में अपने हालचाल, अच्छे या बुरे, के बारे में न बताया हो, तो आपको आश्चर्य न हो, क्योंकि इस शासन में मुझे उतनी ही भूख लग रही है जितनी उस समय लगती थी जब हम दोनों जंगलों और वीरान इलाकों में भटक रहे थे। मेरे स्वामी ड्यूक ने मुझे कुछ दिन पहले पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि कुछ जासूस मुझे मारने के लिए इस द्वीप में घुस आए हैं; लेकिन अभी तक मुझे किसी का पता नहीं चला है सिवाय एक डॉक्टर के, जिसे इस शहर में आने वाले सभी गवर्नरों को मारने के लिए वेतन मिलता है; उसका नाम डॉक्टर पेड्रो रेसियो है और वह तिरतेफुएरा का रहने वाला है; तो आप समझ ही सकते हैं कि उसका नाम कितना डरावना है कि मुझे उसके हाथों मरने से भी डर लगता है। यह डॉक्टर अपने बारे में कहता है कि वह बीमारियों का इलाज नहीं करता, बल्कि उन्हें होने से रोकता है, और वह जो दवाइयाँ देता है, वे हैं कम से कम आहार, इतना कम आहार कि व्यक्ति बिल्कुल हड्डियों का ढाँचा बन जाए; मानो दुबलापन बुखार से भी बदतर न हो।

संक्षेप में कहें तो, वह मुझे भूख से मार रहा है, और मैं स्वयं झुंझलाहट से मर रहा हूँ; क्योंकि जब मैंने सोचा था कि मैं इस सरकार में गरमा गरम खाना और ठंडा पेय पाने और पंखों वाले बिस्तरों पर आराम करने आया हूँ, तो मुझे पता चला कि मैं एक साधु की तरह तपस्या करने आया हूँ; और चूंकि मैं इसे स्वेच्छा से नहीं कर रहा हूँ, मुझे संदेह है कि अंत में शैतान मुझे उठा ले जाएगा।
अभी तक मैंने न तो कोई बकाया लिया है और न ही कोई रिश्वत ली है, और मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसके बारे में क्या सोचूँ; क्योंकि यहाँ मुझे बताया जाता है कि इस द्वीप पर आने वाले राज्यपालों को यहाँ के लोगों द्वारा या तो बहुत सारा पैसा दिया जाता है या उधार दिया जाता है, और यह न केवल यहाँ बल्कि सभी शासनों में प्रचलित प्रथा है।
कल रात घूमते-घूमते मेरी मुलाकात एक सुंदर युवती से हुई जो पुरुष के वेश में थी, और उसके भाई से जो स्त्री के वेश में था; मेरे कारीगर को उस लड़की से प्रेम हो गया है, और उसने मन ही मन उसे अपनी पत्नी के रूप में चुन लिया है, ऐसा वह कहता है, और मैंने एक युवक को दामाद के रूप में चुना है; आज हम अपने इरादे उस जोड़े के पिता को समझाने जा रहे हैं, जो डिएगो डे ला लाना हैं, एक सज्जन और कट्टर ईसाई हैं।
मैंने आपके निर्देशानुसार बाज़ारों का दौरा किया और कल मुझे एक ठेले वाली महिला नए हेज़ल नट्स बेचते हुए मिली। मैंने पाया कि उसने एक बुशेल पुराने, सड़े हुए नट्स को एक बुशेल नए नट्स के साथ मिला दिया था। मैंने सारे नट्स चैरिटी स्कूल के बच्चों के लिए ज़ब्त कर लिए, क्योंकि वे उन्हें अच्छी तरह पहचानना जानते हैं। मैंने उसे दो सप्ताह तक बाज़ार में न आने का आदेश भी दिया। बच्चों ने कहा कि मैंने बहुत साहस दिखाया। मैं आपको बता सकता हूँ कि इस शहर में यह आम धारणा है कि बाज़ार की महिलाओं से बुरे लोग कोई नहीं होते, क्योंकि वे सभी बेशर्म, निर्लज्ज और धृष्ट होती हैं। मैंने अन्य शहरों में भी उन्हें देखा है, इसलिए मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि मेरी पत्नी डचेस ने मेरी पत्नी टेरेसा पांज़ा को पत्र लिखकर वह उपहार भेजा है जिसका ज़िक्र आपने किया है; और समय आने पर मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का प्रयास करूंगा; मेरी ओर से उनके हाथों को चूमूंगा और उनसे कहूंगा कि उन्होंने इसे किसी छेद वाले बोरे में नहीं फेंका है, जैसा कि उन्हें अंत में पता चल जाएगा। मैं नहीं चाहता कि

आपके और मेरे स्वामी/स्वामी के बीच कोई मतभेद हो; क्योंकि यदि आप उनसे नाराज़ होते हैं तो यह स्पष्ट है कि इससे मुझे हानि होगी; और जैसा कि आपने मुझे कृतज्ञ होने की सलाह दी है, यह उचित नहीं होगा कि आप स्वयं उन लोगों के प्रति कृतज्ञ न हों जिन्होंने आपके प्रति इतनी दयालुता दिखाई है और जिन्होंने अपने महल में आपका इतना आतिथ्य सत्कार किया है।
मुझे उस खरोंच के बारे में कुछ समझ नहीं आया; लेकिन मुझे लगता है कि यह दुष्ट जादूगरों की उन बुरी हरकतों में से एक होगी जो वे हमेशा करते रहते हैं, महाराज; जब हम मिलेंगे तो मैं इसके बारे में सब कुछ जान लूंगा। काश मैं आपको कुछ भेज पाता; लेकिन मुझे नहीं पता कि क्या भेजूं, सिवाय कुछ बहुत ही अनोखे क्लिस्टर पाइप के, जो मूत्राशय के साथ काम करते हैं, जो इस द्वीप में बनते हैं; लेकिन अगर यह पद मेरे पास रहता है तो मैं किसी न किसी तरह कुछ भेजने का इंतजाम कर लूंगा। अगर मेरी पत्नी टेरेसा पांजा मुझे पत्र लिखें, तो डाक खर्च देकर मुझे पत्र भेज दें, क्योंकि मुझे यह जानने की बहुत इच्छा है कि मेरे घर, पत्नी और बच्चे कैसे हैं। और इसलिए, ईश्वर आपको दुष्ट जादूगरों से बचाए और मुझे इस शासन से शांतिपूर्वक बाहर निकाले, जिस पर मुझे संदेह है, क्योंकि डॉक्टर पेड्रो रेसियो के मेरे साथ किए जा रहे व्यवहार को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझे इस शासन और अपने जीवन से विदा लेनी पड़ेगी।
आपके पूजनीय सेवक
सांचो पांजा, राज्यपाल।
सचिव ने पत्र पर मुहर लगा दी और तुरंत संदेशवाहक को विदा कर दिया; और जो लोग सांचो के खिलाफ मज़ाक कर रहे थे, उन्होंने मिलकर योजना बनाई कि उसे सरकार से कैसे बर्खास्त किया जाए। सांचो ने दोपहर का समय अपने पसंदीदा द्वीप के सुशासन से संबंधित कुछ अध्यादेश तैयार करने में बिताया; और उसने आदेश दिया कि राज्य में कोई भी सामान बेचने वाला नहीं होगा, और लोग अपनी इच्छानुसार किसी भी स्थान से शराब आयात कर सकते हैं, बशर्ते वे उस स्थान का उल्लेख करें जहाँ से वह आई है, ताकि उसकी गुणवत्ता, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा के अनुसार उसका मूल्य निर्धारित किया जा सके; और जो कोई अपनी शराब में पानी मिलाएगा या उसका नाम बदलेगा, उसे इसके लिए अपनी जान गंवानी पड़ेगी। उसने सभी प्रकार के जूतों, बूटों और मोजों की कीमतें कम कर दीं, विशेष रूप से जूतों की, क्योंकि उसे वे बहुत अधिक लग रही थीं। उसने नौकरों

के वेतन के लिए एक निश्चित दर निर्धारित की, जो बेतहाशा बढ़ रहे थे। उसने दिन या रात में अश्लील या गंदे गाने गाने वालों पर भारी जुर्माना लगाया। उन्होंने यह फरमान जारी किया कि कोई भी अंधा व्यक्ति किसी चमत्कार का वर्णन कविता में न करे, जब तक कि वह उसके सत्य होने का प्रामाणिक प्रमाण प्रस्तुत न कर दे, क्योंकि उनका मानना था कि अंधे लोगों द्वारा गाए जाने वाले अधिकांश चमत्कार मनगढ़ंत होते हैं, जिससे सच्चे चमत्कारों को नुकसान होता है। उन्होंने गरीबों के लिए एक विशेष केंद्र स्थापित किया, जिसका उद्देश्य उन्हें परेशान करना नहीं, बल्कि उनकी जांच करना और यह देखना था कि वे वास्तव में गरीब हैं या नहीं; क्योंकि कई हट्टे-कट्टे चोर या शराबी नकली अपंग अंग या नकली घाव का बहाना बनाकर घूमते रहते हैं। संक्षेप में, उन्होंने इतने अच्छे नियम बनाए कि वे आज भी वहां संरक्षित हैं और उन्हें महान गवर्नर सांचो पांजा के संविधान के रूप में जाना जाता है।

52

अध्याय
इसमें दूसरी दुखी या पीड़ित महिला, जिसे डोना रोड्रिगेज़ भी कहा जाता है, के साहसिक कारनामों का वर्णन है।
सिडे हैमेटे बताते हैं कि डॉन क्विक्सोट के घाव ठीक हो जाने के बाद, उन्हें लगा कि महल में उनका जीवन उनके द्वारा माने जाने वाले शूरवीरता के नियमों के बिल्कुल विपरीत है। इसलिए उन्होंने ड्यूक और डचेस से सारागोसा जाने की अनुमति मांगने का निश्चय किया, क्योंकि उत्सव का समय निकट आ रहा था, और उन्हें उम्मीद थी कि वे वहां उस कवच को जीत लेंगे जो ऐसे उत्सवों का पुरस्कार होता है। लेकिन एक दिन ड्यूक और डचेस के साथ भोजन करते समय, जैसे ही वे अपना संकल्प पूरा करने और उनकी अनुमति मांगने वाले थे, अचानक बड़े हॉल के दरवाजे से दो महिलाएं अंदर आईं, जैसा कि बाद में पता चला, सिर से पैर तक शोक वस्त्रों में लिपटी हुई। उनमें से एक डॉन क्विक्सोट के पास आकर उनके पैरों पर पूरी तरह से गिर पड़ी, अपने होंठ उनके होंठों से दबाए और इतनी उदास, गहरी और पीड़ादायक सिसकियां भरीं कि उसे सुनने और देखने वाले सभी लोग स्तब्ध रह गए। हालांकि ड्यूक और डचेस को लगा कि यह उनके नौकरों द्वारा डॉन क्विक्सोट के साथ किया गया कोई मज़ाक होगा, फिर भी उस महिला के गंभीर स्वर में आहें भरने, विलाप करने और रोने ने उन्हें उलझन में डाल दिया और उन्हें असमंजस में डाल दिया। तभी डॉन क्विक्सोट, दया से द्रवित होकर, उसे उठाकर उसके चेहरे से आवरण हटाने और उसके आँसू से भीगे चेहरे से चादर हटाने के लिए कहा। उसने बात मान ली और वह बात सामने आई जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, क्योंकि वह घर की गृहिणी डोना रोड्रिगेज़ का चेहरा था; शोक में डूबी दूसरी महिला उसकी बेटी थी, जिसे उस धनी किसान के बेटे ने मूर्ख बना दिया था। उसे जानने वाले सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए, और ड्यूक और डचेस तो सबसे अधिक; क्योंकि हालांकि वे उसे भोली और कमज़ोर समझते थे, लेकिन उन्होंने उसके ऐसे पागलपन भरे कारनामों के बारे में नहीं सोचा था। अंत में, डोना रोड्रिगेज़ ने अपने स्वामी और स्वामिनी की ओर मुड़कर उनसे कहा, "क्या आप दोनों मुझे इस सज्जन से एक क्षण के लिए बात करने की अनुमति देंगे, क्योंकि ऐसा करना मेरे लिए आवश्यक है ताकि मैं उस मामले से सफलतापूर्वक

बाहर निकल सकूँ जिसमें एक दुष्ट विदूषक की दुस्साहस ने मुझे फंसा दिया है?"
ड्यूक ने कहा कि उन्होंने अपनी ओर से उसे जाने की अनुमति दे दी है, और वह सेनर डॉन क्विक्सोट से जितनी चाहे उतनी बात कर सकती है।
फिर उसने डॉन क्विक्सोट की ओर मुड़कर उससे कहा, "हे वीर योद्धा, कुछ दिन पहले मैंने आपको एक दुष्ट किसान द्वारा मेरी प्रिय पुत्री, जो आपके सामने इस अभागी कन्या के साथ किए गए अन्याय और विश्वासघात के बारे में बताया था, और आपने उसका पक्ष लेने और उसके साथ हुए अन्याय को दूर करने का वादा किया था; लेकिन अब मुझे पता चला है कि आप ईश्वर द्वारा प्रदत्त साहसिक यात्राओं की तलाश में इस महल से प्रस्थान करने वाले हैं; इसलिए, जाने से पहले, मैं चाहती हूँ कि आप उस दुष्ट किसान को चुनौती दें और उसे मेरी पुत्री से विवाह करने के लिए विवश करें, ताकि वह उस वादे को पूरा करे जो उसने उसे बहकाने से पहले उससे किया था; क्योंकि मेरे स्वामी ड्यूक से न्याय की अपेक्षा करना, जैसा कि मैंने आपको निजी तौर पर बताया था, एक तरह से असंभव है; और इसलिए, ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करें और हमें न छोड़ें।"
इन शब्दों के जवाब में डॉन क्विक्सोट ने अत्यंत गंभीरता और श्रद्धा से कहा, "हे परम पूज्य, अपने आँसू रोकिए, या यूँ कहें कि उन्हें पोंछ लीजिए, और अपनी आहें मत भरिए, क्योंकि मैं आपकी पुत्री के लिए न्याय दिलाने का दायित्व स्वयं पर लेता हूँ, जिसके लिए प्रेमियों के वादों पर इतनी आसानी से विश्वास न करना ही बेहतर होता, जो अधिकतर जल्दी किए जाते हैं और बहुत धीरे-धीरे पूरे होते हैं; और इसलिए, मेरे स्वामी ड्यूक की अनुमति से, मैं तुरंत इस निर्दयी युवक की खोज में जाऊँगा, और उसे ढूँढ़कर चुनौती दूँगा और यदि वह अपना वादा नहीं निभाता है तो उसे मार डालूँगा; क्योंकि मेरे पेशे का मुख्य उद्देश्य विनम्रों की रक्षा करना और घमंडियों को दंडित करना है; मेरा अर्थ है, पीड़ितों की सहायता करना और अत्याचारियों का नाश करना।" "इस सम्मानित महिला की शिकायत के पात्र ग्रामीण को ढूंढने की आपको कोई आवश्यकता नहीं है, न ही उसे चुनौती देने के लिए मेरी अनुमति मांगने की आवश्यकता है; क्योंकि मैं उसकी चुनौती स्वीकार करता हूँ और यह सुनिश्चित करूँगा कि उसे चुनौती की सूचना मिल जाए, वह उसे स्वीकार करे और स्वयं मेरे इस महल में आकर उसका उत्तर दे, जहाँ मैं दोनों को उचित अवसर प्रदान करूँगा, ऐसे मुकदमों में सामान्यतः पालन की जाने वाली सभी शर्तों का पालन करते हुए

और दोनों पक्षों के साथ न्याय करते हुए, जैसा कि अपने राज्य की सीमाओं के भीतर युद्ध के लिए खुला मैदान देने वाले सभी राजकुमारों का कर्तव्य होता है।"
“तब उस आश्वासन और महाराज की अनुमति से,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मैं इस बार अपने कुलीन वंश के विशेषाधिकार का त्याग करता हूँ, और स्वयं को उस पापी के निम्न कुल में स्थापित करता हूँ, उसके बराबर होकर उसे मुझसे युद्ध करने के लिए सक्षम बनाता हूँ; और इसलिए, मैं उसे चुनौती देता हूँ और उसकी अनुपस्थिति में भी, इस निर्धन कन्या के साथ विश्वासघात करने के उसके दुराचार के आधार पर उसे चुनौती देता हूँ, जो एक कुंवारी थी और अब उसके कुकर्म के कारण कुंवारी नहीं रही; और कहता हूँ कि वह उससे किया गया अपना वादा पूरा करे और उसका वैध पति बने, अन्यथा वह इस प्रश्न पर अपना जीवन दांव पर लगा देगा।”
फिर उसने अपना दस्ताना उतारकर हॉल के बीचोंबीच फेंक दिया, और ड्यूक ने उसे उठाते हुए, जैसा कि उसने पहले कहा था, कहा कि वह अपने सामंत की ओर से चुनौती स्वीकार करता है, और छह दिन बाद का समय, महल का प्रांगण स्थान, और शूरवीरों के पारंपरिक हथियार, भाला, ढाल और पूर्ण कवच, साथ ही अन्य सभी सहायक उपकरण, बिना किसी छल, कपट या जादू-टोने के, और मैदान के न्यायाधीशों द्वारा जांचे और योग्य घोषित किए जाने के बाद, निर्धारित किए। "लेकिन सबसे पहले," उसने कहा, "यह आवश्यक है कि यह योग्य दाई और अयोग्य युवती न्याय के लिए अपना दावा डॉन क्विक्सोट के हाथों में रखें; अन्यथा कुछ भी नहीं किया जा सकता है, और न ही उक्त चुनौती को वैध निष्कर्ष तक पहुँचाया जा सकता है।"
"मैं इसे इसी तरह रखती हूँ," दाई ने उत्तर दिया।
"और मैं भी," उसकी बेटी ने रोते हुए और शर्म और उलझन से घिरी हुई आवाज़ में कहा।
यह घोषणा हो जाने के बाद, और ड्यूक द्वारा इस मामले में अपने निर्णय पर पहुँच जाने के बाद, काले वस्त्र पहने महिलाएं चली गईं, और डचेस ने आदेश दिया कि भविष्य में उनके साथ नौकरानियों जैसा व्यवहार नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें न्याय मांगने आई साहसी महिलाओं के रूप में माना जाएगा; इसलिए उन्होंने उन्हें एक अलग कमरा दिया और उनकी सेवा अजनबियों की तरह की, जिससे अन्य महिला नौकरानियां हैरान रह गईं, जिन्हें नहीं पता था कि डोना

रोड्रिगेज और उनकी अभागी बेटी की मूर्खता और नासमझी की सीमा कहाँ तक जाएगी।
और अब, दावत का पूरा आनंद लेने और भोजन को संतोषजनक ढंग से समाप्त करने के लिए, देखो, राज्यपाल सांचो की पत्नी टेरेसा पांजा के लिए पत्र और उपहार लेकर आया सेवक हॉल में दाखिल हुआ; और ड्यूक और डचेस उसे देखकर बहुत प्रसन्न हुए, क्योंकि वे उसकी यात्रा का परिणाम जानने के लिए उत्सुक थे; लेकिन जब उन्होंने उससे पूछा तो सेवक ने उत्तर दिया कि वह इतने सारे लोगों के सामने या कुछ शब्दों में यह नहीं बता सकता, और उसने उनके महामहिमों से निवेदन किया कि वे इसे किसी निजी अवसर के लिए टाल दें, और इस बीच इन पत्रों से अपना मनोरंजन करें; और पत्र निकालकर उसने उन्हें डचेस के हाथ में रख दिया। एक पत्र पर पता लिखा था, "मेरी लेडी डचेस फलां-फलां के लिए पत्र, पता नहीं कहाँ से"; और दूसरे पर "मेरे पति सांचो पांजा, बारातारिया द्वीप के राज्यपाल, जिन्हें ईश्वर मुझसे अधिक समृद्धि प्रदान करें" लिखा था। कहावत है कि डचेस को अपना पत्र पढ़े बिना रोटी नहीं पकती। और स्वयं उस पर एक नजर डालने के बाद और यह देखकर कि इसे ड्यूक और वहां मौजूद सभी लोगों के सुनने के लिए जोर से पढ़ा जा सकता है, उसने निम्नलिखित ढंग से पढ़ा।
टेरेसा पांजा का डचेस को लिखा पत्र।
महाराज, आपने जो पत्र लिखा, उससे मुझे बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि वास्तव में वह मुझे बहुत अच्छा लगा। मूंगे की माला बहुत सुंदर है, और मेरे पति का शिकार का सूट भी उससे कम नहीं है। इस पूरे गाँव में इस बात की बहुत खुशी है कि आपने मेरे पति सांचो को गाँव का मुखिया बनाया है; हालाँकि कोई इस बात पर विश्वास नहीं करेगा, खासकर पादरी, नाई निकोलस और अविवाहित सैमसन कैरास्को; लेकिन मुझे इसकी परवाह नहीं है, क्योंकि जब तक यह सच है, तब तक वे जो चाहें कह सकते हैं; हालाँकि, सच कहूँ तो, अगर मूंगे की माला और सूट न होते तो मैं भी इस पर विश्वास नहीं करती; क्योंकि इस गाँव में हर कोई मेरे पति को मूर्ख समझता है, और बकरियों के झुंड की देखभाल करने के अलावा, वे यह कल्पना भी नहीं कर सकते कि वह किस तरह का शासन संभाल सकते हैं। ईश्वर उन्हें यह सौभाग्य प्रदान करें, और उन्हें उनके बच्चों की ज़रूरतों के अनुसार मार्गदर्शन दें। हे मेरी प्रियतम, आपकी अनुमति से, मैं इस शुभ दिन का भरपूर लाभ उठाने और दरबार जाकर आराम से रथ में बैठने का निश्चय करती हूँ, ताकि जो लोग मुझसे ईर्ष्या करते हैं, वे सब दंग रह जाएँ। इसलिए मैं आपसे निवेदन

करती हूँ कि मेरे पति को मेरे लिए थोड़ी सी धनराशि भेजने का आदेश दें, और वह भी कुछ अच्छी-खासी, क्योंकि दरबार में खर्चा बहुत अधिक होता है; एक रोटी की कीमत एक रियाल है, और मांस की कीमत तीस मारावेडी प्रति पौंड है, जो मेरी पहुँच से बाहर है। और यदि वह मुझे नहीं भेजना चाहते, तो मुझे समय रहते बता दें, क्योंकि मैं बहुत बेचैन हूँ। मेरे मित्र और पड़ोसी कहते हैं कि यदि मैं और मेरी बेटी दरबार में शान से पेश आएँ, तो मेरे पति मुझसे कहीं अधिक प्रसिद्ध हो जाएँगे, क्योंकि बहुत से लोग पूछेंगे, "उस रथ में कौन सी महिलाएँ हैं?" और मेरा कोई नौकर जवाब देगा, "सांचो पांजा की पत्नी और पुत्री, जो बारातारिया द्वीप के राज्यपाल हैं।" और इस तरह सांचो प्रसिद्ध हो जाएगा, और मेरी भी अच्छी छवि बनेगी, और सब कुछ रोम में ही होगा। मैं बहुत दुखी हूँ कि इस साल हमारे गाँव में एक भी बलूत नहीं इकट्ठा हुआ; हालाँकि मैंने आपके महाराज को लगभग आधा पेक बलूत भेजा है जो मैं जंगल से एक-एक करके इकट्ठा करके लाया था, और मुझे इससे बड़े बलूत नहीं मिले; काश वे शुतुरमुर्ग के अंडों जितने बड़े होते।
हे प्रभु, मुझे पत्र लिखना न भूलें; मैं उत्तर देने का पूरा ध्यान रखूंगा और आपको अपनी स्थिति और इस स्थान की सभी खबरों से अवगत कराऊंगा, जहां मैं रहता हूं और प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि वे आपकी रक्षा करें और मुझे न भूलें।
मेरी पुत्री सांचा और मेरे पुत्र, आप दोनों मेरे हाथों को चूम लें।
वह जो आपको पत्र लिखने की बजाय आपसे मिलना ज्यादा पसंद करेगी,
आपका सेवक,
टेरेसा पांजा।
टेरेसा पांज़ा के पत्र से सभी बहुत खुश हुए, विशेषकर ड्यूक और डचेस; और डचेस ने डॉन क्विक्सोट से पूछा कि क्या वे राज्यपाल के लिए आए पत्र को खोल सकते हैं, जिसके बारे में उन्हें संदेह था कि वह बहुत अच्छा होगा। डॉन क्विक्सोट ने कहा कि उन्हें प्रसन्न करने के लिए वह इसे खोलेंगे, और उन्होंने ऐसा किया, और पाया कि पत्र में निम्नलिखित लिखा था।
टेरेसा पांजा का अपने पति सांचो पांजा को लिखा पत्र।
हे मेरे प्रिय सांचो, तुम्हारा पत्र मुझे मिला, और मैं एक कैथोलिक ईसाई होने का वचन देता हूँ और कसम खाता हूँ कि मैं खुशी से पागल होने ही वाला था। हे भाई, मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि जब मुझे पता चला कि तुम राज्यपाल

53

अध्याय
सांचो पांजा की सरकार का दुखद अंत और समाप्ति हुई।
यह सोचना कि इस जीवन में जो कुछ भी है वह हमेशा एक ही अवस्था में रहेगा, एक व्यर्थ कल्पना है; इसके विपरीत, इसमें सब कुछ एक चक्र में घूमता हुआ प्रतीत होता है, मेरा अर्थ है गोल-गोल। वसंत के बाद ग्रीष्म, ग्रीष्म के बाद पतझड़, पतझड़ के बाद पतझड़, पतझड़ के बाद शीत और शीत के बाद वसंत आता है, और इस प्रकार समय निरंतर चलता रहता है। मनुष्य का जीवन, समय से भी तेज गति से, अपने अंत की ओर अग्रसर होता है, नवीनीकरण की किसी आशा के बिना, सिवाय उस दूसरे जीवन के जो अनंत और असीम है। ऐसा मुस्लिम दार्शनिक सिदे हामेट कहते हैं; क्योंकि ऐसे बहुत से लोग हैं जो केवल प्रकृति के प्रकाश से, आस्था के प्रकाश के बिना, इस वर्तमान जीवन की क्षणभंगुरता और अस्थिरता तथा उस शाश्वत जीवन की अनंत अवधि को समझते हैं जिसकी हम आशा करते हैं; लेकिन हमारे लेखक यहाँ उस तीव्र गति की बात कर रहे हैं जिससे सांचो का शासन समाप्त हो गया, मिट गया, गायब हो गया, मानो धुएँ और छाया में ओझल हो गया। अपने शासनकाल के सातवें दिन की रात जब वह बिस्तर पर लेटा हुआ था, रोटी और शराब से नहीं, बल्कि फैसले सुनाने, राय देने, कानून बनाने और घोषणाएँ करने में व्यस्त था, और भूख के बावजूद नींद उसकी पलकें बंद करने लगी थी, तभी उसने घंटियों की ऐसी आवाज़ और शोर सुना कि मानो पूरा द्वीप डूब रहा हो। वह बिस्तर पर उठ बैठा और ध्यान से सुनने लगा कि इतने शोर का कारण क्या हो सकता है; लेकिन वह न केवल इसका कारण पता नहीं लगा सका, बल्कि अनगिनत ढोल और तुरही की आवाज़ से घंटियों और शोर का शोर और भी बढ़ गया, जिससे वह पहले से कहीं अधिक उलझन में पड़ गया और भय और आतंक से भर गया। उठते ही उसने फर्श की नमी के कारण चप्पलें पहन लीं और बिना कोई ड्रेसिंग गाउन या ऐसा कुछ ओढ़े, वह अपने कमरे के दरवाजे से बाहर भागा। तभी उसने देखा कि एक गलियारे से बीस से अधिक लोगों का एक समूह जलती हुई मशालें और नंगी तलवारें लिए आ रहा है, और सभी चिल्ला रहे हैं, "हथियार उठाओ, हथियार उठाओ, माननीय राज्यपाल जी, हथियार उठाओ! दुश्मन द्वीप में असंख्य संख्या में मौजूद हैं, और यदि आपकी कुशलता और वीरता हमारी सहायता के लिए नहीं आई तो हम नष्ट हो जाएंगे।"

शोर-शराबा और हंगामा मचाते हुए वे उस जगह पहुंचे जहां सांचो अपने देखे और सुने हुए दृश्यों से स्तब्ध और अचंभित खड़ा था, और जैसे ही वे उसके पास पहुंचे, उनमें से एक ने उसे पुकार कर कहा, "महाराज, तुरंत हथियार उठा लीजिए, यदि आप स्वयं को नष्ट होने और पूरे द्वीप को खोने से बचाना चाहते हैं।" "हथियारों से मेरा क्या लेना-देना है?" सांचो ने कहा। "मुझे हथियारों या हथियारों के बारे में क्या पता? बेहतर होगा कि मैं ये सब अपने गुरु डॉन क्विक्सोट पर छोड़ दूं, वो पल भर में सब कुछ सुलझा देंगे और सबको सुरक्षित कर देंगे; क्योंकि मैं, पापी, भगवान मेरी मदद करे, इन झगड़ों को नहीं समझता।"
"अरे, माननीय राज्यपाल जी," दूसरे ने कहा, "यह तो सरासर कायरता है! खुद को तैयार कर लीजिए; आपके लिए हथियार हाज़िर हैं, आक्रमण और बचाव दोनों के लिए; चौक पर आइए और हमारे नेता और कप्तान बनिए; यह आपका अधिकार है, क्योंकि आप हमारे राज्यपाल हैं।"
“तो मुझे हथियार दो, ईश्वर के नाम पर,” सांचो ने कहा, और उन्होंने तुरंत अपने साथ लाए दो बड़े ढाल निकाले और उन्हें सांचो की कमीज के ऊपर रख दिया, उसे कुछ और पहनने भी नहीं दिया, एक ढाल आगे और दूसरा पीछे। उन्होंने सांचो के हाथ उन छेदों से निकाले जो उन्होंने बनाए थे, और उसे रस्सियों से कसकर बांध दिया, जिससे वह दीवार की तरह सीधा खड़ा हो गया और न तो अपने घुटने मोड़ पा रहा था और न ही एक कदम भी चल पा रहा था। उसके हाथ में उन्होंने एक भाला थमा दिया, जिस पर वह गिरने से बचने के लिए सहारा ले रहा था। जैसे ही उन्होंने उसे इस तरह बांध दिया, उन्होंने उसे आगे बढ़ने और उनका नेतृत्व करने का आदेश दिया, और उन्हें हिम्मत देने को कहा; क्योंकि सांचो को अपना मार्गदर्शक, प्रकाशस्तंभ और सुबह का तारा मानकर, वे अपने काम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आश्वस्त थे।
"मैं कैसे चलूँ, अभागा प्राणी, जब मैं अपने घुटनों को हिला भी नहीं सकता, क्योंकि ये तख्ते जो मैंने अपने शरीर से कसकर बाँध रखे हैं, मुझे हिलने नहीं दे रहे। आपको बस इतना करना है कि मुझे अपनी बाहों में उठाएँ और किसी झोपड़ी में लिटा दें या सीधा खड़ा कर दें, और मैं उसे या तो इस भाले से या अपने शरीर से थाम लूँगा।"
"आगे बढ़ो, माननीय राज्यपाल!" दूसरे ने पुकारा, "आपको आगे बढ़ने से रोकने वाली चीज तख्तों से ज्यादा डर है; जल्दी करो, हरकत में आओ, क्योंकि समय

बर्बाद करने का समय नहीं है; दुश्मन की संख्या बढ़ रही है, चीखें तेज होती जा रही हैं, और खतरा मंडरा रहा है।"
इन नसीहतों और निंदाओं से प्रेरित होकर बेचारे गवर्नर ने आगे बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन इतनी ज़ोर से ज़मीन पर गिर पड़े कि उन्हें लगा मानो उनके टुकड़े-टुकड़े हो गए हों। वे वहाँ ऐसे पड़े थे जैसे कोई कछुआ अपने खोल में बंद हो, या दो गूँथने वाले बर्तनों के बीच बेकन का टुकड़ा, या समुद्र तट पर उल्टा पड़ा कोई नाव; और मज़ाक करने वालों के गिरोह को उन पर ज़रा भी दया नहीं आई; बल्कि इसके विपरीत, उन्होंने अपनी मशालें बुझा दीं और फिर से चिल्लाने लगे और पूरी ऊर्जा से हथियार उठाने का आह्वान करने लगे, बेचारे सांचो को रौंदते हुए और ढाल के ऊपर से तलवारों से उन पर इस तरह वार करते रहे कि अगर उन्होंने खुद को समेटकर छोटा न किया होता और अपना सिर ढालों के बीच न छिपाया होता, तो बेचारे गवर्नर का बहुत बुरा हाल होता, क्योंकि उस तंग जगह में दबे हुए वे पसीने से तरबतर होकर पड़े थे और पूरे दिल से ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे कि वे उन्हें इस संकट से बचाएँ। कुछ लोग उससे टकरा गए, कुछ उस पर गिर पड़े, और एक व्यक्ति कुछ देर तक उसके ऊपर बैठा रहा और मानो किसी मीनार से सैनिकों को आदेश देता हुआ चिल्ला रहा था, "यहाँ, हमारा पक्ष! यहाँ दुश्मन सबसे घना है! वहाँ दरार को थामे रहो! उस द्वार को बंद करो! उन सीढ़ियों पर बैरिकेड लगाओ! यहाँ तारकोल और राल से भरे बदबूदार बर्तन और उबलते तेल की केतलियाँ लाओ! गलियों को पंखों वाले बिस्तरों से बंद कर दो!" संक्षेप में, अपने जोश में उसने हर छोटी-बड़ी चीज़ और युद्ध के हर औजार का ज़िक्र किया, जिनसे किसी शहर पर हमले को रोका जाता है, जबकि घायल और बुरी तरह पिटा हुआ सांचो, जो सब कुछ सुन और सह रहा था, मन ही मन कह रहा था, "काश, भगवान की कृपा से यह द्वीप एक ही बार में हाथ से निकल जाए, और मैं या तो मर जाऊँ या इस यातना से मुक्त हो जाऊँ!" स्वर्ग ने उसकी प्रार्थना सुन ली, और जब उसे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, तब उसने आवाजें सुनीं जो कह रही थीं, "विजय, विजय! शत्रु पराजित होकर पीछे हट गया! हे माननीय राज्यपाल, उठो, और आओ और विजय का आनंद लो, और उस अजेय भुजा की शक्ति से शत्रु से जीती गई लूट का बंटवारा करो।"
“मुझे उठाओ,” बेचारे सांचो ने दयनीय स्वर में कहा। उन्होंने उसे उठने में मदद की, और जैसे ही वह अपने पैरों पर खड़ा हुआ, बोला, “जिस शत्रु को मैंने पराया है, उसे तुम मेरे माथे पर कीलों से ठोक दो; मैं शत्रु की लूट का

हिस्सा नहीं चाहता, मैं बस किसी मित्र से, यदि कोई हो, तो मुझे एक घूँट शराब पिला दो, क्योंकि मैं प्यास से बेहाल हूँ, और मुझे सुखा दो, क्योंकि मैं पानी में बदल रहा हूँ।”
उन्होंने उसकी मालिश की, उसे शराब दी और ढालें खोल दीं। वह अपने पलंग पर बैठ गया और भय, घबराहट और थकान से बेहोश हो गया। जो लोग इस मज़ाक में शामिल थे, उन्हें अब पछतावा हो रहा था कि उन्होंने इसे इतना आगे बढ़ा दिया था; हालाँकि, उसके बेहोश होने से जो चिंता पैदा हुई थी, वह उसके होश में आने से दूर हो गई। उसने पूछा कि कितने बजे हैं; उन्होंने बताया कि अभी सुबह हुई है। उसने और कुछ नहीं कहा और चुपचाप कपड़े पहनने लगा, जबकि सभी उसे देख रहे थे, यह जानने के लिए कि वह इतनी जल्दी कपड़े क्यों पहन रहा है।
अंततः उसने कपड़े पहने और फिर धीरे-धीरे, क्योंकि वह बुरी तरह घायल था और तेज़ नहीं चल सकता था, अस्तबल की ओर बढ़ा। वहाँ मौजूद सभी लोग उसके पीछे- पीछे गए और डैपल के पास जाकर उसे गले लगाया और उसके माथे पर प्यार से चुंबन किया, और आँखों में आँसू लिए उससे कहा, "चलो, मेरे साथी, मेरे मित्र और मेरे परिश्रम और दुखों के साथी; जब मैं तुम्हारे साथ था और मुझे तुम्हारी लगाम ठीक करने और तुम्हारे नन्हे शरीर को खिलाने के अलावा कोई चिंता नहीं थी, तब मेरे घंटे, मेरे दिन और मेरे वर्ष सुखमय थे; लेकिन जब से मैंने तुम्हें छोड़ा है और महत्वाकांक्षा और अहंकार के शिखर पर चढ़ गया हूँ, तब से हज़ारों दुख, हज़ारों परेशानियाँ और चार हज़ार चिंताएँ मेरी आत्मा में घर कर गई हैं;" और इस भाव से बोलते हुए वह लगातार गधे पर काठी कसता रहा, किसी से कुछ भी नहीं बोला। फिर डैपल पर काठी कसने के बाद, वह बड़ी मुश्किल से उस पर चढ़ा और मुख्य प्रबंधक, सचिव, सिर तराशने वाले, डॉक्टर पेड्रो रेसियो और वहाँ खड़े कई अन्य लोगों को संबोधित करते हुए बोला, "सज्जनों, रास्ता दीजिए और मुझे अपनी पुरानी आज़ादी में लौटने दीजिए; मुझे अपने बीते जीवन की तलाश करने दीजिए और इस वर्तमान मृत्यु से उठने दीजिए। मैं राज्यपाल बनने या द्वीपों या शहरों को उन शत्रुओं से बचाने के लिए पैदा नहीं हुआ था जो उन पर हमला करना चाहते हैं। प्रांतों या राज्यों की रक्षा करने की तुलना में हल चलाना और खुदाई करना, अंगूर की खेती करना और छंटाई करना मेरे लिए कहीं अधिक कठिन है। 'संत पीटर रोम में बहुत अच्छे हैं; मेरा मतलब है कि हममें से प्रत्येक के लिए वह काम करना सबसे अच्छा है जिसके लिए वह पैदा हुआ है। राज्यपाल के राजदंड की तुलना में कटाई का फावड़ा मेरे हाथ में बेहतर

बैठता है; मैं भूख से तड़पाने वाले किसी दखलंदाज डॉक्टर की पीड़ा सहने के बजाय गज़पाचो से अपना पेट भरना पसंद करूँगा, और मैं गर्मियों में ओक के पेड़ की छाया में लेटना और सर्दियों में खुद को दोहरी चादर में लपेटना पसंद करूँगा।" आज़ादी में भेड़ की खाल की जैकेट पहनना, हॉलैंड की चादरों के बीच सोने और सरकार के बंधन में सेबल फर पहनने से बेहतर है। ईश्वर आप सभी के साथ हो, और मेरे स्वामी ड्यूक से कहिए कि 'मैं नग्न पैदा हुआ था, नग्न ही खुद को पाता हूँ, न मेरा कुछ खोया है न मेरा कुछ पाया है;' मेरा मतलब है कि मैं एक पैसा भी लिए बिना इस सरकार में आया था, और एक पैसा भी लिए बिना ही इससे बाहर जा रहा हूँ, जो अन्य द्वीपों के शासकों के जाने के तरीके से बिल्कुल अलग है। एक तरफ हट जाइए और मुझे जाने दीजिए; मुझे खुद पर पट्टी लगानी है, क्योंकि मुझे लगता है कि मेरी हर पसली टूट गई है, उन दुश्मनों की वजह से जिन्होंने आज रात मुझे रौंदा है।
"यह अनावश्यक है, माननीय राज्यपाल महोदय," डॉक्टर रेसियो ने कहा, "क्योंकि मैं आपको चोट और खरोंच से बचाने वाली एक दवा दूंगा जिससे आप जल्द ही पहले की तरह स्वस्थ और मजबूत हो जाएंगे; और आपके खान-पान के लिए मैं आपसे वादा करता हूं कि मैं बेहतर व्यवहार करूंगा और आपको अपनी पसंद का भरपूर भोजन करने दूंगा।"
"तुमने देर से बोलना शुरू किया," सांचो ने कहा। "मैं यहाँ और रुकने के बजाय तुर्क बनना ज़्यादा पसंद करूँगा। ये मज़ाक दोबारा नहीं चलेगा। भगवान की कसम, मैं इस सरकार में रहना या दूसरी सरकार लेना ज़्यादा पसंद करूँगा, चाहे मुझे दो थालियों में ही क्यों न दी जाए, बजाय इसके कि बिना पंखों के स्वर्ग में उड़ जाऊँ। मैं पांज़ा वंश का हूँ, और वे सब हठी होते हैं, और अगर वे एक बार 'विषम' कह दें, तो विषम ही होना चाहिए, चाहे वह सम ही क्यों न हो, चाहे दुनिया कुछ भी हो जाए। इस अस्तबल में मैं चींटी के उन पंखों को छोड़ रहा हूँ जिन्होंने मुझे हवा में उठाया था, ताकि स्विफ्ट और दूसरे पक्षी मुझे खा जाएँ, और चलो एक बार फिर ज़मीन पर अपने पैरों पर खड़े हो जाएँ; और अगर उनके पास कॉर्डोवन के गुलाबी रंग के जूते नहीं हैं, तो उन्हें भांग की खुरदरी चप्पलों की कमी नहीं होगी; 'हर भेड़ अपनी जैसी' के साथ रहे,' 'और कोई भी अपना पैर चादर की लंबाई से ज़्यादा न फैलाए;' और अब मुझे जाने दो, क्योंकि मुझे बहुत देर हो रही है।"

इस पर मुख्य प्रबंधक ने कहा, "महाराज, हम पूरे दिल से आपको विदा करना चाहते हैं, यद्यपि आपको खोने का हमें बहुत दुख है, क्योंकि आपकी बुद्धिमत्ता और ईसाई आचरण के कारण हमें स्वाभाविक रूप से आपकी कमी खलती है; लेकिन यह सर्वविदित है कि प्रत्येक शासक, शासन करने के बाद, सबसे पहले हिसाब देने के लिए बाध्य होता है। आप दस दिनों के अपने कार्यकाल का हिसाब दें, उसके बाद आप जा सकते हैं और ईश्वर की शांति आपके साथ हो।"
"मुझसे इसकी मांग कोई नहीं कर सकता, सिवाय उसके जिसे मेरे स्वामी ड्यूक नियुक्त करेंगे; मैं उनसे मिलने जा रहा हूँ और उन्हें पूरा हिसाब दूंगा; इसके अलावा, जब मैं नग्न अवस्था में निकलता हूँ, तो यह साबित करने के लिए किसी और सबूत की जरूरत नहीं है कि मैंने एक देवदूत की तरह शासन किया है।" डॉक्टर रेसियो ने कहा, "ईश्वर की कसम, महान सांचो सही कह रहा है, और हमें उसे जाने देना चाहिए, क्योंकि ड्यूक उसे देखकर बेहद खुश होगा।"
वे सब इस बात पर सहमत हो गए और उसे जाने की अनुमति दे दी। पहले तो उन्होंने उसके साथ चलने और उसकी सुविधा या यात्रा के लिए आवश्यक सभी सामान उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। सांचो ने कहा कि उसे डैपल के लिए थोड़े से जौ और अपने लिए आधा पनीर और आधी रोटी के अलावा और कुछ नहीं चाहिए; क्योंकि दूरी बहुत कम थी, इसलिए किसी बेहतर या अधिक भोजन की आवश्यकता नहीं थी। सबने उसे गले लगाया और सांचो ने भी आँसुओं के साथ उन सबको गले लगाया। सांचो ने न केवल अपनी बातों से, बल्कि अपने दृढ़ और समझदारी भरे संकल्प से भी सबको प्रभावित किया।

54

अध्याय
जो केवल इसी इतिहास से संबंधित मामलों से संबंधित है और किसी अन्य से नहीं।
ड्यूक और डचेस ने निश्चय किया कि डॉन क्विक्सोट ने, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, अपने जागीरदार को जो चुनौती दी थी, उसे आगे बढ़ाया जाए; और चूंकि वह युवक फ़्लैंडर्स में था, जहाँ वह डोना रोड्रिगेज़ को अपनी सास बनने से बचाने के लिए भाग गया था, इसलिए उन्होंने उसके स्थान पर टोसिलोस नामक एक गैस्कॉन लैके को नियुक्त किया, और सबसे पहले उसे सभी आवश्यक कार्य सावधानीपूर्वक सिखाए। दो दिन बाद ड्यूक ने डॉन क्विक्सोट को बताया कि उस

समय से चार दिनों के भीतर उसका प्रतिद्वंद्वी एक शूरवीर के रूप में सशस्त्र होकर युद्ध के मैदान में उपस्थित होगा, और यदि युवती यह स्वीकार करती है कि उसने उसे विवाह का वादा किया था, तो वह साबित कर देगा कि युवती झूठ बोल रही है, बल्कि पूरी तरह झूठ बोल रही है। डॉन क्विक्सोट यह खबर सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ, और उसने युद्ध के मैदान में चमत्कार करने का संकल्प लिया, और इसे अपना दुर्लभ सौभाग्य माना कि उसे अपने मेजबानों को अपनी शक्तिशाली भुजाओं की शक्ति दिखाने का अवसर मिला है; और इसलिए वह ऊँचे मनोबल और संतुष्टि के साथ उन चार दिनों के बीतने की प्रतीक्षा कर रहा था, जो उसकी अधीरता के कारण चार सौ युगों के समान प्रतीत हो रहे थे। चलो इन्हें अन्य चीजों की तरह बीतने देते हैं, और सांचो के साथ चलते हैं। डैपल पर सवार होकर, आधा प्रसन्न, आधा उदास, वह अपने स्वामी से मिलने के लिए अपने रास्ते पर चल पड़ा, जिसकी संगति में वह दुनिया के सभी द्वीपों का शासक होने से भी अधिक प्रसन्न था। फिर, ऐसा हुआ कि अपने शासन के द्वीप से बहुत दूर जाने से पहले (और चाहे वह द्वीप हो, शहर हो, कस्बा हो या गाँव, उसने कभी यह जानने की जहमत नहीं उठाई) उसने अपने मार्ग पर लाठी लिए छह तीर्थयात्रियों को आते देखा; वे भीख माँगने वाले विदेशी थे; जैसे ही वे पास आए, वे एक पंक्ति में खड़े हो गए और सबने मिलकर अपनी भाषा में कुछ गाना शुरू कर दिया, जिसे सांचो एक शब्द को छोड़कर समझ नहीं पाया, जो स्पष्ट रूप से "भीख" जैसा लग रहा था, जिससे उसने समझा कि वे अपने गीत में भीख माँग रहे थे; और जैसा कि सिदे हामेट कहते हैं, अत्यंत दयालु होने के कारण, उन्होंने अपने भंडार में से आधा पाव रोटी और आधा पनीर निकाला, जो उन्हें दिया गया था, और उन्हें इशारों से समझाते हुए बताया कि उनके पास देने के लिए और कुछ नहीं है। उन्होंने इसे बड़े हर्षपूर्वक ग्रहण किया, और "पैसा! पैसा!" कहकर पुकारा।
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप लोग मुझसे क्या चाहते हैं," सांचो ने कहा।
इस पर उनमें से एक ने अपनी छाती से पर्स निकालकर सांचो को दिखाया, जिससे सांचो समझ गया कि वे पैसे मांग रहे हैं। उसने अपने अंगूठे को गले पर रखकर और हाथ ऊपर की ओर फैलाकर उन्हें यह संकेत दिया कि उसके पास एक भी सिक्का नहीं है। डैपल को आगे बढ़ने के लिए उकसाते हुए वह उनके बीच से निकल गया। लेकिन जैसे ही वह आगे बढ़ रहा था, उनमें से एक, जो उसे बहुत ध्यान से देख रहा था, उसकी ओर दौड़ा और उसे बाहों में भरकर ऊँची आवाज़ में और अच्छी स्पैनिश में बोला, "हे भगवान! यह मैं क्या देख रहा हूँ? क्या यह संभव है कि

मेरी बाहों में मेरा प्यारा दोस्त, मेरा अच्छा पड़ोसी सांचो पांजा है? लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है, क्योंकि मैं न तो सोया हुआ हूँ और न ही अभी नशे में हूँ।"
सांचो को अपना नाम पुकारे जाने और एक विदेशी तीर्थयात्री द्वारा गले लगाए जाने पर आश्चर्य हुआ। बिना कुछ बोले उसे लगातार देखने के बाद भी वह उसे पहचान नहीं पाया; लेकिन तीर्थयात्री ने उसकी घबराहट को भांपते हुए कहा, "क्या! और क्या यह संभव है, सांचो पांजा, कि तुम अपने पड़ोसी रिकोटे, अपने गाँव के मोरिसको दुकानदार को नहीं जानते?"
सांचो ने उसे और ध्यान से देखा तो उसके चेहरे के हाव-भाव याद आने लगे, और अंत में उसने उसे पूरी तरह पहचान लिया। गधे से उतरे बिना ही उसने उसकी गर्दन में बाहें डाल दीं और कहा, "इस भद्दे वेशभूषा में रिकोटे, तुम्हें कौन पहचान सकता है? बताओ, किसने तुम्हें फ्रांसीसी बना दिया है, और तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई स्पेन लौटने की, जहाँ अगर वे तुम्हें पकड़ लें और पहचान लें तो तुम्हारा बुरा हाल हो जाएगा?"
“अगर तुम मुझे धोखा नहीं दोगे, सांचो,” तीर्थयात्री ने कहा, “तो मैं सुरक्षित हूँ; क्योंकि इस वेश में मुझे कोई नहीं पहचानेगा; लेकिन चलो सड़क से हटकर उस उपवन में चलते हैं जहाँ मेरे साथी भोजन और विश्राम करने जा रहे हैं, और तुम भी उनके साथ वहीं भोजन करो, क्योंकि वे बहुत अच्छे लोग हैं; तब मुझे तुम्हें वह सब बताने का पर्याप्त समय होगा जो मेरे साथ हुआ है जब से मैंने महाराज के उस फरमान का पालन करते हुए अपना गाँव छोड़ा है जिसमें मेरे देश के दुर्भाग्यशाली लोगों के खिलाफ़ ऐसी क्रूरता की धमकी दी गई थी, जैसा कि तुमने सुना है।”
सांचो मान गया, और रिकोटे ने अन्य तीर्थयात्रियों से बात करने के बाद, सड़क से काफी दूर, उस उपवन की ओर मुड़ गए जो उन्हें दिखाई दिया। उन्होंने अपनी लाठियाँ नीचे फेंक दीं, अपने तीर्थयात्री वस्त्र उतार दिए और अंतर्वस्त्रों में ही रहे; रिकोटे को छोड़कर, जो कुछ अधिक उम्र का था, वे सभी सुंदर युवक थे। उन सभी के पास अलफोर्जा (एक प्रकार का भोजन पात्र) थे, और वे सभी अच्छी तरह से भरे हुए प्रतीत होते थे, कम से कम प्यास बढ़ाने वाली चीजों से, जो दो मील दूर से भी प्यास जगा सकती थीं। वे जमीन पर लेट गए, और घास से एक मेज़पोश बनाकर उस पर रोटी, नमक, चाकू, अखरोट, पनीर के टुकड़े और अच्छी तरह से चुनी हुई मांस की हड्डियाँ फैला दीं, जो अगर चबाने लायक

नहीं थीं तो चूसने लायक जरूर थीं। उन्होंने एक काली स्वादिष्ट चीज़ भी रखी, जिसे वे कहते हैं कि कैवियार कहते हैं, जो मछली के अंडों से बनी होती है और प्यास को बहुत बढ़ाती है। जैतून की भी कोई कमी नहीं थी, हालांकि वे सूखे और बिना मसाले के थे, फिर भी स्वादिष्ट और सुखद थे। लेकिन भोज में सबसे शानदार दृश्य छह शराब की बोतलों का था, क्योंकि हर किसी ने अपनी-अपनी बोतलों से अपनी शराब निकाली; यहाँ तक कि अच्छे रिकोटे ने भी, जो एक मोरस्को से जर्मन या डचमैन में बदल गया था, अपनी शराब निकाली, जो आकार में बाकी पाँचों से मुकाबला कर सकती थी। फिर वे बड़े चाव से और आराम से खाने लगे, हर छोटे-छोटे निवाले का पूरा आनंद लेते हुए, जिसे वे चाकू की नोक पर उठाते थे; और फिर सभी ने एक ही क्षण में अपनी बाहें और बोतलें ऊपर उठा लीं, मुँह में शराब डाले, और सबकी निगाहें आसमान पर टिकी थीं मानो वे उस पर निशाना साध रहे हों; और वे इसी मुद्रा में बहुत देर तक रहे, अपने सिर को इधर-उधर हिलाते रहे मानो उस आनंद को स्वीकार कर रहे हों जिसका वे आनंद ले रहे थे, जबकि वे बोतलों की शराब को अपने पेट में उड़ेल रहे थे।
सांचो ने सब कुछ देखा, "और उसे किसी बात से कोई तकलीफ नहीं हुई;" बल्कि इसके विपरीत, "रोम में जो दिखे वही करो" वाली कहावत को अमल में लाते हुए, उसने रिकोटे से उसका बोता मांगा और बाकियों की तरह निशाना साधा, और उसे भी उतना ही आनंद आया। बोता चार बार उठाने पर भी नहीं उठा, लेकिन पांचवीं बार सब व्यर्थ गया, क्योंकि तब तक वह सरकंडे से भी ज्यादा सूख चुका था और उसमें रस की कमी हो गई थी, जिससे अब तक का सारा उत्साह फीका पड़ने लगा।
बीच-बीच में उनमें से कोई सांचो का दाहिना हाथ पकड़कर कहता, "Espanoli y Tudesqui tuto uno: bon compano;" और सांचो जवाब देता, "Bon compano, jur a Di!" और फिर एक घंटे तक लगातार हँसता रहता, अपने शासन में आई किसी भी बात की परवाह किए बिना; क्योंकि खाते-पीते समय चिंताएँ हम पर बहुत कम हावी होती हैं। अंत में, जब उनका नशा उतर गया, तो उन्हें नींद आने लगी और वे अपनी मेज और मेज़पोश पर ही सो गए। केवल रिकोते और सांचो ही जागते रहे, क्योंकि उन्होंने कम खाया था और कम पिया था, और रिकोते सांचो को एक तरफ खींचकर एक बीच के पेड़ के नीचे बैठ गया, तीर्थयात्रियों को मीठी नींद में डूबा हुआ छोड़कर; और अपनी मोरस्को भाषा का प्रयोग किए बिना, रिकोते ने शुद्ध कैस्टिलियन में इस प्रकार कहा:

"तुम भली-भांति जानते हो, मेरे पड़ोसी और मित्र सांचो पांजा, कि महामहिम द्वारा मेरे राष्ट्र के विरुद्ध जारी की गई घोषणा या फरमान ने हम सभी को कितना भयभीत और भयभीत कर दिया था; कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगा था, यहाँ तक कि मुझे लगता है कि स्पेन छोड़ने के लिए दी गई समयावधि समाप्त होने से पहले ही, दंड का पूरा प्रभाव मुझ पर और मेरे बच्चों पर पड़ चुका था। तब मैंने निर्णय लिया, और मुझे लगता है कि यह बुद्धिमानी थी (ठीक वैसे ही जैसे कोई व्यक्ति यह जानता है कि एक निश्चित तिथि को उसका घर उससे छीन लिया जाएगा, और वह पहले से ही रहने के लिए दूसरा घर ढूंढ लेता है), मैंने निर्णय लिया, मैं कहता हूँ, कि मैं स्वयं, अकेले और अपने परिवार के बिना, शहर छोड़ दूँ, और उन्हें आराम से बसाने के लिए कोई जगह ढूँढूँ, न कि उस जल्दबाजी में जिस तरह से अन्य लोग रवाना हुए थे; क्योंकि मैंने स्पष्ट रूप से देखा, और हमारे बीच के सभी वरिष्ठ पुरुषों ने भी, कि घोषणाएँ मात्र धमकियाँ नहीं थीं, जैसा कि कुछ लोगों ने कहा था, बल्कि ठोस कानून थे जिन्हें नियत समय पर लागू किया जाएगा; और मुझे इस बात पर विश्वास इसलिए हुआ क्योंकि मैं हमारे लोगों के नीच और निरर्थक इरादों से अवगत था।" हमारे मन में ऐसे इरादे थे कि मुझे लगता है कि यह ईश्वरीय प्रेरणा ही थी जिसने महामहिम को इतना कठोर निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया; ऐसा नहीं था कि हम सभी दोषी थे, क्योंकि कुछ सच्चे और दृढ़ ईसाई थे; लेकिन वे इतने कम थे कि वे उन लोगों के खिलाफ कुछ नहीं कर सकते थे जो ईसाई नहीं थे; और घर में शत्रु रखकर सीने में सांप पालना बुद्धिमानी नहीं थी। संक्षेप में, हमें निर्वासन की सजा उचित कारण से दी गई थी, कुछ लोगों की नजर में यह हल्की और उदार सजा थी, लेकिन हमारे लिए यह सबसे भयानक सजा थी जो हम पर थोपी जा सकती थी। हम जहां भी हैं, स्पेन के लिए रोते हैं; क्योंकि आखिरकार हम वहीं पैदा हुए थे और वह हमारी जन्मभूमि है। कहीं भी हमें वह स्वागत नहीं मिलता जिसकी हमारी दयनीय स्थिति को आवश्यकता है; और बारबरी और अफ्रीका के उन सभी हिस्सों में जहां हमने स्वागत, सहायता और शरण की उम्मीद की थी, वहीं हमें सबसे ज्यादा अपमानित और दुर्व्यवहार किया जाता है। हमें अपने सौभाग्य का एहसास तब तक नहीं हुआ जब तक हमने उसे खो नहीं दिया; और हममें से लगभग सभी के मन में स्पेन लौटने की इतनी तीव्र इच्छा है कि उनमें से अधिकांश जो लोग मेरी तरह इस भाषा को जानते हैं, और ऐसे बहुत से लोग हैं, वे अपनी पत्नियों और बच्चों को वहीं छोड़कर वापस इस भाषा के पास लौट आते हैं, क्योंकि उनका इसके प्रति

इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "याद रखो, रिकोटे, हो सकता है कि वह रास्ता उनके लिए खुला न रहा हो, क्योंकि तुम्हारी पत्नी का भाई जुआन टिओपियेयो उन्हें ले गया था, और एक सच्चा मूर होने के नाते वह वहीं गया जहाँ वह सबसे आसानी से जा सकता था; और एक और बात मैं तुम्हें बता सकता हूँ, मेरा मानना है कि तुम जो कुछ भी दफनाकर छोड़ गए हो उसे खोजने में व्यर्थ जा रहे हो, क्योंकि हमने सुना है कि वे तुम्हारे बहनोई और तुम्हारी पत्नी से बड़ी मात्रा में मोती और सोने के सिक्के ले गए हैं जिन्हें वे बेचने के लिए लाए थे।"
"ऐसा हो सकता है," रिकोटे ने कहा; "लेकिन मुझे पता है कि उन्होंने मेरे खजाने को नहीं छुआ, क्योंकि मैंने उन्हें दुर्घटना के डर से यह नहीं बताया था कि वह कहाँ है; इसलिए, अगर तुम मेरे साथ आओगे, सांचो, और इसे ले जाने और छिपाने में मेरी मदद करोगे, तो मैं तुम्हें दो सौ क्राउन दूंगा जिससे तुम अपनी ज़रूरतें पूरी कर सकोगे, और जैसा कि तुम जानते हो, मैं जानता हूँ कि तुम्हारी ज़रूरतें बहुत हैं।"
"मैं यह कर देता," सांचो ने कहा; "परन्तु मैं बिल्कुल भी लालची नहीं हूँ, क्योंकि मैंने आज सुबह ही एक ऐसा पद त्याग दिया है, जिसमें अगर मैं लालची होता, तो छह महीने बीतने से पहले ही मैं अपने घर की दीवारें सोने की बनवा लेता और चाँदी की थालियों में भोजन करता; और इसी कारण से, और क्योंकि मुझे लगता है कि अगर मैं अपने राजा के शत्रुओं की सहायता करता हूँ तो मैं राजद्रोह का दोषी होऊंगा, मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगा, भले ही तुम मुझे दो सौ क्राउन देने का वादा करने के बजाय चार सौ क्राउन यहीं दे दो।"
"और यह कौन सा पद है जिसे तुमने त्याग दिया है, सांचो?" रिकोटे ने पूछा। "मैंने एक द्वीप का राज्यपाल बनने का विचार छोड़ दिया है," सांचो ने कहा, "और ऐसा द्वीप, जैसा आपको आसानी से नहीं मिलेगा।"
"और यह द्वीप कहाँ है?" रिकोटे ने कहा।
"कहाँ?" सांचो ने पूछा; "यहाँ से दो मील दूर, और उसे बारातारिया द्वीप कहा जाता है।"
"बकवास! सांचो," रिकोटे ने कहा; "द्वीप तो समुद्र में बहुत दूर होते हैं; मुख्य भूमि पर कोई द्वीप नहीं होते।"
"क्या? कोई द्वीप नहीं!" सांचो ने कहा; "मैं तुमसे कहता हूँ, मित्र रिकोटे, मैंने इसे आज सुबह ही छोड़ा था, और कल मैं वहाँ धनु राशि के स्वामी की तरह

अपनी मर्ज़ी से शासन कर रहा था; लेकिन फिर भी मैंने इसे छोड़ दिया, क्योंकि मुझे राज्यपाल का पद खतरनाक लगा।"
"और सरकार से तुम्हें क्या लाभ हुआ है?" रिकोटे ने पूछा।
सांचो ने कहा, "मुझे यह ज्ञान प्राप्त हो गया है कि मैं शासन करने के लिए किसी काम का नहीं हूँ, सिवाय तब जब शासन मवेशियों के झुंड पर हो, और इन सरकारों से जो धन प्राप्त होता है, वह आराम और नींद, यहाँ तक कि भोजन की कीमत पर ही मिलता है; क्योंकि द्वीपों में शासकों को कम खाना पड़ता है, खासकर अगर उनकी सेहत की देखभाल के लिए डॉक्टर हों।"
"सांचो, मैं तुम्हारी बात नहीं समझ पा रहा," रिकोटे ने कहा; "पर मुझे लगता है कि तुम सब बकवास कर रहे हो। तुम्हें द्वीपों का शासन कौन सौंपेगा? क्या दुनिया में तुमसे ज़्यादा बुद्धिमान शासकों की कमी है? चुप रहो, सांचो, और होश में आओ, और सोचो कि क्या तुम मेरे साथ आओगे जैसा मैंने कहा था, ताकि मैं तुम्हें वह खजाना निकालने में मदद कर सकूँ जो मैंने दबा रखा है (क्योंकि यह सचमुच खजाना है, इतना बड़ा), और मैं तुम्हें तुम्हारे भरण-पोषण के लिए ज़रूरी सामान दूँगा, जैसा मैंने तुमसे कहा था।"
"और मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है, रिकोटे, कि मैं ऐसा नहीं करूँगा," सांचो ने कहा; "तुम्हें इस बात से संतुष्ट रहना चाहिए कि मेरे द्वारा तुम्हारा विश्वासघात नहीं होगा, और तुम ईश्वर के नाम पर अपने मार्ग पर जाओ और मुझे भी जाने दो; क्योंकि मैं जानता हूँ कि मेहनत से कमाया हुआ धन खो सकता है, लेकिन गलत तरीके से कमाया हुआ धन न केवल स्वयं खो जाता है, बल्कि उसका मालिक भी खो जाता है।"
"मैं तुम पर दबाव नहीं डालूंगा, सांचो," रिकोटे ने कहा; "लेकिन मुझे बताओ, क्या तुम हमारे गांव में थे जब मेरी पत्नी, बेटी और साले ने इसे छोड़ा था?" “हाँ, ऐसा ही था,” सांचो ने कहा; “और मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि तुम्हारी बेटी इतनी सुंदर लग रही थी कि सारा गाँव उसे देखने के लिए उमड़ पड़ा, और सबने कहा कि वह दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। जाते समय वह रो रही थी, और अपने सभी दोस्तों, परिचितों और उसे देखने आए लोगों को गले लगा रही थी, और उन सभी से विनती कर रही थी कि वे उसे ईश्वर और उनकी माता, हमारी माता, को सौंप दें, और यह इतने मार्मिक ढंग से किया कि मैं भी रो पड़ा, हालाँकि मैं आमतौर पर इतना नहीं रोता; और, सच कहूँ तो, कई लोग उसे छिपाना चाहते थे, या उसे सड़क पर ले जाकर भगा ले जाना चाहते थे; लेकिन राजा के आदेश के विरुद्ध

जाने के डर ने उन्हें रोक रखा था। सबसे ज़्यादा भावुक होने वाला व्यक्ति डॉन पेड्रो ग्रेगोरियो था, वही धनी युवा वारिस जिसे तुम जानते हो, और कहते हैं कि वह उससे बहुत प्यार करता था; और उसके जाने के बाद से उसे हमारे गाँव में फिर कभी नहीं देखा गया है, और हम सभी को शक है कि वह उसे चुराने के लिए उसके पीछे गया है, लेकिन अभी तक इसकी कोई खबर नहीं मिली है।”
"मुझे हमेशा से शक था कि उस सज्जन को मेरी बेटी से प्रेम है," रिकोटे ने कहा; "लेकिन चूंकि मुझे अपनी रिकोटा की पवित्रता पर पूरा भरोसा था, इसलिए यह जानकर मुझे कोई चिंता नहीं हुई कि वह उससे प्यार करता है; क्योंकि तुमने यह तो सुना ही होगा, सांचो, कि मोरिसको महिलाएं बूढ़े ईसाईयों के साथ प्रेम-प्रसंग में शायद ही कभी पड़ती हैं; और मेरी बेटी, जो मुझे लगता है कि प्रेम-प्रसंग से ज्यादा ईसाई होने को महत्व देती थी, इस उत्तराधिकारी के आकर्षण से परेशान नहीं होती।"
"भगवान करे ऐसा ही हो," सांचो ने कहा, "क्योंकि यह उन दोनों के लिए बुरा होगा; लेकिन अब मुझे जाने दो, मेरे दोस्त रिकोटे, क्योंकि मैं आज रात अपने मालिक डॉन क्विक्सोट के पास पहुंचना चाहता हूं।"
"ईश्वर तुम्हारा भला करे, भाई सांचो," रिकोटे ने कहा; "मेरे साथी जागने लगे हैं, और अब हमारे लिए भी अपनी यात्रा जारी रखने का समय आ गया है;" और फिर दोनों गले मिले, सांचो डैपल पर सवार हो गया, और रिकोटे अपनी लाठी पर झुक गया, और इस तरह वे अलग हो गए।

55

अध्याय
सांचो के साथ रास्ते में जो कुछ घटित हुआ, और अन्य ऐसी बातें जिनका कोई सानी नहीं है।
रिकोटे के साथ देरी के कारण सांचो उस दिन ड्यूक के महल तक नहीं पहुँच सका, हालाँकि रात होने से पहले वह महल से आधा मील की दूरी पर ही था। रात कुछ अँधेरी और बादलों से घिरी हुई थी। लेकिन, गर्मियों का मौसम होने के कारण उसे ज़्यादा चिंता नहीं हुई और वह सुबह का इंतज़ार करने के इरादे से सड़क से हट गया; लेकिन उसकी बदकिस्मती और कठोर भाग्य ने ऐसा ही तय किया था कि जब वह अपने लिए यथासंभव आरामदायक जगह ढूँढ़ रहा था, तभी वह और डैपल कुछ बहुत पुरानी इमारतों के बीच स्थित एक गहरे, अँधेरे गड्ढे में गिर पड़े। गिरते समय उसने पूरे मन से ईश्वर को अपने हवाले कर दिया, यह सोचकर कि वह तब तक नहीं रुकेगा जब तक कि वह अथाह गड्ढे की गहराई तक न पहुँच जाए; लेकिन ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि एक आदमी की ऊँचाई से लगभग तीन गुना ऊँचा डैपल नीचे तक पहुँच गया और सांचो ने खुद को उस पर बैठा पाया, बिना किसी चोट या नुकसान के। उसने अपने पूरे शरीर को टटोला और यह देखने के लिए अपनी सांस रोक ली कि वह पूरी तरह से ठीक है या कहीं उसमें कोई छेद तो नहीं हो गया है। जब उसने पाया कि वह बिल्कुल ठीक और स्वस्थ है, तो उसने ईश्वर का दिल से शुक्रिया अदा किया, क्योंकि उसे यकीन था कि वह हज़ार टुकड़ों में टूट गया था। उसने गड्ढे के किनारों को भी अपने हाथों से टटोला, यह देखने के लिए कि क्या बिना किसी मदद के उससे बाहर निकलना संभव है, लेकिन उसने पाया कि किनारे बिल्कुल चिकने थे और कहीं भी पकड़ नहीं बन रही थी। इससे वह बहुत दुखी हुआ, खासकर जब उसने सुना कि डैपल कितनी दयनीय और उदास होकर अपने लिए विलाप कर रहा है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि वह शिकायत कर रहा था, और यह खराब मिजाज के कारण भी नहीं था, क्योंकि वास्तव में उसकी हालत बहुत अच्छी नहीं थी। “हाय,” सांचो ने कहा, “इस दुखभरी दुनिया में जीने वालों के साथ हर कदम पर कैसी-कैसी अनपेक्षित दुर्घटनाएँ घटित होती हैं! किसने सोचा होगा कि जो व्यक्ति कल तक सिंहासन पर बैठा, एक द्वीप का शासक, अपने सेवकों और जागीरदारों को आदेश देता हुआ था, वह आज खुद को एक गड्ढे में दफन पाएगा, जहाँ उसकी मदद करने के लिए कोई नहीं, न कोई सेवक और न कोई जागीरदार, उसकी

सहायता के लिए? यहाँ हम भूख से मरेंगे, मेरा गधा और मैं, अगर हम पहले ही न मर जाएँ, वह अपने ज़ख्मों और चोटों से और मैं शोक और दुख से। खैर, मैं अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा जितना भाग्यशाली नहीं हो पाऊँगा, जब वह उस जादुई मोंटेसिनोस की गुफा में गया, जहाँ उसे अपने घर से भी ज़्यादा अपनापन और सम्मान मिला; क्योंकि ऐसा लगता है कि वह वहाँ सजी हुई मेज और तैयार बिस्तर की उम्मीद में गया था। वहाँ उसने सुंदर और सुखद दृश्य देखे, लेकिन यहाँ मुझे, लगता है, मेंढक और साँप दिखाई देंगे। मैं कितना अभागा हूँ, मेरा क्या अंत होगा! मेरी मूर्खताएँ और कल्पनाएँ अब सामने आ गई हैं! जब स्वर्ग की इच्छा होगी कि मैं मिलूँ, तो मेरी हड्डियाँ इसमें से निकाल ली जाएँगी, एकदम साफ़, सफ़ेद और चमकीली, और मेरा प्यारा डैपल भी उनके साथ होगा, और शायद तब पता चल जाएगा कि हम कौन हैं, कम से कम उन लोगों को जिन्होंने सुना है कि सांचो पांज़ा कभी अपने गधे से अलग नहीं हुआ, और न ही उसका गधा सांचो पांज़ा से। अभागे, मैं फिर कहता हूँ, कि हमारा कठोर भाग्य हमें अपने ही देश में और अपने ही लोगों के बीच मरने न दे, जहाँ अगर हमारी बदकिस्मती में कोई मदद न भी मिले, तो कम से कम कोई तो होगा जो हमारे लिए शोक मनाएगा और हमारे जाते समय हमारी आँखें बंद करेगा! हे साथी और मित्र, मैंने तुम्हारी वफ़ादार सेवाओं का कितना बुरा प्रतिफल दिया है! मुझे क्षमा कर दो, और भाग्य से प्रार्थना करो, जितना तुम कर सकते हो, कि हम दोनों को इस दयनीय स्थिति से बाहर निकाले; और मैं वादा करता हूँ कि तुम्हारे सिर पर लॉरेल का ताज पहनाऊँगा, और तुम्हें एक राजकवि की तरह दिखाऊँगा, और मैं तुम्हें दुगुना भोजन दूंगा।
इसी स्वर में सांचो विलाप करता रहा, और उसका गधा सुनता रहा, पर उसने एक शब्द भी नहीं कहा, बेचारा जानवर इतना दुखी और व्याकुल था। अंततः, रात भर विलाप और सिसकने के बाद, सुबह हुई, और उजाले में सांचो ने देखा कि बिना मदद के उस गड्ढे से निकलना बिल्कुल असंभव है, और वह अपने भाग्य पर विलाप करने लगा और जोर-जोर से चिल्लाने लगा कि क्या कोई उसकी आवाज़ सुन रहा है; लेकिन उसकी सारी चीखें सन्नाटे में गूंज रही थीं, क्योंकि आस-पास कोई भी उसे सुनने वाला नहीं था, और अंत में उसने खुद को मृत मान लिया। डैपल पीठ के बल पड़ा था, और सांचो ने उसे उठने में मदद की, हालाँकि वह बड़ी मुश्किल से खड़ा रह पा रहा था; और फिर अपने गधों में से एक रोटी का टुकड़ा निकालकर, जो गिरने से उनके साथ बिखर गए थे, उसने गधे को दिया, जिसे वह रोटी बुरी नहीं

लगी, और उससे ऐसे कहा जैसे वह उसे समझ रहा हो, "रोटी से सारे दुख कम हो जाते हैं।"
अब उसने गड्ढे के एक किनारे पर एक छेद देखा जो इतना बड़ा था कि अगर कोई व्यक्ति झुककर खुद को छोटे से दायरे में समेट ले तो उसमें से निकल सकता था। सांचो उसकी ओर बढ़ा और रेंगते हुए उसमें प्रवेश किया। उसने पाया कि वह छेद अंदर से चौड़ा और विशाल था, जिसे सूर्य की एक किरण ने छत जैसी दिखने वाली जगह से छनकर साफ दिखाया। उसने यह भी देखा कि वह छेद एक और विशाल गुफा में खुलता और चौड़ा होता जा रहा था। यह देखकर वह वापस गधे के पास गया और एक पत्थर से छेद से मिट्टी हटाने लगा। कुछ ही समय में उसने जानवर के आसानी से निकलने के लिए जगह बना ली। यह हो जाने पर, उसने गधे की लगाम पकड़ी और गुफा के दूसरे छोर पर किसी निकास की तलाश में आगे बढ़ा। वह आगे बढ़ता रहा, कभी अंधेरे में, कभी बिना रोशनी के, लेकिन कभी भी डर के बिना नहीं; "हे सर्वशक्तिमान ईश्वर!" उसने मन ही मन कहा। "जो मेरे लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, वह मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट के लिए एक शानदार रोमांच साबित होती। वह निश्चित रूप से इन गहराइयों और कालकोठरियों को फूलों के बगीचे या गैलियाना के महल समझ लेते और इस अंधकार और कैद से निकलकर किसी खिले हुए मैदान में पहुँचने की उम्मीद करते; लेकिन मैं, अभागा, निराश और हतोत्साहित, हर कदम पर पहले से भी गहरे एक और गड्ढे के खुलने और मुझे हमेशा के लिए निगल जाने की आशंका करता हूँ; 'दुःख का स्वागत है, अगर तू अकेली आती है।'"
इस तरह और इन विचारों के साथ, उसे ऐसा लगा जैसे उसने आधे मील से कुछ अधिक की दूरी तय कर ली हो, जब अंत में उसे एक धुंधली रोशनी दिखाई दी जो दिन के उजाले जैसी लग रही थी और एक तरफ से अंदर आ रही थी, जिससे पता चला कि यह सड़क, जो उसे दूसरी दुनिया की सड़क लग रही थी, किसी खुले स्थान की ओर ले जाती है। यहां सिडे हामेट उसे छोड़कर डॉन क्विक्सोट के पास लौट जाता है, जो बेहद उत्साहित और संतुष्ट था और उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था जब उसे डोना रोड्रिगेज की बेटी के सम्मान को लूटने वाले से युद्ध करना था, जिसके लिए वह उस अन्याय और शर्मनाक चोट का बदला लेने की उम्मीद कर रहा था। फिर हुआ यह कि एक सुबह जब वह अगले दिन होने वाले मुकाबले में अपनी रणनीति का अभ्यास करने निकला, तो रोसिनेंटे को चुनौती देते हुए या उसे आक्रमण के लिए उकसाते हुए, उसके पैर एक गड्ढे के इतने करीब आ गए कि अगर उसने उसे कसकर न रोका होता तो उसके लिए उसमें गिरने से बचना असंभव होता। हालांकि, उसने उसे

बिना गिरे ऊपर खींच लिया और थोड़ा और करीब आकर बिना घोड़े से उतरे गड्ढे का निरीक्षण किया; लेकिन जब वह उसे देख रहा था, तभी उसे उसमें से चीखने की तेज़ आवाज़ें सुनाई दीं, और ध्यान से सुनने पर वह समझ पाया कि आवाज़ें निकालने वाला कह रहा था, "हे ऊपर! क्या कोई ईसाई है जो मेरी बात सुन रहा है, या कोई दयालु सज्जन है जो जिंदा दफन किए गए पापी पर, एक दुर्भाग्यपूर्ण और कुशासित शासक पर दया करेगा?"
डॉन क्विक्सोट को अचानक एहसास हुआ कि यह सांचो पांजा की आवाज है, जिससे वह चौंक गया और हैरान रह गया, और अपनी पूरी ताकत से चिल्लाते हुए बोला, "नीचे कौन है? वह शिकायत कौन कर रहा है?"
"यहाँ कौन होना चाहिए, या किसे शिकायत करनी चाहिए," उत्तर था, "लेकिन बेचारा सांचो पांजा, अपने पापों और बदकिस्मती के लिए, बारातारिया द्वीप का गवर्नर, जो ला मांचा के प्रसिद्ध शूरवीर डॉन क्विक्सोट का सहायक था?"
जब डॉन क्विक्सोट ने यह सुना तो उसका आश्चर्य दुगना हो गया और उसकी बेचैनी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई, क्योंकि उसके मन में यह विचार आया कि सांचो अवश्य मर गया होगा और उसकी आत्मा पाताल में पीड़ा भोग रही होगी; और इस विचार से व्याकुल होकर वह बोला, "मैं तुम्हें कैथोलिक ईसाई होने के नाते हर उस शक्ति की कसम खिलाता हूँ जिससे मैं तुम्हें पुकार सकता हूँ, मुझे बताओ कि तुम कौन हो; और यदि तुम पीड़ा भोगती आत्मा हो, तो मुझे बताओ कि तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो; क्योंकि मेरा कर्तव्य इस संसार में जरूरतमंदों की सहायता करना है, और यह उन दुखी लोगों की सहायता करने तक भी विस्तारित होता है जो स्वयं अपनी सहायता नहीं कर सकते।"
"तो फिर," आवाज ने उत्तर दिया, "जो महाराज मुझसे बात कर रहे हैं, वे मेरे गुरु डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा ही होंगे; बल्कि, आवाज के लहजे से तो यह स्पष्ट है कि वे कोई और नहीं हो सकते।"
"मैं डॉन क्विक्सोट हूँ," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "मैं वही हूँ जिसका पेशा जीवित और मृत लोगों की ज़रूरतों में सहायता और मदद करना है; इसलिए मुझे बताओ कि तुम कौन हो, क्योंकि तुम मुझे असमंजस में रखे हुए हो; क्योंकि, यदि तुम मेरे साथी सांचो पांजा हो, और मर चुके हो, क्योंकि शैतान तुम्हें नहीं ले गए हैं, और तुम ईश्वर की कृपा से नरक में हो, तो हमारी पवित्र माता रोमन कैथोलिक चर्च के पास तुम्हें तुम्हारे कष्टों से मुक्त करने के पर्याप्त साधन हैं; और मैं अपनी ओर से अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस

उद्देश्य के लिए उनसे विनती करूँगा; इसलिए, बिना किसी देरी के, अपना परिचय दो, और मुझे बताओ कि तुम कौन हो।"
"सभी अच्छी चीजों की कसम," जवाब मिला, "और आपकी मर्ज़ी के जन्म की कसम, मैं शपथ लेता हूँ, सेनर डॉन क्विक्सोट ऑफ़ ला मांचा, कि मैं आपका साथी सांचो पांज़ा हूँ, और मैं अपने पूरे जीवन में कभी नहीं मरा; लेकिन, कुछ कारणों से, जिन्हें समझाने में अधिक समय लगेगा, मैंने अपना शासन त्याग दिया और कल रात मैं इस गड्ढे में गिर गया जहाँ मैं अभी हूँ, और डैपल गवाह है और मुझे झूठ नहीं बोलने देगा, क्योंकि वह एक प्रतीक के रूप में मेरे साथ यहाँ है।"
बात यहीं खत्म नहीं हुई; ऐसा लगता था मानो गधे को सांचो की बात समझ आ गई हो, क्योंकि उसी क्षण वह इतनी जोर से रेंकने लगा कि पूरी गुफा फिर से गूंज उठी। “वाह! यह तो कमाल की गवाही है!” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “मैं उस गधे की आवाज़ को ऐसे पहचानता हूँ जैसे मैं उसकी माँ हूँ, और तुम्हारी आवाज़ को भी, मेरे सांचो। रुको, मैं पास ही स्थित ड्यूक के महल में जाता हूँ, और वहाँ से किसी को लाकर तुम्हें उस गड्ढे से बाहर निकालूँगा जिसमें तुम्हारे पापों ने तुम्हें धकेल दिया है।”
"महाराज, जाइए और भगवान के नाम पर जल्दी वापस आइए; क्योंकि मैं अब और जिंदा दफन होने का दर्द सहन नहीं कर सकता, और मैं डर से मर रहा हूँ।"
डॉन क्विक्सोट उसे छोड़कर जल्दी से महल की ओर भागा ताकि ड्यूक और डचेस को बता सके कि सांचो के साथ क्या हुआ था। वे यह सुनकर बहुत हैरान हुए; वे आसानी से समझ सकते थे कि उसका पतन कैसे हुआ होगा, क्योंकि वहाँ अनादि काल से एक गुफा मौजूद थी; लेकिन वे यह कल्पना नहीं कर पा रहे थे कि उसने बिना उन्हें सूचना दिए शासन कैसे छोड़ दिया। संक्षेप में, उन्होंने रस्सियाँ और सामान मंगवाया, और बहुत से लोगों और मेहनत के बल पर उन्होंने डैपल और सांचो पांजा को अंधेरे से उजाले में खींच लिया। उसे देखकर एक छात्र ने टिप्पणी की, "सभी बुरे शासकों को इसी तरह अपने शासन से बाहर आना चाहिए, जैसे यह पापी गड्ढे की गहराई से भूख से मरा हुआ, पीला पड़ा हुआ, और शायद बिना एक पैसा भी लिए बाहर आया है।"
सांचो ने उसकी बातें सुन लीं और कहा, "भाई गुर्राने वाले, आठ-दस दिन हो गए हैं जब से मैंने उस द्वीप का शासन संभाला है जो मुझे सौंपा गया था, और इस पूरे समय में मुझे एक घंटे के लिए भी भरपेट भोजन नहीं मिला; डॉक्टरों ने मेरा पीछा किया और दुश्मनों ने मेरी हड्डियाँ तोड़ दीं; न ही मुझे रिश्वत

लेने या कर वसूलने का कोई अवसर मिला; और अगर यही स्थिति है, जैसा कि है, तो मुझे लगता है कि मैं इस तरह से बाहर आने का हकदार नहीं हूँ; लेकिन 'मनुष्य सोचता है और ईश्वर करता है;' और ईश्वर जानता है कि क्या सर्वोत्तम है, और क्या सबके लिए सबसे उपयुक्त है; और 'जैसा अवसर, वैसा व्यवहार;' और 'कोई यह न कहे कि "मैं यह पानी नहीं पीऊँगा;" और 'जहाँ कोई सोचता है कि कांटे हैं, वहाँ खूंटे नहीं होते;' ईश्वर मेरा अर्थ जानता है और इतना ही काफी है; मैं और कुछ नहीं कहूँगा, हालाँकि मैं कह सकता था।"
“सांचो, जो कुछ तुम सुनते हो, उस पर क्रोधित या नाराज़ मत हो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “वरना इसका कभी अंत नहीं होगा; अपने विवेक को शांत रखो और उन्हें जो कहना है कहने दो; क्योंकि निंदा करने वालों की ज़बान बंद करने की कोशिश करना खुले मैदान में द्वार लगाने जैसा है। अगर कोई राज्यपाल अपने शासनकाल से अमीर होकर निकलता है, तो लोग कहते हैं कि वह चोर था; और अगर वह गरीब होकर निकलता है, तो कहते हैं कि वह मूर्ख और बेवकूफ था।”
"इस बार वे मुझे चोर के बजाय मूर्ख समझेंगे," सांचो ने कहा।
इस प्रकार बातें करते हुए, और लड़कों और लोगों की भीड़ से घिरे हुए, वे महल पहुँचे, जहाँ एक गलियारे में ड्यूक और डचेस उनका इंतज़ार कर रहे थे; लेकिन सांचो ड्यूक से मिलने तब तक ऊपर नहीं गया जब तक उसने डैपल को अस्तबल में नहीं बाँध दिया, क्योंकि उसने कहा कि उसने अपने पिछले कमरे में बहुत बुरी रात बिताई थी; फिर वह अपने स्वामी और स्वामिनी से मिलने ऊपर गया, और उनके सामने घुटने टेककर बोला, "यह आपके महामहिम की इच्छा थी, न कि मेरी किसी योग्यता के कारण, मैं आपके बारातारिया द्वीप पर शासन करने गया, जहाँ 'मैं नग्न अवस्था में प्रवेश किया था, और मैं स्वयं को नग्न ही पाता हूँ; मुझे न तो कुछ खोया है और न ही कुछ पाया है।' चाहे मैंने अच्छा शासन किया हो या बुरा, मेरे पास गवाह हैं जो अपनी मर्जी से कुछ भी कहेंगे। मैंने सवालों के जवाब दिए हैं, मैंने मामलों का फैसला किया है, और हमेशा भूख से मरता रहा हूँ, क्योंकि तिरतेफुएरा के डॉक्टर पेड्रो रेसियो, जो द्वीप और राज्यपाल थे, ऐसा ही चाहते थे। दुश्मनों ने रात में हम पर हमला किया और हमें बड़ी मुश्किल में डाल दिया, लेकिन द्वीप के लोग कहते हैं कि वे मेरी बहादुरी से सुरक्षित और विजयी होकर निकले; और ईश्वर उन्हें उतना ही स्वास्थ्य दे जितना उनकी बातों में सच्चाई है। संक्षेप में, उस दौरान मैंने शासन करने से आने वाली चिंताओं और जिम्मेदारियों का आकलन किया है, और मेरे हिसाब से

56

अध्याय
डोना रोड्रिगेज़ की बेटी की रक्षा में ला मांचा के डॉन क्विक्सोट और लैके टोसिलोस के बीच हुए उस असाधारण और अद्वितीय युद्ध के बारे में।
ड्यूक और डचेस को सांचो पांजा को शासन सौंपकर किए गए मजाक पर पछतावा करने का कोई कारण नहीं था; खासकर इसलिए कि उनका मुख्य प्रबंधक उसी दिन लौट आया और उसने उन्हें सांचो द्वारा उस दौरान बोले गए लगभग हर शब्द और कार्य का विस्तृत विवरण दिया; और अंत में, उसने द्वीप पर हुए हमले और सांचो के भय और पलायन का बड़े ही सजीव वर्णन किया, जिससे वे काफी खुश हुए। इसके बाद इतिहास आगे कहता है कि युद्ध के लिए निर्धारित दिन आ गया, और ड्यूक ने अपने सेवक तोसिलोस को बार-बार निर्देश दिया कि डॉन क्विक्सोट से कैसे निपटा जाए ताकि उसे बिना मारे या घायल किए हराया जा सके, फिर उसने भालों के सिर हटाने का आदेश दिया और डॉन क्विक्सोट से कहा कि ईसाई धर्मपरायणता, जिस पर वह गर्व करता था, इस युद्ध को इतने जोखिम और खतरे के साथ लड़ने की अनुमति नहीं दे सकती। और उन्हें अपने क्षेत्र में युद्धक्षेत्र के प्रस्ताव से संतुष्ट रहना चाहिए (यद्यपि यह पवित्र परिषद के फरमान के विरुद्ध था, जो इस प्रकार की सभी चुनौतियों को प्रतिबंधित करता है) और इस कठिन प्रयास को उसकी चरम सीमा तक नहीं ले जाना चाहिए। डॉन क्विक्सोट ने महामहिम से इस मामले से संबंधित सभी व्यवस्थाएँ अपनी इच्छानुसार करने का अनुरोध किया, और कहा कि वह अपनी ओर से हर बात में उनका पालन करेंगे। फिर, वह भयानक दिन आ गया, और ड्यूक ने मैदान के न्यायाधीशों और अपीलकर्ता महिलाओं, माता-पिता, और पुत्री के लिए महल के प्रांगण के सामने एक विशाल मंच बनाने का आदेश दिया, तो आसपास के सभी गाँवों और बस्तियों से भारी भीड़ युद्ध के इस अनोखे दृश्य को देखने के लिए उमड़ पड़ी; उस क्षेत्र में किसी ने भी, चाहे जीवित हो या मृत, ऐसा युद्ध न तो कभी देखा था और न ही सुना था।
सबसे पहले मैदान में प्रवेश करने वाला और घात लगाने वाला व्यक्ति समारोह का संचालक था, जिसने पूरे मैदान का सर्वेक्षण किया और यह सुनिश्चित करने के लिए चक्कर लगाया कि कुछ भी अनुचित या छिपा हुआ न हो जिससे योद्धा ठोकर खाकर गिर जाएं; फिर दुआएं प्रवेश करके बैठ गईं, अपनी आंखों, यहां तक कि अपने सीने को भी ढके हुए लबादों में लिपटी हुई, और डॉन क्विक्सोट के घात

रहा था। परन्तु हमारा सेवक कुछ और ही सोच रहा था; वह केवल उसी बात के बारे में सोच रहा था जिसका मैं अब उल्लेख करने जा रहा हूँ।
ऐसा प्रतीत होता है कि जब वह अपने शत्रु को निहार रहा था, तब वह स्त्री उसे अपने जीवन में देखी गई सबसे सुंदर स्त्री लगी; और वह छोटा अंधा लड़का, जिसे हमारी गलियों में प्रेम कहा जाता है, एक कोमल हृदय पर विजय प्राप्त करने और उसे अपनी उपलब्धियों की सूची में जोड़ने का अवसर हाथ से जाने नहीं देना चाहता था; और इसलिए, चुपके से, बिना किसी को दिखाई दिए, उसने दो गज लंबा एक तीर बेचारे के बाएँ हिस्से में मारा और उसके दिल को आर-पार कर दिया; और वह यह काम बड़ी सहजता से कर सका, क्योंकि प्रेम अदृश्य है, और वह अपनी मर्जी से आता-जाता है, और कोई उससे उसके कार्यों के लिए जवाबदेही नहीं मांगता। तो फिर, जब आक्रमण का संकेत मिला, तो हमारा योद्धा परमानंद में था, उस स्त्री की सुंदरता में मग्न था जिसे उसने पहले ही अपनी स्वतंत्रता का स्वामी बना लिया था, और इसलिए उसने तुरही की आवाज़ पर कोई ध्यान नहीं दिया, डॉन क्विक्सोट के विपरीत, जो इसे सुनते ही तुरंत निकल पड़ा, और रोसिनांटे की अधिकतम गति से अपने शत्रु का सामना करने के लिए चल पड़ा। उसका वफादार साथी सांचो उसे निकलते देख जोश से चिल्लाया, "हे वीर योद्धाओं, ईश्वर तुम्हारा मार्गदर्शन करे! ईश्वर तुम्हें विजय दिलाए, क्योंकि न्याय तुम्हारे पक्ष में है!" लेकिन यद्यपि तोसिलोस ने डॉन क्विक्सोट को अपनी ओर आते देखा, फिर भी वह अपनी जगह से एक कदम भी नहीं हिला; और ऐसा करने के बजाय उसने मैदान के मार्शल को ज़ोर से पुकारा, जब वह यह देखने आया कि वह क्या चाहता है, तो उसने कहा, "महोदय, क्या यह लड़ाई यह तय करने के लिए नहीं है कि मैं उस महिला से विवाह करूँ या न करूँ?" "बिल्कुल," उत्तर था। "तो फिर," उस नौकर ने कहा, "मुझे अंतरात्मा में दुविधा हो रही है, और अगर मैं लड़ाई में आगे बढ़ता हूँ तो यह मेरे अंतरात्मा पर भारी बोझ होगा; इसलिए मैं घोषणा करता हूँ कि मैं पराजित हो गया हूँ, और मैं तुरंत उस महिला से विवाह करने को तैयार हूँ।" तोसिलोस की बातों से युद्धक्षेत्र का मार्शल अचंभित रह गया; और चूंकि वह इस मामले की सारी जानकारी रखता था, इसलिए उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहे। जब डॉन क्विक्सोट ने देखा कि उसका शत्रु हमला करने नहीं आ रहा है, तो वह बीच रास्ते में ही रुक गया। ड्यूक को समझ नहीं आ रहा था कि युद्ध क्यों नहीं चल रहा है; लेकिन युद्धक्षेत्र का मार्शल जल्दी से उसके पास पहुंचा और उसे तोसिलोस की बात बताई, जिसे सुनकर वह चकित और बेहद क्रोधित हो गया।

इसी बीच तोसिलोस डोना रोड्रिगेज़ के पास पहुंचा और ऊँची आवाज़ में बोला, "सेनोरा, मैं आपकी बेटी से शादी करने को तैयार हूँ, और मैं वह चीज़ संघर्ष और लड़ाई से हासिल नहीं करना चाहता जो मैं शांति से और बिना अपनी जान जोखिम में डाले प्राप्त कर सकता हूँ।"
वीर डॉन क्विक्सोट ने उसकी बात सुनी और कहा, "चूंकि ऐसा है, इसलिए मैं अपने वचन से मुक्त हो गया हूँ; उन्हें विवाह करने दो, और जैसा कि 'हमारे प्रभु परमेश्वर ने उसे दिया है, संत पीटर अपना आशीर्वाद दें।'"
अब ड्यूक महल के प्रांगण में उतर आया था, और तोसिलोस के पास जाकर उसने उससे कहा, "क्या यह सच है, महाराज शूरवीर, कि आप अपनी हार स्वीकार करते हैं, और अंतरात्मा की दुविधा से प्रेरित होकर आप इस युवती से विवाह करना चाहते हैं?"
"जी हां, महोदय," तोसिलोस ने उत्तर दिया।
"और वह अच्छा करता है," सांचो ने कहा, "क्योंकि जो कुछ भी तुम्हें चूहे को देना है, वह बिल्ली को दे दो, और वह तुम्हें सारी परेशानी से बचा लेगी।"
इस बीच तोसिलोस अपना हेलमेट उतारने की कोशिश कर रहा था और उसने उनसे तुरंत मदद की गुहार लगाई, क्योंकि उसकी सांस फूल रही थी और वह उस तंग जगह में ज्यादा देर तक बंद नहीं रह सकता था। उन्होंने जल्दी से हेलमेट उतार दिया और उसका चेहरा सबके सामने आ गया। यह देखकर डोना रोड्रिगेज और उसकी बेटी ने ज़ोरदार चीख मारी और चिल्लाईं, "यह एक चाल है! यह एक चाल है! इन्होंने तोसिलोस, मेरे स्वामी ड्यूक के नौकर को, असली पति की जगह हम पर रख दिया है। ऐसी छल-कपट के खिलाफ ईश्वर और राजा का न्याय हो!"
"हे देवियों, चिंता न कीजिए," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "यह कोई छल या कपट नहीं है; या यदि है भी, तो इसके पीछे ड्यूक का हाथ नहीं है, बल्कि उन दुष्ट जादूगरों का है जो मुझे सता रहे हैं, और जो इस विजय का श्रेय मुझे मिलते देख ईर्ष्या करते हुए आपके पति के चेहरे को उस व्यक्ति के चेहरे में बदल दिया है, जिसे आप ड्यूक का चमचा कहती हैं; मेरी सलाह मानिए, और मेरे शत्रुओं की दुर्भावना के बावजूद उससे विवाह कीजिए, क्योंकि निःसंदेह वही है जिसे आप पति के रूप में चाहती हैं।"
यह सुनकर ड्यूक का सारा गुस्सा हंसी में लगभग गायब हो गया और उसने कहा, "सेनर डॉन क्विक्सोट के साथ जो कुछ घटित होता है वह इतना असाधारण है कि मुझे विश्वास हो रहा है कि मेरा यह चमचा उनमें से एक नहीं है; लेकिन चलिए

इस योजना और युक्ति को अपनाते हैं; चलिए शादी को लगभग दो सप्ताह के लिए टाल देते हैं, और इस व्यक्ति को, जिसके बारे में हम अनिश्चित हैं, कड़ी निगरानी में रखते हैं, और शायद इस दौरान वह अपने मूल रूप में लौट आए; क्योंकि सेनर डॉन क्विक्सोट के प्रति जादूगरों की दुर्भावना इतने लंबे समय तक नहीं टिक सकती, खासकर इसलिए कि इन छल और रूपांतरणों से उन्हें कोई खास लाभ नहीं होता।"
"ओह, महोदय," सांचो ने कहा, "ये बदमाश मेरे स्वामी से जुड़ी हर बात को एक से दूसरी में बदलने के आदी हैं। कुछ समय पहले उन्होंने जिस शूरवीर को हराया था, जिसे दर्पणों का शूरवीर कहा जाता था, उसे उन्होंने हमारे शहर के अविवाहित सैमसन कैरास्को और हमारे एक महान मित्र के रूप में बदल दिया; और मेरी पत्नी डुलसीनिया डेल टोबोसो को उन्होंने एक साधारण देहाती लड़की में बदल दिया; इसलिए मुझे लगता है कि इस कुंवारे को जीवन भर कुंवारा ही रहना पड़ेगा।"
यहां रोड्रिगेज़ की बेटी ने कहा, "जो भी हो, जो भी यह आदमी मुझे अपनी पत्नी बनाना चाहता है; मैं इसके लिए उसकी आभारी हूं, क्योंकि मैं किसी सज्जन की धोखे से हारी हुई रखैल बनने की बजाय एक नौकरानी की वैध पत्नी बनना पसंद करूंगी; हालांकि जिसने मुझे धोखा दिया है वह बिल्कुल भी सज्जन नहीं है।" संक्षेप में कहें तो, सारी चर्चा और जो कुछ भी हुआ था, उसका अंत इस बात से हुआ कि तोसिलोस को तब तक बंद रखा गया जब तक कि उसके परिवर्तन का परिणाम नहीं देखा गया। सभी ने डॉन क्विक्सोट को विजेता घोषित किया, लेकिन अधिकांश लोग इस बात से नाराज़ और निराश थे कि जिन योद्धाओं का वे बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे, उन्होंने एक-दूसरे को बुरी तरह नहीं पीटा, ठीक वैसे ही जैसे लड़के उस व्यक्ति को फांसी पर चढ़ते देखने पर निराश होते हैं, क्योंकि अभियोजन पक्ष या अदालत ने उसे क्षमा कर दिया होता है। लोग तितर-बितर हो गए, ड्यूक और डॉन क्विक्सोट महल लौट आए, उन्होंने तोसिलोस को कैद कर लिया, डोना रोड्रिगेज़ और उनकी बेटी इस बात से पूरी तरह संतुष्ट थीं कि किसी भी तरह से इस मामले का अंत विवाह में ही होना था, और तोसिलोस को इसके अलावा कुछ और नहीं चाहिए था।

57

अध्याय
इसमें बताया गया है कि डॉन क्विक्सोट ने ड्यूक से विदा कैसे ली, और उसके बाद डचेस की दासियों में से एक, चतुर और उद्दंड अल्टिसिडोरा के साथ क्या हुआ।
डॉन क्विक्सोट को अब महल में बिताए आलस्य भरे जीवन को त्यागना उचित लगा; क्योंकि उसे लगा कि अपने मेजबानों द्वारा एक शूरवीर के रूप में दी जाने वाली अनगिनत विलासिताओं और सुख-सुविधाओं के बीच निष्क्रिय और बंद रहकर वह अपने आप को बहुत याद कर रहा है, और उसे यह भी लगा कि उसे अपने इस आलस्य और एकांतवास का हिसाब स्वर्ग को देना होगा; इसलिए एक दिन उसने ड्यूक और डचेस से जाने की अनुमति मांगी। उन्होंने अनुमति दे दी, साथ ही यह भी दिखाया कि उन्हें उसके जाने का बहुत दुख है।
डचेस ने अपनी पत्नी के पत्र सांचो पांजा को दिए, जिन्हें पढ़कर सांचो की आँखों में आँसू आ गए और उन्होंने कहा, "किसने सोचा होगा कि मेरी पत्नी टेरेसा पांजा के मन में मेरे शासन की खबर से जो बड़ी उम्मीदें जगी थीं, उनका अंत इस बात में होगा कि मुझे अब अपने स्वामी डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा के आवारा कारनामों की ओर लौटना पड़ेगा? फिर भी मुझे खुशी है कि मेरी टेरेसा ने बलूत के फल भेजकर अपना कर्तव्य निभाया, क्योंकि अगर वह उन्हें नहीं भेजती तो मुझे खेद होता और वह कृतघ्न साबित होती। मुझे इस बात से तसल्ली है कि वे उस उपहार को रिश्वत नहीं कह सकते; क्योंकि जब उसने उन्हें भेजा था तब तक मुझे सरकार मिल चुकी थी, और यह स्वाभाविक है कि जिनके साथ अच्छा व्यवहार किया गया हो, वे अपना आभार व्यक्त करें, भले ही वह मामूली ही क्यों न हो। आखिरकार, मैं नग्न अवस्था में सरकार में गया था और नग्न अवस्था में ही इससे बाहर आया हूँ; इसलिए मैं निश्चिंत होकर कह सकता हूँ - और यह कोई छोटी बात नहीं है - 'मैं नग्न पैदा हुआ था, नग्न ही खुद को पाता हूँ, न तो मुझे कुछ खोया है और न ही कुछ पाया है।'"
इस प्रकार, उनके प्रस्थान के दिन सांचो एकालाप कर रहा था, क्योंकि डॉन क्विक्सोट, जो पिछली रात ड्यूक और डचेस से विदा लेकर निकला था, सुबह तड़के पूरे कवच में महल के प्रांगण में प्रकट हुआ। महल के सभी लोग गलियारों से उसे देख रहे थे, और ड्यूक और डचेस भी उसे देखने के लिए बाहर आए। सांचो अपने

डैपल घोड़े पर सवार था, उसके पास कवच, सूटकेस और प्रूव्ड था, वह अत्यंत प्रसन्न था क्योंकि ड्यूक के मेजरडोमो, वही जिसने ट्रिफाल्डी की भूमिका निभाई थी, ने उसे यात्रा के आवश्यक खर्चों के लिए दो सौ सोने के सिक्कों से भरा एक छोटा पर्स दिया था, लेकिन डॉन क्विक्सोट को अभी तक इस बारे में कुछ भी पता नहीं था। जैसा कि कहा गया है, जब सभी उसे देख रहे थे, अचानक दासियों और सेविकाओं के बीच से ढीठ और चतुर अल्टिसिडोरा ने अपनी आवाज उठाई और मार्मिक स्वर में कहा:
{श्लोक
हे क्रूर योद्धा, मेरी बात सुनो;
लगाम खींचो; इसकी आवश्यकता कहाँ है?
किनारों को प्रेरित करने के बारे में
उस बदहाल घोड़े की बात कर रहे हो? तुम कहाँ से भाग रहे हो?
मैं कोई अजगर नहीं हूँ।
एक भेड़ भी नहीं,
लेकिन एक कोमल छोटा मेमना।
तूने एक युवती को धोखा दिया है
देखने में उतना ही सुंदर
डायना की अप्सरा के रूप में
या फिर प्राचीन वीनस।
बिरेनो, ऐनेस, मैं तुम्हें इससे भी बुरी तरह क्या कहूँ? बरब्बास तेरे साथ चले! तेरा बुरा हाल हो!
हे निर्दयी लुटेरे, तेरे पंजों में
तुम दूर ले जाते हो
एक नम्र व्यक्ति का हृदय
हे प्रेममयी कन्या, तेरे शिकार के लिए,
तूने तीन रूमाल चुरा लिए।
और एक जोड़ी गार्टर्स,
पैरों से लेकर सबसे सफेद तक
संगमरमर का बना हुआ जो अधिक सुंदर है; और वो आहें जो तुम्हारा पीछा करती हैं

जलकर राख हो जाएगा
दो हजार ट्रॉय शहर,
यदि इतने सारे पाए गए।
बिरेनो, ऐनेस, मैं तुम्हें इससे भी बुरी तरह क्या कहूँ? बरब्बास तेरे साथ चले! तेरा बुरा हाल हो!
दया की कोई भावना न हो
सांचो को यह अनुमति दी जाए।
और तेरी डुलसीनिया
मंत्रमुग्ध होकर रह जाओ,
तेरा झूठ मेरे लिए
उसे इसका दंड मिले।
क्योंकि मेरे देश में धर्मी
अक्सर पापी को ही इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। आपके सबसे महान साहसिक कार्य
असुविधाएँ साबित करती हैं,
तुम्हारी सारी खुशियाँ सपने बनकर रह जाएँ।
और तुम्हारा प्यार भूल गया।
बिरेनो, ऐनेस, मैं तुम्हें इससे भी बुरी तरह क्या कहूँ? बरब्बास तेरे साथ चले! तेरा बुरा हाल हो!
तेरा नाम घृणा का पात्र बने।
महिलाओं के प्रति तुम्हारे आचरण के लिए,
लंदन से इंग्लैंड तक,
सेविल से काडिज़ तक;
तुम्हारे पत्ते अशुभ हों।
तुम्हारे हाथों में कभी भी
बादशाह, सात या इक्का
जब तुम पहली बार बजाते हो;
जब तुम्हारे अनाज कट जाएं
यह शीघ्र ही हो;
जब तेरे चक्की के यंत्र खींचे जाते हैं उनकी जड़ें मजबूत बनी रहें।

बिरेनो, ऐनेस, मैं तुम्हें इससे भी बुरी तरह क्या कहूँ?
बरब्बास तेरे साथ चले! तेरा बुरा हाल हो!
{श्लोक
जब तक दुखी अल्टिसिडोरा ऊपर बताए गए अंदाज़ में विलाप कर रही थी, डॉन क्विक्सोट उसे घूरता रहा; और बिना कुछ कहे ही वह सांचो की ओर मुड़ा और बोला, "सांचो मेरे मित्र, मैं तेरे पूर्वजों की कसम खाकर तुझसे सच कहो; बता, क्या तूने गलती से भी वे तीन रूमाल और पट्टियाँ ले ली हैं जिनके बारे में यह प्रेम-पीड़ित युवती बात कर रही है?"
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "मेरे पास तीन रूमाल तो हैं; लेकिन उबेदा की पहाड़ियों के बराबर ही मुझे गार्टर्स की भी ज़रूरत है।"
डचेस अल्टिसिडोरा के आत्मविश्वास पर चकित रह गई; वह जानती थी कि वह साहसी, चंचल और उद्दंड थी, लेकिन इतनी भी नहीं कि इस तरह की हरकत करने का साहस करे; और इस मज़ाक के लिए तैयार न होने के कारण उसका आश्चर्य और भी बढ़ गया। ड्यूक ने मज़ाक जारी रखने का मन बना लिया, इसलिए उसने कहा, "हे शूरवीर, मुझे यह उचित नहीं लगता कि इस महल में आपको जो आतिथ्य सत्कार दिया गया है, उसके बाद आपने तीन रूमाल भी चुरा लिए, मेरी दासी के गार्टर की तो बात ही छोड़िए। यह आपके बुरे हृदय को दर्शाता है और आपकी प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं है। उसके गार्टर लौटा दीजिए, अन्यथा मैं आपको मृत्यु युद्ध के लिए चुनौती देता हूँ, क्योंकि मैं उन दुष्ट जादूगरों से नहीं डरता जो मेरे चेहरे को बदल सकते हैं, जैसे उन्होंने आपके सामने आए व्यक्ति को मेरे नौकर तोसिलोस के चेहरे में बदल दिया था।"
“ईश्वर न करे,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “कि मुझे आपके उस महान व्यक्तित्व के विरुद्ध तलवार उठानी पड़े, जिनसे मुझे इतनी कृपा प्राप्त हुई है। रुमाल मैं लौटा दूँगा, क्योंकि सांचो कहता है कि वे उसके पास हैं; लेकिन गार्टर्स का मिलना असंभव है, क्योंकि वे न तो मेरे पास हैं और न ही उसके पास; और यदि आपकी दासी अपने गुप्त स्थानों में खोजेगी, तो निश्चिंत रहें, उसे वे मिल जाएँगे। हे मेरे स्वामी, मैं कभी चोर नहीं रहा, और न ही जीवन भर चोर बनने का मेरा कोई इरादा है, बशर्ते ईश्वर मुझे अपनी शरण में रखे। यह युवती अपने ही कथन से प्रेम में डूबी हुई प्रतीत होती है, जिसके लिए मैं दोषी नहीं हूँ, और इसलिए मुझे न तो उससे और न ही आपसे क्षमा माँगने की आवश्यकता है, जिनसे

मैं विनती करता हूँ कि वे मेरे प्रति बेहतर विचार रखें और मुझे एक बार फिर अपनी यात्रा जारी रखने की अनुमति दें।”
"और ईश्वर करे, श्रीमान डॉन क्विक्सोट," डचेस ने कहा, "कि हमें आपके कारनामों की हमेशा अच्छी खबरें मिलती रहें; ईश्वर आपका भला करे; क्योंकि आप जितना अधिक समय यहाँ बिताएंगे, आपको देखने वाली युवतियों के दिल उतने ही अधिक उत्तेजित होंगे; और जहाँ तक मेरी इस युवती की बात है, मैं उसे ऐसा दंड दूंगी कि वह फिर कभी अपनी आँखों या अपने शब्दों से कोई अपराध न करे।" "हे वीर डॉन क्विक्सोट, मैं आपसे केवल एक शब्द सुनने का अनुरोध करती हूँ," अल्टिसिडोरा ने कहा, "और वह यह है कि मैं गार्टर्स की चोरी के लिए आपसे क्षमा मांगती हूँ; क्योंकि ईश्वर की कसम और अपनी आत्मा की कसम, मैंने उन्हें पहन रखा था, और मैं उसी गलती में पड़ गई हूँ जो उस व्यक्ति ने की थी जो अपने गधे को ढूंढते हुए उस पर सवार था।"
"क्या मैंने ऐसा नहीं कहा था?" सांचो ने कहा। "मैं चोरी छुपाने में माहिर हूँ! अगर मैं ऐसा करना चाहता, तो मेरे शासनकाल में मुझे इसके भरपूर अवसर मिले थे।"
डॉन क्विक्सोट ने अपना सिर झुकाया, ड्यूक और डचेस और सभी उपस्थित लोगों को प्रणाम किया, और रोसिनांटे को घुमाते हुए, सैंचो डैपल पर उसके पीछे-पीछे चलते हुए, वह महल से बाहर निकल गया और सारागोसा की ओर अपना मार्ग निर्धारित किया।

58

अध्याय
यह कहानी बताती है कि कैसे डॉन क्विक्सोट पर इतने सारे रोमांच टूट पड़े कि उन्हें एक-दूसरे को सांस लेने का भी समय नहीं मिला।
जब डॉन क्विक्सोट ने खुद को खुले मैदान में, स्वतंत्र और अल्टिसिडोरा के ध्यान से मुक्त पाया, तो उसने सहज महसूस किया और नए जोश के साथ एक बार फिर से शूरवीरता के मार्ग पर चलने के लिए तैयार हो गया; सांचो की ओर मुड़कर उसने कहा, "सांचो, स्वतंत्रता स्वर्ग द्वारा मनुष्य को दिए गए सबसे अनमोल उपहारों में से एक है; धरती में दबे खजाने या समुद्र में छिपे खजाने इसकी तुलना में कुछ भी नहीं हैं; स्वतंत्रता के लिए, सम्मान की तरह, जीवन का

जोखिम उठाया जा सकता है और उठाया जाना चाहिए; और दूसरी ओर, गुलामी मनुष्य के भाग्य में आने वाला सबसे बड़ा पाप है। सांचो, मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि तुमने उस महल में हमारे सुख-सुविधाओं और समृद्धि को देखा है जिसे हम छोड़ रहे हैं; उन स्वादिष्ट भोजों और बर्फ से ठंडे पेय पदार्थों के बीच मुझे ऐसा लगा जैसे मैं भूख से पीड़ित हूँ, क्योंकि मैंने उनका आनंद उसी स्वतंत्रता से नहीं लिया जैसे कि वे मेरे अपने हों; क्योंकि प्राप्त उपकारों और अनुग्रहों को लौटाने का दायित्व आत्मा की स्वतंत्रता को अवरुद्ध करता है। धन्य है वह, जिसे स्वर्ग ने रोटी का एक टुकड़ा दिया है जिसके लिए उसे स्वर्ग के अलावा किसी और को धन्यवाद देने की आवश्यकता नहीं है!"
"महामहिम, जैसा कि सब कहते हैं," सांचो ने कहा, "यह उचित नहीं है कि हम उन दो सौ सोने के सिक्कों के लिए धन्यवाद न दें जो ड्यूक के मुख्य प्रबंधक ने मुझे एक छोटी थैली में दिए हैं, जिसे मैं हमेशा अपने दिल के पास रखता हूँ, जैसे कोई गर्म पट्टी या कंबल, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में काम आ सके; क्योंकि हमें हमेशा ऐसे महल नहीं मिलेंगे जहाँ वे हमारा स्वागत करें; कभी- कभी हमें सड़क किनारे ऐसे सराय भी मिल सकते हैं जहाँ वे हमें पीटेंगे।" इसी तरह की बातचीत करते हुए शूरवीर और उसका साथी अपनी यात्रा जारी रखे हुए थे। लगभग आधा मील चलने के बाद, उन्होंने देखा कि मज़दूरों जैसे कपड़े पहने लगभग एक दर्जन लोग हरे-भरे मैदान में अपने लबादे ओढ़कर भोजन कर रहे थे। उनके पास सफेद चादरें बिछी हुई थीं, जिनके नीचे कुछ वस्तुएँ रखी थीं। ये वस्तुएँ सीधी या लेटी हुई थीं और कुछ-कुछ दूरी पर रखी थीं। डॉन क्विक्सोट भोजन कर रहे लोगों के पास गए और पहले विनम्रतापूर्वक उन्हें प्रणाम करते हुए उनसे पूछा कि इन कपड़ों के नीचे क्या है। उनमें से एक ने उत्तर दिया, "महोदय, इन कपड़ों के नीचे कुछ नक्काशीदार मूर्तियाँ हैं, जिन्हें हम अपने गाँव में बनवा रहे एक वेदी के लिए बना रहे हैं। हम इन्हें इसलिए ढके हुए ले जा रहे हैं ताकि ये गंदी न हों और इसलिए अपने कंधों पर ले जा रहे हैं ताकि ये टूट न जाएँ।"
"आपकी अनुमति से, मैं उन्हें देखना चाहूंगा; क्योंकि जो मूर्तियाँ इतनी सावधानी से ले जाई जाती हैं, वे निस्संदेह सुंदर ही होंगी।"
“मुझे तो लगता है कि वे ही होंगे!” दूसरे ने कहा; “उनकी कीमत ही इस बात का प्रमाण है; क्योंकि वास्तव में उनमें से एक भी ऐसी नहीं है जिसकी कीमत पचास

ड्यूकाट से कम हो; और महाराज, आप स्वयं देख लें; एक क्षण रुकिए, आप स्वयं देख लेंगे;” और भोजन छोड़कर वह गया और पहली मूर्ति से पर्दा हटाया, जो संत जॉर्ज की घोड़े पर सवार मूर्ति निकली, जिसके पैरों के पास एक साँप रेंग रहा था और भाला उसके गले में उस भयंकर रूप से घुसा हुआ था जैसा कि आमतौर पर चित्रित किया जाता है। कहावत के अनुसार, पूरा समूह सोने की तरह चमक रहा था। इसे देखकर डॉन क्विक्सोट ने कहा, “वह योद्धा स्वर्ग की सेना के सर्वश्रेष्ठ योद्धाओं में से एक था; उसे डॉन संत जॉर्ज कहा जाता था, और वह कन्याओं का रक्षक भी था। चलिए अगली मूर्ति देखते हैं।”
उस आदमी ने उसे खोला और देखा कि वह संत मार्टिन का था, जो घोड़े पर सवार होकर भिखारी के साथ अपना लबादा बाँट रहे थे। डॉन क्विक्सोट ने जैसे ही उसे देखा, उसने कहा, "यह योद्धा भी ईसाई साहसी लोगों में से एक था, लेकिन मुझे लगता है कि वह वीर से ज़्यादा उदार था, जैसा कि तुम देख सकते हो, सांचो, क्योंकि उसने भिखारी के साथ अपना लबादा बाँटकर उसका आधा हिस्सा दे दिया; निस्संदेह उस समय सर्दी का मौसम था, नहीं तो वह उसे पूरा लबादा दे देता, वह इतना दयालु था।"
"संभवतः यह वह कारण नहीं था," सांचो ने कहा, "बल्कि वह उस कहावत में विश्वास रखता था जो कहती है, 'देने और रखने के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है।'" डॉन क्विक्सोट हँसा और उनसे अगला कपड़ा हटाने को कहा, जिसके नीचे स्पेन के संरक्षक संत की छवि घोड़े पर सवार दिखाई दी, उनकी तलवार खून से सनी हुई थी, वे मूरों को कुचल रहे थे और उनके सिर रौंद रहे थे; और इसे देखकर डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हाँ, यह एक योद्धा है, और वह भी ईसा मसीह के सैनिकों में से एक! इसे डॉन सेंट जेम्स द मूरस्लेयर कहा जाता है, जो दुनिया के सबसे बहादुर संतों और योद्धाओं में से एक है, और स्वर्ग में भी अब तक मौजूद है।" फिर उन्होंने एक और कपड़ा उठाया, जो ऐसा प्रतीत हुआ जैसे संत पॉल को घोड़े से गिरने से ढक रहा हो, जिसमें उनके रूपांतरण के सभी विवरण मौजूद थे। जब डॉन क्विक्सोट ने इसे देखा, जो इतनी सजीव शैली में चित्रित किया गया था कि ऐसा लग रहा था मानो स्वयं मसीह बोल रहे हों और पॉल उत्तर दे रहे हों, तो उन्होंने कहा, "यह अपने समय में हमारे प्रभु परमेश्वर के चर्च का सबसे बड़ा शत्रु था, और अब तक का सबसे बड़ा रक्षक भी; जीवन में एक वीर योद्धा, मृत्यु में एक दृढ़ संत, प्रभु के बाग में एक अथक कार्यकर्ता, अन्यजातियों

का एक शिक्षक, जिसका विद्यालय स्वर्ग था, और जिसका शिक्षक और गुरु स्वयं यीशु मसीह थे।"
और कोई चित्र नहीं बचे थे, इसलिए डॉन क्विक्सोट ने उन्हें फिर से ढकने का आदेश दिया और उन्हें लाने वालों से कहा, "भाइयों, मैंने जो देखा है, उसे मैं शुभ संकेत मानता हूँ; क्योंकि ये संत और योद्धा भी मेरी ही तरह शस्त्र-प्रधान थे; मुझमें और उनमें बस यही अंतर है कि वे संत थे और दिव्य शस्त्रों से लड़ते थे, जबकि मैं पापी हूँ और मानवीय शस्त्रों से लड़ता हूँ। उन्होंने शस्त्र बल से स्वर्ग प्राप्त किया, क्योंकि स्वर्ग हिंसा सहता है; और मैं अभी तक नहीं जानता कि मैंने अपने कष्टों के बल पर क्या प्राप्त किया है; लेकिन यदि मेरी डुलसीनिया डेल टोबोसो अपने कष्टों से मुक्त हो जाए, तो शायद सुधरे हुए भाग्य और शांत मन के साथ मैं अपने कदम वर्तमान मार्ग से बेहतर मार्ग पर बढ़ा सकूँ।"
"ईश्वर सुने और पाप बहरा रहे," सांचो ने इस पर कहा।
वे लोग डॉन क्विक्सोट की आकृति और उसके शब्दों दोनों को देखकर आश्चर्यचकित रह गए, हालांकि उन्हें उसके शब्दों का आधा भी अर्थ समझ नहीं आया था। उन्होंने अपना भोजन समाप्त किया, अपनी मूर्तियों को अपनी पीठ पर लादा और डॉन क्विक्सोट को विदाई देकर अपनी यात्रा फिर से शुरू कर दी। सांचो अपने गुरु के ज्ञान की विशालता को देखकर एक बार फिर चकित रह गया, मानो उसने उन्हें कभी जाना ही न हो, क्योंकि उसे ऐसा लग रहा था मानो दुनिया में ऐसी कोई कहानी या घटना न हो जो उनकी ज़ुबान पर न हो और उनकी स्मृति में अंकित न हो। उसने उनसे कहा, "सचमुच, मेरे गुरु, यदि आज हमारे साथ जो कुछ हुआ है उसे रोमांच कहा जाए, तो यह हमारी पूरी यात्रा में घटित सबसे सुखद और आनंददायक रोमांचों में से एक है; हम इससे बिना थके और बिना भयभीत हुए बाहर आए हैं, न तो हमने तलवार उठाई है, न ही हमने अपने शरीर से धरती को कुचला है, और न ही हम भूखे रहे हैं; ईश्वर का धन्यवाद कि उन्होंने मुझे यह सब अपनी आँखों से देखने का अवसर दिया!"
“सांचो, तुम्हारी बात सही है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “लेकिन याद रखो कि सभी समय एक जैसे नहीं होते और न ही हमेशा एक ही दिशा में चलते हैं; और ये चीजें जिन्हें आम लोग शगुन कहते हैं, जिनका कोई प्राकृतिक कारण नहीं होता, बुद्धिमान व्यक्ति उन्हें केवल शुभ संयोग समझेगा। शगुन में विश्वास करने वालों में से एक सुबह उठेगा, घर से निकलेगा और संत फ्रांसिस के संप्रदाय के

एक साधु से मिलेगा, और जैसे किसी ग्रिफिन से मिला हो, वह मुड़कर घर चला जाएगा। दूसरे मेंडोज़ा के साथ ऐसा होता है कि उसकी मेज पर नमक गिर जाता है और उसके दिल पर उदासी छा जाती है, मानो प्रकृति को आने वाली विपत्तियों की चेतावनी देने के लिए ऐसी तुच्छ चीजों का सहारा लेना पड़ता हो। बुद्धिमान और ईसाई को उस बात को हल्के में नहीं लेना चाहिए जो स्वर्ग को पसंद हो। अफ्रीका पहुँचकर स्किपियो किनारे पर कूदते ही लड़खड़ा गया; उसके सैनिकों ने इसे एक बुरा शगुन समझा; लेकिन उसने अपनी बाहों से मिट्टी को थामते हुए कहा, 'तुम ऐसा नहीं कर सकते।' 'मुझसे बच निकलो, अफ्रीका, क्योंकि मैंने तुझे अपनी बाहों में कसकर पकड़ रखा है।' इस प्रकार, सांचो, इन छवियों से मिलना मेरे लिए एक अत्यंत सुखद घटना रही है।"
"मैं इस बात पर यकीन कर सकता हूँ," सांचो ने कहा; "लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप मुझे यह बताएँ कि स्पेनवासी युद्ध के समय संत जेम्स द मूरस्लेयर का आह्वान करते हुए 'सैंटियागो और स्पेन को बंद करो!' क्यों कहते हैं? क्या स्पेन खुला हुआ है, इसलिए उसे बंद करना आवश्यक है; या इस मुहावरे का क्या अर्थ है?"
"सांचो, तुम बहुत भोले हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "देखो, ईश्वर ने ही उस महान रेड क्रॉस योद्धा को स्पेन का संरक्षक संत और रक्षक बनाया था, विशेष रूप से उन कठिन संघर्षों में जो स्पेनियों ने मूरों के साथ किए थे; और इसीलिए वे सभी लड़ाइयों में उसे अपना रक्षक मानते हैं और उससे प्रार्थना करते हैं; और इन लड़ाइयों में उसे कई बार सबके सामने हगारेन टुकड़ियों को कुचलते, रौंदते, नष्ट करते और उनका नरसंहार करते देखा गया है; इस तथ्य के कई उदाहरण मैं तुम्हें स्पेन के प्रामाणिक इतिहासों में दर्ज करके दे सकता हूँ।"
सांचो ने विषय बदलते हुए अपने स्वामी से कहा, "महाराज, मैं डचेस की दासी अल्टिसिडोरा की हिम्मत देखकर चकित हूँ; जिसे प्रेम कहते हैं, उसने उसे बेरहमी से घायल किया होगा; कहते हैं कि वह एक छोटा सा अंधा बच्चा है, जो भले ही कमज़ोर आँखों वाला हो, या यूँ कहें कि अंधा हो, लेकिन अगर वह किसी के दिल पर निशाना साधे, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, तो उसे भेदकर आर-पार कर देता है। मैंने यह भी सुना है कि प्रेम के तीर कुंवारी लड़कियों की विनम्रता और संयम से कुंद हो जाते हैं; लेकिन इस अल्टिसिडोरा के मामले में तो ऐसा लगता है कि वे कुंद होने के बजाय और तेज़ हो गए हैं।"

"सांचो, याद रखना," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि प्रेम किसी भी विचार से प्रभावित नहीं होता, तर्क की किसी भी सीमा को नहीं मानता, और मृत्यु के समान ही है, जो राजाओं के भव्य महलों और चरवाहों की साधारण झोपड़ियों पर समान रूप से हमला करता है; और जब यह किसी हृदय पर पूरी तरह से हावी हो जाता है, तो सबसे पहले यह उससे भय और शर्म को दूर कर देता है; और इसलिए अल्टिसिडोरा ने बिना किसी शर्म के अपने प्रेम को प्रकट किया, जिसने मेरे मन में सहानुभूति की बजाय शर्मिंदगी पैदा की।"
“बेहद क्रूरता!” सांचो ने कहा; “अभूतपूर्व कृतघ्नता! मैं तो बस अपने बारे में कह सकता हूँ कि उसके प्यार भरे एक छोटे से शब्द से ही मैं पिघल जाता और उसका गुलाम बन जाता। हे भगवान! उसका दिल तो पत्थर का है, लेकिन उसकी आत्मा पत्थर की! पर मैं समझ नहीं पा रहा कि उस युवती ने आपमें ऐसा क्या देखा होगा जिसने उसे आप पर मोहित कर लिया। आपका वह आकर्षक व्यक्तित्व, आपका वह साहसी अंदाज़, आपकी वह चंचलता, आपका वह मनमोहक चेहरा, इनमें से कौन सी चीज़, या ये सब मिलकर, उसे आपसे प्यार करने पर मजबूर कर सकती थी? सच में, मैं कई बार आपको पैरों के तलवों से लेकर सिर के बालों तक देखता हूँ, और मुझे प्यार जगाने की बजाय डराने वाली चीज़ें ज़्यादा नज़र आती हैं; और मैंने सुना है कि सुंदरता ही प्यार जगाने वाली पहली और मुख्य चीज़ है, और आपमें तो बिल्कुल भी सुंदरता नहीं है, तो मुझे नहीं पता कि उस बेचारी को किससे प्यार हो गया।”
“सांचो, याद रखो,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “सुंदरता दो प्रकार की होती है, एक मन की, दूसरी शरीर की; मन की सुंदरता बुद्धिमत्ता, विनम्रता, सम्मानजनक आचरण, उदारता और अच्छे शिष्टाचार में प्रकट होती है; और ये सभी गुण एक बदसूरत व्यक्ति में भी संभव हैं और मौजूद हो सकते हैं; और जब आकर्षण का कारण शरीर की सुंदरता नहीं बल्कि मन की सुंदरता होती है, तो प्रेम अचानक और तीव्र रूप से उत्पन्न हो जाता है। सांचो, मैं यह अच्छी तरह जानता हूँ कि मैं सुंदर नहीं हूँ, लेकिन साथ ही मैं यह भी जानता हूँ कि मैं बदसूरत नहीं हूँ; और एक ईमानदार व्यक्ति के लिए प्रेम का पात्र बनने के लिए इतना ही काफी है कि वह राक्षस न हो, बशर्ते उसमें वे मानसिक गुण हों जिनका मैंने उल्लेख किया है।”
इसी बातचीत के दौरान वे सड़क के उस पार स्थित एक जंगल से गुज़र रहे थे, तभी अचानक, बिना किसी उम्मीद के, डॉन क्विक्सोट ने खुद को हरे रंग की रस्सी के

उत्कृष्ट कवि कैमोएन्स द्वारा, उनकी अपनी पुर्तगाली भाषा में, लेकिन हमने अभी तक उनका मंचन नहीं किया है। कल यहाँ आने का हमारा पहला दिन था; हमारे पास कुछ वे कहते हैं कि ये तंबू पेड़ों के बीच, एक विशाल नाले के किनारे लगाए गए हैं, जो इन सभी घास के मैदानों को उपजाऊ बनाता है; कल रात हमने यहाँ पेड़ों में ये जाल बिछाए ताकि उन नासमझ छोटी चिड़ियों को फँसा सकें जो हमारे शोर से डरकर उनमें फँस सकती हैं। यदि आप हमारे अतिथि बनना चाहें, महोदय, तो आपका हार्दिक और विनम्रतापूर्वक स्वागत किया जाएगा, क्योंकि इस समय यहाँ न तो कोई चिंता है और न ही कोई दुःख।
वह चुप रही और कुछ नहीं बोली, और डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "सचमुच, हे सुंदरी, जब एक्टेऑन ने अचानक डायना को नदी में नहाते हुए देखा, तो वह आपकी सुंदरता को देखकर मुझसे अधिक मोहित और आश्चर्यचकित नहीं हुआ होगा। मैं आपके आतिथ्य सत्कार के तरीके की सराहना करता हूँ और आपके निमंत्रण के लिए धन्यवाद देता हूँ; और यदि मैं आपकी सेवा कर सकता हूँ, तो आप मुझे पूरी तरह से आज्ञा का पालन करने का आश्वासन दे सकती हैं, क्योंकि मेरा पेशा कृतज्ञता दिखाना और सभी परिस्थितियों के लोगों की सेवा करने के लिए तत्पर रहना है, विशेषकर आपके जैसी प्रतिष्ठित व्यक्तियों की; और यदि ये जाल, जैसा कि वे संभवतः करते हैं, केवल एक छोटी सी जगह घेरने के बजाय, पूरी पृथ्वी की सतह को घेर लेते, तो मैं उन्हें तोड़े बिना गुजरने के लिए नए संसारों की खोज करता; और ताकि आप मेरे इस अतिशयोक्तिपूर्ण शब्दों पर कुछ हद तक विश्वास कर सकें, जान लें कि यह घोषणा आपको ला मांचा के डॉन क्विक्सोट ने की है, यदि वास्तव में ऐसा नाम आपके कानों तक पहुँचा हो।"
“आह! मेरी प्रिय मित्र,” दूसरी चरवाहिन ने तुरंत कहा, “हम पर कितना बड़ा सौभाग्य आया है! क्या तुम इस सज्जन को देख रही हो जो हमारे सामने हैं? तो मैं तुम्हें बता दूँ कि वह दुनिया के सबसे वीर, सबसे समर्पित और सबसे विनम्र सज्जन हैं, जब तक कि उनके कारनामों का वह इतिहास जो छपा है और मैंने पढ़ा है, झूठ न बोल रहा हो और हमें धोखा न दे रहा हो। मैं शर्त लगाती हूँ कि उनके साथ जो यह सज्जन हैं, वह उनके सहायक सांचो पांजा हैं, जिनकी हास्य-व्यंग्यता की कोई बराबरी नहीं कर सकता।”
"यह सच है," सांचो ने कहा; "मैं वही मजाकिया और चतुर साथी हूँ जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं, और यह सज्जन मेरे गुरु डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा हैं, वही जो इतिहास में वर्णित हैं और जिनके बारे में लोग बात करते हैं।"

"ओह, मेरे मित्र," दूसरे ने कहा, "चलो हम उससे रुकने की विनती करें; इससे हमारे पिता और भाइयों को असीम प्रसन्नता होगी; मैंने भी वही सुना है जो तुमने मुझे एक के शौर्य और दूसरे के विनोदी स्वभाव के बारे में बताया है; और इतना ही नहीं, लोग कहते हैं कि वह अब तक का सबसे निष्ठावान और वफादार प्रेमी है, और उसकी प्रेमिका डुलसीनिया डेल टोबोसो है, जिसे पूरे स्पेन में सौंदर्य का खिताब प्राप्त है।"
“और यह बिल्कुल उचित है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जब तक कि आपकी अद्वितीय सुंदरता इस पर संदेह पैदा न कर दे। लेकिन देवियों, मुझे रुकने के लिए दबाव डालने की कोशिश न करें, क्योंकि मेरे पेशे की अत्यावश्यक जिम्मेदारियाँ मुझे किसी भी परिस्थिति में आराम करने की अनुमति नहीं देतीं।”
उसी क्षण, जहाँ वे चारों खड़ी थीं, वहाँ दो चरवाहिनियों में से एक का भाई आया, जो उन्हीं की तरह चरवाहे की वेशभूषा में था और उन्हीं की तरह भव्य और आकर्षक वस्त्र पहने हुए था। उन्होंने उसे बताया कि उनका साथी ला मांचा का वीर डॉन क्विक्सोट है और दूसरा उसका सहायक सांचो है, जिसके बारे में वह उनके इतिहास से पहले ही जान चुका था। उस सजे-धजे चरवाहे ने उसे अपनी सेवाएँ देने की पेशकश की और उनसे अपने तम्बुओं तक साथ चलने का अनुरोध किया, और डॉन क्विक्सोट को मान जाना पड़ा। फिर जाल बिछाया गया और जाल तरह-तरह के पक्षियों से भर गए जो रंग से धोखा खाकर उसी खतरे में गिर पड़े जिससे वे भाग रहे थे। तीस से अधिक लोग, सभी चरवाहों और चरवाहिनियों के सजे-धजे, उस स्थान पर एकत्रित हुए और उन्हें तुरंत पता चल गया कि डॉन क्विक्सोट और उसका सहायक कौन हैं, यह जानकर वे अत्यंत प्रसन्न हुए, क्योंकि वे उनके इतिहास से उनके बारे में पहले ही जान चुके थे। वे तम्बुओं की ओर बढ़े, जहाँ उन्होंने मेजें सजी हुई पाईं, जो उत्तम, भरपूर और सुव्यवस्थित ढंग से सुसज्जित थीं। उन्होंने डॉन क्विक्सोट को एक विशिष्ट व्यक्ति की तरह सम्मान दिया, उन्हें सबसे ऊँचा स्थान दिया, और सभी उन्हें देख रहे थे, और इस दृश्य को देखकर आश्चर्यचकित थे। अंत में जब पर्दा हटाया गया, तो डॉन क्विक्सोट ने बड़े संयम से अपनी आवाज उठाई और कहा:
मनुष्य के सबसे बड़े पापों में से एक है—कुछ लोग इसे अहंकार कहेंगे— परन्तु मैं इसे कृतघ्नता कहता हूँ, क्योंकि आम कहावत है कि नरक कृतघ्नों से भरा है। इस पाप से, जहाँ तक संभव हो सका है, मैंने अपनी बुद्धि और विवेक शक्ति प्राप्त करने के बाद से ही बचने का प्रयास किया है; और यदि मैं अपने

ऊपर किए गए अच्छे कर्मों का प्रतिफल अन्य कर्मों से नहीं दे पाता, तो मैं ऐसा करने की इच्छा रखता हूँ; और यदि यह पर्याप्त न हो, तो मैं उन्हें सार्वजनिक रूप से प्रकट करता हूँ; क्योंकि जो व्यक्ति अपने ऊपर किए गए अच्छे कर्मों की घोषणा करता है और उन्हें प्रकट करता है, वह यदि संभव हो तो दूसरों द्वारा उनका प्रतिफल देगा, और अधिकतर पाने वाले देने वालों से हीन होते हैं। इस प्रकार, ईश्वर सभी से श्रेष्ठ है क्योंकि वह सर्वोच्च दाता है, और मनुष्य की भेंटें ईश्वर के उपहारों का पूर्ण प्रतिफल देने में अनंत दूरी तक कम पड़ जाती हैं; परन्तु कृतज्ञता कुछ हद तक इस कमी और खामी की भरपाई कर देती है। अतः, यहाँ मुझ पर किए गए अनुग्रह के लिए कृतज्ञ होकर, और अपनी सीमित शक्ति के कारण उसी अनुपात में प्रतिफल देने में असमर्थ होकर, मैं यह भेंट अर्पित करता हूँ। मैं अपनी क्षमता और अपने तरीके से जो कुछ भी दे सकता हूँ, वह दूंगा; और इसलिए मैं घोषणा करता हूँ कि पूरे दो दिनों तक मैं सारागोसा जाने वाले इस राजमार्ग के मध्य में यह बात कायम रखूंगा कि चरवाहिनियों के वेश में यहाँ उपस्थित ये महिलाएं, मेरे विचारों की एकमात्र स्वामिनी, अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो को छोड़कर, दुनिया की सबसे सुंदर और शिष्ट युवतियाँ हैं, यह बात उन सभी को ठेस न पहुंचे जो मुझे सुन रहे हैं, देवियों और सज्जनों।
यह सुनकर सांचो, जो बड़े ध्यान से सुन रहा था, ऊँची आवाज़ में चिल्लाया, "क्या दुनिया में कोई ऐसा भी हो सकता है जो यह कहने और कसम खाने की हिम्मत करे कि मेरा यह गुरु पागल है? कहिए, सज्जन चरवाहों, क्या कोई ऐसा गाँव का पुजारी है, चाहे वह कितना भी बुद्धिमान या विद्वान क्यों न हो, जो मेरे गुरु की कही बात कह सके; या क्या कोई ऐसा वीर योद्धा है, चाहे वह कितना भी वीर क्यों न हो, जो मेरे गुरु की कही बात कह सके?"
डॉन क्विक्सोट सांचो की ओर मुड़ा और क्रोध से लाल होते हुए उससे बोला, "क्या सांचो, इस दुनिया में कोई ऐसा भी है जो यह कहेगा कि तुम मूर्ख नहीं हो, और तुम्हारी अक्ल और बदतमीज़ी में तो और भी न जाने क्या-क्या झलकियाँ हैं? किसने तुमसे मेरे मामलों में दखल देने या यह पूछने को कहा कि मैं बुद्धिमान हूँ या मूर्ख? चुप रहो; मुझे एक शब्द भी मत कहो; अगर रोसिनांटे को काठी पहनाई गई है तो उसे काठी पहनाओ; और चलो मेरे प्रस्ताव को अमल में लाने के लिए चलते हैं; क्योंकि मेरे पक्ष में जो अधिकार है, उससे तुम उन सभी को पराजित समझ सकते हो जो इस पर सवाल उठाने की हिम्मत करेंगे;" और

भयंकर क्रोध में, और अपना गुस्सा साफ दिखाते हुए, वह अपनी सीट से उठ खड़ा हुआ, जिससे वहाँ मौजूद लोग आश्चर्यचकित रह गए और उन्हें यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि उसे पागल समझें या समझदार। अंत में, यद्यपि उन्होंने उसे इस तरह की चुनौती में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया, और उसे आश्वस्त किया कि वे उसकी कृतज्ञता को पूरी तरह से स्वीकार करते हैं, और उसकी वीरता के प्रमाण के लिए उन्हें किसी नए सबूत की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उसके कारनामों के इतिहास में वर्णित प्रमाण ही पर्याप्त हैं, फिर भी डॉन क्विक्सोट अपने संकल्प पर अडिग रहा; और रोसिनांटे पर सवार होकर, अपनी ढाल को अपनी बांह पर टिकाकर और भाला पकड़े हुए, वह हरे-भरे मैदान से कुछ ही दूरी पर स्थित एक मुख्य सड़क के बीचोंबीच पहुँच गया। सांचो, डैपल पर सवार होकर, चरवाहों के सभी सदस्यों के साथ उसके पीछे-पीछे आया, यह देखने के लिए उत्सुक था कि उसके इस घमंडी और असाधारण प्रस्ताव का क्या परिणाम होगा। जैसा कि कहा जा चुका है, डॉन क्विक्सोट सड़क के बीचोंबीच आकर खड़ा हो गया और उसने आकाश को इन शब्दों से गुंजायमान कर दिया: "हे यात्रियों और राहगीरों, शूरवीरों, साक्षियों, पैदल या घुड़सवारों, जो इस मार्ग से गुजरते हैं या अगले दो दिनों में गुजरेंगे! जान लो कि ला मांचा का डॉन क्विक्सोट, वीर योद्धा, यहाँ इस बात की रक्षा के लिए तैनात है कि इन मैदानों और उपवनों में निवास करने वाली अप्सराओं में निहित सुंदरता और शिष्टाचार पृथ्वी पर सभी से श्रेष्ठ हैं, यहाँ तक कि मेरी प्रियतमा, डुलसीनिया डेल टोबोसो को भी। इसलिए, जो कोई भी विपरीत राय रखता है, वह आ सकता है, क्योंकि मैं यहाँ उसका इंतजार कर रहा हूँ।"
उसने दो बार वही शब्द दोहराए, और दोनों बार किसी भी साहसी व्यक्ति ने उन्हें अनसुना कर दिया; लेकिन भाग्य, जो उसके लिए सब कुछ बेहतर बना रहा था, ने ऐसा आदेश दिया कि कुछ ही देर बाद सड़क पर घोड़ों पर सवार लोगों की भीड़ दिखाई दी, जिनमें से कई के हाथों में भाले थे, सभी एक साथ और बड़ी तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे। डॉन क्विक्सोट के साथ वालों ने उन्हें देखते ही मुड़कर सड़क से कुछ दूरी पर हट गए, क्योंकि वे जानते थे कि अगर वे रुके रहे तो उन्हें कोई नुकसान हो सकता है; लेकिन डॉन क्विक्सोट निडर हृदय से अपनी जगह पर डटा रहा, और सांचो पांजा ने रोसिनांटे के पिछले हिस्से से खुद को बचाया। भाला चलाने वालों का दल पास आया, और उनमें से जो आगे था, उनमें से एक डॉन

क्विक्सोट को चिल्लाकर कहने लगा, "रास्ते से हट जाओ, शैतान के बेटे, वरना ये बैल तुम्हें टुकड़े-टुकड़े कर देंगे!"
"बदमाशों!" डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "मुझे बैलों की कोई परवाह नहीं है, चाहे वे जरामा नदी के किनारे रहने वाली सबसे खूंखार नस्ल के ही क्यों न हों। बदमाशों, तुरंत स्वीकार करो कि मैंने जो कहा है वह सच है; अन्यथा तुम्हें मुझसे युद्ध करना होगा।"
चरवाहे के पास जवाब देने का समय नहीं था, और डॉन क्विक्सोट चाहकर भी रास्ते से हट नहीं सकता था; और इस तरह खूंखार बैलों और पालतू बछड़ों का झुंड, चरवाहों और अन्य लोगों की भीड़ के साथ, जो उन्हें एक गाँव में बाड़े में बंद करने के लिए ले जा रहे थे जहाँ उन्हें अगले दिन दौड़ाया जाना था, डॉन क्विक्सोट और सांचो, रोसिनांटे और डैपल के ऊपर से गुजर गया, उन सभी को जमीन पर पटक दिया और उन्हें जमीन पर लुढ़का दिया। सांचो कुचल गया, डॉन क्विक्सोट डर गया, डैपल बुरी तरह घायल हो गया और रोसिनांटे की हालत बहुत खराब थी।
आखिरकार वे सब उठ खड़े हुए, और डॉन क्विक्सोट बड़ी हड़बड़ी में, लड़खड़ाते और गिरते हुए, झुंड के पीछे दौड़ने लगा, चिल्लाते हुए, "रुको! ठहरो! तुम बदमाशो, एक अकेला योद्धा तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है, और वह उन लोगों के स्वभाव या विचारों का नहीं है जो कहते हैं, 'भागते हुए दुश्मन के लिए चांदी का पुल बना लो।'" लेकिन पीछे हटते हुए दल ने जल्दबाजी में उसकी बात नहीं सुनी, और न ही उसकी धमकियों पर ध्यान दिया, जैसे पिछले साल के बादल। थकान ने डॉन क्विक्सोट को रोक दिया, और बदला लेने की भावना से कहीं अधिक क्रोधित होकर वह सड़क पर बैठ गया और सांचो, रोसिनांटे और डैपल के आने का इंतज़ार करने लगा। जब वे उसके पास पहुँचे, तो स्वामी और योद्धा फिर से घोड़े पर सवार हो गए, और नकली या नक़ल अर्काडिया को अलविदा कहने के लिए वापस नहीं गए, और संतुष्टि से कहीं अधिक अपमानित होकर, उन्होंने अपनी यात्रा जारी रखी।

59

अध्याय
जिसमें डॉन क्विक्सोट के साथ घटी एक विचित्र घटना का वर्णन है, जिसे एक रोमांचक घटना माना जा सकता है।
एक ठंडे जंगल में मिले निर्मल जल के झरने ने डॉन क्विक्सोट और सांचो को बैलों के असभ्य व्यवहार से उत्पन्न धूल और थकान से राहत दी। वहीं किनारे पर, डैपल और रोसिनांटे को लगाम और लगाम हटाकर खुला छोड़कर, दोनों (मालिक और बैल) बैठ गए। सांचो ने अपने अलफोर्जा (बैल) के भंडार से वह निकाला जिसे वह प्रोग (सूखा भोजन) कहता था; डॉन क्विक्सोट ने अपना मुँह धोया और चेहरा साफ किया, जिससे उनकी क्षीण ऊर्जा फिर से जागृत हो गई। घोर निराशा के कारण वह बिना खाए रहे, और शिष्टाचार के कारण सांचो ने अपने सामने रखे भोजन का एक टुकड़ा भी नहीं छुआ, बल्कि अपने मालिक के चखने का इंतजार किया। हालांकि, यह देखकर कि वह विचारों में मग्न होकर रोटी को मुँह तक ले जाना भूल रहे हैं, उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा, और शिष्टाचार को ताक पर रखकर, अपने पेट में आने वाली रोटी और पनीर को ठूंसने लगे।
"खाओ, मेरे मित्र सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "जीवन को बचाओ, जो तुम्हारे लिए मुझसे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, और मुझे अपने विचारों के दर्द और दुर्भाग्य के बोझ तले मरने दो। सांचो, मैं मरने के लिए पैदा हुआ था, और तुम खाने के लिए; और मेरी बात की सच्चाई साबित करने के लिए, मुझे देखो, इतिहासों में मेरा नाम दर्ज है, शौर्य में प्रसिद्ध, व्यवहार में विनम्र, राजकुमारों द्वारा सम्मानित, युवतियों द्वारा प्रशंसित; और इन सबके बाद, जब मैंने अपने वीर कर्मों से जीती और अर्जित की गई विजय, जीत और ताज की आशा की थी, तो आज सुबह मैंने खुद को गंदे और मैले जानवरों के पैरों तले रौंदा, लात मारी और कुचला हुआ देखा है। यह विचार मेरे दांतों को कुंद कर देता है, मेरे जबड़ों को लकवाग्रस्त कर देता है, मेरे हाथों को जकड़ लेता है, और मेरी भूख को पूरी तरह से खत्म कर देता है; इतना कि मेरा मन भूख से मरने का कर रहा है, जो सभी मौतों में सबसे क्रूर मौत है।"
“तो फिर,” सांचो लगातार चबाते हुए बोला, “महाराज, आप उस कहावत से सहमत नहीं हैं जो कहती है, ‘मार्था को मरने दो, लेकिन पेट भरकर मरने दो।’ वैसे भी, मेरा आत्महत्या करने का कोई इरादा नहीं है; बल्कि इसके विपरीत, मैं मोची की तरह

चमड़े को अपने दांतों से तब तक खींचूंगा जब तक वह उसकी इच्छानुसार लंबा न हो जाए। मैं खाकर अपना जीवन तब तक लंबा करूंगा जब तक स्वर्ग ने इसके लिए अंत निर्धारित न कर दिया हो; और मैं आपको बता दूं, महाराज, आपकी तरह निराशा से मरने के बारे में सोचने से बड़ी मूर्खता कोई नहीं है; मेरी सलाह मानिए, खाने के बाद इस हरी घास के गद्दे पर लेट जाइए और थोड़ी देर सो जाइए, आप देखेंगे कि जब आप जागेंगे तो आपको बेहतर महसूस होगा।”
डॉन क्विक्सोट ने उसकी सलाह मानी, क्योंकि उसे लगा कि सांचो का तर्क किसी मूर्ख की बजाय एक दार्शनिक जैसा है, और उसने कहा, "सांचो, अगर तुम मेरी बात मानोगे तो मुझे मन की शांति मिलेगी और मेरा दुख कम होगा; और वह यह है कि जब मैं तुम्हारी सलाह के अनुसार सो रहा हूँ, तो थोड़ी देर के लिए एक तरफ चले जाओ, और अपने शरीर को हवा में खुला छोड़कर, रोसिनांटे की लगाम से खुद को तीन-चार सौ कोड़े मार लो, क्योंकि डुलसीनिया के जादू को तोड़ने के लिए तुम्हें तीन हजार से अधिक कोड़े मारने हैं; क्योंकि यह बहुत दुख की बात है कि तुम्हारी लापरवाही और उपेक्षा के कारण बेचारी स्त्री जादू के प्रभाव में रह गई है।"
“इस विषय पर बहुत कुछ कहा जा सकता है,” सांचो ने कहा; “चलिए अब हम दोनों सो जाते हैं, और उसके बाद जो होगा वो ईश्वर ने तय किया है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि किसी व्यक्ति के लिए ठंडे मन से खुद को कोड़े मारना बहुत कठिन होता है, खासकर तब जब कोड़े किसी कुपोषित और कमजोर शरीर पर पड़ें। मेरी पत्नी डुलसीनिया धैर्य रखें, और जब उन्हें इसकी बिल्कुल उम्मीद नहीं होगी, तब वह मुझे कोड़ों से बुरी तरह पिटते हुए देखेंगी, और ‘मृत्यु तक जीवन ही जीवन है’; मेरा मतलब है कि मुझमें अभी भी जीवन है, और जो मैंने वादा किया है उसे पूरा करने की इच्छा है।”
डॉन क्विक्सोट ने उनका धन्यवाद किया और थोड़ा खाया, जबकि सांचो ने खूब खाया। फिर वे दोनों सोने के लिए लेट गए, और अपने उन दो घनिष्ठ मित्रों और साथियों, रोसिनांटे और डैपल को उनके हाल पर छोड़ दिया, ताकि वे मैदान में उगी भरपूर घास का बेरोकटोक आनंद ले सकें। वे काफी देर से उठे, फिर से घोड़ों पर सवार हुए और अपनी यात्रा फिर से शुरू की, एक सराय की ओर बढ़ते हुए जो दिखाई दे रही थी, मानो एक मील दूर हो। मैं इसे सराय इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि डॉन क्विक्सोट ने इसे सराय कहा था, जबकि आमतौर पर वह सभी सरायों को महल कहता था। वे वहाँ पहुँचे और सराय मालिक से पूछा कि क्या वे वहाँ ठहर

सकते हैं। सराय मालिक ने हाँ कहा और कहा कि उन्हें सारागोसा में जितनी सुविधा और अच्छा भोजन मिल सकता है, उतना मिलेगा। वे घोड़ों से उतरे और सांचो ने अपना भंडार उस कमरे में रख दिया जिसकी चाबी सराय मालिक ने उसे दे दी थी। वह जानवरों को अस्तबल में ले गया, उन्हें चारा खिलाया और वापस आकर देखने लगा कि दरवाजे पर बेंच पर बैठे डॉन क्विक्सोट का उसके लिए क्या आदेश है। उसने ईश्वर का विशेष धन्यवाद किया कि उसके स्वामी ने इस सराय को महल नहीं समझ लिया था। दोपहर के भोजन का समय हो गया और वे अपने कमरे में गए। सांचो ने सराय मालिक से पूछा कि रात के खाने में उनके पास क्या है। इस पर सराय मालिक ने कहा कि वह अपने मुँह से ही नाप लेगा; उसे बस जो चाहिए वो माँगना है; क्योंकि इस सराय में आकाश के पक्षी, धरती के पक्षी और समुद्र की मछलियाँ सब कुछ उपलब्ध है।
"इन सब की कोई ज़रूरत नहीं है," सांचो ने कहा; "अगर वे हमें दो मुर्गियाँ भूनकर दे दें तो हम संतुष्ट हो जाएँगे, क्योंकि मेरे मालिक नाज़ुक हैं और कम खाते हैं, और मैं भी बहुत ज़्यादा खाने वाला नहीं हूँ।"
मकान मालिक ने जवाब दिया कि उसके पास मुर्गियां नहीं हैं, क्योंकि चीलों ने उन्हें चुरा लिया था।
"तो फिर," सांचो ने कहा, "मकान मालिक से कहिए कि वे एक मुर्गी को भूनें, ताकि वह नरम हो जाए।"
"मुर्गी! मेरे पिताजी!" मकान मालिक ने कहा; "सचमुच, मैंने कल ही पचास से अधिक मुर्गियाँ शहर बेचने के लिए भेजी थीं; लेकिन मुर्गियों को बचाने के लिए आप जो चाहें मांग सकते हैं।"
"ऐसे में," सांचो ने कहा, "तुम्हें बछड़े का मांस या बकरी का बच्चा मिलने में कोई कमी नहीं होगी।"
मकान मालिक ने कहा, "अभी तो घर में कुछ भी नहीं है, क्योंकि सारा काम पूरा हो चुका है; लेकिन अगले हफ्ते पर्याप्त मात्रा में होगा और कुछ बच भी जाएगा।"
"इससे हमें क्या फायदा होगा," सांचो ने कहा; "मैं शर्त लगाता हूँ कि इन सभी कमियों के बदले हमें ढेर सारा बेकन और अंडे मिलेंगे।"
"भगवान की कसम," मकान मालिक ने कहा, "मेरे मेहमान की अक्ल तो बिलकुल ही मंद है; मैं उसे बताता हूँ कि मेरे पास न तो मुर्गियाँ हैं और न ही चूज़े, और वो

मुझसे अंडे माँग रहा है! कृपया अन्य स्वादिष्ट चीज़ों की बात करें, और फिर कभी मुर्गियों की माँग न करें।"
"हे भगवान!" सांचो ने कहा, "चलो इस मामले को सुलझाते हैं; जो कुछ भी तुम्हारे पास है, उसे तुरंत बता दो, और इस बारे में और कोई बात न करें।" "सचमुच, महोदय अतिथि," मकान मालिक ने कहा, "मेरे पास बछड़ों के पैरों जैसे दो-चार बछड़ों के पैर हैं; उन्हें चने, प्याज और बेकन के साथ उबाला गया है, और इस समय वे चिल्ला रहे हैं 'आओ मुझे खाओ, आओ मुझे खाओ'।"
"मैं इन्हें यहीं पर अपना बना लेता हूँ," सांचो ने कहा; "किसी को इन्हें छूने मत दो; मैं इनके लिए किसी और से बेहतर कीमत दूंगा, क्योंकि मुझे इससे बेहतर कुछ और नहीं चाहिए; और मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि ये पैर हैं या एड़ियाँ।"
मकान मालिक ने कहा, "कोई इन्हें हाथ नहीं लगाएगा; क्योंकि मेरे पास जो दूसरे मेहमान हैं, वे उच्च वर्ग के लोग हैं और वे अपने साथ अपना रसोइया, भोजन सामग्री और भंडार सामग्री लेकर आते हैं।"
"अगर आप अच्छे लोगों की बात करें, तो मेरे गुरु से बेहतर कोई नहीं है; लेकिन उनका पेशा ऐसा है कि उसमें भंडारगृह या भंडारघर की कोई गुंजाइश नहीं है; हम मैदान के बीच में लेट जाते हैं और बलूत या कम्बल के फल खाकर अपना पेट भरते हैं।"
सांचो और मकान मालिक के बीच बातचीत यहीं समाप्त हो गई, सांचो ने आगे जवाब देकर इसे और बढ़ाना उचित नहीं समझा; क्योंकि वह पहले ही मकान मालिक से पूछ चुका था कि उसका पेशा क्या है।
भोजन का समय होते ही, डॉन क्विक्सोट अपने कमरे में चले गए। मकान मालिक ने खाना परोसने का बर्तन वैसे ही लाकर दिया, और वे बड़े दृढ़ निश्चय के साथ भोजन करने बैठ गए। ऐसा लगता है कि डॉन क्विक्सोट के कमरे के बगल वाले एक दूसरे कमरे में, जिसके बीच में केवल एक पतली सी दीवार थी, उन्होंने ये शब्द सुने, "हे श्रीमान डॉन जेरोनिमो, जब तक खाना आ रहा है, आइए 'डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा' के दूसरे भाग का एक और अध्याय पढ़ लें।"
जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने अपना नाम सुना, वह तुरंत उठ खड़ा हुआ और ध्यान से सुनने लगा कि लोग उसके बारे में क्या कह रहे हैं। तभी उसने सुना कि जिसे संबोधित किया जा रहा था, डॉन जेरोनिमो ने जवाब में कहा, "डॉन जुआन, तुम हमें यह बेतुकी बातें क्यों पढ़वा रहे हो, जबकि 'डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा' के

इतिहास का पहला भाग पढ़ चुके किसी भी व्यक्ति को इस दूसरे भाग को पढ़ने में कोई आनंद नहीं आएगा?"
“इन सब बातों के बावजूद,” डॉन जुआन के नाम से संबोधित किए जाने वाले व्यक्ति ने कहा, “हमें इसे पढ़ना चाहिए, क्योंकि कोई भी किताब इतनी बुरी नहीं होती कि उसमें कुछ अच्छा न हो। इसमें मुझे सबसे ज्यादा नापसंद यह है कि इसमें डॉन क्विक्सोट को डुलसीनिया डेल टोबोसो के प्रति अपने प्रेम से मुक्त दिखाया गया है।”
यह सुनकर डॉन क्विक्सोट क्रोध और आक्रोश से भर उठा और ऊँची आवाज़ में बोला, "जो कोई भी यह कहे कि ला मांचा के डॉन क्विक्सोट ने डुलसीनिया डेल टोबोसो को भुला दिया है या भुला सकता है, मैं उसे करारा जवाब दूंगा कि उसकी बात सत्य से बहुत दूर है; क्योंकि न तो अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो को भुलाया जा सकता है, और न ही डॉन क्विक्सोट के जीवन में विस्मृति का कोई स्थान है; उसका आदर्श वाक्य दृढ़ता है, और उसका संकल्प है कि वह अपने जीवन भर इसे कायम रखेगा और कभी इसका उल्लंघन नहीं करेगा।"
"यह कौन है जो हमें जवाब दे रहा है?" बगल वाले कमरे में बैठे लोगों ने कहा। "और कौन हो सकता है," सांचो ने कहा, "ला मांचा के डॉन क्विक्सोट के अलावा, जो अपनी कही हुई और भविष्य में कही जाने वाली हर बात को पूरा करेगा; क्योंकि अच्छे भुगतानकर्ता को वादे परेशान नहीं करते।"
सांचो ने अभी ये शब्द कहे ही थे कि दो सज्जन, जो देखने में सज्जन ही लग रहे थे, कमरे में दाखिल हुए और उनमें से एक ने डॉन क्विक्सोट की गर्दन में बाहें डालकर उनसे कहा, "आपकी शक्ल देखकर आपके नाम पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता, और न ही आपका नाम आपकी शक्ल की पहचान बताने में नाकाम हो सकता है; निस्संदेह, महोदय, आप ही ला मांचा के असली डॉन क्विक्सोट हैं, शूरवीरता के केंद्रबिंदु और सूर्योदय के सितारे, उस व्यक्ति के बावजूद और उसे चुनौती देते हुए जिसने आपके नाम पर कब्जा करने और आपकी उपलब्धियों को नष्ट करने की कोशिश की है, जैसा कि इस पुस्तक के लेखक ने किया है जिसे मैं आपको भेंट कर रहा हूँ;" और इतना कहकर उन्होंने अपने साथी द्वारा लाई गई एक पुस्तक डॉन क्विक्सोट के हाथों में थमा दी, जिसे उन्होंने लिया और बिना कुछ कहे उस पर सरसरी नजर डालने लगे; लेकिन उन्होंने तुरंत इसे लौटाते हुए कहा, "जितना मैंने देखा है, उसमें मुझे इस लेखक की तीन कमियाँ नज़र आई हैं, जिनकी निंदा की जानी चाहिए। पहली बात तो प्रस्तावना में पढ़े कुछ शब्द हैं; दूसरी यह कि

भाषा अरागोनिस है, क्योंकि वह कभी-कभी आर्टिकल का प्रयोग नहीं करते; और तीसरी बात, जो सबसे बढ़कर उनकी अज्ञानता को दर्शाती है, वह यह है कि इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण भाग में वह गलत हैं और सत्य से भटक गए हैं, क्योंकि यहाँ वह कहते हैं कि मेरे जागीरदार सांचो पांजा की पत्नी का नाम मारी गुटिएरेज़ है, जबकि उनका नाम ऐसा कुछ नहीं बल्कि टेरेसा पांजा है; और जब कोई व्यक्ति इतने महत्वपूर्ण बिंदु पर गलती करता है, तो यह आशंका करने का पर्याप्त कारण है कि वह इतिहास के हर दूसरे बिंदु पर भी गलत होगा।"
"वाह, क्या बढ़िया इतिहासकार है!" यह सुनकर सांचो ने हैरानी से कहा; "जब वह मेरी पत्नी टेरेसा पांजा को मारी गुटिएरेज़ कहता है, तो उसे हमारे मामलों के बारे में काफी कुछ पता होना चाहिए; महोदय, किताब फिर से लीजिए और देखिए कि क्या मेरा नाम उसमें है और क्या उसने मेरा नाम बदल दिया है।"
"तुम्हारी बातों से, मित्र," डॉन जेरोनिमो ने कहा, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि तुम सांचो पांजा हो, सेनर डॉन क्विक्सोट के सहायक।"
"हां, मैं हूं," सांचो ने कहा; "और मुझे इस पर गर्व है।"
"तो फिर," उस सज्जन ने कहा, "फेथ, यह नया लेखक आपके व्यक्तित्व में झलकने वाली शालीनता से आपका वर्णन नहीं करता; वह आपको एक फिजूलखर्ची करने वाला और मूर्ख व्यक्ति बताता है, जरा भी मजाकिया नहीं, और आपके गुरु के इतिहास के पहले भाग में वर्णित सांचो से बिल्कुल अलग व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है।"
"भगवान उसे माफ करे," सांचो ने कहा; "वह मुझे मेरे कोने में ही छोड़ सकता था, मेरे बारे में चिंता किए बिना; 'जो जानता है वही घंटियाँ बजाए; संत पीटर रोम में बहुत अच्छे हैं।'"
दोनों सज्जनों ने डॉन क्विक्सोट से अपने कमरे में आकर उनके साथ भोजन करने का आग्रह किया, क्योंकि वे अच्छी तरह जानते थे कि उस सराय में उनके जैसे व्यक्ति के लिए कुछ भी उपयुक्त नहीं था। डॉन क्विक्सोट, जो हमेशा विनम्र थे, ने उनका अनुरोध मान लिया और उनके साथ भोजन किया। सांचो स्टू लेकर वहीं रुक गया और पूर्ण अधिकार प्राप्त करके मेज के मुखिया के रूप में बैठ गया, और सराय का मालिक भी उसके साथ बैठ गया, क्योंकि वह सांचो की तरह ही गाय की एड़ी और बछड़े के पैर का शौकीन था।
रात के भोजन के दौरान डॉन जुआन ने डॉन क्विक्सोट से पूछा कि लेडी डुलसीनिया डेल टोबोसो के बारे में उन्हें क्या खबर मिली है, क्या उनकी

शादी हो गई है, क्या वह गर्भवती हैं, या क्या वह अभी भी कुंवारी हैं, अपनी शालीनता और कोमलता को बरकरार रखते हुए, सेनर डॉन क्विक्सोट के कोमल प्रेम की यादों को संजोए हुए हैं?
इस पर उसने उत्तर दिया, "डुल्सीनिया अभी भी कुंवारी है, और मेरा जुनून पहले से कहीं अधिक प्रबल है, हमारा संबंध पहले की तरह ही असंतोषजनक है, और उसकी सुंदरता एक गंदी देहाती लड़की जैसी हो गई है;" और फिर उसने उन्हें डुल्सीनिया पर हुए जादू और मोंटेसिनोस की गुफा में उसके साथ घटी घटनाओं का विस्तृत वर्णन किया, साथ ही ऋषि मर्लिन द्वारा उसके जादू को तोड़ने के लिए बताई गई विधि, अर्थात् सांचो को कोड़े मारना, भी बताई।
डॉन क्विक्सोट द्वारा अपने इतिहास की विचित्र घटनाओं का वर्णन सुनकर दोनों सज्जनों को बेहद आनंद आया; और जहाँ वे उसकी बेतुकी बातों से चकित थे, वहीं उसकी प्रस्तुति के सुरुचिपूर्ण अंदाज़ से भी उतने ही चकित थे। एक ओर वे उसे बुद्धिमान और समझदार मानते थे, वहीं दूसरी ओर वह उन्हें एक निरर्थक मूर्ख प्रतीत होता था, और वे यह तय नहीं कर पा रहे थे कि उसे बुद्धिमत्ता और मूर्खता के बीच कहाँ रखा जाए।
सांचो ने अपना भोजन समाप्त कर लिया और मकान मालिक को उसकी दयनीय हालत में छोड़कर अपने मालिक के कमरे में चला गया। अंदर आते ही उसने कहा, "महोदय, अगर इस पुस्तक के लेखक, जो आप लोगों के पास है, का इरादा हमसे सहमत होने का है, तो मेरी मृत्यु हो जाए। जैसा कि वह मुझे पेटू कहता है (जैसा कि आप लोगों का कहना है), मैं नहीं चाहता कि वह मुझे शराबी भी कहे।"
"लेकिन वह करता है," डॉन जेरोनिमो ने कहा; "हालांकि मुझे याद नहीं है कि किस तरह से, हालांकि मैं जानता हूं कि उसके शब्द अपमानजनक हैं, और इससे भी बढ़कर, झूठ हैं, जैसा कि मैं अपने सामने मौजूद योग्य सांचो के चेहरे से स्पष्ट रूप से देख सकता हूं।"
"मानो मेरी बात," सांचो ने कहा, "इस कहानी के सांचो और डॉन क्विक्सोट, सिडे हामेट बेनेन्गेली द्वारा लिखित कहानी में वर्णित सांचो और डॉन क्विक्सोट से बिल्कुल अलग व्यक्ति हैं; मेरे स्वामी वीर, बुद्धिमान और सच्चे प्रेमी हैं, और मैं सरल, विनोदी और न तो पेटू और न ही शराबी हूँ।"
"मुझे इस पर विश्वास है," डॉन जुआन ने कहा; "और यदि संभव हो, तो एक आदेश जारी किया जाना चाहिए कि डॉन क्विक्सोट से संबंधित किसी भी चीज़ से निपटने का साहस किसी को भी न हो, सिवाय उसके मूल लेखक सिडे हैमेट के; ठीक वैसे ही जैसे

सिकंदर ने आदेश दिया था कि एपेलिस के अलावा किसी को भी उसका चित्र बनाने का साहस न हो।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "जो चाहे मुझे चित्रित करे; लेकिन मुझे गाली न दे; क्योंकि अपमानों की बौछार से अक्सर धैर्य टूट जाता है।"
डॉन जुआन ने कहा, "सेनर डॉन क्विक्सोट को ऐसा कुछ भी नहीं दिया जा सकता जिसका वह स्वयं बदला न ले सके, यदि वह उसे अपने धैर्य की ढाल से न बचाए, जो कि, मेरा मानना है, महान और मजबूत है।"
रात का काफी हिस्सा इसी तरह की बातचीत में बीत गया, और हालांकि डॉन जुआन चाहता था कि डॉन क्विक्सोट किताब को और पढ़े ताकि उसे समझ आ सके कि यह किस बारे में है, पर वह नहीं माना गया। डॉन जुआन ने कहा कि उसने इसे पढ़ा हुआ मान लिया है और इसे पूरी तरह से मूर्खतापूर्ण बताया है; और अगर किसी भी तरह से इसके लेखक को पता चल जाए कि किताब उसके हाथ में है, तो वह नहीं चाहता कि वह यह सोचकर खुश हो कि उसने इसे पढ़ा है; क्योंकि हमारे विचार, और उससे भी अधिक हमारी आंखें, अश्लील और गंदी चीजों से दूर रहनी चाहिए।
उन्होंने उससे पूछा कि वह कहाँ जाना चाहता है। उसने उत्तर दिया, सारागोसा, जहाँ वह हर साल होने वाली घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में भाग लेने जा रहा है। डॉन जुआन ने उसे बताया कि नए इतिहास में वर्णित है कि डॉन क्विक्सोट, चाहे वह कोई भी हो, वहाँ एक अखाड़े में तलवारबाजी की प्रतियोगिता में भाग लेता है, जो पूरी तरह से कल्पनाहीन, नारों से रहित, वेशभूषा से बेहद साधारण, लेकिन मूर्खता से भरपूर होती है।
"इसी कारण से," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं सारागोसा में कदम नहीं रखूंगा; और इस तरह मैं दुनिया के सामने इस नए इतिहास लेखक के झूठ को उजागर कर दूंगा, और लोग देखेंगे कि मैं वह डॉन क्विक्सोट नहीं हूं जिसके बारे में वह बात कर रहा है।"
"तुम बिलकुल सही करोगे," डॉन जेरोनिमो ने कहा; "और बार्सिलोना में अन्य तलवारबाजी प्रतियोगिताएं भी हैं जिनमें सेनर डॉन क्विक्सोट अपनी वीरता का प्रदर्शन कर सकते हैं।"
"मैं यही करने का इरादा रखता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और अब समय हो गया है, मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ कि मुझे सोने की अनुमति दें, और मुझे अपने सबसे अच्छे मित्रों और सेवकों के बीच रखें और बनाए रखें।"
"और मैं भी," सांचो ने कहा; "शायद मैं भी किसी काम का हो जाऊं।"

इसके साथ ही उन्होंने विदाई ली और डॉन क्विक्सोट और सांचो अपने कमरे में चले गए। डॉन जुआन और डॉन जेरोनिमो उनकी समझदारी और पागलपन के मिश्रण को देखकर चकित रह गए; और उन्हें पूरा यकीन हो गया कि असली डॉन क्विक्सोट और सांचो वही थे जिनका वर्णन उनके आरागोन के लेखक ने किया था। डॉन क्विक्सोट सुबह जल्दी उठे और दूसरे कमरे की दीवार खटखटाकर अपने मेजबानों को अलविदा कहा। सांचो ने मकान मालिक को भरपूर भेंट दी और उसे सलाह दी कि या तो वह अपने सराय के बारे में कम बोले या उसे और बेहतर ढंग से व्यवस्थित रखे।

60

अध्याय
डॉन क्विक्सोट के बार्सिलोना जाते समय क्या हुआ था?
सुबह सुहावनी थी और आने वाले दिन के सुहावने मौसम का आभास दे रही थी। डॉन क्विक्सोट ने सराय छोड़ी और सबसे पहले सारागोसा से गुज़रे बिना बार्सिलोना जाने का सीधा रास्ता ढूँढ़ा; वह उस नए इतिहासकार को झूठा साबित करने के लिए इतना बेचैन था, जिसके बारे में कहा जाता था कि उसने उसकी बहुत निंदा की थी। खैर, जैसा कि हुआ, छह दिनों तक उसके साथ कुछ भी ऐसा नहीं हुआ जो दर्ज करने लायक हो। आखिर में, रास्ते से भटककर वह रात में बलूत या कॉर्क के पेड़ों के घने झुरमुट में फँस गया; क्योंकि इस मामले में सिदे हामेटे अन्य मामलों की तरह सटीक नहीं हैं।
स्वामी और दास अपने पशुओं से उतरे, और जैसे ही वे वृक्षों की तलहटी में बैठे, सांचो, जिसने उस दिन दोपहर का अच्छा भोजन किया था, बिना किसी देरी के नींद के द्वार पर जा बैठा। परन्तु डॉन क्विक्सोट, जिसे भूख से कहीं अधिक उसके विचार जगाए रखे हुए थे, एक पल भी नहीं सो सका और कल्पना में तरह-तरह के स्थानों में भटकता रहा। एक क्षण उसे लगा कि वह मोंटेसिनोस की गुफा में है और उसने डुलसीनिया को एक देहाती लड़की के रूप में देखा, जो अपनी गधी पर सवार होकर उछल-कूद कर रही थी; फिर उसे लगा कि ऋषि मर्लिन के शब्द उसके कानों में गूंज रहे हैं, जो डुलसीनिया के जादू को तोड़ने के लिए पालन की जाने वाली शर्तों और किए जाने वाले प्रयासों को बता रहे थे। अपने सहायक सांचो की आलस्य और दयाहीनता को देखकर उसका धैर्य टूट गया; क्योंकि उसकी समझ के अनुसार उसने स्वयं को केवल पाँच कोड़े मारे थे, जो आवश्यक कोड़ों की विशाल संख्या के अनुपात में बहुत कम थे। इस विचार से उन्हें इतनी झुंझलाहट और क्रोध हुआ कि उन्होंने इस मामले पर इस प्रकार तर्क दिया: "यदि सिकंदर महान ने यह कहते हुए गॉर्डियन गाँठ को काट दिया कि 'काटना और खोलना एक ही बात है,' और फिर भी वह पूरे एशिया का सर्वोच्च शासक बनने में सफल रहा, तो डुलसीनिया के मोहभंग की स्थिति में भी ऐसा ही हो सकता है यदि मैं सांचो को उसकी इच्छा के विरुद्ध कोड़े मारूँ; क्योंकि, यदि उपाय की शर्त यह है कि सांचो को तीन हजार से अधिक कोड़े खाने पड़ें, तो इससे मुझे क्या फर्क पड़ता

है कि वह उन्हें स्वयं मारता है या कोई और मारता है, जब मूल बात यह है कि उसे कोड़े खाने ही हैं, चाहे वे किसी भी दिशा से आएँ?"
इसी विचार के साथ वह सांचो के पास गया, पहले उसने रोसिनांटे की लगाम ली और उसे इस तरह व्यवस्थित किया कि वह उससे सांचो को कोड़े मार सके, और फिर उसने सांचो की पैंट को ऊपर उठाने वाले बिंदुओं (आम धारणा यह है कि सामने केवल एक ही बिंदु था) को खोलना शुरू कर दिया; लेकिन जैसे ही वह उसके पास पहुँचा, सांचो पूरी तरह होश में आ गया और चिल्लाया, "यह क्या है? कौन मुझे छू रहा है और मेरी लगाम खोल रहा है?"
“मैं ही हूँ,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “मैं तुम्हारी कमियों को दूर करने और अपने कष्टों को कम करने आया हूँ; मैं तुम्हें कोड़े मारने आया हूँ, सांचो, और तुम्हारे द्वारा लिए गए कुछ कर्ज को मिटाने आया हूँ। डुलसीनिया मर रही है, तुम बेपरवाह होकर जी रहे हो, मैं आशा के टलने से मर रहा हूँ; इसलिए अपने आप को शांति से मुक्त कर लो, क्योंकि इस एकांत स्थान पर, मैं तुम्हें कम से कम दो हज़ार कोड़े मारूँगा।”
"बिल्कुल नहीं," सांचो ने कहा; "महाराज चुप रहें, वरना जीवित ईश्वर की कसम, बहरे भी हमारी बात सुन लेंगे; मैंने जिन कोड़ों की सजा भुगतने का वचन दिया है, वे मेरी स्वेच्छा से होने चाहिए, जबरदस्ती नहीं, और अभी मुझे खुद को कोड़े मारने का मन नहीं है; इतना ही काफी है कि मैं आपको वचन दूं कि जब मेरा मन करेगा, मैं खुद को कोड़े मारूंगा और थप्पड़ खाऊंगा।"
"इसे तुम्हारी विनम्रता पर छोड़ना ठीक नहीं होगा, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि तुम्हारा दिल कठोर है और तुम भले ही मसखरे हो, लेकिन तुम्हारा शरीर कोमल है;" और उसी समय उसने उसे खोलने के लिए संघर्ष किया। यह देखकर सांचो उठ खड़ा हुआ और अपने स्वामी से जूझते हुए उसे अपनी बाहों में पूरी ताकत से जकड़ लिया, एड़ी से धक्का देकर उसे जमीन पर पीठ के बल गिरा दिया और अपने दाहिने घुटने को उसकी छाती पर दबाकर उसके हाथों को अपने हाथों में इस प्रकार जकड़ लिया कि वह न तो हिल सके और न ही सांस ले सके। "अब क्या हुआ, गद्दार!" डॉन क्विक्सोट चिल्लाया। "क्या तू अपने स्वामी और स्वाभाविक मालिक के विरुद्ध विद्रोह कर रहा है? क्या तू उसके विरुद्ध उठ खड़ा हुआ है जो तुझे रोटी देता है?"
"मैंने न तो राजा को हटाया, न ही राजा को स्थापित किया," सांचो ने कहा; "मैं तो बस अपने लिए खड़ा हूँ, मैं अपना स्वामी हूँ; यदि महाराज मुझसे वादा करें

ड्यूक के मुकुट और जो मुकुट वह घर से लाया था, वे उसकी कमरबंद में थे; इन भले लोगों ने उसे नंगा कर देने की ठान ली होती और यहाँ तक कि यह भी देखने की कोशिश की होती कि उसने चमड़ी और मांस के बीच क्या छिपा रखा है, लेकिन उसी क्षण उनके कप्तान के आने से ऐसा नहीं हो पाया। कप्तान लगभग चौंतीस वर्ष का था, हट्टा-कट्टा, औसत से अधिक लंबा, गंभीर चेहरा और सांवला रंग का था। वह एक शक्तिशाली घोड़े पर सवार था और कवच पहने हुए था, कमर में चार पिस्तौलें थीं जिन्हें उस देश में पेट्रोनेल कहते हैं। उसने देखा कि उसके सहायक (जिन्हें उस पेशे से जुड़े लोग कहते हैं) सांचो पांजा को लूटने ही वाले थे, लेकिन उसने उन्हें रुकने का आदेश दिया और तुरंत आज्ञा का पालन किया गया, जिससे कमरबंद बच गया। उसने भाले को पेड़ से टिका हुआ, ढाल को ज़मीन पर पड़ा हुआ और डॉन क्विक्सोट को कवच में उदास और निराश देखा, उसके चेहरे पर उदासी की पराकाष्ठा थी; और उसके पास जाकर उसने कहा, "इतना निराश मत हो, भले आदमी, क्योंकि तुम किसी निर्दयी बुसिरिस के हाथों में नहीं पड़े हो, बल्कि रोके गिनार्ट के हाथों में पड़े हो, जो क्रूर से कहीं अधिक दयालु हैं।"
"मेरी निराशा का कारण," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यह नहीं है कि मैं तुम्हारे हाथों में पड़ गया हूँ, हे वीर रोक, जिसकी प्रसिद्धि पृथ्वी पर असीम है, बल्कि यह है कि मेरी लापरवाही इतनी बड़ी थी कि तुम्हारे सैनिकों ने मुझे बेरोकटोक पकड़ लिया, जबकि शूरवीरता के उस नियम के अनुसार, जिसका मैं पालन करता हूँ, मेरा कर्तव्य है कि मैं हमेशा सतर्क रहूँ और हर समय स्वयं का रक्षक रहूँ; क्योंकि मैं तुम्हें बता दूँ, महान रोक, यदि वे मुझे मेरे घोड़े पर, मेरे भाले और ढाल के साथ पाते, तो उनके लिए मुझे आत्मसमर्पण कराना इतना आसान नहीं होता, क्योंकि मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, जिसने अपने कारनामों से पूरी दुनिया को भर दिया है।"
रोके गिनार्ट ने तुरंत समझ लिया कि डॉन क्विक्सोट की कमजोरी घमंड से ज़्यादा पागलपन जैसी थी; और यद्यपि उसने कभी-कभार उसके बारे में सुना था, उसने कभी भी उसके बारे में कही गई बातों को सच नहीं माना, न ही वह खुद को यह समझा सका कि ऐसा स्वभाव किसी मनुष्य के हृदय पर हावी हो सकता है; इसलिए वह उससे मिलकर और दूर से सुनी गई बातों को करीब से परखकर बेहद खुश था; उसने उससे कहा, "हे वीर योद्धा, निराश मत हो, और अपनी इस स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण मत समझो; हो सकता है कि इन गलतियों से तुम्हारा टेढ़ा- मेढ़ा भाग्य सीधा हो जाए; क्योंकि स्वर्ग अजीबोगरीब घुमावदार रास्तों से,

जो मनुष्य के लिए रहस्यमय और समझ से परे हैं, गिरे हुओं को उठाता है और गरीबों को अमीर बनाता है।"
डॉन क्विक्सोट उसे धन्यवाद देने ही वाला था कि तभी उन्हें पीछे से घोड़ों के झुंड की आवाज सुनाई दी; हालांकि, वहां केवल एक ही घोड़ा था, जिस पर लगभग बीस वर्ष का एक युवक तेज गति से आ रहा था, जिसने सोने की किनारी वाली हरी दमिश्क की पोशाक और ढीली फ्रॉक पहनी हुई थी, सिर पर वालून शैली की टोपी, चुस्त-दुरुस्त पॉलिश किए हुए जूते, सोने के स्पर्स, खंजर और तलवार थी, और उसके हाथ में एक बंदूक और कमर पर दो पिस्तौलें थीं।
शोर सुनकर रोके मुड़ा और उसने एक सुंदर आकृति को देखा, जो पास आकर उससे बोली, "हे वीर रोके, मैं तुमसे मिलने आई हूँ, ताकि अगर कोई उपाय न भी हो तो कम से कम मेरी बदकिस्मती से मुझे राहत मिल सके; और तुम्हें संदेह में न रखते हुए, क्योंकि मैं देख रही हूँ कि तुम मुझे पहचान नहीं रहे हो, मैं तुम्हें अपना परिचय देती हूँ; मैं क्लॉडिया जेरोनिमा हूँ, साइमन फोर्ट की बेटी, जो तुम्हारा अच्छा दोस्त और क्लाउकेल टोरेलास का खास दुश्मन है, जो तुम्हारा भी दुश्मन है क्योंकि वह तुम्हारे विरोधी गुट का है। तुम जानते हो कि इस टोरेलास का एक बेटा है जिसे डॉन विसेंट टोरेलास कहा जाता है, या कम से कम दो घंटे पहले तक यही कहा जाता था। खैर, अपनी बदकिस्मती की कहानी को संक्षेप में कहूँ तो, मैं तुम्हें कुछ शब्दों में बताती हूँ कि इस युवक ने मुझ पर क्या विपत्ति लाई है। उसने मुझे देखा, उसने मुझसे प्रेम निवेदन किया, मैंने उसकी बातें सुनीं, और अपने पिता को बिना बताए, मैं उससे प्रेम करने लगी; क्योंकि कोई भी स्त्री, चाहे वह कितनी भी एकांत में रहती हो या कितनी भी गुप्त रखी जाती हो, उससे प्रेम नहीं कर सकती। उसके पास अपनी उतावली इच्छाओं का पालन करने के लिए अवसर और समय नहीं था। संक्षेप में, उसने स्वयं को मेरा होने का वचन दिया, और मैंने भी उसका होने का वचन दिया, बिना बात को आगे बढ़ाए। कल मुझे पता चला कि मुझसे किए अपने वचन को भूलकर वह किसी और से शादी करने वाला है, और आज सुबह अपनी सगाई करने जाने वाला है, इस खबर ने मुझे स्तब्ध और क्रोधित कर दिया; मेरे पिता घर पर नहीं थे, इसलिए मैं यह वेश धारण कर सकी, और अपने घोड़े को तेज दौड़ाकर मैंने डॉन विसेंट को यहाँ से लगभग एक मील दूर पकड़ लिया, और निंदा करने या बहाने सुनने का इंतजार किए बिना मैंने उस पर यह बंदूक और साथ ही ये दो पिस्तौलें चलाईं, और मेरे विश्वास के अनुसार मैंने उसके शरीर में दो से अधिक गोलियां मारी

होंगी, जिससे मेरे सम्मान को उसके खून में लथपथ होकर मुक्त होने का रास्ता मिल गया। मैंने उसे वहीं उसके नौकरों के हाथों में छोड़ दिया, जो उसकी रक्षा में हस्तक्षेप करने की हिम्मत नहीं कर सके और न ही कर पाए, और मैं तुमसे फ्रांस में सुरक्षित यात्रा का अनुरोध करने आई हूँ, जहाँ मेरे रिश्तेदार हैं जिनके साथ मैं रह सकती हूँ; और साथ ही मैं तुमसे विनती करता हूँ कि मेरे पिता की रक्षा करो, ताकि डॉन विसेंट के अनेक रिश्तेदार उन पर अपना अधर्मी प्रतिशोध लेने का साहस न करें।"
रोके, सुंदर क्लाउडिया के वीर आचरण, उच्च मनोबल, आकर्षक आकृति और साहसिक स्वभाव से प्रभावित होकर, उससे बोला, "आइए, महोदया, हम जाकर देखें कि आपका शत्रु मर गया है या नहीं; फिर हम विचार करेंगे कि आपके लिए क्या सर्वोत्तम होगा।" डॉन क्विक्सोट, जो क्लाउडिया की बातें और उसके जवाब में रोके गिनार्ट की बातें सुन रहा था, बोला, "इस महिला की रक्षा की चिंता किसी को करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मैं स्वयं यह जिम्मेदारी लेता हूँ। मुझे मेरा घोड़ा और हथियार दीजिए, और यहीं मेरा इंतजार कीजिए; मैं इस शूरवीर की खोज में जाऊँगा, और चाहे वह जीवित हो या मृत, मैं उसे इस महान सुंदरी से किए गए अपने वचन का पालन करवाऊँगा।"
"इस बात में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए," सांचो ने कहा, "क्योंकि मेरे मालिक को शादी करवाने का बहुत अच्छा हुनर है; अभी कुछ ही दिन हुए हैं जब उन्होंने एक दूसरे आदमी को शादी करने के लिए मजबूर किया था, जिसने उसी तरह एक दूसरी लड़की से किए अपने वादे से मुकर गया था; और अगर उसके सताने वालों, जादूगरों ने उस आदमी का असली रूप बदलकर एक लड़की का रूप न बना दिया होता, तो वह लड़की आज लड़की न होती।"
रोक, जो स्वामी या सेवक के शब्दों की बजाय सुंदर क्लॉडिया के साहसिक कार्य पर अधिक ध्यान दे रहा था, ने उनकी बातें नहीं सुनीं; और अपने सहायकों को डैपल से लूटी गई सभी चीज़ें सांचो को लौटाने का आदेश देकर, उसने उन्हें उस स्थान पर लौटने का निर्देश दिया जहाँ वे रात भर ठहरे थे, और फिर घायल या मृत डॉन विसेंट की खोज में क्लॉडिया के साथ पूरी गति से चल पड़ा। वे उस स्थान पर पहुँचे जहाँ क्लॉडिया उससे मिली थी, लेकिन वहाँ उन्हें ताज़ा बहा हुआ खून के अलावा कुछ नहीं मिला; हालाँकि, चारों ओर देखने पर, उन्होंने अपने ऊपर एक पहाड़ी की ढलान पर कुछ लोगों को देखा, और यह निष्कर्ष निकाला, जो वास्तव में सही साबित हुआ, कि वे डॉन विसेंट थे, जिन्हें उनके सेवक या

हृदय से निकलने वाले सभी शोक और दुःख के लक्षण दिखाए। "क्रूर, निर्दयी स्त्री!" वह रोते हुए बोली, "तुमने इतनी आसानी से इतना घिनौना विचार कैसे कर लिया! हे ईर्ष्या की प्रचंड शक्ति, तू अपने चाहने वालों को कितनी हताशा में डाल देती है! हे पति, जिसका दुर्भाग्य है कि मेरा होने के कारण तुझे विवाह शय्या से कब्र तक ले आया!"
क्लॉडिया का विलाप इतना तीव्र और पीड़ादायक था कि रोक की आँखों से भी आँसू निकल आए, जबकि वह आमतौर पर कभी नहीं रोती थी। नौकर रोने लगे, क्लॉडिया बार-बार बेहोश हो रही थी, और पूरा स्थान शोक का मैदान और दुर्भाग्य का घर प्रतीत हो रहा था। अंत में रोक गिनार्ट ने डॉन विसेंट के नौकरों को उनके शरीर को पास ही स्थित उनके पिता के गाँव ले जाने का निर्देश दिया। क्लॉडिया ने उन्हें बताया कि वह एक मठ में जाना चाहती है, जहाँ उसकी एक चाची मठाध्यक्षा थीं, और वहाँ वह एक बेहतर और शाश्वत जीवनसाथी के साथ अपना जीवन व्यतीत करना चाहती है। उन्होंने उसके धार्मिक संकल्प की सराहना की और जहाँ भी वह जाना चाहे, उसके साथ जाने और डॉन विसेंट के रिश्तेदारों और पूरी दुनिया से उसके पिता की रक्षा करने का प्रस्ताव दिया, यदि वे उन्हें नुकसान पहुँचाने का प्रयास करें। क्लॉडिया ने किसी भी कीमत पर उन्हें अपने साथ जाने की अनुमति नहीं दी; और उनके प्रस्तावों के लिए यथासंभव धन्यवाद देते हुए, आँसुओं के साथ उनसे विदा ली। डॉन विसेंट के नौकर उसका शव ले गए, और रोक अपने साथियों के पास लौट आया, और इस तरह क्लाउडिया जेरोनिमा का प्रेम समाप्त हो गया; लेकिन इसमें आश्चर्य की क्या बात है, जब ईर्ष्या की अदम्य और क्रूर शक्ति ने ही उसकी दुखद कहानी का ताना-बाना बुना था? रोके गिनार्ट ने अपने सहायकों को उस स्थान पर पाया जहाँ उसने उन्हें बुलाया था, और उनके बीच में डॉन क्विक्सोट रोसिनांटे पर सवार होकर उन्हें भाषण दे रहा था जिसमें वह उनसे आत्मा और शरीर दोनों के लिए खतरनाक जीवन शैली को छोड़ने का आग्रह कर रहा था; लेकिन चूंकि उनमें से अधिकांश गैस्कॉन थे, यानी असभ्य और कानूनविहीन लोग, इसलिए रोके के भाषण का उन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। रोके ने पास आकर सांचो से पूछा कि क्या उसके आदमी लौट आए हैं और डैपल से लूटे गए खजाने और गहने उसे लौटा दिए हैं। सांचो ने कहा कि वे लौटा तो दिए हैं, लेकिन तीन रुमाल जो तीन शहरों के बराबर मूल्यवान थे, गायब हैं।

"तुम किस बारे में बात कर रहे हो यार?" वहाँ खड़े लोगों में से एक ने कहा; "मेरे पास वो हैं, और उनकी कीमत तीन रीयल भी नहीं है।"
"यह सच है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन मेरा सहायक उन्हें उसी कीमत पर महत्व देता है जो वह कहता है, क्योंकि वे मुझे उसी व्यक्ति द्वारा दिए गए हैं जिसने उन्हें दिया था।"
रोके गिनार्ट ने उन्हें तुरंत लौटाने का आदेश दिया; और अपने आदमियों को कतार में खड़ा करके उन्होंने निर्देश दिया कि पिछली बार के बंटवारे के बाद से उन्होंने जो भी कपड़े, गहने और धन लिया था, उसे पेश किया जाए; और जल्दबाजी में मूल्यांकन करके, और जो कुछ भी विभाजित नहीं किया जा सकता था, उसे पैसे में बदलकर, उन्होंने पूरे समूह के लिए इतने निष्पक्ष और सावधानीपूर्वक हिस्से किए कि किसी भी मामले में उन्होंने सख्त वितरणात्मक न्याय का उल्लंघन या उल्लंघन नहीं किया।
जब यह सब हो गया और सभी संतुष्ट होकर चले गए, तो रोक ने डॉन क्विक्सोट से कहा, "अगर इन लोगों के साथ इस तरह की सावधानीपूर्वक सटीकता का पालन नहीं किया जाता, तो इनके साथ रहना संभव नहीं होता।"
इस पर सांचो ने टिप्पणी की, "मैंने यहाँ जो देखा है, उससे यह स्पष्ट है कि न्याय इतनी अच्छी चीज है कि इसके बिना काम नहीं चल सकता, यहाँ तक कि चोरों के बीच भी।"
एक सरदार ने यह सुना और अपनी बंदूक का पिछला हिस्सा उठाकर वह निश्चित रूप से सांचो का सिर फोड़ देता, अगर रोके गिनार्ट ने उसे हाथ रोकने के लिए न कहा होता। सांचो बुरी तरह डर गया और उसने कसम खाई कि जब तक वह इन लोगों के साथ है, तब तक वह किसी से कुछ नहीं बोलेगा।
इसी क्षण, सड़कों पर पहरेदार के रूप में तैनात उन सरदारों में से एक या दो, जो आने-जाने वालों पर नज़र रखते थे और अपने सरदार को घटना की सूचना देते थे, आगे आए और बोले, "महाराज, पास ही बार्सिलोना जाने वाली सड़क पर लोगों का एक बड़ा दल आ रहा है।"
इस पर रोक ने जवाब दिया, "क्या तुमने यह पता लगाया है कि वे उस तरह के हैं जो हमारा पीछा कर रहे हैं, या उस तरह के हैं जिनका हम पीछा कर रहे हैं?"
"हमें इसी तरह के लोग चाहिए," जमींदार ने कहा।
"तो फिर, तुम सब यहाँ से चले जाओ," रोके ने कहा, "और उन्हें तुरंत मेरे पास ले आओ, ध्यान रहे कि उनमें से एक भी भाग न पाए।"

विपत्तियाँ आती हैं, जिन्हें प्रायश्चित मानकर आप पल भर में स्वर्ग में पहुँच सकते हैं।
रोके ने डॉन क्विक्सोट के उपदेश पर हँसते हुए, बातचीत का विषय बदलते हुए क्लाउडिया जेरोनिमा की दुखद घटना सुनाई, जिससे सांचो बेहद दुखी हुआ; क्योंकि उसे उस युवती की सुंदरता, साहस और जोश में कोई कमी नहीं दिखी थी। और अब लूट का माल लेने के लिए भेजे गए सरदार आ गए। वे अपने साथ दो घुड़सवार सज्जन, दो पैदल तीर्थयात्री और महिलाओं से भरी एक गाड़ी लाए, जिनमें लगभग छह नौकरानियाँ पैदल और घुड़सवार थीं, और कुछ खच्चर चालक भी थे जिन्हें वे सज्जन अपने साथ लाए थे। सरदारों ने उनके चारों ओर घेरा बना लिया, विजेता और पराजित दोनों ही गहरी चुप्पी साधे हुए थे, महान रोके गिनार्ट के बोलने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने सज्जनों से पूछा कि वे कौन हैं, कहाँ जा रहे हैं और उनके पास कितना पैसा है; उनमें से एक ने उत्तर दिया, "महाराज, हम स्पेनिश पैदल सेना के दो कप्तान हैं; हमारी टुकड़ियाँ नेपल्स में हैं, और हम चार गैली जहाजों में सवार होने जा रहे हैं जो बार्सिलोना में हैं और सिसिली जाने के आदेश पर हैं; और हमारे पास लगभग दो या तीन सौ क्राउन हैं, जिनसे हम, अपनी समझ के अनुसार, धनी और संतुष्ट हैं, क्योंकि एक सैनिक की गरीबी इससे अधिक धन जमा करने की अनुमति नहीं देती।"
रोके ने तीर्थयात्रियों से वही सवाल पूछे जो उसने कप्तानों से पूछे थे, और उसे जवाब मिला कि वे रोम जाने वाले जहाज पर सवार होने वाले हैं, और उनके पास लगभग साठ रील्स हैं। उसने यह भी पूछा कि कोच में कौन-कौन हैं, वे कहाँ जा रहे हैं और उनके पास कितना पैसा है, और घोड़े पर सवार एक व्यक्ति ने जवाब दिया, "कोच में मेरी पत्नी डोना गुइओमर डी क्विनोन्स हैं, जो नेपल्स में विकारिया के रीजेंट की पत्नी हैं, उनकी छोटी बेटी, एक दासी और एक महिला; हम छह नौकर उनकी सेवा में हैं, और हमारे पास छह सौ क्राउन हैं।"
“तो फिर,” रोके गिनार्ट ने कहा, “हमारे पास यहाँ नौ सौ क्राउन और साठ रियल हैं; मेरे सैनिकों की संख्या लगभग साठ होगी; देखो प्रत्येक को कितना मिलता है, क्योंकि मैं गणित में अच्छा नहीं हूँ।” जैसे ही लुटेरों ने यह सुना, उन्होंने ज़ोर से चिल्लाया, “रोके गिनार्ट अमर रहें, उन लुटेरों के बावजूद जो उनका विनाश चाहते हैं!”
सेनापतियों ने अपनी चिंता स्पष्ट रूप से प्रकट की, शासक की पत्नी उदास थीं, और तीर्थयात्री अपनी संपत्ति जब्त होते देखकर बिल्कुल भी प्रसन्न नहीं

थे। रोक ने उन्हें कुछ देर तक इसी तरह असमंजस में रखा; लेकिन वह उनकी परेशानी को और बढ़ाना नहीं चाहता था, जो दूर से ही स्पष्ट दिखाई दे रही थी, और सेनापतियों की ओर मुड़कर उसने कहा, "महोदय, क्या आप कृपा करके मुझे साठ क्राउन और शासक की पत्नी को अस्सी क्राउन उधार देंगे, ताकि मेरे पीछे आने वाले इस दल को संतुष्ट किया जा सके, क्योंकि 'मठाधीश को भोजन उसके गायन से ही मिलता है;' और फिर आप बिना किसी बाधा के अपनी यात्रा पर आगे बढ़ सकते हैं, मैं आपको एक सुरक्षित यात्रा पत्र दूंगा, ताकि यदि आप मेरे द्वारा इन क्षेत्रों में बिखेरे गए किसी अन्य दल से मिलें, तो वे आपको कोई नुकसान न पहुंचा सकें; क्योंकि मेरा सैनिकों या किसी भी महिला, विशेषकर कुलीन महिला को नुकसान पहुंचाने का कोई इरादा नहीं है।"
सेनापतियों ने रोके के शिष्टाचार और उदारता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया; उन्होंने रोके द्वारा उन्हें अपना पैसा छोड़ने को बहुत महत्व दिया। सेनोरा डोना गुइओमर डी क्विनोन्स कोच से कूदकर महान रोके के पैर और हाथ चूमना चाहती थीं, लेकिन रोके ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी; बल्कि इसके विपरीत, उन्होंने अपने दुर्भाग्यपूर्ण पेशे की अपरिहार्य आवश्यकताओं के दबाव में उनसे किए गए गलत काम के लिए क्षमा मांगी। रीजेंट की पत्नी ने अपने एक नौकर को आदेश दिया कि वह अस्सी क्राउन, जो उनके हिस्से के रूप में निर्धारित किए गए थे, तुरंत दे दे, क्योंकि सेनापतियों ने अपने साठ क्राउन पहले ही दे दिए थे। तीर्थयात्री अपना सारा खजाना देने ही वाले थे, लेकिन रोके ने उन्हें चुप रहने को कहा और अपने आदमियों की ओर मुड़कर कहा, "इन क्राउन में से दो-दो प्रत्येक को मिलेंगे और बीस बचेंगे; दस इन तीर्थयात्रियों को दिए जाएं, और बाकी दस इस योग्य सरदार को दिए जाएं ताकि वह इस साहसिक कार्य के बारे में सकारात्मक रूप से बता सके।" और फिर, अपने साथ हमेशा मौजूद रहने वाली लेखन सामग्री मंगवाकर, उन्होंने अपने गिरोह के सरदारों को लिखित रूप में सुरक्षित मार्ग का पत्र दिया; और उन्हें विदाई देते हुए उन्हें स्वतंत्र रूप से जाने दिया। वे उनकी महानता, उदार स्वभाव और असाधारण आचरण से प्रभावित थे और उन्हें एक कुख्यात डाकू के बजाय सिकंदर महान के रूप में देखने को इच्छुक थे।
एक जागीरदार ने गैस्कॉन और कैटलन भाषा के मिश्रण में कहा, "हमारा यह कप्तान डाकू से बेहतर साधु बन सकता है; अगर वह अगली बार इतना उदार होना चाहता है, तो अपनी संपत्ति के साथ ऐसा करे, न कि हमारी संपत्ति के साथ।"

61

अध्याय
डॉन क्विक्सोट के बार्सिलोना में प्रवेश करने पर जो कुछ हुआ, साथ ही अन्य ऐसी बातें जो कल्पना से परे, सच्चाई से अधिक मिलती-जुलती हैं।
डॉन क्विक्सोट ने रोके के साथ तीन दिन और तीन रातें बिताईं, और अगर वह तीन सौ साल भी बिता लेता तो भी उसे रोके के जीवन जीने के तरीके को देखने और उस पर आश्चर्य करने के लिए बहुत कुछ मिल जाता। सुबह होते ही वे एक जगह होते, दोपहर के भोजन के समय दूसरी जगह; कभी वे बिना यह जाने भाग जाते कि किससे, तो कभी वे बिना यह जाने किसलिए घात लगाकर बैठ जाते। वे खड़े-खड़े सोते, नींद तोड़कर एक जगह से दूसरी जगह जाते। उनके पास जासूस और खोजी भेजने, पहरेदार तैनात करने और हार्केबस की माचिस जलाने के अलावा कोई चारा नहीं था, हालाँकि उनके पास बहुत कम बंदूकें थीं, क्योंकि लगभग सभी फ्लिंटलॉक बंदूकें इस्तेमाल करते थे। रोके अपनी रातें अपने आदमियों से अलग किसी जगह पर बिताता था, ताकि उन्हें पता न चले कि वह कहाँ है, क्योंकि बार्सिलोना के वायसराय द्वारा उसके खिलाफ जारी किए गए कई फरमानों ने उसे डर और बेचैनी में रखा हुआ था, और वह किसी पर भी भरोसा करने की हिम्मत नहीं करता था, इस डर से कि उसके अपने आदमी भी उसे मार डालेंगे या अधिकारियों के हवाले कर देंगे; सचमुच, एक थका देने वाला और दयनीय जीवन! अंततः, कम उपयोग वाले रास्तों, शॉर्टकटों और गुप्त मार्गों से होते हुए, रोके, डॉन क्विक्सोट और सांचो, अपने छह सहायकों के साथ बार्सिलोना के लिए रवाना हुए। वे संत जॉन की पूर्व संध्या की रात को समुद्र तट पर पहुँचे; और रोके ने डॉन क्विक्सोट और सांचो को गले लगाया (जिन्हें उन्होंने वे दस मुकुट भेंट किए जिनका उन्होंने वादा किया था लेकिन तब तक नहीं दिए थे), और दोनों ओर से सद्भावना के कई संदेश देकर उनसे विदा ली।
रोक वापस चला गया, जबकि डॉन क्विक्सोट घोड़े पर ही बैठा रहा, दिन निकलने का इंतजार करता रहा। कुछ ही देर में पूर्व दिशा की बालकनियों पर सुंदर भोर का चेहरा दिखने लगा, जिससे घास और फूल प्रसन्न हो गए, हालांकि कानों को उतना आनंद नहीं आया। उसी क्षण तुरही और ढोल की आवाज, घंटियों की गूंज, और कुछ धावकों के कदमों की आहट और "रास्ता साफ करो!" की आवाजें सुनाई दीं, जो शहर से आती हुई प्रतीत हो रही थीं।

भोर ढल रही थी और ढाल से भी अधिक विशाल सूर्य क्षितिज की निचली रेखा से धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा। डॉन क्विक्सोट और सांचो ने चारों ओर देखा; उन्होंने समुद्र को देखा, जो उन्होंने अब तक नहीं देखा था; यह उन्हें अत्यंत विशाल और विस्तृत लगा, ला मांचा में देखी गई रुइडेरा की झीलों से कहीं अधिक। उन्होंने तट पर खड़ी नौकाओं को देखा, जिन्होंने अपने शामियाने नीचे कर लिए थे और हवा में लहराते झंडों और पताकाओं से सजी नौकाओं का प्रदर्शन कर रही थीं, जो पानी को छू रही थीं। वहीं नौकाओं पर बिगुल, तुरही और शहनाई की मधुर ध्वनियाँ दूर-दूर तक हवा में गूंज रही थीं। फिर वे शांत जल पर एक प्रकार की झड़प करने लगे, जबकि शहर से निकले बड़ी संख्या में सुंदर घोड़ों पर सवार और आकर्षक वर्दी पहने घुड़सवार भी उनकी ओर से कुछ इसी तरह की गतिविधि में शामिल हो गए। गैली जहाजों पर सवार सैनिकों ने निरंतर गोलाबारी जारी रखी, जिसका जवाब उन्होंने शहर की दीवारों और किलों पर दिया। भारी तोपों की गड़गड़ाहट से आसमान गूंज उठा, जिसका जवाब गैली जहाजों की गैंगवे तोपों ने दिया। चमकीला समुद्र, मुस्कुराती धरती, स्वच्छ हवा—हालांकि कभी-कभी तोपों के धुएं से थोड़ी धुंधली हो जाती थी—सब कुछ उस विशाल जनसमूह को अप्रत्याशित आनंद से भर रहा था। सांचो यह समझ नहीं पा रहा था कि समुद्र पर चलने वाले उन विशालकाय जीवों के इतने सारे पैर कैसे थे।
और अब वर्दीधारी घुड़सवार गर्जना और अजीबोगरीब नारे लगाते हुए और जयकारे लगाते हुए उस जगह की ओर सरपट दौड़ते हुए आए जहाँ डॉन क्विक्सोट आश्चर्यचकित और हैरान खड़े थे; और उनमें से एक, जिसे रोके ने संदेश भेजा था, ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा, "हमारे शहर में आपका स्वागत है, जो अपने व्यापक विस्तार में सभी वीरगाथाओं का दर्पण, प्रकाशस्तंभ, तारा और केंद्रबिंदु है! स्वागत है, मैं कहता हूँ, ला मांचा के वीर डॉन क्विक्सोट; वह झूठा, काल्पनिक, मनगढ़ंत नहीं, जो इन बीते दिनों में हमें झूठे इतिहासों में पेश किया गया है, बल्कि वह सच्चा, वैध, वास्तविक डॉन क्विक्सोट जिसका वर्णन इतिहासकारों के फूल, सिडे हामेट बेनेन्गेली ने हमारे सामने किया है!"
डॉन क्विक्सोट ने कोई जवाब नहीं दिया, न ही घुड़सवारों ने जवाब का इंतजार किया, बल्कि अपने सभी अनुयायियों के साथ फिर से मुड़कर, वे डॉन क्विक्सोट के चारों ओर चक्कर लगाने लगे। डॉन क्विक्सोट ने सांचो की ओर मुड़कर कहा,

"इन सज्जनों ने हमें स्पष्ट रूप से पहचान लिया है; मैं शर्त लगाता हूँ कि उन्होंने हमारा इतिहास पढ़ा है, और यहाँ तक कि आरागोनियों द्वारा हाल ही में मुद्रित वह इतिहास भी।"
वह घुड़सवार जिसने डॉन क्विक्सोट को संबोधित किया था, फिर से उसके पास आया और बोला, "हमारे साथ आइए, श्रीमान डॉन क्विक्सोट, क्योंकि हम सभी आपके सेवक और रोक गिनार्ट के घनिष्ठ मित्र हैं।" इस पर डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "यदि शिष्टाचार से शिष्टाचार उत्पन्न होता है, तो आप, श्रीमान शूरवीर, महान रोक की पुत्री या लगभग रिश्तेदार हैं; मुझे जहाँ चाहें ले जाइए; मैं केवल आपकी इच्छा का पालन करूँगा, विशेषकर यदि आप इसे अपनी सेवा में उपयोग करने की कृपा करें।"
घुड़सवार ने भी उतने ही विनम्र शब्दों में उत्तर दिया, और फिर, सभी उसके चारों ओर इकट्ठा होकर, तुरही और ढोल की थाप पर उसके साथ शहर की ओर चल पड़े। जैसे ही वे शहर में प्रवेश कर रहे थे, दुष्ट, जो सभी शरारतों का जनक है, और उससे भी अधिक दुष्ट लड़कों ने मिलकर कुछ ऐसे दुस्साहसी और उद्दंड बच्चों को भीड़ में से रास्ता बनाने के लिए उकसाया, और उनमें से एक ने डैपल की पूंछ और दूसरे ने रोसिनांटे की पूंछ उठाकर, दोनों के नीचे कांटेदार झाड़ियों का एक गुच्छा डाल दिया। बेचारे जानवरों को उन अजीब कांटों का दर्द महसूस हुआ और उन्होंने अपनी पूंछों को कसकर दबाकर अपनी पीड़ा को और बढ़ा दिया, इतना कि उछल-कूद करते हुए उन्होंने अपने मालिकों को जमीन पर पटक दिया। शर्म से लाल और चेहरा बिगड़ा हुआ डॉन क्विक्सोट अपने बेचारे घोड़े की पूंछ से कांटा निकालने के लिए दौड़ा, जबकि सांचो ने भी डैपल के साथ ऐसा ही किया। उनके मार्गदर्शकों ने लड़कों की इस धृष्टता को दंडित करने का प्रयास किया, लेकिन ऐसा करना संभव नहीं था, क्योंकि वे अपने पीछे आ रहे सैकड़ों अन्य लोगों के बीच छिप गए। डॉन क्विक्सोट और सांचो एक बार फिर घोड़े पर सवार हुए और उसी संगीत और जयजयकार के साथ अपने मार्गदर्शक के घर पहुँचे, जो विशाल और आलीशान था, संक्षेप में कहें तो एक धनी सज्जन का घर; और फिलहाल हम उन्हें यहीं छोड़ देते हैं, क्योंकि सिदे हामेटे की यही इच्छा है।

62

अध्याय
यह कहानी जादुई सिर के रोमांच के साथ-साथ अन्य तुच्छ मामलों से भी संबंधित है जिन्हें अनकहा नहीं छोड़ा जा सकता।
डॉन क्विक्सोट के मेज़बान डॉन एंटोनियो मोरेनो थे, जो धनवान और बुद्धिमान सज्जन थे और हर तरह के अच्छे और सौम्य तरीके से मनोरंजन करना उन्हें बहुत पसंद था। डॉन क्विक्सोट को अपने घर में पाकर उन्होंने उसे कुछ हानिरहित तरीके से अपनी शरारतें दिखाने के तरीके सोचने शुरू कर दिए; क्योंकि दर्द देने वाले मजाक मजाक नहीं होते, और कोई भी खेल तब तक सार्थक नहीं होता जब तक वह किसी दूसरे को चोट न पहुँचाए। सबसे पहले उन्होंने डॉन क्विक्सोट को अपना कवच उतारने को कहा और उन्हें उसी तंग चमड़े के सूट में, जिसका वर्णन और चित्रण हम पहले भी कई बार कर चुके हैं, शहर की मुख्य सड़कों में से एक के ऊपर बनी बालकनी पर ले गए, जहाँ भीड़ और लड़के उन्हें ऐसे घूर रहे थे जैसे किसी बंदर को। वर्दी पहने घुड़सवार फिर से उसके सामने ऐसे दौड़े मानो उन्होंने वह पोशाक केवल उसी के लिए पहनी हो, न कि उस दिन के उत्सव को जीवंत करने के लिए। सांचो अत्यंत प्रसन्न था, क्योंकि उसे ऐसा लग रहा था मानो वह किसी और कैमाचो की शादी में, डॉन डिएगो डी मिरांडा जैसे किसी और घर में, या ड्यूक जैसे किसी और महल में आ गया हो। उस दिन डॉन एंटोनियो के कुछ मित्र उसके साथ भोजन कर रहे थे, और सभी ने डॉन क्विक्सोट का सम्मान किया और उसे एक वीर योद्धा की तरह माना। इससे सांचो का अहंकार और घमंड इतना बढ़ गया कि वह अपनी संतुष्टि को रोक नहीं पा रहा था। सांचो की बातें इतनी मनोरंजक थीं कि घर के सभी नौकर और जो भी उसे सुन रहे थे, वे उसकी बातों पर मोहित हो गए। भोजन करते समय डॉन एंटोनियो ने उससे कहा, "हमने सुना है, हे आदरणीय सांचो, कि आपको मंजर ब्लैंको और जबरन तैयार किए गए मांस के गोले इतने पसंद हैं कि अगर कुछ बच भी जाए तो आप उसे अगले दिन के लिए अपने सीने में छिपा लेते हैं।" "नहीं, महोदय, यह सच नहीं है," सांचो ने कहा, "क्योंकि मैं लालची से कहीं अधिक स्वच्छ हूँ, और मेरे स्वामी डॉन क्विक्सोट अच्छी तरह जानते हैं कि हम दोनों मुट्ठी भर बलूत या मेवों पर एक सप्ताह गुजारने के आदी हैं। हाँ, अगर कभी वे मुझे एक बछिया दें, तो मैं तुरंत भाग जाऊँगा; मेरा मतलब है, मुझे जो

दिया जाता है, मैं वही खाता हूँ, और जैसे ही अवसर मिलता है, उसका लाभ उठाता हूँ; लेकिन जो कोई कहता है कि मैं असभ्य या अस्वच्छ खाने वाला हूँ, तो मैं उसे बता दूँ कि वह गलत है; और अगर मैं मेज पर बैठे सम्मानित लोगों का सम्मान न करता, तो मैं इसे अलग तरह से कहता।"
“सचमुच,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “सांचो के खान-पान में संयम और स्वच्छता को पीतल की थालियों पर उकेरा जा सकता है, ताकि आने वाले युगों में इसे हमेशा याद रखा जा सके। यह सच है कि जब वह भूखा होता है तो वह लालची दिखता है, क्योंकि वह बहुत तेज़ी से खाता है और दोनों जबड़ों से चबाता है; लेकिन वह स्वच्छता का हमेशा ध्यान रखता है; और जब वह राज्यपाल था, तब उसने बड़े सलीके से खाना सीखा था, यहाँ तक कि वह अंगूर और अनार के बीज भी कांटे से खाता था।”
"क्या!" डॉन एंटोनियो ने कहा, "क्या सांचो कभी राज्यपाल रह चुका है?" "हाँ," सांचो ने कहा, "और एक द्वीप था जिसका नाम बारातारिया था। मैंने दस दिनों तक उस पर पूरी कुशलता से शासन किया; और इस दौरान मेरी नींद उड़ गई; और मैंने दुनिया की सभी सरकारों को नीचा समझना सीख लिया; मैं भागकर वहाँ से निकल गया, और एक गड्ढे में गिर गया जहाँ मैंने खुद को मृत घोषित कर दिया, और एक चमत्कार से मैं वहाँ से ज़िंदा बच निकला।"
इसके बाद डॉन क्विक्सोट ने उन्हें सांचो के शासनकाल के पूरे मामले का विस्तृत विवरण दिया, जिससे उनके श्रोताओं का खूब मनोरंजन हुआ।
पर्दा हटते ही डॉन एंटोनियो ने डॉन क्विक्सोट का हाथ पकड़कर उसे एक दूर के कमरे में ले गए, जहाँ फर्नीचर के नाम पर एक मेज के अलावा कुछ भी नहीं था। मेज देखने में जैस्पर की बनी हुई थी और उसी के एक चबूतरे पर टिकी हुई थी, जिस पर रोमन सम्राटों की मूर्तियों की तरह एक सिर रखा हुआ था, जो देखने में कांसे का लग रहा था। डॉन एंटोनियो ने डॉन क्विक्सोट के साथ पूरे कमरे का चक्कर लगाया और मेज के चारों ओर कई बार घूमे, फिर बोले, "अब, श्रीमान डॉन क्विक्सोट, चूंकि मुझे यकीन है कि कोई हमारी बात नहीं सुन रहा है और दरवाजा बंद है, मैं आपको एक ऐसी अनोखी घटना के बारे में बताऊंगा, या यूं कहें कि एक ऐसी विचित्र घटना के बारे में, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती, बशर्ते आप मेरी कही हुई बात को पूरी तरह गुप्त रखें।"
"मैं कसम खाता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और अधिक सुरक्षा के लिए मैं इसके ऊपर एक पत्थर रख दूँगा; क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप जान लें, सेनर

डॉन एंटोनियो" (इस समय तक वह उनका नाम जान चुका था), "कि आप एक ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जिसके पास सुनने के लिए कान तो हैं, लेकिन बोलने के लिए जीभ नहीं है; इसलिए आप अपने दिल में जो कुछ भी है उसे सुरक्षित रूप से मेरे पास सौंप सकते हैं, और इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि आपने इसे मौन की गहराइयों में सौंप दिया है।"
"उस वादे पर भरोसा करते हुए," डॉन एंटोनियो ने कहा, "मैं आपको जो कुछ दिखाऊंगा और सुनाऊंगा उससे आपको आश्चर्यचकित कर दूंगा, और इस झंझट से कुछ हद तक राहत पाऊंगा कि मेरे पास कोई ऐसा नहीं है जिससे मैं अपने रहस्य साझा कर सकूं, क्योंकि वे ऐसे रहस्य नहीं हैं जिन्हें हर किसी को सौंपा जा सके।" डॉन क्विक्सोट असमंजस में था, वह सोच रहा था कि ऐसी सावधानियों का उद्देश्य क्या हो सकता है; इस पर डॉन एंटोनियो ने अपना हाथ पीतल के सिर और पूरी मेज और उस चबूतरे पर फेरा जिस पर वह रखा था, और फिर कहा, "यह सिर, सेनर डॉन क्विक्सोट, दुनिया के सबसे महान जादूगरों में से एक ने बनाया है, जो मेरे ख्याल से जन्म से पोलिश थे और प्रसिद्ध एस्कॉटिलो के शिष्य थे, जिनके बारे में कई अद्भुत कहानियां प्रचलित हैं। वे मेरे घर में आए थे, और मैंने उन्हें एक हजार क्राउन दिए, जिसके बदले में उन्होंने यह सिर बनाया, जिसमें यह गुण है कि यह हर प्रश्न का उत्तर देता है। उन्होंने दिशाओं का अवलोकन किया, आकृतियाँ बनाईं, तारों का अध्ययन किया, अनुकूल क्षणों की निगरानी की, और अंततः इसे उस पूर्णता तक पहुँचाया जिसे हम कल देखेंगे, क्योंकि शुक्रवार को यह मौन रहता है, और आज शुक्रवार होने के कारण हमें अगले दिन तक प्रतीक्षा करनी होगी। इस बीच, आप विचार कर सकते हैं कि आप इससे क्या पूछना चाहते हैं; और मैं अपने अनुभव से जानता हूँ कि यह अपने सभी उत्तरों में सत्य कहता है।"
डॉन क्विक्सोट मुखिया के गुणों और संपत्ति को देखकर चकित रह गया और डॉन एंटोनियो पर विश्वास न करने को तैयार था; लेकिन यह देखकर कि इस मामले की जांच करने के लिए उसके पास बहुत कम समय बचा है, उसने कुछ नहीं कहा, बस इतना कहा कि उसने इतना बड़ा रहस्य बताने के लिए डॉन एंटोनियो को धन्यवाद दिया। फिर वे कमरे से बाहर निकले, डॉन एंटोनियो ने दरवाजा बंद कर दिया और वे उस कमरे में चले गए जहाँ बाकी सज्जन एकत्रित थे। इस बीच सांचो ने उन्हें अपने स्वामी के साथ घटी कई रोमांचक घटनाओं और दुर्घटनाओं के बारे में बताया था।

उस दोपहर वे डॉन क्विक्सोट को सैर के लिए बाहर ले गए, कवच में नहीं बल्कि आम वेशभूषा में, भूरे रंग के कपड़े का एक ऐसा कोट ओढ़े हुए, जो उस मौसम में बर्फ को भी पसीना ला देता। नौकरों को आदेश दिया गया था कि वे सांचो का मनोरंजन करें ताकि वह घर से बाहर न निकले। डॉन क्विक्सोट रोसिनांटे पर नहीं, बल्कि एक ऊंचे, फुर्तीले और सुंदर ढंग से सजे खच्चर पर सवार थे। उन्होंने उन्हें कोट पहनाया और उनकी पीठ पर, बिना उनकी जानकारी के, एक चर्मपत्र सिल दिया जिस पर उन्होंने बड़े अक्षरों में लिखा, "यह ला मांचा का डॉन क्विक्सोट है।" जैसे ही वे अपनी यात्रा पर निकले, तख्ती ने उन सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया जो संयोगवश उन्हें देख रहे थे, और जैसे ही उस पर लिखा था, "यह ला मांचा का डॉन क्विक्सोट है," डॉन क्विक्सोट यह देखकर चकित रह गया कि कितने लोग उसे घूर रहे थे, उसका नाम पुकार रहे थे और उसे पहचान रहे थे। अपने साथ चल रहे डॉन एंटोनियो की ओर मुड़कर उसने कहा, "वीरता के अपने बड़े विशेषाधिकार हैं, क्योंकि यह इसे मानने वाले को पृथ्वी के हर क्षेत्र में प्रसिद्ध और विख्यात बना देता है; देखो, डॉन एंटोनियो, इस शहर के लड़के भी मुझे बिना देखे ही जानते हैं।"
"सच है, सेनोर डॉन क्विक्सोट," डॉन एंटोनियो ने उत्तर दिया; "क्योंकि जिस प्रकार आग को छिपाया या गुप्त नहीं रखा जा सकता, उसी प्रकार सद्गुण को भी पहचाने जाने से नहीं बचाया जा सकता; और शस्त्रों के पेशे से प्राप्त सद्गुण अन्य सभी सद्गुणों से श्रेष्ठ होता है।"
लेकिन हुआ यूं कि जब डॉन क्विक्सोट ऊपर वर्णित जयजयकार के बीच आगे बढ़ रहा था, तभी एक कैस्टिलियन ने उसकी पीठ पर खुदा शिलालेख पढ़कर ज़ोर से चिल्लाया, "तुम्हें ला मांचा का डॉन क्विक्सोट समझकर धिक्कार है! क्या! तुम यहाँ हो, और अपनी पसलियों पर पड़ी अनगिनत मार से मरे नहीं? तुम पागल हो; और अगर तुम स्वयं ही पागल होते, और अपने पागलपन को काबू में रखते, तो इतना बुरा नहीं होता; लेकिन तुममें उन सभी को मूर्ख और बेवकूफ बनाने की कला है जो तुमसे मिलते हैं या तुमसे बात करते हैं। अरे, इन सज्जनों को देखो जो तुम्हारे साथ हैं! घर जाओ, बेवकूफ, और अपने मामलों, अपनी पत्नी और बच्चों का ध्यान रखो, और इन मूर्खताओं को छोड़ दो जो तुम्हारे दिमाग को कमजोर कर रही हैं और तुम्हारी बुद्धि को खत्म कर रही हैं।"
"भाई, तुम अपने रास्ते जाओ," डॉन एंटोनियो ने कहा, "और जो तुमसे सलाह न मांगे, उन्हें सलाह मत दो। सेनर डॉन क्विक्सोट पूरी तरह से होश में हैं, और

हम जो उनके साथ हैं, मूर्ख नहीं हैं; सद्गुण का सम्मान हर जगह होना चाहिए; जाओ, और तुम्हें दुर्भाग्य का सामना करना पड़े, और जहाँ तुम्हारी ज़रूरत नहीं है, वहाँ दखल मत दो।"
"ईश्वर की कसम, महाराज बिल्कुल सही कह रहे हैं," कैस्टिलियन ने उत्तर दिया; "इस भले आदमी को सलाह देना तो मानो कांटों पर लात मारने जैसा है; फिर भी मुझे इस बात का बहुत दुख है कि जिस बुद्धि की लोग इस मूर्ख से हर चीज में तारीफ करते हैं, वह उसकी वीरता के चक्कर में बर्बाद हो रही है; लेकिन महाराज जिस दुर्भाग्य की बात कर रहे हैं, वह मेरा और मेरी सभी संतानों का पीछा करे, अगर आज से, चाहे मैं मेथुसेला से भी ज्यादा जी जाऊं, मैं कभी भी किसी को सलाह दूं, चाहे वह मुझसे सलाह मांगे ही क्यों न दे।"
सलाह देने वाला व्यक्ति चला गया और वे अपनी सैर जारी रखने लगे; लेकिन तख्ती पढ़ने के लिए लड़कों और लोगों की इतनी भीड़ थी कि डॉन एंटोनियो को उसे इस तरह हटाना पड़ा जैसे वह कोई और चीज हटा रहा हो।
रात हुई और वे घर लौट आए। वहाँ महिलाओं की एक नृत्य पार्टी थी, क्योंकि डॉन एंटोनियो की पत्नी, जो एक उच्च कोटि की, हंसमुख, सुंदर और बुद्धिमान महिला थीं, ने अपने कुछ मित्रों को अपने अतिथि का स्वागत करने और उनकी विचित्र कल्पनाओं का आनंद लेने के लिए आमंत्रित किया था। उनमें से कई आईं, उन्होंने शानदार भोजन किया और नृत्य लगभग दस बजे शुरू हुआ। उन महिलाओं में दो चंचल और हंसमुख स्वभाव की थीं, और हालांकि वे पूरी तरह से शालीन थीं, फिर भी हानिरहित मनोरंजन के लिए शरारतें करने में कुछ हद तक स्वतंत्र थीं। ये दोनों डॉन क्विक्सोट को नृत्य के लिए ले जाने में इतनी अथक थीं कि उन्होंने उसे न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मन से भी थका दिया। डॉन क्विक्सोट की आकृति देखना एक विचित्र दृश्य था; लंबा, दुबला-पतला, पीला पड़ा हुआ, उसके वस्त्र उससे चिपके हुए, बेडौल और सबसे बढ़कर बिल्कुल भी फुर्तीला नहीं।
उन समलैंगिक महिलाओं ने उससे गुप्त रूप से प्रेम निवेदन किया, और उसने भी उन्हें गुप्त रूप से अस्वीकार किया, लेकिन उनकी मीठी बातों से तंग आकर उसने ऊँची आवाज़ में कहा, "भाग जाओ, शत्रु पक्ष! मुझे शांति से रहने दो, अवांछित प्रस्ताव; अपनी इच्छाओं के साथ दूर हो जाओ, देवियों, क्योंकि मेरी रानी, अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो, मुझे बंदी बनाने और मुझ पर हावी होने की अनुमति केवल अपनी ही देती है;" और ऐसा कहते हुए वह कमरे के

बीचोंबीच फर्श पर बैठ गया, नृत्य में किए गए इस सारे परिश्रम से वह थककर चूर हो गया था।
डॉन एंटोनियो ने उसे उठाकर बिस्तर पर ले जाने का आदेश दिया, और सबसे पहले उसे सांचो ने पकड़ा और ऐसा करते हुए कहा, "हे मेरे स्वामी, आपने बुरे समय में नाचना शुरू कर दिया है; क्या आपको लगता है कि सभी वीर पुरुष नर्तक होते हैं, और सभी योद्धा उछल-कूद करते हैं? यदि ऐसा है, तो मैं आपको बता सकता हूँ कि आप गलत हैं; बहुत से लोग नाचने के बजाय किसी राक्षस को मारना पसंद करेंगे। यदि आप जूते फेंकने का खेल खेल रहे होते तो मैं आपकी जगह ले सकता था, क्योंकि मैं बाज़ की तरह जूते फेंक सकता हूँ; लेकिन मैं नाचने में अच्छा नहीं हूँ।"
इन और अन्य टिप्पणियों से सांचो ने पूरे भोज कक्ष को हँसा दिया, और फिर अपने मालिक को बिस्तर पर लिटा दिया, उन्हें अच्छी तरह से कंबल ओढ़ा दिया ताकि नृत्य के बाद लगी ठंड पसीने के जरिए निकल जाए।
अगले दिन डॉन एंटोनियो ने सोचा कि क्यों न जादुई सिर का परीक्षण किया जाए, और डॉन क्विक्सोट, सांचो और अपने दो अन्य मित्रों के साथ, उन दो महिलाओं को भी साथ लेकर, जिन्होंने डॉन क्विक्सोट को नृत्य-पाठ में थका दिया था और जो डॉन एंटोनियो की पत्नी के साथ रात भर रुकी थीं, उसने खुद को उस कमरे में बंद कर लिया जहाँ सिर रखा था। उसने उन्हें सिर की शक्ति के बारे में बताया और रहस्य उनके हवाले कर दिया, यह कहते हुए कि अब वह पहली बार जादुई सिर की शक्ति का परीक्षण करने जा रहा है; लेकिन डॉन एंटोनियो के दो मित्रों के अलावा किसी और को जादू के रहस्य का पता नहीं था, और यदि डॉन एंटोनियो ने पहले उन्हें इसका खुलासा न किया होता, तो वे भी निश्चित रूप से बाकी लोगों की तरह ही आश्चर्यचकित हो जाते, क्योंकि जादू इतनी चतुराई और कुशलता से रचा गया था।
सबसे पहले सिर के कान के पास डॉन एंटोनियो स्वयं पहुंचे, और धीमी आवाज में, लेकिन इतनी धीमी भी नहीं कि सभी को सुनाई न दे, उन्होंने उससे कहा, "हे सिर, अपने भीतर निहित सद्गुण की कसम खाकर मुझे बताओ कि मैं इस समय क्या सोच रहा हूँ?"
सिर ने बिना होंठ हिलाए, स्पष्ट और सुस्पष्ट आवाज में उत्तर दिया, ताकि सभी सुन सकें, "मैं विचारों का न्याय नहीं कर सकता।"

यह सुनकर सब लोग स्तब्ध रह गए, और उनकी हैरानी तब और बढ़ गई जब उन्होंने देखा कि मेज के पास या पूरे कमरे में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो जवाब दे सके। "हम कितने लोग हैं यहाँ?" डॉन एंटोनियो ने एक बार फिर पूछा; और उन्हें उसी धीमी आवाज़ में जवाब मिला, "तुम और तुम्हारी पत्नी, तुम्हारे और उसकी पत्नी के दो-दो दोस्त, और डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा नाम का एक प्रसिद्ध योद्धा, और उसका एक सहायक, सांचो पांजा।"
अब एक नया आश्चर्य छा गया; अब हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए; और डॉन एंटोनियो सिर से पीछे हटते हुए बोले, "यह मुझे यह दिखाने के लिए काफी है कि जिसने तुम्हें मुझे बेचा है, उसने मुझे धोखा नहीं दिया है, हे बुद्धिमान सिर, बात करने वाला सिर, जवाब देने वाला सिर, अद्भुत सिर! कोई और जाए और इससे जो चाहे प्रश्न पूछे।"
और चूंकि महिलाएं आमतौर पर आवेगशील और जिज्ञासु होती हैं, इसलिए सबसे पहले आगे आने वाली डॉन एंटोनियो की पत्नी की दो सहेलियों में से एक थी, और उसका सवाल था, "बताइए, मुखिया, मैं बहुत सुंदर दिखने के लिए क्या करूँ?" और उसे जवाब मिला, "बहुत विनम्र बनो।"
"मैं तुमसे और कोई प्रश्न नहीं पूछूंगी," सुंदर प्रश्नकर्ता ने कहा।
फिर उसकी सहेली ने आकर कहा, "मैं जानना चाहती हूँ, मुखिया, कि मेरा पति मुझसे प्यार करता है या नहीं।" उसे जवाब मिला, "सोचो कि वह तुम्हारे साथ कैसा व्यवहार करता है, और तुम खुद ही समझ जाओगी।" यह सुनकर वह विवाहित महिला यह कहते हुए चली गई, "इस जवाब के लिए सवाल की ज़रूरत ही नहीं थी; क्योंकि ज़ाहिर है, जैसा व्यवहार किसी के साथ होता है, उससे उसके स्वभाव का पता चलता है।"
तब डॉन एंटोनियो के दो मित्रों में से एक ने आगे बढ़कर उससे पूछा, "मैं कौन हूँ?" उत्तर मिला, "तुम जानते हो।" सज्जन ने कहा, "मैं तुमसे यह नहीं पूछ रहा हूँ, बल्कि यह पूछ रहा हूँ कि क्या तुम मुझे जानते हो?" उत्तर मिला, "हाँ, मैं तुम्हें जानता हूँ, तुम डॉन पेड्रो नोरिज़ हो।"
“मैं और अधिक जानना नहीं चाहता,” उस सज्जन ने कहा, “क्योंकि हे मुखिया, यह मुझे आश्वस्त करने के लिए पर्याप्त है कि तुम सब कुछ जानते हो;” और जैसे ही वह चला गया, दूसरा मित्र आगे आया और उससे पूछा, “हे मुखिया, मुझे बताओ, मेरे सबसे बड़े बेटे की क्या इच्छा है?”

"मैंने पहले ही कहा है," जवाब मिला, "कि मैं इच्छाओं का न्याय नहीं कर सकता; हालांकि, मैं तुम्हें बता सकता हूं कि तुम्हारे बेटे की इच्छा तुम्हें दफनाने की है।"
"मैं अपनी आंखों से जो देखता हूं, उसे उंगली से दिखाता हूं," उस सज्जन ने कहा, "इसलिए मैं और कुछ नहीं पूछता।"
डॉन एंटोनियो की पत्नी आगे आईं और बोलीं, "हे मुखिया, मुझे नहीं पता कि आपसे क्या पूछूँ; मैं बस आपसे यह जानना चाहती हूँ कि क्या मुझे अपने अच्छे पति के साथ कई वर्षों का सुख मिलेगा;" और उन्हें उत्तर मिला, "हाँ, ज़रूर मिलेगा, क्योंकि उनकी शक्ति और संयमित आदतें कई वर्षों के जीवन का वादा करती हैं, जिसे अक्सर अन्य लोग अपने असंयम के कारण छोटा कर देते हैं।"
तब डॉन क्विक्सोट आगे आया और बोला, "मुझे बताओ, उत्तर देने वाले, मोंटेसिनोस की गुफा में मेरे साथ जो घटी, उसका वर्णन मैंने किया है, वह सच थी या सपना? क्या सांचो को कोड़े मारने की रस्म पूरी होगी? क्या डुलसीनिया का जादू टूटेगा?"
"गुफा के सवाल के बारे में," जवाब मिला, "कहने को बहुत कुछ है; इसमें दोनों ही बातें शामिल हैं। सांचो की पिटाई आराम से होगी। डुलसीनिया का मोहभंग अपने उचित अंजाम तक पहुंचेगा।"
"मैं इससे अधिक कुछ जानना नहीं चाहता," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "बस मुझे डुलसीनिया का मोहभंग होते हुए देखने दो, और मैं समझूंगा कि मेरी सारी खुशकिस्मती एक साथ मुझ पर आ पड़ी है।"
अंतिम प्रश्नकर्ता सांचो था, और उसके प्रश्न थे, "मुखिया, क्या मुझे किसी भी तरह से दूसरा शासन मिलेगा? क्या मैं कभी जमींदार के कठिन जीवन से बच पाऊंगा? क्या मैं अपनी पत्नी और बच्चों से मिलने वापस जा पाऊंगा?" जिसका उत्तर आया, "तुम अपने घर में शासन करोगे; और यदि तुम वापस लौटोगे तो तुम अपनी पत्नी और बच्चों से मिल पाओगे; और सेवा छोड़ देने पर तुम जमींदार नहीं रहोगे।"
"वाह, भगवान की कसम!" सांचो पांजा ने कहा; "मैं खुद से भी यही कह सकता था; पैगंबर पेरोग्रुलो इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते थे।"
"तुम क्या उत्तर चाहते हो, जानवर?" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या यह पर्याप्त नहीं है कि इस सिर ने जो उत्तर दिए हैं वे पूछे गए प्रश्नों के अनुरूप हैं?"

"हाँ, यह काफी है," सांचो ने कहा; "लेकिन मुझे अच्छा लगता अगर यह और स्पष्ट होता और मुझे और अधिक जानकारी देता।"
प्रश्न-उत्तर यहीं समाप्त हो गए, लेकिन वह आश्चर्य नहीं जो सभी के मन में था, सिवाय डॉन एंटोनियो के दो मित्रों के, जिन्हें इस रहस्य की जानकारी थी। सिदे हामेट बेनेनगेली ने दुनिया को संदेह में न रखने के लिए, इस रहस्य को तुरंत प्रकट करना उचित समझा, क्योंकि उन्हें लगा कि इस सिर में कोई जादुई रहस्य छिपा है। इसलिए वे कहते हैं कि मैड्रिड में एक मूर्तिकार द्वारा बनाए गए एक अन्य सिर के मॉडल पर, डॉन एंटोनियो ने इसे अपने मनोरंजन के लिए और अज्ञानी लोगों को चकित करने के लिए घर पर बनाया था; और इसकी संरचना इस प्रकार थी। मेज लकड़ी की बनी थी जिस पर जैस्पर की नकल करने के लिए रंग और वार्निश किया गया था, और जिस आधार पर यह रखा था वह भी उसी सामग्री का था, जिसमें से चार चील के पंजे निकले हुए थे ताकि वजन को अधिक मजबूती से सहारा मिल सके। सिर, जो किसी रोमन सम्राट की प्रतिमा जैसा दिखता था और कांस्य रंग का था, पूरी तरह से खोखला था, जैसा कि मेज भी थी, जिसमें इसे इतनी सटीकता से फिट किया गया था कि जोड़ का कोई निशान दिखाई नहीं देता था। मेज का आधार भी खोखला था और सिर के गले और गर्दन से जुड़ा हुआ था, और पूरा ढांचा उस कक्ष के नीचे स्थित एक अन्य कमरे से जुड़ा हुआ था जिसमें सिर रखा था। आधार, मेज, गले और मूर्ति के गले में बनी पूरी खोखली जगह से होकर एक टिन की नली गुजर रही थी जिसे सावधानीपूर्वक इस तरह लगाया गया था कि वह दिखाई न दे। ऊपर वाले कमरे के ठीक नीचे वाले कमरे में वह व्यक्ति बैठा था जिसे उत्तर देना था, उसका मुंह नली से लगा हुआ था, और आवाज, जैसे कान में लगी तुरही की तरह, ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर की ओर जा रही थी, शब्द स्पष्ट और साफ सुनाई दे रहे थे; इस प्रकार, इस चाल का पता लगाना असंभव था। डॉन एंटोनियो का एक भतीजा, जो एक होशियार और तेज दिमाग वाला छात्र था, उत्तर देने वाला था, और जैसा कि उसके चाचा ने उसे पहले ही बता दिया था कि उस दिन उसके साथ सिर वाले कक्ष में कौन लोग आएंगे, उसके लिए पहले प्रश्न का उत्तर तुरंत और सही देना आसान था; बाकी प्रश्नों के उत्तर उसने अनुमान से दिए, और अपनी चतुराई से, उसने चतुराई से दिए। सिडे हैमेट आगे लिखते हैं कि यह अद्भुत युक्ति लगभग दस या बारह दिनों तक कायम रही; लेकिन जब शहर भर में यह बात फैल गई कि डॉन एंटोनियो के घर में एक जादुई सिर है जो सभी के सवालों का जवाब देता है, तो डॉन एंटोनियो को डर था कि कहीं यह बात हमारे धर्म के सतर्क पहरेदारों तक न

पहुँच जाए, इसलिए उन्होंने जांचकर्ताओं को मामला समझाया। जांचकर्ताओं ने उन्हें इसे तोड़कर नष्ट करने का आदेश दिया, ताकि अज्ञानी आम लोग अपमानित न हों। हालाँकि, डॉन क्विक्सोट और सांचो दोनों का मानना था कि वह सिर अब भी जादुई है और सवालों के जवाब देने में सक्षम है, हालाँकि सांचो की तुलना में डॉन क्विक्सोट को इस बात से अधिक संतुष्टि थी।
शहर के सज्जनों ने डॉन एंटोनियो को प्रसन्न करने और डॉन क्विक्सोट का सम्मान करने के लिए, तथा उसे अपनी मूर्खता प्रदर्शित करने का अवसर देने के लिए, उस समय से छह दिनों के भीतर रिंग में तलवारबाजी की प्रतियोगिता आयोजित करने की व्यवस्था की, जो कि, आगे बताए जाने वाले कारणों से, नहीं हो सकी।
डॉन क्विक्सोट को शहर में चुपचाप पैदल घूमने का मन हुआ, क्योंकि उसे डर था कि अगर वह घोड़े पर सवार होकर जाएगा तो लड़के उसका पीछा करेंगे; इसलिए वह, सांचो और डॉन एंटोनियो द्वारा दिए गए दो नौकर सैर के लिए निकल पड़े। एक गली से गुजरते हुए डॉन क्विक्सोट ने ऊपर देखा तो एक दरवाजे पर बड़े अक्षरों में लिखा था, "यहाँ किताबें छपती हैं।" यह देखकर वह बहुत प्रसन्न हुआ, क्योंकि उसने तब तक कोई छपाई का दफ्तर नहीं देखा था और वह यह जानने के लिए उत्सुक था कि वह कैसा होता है। वह अपने सभी साथियों के साथ अंदर गया और देखा कि एक जगह लोग कागज़ बना रहे थे, दूसरी जगह सुधार कर रहे थे, कहीं टाइप लगा रहे थे, कहीं संशोधन कर रहे थे; संक्षेप में, वह सारा काम जो बड़े छपाई के दफ्तरों में देखने को मिलता है। वह एक काउंटर के पास गया और पूछा कि वे वहाँ क्या कर रहे हैं; कामगारों ने उसे बताया, उसने आश्चर्य से उन्हें देखा और आगे बढ़ गया। वह अन्य लोगों के बीच एक आदमी के पास गया और उससे पूछा कि वह क्या कर रहा है। उस मजदूर ने जवाब दिया, "महोदय, यहाँ यह सज्जन" (मनमोहक रूप और गंभीर चेहरे वाले एक व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए) "ने एक इतालवी पुस्तक का हमारी स्पेनिश भाषा में अनुवाद किया है, और मैं इसे प्रिंटिंग के लिए टाइप कर रहा हूँ।"
"किताब का शीर्षक क्या है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा; जिस पर लेखक ने उत्तर दिया, "महोदय, इतालवी में इस किताब का नाम 'ले बागाटेल' है।"
"और ले बागटेल का हमारे स्पेनिश में क्या मतलब है?" डॉन क्विक्सोट ने पूछा।

लेखक ने कहा, "ले बागाटेल का अर्थ है जैसे हम स्पेनिश में कहें 'लॉस जुगुएट्स'; लेकिन यद्यपि पुस्तक का नाम साधारण है, इसमें अच्छी ठोस सामग्री है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझे इतालवी भाषा का थोड़ा-बहुत ज्ञान है, और मैं अरियोस्टो की कुछ कविताएँ गाने में गर्व महसूस करता हूँ; लेकिन महोदय, बताइए—मैं यह आपकी योग्यता परखने के लिए नहीं, बल्कि केवल जिज्ञासावश कह रहा हूँ—क्या आपने कभी अपनी पुस्तक में 'पिग्नट्टा' शब्द देखा है?"
"हां, अक्सर," लेखक ने कहा।
"और आप इसे स्पैनिश में कैसे अनुवाद करेंगे?"
लेखक ने जवाब दिया, "मैं इसे कैसे प्रस्तुत करूँ, सिवाय ओला के?"
डॉन क्विक्सोट ने विस्मित होकर कहा, "हे भगवान! आप इतालवी भाषा में कितने निपुण हैं! मैं शर्त लगा सकता हूँ कि जहाँ इतालवी में piace कहते हैं, वहाँ आप स्पेनिश में place कहते हैं, और जहाँ piu कहते हैं, वहाँ आप mas कहते हैं, और su का अनुवाद arriba और giu का अनुवाद abajo करते हैं।"
लेखक ने कहा, "मैं उनका अनुवाद इसी प्रकार करता हूँ, क्योंकि वे उनके उचित समकक्ष हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मैं शपथपूर्वक कह सकता हूँ कि दुनिया में आपका नाम शायद ही किसी को पता हो, क्योंकि दुनिया हमेशा विलक्षण बुद्धि और सराहनीय कार्यों को पुरस्कृत करने में कंजूसी करती है। कितनी प्रतिभाएँ व्यर्थ ही व्यर्थ पड़ी हैं! कितनी प्रतिभा को कोने में धकेल दिया गया है! कितना महत्व उपेक्षित रह गया है! फिर भी मुझे लगता है कि एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करना, यदि वह ग्रीक और लैटिन जैसी महान भाषाओं से न हो, तो फ्लेमिश टेपेस्ट्री को उल्टी तरफ से देखने जैसा है; क्योंकि यद्यपि आकृतियाँ दिखाई देती हैं, वे धागों से भरी होती हैं जो उन्हें अस्पष्ट बना देती हैं, और वे सीधी तरफ की चिकनाई और चमक के साथ नहीं दिखतीं; और आसान भाषाओं से अनुवाद करना न तो चतुराई और न ही शब्दों पर पकड़ को दर्शाता है, ठीक वैसे ही जैसे एक दस्तावेज़ से दूसरे दस्तावेज़ की नकल करना। लेकिन मेरा इससे यह तात्पर्य नहीं है कि अनुवाद के कार्य को कोई श्रेय नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि एक व्यक्ति इससे भी बुरे और कम लाभदायक कामों में खुद को लगा सकता है। इस आकलन में दो प्रसिद्ध अनुवादकों, डॉक्टर क्रिस्टोबल डी फिगुएरोआ, को शामिल नहीं किया गया है। पास्टर फिदो और डॉन जुआन डी जौरेगुई

ने अपनी रचना 'अमिंटा' में बड़ी चतुराई से यह स्पष्ट नहीं किया है कि कौन सा अनुवाद है और कौन सा मूल पाठ। लेकिन बताइए, क्या आप इस पुस्तक को अपने जोखिम पर छाप रहे हैं, या आपने इसका कॉपीराइट किसी पुस्तक विक्रेता को बेच दिया है?
लेखक ने कहा, "मैं अपने जोखिम पर छाप रहा हूं, और मुझे उम्मीद है कि इस पहले संस्करण से कम से कम एक हजार ड्यूकैट का मुनाफा होगा, जिसकी दो हजार प्रतियां होंगी और जो छह रीयल प्रति प्रति के हिसाब से पलक झपकते ही बिक जाएंगी।"
"तुम तो बड़ी चालाकी से हिसाब लगा रहे हो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "साफ़ है कि तुम्हें प्रिंटरों की अंदरूनी बातें और उनके आपसी मिलीभगत के बारे में कुछ नहीं पता। मैं तुमसे वादा करता हूँ, जब तुम्हारे ऊपर दो हज़ार प्रतियाँ छपने का बोझ आ जाएगा, तो तुम्हें इतना दुख होगा कि तुम हैरान रह जाओगे, खासकर अगर किताब कुछ हटकर हो और उसमें कोई खास मसाला न हो।"
लेखक ने कहा, "क्या! महाराज, क्या आप चाहते हैं कि मैं इसे उस पुस्तक विक्रेता को दे दूं जो कॉपीराइट के लिए तीन मारवेडिस देगा और सोचेगा कि वह मुझ पर एहसान कर रहा है? मैं अपनी किताबें दुनिया में प्रसिद्धि पाने के लिए नहीं छापता, क्योंकि मैं अपने कार्यों से पहले से ही जाना जाता हूं; मैं पैसा कमाना चाहता हूं, जिसके बिना प्रतिष्ठा का कोई मूल्य नहीं है।" "ईश्वर आपको शुभकामनाएं दें," डॉन क्विक्सोट ने कहा; और वह दूसरे मामले की ओर बढ़ गया, जहाँ उसने उन्हें "आत्मा का प्रकाश" शीर्षक वाली एक पुस्तक के एक पृष्ठ को सुधारते हुए देखा; इसे देखकर उसने कहा, "इस तरह की पुस्तकें, यद्यपि ऐसी बहुत सी हैं, वही छपने योग्य हैं, क्योंकि इन दिनों पापियों की संख्या बहुत अधिक है, और अंधकार में डूबे सभी लोगों के लिए अनगिनत प्रकाश की आवश्यकता है।"
वह आगे बढ़ गया, और उसने देखा कि वे एक और किताब को भी सुधार रहे थे, और जब उसने उसका शीर्षक पूछा तो उन्होंने उसे बताया कि उसका नाम "द इंजीनियस जेंटलमैन डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा का दूसरा भाग" है, जिसे टोरडेसिलास में से एक ने लिखा है।
“मैंने इस किताब के बारे में पहले ही सुना है,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और सच कहूँ तो, मुझे लगा था कि अब तक यह एक दखलंदाज़ समझकर राख हो चुकी होगी; लेकिन इसका भी वही हाल होगा जो हर सूअर का होता है; क्योंकि कहानियों में

उतना ही गुण और आकर्षण होता है जितना वे सच्चाई के करीब होती हैं या उसके जैसी लगती हैं; और सच्ची कहानियाँ, जितनी सच्ची होती हैं, उतनी ही अच्छी होती हैं;” और ऐसा कहकर वह कुछ नाराज़गी भरे चेहरे के साथ छपाई कार्यालय से बाहर निकल गया। उसी दिन डॉन एंटोनियो ने उसे समुद्र तट पर खड़ी नौकाएँ दिखाने का इंतज़ाम किया, जिसे देखकर सांचो बहुत खुश हुआ, क्योंकि उसने अपने पूरे जीवन में कभी ऐसी नौकाएँ नहीं देखी थीं। डॉन एंटोनियो ने नौकाओं के कमांडर को संदेश भेजा कि वह अपने मेहमान, ला मांचा के प्रसिद्ध डॉन क्विक्सोट को, जिनके बारे में कमांडर और सभी नागरिकों ने पहले ही सुन लिया था, उसी दोपहर नौकाएँ दिखाने के लिए ला रहा है; और नौकाओं पर क्या हुआ, यह अगले अध्याय में बताया जाएगा।

63

अध्याय
जहाजों की यात्रा के दौरान सांचो पांजा के साथ घटी विपत्ति और सुंदर मोरस्को के विचित्र साहसिक कारनामे की कहानी।
डॉन क्विक्सोट ने जादू से प्रभावित सिर के उत्तर पर गहन चिंतन किया, हालांकि उनमें से एक भी विचार उस तरकीब के रहस्य को उजागर नहीं कर पाया, बल्कि सभी विचार डुलसीनिया के जादू से मुक्ति के वादे पर केंद्रित थे, जिसे वह निश्चितता के रूप में मानता था। उसने इस बात को बार-बार बड़े संतोष के साथ दोहराया, उसे पूरा विश्वास था कि वह जल्द ही इसे पूरा होते देखेगा; और जहाँ तक सांचो की बात है, जैसा कि कहा जा चुका है, उसे शासक बनना नापसंद था, फिर भी उसके मन में आदेश देने और एक बार फिर आज्ञापालन किए जाने की लालसा थी; यही वह दुर्भाग्य है जो सत्ता में होने से, चाहे मजाक में ही क्यों न हो, साथ आता है।
संक्षेप में कहें तो, उसी दोपहर उनके मेज़बान डॉन एंटोनियो मोरेनो और उनके दो मित्र, डॉन क्विक्सोट और सांचो के साथ, नौकाओं पर सवार हुए। कमांडर को पहले ही डॉन क्विक्सोट और सांचो जैसे दो प्रसिद्ध व्यक्तियों के दर्शन के अपने सौभाग्य के बारे में सूचित कर दिया गया था, और जैसे ही वे तट पर पहुँचे, सभी नौकाओं ने अपने शामियाने खोल दिए और तुरही बज उठीं। कीमती कालीनों और लाल मखमल के गद्दों से ढकी एक छोटी नाव तुरंत पानी में उतारी गई, और जैसे ही डॉन क्विक्सोट उस पर सवार हुए, अग्रणी नौका ने अपनी गैंगवे तोप दागी, और अन्य नौकाओं ने भी ऐसा ही किया; और जैसे ही वे दाहिनी ओर की सीढ़ी पर चढ़े, पूरे दल ने (जैसा कि किसी विशिष्ट व्यक्ति के नौका पर आने पर प्रथा है) तीन बार "हू, हू, हू" कहकर उनका अभिवादन किया। जनरल, जिसे हम इसी नाम से पुकारेंगे, एक प्रतिष्ठित वालेंसियाई सज्जन ने उसे अपना हाथ दिया और गले लगाते हुए कहा, "मैं इस दिन को अपने जीवन के सबसे सुखद दिनों में से एक के रूप में एक सफेद पत्थर से अंकित करूंगा, क्योंकि मैंने ला मांचा के सेनर डॉन क्विक्सोट को देखा है, जो एक आदर्श और छवि है जिसमें हमें शूरवीरता के सभी गुण समाहित और संक्षेपित दिखाई देते हैं।"
डॉन क्विक्सोट ऐसे भव्य स्वागत से अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने भी उतने ही विनम्र शब्दों में उत्तर दिया। फिर सभी लोग भव्य रूप से सजे हुए

बीच में कूदकर अपने कोड़े से चालक दल के कंधों पर वार करने लगा और धीरे- धीरे जहाज को समुद्र की ओर खींचने लगा।
जब सांचो ने इतने सारे लाल पैर (जिन्हें उसने चप्पू समझा) एक साथ चलते देखे, तो उसने मन ही मन कहा, "असली मंत्रोच्चार तो इन पैरों का हो रहा है, न कि उन पैरों का जिनके बारे में मेरे गुरु बात करते हैं। इन अभागों ने ऐसा क्या किया होगा कि उन्हें इतनी मार पड़ रही है; और वो अकेला आदमी जो सीटी बजाता हुआ साथ-साथ चल रहा है, इतनी बड़ी संख्या में लोगों को कोड़े मारने की हिम्मत कैसे करता है? मैं कसम खाता हूँ, ये तो नरक है, या कम से कम यातनास्थल तो है ही!"
डॉन क्विक्सोट ने देखा कि सांचो कितनी ध्यान से सब कुछ देख रहा है, तो उसने उससे कहा, "आह, मेरे मित्र सांचो, अगर तुम कमर तक कपड़े उतारकर उन सज्जनों के बीच आ जाओ, तो तुम डुलसीनिया के जादू को कितनी जल्दी और सस्ते में खत्म कर सकते हो! इतने सारे लोगों के दर्द और पीड़ा के बीच तुम्हें अपना दर्द ज़्यादा महसूस नहीं होगा; और शायद बुद्धिमान मर्लिन तुम्हें ये हर कोड़ा, जो तुम पर अच्छे से मारा गया है, उन दस कोड़ों के बराबर गिनने की अनुमति दे जो तुम्हें अंत में खुद को देने होंगे।"
जनरल अभी पूछने ही वाले थे कि ये कोड़े क्या हैं और डुलसीनिया का मोहभंग क्या है, तभी एक नाविक ने कहा, "मोंजुई ने संकेत दिया है कि पश्चिम में तट के पास एक चप्पू वाली नाव है।"
यह सुनकर सेनापति जहाज़ के डंडे पर कूद पड़ा और चिल्लाया, "अब मेरे बेटों, उसे हमें चकमा मत देने दो! यह ज़रूर कोई अल्जीरियाई समुद्री डाकू जहाज़ होगा जिसका संकेत चौकी से मिला है।" बाकी तीन लोग तुरंत मुख्य जहाज़ के पास आकर आदेश लेने लगे। सेनापति ने दो लोगों को समुद्र में जाने का आदेश दिया जबकि वह खुद और बाकी लोग किनारे पर रुके रहे, ताकि जहाज़ उनसे बच न सके। जहाज़ के चालक दल ने इतनी तेज़ी से चप्पू चलाए कि ऐसा लगा मानो जहाज़ उड़ रहे हों। समुद्र में गए दो लोगों ने कुछ मील चलने के बाद एक जहाज़ देखा, जिसे वे जहाँ तक समझ पाए, चौदह या पंद्रह बैंकों में से एक समझ रहे थे, और वह जहाज़ वैसा ही निकला। जैसे ही जहाज़ ने जहाज़ों को देखा, वह अपनी गति से बचने की उम्मीद में मुड़ गया; लेकिन यह प्रयास विफल रहा, क्योंकि मुख्य गैली सबसे तेज़ जहाजों में से एक थी, और उसने इतनी तेज़ी से उसका पीछा किया कि ब्रिगांटाइन पर सवार लोगों को स्पष्ट रूप से समझ आ गया कि

बचने का कोई रास्ता नहीं है, और इसलिए सरदार चाहते थे कि वे अपने चप्पू छोड़ दें और आत्मसमर्पण कर दें ताकि हमारी गैलियों के कप्तान को क्रोधित न किया जा सके। लेकिन संयोगवश, परिस्थितियाँ कुछ और ही थीं, और जैसे ही मुख्य गैली इतनी करीब आई कि जहाज पर सवार लोग उसके आत्मसमर्पण करने के आह्वान को सुन सकें, ब्रिगांटाइन पर सवार दो तोराकी, यानी दो तुर्क, दोनों नशे में धुत, ने अपनी बंदूकें चला दीं, जिससे हमारे जहाज के किनारों पर तैनात दो सैनिक मारे गए। यह देखकर सेनापति ने कसम खाई कि वह जहाज पर मौजूद किसी को भी जीवित नहीं छोड़ेगा, लेकिन जैसे ही वह गुस्से में उस पर टूट पड़ा, वह चप्पू के नीचे से फिसलकर उसके हाथ से निकल गई। गैली काफी आगे निकल गई; जहाज पर सवार लोगों ने अपनी स्थिति को गंभीर होते देखा और जब गैली मुड़ने ही वाली थी, तो उन्होंने पाल खोलकर फिर से चप्पू चलाकर जहाज से दूर जाने की कोशिश की; लेकिन उनकी तत्परता उनके लिए उतनी कारगर नहीं रही जितनी उनकी जल्दबाजी ने उन्हें नुकसान पहुँचाया, क्योंकि गैली लगभग आधा मील की दूरी पर उनके पास पहुँचकर अपने चप्पू उन पर चलाकर उन सभी को जीवित पकड़ लिया। अब अन्य दो गैली भी उनके साथ आ गईं और चारों गैली लूटे गए माल को लेकर तट पर लौट आईं, जहाँ एक विशाल जनसमूह उनका इंतजार कर रहा था, यह देखने के लिए उत्सुक था कि वे क्या लेकर आए हैं। सेनापति ने पास में ही लंगर डाला और देखा कि शहर का वायसराय किनारे पर है। उसने छोटी नाव को उसे लाने के लिए रवाना होने का आदेश दिया और जहाज पर पकड़े गए लगभग छत्तीस लोगों, जो सभी तेजतर्रार और उनमें से अधिकांश तुर्की के बंदूकधारी थे, को तुरंत फांसी देने के लिए रस्सियों को नीचे उतारने का आदेश दिया। उसने पूछा कि ब्रिगांटाइन का रईस कौन है, और कैदियों में से एक (जो बाद में स्पेनिश भगोड़ा साबित हुआ) ने स्पेनिश में जवाब दिया, "यह युवक, महोदय, जिसे आप यहाँ देख रहे हैं, हमारा रईस है," और उसने कल्पना से परे सबसे सुंदर और वीर दिखने वाले युवकों में से एक की ओर इशारा किया। वह बीस वर्ष का भी नहीं लग रहा था।
सेनापति ने कहा, "बताओ, कुत्ते, तुम्हें मेरे सैनिकों को मारने की प्रेरणा कहाँ से मिली, जबकि तुमने देखा कि तुम्हारे लिए भागना असंभव था? क्या बड़े- बड़े सैन्य बलों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है? क्या तुम्हें नहीं पता कि जल्दबाजी वीरता नहीं होती? सफलता की धुंधली संभावनाएँ लोगों को साहसी बनाती हैं, न कि जल्दबाज़ी करने वाला।"

रईस जवाब देने ही वाला था, लेकिन जनरल उस समय उसकी बात नहीं सुन सका, क्योंकि उसे वायसराय का स्वागत करने के लिए जल्दी करनी थी, जो अब गैली पर सवार हो रहा था, और उसके साथ उसके कुछ सेवक और कुछ लोग भी थे।
"आपने बहुत अच्छा पीछा किया, सीनियर जनरल," वायसराय ने कहा।
"महामहिम, आप जल्द ही देखेंगे कि इस आंगन में लटका हुआ शिकार कितना अच्छा है," जनरल ने उत्तर दिया।
"ऐसा कैसे?" वायसराय ने जवाब दिया।
"क्योंकि," जनरल ने कहा, "युद्ध के सभी कानूनों, तर्क और रीति-रिवाजों के विरुद्ध जाकर उन्होंने मेरे हाथों इन गैलियों पर सवार दो सर्वश्रेष्ठ सैनिकों को मार डाला है, और मैंने शपथ ली है कि मैं अपने द्वारा पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति को फांसी दूंगा, लेकिन विशेष रूप से इस युवक को जो ब्रिगांटाइन का सरदार है," और उसने उसकी ओर इशारा किया जो पहले से ही बंधे हाथों और गले में रस्सी के साथ मौत के लिए तैयार खड़ा था।
वायसराय ने उसकी ओर देखा और उसे इतना सुंदर, इतना आकर्षक और इतना विनम्र देखकर, उसके मन में उसकी जान बख्शने की इच्छा जागी। युवक की सुंदरता ने उसे तुरंत सिफारिशी पत्र तैयार करने का अवसर प्रदान किया। इसलिए उसने उससे पूछा, "बताओ, साहब, क्या तुम तुर्क हो, मूर हो या धर्मत्यागी?"
जिस पर युवक ने स्पेनिश में ही उत्तर दिया, "मैं न तो तुर्क हूँ, न मूर हूँ और न ही धर्मत्यागी हूँ।"
"तो तुम कौन हो?" वायसराय ने कहा।
"एक ईसाई महिला," युवक ने उत्तर दिया।
"एक महिला और एक ईसाई, ऐसे वस्त्रों में और ऐसी परिस्थितियों में! यह अविश्वसनीय से कहीं अधिक आश्चर्यजनक है," वायसराय ने कहा।
युवक ने कहा, "सजा के क्रियान्वयन को स्थगित कर दीजिए; मेरे जीवन की कहानी सुनने तक इंतजार करने से आपके प्रतिशोध को ज्यादा नुकसान नहीं होगा।"
इन शब्दों से किसका हृदय इतना कठोर हो सकता है कि वह पिघल न जाए, कम से कम इतना तो पिघल जाए कि उस अभागे युवक की बात सुन ले? सेनापति ने उससे कहा कि वह जो चाहे कहे, लेकिन अपने घोर अपराध के लिए क्षमा की अपेक्षा न करे। इस अनुमति के साथ ही युवक ने बोलना शुरू किया।
मोरिस्को माता-पिता की संतान होने के नाते, मैं उस राष्ट्र का हूँ, जो बुद्धिमानी से अधिक दुर्भाग्यशाली है और जिस पर हाल ही में विपत्तियों का

सागर उमड़ पड़ा है। हमारी बदकिस्मती के दौरान, मेरे दो चाचा मुझे बारबरी ले गए, क्योंकि मैंने यह घोषणा की थी कि मैं ईसाई हूँ, जैसा कि वास्तव में हूँ, और केवल दिखावटी या बाहरी रूप से नहीं, बल्कि एक सच्चा कैथोलिक ईसाई हूँ, और यह कहना व्यर्थ था। हमारे इस दुखद निर्वासन के लिए जिम्मेदार लोगों के सामने इसका विरोध करना व्यर्थ था, और न ही मेरे चाचाओं ने इस पर विश्वास किया; इसके विपरीत, उन्होंने इसे एक झूठ और बहाना माना ताकि मैं अपनी जन्मभूमि में रह सकूँ; और इसलिए, मेरी इच्छा से अधिक बलपूर्वक, वे मुझे अपने साथ ले गए। मेरी माँ ईसाई थीं, और मेरे पिता भी एक समझदार और ईसाई थे; मैंने माँ के दूध के साथ ही कैथोलिक धर्म ग्रहण किया, मेरा पालन-पोषण अच्छे से हुआ, और मुझे लगता है कि न तो शब्दों में और न ही कर्मों में मैंने कभी मोरिस्को होने का कोई संकेत दिखाया। इन गुणों के साथ-साथ, मैं इन्हें अपनाता हूँ। मेरी सुंदरता, अगर मुझमें कोई सुंदरता थी भी, तो मेरी उम्र के साथ बढ़ती गई; और जिस एकांत में मैं रहती थी, वह इतना बड़ा भी नहीं था कि डॉन गैस्पर ग्रेगोरियो नाम के एक युवक, जो हमारे गाँव के पास के एक गाँव के स्वामी के सबसे बड़े बेटे थे, मुझसे मिलने का मौका न निकाल लें। उन्होंने मुझे कैसे देखा, हमारी मुलाकात कैसे हुई, उनका दिल मुझ पर कैसे आ गया और मेरा दिल उनसे कैसे नहीं छिपा रहा, यह सब बताने में बहुत समय लगेगा, खासकर ऐसे समय में जब मुझे डर है कि कहीं वह क्रूर बंधन मेरी जीभ और गले के बीच न आ जाए; इसलिए मैं बस इतना ही कहूँगी कि डॉन ग्रेगोरियो ने हमारे निर्वासन में मेरे साथ जाने का फैसला किया। वह मोरिसको परिवार के साथ शामिल हो गए जो दूसरे गाँवों से जा रहे थे, क्योंकि वह उनकी भाषा अच्छी तरह जानते थे, और यात्रा के दौरान उनकी मेरे दो चाचाओं से दोस्ती हो गई जो मुझे अपने साथ ले जा रहे थे; क्योंकि मेरे पिता, एक बुद्धिमान और दूरदर्शी व्यक्ति की तरह, जैसे ही उन्होंने हमारे निष्कासन का पहला फरमान सुना, गाँव छोड़कर विदेश में हमारे लिए शरण की तलाश में निकल पड़े। एक ऐसी जगह पर, जिसके बारे में सिर्फ़ मुझे ही जानकारी है, बड़ी मात्रा में मोती और बहुमूल्य रत्न, साथ ही सोने के सिक्कों और दोबलूनों के रूप में कुछ धन छिपाकर रखा गया था। उन्होंने मुझे हिदायत दी थी कि अगर किसी भी हालत में उनके लौटने से पहले हमें वहाँ से निकाल दिया जाए, तो मैं खजाने को बिल्कुल न छूऊँ। मैंने उनकी बात मानी और अपने चाचाओं के साथ, जैसा कि मैंने बताया, और अपने कुछ रिश्तेदारों और पड़ोसियों के साथ, बारबरी चली गई और अल्जीयर्स

में अपना ठिकाना बनाया, जो लगभग ऐसा था मानो हम सीधे नरक में आ गए हों। राजा ने मेरी सुंदरता के बारे में सुना और मेरी दौलत के बारे में भी सुना, जो मेरे लिए कुछ हद तक सौभाग्य की बात थी। उन्होंने मुझे अपने सामने बुलाया और पूछा कि मैं स्पेन के किस हिस्से से आई हूँ और मेरे पास कितना धन और गहने हैं। मैंने उस जगह का नाम बताया और कहा कि गहने और धन वहीं दबे हुए हैं; लेकिन अगर मैं खुद वापस जाकर उन्हें ले आऊँ तो वे आसानी से मिल जाएँगे। मैंने यह सब उन्हें इस डर से बताया कि कहीं मेरी सुंदरता ही उन्हें प्रभावित न कर दे, न कि उनका अपना लालच। जब वह बातचीत में मशगूल थे, तब राजा ने मुझसे बात की। मेरे साथ, वे उसे यह खबर लाए कि मेरे साथ एक ऐसा युवक है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती, जो बेहद सुंदर और आकर्षक है। मैं तुरंत समझ गई कि वे डॉन गैस्पर ग्रेगोरियो की बात कर रहे हैं, जिसकी सुंदरता सबसे प्रशंसित सुंदरता को भी मात देती है। मैं उसके खतरे के बारे में सोचकर चिंतित हो गई, क्योंकि उन बर्बर तुर्कों में एक सुंदर युवक को किसी स्त्री से अधिक सम्मान दिया जाता है, चाहे वह कितनी भी सुंदर क्यों न हो। राजा ने तुरंत उसे अपने सामने लाने का आदेश दिया ताकि वह उसे देख सके, और मुझसे पूछा कि क्या युवक के बारे में कही गई बातें सच हैं। तब मैंने, मानो स्वर्ग से प्रेरणा पाकर, उसे बताया कि यह सच है, लेकिन मैं चाहती हूँ कि वह यह जान ले कि वह पुरुष नहीं, बल्कि मेरे जैसी एक स्त्री है, और मैंने उससे विनती की कि मुझे जाकर उसे उसके उचित वस्त्र पहनाने की अनुमति दें, ताकि उसकी सुंदरता पूरी तरह से निखर सके और वह राजा के सामने कम संकोच के साथ उपस्थित हो सके। उसने मुझे हर हाल में जाने को कहा और कहा कि अगले दिन हम छिपे हुए खजाने को ले जाने के लिए स्पेन लौटने की योजना पर चर्चा करेंगे। मैंने डॉन गैस्पर को देखा, मैंने उसे बताया कि अगर उसने यह ज़ाहिर होने दिया कि वह एक पुरुष है तो वह किस खतरे में पड़ जाएगा, मैंने उसे एक मूरिश महिला के वेश में तैयार किया, और उसी दोपहर मैं उसे राजा के सामने ले आई, जो उसे देखकर मोहित हो गया और उसने उस युवती को अपने पास रखने और उसे ग्रैंड सिग्नोर को भेंट करने का निश्चय किया; और अपने हरम की महिलाओं के बीच उसके संभावित खतरे से बचने के लिए, और स्वयं पर अविश्वास करते हुए, उसने उसे कुछ उच्च कोटि की मूरिश महिलाओं के घर में रखने का आदेश दिया जो उसकी रक्षा और देखभाल करेंगी; और उसे तुरंत वहाँ ले जाया गया। हम दोनों ने जो कुछ सहा (क्योंकि मैं यह इनकार नहीं कर सकती कि मैं उससे प्यार करती

हूँ) उसे उन लोगों की कल्पना पर छोड़ा जा सकता है जो एक-दूसरे से बिछड़ जाते हैं यदि वे एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। फिर राजा ने व्यवस्था की कि मैं इस ब्रिगांटाइन में स्पेन लौट जाऊँ, और दो तुर्क, जिन्होंने आपके सैनिकों को मारा था, मेरे साथ जाएँ। मेरे साथ यह स्पेनिश धर्मत्यागी भी आया”—और यहाँ उसने उस व्यक्ति की ओर इशारा किया जिसने पहले बात की थी — “जिसे मैं जानती हूँ कि वह गुप्त रूप से ईसाई है, और अधिक इच्छुक है बारबरी लौटने की बजाय स्पेन में ही रहना बेहतर समझा गया। ब्रिगांटाइन के बाकी चालक दल में मूर और तुर्क लोग थे, जो केवल नाविकों का काम करते थे। दो लालची और उद्दंड तुर्कों ने, मुझे और इस धर्मत्यागी को ईसाई वेश में (जो हमारे पास पहले से ही था) स्पेन की पहली ज़मीन पर उतारने के आदेश का पालन करने के बजाय, तट के किनारे-किनारे भागना और अगर संभव हो तो कुछ लूटना चुना। उन्हें डर था कि अगर वे हमें पहले किनारे पर उतार देते, तो किसी दुर्घटना की स्थिति में, यह पता चल जाता कि ब्रिगांटाइन समुद्र में है, और इस प्रकार, अगर तट पर कोई गैली होती, तो उसे पकड़ लिया जाता। हमने कल रात इस तट को देखा, और इन गैलियों के बारे में कुछ भी न जानते हुए, हम पकड़े गए, और परिणाम वही हुआ जो आपने देखा है। संक्षेप में, डॉन ग्रेगोरियो महिलाओं के वेश में, महिलाओं के बीच, अपने जीवन के आसन्न खतरे में है; और मैं यहाँ, हाथ बंधे हुए, अपने जीवन को खोने की उम्मीद में, या बल्कि डर में हूँ, जिससे मैं पहले से ही थक चुका हूँ। यहाँ, महोदय, मेरी दुख भरी कहानी यहीं समाप्त होती है, जो जितनी सच्ची है उतनी ही दुखद भी; मैं आपसे बस यही विनती करती हूँ कि मुझे एक ईसाई की तरह मरने की अनुमति दें, क्योंकि जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, मुझ पर वह अपराध नहीं थोपा जाना चाहिए जिसके लिए मेरे राष्ट्र के लोग दोषी हैं;" और वह चुपचाप खड़ी रही, उसकी आँखें आँसुओं से भर उठीं, और आस-पास खड़े लोगों की आँखों से भी खूब आँसू बहने लगे। दया से द्रवित होकर वायसराय बिना कुछ बोले उसके पास गए और उस मूरिश लड़की के हाथों में बंधी रस्सी खोल दी।
लेकिन जब तक मोरिसको ईसाई महिला अपनी विचित्र कहानी सुना रही थी, एक बुजुर्ग तीर्थयात्री, जो वायसराय के साथ ही जहाज पर सवार हुआ था, अपनी निगाहें उस पर गड़ाए रहा; और जैसे ही उसने बोलना बंद किया, वह उसके चरणों में गिर पड़ा और उन्हें गले लगाते हुए सिसकियों और आहों से कांपती आवाज में बोला, "ओ एना फेलिक्स, मेरी अभागी बेटी, मैं तेरा पिता रिकोटे हूँ, तुझे

ढूंढने वापस आया हूँ, तेरे बिना जीना मेरे बस में नहीं है, तू मेरी आत्मा है!"
उसके इन शब्दों को सुनकर सांचो ने अपनी आँखें खोलीं और अपना सिर ऊपर उठाया, जिसे वह अपनी दुर्भाग्यपूर्ण यात्रा पर विचार करते हुए नीचे दबाए हुए था; और उस तीर्थयात्री को देखकर उसने उसमें वही रिकोटे पहचाना जिससे वह उस दिन मिला था जब उसने अपना शासन छोड़ा था, और उसे यह जानकर संतोष हुआ कि यह उसकी बेटी है। बंधन मुक्त होकर उसने अपने पिता को गले लगाया और उनके आँसुओं में अपने आँसू भी मिला लिए। वहीं, पिता ने सेनापति और वायसराय को संबोधित करते हुए कहा, "महोदय, यह मेरी पुत्री है, जो अपने नाम से कहीं अधिक दुर्भाग्यशाली अपने अनुभवों के कारण है। यह एना फेलिक्स है, जिसका उपनाम रिकोटे है, जो अपनी सुंदरता और मेरी संपत्ति दोनों के लिए प्रसिद्ध है। मैं अपने देश को छोड़कर विदेश में किसी आश्रय या शरण की तलाश में निकला था, और जर्मनी में आश्रय पाकर मैं कुछ अन्य जर्मन तीर्थयात्रियों के साथ इस तीर्थयात्री के वेश में अपनी पुत्री को खोजने और अपने द्वारा दफनाए गए खजाने को लेने के लिए लौटा। मुझे मेरी पुत्री नहीं मिली, लेकिन खजाना मिल गया जो मेरे पास है; और अब, इस विचित्र घुमावदार रास्ते से, जैसा कि आपने देखा है, मुझे वह खजाना मिल गया है जो मुझे सबसे अधिक समृद्ध बनाता है, मेरी प्रिय पुत्री। यदि हमारी निर्दोषता और उसके और मेरे आँसू न्याय के साथ दया का द्वार खोल सकते हैं, तो कृपया हमें भी दया दिखाएँ, क्योंकि हमारा आपको हानि पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था, और न ही हम अपने उन लोगों के उद्देश्यों के प्रति सहानुभूति रखते हैं जिन्हें न्यायसंगत रूप से निर्वासित किया गया है।"
इस पर सांचो ने कहा, "मैं रिकोटे को अच्छी तरह जानता हूँ, और मैं यह भी जानता हूँ कि एना फेलिक्स के उसकी बेटी होने के बारे में वह जो कहता है वह सच है; लेकिन आने-जाने और अच्छे या बुरे इरादों से संबंधित अन्य बातों के बारे में मैं कुछ नहीं कहूँगा।"
जब वहाँ मौजूद सभी लोग इस विचित्र घटना को देखकर अचंभित थे, तब सेनापति ने कहा, "कम से कम तुम्हारे आँसू मुझे अपनी शपथ निभाने नहीं देंगे; हे प्यारी एना फेलिक्स, तुम स्वर्ग द्वारा निर्धारित सभी वर्षों तक जियो; लेकिन इन उतावले और उद्दंड लोगों को अपने किए गए अपराध का दंड भुगतना ही होगा।" और इतना कहकर उन्होंने अपने दो सैनिकों की हत्या करने वाले दोनों तुर्कों को

तुरंत फाँसी देने का आदेश दिया। हालाँकि, वायसराय ने उनसे विनती की कि उन्हें फाँसी न दी जाए, क्योंकि उनका व्यवहार वीरता से अधिक पागलपन जैसा लग रहा था। सेनापति ने वायसराय का अनुरोध मान लिया, क्योंकि ठंडे खून से बदला लेना आसान नहीं होता। फिर उन्होंने डॉन गैस्पर ग्रेगोरियो को उस खतरे से बचाने की कोई योजना बनाने की कोशिश की जिसमें उन्हें छोड़ दिया गया था। रिकोटे ने इसके लिए अपने पास मौजूद दो हजार से अधिक ड्यूकैट मोती और रत्नों के रूप में देने की पेशकश की। उन्होंने कई योजनाएँ प्रस्तावित कीं, लेकिन कोई भी उस भगोड़े की योजना जितनी अच्छी नहीं थी जिसका पहले उल्लेख किया गया था। उस भगोड़े ने लगभग छह पाल वाली एक छोटी नाव में, ईसाई नाविकों के साथ अल्जीयर्स लौटने की पेशकश की, क्योंकि वह जानता था कि वह कहाँ, कैसे और कब उतर सकता है और उसे उतरना चाहिए, और वह उस घर से भी अनजान नहीं था जिसमें डॉन गैस्पर ठहरे हुए थे। सेनापति और वायसराय को भगोड़े पर भरोसा करने और उसे नाविकों की ज़िम्मेदारी सौंपने में कुछ हिचकिचाहट थी, लेकिन एना फेलिक्स ने कहा कि वह उनकी ओर से जवाब दे सकती है, और उसके पिता ने पेशकश की कि अगर किसी भी कारण से ईसाई नहीं आते हैं तो वह जाकर उनकी फिरौती अदा करेंगे। इस पर सहमति बनने के बाद, वायसराय उतरे, और डॉन एंटोनियो मोरेनो सुंदर मोरिसको और उसके पिता को अपने साथ घर ले गए। वायसराय ने उन्हें निर्देश दिया कि वे उनका सर्वोत्तम स्वागत करें, जबकि स्वयं उन्होंने उनके मनोरंजन के लिए घर में मौजूद सभी चीज़ें देने की पेशकश की; एना फेलिक्स की सुंदरता ने उनके हृदय में इतनी सद्भावना और दयालुता भर दी थी।

64

अध्याय
उस घटना का वर्णन जिसने डॉन क्विक्सोट को अब तक की सभी विपत्तियों से कहीं अधिक दुख दिया।
इतिहास के अनुसार, डॉन एंटोनियो मोरेनो की पत्नी एना फेलिक्स को अपने घर में देखकर बेहद प्रसन्न हुईं। उन्होंने उनका बड़े स्नेह से स्वागत किया, उनकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता दोनों से प्रभावित होकर; क्योंकि सुंदर मोरिसको एना फेलिक्स दोनों ही मामलों में अद्वितीय थीं, और शहर के सभी लोग उन्हें देखने के लिए ऐसे उमड़ पड़े मानो घंटियों की आवाज से बुलावा आया हो।
डॉन क्विक्सोट ने डॉन एंटोनियो से कहा कि डॉन ग्रेगोरियो को रिहा करने के लिए अपनाई गई योजना अच्छी नहीं थी, क्योंकि इसके जोखिम इसके फायदों से कहीं अधिक थे, और बेहतर होगा कि वह अपने हथियारों और घोड़े के साथ बारबरी में उतर जाए; क्योंकि वह उसे पूरी मूरिश सेना के बावजूद, उसी तरह ले जाएगा जैसे डॉन गैफेरोस अपनी पत्नी मेलिसेंद्रा को ले गया था।
"महोदय, याद रखिए," सांचो ने उसे ऐसा कहते हुए सुनकर कहा, "सेनोर डॉन गैफेरोस अपनी पत्नी को मुख्य भूमि से ले गए और उन्हें ज़मीन के रास्ते फ्रांस ले गए; लेकिन इस मामले में, अगर हम गलती से डॉन ग्रेगोरियो को ले भी जाते हैं, तो हमारे पास उन्हें स्पेन लाने का कोई रास्ता नहीं है, क्योंकि बीच में समुद्र है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मौत को छोड़कर हर चीज का इलाज है; अगर वे जहाज को किनारे के करीब ले आएं तो हम उस पर सवार हो सकेंगे, चाहे पूरी दुनिया हमें रोकने की कितनी भी कोशिश करे।"
"महामहिम, आपकी बात बहुत अच्छी और आसानी से समझ में आ जाती है," सांचो ने कहा; "लेकिन 'कहने और करने में बहुत फर्क होता है;' और मैं उस बागी का साथ देता हूँ, क्योंकि वह मुझे एक ईमानदार और नेक दिल इंसान लगता है।"
डॉन एंटोनियो ने कहा कि यदि वह भगोड़ा सफल नहीं हुआ, तो महान डॉन क्विक्सोट के बारबरी अभियान की रणनीति अपनाई जानी चाहिए। दो दिन बाद, भगोड़ा छह चप्पू वाली एक छोटी नाव में, जिसमें एक मजबूत दल सवार था, समुद्र में उतरा, और दो दिन बाद जहाज पूर्व की ओर रवाना हो गया। सेनापति ने वायसराय से डॉन

ग्रेगोरियो की रिहाई और एना फेलिक्स के बारे में सारी जानकारी देने का अनुरोध किया, और वायसराय ने उनकी बात मानने का वादा किया।
एक सुबह जब डॉन क्विक्सोट पूरी तरह से कवच पहने समुद्र तट पर टहलने निकले (क्योंकि जैसा कि वे अक्सर कहते थे, यही "उनका एकमात्र हथियार, युद्ध में उनका एकमात्र विश्राम" था, और वे एक पल के लिए भी इसके बिना नहीं रहते थे), तो उन्होंने अपनी ओर एक शूरवीर को आते देखा, जो स्वयं भी पूरी तरह से कवच पहने हुए था और जिसकी ढाल पर एक चमकता हुआ चंद्रमा चित्रित था। जब वह इतनी पास आ गया कि उसकी आवाज सुनाई दे, तो उसने ऊँची आवाज में डॉन क्विक्सोट को संबोधित करते हुए कहा, "हे प्रख्यात शूरवीर, और कभी भी पर्याप्त रूप से प्रशंसित न हुए ला मांचा के डॉन क्विक्सोट, मैं श्वेत चंद्रमा का शूरवीर हूँ, जिसकी अनसुनी उपलब्धियाँ शायद तुम्हें याद दिला देंगी। मैं तुमसे युद्ध करने और तुम्हारी भुजाओं की शक्ति को परखने आया हूँ, ताकि मैं तुम्हें यह स्वीकार करने और कबूल करने पर मजबूर कर सकूँ कि मेरी महिला, चाहे वह कोई भी हो, तुम्हारी डुलसीनिया डेल टोबोसो से कहीं अधिक सुंदर है। यदि तुम इसे ईमानदारी और खुले तौर पर स्वीकार करते हो, तो तुम मृत्यु से बच जाओगे और मुझे तुम्हें मृत्यु देने की परेशानी से बचाओगे; यदि यदि तुम मुझसे लड़ो और मैं तुम्हें हरा दूँ, तो मैं इसके अलावा कोई और संतुष्टि नहीं चाहता कि तुम हथियार डाल दो और साहसिक यात्राओं से दूर रहकर एक वर्ष के लिए अपने गाँव लौट जाओ और वहाँ बिना तलवार उठाए शांति, सुकून और विश्राम से रहो, क्योंकि यही तुम्हारे धन-संपत्ति में वृद्धि और आत्मा के उद्धार के लिए आवश्यक है; और यदि तुम मुझे हरा दो, तो मेरा सिर तुम्हारे अधीन होगा, मेरे हथियार और घोड़े तुम्हारी लूट होंगे, और मेरे कर्मों का यश तुम्हारे नाम हो जाएगा। सोचो कि तुम्हारे लिए सबसे अच्छा मार्ग कौन सा होगा, और मुझे शीघ्र उत्तर दो, क्योंकि इस कार्य को निपटाने के लिए मेरे पास आज का ही समय है।
डॉन क्विक्सोट श्वेत चंद्रमा के शूरवीर के अहंकार और चुनौती देने के कारण दोनों से चकित और हैरान थे, और उन्होंने शांत गरिमा के साथ उत्तर दिया, "श्वेत चंद्रमा के शूरवीर, जिनके कारनामों के बारे में मैंने अब तक कभी नहीं सुना, मैं शपथ लेकर कह सकता हूँ कि आपने कभी भी विख्यात डुलसीनिया को नहीं देखा है; क्योंकि यदि आपने उन्हें देखा होता तो मुझे पता है कि आप इस मुद्दे पर खुद को जोखिम में नहीं डालते, क्योंकि उस दृश्य ने आपके मन से यह

संदेह दूर कर दिया होता कि कभी कोई ऐसी सुंदरता रही है या हो सकती है जिसकी तुलना उनसे की जा सके; और इसलिए, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि आप झूठ बोल रहे हैं, बल्कि केवल यह कह रहा हूँ कि आप जो कह रहे हैं वह सही नहीं है, मैं आपकी चुनौती को, आपके द्वारा प्रस्तावित शर्तों के साथ, तुरंत स्वीकार करता हूँ, ताकि आपके द्वारा निर्धारित दिन समाप्त न हो; और आपकी शर्तों में से मैं केवल एक शर्त को छोड़कर, आपकी उपलब्धियों की प्रसिद्धि मुझे हस्तांतरित न होने की शर्त को स्वीकार करता हूँ, क्योंकि मैं नहीं जानता कि वे किस प्रकार की हैं और उनका क्या महत्व है; मैं अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट हूँ, जैसी भी हैं। इसलिए, आप मैदान का जो भी पक्ष चुनें, मैं भी वही करूँगा; और जिसे ईश्वर यह वरदान दे, संत पीटर उसे अपना आशीर्वाद दें। श्वेत चंद्रमा के शूरवीर को शहर से देखा गया था, और वायसराय को बताया गया था कि वह डॉन क्विक्सोट से बातचीत कर रहा है। वायसराय को लगा कि यह डॉन एंटोनियो मोरेनो या शहर के किसी अन्य सज्जन द्वारा रची गई कोई नई साजिश होगी, इसलिए वह डॉन एंटोनियो और कई अन्य सज्जनों के साथ तुरंत समुद्र तट की ओर दौड़ा, ठीक उसी समय जब डॉन क्विक्सोट आवश्यक दूरी बनाने के लिए रोसिनांटे को घुमा रहा था। यह देखकर वायसराय ने देखा कि वे दोनों स्पष्ट रूप से आक्रमण करने की तैयारी कर रहे थे, इसलिए वह उनके बीच में खड़ा हो गया और उनसे पूछा कि आखिर क्या बात है जिसने उन्हें अचानक इस तरह युद्ध में उलझा दिया। श्वेत चंद्रमा के शूरवीर ने उत्तर दिया कि यह सुंदरता की श्रेष्ठता का प्रश्न था; और उसने संक्षेप में बताया कि उसने डॉन क्विक्सोट से क्या कहा था, और दोनों पक्षों द्वारा चुनौती की शर्तों पर कैसे सहमति बनी थी। वायसराय डॉन एंटोनियो के पास गया और धीमी आवाज में पूछा कि क्या वह जानता है कि श्वेत चंद्रमा का शूरवीर कौन है, या यह डॉन क्विक्सोट के साथ किया गया कोई मजाक है। डॉन एंटोनियो ने जवाब दिया कि वह न तो जानता है कि वह कौन है और न ही यह कि उसकी चुनौती मज़ाक में थी या गंभीरता से। इस जवाब ने वायसराय को असमंजस में डाल दिया, वह समझ नहीं पा रहा था कि उसे लड़ाई जारी रखनी चाहिए या नहीं; लेकिन खुद को यह समझाने में असमर्थ कि यह सिर्फ एक मज़ाक था, वह पीछे हट गया और बोला, "अगर वीर योद्धाओं, कबूल करने या मरने के अलावा कोई और रास्ता न हो, और डॉन क्विक्सोट अटल है, और सफेद चंद्रमा के प्रति आपकी पूजा उससे भी कहीं अधिक अटल है, तो इसे ईश्वर के हाथों में छोड़ दो, और आगे बढ़ो।"

श्वेत चंद्रमा वाले ने विनम्र और सुविचारित शब्दों में वायसराय को अनुमति देने के लिए धन्यवाद दिया, और डॉन क्विक्सोट ने भी ऐसा ही किया। फिर, जैसा कि वह किसी भी आगामी युद्ध की पूर्व संध्या पर करता था, उसने पूरे मन से स्वर्ग और अपनी डुलसीनिया को प्रणाम किया और थोड़ा और आगे बढ़ा, क्योंकि उसने देखा कि उसका प्रतिद्वंद्वी भी ऐसा ही कर रहा था। फिर, बिना तुरही या किसी अन्य युद्ध वाद्ययंत्र को बजाए, जो उन्हें आक्रमण का संकेत देता, दोनों ने एक ही क्षण में अपने घोड़ों को मोड़ा। श्वेत चंद्रमा वाला, जो अधिक तेज था, दो-तिहाई दूरी तय करने के बाद डॉन क्विक्सोट से मिला और वहाँ उससे इतनी भयंकर टक्कर ली कि बिना अपने भाले से उसे छुए (क्योंकि उसने जानबूझकर उसे ऊपर उठा रखा था), उसने डॉन क्विक्सोट और रोसिनांटे को जमीन पर पटक दिया, जो एक खतरनाक गिरावट थी। वह तुरंत उस पर झपटा और भाला उसके मुखौटे पर रखकर उससे कहा, "हे शूरवीर, तुम पराजित हो चुके हो, बल्कि मर चुके हो जब तक कि तुम हमारी चुनौती की शर्तें स्वीकार नहीं करते।"
डॉन क्विक्सोट, घायल और स्तब्ध, अपना मुखौटा उठाए बिना, कमजोर और दयनीय स्वर में बोला, मानो वह किसी कब्र से बोल रहा हो, "डुल्सीनिया डेल टोबोसो दुनिया की सबसे सुंदर स्त्री है, और मैं धरती का सबसे दुर्भाग्यशाली योद्धा; यह उचित नहीं कि यह सत्य मेरी कमजोरी के कारण दब जाए; हे योद्धा, अपना भाला मुझ पर चलाओ और मेरी जान ले लो, क्योंकि तुमने मेरा सम्मान छीन लिया है।"
"सचमुच, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा," श्वेत चंद्रमा के बारे में उसने कहा; "मैं लेडी डुलसीनिया की सुंदरता की प्रसिद्धि को पहले की तरह ही बरकरार रखूंगा; मेरी बस यही इच्छा है कि महान डॉन क्विक्सोट एक साल के लिए या उतने समय के लिए अपने घर लौट जाएं, जितना समय मैं उन्हें इस लड़ाई में शामिल होने से पहले तय करूंगा।"
वायसराय डॉन एंटोनियो और वहाँ मौजूद कई अन्य लोगों ने यह सब सुना, और यह भी सुना कि डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया कि जब तक उससे डुलसीनिया के हित में कुछ भी नहीं माँगा जाता, वह एक सच्चे और वफादार योद्धा की तरह सभी नियमों का पालन करेगा। वचन देते ही, श्वेत चंद्रमा के स्वामी ने मुड़कर, सिर हिलाकर वायसराय को प्रणाम किया और पूरी रफ्तार से घोड़े पर सवार होकर शहर की ओर चल दिया। वायसराय ने डॉन एंटोनियो को उसके पीछे जाने और किसी भी तरह

पता लगाने का आदेश दिया कि वह कौन है। उन्होंने डॉन क्विक्सोट को उठाया और उसका चेहरा खोला, तो पाया कि वह पीला पड़ा हुआ था और पसीने से तरबतर था। रोसिनांटे को जो कठोर दंड मिला था, उससे वह स्थूल रूप से हिलने-डुलने में असमर्थ था। सांचो पूरी तरह से निराश और दुखी था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे और क्या करे। उसे लगा कि यह सब एक सपना है, कि सारा मामला जादू का खेल है। उसका स्वामी पराजित हो चुका था, और एक वर्ष तक हथियार न उठा पाने के लिए बाध्य था। उसने अपनी उपलब्धियों की महिमा का प्रकाश धूमिल होते देखा; हाल ही में किए गए वादों की आशाएँ हवा में धुएँ की तरह उड़ गईं; उसे डर था कि रोसिनांटे जीवन भर के लिए अपाहिज हो गया है, और उसके स्वामी की हड्डियाँ अपनी जगह से हट गई हैं; क्योंकि अगर वह अपने पागलपन से बाहर आ भी जाए तो यह कोई छोटी बात नहीं होगी। अंत में वे उसे एक कुर्सी पर बिठाकर शहर ले गए, जिसे वायसराय ने मंगवाया था, और स्वयं वायसराय यह पता लगाने के लिए वापस शहर लौट आया कि यह श्वेत चंद्रमा का योद्धा कौन था जिसने डॉन क्विक्सोट को इतनी दयनीय स्थिति में छोड़ दिया था।

65

अध्याय
जिसमें सफेद चंद्रमा के योद्धा का नाम बताया गया है; साथ ही डॉन ग्रेगोरियो की रिहाई और अन्य घटनाओं का भी उल्लेख है।
डॉन एंटोनिया मोरेनो ने श्वेत चंद्रमा के शूरवीर का पीछा किया, और कई लड़के भी उसके पीछे-पीछे चले, बल्कि उसका तब तक पीछा करते रहे जब तक कि उन्होंने उसे शहर के मध्य में स्थित एक सराय में अच्छी तरह से ठहरा नहीं दिया। डॉन एंटोनियो, उससे जान-पहचान करने के लिए उत्सुक होकर, अंदर गया; एक सहायक उससे मिलने और उसका कवच उतारने के लिए बाहर आया, और उसने खुद को एक निचले कमरे में बंद कर लिया, जहाँ अभी भी डॉन एंटोनियो उसकी सेवा में था, जिसने तब तक रोटी नहीं पकाई जब तक कि उसे पता नहीं चल गया कि वह कौन है। श्वेत चंद्रमा वाले ने देखा कि वह सज्जन उसे छोड़कर नहीं जा रहे हैं, तो उसने कहा, "मैं भली-भांति जानता हूँ, महोदय, किसलिए आए हैं; आप यह जानने आए हैं कि मैं कौन हूँ; और चूंकि मेरे पास आपसे कुछ छिपाने का कोई कारण नहीं है, इसलिए जब तक मेरा सेवक मेरा कवच उतार रहा है, मैं आपको सारी सच्चाई बिना कुछ छिपाए बता दूँगा। महोदय, आपको यह अवश्य ही ज्ञात होगा कि मेरा नाम

कुंवारा सैमसन कैरास्को है। मैं उसी गाँव का हूँ जहाँ से ला मांचा का डॉन क्विक्सोट है, जिसकी सनक और मूर्खता हम सभी को, जो उसे जानते हैं, उस पर दया करने पर मजबूर कर देती है, और मैं उन लोगों में से हूँ जिन्होंने सबसे अधिक दया महसूस की है; और यह सोचकर कि उसके ठीक होने की संभावना घर में शांति और एकांत में रहने में है, मैंने उसे वहीं रोकने की एक युक्ति सोची। इसलिए, तीन महीने पहले, मैं दर्पणों के शूरवीर के छद्म नाम से एक वीर योद्धा के रूप में उससे मिलने निकला, उससे युद्ध करने और उसे बिना चोट पहुँचाए हराने के इरादे से, और युद्ध की शर्त यह रखी कि पराजित व्यक्ति मेरे अधीन होगा। विजेता। मैं उससे यह माँग करना चाहता था (क्योंकि मैं उसे पहले ही पराजित मान चुका था) कि वह अपने गाँव लौट जाए और पूरे एक साल तक वहाँ से न निकले, तब तक शायद वह ठीक हो जाए। लेकिन भाग्य को कुछ और ही मंजूर था, क्योंकि उसने मुझे पराजित कर दिया और घोड़े से गिरा दिया, और इस तरह मेरी योजना विफल हो गई। वह अपने रास्ते चला गया, और मैं पराजित होकर, शर्म से लथपथ, और अपने गिरने से बुरी तरह घायल होकर वापस आया, जो विशेष रूप से खतरनाक था। लेकिन इससे उससे दोबारा मिलने और उसे हराने की मेरी इच्छा कम नहीं हुई, जैसा कि आपने आज देखा है। और चूंकि वह शूरवीरता के नियमों का पालन करने में इतना ईमानदार है, इसलिए वह निस्संदेह, अपने वचन का पालन करने के लिए, मेरे द्वारा दिए गए आदेश का पालन करेगा। महोदय, मामला यही है, और मुझे आपको इससे अधिक कुछ नहीं बताना है। मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप मुझे धोखा न दें, या डॉन क्विक्सोट को यह न बताएँ कि मैं कौन हूँ; ताकि मेरे ईमानदार प्रयास सफल हों, और एक उत्कृष्ट बुद्धि वाला व्यक्ति—यदि वह केवल "वीरता के दिखावे से छुटकारा पाना—हो सकता है कि वे फिर से वापस आ जाएं।"
"ओ सेनोर," डॉन एंटोनियो ने कहा, "ईश्वर आपको क्षमा करे, आपने इस दुनिया के सबसे मनोरंजक पागल को होश में लाने की कोशिश में पूरी दुनिया के साथ अन्याय किया है। क्या आप नहीं देखते, सेनोर, कि डॉन क्विक्सोट के होश में आने से जो लाभ होगा, वह उसके पागलपन से मिलने वाले आनंद के बराबर कभी नहीं हो सकता? लेकिन मेरा मानना है कि सेनोर कुंवारे के सारे प्रयास एक ऐसे व्यक्ति को होश में लाने में व्यर्थ होंगे जो पूरी तरह से पागल हो चुका है; और अगर यह अनुचित न होता, तो मैं कहता कि डॉन क्विक्सोट कभी ठीक न हो, क्योंकि उसके ठीक होने से हम न केवल उसकी अपनी मजाकिया हरकतों को खो देंगे, बल्कि उसके साथी सांचो पांजा की भी, जिनमें से कोई भी उदासी को हंसी में

बदलने के लिए काफी है। खैर, मैं चुप रहूंगा और उससे कुछ नहीं कहूंगा, और हम देखेंगे कि क्या मेरा यह संदेह सही है कि सेनोर कैरास्को के प्रयास निष्फल होंगे।"
उस कुंवारे ने उत्तर दिया कि हर हाल में यह मामला अच्छा ही लग रहा है और वह इससे सुखद परिणाम की आशा करता है; और डॉन एंटोनियो की सेवा में अपनी सेवाएं देते हुए उसने उनसे विदा ली; और तुरंत अपने कवच को एक खच्चर पर लादकर, वह उसी दिन उसी घोड़े पर सवार होकर शहर से निकल गया जिस पर वह युद्ध में गया था, और बिना किसी ऐसी घटना का सामना किए अपने देश लौट आया जिसे इस सत्यपरक इतिहास में दर्ज करने की आवश्यकता हो।
डॉन एंटोनियो ने वाइसराय को बताया कि कैरास्को ने उसे क्या बताया था, और वाइसराय यह सुनकर बहुत खुश नहीं हुआ, क्योंकि डॉन क्विक्सोट के एकांतवास के साथ ही उन सभी लोगों का मनोरंजन समाप्त हो गया था जो उसके पागलपन भरे कारनामों के बारे में कुछ भी जानते थे।
डॉन क्विक्सोट छह दिनों तक बिस्तर पर पड़ा रहा, निराश, उदास, चिड़चिड़ा और बेचैन, अपनी हार की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर विचार करता रहा। सांचो ने उसे दिलासा देने की कोशिश की और अन्य बातों के साथ-साथ उससे कहा, "महोदय, हिम्मत रखिए और अगर हो सके तो खुश रहिए, और ईश्वर का शुक्र अदा कीजिए कि अगर आप ज़मीन पर गिरे भी हैं तो आपकी पसली नहीं टूटी; और जैसा कि आप जानते हैं कि 'जहाँ देते हैं वहाँ लेते हैं', और 'जहाँ खूंटे होते हैं वहाँ हमेशा खूंटे नहीं होते', इसलिए डॉक्टर को छोड़िए, क्योंकि इस बीमारी को ठीक करने के लिए उसकी कोई ज़रूरत नहीं है। चलिए घर चलते हैं, और अनजान देशों और जगहों पर रोमांच की तलाश में घूमना छोड़ देते हैं; सही मायने में देखा जाए तो ज़्यादा नुकसान मेरा ही हुआ है, हालाँकि आपके साथ ही सबसे बुरा बर्ताव हुआ है। सरकार के साथ मैंने फिर से राज्यपाल बनने की सारी इच्छा छोड़ दी, लेकिन मैंने काउंट बनने की सारी लालसा नहीं छोड़ी; और अगर आप शूरवीरता का पेशा छोड़कर राजा बनने का सपना छोड़ देते हैं तो यह कभी पूरा नहीं होगा; और इसलिए मेरी सारी उम्मीदें धुएँ में बदल जाएँगी।"
"शांति बनाए रखो, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "तुम देख रहे हो कि मेरा निलंबन और सेवानिवृत्ति एक वर्ष से अधिक नहीं होगी; मैं जल्द ही अपने सम्मानित पेशे में लौट आऊंगा, और मुझे जीतने के लिए एक राज्य और तुम्हें देने के लिए एक काउंटी की कमी नहीं होगी।"

"ईश्वर इसे सुने और पाप बहरा हो जाए," सांचो ने कहा; "मैंने हमेशा सुना है कि 'अच्छी आशा बुरी स्थिति से बेहतर होती है।'"
जब वे बातें कर रहे थे, तभी डॉन एंटोनियो अत्यंत प्रसन्न होकर अंदर आया और बोला, "मेरी इस खुशखबरी के लिए मुझे इनाम दीजिए, सेनर डॉन क्विक्सोट! डॉन ग्रेगोरियो और उसका पीछा करने वाला भगोड़ा किनारे आ गए हैं—किनारे आ गए हैं? वे इस समय तक वायसराय के घर में होंगे, और तुरंत यहाँ आ जाएँगे।"
डॉन क्विक्सोट थोड़ा खुश हुआ और बोला, "सच कहूँ तो मैं लगभग यही कहना चाहता हूँ कि अगर सब कुछ उल्टा हुआ होता तो मुझे खुशी होती, क्योंकि तब मुझे बारबरी जाना पड़ता, जहाँ मैं अपनी शान से न केवल डॉन ग्रेगोरियो को, बल्कि बारबरी में बंद सभी ईसाई कैदियों को आज़ाद करा देता। लेकिन मैं क्या कह रहा हूँ, मैं तो बस एक दयनीय प्राणी हूँ? क्या मैं वही नहीं हूँ जिसे हराया गया है? क्या मैं वही नहीं हूँ जिसे एक साल तक हथियार नहीं उठाने चाहिए? तो फिर मैं ये सब बातें क्यों कर रहा हूँ; मैं किस बात का घमंड कर रहा हूँ; जबकि मेरे लिए तलवार से ज़्यादा चरखा चलाना बेहतर है?"
“बस करो, महोदय,” सांचो ने कहा; “मुर्गी को जीने दो, चाहे उसकी जान ही क्यों न निकल जाए; आज तुम्हारे लिए और कल मेरे लिए; इन मुठभेड़ों और मार-पीटों में किसी को परवाह नहीं करनी चाहिए, क्योंकि जो आज गिरता है वह कल उठ सकता है; जब तक कि वह बिस्तर पर पड़े रहना न चाहे, मेरा मतलब है कि वह कमजोरी के आगे हार मान ले और नई लड़ाइयों के लिए नई ऊर्जा न जुटाए; महोदय, अब उठिए और डॉन ग्रेगोरियो का स्वागत कीजिए; क्योंकि घर में हलचल लग रही है, और निस्संदेह वह अब तक आ चुके होंगे;” और ऐसा ही हुआ, क्योंकि जैसे ही डॉन ग्रेगोरियो और भगोड़े ने वायसराय को आने-जाने की यात्रा का ब्यौरा दिया, एना फेलिक्स से मिलने के लिए उत्सुक डॉन ग्रेगोरियो, भगोड़े के साथ डॉन एंटोनियो के घर आ गए। जब वे उसे अल्जीयर्स से ले जा रहे थे तो उसने स्त्री के वस्त्र पहने हुए थे; हालाँकि, जहाज पर उसने अपने साथ भागे एक कैदी के वस्त्रों से अपने वस्त्र बदल लिए; लेकिन चाहे उन्होंने कोई भी वेश धारण किया हो, वे प्रेम, सेवा और सम्मान के पात्र प्रतीत होते थे, क्योंकि वे असाधारण रूप से सुंदर थे और देखने में लगभग सत्रह या अठारह वर्ष के थे। रिकोटे और उनकी बेटी उनका स्वागत करने के लिए बाहर आए, पिता की आँखों में आँसू थे और बेटी शर्म से भरी हुई थी। उन्होंने एक-दूसरे को गले नहीं लगाया, क्योंकि जहाँ गहरा प्रेम होता है, वहाँ अति-उदासीनता नहीं होती। साथ-साथ

खड़े होकर, डॉन ग्रेगोरियो की सुंदरता और एना फेलिक्स की खूबसूरती ने वहाँ उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उस क्षण प्रेमियों के लिए मौन ही बोल रहा था, और उनकी आँखें ही उनकी शुद्ध और सुखद भावनाओं को प्रकट कर रही थीं। धर्मत्यागी ने डॉन ग्रेगोरियो को बचाने के लिए अपनाए गए उपायों और साधनों के बारे में बताया, और डॉन ग्रेगोरियो ने संक्षेप में, कुछ ही शब्दों में, जिनमें उन्होंने अपनी उम्र से कहीं अधिक बुद्धिमत्ता का परिचय दिया, उन महिलाओं के बीच अपने सामने आई विकटतान और संकट का वर्णन किया जिनके साथ वे कुछ समय बिता चुके थे। अंत में, रिकोटे ने धर्मत्यागी और नाव चलाने वाले दोनों को उदारतापूर्वक मुआवजा और पुरस्कार दिया; और धर्मत्यागी ने चर्च में अपना पुनः प्रवेश प्राप्त कर लिया और उसके साथ मेल-मिलाप कर लिया, और पश्चाताप और प्रायश्चित के द्वारा एक सड़े हुए अंग से एक शुद्ध और स्वस्थ अंग बन गया।
दो दिन बाद वायसराय ने डॉन एंटोनियो से इस बारे में चर्चा की कि एना फेलिक्स और उसके पिता को स्पेन में रहने की अनुमति कैसे दी जाए, क्योंकि उन्हें लगा कि इतनी धर्मनिष्ठ ईसाई बेटी और इतने नेक स्वभाव वाले पिता के वहाँ रहने पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। डॉन एंटोनियो ने राजधानी में इस मामले को सुलझाने का प्रस्ताव रखा, जहाँ उन्हें किसी अन्य कार्य के लिए जाना पड़ रहा था, और यह संकेत दिया कि वहाँ कई कठिन मामले कृपा और रिश्वत की मदद से सुलझाए गए हैं।
“नहीं,” बातचीत के दौरान उपस्थित रिकोटे ने कहा, “कृपा या रिश्वत पर भरोसा करना उचित नहीं होगा, क्योंकि महान डॉन बर्नार्डिनो डी वेलास्को, कोंडे डी सालाज़ार, जिन्हें महामहिम ने हमारे निष्कासन का जिम्मा सौंपा है, उनके लिए न तो विनती, न वादे, न रिश्वत, न दया की अपील, कोई काम की है; क्योंकि यद्यपि यह सच है कि वे न्याय के साथ दया का भी प्रयोग करते हैं, फिर भी, यह देखते हुए कि हमारा पूरा राष्ट्र दूषित और भ्रष्ट है, वे उस पर जलन पैदा करने वाले दाग का प्रयोग करते हैं, न कि उस मरहम का जो आराम देता है; और इस प्रकार, विवेक, दूरदर्शिता, सावधानी और अपने द्वारा उत्पन्न भय के बल पर, उन्होंने इस महान नीति का भार अपने शक्तिशाली कंधों पर उठाया है और इसे लागू किया है, हमारी सभी योजनाएँ, षड्यंत्र, आग्रह और छल, उनकी पैनी नज़र को अंधा करने में असमर्थ रहे हैं, जो हमेशा सतर्क रहती हैं कि कहीं हममें से कोई भी छिपकर पीछे न रह जाए, और एक छिपी हुई जड़ की तरह समय के साथ

अंकुरित होकर स्पेन में जहरीला फल न दे, जो अब शुद्ध और मुक्त हो चुका है। जिस भय में हमारी विशाल सेना ने इसे रखा था। महान फिलिप तृतीय का वीर संकल्प और डॉन बर्नार्डिनो डी वेलास्को को इसे सौंपने का अद्वितीय बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय!
"खैर," डॉन एंटोनियो ने कहा, "जब मैं वहाँ पहुँचूँगा तो मैं हर संभव प्रयास करूँगा, और ईश्वर जो चाहेगा वही करेगा; डॉन ग्रेगोरियो मेरे साथ आएगा ताकि उसके माता-पिता को उसकी अनुपस्थिति के कारण हो रही चिंता से राहत मिल सके; एना फेलिक्स मेरी पत्नी के साथ मेरे घर में या किसी मठ में रहेगी; और मुझे पता है कि वायसराय को खुशी होगी कि सम्मानित रिकोटे उनके साथ तब तक रहे जब तक हम यह तय नहीं कर लेते कि मैं क्या शर्तें रख सकता हूँ।"
वायसराय सभी प्रस्तावों पर सहमत हो गए; लेकिन डॉन ग्रेगोरियो को जब सब कुछ पता चला तो उन्होंने कहा कि वे किसी भी कीमत पर एना फेलिक्स को नहीं छोड़ सकते; हालांकि, उनका इरादा अपने माता-पिता से मिलने और एना के वापस आने का कोई रास्ता निकालने का था, इसलिए वे प्रस्तावित व्यवस्था से सहमत हो गए। एना फेलिक्स डॉन एंटोनियो की पत्नी के साथ रहीं और रिकोटे वायसराय के घर में ठहरे।
डॉन एंटोनियो के प्रस्थान का दिन आ गया; और दो दिन बाद डॉन क्विक्सोट और सांचो के प्रस्थान का, क्योंकि डॉन क्विक्सोट की चोट ने उन्हें जल्दी जाने की अनुमति नहीं दी। डॉन ग्रेगोरियो और एना फेलिक्स के बिछड़ने पर आँसू, आहें, बेहोशी और सिसकियाँ गूंज उठीं। रिकोटे ने डॉन ग्रेगोरियो को एक हजार क्राउन देने की पेशकश की, लेकिन उन्होंने पाँच क्राउन के अलावा कुछ नहीं लिया, जो डॉन एंटोनियो ने उन्हें उधार दिए थे और उन्होंने राजधानी में चुकाने का वादा किया था। इस प्रकार वे दोनों प्रस्थान कर गए, और डॉन क्विक्सोट और सांचो उनके पीछे चले, जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, डॉन क्विक्सोट बिना कवच के और यात्रा के कपड़ों में, और सांचो पैदल, डैपल कवच से लदा हुआ था।

66

अध्याय
जो इस बात का वर्णन करता है कि पढ़ने वाला क्या देखेगा, या जिसे पढ़कर सुनाया जाएगा वह क्या सुनेगा
बार्सिलोना छोड़ते समय, डॉन क्विक्सोट ने उस स्थान पर अपनी दृष्टि डाली जहाँ वह गिरा था। उसने कहा, "यहीं ट्रॉय था; यहीं मेरी बदकिस्मती ने, न कि मेरी कायरता ने, मुझसे वह सारी शान छीन ली जो मैंने हासिल की थी; यहीं भाग्य ने मुझे अपनी मनमानी का शिकार बनाया; यहीं मेरी उपलब्धियों की चमक फीकी पड़ गई; संक्षेप में, यहीं मेरा सुख गिरा जो फिर कभी नहीं लौटेगा।" यह सुनकर सांचो ने कहा, "महामहिम, विपत्ति में धैर्य रखना उतना ही साहस का गुण है जितना समृद्धि में प्रसन्न होना; मैं स्वयं इसका उदाहरण हूँ, क्योंकि जब मैं राज्यपाल था तब मैं प्रसन्न था, और अब जब मैं एक जागीरदार हूँ और पैदल हूँ तो मैं दुखी नहीं हूँ; और मैंने सुना है कि जिसे आमतौर पर भाग्य कहते हैं वह एक नशे में धुत मनमौजी औरत है, और उससे भी बढ़कर, अंधी है, इसलिए न तो वह देखती है कि वह क्या कर रही है, न ही उसे पता है कि वह किसे गिरा रही है और किसे ऊपर उठा रही है।"
"सांचो, तुम एक महान दार्शनिक हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "तुम बहुत ही समझदारी से बोलते हो; मुझे नहीं पता कि तुम्हें किसने सिखाया है। लेकिन मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि दुनिया में भाग्य जैसी कोई चीज नहीं है, और न ही यहाँ जो कुछ भी घटित होता है, चाहे वह अच्छा हो या बुरा, वह संयोग से होता है, बल्कि स्वर्ग की विशेष पूर्व-निर्धारित योजना से होता है; और इसीलिए यह कहावत प्रचलित है कि 'हममें से प्रत्येक अपने भाग्य का निर्माता है।'" मैं अपने मन मुताबिक ही रहा हूँ; लेकिन उचित विवेक के साथ नहीं, और मेरे आत्मविश्वास ने मुझे भारी कीमत चुकाने पर मजबूर किया है; क्योंकि मुझे यह सोचना चाहिए था कि रोसिनांटे की कमजोर शक्ति श्वेत चंद्रमा के शूरवीर के विशाल घोड़े का सामना नहीं कर सकती। संक्षेप में, मैंने जोखिम उठाया, मैंने अपनी पूरी कोशिश की, मैं पराजित हुआ, लेकिन यद्यपि मैंने अपना सम्मान खो दिया, मैंने वचन निभाने का गुण नहीं खोया और न ही खो सकता हूँ। जब मैं एक साहसी और वीर योद्धा था, तब मैंने अपने कार्यों और कर्मों से अपनी उपलब्धियों को सिद्ध किया, और अब जब मैं एक साधारण सहायक हूँ, तो मैं

अपने वचनों को अपने दिए गए वादे को निभाकर सिद्ध करूँगा। तो चलो, मेरे मित्र सांचो, हम अपने देश में दीक्षा वर्ष मनाने चलें, और उस एकांत में हम शस्त्रों के उस आह्वान पर लौटने के लिए नई शक्ति प्राप्त करेंगे जिसे मैं कभी नहीं भूलूँगा।
"महोदय," सांचो ने जवाब दिया, "पैदल यात्रा करना इतना सुखद नहीं है कि मुझे लंबी पैदल यात्रा करने का मन करे। आइए, इस कवच को किसी पेड़ पर टांग दें, किसी फांसी पर लटकाए गए कवच की जगह; और फिर मैं डैपल की पीठ पर बैठकर, अपने पैर ज़मीन से ऊपर उठाकर, आपके निर्देशानुसार पड़ाव तय करेंगे; लेकिन यह सोचना कि मैं पैदल यात्रा करूंगा और लंबी दूरी तय करूंगा, सरासर बकवास है।"
“तुमने ठीक कहा, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “मेरे कवच को एक विजय चिन्ह के रूप में लटका दिया जाए, और उसके नीचे या उसके चारों ओर हम पेड़ों पर वही उकेरेंगे जो रोलैंड के कवच की विजय चिन्ह पर अंकित था।”
ये किसी को हिलने नहीं देते, जो रोलैंड के साथ अपनी शक्ति साबित करने का साहस नहीं रखता।
"बिल्कुल यही बात है," सांचो ने कहा; "और अगर हमें रास्ते में रोसिनांटे की कमी महसूस न होती, तो उसे भी लटकाए रखना ही बेहतर होता।"
"फिर भी, मैं न तो उसे और न ही कवच को लटकाना चाहता हूँ," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ताकि यह न कहा जाए कि 'अच्छी सेवा का बुरा प्रतिफल मिलता है'।" "महामहिम सही कह रहे हैं," सांचो ने कहा; "क्योंकि समझदार लोग मानते हैं कि 'गधे की गलती का दोष घोड़े की काठी पर नहीं डालना चाहिए;' और चूंकि इस मामले में गलती आपकी है, इसलिए स्वयं को दंडित करें और पहले से ही क्षतिग्रस्त और खून से लथपथ कवच, या रोसिनांटे की नम्रता, या मेरे पैरों की कोमलता पर अपना क्रोध न निकालें, उन्हें अनुचित रूप से अधिक यात्रा कराने का प्रयास न करें।"
इस तरह की बातचीत में वह पूरा दिन और उसके बाद के चार दिन बिना किसी रुकावट के बीत गए, लेकिन पाँचवें दिन जब वे एक गाँव में पहुँचे तो उन्होंने एक सराय के दरवाजे पर बड़ी संख्या में लोगों को मौज-मस्ती करते देखा, क्योंकि उस दिन छुट्टी थी। डॉन क्विक्सोट के पास आने पर एक किसान ने पुकारा, "यहाँ आए इन दो सज्जनों में से कोई एक, जो इन लोगों को नहीं जानता, हमें बताएगा कि हमें अपनी शर्त के बारे में क्या करना चाहिए।"

"मैं ऐसा ज़रूर करूँगा," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और अगर मैं इसे समझ सका तो मामले के कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही करूँगा।"
“जी हाँ, महोदय,” किसान ने कहा; “इस गाँव के एक मोटे आदमी ने, जिसका वजन बीस स्टोन है, अपने एक पड़ोसी को, जिसका वजन नौ स्टोन से अधिक नहीं है, दौड़ लगाने की चुनौती दी। उनके बीच यह समझौता हुआ कि वे बराबर वजन लेकर सौ कदम की दूरी तय करेंगे; और जब चुनौती देने वाले से पूछा गया कि वजन कैसे बराबर किया जाएगा, तो उसने कहा कि दूसरा, जिसका वजन नौ स्टोन है, अपनी पीठ पर ग्यारह स्टोन का लोहा रख ले, और इस तरह पतले आदमी का बीस स्टोन वजन मोटे आदमी के बीस स्टोन वजन के बराबर हो जाएगा।”
डॉन क्विक्सोट के जवाब देने से पहले ही सांचो ने तुरंत कहा, "बिल्कुल नहीं; यह मेरा काम है, जिसने कुछ ही दिन पहले राज्यपाल और न्यायाधीश का पद छोड़ा है, जैसा कि पूरी दुनिया जानती है, इन संदिग्ध सवालों का निपटारा करने और हर तरह के विवादों में अपनी राय देने का।"
"भगवान के नाम पर उत्तर दो, मेरे मित्र सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि मैं बिल्ली को भी जूठा देने के लायक नहीं हूँ, मेरी बुद्धि इतनी उलझी हुई और परेशान है।"
इस अनुमति के साथ सांचो ने अपने चारों ओर जमा हुए किसानों से, जो खुले मुँह से उसके फैसले का इंतज़ार कर रहे थे, कहा, "भाइयों, मोटे आदमी की माँग न तो तर्कसंगत है और न ही उसमें न्याय का कोई अंश है; क्योंकि, यदि यह सच है, जैसा कि वे कहते हैं, कि चुनौती देने वाले को हथियार चुनने का अधिकार है, तो दूसरे को ऐसे हथियार चुनने का कोई अधिकार नहीं है जो उसे जीतने से रोकें। इसलिए मेरा निर्णय यह है कि मोटा चुनौती देने वाला अपने शरीर को छाँटे, छीले, पतला करे, संवारे और सुधारे, और अपने शरीर से ग्यारह स्टोन (लगभग 11 किलो) मांस कम करे, जहाँ कहीं से भी, जैसा उसे सबसे अच्छा लगे; और इस तरह नौ स्टोन (लगभग 12 किलो) वजन कम करके, वह अपने प्रतिद्वंद्वी के नौ स्टोन (लगभग 12 किलो) के बराबर हो जाएगा, और वे बराबरी के मुकाबले में भाग ले सकेंगे।"
"भगवान की कसम," सांचो का फैसला सुनकर एक किसान ने कहा, "लेकिन इस सज्जन ने तो संत की तरह बात की है और किसी विद्वान की तरह फैसला सुनाया है! लेकिन मैं शर्त लगा सकता हूँ कि वह मोटा आदमी अपने शरीर से एक औंस भी मांस नहीं छोड़ेगा, ग्यारह स्टोन की तो बात ही छोड़ो।"

दूसरे ने कहा, "सबसे अच्छी योजना यही होगी कि वे दौड़ें ही नहीं, ताकि न तो पतला आदमी वजन के नीचे दबकर टूट जाए और न ही मोटा आदमी अपना मांस नोच ले; शर्त की आधी रकम शराब में खर्च कर दी जाए, और इन सज्जनों को उस सराय में ले जाया जाए जहाँ सबसे बढ़िया शराब मिलती है, और बारिश होने पर मैं उन्हें ओढ़ा दूँ।"
“धन्यवाद, महोदय,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “परन्तु मैं एक पल भी नहीं रुक सकता, क्योंकि दुखद विचार और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियाँ मुझे असभ्य दिखने और तेज़ी से चलने के लिए विवश कर रही हैं;” और रोसिनांटे को प्रेरित करते हुए वह आगे बढ़ गया, उन्हें अपने देखे और सुने हुए दृश्यों, अपनी विचित्र आकृति और अपने सेवक की चतुराई पर आश्चर्यचकित छोड़ते हुए, क्योंकि वे सांचो को ही सेवक समझते थे; और उनमें से एक ने कहा, “यदि सेवक इतना चतुर है, तो स्वामी कैसा होगा? मैं शर्त लगाता हूँ, यदि वे सलामांका पढ़ने जा रहे हैं, तो वे पल भर में दरबार के अल्काल्डे बन जाएँगे; क्योंकि यह तो बस एक मज़ाक है—पढ़ते रहो, पढ़ते रहो, रुचि और सौभाग्य प्राप्त करो; और इससे पहले कि कोई व्यक्ति खुद को कहाँ पाता है, वह अपने हाथ में लाठी या सिर पर मुकुट लिए हुए पाता है।”
उस रात स्वामी और सेवक खुले मैदान में टहल रहे थे, और अगले दिन जब वे अपनी यात्रा जारी रख रहे थे, तो उन्होंने अपनी ओर एक पैदल व्यक्ति को आते देखा, जिसकी गर्दन में अलफोर्जा (एक प्रकार का भाला) और हाथ में नुकीला डंडा था; वह बिल्कुल पैदल संदेशवाहक जैसा दिखता था; जैसे ही वह डॉन क्विक्सोट के करीब आया, उसने अपनी गति बढ़ा दी और आधा दौड़ते हुए उसके पास पहुंचा, और उसकी दाहिनी जांघ को गले लगा लिया, क्योंकि वह इससे ऊपर नहीं पहुंच सकता था, और स्पष्ट प्रसन्नता के साथ बोला, "हे ला मांचा के सेनर डॉन क्विक्सोट, मेरे स्वामी ड्यूक के हृदय को कितनी प्रसन्नता होगी जब उन्हें पता चलेगा कि आप उनके महल में वापस आ रहे हैं, क्योंकि वह अभी भी मेरी लेडी डचेस के साथ वहीं हैं!"
"मैं तुम्हें पहचानता नहीं हूँ, मित्र," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और न ही मैं जानता हूँ कि तुम कौन हो, जब तक तुम मुझे नहीं बताते।"
"मैं तोसिलोस हूँ, मेरे स्वामी, ड्यूक का नौकर, सेनर डॉन क्विक्सोट," संदेशवाहक ने उत्तर दिया; "वही जिसने डोना रोड्रिगेज़ की बेटी से शादी करने के बारे में आपसे लड़ने से इनकार कर दिया था।"

"भगवान मेरी रक्षा करें!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्या यह संभव है कि आप वही हैं जिन्हें मेरे शत्रुओं, जादूगरों ने उस लैकी में बदल दिया है जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं, ताकि मुझे उस युद्ध के सम्मान से वंचित कर सकें?"
"बकवास है, महोदय!" दूत ने कहा; "कोई जादू या रूपांतरण नहीं हुआ था; मैं युद्ध के मैदान में जितना लक्की तोसिलोस बनकर उतरा, उतना ही लक्की तोसिलोस बनकर ही लौटा। मैंने सोचा था कि बिना लड़ाई के शादी कर लूँगा, क्योंकि लड़की मुझे बहुत पसंद आ गई थी; लेकिन मेरी योजना का परिणाम बिल्कुल उल्टा निकला, क्योंकि जैसे ही महाराज महल से निकले, मेरे स्वामी ड्यूक ने मुझे युद्ध में उतरने से पहले दिए गए आदेशों का उल्लंघन करने के लिए सौ कोड़े लगवाए; और इस पूरे मामले का अंत यह हुआ कि लड़की नन बन गई, और डोना रोड्रिगेज़ कैस्टिले वापस चली गई, और मैं अब अपने स्वामी द्वारा भेजे जा रहे वायसराय के पत्रों का एक पैकेट लेकर बार्सिलोना जा रहा हूँ। यदि महाराज को थोड़ी सी भी, भले ही गर्म हो, शराब चाहिए, तो मेरे पास यहाँ एक लौकी भर सबसे अच्छी शराब है, और ट्रोंचोन पनीर के कुछ टुकड़े हैं जो आपकी प्यास को जगाने और बढ़ाने का काम करेंगे, यदि आपकी प्यास बुझी हुई हो।" "मैं प्रस्ताव स्वीकार करता हूँ," सांचो ने कहा; "इसके बारे में और कोई तारीफ नहीं; हे अच्छे तोसिलोस, इंडीज के सभी जादूगरों के बावजूद अपना जलवा बिखेर दो।"
"सांचो, तुम सचमुच दुनिया के सबसे बड़े पेटू हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "और धरती के सबसे बड़े मूर्ख भी, जो यह नहीं देख पा रहे कि यह दूत जादू से प्रभावित है और यह तोसिलोस एक ढोंगी है; उसके साथ रुक जाओ और जी भर के खा लो; मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ूंगा और तुम्हारे मेरे साथ आने का इंतजार करूंगा।"
लाके ने हंसते हुए अपना लौकी का ढक्कन खोला, अपने बटुए से बचे हुए टुकड़े निकाले और एक छोटी रोटी निकालकर वह और सांचो हरी घास पर बैठ गए, और शांति और सौहार्द के साथ अलफोरजास की सारी सामग्री को अंत तक खत्म कर दिया, इतनी दृढ़ता से कि उन्होंने पत्रों के कवर को भी चाट लिया, केवल इसलिए कि उसमें पनीर की गंध आ रही थी।
तोसिलोस ने सांचो से कहा, "निस्संदेह, मेरे मित्र सांचो, तुम्हारा यह स्वामी पागल होना चाहिए।"

"बिल्कुल!" सांचो ने कहा; "उस पर किसी का कोई कर्ज़ नहीं है; वह हर चीज़ का भुगतान करता है, खासकर जब बात पागलपन की हो। मुझे यह साफ़-साफ़ दिख रहा है, और मैं उसे साफ़-साफ़ बता भी देता हूँ; लेकिन इसका क्या फ़ायदा? खासकर अब जब उसका खेल खत्म हो चुका है, क्योंकि यहाँ उसे श्वेत चंद्रमा के योद्धा ने हरा दिया है।"
तोसिलोस ने उससे घटना का कारण बताने की विनती की, लेकिन सांचो ने कहा कि अपने स्वामी को प्रतीक्षा में छोड़कर जाना उचित नहीं होगा; और किसी और दिन जब वे मिलेंगे तो इसके लिए पर्याप्त समय होगा; फिर उठकर, अपनी जैकेट को झाड़कर और दाढ़ी से रोटी के टुकड़े साफ करके, वह डैपल को अपने आगे ले गया, और तोसिलोस को अलविदा कहकर अपने स्वामी के पास लौट गया, जो एक पेड़ की छाया में उसका इंतजार कर रहा था।

67

अध्याय
डॉन क्विक्सोट ने जिस वर्ष के लिए वचन दिया था, उस वर्ष के दौरान चरवाहा बनने और खेतों में जीवन व्यतीत करने का जो संकल्प लिया था; अन्य घटनाएँ भी वास्तव में आनंददायक और सुखद थीं।
यदि डॉन क्विक्सोट को उसके पतन से पहले अनेकों विचार सताते थे, तो उसके पतन के बाद तो और भी अधिक विचार उसे परेशान करने लगे। जैसा कि कहा गया है, वह एक पेड़ की छाया में था, और वहाँ, शहद पर मक्खियों की तरह, विचार उस पर टूट पड़े और उसे चुभने लगे। उनमें से कुछ डुलसीनिया के मोहभंग से संबंधित थे, तो कुछ उस जीवन से जो वह अपने जबरन एकांतवास में जीने वाला था। सांचो आया और चालाक तोसिलोस के उदार स्वभाव की बहुत प्रशंसा करने लगा।
"क्या यह संभव है, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "कि तुम अब भी सोचते हो कि वह सामने खड़ा व्यक्ति सचमुच का जादूगर है? लगता है तुम भूल गए हो कि तुमने डुलसीनिया को एक किसान लड़की में बदलते और दर्पणों के शूरवीर को कुंवारे कैरास्को में बदलते देखा है; यह सब उन जादूगरों का काम है जो मुझे सताते हैं। लेकिन अब मुझे बताओ, क्या तुमने इस तोसिलोस से, जैसा कि तुम उसे बुलाते हो, पूछा कि अल्टिसिडोरा का क्या हुआ? क्या वह मेरी अनुपस्थिति में रोई, या उसने उन प्रेम विचारों को भुला दिया है जो मेरे होने पर उसे परेशान करते थे?"
सांचो ने कहा, "मेरे मन में जो विचार थे, वे ऐसे नहीं थे कि मैं मूर्खतापूर्ण प्रश्न पूछ सकूँ। हे महाराज! क्या आप इस समय दूसरों के विचारों, विशेषकर प्रेम संबंधी विचारों के बारे में जानने की स्थिति में हैं?"
“देखो, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “प्रेम से किए गए कार्य और कृतज्ञता से किए गए कार्य में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक शूरवीर प्रेम से अप्रभावित रह सकता है; लेकिन वास्तव में, उसके लिए कृतघ्न होना असंभव है। अल्टिसिडोरा, देखने में तो मुझसे सच्चा प्रेम करती थी; उसने मुझे वे तीन रुमाल दिए जिनके बारे में तुम जानते हो; मेरे जाने पर वह रोई, उसने मुझे शाप दिया, उसने मुझे बुरा-भला कहा, शर्म को हवा में उड़ाते हुए उसने सबके सामने विलाप किया; ये सभी संकेत थे कि वह मुझसे प्रेम करती थी; क्योंकि

प्रेमियों का क्रोध हमेशा शाप में ही समाप्त होता है। मेरे पास उसे देने के लिए कोई आशा नहीं थी, न ही कोई खजाना, क्योंकि मेरा सारा खजाना डुलसीनिया को समर्पित है, और शूरवीरों का खजाना परियों के खजाने की तरह मायावी और भ्रामक होता है; मैं उसे केवल अपनी स्मृति में उसके लिए जो स्थान रखता हूँ, वही दे सकता हूँ, हालाँकि डुलसीनिया के प्रति मेरे प्रेम को भी नहीं, जिसे तुम कोड़े मारने में अपनी लापरवाही से अन्याय कर रहे हो। खुद को कोड़े मारते हुए और उस मांस को कोड़े मारते हुए—काश मैं उसे भेड़ियों द्वारा खाए जाते हुए देख पाता—जो उस बेचारी महिला की मदद करने की बजाय खुद को कीड़ों के लिए रखना पसंद करेगा।"
"महाराज," सांचो ने उत्तर दिया, "सच कहूँ तो, मैं यह नहीं मान सकता कि मेरी पीठ पर कोड़े मारने का जादू से मुक्ति पाने से कोई संबंध है; यह तो ऐसा कहने जैसा है, 'अगर सिर में दर्द हो तो घुटनों पर मरहम लगाओ;' खैर, मैं साहसपूर्वक शपथ लेता हूँ कि आपने शूरवीरता से संबंधित जितने भी इतिहास पढ़े हैं, उनमें आपको कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति का ज़िक्र नहीं मिलेगा जिसका जादू कोड़े मारने से दूर हुआ हो; लेकिन चाहे जो भी हो, जब मेरा मन करेगा और मौका मिलेगा तो मैं खुद को कोड़े मार लूँगा।"
"ईश्वर करे ऐसा हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और ईश्वर तुम्हें यह कृपा दे कि तुम इसे दिल से स्वीकार करो और मेरी प्रेमिका की मदद करने के अपने दायित्व को मानो, जो तुम्हारी भी है, क्योंकि तुम भी मेरी हो।"
इस तरह बातें करते हुए आगे बढ़ते हुए वे उसी स्थान पर पहुँच गए जहाँ सांडों ने उन्हें कुचल दिया था। डॉन क्विक्सोट ने इसे पहचान लिया और सांचो से कहा, "यह वही मैदान है जहाँ हमारी मुलाकात उन खुशमिजाज चरवाहिनियों और वीर चरवाहों से हुई थी जो वहाँ के देहाती आर्केडिया को पुनर्जीवित करने और उसकी नकल करने की कोशिश कर रहे थे। यह विचार जितना नया था उतना ही सुखद भी था। अगर तुम भी इसे स्वीकार करते हो, सांचो, तो मैं भी उसी की तरह चरवाहा बनना चाहूँगा, कम से कम जब तक मैं एकांत में रहूँगा। मैं कुछ भेड़ें और चरवाहे के लिए आवश्यक सभी सामान खरीदूँगा; और मैं चरवाहे क्विक्सोटाइज के नाम से और तुम चरवाहे पैनज़िनो के नाम से, हम जंगलों, उपवनों और मैदानों में घूमेंगे, कहीं गीत गाएँगे, कहीं शोकगीत गाएँगे, झरनों या निर्मल धाराओं या बहती नदियों का निर्मल जल पिएँगे। बलूत के पेड़ हमें अपने मीठे फल भरपूर मात्रा में देंगे, कठोर कॉर्क के पेड़ बैठने की जगह देंगे, विलो

के पेड़ छाया देंगे, गुलाब अपनी सुगंध बिखेरेंगे, और विशाल मैदान हजारों रंगों से रंगे कालीन की तरह होंगे।" रंग; निर्मल हवा हमें सांस देगी, चांद और तारे रात के अंधेरे को हमारे लिए रोशन करेंगे, गीत हमारा आनंद होंगे, विलाप हमारी खुशी, अपोलो हमें छंद प्रदान करेगा, और प्रेम हमें ऐसी कल्पनाएं देगा जिनसे हम न केवल इस युग में बल्कि आने वाले युगों में भी हमेशा के लिए प्रसिद्ध हो जाएंगे।
"अरे वाह," सांचो ने कहा, "लेकिन इस तरह की जीवनशैली मेरे विचारों से बिल्कुल मेल खाती है; और तो और, कुंवारे सैमसन कैरास्को और नाई मास्टर निकोलस इसे देखते ही हमारे साथ चरवाहा बनने की इच्छा करेंगे; और भगवान करे कि पादरी के मन में भी भेड़शाला में शामिल होने का विचार न आए, वह तो बहुत ही हंसमुख और मौज-मस्ती पसंद करने वाला है।"
“सांचो, तुम सही हो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “और कुंवारा सैमसन कैरास्को, अगर वह चरवाहों के समूह में शामिल हो जाता है, जैसा कि उसे यकीन है, तो वह खुद को चरवाहा सैमसोनिनो या शायद चरवाहा कैरास्कॉन कह सकता है; नाई निकोलस खुद को निकुलोसो कह सकता है, जैसे पुराने बोस्कैन को पहले नेमोरोसो कहा जाता था; जहाँ तक पादरी की बात है, मुझे नहीं पता कि हम उसे क्या नाम दे सकते हैं, सिवाय इसके कि वह उसकी उपाधि से लिया गया कोई नाम हो, और हम उसे चरवाहा कुरियाम्ब्रो कहेंगे। जिन चरवाहिनियों के हम प्रेमी होंगे, उनके लिए हम नाशपाती की तरह नाम चुन सकते हैं; और चूंकि मेरी प्रेमिका का नाम एक चरवाहिन के लिए उतना ही उपयुक्त है जितना एक राजकुमारी के लिए, मुझे उसके लिए बेहतर नाम खोजने की कोई ज़रूरत नहीं है; सांचो, तुम अपनी प्रेमिका को जो चाहो नाम दे सकते हो।”
"मैं उसे टेरेसोना के अलावा और कुछ नहीं देना चाहता," सांचो ने कहा, "जो उसके हृष्ट-पुष्ट शरीर और उसके उचित नाम, टेरेसा, के साथ खूब जंचेगा; और फिर जब मैं अपनी कविताओं में उसकी प्रशंसा करूंगा, तो दिखाऊंगा कि मेरा प्रेम कितना पवित्र है, क्योंकि मैं दूसरे पुरुषों के घरों में 'गेहूं से बनी रोटी से बेहतर रोटी' की तलाश नहीं करने वाला। एक पादरी के लिए अच्छे उदाहरण के तौर पर चरवाहे को रखना उचित नहीं है; और अगर कुंवारा आदमी ऐसा करना चाहे, तो यह उसकी अपनी जिम्मेदारी है।"
"हे मेरे मित्र सांचो, ईश्वर मुझे आशीर्वाद दे!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हम कैसा जीवन जिएंगे! हम कितने हाउटबॉय और ज़मोरा बैगपाइप सुनेंगे, कितने

तबले, ढोल और रेबेक! और फिर यदि इन सभी विभिन्न प्रकार के संगीत के बीच अल्बोग का संगीत भी सुनाई दे, तो लगभग सभी देहाती वाद्ययंत्र भी मौजूद होंगे।"
"अल्बोग्स क्या होते हैं?" सांचो ने पूछा, "क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी उनके बारे में सुना या देखा नहीं है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अल्बोग्स पीतल की प्लेटें होती हैं, मोमबत्ती स्टैंड की तरह, जो खोखले हिस्से से एक-दूसरे से टकराने पर एक ध्वनि उत्पन्न करती हैं। यह ध्वनि भले ही बहुत सुरीली या मधुर न हो, लेकिन अप्रिय नहीं होती और बैगपाइप और तबला की कर्कश ध्वनियों के साथ बहुत अच्छी तरह मेल खाती है। अल्बोग शब्द मोरस्को भाषा का है, जैसे हमारी स्पेनिश भाषा के वे सभी शब्द जो 'अल' से शुरू होते हैं; उदाहरण के लिए, अलमोहाज़ा, अलमोरज़ार, अलहोम्ब्रा, अलगुआसिल, अलहुसेमा, अलमासेन, अलकैंसिया, और इसी तरह के अन्य शब्द, जिनकी संख्या बहुत अधिक नहीं है; हमारी भाषा में केवल तीन शब्द मोरस्को भाषा के हैं जो 'आई' पर समाप्त होते हैं, जो हैं बोर्सेगुई, ज़ाक्विज़ामी और मारावेदी। अलहेली और अल्फ़ाकी अरबी शब्द प्रतीत होते हैं, क्योंकि इनके आरंभ और अंत में 'अल' लगा है। मैं इसका उल्लेख संयोगवश कर रहा हूँ, अल्बोग्स के आकस्मिक उल्लेख ने मुझे इसकी याद दिला दी; और इस पेशे के पूर्ण अभ्यास में हमारे लिए यह बहुत सहायक होगा कि मैं थोड़ा-बहुत कवि भी हूँ।" तुम जानते हो, और यह भी कि कुंवारा सैमसन कैरास्को एक कुशल कुंवारा है। पादरी के बारे में मैं कुछ नहीं कहूँगा; लेकिन मैं शर्त लगा सकता हूँ कि उसमें कवि का कुछ अंश है, और निस्संदेह मास्टर निकोलस में भी, क्योंकि सभी नाई, या उनमें से अधिकांश, गिटार वादक और कविता रचने वाले होते हैं। मैं अपने वियोग पर शोक मनाऊँगा; तुम स्वयं को एक सच्चे प्रेमी के रूप में गौरवान्वित करोगे; चरवाहा कैरास्कोन एक ठुकराए हुए व्यक्ति के रूप में चित्रित होगा, और पादरी क्यूरिआम्ब्रो जो चाहेगा; और इस प्रकार सब कुछ दिल की इच्छा के अनुसार आनंदपूर्वक चलेगा।
इस पर सांचो ने उत्तर दिया, "महाराज, मैं इतना बदनसीब हूँ कि मुझे डर है कि वह दिन कभी नहीं आएगा जब मैं ऐसा काम कर पाऊँगा। जब मैं चरवाहा बनूँगा तो कितनी बढ़िया-बढ़िया चम्मचें बनाऊँगा! कितना सारा खाना, क्रीम, मालाएँ, और देहाती साज-सामान! और अगर मुझे बुद्धिमत्ता का नाम नहीं मिला, तो चतुराई का नाम ज़रूर मिलेगा। मेरी बेटी सांचिका हमारे लिए चरागाह में खाना

लाएगी। लेकिन रुकिए—वह सुंदर है, और वहाँ के चरवाहों में सादगी से ज़्यादा शरारत होती है; मैं नहीं चाहता कि वह ऊन लेने आए और कटी हुई ऊन लेकर वापस जाए; प्रेम-प्रसंग और अनैतिक इच्छाएँ खेतों में उतनी ही आम हैं जितनी शहरों में, और चरवाहों की झोपड़ियों में उतनी ही आम हैं जितनी राजमहलों में; 'कारण को मिटा दो, पाप को मिटा दो;' 'अगर आँखें न देखें तो दिल नहीं टूटते' और 'नेक लोगों की प्रार्थनाओं से बेहतर है साफ़ बच निकलना'।" "सांचो, अपनी कहावतों को बंद करो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "तुम्हारी कही हुई कोई भी एक कहावत तुम्हारे अर्थ को समझाने के लिए काफी होगी; मैंने तुम्हें कई बार कहावतों का इतना अधिक प्रयोग न करने और उन्हें बोलने में संयम बरतने की सलाह दी है; लेकिन मुझे लगता है कि यह तो 'रेगिस्तान में उपदेश' देने जैसा है; 'मेरी माँ मुझे पीटती है और मैं अपनी शरारतें जारी रखता हूँ।'"
"मुझे तो ऐसा लगता है," सांचो ने कहा, "किम जी, आप उस आम कहावत की तरह हैं, 'तैल ने केतली से कहा, दूर हट जा, बदमाश।' आप मुझे कहावतें बोलने के लिए डांटते हैं, और खुद उन्हें जोड़ों में पिरोते हैं।"
“देखो, सांचो,” डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, “मैं कहावतों को उद्देश्यपूर्ण ढंग से इस्तेमाल करता हूँ, और जब मैं उन्हें उद्धृत करता हूँ तो वे उंगली में अंगूठी की तरह फिट बैठती हैं; तुम उन्हें जबरदस्ती लाते हो, जैसे उन्हें पेश करने के बजाय घसीटते हो; अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो मैंने तुम्हें पहले ही बताया है कि कहावतें हमारे प्राचीन बुद्धिमानों के अनुभव और अवलोकन से निकले संक्षिप्त सूत्र हैं; लेकिन जो कहावत उद्देश्यपूर्ण नहीं होती वह निरर्थक होती है, सूत्र नहीं। खैर, बस करो; क्योंकि शाम होने वाली है, चलो मुख्य मार्ग से थोड़ी दूर जाकर रात बिताते हैं; कल हमारे लिए क्या होगा, यह तो भगवान ही जानते हैं।”
वे एक तरफ मुड़ गए और देर से और कम भोजन किया, जो सांचो की इच्छा के बिल्कुल विपरीत था। सांचो अपने मन में जंगलों में वीरगाथाओं के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में सोच रहा था, हालांकि कभी-कभी महलों और घरों में भरपूर भोजन उपलब्ध होता था, जैसे डॉन डिएगो डी मिरांडा के यहाँ, कैमाचो द रिच की शादी में और डॉन एंटोनियो मोरेनो के यहाँ; फिर भी उसने सोचा कि न तो हमेशा दिन होता है और न ही हमेशा रात; और इसलिए वह रात उसने सोते हुए बिताई और उसका स्वामी जागते हुए।

68

अध्याय
डॉन क्विक्सोट के साथ घटी उस रोमांचक घटना की कहानी।
रात कुछ अंधेरी थी, क्योंकि आसमान में चाँद तो था, लेकिन ऐसी जगह पर नहीं था जहाँ से उसे देखा जा सके; क्योंकि कभी-कभी देवी डायना सुदूर पूर्व की सैर पर निकल जाती हैं और पहाड़ों को काला और घाटियों को अंधेरे में छोड़ जाती हैं। डॉन क्विक्सोट ने प्रकृति का पालन करते हुए अपनी पहली नींद तो ली, लेकिन दूसरी नींद नहीं ली, जो सांचो से बिल्कुल अलग था। सांचो को कभी दूसरी नींद नहीं आती थी, क्योंकि उसकी नींद रात से सुबह तक चलती थी, जिससे पता चलता था कि वह कितना स्वस्थ और चिंतामुक्त था। डॉन क्विक्सोट की चिंताओं ने उसे बेचैन कर रखा था, इतना कि उसने सांचो को जगाकर कहा, "सांचो, मैं तुम्हारे स्वभाव की उदासीनता देखकर चकित हूँ। मुझे लगता है तुम संगमरमर या कठोर पीतल के बने हो, किसी भी भावना या संवेदना से रहित। मैं जागता रहता हूँ जबकि तुम सोते हो, मैं रोता हूँ जबकि तुम गाते हो, मैं उपवास से कमजोर हूँ जबकि तुम पूर्ण तृप्ति से सुस्त और आलसी हो। अच्छे सेवकों का कर्तव्य है कि वे अपने स्वामियों के कष्टों में भागीदार हों और उनके दुखों को महसूस करें, भले ही यह केवल दिखावे के लिए ही क्यों न हो। देखो रात की शांति, इस स्थान का एकांत, हमें किसी प्रकार की जागरण के लिए अपनी नींद तोड़ने के लिए आमंत्रित कर रहा है। उठो, थोड़ी दूर जाओ, और अच्छे मन और प्रसन्न साहस के साथ डुलसीनिया के जादू के कारण खुद को तीन-चार सौ कोड़े मारो; और मैं तुमसे यह विनती करता हूँ, इसे एक निवेदन बनाता हूँ, क्योंकि मेरे पास कोई और चारा नहीं है।" मैं तुमसे दोबारा भिड़ने की इच्छा रखता हूँ, क्योंकि मैं जानता हूँ कि तुम्हारा हाथ कठोर है। जैसे ही तुम उन्हें रख दोगे, हम बाकी रात गुजारेंगे, मैं अपने विरह का गीत गाऊँगा, तुम अपनी निष्ठा का, और तुरंत अपने गाँव में देहाती जीवन की शुरुआत करेंगे। “महोदय,” सांचो ने उत्तर दिया, “मैं कोई साधु नहीं हूँ कि नींद के बीच में उठकर खुद को कोड़े मारूँ, और न ही मुझे लगता है कि कोड़े मारने के दर्द से संगीत की चरम सीमा तक पहुँचा जा सकता है। क्या महाराज मुझे सोने देंगे और कोड़े मारने की चिंता नहीं करेंगे? वरना आप मुझसे कसम खिलवाएँगे कि मैं अपने वस्त्र का एक बाल भी नहीं छूऊँगा, शरीर को छूने की तो बात ही छोड़िए।”

"हे कठोर हृदय!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "हे निर्दयी सरदार! हे अनुचित रूप से दी गई रोटी और अनुचित रूप से स्वीकार किए गए एहसान, चाहे वो मैंने तुझे दिए हों या मैं तुझे देने वाला हूँ! मेरे माध्यम से तूने स्वयं को शासक बनते देखा है, और मेरे माध्यम से तू स्वयं को निकट भविष्य में काउंट बनने या कोई अन्य समकक्ष उपाधि प्राप्त करने की आशा में देख रहा है, क्योंकि मैं अंधकार के बाद प्रकाश की आशा करता हूँ।"
"मुझे नहीं पता कि वह क्या है," सांचो ने कहा; "मैं बस इतना जानता हूँ कि जब तक मैं सो रहा हूँ, मुझे न डर है, न आशा, न परेशानी, न यश; और जिसने भी नींद का आविष्कार किया है, उसे सौभाग्य मिले। नींद वह आवरण है जो मनुष्य के सभी विचारों को ढक लेता है, वह भोजन है जो भूख मिटाता है, वह पेय है जो प्यास बुझाता है, वह अग्नि है जो ठंड को गर्म करती है, वह ठंड है जो गर्मी को कम करती है, और अंत में, वह सर्वव्यापी मुद्रा है जिससे सब कुछ खरीदा जाता है, वह तराजू है जो चरवाहे को राजा के बराबर और मूर्ख को बुद्धिमान के बराबर बनाता है। मैंने सुना है कि नींद में केवल एक ही दोष है, कि यह मृत्यु के समान है; क्योंकि सोते हुए व्यक्ति और मरे हुए व्यक्ति में बहुत कम अंतर होता है।"
"सांचो, मैंने तुम्हें आज तक इतने सलीके से बोलते हुए कभी नहीं सुना," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "और अब मुझे उस कहावत की सच्चाई समझ आने लगी है जिसे तुम अक्सर उद्धृत करते हो, 'तुम्हारा पालन-पोषण किसके साथ हुआ है, यह मायने नहीं रखता, बल्कि तुम्हारा पालन-पोषण किसके साथ हुआ है, यह मायने रखता है।'"
"हाँ, मेरी कसम, मेरे स्वामी," सांचो ने कहा, "अब मैं कहावतें नहीं गढ़ रहा हूँ, क्योंकि वे आपके मुख से मेरे मुख से कहीं अधिक तेज़ी से निकलती हैं; बस इतना ही अंतर है कि आपकी कहावतें समय पर निकलती हैं और मेरी समय से पहले; लेकिन फिर भी, वे सभी कहावतें ही हैं।"
इसी क्षण उन्हें एक कर्कश, अस्पष्ट ध्वनि सुनाई दी जो आसपास की सभी घाटियों में फैलती हुई प्रतीत हो रही थी। डॉन क्विक्सोट उठ खड़ा हुआ और उसने अपनी तलवार पर हाथ रख लिया, और सांचो डैपल के नीचे छिप गया और कवच का गट्ठा अपने एक तरफ और गधे की काठी दूसरी तरफ रख ली, वह डॉन क्विक्सोट की तरह ही भयभीत और कांप रहा था। हर पल ध्वनि तेज होती जा रही थी और उन दोनों भयभीत पुरुषों के करीब आती जा रही थी, या कम से कम एक के तो, क्योंकि दूसरे

की हिम्मत तो सभी को ज्ञात थी। दरअसल, कुछ लोग मेले में बेचने के लिए छह सौ से अधिक सूअर ले जा रहे थे और उस समय उनके साथ जा रहे थे। उनका शोर और गुर्राहट इतनी तेज थी कि डॉन क्विक्सोट और सांचो पांजा के कान बहरे हो गए और वे समझ नहीं पाए कि यह क्या था। चारों ओर फैले गुर्राते हुए जानवरों का झुंड उमड़ पड़ा और डॉन क्विक्सोट या सांचो की गरिमा का जरा भी लिहाज किए बिना, उन दोनों के ऊपर से गुजर गया, सांचो की किलेबंदी को ध्वस्त कर दिया, और डॉन क्विक्सोट को तो गिरा ही दिया, साथ ही रोसिनांटे को भी उखाड़ फेंका; और जानवरों के रौंदने, गुर्राने और तेज गति से भागने के कारण, काठी, कवच, डैपल और रोसिनांटे जमीन पर बिखरे पड़े रह गए और सांचो और डॉन क्विक्सोट पूरी तरह से हताश हो गए।
सांचो जैसे-तैसे उठा और अपने स्वामी से अपनी तलवार देने की विनती करते हुए कहा कि वह उन गंदे, बदतमीज सूअरों में से आधे दर्जन को मारना चाहता है, क्योंकि अब तक उसे पता चल चुका था कि वे वास्तव में सूअर ही थे।
"उन्हें रहने दो, मेरे मित्र," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "यह अपमान मेरे पाप का दंड है; और यह स्वर्ग का उचित दंड है कि सियार एक पराजित योद्धा को खा जाएं, ततैया उसे डंक मारें और सूअर उसे पैरों तले रौंद दें।"
"मुझे लगता है कि यह स्वर्ग का दंड ही है," सांचो ने कहा, "कि पराजित शूरवीरों के सहायकों को मक्खियाँ चुभें, जूँ खाएँ और भूख सताए। अगर हम सहायक उन शूरवीरों के पुत्र होते जिनकी हम सेवा करते हैं, या उनके बहुत करीबी रिश्तेदार होते, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होता कि उनके कुकर्मों का दंड हमें चौथी पीढ़ी तक भुगतना पड़ता। लेकिन पांज़ा परिवार का क्विक्सोटे परिवार से क्या लेना-देना है? चलो, चलो फिर से लेट जाते हैं और रात का जो थोड़ा सा समय बचा है, सो लेते हैं, ईश्वर भोर भेजेगा और हम ठीक हो जाएँगे।"
"सो जाओ, सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "क्योंकि तुम सोने के लिए पैदा हुए हो जैसे मैं जागने के लिए; और भोर होने में अभी जितना समय बचा है, उस दौरान मैं अपने विचारों को खुली छूट दूंगा, और उन्हें एक छोटे से मधुर गीत में व्यक्त करने का प्रयास करूंगा, जिसे मैंने तुम्हें बिना बताए पिछली रात अपने मन में रचा था।"
सांचो ने कहा, "मुझे लगता है कि कविता रचने वाले विचार बहुत महत्वपूर्ण नहीं हो सकते; आप जितनी चाहें उतनी कविताएँ रचें और मैं जितना चाहूँ उतना

सोऊँगा;" और तुरंत ही, अपनी ज़रूरत की जगह लेकर, उसने खुद को कंबल में लपेट लिया और गहरी नींद में सो गया, किसी भी बंधन, कर्ज या किसी भी तरह की परेशानी से बेफिक्र। डॉन क्विक्सोट, एक बीच या कॉर्क के पेड़ के तने से टेक लगाकर—क्योंकि सिडे हैमेट ने यह नहीं बताया कि वह किस प्रकार का पेड़ था — अपनी आहों के साथ इस धुन में गा रहा था:
{श्लोक
जब मेरे मन में
हे प्रेम, मैं तेरी क्रूरता पर विचार करता हूँ।
मैं मृत्यु की ओर भागता हूँ।
इस आशा के साथ कि अंत में सब कुछ मिल जाएगा।
लेकिन नजदीक आ रहा है
मेरे दुखों के सागर में वह स्वागत योग्य आश्रय,
मुझे ऐसी खुशी का अनुभव है,
जीवन फिर से जीवित हो उठता है, और मैं अब भी यहीं ठहरा हुआ हूँ।
इस प्रकार जीवन ही मार डालता है।
और मृत्यु मुझे फिर से जीवन प्रदान करती है;
अजीब नियति,
यह नाटक की तरह जीवन और मृत्यु से संबंधित विषयों को प्रस्तुत करता है! {श्लोक
वह प्रत्येक श्लोक के साथ कई आहें भरता था और उसकी आंखों से काफी आंसू बहते थे, ठीक वैसे ही जैसे किसी का हृदय अपनी हार और डुलसीनिया से बिछड़ने के दुख से छलनी हो गया हो।
और अब दिन का उजाला हो गया, और सूरज की किरणें सांचो की आँखों पर पड़ीं। वह जागा, उठा, अपने शरीर को झटका दिया और अपने सुस्त अंगों को फैलाया, और सूअरों द्वारा उसके भंडार में मचाई गई तबाही को देखकर उसने झुंड को और भी बहुत कुछ कोसना शुरू कर दिया। फिर दोनों ने अपनी यात्रा फिर से शुरू की, और जैसे ही शाम ढलने लगी, उन्होंने अपनी ओर लगभग दस घुड़सवार और चार-पाँच पैदल सैनिकों को आते देखा। डॉन क्विक्सोट का दिल तेजी से धड़कने लगा और सांचो डर से कांप उठा, क्योंकि उनकी ओर आने वाले लोग भाले और ढाल लिए हुए थे, और युद्ध के मैदान में थे। डॉन क्विक्सोट सांचो की ओर मुड़ा और बोला, "अगर मैं अपने हथियारों का इस्तेमाल कर पाता, और मेरी प्रतिज्ञा ने मुझे बांधा न

होता, तो मैं हम पर हमला करने वाली इस सेना को रोटी और केक समझता; लेकिन शायद यह हमारी आशंका से कुछ अलग ही साबित हो।" अब घुड़सवार सैनिक पास आए, और चुपचाप अपने भाले उठाकर डॉन क्विक्सोट को घेर लिया, और उन्हें उसकी पीठ और छाती पर तानकर उसे मौत की धमकी दी। पैदल चलने वालों में से एक ने चुप रहने का इशारा करते हुए अपनी उंगली होठों पर रखी और रोसिनांटे की लगाम पकड़कर उसे सड़क से खींच लिया। बाकी लोग सांचो और डैपल को अपने आगे-आगे ले जा रहे थे और अजीब सी खामोशी बनाए रखते हुए डॉन क्विक्सोट के पीछे-पीछे चल पड़े। डॉन क्विक्सोट ने दो-तीन बार पूछने की कोशिश की कि वे उसे कहाँ ले जा रहे हैं और क्या चाहते हैं, लेकिन जैसे ही उसने कुछ बोलने की कोशिश की, उन्होंने भालों की नोकों से उसके होंठ बंद करने की धमकी दी। सांचो का भी यही हाल हुआ, जैसे ही वह कुछ बोलने वाला था, पैदल चलने वालों में से एक ने उसे अंकुश से मारा, और डैपल को भी, मानो वह भी कुछ बोलना चाहता हो। रात हो गई, उन्होंने अपनी चाल तेज कर दी, और दोनों कैदियों का डर बढ़ता ही गया, खासकर जब उन्होंने ये आवाजें सुनीं—"आगे बढ़ो, गुफावासियों;" "चुप रहो, बर्बरों;" "आगे बढ़ो, नरभक्षियों;" "बड़बड़ाओ मत, सिथियनों;" "अपनी आँखें मत खोलो, हे हत्यारे बहुदेवियों, हे खून के प्यासे शेरों," और ऐसे ही नामों से उनके बंदी बनाने वालों ने बेचारे मालिक और मालिक के कान भर दिए। सांचो मन ही मन कहता रहा, "हम, कछुए, नाई, जानवर! मुझे ये नाम बिल्कुल पसंद नहीं; 'तेज़ हवा में हमारी फसल फटक रही है;' 'बदकिस्मती हम पर अचानक ऐसे आती है जैसे कुत्ते पर डंडे,' और भगवान करे कि इस दुर्भाग्यपूर्ण यात्रा में हमारे लिए इससे बुरा कुछ न हो।"
डॉन क्विक्सोट पूरी तरह से स्तब्ध होकर घोड़े पर सवार था, अपनी सारी बुद्धि का इस्तेमाल करने के बावजूद भी वह समझ नहीं पा रहा था कि उन्हें जिन अपमानजनक नामों से पुकारा जा रहा है उनका क्या अर्थ है। वह केवल इसी निष्कर्ष पर पहुँच सका कि आगे कुछ अच्छा होने की उम्मीद नहीं है और बहुत बड़ी बुराई का डर है। और अब, आधी रात के लगभग एक घंटे बाद, वे एक महल में पहुँचे जिसे डॉन क्विक्सोट ने तुरंत पहचान लिया कि यह ड्यूक का महल है, जहाँ वे कुछ ही समय पहले थे। "हे भगवान!" उसने महल को पहचानते हुए कहा, "इसका क्या मतलब है? इस घर में तो सब शिष्टाचार और विनम्रता है; लेकिन हारने वालों के साथ अच्छाई बुराई में बदल जाती है, और बुराई और भी बदतर हो जाती है।"

वे किले के मुख्य प्रांगण में दाखिल हुए और उसे इस तरह से तैयार और सुसज्जित पाया कि इससे उनका आश्चर्य और बढ़ गया और उनका डर दुगना हो गया, जैसा कि अगले अध्याय में देखा जाएगा।

69

अध्याय
इस महान इतिहास के पूरे घटनाक्रम में डॉन क्विक्सोट के साथ घटी सबसे विचित्र और असाधारण घटनाओं में से एक।
घुड़सवार नीचे उतरे और पैदल सैनिकों के साथ, बिना किसी देरी के सांचो और डॉन क्विक्सोट को उठाकर प्रांगण में ले गए। प्रांगण के चारों ओर लगभग सौ मशालें जल रही थीं, इसके अलावा गलियारों में पाँच सौ से अधिक दीपक थे, जिससे रात का अंधेरा होने के बावजूद दिन के उजाले की कमी महसूस नहीं हो रही थी। प्रांगण के बीच में एक ताबूत था, जो जमीन से लगभग दो गज ऊपर उठा हुआ था और काले मखमल के एक विशाल चंदवा से पूरी तरह ढका हुआ था। इसके चारों ओर सीढ़ियों पर सौ से अधिक चांदी के दीयों में सफेद मोमबत्तियाँ जल रही थीं। ताबूत पर एक ऐसी सुंदर युवती का शव पड़ा था, जिसकी सुंदरता के आगे मृत्यु भी सुंदर लगती थी। वह रेशमी तकिये पर सिर रखकर लेटी थी, उसके सिर पर विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों की माला थी, उसके हाथ छाती पर एक दूसरे के ऊपर रखे थे और उनके बीच पीले रंग की विजय ताड़ की एक शाखा थी। दरबार के एक तरफ एक मंच बनाया गया था, जिस पर दो कुर्सियों पर दो व्यक्ति बैठे थे। उनके सिर पर मुकुट और हाथों में राजदंड होने के कारण वे किसी प्रकार के राजा प्रतीत होते थे, चाहे वे वास्तविक हों या नकली। सीढ़ियों से पहुँचने वाले इस मंच के बगल में दो और कुर्सियाँ थीं, जिन पर कैदियों को ले जा रहे लोगों ने डॉन क्विक्सोट और सांचो को चुपचाप बैठाया। उन्होंने इशारों से उन्हें भी चुप रहने का संकेत दिया; हालाँकि, वे बिना किसी इशारे के भी चुप रहते, क्योंकि जो कुछ उन्होंने देखा था, उससे वे इतने अचंभित थे कि उनकी ज़बान बंद हो गई थी। तभी दो प्रतिष्ठित व्यक्ति, जिन्हें डॉन क्विक्सोट ने तुरंत अपने मेज़बान ड्यूक और डचेस के रूप में पहचान लिया, एक बड़े दल के साथ मंच पर आए और उन दो राजाओं के पास ही दो भव्य कुर्सियों पर बैठ गए। भला इस पर कौन आश्चर्यचकित नहीं होता? बात यहीं खत्म नहीं हुई, क्योंकि डॉन क्विक्सोट ने यह भी जान लिया था कि ताबूत पर पड़ा शव सुंदर अल्टिसिडोरा का था। जैसे ही ड्यूक और डचेस मंच पर आए, डॉन क्विक्सोट और सांचो उठे और उन्हें प्रणाम किया, जिसका जवाब उन्होंने थोड़ा सिर झुकाकर दिया। उसी क्षण एक अधिकारी वहाँ से गुजरा और सांचो के पास पहुँचकर उस पर आग की लपटों

तेरी स्तुति गाते हुए उसका मार्ग अभी भी जारी रहेगा।
और विस्मृति के जल को स्थिर रहने दो।
{श्लोक
इस बिंदु पर राजाओं जैसे दिखने वाले दो लोगों में से एक ने कहा, "बस करो, बस करो, दिव्य गायक! अब हमारे सामने अद्वितीय अल्टिसिडोरा की मृत्यु और उसके आकर्षण को प्रस्तुत करना एक अंतहीन कार्य होगा। वह अज्ञानी दुनिया की कल्पना के विपरीत मृत नहीं है, बल्कि प्रसिद्धि की आवाज में और उस तपस्या में जीवित है जो सांचो पांजा, यहाँ उपस्थित, उसे खोए हुए प्रकाश में वापस लाने के लिए कर रहा है। इसलिए, हे राडामेंथस, जो मेरे साथ डिस की अंधेरी गुफाओं में न्याय कर रहे हो, क्योंकि तुम इस युवती के पुनर्जीवन के संबंध में रहस्यमय भाग्य के सभी निर्णयों को जानते हो, तुम तुरंत इसकी घोषणा करो और स्पष्ट करो कि उसके पुनर्जीवन से हमें जो खुशी मिलने की उम्मीद है, वह अब और विलंबित न हो।"
रादामंथस के सह-न्यायाधीश मिनोस के ऐसा कहते ही, रादामंथस उठकर बोला:
"हे इस सदन के सभी अधिकारियों, उच्च और निम्न, बड़े और छोटे, सब लोग जल्दी यहाँ आओ और सांचो के चेहरे पर चौबीस थप्पड़ मारो, और उसकी पीठ और बाहों में बारह चुटकी और छह सुई चुभो दो; क्योंकि इसी रस्म पर अल्टिसिडोरा की वापसी निर्भर करती है।"
यह सुनकर सांचो ने अपनी चुप्पी तोड़ी और चिल्लाया, "भगवान की कसम, मैं मूर बनने के बजाय थप्पड़ खाना या हाथ-पैर मारना ज़्यादा पसंद करूँगा। हे भगवान! इस युवती के पुनरुत्थान से मेरे चेहरे को छूने का क्या लेना-देना है? बुढ़िया को तो ये बदमाश पसंद थे; वे डुलसीनिया पर जादू करते हैं और उसे जादू से मुक्त करने के लिए मुझे कोड़े मारते हैं; अल्टिसिडोरा उन बीमारियों से मर जाती है जो भगवान ने उसे भेजी हैं, और उसे फिर से जीवित करने के लिए उन्हें मुझे चौबीस थप्पड़ मारने होंगे, मेरे शरीर में पिन चुभोने होंगे और मेरी बाहों पर चुटकी काटकर निशान बनाने होंगे! ये मज़ाक किसी जीजा पर करके देखो; मैं बूढ़ा हो चुका हूँ, और "तुस, तुस" मेरे लिए बेकार है।"
“तू मरेगा,” रादामंथस ने ऊँची आवाज़ में कहा; “हे बाघ, दया कर; हे घमंडी निम्रोद, विनम्र हो जा; सहन कर चुप रह, क्योंकि तुझसे कोई असंभव अपेक्षा नहीं की जाती; इस मामले में पेचीदगियों की जाँच करना तेरे लिए उचित नहीं

है; तुझे थप्पड़ पड़ेंगे, तुझे चुभन का सामना करना पड़ेगा, और चुटकी काटकर तुझे तड़पाया जाएगा। हे अधिकारियों, मैं कहता हूँ, मेरे आदेशों का पालन कर; वरना एक ईमानदार व्यक्ति के शब्दों से, तू देख लेगा कि तू किस लिए पैदा हुआ है।”
तभी करीब छह दाइयाँ दरबार में जुलूस की तरह एक के बाद एक प्रकट हुईं। उनमें से चार ने चश्मा लगा रखा था और सभी ने अपने दाहिने हाथ ऊपर उठा रखे थे, कलाई की चार उंगलियाँ दिखाते हुए ताकि उनके हाथ लंबे दिखें, जैसा कि आजकल फैशन है। सांचो ने उन्हें देखते ही बैल की तरह दहाड़ते हुए कहा, "मैं सारी दुनिया को अपने हाथों से छूने देता हूँ; लेकिन दाइयों को मुझे छूने नहीं दूँगा—बिल्कुल नहीं! मेरे चेहरे पर खरोंचें मारो, जैसे मेरे मालिक के साथ इसी महल में हुआ था; मेरे शरीर में चमकीले खंजर घोंप दो; मेरी बाहों को गर्म चिमटों से नोच लो; मैं इन सज्जनों की सेवा में सब कुछ धैर्य से सह लूँगा; लेकिन मैं दाइयों को मुझे छूने नहीं दूँगा, चाहे शैतान ही मुझे उठा ले जाए!"
यहां डॉन क्विक्सोट ने भी अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सांचो से कहा, "धैर्य रखो, मेरे बेटे, और इन नेक लोगों को प्रसन्न करो, और स्वर्ग का धन्यवाद करो कि उसने तुम्हारे व्यक्तित्व में ऐसा सद्गुण भर दिया है कि उसके कष्टों से तुम मोहित लोगों को मोहित होने से मुक्त कर सकते हो और मृतकों को जीवनदान दे सकते हो।"
अब दासियां सांचो के करीब आ चुकी थीं, और वह अधिक विनम्र और समझदार हो जाने के कारण, अपनी कुर्सी पर आराम से बैठते हुए, अपना चेहरा और दाढ़ी पहली दासी के सामने पेश कर दी, जिसने उसे बहुत जोर से एक थप्पड़ मारा, और फिर झुककर प्रणाम किया।
"कम शिष्टता और कम रंग लगाओ, महोदया दुएन्ना," सांचो ने कहा; "भगवान की कसम, तुम्हारे हाथों से सिरके की बदबू आ रही है।"
संक्षेप में, सभी दासियों ने उसे थप्पड़ मारे और घर के कई अन्य लोगों ने उसे चुटकी काटी; लेकिन जो बात उसे असहनीय लगी, वह थी पिनों से चुभना; और इसलिए, जाहिरा तौर पर धैर्य खोकर, वह अपनी कुर्सी से उठ खड़ा हुआ, और अपने पास रखी एक जलती हुई मशाल को छीनकर दासियों और अपने सभी यातना देने वालों पर टूट पड़ा, और चिल्लाया, "चले जाओ, नरक के दूतों; मैं पीतल का नहीं बना हूँ कि ऐसी भयानक यातनाओं को सहन न कर सकूँ।"

इसी क्षण अल्टिसिडोरा, जो शायद इतनी देर तक पीठ के बल लेटे रहने से ऊब गई थी, करवट बदल कर एक तरफ हो गई; यह देखकर आस-पास खड़े लोग लगभग एक स्वर में चिल्ला उठे, "अल्टिसिडोरा ज़िंदा है! अल्टिसिडोरा जीवित है!"
राडामेंथस ने सांचो से अपना क्रोध त्यागने को कहा, क्योंकि उनका उद्देश्य अब पूरा हो चुका था। जब डॉन क्विक्सोट ने अल्टिसिडोरा को हिलते हुए देखा, तो वह सांचो के सामने घुटनों के बल बैठ गया और उससे कहा, "हे मेरे प्रिय पुत्र, अब समय आ गया है कि मैं तुझे अपना सहायक न कहूँ, बल्कि तू डुलसीनिया को विवश करने के लिए जो कोड़े मारने का आदेश दिया गया है, उनमें से कुछ कोड़े खुद पर भी मार ले। अब, मैं कहता हूँ, वह समय आ गया है जब तेरे भीतर का सद्गुण परिपक्व हो चुका है, और तुझसे अपेक्षित भलाई करने की शक्ति से संपन्न हो चुका है।"
इस पर सांचो ने जवाब दिया, "मुझे लगता है ये तो एक के ऊपर एक चाल है, पैनकेक पर शहद नहीं; चुटकी काटने, थप्पड़ मारने और सुई चुभोने के ऊपर अब कोड़े पड़ना कितना बुरा होगा! बेहतर होगा कि तुम एक बड़ा पत्थर लो और उसे मेरे गले में बांधकर मुझे कुएँ में फेंक दो; मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा अगर मुझे हमेशा दूसरों की बीमारियों के इलाज के लिए शादी की गाय ही बनाया जाना है। मुझे अकेला छोड़ दो; वरना भगवान की कसम, मैं सब कुछ कुत्तों के सामने फेंक दूँगा, चाहे कुछ भी हो जाए।"
इस समय तक अल्टिसिडोरा शवपेटिका पर बैठ चुकी थी, और जैसे ही वह बैठी, तुरही की ध्वनि गूंजी, साथ ही बांसुरी की धुनें भी सुनाई दीं, और वहां मौजूद सभी लोगों ने एक साथ कहा, "अल्टिसिडोरा की जय हो! अल्टिसिडोरा की जय हो!" ड्यूक और डचेस और राजा मिनोस और राडामेंथस खड़े हो गए, और डॉन क्विक्सोट और सांचो सहित सभी लोग उसका स्वागत करने और उसे शवपेटिका से नीचे उतारने के लिए आगे बढ़े; और वह, मानो बेहोशी से उबर रही हो, ड्यूक, डचेस और राजाओं के सामने सिर झुकाकर डॉन क्विक्सोट की ओर तिरछी नज़र से देखते हुए बोली, "हे अचेतन योद्धा, ईश्वर तुम्हें क्षमा करे, क्योंकि तुम्हारी क्रूरता के कारण मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं हज़ार साल से भी ज़्यादा समय तक परलोक में रही हूँ; और हे पृथ्वी पर सबसे दयालु, मैं तुम्हें उस जीवन के लिए धन्यवाद देती हूँ जो अब मेरे पास है। हे मित्र सांचो, आज से मेरी दी हुई छह कमीज़ें, जिन्हें मैं तुम्हें दे रही हूँ, अपने लिए उतनी ही कमीज़ें बना लो, और यदि वे सभी पूरी तरह से सही सलामत न भी हों, तो भी वे सभी साफ़ हैं।"

सांचो ने कृतज्ञतापूर्वक घुटनों के बल बैठकर, हाथ में मुकुट लिए हुए, उनके हाथों को चूमा। ड्यूक ने उनसे मुकुट और टोपी वापस लेने और उनका जलता हुआ वस्त्र उतारने का आदेश दिया। सांचो ने ड्यूक से विनती की कि वे उन्हें वस्त्र और मुकुट वहीं छोड़ दें; क्योंकि वह उस अद्वितीय साहसिक कार्य की स्मृति के रूप में उन्हें घर ले जाना चाहता था। डचेस ने कहा कि उन्हें उन्हें वहीं छोड़ना होगा; क्योंकि वह पहले से ही जानता था कि वह उसकी कितनी बड़ी मित्र थी। फिर ड्यूक ने आदेश दिया कि दरबार खाली कर दिया जाए, सभी अपने-अपने कमरों में चले जाएं, और डॉन क्विक्सोट और सांचो को उनके पुराने आवास पर ले जाया जाए।

70

अध्याय
जो उनसठ के बाद आता है और इस इतिहास को स्पष्ट रूप से समझने के लिए अपरिहार्य मामलों से संबंधित है।
उस रात सांचो डॉन क्विक्सोट के साथ एक ही कमरे में चारपाई पर सोया। अगर संभव होता तो वह इस बात को माफ कर देता, क्योंकि वह अच्छी तरह जानता था कि उसके स्वामी उसे सवालों और जवाबों से सोने नहीं देंगे, और वह ज्यादा बात करने के मूड में भी नहीं था, क्योंकि उसे अभी भी अपनी पिछली शहादत का दर्द महसूस हो रहा था, जिसने उसकी बोलने की आजादी पर रोक लगा रखी थी; और उस आलीशान कमरे में सबके साथ सोने की बजाय अकेले एक झोपड़ी में सोना उसे ज्यादा अच्छा लगता। और उसका डर इतना सही साबित हुआ, और उसकी भविष्यवाणी इतनी सटीक निकली कि उसके स्वामी के बिस्तर पर लेटते ही उसने कहा, "आज रात के इस साहसिक कार्य के बारे में तुम्हारा क्या विचार है, सांचो? निर्मम तिरस्कार की शक्ति बहुत बड़ी और शक्तिशाली होती है, क्योंकि तुमने अपनी आँखों से अल्टिसिडोरा को मरते देखा है, न तो तीरों से, न तलवार से, न किसी युद्धक हथियार से, न ही घातक जहर से, बल्कि उस कठोरता और तिरस्कार के विचार से, जिसके साथ मैंने हमेशा उसके साथ व्यवहार किया है।"
सांचो ने कहा, "वह मर सकती थी और उसे कोई आपत्ति नहीं होती, जब वह चाहती और जैसे वह चाहती; और वह मुझे अकेला छोड़ सकती थी, क्योंकि मैंने न तो उसे कभी प्यार में पड़ने दिया और न ही उसका अपमान किया। मैं नहीं जानता और न ही कल्पना कर सकता हूँ कि अल्टिसिडोरा, जो बुद्धि से ज़्यादा कल्पनाशील युवती है, के ठीक होने का, जैसा कि मैंने पहले कहा है, सांचो पांज़ा के कष्टों से क्या संबंध हो सकता है। अब मुझे स्पष्ट रूप से समझ में आने लगा है कि दुनिया में जादूगर और जादू के शिकार लोग हैं; और ईश्वर मुझे उनसे बचाए, क्योंकि मैं खुद को नहीं बचा सकता; इसलिए मैं आपसे विनती करता हूँ कि मुझे सोने दें और मुझसे और कोई प्रश्न न पूछें, अन्यथा मैं खिड़की से कूद जाऊँगा।"
"सो जाओ, मेरे दोस्त सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "अगर तुम्हें चुभन और थप्पड़ों से नींद आने लगे तो।"

"थप्पड़ों के अपमान के आगे मुझे कोई दर्द नहीं हुआ," सांचो ने कहा, "क्योंकि ये तो उन औरतों ने मारे थे, धिक्कार है उन्हें; लेकिन मैं एक बार फिर आपसे विनती करता हूँ कि मुझे सोने दें, क्योंकि नींद उन लोगों के लिए दुख से राहत है जो जागते हुए दुखी होते हैं।"
"ऐसा ही हो, और ईश्वर तुम्हारे साथ हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा।
वे दोनों सो गए, और इस महान इतिहास के लेखक सिडे हैमेट ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए ड्यूक और डचेस द्वारा रची गई विस्तृत साजिश का विवरण दर्ज किया। वे कहते हैं कि कुंवारे सैमसन कैरास्को को यह याद था कि कैसे दर्पणों के शूरवीर के रूप में डॉन क्विक्सोट ने उसे पराजित कर दिया था, जिससे उसकी सारी योजनाएँ धराशायी हो गई थीं। इसलिए, उसने बेहतर भाग्य की आशा में फिर से प्रयास करने का निश्चय किया; और इसलिए, सांचो की पत्नी टेरेसा पांजा को पत्र और उपहार लाने वाले सेवक से डॉन क्विक्सोट के ठिकाने का पता चलने पर, उसने अपने लिए नया कवच और एक नया घोड़ा प्राप्त किया, अपनी ढाल पर एक सफेद चंद्रमा लगाया, और अपने हथियारों को ले जाने के लिए एक किसान द्वारा चलाए जा रहे खच्चर का इस्तेमाल किया, न कि अपने पूर्व सहायक टॉम सेशियल से, इस डर से कि कहीं सांचो या डॉन क्विक्सोट उसे पहचान न लें। वह ड्यूक के महल में आया, और ड्यूक ने उसे उस रास्ते और मार्ग के बारे में बताया जो डॉन क्विक्सोट ने सारगोसा में होने वाली तलवारबाजी प्रतियोगिता में भाग लेने के इरादे से अपनाया था। उसने उसे अपने द्वारा उस पर किए गए मज़ाकों और सांचो की पीठ पर डुलसीनिया के जादू को तोड़ने की तरकीब के बारे में भी बताया; और अंत में उसने उसे उस चाल का ब्योरा दिया जो सांचो ने अपने स्वामी के साथ चली थी, जिससे उसे यह विश्वास हो गया था कि डुलसीनिया पर जादू हो गया है और वह एक देहाती लड़की बन गई है; और यह भी बताया कि कैसे उसकी पत्नी, डचेस ने सांचो को यह विश्वास दिलाया कि वास्तव में डुलसीनिया पर जादू हो गया है और वह खुद धोखा खा गया है; यह सुनकर कुंवारा खूब हंसा और सांचो की चतुराई और सरलता के साथ-साथ डॉन क्विक्सोट के पागलपन की हद पर भी आश्चर्यचकित हुआ। ड्यूक ने उससे विनती की कि यदि वह उसे (चाहे वह उसे हरा पाए या नहीं) मिल जाए तो वह उसी रास्ते से वापस आए और उसे परिणाम बताए। कुंवारे ने ऐसा ही किया; वह डॉन क्विक्सोट की खोज में निकल पड़ा, और जब वह उसे सारागोसा में नहीं मिला, तो वह आगे बढ़ गया, और उसका क्या अंजाम हुआ, यह पहले ही बताया जा चुका है। वह ड्यूक के महल में लौटा और उसे सब कुछ बताया,

युद्ध की स्थिति क्या थी, और कैसे डॉन क्विक्सोट अब एक वफादार योद्धा की तरह अपने गाँव में एक साल के लिए आराम करने का वादा पूरा करने लौट रहा था, जिसके बारे में कुंवारे ने कहा, तब तक शायद वह अपने पागलपन से ठीक हो जाए; क्योंकि यही वह उद्देश्य था जिसके कारण उसने ये वेश बदले थे, क्योंकि डॉन क्विक्सोट जैसे अच्छे गुणों वाले सज्जन का पागल होना दुखद था। और इस तरह उसने ड्यूक से विदा ली, और अपने गाँव लौट गया, जहाँ वह डॉन क्विक्सोट का इंतज़ार करने लगा, जो उसके पीछे आ रहा था। तब ड्यूक ने उस पर इस रहस्यवाद का प्रयोग करने का अवसर पा लिया; उसे सांचो और डॉन क्विक्सोट से जुड़ी हर चीज़ में इतना आनंद आता था। उसने महल के आस-पास की सभी सड़कों पर, जहाँ उसे लगता था कि डॉन क्विक्सोट के लौटने पर आने की संभावना है, अपने बहुत से सेवकों को पैदल और घुड़सवार रूप से तैनात कर दिया था। इन सेवकों को डॉन क्विक्सोट को किसी भी तरह महल तक लाना था, चाहे सही हो या गलत। डॉन क्विक्सोट उनसे मिला और उसने ड्यूक को सूचना भेजी। ड्यूक ने पहले ही तय कर लिया था कि क्या करना है, और डॉन क्विक्सोट के आने की खबर सुनते ही उसने दरबार में मशालें और दीपक जलाने का आदेश दिया। अल्टिसिडोरा को पूरे ठाठ-बाठ और समारोह के साथ शवपेटिका पर बिठाया गया, जैसा कि वर्णन किया गया है। यह सब इतनी कुशलता से आयोजित और अभिनय किया गया था कि वास्तविकता से बहुत कम ही भिन्न था। इसके अलावा, सिडे हैमेट कहते हैं कि वे इस मज़ाक को रचने वालों को उतना ही पागल समझते हैं जितना कि इसके शिकार, और ड्यूक और डचेस खुद भी मूर्खों की तरह ही थे जब उन्होंने दो मूर्खों का मज़ाक उड़ाने में इतनी मेहनत की।
दूसरे की बात करें तो, एक गहरी नींद में सो रहा था और दूसरा जागते हुए अपने विचारों में खोया हुआ था, तभी सुबह हुई और उठने की इच्छा जागी; क्योंकि डॉन क्विक्सोट को, चाहे वह विजयी हो या पराजित, आलसी नींद कभी पसंद नहीं थी। डॉन क्विक्सोट की कल्पना के अनुसार, अल्टिसिडोरा मृत्यु से जीवन में लौट आई थी, अपने स्वामी और स्वामिनी के इस अजीबोगरीब दृश्य का अनुसरण करते हुए, कमरे में दाखिल हुई। उसके सिर पर वही माला थी जो उसने शवयात्रा के दौरान पहनी थी, और उसने सुनहरे फूलों से सजी सफेद टैफेटा की पोशाक पहनी हुई थी, उसके बाल कंधों पर खुले हुए थे, और वह काले आबनूस की एक सुंदर छड़ी पर झुकी हुई थी। उसके प्रकट होने पर डॉन क्विक्सोट व्याकुल और भ्रमित हो गया, उसने खुद को चादरों और कंबल से लगभग पूरी तरह ढक लिया, वह अवाक रह गया और उसे कोई

शिष्टाचार नहीं दिखा सका। अल्टिसिडोरा पलंग के सिरहाने कुर्सी पर बैठ गई और एक गहरी आह भरने के बाद, कमजोर और कोमल स्वर में उससे बोली, "जब उच्च कोटि की स्त्रियाँ और नम्र युवतियाँ सम्मान को पैरों तले रौंदती हैं, और अपनी ज़ुबान को हर बाधा को तोड़ते हुए अपने दिल के गहरे राज़ सार्वजनिक कर देती हैं, तो वे अत्यंत पीड़ा में पहुँच जाती हैं। मैं भी वैसी ही हूँ, ला मांचा के सेनर डॉन क्विक्सोट, कुचली हुई, पराजित, प्रेम में डूबी हुई, फिर भी कष्ट सहते हुए धैर्यवान और गुणी, और इतनी कि मेरा हृदय दुःख से टूट गया और मैंने अपनी जान गंवा दी। पिछले दो दिनों से मैं मृत समान हूँ, उस क्रूरता के विचार से मारी गई हूँ जिसके साथ तुमने मेरे साथ व्यवहार किया है, हठी योद्धा।"
हे मेरी शिकायत के प्रति संगमरमर से भी अधिक कठोर हो तुम;
या कम से कम मुझे देखने वाले सभी लोग मुझे मृत मान लेते; और यदि प्रेम ने मुझ पर दया न की होती और मेरी मुक्ति का श्रेय इस भले जमींदार के कष्टों को न दिया होता, तो मैं परलोक में ही रह जाता।
"प्रेम ने शायद मेरे गधे के कष्टों पर अपना विश्राम किया होता, और मैं उसका ऋणी होता," सांचो ने कहा। "परंतु बताइए, महोदया—और ईश्वर आपको मेरे स्वामी से भी अधिक कोमल प्रेमी प्रदान करे—आपने परलोक में क्या देखा? नरक में क्या होता है? क्योंकि जो निराशा में मरता है, वह तो वहीं जाता है।" "सच कहूँ तो," अल्टिसिडोरा ने कहा, "मैं तुरंत नहीं मरी, क्योंकि मैं नरक में नहीं गई; अगर मैं गई होती, तो निश्चित रूप से मैं कभी बाहर नहीं आ पाती, चाहे मैं कुछ भी कर लेती। असल में, मैं द्वार पर पहुँची, जहाँ लगभग एक दर्जन शैतान टेनिस खेल रहे थे, सभी ने ब्रीचेस और डबलट पहने हुए थे, उनके कॉलर फ्लेमिश बोनलेस से सजे हुए थे, और उसी के रफ़ल उनके रिस्टबैंड का काम कर रहे थे, उनकी बाँहें चार उंगल चौड़ी थीं ताकि उनके हाथ लंबे दिखें; उनके हाथों में आग के रैकेट थे; लेकिन जिस बात ने मुझे और भी हैरान किया, वह यह थी कि किताबें, जो जाहिर तौर पर हवा और कचरे से भरी थीं, उनके लिए टेनिस बॉल का काम कर रही थीं, एक अजीब और आश्चर्यजनक बात; हालाँकि, इससे ज़्यादा मुझे इस बात ने हैरान किया कि, खिलाड़ियों में आमतौर पर जीतने वाले खुश होते हैं और हारने वाले दुखी, उस खेल में सभी गुर्रा रहे थे, एक-दूसरे पर घुरघुरा रहे थे और एक-दूसरे को कोस रहे थे।" "इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है,"

सांचो ने कहा; "शैतान चाहे खेल रहे हों या नहीं, कभी संतुष्ट नहीं हो सकते, चाहे जीत हो या हार।"
"बहुत संभव है," अल्टिसिडोरा ने कहा; "लेकिन एक और बात है जिसने मुझे आश्चर्यचकित किया, मेरा मतलब है कि उस समय मुझे आश्चर्यचकित किया था, और वह यह थी कि कोई भी गेंद पहले फेंके जाने के बाद नहीं टिकी या दूसरी बार किसी काम की नहीं रही; और किताबों का लगातार आना, नई और पुरानी, आश्चर्यजनक था। उनमें से एक बिल्कुल नई, अच्छी तरह से बंधी हुई किताब पर उन्होंने ऐसा प्रहार किया कि उसके पन्ने बिखर गए। 'देखो यह कैसी किताब है,' एक शैतान ने दूसरे से कहा, और दूसरे ने उत्तर दिया, 'यह 'डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा का इतिहास का दूसरा भाग' है, मूल लेखक सिडे हैमेट द्वारा नहीं, बल्कि एक आरागोनवासी द्वारा, जो अपने ही कथन के अनुसार टोरडेसिलास का है।' 'इसे यहाँ से निकालो,' पहले ने कहा, 'और इसे मेरी नज़रों से दूर नरक की गहराइयों में डाल दो।' 'क्या यह इतनी बुरी है?'" दूसरे ने कहा। पहले ने कहा, 'यह इतना बुरा है कि अगर मैंने जानबूझकर इससे भी बुरा बनाने की कोशिश की होती, तो भी मैं ऐसा नहीं कर पाता।' फिर वे अपना खेल जारी रखते हुए दूसरी किताबों को इधर-उधर फेंकने लगे; और मैंने, उन्हें डॉन क्विक्सोट का नाम लेते हुए सुनकर, जिसे मैं बहुत प्यार करता हूँ और पूजता हूँ, इस दृश्य को अपनी स्मृति में संजो कर रखा।
"यह एक भ्रम ही रहा होगा, इसमें कोई शक नहीं," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि दुनिया में 'मैं' के अलावा कोई और नहीं है; यह इतिहास यहाँ कुछ समय से एक हाथ से दूसरे हाथ में घूमता रहा है, लेकिन किसी के पास ज़्यादा देर नहीं टिकता, क्योंकि हर कोई इसे अपने पैरों से कुचल देता है। मुझे इस बात से कोई परेशानी नहीं है कि मैं किसी गड्ढे के अँधेरे में या ऊपर दिन के उजाले में एक अजीब से रूप में भटक रहा हूँ, क्योंकि मैं वह नहीं हूँ जिसके बारे में इतिहास लिखता है। अगर यह अच्छा, वफादार और सच्चा हो, तो इसका जीवनकाल लंबा होगा; लेकिन अगर यह बुरा हो, तो इसके जन्म से लेकर अंत तक का सफर बहुत लंबा नहीं होगा।"
अल्टिसिडोरा डॉन क्विक्सोट के खिलाफ अपनी शिकायत जारी रखने ही वाली थी कि तभी उसने उससे कहा, "मैंने तुम्हें कई बार बताया है, महोदया, कि मुझे इस बात का दुख है कि तुमने मुझ पर अपना स्नेह जताया है, क्योंकि मेरी ओर से तुम्हें केवल कृतज्ञता ही मिल सकती है, प्रतिफल नहीं। मैं डुलसीनिया डेल

टोबोसो का होने के लिए पैदा हुआ था, और भाग्य ने, यदि कोई है, तो मुझे उसी के लिए समर्पित किया है; और यह सोचना कि कोई और सुंदरी मेरे दिल में उसका स्थान ले सकती है, असंभव है। यह स्पष्ट कथन तुम्हें अपनी शालीनता की सीमाओं में वापस लौटने के लिए पर्याप्त होना चाहिए, क्योंकि कोई भी असंभव को संभव नहीं कर सकता।"
यह सुनकर अल्टिसिडोरा ने क्रोध और उत्तेजना का प्रदर्शन करते हुए कहा, "हे भगवान! डॉन स्टॉकफिश, जो किसी पत्थर की आत्मा और खजूर की तरह कठोर है, जो मन बना लेने पर किसी विदूषक से भी अधिक हठी और अड़ियल है, अगर मैं तुम पर टूट पड़ी तो तुम्हारी आँखें निकाल दूँगी! क्या तुम्हें लगता है, डॉन पराजित, डॉन कुदाल से पीटे गए, कि मैं तुम्हारे लिए मरी? आज रात तुमने जो कुछ भी देखा है वह सब दिखावा था; मैं ऐसी औरत नहीं हूँ जो ऐसे ऊँट के लिए अपने नाखून के काले भाग को भी कष्ट सहने दूँ, मरना तो दूर की बात है!"
"मैं इस बात पर पूरी तरह विश्वास कर सकता हूँ," सांचो ने कहा; "क्योंकि प्रेमियों के तड़प-तड़प कर मरने की बात तो बेतुकी है; वे इसके बारे में बातें तो कर सकते हैं, लेकिन इसे करने की बात करें तो - यहूदा भी इस पर विश्वास कर सकता है!"
जब वे बातें कर रहे थे, तभी संगीतकार, गायक और कवि, जिन्होंने ऊपर दिए गए दो छंद गाए थे, अंदर आए और डॉन क्विक्सोट को प्रणाम करते हुए बोले, "महाराज, क्या आप मुझे अपने सबसे वफादार सेवकों में गिनेंगे और रखेंगे, क्योंकि मैं लंबे समय से आपका बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूँ, आपकी प्रसिद्धि और आपकी उपलब्धियों दोनों के कारण?" डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "महाराज, क्या आप मुझे बताएँगे कि आप कौन हैं, ताकि मेरी विनम्रता आपके गुणों के अनुरूप हो?" उस युवक ने उत्तर दिया कि वह पिछली रात का संगीतकार और गायक था। डॉन क्विक्सोट ने कहा, "सचमुच, महाराज, आपकी आवाज़ बहुत अच्छी है; लेकिन आपने जो गाया वह मुझे कुछ खास नहीं लगा; क्योंकि गार्सिलासो के छंदों का इस महिला की मृत्यु से क्या लेना-देना है?"
"इस पर आश्चर्य मत करो," संगीतकार ने जवाब दिया; "क्योंकि हमारे समय के अनुभवहीन कवियों का यही तरीका है कि हर कोई अपनी मर्जी से लिखता है और जहां चाहे वहां से संदर्भ चुराता है, चाहे वह विषय से संबंधित हो या नहीं, और आजकल वे जो भी मूर्खतापूर्ण गीत या रचना गाते या लिखते हैं, उसे काव्यात्मक स्वतंत्रता का परिणाम माना जा सकता है।"

डॉन क्विक्सोट जवाब देने ही वाले थे कि ड्यूक और डचेस ने उन्हें रोक दिया, जो उनसे मिलने आए थे। उनके साथ एक लंबी और मनोरंजक बातचीत हुई, जिसके दौरान सांचो ने इतनी मजाकिया और शरारती बातें कहीं कि ड्यूक और डचेस न केवल उनकी सरलता पर बल्कि उनकी चतुराई पर भी आश्चर्यचकित रह गए। डॉन क्विक्सोट ने उनसे उसी दिन जाने की अनुमति मांगी, क्योंकि उनके जैसे पराजित योद्धा के लिए शाही महल में रहने की बजाय सूअर के बाड़े में रहना ज्यादा उचित था। उन्होंने तुरंत अनुमति दे दी, और डचेस ने उनसे पूछा कि क्या अल्टिसिडोरा उनके मन की कृपा का पात्र है।
उन्होंने उत्तर दिया, "महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इस युवती की बीमारी पूरी तरह से आलस्य के कारण है, और इसका इलाज ईमानदारी से और निरंतर काम करना है। उसने स्वयं मुझे बताया है कि नरक में लेस पहनी जाती है; और चूंकि उसे इसे बनाना आना चाहिए, इसलिए इसे कभी भी उसके हाथों से दूर न होने दें; क्योंकि जब वह बॉबिन को आगे-पीछे करने में व्यस्त होगी, तो उसकी प्रिय छवि या छवियाँ उसके विचारों में नहीं घूमेंगी; यही सत्य है, यही मेरी राय है, और यही मेरी सलाह है।"
“और मेरी भी,” सांचो ने आगे कहा; “क्योंकि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी किसी फीते बनाने वाली को प्रेम में मरते नहीं देखा; जब युवतियाँ काम कर रही होती हैं तो उनका ध्यान अपने काम को पूरा करने पर अधिक होता है, अपने प्रेम के बारे में सोचने पर नहीं। मैं अपने अनुभव से कह रहा हूँ; क्योंकि जब मैं खुदाई कर रहा होता हूँ तो मैं अपनी पत्नी के बारे में कभी नहीं सोचता; मेरा मतलब है मेरी टेरेसा पांज़ा, जिसे मैं अपनी पलकों से भी ज़्यादा प्यार करता हूँ।” “तुमने सही कहा, सांचो,” डचेस ने कहा, “और मैं ध्यान रखूँगी कि मेरी अल्टिसिडोरा अब से किसी न किसी तरह के कढ़ाई के काम में व्यस्त रहे; क्योंकि वह इसमें बहुत कुशल है।” “उस उपाय का सहारा लेने की कोई आवश्यकता नहीं है, महोदया,” अल्टिसिडोरा ने कहा; “क्योंकि उस आवारा दुष्ट ने मेरे साथ जिस क्रूरता से व्यवहार किया है, उसका मात्र विचार ही उसे मेरी स्मृति से मिटाने के लिए पर्याप्त है, किसी अन्य उपाय की आवश्यकता नहीं है; आपकी अनुमति से मैं एकांतवास में जा रही हूँ, ताकि मैं अपनी आँखों के सामने, मैं यह नहीं कहूँगी कि उसका दुखी चेहरा, बल्कि उसके घिनौने, बदसूरत रूप को देख सकूँ।” "इससे मुझे वह आम कहावत याद आती है कि 'जो निंदा करता है, वह क्षमा करने के लिए भी तैयार रहता है'," ड्यूक ने कहा।

इसके बाद अल्टिसिडोरा ने रूमाल से अपने आंसू पोंछने का नाटक करते हुए अपने स्वामी और स्वामिनी को प्रणाम किया और कमरे से बाहर चली गई।
"हे बेचारी युवती, तेरा दुर्भाग्य हो! तेरा दुर्भाग्य हो! तूने एक ऐसे व्यक्ति से नाता तोड़ लिया है जिसकी आत्मा सूखी सरकंडे जैसी और हृदय कठोर ओक के पेड़ जैसा है; अगर मैं होता, तो सच में कोई और मुर्गा तेरे लिए बांग देता।"
इस प्रकार बातचीत समाप्त हुई, और डॉन क्विक्सोट ने कपड़े पहने और ड्यूक और डचेस के साथ भोजन किया, और उसी शाम रवाना हो गए।

71

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और उसके साथी सांचो के बीच अपने गाँव जाते समय जो कुछ हुआ, उसका वर्णन।
पराजित और दुखी डॉन क्विक्सोट एक तरह से बेहद उदास और दूसरी तरह से बेहद खुश था। उसकी उदासी उसकी पराजय से उपजी थी, और संतोष उसे सांचो में निहित सद्गुण के विचार से मिला था, जैसा कि अल्टिसिडोरा के पुनरुत्थान से सिद्ध हो गया था; हालाँकि उसे यह विश्वास करना मुश्किल हो रहा था कि प्रेम में डूबी युवती वास्तव में मर गई थी। सांचो बिलकुल भी प्रसन्न नहीं था, क्योंकि उसे इस बात का दुख था कि अल्टिसिडोरा ने उसे फ्रॉक देने का अपना वादा पूरा नहीं किया था; यह सब सोचते हुए उसने अपने स्वामी से कहा, "महोदय, मैं सचमुच दुनिया का सबसे बदनसीब चिकित्सक हूँ; कई चिकित्सक ऐसे हैं जो बीमार व्यक्ति का इलाज करने के बाद उसे मार डालते हैं और अपने काम के लिए पैसे मांगते हैं, भले ही उन्हें केवल दवाइयों की सूची पर हस्ताक्षर करने हों, जो दवा विक्रेता द्वारा बनाई जाती है, न कि स्वयं चिकित्सक द्वारा, और बस, उनका काम खत्म हो जाता है; लेकिन मेरे साथ तो किसी और का इलाज करने में खून की बूँदें, थप्पड़, चुटकी, सुई चुभोना और कोड़े पड़ जाते हैं, फिर भी कोई मुझे एक पैसा भी नहीं देता। खैर, मैं कसम खाता हूँ कि अगर कोई और मरीज मेरे पास आया, तो उसे ठीक करने से पहले उन्हें मुझे रिश्वत देनी पड़ेगी; क्योंकि जैसा कि कहते हैं, 'मठवासी को भोजन उसके गायन से मिलता है,' और मैं यह मानने वाला नहीं हूँ कि स्वर्ग ने मुझे जो सद्गुण दिए हैं, उन्हें मैं दूसरों को मुफ्त में बाँटता रहूँ।"
“सांचो, मेरे मित्र, तुम सही कह रहे हो,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “और अल्टिसिडोरा ने तुम्हें वादा किया हुआ वस्त्र न देकर बहुत बुरा बर्ताव किया है; और यद्यपि तुम्हारा यह सद्गुण नि:शुल्क है—क्योंकि इसके लिए तुम्हें कोई परिश्रम नहीं करना पड़ा, ठीक वैसे ही जैसे तुम्हारे व्यक्तिगत कष्टों के लिए कोई परिश्रम नहीं करना पड़ता—मैं स्वयं कह सकता हूँ कि यदि तुम डुलसीनिया के जादू को तोड़ने के कारण कोड़ों के बदले मुआवज़ा चाहते, तो मैं तुम्हें यह पहले ही निःशुल्क दे देता। हालाँकि, मुझे यकीन नहीं है कि मुआवज़ा इलाज के अनुरूप होगा या नहीं, और मैं नहीं

चाहता कि इनाम दवा के असर में बाधा डाले। मुझे लगता है कि इसे आज़माने में कोई नुकसान नहीं है; सोचो कि तुम्हें कितना चाहिए, सांचो, और तुरंत खुद को कोड़े मारो, और अपने हाथों से भुगतान करो, जैसे तुमने मेरे पैसे से किया है।”
इस प्रस्ताव पर सांचो ने अपनी आँखें और कान एक हथेली भर खोल दिए, और मन ही मन खुद को कोड़े मारने के लिए तुरंत तैयार हो गया। उसने अपने स्वामी से कहा, "ठीक है, महाराज, अगर इससे मुझे कोई लाभ होगा तो मैं आपकी इच्छा पूरी करने के लिए तैयार रहूंगा; क्योंकि अपनी पत्नी और बच्चों के प्रेम के कारण मुझे लालची दिखना पड़ रहा है। महाराज, आप बताइए कि मैं खुद को जितने कोड़े मारूंगा, उसके बदले आप मुझे कितना भुगतान करेंगे।"
"सांचो," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया, "अगर मैं तुम्हें इलाज की अहमियत और प्रकृति के हिसाब से प्रतिफल दूं, तो वेनिस का खजाना, पोटोसी की खदानें भी तुम्हें चुकाने के लिए नाकाफी होंगी। देखो मेरे पास से तुम्हें क्या मिला है, और हर कोड़े की कीमत लगाओ।"
सांचो ने कहा, “इनमें से लगभग तीन हज़ार तीन सौ हैं; इनमें से मैंने पाँच अपने लिए ले लिए हैं, बाकी बचे हैं; पाँच को विषम लोगों के लिए जाने दो, और तीन हज़ार तीन सौ को ले लो, जो एक चौथाई रीयल के हिसाब से (क्योंकि मैं इससे कम नहीं लूँगा चाहे पूरी दुनिया मुझसे कहे) तीन हज़ार तीन सौ चौथाई रीयल होते हैं; तीन हज़ार एक हज़ार पाँच सौ आधे रीयल होते हैं, जो सात सौ पचास रीयल होते हैं; और तीन सौ एक सौ पचास आधे रीयल होते हैं, जो पचहत्तर रीयल होते हैं, जिन्हें सात सौ पचास में जोड़ने पर कुल आठ सौ पच्चीस रीयल होते हैं। ये मैं आपके लिए अपने पास मौजूद धन में से रखूँगा, और मैं धनवान और संतुष्ट होकर घर लौटूँगा, भले ही मेरी खूब पिटाई हुई हो, क्योंकि 'ट्राउट मछली पकड़ना आसान नहीं है'—लेकिन मैं इससे ज़्यादा कुछ नहीं कहूँगा।” "हे प्यारे सांचो! हे प्रिय सांचो!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "हम, डुलसीनिया और मैं, जीवन भर तुम्हारी सेवा करने के लिए बाध्य रहेंगे, जब तक ईश्वर हमें जीवन भर यह जीवन प्रदान करे! यदि वह अपने खोए हुए रूप में लौट आती है (और यह निश्चित है कि वह लौट आएगी), तो उसका दुर्भाग्य सौभाग्य में तब्दील हो जाएगा, और मेरी हार एक बड़ी खुशी भरी जीत होगी। लेकिन सुनो, सांचो; तुम कोड़े मारना कब शुरू करोगे? यदि तुम इसे जल्दी खत्म कर दोगे, तो मैं तुम्हें सौ रील्स अतिरिक्त दूंगा।"

"कब?" सांचो ने कहा; "इसी रात, निश्चित रूप से। महाराज, कृपया ऐसा आदेश दें कि हम इसे खुले में, बाहर ही मनाएं, और मैं स्वयं को बलिदान कर दूंगा।"
डॉन क्विक्सोट जिस रात का सबसे बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था, वह आखिरकार आ ही गई, हालाँकि उसे ऐसा लग रहा था मानो अपोलो के रथ के पहिए खराब हो गए हों और दिन सामान्य से अधिक लंबा खिंच रहा हो, ठीक वैसे ही जैसे प्रेमियों के साथ होता है, जिनकी इच्छाएँ कभी समय के साथ मेल नहीं खातीं। वे अंततः सड़क से थोड़ी दूरी पर स्थित कुछ सुंदर पेड़ों के बीच पहुँचे और वहाँ रोसिनांटे की काठी और डैपल की सामान ढोने वाली गाड़ी को उतारकर हरी घास पर लेट गए और सांचो के भंडार से अपना भोजन किया। सांचो ने डैपल की लगाम और लगाम से एक शक्तिशाली और लचीला चाबुक बनाकर अपने स्वामी से लगभग बीस कदम पीछे हटकर कुछ बीच के पेड़ों के बीच चला गया। डॉन क्विक्सोट ने उसे इतने दृढ़ संकल्प और उत्साह के साथ जाते हुए देखकर उससे कहा, "ध्यान रखना, मेरे मित्र, अपने आप को टुकड़े-टुकड़े न कर लेना; कोड़ों को एक-दूसरे के लिए रुकने देना, और इतनी जल्दी मत करना कि बीच रास्ते में ही तुम्हारी सांस फूल जाए; मेरा मतलब है, इतनी ज़ोर से मत मारना कि वांछित संख्या तक पहुँचने से पहले ही तुम्हारी जान निकल जाए; और कहीं ऐसा न हो कि तुम एक कार्ड से ज़्यादा या कम हार जाओ, मैं यहाँ अलग खड़ा होकर अपनी माला से तुम्हारे द्वारा मारे गए कोड़ों की गिनती करूँगा। ईश्वर तुम्हारी नेक नियत के अनुसार तुम्हारी मदद करे।"
"'अच्छे भुगतानकर्ता को प्रतिज्ञाओं से कोई परेशानी नहीं होती,'" सांचो ने कहा; "मेरा इरादा इस तरह से भुगतान करने का है कि मैं खुद को नुकसान पहुंचाए बिना खुद को चोट पहुंचाऊं, क्योंकि निस्संदेह इसी में इस चमत्कार का सार निहित है।"
फिर उसने कमर से ऊपर के कपड़े उतार दिए और रस्सी उठाकर डॉन क्विक्सोट पर कोड़े गिनने लगा। उसने शायद खुद को छह या आठ कोड़े मारे ही होंगे कि उसे लगा कि यह मज़ाक मामूली नहीं है, बल्कि इसकी कीमत बहुत कम है; और एक पल के लिए अपना हाथ रोककर उसने अपने मालिक से कहा कि उसने यह सौदा इसलिए टाल दिया क्योंकि हर कोड़े की कीमत एक चौथाई के बजाय आधे रियल के हिसाब से चुकाई जानी चाहिए।
"आगे बढ़ो, मेरे दोस्त सांचो, और हिम्मत मत हारो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "क्योंकि मैंने इनाम की रकम दोगुनी कर दी है।"

“तो फिर,” सांचो ने कहा, “यह ईश्वर के हाथ में है, और कोड़ों की बारिश होने दो।” लेकिन उस बदमाश ने अब अपने कंधों पर कोड़े नहीं डाले, बल्कि पेड़ों पर लेट गया, और बीच-बीच में ऐसी कराहें भर रहा था कि मानो हर कोड़े पर उसकी आत्मा जड़ से उखाड़ी जा रही हो। डॉन क्विक्सोट, हृदयविदारक होकर, और इस डर से कि कहीं वह स्वयं को समाप्त न कर ले, और सांचो की नासमझी के कारण वह अपने उद्देश्य से भटक न जाए, उससे बोला, “मेरे मित्र, इस मामले को यहीं छोड़ दो, क्योंकि मुझे लगता है कि इसका उपाय बहुत कठोर है, और धैर्य रखना ही बेहतर होगा; ‘ज़मोरा एक घंटे में नहीं जीता गया था।’ अगर मैंने गलत अनुमान नहीं लगाया है तो तुमने खुद को एक हजार से अधिक कोड़े मार लिए हैं; अभी के लिए इतना ही काफी है; सरल शब्दों में कहें तो, ‘गधा बोझ उठाता है, लेकिन अधिक भार नहीं।’”
"नहीं, नहीं, महाराज," सांचो ने उत्तर दिया; "मेरे बारे में कभी यह नहीं कहा जाएगा, 'पैसे चुका दिए, हाथ तोड़ दिए;' थोड़ा और पीछे जाइए, महाराज, और मुझे कम से कम एक हजार कोड़े और मारने दीजिए; क्योंकि इस तरह के दो मुक्कों में हम सबको खत्म कर देंगे, और कपड़ा भी बच जाएगा।"
"चूंकि तुम इतने इच्छुक हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "ईश्वर तुम्हारी सहायता करे; तुम लेट जाओ और मैं आराम करने चला जाता हूँ।"
सांचो इतने दृढ़ संकल्प के साथ अपने काम पर लौट आया कि उसने जल्द ही कई पेड़ों की छाल उतार दी; वह खुद को इतनी बेरहमी से कोड़े मारता था; और एक बार, ऊँची आवाज़ में, एक बीच के पेड़ को ज़ोरदार कोड़ा मारते हुए, वह चिल्लाया, "यहाँ सैमसन और उसके सभी लोग मरते हैं!"
उसकी दयनीय चीख और क्रूर कोड़े की मार सुनकर डॉन क्विक्सोट तुरंत उसके पास दौड़ा और अपने कोड़े के रूप में इस्तेमाल होने वाले मुड़े हुए फंदे को पकड़कर उससे बोला, "हे मेरे मित्र सांचो, ईश्वर न करे कि मुझे प्रसन्न करने के लिए तुम अपना जीवन खो दो, जो तुम्हारी पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण के लिए आवश्यक है; डुलसीनिया को बेहतर अवसर की प्रतीक्षा करने दो, और मैं शीघ्र ही पूरी होने वाली आशा से संतुष्ट रहूंगा, और तब तक धैर्य रखूंगा जब तक तुम इस काम को सबके संतोष के साथ पूरा करने के लिए नई शक्ति प्राप्त नहीं कर लेते।"

"जैसा महाराज, वैसा ही हो; लेकिन कृपया अपना लबादा मेरे कंधों पर डाल दीजिए, क्योंकि मुझे पसीना आ रहा है और मैं ठंड नहीं लगने देना चाहता; यह एक ऐसा जोखिम है जो नौसिखिए प्रशिक्षु उठाते हैं।"
डॉन क्विक्सोट ने आज्ञा का पालन किया और अपने कपड़े उतारकर सांचो को ओढ़ा दिया, जो सूरज की रोशनी से जागने तक सोता रहा; फिर उन्होंने अपनी यात्रा फिर से शुरू की, जिसे उन्होंने तीन मील आगे स्थित एक गाँव में रोक दिया। वे एक सराय में उतरे जिसे डॉन क्विक्सोट ने पहचान लिया और खाई, बुर्ज, फाटक और पुल वाले किले के रूप में नहीं देखा; क्योंकि जब से वह पराजित हुआ था, तब से वह हर बात पर अधिक तर्कसंगत ढंग से बात करता था, जैसा कि आगे दिखाया जाएगा। उन्होंने उसे भूतल के एक कमरे में ठहराया, जहाँ चमड़े के पर्दों के स्थान पर रंगीन सर्ज के टुकड़े थे, जैसे कि गाँवों में आमतौर पर इस्तेमाल होते हैं। उनमें से एक पर किसी अनाड़ी कलाकार द्वारा हेलेन के अपहरण का चित्र बना था, जब साहसी मेहमान उसे मेनेलास से ले गया था, और दूसरे पर डिडो और ऐनेस की कहानी थी, जिसमें डिडो एक ऊँची मीनार पर खड़ी थी, मानो वह अपने भगोड़े मेहमान को, जो समुद्र में एक फ्रिगेट या ब्रिगांटाइन में भाग रहा था, आधे चादर से संकेत दे रही हो। दोनों कहानियों में उसने गौर किया कि हेलेन अनिच्छा से नहीं गई थी, क्योंकि वह शरारती और चंचल हंसी हंस रही थी; लेकिन सुंदर डिडो को अखरोट के आकार के आंसू बहाते हुए दिखाया गया था। डॉन क्विक्सोट ने उन्हें देखते हुए कहा, "वे दोनों महिलाएं इस युग में पैदा न होकर बहुत दुर्भाग्यशाली थीं, और मैं तो सबसे ज्यादा दुर्भाग्यशाली हूं कि मैं उनके युग में पैदा न हुआ। अगर मैं उन सज्जनों के साथ होता, तो ट्रॉय न जलता और कार्थेज नष्ट न होता, क्योंकि मुझे बस पेरिस को मारना होता, और ये सारी विपत्तियां टल जातीं।"
"मैं शर्त लगाता हूँ," सांचो ने कहा, "कि जल्द ही ऐसा कोई शराबखाना, सड़क किनारे का छोटा होटल, सराय या नाई की दुकान नहीं बचेगी जहाँ हमारे कारनामों की कहानी चित्रित न हो; लेकिन मैं चाहूँगा कि इसे इन चित्रों को चित्रित करने वाले चित्रकार से बेहतर चित्रकार द्वारा चित्रित किया जाए।"
"सांचो, तुम सही कह रहे हो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्योंकि यह चित्रकार उबेदा के चित्रकार ओरबानेजा जैसा है, जो जब लोग उससे पूछते थे कि वह क्या चित्रित कर रहा है, तो वह कहता था, 'जो भी बने, वही बनाऊंगा'; और अगर वह गलती

से मुर्गा बना देता, तो उसके नीचे लिख देता, 'यह एक मुर्गा है,' इस डर से कि कहीं लोग उसे लोमड़ी न समझ लें। मुझे लगता है, सांचो, इस नए डॉन क्विक्सोट के इतिहास को प्रकाशित करने वाला चित्रकार या लेखक, क्योंकि दोनों एक ही हैं, इसी तरह का कोई रहा होगा, क्योंकि वह 'जो भी बने, वही चित्रित या लिखता था;" या शायद वह मौलियन नाम के एक कवि जैसा है, जो कुछ साल पहले दरबार में चर्चा में था और जो पूछे गए किसी भी सवाल का बेतरतीब जवाब देता था। जब किसी ने उससे पूछा कि देउम दे देओ का क्या मतलब है, तो उसने जवाब दिया दे डोंडे डिएरे। खैर, इसे छोड़ो, सांचो, बताओ क्या आज रात तुम्हारा मन फिर से खुद को आज़माने का है, और क्या तुम इसे घर के अंदर करना चाहोगे या खुले में?
"हे भगवान, महोदय," सांचो ने कहा, "मैं जो कुछ भी स्वयं को समर्पित करने जा रहा हूँ, चाहे वह घर में हो या खेतों में, मुझे एक समान ही प्रसन्नता होगी; फिर भी मैं इसे पेड़ों के बीच ही करना पसंद करूँगा; क्योंकि मुझे लगता है कि वे मेरे साथी हैं और मेरे दर्द को सहने में मेरी अद्भुत रूप से मदद करते हैं।"
"लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए, मेरे दोस्त सांचो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन, तुम्हें शक्ति वापस पाने में सक्षम बनाने के लिए, हमें इसे अपने गाँव के लिए रखना होगा; क्योंकि हम परसों तक वहाँ पहुँच जाएँगे।"
सांचो ने कहा कि वह जो चाहे कर सकता है; लेकिन वह खुद इस काम को जल्द से जल्द निपटाना चाहता है, इससे पहले कि उसका खून ठंडा हो जाए और उसकी भूख बरकरार रहे, क्योंकि "देरी में अक्सर खतरा होता है", और "भगवान से प्रार्थना करना और हथौड़ा चलाना", और "दो बार कोशिश करने से बेहतर है एक बार में काम निपटाना", और "हाथ में चिड़िया होना उड़ते हुए गिद्ध से बेहतर है"।
"भगवान के लिए, सांचो, अब और कहावतें नहीं!" डॉन क्विक्सोट ने कहा; "मुझे लगता है कि तुम फिर से 'सिकट एराट' (कहावतों पर आधारित कहावतें) बन रहे हो; जैसा कि मैंने तुम्हें कई बार कहा है, सीधी, सरल और स्पष्ट भाषा में बात करो, और तुम्हें इसका लाभ मिलेगा।"
"मुझे नहीं पता कि यह मेरी बदकिस्मती क्या है," सांचो ने कहा; "लेकिन मैं बिना किसी कहावत के एक शब्द भी नहीं बोल सकता जो मेरे लिए तर्क से कम न हो; फिर भी, अगर हो सके तो मैं सुधार करने का इरादा रखता हूँ;" और इस तरह फिलहाल बातचीत समाप्त हो गई।

72

अध्याय
डॉन क्विक्सोट और सांचो अपने गाँव कैसे पहुँचे, इसकी कहानी।
उस पूरे दिन डॉन क्विक्सोट और सांचो गाँव और सराय में रात का इंतज़ार करते रहे, एक खुले मैदान में कोड़े मारने का अपना काम पूरा करने के लिए, दूसरा उसे पूरा होते देखने के लिए, क्योंकि उसी में उसकी इच्छा की पूर्ति निहित थी। इसी बीच सराय में घोड़े पर सवार एक यात्री तीन-चार नौकरों के साथ पहुँचा, जिनमें से एक ने मालिक प्रतीत होने वाले व्यक्ति से कहा, "यहाँ, महोदय डॉन अल्वारो टार्फे, आप आज दोपहर आराम कर सकते हैं; कमरे साफ़ और ठंडे लग रहे हैं।"
यह सुनकर डॉन क्विक्सोट ने सांचो से कहा, "देखो, सांचो; मेरी इतिहास की दूसरी किताब के पन्ने पलटते समय मुझे संयोगवश डॉन अल्वारो टार्फे का नाम मिला।"
"बहुत संभावना है," सांचो ने कहा; "बेहतर होगा कि हम उसे घोड़े से उतरने दें, और थोड़ी देर में हम इसके बारे में पूछ लेंगे।"
वह सज्जन घोड़े से उतरे, और मकान मालकिन ने उन्हें भूतल पर डॉन क्विक्सोट के कमरे के ठीक सामने एक कमरा दिया, जो उसी तरह के रंगीन सर्ज पर्दे से सजा हुआ था। नए आए सज्जन ने एक ग्रीष्मकालीन कोट पहना और सराय के चौड़े और ठंडे द्वार पर आकर, वहाँ टहल रहे डॉन क्विक्सोट से पूछा, "महोदय, आप किस दिशा में जा रहे हैं?"
"मैं अपने गाँव के पास ही एक गाँव जा रहा हूँ," डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया; "और महाराज, आप कहाँ जा रहे हैं?"
"मैं ग्रेनाडा जा रहा हूँ, महोदय," उस सज्जन ने कहा, "अपने देश।"
"और एक सुंदर देश," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "लेकिन क्या आप मुझे अपना नाम बताने की कृपा करेंगे, क्योंकि मुझे लगता है कि इसे जानना मेरे लिए आपको बताने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।"
"मेरा नाम डॉन अल्वारो टार्फे है," यात्री ने उत्तर दिया।
जिस पर डॉन क्विक्सोट ने जवाब दिया, "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप वही डॉन अल्वारो टार्फे हैं जिनका उल्लेख हाल ही में एक नए लेखक द्वारा

मुद्रित और प्रकाशित डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा के इतिहास के दूसरे भाग में मिलता है।"
"मैं वही हूँ," उस सज्जन ने उत्तर दिया; "और वही डॉन क्विक्सोट, उक्त इतिहास का प्रमुख पात्र, मेरा बहुत अच्छा मित्र था, और मैं ही उसे घर से दूर ले गया था, या कम से कम उसे सारागोसा में होने वाली कुछ युद्ध प्रतियोगिताओं में आने के लिए राजी किया था, जहाँ मैं स्वयं जा रहा था; वास्तव में, मैंने उसके प्रति बहुत दयालुता दिखाई और उसकी अत्यधिक जल्दबाजी के कारण जल्लाद द्वारा उसके कंधों को छूने से बचाया।"
"मुझे बताइए, सेनोर डॉन अल्वारो," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या मैं उस डॉन क्विक्सोट जैसा बिल्कुल भी हूँ जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं?"
"जी नहीं, बिलकुल नहीं," यात्री ने उत्तर दिया।
"और उस डॉन क्विक्सोट के साथ-" हमारे वाले ने कहा, "क्या उसके साथ सांचो पांजा नाम का एक सहायक भी था?"
"हाँ," डॉन अल्वारो ने कहा; "लेकिन हालाँकि उन्हें बहुत मजाकिया होने का नाम प्राप्त था, मैंने उन्हें कभी भी ऐसी कोई बात कहते हुए नहीं सुना जिसमें कोई मजाकियापन हो।"
"मुझे इस बात पर पूरा यकीन है," सांचो ने इस पर कहा, "क्योंकि मज़ाकिया बातें करना हर किसी के बस की बात नहीं है; और जिस सांचो की बात आप कर रहे हैं, महोदय, वह ज़रूर कोई बड़ा बदमाश, मूर्ख और चोर होगा; क्योंकि मैं ही असली सांचो पांज़ा हूँ, और मेरे पास इतनी मज़ाकिया बातें हैं मानो बारिश हो रही हो; आप बस एक बार कोशिश कीजिए; मेरे साथ एक साल रहिए, और आप देखेंगे कि हर मोड़ पर मुझसे इतनी मज़ाकिया बातें निकलती हैं, और इतनी भरपूर और इतनी प्रचुर मात्रा में कि भले ही मुझे पता न हो कि मैं क्या कह रहा हूँ, फिर भी जो भी मुझे सुनता है, मैं उसे हँसा देता हूँ। और ला मांचा का असली डॉन क्विक्सोट, प्रसिद्ध, वीर, बुद्धिमान, प्रेमी, अन्याय का निवारण करने वाला, नाबालिगों और अनाथों का रक्षक, विधवाओं का संरक्षक, युवतियों का हत्यारा, जिसकी एकमात्र प्रेमिका अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो है, वह यही सज्जन हैं जो आपके सामने हैं, मेरे स्वामी; बाकी सभी डॉन क्विक्सोट और बाकी सभी सांचो पैंज़ा सपने और उपहास हैं।"
"भगवान कसम, मुझे यकीन है," डॉन अल्वारो ने कहा; "मेरे दोस्त, तुमने अपने कुछ शब्दों में ही इतनी हास्यास्पद बातें कह दी हैं जितनी मैंने दूसरे

सांचो पांजा से कभी नहीं सुनीं, और वो बातें कम नहीं थीं। वो बोलने में जितना कुशल था, उससे कहीं ज़्यादा लालची था, और हास्यप्रद होने के बजाय मंदबुद्धि था; और मुझे पूरा यकीन है कि अच्छे डॉन क्विक्सोट को सताने वाले जादूगर बुरे डॉन क्विक्सोट के ज़रिए मुझे भी सताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ, क्योंकि मैं कसम खाने को तैयार हूँ कि मैंने उसे टोलेडो के कासा डेल नुनसियो में बंद करके छोड़ा था, और यहाँ एक दूसरा डॉन क्विक्सोट प्रकट हो गया है, हालाँकि वो मेरे वाले से बिल्कुल अलग है।"
डॉन क्विक्सोट ने कहा, "मुझे नहीं पता कि मैं अच्छा हूँ या नहीं, लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूँ कि मैं 'बुरा' नहीं हूँ।" और इसे साबित करने के लिए, मैं आपको बता दूं, सेनर डॉन अल्वारो टार्फे, मैं अपने जीवन में कभी भी सारागोसा नहीं गया; बल्कि इसके विपरीत, जब मुझे बताया गया कि यह काल्पनिक डॉन क्विक्सोट उस शहर में होने वाली तलवारबाजी प्रतियोगिताओं में मौजूद था, तो मैंने उसके झूठ को दुनिया के सामने लाने के लिए उस शहर में प्रवेश करने से इनकार कर दिया; और इसलिए मैं सीधे बार्सिलोना चला गया, जो शिष्टाचार का खजाना, अजनबियों का आश्रय, गरीबों का आश्रय, वीरों का घर, पीड़ितों का रक्षक, पक्की दोस्ती का सुखद आदान-प्रदान और दृष्टि और सुंदरता में अद्वितीय शहर है। और यद्यपि वहाँ मेरे साथ घटी घटनाएँ किसी भी तरह से आनंद की नहीं, बल्कि खेदजनक हैं, मुझे उनका कोई खेद नहीं है, क्योंकि मैंने इसे देखा है। संक्षेप में, सेनर डॉन अल्वारो टार्फे, मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट हूँ, जिसकी प्रसिद्धि है, न कि वह अभागा जिसने मेरे नाम को हड़पने और मेरे विचारों को अपनाने का प्रयास किया है। मैं आपकी कृपा से आपसे निवेदन करता हूँ। एक सज्जन व्यक्ति के रूप में यह कर्तव्य है कि आप इस गांव के अल्काल्डे के समक्ष यह घोषणा करने की कृपा करें कि आपने मुझे अपने पूरे जीवन में अब तक कभी नहीं देखा, और न ही मैं दूसरे भाग में छपा हुआ डॉन क्विक्सोट हूं, और न ही यह सांचो पांजा, मेरा साथी, जिसे आप जानते थे।"
"मैं यह काम पूरी खुशी से करूंगा," डॉन अल्वारो ने उत्तर दिया; "हालाँकि मुझे एक ही समय में दो डॉन क्विक्सोट और दो सांचो पांजा देखकर आश्चर्य होता है, जो नाम में जितने समान हैं, व्यवहार में उतने ही भिन्न हैं; और मैं

फिर से कहता और घोषित करता हूँ कि जो मैंने देखा वह मैं नहीं देख सकता था, और जो मेरे साथ हुआ वह नहीं हो सकता था।"
"निस्संदेह, महाराज, आप मेरी प्रियतमा डुलसीनिया डेल टोबोसो की तरह मोहित हैं," सांचो ने कहा; "और काश, आपका मोहभंग इस बात पर निर्भर करता कि मैं खुद को तीन हजार से अधिक कोड़े मार लूँ, जैसे मैं उसके लिए खुद को मार रहा हूँ, क्योंकि मैं बिना किसी अपेक्षा के उन्हें मारता रहूँगा।"
"मुझे कोड़ों वाली बात समझ नहीं आई," डॉन अल्वारो ने कहा। सांचो ने जवाब दिया कि यह एक लंबी कहानी है, लेकिन अगर वे कभी एक ही रास्ते से गुजर रहे हों तो वह उसे बता देगा।
तब तक भोजन का समय हो गया था और डॉन क्विक्सोट और डॉन अल्वारो एक साथ भोजन कर रहे थे। संयोगवश गाँव का अल्काल्डे (मुखिया) एक नोटरी के साथ सराय में आ गया, और डॉन क्विक्सोट ने उसके समक्ष एक याचिका रखी, जिसमें उसने कहा कि उसके अधिकारों के लिए यह आवश्यक है कि वहाँ उपस्थित डॉन अल्वारो टार्फे, उसके समक्ष यह घोषणा करें कि वह वहाँ उपस्थित डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा को नहीं जानते और वह वह व्यक्ति नहीं है जिसका उल्लेख "टॉरडेसिलास के एवेलनेडा द्वारा लिखित डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा का द्वितीय भाग" नामक इतिहास में छपा है। अल्काल्डे ने अंततः इसे कानूनी रूप दिया, और ऐसे मामलों में आवश्यक सभी औपचारिकताओं के साथ घोषणा की गई, जिससे डॉन क्विक्सोट और सांचो अत्यंत प्रसन्न हुए, मानो इस प्रकार की घोषणा उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण हो, और मानो उनके शब्दों और कार्यों से दो डॉन क्विक्सोट और दो सांचो के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से प्रकट न होता हो। डॉन अल्वारो और डॉन क्विक्सोट के बीच कई शिष्टाचारपूर्ण बातें और सेवा के प्रस्ताव आदान-प्रदान हुए, जिसके दौरान महान मांचेगन ने इतनी अच्छी समझ का प्रदर्शन किया कि उन्होंने डॉन अल्वारो को उनकी गलतफहमी से मुक्त कर दिया; और डॉन अल्वारो को भी यह विश्वास हो गया कि दो इतने विपरीत डॉन क्विक्सोटों के संपर्क में आने के बाद उन पर जादू हो गया होगा।
शाम होते-होते वे गाँव से निकल पड़े, और लगभग आधा मील चलने के बाद दो रास्ते अलग-अलग दिशाओं में बँट गए, एक डॉन क्विक्सोट के गाँव की ओर, दूसरा वह रास्ता जिस पर डॉन अल्वारो को चलना था। इस थोड़े से अंतराल में डॉन क्विक्सोट ने उसे अपनी दुर्भाग्यपूर्ण हार, डुलसीनिया के जादू और उसके उपाय के बारे में बताया, जिससे डॉन अल्वारो फिर से आश्चर्यचकित हो गया।

डॉन क्विक्सोट और सांचो को गले लगाकर वह अपने रास्ते चला गया, और डॉन क्विक्सोट भी अपने रास्ते। उस रात वह फिर से पेड़ों के बीच से गुजरा ताकि सांचो को अपने प्रायश्चित का फल भुगतने का मौका मिल सके, जो उसने पिछली रात की तरह ही किया, इस बार बीच के पेड़ों की छाल को अपनी पीठ से कहीं ज्यादा नुकसान पहुँचाया, जिसकी उसने इतनी सावधानी बरती थी कि अगर वहाँ कोई मक्खी भी होती तो कोड़ों की मार उसे नहीं मार पाती। धोखे में आए डॉन क्विक्सोट ने गिनती के एक भी कोड़े को नहीं छोड़ा, और उसने पाया कि पिछली रात के कोड़ों को मिलाकर कुल तीन हज़ार उनतीस कोड़े हो गए थे। ऐसा प्रतीत होता था कि सूर्य बलिदान देखने के लिए जल्दी उग आया था, और उसकी रोशनी में वे अपनी यात्रा फिर से शुरू कर दी। रास्ते में वे डॉन अल्वारो के साथ किए गए धोखे पर चर्चा कर रहे थे और कह रहे थे कि मजिस्ट्रेट के सामने उसका बयान इतने बेदाग तरीके से पेश करना कितना अच्छा हुआ। उस दिन और रात वे यात्रा करते रहे, और उनके बीच कोई उल्लेखनीय घटना नहीं घटी, सिवाय इसके कि रात के दौरान सांचो ने अपना काम पूरा कर लिया, जिससे डॉन क्विक्सोट बेहद खुश हुआ। वह सुबह होने का इंतजार कर रहा था, यह देखने के लिए कि क्या रास्ते में उसकी मुलाकात उसकी पहले से ही निराश प्रेमिका डुलसीनिया से हो जाएगी; और अपनी यात्रा जारी रखते हुए, उसे जो भी महिला मिली, वह उससे यह जानने के लिए उसके पास गया कि क्या वह डुलसीनिया डेल टोबोसो है, क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि मर्लिन के वादे झूठे नहीं हो सकते। इन विचारों और चिंताओं से भरे हुए, वे एक ऊँची जगह पर चढ़े जहाँ से उन्हें अपना गाँव दिखाई दिया। गाँव को देखते ही सांचो घुटनों के बल गिर पड़ा और बोला, "हे मेरे प्यारे घर, अपनी आँखें खोलो और देखो कि तुम्हारा बेटा सांचो पांजा तुम्हारे पास लौट आया है, भले ही वह बहुत अमीर न हो, लेकिन बुरी तरह पिटा हुआ है! अपनी बाहें खोलो और अपने बेटे डॉन क्विक्सोट का भी स्वागत करो, जो भले ही किसी दूसरे के हाथों पराजित होकर आया हो, लेकिन स्वयं पर विजय प्राप्त करके आया है, जो कि उसने स्वयं मुझे बताया है, किसी के लिए भी सबसे बड़ी विजय है। मैं धन लेकर आ रहा हूँ, क्योंकि भले ही मैं बुरी तरह पिटा था, लेकिन एक सज्जन की तरह घोड़े पर सवार होकर गया।"
"इन मूर्खताओं को छोड़ो," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "चलो सीधे आगे बढ़ते हैं और अपने स्थान पर चलते हैं, जहाँ हम अपनी कल्पनाओं को खुलकर साकार करेंगे और अपने भविष्य के देहाती जीवन के लिए अपनी योजनाएँ तय करेंगे।"

इसके साथ ही वे ढलान से नीचे उतरे और अपने गांव की ओर चल पड़े।

73

अध्याय
डॉन क्विक्सोट को अपने गाँव में प्रवेश करते समय जो अपशकुन मिले, और अन्य घटनाएँ जो इस महान इतिहास को सुशोभित और रंगीन बनाती हैं, उनका वर्णन। सिडे हामेट के अनुसार, गांव के प्रवेश द्वार पर, डॉन क्विक्सोट ने दो लड़कों को गांव के खलिहान में झगड़ते हुए देखा, जिनमें से एक ने दूसरे से कहा, "शांत हो जाओ, पेरिक्विलो; तुम जीवन भर इसे फिर कभी नहीं देख पाओगे।" डॉन क्विक्सोट ने यह सुना और सांचो से कहा, "क्या तुमने ध्यान नहीं दिया, मित्र, उस लड़के ने क्या कहा, 'जब तक तुम जीवित रहोगे, तुम इसे फिर कभी नहीं देख पाओगे'?"
"अच्छा," सांचो ने कहा, "अगर लड़के ने ऐसा कहा तो इससे क्या फर्क पड़ता है?" "क्या!" डॉन क्विक्सोट ने कहा, "क्या तुम नहीं देखते कि, मेरी इच्छाओं की वस्तु पर लागू होने पर, इन शब्दों का अर्थ है कि मैं डुलसीनिया को फिर कभी नहीं देख पाऊंगा?"
सांचो जवाब देने ही वाला था कि तभी उसका ध्यान एक खरगोश की ओर गया जो मैदान में कई शिकारी कुत्तों और शिकारियों के पीछे भागता हुआ दौड़ रहा था। डर के मारे वह भागकर डैपल के नीचे छिप गया। सांचो ने उसे जिंदा ही पकड़ लिया और डॉन क्विक्सोट के सामने पेश किया, जो कह रहा था, "मालम सिग्नम, मालम सिग्नम! एक खरगोश उड़ रहा है, शिकारी कुत्ते उसका पीछा कर रहे हैं, डुलसीनिया दिखाई नहीं दे रही है।"
"महाराज, आप बड़े विचित्र व्यक्ति हैं," सांचो ने कहा; "मान लेते हैं कि यह खरगोश डुलसीनिया है, और इसका पीछा करने वाले ये कुत्ते वे दुष्ट जादूगर हैं जिन्होंने इसे देहाती लड़की में बदल दिया; वह भागती है, और मैं उसे पकड़कर महाराज के हाथों में सौंप देता हूँ, और आप उसे अपनी बाहों में थामकर प्यार करते हैं; इसमें बुरा संकेत क्या है, या इसमें क्या अपशगुन छिपा है?" आपस में झगड़ रहे दोनों लड़के खरगोश को देखने के लिए पास आए, और सांचो ने उनमें से एक से उनके झगड़े के बारे में पूछा। जिस लड़के ने कहा था, "तुम इसे जीवन भर कभी नहीं देख पाओगे," उसने जवाब दिया कि उसने दूसरे लड़के से झींगुरों से भरा एक पिंजरा ले लिया था, और वह उसे जीवन भर वापस नहीं देगा। सांचो ने अपनी जेब से चार क्वार्टो निकाले और पिंजरे के लिए लड़के को दे

दिए। उसने पिंजरा डॉन क्विक्सोट के हाथों में रखते हुए कहा, "देखिए, महोदय! ये रहे शकुन टूटकर नष्ट हो गए हैं, और मेरे विचार से, मूर्ख होने के बावजूद, इनका हमारे मामलों से उतना ही कोई लेना-देना नहीं है जितना पिछले साल के बादलों से था; और अगर मुझे ठीक से याद है तो मैंने अपने गाँव के पादरी को यह कहते सुना है कि ईसाइयों या समझदार लोगों को इन मूर्खतापूर्ण बातों पर ध्यान देना शोभा नहीं देता; और आपने भी कुछ समय पहले मुझसे यही कहा था, कि जो भी ईसाई शकुनों पर ध्यान देते हैं वे मूर्ख हैं; लेकिन इस बारे में ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है; चलिए आगे बढ़ते हैं और अपने गाँव चलते हैं।"
शिकारी आए और अपना खरगोश मांगा, जो डॉन क्विक्सोट ने उन्हें दे दिया। फिर वे आगे बढ़े और कस्बे के प्रवेश द्वार पर हरे-भरे मैदान में उनकी मुलाकात पादरी और अविवाहित सैमसन कैरास्को से हुई, जो अपनी-अपनी प्रार्थना पुस्तकें पढ़ रहे थे। यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि सांचो ने डैपल और कवच के बंडल के ऊपर, ज्वालाओं से चित्रित बकरम का चोला, जो ड्यूक के महल में उस रात पहनाया गया था जब अल्टिसिडोरा फिर से जीवित हुई थी, एक आवरण के रूप में डाल दिया था। उसने डैपल के सिर पर मुकुट भी लगा दिया था, जो दुनिया के किसी भी गधे का अब तक का सबसे विचित्र रूपांतरण और अलंकरण था। पादरी और अविवाहित दोनों ने उन्हें तुरंत पहचान लिया और बाहें फैलाकर उनकी ओर बढ़े। डॉन क्विक्सोट घोड़े से उतरे और उन्हें गले लगाया। और वे लड़के, जो लोमड़ियों की तरह फुर्तीले थे और जिनसे कुछ भी नहीं बचता था, उन्होंने गधे का मुकुट देख लिया और उसे देखने के लिए दौड़ पड़े, एक-दूसरे को पुकारते हुए बोले, "इधर आओ, लड़कों, और देखो सांचो पांजा का गधा मिंगो से भी ज़्यादा सुंदर है, और डॉन क्विक्सोट का जानवर पहले से भी ज़्यादा दुबला है।" अंततः, लड़कों के साथ उछलते-कूदते हुए, और पादरी व अविवाहित व्यक्ति के साथ, वे शहर में दाखिल हुए और डॉन क्विक्सोट के घर की ओर बढ़े, जहाँ उन्हें उनकी गृहणी और भतीजी मिलीं, जिन्हें उनके आने की खबर पहले ही मिल चुकी थी। यह खबर सांचो की पत्नी टेरेसा पांजा तक भी पहुँच चुकी थी, और वह अपने बाल खुले और अधनंगी अवस्था में, अपनी बेटी सांचिका का हाथ पकड़कर अपने पति से मिलने दौड़ी; लेकिन उन्हें एक गवर्नर के लिए उपयुक्त हालत में न देखकर, उन्होंने उनसे कहा, "पतिदेव, आप इस तरह कैसे आ गए? मुझे तो लगता है आप

घिसटते हुए और पैरों में दर्द लिए हुए आए हैं, और एक गवर्नर से ज़्यादा एक आवारा की तरह दिख रहे हैं।"
"चुप रहो, टेरेसा," सांचो ने कहा; "अक्सर कहते हैं कि 'जहां खूंटे होते हैं वहां कोई झंझट नहीं होता;' चलो घर चलते हैं, वहां तुम्हें अजीबोगरीब बातें सुनने को मिलेंगी। मैं पैसे लाया हूं, और यही सबसे महत्वपूर्ण बात है, मैंने ये अपनी मेहनत से कमाए हैं, किसी का नुकसान किए बिना।"
"आप पैसे ले आइए, मेरे प्यारे पति," टेरेसा ने कहा, "और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह पैसा कैसे कमाया गया था; क्योंकि आपने इसे चाहे जैसे भी कमाया हो, इससे दुनिया में कोई नई प्रथा शुरू नहीं होगी।"
सांचिका ने अपने पिता को गले लगाया और उनसे पूछा कि क्या वे उसके लिए कुछ लाए हैं, क्योंकि वह मई की बारिश की तरह उनका इंतजार कर रही थी; और उसने एक तरफ से उनकी कमरबंद पकड़ ली और दूसरी तरफ उनकी पत्नी का हाथ पकड़ लिया, जबकि बेटी डैपल को आगे ले जा रही थी, वे अपने घर की ओर चल पड़े, डॉन क्विक्सोट को उनकी भतीजी और गृहणी के हाथों में और पादरी और कुंवारे व्यक्ति के साथ छोड़कर।
डॉन क्विक्सोट ने समय या मौसम की परवाह किए बिना तुरंत कुंवारे और पादरी के साथ एकांत में जाकर उन्हें अपनी हार के बारे में बताया, और उस वचन के बारे में भी बताया जिसके तहत उन्होंने एक वर्ष तक अपना गाँव न छोड़ने का वादा किया था, जिसे वे अक्षरशः निभाना चाहते थे, एक ऐसे शूरवीर के रूप में जो निष्ठा और शूरवीरता के नियमों से बंधा होता है; और यह भी बताया कि वे उस वर्ष चरवाहा बनने और खेतों के एकांत में अपना समय बिताने के बारे में सोच रहे हैं, जहाँ वे अपने प्रेम विचारों को पूर्ण स्वतंत्रता से व्यक्त कर सकते हैं और साथ ही साथ नेक चरवाहे का काम भी कर सकते हैं; और उन्होंने उनसे विनती की कि यदि उनके पास बहुत काम न हो और वे किसी अधिक महत्वपूर्ण कार्य में व्यस्त न हों, तो वे उनके साथी बनने के लिए सहमत हों, क्योंकि वे उन्हें चरवाहे बनने के योग्य बनाने के लिए पर्याप्त भेड़ें खरीदेंगे; और उन्होंने उन्हें बताया कि इस पूरे मामले का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु तय हो चुका है, क्योंकि उन्होंने उन्हें ऐसे नाम दिए हैं जो उन पर पूरी तरह से फिट बैठते हैं। पादरी ने पूछा कि वे क्या हैं। डॉन क्विक्सोट ने उत्तर दिया कि उसे स्वयं चरवाहा क्विक्सोटाइज, कुंवारे को चरवाहा कैरस्कॉन, पादरी को चरवाहा कुरामब्रो और सांचो पांजा को चरवाहा पांसिनो कहा जाएगा।

डॉन क्विक्सोट के इस नए जुनून को देखकर दोनों चकित रह गए; हालाँकि, उन्हें डर था कि कहीं वह फिर से अपनी वीरता की खोज में गाँव छोड़कर भाग न जाए, इसलिए उन्होंने यह सोचकर कि शायद एक साल के भीतर वह ठीक हो जाएगा, उसके इस नए विचार का समर्थन किया, उसके इस अनोखे विचार की सराहना की और उसके साथ जीवन बिताने का प्रस्ताव रखा। सैमसन कैरास्को ने कहा, "और तो और, जैसा कि सब जानते हैं, मैं एक बहुत प्रसिद्ध कवि हूँ, और मैं हमेशा कविताएँ लिखता रहूँगा, चाहे देहाती हों, दरबारी हों या जो भी मेरे मन में आए, ताकि उन एकांत क्षेत्रों में जहाँ हम घूमेंगे, हमारा समय व्यतीत हो सके। लेकिन सबसे ज़रूरी बात, सज्जनों, यह है कि हममें से प्रत्येक उस चरवाहे का नाम चुने जिसे वह अपनी कविताओं में महिमामंडित करना चाहता है, और हम किसी भी पेड़ को, चाहे वह कितना भी कठोर क्यों न हो, उस पर उसका नाम लिखे और उकेरे बिना न छोड़ें, जैसा कि प्रेम में डूबे चरवाहों की आदत और रिवाज है।"
"यही तो बात है," डॉन क्विक्सोट ने कहा; "हालाँकि मुझे एक काल्पनिक चरवाहे का नाम खोजने से राहत मिली है, क्योंकि यहाँ अद्वितीय डुलसीनिया डेल टोबोसो है, इन झरनों की शान, इन मैदानों का आभूषण, सुंदरता का आधार, सभी गुणों का सार, और संक्षेप में, वह हस्ती जिसके लिए सभी प्रशंसा उचित है, चाहे वह कितनी भी अतिशयोक्तिपूर्ण क्यों न हो।"
"बिल्कुल सही," पादरी ने कहा; "लेकिन हम बाकी लोगों को ऐसी चरवाहिनियों की तलाश करनी होगी जो किसी न किसी तरह हमारे उद्देश्य को पूरा कर सकें।" “और,” सैमसन कैरास्को ने आगे कहा, “अगर वे हमें निराश करें, तो हम उन्हें उन नामों से पुकार सकते हैं जो दुनिया भर में छपे हुए हैं, जैसे फिलिडास, अमरिलिसेस, डायनास, फ्लेरिडास, गैलाटियस, बेलिसार्डास; क्योंकि बाज़ारों में बिकने वाले नामों से हम उन्हें खरीदकर अपना बना सकते हैं। अगर मेरी पत्नी, या यूँ कहूँ कि मेरी चरवाहा, का नाम एना हो, तो मैं उसकी प्रशंसा अनार्डा के नाम से करूँगा, और अगर फ्रांसिस्का हो, तो मैं उसे फ्रांसेनिया कहूँगा, और अगर लूसिया हो, तो लूसिंडा, क्योंकि बात एक ही है; और सांचो पांजा, अगर वह इस बिरादरी में शामिल होता है, तो वह अपनी पत्नी टेरेसा पांजा को टेरेसैना के नाम से गौरवान्वित कर सकता है।”
डॉन क्विक्सोट नाम के इस अनुकूलन पर हँस पड़ा, और पादरी ने उसके द्वारा लिए गए नेक और सम्मानजनक संकल्प की भरपूर प्रशंसा की, और फिर से अपने अनिवार्य कर्तव्यों से फुर्सत मिलने पर हमेशा उसका साथ देने की पेशकश की। इस प्रकार

उन्होंने उससे विदा ली, और उसे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और उचित आहार लेने की सलाह और विनती की।
ऐसा हुआ कि उनकी भतीजी और नौकरानी ने उन तीनों की बातें सुन लीं; और उनके जाते ही वे दोनों डॉन क्विक्सोट के कमरे में आईं और भतीजी ने कहा, "यह क्या है, चाचा जी? अब जबकि हम सोच रहे थे कि आप घर वापस आकर एक शांत और सम्मानजनक जीवन व्यतीत करेंगे, क्या आप फिर से नए झंझटों में पड़ने वाले हैं, और 'युवा चरवाहा, तू यहाँ आता है, युवा चरवाहा वहाँ जाता है' वाली कहावत दोहराने वाले हैं? नहीं! सच में, अब तो हालात इतने खराब हो गए हैं कि उनसे बांसुरी बनाना भी मुश्किल है।"
“और,” नौकरानी ने आगे कहा, “क्या महाराज खेतों में गर्मी की तपिश, सर्दी की ठंड और भेड़ियों की दहाड़ सहन कर पाएंगे? आप नहीं; क्योंकि यह तो मेहनती पुरुषों का काम है, जो बचपन से ही ऐसे कामों के लिए प्रशिक्षित और अभ्यस्त होते हैं। बुराई में से चुनाव करना हो तो चरवाहे से बेहतर है कि कोई योद्धा बन जाए! देखिए, महाराज; मेरी सलाह मानिए—और मैं यह सलाह आपको भूख और शराब के नशे में नहीं, बल्कि उपवास में और पचास साल की उम्र के बोझ के साथ दे रही हूँ—घर पर रहिए, अपने कामों का ध्यान रखिए, नियमित रूप से पाप स्वीकार कीजिए, गरीबों की मदद कीजिए, और अगर आपको कोई विपत्ति आए तो मेरी आत्मा को इसकी सज़ा मिले।”
“शांत रहो, मेरी बेटियों,” डॉन क्विक्सोट ने कहा; “मैं अपना कर्तव्य भली- भांति जानता हूँ; मुझे बिस्तर पर लेटने में मदद करो, क्योंकि मेरी तबीयत ठीक नहीं है; और निश्चिंत रहो कि चाहे मैं आज योद्धा बनूँ या भविष्य में चरवाहा, मैं तुम्हारे हितों की रक्षा करना कभी नहीं भूलूँगा, जैसा कि तुम अंत में देखोगी।” और उन दयालु दासियों (निःसंदेह वे दयालु ही थीं), गृहणी और भतीजी ने उन्हें बिस्तर पर लेटाया, जहाँ उन्होंने उन्हें कुछ खाने को दिया और यथासंभव आराम प्रदान किया।

74

अध्याय
डॉन क्विक्सोट कैसे बीमार पड़ा, उसने क्या वसीयत बनाई और उसकी मृत्यु कैसे हुई, इन सब बातों के बारे में।
क्योंकि मनुष्य की कोई भी वस्तु शाश्वत नहीं होती, सब कुछ अपने आरंभ से अंत तक पतन की ओर ही बढ़ता है, और विशेष रूप से मनुष्य का जीवन। और डॉन क्विक्सोट के जीवन को स्वर्ग से कोई विशेष वरदान प्राप्त नहीं था, इसलिए उसका अंत तब हुआ जब उसने इसकी बिल्कुल भी अपेक्षा नहीं की थी। चाहे यह उसकी हार के विचार से उत्पन्न निराशा हो, या स्वर्ग की इच्छा, उसे बुखार हो गया और वह छह दिनों तक बिस्तर पर पड़ा रहा। इस दौरान उसके मित्र - पादरी, कुंवारा और नाई - उससे मिलने आते रहे, जबकि उसका साथी सांचो पांजा हमेशा उसके पास ही रहा। वे आश्वस्त थे कि अपनी हार और अपने दिल की इच्छा, डुलसीनिया की मुक्ति और मोहभंग, के न मिलने के कारण ही वह इस अवस्था में था। इसलिए उन्होंने उसे प्रसन्न करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उस कुंवारे ने उसे हिम्मत जुटाने और अपने देहाती जीवन की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया, जिसके लिए उसने खुद एक ऐसी कविता की रचना की थी जो सन्नाज़ारो की अब तक की सभी रचनाओं को फीका कर देगी, और उसने अपने पैसों से भेड़ों की रखवाली के लिए दो प्रसिद्ध कुत्ते खरीदे थे, एक का नाम बार्सिनो और दूसरे का नाम बुट्रॉन था, जिन्हें क्विंटानार के एक चरवाहे ने उसे बेचा था।
लेकिन इन सब के बावजूद डॉन क्विक्सोट अपने दुख से बाहर नहीं निकल पाए। उनके दोस्तों ने डॉक्टर को बुलाया, जिन्होंने उनकी नब्ज़ जाँची और संतुष्ट नहीं हुए। डॉक्टर ने कहा कि उनके लिए अपनी आत्मा का ध्यान रखना बेहतर होगा, क्योंकि उनका शरीर तो अस्वस्थ है। डॉन क्विक्सोट ने यह बात शांति से सुनी; लेकिन उनकी नौकरानी, भतीजी और सहायक इतने शांत नहीं थे कि वे फूट-फूटकर रोने लगे, मानो उन्होंने डॉन क्विक्सोट को अपने सामने मृत पड़ा देखा हो। डॉक्टर का मत था कि उदासी और अवसाद उन्हें मृत्यु की ओर ले जा रहे हैं। डॉन क्विक्सोट ने उनसे विनती की कि उन्हें अकेला छोड़ दें, क्योंकि उनकी थोड़ी देर सोने की इच्छा थी। उन्होंने उनकी बात मान ली और डॉन क्विक्सोट एक ही बार में छह घंटे से अधिक सो गए, यहाँ तक कि नौकरानी और

भतीजी को लगा कि वे हमेशा के लिए सो जाएँगे। लेकिन उस समय के अंत में वह जाग उठा और ऊँची आवाज़ में बोला, "सर्वशक्तिमान ईश्वर धन्य हो, जिसने मुझ पर इतनी कृपा दिखाई है। वास्तव में उसकी दया असीम है, और मनुष्यों के पाप न तो उसे सीमित कर सकते हैं और न ही उसे रोक सकते हैं!"
भतीजी ने अपने चाचा की बातों को ध्यान से सुना, और उसे लगा कि उनकी बातें सामान्य से कहीं अधिक सुसंगत थीं, कम से कम उनकी बीमारी के दौरान तो नहीं, इसलिए उसने पूछा, "आप क्या कह रहे हैं, महोदय? क्या कुछ अजीब हुआ है? आप किन दयाओं या मनुष्यों के किन पापों की बात कर रहे हैं?"
“भतीजी, ये दयाएँ वही हैं जो ईश्वर ने इस क्षण मुझ पर दिखाई हैं, और जैसा कि मैंने कहा, उनके साथ मेरे पाप उन दयाओं में कोई बाधा नहीं हैं। मेरी बुद्धि अब स्वतंत्र और स्पष्ट है, उन घृणित वीरतापूर्ण पुस्तकों के मेरे दुर्भाग्यपूर्ण निरंतर अध्ययन द्वारा मुझ पर छाए अज्ञान के अंधकार से मुक्त है। अब मैं उनकी निरर्थकता और छल को समझ गया हूँ, और मुझे केवल इस बात का दुख है कि मेरे भ्रमों का यह नाश इतनी देर से हुआ है कि मुझे अन्य पुस्तकें पढ़कर प्रायश्चित करने का समय नहीं मिला जो मेरी आत्मा को प्रकाश दे सकती थीं। भतीजी, मैं स्वयं को मृत्यु के कगार पर महसूस कर रहा हूँ, और मैं इस प्रकार मृत्यु को गले लगाना चाहता हूँ जिससे यह सिद्ध हो कि मेरा जीवन इतना बुरा नहीं रहा कि मैं अपने पीछे एक पागल के रूप में छोड़ जाऊँ; क्योंकि यद्यपि मैं पागल रहा हूँ, मैं नहीं चाहता कि मेरी मृत्यु के समय यह तथ्य और अधिक स्पष्ट हो जाए। मेरी प्रिय, मेरे अच्छे मित्रों, पादरी, अविवाहित सैमसन कैरास्को और नाई मास्टर निकोलस को बुला लेना, क्योंकि मैं अपने पापों को स्वीकार करना चाहता हूँ और अपनी गलती सुधारना चाहता हूँ। लेकिन तीनों के आने से उसकी भतीजी को परेशानी से छुटकारा मिल गया। जैसे ही डॉन क्विक्सोट ने उन्हें देखा, वह चिल्लाया, "आप लोगों के लिए खुशखबरी है, सज्जनों, कि मैं अब ला मांचा का डॉन क्विक्सोट नहीं, बल्कि अलोंसो क्विक्सानो हूँ, जिसके जीवन जीने के तरीके ने उसे 'अच्छा' नाम दिलाया। अब मैं गॉल के अमाडिस और उसके अनगिनत वंशजों का शत्रु हूँ; अब मुझे वीरगाथाओं की सभी अपवित्र कहानियाँ घृणास्पद लगती हैं; अब मुझे अपनी मूर्खता और उन्हें पढ़ने से उत्पन्न खतरे का एहसास हो गया है; अब, ईश्वर की कृपा से मेरी सही समझ विकसित हुई है, और मैं उनसे घृणा करता हूँ।"

जब तीनों ने उसे इस तरह बोलते सुना, तो उन्हें ज़रा भी संदेह नहीं रहा कि उस पर कोई नया जुनून सवार हो गया है; और सैमसन ने कहा, "क्या? श्रीमान डॉन क्विक्सोट! अब जब हमें पता चला है कि लेडी डुलसीनिया का जादू टूट गया है, तो आप यह रास्ता अपना रहे हैं; अब, जब हम चरवाहे बनने वाले हैं, राजकुमारों की तरह गीत गाते हुए अपना जीवन बिताने वाले हैं, तो क्या आप संन्यासी बनने की सोच रहे हैं? चुप रहो, भगवान के लिए, समझदारी से काम लो और अब और बकवास मत करो।"
“वह सब बकवास,” डॉन क्विक्सोट ने कहा, “जो अब तक मेरे लिए कष्टदायी रही है, ईश्वर की कृपा से मेरी मृत्यु उसे मेरे भले में बदल देगी। महोदय, मुझे महसूस हो रहा है कि मैं मृत्यु के निकट पहुँच रहा हूँ; मज़ाक बंद करें; मुझे एक पादरी से अपने पापों का प्रायश्चित करवाने दें और एक नोटरी से मेरी वसीयत बनवाने दें; क्योंकि ऐसी विकट परिस्थितियों में मनुष्य को अपनी आत्मा के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहिए; और जब पादरी मेरे पापों का प्रायश्चित करवा रहे हों, तो कृपया कोई नोटरी को बुला लाए।”
वे एक-दूसरे को देखकर डॉन क्विक्सोट के शब्दों पर आश्चर्यचकित हो गए; यद्यपि वे अनिश्चित थे, फिर भी उन्हें उस पर विश्वास करने की इच्छा हुई, और जिस संकेत से वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि वह मर रहा है, वह था पागलपन के बाद उसका अचानक और पूरी तरह से होश में आना; क्योंकि पहले उद्धृत शब्दों में उसने बहुत कुछ जोड़ा, जो इतने अच्छे ढंग से व्यक्त किए गए, इतने भक्तिपूर्ण और इतने तर्कसंगत थे कि सभी संदेह दूर हो गए और उन्हें विश्वास हो गया कि वह मानसिक रूप से स्वस्थ है। पादरी ने उन सभी को बाहर निकाल दिया और अकेले में उससे पाप स्वीकार करवाया। कुंवारा व्यक्ति नोटरी को बुलाने गया और थोड़ी देर बाद उसके साथ और सांचो को लेकर लौटा, जिसने कुंवारे व्यक्ति से अपने स्वामी की हालत जान ली थी, और नौकरानी और भतीजी को रोते हुए देखकर वह भी रोने लगा।
पाप स्वीकारोक्ति समाप्त होने के बाद, पादरी बाहर आकर बोला, "अलोंसो क्विक्सानो द गुड वास्तव में मरणासन्न हैं, और वास्तव में पूरी तरह से होश में हैं; अब हम उनके पास जा सकते हैं जबकि वे अपनी वसीयत बना रहे हैं।"
इस खबर ने गृहस्वामी, भतीजी और उसके अच्छे सहायक सांचो पांजा की नम आँखों में एक जबरदस्त उभार ला दिया, जिससे उनकी आँखों से आँसू बहने लगे और उनके दिलों से आहों का सैलाब उमड़ पड़ा; क्योंकि वास्तव में, जैसा कि एक से अधिक

बार कहा जा चुका है, चाहे वह साधारण अलोंसो क्विक्सानो द गुड के रूप में हो या ला मांचा के डॉन क्विक्सोट के रूप में, डॉन क्विक्सोट हमेशा सौम्य स्वभाव और अपने सभी व्यवहारों में दयालु थे, और इसलिए वे न केवल अपने घर वालों के, बल्कि उन्हें जानने वाले सभी लोगों के प्रिय थे।
नोटरी बाकी लोगों के साथ अंदर आया, और जैसे ही प्रस्तावना पूरी हुई और डॉन क्विक्सोट ने सभी धार्मिक औपचारिकताओं के साथ अपनी आत्मा को ईश्वर को सौंप दिया, वसीयतों की बात करते हुए उसने कहा, "सबसे पहले, मेरी इच्छा है कि सांचो पांजा (जिसे मैंने अपने पागलपन में अपना सहायक बनाया था) के पास मौजूद कुछ पैसों के संबंध में, चूंकि मेरे और उसके बीच कुछ खाते और लेन-देन हुए हैं, इसलिए उसके खिलाफ कोई दावा न किया जाए और न ही उससे कोई हिसाब मांगा जाए; लेकिन अगर मेरे द्वारा उसे देय राशि चुकाने के बाद कुछ भी बचता है, तो शेष राशि, जो कि बहुत कम होगी, उसकी होगी, और इससे उसे बहुत लाभ होगा; और यदि, जैसा कि मैंने पागलपन में उसे एक द्वीप का शासन देने में हिस्सा लिया था, वैसे ही, अब जब मैं होश में हूं, तो मैं उसे एक राज्य का शासन दे सकता हूं, तो वह उसका होना चाहिए, क्योंकि उसके सरल स्वभाव और निष्ठावान आचरण इसके योग्य हैं।" और फिर सांचो की ओर मुड़कर उसने कहा, "मुझे क्षमा कर दो, मेरे मित्र, कि मैंने तुम्हें अपने जैसा पागल दिखने के लिए प्रेरित किया, और तुम्हें उसी गलती में फंसा दिया जिसमें मैं स्वयं फंसा था, कि दुनिया में पहले भी और अभी भी ऐसे शूरवीर हैं जो दुनिया में भटकते रहते हैं।"
“आह!” सांचो रोते हुए बोला, “गुरुजी, मरिए मत, मेरी सलाह मानिए और लंबी आयु प्राप्त कीजिए; क्योंकि इस जीवन में मनुष्य का सबसे मूर्खतापूर्ण कार्य यही है कि वह बिना किसी कारण के, बिना किसी के मारे, या केवल उदासी के हाथों मर जाए। आइए, आलसी मत बनिए, अपने बिस्तर से उठिए और आइए, जैसा हमने तय किया था, चरवाहों के वस्त्र पहनकर खेतों में चलें। शायद किसी झाड़ी के पीछे हमें दुलसीनिया मिल जाए, जो बेहद खूबसूरत लग रही हो। यदि आप हार के कारण व्याकुल होकर मर रहे हैं, तो दोष मुझ पर डाल दीजिए और कहिए कि आप इसलिए हारे क्योंकि मैंने रोसिनांटे को बुरी तरह पीटा था; इसके अलावा, आपने अपनी वीरता की किताबों में पढ़ा ही होगा कि शूरवीरों का आपस में उलझना आम बात है, और जो आज पराजित होता है, वह कल विजयी हो जाता है।”

"बिल्कुल सही," सैमसन ने कहा, "और इन मामलों के बारे में अच्छे सांचो पांजा का दृष्टिकोण बिल्कुल सही है।"
"महोदय, इतनी जल्दी नहीं," डॉन क्विक्सोट ने कहा, "'पिछले साल के घोंसलों में इस साल कोई पक्षी नहीं हैं।' मैं पागल था, अब मैं होश में हूँ; मैं ला मांचा का डॉन क्विक्सोट था, अब मैं, जैसा कि मैंने कहा, अलोंसो क्विक्सानो द गुड हूँ; और मेरी पश्चाताप और ईमानदारी मुझे उस सम्मान का पात्र बनाए जो आप मेरे लिए पहले रखते थे; और अब मास्टर नोटरी को आगे बढ़ने दें।"
"मैं अपनी सारी संपत्ति अपनी भतीजी एंटोनिया क्विक्साना को पूर्णतः सौंपता हूँ, जो यहाँ उपस्थित है, वसीयत में दी गई सभी राशियों को पूरा करने के लिए आवश्यक राशि को घटा देने के बाद। और सबसे पहला भुगतान जो मैं चाहता हूँ वह है मेरी गृहणी के वेतन का भुगतान, जो मैंने उसकी सेवा में बिताया है, साथ ही एक गाउन के लिए बीस ड्यूकैट अतिरिक्त। मैं क्यूरेट और अविवाहित सैमसन कैरास्को, जो यहाँ उपस्थित हैं, को अपना वसीयतनामा निष्पादक नियुक्त करता हूँ।"
"मेरी यह इच्छा है कि यदि मेरी भतीजी एंटोनिया क्विक्साना शादी करना चाहती है, तो वह ऐसे व्यक्ति से शादी करे जिसके बारे में पहले यह पता लगाया जाए कि उसे वीरता की किताबों का ज्ञान नहीं है; और यदि यह साबित हो जाता है कि उसे ज्ञान है, और इसके बावजूद मेरी भतीजी उससे शादी करने पर अड़ी रहती है और उससे शादी कर लेती है, तो वह मेरी छोड़ी हुई सारी संपत्ति खो देगी, जिसे मेरे वसीयतकर्ता अपनी इच्छानुसार दान-पुण्य के कार्यों में लगा सकते हैं।"
मैं अपने उपरोक्त वसीयतकर्ताओं से निवेदन करता हूँ कि यदि किसी सौभाग्यवश उन्हें वह लेखक मिल जाए जिसने 'डॉन क्विक्सोट ऑफ ला मांचा की उपलब्धियों का दूसरा भाग' शीर्षक से इतिहास लिखा है, तो वे मेरी ओर से उनसे पूरी गंभीरता से क्षमा मांगें कि अनजाने में ही सही, मैं उनके द्वारा उसमें लिखी गई इतनी सारी और इतनी भयानक बेतुकी बातों का कारण बना; क्योंकि मैं इस दुनिया को इस बात के पश्चाताप के साथ छोड़ रहा हूँ कि मैंने उन्हें ये सब लिखने के लिए उकसाया।
इसके साथ ही उसने अपनी वसीयत पूरी कर ली, और कमजोरी महसूस करते हुए वह बिस्तर पर सीधा लेट गया। सब लोग घबरा गए और उसे आराम देने के लिए जल्दी करने लगे, और वसीयत बनाने के बाद के तीन दिनों में वह बार-बार बेहोश होता

रहा। घर में अफरा-तफरी मची हुई थी; लेकिन फिर भी भतीजी खाती रही, नौकरानी पीती रही और सांचो पांजा मौज-मस्ती करता रहा; क्योंकि संपत्ति विरासत में मिलने से उत्तराधिकारी के मन में मृतक के जाने के दुख का भाव कम हो जाता है या शांत हो जाता है।
अंततः डॉन क्विक्सोट का अंत आ गया, जब उन्होंने सभी संस्कार ग्रहण कर लिए थे और वीरता की पुस्तकों के प्रति अपनी घृणा को स्पष्ट और सशक्त शब्दों में व्यक्त कर दिया था। उस समय नोटरी भी वहाँ उपस्थित थे, और उन्होंने कहा कि वीरता की किसी भी पुस्तक में उन्होंने किसी भी वीर योद्धा को डॉन क्विक्सोट की तरह इतनी शांति से और सच्चे ईसाई की तरह मरते हुए नहीं पढ़ा था, जिन्होंने वहाँ उपस्थित सभी लोगों के आँसुओं और विलाप के बीच अपनी आत्मा त्याग दी, अर्थात् उनकी मृत्यु हो गई। यह देखकर पादरी ने नोटरी से गवाही देने का अनुरोध किया कि अलोंसो क्विक्सानो द गुड, जिन्हें आमतौर पर ला मांचा के डॉन क्विक्सोट के नाम से जाना जाता है, इस दुनिया से चले गए हैं और उनकी मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई है; और उन्होंने कहा कि वे यह गवाही इसलिए चाहते हैं ताकि सिदे हामेट बेनेन्गेली के अलावा किसी अन्य लेखक द्वारा उन्हें झूठे रूप से पुनर्जीवित करने और उनकी उपलब्धियों से अंतहीन कहानियाँ गढ़ने की संभावना को समाप्त किया जा सके।
ला मांचा के उस प्रतिभाशाली सज्जन का अंत कुछ इस प्रकार हुआ, जिनके गाँव का सटीक नाम सिदे हामेटे ने नहीं बताया, ताकि ला मांचा के सभी कस्बों और गाँवों को उन्हें गोद लेने और पुत्र के रूप में दावा करने के अधिकार के लिए आपस में लड़ने के लिए छोड़ दिया जाए, ठीक वैसे ही जैसे ग्रीस के सात शहरों ने होमर के लिए संघर्ष किया था। सांचो, उसकी भतीजी और गृहणी के विलाप यहाँ छोड़ दिए गए हैं, साथ ही उसकी कब्र पर लिखे गए नए शिलालेख भी; हालाँकि, सैमसन कैरास्को ने निम्नलिखित पंक्तियाँ जोड़ीं:
{श्लोक
यहां एक वीर पुरुष का शव पड़ा है;
जीवन भर एक अजनबी से डरना;
और न ही उसकी मृत्यु में मृत्यु विजयी हो सकी।
उस आखिरी घंटे में, उसे भयभीत करने के लिए।
उसे दुनिया की जरा भी परवाह नहीं थी;
और उसके कारनामों से दुनिया भयभीत हो गई;

एक पागल आदमी ने अपना जीवन व्यतीत किया।
लेकिन अंततः होश में रहते हुए उनकी मृत्यु हो गई।
{श्लोक
और परम बुद्धिमान सिदे हामेट ने अपनी कलम से कहा, "हे मेरी कलम, इस पीतल के तार से इस शेल्फ पर लटकी रहो, चाहे यह कुशल कारीगरी की हो या भद्दी नक्काशी की, मुझे नहीं पता; तुम युगों-युगों तक यहीं रहोगी, जब तक कि अभिमानी या द्वेषी कहानीकार तुम्हें अपवित्र करने के लिए नीचे न उतार दें। परन्तु इससे पहले कि वे तुम्हें छुएं, उन्हें चेतावनी दो, और यथासंभव उनसे कहो: {श्लोक
रुको! हे कायरों; अपने हाथ थामे रहो!
यह किसी को भी रोमांच का अनुभव करने नहीं देता।
हे महाराज, इस अभियान के लिए,
यह सिर्फ मेरे लिए था।
{श्लोक
डॉन क्विक्सोट का जन्म केवल मेरे लिए हुआ था, और मैं उसके लिए; अभिनय करना उसका काम था, लिखना मेरा; हम दोनों मिलकर एक ही हैं, उस तथाकथित टोरडेसिलेस्क लेखक के बावजूद, जिसने अपने बड़े, खुरदुरे, बेढंगे शुतुरमुर्ग के पंख से मेरे वीर योद्धा की उपलब्धियों को लिखने का साहस किया है या करेगा;—उसके कंधों पर कोई बोझ नहीं, न ही उसकी जमी हुई बुद्धि के लिए कोई विषय: यदि तुम कभी उससे मिलो, तो उसे चेतावनी देना कि डॉन क्विक्सोट की थकी हुई, सड़ती हुई हड्डियों को वहीं आराम करने दे जहाँ वे पड़ी हैं, और मृत्यु के सभी विशेषाधिकारों के विरुद्ध, उसे पुराने कैस्टिले ले जाने का प्रयास न करे, उसे उस कब्र से न उठाए जहाँ वास्तव में वह पूरी तरह से लेटा हुआ है, किसी तीसरे अभियान या नए हमले के लिए शक्तिहीन है; उनकी जो दो रचनाएँ पहले ही बन चुकी हैं, वे इस देश और विदेशों में सभी लोगों के लिए अत्यंत आनंददायक और प्रशंसनीय हैं, और वे सभी वीर योद्धाओं की रचनाओं को उपहास का पात्र बनाने के लिए पर्याप्त हैं; ऐसा करके तुम अपने ईसाई कर्तव्य का निर्वाह करोगे, और अपने से द्वेष रखने वाले को उचित सलाह दोगे। और मैं संतुष्ट और गौरवान्वित रहूँगा कि मैं पहला व्यक्ति हूँ जिसने उनकी रचनाओं का भरपूर आनंद लिया है; क्योंकि मेरी इच्छा तो यही रही है कि वीरता की पुस्तकों की झूठी और मूर्खतापूर्ण कहानियों को मानव जाति

□□ □□□□ □□ □□□□□ □□□ □□□, □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□, □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□

*****□□□□□□□*****

sjeet

www.feedbooks.com
मन के लिए भोजन